# translationWords

## संस्करण 8.3

[ur-deva]

# कॉपीराइट और लाइसेंसिंग

**translationWords**
**तारीख:** 2018-09-05
**संस्करण:** 8.3
**द्वारा प्रकाशित:** BCS

**Translation Academy**
**तारीख:** 2021-08-05
**संस्करण:** 10.1
**द्वारा प्रकाशित:** BCS

# License

## Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International (CC BY-SA 4.0)

This is a human-readable summary of (and not a substitute for) the license.

### You are free to:

- **Share** — copy and redistribute the material in any medium or format
- **Adapt** — remix, transform, and build upon the material

for any purpose, even commercially.

The licensor cannot revoke these freedoms as long as you follow the license terms.

### Under the following conditions:

- **Attribution** — You must attribute the work as follows: "Original work available at https://door43.org/." Attribution statements in derivative works should not in any way suggest that we endorse you or your use of this work.
- **ShareAlike** — If you remix, transform, or build upon the material, you must distribute your contributions under the same license as the original.

**No additional restrictions** — You may not apply legal terms or technological measures that legally restrict others from doing anything the license permits.

### Notices:

You do not have to comply with the license for elements of the material in the public domain or where your use is permitted by an applicable exception or limitation.

No warranties are given. The license may not give you all of the permissions necessary for your intended use. For example, other rights such as publicity, privacy, or moral rights may limit how you use the material.

# विषयसूची


**translationWords** 23
Key Terms 23
'इबादतख़ाना 24
'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा 25
, क़ुर्बानगाहें, क़ुर्बानगाह 27
अच्छा, भलाई 28
अच्छी ख़बर, ख़ुशख़बरी 30
अदब, अदब करता, अदब किया, ख़ुदी 31
अबदियत, हमेशा के लिए, हमेशा की ज़िन्दगी 32
अलग करना 34
अफ़सोस 35
अफ़ोद 36
आखरी दिन, आख़िरी दिनों, बा’द के दिनों 37
आमीन, सच में 38
आसमान, बादल, बादलों, आसमानी 39
आज़माइश करने, आज़माइश 41
आज़माना, जाँचना, इम्तेहान 42
इख़्तियार, हाकिमों 43
इन्साफ़ ,ना इन्साफ़ी ,ना इन्साफ़ी से भरा ,इंसाफ़ पसनद ,फ़ैसला, 44
इब्न-ए-आदम , इब्न-ए-आदम , 46
इब्रानी, इब्रानियों 47
इल्ज़ाम लगाना ,मुजरिम, बुराई ,सज़ा का हुक्म 48
इस्राईल, इस्राईली 49
इख़्तियार 50
ईमान 51
ईमानदार, इमानदारी, बे-ईमान, बे-ईमानी 52
उम्मीद, उम्मीद की, उम्मीदें 54
ऐ’तिमाद, भरोसा, , भरोसेमंद, भरोसे के लायक़ ,भरोसे वाला 55
कलीसिया, कलीसियाओं, कलीसिया 56
काम, अमल , काम , आमाल 58
काहिन , काहिनो , काहिन ‘ओहदा 59
कुफ़्र, कुफ़्र, ना हक़, किया कुफ़्र करना, कुफ़्र 61
कोने का पत्थर, ख़ास पत्थर 62
कफ़्फ़ारह 63
कफ़्फ़ारा, तौबा करना, तौबा किया जाए, तौबा किया 64
कफ़्फ़ारे का ढकना 65
ख़तना करना, ख़तना किया, ख़तना 66
खोजे, खोजों 68
गन्धरस 69
गवाही, गवाही देना 70
गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना 72
गोश्त 74
चुनना, मुक़र्रर करना, मुक़र्रर किया 75
चौथाई देश के राजा 76
छुटकारे के लिये, छुड़ा लिया 77
छुड़ा ले, छुटकारा, छुटकारा, छुटकारा दिलानेवाला 78
छोड़ना, छोड़ देता, छोड़ दिया, छोड़ा 79
जलन, हसद 80
जलाल,जलाल से मा’मूर, ता’रीफ़, ता'रीफ़ करता है 81

जहन्नुम, आग की झील 83
जहान का यहोवा, रब्बुल-आलमीन , आसमान का मेज़बान , आसमानों को मेज़बान , ... 84
जहाज़ 85
जान , रूह 86
जाहो जलाल 87
जिस्म, जिस्मों 88
जिज़्या , जिज़्यों 89
जी उठना 90
जुर्म , मुजरिम 91
जोश , जल्दबाज़ी 92
ज्यों का त्यों करना, मज़बूत करना, दुबारा ता’मीर, दुबारा बनाना 93
डर, डरता, डरा हुआ 94
तजावुज़ करना, ख़िलाफ़ वर्ज़ी, जुर्म 95
तमसील ,तमसीलों 96
तरस, रहम दिल 97
तौबा करके , तौबा, फिराया, तौबा 98
दाहिना हाथ 99
दिल, दिलों 100
दु'आ किया, मदाख़लत की, शफ़ा'अत 101
दुआ’ कर, दुआ’, दुआ’वों , दुआ’की 102
दुनिया , दुनियावी 103
दुबारा पैदा होना, ख़ुदावन्द में पैदाइश, नई पैदाईश 104
दोस्ती 105
नग़मा नग़मा 106
नज़ीर, नज़ीरों, नज़ीर की क़सम 107
नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय 108
नाम, नामों, नाम पर 110
निशान, निशानियाँ,सुबूत, याद दिलाना 111
नोहा, नोहे, नोहा 112
नफ़रत, ला’नत, ला’नती 113
पत्थर, पत्थरों, पत्थराव 114
पहले से ठहराना, पहले से ठहराया 115
पहिलौठे का इख्तियार 116
पाक करना, पाक ठहरेगा, तहज़ीब 117
पाक रूह से भर गए 118
पाक रूह, ख़ुदा की रूह, ख़ुदावन्द की रूह, रूह 119
पाक, पाकीज़गी 121
पाकी, पाक करना, पाकीज़गी 123
पिन्तेकुस्त, हफ़्तों की ‘ईद 124
पूरा कर, पूरा हुआ 125
पैरवी, पैरवी करता, पैरवी के लायक़, तरफ़दारी 126
फ़रीसी, फ़रीसियों 127
फ़सह 128
बचाना, बचाता है, नजात, हिफ़ाज़त 129
बचे हुए 131
बच्चे ,बच्चा 132
बढाना, बुलन्द किया, ज़्यादा से ज़्यादा, ता'ज़ीम 133
बदरूह, बुरी रूह, नापाक रूह 134
बदरूहों से मुब्तिला 135
बपतिस्मा देना, बपतिस्मा लिया, बपतिस्मा 136
बरकत, मुबारक, बरकत देना 138
बर्रा, ख़ुदा का बर्रा 140

बांधना, बन्धन, बाँधा 142
बारहों, ग्यारहों 143
बुराई, बदकार, बदकारी 144
बुलाना ,पुकारा ,पुकारना ,कहलाता 146
बे क़ुसूर 148
बे-ईमान, धोखा 149
बेटे, बेटों 150
बेवक़ूफ़, बेवक़ूफ़ लोग, बेवक़ूफ़ी, हिमाक़त 152
बेक़ुसूर 153
बेख़मीरी रोटी 154
बड़ी क़ुदरत 155
भाई, भाइयों 156
मन्नत, मन्नतें, क़सम खाई 157
मन्ना 158
मसह करना, मसह किया हुआ , मसह 159
मसीह ,मसीहा 160
मसीह का मुख़ालिफ़, मसीह के मुख़ालिफ़ 162
मसीह में, 'ईसा में, ख़ुदा में, उसमें 163
मसीही 164
महबूब 165
मान लेना, मानकर, क़ुबूल करना , इक़रार करना 166
मीरास होना, वरासत, हिस्सा, वारिस 167
मुंसिफ़, इन्साफ़ करता, इन्साफ़, फ़ैसला 169
मुनाफ़िक़, मुनाफ़िक़ों, मुनाफ़िक़त 170
मुन्जी , बचाने वाला 171
मुन्तख़ब हुआ, मुन्तख़ब हुए, इन्तख़ाब करना, मुन्तख़ब लोग, मुन्तख़ब हुआ, ... 172
मुहब्बत, मुहब्बत करता है, अज़ीज़, मुहब्बत की 173
मुहर्रिर , मुहर्रिरों 175
मुक़द्दस 176
मुक़द्दस , पाक लोग 177
मुक़द्दस जगह 178
मु'आफ़ करना, मु'आफ़ करता, मु'आफ़ किया, मु'आफ़ी, मु'आफ़ करना, मु'आफ़ किया 179
मेल करना, मेल-मिलाप, मेल मिलाप कर लिया, मिलाप 181
मो'जिज़ा, मो'जिज़ों, अजीब, हैरतके कामों, निशान, निशानों 182
यहूदी, यहूदियों का, यहूदियों 184
यहोवा 185
याहूदियों का बादशाह, यहूदियों का बादशाह 187
यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , ... 188
रखवाला, रखवाले 190
रब्बी 191
रसूल, रसूलों, रिसालत 192
रहम, रहमदिल 193
रास्तबाज़, रास्तबाज़ी 195
रूह , रूहें , रूहानी 197
लायक़, क़ीमती, नालायक़ , निकम्मा 199
ला'नत , ला'नती , ला'नत दे, कोसता है 200
लेपालक, गोद लेना, अपनाना 201
वा'दा की सच्चाई,वा'दा की वफ़ादारी ,महरबानी 202
वा'दा,वा'दे ,वा'दा किया 203
वा'दे का मुल्क 204
शरी'अत, मूसा की शरी'अत, ख़ुदा की शरी'अत, यहोवा की शरी'अत 205
शागिर्द, शागिर्दों 207

शैतान, शैतान, बुरा 209
सच्चा, सच्चाई, हक़ीक़त 211
सदूक़ी, सदूक़ियों 213
सबत 214
सरदार काहिन 215
सलीब 216
सलीब पर चढ़ा, सलीब पर चढ़ाया 217
साफ़ , पाक करना , सफ़ाई 218
साफ़,साफ़ सुथरा,साफ़ किया ,साफ़ करना ,साफ़ होना ,धुलना ,धुलाई ,धोया ,गन्दा 219
सिय्यून की बेटी 221
सिय्योन, सिय्योन पहाड़ 222
सूबेदार ,सूबेदारों 223
हरामकारी ,हरामकार बदकार, हराम्कारियाँ ,हराम्कारियों ,हरामकारनी 224
हलाक हो, हलाक हुए, हलाक हो रहे, हलाकत 225
हलीम, हलीम, हलीम बनाया, हलीमी 226
हुक्म,हुक्मों ,हुक्म दिया,हुक्म,ख़ुदा का हुक्म 227
हैकल 228
हौसला, हौसलाअफ्ज़ाई 229
क़ुव्वत , ताक़तें 230
क़ुसूर, क़ुसूरों, धोका किया 232
ख़ादिम, ख़ादिमों 233
ख़िदमत करना, ख़िदमत 234
ख़ुदा का कलाम,ख़ुदा के कलामों ,यहोवा का कलाम ,ख़ुदावन्द का कलाम ,पाक ... 235
ख़ुदा की बादशाही, आसमान की बादशाही 237
ख़ुदा की मर्ज़ी 239
ख़ुदा की क़ौम , मेरे लोग 240
ख़ुदा के घर, यहोवा के घर 241
ख़ुदा के बेटे 242
ख़ुदा, झूठे ख़ुदा, बहुत से ख़ुदा, देवी, बुत, बुतों, बुतपरस्त, ... 243
ख़ुदा, ख़ुदाई, बुरा, ख़ुदा की राह , ना क़ाबिल-ए-एतमाद , ख़ुदा परस्ती 245
ख़ुदाई 246
ख़ुदावन्द 247
ख़ुदावन्द का दिन, यहोवा का दिन 249
ख़ुदावन्द का बेटा, बेटा 250
ख़ुदावन्द की दा’वत 252
ख़ुदावन्द की शक्ल, सूरत 253
ख़ुदावन्द बाप , आसमानी बाप , बाप 254
ख़ुदावन्द यहोवा, यहोवा ख़ुदा 256
ख़ुदावन्द, ख़ुदावन्दओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय 257
ख़ुशख़बरी देने वाला, ख़ुशख़बरी सुनानेवाले 259
ख़ून 260
ख़ेमा 261
ग़लती , बदकारी 262
ग़ैर क़ौम, ग़ैर क़ौमों 263
ग़ज़ब, ग़ुस्सा 264
ज़मीर,’अक़्ल 265
ज़ाहिर करना, ज़ाहिर करना, ज़ाहिर किया, मुकाशिफ़ा 266
ज़िन्दगी, ज़िन्दा रहना, रहा, ज़िन्दगी,जानदार, ज़िन्दा 267
फ़ख़्र, फ़ख़्र करना, फ़ख़्र से भरा 269
फ़रिश्ता, फ़रिशतों,ख़ास ,फ़रिश्ते 270
फ़ैसले का दिन 272
फ़ज़ल, फ़ज़ल करने वाला 273

‘अहद का सन्दूक़, यहोवा का सन्दूक़ 274
‘अज़ीम ख़ुदावन्द 275
‘आलम-ए-अर्वाह, अथाह गड्ढा 276
‘इबादत 277
‘इज़्ज़त, ‘इज़्ज़त करता, 278
’अहद , ‘अहदों,नया ‘अहद 279
’अक़्लमंद ,‘अक़्ल 281
Names 282
'अजरियाह 283
'अदन, अदन का बाग़ 284
'अरब, 'अरबी, 'अरबियों 285
'अक़रून, 'अक़रूनी 286
'इलि 'आज़र 287
'एनजदी 288
'ऐलाम,'ऐलामी लोग 289
'ऐसौ 290
अई # 291
अखसूयरस 292
अतलियाह 293
अदूनियाह 294
अदोम, अदोमी , अदोमियों, 'इदूमिया 295
अन्ताकिया 296
अन्द्रियास 297
अप्पुल्लोस 298
अबनेर 299
अबिमलिक 300
अबियातर 301
अबियाम 302
अबीसलोम 303
अमसियाह 304
अमालीक, अमलीकी, अमालीकियों 305
अमूरा 306
अमूरी, अमूरीयों 307
अम्नोन 308
अम्मोन, अम्मोनी, अम्मोनियों 309
अय्यूब 310
अराम, अरामी, अरामियों, अरामी ज़बान 311
अरारात 312
अर्तख़शश्ता 313
अश्कलोन 314
अश्दूद, अज़ोतस 315
असूर, असूरी, असूरियों, असूर मुल्क 316
अहाब 317
अक़विला 318
अख़ियाह 319
अख़ज़ियाह 320
आदम 321
आमोस 322
आशर 323
आशर, आशर के लिए आशर, आशर नाम के मूर्तियों, अश्तोरेत 324
आसा 325

आसिया 326
आस्तर 327
आसफ़ 328
आख़ज़ 329
इकुनियुम 330
इब्राहीम, अब्राम 331
इलीशा 332
इलीशिबा' 333
इल्याक़ीम 334
इशकार 335
इस्माईल, इस्माईल, इस्माईल 336
इस्राईल की बादशाही 337
इस्राईल, इस्राईली, इस्राईलियों, या'क़ूब 338
इस्हाक़ 339
इफ़रात, इफ़रात, इफ्राती, इफ्राती 340
इफ़िसुस, इफ़िसुस के बाशिंदे, इफ़िस्स्यों 341
इफ़्ताह 342
इफ़्राईम , इफ़्राईमी, इफ्राईमियों 343
ईजेबेल 344
उज़्ज़ियाह , अजरियाह 345
ऊर 346
एलिय्याह 347
ओम्री 348
औरय्याह 349
कना’न, कना’नी ,कना’नियों 350
करेतियों 351
करेते , करेते के बाशिन्दे ,करेते के बाशिन्दों 352
कर्मिल ,कर्मिल पहाड़ 353
कसदी ,कसदी,कसदियों 354
क़ाना 355
क़ैसर 356
काइफ़ा 357
कालिब 358
किलिकिया 359
कुरनेलियुस 360
कुरिन्थुस, कुरिन्थुस के लोग 361
कुरेनी 362
कुलुस्से, कुलुस्सियों 363
कूश 364
कूश, कूशी 365
कोरह, कोरे, कोरह के रहने वाले लोग 366
कफ़रनहूम 367
ख़ोरस 368
खारा तालाब, मुर्दा समन्दर 369
गत, गत के रहने वाले , गती 370
गतसिमनी 371
गलतिया, गलतियों 372
गलील, गलीली, गलीलियों 373
गाद 374
गुलगता 375
गोलियत 376
जरुब्बाबुल 377

जशन 378
जसूर , जसूरियों 379
ज़क्काई 380
जिब'आ 381
जिब'ऊन 382
जिब्राईल 383
जिब’ऊन , जिब’ऊनी , जिब’ऊनियों 384
जिरार 385
जिर्जाशियों 386
जिलजाल 387
जिल’आद , जिल’आदी , जिल’आदियों 388
तमर 389
तरसीस 390
तरसुस 391
तारह 392
तिरज़ाह 393
तीतुस 394
तीमुथियुस 395
तुखिकुस 396
तूबल 397
तोमा 398
त्रोआस 399
थिस्सलुनीके, थिस्सलुनीकियों, थिस्सलुनीकियों 400
दख्खिनी मुल्क 401
दमिश्क़ 402
दरया-ए-फुरात, दरिया 403
दलीला 404
दाऊद 405
दाऊद का शहर 406
दाऊद के ख़ानदान 407
दान 408
दानिएल 409
दारा 410
नबूकदनज़र 411
नहमियाह 412
नहूम 413
नहूर 414
नातन 415
नासरत, नासरियों 416
ना’मान 417
नीनवे, नीनवे के लोगों 418
नील नदी, मिस्र की नदी, नील नदी 419
नूह 420
नड़ समन्दर, लाल समुद्र 421
नफ़्ताली 422
पतरस, शमा’ऊन पतरस, क़ैफा 423
पिलातुस 424
पुन्तुस 425
पौलुस, शाऊल 426
प्रिस्किल्ला 427
फ़ारस, फ़ारसियों 428
फ़िर’औन, मिस्र का बादशाह 429

फ़िलिप्पी, फ़िलिप्पियों 430
फ़िलिप्पुस, ख़ुशख़बरी देने वाला 431
फ़ीनीके 432
बतशबा' 433
बतूएल 434
बनाने वाला 435
बरअब्बा 436
बरतुलमाई 437
बरनबास 438
बरूक 439
बल'आम 440
बशन 441
बा'शा 442
बाबुल 443
बाबुल, बाबुल, बाबुल, बाबुल 444
बालजबूल 445
बा’ल 446
बिनायाह 447
बिन्यामीन, बिन्यामीनी, बिन्यामीनियों 448
बिरीया 449
बैत-एल 450
बैतनिय्याह 451
बैतलहम, इपफ़्रात 452
बैतशम्श 453
बैरसबा' 454
बो'आज़ 455
मकिदुनिया 456
मत्ती, लावी 457
मनस्सी 458
मरयम 459
मरियम (मार्था की बहन) 460
मरियम मगदलीनी 461
मरियम, 'ईसा की माँ 462
मर्दकै 463
मलाकी 464
मसक 465
मसोपतामिया,अरम्नहरैम 466
मा'का 467
मादियों, मादी 468
मार्था 469
मालिक-ए-सिदक़ 470
मिदियान, मिदियानी, मिदियानियों 471
मिस्र, मिस्री, मिस्रियों 472
मिस्फ़ाह 473
मीकाएल 474
मीकाह 475
मीसाएल 476
मूसा 477
मैदान 478
मोआब, मोआबी, मोआबिन 479
मोलक, मोलक 480
मोफ़ 481

यबूस, यबूसी, यबूसियों 482
यरदन नदी, यरदन 483
यरमियाह 484
यरीहू 485
यरूशलीम 486
यशू'अ 487
यसा'याह 488
यस्सी 489
यहुयक़ीम 490
यहूदा 491
यहूदा इस्करियोती 492
यहूदाह, यहूदाह की बादशाही 493
यहूदिया 494
यहूयक़ीम 495
यहूराम, यूराम 496
यहूसफ़त 497
यहोयदा' 498
या'क़ूब (ज़ब्दी का बेटा) 499
या'क़ूब (‘ईसा का भाई) 500
या'क़ूब का बेटा यहूदा 501
या'क़ूब(हलफ़ई का बेटा ) 502
याहू 503
याफ़त 504
याफ़ा 505
यित्रो, र'ऊएल 506
युरब'आम 507
यूआब 508
यूआस 509
यूएल 510
यूताम 511
यूनातन 512
यूनान, यूनानी 513
यूनानी, यूनानी 514
यूनाह 515
यूराम 516
यूसियाह 517
यूसुफ़ (नया ‘अहद नामा) 518
यूसुफ़ (पुराना ‘अहद नामा) 519
यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला) 520
यूहन्ना (रसूल) 521
यूहन्ना मरकुस 522
यज़र'एल, यज़र'एली 523
रब्बा 524
रहूबियाम 525
रामाह 526
रामोत 527
राहब 528
राख़िल 529
रिब्क़ा 530
रिम्मोन 531
रूत 532
रूबिन 533

रोम, रोमी 534
लमक 535
लाबन 536
लावी, लावी, लावियों, लावी 537
लाज़र 538
लियाह 539
लिवयातान 540
लुबनान 541
लुस्त्रा 542
लूत 543
लूक़ा 544
वश्ती 545
शमा'ऊन 546
शमा'ऊन जेलोतेस 547
शमूएल 548
शाऊल (पुराना ‘अहद नामा ) 549
शारोन, शारोन का मैदान 550
शीबा 551
शेकेम 552
शेत 553
शेम 554
सदूम 555
सदोक़ 556
सन्हेरीब 557
समन्दर, बड़ा समन्दर, पश्चिम के समन्दर, भूमध्य समन्दर 558
समसून 559
साइप्रस 560
सामरिया, सामरी 561
सारा, सारय 562
सिदक़ियाह 563
सिन'आर 564
सिन’आर 565
सिम'ई 566
सीनै, सीनै पहाड़ 567
सीरिया 568
सीलास, सिल्वानुस 569
सुलैमान 570
सुक़्क़ात 571
सूर, सूर के लोग 572
सैदा, सैदानियों 573
सैला 574
स्तिफ़नुस 575
सफ़नियाह 576
हज्जै 577
हननियाह 578
हनूक 579
हन्ना 580
हब्रून 581
हबक़्क़ूक़ 582
हमोर # 583
हर्मोन पहाड़ 584
हव्वा 585

हाजिरा 586
हाबिल 587
हाम 588
हामात, हमाती, लीबो हामात 589
हारान 590
हारून 591
हित्ती, हित्तियों 592
हिलक़ियाह 593
हिव्वी, हिव्वियों 594
हिज़क़ियाह 595
हिज़क़ीएल 596
हेरोदियास 597
हेरोदेस अन्तिपास 598
हेरोदेस बड़ा 599
होरिब 600
होशे’अ 601
क़ाइन 602
क़ादिस 603
क़ादिस, क़ादिस-बरनी, मरीबूत क़ादिस 604
क़िद्रोन की वादी 605
क़ीदार 606
क़ैसरिया,क़ैसरिया फ़िलिप्पी 607
ख़ुदा के लोग 608
ग़लील समन्दर, किन्नेरेत की समन्दर, गन्नेसरत की झील, तिबिरियुस की झील 609
ग़ाज़ा 610
ज़करियाह (नया’अहद नामा ) 611
ज़करियाह(पुराना’अहद नामा ) 612
ज़बदी 613
ज़बूलून 614
ज़ैतून के पहाड़ 615
फ़ग़ूर, फ़ग़ूरपहाड़ , बा’ल फ़ग़ूर 616
फ़द्दानअराम 617
फ़ारान 618
फ़िरिज़्ज़ी 619
फ़िलिप्पुस ,रसूल 620
फ़िलिस्तियों 621
फ़िलिस्तीन 622
फ़ीनहास 623
फ़ोतीफ़र 624
‘अबदियाह 625
‘अज़्रा 626

Other 627
'उक़ाब, 'उक़ाबों 628
'ऐब, 'ऐबों, बे'ऐब 629
, भेड़-बकरियाँ, झुण्ड, काफ़िला, झुण्ड, गाय-बैलों 630
, क़ैदख़ाना, क़ैदी, क़ैदख़ाना, क़ैद में, क़ैद में, क़ैदी बनाना, क़ैदी बनना, ... 631
अँगूर का रस ,अँगूर का रस 632
अँगूर, अँगूर, अँगूर की बेल 633
अंजीर, अंजीरों 634
अक़्लमन्द, अक़्लमन्दी, अक़्लमन्दी से 635
अधिकार में लेना, मोल लिया, कब्ज़ा था, अधिकार में रखना, अधिकार, ... 636
अनाज की क़ुर्बानी , सुलह की क़ुर्बानी 637

अनाज क़ुर्बानी, अनाज क़ुर्बानियों 638
अनाज, अनाज , खेत 639
अनार, अनारों 640
अमसाल,अमसाल 641
अर्ग़वानी 642
अलग करना, ख़ारिज, ख़ारिज, बेमिशाल 643
अलग किया, अलग करे, काटकर 644
अलहदा, अलहदगी, दूरियाँ 645
असलहा, असलहों का घर 646
अहतराम, अहतराम माना, अहतराम मानकर, अहतरामों, बा’इज़्ज़त 647
अक़्लमंदों 648
अज़ाब 649
आ पड़े, पड़ जाना, आ पकड़ा, पकड़ लिया 650
आग, आग, लुकटियों, करछों, चिमनियों, भट्ठा, अंगीठियाँ 651
आराम करना, आराम, आराम किया, आराम, बे-आराम 652
आलूदा, अलूदा करता, अलूदा हुआ, अलूदा हो जाना, अलूदा हैं, अलूदा था, ... 653
आवाज़ , आवाजें 654
आशिक़, आशिक़ों 655
आज़माइश में रहेगा, सब्र करेगा, बर्दाश्त करना, मुस्तहकम रहता है, सब्र 656
आज़माइश, मुसीबत 657
आज़ाद, आज़ाद है, आज़ाद हो गया, आज़ाद होना, आज़ादी, आज़ादी से, आज़ाद आदमी, ... 658
इल्ज़ाम लगाना, इल्ज़ाम लगाता है, इल्ज़ाम, इल्ज़ाम लगा रहे है,क़ुसूर लगाने ... 659
इस्राईल के बारह क़बीले, इस्राईली बच्चों के बारह क़बीले, बारह क़बीले 660
उठा लिया ,जा लिया ,दौड़ गया 661
उस्ताद, उस्तादों , ता’लीम देने वाला 662
ऊँचे मक़ाम पर, आसमान में 663
ऊँचे मक़ाम, ऊँचे मक़ामों 664
ऊँट ,ऊंटों 665
ओला, ओले, ओले, ओले गिरना 666
कटीले, झड़बेरी, झाड़ियों, काँटों, झाड़ी, ऊँटकटारे 667
कम तरफ़दारी, तरफ़दारी करना,तरफ़दारी 668
कमर 669
कमान और तीर, कमान और तीर 670
कराहते, रोना, कराहना 671
करूब,करूबी,करूबियों 672
कलाम, लफ़्ज़ 673
कांपना, काँप उठना, काँपकर, थरथराते हुए 674
कानाफूसी, गपशप, कानाफूसी करनेवाला 675
कामयाब होना, , कामयाबी , इक़बाल मंदी , कामयाब 676
कामिल,कामिलयत ,कामिल करने वाला 677
काल, क़हत 678
की तरह, एक दिल, जैसा करना, बराबरी, मिसाल, वैसे ही, बराबर, से अलग 679
कुँवारी, कुवारियों, कुँवारीपन 680
कुर्ता, कमीज़ 681
कुल्हाड़ा, कुल्हाड़े 682
के साथ रिश्ते थे, प्यार में मस्त होना, साथ सोना, साथ सोता है, के साथ ... 683
कोढ़ी, कोढ़ियों, कोढ़, कोढ़ 684
खजूर, खजूरो 685
खराई 686
ख़मीर, ख़मीरी, ख़मीर, ख़मीर बनाना, बेख़मीरी 687
ख़ाक कर देगा, ख़ाक, ख़ाक किया, ख़ाक करती जाएगी 688
ख़िराज 689

ख़ौफ़, डराएँगे, दहशत, डर , डराएँ, घबरा गए, ख़ौफ़नाक 690
ख़्वाब, ख़्वाबो, ख़्वाबों में 691
खा जाना, खा जाता, खा गया, खाना 692
खुर, खुरों, टापों 693
खैरात 694
खड़ा करना, उठाना, उठाया, खड़ा होना, उठना, उठा, उठा था 695
गड्ढा, गड्ढे, फंदों 697
गधा, खच्चर 698
गन्धक, गन्धक 699
गहरा गड्ढ़े, अथाह गड्ढ़े 700
ग़लत, ग़लतियाँ, ग़लत करना, ग़लत तरीके से, ग़लत तरीके से, ग़लत ... 701
ग़ौर , ग़ौर करता, तवज्जोह 702
गाय, गायें, बैल, बैलों, बछड़ा, बछड़ों, जानवरों, बछिया, बैल, बैलों 703
गीबत, बदनामी, बदनाम, गीबत, कुफ़्र, बदनाम कुन 704
गुजारिश ,मिन्नत ,वकालत,बहस करना, गिड़गिड़ाना ,दरख़्वास्त करना 705
गुनाह की क़ुर्बानी , गुनाह की क़ुर्बानियाँ 706
गुमराह, गुमराह हो जाते हैं, गुमराह हो गए, गुमराह कर देना, गुमराह कर ... 707
गेहूँ 708
गोदाम , ज़ख़ीरा 709
गोबर, खाद 710
गढ़, गढ़ों, क़िला' क़िले’, क़िलों’, क़िले’ 711
घंटे, घंटा 712
घड़ी, घंटे 713
घमण्ड 714
घमण्ड, घमण्ड से, फ़ख़्र, ग़ुरूर से भरा 715
घर, घरों, छत के ऊपर, छतों, ज़खीरा, ज़खीरों, घर के निगहबान 716
घुड़सवार, घुड़सवारों 717
घोड़ा, घोड़े, जंग का घोडा, जंग के घोड़ों, सवार होकर 718
चरवाहे, चरवाहा, चरवाया , चरवाही 719
चराग़, चराग़ों 721
चराग़दान, चराग़दानों 722
चलना, चलता, चले, चलता 723
चाँदी 724
चालाक , चालाकी 725
चिट्ठी, ख़त, ख़ुतूत 726
चीता, चीतों 727
चोगा, लिबास, मुलब्बस 728
चोर, चोर, लूटने, लूटने, लूटने, डाकू, लुटेरे, डकैती, लूट 729
चौकस, ताकता, देखा, देख रहा था, चौकीदार , पहरुओं, होशियार रहो 730
चौखट 731
छेदना, बेधाता, बेधा, भेदता हुआ 732
छोटा, हलीमी, हिल्म 733
छोड़ना, छोड़ देना, छोड़ा हुआ, छोड़ना, ख़ारिज 734
छड़ी , छड़ी 735
जलावतन, जलावतनों, जलावतन किया 736
जादू, जादू टोना, जादूगर, जादूगरों 737
जादूगर, जादूगर, जादूगर, जादूगर, जादूगर, जादू टोना 738
जानदार , जानदारों 739
जानना, जानता है, जानता था, जानना, ‘इल्म, ‘इल्म होना, पता करना, पता ... 740
जानवर 741
जानवर, जानवरों 742
जायज़, जायज़, शरी’अत के तौर पर, जायज़ नहीं, ग़ैर-क़ानूनी, ग़लत 743

जाल , फंदे, फंसाना, फंसाना, फँसना, फंसाना, जाल, जालें, फंस गए 745
जूआ, जूए, जूए में 746
जूता, जूतियाँ 747
जौ 748
जज़िया ,जज़िये ,महसूल ,महसूल ,महसूल लेना ,महसूल लेने वाले ,महसूल इकठ्ठा ... 749
झाड़ना, , झाड़ा-सफ़ाई , झाड़ू 751
झिलम, झिलमें, सीनाबन्द 752
झिड़कना, घुड़कने, डांटा 753
झूठा नबी, झूठे नबियों 754
टाट 755
टिड्डी, टिड्डियाँ 756
टेढ़ी, गुमराही , बिगड़ा , बे इन्साफ़ी , उलट फेर, बिगाड़ने, ... 757
टोकरियाँ, टोकरियाँ ,टोकरीभर 758
ठोकर, ठोकर की वजह , ठोकर की वजह होना , ठोकर का पत्थर 759
ठोकर, ठोकर खाए, ठोकर खाया, ठोकर खाता 760
ढाल, ढालें, बचाया 761
ढालना, साँचा, ढालकर, बना रहा था, बनानेवाला, सड़ना 762
ढूँढ़े, ढूँढ़ते हैं, खोजना, मांगा 763
तबाह करना, तबाह करना, बर्बाद 764
तबाह होना, तबाह हुआ, तबाह करना, तबाही, तबाहियाँ 765
तरह, क़िस्में, हलीम, हलीमी 766
तरीक़ा , तरीक़े 767
तलवार, तलवारें, तलवार रखनेवाले 768
तलाक़ 769
तवारीख़ 770
तशरीह करना, बयान करना, तफ़सीर दिया, तशरीह, मतलब बताना, तशरीहात , ... 771
तसल्ली, तसल्ली, तसल्ली दी, तसल्ली देने वाला, तसल्ली देनेवाला, तसल्ली ... 772
तस्वीर, तस्वीरों , खुली तस्वीर, खोदी हुई तस्वीर, धातु की तस्वीर , ... 773
तहम्मुल , तहम्मूल से, सब्र करना , बर्दाश्त 774
ताज , ताज, ताज पहनाना, ताज रखा 775
ताबे' होना, ताबे' रहना, ताबे' हुआ, ताबे' रहना, ताबे'दार ,ताबे'दारी में 776
तारीकी 777
ताक़त, ताक़तवर करना, मज़बूत किया, मज़बूत, मज़बूत करना 778
ताक़त, ताक़तवर, बहुत ताक़तवर, ताक़त से 779
ता’मीर करना, ता’मीर की, ता’मीर करने वाला, बुनियाद, बुनियादें 780
तीरंदाज़, तीरंदाज़ों 781
तुरही, तुरहियां, तुरही फूँकनेवालों 782
तूमार , तूमारों 783
तेल 784
तख़्त, तख़्तों, तख़्त नशीन होना 785
दरख़्त , पेड़ , लगाए गए, पेड़ लगाना, बनाना , दोबारा बनाना , एक जगह से ... 786
दस हुक्म 787
दसवां, दसवें, दसवां हिस्सा, दसवें हिस्से 788
दहलीज़ , दहलीज़ों 789
दाँवना, दाँवना, दाएँ हुए, दाँवने 790
दाख़ की बारी, दाख़ की बारियों 791
दाख़लता, दाख़लताओं 792
दा’वत, दा’वतें, दा’वतनामा: 793
दिन, दिनों 794
दिमाग़, दिमाग़ों ,दिमाग़ में लेना, एहसास लेना, एहसास दिला, याद दिलाता ... 795
दिलेर, बे खौफ़ होकर, हिम्मत, हिम्मत देना 796
दु:ख 797

दुःख उठाए, मुसीबत उठाना, तकलीफ़ उठाया, परेशानी उठता, दुःख उठाता ........ 798
दुःख देने, सताया, अंधेर करना, दुःख देनेवालों ........ 799
दुःख, सताव , परेशान होना, सताना, सतानेवाले, फ़सादी ........ 800
दुल्हन, दुल्हनें, दुल्हन ........ 801
दुल्हा, दुल्हे ........ 802
देवदारों ,देवदार की लकड़ी ........ 803
दोस्ती की नज़्र, दोस्ती की नज़् ........ 804
दौड़ना, दौड़ना, दौड़ना, दौड़ना, दौड़ना ........ 805
धक्का देना, धक्का दिया, धक्का ........ 806
धोखा, धोखे, धोखा दिया, धोखा देना, धोखा देना वाला, धोखा देने वाले ........ 807
धोखा, धोखे, धोखा दिया, धोखा देना, धोखेबाज़, धोखेबाज़, धोखेबाज़ों, ... ........ 808
नजात, नजात देता है, नजात दिलाई , नजात दिलाना, नजात दिलाने वाला , ... ........ 809
नया चाँद, नये चाँद ........ 810
नरसुल, सरकंडा ........ 811
नसल ........ 812
नसल, नसलें, नसल हुई, नसल होना, नसल, नस्लें ........ 813
नापाक करना, नापाक , नापाक करना ........ 814
नापाक करना, नापाक किया, नापाक ........ 815
नाज़िन निगराँ निगरों, देरेख करने वाले , नाज़िमों , इन्तिज़ाम ........ 816
नाफ़रमानी करना, नाफ़रामानियाँ, नाफ़रमानी की, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी ........ 817
निकाला ,निकाल दिया ,बाहर निकालना ,फेंक देना ,फेंक कर ........ 818
निगरानी, निगरानी करना, निगरानी की, निगहबान, निगहबानों ........ 819
निन्दा, मज़ाक़ करता, मज़ाक़ करके, मज़ाक़, हँसी करनेवाला, मज़ाक़ करनेवालों, ... ........ 820
नींद, सो जाना, सो गए थे, सोना, सोना, “उसे नींद आ गई”, सोना, सोना, ... ........ 821
नक़दरी, नक़दरी करना, नक़दरी किया, नाक़दर ........ 822
नक़ल करना, इम्तियाज़, की तरह चाल चलने, जैसी चाल चलो ........ 823
नफ़रत, नफ़रत की , नफ़रती ........ 824
पक्का करने, पक्का करता, पक्की की, तसदीक़ देने ........ 825
पड़ोसी, पड़ोसियों, पड़ोस, आस पास के ........ 826
पण्डुकी, कबूतर ........ 827
पनाह, पनाहगुज़ीन, पनाहगुज़ीनों, पनाहगाह, पनाहगाहों, पनाह दी, पनाह देना ........ 828
परदा, घूँघटों, परदा पड़ा, निक़ाब ........ 829
परदा, परदे ........ 830
परदेशी, फूट डाली, अलग किए, पराई, परदेशी, परदेशियों ........ 831
पहनाना, पहनना, लिबास, कपडे, उतारना ........ 832
पहली फसल ........ 833
पहले से जान लिया, पहले से ‘इल्म ........ 834
पहलौठे ........ 835
पाँवों की चौकी ........ 836
पानी, पानी , पानी पिलाया, पानी देना ........ 837
पिघलना, पिघल गया, पिघलाई, पिघल जाता, ढालकर ........ 838
पिया हुआ, शराबी ........ 839
पीतल ........ 840
पीने का नज़राना ........ 841
पुकार, चिल्लाहट, पुकारकर, रोना, दोहाई, दोहाई, पुकारकर, चिल्लाहट, ... ........ 842
पूछना, जांच करना, जाँच-की , पूछ-ताछ ........ 843
पैदा करना, जच्चा की सी, दर्द-ए-ज़ेह ........ 844
पैदा करना,बनाना ,पैदा किया ,’आलम ,ख़ालिक़ ........ 845
फटकना, फटकता, फटका, फटकेगा, फटके, छानना ........ 846
फल, फलों, फलदार, बेफल ........ 847
फ़ाहेशा , रण्डी , ज़ानी , क़स्बी , छिनाल , जिना करने वाली ........ 848
फाटक, फाटकों, बेंड़ों, चौकीदार , चौकीदारों, दरवाज़े के खम्भे, दरवाज़ा ........ 849

फूल जाना, फूल जाना 850
बंजर 851

बकरा, बकरियों, बकरियों की खालें, , बच्चे 852
बख़ूर की क़ुर्बानगाह , ख़ुशबू की क़ुर्बानगाह 853
बढ़ाएगा, बढ़ाता रहता, बढ़ गए, बढ़ने लगी, बढ़ती करेगा 854
बदकार, बदकारियों, बदतरीन 855
बदला लेना, बदला लेनेवाला, बदला लिया, इन्तक़ाम लेने, बदला लेनेवाला, ... 856
बदला, बदले, बदला देना, बदला दिया, बदला देने बाला 857
बबूल 858
बरस, साल , उम्र 859
बर्बाद , हलाक , हलाक हो गया, हलाक कर, उजाड़, वीरानों 860
बर्बाद, बर्बाद करता, बर्बाद किया, बर्बाद करनेवाला, बर्बाद करने वाले, ... 861
बर्फ़, बर्फ़ पड़ा, बर्फ़ गिरने के वक़्त 862
बलूत का पेड़, बलूत के पेड़ 863
बहन, बहनों 864
बाँधे, बांधा हुआ 865
बाँसुरी, बाँसुरी, बाँसुरी, सीटी बजाने का सामान 866
बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत 867
बादशाही करना, बादशाही करता है, बादशाही करता, बादशाही कर रहा है 868
बादशाही लाठी, बादशाही लाठी 869
बादशाही, बादशाहियाँ 870
बाशिन्दा, बाशिन्दे, शहरियत 872
बाग़ी गवाह, झूठी जानकारी, झूठी गवाही, झूठे गवाह , झूठे गवाहों 873
बाढ़, बाढ़ें, जल में डूब गया, बाढ़ आना, बाढ़ का पानी 874
बिखरा, बिखराव 875
बिगड़कर, हलाक होती है, बिगड़ गए, बेकार , सड़ाहट, बिगड़ गए 876
बीज, नुत्फ़ा 877
बीनने, बीनता, बीना हुआ, इकट्ठा करना 878
बीमारी 879
बुझाना, बुझेगी, नहीं बुझती 880
बुराई, बे'इज़्ज़ती, बुराई, बुराई, बदनामी 881
बुज़ुर्ग ख़ानदान , बुज़ुर्ग ख़ानदानों 882
बुज़ुर्ग, बुज़ुर्गों, बाप, बापों, बाप बना, निगरानी करना, बुज़ुर्ग, ... 883
बुज़ूर्ग, बुज़ूर्गों 884
बेकार, पाजी 885
बेश क़ीमत 886
बेक़ुसूर , बे क़ुसूर ठहराना, आज़ाद हो जाना , 887
बे'इज़्ज़त, बे'इज़्ज़त, शर्म, शर्मनाक , शर्मिंदगी से, बे शर्म, बे शर्मी ... 888
बे'इज़्ज़ती, बे'इज़्ज़त करता, बे'इज़्ज़त किया, शर्मनाक 889
बोझ, बोझ, बोझ से दबे, भारी 890
बोसा, बोसे, बोसा दिया, बोसा देना 891
बग़ावत , बग़ावत, बग़ावत की, बग़ावत करना, बग़ावत, बाग़ी, बग़ावत 892
बड़ा , जिन्नात 893
भट्ठा 894
भरोसा, भरोसा करना, यक़ीन के साथ 895
भाला, भाले, भाला करनेवाला सिपाही 896
भालू, बहुत भालू 897
भूसी 898
भेजना, भेजा जाता, भेजा गया, भेजा जाना, बाहर भेजना, बाहर भेजना, बाहर ... 899
भेड़, भेड़ें, मेंढ़ा, मेंढ़ा, भेड़, भेड़शाला, भेड़ रहने की जगह , ... 900
भेड़िया, भेड़िए, जंगली कुत्ते 901
भड़काना, भड़काना, भड़काना, भड़काना, भड़काना 902

मछली पकड़ने वाला, पकड़नेवाले 903
मजमा', मजलिसों, इकट्ठा करना, इकट्ठा किया 904
मय के हौज़ 905
मय, दाखरस, मशक़, मशक़ो, नई दाखरस 906
मरदुम शुमारी 907
मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें 908
मरी, बलाएँ 910
मलिका, रानियाँ 911
मशहूर, मशहूर हुआ 912
मसला 913
महल, महलों 914
महीना, महीनों, महीने के 915
मातम करना, मातम कर रहा है, शोक करने लगे, मातम करता हुआ, मातम ... 916
मानना, मान लेता है, मानकर, मान लेता, मान लिया 917
मिटा दे, मिटा देता, मिटाया जाता, मिटा डाले, मिटा, मिट गए 918
मिट्टी देना, दबा देता है, गाड़े गए, मिट्टी दे, मिट्टी देना 919
मिन्नत, गुज़ारिश की, मिन्नत करना, भिखारी 920
मीनार , पहरे की मिनारों, गुम्मद 921
मुँह, मुँह, के सामने, के सामने, चेहरे, मुँह के बल गिरे 922
मुंसिफ़, मुंसिफ़ो 923
मुंसिफ़, फ़ैसला 924
मुखालिफ़ ,बाग़ियों ,अदावती,दुश्मनों 925
मुसीबत ज़दा परेशानी देना, मज़लूम, मारेगा, मुसीबत,परेशानी 926
मुहर, मुहर, मुहर लगाना, खुली 927
मुहासिरा , मुहासिरा लकरना, मुहासिरा किया, मुहासिरा करनेवाला, घेर ... 928
मुक़द्दस शहर, मुक़द्दस शहरों 929
मुक़र्रर करना, बांटा, ठहराए, हिस्सा, हिस्सों, फिर दे देना 930
मुक़र्रर, मुक़र्रर किया, तक़दीर, मुक़द्दर 931
मुक़र्रर, मुक़र्ररा, 'आम, मुक़र्रर 932
मुड़ना, मुड़ता, लौटना, पीछे मुड़ता है, वापस मुड़ता है, वापस मुड़ना, ... 933
मेहनत, मेहनत करे, मेहनत की, मज़दूर, मज़दूरों 935
मो'जिज़ा ,हैरान, हैरान कुन, हैरत, हैरत ज़दः,हैरत अंगेज़ , त'अज्जुब ,अजीब ... 936
मग़रूर, गुरूर करके, गुरूर 937
मज़मून , मौज़ू', , ताबे', मुस्तहकम , मौज़ू' के ताबे', मज़ामीन, ताबे', ... 938
यहूदियों, यहूदी 939
यहूदी मज़हब, यहूदियों 940
याद दिलानेवाले, हदिया याद के लिये 941
रथ, रथों ,रथियों 942
रहन, वा'दा करना , 'अहद 943
राख, राख, धूल 944
राज़, भेदों, भेद, पोशीदा 945
रिवायत , रिवायतें 946
रिश्तेदार, रिश्तेदार, रिश्तेदारी, रिश्तेदार, अज़ीज़ मर्द, अज़ीज़ लोग 947
रिश्वत , रिश्वत , रिश्वत दी, रिश्वत लेना 948
रिहम ,बच्चेदानी 949
रेगिस्तान , रेगिस्तान, वीरान, सुनसान 950
रोटी 951
रोशनी, रोशनियाँ, रोशनी होना, बिजलियाँ, दिन की रोशनी, सूरज की रोशनी, ... 952
रोज़ा, रोज़े, रोज़ा रखा, रोज़ा, रोज़ा रखना 953
रौंदना, रौंदेगा, पामाल , पामाल करना 954
रज़ा की क़ुर्बानी, रज़ा की क़ुर्बानियाँ 955
लटकाना, लटकाए, लटकाया गया, लटकाकर, पर्दे, लटका दिया 956

लाठी, छड़ें 957
लायक़ करना, लायक़ , निकम्मा ठहरा 958
लिखा गया 959
लोबान 960
लौट आना, लौट आना, लौटकर, लौट रहे 961
वारिस, वारिसों 962
वीणा, तार वाला बाजा, सारंगियाँ 963
वीणा, वीणाओं, बजानेवाला, वीणा बजानेवाले 964
वक़्त (किताब-ए-मुक़द्दस का वक़्त 965
वक़्त , वक़्त के मुताबिक़ , वक़्त, ख़ास 966
शर्मिंदा करना, बे’इज़्ज़ती, हलीमी 967
शहद, शहद का छत्ता 968
शहज़ादा , शहज़ादे, शहज़ादी , शाह्ज़ादियाँ 969
शान 970
शान-ओ-शौकत, रईसों, दौलतमन्द इन्सान, मोहतरम 971
शाही, बादशाही शान 972
शिकार , शिकार करना 973
शिफ़ा, शिफ़ा किया, शिफ़ा करना, शिफ़ा हो गया, शिफ़ा करने, शिफ़ा करनेवाला, ... 974
शेरों, शेर, शेरनी, शेरनियाँ 975
शख़्त, बहुत शख़्त, सबसे शख़्त, शख़्त, शख़्त कर लेता है, शख़्त हुआ, शख़्त ... 976
सजदा करना, सजदा किया 977
सज्दा, सज्दे, सज्दा किया, झुकने, सज्दा करना, सज्दा करे, सज्दा किया, ... 978
सताएँ, सताए जाते, सताता, सताव , तक्लीफ देना , सतानेवाला, पीछा करनेवाले 979
सताव 980
सनोबर 981
सनोबर, सनोबर 982
सब्र करना , सब्र 983
समझ, समझा, समझना, समझदार 984
समझना, समझता है, समझ लिया, समझ 985
समन्दरी गाय 986
सलाह , सलाह , मशवरा दिया , मुशीर , सलाह देनेवालों, तजवीज़, तजवीज़ ... 987
सहन , ‘सहनो , ‘अदालत , आँगनों 988
सहना,सह लेता है , उठाने वाला 989
साँप, साँपों, साँप, साँप, साँप, साँपों 990
सांस, सांस फूंकना, सांस लेता है, सांस फूँक दिया, सांस लेना 991
साथी, शरीक़, हम ख़िदमत ,हम ख़िदमत 992
साया, साये, सायादार, सायादार 993
साल , सालों 994
साक़ी ,साक़ी 995
सिखाना, सिखाता है, पढ़ाया गया, ता’लीम , ता’लीमें , अनपढ़ 996
सिपहसालार , सरदारों 997
सिपाही , सिपाहियों, शमशीर ज़न मर्द , बहादुरों 998
सिर 999
सिर, सिरों, माथा, माथों, चन्दुए, टोपियाँ, पेशानी, गुलूबंद, सिर कटवा ... 1000
सींग, सींगों, सींग वाले 1001
सुकून , पुर सुकून , पुर अमन , सुकून के लायक़ , सुलह कराने वाले 1002
सुतून , लाटें, खम्भा, खम्भों 1003
सुपुर्द करे, सुपुर्द करना, सुपुर्द किया, सुपुर्दगी 1004
सुलह कराने वाला 1005
सुलह की क़ुर्बानी, सुलह की क़ुर्बानियों 1006
सूअर, सूअरों, सूअर का गोश्त , सुअर 1007
सूबा, सूबा, सूबे के मुता’अल्लिक़ 1008

सेला 1009
सोख़्तनी क़ुर्बानी, आतिशी क़ुर्बानियाँ, आग के ज़रिए' हदिया 1010
सोता, सोते, चश्मा, चश्मे, उमड़ता 1011
सोना, सोने 1012
सख़्त , हठीला, मग़रूर होकर,सख़्ती 1013
सज़ा देना, सज़ा देने , सज़ा करने, सज़ा करने, सज़ा , बे सज़ा 1014
सफ़ीर, फ़रिश्तों नुमाइंदा, नुमाइंदों 1015
हम्द , हम्द , बड़ाई की,बड़ाई करते, बड़ाई की बात 1016
हरम,हरमों 1017
हल, हल चलाना, हल चलाया, हल जोतने, हलवाहों, जोतनेवाला, किसान, हल की ... 1018
हलीम, हलीमी 1019
हवाले करना,हवाले करता है,हवाले किया है,हवाले करते, 'अहद 1020
हसद, लालच 1021
हाकिम ,हाकिमों 1022
हाकिम काहिनो 1023
हाकिम, क़ानून, क़ानूनी, हाकिम, हाकिमों, फैसलों, फैसलों, नामंजूर कर दिया 1024
हाथ, हाथों, हाथ किया, सौपना, के ज़रिए', पर हाथ रखना, पर हाथ लगाता, ... 1025
हामिला , हमल, हामिला , हमला होना 1027
हासिल करना, हासिल करता, मिला, हासिल करते, लेनेवाला 1028
हिदायत, हिदायत देता , हिदायत दिए, हिदायत देते रहना, , हुक्म, हुक्म ... 1029
हिम्मत , हिम्मत बांधे, हौसला , हौसला अफ़ज़ाई , हिम्मत बाँधो, उदास, ... 1030
हिरन, हिरनी, हिरनियाँ, हिरन का बच्चा, हिरन, छोटी हिरन 1031
हुकूमत करना, मालिक , हुकूमतें, गवर्नर, गवर्नरो, हाकिम, 1032
हुकूमत, हुकूमत करने वाला, इन्तिज़ाम,हाकिम, बादशाहत 1033
हुक्म मानना, हुक्म मानना, हुक्म माना, हुक्म मानने वाला, फ़रमाबरदार, ... 1034
होशियार , ललकारना , बेचैन होना 1035
हौज़, हौज़ों, कुआँ, कुओं 1036
हक़ीर जाने ,हक़ीर 1037
हफ़्ते, हफ़्तों 1038
क़त्ल करना, क़त्ल किए गए 1039
क़बीला , क़बीलों , क़बीला , क़बीले के अफ़राद 1040
क़बीला, क़बीलों 1041
क़ब्र, मिट्टी देनेवाले, क़ब्रें, क़ब्र, क़ब्रों, क़ब्रिस्तान 1042
क़ब्ज़ाबनाना, क़ब्ज़ा, क़ब्ज़ा, क़ब्ज़ा किया 1043
क़ानून, क़ानूनों, शरी'अत देनेवाला, मुजरिम, मुजरिमों, मुकदमा, वकील, ... 1044
क़ासिद, क़ासिदों 1045
क़ुरआ', क़ुर'आ डालकर 1046
क़ुर्बानी करना, क़ुर्बानी, क़ुर्बान किये, क़ुर्बान करना, हदिया, हदिया की ... 1047
क़ुसूर , जुर्मों, बदकार , ख़ताकार लोग 1049
क़ैदी बनाना ,क़ैदी ,क़ब्ज़े में करना ,फ़रेफ़्ता,गुलामी 1050
क़ौम, लोगों, लोग, एक 'अवाम 1051
क़ौम, क़ौमें 1053
ख़बर, समाचारों, ख़बर दिया 1054
ख़बरदार 1055
ख़ानदान, ख़ानदानों 1056
ख़िदमत करना, गुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा गुलाम, ... 1057
ख़िदमत करना, गुलाम बनाना, गुलामी, पाबंदी में, या क़ाबू में, बन्धन, बाँधा 1059
ख़ुद, क़ाबू , ख़ुद को क़ाबू किया , ख़ुद पे क़ाबू 1060
ख़ुशबू 1061
ख़ुशी, ख़ुशहाल, ख़ुशी से, ख़ुशी, ख़ुशी से भरा , ख़ुश किया, ख़ुश-एश-ओ-इशरत 1062
ख़ुशी, ख़ुशियाँ, ख़ुश हुआ, मसर्रत 1064
ख़ून बहाना 1065

ख़ेमा, ख़ेमों, ख़ेमा बनाने वाला 1066
ख़ेमा-ए-इज्तिमा’ 1067
ख़ौफ़, ख़ौफ़, ख़ौफ़ज़दा, डरते हुए, डरा हुआ, ख़ौफ़नाक 1068
ख़ौफ़, ख़ौफ़नाक 1069
ख़्वाब 1070
ख़्वाहिश, ख़्वाहिश, ख़्वाहिश की, ख़्वाहिश करना, ख़्वाहिशमन्द 1071
ग़ुस्सा, ग़ुस्सा हुआ, ग़ुस्सा 1072
ग़ैर क़ौम ,ग़ैर क़ौमें 1073
ग़ज़ब, ग़ुस्सा होना, ग़ज़बनाक होना, ग़ज़ब भड़काता 1074
ज़बह , ज़बह करना, ज़बह किए , क़त्ल किया 1075
ज़बान, ज़बानों 1076
ज़मीन, ज़मीन का, ज़मीन 1077
ज़िनाकारी, ग़ैर इख़लाक़ी, ग़ैर इख़लाक़ी, ज़िना 1078
ज़िन्दगी की किताब: 1079
ज़ियाफ्त 1080
ज़ुल्म करना, ज़ुल्मों, मज़लूम, ज़ुल्म करना, ज़ुल्म, मज़लूम , ज़ालिम, ज़ुल्म ... 1081
ज़ैतून 1082
फ़रमान, फ़रमानों 1083
फ़सल काटना, लवनेवाला, फ़सल काटी, फ़सल काटने वाले, फ़सल काटने वालों, फ़सल ... 1084
फ़सल, फ़सल, कटाई, कटनी, काटनेवाला, काटनेवालों 1085
फ़ायदा,फ़ायदा ,फ़ायदे मंद 1086
फ़ैसला, फ़ैसलों, फ़ैसला दिया 1087
#ऐलान, ‘ऐलान करता है, ‘ऐलान किया, ‘ऐलान करना, ‘ऐलान, ‘ऐलानात 1088
‘अहद, ‘अहद, क़सम खा, क़सम खाए, क़सम खाकर, क़सम खाके, की क़सम खाता है 1089
‘अज़व, ‘अज़ूवओं 1090
‘आलिम, नजूमी 1091
‘इल्म ग़ैब, ग़ैबबीन, फ़ालदेखना, फ़ालगीर 1092
‘ईद, ‘ईदों 1093
‘ऐलान करना, ‘ऐलान किया, मुबल्लिग़ , वा’ज़ करने वाला ,मुनादी की ,मुनादी ... 1094
’अदालत , जमा’त 1096

**Translation Academy 1097**
इस्तिआरह 1098
इस्म मुजर्रिद 1103
खुश कलामी 1105
नामालूम का तर्जुमा करें 1107
नामों का तर्जुमा कैसे करें 1110
बराए नाम सिफ्त 1113
बाहमी इलम और मोतबर मालूमात 1115
महावरा 1118
मिसाल 1120
मुतावाज़ि-पन 1122
मुबालग़ा और तअमीम 1125
मेटोनीमि 1128
याक्सां मानी के अलफाज़ 1130
सिनेकडकि 1132

**योगदानकर्ताओं 1134**
translationWords योगदानकर्ताओं 1134
Translation Academy योगदानकर्ताओं 1134

# translationWords

## Key Terms

# 'इबादतख़ाना

## ता'अर्रुफ़:

“इबादतख़ाना” वह मक़ाम था जहाँ यहूदी लोग ख़ुदा की 'इबादत के लिए एक साथ मिलते थे।

- पुराने वक़्त से, एक इबादतख़ाना की ख़िदमतों में दुआओं के वक़्त ,सहीफ़ा पढ़ना, और सहीफ़ों के बारे में ता'लीम शामिल है।
- यहूदियों ने बुनियादी तौर से इबादतख़ानों को अपने ही शहरों में दु'आ करने और 'इबादत करने के लिए ता'मीर करना शुरू' किया, क्यूँकि उनमें से बहुत से यरूशलीम की हैकल से बहुत दूर रहते थे।
- 'ईसा हमेशा इबादतख़ाने में ता'लीम देते थे और लोंगों को अच्छा करते थे।
- “इबादतख़ाना” का ख़ुलासा वहाँ 'इबादत करने वाले झुण्ड से भी हो सकता है।

(यह भी देखें: अच्छा करना, यरूशलीम, यहूदी, दु'आ करना, हैकल, ख़ुदा का कलाम, ‘इबादत)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 06:8-9
- रसूलों के 'आमाल . 14:1-2
- रसूलों के 'आमाल 15:19-21
- रसूलों के 'आमाल 24:10-13
- यूहन्ना 06:57-59
- लूक़ा 04:14-15
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 09:35-36
- मत्ती 13:54-56

## शब्दकोश:

- Strong's: H4150, G656, G752, G4864

# 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा

## सच्चाई:

'ईसा ख़ुदावन्द का बेटा है। “'ईसा ” नाम का मतलब है, “यहोवा बचाता है” “मसीह” एक लक़ब है जिसका मतलब है, “मसह किया हुआ ” इसका दूसरा लफ़्ज़ है, “मसीहा”

यह दोनों नाम हमेशा साथ-साथ रखे गए हैं, “मसीह 'ईसा ” या “'ईसा मसीह”। इन नामों से ताक़त दी गई है कि ख़ुदावन्द का बेटा मसीह है जो लोगों को गुनाहों की हमेशा की सज़ा से बचाने आया था।

- पाक रूह ने मो'जिज़े के तौर से ख़ुदावन्द के हमेशा के बेटे को इन्सानी शक्ल में पैदा किया। उसकी माँ से फ़रिश्ते ने कहा था कि उसका नाम “'ईसा ” रखा जाए क्यूँकि उसके तसव्वुर में लोगों को गुनाहों से बचान था।
- 'ईसा ने हर एक मो'जिज़े वाले काम किए जिससे साबित हो गया था कि वह ख़ुदावन्द है और वह ख़ुदा या मसीह है।

## तर्जुमा की सलाह:

- हर एक ज़बानों में “'ईसा ” और “मसीह” के नाम ऐसे काम में ली जाती है कि उसका अदाइगी असल तौर के क़रीब हो। मिसाल के तौर पर, “’ईसा मसीह ”, “ईसा मसीह”, “ईसा मसीह” और “मसीह” ये कुछ ऐसे तरीक़े हैं जो इन नामों को अलग-अलग ज़बानों में तर्जुमा करते हैं।
- “मसीह” लफ़्ज़ के लिए कुछ तर्जुमा सही “मसीह” लफ़्ज़ था उसकी शक्ल काम में लाते हैं।
- मक़ामी या क़ौमी ज़बान में भी इन लफ़्ज़ों की हिज्जे पर तवज्जोह दें।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: मसीह, ख़ुदावन्द, बाप ख़ुदावन्द, सरदार-काहिन, ख़ुदावन्द की बादशाही, मरियम, मुन्जी, ख़ुदावन्द का बेटा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 1 यूहन्ना 04:15-16
- 1 तीमुथियुस 01:1-2
- 2 पतरस 01:1-2
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- रसूलों के 'आमाल 02:22-24
- रसूलों के 'आमाल 05:29-32
- रसूलों के 'आमाल 10:36-38
- 'इब्रानियों 09:13-15
- 'इब्रानियों 10:19-22
- लूक़ा 24:19-20
- मत्ती 01:20-21
- मत्ती 04:1-4
- फ़िलिप्पियों 02:5-8
- फ़िलिप्पियों 02:9-11
- फ़िलिप्पियों 04:21-23
- मुक़ाश्फ़ा 01:4-6

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **22:04** फ़रिश्ते ने उससे कहा, “तू हामला होगी, और तेरे एक बेटा पैदा होगा। तू उसका नाम _'ईसा _ रखना और वह मसीहा होगा।”
- **23:02** "तू उसका नाम _'ईसा _ रखना (जिसका मतलब है, 'यहोवा बचाता है' )क्यूँकि वह अपने लोगों का उनके गुनाहों से नजात करेगा।"

- **24:07** तो यहून्ना ने उनको ('ईसा ) बपतिस्मा दिया,जैसा कि _'ईसा _ ने कभी गुनाह नहीं किया था।
- **24:09** सिर्फ़ एक ही ख़ुदावन्द है। लेकिन जब यूहन्ना ने _'ईसा _ को बपतिस्मा दिया, बाप ख़ुदावन्द को कहते सुना, _'ईसा _ बेटे को देखा, और पाक रूह को भी देखा।
- **25:08**'ईसा __ शैतान के लालच में नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया,
- **26:08** फिर _'ईसा _ गलील के पूरे 'इलाक़े में होकर फिरने लगा, और बड़ी भीड़ उसके पास आई। वह 'ईसा के पास बहुत से लोगों को लाए जो कई बीमारियों से बीमार थे, उनमें लंगड़े थे, और वह लोग थे, जो देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे जो बोल नहीं सकते और इन सभी को _'ईसा _ ने अच्छा किया।
- **31:03** 'ईसा __ ने अपनी दु'आ पूरी की और वह शागिर्दों के पास चला गया। वह झील पर चलते हुए उनकी नाव कीतरफ़ आया।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि यहूदी उस्तादों ने _'ईसा _ को मसीहा के शक्ल में क़ुबूल नहीं किया था और वह उसे क़त्ल कर डालने का मन्सूबा बना रहे थे।
- **40:08** अपनी मौत के जरिए’_ 'ईसा _ ने लोगों के लिये ख़ुदावन्द के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **42:11** ” ख़ुदा_ 'ईसा _ आसमान पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया। _'ईसा _ सब बातों पर हुकूमत करने के लिए ख़ुदावन्द की दाहिनी तरफ़ बैठ गया।
- **50:17** _'ईसा _ और उसके लोग नई ज़मीन पर रहेंगे, और यहाँ जो कुछ भी पाया जाता है उसपर हमेशा बादशाही करेंगे। वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई दुख, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मौत नहीं होगी। _'ईसा _ अपनी बादशाही पर अमन व इन्साफ़ के साथ हुकूमत करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

## शब्दकोश:

- Strong's: G2424, G5547

# , क़ुर्बानगाहें, क़ुर्बानगाह

## ता’अर्रुफ़:

क़ुर्बानगाहएक पत्थर की तरह ऊँचा मक़ाम होता था जिस पर इस्राईली ख़ुदावन्द के लिए जले हुए जानवर या अनाज जला करके क़ुर्बान करते थे ,

किताब-ए-मुक़द्दस के वक़्त में मिट्टी या बड़े-बड़े पत्थरों को एक साथ रखकर टीला सा बनाया जाता था।

- कुछ ख़ास क़ुर्बानगाहें लकड़ी के बक्से जैसी बनाई जाती थी जिन पर सोना, पीतल या कांसा चढ़ाया जाता था।
- इस्राईल के पड़ोस की क़ौमें भी अपने मा'बूदों के लिए क़ुर्बानगाहें बनाती थी।

(यह भी देखें: \ खुश्बू जलाने की क़ुर्बानगाह झूठे मा'बूद अनाज की क़ुर्बानी क़ुर्बान)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 08:20-22
- पैदाइश 22:9-10
- या'क़ूब 02:21-24
- लूक़ा 11:49-51
- मत्ती 05:23-24
- मत्ती 23:18-19

## कलाम की कहानियों से मिसाल:

- **03:14** उसने एक **क़ुर्बानगाह** बनाई, जिसे क़ुर्बानी के लिये इस्तेमाल किया जा सके और सभी तरह के जानवरों को क़ुर्बान किया।
- **05:08** जब वह क़ुर्बानी की जगह पर पहुंच गए, तो इब्राहीम ने अपने बेटे इस्हाक़ को बांध दिया और उसे **क़ुर्बानगाह** पर रख दिया।
- **13:09** एक इमाम ने जानवर को मारकर उसे **क़ुर्बानगाह** पर जला दिया
- **16:06** उसने(गिदोन) एक नई क़ुर्बानगाह बनाई जो ख़ुदावन्द यहोवा के लिए बनाई वह पहले मा'बूदों के बुतों की **क़ुर्बानगाह** के पास पेश किया जाता था और उसमें मा'बूदों को क़ुर्बानी दी जाती थी ।

## शब्दकोश:

- Strong's: H741, H2025, H4056, H4196, G1041, G2379

# अच्छा, भलाई

## ता’अर्रुफ़:

“अच्छा” लफ़्ज़ का मतलब जुमले के मुताबिक़ अलग-अलग हो सकते हैं। कई ज़बानों में इन अलग-अलग मतलबों का तर्जुमा करने के लिए अलग-अलग लफ़्ज़ होंगे।

- आमतौर पर कोई बात अच्छी है अगर वह ख़ुदावन्द के ख़ासीयत , मक़सद और मर्ज़ी के मुताबिक़ है।
- एक “अच्छी” चीज़ क़ाबिल क़ुबूल, अच्छी जीज़, मददगार, लायक़, फ़ायदेमन्द या सही तरीक़े में होगी।
- ज़मीन अच्छी है तो वह उपजाऊ और पैदावार होगी।
- “अच्छी” फ़सल या'नी पैदावार
- एक शख़्स अपने काम में "अच्छा" हो सकता है कि वे क्या करते हैं अगर वह अपने काम या पेशे में होशियार हैं, जैसा कि "एक अच्छा किसान" है।
- कलाम में “अच्छा” हमेशा बुरे के अलग है।
- “भलाई” हमेशा ख़्यालों और काम में इख्लाक़ी के तौर पर नेक और रास्तबाज़ होना है।
- ख़ुदावन्द की अच्छाई का मतलब है लोगों को अच्छी और फ़ायदे की चीज़ें देना। यह भी उसके इख़लाक़ी कमाल के बारे में है

## तर्जुमा की सलाह:

- मक़सदी ज़बान में “अच्छा” के लिए जो भी आम लफ़्ज़ है उसका इस्ते'माल किया जाए जब भी यह आम लफ़्ज़ मुनासिब और लाज़िम हो ख़ास करके ऐसे बारों में जहां यह लफ़्ज़ बुराई के अलग मतलब में ज़ाहिर हों ।
- जुमले के मुताबिक़ इसके कई तर्जुमे हो सकते हैं, “रहम ” या "बहुत ख़ुश ग्वार " या “रास्तबाज़ ” या “ख़ुश इख़लाक़” या “फ़ायदे मन्द ”
- “अच्छी ज़मीन ” का तर्जुमा हो सकता है, “उपजाऊ ज़मीन ” या “पैदावार की ज़मीन ” या “अच्छी फसल” का तर्जुमा “कामयाब फ़सल” या “बहुत ज़्यादा फ़सल”।
- “भलाई करना” का मतलब है लोगों के फ़ायदे के काम और इसका तर्जुमा , “पर रहम करना” या “मदद करना” या “फ़ायदा पहुंचाना” हो सकता है।
- “सबत के दिन भलाई करना” या'नी “किसी के फ़ायदे का काम सबत के दिन करना”।
- जुमलों के मुताबिक़ “भलाई के तर्जुमा”, “बरकत ” या “रहम” या “ख़ुश” या “” या “पाकीज़गी ” की शक्ल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: बुराई, मुक़द्दस, फ़ायदा, रास्तबाज़ )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- गलातियों 05:22-24
- पैदाइश 01:11-13
- पैदाइश 02:9-10
- पैदाइश 02:15-17
- या'क़ूब 03:13-14
- रोमियो 02:3-4

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों के मिसालें:

- **01:04** लेकिन ख़ुदावन्द ने देखा कि जो तख़लीक़ उसने की है वह **अच्छी** है।।
- **01:11** ख़ुदावन्द ने **अच्छे** और बुरे के 'इल्म का दरख़्त लगाया।
- **01:12** फिर ख़ुदावन्द ने कहा “आदमी का अकेला रहना **अच्छा** नहीं है।”
- **02:04** " ख़ुदावन्द इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम ख़ुदावन्द की तरह हो जाओगे और **अच्छा** और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **08:12** "आपने ग़ुलाम की शक्ल में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन ख़ुदावन्द ने **भलाई** के लिए बुराई का इस्ते'माल किया!"
- **14:15** यसू'अ एक **अच्छा** रहनुमा था क्यूँकि वह ख़ुदावन्द पर ईमान करता था व उसके हुक्मो का पालन करता था।
- **18:13** कुछ बादशाह **अच्छे** लोग भी थे, जिन्होंने बेहतर तरीक़े से हुकूमत की और ख़ुदा की 'इबादत की।
- **28:01** “ऐ**बेहतर _ उस्ताद , हमेशा की ज़िन्दगी का वारिस होने के लिए मै क्या करूँ?” 'ईसा ने उससे कहा, “तू मुझे _‘अच्छा’** क्यों कहता है? जो _अच्छा _ है वह सिर्फ़ एक ही है, और वह ख़ुदावन्द है"

## शब्दकोश:

- Strong's: H117, H145, H155, H202, H239, H410, H1580, H1926, H1935, H2532, H2617, H2623, H2869, H2895, H2896, H2898, H3190, H3191, H3276, H3474, H3788, H3966, H4261, H4399, H5232, H5750, H6287, H6643, H6743, H7075, H7368, H7399, H7443, H7999, H8231, H8232, H8233, H8389, H8458, G14, G15, G18, G19, G515, G744, G865, G979, G1380, G2095, G2097, G2106, G2107, G2108, G2109, G2114, G2115, G2133, G2140, G2162, G2163, G2174, G2293, G2565, G2567, G2570, G2573, G2887, G2986, G3140, G3617, G3776, G4147, G4632, G4674, G4851, G5223, G5224, G5358, G5542, G5543, G5544

# अच्छी ख़बर, ख़ुशख़बरी

## ता’अर्रुफ़:

“ख़ुशख़बरी” लफ़्ज़ का असल मतलब में “अच्छी ख़बर,” है और ऐसी ख़बर और 'ऐलान के बारे में है जो लोगों को फ़ायदा पहुंचाता है या ख़ुश करता है।

- कलाम में यह लफ़्ज़ सलीब पर ‘ईसा की क़ुर्बान के ज़रिए' से ख़ुदा की नजात के बारे में हमेशा इस्ते'माल किया जाता है।
- ज़्यादातर अंग्रेजी कलामों में “अच्छी ख़बर” का तर्जुमा “ख़ुशख़बरी” किया गया है और ऐसे जुमले काम में लिए गए हैं जैसे “मसीह ‘ईसा की ख़ुशख़बरी” या “ख़ुदा की ख़ुशख़बरी” और “बादशाही की ख़ुशख़बरी”।

## तरजुमा की सलाह:

- इस लफ़्ज़ की कई शक्लें हैं, “अच्छी ख़बर”, “अच्छा 'ऐलान” या “ख़ुदा की नजात की ख़बर” या “ख़ुदावन्द ‘ईसा के बारे में अच्छी बातें सिखाता है”।
- मज़मून के मुताबिक़ इस जुमले का तर्जुमा, “की ख़ुशख़बरी” का तर्जुमा के बारे में अच्छी ख़बर/ख़बर” या “से हासिल अच्छी ख़बर” या “ख़ुदा हमें जिन अच्छी बातों का 'इल्म देता है” या “ख़ुदा लोगों की नजात के बारे में क्या कहता है”।

(यह भी देखें: बादशाही, क़ुर्बानी, नजात)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:4-5
- रसूलों के 'आमाल 08:25
- कुलुस्सियों 01: 21-23
- गलातियों 01:6-7
- लूक़ा 08: 1-3
- मरक़ुस 01:14-15
- फ़िलिप्पियों 02:22-24
- रोमियो 01:1-3

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **23:06** तब फ़रिश्ते ने उनसे कहा, “ मत डरो; क्यूँकि देखो, मैं तुम्हें बड़ी ख़ुशी की **ख़बर** सुनाता हूँ” कि आज बैतलहम शहर में तुम्हारे लिए एक मुन्जी पैदा हुआ है, और यही मसीह ख़ुदा है।”
- **26:03** ‘ईसा ने पढ़ा, “ ख़ुदा की रूह मुझ पर है, इसलिए कि उसने कंगालों को **अच्छी ख़बर** सुनाने के लिए बरकत दी है, और मुझे इसलिए भेजा है कि क़ैदियों को छुटकारे का और अंधों को बीनाई पानेकी ख़ुशख़बरी का 'ऐलान करूँ और कुचले हुओ को आज़ाद करूँ। यह ख़ुदा की महेरबानी का साल है।”
- **45:10** फ़िलिप्पुस ने दूसरे सहीफ़ों का भी इस्तेमाल करके उसे ‘ईसा की **ख़ुशख़बरी** सुनाई।
- **46:10** तब उन्होंने उन्हें कई कई जगहों में _ ‘ईसा के बारे में ‘ऐलान_ करने के लिये भेज दिया।
- **47:01** एक दिन पौलुस और उसका दोस्त सीलास फ़िलिप्पी में _ ‘ईसा का 'ऐलान करने_ को गए।
- **47:13** _ ‘ईसा की ख़ुशख़बरी_ को वह ऐलान करते गए और कलीसिया बढ़ती गईं।
- **50:01** तक़रीबन 2,000 से ज़्यादा सालों से, दुनिया भर में ज़्यादा से ज़्यादा लोग _ ‘ईसा मसीह की ख़ुशख़बरी_ को सुन रहे हैं।
- **50:02** जब ‘ईसा ज़मीन पर रहता था तो उसने कहा, "मेरे शागिर्दों ने दुनिया में हर जगह लोगों को ख़ुदा की बादशाही के बारे में **ख़ुशख़बरी** का 'ऐलान करेंगे, और फिर आख़िर आ जाएगा।"
- **50:03** जन्नत में वापस जाने से पहले, ‘ईसा ने मसीहों से कहा कि वह उन लोगों को **ख़ुशख़बरी** सुनाएँ जिन्होंने इसे कभी नहीं सुना।

## शब्दकोश:

- Strong's: G2097, G2098, G4283

## अदब, अदब करता, अदब किया, ख़ुदी

### ता'अर्रुफ़:

लफ़्ज़ “अदब” का मतलब है इख़लाक़ी सिफ़त के लिए हिदायात पर ‘अमल करने की सीख देना|

- वालिदैन अपने बच्चों को इख़लाक़ी रहनुमाई और हिदायात के ज़रिए’ अदब सिखाते हैं और उन्हें ‘अमल करने की ता’लीम देते हैं|
- इसी तरह ख़ुदा अपनी औलाद को (तहज़ीब) देता है कि तुम्हें ज़िन्दगी में अच्छे रूहानी फल लाने में मदद मिले जैसे, ख़ुशी, मुहब्बत और सब्र|
- अदब में हिदायात होते हैं कि ख़ुदा को ख़ुश करने वाली ज़िन्दगी कैसे जिएं और ख़ुदा की मुख़ालिफ़त की सिफ़त के लिए सज़ा भी दी जाती है।
- ज़ाती तहज़ीब, ज़िन्दगी में इख़लाक़ी और रूहानी उसूलों को अपनाने का ‘अमल है|

### तर्जुमे की सलाह:

- मज़मून पर मुनहस्सिर “अदब” का तर्जुमा “ता’लीम और हिदायत ” या “इख़लाक़ी हिदायत” या “ग़लती की सज़ा” हो सकता है।
- “अदब” इस्म लफ़्ज़ का तर्जुमा इख़लाक़ी ता’लीम” या “सज़ा” या “इख़लाक़ी सुधार” या “इख़लाक़ी रहनुमाई एक हिदायत हो सकता है।”

### किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इफ़िस्सियों 06:4
- इब्रानियों 12:4-6
- अम्साल 19:17-18
- अम्साल 23:13-14

### शब्दकोश:

- Strong's: H4148, G1468

# अबदियत, हमेशा के लिए, हमेशा की ज़िन्दगी

## ता'अर्रुफ़:

“अब्दियत” और “हमेशा” के मतलब तक़रीबन एक से ही हैं और हमेशा हाज़री या हमेशा के लिए बात का हवाला देते हैं।

- “हमेशा के लिए” इस बात का हवाला देते हैं जिसकी न शरू' या न ही आख़िर है। यह भी ज़िन्दगी का हवाला देता हैं जो कभी ख़त्म नही होता है |
- इस मौजूदह ज़मीन पर ज़िन्दगी के बा'द, इंसान ख़ुदावन्द के साथ जन्नत में या ख़ुदा से अलग जहन्नम में हमेशा ज़िन्दगी गुज़ारा करेंगे।

“हमेशा की ज़िन्दगी” और “अबदी की ज़िन्दगी” नये 'अहद नामें में ख़ुदावन्द के साथ जन्नत में हमेशा की ज़िन्दगी के लिए काम में लिए गए जुमले हैं।

- “ हमेशा और हमेश "का ख़याल है की कभी कभी ख़त्म नहीं होता और इज़हार करता है कि हमेशा या हमेशा की ज़िन्दगी कि तरह है |
- हमेशा के लिए" लफ़्ज़ कभी ख़त्म होने वाला वक़्त नहीं है। * कभी-कभी इसका मतलब "बहुत लंबा वक़्त " की शक्ल में किया जाता है।
- लफ्ज़ "हमेशा के लिए और हमेशा" जोर देता है कि कुछ हमेशा होता या वजूद में रहता है।
- जुमले में "हमेशा और हमेशा"का इज़हार करने का एक तरीक़ा है जिसे अब्दी ज़िन्दगी या हमेशा की ज़िन्दगी किया है | उसके पास वक़्त का ख़याल भी है जो कभी नही ख़त्म होता है |
- ख़ुदा ने कहा कि दाऊद का तख़्त हमेशा हमेश के लिए करे गा | यह हक़ीक़त है की दाऊद की नस्ल 'ईसा हमेशा बादशाह के तौर पर हुक्मरानी करेगा |

## तर्जुमा की सलाह:

- “हमेशा” और “सदाकाल” का तर्जुमा करने के दोसरे तरीक़े, “अबदी” या “कभी नहीं रूकनेवाला” या “हमेशा चलनेवाला” हो सकता है।
- “अबदी ज़िन्दगी ” और “ला ज़वाल ज़िन्दगी” का तर्जुमा, “ज़िन्दगी जो कभी कभी ख़त्म नही होती या “ज़िन्दगी जो बग़ैर रुकने के बग़ैर जारी है ” या “ जिस्म का दोबारह हमेशा की ज़िन्दगी पाने के लिए” हो सकता है।
- जुमले के तौर पर “हमेशा के लिए ” का तर्जुमा तरीक़ों, “वक़्त के बाहर हाज़री” या “ख़त्म न होने वाली ज़िन्दगी ” या “जन्नत की ज़िन्दगी ” हो सकता है।
- मुक़ामी ज़बान या क़ौमी ज़बान के किताब-ए-मुक़द्दस के तर्जुमें में इस लफ्ज़ का तर्जुमा कैसे किया गया है उस पर भी ग़ौर दें। (देखें: ना वाक़िफ़ लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करें )
- "हमेशा" का तर्जुमा "हमेशा" या "कभी ख़त्म नहीं होता" ज़रिए किया जा सकता है।
- जुमले "हमेशा के लिए चलेगा" का तर्जुमा "हमेशा मौजूद" या "कभी नहीं रुक जाएगा" या "हमेशा जारी रहेगा" कि शक्ल में तर्जुमा किया जा सकता है।
- ज़बरदस्त जुमला "हमेशा के लिए और हमेशा" का तर्जुमा "हमेशा और हमेशा के लिए" या "कभी ख़त्म नहीं होता" या "जो कभी ख़त्म नहीं होता" कि शक्ल में भी किया जा सकता है।
- दाऊद का तख़्त हमेशा तक जारी रहता है जैसाकि दौउद की नस्ल हमेशा के लिए करे गा " या "दौउद की एक नस्ल हमेशा के लिए करेगा " या "दाऊद की एक नस्ल हमेशा सल्तनत करेगी |

(यह भी देखें: दाऊद, हुक्मरानी, ज़िन्दगी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाईश 17:7-8
- पैदाईश 48:3-4
- ख़ुरूज 15:17-18
- 2 समूएल 03:28-30
- 1 सलातीन 02:32-33
- अय्यूब 04:20-21
- ज़बूर 021:3-4
- यसा’याह 09:6-7
- यसा’याह 40:27-28
- दानीएल 07:17-18
- लूक़ा18:18-21
- रसूलों के 'आमाल . 13:46-47

- रोमियो 05:20-21
- 'इब्रानियों 06:19-20
- 'इब्रानियों 10:11-14
- 1 युहन्ना01:1-2
- 1 युहन्ना 05:11-12
- मुक़ाशिफ़ा01:4-6
- मुक़ाशिफ़ा22:3-5

## किताब-ए-मुक़द्दस की मिसालें:

- **27:01** एक दिन, यहूदियों के क़ानून में एक माहिरीन 'ईसा का इम्तिहान लेने के लिए आया था, उन्होंने कहा, "उस्ताद, मुझे **हमेशा की ज़िन्दगी** पाने के लिए क्या करना चाहिए ?"
- **28:01** एक दिन, एक अमीर जवान हुक्मरान 'ईसा के पास आया और उससे पूछा, "अच्छा उस्ताद , मुझे क्या करना चाहिए _ हमेशा की ज़िन्दगी**को हासिल करने के लिए ?" 'ईसा ने उस से कहा, "तुम मुझसे क्यों पूछ रहे हो के अच्छा क्या है।? सिर्फ़ एक ही है जो अच्छा है, और वह ख़ुदावन्द है। लेकिन अगर तुम** _ हमेशा की ज़िन्दगी पाना चाहते हो, तो ख़ुदा के क़ानून पर 'अमल करो । "
- **28:10** 'ईसा ने जवाब दिया, "जिसने मेरे नाम के लिए घर, भाइयों, बहनों, बाप, माँ, बच्चों या दोलत को छोड़ दिया है, उसे सौ गुना ज़्यादा मिलेगा और **हमेशा की ज़िन्दगी** भी हासिल करेगा।"

## शब्दकोश:

- Strong's: H3117, H4481, H5331, H5703, H5705, H5769, H5865, H5957, H6924, G126, G165, G166, G1336

# अलग करना

## ता'अर्रुफ़:

"अलग करना" इस जुमले का मतलब है किसी ख़ास मक़सद को पूरा करने के लिए किसी आदमी या चीज़ को अलग कर देना। यह भी, "अलग करना" उनसे आदमी या चीज़ "अलग करना"

- जैसे इस्राईली ख़ुदावन्द की ख़िदमत के लिए अलग किये गए थे।
- पाक रूह ने मसीही ईमानदारों को अन्ताकिया में हुक्म दिया कि वह पौलुस और बरनबास को उस काम के लिए अलग कर दें जो ख़ुदावन्द उनसे करवाना चाहता है।
- ख़ुदावन्द की ख़िदमत के लिए "अलग" किया गया ईमानदार ख़ुदावन्द की मर्ज़ी पूरा करने लिए वक़्फ़ होता है।
- "पाक" का एक मतलब है कि ख़ुदावन्द का होने के लिए और दुनिया के गुनाहों के तरीक़े से अलग होने के लिए अलग किया गया।
- किसी को "पाक" करने का मतलब ख़ुदावन्द की ख़िदमत के लिए उस आदमी को अलग करना।

## तर्जुमा की सलाह :

- "अलग करने" का तर्जुमा, "ख़ास तौर से चुनना" या "तुम में से अलग करना" या "किसी ख़ास काम के लिए अलग करना" हो सकते हैं।
- अलग किया जाना" का तर्जुमा, "अलग किया गया (से)" ख़ास तौर से मुक़र्रर (के लिए)" हो सकता है।

(यह भी देखें: पाक, पाक करना, मुक़र्रर)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इफ़िसियों 03:17-19
- ख़ुरूज 31:12-15
- क़ुज़ात 17:12-13
- गिनती 03:11-13
- फिलिप्पियों 01:1-2
- रोमियो 01:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H2764, H4390, H5674, H6918, H6942, H6944, G37, G38, G40, G873

# अफ़सोस

## ता’अरुफ़:

“अफ़सोस” लफ़्ज़ बड़ी मायूसी को ज़ाहिर करता है | इससे किसी को बड़ी तकलीफ़ों की हिदायत भी दी जाती है।

- “अफ़सोस पर” नसीहत के साथ आता है कि वे गुनाहों की सज़ा पाएंगे।
- किताब-ए-मुक़द्दस में बहुत जगहों में “अफ़सोस” लफ़्ज़ को दोहराया गया है जिसका ख़ास मतलब है डरावनी सज़ा की ताक़त ज़ाहिर करना है।
- आदमी कहता है, “अफ़सोस मुझ पर” तो इसका मतलब है बड़ी तकलीफ़ की वजह से ग़म ज़ाहिर करना।

## तर्जुमे की सलाह :

- मज़मून के मुताबिक़ “अफ़सोस” लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, “गहरा दुख” या “ग़म ” या “मुसीबत ” या “हलाकत ”
- ज़ाहिरयत का तर्जुमा करने के और तरीक़े " अफ़सोस करने के लिए ("शहर का नाम)" में शामिल हो सकते हैं, "यह (शहर के नाम) के लिए कितना खतरनाक होगा" या "(उस शहर) में लोगों को गहरी शक्ल से सज़ा दी जाएगी " या "उन लोगों को बहुत भुगतना होगा। "
- ज़ाहिर यत, " अफ़सोस मुझे है!" या "मुझ पर अफ़सोस!" की शक्ल में तर्जुमा किया जा सकता है "मैं कितना दुखी हूँ!" या "मैं बहुत उदास हूँ!" या "यह मेरे लिए कितना ख़तरनाक है!"
- ज़ाहिरयत "आप पर अफ़सोस " का भी तर्जुमा किया जा सकता है "आपको बहुत दुख होगा" या "आपको बड़ी परेशानियों का तजुर्बा होगा।"

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- हिज़क़ीएल 13:17-18
- हबक्क़ूक़ 02:12-14
- यसा’याह 31:1-2
- यरमियाह 45:1-3
- यहूदाह 01:9-11
- लूका 06:24-25
- लूका 17:1-2
- मत्ती 23:23-24

## शब्दकोश:

- Strong's: H188, H190, H337, H480, H1929, H1945, H1958, G3759

# अफ़ोद

## ता'अर्रुफ़:

“अफ़ोद” एक तरह का लिबास होता था जिसे इस्राईलियों के काहिन पहना करते थे। इसके दो हिस्से थे, आगे का और पीछे का, कंधों पर जुड़ा और कमर पर कपड़े के बेल्ट से बांधा जाता था।

- एक और अफ़ोद था जो 'आम तौर पर मलमल का होता था और आम तौर पर काहिनों के ज़रिए' पहना जाता था।
- सरदार काहिन का अफ़ोद सोने और नीले, बैंगनी और लाल धागे से ख़ास तौर पर कढ़ाई किया जाता था।
- सरदार काहिन का चपरास अफ़ोद के सामने के हिस्से से जुड़ा होता था। काहिन के सीनाबन्द में ख़ुदा की ख्वाहिश जानने के लिए ऊरीम और तुमीम रहते थे।
- मुंसिफ़ गिदोन ने बेवक़ूफ़ी से सोने से एक अफ़ोद बनाया और यह ऐसा कुछ बन गया जो इस्राईली बुत की शक्ल में ‘इबादत करते थे।

(यह भी देखें: काहिन)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 02:18-19
- ख़ुरूज 28:4-5
- होसे'अ 03:4-5
- क़ुज़ात 08:27-28
- अह्बार 08:6-7

## शब्दकोश:

- Strong's: H641, H642, H646

# आखरी दिन, आख़िरी दिनों, बा’द के दिनों

## ता’अर्रुफ़:

“आख़िरी दिनों” या “आख़िर के दिनों” इस ज़माने के आख़िर का हवाला देते हैं।

- यह वक़्त नामा’लूम ‘अरसा है।
- “आख़िरी दिन” इंसाफ़ का वक़्त होगा, ख़ुदा से फिरने वालों का इंसाफ़|

## तर्जुमे की सलाह:

- आख़िरी दिनों” का तर्जुमा हो सकता है, “ आख़िर दिनों” या “आख़िरी वक़्त."
- कुछ मज़मूनों में, इसका तर्जुमा "दुनिया की आख़िर" या "जब यह दुनिया ख़त्म होती है" के तौर पर किया जा सकता है।

(यह भी देखें: ख़ुदा का दिन, इन्साफ़, फिरना, दुनिया)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 पतरस 03:3-4
- दानिएल 10:14-15
- इब्रानियों 01:1-3
- यसा’याह 02:1-2
- या’क़ूब05:1-3
- यरमियाह23:19-20
- युहन्ना 11:24-26
- मीकाह 04:1

## शब्दकोश:

- Strong's: H319, H3117, G2078, G2250

# आमीन, सच में

## ता’अरुफ़:

“आमीन” लफ़्ज़ किसी की बात पर ज़ोर देना या तवज्जह करना ज़ाहिर करता है। इसका इस्तेमाल हमेशा दु'आ के आख़िर में होता है। कभी-कभी इसका तर्जुमा “सच में” किया जाता है।

- दु'आ के आख़िर में “आमीन” लफ़्ज़ दु'आ के साथ इत्तिफ़ाक़ या दु'आ पूरी होने की मर्ज़ी ज़ाहिर करता है।
- अपनी ता'लीमों में ईसा ने “आमीन” लफ़्ज़ के इस्तेमाल के ज़रिए' अपनी बात की सच्चाई पर ताक़त दी थी । इस लफ़्ज़ के बाद उसने हमेशा कहा, “और मैं तुमसे कहता हूं” कि वह पहले की बात से मुता'अल्लिक़ एक और बात कहे।
- जब ईसा “आमीन” लफ़्ज़ का इस्तेमाल इस पतरह करता है तो कुछ अंग्रेजी कलाम (यू. एल. बी. भी) इसका तर्जुमा “सच में” या “सच कहता हूं” करती हैं।
- एक और लफ़्ज़ “सच-सच” का तर्जुमा “यक़ीनन” या “वाक़ई , हक़ीक़त” किया जा सकता है।

तर्जुमा की सलाह

- देखें कि कोई और ज़बान में से कोई ख़ास लफ़्ज़ या कोई जुमला है जो किसी कही गई बात पर ज़ोर देने के काम में ली जाती है।
- दु'आ के आख़िर में या किसी बात के इत्तिफ़ाक़ में, “आमीन” तर्जुमा किया जा सकता है, “ऐसा ही हो”, या “ऐसा होने दे”, या “यह सच है”।
- जब ईसा कहता है, “ मैं तुमसे सच सच कहता हूं” तो इसका तर्जुमा हो सकता है, “हां, मैं सच कहता हूं” या “यह सच है और मैं कहता हूं”।

“मैं तुमसे सच-सच कहता हूं” का तर्जुमा हो सकता है, “मैं तुमसे सच्ची बात कहता हूं” या “मैं सच्चे ख़याल से तुमसे कहता हूं” या “मैं जो तुमसे कहता हूं वह सच है”

(यह भी देखें:पूरा करना, सच)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- अम्साल 27:15
- यूहन्ना 05:19-20
- यहूदा 01:24-25
- मत्ती 26:33-35
- फिलेमोन 01:23-25
- मुक़ाश्फ़ा 22:20-21

## शब्दकोश:

- Strong's: H543, G281

# आसमान, बादल, बादलों, आसमानी

## ता'अर्रुफ़:

"जन्नत" वह मक़ाम है जहाँ ख़ुदा रहता है। मज़मून पर मुनहस्सिर, इस लफ़्ज़ का मतलब "बादल" भी है।

"आसमानों" वह है जिसे हम ज़मीन पर से देखते हैं, सूर्य, चाँद और सितारे। इसमें आसमानी जिस्म भी शामिल है, जैसे दूर दूर के सय्यारे जिन्हें हम ज़मीन से सीधे देख नहीं सकते।

- "आसमान" वह स्थान है जो नीला है और उसमें साँस लेने के लिए हवा है। सूरज और चाँद को 'आम तौर पर "आसमान में क़ायम" मानते हैं।
- किताब-ए-मुक़द्दस के कुछ मज़मूनों में "जन्नत" का मतलब आसमान या ख़ुदा के रहने का मक़ाम भी होता है।
- जहाँ जन्नत को 'अलामती तौर पर काम में लिया गया है तो वह ख़ुदा के बारे में है। मिसाल के तौर पर, जब मत्ती "आसमान की बादशाही" लिखता है तो वह ख़ुदा की बादशाही का ज़िक्र करता है।

## तर्जुमे की सलाह:

- "आसमान" का 'अलामती इस्ते'माल का तर्जुमा हो सकता है, "ख़ुदा"
- मत्ती की किताब में "आसमान की बादशाही" को "आसमान" ही रखा जाए तो ठीक है क्योंकि यह लफ़्ज़ मत्ती के ज़रिए' लिखी ख़ुशख़बरी का एक ख़ास लफ़्ज़ है।
- "आसमानों" या "तारों" का तर्जुमा किया जा सकता है, "सूरज, चाँद और सितारे" या "क़ायनात में सब सितारे"।
- "आसमान के तारों" का तर्जुमा किया जा सकता है, "आसमान के सितारे" या "कहकशाँ के सितारे" या "क़ायनात के सितारे"

(यह भी देखें: ख़ुदा की बादशाही

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 08:22-24
- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
- इस्तिस्ना 09:1-2
- इफ़िसियों 06:9
- पैदाइश 01:1-2
- पैदाइश 07:11-12
- युहन्ना 03:12-13
- युहन्ना 03:27-28
- मत्ती 05:17-18
- मत्ती 05:46-48

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाले:

- **04:02** फिर उन्होंने **आसमान** तक लंबी चोटी ता'मीर की।
- **14:11** उसने (ख़ुदा) उन्हें **आसमान** से रोटी दी, "जिसे मन्ना कहते थे।"
- **23:07** तब अचानक फरिश्तों की जमा'अत ख़ुदा की ता'रीफ़ करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दी, "**आसमान** में ख़ुदा का जलाल और ज़मीन पर उन इन्सानों में जिनसे वह ख़ुश है, ।"
- **29:09** तब 'ईसा ने कहा, "इसी तरह अगर तुम में से हर एक अपने भाई को दिल से मु'आफ़ न करेगा, तो मेरा बाप जो **आसमान** में है , तुम से भी वैसा ही करेगा।"
- **37:09** तब 'ईसा ने **आसमान** की ओर देखा और कहा, "ऐ बाप, मैं आपका शुक्र करता हूँ कि आपने मेरी सुन ली है।
- **42:11** तब 'ईसा **आसमान** पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी नज़रों से छिपा लिया।

## शब्दकोश:

- Strong's: H1534, H6160, H6183, H7834, H8064, H8065, G932, G2032, G3321, G3770, G3771, G3772

# आज़माइश करने, आज़माइश

## ता’अर्रुफ़:

किसी को आज़माइश में डालने का मतलब है कि उससे ग़लत काम करवाना।

- आज़माइश में इन्सान ग़लत काम करना चाहता है।
- इन्सान अपने गुनाहगारी मिज़ाज या और इन्सानों के ज़रिये आज़माइश में गिरता है।
- शैतान भी इन्सानों को ख़ुदा की नाफ़रमानी और ख़ुदा के ख़िलाफ़ गुनाह करने की आज़माइश में डालता है ग़लत कामों के ज़रिये
- शैतान ने ईसा की भी आज़माइश ली थी और उसने ग़लत काम करवाना चाहता था लेकिन ‘ईसा ने उसकी आज़माइश पर फ़तह पाकर गुनाह नहीं किया।
- “ख़ुदा की आज़माइश” उसे कुछ ग़लत करने की कोशिश नहीं कर रहा है, बल्कि हठीलेपन और ना फ़रमानी में बने रहता है जब तक ख़ुदा उसे सज़ा देकर रद्दे ‘अमल नहीं करता। इसे भी “ख़ुदा की आज़माइश” लेना कहते हैं।

## तर्जुमे की सलाह:

- " आज़माइश करना" का तर्जुमा “गुनाह करवाने का कोशिश करना” या “लालच देना” या “गुनाह करने की ख़्वाहिश जगाना।”।
- “ आज़माइश” के तर्जुमे की शक्ल हो सकते हैं, “आज़माइश में गिरानेवाली बातें” या “किसी को गुनाह का लालच देने वाली बातें” या “ऐसी बातें जो ग़लत काम करने की ख़्वाहिश पैदा करें।”

ख़ुदा की आज़माइश के बारे में इसका तर्जुमा “ख़ुदा को परखना” या “ख़ुदा को जांचना” या “ख़ुदा के सब्र को आज़माना ” या “ख़ुदा के ज़रिए’ सज़ा पाने की वजह होना” या “हठीलेपन की वजह ख़ुदा की नाफ़रमानी करते रहना”।

(यह भी देखें हुक्म न मानना, शैतान, गुनाह , आज़माइश )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:4-5
- इब्रानियों 04: 14-16
- याक़ूब 01:12-13
- लूक़ा 04:1-2
- लूक़ा 11:3-4
- मत्ती 26:39-41

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **25:01** तब शैतान ‘ईसा से गुनाह कराने के लिये उनकी _ आज़माइश करने_ आया |
- **25:08** ‘ईसा शैतान के _आज़माइश _नहीं आया, तब शैतान उसके पास से चला गया, तब फ़रिश्ते आए और ‘ईसा की ख़िदमत करने लगे |
- **38:11** ‘ईसा ने अपने शागिर्दों से कहा कि दुआ करते रहो कि _ आज़माइश _ में न पड़ो |

## शब्दकोश:

- Strong's: H974, H4531, H5254, G551, G1598, G3985, G3986, G3987

# आज़माना, जाँचना, इम्तेहान

## ता’अर्रुफ़:

“आज़माना” का बयान मुश्किल या दुःख दर्द के महसूस करने से है जो इन्सान की ताक़त या कमज़ोरी को ज़ाहिर करता है।

- ख़ुदा इन्सानों को जांचता है, लेकिन उनको गुनाह में नहीं गिराता था। लेकिन शैतान इन्सानों को गुनाह करने की आज़माइश में डालता है।
- ख़ुदा कभी-कभी कसौटी पर रखकर इन्सान के गुनाह को ज़ाहिर करता है। आज़माइश एक इन्सान को गुनाह से दूर करने और ख़ुदा के क़रीब आने में मदद करती है।
- सोना-चांदी को आग में तपा कर उनकी सफ़ाई और मज़बूती देखी जाती है। यह तक़लीफ़देह हालातों के ज़रिए’ इन्सानों को आज़माने की तस्वीर है।
- “आज़मा कर देखना” या’नी “किसी को चुनौती देना कि अपनी अहमियत को साबित करे।”
- ख़ुदा के आज़माने का मतलब है, उससे हमारे लिए एक मोजीज़ा कराने की कोशिश करना है, उसके रहम का ग़लत फ़ायदा उठाना।
- ‘ईसा ने शैतान से कहा था कि ख़ुदा की आज़माइश करना सही नहीं है। वह बड़ी क़ुदरत वाला पाक ख़ुदा है जो सबके ऊपर है।

## तर्जुमे की सलाह:

- “आज़माना ” का तर्जुमा हो सकता है, “चुनौती देना” या “कठिनाइयों को महसूस करवाना” या “साबित करना”।
- “आज़माना ” के तर्जुमे की शक्ल हो सकते हैं, “चुनौती” या “कठिनाई”।
- “परख कर देखना” का तर्जुमा हो सकता है, “आज़माइश करना” या “चुनौती देना” या “किसी के ख़ुद को साबित करने पर मजबूर करना।”
- ख़ुदा के बारे में इसका तर्जुमा हो सकता है, “ख़ुदा को मजबूर करने की कोशिश करना कि वह अपनी मुहब्बत को साबित करे।”
- कुछ बयानों में, जब मज़मून ख़ुदा नहीं है, “परखना” का मतलब “आज़माना ” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: आज़माइश करना )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:19-22
- रसूलों के 'आमाल 15:10-11
- पैदाइश 22:1-3
- यशायाह . 07:13-15
- याक़ूब 01:12-13
- नोहा 03:40-43
- मलाकी 03:10-12
- फ़िलिप्पियों 1: 9-11
- ज़ुबूर 026:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G1242, G1263, G1303, G1957, G3140, G3141, G3142, G3143, G4303, G4828, G6020

# इख़्तियार, हाकिमों

## ता'अरुफ़:

“इख़्तियार” लफ़्ज़ किसी के ज़रिए' किसी पर ज़ोर और रोकने की ताक़त को बताता है।

- बादशाहों और हुकूमती हाकिमों को हुकूमत करने वालों को लोगो पर उनका इख़्तियार होता है।
- लफ़्ज़ " हाकिमों " लोगों, सरकारों या तन्ज़ीमों को बयान कर सकते है, जिनके पास दूसरों पर इख़्तियार है।
- लफ़्ज़ " हाकिमों" उन रूहों के भी बारे में कर सकते हैं, जो उन लोगों पर इख़्तियार रखते हैं जिन्होंने ख़ुद को ख़ुदा के इख़्तियार के ताबे' नहीं किया है।
- मालिक अपने ख़ादिमों या ग़ुलामों पर इख़्तियार रखते हैं। माँ-बाप के पास अपनी औलादों पर इख़्तियार है।
- सरकारों को अपने बाशिन्दों को क़ाबू में करने वाले क़ानून बनाने का इख़्तियार या हक़ है।

## तर्जुमा कीसलाह:

“इख़्तियार” का तर्जुमा “क़ाबू” या “सही” या “क़ाबिलियत” भी हो सकता है

- कभी-कभी " इख़्तियार " का मतलब"ताक़त " के मतलब के साथ किया जाता है।
- जब "हाकिमों " का इस्ते'माल लोगों या तन्ज़ीमों के बयान करने के लिए किया जाता है, जो लोगों पर हुकूमत करते हैं, तो इसे "हाकिमों" या "हुकूमतों" या "ताक़तों" की शक्ल में भी तर्जुमा किया जा सकता है।

“अपने इख़्तियार से” इस जुमले का तर्जुमा हो सकता है, “रहनुमाई के अपने इख़्तियार से” या “अपनी क़ाबिलियतों की बुनियाद पर”

- कलाम, " इख़्तियार के ताबे’" का तर्जुमा किया जा सकता है, "फरमाबरदारी करने के लिए जिम्मेदार" या "और हुक्मों की फरमाबरदारी करना"।

(यह भी देखें: बाशिन्दे , हुक्म , हुक्म की फरमाबरदारी, ताक़त, हुकूमत

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- कुलुस्सियों 02:10-12
- आस्तर 09:29
- पैदाइश 41: 35-36
- योनाह 03: 6-7
- लूक़ा 12:4-5
- लूक़ा 20:1-2
- मरकुस 01:21-22
- मत्ती. 08:8-10
- मत्ती. 28:18-19
- तीतुस 03:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H8633, G831, G1413, G1849, G1850, G2003, G2715, G5247

# इन्साफ़ ,ना इन्साफ़ी ,ना इन्साफ़ी से भरा ,इंसाफ़ पसनद ,फ़ैसला,

## ता;अर्रुफ़ :

इन्साफ़ " और "मुंसिफ़ " लोगों को ख़ुदा के क़ानूनों के मुताबिक़ सही तौर से फ़ैसला करने के बारे में बताता है। इंसानी क़ानून जो दूसरों के लिए सही सुलूक और ख़ुदा के वक़ार को ज़ाहिर करते हैं, वह भी हैं।

- “इन्साफ़ ” या'नी लोगों के साथ सच्चा और सही सुलूक करना। यह ख़ुदावन्द की नज़रं में ग़लत और सही काम करना भी है।
- “मज़हबी” सुलूक करना या'नी लोगों के साथ ऐसा सुलूक करना जो ख़ुदावन्द के क़ानून के मुताबिक़ सही बेहतर और मुनासिब है।
- “इन्साफ़” पाना या'नी क़ानून के मुता'अल्लिक़ सही सुलूक हासिल करना, क़ानून की हिफ़ाज़त में या हुक्मों की ना फ़रमानी में।
- कभी-कभी “इन्साफ़” का मतलब बड़ा होता है जैसे “मज़हबी” या “ख़ुदावन्द के हुक्मों पर ‘अमल करना”

"ना इंसाफ़ी से भरा " और "ना इंसाफ़ी" लफ़्ज़ लोगों को एक ग़लत और अक्सर नुक़सान दह तरीक़े के सुलूक करने के बारे में बताता है

एक "ना इंसाफ़ी " कुछ बुरा है जो किसी शख़्स के साथ किया जाता है जिसे बयान करना ठीक नहीं था। यह लोगों को ग़लत तरीक़े के सुलूक करने के बारे में बताता है। ना इंसाफ़ी का भी मतलब है कि कुछ लोगों से ग़लत तरह से सुलूक किया जाता है जबकि दूसरो से सही सुलूक किया जाता है।

- जो कोई ग़लत रास्ते में काम कर रहा है और हसद किए जा रहा है तो वह लोगों से सही सुलूक नहीं करता |

“मज़हबी ठहराएगा” और “रास्तबाज़ ” का मतलब है क़ुसूरवार लोगों को रास्तबाज़ ठहराना। सिर्फ़ ख़ुदावन्द लोगों को हक़ीक़त में इन्साफ़ करने वाला ठहराया जा सकता है।

- जब ख़ुदावन्द लोगों को रास्तबाज़ ठहराता है तब वह उनके गुनाह मु'आफ़ करके ऐसा कर देता है कि उन्होंने कभी गुनाह नहीं किया वह उन गुनाहगारों को ही रास्तबाज़ ठहराता है जो गुनाहों से बचने के लिए 'ईसा में ईमान करते हैं।
- “रास्तबाज़ ” के बारे में ख़ुदावन्द के ज़रिए' लोगों के गुनाहों की मु'आफ़ी से और 'ऐलान से है कि वे इन्सान ख़ुदावन्द की नज़र में रास्तबाज़ है।

## तर्जुमा की सलाह:

- जुमले के मुताबिक़, “सच्चा” का तर्जुमा करने की कई शक्ल हैं “इख्लाक़ी में सही” या “इन्साफ़ पसन्द ”।
- “इन्साफ़” का तर्जुमा हो सकता है, “बिना तरफ़दारी के सुलूक” या “लायक़ नतीजा ”।
- “सच्चा सुलूक” का तर्जुमा हो सकता है, “वफ़ादार सुलूक” या “ वफ़ादार सुलूक”
- कुछ जुमलों में “सच्चा” का तर्जुमा “मज़हबी” या “खरा” भी हो सकता है।

जुमले के तौर पर, "ना इंसाफ़ी " का तर्जुमा "ग़लत" या "ग़ैर जानदार" या "गलत" के शक्ल में भी किया जा सकता है। ना इंसाफ़ी" जुमले का तर्जुमा "ना इन्साफ़ों " या "ना इंसाफ़ी लोगों" या "जो लोग दूसरों के साथ ग़लत सुलूक करते हैं" या "ग़लत लोग" या "जो लोग ख़ुदा की नाफ़रमानी करते हैं" की शक्ल में तर्जुमा किया जा सकता है। "ना इंसाफ़ी" लफ़्ज़ का तर्जुमा "ग़लत तरीक़े से" या "ग़लत तरीक़े से" या "ग़लत" के शक्ल में किया जा सकता है। "ना इन्साफ़" का तर्जुमा करने के तरीक़े में "ग़लत ‘इलाज" या ग़लत ‘इलाज " या "ग़लत तरीक़े से सुलूक " शामिल हो सकता है

- “मज़हबी ठहराना” का दूसरा तर्जुमा है, “(किसी) को मज़हबी का 'एलान करना” या “(किसी) के मज़हबी होने की वजह होना।”
- लफ़्ज़ "फ़ैसला" का तर्जुमा "मज़हबी ठहराया जा रहा है" या "मज़हबी बनना" या "लोगों को मज़हबी होना" की शक्ल में किया जा सकता है।
- "नतीजे के तौर पर " जुमले का तर्जुमा हो सकता है "ताकि ख़ुदावन्द ने कई लोगों को सही ठहराया" या "जिसके नतीजे में ख़ुदावन्द ने लोगों को मज़हबी ठहराया।"
- "हमारे फ़ैसले के लिए" जुमले के तौर में तर्जुमा किया जा सकता है "ताकि हम ख़ुदा के ज़रिए' मज़हबी बनाया जा सके।"

(यह भी देखें:मु’आफ़ी , जुर्म , मज़हबी लोग) , मुंसिफ़ ,

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में :

- पैदाइश 44:16-17
- 1 तवारीख़ 18:14-17
- यसा'याह 04:3-4
- यरमियाह 22:1-3
- हिज़्क़ीएल 18:16-17

- मीकाह 03:8
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 11:18-19
- मत्ती 23:23-24
- लूक़ा 18:3-5
- लूक़ा 18:6-8
- लूक़ा 18:13-14
- लूक़ा 21:20-22
- लूक़ा 23:39-41
- रसूलों के 'आमाल 13:38-39
- रसूलों के 'आमाल 28:3-4
- रोमियों 04:1-3
- गलतियों 03:6-9
- गलतियों 03:10-12
- गलतियों 05:3-4
- तीतुस 03:6-7
- ‘इब्रानियों 06:9-10
- या'क़ूब 02:21-24
- मुक़ाशफ़ा 15:3-4

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें :

- **17:09**दाऊद ने कई सालों तक **इन्साफ़** व वफ़ादारी के साथ हुकूमत किया, और ख़ुदावन्द ने उसे मुबारक बाद दी ।
- **18:13** कुछ बादशाह अच्छे आदमी भी थे, जिन्होंने **सही** तौर से हुकूमत किया और ख़ुदावन्द की 'इबादत की।
- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह दूसरे मा'बूदों की 'इबादत करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए **इन्साफ़** और उन पर रहम करना शुरू' करें।
- **50:17** 'ईसा अपने मुल्क पर अमन व **इन्साफ़** के साथ हुकूमत करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

## शब्दकोश:

- Strong's: H205, H2555, H3477, H5765, H5766, H5767, H6662, H6663, H6664, H6666, H8003, H8264, H8636, G91, G93, G94, G1342, G1344, G1345, G1346, G1347, G1738

# इब्न-ए-आदम , इब्न-ए-आदम ,

## ता'अर्रुफ़:

“इब्न-ए-आदम ,” यह लक़ब 'ईसा अपने लिए काम में लेता था। वह “मैं” या “मेरे” के बजाय इसी के ज़रिए' ख़ुद को इस्ते'माल करता था।

- कलाम में “इब्न-ए-आदम” किसी आदमी के बारे में देने या उसे बात करने के लिए काम में लिया जाता था। इसका मतलब “आदमी” भी हो सकता है।
- पुराने ‘अहद नामे की किताब , हिज़्क़ीएल में ख़ुदा हिज़्क़ीएल को बार-बार “ इब्न-ए-आदम ” कहता है। मिसाल में वह कहता है, “ऐ इब्न-ए-आदम नबूव्वत कर” ।
- दानिएल ने “इब्न-ए-आदम” का ख़्वाब देखा कि वह बादलों पर सवार आ रहा है जो आनेवाले मसीह के बारे में है।
- ‘ईसा ख़ुद कहता है कि इब्न-ए-आदम एक दिन बादलों में सवार होकर आएगा।
- इब्न-ए-आदम का बादलों पर सवार होकर आना ज़ाहिर करता है कि मसीह 'ईसा ख़ुदा है।

## तर्जुमा की सलाह:

- ‘ईसा “इब्न-ए-आदम” जुमले को काम में लेता है तो इसका तर्जुमा “वह जो आदमी बना” या “आसमानी आदमी ”।
- कुछ तर्जुमों ने कभी-कभी "मैं" या "मुझे" इस 'उन्वान के साथ ("मैं, इब्न-ए-आदम की शक्ल में) यह साबित करने के लिए शामिल करते है कि 'ईसा अपने बारे में बात कर रहे थे ।
- यह साबित करने के लिए जांचें कि इस वक़्त का तर्जुमा ग़लत मतलब नहीं देता (जैसे कि किसी नाजायज बेटे की ओर इशारा करते हुए या ग़लत सोच देकर कि 'ईसा सिर्फ़ इन्सान थे)
- जब किसी शख़्स को हवाला दिया जाता है, " इब्न-ए-आदम का तर्जुमा "आप, एक इंसान" या "आप, आदमी" या "इंसान" या "आदमी" की शक्ल में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: आसमान, बेटा, ख़ुदा का बेटा, यहोवा)

## किताब-ए मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 07:54-56
- दानिएल 07:13-14
- हिज़्क़ीएल 43:6-8
- यूहन्ना 03:12-13
- लूक़ा 06:3-5
- मरकुस 02:10-12
- मत्ती 13:36-39
- ज़बूर 080:17-18
- मुक़ाश्फ़ा 14:14-16

## शब्दकोश:

- Strong's: H120, H606, H1121, H1247, G444, G5207

# इब्रानी, इब्रानियों

## सच्चाई:

“इब्रानी” लोग इस्हाक़ और या’क़ूब के ज़रिए’ इब्राहीम की नसल के थे। किताब-ए-मुक़द्दस में इब्राहीम पहला इन्सान था जिसे “इब्रानी” कहा गया था।

- “इब्रानी” लफ़्ज़ इब्रानियों की ज़बान के बारे में भी आता है। * पुराना ‘अदनामे को अक्सर लोगों ने इब्रानी ज़बान में लिखा था।
- किताब-ए-मुक़द्दस में मुख़्तलिफ़ जगहों में, इब्रानियों को “यहूदी” या “इस्राईली” भी कहा गया है। ठीक होगा कि इन सब अलफ़ाज़ को उनकी असल शक्ल में ही रखा जाए, लेकिन यक़ीन किया जाए कि ये लफ़्ज़ एक ही क़ौम की जानकारी देते हैं।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: इस्राईल, यहूदी, यहूदी रहनुमा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के ‘आमाल 26:12-14
- पैदाइश 39:13-15
- पैदाइश 40:14-15
- पैदाइश 41:12-13
- युहन्ना 05:1-4
- युहन्ना 19:12-13
- यूनाह 01:8-10
- फ़िलिप्पियों 03:4-5

## शब्दकोश:

- Strong's: H5680, G1444, G1445, G1446, G1447

# इल्ज़ाम लगाना ,मुजरिम, बुराई ,सज़ा का हुक्म

## ता'अर्रुफ़:

"इल्ज़ाम लगाना" और "सज़ा का हुक्म" या'नी ग़लत काम के लिए किसी का इन्साफ़ करना।

- "इल्ज़ाम लगाना" में किसी इन्सान को उसके ग़लत काम के लिए सज़ा देना शामिल होता है।
- कभी-कभी "इल्ज़ाम लगाना" के मा'नी किसी पर झूठा इल्ज़ाम लगाना या किसी का बेरहमी से इन्साफ़ करना होता है।

यह "इलज़ाम" लफ्ज़ किसी काम को ज़ाहिर करता है जो किसी पर किसी तरह की फटकार करता है |

## तर्जुमा कीसलाह:

इस बात पर मुनहसिर है की इसका तर्जुमा किया जा सकता है "बीदमिज़ाजीका 'अदालत " या "ऐब जोई " "इलजाम लगाना "का तर्जुमा किया जा सकता है "वह ग़लत है "उसके गुनाहों की सज़ा उसे ज़रूर मिलना है |

- इस लफ़्ज़ "इल्ज़ाम"का ऐसा भी तर्जुमा किया जा सकता है "बदमिज़ाजी "और ज़ाहिर करता है "ग़लती की सज़ा"

(यह भी देखें: 'अदालत . सज़ा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 यूहन्ना 03:19-22
- अय्यूब 09:27-29
- यूहन्ना 05:24
- लूका 06:37
- मत्ती 12:7-8
- अम्साल 17:15-16
- ज़ुबूर 034:21-22
- रोमियो 05:16-17

## शब्दकोश:

- Strong's: H6064, H7034, H7561, H8199, G176, G843, G2607, G2613, G2631, G2632, G2633, G2917, G2919, G2920, G5272, G6048

# इस्राईल, इस्राईली

## सच्चाई:

“इस्राईल” ख़ुदावन्द के ज़रिए' या'क़ूब को दिया गया नाम था। इसका मतलब है, “वह ख़ुदावन्द के साथ जद्द-ओ-जहद करता है”

या'क़ूब की नसल “ इस्राईल के लोग”, “ इस्राईली क़ौम” या “इस्राईली” कहलाए।

- ख़ुदावन्द ने इस्राईल के लोगों से 'अहद बाँधा था। वह उसके चुने हुए लोग थे।
- इस्राईली क़ौम बारह क़बीलों की थी।
- बादशाह सुलैमान के मरने से पहले इस्राईल दो मुल्क में अलग हो गया था।दक्खिनी मुल्क जो “यहूदा” कहलाया और उत्तरी मुल्क “इस्राईल”।
- इस्राईल का तर्जुमा “इस्राईली लोग” या “ इस्राईली क़ौम” किया जाता है, जो जुमले पर मुन्हसिर करता है।

(यह भी देखें: या'क़ूब, [ इस्राईल का मुल्क, यहूदा, सल्तनत, इस्राईल के बारह क़बीले )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 10:1-3
- 1 सलातीन 08:1-2
- रसूलों के 'आमाल 02:34-36
- रसूलों के 'आमाल 07:22-25
- रसूलों के 'आमाल 13:23-25
- यूहन्ना 01:49-51
- लूक़ा 24:21
- मरक़ुस 12:28-31
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती 27:9-10
- फ़िलिप्पियों 03:4-5

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **08:15** बारह बेटों की औलाद से **इस्राईल** के बारह क़बीले बन गए।
- **09:03** मिस्रियो ने **इस्राईलियों** से सख़्ती के साथ ख़िदमत करवाई, और यहाँ तक कि कई 'इमारतें व पूरे शहर को ता'मीर करवाया।
- **09:05** एक इस्राईली 'औरत ने बेटे को पैदा किया।
- **10:01** उन्होंने कहा, “इस्राईल का ख़ुदा यूँ कहता है, ‘मेरी रि'आया के लोगों को जाने दे !’”
- **14:12** लेकिन इन सब के बावजूद भी, **इस्राईली** ख़ुदा व मूसा के ख़िलाफ़ बुड़बुड़ाते रहें।

*15:09_ ख़ुदावन्द उस दिन **इस्राईल** के लिए लड़ा । _ ख़ुदावन्द ने अमूरियों को उलझन में डाल दिया, और ओले भेजकर बहुत से अमूरियों को हलाक किया।

- **15:12** जंग के बा'द, ख़ुदावन्द ने **इस्राईलियों** को वह सारा मुल्क दिया, जिसे उसने उनको बुजुर्गों से क़सम खाकर देने को कहा था; और वह उसके हाकिम होकर उसमे बस गए। तब ख़ुदावन्द ने **इस्राईलियों** को सारी सीमा के साथ अमन 'अता किया |
- **16:16** तो ख़ुदावन्द ने **इस्राईलियों** को फिर से सज़ावार किया, क्यूँकि उन्होंने बुतों की 'इबादत की थी।
- **43:06** “ऐ **इस्राईलियों** यह बातें सुनो: 'ईसा नासरी एक शख़्स था, जिसने ख़ुदावन्द की ताक़त से कई अजीब कामों और निशानों को ज़ाहिर किया, जो ख़ुदावन्द ने तुम्हारे बीच उसके ज़रिए' कर दिखाए जिसे तुम ख़ुद ही जानते हो”

## शब्दकोश:

- Strong's: H3478, H3479, H3481, H3482, G935, G2474, G2475

# इख़्तियार

## ता'अर्रुफ़:

"इख़्तियार" लफ़्ज़ का मतलब लोगों, जानवरों या ज़मीन पर हुकूमत, क़ाबू, या इख़्तियार है|

- 'ईसा मसीह ने कहा है कि तमाम ज़मीन पर नबी, काहिन, और बादशाह के तौर पर हुकमरान हो|
- मसीह 'ईसा की सलीबी मौत के ज़रिए' शैतान की बादशाही हमेशा के लिए हार गई है।
- तख़लीक के वक़्त ख़ुदा ने कहा था कि इन्सान को मछली, परिन्दों और ज़मीन के सब जानदारों पर इख़्तियार है।

## तर्जुमे की सलाह:

- मज़मून पर मुनहस्सिर इस लफ़्ज़ का तर्जुमा होगा, "इख़्तियार", "क़ुव्वत" या "क़ाबू"।
- "पर इख़्तियार रखना" का तर्जुमा हो सकता है, "पर हुकूमत" या "इंतज़ाम करना"।

(यह भी देखें: इख़्तियार, क़ुव्वत)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 पतरस 05:10-11
- कुलुस्सियों 01:13-14
- यहूदाह 01:24-25

## शब्दकोश:

- Strong's: H1166, H4474, H4475, H4896, H4910, H4915, H7287, H7300, H7980, H7985, G2634, G2904, G2961, G2963

# ईमान

## ता’रीफ़:

‘आम तौर पर “ईमान” का मतलब है किसी इन्सान या चीज़ में , यक़ीन, भरोसा या “ईमान” रखना।

- “ “ईमान होना” या’नी किसी शख़्स में यक़ीन करना कि वह जो कहता है और सच और भरोसेमन्द है|
- “‘ईसा में ईमान” का मतलब है, ‘ईसा के बारे में ख़ुदा की सब ता’लीमों को मानना। इसका मतलब ख़ास करके यह है इन्सान ‘ईसा और उसकी क़ुर्बानी पर और उनकी नजात तथा गुनाह की सज़ा से नजात के लिए उन पर भरोसा है।
- ’ईसा में सच्चा ईमान इन्सान में रूहानी फल या अच्छा सुलूक पैदा करता है क्योंकि उसमें पाक रूह बसी होती है।
- कभी-कभी “ईमान” ‘ईसा के बारे में सब ता’लीमों के बारे में होता है। जैसा इस इज़हार, “ईमान की सच्चाई” में है।
- मज़मून जैसे "ईमान को थामे रहना" तथा ईमान को छोड़ने” लफ़्ज़ में “ईमान” ‘ईसा के बारे में तमाम ता’लीमों पर ‘ईमान लाने के बयान और हालत के बारे में है।

## तर्जुमे की सलाह:

- कुछ मज़मूनों में “ईमान” का तर्जुमा “यक़ीन” या “अहसास-ए-जुर्म” या “ऐ’तमाद” या “भरोसा” किया जा सकता है।
- कुछ ज़बान में इन अलफ़ाज़ का तर्जुमा “ईमान करना” के फ़े’अल की शक्ल में किया जा सकता है।
- इज़हार "ईमान रखना" का तर्जुमा" “‘ईसा पर ईमान करना" या "‘ईसा पर मुसलसल ईमान जारी रखें" के तौर पर किया जा सकता है।
- ये जुमले "ईमान की गहरी सच्चाइयों को पकड़ना" का तर्जुमा, "उन्हें ‘ईसा के बारे में सारी सच्ची बातें मानना चाहिए जो उन्हें सिखाया गया है की शक्ल में किया जा सकता है ।"
- इज़हार "ईमान में मेरा सच्चा बेटा" अलफ़ाज़ का तर्जुमा "मेरे बेटे की तरह है क्योंकि मैंने उसे ‘ईसा पर ईमान करने के लिए सिखाया था" या "मेरा सच्चा रूहानी बेटा, जो ‘ईसा पर ईमान करता है" का तर्जुमा किया जा सकता है।

(यह भी देखें: ईमान, क़ाबिल-ए-ईमान)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- रसूलों के ‘आमाल 06:7
- गलतियों 02: 20-21
- या’क़ूब 02:18-20

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों के मिसालें:

- **05:06** जब इसहाक़ जवान था, तो ख़ुदा इब्राहीम के _ ईमान _ की आज़माइश करते हुए कहा, की अपने इकलौते बेटे को लेकर क़ुर्बानी के तौर पर मार डालो।
- **31:07** फिर उसने (‘ईसा ) पतरस से कहा, "तुम कम **ईमान** वाले इन्सान, तुमने शक क्यों किया?"
- **32:16** ‘ईसा ने उससे कहा, "तुम्हारे _ ईमान _ ने तुमको चंगा किया है। सलामती से जाओ।"
- **38:09** ‘ईसा ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी आज़माइश लेना चाहता है, लेकिन मैंने तुम्हारे लिये दु’आ की है, पतरस, तेरा _ ईमान _ कमज़ोर नहीं होगा।

## शब्दकोश:

- Strong's: H529, H530, G1680, G3640, G4102, G6066

# ईमानदार, इमानदारी, बे-ईमान, बे-ईमानी

## ता’अरुफ़:

ख़ुदा के लिए “ईमानदार” होने का मतलब मुसलसल ख़ुदा की ता’लीमों के मुताबिक़ रहने से है। इसका मतलब उसका ‘अमल करने के ज़रिए’ उसके लिए वफ़ादार होना। ईमानदार होने के बयान या हालत को "ईमानदारी" कहते है।

- एक ईमानदार इन्सान हमेशा अपने वा’दों को बरक़रार रखने और दूसरे लोगों को अपनी ज़िम्मेदारी को पूरा करने के लिए भरोसा रखता है|
- ईमानदार शख़्स किसी काम को करने में मेहनत करता है चाहे वह बहुत वक़्त का और मुश्किल भी क्यों न हो।
- ख़ुदा के लिए वफ़ादारी से मुसलसल करते रहने की मश्क़ करना, जो ख़ुदा हमसे करवाना चाहता है|

लफ़्ज़ ख़ुदा पर “बे-ईमान” का मतलब उस इन्सान से है, जो ख़ुदा हमसे करवाना चाहता है वह नहीं करता है| बे-ईमान की मश्क़ या शर्त को “बे-ईमानी” कहते हैं|

- इस्राईल के लोगों को बे-ईमान कहते थे, जब उन्होंने बुतपरस्ती शुरू’ की और जब वह और तरह से ख़ुदा की नाफ़रमानी की|
- शादी में, जो कोई ज़िना करता है, उससे अपने शौहर के लिए “बेवफ़ा” क़रार दिया जाता है|
- ख़ुदा ने इस्राईल के नाफ़रमान रवैये के लिए “बे-ईमान” लफ़्ज़ का इस्ते’माल किया| वह ख़ुदा की फ़रमाबरदारी या ‘इज़्ज़त करते थे|

## तर्जुमे की सलाह:

- बहुत से मज़मूनों में “ईमानदार” का तर्जुमा “वफ़ादार” या “ताबे’” या “मुनहस्सिर करने के क़ाबिल” भी किया जा सकता है।
- और मज़मूनों में “ईमानदार” ऐसे अलफ़ाज़ या जुमलों के ज़रिए’ तर्जुमा किया जा सकता है जिनका मतलब हो, “भरोसा करते रहना” या “ख़ुदा पर ईमान करने और उसके फ़रमाबरदारी में लगे रहना”।
- “ईमानदार” के तर्जुमे के और तरीक़े हो सकते हैं, “ईमान में मेहनत करते रहना” या “वफ़ादारी” या “भरोसेमन्द” या “ख़ुदा पर ईमान और फ़रमाबरदारी”
- मज़मून पर मुनहस्सिर, “बे-ईमान” का तर्जुमा “ईमानदार नहीं” या “बे-ऐतिक़ादी” या “नाफ़रमान” या “वफ़ादार नहीं” के तौर पर किया जा सकता है|
- अलफ़ाज़ “बे-ईमान” का तर्जुमा “वह लोग ख़ुदा पर ईमान नहीं रखते” या “बे-ईमान लोग” या “वे लोग जो ख़ुदा की नाफ़रमानी करते हैं” या “वह लोग जो ख़ुदा के ख़िलाफ़ बग़ावत करते हैं” के तौर पर किया जा सकता है|
- लफ़्ज़ “बे-ईमानी” का तर्जुमा “नाफ़रमान” या “बेवफ़ाई” या “नाफ़रमानी या भरोसा न करना” के तौर पर किया जा सकता है|
- कुछ ज़बानों में, लफ़्ज़ “बे-ईमान” लफ़्ज़ “बे-ऐतिक़ादी “से मुता’अल्लिक़ है|

(यह भी देखें: ज़िना, यक़ीन, नाफ़रमानी, ईमान, भरोसा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 24:49
- अहबार 26:40-42
- गिनती 12:6-8
- यशू’अ 02:14
- क़ुजात 02:16-17
- 1 समुएल 02:9
- ज़ुबूर 012:1
- अम्साल 11:12-13
- यसा’याह 01:26
- यरमियाह 09:7-9
- होसे’अ 05:5-7
- लूक़ा 12:45-46
- लूक़ा 16:10-12
- कुलुस्सियों 01:7-8
- 1 थिस्लुनीकियों 05:23-24
- 3 युहन्ना 01:5-8

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **08:05** यहाँ तक की क़ैदख़ाने में भी यूसुफ़ ख़ुदा के लिए **वफ़ादार** रहा और ख़ुदा ने उसे बरकत दी।
- **14:12** फिर भी, ख़ुदा अपने 'अहद पर **वफ़ादार** रहा जो उसने इब्राहीम, इस्हाक़, व या'क़ूब से बाँधी थी।
- **15:13** लोग ने 'अहद बाँधा था कि वे ख़ुदा के लिए **वफ़ादार** रहेंगे व उसके हुक्मों का 'अमल करेंगे।
- **17:09** दाऊद ने कई सालों तक इंसाफ़ व **वफ़ादारी** के साथ हुकूमत की, और ख़ुदा ने उसे बरकत दिया। हालांकि, अपनी ज़िन्दगी के आख़िरी पड़ाव में उसने ख़ुदा के ख़िलाफ़ बहुत बड़ा गुनाह किया।
- **18:04** तब ख़ुदा ने सुलैमान पर ग़ुस्सा किया, और उसकी **नारास्ती** की वजह उसे दंड दिया, और 'अहद बाँधा कि सुलैमान की मौत के बा'द वह इस्राईल की बादशाही को दो हिस्सों में बाँट देंगा।
- **35:12** "उसने बाप को जवाब दिया कि, 'देख, मैं इतने साल आप के लिये **ईमानदारी** से काम कर रहा हूँ,
- **49:17** लेकिन ख़ुदा **ईमानदार** है और यह कहता है कि अगर तुम अपने गुनाहों को मान लो, तो वह तुम्हें मु'आफ़ करेगा।
- **50:04** अगर तुम आख़िर तक मेरे लिए **वफ़ादार** रहोगे, तो ख़ुदा तुम्हें बचाएगा!"

## शब्दकोश:

- Strong's: H529, H530, H539, H540, H571, H898, H2181, H4603, H4604, H4820, G569, G571, G4103

# उम्मीद, उम्मीद की, उम्मीदें

## ता’अर्रुफ़:

उम्मीद कुछ होने के लिए मज़बूत ख़्वाहिश है| उम्मीद मुस्तक़बिल के वाक़ि’ए या ग़ैर यक़ीनी मौक़े’ का इशारा बन सकता है|

- किताब-ए-मुक़द्दस के में, लफ़्ज़ "उम्मीद" का मतलब "भरोसा"; भी है, जैसा कि "मेरी उम्मीद ख़ुदावन्द में है।" यह उन लोगों को हासिल करने की एक मुक़र्ररा उम्मीद को ज़ाहिर करता है जो ख़ुदा ने अपने लोगों से वा’दा किया है
- कभी-कभी यूएलबी लफ़्ज़ को असल ज़बान में "ख़ुद’ऐतिमाद"; के तौर पर तब्दील कर देता है। यह ज्यादातर नए ‘अहदनामे में हालात के मुताबिक़ होता है, जहां लोग जो अपने मुन्जी की शक्ल में ‘ईसा पर ईमान करते हैं, उन्हें ख़ुदा ने वा’दा किया है, उसे हासिल करने का हौसला (या ख़ुद’ऐतिमाद या उम्मीद) है।
- “कोई उम्मीद नहीं” का मतलब है किसी अच्छी बात का भरोशा नहीं। इसका मतलब है कि यह हक़ीक़त में बहुत यक़ीनी है कि ऐसा नहीं होगा।

## तर्जुमे की सलाह:

- ज़्यादातर मज़मूनों में ‘उम्मीद करना का तर्जुमा हो सकता है, “ख़्वाहिश करना” या “मिन्नत” या “उम्मीद करना।”
- इज़हार "उम्मीद करने के लिए कुछ नहीं" का तर्जुमा "भरोसा करने के लिए कुछ नहीं" या "कुछ भी अच्छा नहीं की उम्मीद" के तौर पर भी किया जा सकता है
- “कोई उम्मीद नहीं” का तर्जुमा हो सकता है, “किसी भी अच्छी बात की उम्मीद नहीं होना” या “हिफ़ाज़त नहीं होना” या “यक़ीनी तौर से जान लेना कि कुछ भी अच्छा नहीं होगा।”
- इज़हार "पर आपकी उम्मीदों को क़ायम किया है" का तर्जुमा "आपके ख़ुद’ऐतिमाद में डाल दिया है" या "पर भरोसा किया गया है" के तौर पर भी किया जा सकता है।
- जुमला "मुझे आपके लफ़्ज़ में उम्मीद मिलती है" का तर्जुमा "मुझे पूरा भरोसा है कि आपका कलाम सच्चा है" या "आपका कलाम मुझे आपके अंदर भरोसा करने में मदद करता है" या "जब मैं आपके कलाम का ‘अमल करता हूँ, तो मुझे बरकत मिल जाएगी" की शक्ल में किया जा सकता है।
- "उम्मीद" जुमले का तर्जुमा, "ख़ुदा में भरोसा" या "सही जानना कि ख़ुदा ने जो वा’दा किया है। वह करेगा" या "तय करना कि ख़ुदा ईमान के क़ाबिल है" के तौर पर हो सकता है।

(यह भी देखें: बरकत, भरोसा, अच्छा, फ़रमाबरदारी, यक़ीन, ख़ुदा का कलाम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 29:14-15
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- रसूलों की ‘आमाल 24:14-16
- रसूलों की ‘आमाल 26:6-8
- रसूलों की ‘आमाल 27:19-20
- कुलुस्सियों 01:4-6
- अय्यूब 11:20

## शब्दकोश:

- Strong's: H982, H983, H986, H2620, H2976, H3175, H3176, H3689, H4009, H4268, H4723, H7663, H7664, H8431, H8615, G91, G560, G1679, G1680, G2070

# ऐ’तिमाद, भरोसा, , भरोसेमंद, भरोसे के लायक़ ,भरोसे वाला

## ता’अर्रुफ़:

किसी चीज़ या इन्सान पर “भरोसा” करने से मुराद उस चीज़ या इन्सान को सच्चा और भरोसेमंद मानने से है। उस यक़ीन को "भरोसा" भी कहा जाता है। “ए’तिमाद के लायक़ ” इन्सान पर भरोसा किया जा सकता है कि वह सही और सच को कहे और करे, और इसलिए जिसकी "भरोसे मंदी " की ख़ासियत है।

- भरोसा, ईमान से मुन्सलिक है जब हम किसी पर भरोसा करते हैं तब हम उस पर ईमान रखते हैं कि उसने जिस बात का ‘अहद किया है उसे वह पूरा करेगा।
- किसी पर भरोसा करने का मतलब है उस पर मुनहसिर रहना।
- मसीह “पर भरोसा” करने का मतलब है यक़ीन करना कि वह ख़ुदा है, कि वह हमारे गुनाहों की सज़ा उठाने के लिए सलीब पर मरा और हमारी नजात के लिए उस पर मुनहसिर रहना।
- “एक "भरोसेमंद कहावत" कुछ ऐसा करने के लिए हवाला देता है जिसे सच माना जा सके।

## तर्जुमे के लिए सलाह:

- “भरोसा” के तर्जुमे में, “यक़ीन ” या “ईमान ” या “पक्का ईमान ” या “मुनहसिर रहना” शामिल हो सकते हैं।
- “में भरोसा रखो” का मतलब “भरोसा रखने” से मिलता जुलता है।
- लफ़्ज़ "भरोसेमंद" का तर्जुमा “ईमानदार ” या “ऐ’तिमाद के लायक़” या “हमेशा भरोसे में है” हो सकता है।

(यह भी देखें: यक़ीन , ऐ’तिमाद , ईमान , भरोसेमंद , सच )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 09:22-24
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- होसे’अ 10:12-13
- यसायाह 31:1-2
- नहमियाह 13:12-14
- ज़ुबूर 031:5-7
- तीतुस 03:8

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों की मिसालें:

- **12:12** जब इस्राईलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने ख़ुदा पर **भरोसा किया** और यक़ीन करने लगे कि मूसा ख़ुदा का एक नबी है।
- **14:15**यशू’अ एक अच्छा रहनुमा था क्योंकि वह ख़ुदा पर _भरोसा _ करता था व उसके हुक्मो को मानता था।
- **17:02**दाऊद एक बहुत ही हलीम व रास्तबाज़ इन्सान था, जो ख़ुदा पर _भरोसा _ और उसके हुक्मों को मानता था।
- **34:06** फिर ‘ईसा ने उन लोगों के बारे में एक कहानी बताई जो _ अपने ख़ुद के अच्छे कामों पर _भरोसा __ रखते थे और ग़ैर लोगों के साथ नफ़रत करते थे।

## शब्दकोश:

- Strong's: H539, H982, H1556, H2620, H2622, H3176, H4009, H4268, H7365, G1679, G3872, G3982, G4006, G4100, G4276

# कलीसिया, कलीसियाओं, कलीसिया

## ता’अर्रुफ़:

नये ‘अहद नामे’ में "कलीसिया" का बयान मसीह के ईमानदारों का मुक़ामी जमात से है जो दुआ’ करने और ख़ुदा का कलाम सुनने के लिए रोज़ जमा’होते थे। “कलीसिया” लफ़्ज़ सब ईमानदारो के बारे में है।

- इस लफ़्ज़ का हक़ीक़ी मा’नी है इज्तिमा’ या शराकत जो किसी ख़ास मक़सद से इकठ्ठे होते हैं |
- जब यह लफ़्ज़ सब जगहों के सब ईमानदारों मसीह के पूरे बदन के बारे में हो तो कुछ किताब-ए-मुक़द्दस के तर्जुमों में पहला हर्फ़ बड़ा लिखा गया है कि वह मुक़ामी कलीसिया से अलग दिखाई दे |
- किसी शहर के ईमानदार अक्सर किसी एक के घर में इकठ्ठा होते थे | इन मुक़ामी कलीसियाओं को उस जगह का नाम दिया जाता था जैसे “इफिसुस की कलीसिया”।
- किताब-ए-मुक़द्दास में "कलीसिया" का बयान मकान से नहीं है।

## तर्जुमे की सलाह:

- “कलीसिया” लफ़्ज़ का तर्जुमा “एक साथ इकठ्ठा होना” या “इज्तिमा’” या “मजलिस” या “इकठ्ठे होने वाले” हो सकता है।
- इस लफ़्ज़ के तर्जुमे में काम में लिए गए लफ़्ज़ या जुमले का मतलब एक झुण्ड से नहीं सब ईमानदारों से होना है।
- वाज़े’करें कि “कलीसिया” का तर्जुमा किसी मकान का मा’नी ज़ाहिर न करे।
- पुराने ‘अहद नामे में “इज्तिमा’का जिस लफ़्ज़ से तर्जुमा किया गया है उस लफ़्ज़ का भी यहाँ इस्ते’माल किया जा सकता है |
- मुक़ामी या क़ौमी ज़बान के किताब-ए-मुक़द्दस के तर्जुमे को भी देखें| (देखें:अनजान लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें:मजलिस,ईमान,मसीही ईमानदार

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 05:11-13
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- 1 तीमुथियुस 03:4-5
- रसूलों के आमाल 09:31-32
- रसूलों के आमाल 14:23-26
- रसूलों के आमाल 15:39-41
- कुलुस्सियों 04:15-17
- इफिसियों 05:22-24
- मत्ती 16:17-18
- फिलिप्पियों 04:14-17

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **43:12** लगभग 3000 लोगों ने पतरस कि बात पर यक़ीन किया और ‘ईसा के शागिर्द बन गए। और उन्हें बपतिस्मा दिया गया और वे यरूशलीम की **कलीसिया** का हिस्सा बन गए।
- **46:09** लेकिन अन्ताकिया में ज़्यादा तर लोग यहूदी नहीं थे, और पहली बार, उनमें से बहुत लोग ईमान लाकर ख़ुदा की ओर फिरे। बरनबास और शाऊल इन नए ईमानदारों को पढ़ाने, ‘ईसा के बारे में बताने और **कलीसिया** को मजबूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **46:10** तब अन्ताकिया की **कलीसिया** ने शाउल और बरनबास के लिए दु’आ करी और उन पर हाथ रखा। फिर कलीसिया ने उन्हें कई और जगहों में ‘ईसा के बारे में ऐलान करने के लिये भेज दिया।
- **47:13** ‘ईसा की ख़ुशख़बरी को वह सुनाते गए और **कलीसिया** तरक़्क़ी करती गई।
- **50:01** लगभग 2,000 से ज़्यादा सालों से, दुनिया भर में ज़्यादा से ज़्यादा लोग ‘ईसा मसीह की ख़ुशख़बरी को सुन रहे हैं। **कलीसिया** बढ़ रही है।

## शब्दकोश:

- Strong's: G1577

# काम, अमल , काम , आमाल

## ता’अर्रुफ़:

किताब-ए-मुक़द्दस में “काम”, “अमल ”, “आमाल ” ख़ुदा या इन्सानों के ज़रिए किए गये कामों के बारे में इस्तेमाल किए गए लफ़्ज़ हैं।

- "काम " लफ़्ज़ का बयान मेहनत या कोई काम जो और लोगों लोगो के लिए किया गया हो।
- ख़ुदा के “काम” और “उसके हाथों के काम” उन सब बातों के बारे में हैं जो ख़ुदा ने किए और करता है, जिससे दुनिया की तख्लीक़ , गुनाहगारों की नजात , पूरी दुनिया की ज़रूरतों को ‘अता करना और पूरी क़ायनात को एक जगह पर क़ायम रखना। “किरदार और आमाल ” ख़ुदा के मो’जिज़ा के बारे में इस्तेमाल करने के लिए भी किया गया है। जैसे की “आमाल की ताक़त” या “मो’जिज़ा”।
- इन्सान के किरदार अच्छे और बुरे हो सकते हैं।
- पाक रूह ईमानदारों को को भले काम करने की ताक़त ‘अता करती है जिन्हें “अच्छा फल” कहते हैं।
- इन्सान भले कामों से नहीं ‘ईसा में यक़ीन के ज़रिये’ नजात पाता है।
- इन्सान का “काम ” उसके गुज़र बसर या ख़ुदा की ख़िदमत के लिए किए गए काम हो सकते है। किताब-ए-मुक़द्दस में ख़ुदा के लिए कहा गया है कि वह “काम करता” है।

## तर्जुमे की सलाह:

- “काम” और “किरदार ” को “करना ” या “किए गए काम ” में भी तर्जुमा कर सकते हैं।
- ख़ुदा के “कामों ” या “कामों” और "उसके हाथों के काम" का तर्जुमा , “मो’जिज़ा ” या क़ुदरती काम ” या “उसके मो’जिज़ा” हो सकता है।
- “ख़ुदा के काम ” ज़ाहिरयत का तर्जुमा “जो काम ख़ुदा कर रहा है” या "जो मो’जिज़ा ख़ुदा करता है" या “ख़ुदा जो हैरानी के काम करता है” या “सब कुछ जो ख़ुदा ने किया है” की शक्ल में हो सकता है।
- “कामों ” का वाहिद “काम ” है जैसे “हर एक अच्छा काम ” या “हर एक अच्छा काम”
- “काम ” का सही मतलब “ख़िदमत ” या “मसीही ख़िदमत भी होता है”। मसलन , ख़ुदावन्द में तेरी ख़िदमत ” का तर्जुमा हो सकता है “तू ख़ुदावन्द के लिए जो काम करता है”
- “अपने कामों को जांचों” कलाम का तर्जुमा “मुक़र्रर करो कि तुम जो कर रहे हो वह ख़ुदा की मर्ज़ी है” या “तय करो कि तुम जो करते हो उससे ख़ुदा ख़ुश है”।
- “पाक रूह के काम” इसका तर्जुमा “पाक रूह की ताक़त ” या “पाक रूह की ख़िदमत का काम ” या “पाक रूह जो काम करता है”

(यह भी देखें: फल, पाक रूह , मो’जिज़ा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 यूहन्ना 03:11-12
- रसूलों के 'आमाल 02:8-11
- दानीएल 04:36-37
- ख़ुरूज 34:10-11
- गलातियों 02:15-16
- याक़ूब 02:14-17
- मत्ती 16:27-28
- मीकाह 02:6-8
- रोमियो 03:27-28
- तीतुस 03:4-5

## शब्दकोश:

- Strong's: H4566, H4567, H4611, H4659, H5949, G2041

## काहिन , काहिनो , काहिन ‘ओहदा

### ता’अरुफ़:

किताब-ए -मुक़द्दस में काहिन ख़ुदा के लोगों की ओर से ख़ुदा के लिए अदा करने वाले चढ़ावे के लिए चुना गया शख़्स “काहिन का ‘ओहदा ” उसके ‘ओहदे या उसकी ख़िदमत का नाम है।

- पुराने ‘अहद नामे में ख़ुदा ने हारून और उसकी नसल को इस्राईल के लिए काहिन होने के लिए चुना था।
- “काहिन का ‘ओहदा ” एक इख्तियार और ज़िम्मेदारी का था जो लेवियों के क़बीलों में बाप से बेटे को प् लेना होता था।
- इस्राईल के कहिनो की ज़िम्मेदारी थी कि वे आदमियों के ज़रिये लायी गई क़ुर्बानी ख़ुदा कोपेश करें , इसके साथ हैकल के और काम की भी उनकी ज़िम्मेदारी थी
- काहिन रोज़ दुआएं भी ख़ुदा को पेश करते थे और मज़हबी कामों को पूरा करते थे।
- काहिन आदमियों को पूरी दुआ भी देते थे और उन्हें ख़ुदा की शरी’अत के बारे में सिखाते थे।
- ‘ईसा के जमाने में काहिनों के अलग-अलग दर्जे थे जिनमें हाकिम काहिन और सरदार काहिन भी थे।
- ‘ईसा हमारा “बड़ा सरदार काहिन ” है जो ख़ुदा की हुज़ूरी में हमारे लिए मिन्नत करता है। उसने ख़ुद को गुनाह की आख़िरी क़ुर्बानी करके पेश कर दिया। इसका मतलब है कि काहिनों के ज़रिये पेश की गयी क़ुर्बानी की अब ज़रूरत नहीं है।
- नये ‘अहद नामे में ‘ईसा का हर एक ईमानदार “” कहा गया है, वह ख़ुद के लिए और इन्सानों के लिए मिन्नत करने के लिए सीधा ख़ुदा के पास आ सकता है।
- पुराने ज़माने में ग़ैर क़ौमों के भी इबादत गार थे जो झूठे मा’बूद को क़ुर्बानी पेश करते थे, जैसे बा’ल देवता को।

### तर्जुमे की सलाह:

- तर्जुमे के मुताबिक़ “काहिन” का तर्जुमा “क़ुर्बानी पेश करने वालाआदमी ” या “ख़ुदा का ख़ास ” या “क़ुर्बानी चढ़ाने वाला ख़ास ” या “ख़ुदा के ज़रिये उसकी रहबरी करने के लिए मुक़र्ररइन्सान ”।
- “काहिन” का तर्जुमा “बीच ” के तर्जुमे से अलग होना है।
- कुछ तर्जुमों में हमेशा कहा जाता है, “इस्राईली काहिन” या “यहूदी काहिन ” या “यहोवा का काहिन ” या “बा’लका आबिद ” कि तय किया जाए कि वे आज के आबिदों की तरह नहीं थे।
- “काहिन” लफ़्ज़ का तर्जुमा करने के लिए आया लफ़्ज़ “हाकिम काहिन ” और “सरदार काहिन ” और “लेवीय” और “नबी ” से अलग होना चाहिए।

(यह भी देखें: हारून, हाकिम काहिन , सरदार काहिन , बीच , क़ुर्बानी )

### किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तवारीख़ 06:40-42
- पैदाइश 14:17-18
- पैदाइश 47:20-22
- यूहन्ना 01:19-21
- लूका 10:31-32
- मरकुस 01:43-44
- मरकुस 02:25-26
- मत्ती 08:4
- मत्ती 12:3-4
- मीकाह 03:9-11
- नहमायाह 10:28-29
- नहमायाह 10:34-36
- मुक़ाशिफ़ा 01:4-6

### किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **04:07**"मलिकिसिदक, **अज़ीम ख़ुदा के** काहिन "

- **13:09** जो कोई भी ख़ुदा के क़ानूनों की नाफ़रमानी करता है, वह सुलह के ख़ेमे के सामने क़ुर्बानगाह पर ख़ुदा के लिये जानवर की क़ुर्बानी चढ़ाएगा | एक **काहिन** जानवर को मारकर उसे क़ुर्बानगाह पर जलाएगा | एक **काहिन** जानवर को मारकर उसे क़ुर्बानगाह पर जलाएगा | उस जानवर का ख़ून जिसकी क़ुर्बानी चढ़ाई गई है, ख़ुदा की निगाह में गुनाहगार आदमी के सभी जुर्मों को धो देंगा | ख़ुदा ने मूसा के भाई हारून और हारून की नसल को **काहिन** ‘ओहदे के लिये चुना |
- **19:07** तब बा’ल के **याजकों** ने उस बछड़े को जो उन्हें दिया गया था, लेकर क़ुर्बानी के लिए तैयार किया, लेकिन उमसे आग न लगाई
- **21:07**काहिन__ वो है जो लोगों के जगह पर ख़ुदा के लिए क़ुर्बानी पेश करता है, जिससे कि ख़ुदा उनके गुनाहों की वजह से उन्हें सज़ा न दे | **काहिन** ख़ुदा से लोगों के लिए दुआ’ भी करते थे |

## शब्दकोश:

- Strong's: H3547, H3548, H3549, H3550, G748, G749, G2405, G2406, G2407, G2409, G2420

# कुफ़्र, कुफ़्र, ना हक़, किया कुफ़्र करना, कुफ़्र

## ता'अर्रुफ़:

कलाम में “कुफ़्र” लफ्ज़ का ऐसे तरीक़े से बोलना है जो ख़ुदा या लोगों के बारे में ग़ज़बनाक गहरी बे'इज़्ज़ती ज़ाहिर करता है। “कुफ़्र” किसी का उस इन्सान के ख़िलाफ़ बोलना जो और लोगों के ख़याल से झूठा और बुरा हो |

- ख़ुदावन्द की तौहीन करने का मतलब ज़्यादा तर यह होता था कि ख़ुदा के बारे में ग़लत बातें कह कर उसकी तौहीन करना या ख़ुदा की 'इज्ज़त को नुक्सान पहुंचाना या ऐसा ग़ैर अख्लाक़ी सुलूक करना जिससे ख़ुदावन्द की 'इज्ज़त गिरे।
- आदमी ख़ुद को ख़ुदा कहे या अपने आप को भी ख़ुदा के बराबर एक ख़ुदा कहे तो वह कुफ़्र है।
- कुछ अंग्रेजी ज़बान इसका तर्जुमा हो सकता है "बे'इज़्ज़ती" जब यह बे'इज्ज़त इन्सान के बारे में बताता है |

## तर्जुमें की सलाह:

- “कुफ़्र” का तर्जुमा किया जा सकता है, “किसी के ख़िलाफ़ बुरी बातें कहना” या “ख़ुदावन्द की तौहीन करना” या “बे'इज़्ज़त करना”
- “बुराई ” के और तर्जुमा हो सकते हैं, “किसी के ख़िलाफ़ झूठी बातें कहना” या “बे'इज़्ज़त करना” या “झूठी अफवाह उड़ाना”।

(यह भी देखें: बे'इज़्ज़ती , बे'इज़्ज़ती )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में :

- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- रसूलों के 'आमाल . 06:10-11
- रसूलों के 'आमाल 26:9-11
- या'क़ूब 02:5-7
- यूहन्ना 10:32-33
- लूक़ा 12:8-10
- मरकुस 14:63-65
- मत्ती 12:31-32
- मत्ती 26:65-66
- ज़बूर 074:9-11

## शब्दकोश:

- Strong's: H1288, H1442, H2778, H5006, H5007, H5344, G987, G988, G989

# कोने का पत्थर, ख़ास पत्थर

## ता’अर्रुफ़:

“कोने का पत्थर” एक बड़ा पत्थर होता है जो ख़ास करके तराशा हुआ होता है और मकान की नींव में रखा जाता है।

- मकान के और सब पत्थर इस कोने के पत्थर के साथ में रखे जाते हैं।
- यह पत्थर कामिल तख्लीक़ की मज़बूती और इस्तिक़ामत के लिए बहुत अहमियत रखता है।
- नये ‘अहद नामे में ईमानदारों की जमा’त को मिसाल के तौर पर एक हैकल कहा गया है जिसका कोने का पत्थर मसीह ‘ईसा है।
- जिस तरह मकान के कोने का पत्थर पूरे मकान की जगह को संभालता है और सहारा देता है ठीक उसी तरह मसीह ‘ईसा ईमानदारों की जमा’त कोने का पत्थर है जिसके ज़रिये’वह संभाली हुई और मुस्तःक़म है।

## तर्जुमे की सलाह:

- “कोने के पत्थर” का तर्जुमा “माकन का ख़ास पत्थर” या “नींव का पत्थर” किया जा सकता है।

यहां ध्यान दें कि मक़सदी ज़बान में मकान की नींव के किसी हिस्से के लिए कोई लफ़्ज़ है जो ख़ास बुनियाद है। अगर ऐसा लफ़्ज़ है तो उस लफ़्ज़ का इस्तेमाल किया जा सकता है।

- इसका तर्जुमा इस तरह भी किया जा सकता है, “मकान के कोने के लिए काम में लिया गया नींव का पत्थर”
- यह ज़रूरी है कि इस पत्थर के बड़े होने की सच्चाई से मा;मूर हो जो मकान के लिए एक ठोस और महफ़ूज़ सामान के तौर पर काम में लिया जाता है। अगर मकान की ता’मीर में पत्थर काम में नहीं लिए जाते हैं तो “बड़े पत्थर” के लिए कोई और लफ़्ज़ होगा और इसका ख़्याल ख़ास करके तराशा हुआ और जोड़ने के लिए बनाया गया है।

## किताब -ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 04:11-12
- इफिसियों 02:19-22
- मत्ती 21:42
- ज़ुबूर 118:22-23

## शब्दकोश:

- Strong's: H68, H6438, H7218, G204, G1137, G2776, G3037

# कफ़्फ़ारह

## ता’अर्रुफ़:

“कफ़्फ़ारह” यह एक ऐसी क़ुर्बानी है जो ख़ुदा के इन्साफ़ को मुतमईन करने और उसके ग़ुस्से को रफ़ा’करने के लिए होती है।

- ‘ईसा मसीह के लहू का क़ुर्बानी इन्सानी क़ौमों के गुनाहों के लिए ख़ुदा का कफ़्फ़ारह है।
- सलीब पर ‘ईसा की मौत ने गुनाह के ख़िलाफ़ ख़ुदा के ग़ज़ब को रफ़ा’ कर दिया है। इसके ज़रिए’ख़ुदा इन्सान पर महरबानी की नज़र कर पाता है और उन्हें हमेशा की ज़िन्दगी देता है।

## तरजुमे की सलाह:

- इस लफ़्ज़ का तरजुमा “तमानत” या “ख़ुदा से गुनाह मु’आफ़ करवाना और इन्सानों को मिन्नत ‘अता करना” हो सकता है।
- “कफ़्फ़ारह” लफ़्ज़ मतलब में “मिन्नत” के नज़दीक है। इन दोनों लफ़्ज़ के इस्तेमाल की बराबरी करना ज़रूरी है।

(यहभीदेखें: क़फ्फारा, हमेशा, मु’आफ़ करना, क़ुर्बानी

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 1 यूहन्ना 04:9-10
- रोमियो 03:25-26

## शब्दकोश:

- Strong's: G2434, G2435

# कफ़्फ़ारा, तौबा करना, तौबा किया जाए, तौबा किया

## ता’अर्रुफ़:

“तौब करना” और “कफ़्फ़ारा” के ख़ुदा के ज़रिए' लोगों के गुनाहों की क़ुर्बानी का इन्तिज़ाम और गुनाहों के लिए उसके ग़ुस्से को ख़ामोश करने से है।

- पुराने 'अहद नामे के ज़माने में ख़ुदा ने इस्राईल के लिए फ़ौरी तौर पर इन्तिज़ाम किया था कि उनके गुनाहों की तौबा ख़ून की क़ुर्बानी चढ़ाने से की जाए जिसमें जानवर की क़ुर्बानी की जाटी थी ।
- जैसा नये 'अहद नामे में लिखा है, सलीब पर मसीह की मौत ही गुनाह का सिर्फ़ एक सच्ची और हमेशा की तौबा है।
- ईसा ने मरकर लोगों के गुनाहों की सज़ा को उठा लिया था। उसने अपने गुनाहों की क़ुर्बानीको मौत के ज़रिए' कफ़्फ़ारे की क़ीमत को चुका दिया है।

## तर्जुमा की सलाह:

- “तौबा करना” का तर्जुमा ऐसे लफ़्ज़ या जुमले के ज़रिए' किया जा सकता है जिसका मतलब “क़ीमत चुकाना” या “के लिए क़ीमत देना” या “किसी केगुनाहों की मु'आफ़ी करवाना” या “जुल्म से तौबा करना”।
- “कफ़्फ़ारा” के तर्जुमे हो सकते हैं, “क़ीमत अदा करना ” या “गुनाहों की क़ीमत चुकाने की क़ुर्बानी” या “मु'आफ़ी का रास्ता हासिल करवाना”।
- वाज़ेह करें कि इस लफ़्ज़ के तर्जुमे मे पैसों की कोई 'अलामत बयान न हो।

(यह भी देखें: कफ़्फ़ारे के ढकने, मु’आफ़ी , तौबा , मेल-मिलाप, छुटकारा दिलाना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- हिज़कीएल 43:25-27
- हिज़कीएल 45:18-20
- अह्बार 04:20-21
- गिनती 05:8-10
- गिनती 28:19-22

## शब्दकोश:

- Strong's: H3722, H3725, G2643

# कफ़्फ़ारे का ढकना

## ता'अर्रुफ़:

“तौबा का ढकना” 'अहद के सन्दूक़ को ढंकने के लिए सोने का तख़्त था। कई अंग्रेजी तर्जुमों में इसे “तौबा का ढकना” भी कहा गया है।

- तौबा का ढकना 115 सेन्टी-मीटर लम्बा और 70 सेन्टी-मीटर चौड़ा था।
- तौबा के ढकने के ऊपर दो सोने के दो क़रूब थे उनके पंख एक दूसरे को छूते हुए थे
- यहोवा का कहना था कि वह इस्राईलियों से मुलाक़ात करने के लिए तौबा के ढकने पर क़रूबों के फैले हुए पंखों के नीचे मौजूद होगा। सिर्फ़ सरदार काहिन को लोगों का नाज़िम होकर यहोवा के पास जाने की इजाज़त थी।
- इस मक़ाम को “रहम का तख़्त” भी कहा गया है क्यूँकि यह गुनाहगार लोगों की नजात के लिए ख़ुदा के ज़रिए' ढके होने में उसके रहम को ज़ाहिर करता है।

## तर्जुमा की सलाह:

- इस लफ़्ज़ के तर्जुमें कई तरह हो सकते हैं, “सन्दूक़ का ढकना जहां ख़ुदा नजात दिलाने का वा'दा करता है” या “वह मक़ाम जहाँ ख़ुदा सुलह करता है” या “सन्दूक़ का ढकना जहाँ ख़ुदा मु'आफ़ करके बहाल करता है”।
- इसका मतलब “तरक़्क़ी का मक़ाम ” भी हो सकता है।
- इस लफ़्ज़ की बराबरी “तौबा”, “सुलह” और “नजात” लफ़्ज़ों के तर्जुमें से करें।

(यह भी देखें: ‘अहद का सन्दूक़, तौबा, क़रूबों, कफ़्फ़ारा , छुटकारा दिलाना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- ख़ुरूज 25:15-18
- ख़ुरूज 30:5-6
- ख़ुरूज 40:17-20
- अह्बारा 16:1-2
- गिनती 07:89

## शब्दकोश:

- Strong's: H3727, G2435

## ख़तना करना, ख़तना किया, ख़तना

### ता’अर्रुफ़:

ख़तना करने के मा’नी है आदमी या बच्चे की अज़ो तनासुल की खाल काट देना। इसी रिश्ते से ख़तना की रस्म को किया जाता था।

- ख़ुदा ने इब्राहीम को हुक्म दिया था कि उनके साथ बांधी ख़ुदा के ‘अहद के निशान की शक्ल में वह अपने घराने और ख़ादिमों का ख़तना करे।
- ख़ुदा ने इब्राहीम की नसलों को भी यही हुक्म दिया था कि वे अपने घरों में पैदा हुए हर लड़के के पैदा होने पर ऐसा करना जारी रखें |
- “दिल का ख़तना” या’नी इन्सान में से गुनाह का “निकलना” या गुनाह से तोबा करना |
- रूहानी शक्ल में, “ख़तना” उन लोगों के बारे में बताता है जिन्हें ख़ुदा ने ‘ईसा के लहू से गुनाहों से पाक किया और जो उसके लोग हैं।
- ”ना मख़्तून” के मा’नीहै जिनका जिस्मानी ख़तना नहीं हुआ है। इसका मख़सूस बयान उन लोगों से भी है जिनका रूहानी ख़तना नहीं हुआ है या’नी जिनका रिश्ता ख़ुदा से नहीं है।

“ना मख्तून’और मख्तून “एक मर्द से मुराद है जो जिस्मानी तौर पर संभले हुए नहीं हैं | तम्सीली शक्ल में इसका इस्तेमाल किया जाता है \

- मिस्र एक मुल्क था और इसकी ज़रूरत थी | लिहाज़ा जब मिस्र के बारे में बात करता है तो “ग़ैरजानदार” की तरफ से शिकस्त दी सकती है, वह लोग जिन लोगों ने मिस्रियों कको ख़तना नहीं किया था उनसे इशारा किया|

किताब-ए-मुक़द्दस उन लोगों से इशारा करता है जो, “ग़ैर जानदार दिल” रखता है या “जो दिल में ग़ैर जानदार” हैं| * किताब-ए-मुक़द्दस उन लोगों को बताता करता है जिनके पास "मासूम दिल" है या जो "दिल में मासूम" हैं।

- अगर ज़बान में खतना के लिए एक अलफ़ाज़ का इस्ते’माल किया जाता है या पता होता है, तो "नामख़्तून" का तर्जुमा बिना ख़तने का किया जा सकता"
- बयान के मुताबिक़ पर तमसील "ग़ैरयक़ीनी " का तर्जुमा "जिन लोगों का खतना नहीं हुआ है" या "जो लोग खुदा से जुड़े नहीं हैं" के तौर में तर्जुमा किया जा सकता है।
- इस लफ़्ज़ की अजीब नफ्सों का तर्जुमा करने के और तरीकों में "ख़ुदा के लोग नहीं" या "उन लोगों की तरह बग़ावत शामिल हो सकते हैं जो ख़ुदा से जुड़ा नहीं हैं" या "जिन लोगों के पास ख़ुदा से मिलाकोई इशारा नहीं है।"
- तम्सीली "दिल में ना मख्तून" का तर्जुमा "जिद्दी बगावत " या "यक़ीन करने से इंकार कर दिया" की शक्ल में तर्जुमा किया जा सकता है। हालांकि, अगर मुमकिन हो तो ज़ाहिर या एक तरह रखना बहुत है क्योंकि रूहानी खतना एक ख़ास तसव्वर है।

### तर्जुमे की सलाह:

- अगर मक़्सदी ज़बान में आदमियों का ख़तना किया जाता है तो यहाँ इसी लफ़्ज़ का इस्तेमाल किया जाये |
- इस लफ्ज़ के और तर्जुमे हो सकते हैं “चारों ओर से काटना”,गोलाई में काटना “ या “आगे की खाल काटना”|
- जिन रिवायतो में ख़तना नहीं जाना जाता है वहाँ नुक्ता या फ़हरिस्तमें इसका बयान करना ज़रूरी है |
- वाज़े’ करें कि इसका तर्जुमा औरतों के बारे में न हो| ज़रूरी है की इसका तर्जुमा एक ऐसे लफ़्ज़ के साथ किया जाये जिससे आदमियों के बारे में ज़ाहिर हो |

(यह भी देखें :अनजान लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें : इब्राहीम, मुआ’हदा)

### किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 17:9-11
- पैदाइश 17:12-14
- ख़ुरूज 12:47-48
- अह्बार 26:40-42
- यशू’अ 05:2-3
- क़ुज़ात 15:17-18
- 2 समुएल 01:17-20
- यरमियाह 09:25-26
- हिज़्क़ीएल 32:24-25

- रसूलों के आमाल 10:44-45
- रसूलों के आमल 11:1-3
- रसूलों के आमाल 15:1-2
- रसूलों के आमाल 11:1-3
- रोमियो 02:25-27
- गलतियों 05:3-4
- इफ़िसियों 02:11-12
- फ़िलिप्पियों 03:1-3
- कुलुस्सियों 02:10-12
- कुलुस्सियों 02:13-15

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **05:03** "आपको अपने घराने में हर आदमी का ख़तना करना चाहिए।"
- **05:05** उस दिन इब्राहीम ने उसके घर में सभी आदमियों का **ख़तना** किया।

## शब्दकोश:

- Strong's: H4135, H4139, H5243, H6188, H6189, H6190, G203, G564, G1986, G4059, G4061

# खोजे, खोजों

## ता'रूफ़:

“खोजे” लफ्ज़ उस आदमी के बारे में है जिसका खस्सी किया गया हो। जवाब में यह लफ्ज़ सब सरकारी हुक्काम के लिए काम में आने लगा यहाँ तक कि ‘अदम इश्तहक़ाम के बगैर भी|

- 'ईसा ने कहा कि कुछ शोक़ ऐसे ही पैदा हुए थे जो मुम्किना अज्साम की वजह से या जिन्सी तौर पर काम करने के क़ाबिल नही थे | कुछ नामर्दों की तरह कुँवारी ज़िन्दगी गुज़ारती हैं।
- पुराने ज़माने में नामर्द शख्स बादशाह के ख़ादिम होते थे जिन्हें 'औरतों की हिफ़ाज़त के लिए रखा जाता था।
- कुछ नामर्द इन्सान ख़ास रियास्ती अफ़सर होते थे जैसे कूश मुल्क के खोजे जिससे फ़िलिप्पुस ने रेगिस्तान में क़ुर्बानी की थी।

(यह भी देखें: फ़िलिप्पुस)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के ‘आमाल 08:26-28
- रसूलों के ‘आमाल 08:36-38
- रसूलों के ‘आमाल 08:39-40
- यसा’याह 39:7-8
- यरमियाह 34:17-19
- मत्ती 19:10-12

## शब्दकोश:

- Strong's: H5631, G2134, G2135

# गन्धरस

## ता'अर्रुफ़:

"लोबान" एक तेल या मसाला होता था जो मूर के पेड़ से निकाला हुआ गोंद होता था, यह दरख़्त अफ़्रीक़ा और एशिया में पाया जाता था यह लोबान जैसा ही होता है।

गन्धरस धूप, 'इत्र, और दवा बनाने और लाशों को दफ़नाने में काम आता था।

- गन्धरस 'ईसा की पैदाइश पर नजूमियों के ज़रिए' पेश की गई नजरानों में से एक था।
- 'ईसा जब सलीब पर लटका हुआ था तब गन्धरस मिलाकर मय उसे दी गई थी कि उसकी दर्द कम जो जाए।

(यह भी देखें: लोबान, नजूमी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- ख़ुरूज 30:22-25
- पैदाइश 37:25-26
- यूहन्ना 11:1-2
- मरकुस 15:22-24
- मत्ती 02:11-12

## शब्दकोश:

- Strong's: H3910, H4753, G3464, G4666, G4669

# गवाही, गवाही देना

## ता'अर्रुफ़:

जब कोई आदमी "गवाही" देता है तो वह उसके बारे में एक बयान देता है जिसे वह जानता है, और यह दावा करते हुए कि बयान सच है। "गवाही" का मतलब "गवाही देने" से है।

- इन्सान हमेशा उस बात की गवाही देता है, जिसका उसे शख्सी तजुर्बा है।
- "झूठी गवाही" देने वाला आदमी किसी हादसे के बारे में सच नहीं कहता है।
- कभी-कभी "गवाही" किसी नबी की नबुव्वत के बारे में भी होती है।
- नये 'अहद नामे में यह लफ्ज़ अक्सर 'ईसा के मानने के बारे में है कि उन्होंने 'ईसा की ज़िन्दगी , मौत और फिर से जी उठने की गवाही दी।

यह जुमला इस बात की गवाही देता है एक शख्स जो ख़ुद तजुर्बा रखता है कुछ जो हुआ है | आम तौर पर गवाही किसी शख्स के बारे जो कुछ हुआ सच है | यह जुमला "चश्म दीद गाह "वह शख्स वहां था और जो कुछ हुआ उसने देखा है |

""गवाही "जो हुआ उस को होते हुए देखा |

- मश्क़ के तौर पर "गवाह"गवाही देता है और गवाह खड़ा करता है \ यह एक जैसा मतलब रखता है "आज़माने"के लिए |
- गवाही उम्मीद रखती है की सच बोलना जो उन्होंने देखा और सुना है |
- एक गवाह सच नहीं बोलता है जो कुछ हुआ वह झूठा गवाह है | उसने कहा "झूठी गवाही दो "और झूठे गवाह खड़े करो|

यह तजुर्बा "गवाही के बीच "मतलब 'किसी का किसी के लिए सुबूत होन | उस मुआ'अहदा के लिए जो किया गया है | गवाही इस बात यक़ीनी करता है हर शख्स वह केरे जो उसने वा'दा किया है

## तर्जुमे की सलाह:

- "गवाही देना" या "गवाही देना" का तर्जुमा "सच को कहना" या "जो देखा और सुना उसे बताना" या "शख्सी तजुर्बे से कहना" या "सुबूत देना" या "जो हुआ उसका बयान करना"।
- "गवाही" के तर्जुमे की शक्ल हो सकती हैं, "जो हुआ उसकी तफ़सील सुनाना" या "सच का सुनाना" या "सुबूत देना" या "जो कहा गया" या "नबुव्वत "।

इस जुमले को, " उनकी गवाही के तौर पर" तर्जुमा किया जा सकता है, "उन्हें सच्चाई दिखायें" या "उनको साबित करने के लिए कि सच क्या है"

- "उनके ख़िलाफ़ गवाही ठहरे" का तर्जुमा "जिससे उन पर उनके गुनाह ज़ाहिर हों" या "उनका फ़रेब ज़ाहिर हो" या "जो साबित करे कि वे गलत हैं"।
- "झूठी गवाही देना" इसका तर्जुमा हो सकता है, "किसी के बारे में झूठी बातें कहना" या "ऐसी बातें कहना जो सच नहीं हैं"।
- लफ़्ज़ "गवाह "या "चश्मदीद गवाह "जुमला में तर्जुमा किया जा सकता है जिस का मतलब ये है की ये शख्स उसे देखता है या जिस ने देखा है "या "कौन है जिसने देख और सुना (उन चीज़ों को)
- कुछ है जो "एक गवाह "या "हमारे वा'दे का निशान "या "जिस चीच का सुबूत है की ये सच है |
- जुमला "आप मेरे बारे में दूसरे लोगों को बताएं गे "या आप लोगों को सच्चाई सिखाएं गे जैसा मैंने तुम को सिखाया "या "आप लोगो को बतायें गे जो आप ने मुझे देखा मुझे सिखाया |
- "गवाह "करने के लिए तर्जुमा किया जा सकता की क्या देखा गया था "या "गवाही देना" या "क्या हुआ है "
- "गवाह "करने के लिए "कुछ देख कर "हो सकता है "या "किसी चीज़ का तजुर्बा "हो सकता है |

(यह भी देखें: 'अहद का संदूक़, जुर्म, मुन्सिफ़, नबी , गवाही, हक़ीक़ी

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इस्तिसिना31:27-29
- मीकाह 06:3-5
- मत्ती 26:59-61
- मरकुस 01:43-44
- यूहन्ना 01:6-8
- यूहन्ना 03:31-33

- रसूलों के 'आमाल 04:32-33
- रसूलों के 'आमाल 07:44-46
- रसूलों के 'आमाल 13:30-31
- रोमियो 01:8-10
- 1 थिस्लोनोकियो 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:19-20
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- 2 तीमुथियुस 01:16-18
- 1 युहन्ना 05:6-8
- 3 युहन्ना 01:11-12
- मुकाश्फ़ा 12:11-12

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

-39:02-घर के अन्दर “यहूदाह के रहनुमाओं ने मुक़दमे पर ‘ईसा की आज़माइश की | उन्होंने बहुत से _झूठे गवाह _जो उन के बारे में झूठ बोला |

- *39:04*सरदार काहिन ने अपने कपडे को ग़ुस्से में फ़ेंक दिया और कहा”हमें _गवाहों -की ज़रूरत नहीं | तुम ने उसे सुना है की वह खुदा का बेटा है | तुम्हारा फैसला क्या है ?
- *42:08*ये भी सहीफ़े में लिखा गया कि मेरे शागिर्दों को ये ‘एलान किया जायेगा कि हर शख्स अपने गुनाहों की मु’आफ़ी के लिए तोबा करेंगे वह ये यरूशलीम में शुरू ‘करते हैं और फिर ये जगह तमाम झुण्डों पर जायेंगे | आप इन चीज़ों के _गवाह-हैं
- *43:07*हम सब गवाहहैं कि खुदा ने ‘ईसा को दोबारा ज़िन्दा किया |

## शब्दकोश:

- Strong's: H5707, H5713, H5715, H5749, H6030, H8584, G267, G1263, G1957, G2649, G3140, G3141, G3142, G3143, G3144, G4303, G4828, G4901, G5575, G5576, G5577, G6020

# गुनाह , गुनाहों, गुनाह करना, गुनाहगार, गुनाहगार, गुनाह करते रहना

## ता'अर्रुफ़:

"गुनाह" काम, ख़याल और जो लफ़्ज़ ख़ुदावन्द के ख़िलाफ़ हैं। गुनाह का मतलब यह भी होता है कि हम वह काम न करें जो ख़ुदावन्द चाहता है।

- वह हर एक काम जो ख़ुदावन्द का हुक्म या ख़ुशी के ख़िलाफ़ है बयान में वह बातें भी जिन्हें ग़ैर लोग नहीं जानते, गुनाह हैं।
- ख़याल और काम जो ख़ुदावन्द की मर्ज़ी की फ़रमाबरदारी नहीं करते गुनाहगार कहलाते हैं।
- क्यूँकि आदम ने गुनाह किया है, सभी इंसान एक " गुनाहगार फ़ितरत" के साथ पैदा होते हैं, जो एक क़ुदरती है जो उन्हें बराबर करता है और उन्हें गुनाह करने देता है।
- "गुनाहगार" या'नी गुनाह करनेवाला, या सब इन्सान गुनाहगार हैं।
- कभी-कभी "गुनाहगार " लफ़्ज़ फ़रीसी जैसे मज़हबी लोगों के ज़रिए' शरी'अत पर 'अमल नहीं करनेवालों के लिए काम में लिया जाता था, फ़रीसियों के मुक़ाबले शरी'अत पर 'अमल नहीं करनेवालों के लिए।
- "गुनाहगार" लफ़्ज़ उन लोगों के लिए भी काम में लिया जाता था जो ग़ैर लोगों से ज़्यादा गुनाहगार समझे जाते थे। मिसाल के तौर पर, जिज़्या लेनेवाले और तवाएफ़ ।

## तर्जुमा की सलाह:

- "गुनाह" का तर्जुमा ऐसे जुमले के ज़रिए' भी किया जा सकता है जिसका मतलब हो, " ख़ुदावन्द का हुक्म न मानना" या "ख़ुदा की मर्ज़ी के ख़िलाफ़चलना" या "बुरे काम और ख़्याल" या "ग़लत काम करना"।
- " गुनाह करना" का तर्जुमा " ख़ुदावन्द की ना फ़रमामानी " या "ग़लत काम करना" भी हो सकता है।
- जुमले के मुताबिक़ "गुनाहगार" का तर्जुमा "ग़लत काम करने वाले" या "बुरे या "ग़ैर इखलाक़ी" या "बुरा" या " ख़ुदावन्द से मुख़ालिफ़त "
- जुमले के मुताबिक़ गुनाहगार" का तर्जुमा ऐसे लफ़्ज़ या जुमले के ज़रिए' किया जा सकता है जिसका मतलब हो "वह शख़्स जो गुनाह करता है" या "ग़लतकाम करनेवाला शख़्स" या " ख़ुदावन्द के हुक्म न माननेवाला शख़्स"
- "गुनाहगारों" का तर्जुमा ऐसे जुमले से भी किया जा सकता है जिनका मतलब हो "बहुत ज़्यादा गुनाहगार शख़्स" या "जिन लोगों को बहुत ज़्यादा गुनाहगार माना जाता है" या " बहुत बुरा शख़्स"
- "जिज़्या लेनेवाले और गुनाहगार" के तर्जुमें के कई तरीक़े हैं , "सरकार के लिए पैसा जमा' करनेवाले और बहुत ज़्यादा गुनाहगार लोग या "बहुत गुनाहगार शख़्स"।
- " गुनाह के गुलाम " या " गुनाह के ज़रिए' हुक्म" के जुमलों में, "गुनाह" लफ़्ज़ का तर्जुमा "हुक्म न मानना" या " बुरी खवाहिशें और कामों " की शक्ल में किया जा सकता है।
- वाज़ह करें कि इस वक़्त के तर्जुमे में गुनाहगार का सुलूक और ख़याल शामिल हो सकते हैं, यहां तक कि वह भी जो उस बारे में नहीं जानते हैं।
- लफ़्ज़ "गुनाह" बराबर होना चाहिए, और "बदकार" और "बुराई" के लिए लफ़्ज़ों से अलग होना चाहिए।

(यह भी देखें:नाफ़रमानी, बुरा, जिस्म, जिज़्या लेनेवाला)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 09:1-3
- 1 यूहन्ना 01:8-10
- 1 यूहन्ना 02:1-3
- 2 शमूएल 07:12-14
- रसूलों के 'आमाल 03:19-20
- दानिएल09:24-25
- पैदाइश 04:6-7
- इब्रानियों 12:1-3
- यसा'याह 53:10-11
- यरमियाह18:21-23
- अह्बार 04:13-15
- लूक़ा 15:17-19
- मत्ती 12:31-32
- रोमियो 06:22-23

- रोमियो 08:3-5

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **03:15** ख़ुदावन्द ने कहा "मैं वा'दा करता हूँ कि मैं फिर कभी ज़मीन पर ला'नत नहीं भेजूँगा क्यूँकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को हलाक कर देते हैं, भले ही लोग उस वक़्त से **गुनाहगार** होते हैं जब वह बच्चे होते हैं।
- **13:12** ख़ुदावन्द उनके **गुनाह** की वजह उनके साथ बहुत गुस्सा था और उन्हें हलाक करने के मन्सूबे बनाए ।
- **20:01** इस्राईलियों और यहूदियों के बादशाहों ने ख़ुदावन्द के ख़िलाफ़ **गुनाह** किया था। उन्होंने 'अहद को तोड़ा जो ख़ुदावन्द ने उनके साथ सीनै में बनाया था।
- **21:13** नबियों ने यह भी कहा कि मसीह ऐसा होगा, जिसमें कोई **गुनाह** नहीं होगा। वह ग़ैर लोगों के **गुनाह** के लिए सज़ा हासिल करने के लिए मर जाएगा
- **35:01** एक दिन, 'ईसा कई जिज़्या लेनेवाले और कई **गुनाहगारों** को सिखा रहा था जो उन्हें सुनने के लिए जमा' हुए थे।
- **38:05** तब 'ईसा ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नए 'अहद नामे का मेरा ख़ून है जो **गुनाहों** की मु'आफ़ी के लिए डाल दिया गया है।
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, "तौबा करो, और तुम में से हर एक 'ईसा मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो ख़ुदावन्द तुम्हारे **गुनाहों** को मु'आफ़ करेगा।
- **48:08** हम सभी हमारे **गुनाहों** के लिए मरने के लायक़ हैं!
- **49:17** अगर्चे आप एक मसीही हैं, फिर भी आप **गुनाह** करने की आज़माइश में पड़ेंगे । लेकिन ख़ुदावन्द यक़ीन के लायक़ है और यह कहता है कि अगर तुम अपने **गुनाहों** को मान लो, तो वह तुम्हें मु'आफ़ करेगा। वह **गुनाह** के ख़िलाफ़ जंग करने के लिए तुम्हें ताक़त देगा।

## शब्दकोश:

- Strong's: H817, H819, H2398, H2399, H2400, H2401, H2402, H2403, H2408, H2409, H5771, H6588, H7683, H7686, G264, G265, G266, G268, G361, G3781, G3900, G4258

# गोश्त

## ता’अर्रुफ़ :

किताब-ए-मुक़द्दस में “गोश्त” इन्सान या जानवर के नरमी के बारे में बताता है।

- किताब-ए-मुक़द्दस में “गोश्त” लफ़्ज़ का ‘अलामती इस्ते’माल भी होता है जिसके ज़रिए’ सब इन्सानों या सब जानवरों का ज़िक्र होता है।

नये ‘अहदनामे में “गोश्त” लफ़्ज़ इन्सानों के गुनाहगार आदत के लिए काम में लिया गया है। इसका इस्ते’माल अक्सर रूहानी आदत के मुख़तलिफ़ किया जाता है।

- “अपना गोश्त और ख़ून” किसी के साथ ख़ून के रिश्ते का हवाला देता है जैसे वालिदैन, भाई-बहन, औलाद, नाती-पोते।
- इसका हवाला बुज़ुर्गों या नसलों से भी है।
- “एक जिस्म” का मतलब शादीशुदा औरत और मर्द के जिस्मानी ता’अल्लुक़ से भी है|

## तर्जुमे की सलाह:

- मज़मून में एक जानवर के जिस्म का तर्जुमा “जिस्म” या “जिल्द” या “गोश्त” किया जा सकता है|
- जब ‘आम तौर पर सभी जानदार मख़लूक के लिए इस्ते’माल में लिया जाए, तब इस लफ़्ज़ का तर्जुमा “जानदार” या “हर एक चीज़ जो ज़िन्दा है” किया जा सकता है|
- जब ‘आम तौर पर सभी इन्सानों के लिए इस्ते’माल में लिया जाए, तब इस लफ़्ज़ का तर्जुमा है, “लोग ” या “इन्सानी क़ौम” या “सब ज़िन्दा लोग” हो सकता है|
- इज़हार “जिस्म और ख़ून” का तर्जुमा हो सकता है “रिश्तेदार ” या “ख़ानदान” या “रिश्तेदार” या “ख़ानदानी नसल”। वहाँ वह मजमून हो सकता है, जहाँ इसका तर्जुमा “बुज़ुर्गों” या “नसलों” किया जा सकता है|
- कुछ ज़बानों में इज़हार हो सकता है कि “गोश्त और ख़ून” मतलब में एक जैसे हैं|
- इज़हार “एक गोश्त होना” का तर्जुमा “जिन्सी अजज़ा” या “एक जिस्म होना या “एक इन्सान का जिस्मानी और रूहानी तौर पर एक होना” हो सकता है| * इस इज़हार के तर्जुमे को जाँच कर पक्का करना लेना चाहिए कि यह मक़सदी ज़बान और रवायत के क़ुबूल करने लायक़ है या नहीं| (देखें: अलफ़ाज़). यह भी समझना चाहिए कि यह ‘अलामती है, और इसका मतलब यह नहीं है कि एक मर्द और ‘औरत जो "एक जिस्म होंगे" का लफ़्जी तौर से एक इन्सान बन गया है।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 युहन्ना 02:15-17
- 2 युहन्ना 01:7-8
- इफिसियों 06:12-13
- गलातियों 01:15-17
- पैदाइश 02:24-25
- यूहन्ना 01:14-15
- मत्ती 16:17-18
- रोमियो 08:6-8

## शब्दकोश:

- Strong's: H829, H1320, H1321, H2878, H3894, H4207, H7607, H7683, G2907, G4559, G4560, G4561

# चुनना, मुक़र्रर करना, मुक़र्रर किया

## ता’अर्रुफ़:

“ठहराए” और “ मुक़र्रर किया” या'नी किसी को किसी ख़ास काम या किरदार के लिए चुनना।

- “ मुक़र्रर होना” के बारे में भी “चुना गया” कि कुछ हासिल करे जैसे “ज़िन्दगी की ख़ुशी के लिए ठहराया” लोग जो “ख़ुशहाल ज़िन्दगी के लिए ठहराया” या'नी वह ख़ुशहाल ज़िन्दगी के लिए चुने गए हैं।
- “ मुक़र्ररा वक़्त ” या'नी ख़ुदा का “चुना हुआ वक़्त” या “मशवरे का वक़्त ” कि कोई घटना घटे।
- “ठहराए” लफ़्ज़ का मतलब “हुक्म दिया ” या “किसी को किसी काम के लिए रखना”

## तर्जुमा की सलाह:

- नए जुमले का तर्जुमा “ठहराए” तर्जुमा के तरीक़े हो सकते हैं, “चुनना” या “सौंपना” या “क़ानूनी तौर पर चुन लेना “या“ इख़्तियार देना”।
- “ मुक़र्रर किया” का तर्जुमा हो सकता है, “सौंपा” या “योजना बनाई” या “ख़ास तरीक़े से चुना”।
- “ मुक़र्रर किया गया” का तर्जुमा “चुना गया” हो सकता है।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 08:10-12
- रसूलों के 'आमाल 03:19-20
- रसूलों के 'आमाल 06:2-4
- रसूलों के 'आमाल 13:48-49
- पैदाइश 41: 33-34
- गिनती 03:9-10

## शब्दकोश:

- Strong's: H561, H977, H2163, H2296, H2706, H2708, H2710, H3198, H3245, H3259, H3677, H3983, H4150, H4151, H4152, H4487, H4662, H5324, H5344, H5414, H5567, H5975, H6310, H6485, H6565, H6635, H6680, H6923, H6942, H6966, H7760, H7896, G322, G606, G1299, G1303, G1935, G2525, G2749, G4287, G4384, G4929, G5021, G5087

# चौथाई देश के राजा

## ता’अरुफ़:

"चौथाई देश के बादशाह " लफ़्ज़ का मतलब है एक सरकारी हुक्मरान जो रोमी सल्तनत के एक हिस्से पर हुकूमत करता था। प्रत्येक चौथाई देश के राजा रोमी बादशाह के मातहत था।

- मज़मून "चौथाई देश के राजा" का मतलब "चार शिरकत हाकिमों में से एक है।"
- सम्राट डाइक्लेटीयन के तहत शुरू हुई थी, रोमी सल्तनत के चार ख़ास हिस्से हुए थे और हर एक हाकिम ने एक हिस्से पर हुकूमत किया।
- "महान" हेरोदेस की बादशाहत जो ‘ईसा की पैदाइश के वक़्त बादशाह था, उसकी मौत के बाद चार हिस्सों में बाँटा गया था, और उसके बेटों ने "चौथाई मुल्क के बादशाह " या "चौथे के हाकिमों " की शक्ल में हुकूमत किया।
- हर एक चौथाई मुल्क में एक या उससे ज़्यादा ‘इलाक़े’ जिन्हें "सूबा " कहा जाता है, जैसे गलील या सामरिया।
- "हेरोदेस जो चौथाई मुल्क का बादशाह था" उसका बयान कई बार नए ‘अहद नामे किया गया है. वह "हेरोदेस अन्तिपास" नाम से भी जाने जाते थे।
- "चौथाई देश के बादशाह ," लफ्ज़ का तर्जुमा , "इलाक़ाई हाकिम" या "सूबे का हाकिम " या“” या “हाकिम” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बड़ा हाकिम , हेरोदेस अन्तिपास, सूबा , रोम, हाकिम )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- लूका 03:1-2
- लूका 09:7-9
- मत्ती 14:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: G5075, G5076

# छुटकारे के लिये, छुड़ा लिया

## ता’अर्रुफ़:

लफ़्ज़ “छुटकारे के लिये” का मतलब है क़ैदी की आज़ादी के लिए मांगी गई रक़म या और कोई अदायगी।

- फ़े’अलके तौर पर, लफ़्ज़ "छुटकारे का" दाम देना, किसी क़ैदी, गुलाम या क़ैदख़ाने में रखे हुए इन्सान के लिए रक़म देना या बचाने के लिए किसी काम को ख़ुद-सुपुर्दगी के साथ करना। “दुबारा ख़रीद लेना” “आज़ाद कराने” जैसा ही है।
- ‘ईसा ने ख़ुद को छुटकारे के क़ीमत के तौर पर दे दिया कि इन्सान को गुनाह की ग़ुलामी से आज़ाद कराए। इन्सानों के गुनाह की क़ीमत देकर अपने लोगों को दुबारा ख़रीद लेना किताब-ए-मुक़द्दस में ख़ुदा की "नजात" कहलाता है।

## तर्जुमे की सलाह:

- “छुटकारे की क़ीमत चुकानी ” इसका तर्जुमा हो सकता है, “आज़ादी के लिए क़ीमत चुकाना” या “आज़ाद कराने के लिए क़ीमत चुकाना” या “ दुबारा ख़रीद लेना”।
- “छुटकारे की क़ीमत चुकानी ” इसका तर्जुमा इस तरह हो सकता है “क़ीमत चुकाना” या "सज़ा का क़ीमत चुकाना(लोगों को आज़ाद करने के लिए)" या "ज़रूरी क़ीमत अदा करना।"
- नाम "छुटकारे" का तर्जुमा "वापस ख़रीदना" या "एक जुर्माने का भुगतान " या "अदा की गई क़ीमत" (लोगों या जमीन को आज़ाद या ख़रीदने के लिए) की शक्ल में किया जा सकता है।
- एक "छुटकारे का क़ीमत" और "छुटकारा" लफ़्ज़ का अंग्रेज़ी में एक ही मतलब है लेकिन कभी-कभी इसे थोड़ा अलग तरीक़े से इस्ते’माल किया जाता है। दीगर ज़बानों में इस तसव्वुर के लिए सिर्फ़ एक लफ़्ज़ हो सकता है।
- यक़ीनी करें कि यह तर्जुमा “कफ़्फ़ारा” के तर्जुमा से अलग हो।

(यह भी देखें: कफ़्फ़ारा, छुटकारा दिलानेवाला)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तीमुथियुस 02:5-7
- यसा’याह 43:2-3
- अय्यूब 06:21-23
- अहबार 19:20-22
- मत्ती 20:25-28
- ज़बूर 049:6-8

## शब्दकोश:

- Strong's: H1350, H3724, H6299, H6306, G487, G3083

# छुड़ा ले, छुटकारा, छुटकारा, छुटकारा दिलानेवाला

## ता’अर्रुफ़:

“छुड़ा ले” या “छुटकारा” को वापस ख़रीदने या किसी ऐसे इन्सान को ख़रीदने के बारे में बताया गया जो पहले मिलकियत में था, या क़ैदी था| इसे करने के ‘अमल को "छुटकारा" कहते है। मुन्जी (छुड़ानेवाला) वह इन्सान है जो किसी चीज़ या इन्सान को छुड़ा लेता है।

- ख़ुदा ने इस्राईल को किसी चीज़ या इन्सान को छुड़ाने के क़ानून दिए थे।
- मिसाल के तौर पर, किसी ग़ुलाम को क़ीमत चुका कर कोई इन्सान छुड़ा सकता था कि वह आज़ाद हो जाए। “फ़िरौती” भी इसी मश्क़ के बारे में है।
- अगर किसी की ज़मीन बेची जा चुकी है तो उसका कोई ख़ानदानी उस ज़मीन को छुड़ा सकता है या “दुबारा ख़रीद” सकता है कि वह ख़ानदानी दौलत बनी रहे।
- इन मश्क़ से ज़ाहिर है कि ख़ुदा गुनाहों के ग़ुलामी में रहनेवालों को कैसे छुड़ाता है, जब ‘ईसा सलीब पर मर गया था तब उसने इन्सानों के गुनाहों का पूरा क़ीमत चुका दिया और उन सबको छुड़ा लिया जो आज़ादी के लिए उसमें ईमान करते हैं। जो इन्सान ख़ुदा के ज़रिए’ छुड़ाए गए हैं वे गुनाह और गुनाह की सज़ा से आज़ाद हो गए हैं।

## तर्जुमे की सलाह:

मज़मून पर मुनहस्सिर, “छुड़ाना” का तर्जुमा हो सकता है, “दुबारा ख़रीद लेना” या “आज़ाद होने की कीमत चुकाना(कोई)” या "फ़िरौती"।

- लफ़्ज़ "छुटकारा" का तर्जुमा "" या "फ़िरौती होने की क़ीमत" या "दुबारा ख़रीद लेना" के तौर पर किया जा सकता है।
- लफ़्ज़ "फ़िरौती" और “छुटकारा” बुनियादी तौर से एक ही मतलब है, इसलिए कुछ ज़बानों में इन दोनों अलफ़ाज़ का तर्जुमा करने के लिए सिर्फ़ एक लफ़्ज़ हो सकता है। लफ़्ज़ "फ़िरौती",ताहम, इसका मतलब भी ज़रूरी अदायगी हो सकता है।

(यह भी देखें: आज़ाद, फ़िरौती)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- कुलुस्सियों 01:13-14
- इफ़िसियों 01:7-8
- इफ़िसियों 05:15-17
- गलातियों 03:13-14
- गलातियों 04:3-5
- लूक़ा 02:36-38
- रूत 02:19-20

## शब्दकोश:

- Strong's: H1350, H1353, H6299, H6302, H6304, H6306, H6561, H7069, G59, G629, G1805, G3084, G3085

# छोड़ना, छोड़ देता, छोड़ दिया, छोड़ा

## ता’अर्रुफ़:

लफ़्ज़ “छोड़ना” का मतलब है किसी को ख़ारिज कर देना या किसी चीज़ को छोड़ देना। कोई जो “छोड़ा हुआ” है तो वह किसी के ज़रिए’ अकेला छोड़ दिया गया या अलग कर दिया गया है।

- जब इन्सान ख़ुदा को “छोड़” देते हैं, तो वे नाफ़रमानी के ज़रिए’ उससे धोखा करते है।
- जब ख़ुदा “इंसानों” को छोड़ देता है, तब उसने उनकी मदद करना छोड़ दिया है और उन्हें मुसीबत का तजुर्बा करने को दिया है कि वे उसके पास लौट आएं।
- इस लफ़्ज़ का मतलब किसी चीज़ को छोड़ना भी है, जैसे ख़ुदा की ता’लीमों को छोड़ना या उनका ‘अमल नहीं करना।
- लफ़्ज़ “छोड़ा हुआ” को माज़ी में काम में लिया जा सकता है जैसे “उसने तुझे छोड़ दिया” या जैसे किसी को "छोड़ दिया गया है" के बारे में।

## तर्जुमे की सलाह:

- इस लफ़्ज़ के तर्जुमे के और भी तरीक़े हो सकते हैं, “छोड़ देना” या “नज़रअंदाज़ करना” या “छोड़ देना” या “से दूर हो जाना” या “पीछे छोड़ देना” मज़मून पर मुनहस्सिर|
- ख़ुदा की शरी’अत को “छोड़” देने का तर्जुमा हो सकता है, “ख़ुदा की शरी’अत का ‘अमल नहीं करना” इसका तर्जुमा यह भी हो सकता है उसकी ता’लीमों या शरी’अत को “रद्द कर देना” या “छोड़ देना” या “हुक्म की फरमाबरदारी न करना”।
- जुमले “छोड़ा हुआ” का तर्जुमा “छोड़ा हुआ” या “ख़ारिज होना” हो सकता है।
- इसका मतलब और ज़्यादा साफ़ ज़ाहिर करने के लिए तर्जुमे में मुख़्तलिफ़ अलफ़ाज़ का इस्ते’माल करें, जो मज़मून पर मुनहस्सिर करता है कि मज़मून में किसी चीज़ या किसी शख़्स को छोड़ा गया है|

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 06:11-13
- दानीएल 11:29-30
- पैदाइश 24:26-27
- यशू’अ 24:16-18
- मत्ती 27:45-47
- अम्साल 27:9-10
- ज़ुबूर 071:17-18

## शब्दकोश:

- Strong's: H488, H2308, H5203, H5428, H5800, H5805, H7503, G646, G657, G863, G1459, G2641,

# जलन, हसद

## ता’अर्रुफ़:

“जलन” और हसद” का बयान रिश्तों की सफ़ाई को महफ़ूज़ रखने की मज़बूती से है। इन लफ़्ज़ों में किसी चीज़ या इन्सान के लिए अपनापन बनाए रखने की मज़बूत ख़्वाहिश भी है।

- इन लफ़्ज़ों के ज़रिए' इन्सान के ग़ुस्से को भी बयान किया जाता है जो शादी में धोकेबाज़ रहा है।
- कलाम में इन लफ़्ज़ों के ज़रिए' लोगों को पाक रहने और गुनाह से बदनाम न होने की ख़ुदा की मज़बूत मर्ज़ी को भी ज़ाहिर किया गया है।
- ख़ुदा अपने नाम का 'एजाज़ और एहतराम के लिए भी हसद रखता है।
- किसी की कामयाबी और मक़बूलियत पर ग़ुस्सा को भी हसद कहते हैं। * यह “हस्सास” के बराबर है।

## तर्जुमा की सलाह:

- “जलन” के तर्जुमे की कई शक्लें हो सकती हैं, “हिफ़ाज़त की मज़बूत मर्ज़ी” या “अपनेपन की मर्ज़ी ”
- “हसद” का तर्जुमा “हिफ़ाज़त का मज़बूत एहसास” या “अपनेपन का एहसास”
- ख़ुदा के लिए जब इस लफ़्ज़ का तर्जुमा करें तो ऐसा ज़ाहिर न हो कि ख़ुदा किसी से जलन रखता है।
- इन्सानों के बारे में लोगों के ग़ुस्से से भरे ख़्यालों के बारे में जब कोई कामयाब होता है तब “जलना” या “जलन” लफ़्ज़ों का इस्ते'माल किया जा सकता है। लेकिन यह लफ़्ज़ ख़ुदा के लिए काम में न लें।

(यह भी देखें: हसद)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 कुरिन्थियों 12:20-21
- इस्तिसना 05:9-10
- ख़ुरूज 20:4-6
- हिज़्क़ीएल 36:4-6
- यसू'अ 24:19-20
- नहूम 01:2-3
- रोमियो 13:13-14

## शब्दकोश:

- Strong's: H7065, H7067, H7068, H7072, G2205, G3863

# जलाल,जलाल से मा’मूर, ता’रीफ़, ता'रीफ़ करता है

## ता’अर्रुफ़:

'आमतौर, “जलाल” का मतलब है, ‘इज़्ज़त, शान-ओ-शौकत और बहुत बड़ाई। जिसमें जलाल हो वह "जलाल से मा’मूर" कहलाता है।

- कभी-कभी "जलाल" का मतलब बहुत क़ीमती और ख़ास भी होता है। कई बयानों में इसका मतलब, शान-ओ-शौकत, रोशनी या फ़ैसला भी होता है।
- मिसाल के लिए, "चरवाहों की शान" का मतलब हरी चरागाहों को बताता है जहाँ उनके भेड़ों को खाने के लिए बहुत घास होती है।
- ख़ास तौर से बड़ाई करके ख़ुदा का बयान करने में काम में ली जाती है क्यूँकि वह सारी दुनिया में सबसे ज़्यादा जलाल से मा'मूर है उसके जुमले में हर एक बात उसकी शान और उसकी शौकत को ज़ाहिर करती है।
- जुमले "बड़ाई करने के लिए" का मतलब है कि कुछ के बारे में ग़ुरूर करना या फ़ख़्र करना

“बड़ाई करे” या'नी किसी चीज़ या आदमी की 'इज़्ज़त और उसकी बड़ाई को ज़ाहिर करना । इसका असल मतलब है, “ता'रीफ़ करना”।

- इन्सान ख़ुदा के अजीब कामों को बयान करके उसकी बड़ाई कर सकते हैं |
- वह ख़ुदा की बड़ाई भी कर सकते है इस तरीक़े से जीकर की उसे 'इज़्ज़त मिले और दिखाते हुए की वह कितना अज़ीम और शानदार है।
- कलाम में लिखा है कि ख़ुदा अपना जलाल ज़ाहिर करता है तो इसका मतलब है कि वह लोगों पर अपनी हैरत अँगेज़ काम ज़ाहिर करता है, जो हमेशा मो'जिज़ों के ज़रिए' होता है।
- बाप ख़ुदा, बेटा ख़ुदा के जलाल का बेटे का कमाल , उसकी शान और 'अज़मत को ज़ाहिर करता है।
- मसीह में ईमान करनेवाला हर एक शख़्स उसके साथ जलाल पाएगा। जब ज़िन्दगी के लिए उनका नया जन्म होगा तब वह उसके जलाल को ज़ाहिर करने के लिए तब्दील हो जाएंगे और तमाम तख्लीक़ पर उसका फ़ज़ल ज़ाहिर होगा।

## तर्जुमा के लिए सलाह:

जुमलों के तौर पर "जलाल" का तर्जुमा कई तरीक़े से हो सकता है "अमन" या "रोशनी" या "’अज़मत" या"शानदार "’अज़ीमी" या इन्तिहाई क़द्र सामिल हो सकती है |

- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, “को जलाल देना” या “जलाल से भरा हुआ ” या “'अज़ीम दिखाई देने की वजह होना”।
- मज़मून "ख़ुदा को जलाल दें" का तर्जुमा "ख़ुदा की 'अज़मत का ‘एजाज़" या "उसकी बड़ाई की वजह से ख़ुदा की ता'रीफ़ " या "दूसरों को बताएं कि ख़ुदा कितना 'अज़ीम है" की शक्ल में तर्जुमा किया जा सकता है।
- मज़मून "जलाल" का तर्जुमा "'इज़्ज़त" या "फ़ख़्र में" या "ग़ुरूर" या "ख़ुशी लेने" की शक्ल में भी किया जा सकता ह

"जलाल" का तर्जुमा "जलाल देना" या "जलाल लाने" या "’अज़ीम दिखने की वजह " की शक्ल में भी किया जा सकता है।

- “ख़ुदा की बड़ाई करना” इस जुमले का तर्जुमा हो सकता है, “ख़ुदा की बड़ाई करना” या “ख़ुदा की 'अज़मत का ज़िक्र करना” या “दिखाना कि ख़ुदा कैसा 'अज़ीम है”, या “ख़ुदा की (हुक्म की ‘इता’अतकरते हुए )एहतराम करना”।
- लफ़्ज़ "जलाल हो" का तर्जुमा भी किया जा सकता है, "बहुत बड़ा होना दिखाया जाए" या "ता'रीफ़ की जाए" या "बुलंद हो।"

(यह भी देखें: बड़ाई करना, महिमा, फ़रमाबरदारी , बड़ाई )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- ख़ुरूज 24:16-18
- गिनती 14:9-10
- यसा'याह 35:1-2
- Luke 18:42-43
- लूक़ा 02:8-9
- यूहन्ना 12:27-29
- रसूलों के 'आमाल 03:13-14
- [रसूलों के 'आमा 07:1-3
- रोमियों 08:16-17
- 1 कुरिन्थियों 06:19-20
- फ़िलिप्पियों 02: 14-16

- फ़िलिप्पियों 04:18-20
- कुलुस्सियों 03:1-4
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:5-6
- या'क़ूब 02:1-4
- 1 पतरस 04:15-16
- मुक़ाश्फ़ा15:3-4

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **23:07** तब अचानक फ़रिश्तों का झुण्ड ख़ुदा की ता'रीफ़ करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आसमान में ख़ुदा **बड़ाई** और ज़मीन पर उन लोगों में जिनसे वह ख़ुश है, अमन हो ।”
- **25:06** फिर शैतान ने 'ईसा को निया की सारी सल्तनतों और उसकी **शान-ओ-शौकत** दिखाकर उससे कहा, “अगर तू गिरकर मुझे सिज्दा करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा।”
- **37:01** यह सुनकर 'ईसा ने कहा, “यह बीमारी मौत की नहीं; लेकिन ख़ुदा के **जलाल** के लिए है।"
- **37:08** ‘ईसा ने जवाब दिया , “क्या मैंने तुझ से नहीं कहा था कि अगर तू मुझ पर यक़ीन करेगी, तो ख़ुदा के **जलाल** को देखेगी?”

## शब्दकोश:

- Strong's: H117, H142, H155, H215, H1342, H1921, H1922, H1925, H1926, H1935, H1984, H2892, H3367, H3513, H3519, H3520, H6286, H6643, H7623, H8597, G1391, G1392, G1740, G1741, G2620, G2744, G2745, G2746, G2755, G2811, G4888

# जहन्नुम, आग की झील

## ता'अर्रुफ़:

जहन्नुम बहुत दुखों और मुसीबतों का वह आख़िरी मक़ाम है जहां ख़ुदा उसके बाग़ियों को और 'ईसा की क़ुर्बानी के ज़रिए' उनकी नजात के मन्सूबे की मुख़ालिफ़त करनेवालों को सज़ा देगा। इसे "आग की झील" भी कहा गया है।

- जहन्नुम को आग और बहुत मुसीबत का मक़ाम कहा गया है।
- शैतान और उसके साथ की बदरूहें अबदी सज़ा के लिए जहन्नुम में डाली जाएंगी।
- जो लोग उनके गुनाहों के लिए 'ईसा के बलिदान में ईमान नहीं करते और नजात के लिए उसमें ईमान नहीं करते उन्हें भी हमेशा की सज़ा के लिए जहन्नुम में डाला जाएगा।

## तर्जुमे की सलाह:

- इन अलफ़ाज़ का तर्जुमा अलग-अलग अलफ़ाज़ के जरिए' किया जाए क्योंकि वे अलग-अलग मज़मूनों में आते हैं।
- कुछ ज़बानों में "आग की झील" का झील लफ़्ज़ काम में नहीं लिया जा सकता क्योंकि उस ज़बान में झील का मतलब पानी की झील है।
- "जहन्नुम" लफ़्ज़ का तर्जुमा "मुसीबत का मक़ाम" या "तारीकी और मुसीबत का आख़िरी मक़ाम" किया जा सकता है।
- "आग की झील" का तर्जुमा "आग का समन्दर" या "बहुत बड़ी आग" या "आग का इलाक़ा" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: जन्नत, मौत, आलम-ए-अर्वाह, अथाह गड्ढा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- या'क़ूब 03:5-6
- लूक़ा 12:4-5
- मरक़ुस 09:42-44
- मत्ती 05:21-22
- मत्ती 05:29-30
- मत्ती 10:28-31
- मत्ती 23:32-33
- मत्ती 25:41-43
- मुकाशिफ़ा 20:13-15

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **50:14** वह (ख़ुदा) उन्हें _ जहन्नुम _ में फेंक देगा, जहाँ वे परेशानी में हमेशा रोएँगे और दाँत पीसेंगे। वह आग जो कभी नही बुझती उन्हें हमेशा जलाती रहेगी और कीड़े उन्हें हमेशा खाते रहेंगे।
- **50:15** वह शैतान को _ जहन्नुम _ में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने ख़ुदा का हुक्म मानने के बजाय उसकी बात मानने का फ़ैसला किया।

## शब्दकोश:

- Strong's: H7585, G86, G439, G440, G1067, G3041, G4442, G4443, G4447, G4448, G5020, G5394, G5457

# जहान का यहोवा, रब्बुल-आलमीन , आसमान का मेज़बान , आसमानों को मेज़बान , सारी कायनात का ख़ुदा

## ता’अर्रुफ़:

- “सेनाओं का यहोवा” और “सेनाओं का ख़ुदावन्द” ये लक़ब हजारों फ़रिश्तों पर ख़ुदावन्द के इख़्तियार को बताता हैं जो उसके हुक्मों पर 'अमल करते हैं।
- “मेज़बान” या “मेज़बानों” ये लफ़्ज़ किसी भी बात की बड़ी ता'दाद को बयान करते हैं जैसे फ़ौज या सितारों की बड़ी ता'दाद। यह बुरी रूहों और सभी कई रूहों के बारे में भी है। बयान यह साबित करता है कि क्या बयान किया जा रहा है।

“आसमान की फ़ौज” सितारों, नछात्रों और दूसरी आसमानी चीज़ों के लिए काम में लिए जाते हैं।

- नए 'अहद नामे में, मज़मून, "सेनाओं का ख़ुदा" का मतलब "सेनाओं का यहोवा" की तरह है, लेकिन इसको इस तरह से तर्जुमा नहीं किया जा सकता है क्यूँकि "यहोवा" 'इब्रानी लफ़्ज़ है नए 'अहद नामे में इस्ते'माल नहीं किया गया है।

## तर्जुमा के लिए सलाह:

“सेनाओं का यहोवा” का तर्जुमा हो सकता है, “फ़रिश्तों पर हुकूमत करने वाला ख़ुदावन्द” या “फ़रिश्तों की फ़ौजों पर हुकूमत करने वाला ख़ुदावन्द” या “यहोवा जो फ़रिश्तों पर हुकूमत करता है।”

- "सेनाओं का ख़ुदावन्द" और "सेनाओं का ख़ुदा" लफ़्ज़ों में "सेनाओं " के मज़मून का तर्जुमा उसी तरह से किया जाएगा जैसा कि ऊपर "सेनाओं का यहोवा" में लिखा गया है।
- कुछ कलीसियाएं “यहोवा” लफ़्ज़ की जगह में “ख़ुदा”(मालिक अंग्रेजी के बड़े हर्फ़) लफ़्ज़ को काम में लेना ज़्यादा बेहतर समझते हैं क्यूँकि कई कलाम के मज़्मूनों में ऐसा ही इस्ते'माल किया गया है। ऐसी कलीसियाओं के लिए “सेनाओं का ख़ुदा” काम में लें और पुराने 'अहद नामे में "सेनाओं का यहोवा" काम में ले।

(यह भी देखें: फ़रिश्ता, अधिकार, ख़ुदावन्द, ख़ुदा, ख़ुदा, ख़ुदा यहोवा, यहोवा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- ज़करियाह 13:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H430, H3068, H6635

# जहाज़

## ता'अरुफ़:

“जहाज़”, लफ़्ज़ लकड़ी के चौकोर डब्बे के जैसा बताता है जिसमें कोई चीज़ रखकर महफ़ूज़ की जाती है। जहाज़ बड़ी या छोटी हो सकती है जो मुन्हसिर करता है कि वह किस काम में ली जा रही है।

- अंग्रेजी की किताब-ए-मुक़द्दस में “जहाज़” लफ़्ज़ सबसे पहले एक लकड़ी की चौकोर नाव के लिए काम में लिया गया लफ़्ज़ है जिसे नूह ने दुनिया के सैलाब से बचने के लिए बनाया था। इस जहाज़ का नीचे बराबर था और एक छत थी और दीवारें थी।
- इस लफ़्ज़ के तर्जुमा हो सकता हैं, “एक बहुत बड़ी नाव” या “बजरा” या “माल लाने वाली नाव ” या “बड़ी सन्दूक़ जैसी नाव”।
- इस बहुत बड़ी नाव के लिए जो इब्रानी लफ़्ज़ काम में लिया गया है वह लफ़्ज़ वही है जिसे मूसा की माँ ने बच्चे मूसा को नील नदी में रखने के लिए टोकरी बनाई थी। इसका तर्जुमा हमेशा टोकरी किया जाता है।
- “’अहद का सन्दूक़” में “सन्दूक़” के लिए एक अलग इब्रानी लफ़्ज़ का काम में लिया गया है। इसका तर्जुमा “डब्बा” या “सन्दूक़” या “बर्तन” किया जा सकता है।
- “सन्दूक” का तर्जुमा किया जाए तब हर एक के बारे में देखें कि उसकी लम्बाई-चौड़ाई कितनी है और वह किस काम में लिया गया है, यह ज़्यादा ज़रूरी है।

(यह भी देखें: ‘अहद का सन्दूक़, टोकरी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 पतरस 03:18-20
- ख़ुरूज 16:33-36
- ख़ुरूज 30:5-6
- \ पैदाइश08:4-5](rc://ur-deva/tn/help/gen/08/04)
- लूका 17:25-27
- मत्ती 24:37-39

## शब्दकोश:

- Strong's: H727, H8392, G2787

# जान , रूह

## ता'अर्रुफ़:

“रूह ” शख़्स का अन्दुरूनी ना दिखाई देने वाला अब्दी हिस्सा है। यह शख़्स का ग़ैर जिस्मानी हिस्सा है।

- “रूह” और “जान” दो अलग नज़रयात हैं या वह दो अलग लफ़्ज़ हैं जो एक ही ख़याल को बयान करते हैं।
- इन्सान जब मरता है तब उसकी रूह जिस्म को छोड़ देती है।
- “रूह” लफ़्ज़ का इस्ते'माल कभी-कभी 'अलामती शक्ल में पूरे तौर पर बयान लिए किया गया है। मिसाल के तौर पर “ रूह गुनाह करती है” या'नी “इन्सान गुनाह करता है”, या “मेरी रूह थकी है” या'नी “मैं थका हुआ हूं।”

## तर्जुमा की सलाह:

- “रूह” का तर्जुमा “अन्दुरूनी आदमी ” या “अन्दुरूनी शख़्स”
- कुछ बयानों में “मेरी रूह” का तर्जुमा, “मैं” या “मुझे” हो सकता है।
- जुमले के मुताबिक़ “रूह” का तर्जुमा 'आम तौर पर “शख़्स” या “वह” या “उसे” हो सकता है।
- कुछ ज़बानों में “रूह” और “रूह” के लिए एक ही लफ़्ज़ होता है।
- 'इब्रानियों 4:12 में 'अलामती शक्ल में “जान और रूह को... अलग करके” का मतलब हो सकता है, “अन्दुरूनी शख़्स को समझना या अन्दुरूनी शख़्स को ज़ाहिर करना।”

(यह भी देखें: रूह )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 पतरस 02:7-9
- रसूलों के 'आमाल 02:27-28
- रसूलों के 'आमाल 02:40-42
- पैदाइश 49: 5-6
- यसा'याह 53:10-11
- या'क़ूब 01:19-21
- यरमियाह 06:16-19
- योना 02:7-8
- लूक़ा 01:46-47
- मत्ती 22:37-38
- ज़बूर 019:7-8
- मुक़ाश्फ़ा 20:4

## शब्दकोश:

- Strong's: H5082, H5315, H5397, G5590

# जाहो जलाल

## ता’अरुफ़:

“जाहो जलाल”लफ़्ज़ का मतलब है अज़मत और शान के बारे में ख़ास कर बादशाह की ख़ासियतों का।

- कलाम में “जाहो जलाल” ज़्यादातर ख़ुदा की शान के लिए काम में लिया गया है क्यूँकि वह दुनिया के ऊपर सबसे बड़ा बादशाह है।
- “जाहो जलाल” बादशाह से बात करने के बारे में है।

## तर्जुमा की सलाह :

- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, “अज़ीम बादशाहत ” या “शाही शान
- “जाहो जलाल” लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, “आपकी अज़मत” या “आपकी शान” या मक़सदी ज़बान में एक हुकूमत से बात करने का एक रूहानी तरीक़ा ।

(यह भी देखें: बादशाह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 पतरस 01:16-18
- दानिएल 04:36-37
- यसा'याह 02:9-11
- यहूदा 01:24-25
- मीकाह 05:4-5

## शब्दकोश:

- Strong's: H1347, H1348, H1420, H1923, H1926, H1935, H7238, G3168, G3172

# जिस्म, जिस्मों

## ता'अर्रुफ़:

“जिस्म ” का हवाला इंसान या जानवर के जिस्म से है। इस लफ्ज़ का इस्ते'माल जुमले कि शक्ल में किसी चीज़ या भीड़ के लिए भी किया गया है।

- “जिस्म ” लफ्ज़ मुर्दा इंसान या मरा जानवर के बारे में भी काम में आता है। कभी इसका मतलब “मुर्दा जिस्म ” या “लाश” कहा गया है।
- आख़िर फ़सह के खाने के वक़्त 'ईसा ने रोटी तोड़कर अपने शागिर्दों से कहा था, “यह मेरा जिस्म है” तो वह अपने जिस्म के बारे में कह रहा था जो कई गुनाहों के लिए तोड़ (मार डाला) जाएगा।
- किताब-ए-मुक़द्दस में ईमानदारों के झुन्ड को “मसीह का जिस्म ” कहा गया है।
- जैसे जिस्म के कई हिस्से होते हैं वैसे ही “मसीह के जिस्म ” के कई रुक्न हैं।
- मसीह के जिस्म में हर एक ईमानदार की अपना एक ज़िम्मेदारी है कि मुकम्मल भीड़ की मदद करे कि वह एक साथ ख़ुदा की ख़िदमत करे और उसकी मेहमान नवाज़ी करे।

'ईसा इस बात की याद दिलाता है कि वह अपने ईमानदारों का "सर " है | जैसे इंसान का सिर अपने जिस्म को हिदायात देता है कि उसे क्या करना है वैसे ही 'ईसा ईमानदारों को हिदायत और सीधा रास्ता फ़राहम करता है कि उसके “जिस्म ” के 'आज़ा होने कि वजा उन्हें क्या करना है।

## तर्जुमा की सलाह :

- इस लफ्ज़ के तर्जुमा के लिए मक़सदी ज़बान में जिस्म के लिए 'आम तौर पर काम में लिए जाने वाले लफ्ज़ का इस्ते'माल किया जाए। यक़ीन करें कि जिस लफ्ज़ का इस्ते'माल किया गया है वह बुरे काम तो नहीं।
- कुछ ज़बानों में ईमानदारों की जमा’अत का हवाला देते वक़्त “मसीह का रूहानी जिस्म ” कहना ज़्यादा मुमकिन और अच्छा होगा।
- जब 'ईसा कहता है, “यह मेरा जिस्म” है तो इसका सही तर्जुमा तफ़सील करने के लिए हासिए का इस्ते’माल करके किया जा सकता है |
- कुछ ज़बानों में मुर्दा जिस्म के लिए एक अलग लफ्ज़ इस्ते'माल में लिया जाता है जैसे इंसान के लिए “लाश” और जानवर के लिए “मुर्दा जानवर।” इसके तर्जुमे में ऐसे लफ़्ज़ का इस्ते’माल करें जिसका पूरा मतलब हो और क़ाबिले क़ुबूल भी हो।

(यह भी देखें: सिर , रूह )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़10:11-12
- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- इफिसियों 04:4-6
- क़ुज़ात 14:7-9
- गिनती 06:6-8
- ज़बूर 031:8-9
- रोमियो 12:4-5

## शब्दकोश:

- Strong's: H990, H1320, H1460, H1465, H1472, H1480, H1655, H3409, H4191, H5038, H5085, H5315, H6106, H6297, H7607, G4430, G4954, G4983, G5559

# जिज़्या , जिज़्यों

## ता’अर्रुफ़:

“जिज़्या” या'नी किसी को दी गई या चढ़ाई गई चीज़। जिज़्या देने में बदले में किसी बात के लिए जाने की या किसी चीज़ के दिए जाने की उम्मीद नहीं की जाती है।

- पैसा, खाना, कपड़ा वग़ैरह ग़रीबों को दिए जाते हैं तो उन्हें “जिज़्या” कहते हैं।
- कलाम में ख़ुदा को नज़र की गई चीज़ या क़ुर्बानी को “जिज़्या” कहते हैं।
- नजात की जिज़्या ख़ुदा 'ईसा में ईमान के ज़रिए' हमें देता है।
- नए 'अहद नामे में लफ़्ज़ “ने'मत ” जो ख़ुदा के ज़रिए' दी गई ख़ास रूहानी कूव्वतें हैं जो ख़ुदा ईमानदारों को ग़ैर लोगों की ख़िदमत के लिए देता है।

## तर्जुमा की सलाह:

- “जिज़्या” का आम लफ़्ज़ का तर्जुमा ऐसे लफ़्ज़ या जुमले से किया जाए जिसका मतलब हो, “दी गई कोई चीज़ ।”
- इन्सान की क़ाबिलियत या ने'मत के बारे में जो ख़ुदा देता है, “पाक रूह की ने'मत” इसका तर्जुमा हो सकता है, “रूहानी ताक़त” या “ पाक रूह से हासिल रूहानी क़ूव्वत ” या “ख़ुदा ख़ुसूसी रूहानी महारत ।”

(यह भी देखें: रूह , पाक रूह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 शमूएल 11:6-8
- रसूलों के 'आमाल 08:20-23
- रसूलों के 'आमाल 10:3-6
- रसूलों के 'आमाल 11:17-18
- रसूलों के 'आमाल 24:17-19
- या'क़ूब 01:17-18
- यूहन्ना 04:9-10
- मत्ती 05:23-24
- मत्ती 08:4

## शब्दकोश:

- Strong's: H814, H4503, H4864, H4976, H4978, H4979, H4991, H5078, H5083, H5379, H7810, H8641, G334, G1390, G1394, G1431, G1434, G1435, G3311, G5486

# जी उठना

## ता'अर्रुफ़:

"जी उठने" का मतलब है मरने के बा'द दुबारा ज़िन्दा हो जाना।

- किसी का पुनरूत्थान करना या'नी उसे मरने के बा'द दुबारा ज़िन्दा करना। सिर्फ़ ख़ुदा के पास ऐसी क़ुव्वत है।
- लफ़्ज़ "जी उठने" अक्सर 'ईसा के मरने के बा'द दुबारा ज़िन्दा के बारे में बताता है।
- 'ईसा ने कहा, "क़यामत और ज़िन्दगी मैं हूं", तो उसके कहने का मतलब था कि वह क़यामत का ज़रिया' है और वह इन्सान को दुबारा ज़िन्दा करता है।

## तर्जुमे की सलाह:

- "जी उठने" लफ़्ज़ का तर्जुमा, "फिर ज़िन्दा होना" या "मरने के बा'द फिर ज़िन्दा हो जाना" हो सकता है।
- इस लफ़्ज़ का सही मतलब "ऊँचा उठना" या "उठाए जाना" (मौत से) है। इस लफ़्ज़ के मुमकिन तर्जुमा, "अंदरूनी इख़लाक़ी राह दिखाना" या "इख़लाक़ी ख़याल" हो सकते हैं

(यह भी देखें: ज़िन्दगी, मौत, खड़ा करना

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 15:12-14
- 1 पतरस 03:21-22
- इब्रानियों 11:35-38
- युहन्ना 05:28-29
- लूक़ा 20:27-28
- लूक़ा 20:34-36
- मत्ती 22:23-24
- मत्ती 22:29-30
- फ़िलिप्पियों 03:8-11

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **21:14** मसीह की मौत और उसके जी उठने के ज़रिए' से, ख़ुदा अपना मनसूबा साबित करेगा और गुनाहगारों को बचाने के लिए नए 'अहद की शुरू'आत करेंगे |
- **37:05** 'ईसा ने जवाब दिया, "मैं क़यामत और ज़िन्दगी हूँ।" जो कोई मुझ पर ईमान करता है वह अगर मर भी जाये, तौभी ज़िन्दा रहेगा"

## शब्दकोश:

- Strong's: G386, G1454, G1815

# जुर्म , मुजरिम

## ता’अर्रुफ़:

“जुर्म” का मतलब है गुनाह करने और जुर्म करने की हक़ीक़त ।

- “ मुजरिम होना” या'नी मुजरिम साबित करने का इख़लाक़ी तरीक़ा ग़लत है जैसे ख़ुदा के हुक्म की ना फ़रमानी करना।
- “मुजरिम” का उल्टा लफ़्ज़ है “बेक़ुसूर ”

## तर्जुमा की सलाह:

- कुछ ज़बानों में “इल्ज़ाम” का तर्जुमा “गुनाह का बोझ” या “गुनाह का शुमार” किया गया है।
- “ मुजरिम होने” की तर्जुमें की शक्ल हो सकती हैं, “मुजरिम होना” या “इख़लाक़ी तौर पर ग़लत काम करना” या “गुनाह करना”

(यह भी देखें:बेक़ुसूर, नारास्ती के काम, सज़ा देना, गुनाह )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- ख़ुरूज 28:36-38
- यसा'याह 06:6-7
- या'क़ूब 02:10-11
- यूहन्ना 19:4-6
- योना 01:14-16

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **39:02** वह कई झूठे गवाह लाए जो 'ईसा के बारे में झूठ बोल रहे थे। हालांकि, उनके बयान एक दूसरे से नहीं मिल रहे थे, इसलिए यहूदी रहनुमा 'ईसा को **मुजरिम** साबित नहीं कर सके।
- **39:11** ‘ईसा से बात करने के बा'द पिलातुस भीड़ में आया, और कहा, “मैं तो इस आदमी में कोई **जुर्म** नहीं पाता।” लेकिन यहूदी रहनुमाओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे सलीब पर चढ़ा दो।” पिलातुस ने कहा कि, “मैं इसमें कोई **जुर्म** नहीं पाता।” वह और ज़ोर से चिल्लाने लगे। पिलातुस ने तीसरी बार कहा कि “मैं इसमें कोई **जुर्म** नहीं पाता।”
- **40:04** ‘ईसा को दो डाकुओ के बीच सलीब पर चढ़ाया गया। उनमें से एक जब 'ईसा का मज़ाक़ उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू ख़ुदा से नहीं डरता? हम **मुजरिम**हैं लेकिन ,यह तो बेगुनाह है।”
- **49:10** अपने ही गुनाहों की वजह से , तुम **मुजरिम** हो और मौत के लायक़ हो।

## शब्दकोश:

- Strong's: H816, H817, H818, H5352, H5355, G338, G1777, G3784, G5267

# जोश , जल्दबाज़ी

## ता’अर्रुफ़:

“जोश ” और “जल्दबाज़ी ” का बयान किसी इन्सान या ख़्याल से क़ादिर-ए-मुतलक के हवाले होना।

- जल्दबाज़ी का मतलब है किसी अच्छे काम के लिए मज़बूत ख्वाहिश और काम इससे अक्सर उस इन्सान का बयान होता है जो ईमानदारी से ख़ुदा के हुक्मों को मानता है और लोगों को भी ऐसी ता’लीम देता है।
- जोशीले होने का मतलब है, किसी काम को करने में लगातार कोशिश करना और उसी में लगे रहना।
- “ख़ुदावन्द की गैरत ” या “यहोवा की गैरत ” का मतलब है ख़ुदा का क़ुदरती काम कि उसके लोगों को बरकत मिले या इन्साफ़ हो।

## तर्जुमे के लिए सलाह:

“जोश से भरा ” का तर्जुमा “लगातार कोशिश ” या “लगातार लगे रहना ” हो सकता है।

- “जोश ” का तर्जुमा “ बीलोस इमानदारी ” या “फैलसा ” या “रास्तबाज़ी जोश” हो सकता है।
- “तेरे घर की गैरत ” का तर्जुमा “तेरे हैकल को बड़ी इज़्ज़त की ख्वाहिश ” या “तेरे घर की निगरानी की जोश भरी मर्ज़ी ”

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 12:30-31
- 1 सलातीन 19:9-10
- रसूलों के 'आमाल . 22:3-5
- गलातियों 04:17-18
- यसायाह 63:15-16
- यूहन्ना 02:17-19
- फ़िलिप्पियों03:6-7
- रोमियो 10:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H7065, H7068, G2205, G2206, G2207, G6041

# ज्यों का त्यों करना, मज़बूत करना, दुबारा ता’मीर, दुबारा बनाना

## ता’अर्रुफ़:

“ज्यों का त्यों करना” और “पहले जैसा” का मतलब है, पहले जैसी हालत बल्कि ज़्यादा अच्छा कर देना।

- बीमार के जिस्मानी ‘आजा को ज्यों का त्यों करने का मतलब है, पूरा “ठीक” करना।
- टूटे रिश्तों को सुधारने का मतलब है, “मेल करना” ख़ुदा गुनाहगारों को फेर लाता है और उन्हें अपने पास ले आता है।
- इन्सान अपने देश में लौट आता है तो इसका मतलब है, “लौटा लाया जाना” या “वतन लौटना”।

## तर्जुमे की सलाह:

- मज़मून पर मुनहस्सिर, “ज्यों का त्यों करना” का तर्जुमा “नया करना” या “चुकाना” या “लौटा आना” या “शिफ़ा करना” या “वापस लाना” हो सकता है।

इस लफ़्ज़ के और इज़हार, “नया करना” या “नया सा कर देना” हो सकता है।

- जब दौलत "दुबारा ता’मीर" होती है, तो उसकी "मरम्मत" या "मुतबादिल" या "उसके मालिक को वापस" दिया गया है।
- मज़मून पर मुनहस्सिर, "दुबारा ता’मीर” करने" का तर्जुमा "नया करना" या "शिफ़ा" या "मसालहत" की शक्ल में किया जा सकता है।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 सलातीन 05:8-10
- रसूलों के ‘आमाल 03:21-23
- रसूलों के ‘आमाल 15:15-18
- यसा’याह 49:5-6
- यरमियाह 15:19-21
- नोहा 05:19-22
- अहबार 06:5-7
- लूक़ा 19:8-10
- मत्ती 12:13-14
- ज़ुबूर 080:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H7725, H7999, H8421, G600, G2675

# डर, डरता, डरा हुआ

## ता’अर्रुफ़ :

लफ़्ज़ “डर” और “डरना” किसी शख़्स से नाख़ुशगवार अहसासात के बारे में बताते हैं जब अपने आप को या दूसरों को नुक़सान पहुँचे|

- “डर” लफ़्ज़ इख़्तियार वाले इन्सान के लिए गहरी ‘इज़्ज़त और ख़ौफ़ के बारे में बताता है,
- “यहोवा का डर” लफ़्ज़ “ख़ुदा का डर” या “ख़ुदावन्द का डर” से मुता’अल्लिक़ अलफ़ाज़ ख़ुदा का गहरा एहतराम और उसकी फरमाबरदारी के ज़रिए’ ख़ुदा की ‘इज़्ज़त ज़ाहिर करना| इस डर ने ख़ुदा की पाकी और गुनाहों से नफ़रत जानकार तरग़ीब पाई|
- किताब-ए-मुक़द्दस ता’लीम देता है कि जो यहोवा का डर रखता है वह दानिशमन्द हो जाता है।

## तर्जुमे की सलाह:

- मज़मून पर मुनहस्सिर, “डरना” का तर्जुमा हो सकता है, “डर होना” या “गहरी ‘इज़्ज़त करना” या “अहतराम करना” या “ख़ौफ़ में होना”
- लफ़्ज़ “डरा हुआ” का तर्जुमा “डरा हुआ” या “डरा हुआ” या “डरा” भी हो सकता है।
- जुमला “सब पर ख़ुदावन्द का डर छा गया” इस जुमले का तर्जुमा इस तरह भी किया जा सकता है, “अचानक ही सबने ख़ुदा का गहरा ख़ौफ़ और ख़ुदा के लिए ‘इज़्ज़त महसूस की” या “फ़ौरन, वह सब बहुत ता’अज्जुब और ख़ुदा के लिए गहरा अहतराम महसूस किया|
- अलफ़ाज़ “मत डरो” का तर्जुमा “खौफ़नाक न हो” या “डरने से रुक जाओ” हो सकता है।
- ग़ौर करें अलफ़ाज़ “यहोवा का डर” नये ‘अहद नामें में वाक़े’ नहीं हुआ है। अलफ़ाज़ “ख़ुदावन्द का डर” या “ख़ुदावन्द ख़ुदा का डर” आए हैं।

(यह भी देखें : ता’अज्जुब, ख़ौफ़, ख़ुदा, ताक़त, यहोवा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में :

- 1 युहन्ना 04:17-18
- रसूलों के ‘आमाल 02:43-45
- रसूलों के ‘आमाल 19:15-17
- पैदाइश 50:18-21
- यसा’याह 11:3-5
- अय्यूब 06:14-17
- युनाह 01:8-10
- लूक़ा 12:4-5
- मत्ती 10:28-31
- अम्साल 10:24-25

## शब्दकोश:

- Strong's: H367, H926, H1204, H1481, H1672, H1674, H1763, H2119, H2296, H2727, H2729, H2730, H2731, H2844, H2849, H2865, H3016, H3025, H3068, H3372, H3373, H3374, H4032, H4034, H4035, H4116, H4172, H6206, H6342, H6343, H6345, H6427, H7264, H7267, H7297, H7374, H7461, H7493, H8175, G870, G1167, G1168, G1169, G1630, G1719, G2124, G2125, G2962, G5398, G5399, G5400, G5401

# तजावुज़ करना, ख़िलाफ़ वर्ज़ी, जुर्म

## ता’अर्रुफ़:

लफ़्ज़ “तजावुज़ ” या’नी हुक्म , क़ानून या तहज़ीब का क़ानून तोड़ना। " ख़िलाफ़ वर्ज़ी " करने का मतलब है "जुर्म " करना।

- तमसीली “जुर्म ” का बयान इस तरह भी किया जा सकता है “हद पार करना” या’नी “किसी इन्सान या आदमियों की अच्छाई की मुक़र्रर हद के पार जाना।”
- “तजावुज़ ”, “गुनाह ”, “नारास्ती ” ये सब लफ़्ज़ ख़ुदा की मर्ज़ी के ख़िलाफ़ काम करना और उसके हुक्मों की ख़िलाफ़ वर्ज़ी करने के बारे में है।

## तर्जुमे की सलाह:

- “तजावुज़ करना” का तर्जुमा , “गुनाह करना” या “नाफ़रमानी करने के लिए” या " ख़िलाफ़ वर्ज़ी करना" हो सकता है।
- अगर किसी आयत में या तहरीर में दो अलग लफ़्ज़ों का इस्तेमाल किया गया है जिनका मतलब “गुनाह ”, “जुर्म ” या “नारास्त ” है तो यह ज़रूरी है कि अगर मुमकिन हो तो इन लफ़्ज़ों के तर्जुमे में अलग-अलग शक्लें काम में लें। किताब-ए-मुक़द्दस में अगर एक ही मतलब के लिखे हुए दो या ज़्यादा लफ़्ज़ों का का इस्तेमाल करती है तो उसका मक़सद है कि बात पर ज़ोर दिया जाए या उसकी अहमियत को ज़ाहिर किया जाए।

(देखें: मसावात )

(यह भी देखें: गुनाह , जुर्म करना, नारास्ती के काम)

## किताब -ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 थिस्सलुनीकियों 04:3-6
- दनीएल 09:24-25
- गलातियों 03:19-20
- गलातियों 06:1-2
- गिनती 14:17-19
- ज़ुबूर 032:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H898, H4603, H4604, H6586, H6588, G458, G459, G3845, G3847, G3848, G3928

# तमसील ,तमसीलों

## ता’अरुफ़:

“तमसील ” या’नी छोटी कहानी या ता’लीमी बयान जिसके ज़रिए’ अच्छाई का सबक़ सिखाया जाता है।

- ‘ईसा तमसीलों के ज़रिए’ अपने शागिर्दों को ता’लीम देते थे। अगर चे ‘ईसा ने लोगों की भीड़ को तमसील सुनाई , लेकिन उनका मतलब नहीं समझाया था।
- उनके शागिर्दों पर सच को ज़ाहिर करने के लिए तमसील कही जाती थीं , लेकिन ‘ईसा में ईमान नहीं रखने वाले फरीसी जैसे लोगों से वह सच छिपाया जाता था।
- नातान नबी ने दाऊद पर उसका गुनाह जाहिर करने के लिए।
- नेक सामरी की कहानी एक तमसील की मिसाल है। ‘ईसा के ज़रिए’ नई और पुरानी मशकों की बराबरी करना तमसील की ही मिसाल है जो एक ता’लीमी बयान था कि शागिर्दों को ‘ईसा की ता’लीम समझ में आ जाए।

(यह भी देखें :सामरिया)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- लूका 05:36
- लूका 06:39-40
- लूका 08:4-6
- लूका 08:9-10
- मरकुस 04:1-2
- मत्ती 13:3-6
- मत्ती 13:10-12
- मत्ती 13:13-14

## शब्दकोश:

- Strong's: H1819, H4912, G3850, G3942

# तरस, रहम दिल

## ता’अर्रुफ़:

“तरस” लफ़्ज़ का हवाला इन्सानों के लिए फ़िक्र के जज़्बे से है। ख़ास करके दर्द मन्द लोगों के लिए “तरस खाने वाला” इन्सानों की फ़िक्र करके उनकी मदद करता है।

- “तरस” लफ़्ज़ का मतलब है इन्सानों की ख़बर लेना और उनकी मदद का कदम उठाना।
- किताब-ए-मुक़द्दस में ख़ुदा को तरस खानेवाला कहा गया है, या’नी वह मुहब्बत करने व रहमदिल है।
- कुलुस्से की कलीसिया को लिखे ख़त में पौलुस उनसे कहता है, “बडा तरस... किया करो” वह उन्हें हुक्म देता है कि वे आदमियों की ख़बर लें और जो ज़रूरतमन्द है, उनकी मदद करें।

## तर्जुमे की सलाह:

“तरस” के मा’नी हैं “रहम का जज़्बा” यह एक अलग ज़बान है जिसका मा’नी है “तरस” या “रहम”। और ज़बानों में इसका कलाम अलग ज़बान होगी |

- “तरस” (रहम) के तर्जुमे की और शक्लें हैं, “दिल की गहराई से ख़बर लेना” या “मदद रहम”
- “तरस खाने वाला” (रहमदिल) का तर्जुमा “ख़बर लेने वाला और मदद करने वाला” या “गहरी मुहब्बत व रहम करने वाला”

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- दानीएल 01:8-10
- होसे’अ 13:14
- याक़ूब 05:9-11
- यूनाह 04:1-3
- मरकुस 01:40-42
- रोमियो 09:14-16

## शब्दकोश:

- Strong's: H2550, H7349, H7355, H7356, G1653, G3356, G3627, G4697, G4834, G4835

# तौबा करके , तौबा, फिराया, तौबा

## ता’अर्रुफ़:

“तौबा करके” और “तौबा” का हवाला गुनाह से फिरकर ख़ुदा के पास आने से है।

- “तौबा करके” का लफ़्ज़ी मतलब है, “मन को बदलना”
- किताब-ए-मुक़द्दस में “तौबा” का मतलब है इन्सानी सोचने और काम करने के गुनाहगार ज़हन से मुड़ कर ख़ुदा के सोचने और काम करने की तरीक़ा अपनाना।
- जब इन्सान सच में गुनाहों से तौबा करते हैं, तब ख़ुदा उन्हें मु’आफ़ कर देता है और उसके हुक्म के ‘अमल में उनकी मदद करता है।

## तर्जुमे की सलाह:

- “तौबा करना” का तर्जुमा ऐसे एक लफ़्ज़ या जुमले के ज़रिए’ किया जाए जिसका मतलब हो, “पीछे मुड़ना(ख़ुदा को)” या “गुनाह से हटे और ख़ुदा की ओर मुड़ें” या “ख़ुदा की ओर मुड़ें, गुनाह से दूर।”।
- अक्सर लफ़्ज़ "तौबा" फ़े’अल का इस्ते’माल करके तर्जुमा "तौबा करके"किया जा सकता है। मिसाल के लिए, "ख़ुदा ने इस्राईल को मन फिराव दिया" का तर्जुमा किया जा सकता है "ख़ुदा ने तौबा करने के क़ाबिल किया है।"
- तौबा का तर्जुमा करने के और तरीकों में "गुनाह से दूर होना" या "ख़ुदा की ओर मुड़कर गुनाह से दूर" हो सकता है।

(यह भी देखें: मु’आफ़, गुनाह, बदलना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के ‘आमाल 03:19-20
- लूक़ा 03:3
- लूक़ा 03:8
- लूक़ा 05:29-32
- लूक़ा 24:45-47
- मरकुस 01:14-15
- मत्ती 03:1-3
- मत्ती 03:10-12
- मत्ती 04:17
- रोमियो 02:3-4

## किताब-ए-मुक़द्दस कहानियों के मिसालें:

- **16:02** कई सालों बाद, इस्राईलियों ने **तौबा किया** और ख़ुदा से कहा कि वह उन्हें बचाए |
- **17:13** दाऊद को अपने किए हुए गुनाहों पर **पछतावा** हुआ और ख़ुदा ने उसे मु’आफ़ किया।
- **19:18**वे( नबियों ने) लोगों को ख़बरदार किया कि अगर वह **तौबा** नैन करेंगे तो ख़ुदा उन्हें तबाह कर देगा|
- **24:02** बहुत से आस पास के लोग युहन्ना को सुनने के लिए बाहर निकल आए | “पाक कलाम में यह भी लिखा था कि मेरे शागिर्द ‘ऐलान करेंगे कि हर एक को गुनाहों की **मु’आफ़ी हासिल करने** के लिये तौबा करना चाहिए।”
- **42:08**युहन्ना ने उनसे कहा, “**तौबा करो** क्योंकि आसमान का बादशाही क़रीब आ गई है !”
- **44:05** “तो अब इसलिये तौबा करो और ख़ुदा की ओर लौट आओ कि तुम्हारे गुनाह मिटाए जाएँ |”

## शब्दकोश:

- Strong's: H5150, H5162, H5164, G278, G3338, G3340, G3341

# दाहिना हाथ

## ता’अरुफ़:

“दाहिना हाथ” ‘अलामती शक्ल में किसी हाकिम के दाहिनी या किसी ख़ास इन्सान के दाहिने हाथ की ओर इज़्ज़त या क़ुव्वत का मक़ाम है।

- दाहिना हाथ क़ुव्वत, इख़्तियार या ताक़त की ‘अलामत होता है।
- किताब-ए-मुक़द्दस में ‘ईसा को बाप ख़ुदा के दाहिनी ओर ईमानदारों के जिस्म(कलीसिया) का ख़ास और पूरी क़ायनात पर क़ाबू रखनेवाला ज़ाहिर किया गया है।.
- दाहिना हाथ ख़ास ‘इज़्ज़त के पर तौर किसी के सिर पर रखा जाता था (जैसे बुज़ुर्ग या’क़ूब ने यूसुफ़ के बेटे इफ़्राईम के सिर पर दाहिना हाथ रखकर बरकत दी थी।)
- दाहिने हाथ पर ख़िदमत करना” का मतलब था ऐसा इन्सान होना जिसकी ख़िदमत ख़ास करके उस आदमी के लिए मददगार और ख़ास है।

## तर्जुमे की सलाह:

- कभी-कभी दाहिना हाथ इन्सान के दाहिने हाथ के लिए भी काम में लिया जाता था जैसे रोमी सैनिकों ने ‘ईसा का ठट्ठा उड़ाने के लिए उसके दाहिने हाथ में सरंकडा पकवाया था। इसका तर्जुमा मक़सदी ज़बान में दाहिने हाथ के लफ़्ज़ के ज़रिए’ ही किया जाए।
- ‘अलामती इस्ते’मालों के बारे में, अगर मक़सदी ज़बान में “दाहिने हाथ” के लिए ऐसे जुमले नहीं है तो देखें कि मक़सदी ज़बान में इसी मतलब के दीगर कोई जुमले है।
- "के दाहिनी ओर" इज़हार का तर्जुमा "दाईं तरफ" या "’इज़्ज़त के मक़ाम पर" या "क़ुव्वत की हालत" या "मदद के लिए तैयार" की शक्ल में किया जा सकता है।
- "अपने दाहिने हाथ से" तर्जुमा करने के तरीक़े में "इख़्तियार के साथ" या "क़ुव्वत का इस्ते’माल" या "उनकी अजीब ताक़त के साथ" शामिल हो सकते हैं।
- लफ़्ज़ी इज़हार "उसका दहिने हाथ और उसका ताक़तवर हाथ" ख़ुदा की क़ुदरत और बड़ी ताक़त पर ज़ोर देने के दो तरीक़ों का इस्ते’माल करता है। इस इज़हार का तर्जुमा करने का एक तरीक़ा "उसकी अजीब ताक़त और ताक़तवर हो सकती है।" (देखें: मुतवाज़ियत)
- "उनका दहिने हाथ झूठ" के इज़हार इस शक्ल में तर्जुमा किया जा सकता है, "उनके बारे में सबसे ‘इज़्ज़त वाली बात भी झूठ से बाग़ी है" या "उनकी जगह की ‘इज़्ज़त धोखे से बाग़ी है" या "वे अपने आप को ताक़तवर बनाने के लिए झूठ का इस्ते’माल करते हैं।"

(यह भी देखें:इल्जाम, बुराई, ‘इज़्ज़त, ताक़तवर, सज़ा, बग़ावत)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के ‘आमाल 02:32-33
- कुलुस्सियों 03:1-4
- गलातियों 02:9-10
- पैदाइश 48:14-16
- इब्रानियों 10:11-14
- विलाप 02: 3-4
- मत्ती 25:31-33
- मत्ती 26:62-64
- ज़बूर 044:3-4
- मुकाशिफ़ा 02:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H3225, H3231, H3233, G1188

# दिल, दिलों

## ता'अर्रुफ़:

किताब-ए-मुक़द्दस में "दिल" लफ़्ज़ का इस्ते'माल अक्सर इन्सानों के ख़यालात, जज़्बातों, ख़्वाहिशों और उम्मीदों के लिए काम में लिया गया है।

- "शख़्त दिल" एक 'आम इज़हार है जिसका मतलब है ज़िद करके ख़ुदा के हुक्म न मानना।
- इज़हार "अपने पूरे दिल से" या "मेरे पूरे दिल से" या'नी मुकम्मल 'अज़्म और ख़्वाहिश के साथ, बिना पीछे रुके कुछ करना।
- इज़हार "दिल में बसा लेना" का मतलब है किसी बात को संजीदगी से लेते हुए ज़िन्दगी में शामिल कर लेना।
- लफ़्ज़ "दिल टूटना" का मतलब बहुत दुःखी होना। वह इन्सान जज़्बाती तौर पर बहुत दुखी हुआ।

## तर्जुमें की सलाह

- कुछ ज़बानों में जिस्म के मुख़तलिफ़ हिस्सों का इस्ते'माल करते हैं जैसे, "पेट" या "कलेजा" ।
- कुछ ज़बानों में इज़हार के लिए एक लफ़्ज़, दूसरे इज़हार के लिए इन तसव्वुरात में से दूसरा लफ़्ज़ काम में लिया जाता है।
- अगर "दिल" या और जिस्मानी हिस्से इसका मतलब नहीं रखते, कुछ ज़बानों में 'अलामती इज़हार के लिए ज़रूरी है जैसे "ख़याल" या "जज़्बात" लफ़्ज़ का इस्ते'माल करें|
- मज़मून पर मुनहस्सिर, "मेरे पूरे दिल से" या "मेरे पूरे मन से", या इन जुमलों का तर्जुमा हो सकता है, "मेरी पूरी ताक़त से" या "पूरी सुपुर्दगी के साथ" या "पूरी तरह से " या "पूरी सुपुर्दगी के साथ"।
- इज़हार "दिल से" का तर्जुमा हो सकता है, "संजीदगी से सुलूक करना" या "अहतियात से ख़याल करना"।
- इज़हार "शख़्त दिल" का तर्जुमा हो सकता है "ज़िद के साथ बग़ावत करना" या "हुक्म मानने से इन्कार करना" या "लगातार ख़ुदा का हुक्म नहीं मानना"
- तर्जुमे के तरीक़े "दिल टूटना" हो सकते हैं "बहुत दुखी" या "गहरा जज़्बाती दुःख।

(यह भी देखें: शख़्त)

## किताब-ए-मुक़द्दस जे बारे में:

- 1 युहन्ना 03:16-18
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 03:13-15
- रसूलों के 'आमाल 08:20-23
- रसूलों के 'आमाल 15:7-9
- लूक़ा 08:14-15
- मरकुस 02:5-7
- मत्ती 05:5-8
- मत्ती 22:37-38

## शब्दकोश:

- Strong's: H1079, H2436, H2504, H2910, H3519, H3629, H3820, H3821, H3823, H3824, H3825, H3826, H4578, H5315, H5640, H7130, H7307, H7356, H7907, G674, G1282, G1271, G2133, G2588, G2589, G4641, G4698, G5590

# दु'आ किया, मदाख़लत की, शफ़ा'अत

## ता’अर्रुफ़:

“ दु'आ किया” या “शफ़ा'अत” का मतलब है किसी के लिए किसी से मिन्नत करना। कलाम में यह लफ़्ज़ दूसरों के लिए दु'आ करने के लिए काम में लिया गया है।

- “के लिए शफ़ा'अत करना” और “शफ़ा'अत” का मतलब है लोगों के लिए ख़ुदा से दु'आ करना।
- कलाम में लिखा है कि पाक रूह हमारे लिए मिन्नत करता है, या'नी वह हमारे लिए ख़ुदा से दु'आ करता है।
- इन्सान किसी हाकिम से किसी तर्जुमा के लिए मिन्नत करके शफ़ा'अत करता है।

## तर्जुमा के लिए सलाह:

- “ शफ़ा'अत के दूसरे तर्जुमा की शक्ल में , “दु'आ करना”, या (किसी से) “गुज़ारिश करना” (किसी और के लिए) कुछ करने के लिए हो सकते हैं।
- लफ़्ज़ "और मिन्नत" का तर्जुमा "इल्तिजा" या "दरख्वास्त" या "फ़ौरन दु'आ" की शक्ल में किया जा सकता है।
- जुमलों "के लिए शफ़ा'अत" के तर्जुमा "के लिए गुज़ारिश करने के लिए" या "की तरफ़ से दरख्वास्त करें" या "ख़ुदा से मदद मांगे" या "(किसी के लिए) ख़ुदा से मिन्नत करना" के शक्ल में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: दु'आ करना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 'इब्रानियों 07:25-26
- यसा'याह 53:12
- यरमियाह 29:6-7
- रोमियो 08:26-27
- रोमियो 08:33-34

## शब्दकोश:

- Strong's: H6293, G1783, G1793, G5241

# दुआ’ कर, दुआ’, दुआ’वों , दुआ’की

## ता’अर्रुफ़

“दुआ’ कर” और “दुआ’” का मतलब है ख़ुदा से बातें करना। यह लफ़्ज़ आदमियों के ज़रिये’ किसी झूठे मा’बूद से बातें करने के लिए भी काम में आता है।

इन्सान चुप रहकर ख़्यालों में भी ख़ुदा से दुआ’करता है या रोज़ के कलामों के ज़रिये’ भी दुआ’करता है, ख़ुदा से अपनी ज़बान में बात करता है। कभी-कभी दुआ’लिखी हुई होती है जैसे दाऊद के गीतों में उसकी दुआ’एं लिखी हैं।

- दुआ’में ख़ुदा से रहम , तकलीफों में मदद , या फ़ैसला लेने में अक़्ल का गुज़ारिश भी होती है।
- इन्सान ज़्यादातर बीमारियों की चंगाई या और शक्लों में ख़ुदा की मदद के लिए दुआ’ करते हैं।
- इन्सान दुआ’ में ख़ुदा को शुक्र गुज़ारी देता है उसका सिताइश करता है।
- दुआ’ में ख़ुदा के सामने अपने गुनाहों को मान लेना और मु’आफ़ी मांगना होता है।
- ख़ुदा से बातें करने को उसके साथ रिश्ता बनाना भी कहते हैं। जब हमारी रूह उसकी रूह से राबता करती है, हमारे एहसासों को ज़ाहिर करना और उसकी मौजूदगी का सुख लेना।
- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा “ख़ुदा से बात करना” या “ख़ुदा से रिश्ता बनाना ” हो सकता है। इस लफ़्ज़ का तर्जुमा बोले जाने वाले दुआ के लफ़्ज़ होना है।

(यह भी देखें: झूठे मा’बूद , छोड़ देनाता’रीफ़]हम्द , हम्द , बड़ाई की,बड़ाई करते, बड़ाई की बात

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:8-10
- रसूलों के आमाल 08:24
- रसूलों के आमाल 14:23-26
- कुलुस्सियों 04:2-4
- यूहन्ना 17:9-11
- लूका 11:1
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 14:22-24

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **06:05** इसहाक़ ने ख़ुदा से _ दुआ’ की_, और ख़ुदा ने उसकी मिन्नत सुनी इस तरह रिबका जुड़वाँ बेटों के साथ हामला हुई |
- **13:12** मूसा ने ख़ुदा से _ दुआ’ की_ और ख़ुदा ने उसकी _ दुआ’ _ को क़ुबूल किया, और उन्हें हलाक नहीं किया |
- **19:08** तब बा’ल के नबी यह कहकर बा’ल से _ दुआ’ करते_ रहे, “हे बा’ल हमारी सुन, हे बा’ल हमारी सुन |”
- **21:07** आलिम ख़ुदा से लोगों के लिए _दुआ’ _ भी करते थे |
- **38:11** ‘ईसा ने अपने शागिर्दों से कहा कि _दुआ’ _ करते रहो कि आज़माइश में न पड़ो |
- **43:13** शागिर्द लगातार रसूलों से ता’लीम पाने, और शराक़त रखने, और रोटी तोड़ने, और _ दुआ’ करने_ में मशगूल रहे |
- **49:18** ख़ुदा कहता है कि हम _ दुआ’ करें_, उसका कलाम पढ़ें,

## शब्दकोश:

- Strong's: H559, H577, H1156, H2470, H3863, H3908, H4994, H6279, H6293, H6419, H6739, H7592, H7878, H7879, H7881, H8034, H8605, G154, G1162, G1189, G1783, G2065, G2171, G2172, G3870, G4335, G4336

# दुनिया , दुनियावी

## ता’अर्रुफ़:

“दुनिया”लफ़्ज़ आमतौर पर पूरी क़ायनात के उस हिस्से को ज़ाहिर करती है जहां इन्सान रहता हैं: “दुनियावी” लफ़्ज़ इस दुनिया के लोगों की बुरे अक़ीदे और बर्ताव का हवाला देता है।

- आम मतलब में “दुनिया” आसमान और ज़मीन और जो कुछ उनमें है उसे ज़ाहिर करता है।
- बहुत से बयानों में “दुनिया” का मतलब “दुनिया के लोग” होता है।
- कभी-कभी इसका इशारा ज़मीन के बुरे लोगों या उन लोगों से है जो ख़ुदा के हुक्म नहीं मानते हैं।
- रसूलों ने भी “दुनिया” लफ़्ज़ को इन्सानों के मतलबी मिज़ाज और ग़लत अक़ीदा के लिए काम में लिया है। इसका मतलब इन्सानी कोशिशों पर मुनहसिर रास्तबाज़ी के दिखावे के मज़हब पर मुनहसिर भी मा’लूम होता है।
- इन ‘अक़ाएद पर मुनहसिर इन्सान और चीज़ों की ‘अलामतों को “दुनियावी” कहा गया है।

## तर्जुमे की सलाह:

- बयान के मुताबिक़ “दुनिया” का तर्जुमा “क़ायनात ” या “दुनिया के लोग” या “दुनिया की गलत बातें” या “दुनिया के इन्सानों के बुरे एख्लाक़ ” भी हो सकता है।
- “पूरी दुनिया” का मतलब अक्सर “बहुत लोग” और ख़ास ‘इलाक़े के रहने वाले लोगों से होता है। मसलन , “सारी दुनिया के लोग मिस्र में आए।” इसका तर्जुमा हो सकता है, “आस-पास के मुल्कों से बहुत लोग मिस्र आए” या “मिस्र के आसपास के सब मुल्कों के लोग वहां आए”।
- "रोमी सल्तनत में सब लोग मरदुम शुमारी के लिए अपना नाम लिखवाने के लिए अपने-अपने पैदाइश की जगह को गए" इसका तर्जुमा हो सकता है: "बहुत से लोग जो रोमी सल्तनत के मातहत के मुल्कों में रहते थे गए..."।
- बयान के मुताबिक़ “दुनियावी ” का तर्जुमा “बुरा” या “गुनाह आलूदा ” या "लालची " या “बेदीन ” या “बुरा ” या “दुनिया के लोगों की ग़लत ‘एतिकादों के ज़रिये’मानूस ” हो सकता है।
- “दुनिया को यह बातें कहना” का तर्जुमा “दुनिया के लोगों से यह बात कहना” हो सकता है,।
- और बयानों में “दुनिया में” का तर्जुमा हो सकता है, “दुनिया के लोगों में रहते हुए” या “बेदीन लोगों में रहते हुए”

(यह भी देखें: बेकार , आसमान , रोम, बेदीन )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 1 यूहन्ना 04:4-6
- 1 यूहन्ना 05:4-5
- यूहन्ना 01:29-31
- मत्ती 13:36-39

## शब्दकोश:

- Strong's: H776, H2309, H2465, H5769, H8398, G1093, G2886, G2889, G3625

# दुबारा पैदा होना, ख़ुदावन्द में पैदाइश, नई पैदाईश

## ता'अरुफ़:

“नए सिरे से पैदा होना” लफ्ज़ का इस्ते'माल पहली बार 'ईसा ने इंसान में बदलाव और रूहानी मौत से रूहानी ज़िन्दगी का बयान करने के लिए किया था। लफ्ज़ :ख़ुदा से पैदा" और "रूह से पैदा" की बराबरी एक शख्स को नई रूहानी ज़िन्दगी देने से किया गया है|

- सब इंसान पैदाईश से रूहानी शक्ल से मिटे होते हैं लेकिन मसीह 'ईसा को अपना मुन्जी क़ुबूल करने पर वह “नये सिरे से पैदा” हैं।
- रूहानी नई ज़िन्दगी के पल में, पाक रूह ईमानदारों के अंदर रहने लगता है और उसे ताक़त देता है कि वह रूहानी फल पैदा करे।
- इंसान को नई ज़िन्दगी फ़राहम करना और ख़ुदा की औलाद बनाना ख़ुदा ही का काम है।

## तर्जुमा की सलाह :

- “नई पैदाईश” के तर्जुमा के और तरीक़े भी हैं, “नई ज़िन्दगी पाना” या “रूहानी पैदा होना”
- अच्छा होगा कि इसका लाफ्ज़ी तर्जुमा किया जाए और मक़सदी ज़बान में बराबर लफ़्ज़ों का इस्ते'माल करें जिसका मतलब नए सिरे से पैदा हो।
- “नई पैदाईश” का तर्जुमा “रूहानी पैदाईश” किया जा सकता है।
- “ख़ुदावन्द से पैदा” का तर्जुमा हो सकता है, “ख़ुदा की तरफ़ नया बच्चा जैसा नया पैदा होना” या “ख़ुदा की तरफ़ से नई ज़िन्दगी दिया जाना”।
- इसी तरह“रूह से पैदा” का तर्जुमा हो सकता है, “पाक रूह की तरफ़ से नई ज़िन्दगी दिया जाना” या “ख़ुदावन्द की औलाद होने के लिए पाक रूह की तरफ़ से ताक़त दिया जाना” या “पाक रूह की तरफ़ नये बच्चे जैसी नई ज़िन्दगी दिया जाना”

(यह भी देखें: पाक रूह , नजात )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 यूहन्ना. 03:9-10
- 1 पतरस 01:3-5
- 1 पतरस 01:22-23
- यूहन्ना. 03:3-4
- यूहन्ना. 03:7-8
- तीतुस 03:4-5

## शब्दकोश:

- Strong's: G313, G509, G1080, G3824

# दोस्ती

## ता’अरुफ़:

‘आम तौर पर “दोस्ती” लफ़्ज़ का मतलब है लोगों की भीड़ के अफ़राद के मा’रिफ़त दोस्ताना सलूक, एक सी बात चीत और तजुर्बे कार लोगों में।

- किताब-ए-मुक़द्दस में, लफ़्ज़ “दोस्ती” अक्सर मसीह के ईमानदारों की शराकत के बारे में बताता है।
- मसीही दोस्ती एक मुश्तरका रिश्ता है, जो ईमानदार एक दूसरे के साथ रखते हैं उनका रिश्ता मसीह और पाक-रूह के साथ है।
- इब्तिदाई मसीही अपनी दोस्ती का इज़हार ख़ुदा के कलाम की ता’लीम को सुनने और एक साथ दु’आ करके, और अपने सामान को आपस में बाँटने और एक साथ खाना खाने के ज़रिए’ इज़हार करते थे।
- मसीही लोगों की दोस्ती ‘ईसा में ईमान के ज़रिए’ और सलीब पर उसकी क़ुर्बानी की मौत (जिसकी वजह ख़ुदा और इन्सानों कि मा’रिफ़त की दीवार गिराई गई थी) ज़रिए’ ख़ुदावन्द के साथ भी है।

## तर्जुमा की सलाह:

- “दोस्ती के तर्जुमें के तरीक़े हो सकते हैं, “आपस में बाँटना” या “ता’ल्लुक़” या “साथ ” या “मसीही क़ौम”

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में :

- 1 यूहन्ना 01:3-4
- रसूलों के ‘आमाल 02:40-42
- फ़िलिप्पियों 01:3-6
- फ़िलिप्पियों 02:1-2
- फ़िलिप्पियों 03:8-11
- ज़बूर 055:12-14

## शब्दकोश:

- Strong's: H2266, H8667, G2842, G2844, G3352, G4790

# नग़मा नग़मा

## ता’अर्रुफ़:

“नग़मा” लफ़्ज़ एक पाक हम्द का बयान देता है जो नज़्म की शक्ल में लिखा गया है कि गाया जाए।

- पुराने ‘अहद नामे में ज़ुबूर इन नगमों का मज्मू’आ है, बादशाह दाऊद और और इस्राईलियों जैसे मूसा, सुलैमान, आसाप व औरों ने इन नग़मो को लिखा था।
- नगमा इस्राईलियों के ज़रिए’ ख़ुदा की इबादत में गाए जाते थे।
- नगमा ख़ुशी , यक़ीन , एहतराम और दु:ख और आप बीती का बयान करते हैं।
- नये ‘अहद नामे में ईमानदारों से मिन्नत की गयी है कि ख़ुदा की इबादत में हम्द गाएं।

(यह भी देखें: दाऊद, ईमान , ख़ुशी , मूसा, पाक)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के आमाल 13:32-34
- रसूलों के आमाल . 13:35-37
- कुलुस्सियों 03:15-17
- लूका 20:41-44

## शब्दकोश:

- Strong's: H2158, H2167, H2172, H4210, G5567, G5568

# नज़ीर, नज़ीरों, नज़ीर की क़सम

## सच्चाई:

“नज़ीर” वह इन्सान था जो नज़ीर होने की क़सम लेता था। ज़्यादातर आदमी यह क़सम लेते थे लेकिन ‘औरतें भी इस क़सम को लेती थी।

- नज़ीर इन्सान मुक़र्ररा दिनों सप्ताहों या महीनों तक अंगूर का या अंगूर के रस का कोई ऐसी चीज़ या शराब या रस नहीं खाता-पीता था। इस ‘अरसे के दौरान वह अपने बाल काट नहीं सकते और मुर्दे के पास नहीं जा सकते थे।

जब वक़्त पूरा हो जाता था और क़सम पूरी हो जाती थी तब नज़ीर काहिन के पास जाकर क़ुर्बानी पेश करता था। इसमें उसके बालों को काटकर जलाया जाता था। और दीगर सब पाबंदी वाली बातों का ख़ात्मा हो जाता था।

- शमसून किताब-ए-मुक़द्दस में एक मशहूर आदमी है जो नज़ीर था।
- युहन्ना बपतिस्मा देने वाले को पैदाइश की नबूव्वत करते वक़्त फ़रिश्ते ने ज़करियाह से कहा था कि उसका यह बेटा शराब नहीं पिएगा, जिसका मतलब है कि वह एक नज़ीर था।
- रसूल पौलुस ने भी एक वक़्त यह क़सम ली थी जो रसूलों के ‘आमाल की किताब के एक हिस्से से ज़ाहिर है।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा)

(यह भी देखें: युहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), क़ुर्बानी, शमसून, क़सम, ज़करियाह (पुराना ‘अहदनामा))

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के ‘आमाल 18:18-19
- आमोस 02:11-12
- क़ुज़ात 13:3-5
- गिनती 06:1-4

## शब्दकोश:

- Strong's: H5139

# नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय

## ता’अर्रुफ़:

नबी ख़ुदा का पैग़ाम इन्सानों तक पहुंचाता है। नबूव्वत करनेवाली ‘औरत को नबीया कहते हैं।

- नबी इन्सानों को गुनाहों से दूर होने और ख़ुदा का हुक्म मानने के लिए याद दिलाते थे।
- नबूव्वत नबी का पैग़ाम था। नबूव्वत करना या’नी ख़ुदा का पैग़ाम सुनाना।
- नबूव्वत हमेशा होने वाले हादसों का बयान था।
- पुराने ‘अहद नामे की बहुत से नबूव्वतें पूरी हो चुकी हैं।
- किताब-ए-मुक़द्दस में नबियों के ज़रिये’ लिखी गई किताबों को पेशेनगोई कहा गया है।
- मसलन , “शरी’अत और नबूव्वत” इब्रानी पाक कलाम के बारे में कहा जाता था जिसे पुराना ‘अहद नामा कहा जाता था।
- नबी के लिए इस्तेमाल पुराना लफ़्ज़ है, “पैग़म्बर ”।
- कभी-कभी यह झाड़ फूंक करनेवालों या झूठे नबियों के लिए भी काम में लिया जाता था।

## तर्जुमे की सलाह:

- “नबी” का तर्जुमा किया जा सकता है, “ख़ुदा का बोलने वाला ” “ख़ुदा की तरफ़ से कहने वाला आदमी ” या “ख़ुदा का पैग़ाम सुनाने वाला आदमी ”।
- एक " नबी " का तर्जुमा "वह इन्सान जो रोया देखता है" या "वह इन्सान जो ख़ुदा से मुस्तक़बिल देखता है।"
- “नबीया ” लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता हैं, “ख़ुदा की बोलने वाली ” या “ख़ुदा की ओर से कहनेवाली ‘औरत ” या “ख़ुदा का पैग़ाम सुनाने वाली ‘औरत ”।
- “नबूव्वतें ” के लिए तर्जुमे हो सकते हैं, “ख़ुदा का पैग़ाम” या “नबूव्वतें का ख़बर”
- मज़मून पर मुनहसिर “नबूव्वतें ” लफ़्ज़ का तर्जुमा होगा, “ख़ुदा का कलाम सुनाना” या “आने वाले वाक़ेयात के बारे में ख़ुदा का पैग़ाम पहुंचाना”।
- इस तमसीली कलाम “शरी’अत और नबी” का तर्जुमा हो सकता है “शरी’अत और नबियों की किताबें ” या “ख़ुदा के बने क़ानून और उसके नबियों के पैगामों के बारे में सब लिखी बातें”
- जब एक झूठे मा’बूदों के नबी (या दूर अंदेश) का जिक्र करते हैं, तो इसका मतलब "झूठे नबी (दूर अंदेश )" या "झूठे मा’बूदों के नबी (दूरअंदेश )" या "बा’ल के नबी" की शक्ल में तर्जुमा किया जा सकता है, मिसाल के लिए ।

(यह भी देखें: बा’ल, नबूव्वत, झूठे मा’बूद, झूठे नबी, पूरा करना, क़ानून, रोया)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- रसूलों के आमाल . 03:24-26
- यूहन्ना 01:43-45
- मलाकी 04:4-6
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 02:17-18
- मत्ती 05:17-18
- ज़ुबूर 051:1-2

## किताब-ए-मुक़द्दस कहानियों से मिसालें:

- **12:12** जब इस्राईलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने ख़ुदा पर भरोसा किया और यक़ीन करने लगे कि मूसा ख़ुदा का एक **नबी** है।
- **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर ख़ुदा का ग़ज़ब उस पर भड़का, ख़ुदा ने नातान **नबी** ज़रिए’ दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके गुनाह कितने बुरे है |
- **19:01** इस्राईलियों के तारीख़ भर में, ख़ुदा ने बहुत से **नबी** भेजे | **नबी** ने ख़ुदा के पैग़ाम को सुना और फिर लोगों को ख़ुदा का पैग़ाम बताया |
- **19:06** इस्राईली बादशाहत के सभी लोगों समेत और बा’ल के साढ़े चार सौ 450 **नबी** कर्मेल पहाड़ पर इकट्ठा हुए |
- **19:17** ज़्यादातर वक़्त , लोगों ने ख़ुदा के क़ानूनों का माना नही. वे अक्सर **नबी** के साथ बुरा सुलूक करते थे और कभी-कभी उन्हें मार भी डालते थे
- **21:09** **नबी** यशायाह ने नबूव्वत की कि मसीहा एक कुंवारी से पैदा होगा।

- **43:05** "यह वह बात है जो योएल **नबी** के ज़रिए’कही गई थी जिसमे ख़ुदा कहता है कि, “आखीर के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना रूह सब इन्सानों पर उँडेलूँगा |”
- **43:07** "लेकिन यह उस **नबूव्वतों** को पूरा करता है जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पाक लोगों को सड़ने नहीं देगा।'"
- **48:12** मूसा एक बहुत बड़ा **नबी** था जिसने ख़ुदा के कलाम की मुनादी की थी | लेकिन ‘ईसा सबसे अज़ीम **नबी** है। वही ख़ुदा का कलाम है।

## शब्दकोश:

- Strong's: H2372, H2374, H4853, H5012, H5013, H5016, H5017, H5029, H5030, H5031, H5197, G2495, G4394, G4395, G4396, G4397, G4398, G5578

# नाम, नामों, नाम पर

## ता'अर्रुफ़:

- किताब-ए-मुक़द्दस में “नाम” लफ़्ज़ के अनेक ‘अलामती इस्ते’माल हैं।
- कुछ मज़मूनों में “नाम” इन्सान की शोहरत का हवाला देता है जैसे “अपने लिए नाम कमाएं।”
- “नाम” लफ़्ज़ किसी यादगारी का हवाला भी देता है। मिसाल के तौर पर“बुतों का नाम मिटा दो”, या’नी बुतों को ऐसे बर्बाद कर दो कि उनकी यादगारी ही न रहे या उनकी ‘इबादत न की जाए।
- “ख़ुदा के नाम में” बोलना मतलब उसकी क़ुव्वत और इख़्तियार में या उसके नुमाइंदे होकर बोलना।
- लफ़्ज़ किसी का “नाम” तमाम इन्सान का हवाला देता है जैसे “आसमान के नीचे कोई और नाम नहीं जिससे हम नजात पाते हैं।” (देखें: सिफ़त

## तर्जुमे की सलाह:

- एक इज़हार जैसे “इसका अच्छा नाम” इस जुमले का तर्जुमा हो सकता है, “उसकी अच्छी शोहरत।”
- “के नाम में” कुछ करना, इसका तर्जुमा हो सकता है, के इख़्तियार में” या “की इजाज़त से” या “रहनुमाई में” काम करना।
- “ऐसा करना कि इन्सान हमारे बारे में जाने” या “इंसानों को सोचने पर मजबूर करना कि हम ख़ास हैं।”
- इज़हार "उसका नाम पुकारना" का तर्जुमा हो सकता है "उसे नाम देना" या "उसे पुकारना"।
- "जो लोग आपके नाम से मुहब्बत रखते हैं" का तर्जुमा "जो आपसे प्यार करते है" के तौर पर किया जा सकता है।
- इज़हार "बुतों के नामों को काट" का तर्जुमा "बुतों से छुटकारा पाना ताकि वे याद भी न आये" या "लोगों को झूठे मा’बूदों की इबादत करना बंद करने की वजह" या "सभी बुतों को पूरी तरह से तबाह कर दें ताकि लोग अब उनके बारे में न सोचे" की शक्ल में किया जा सकता है।

(यह बी देखें: बुलाहट)

## :किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में ##

- 1 युहन्ना 02:12-14
- 2 तीमुथियुस 02:19-21
- रसूलों के ‘आमाल 04:5-7
- रसूलों के ‘आमाल 04:11-12
- रसूलों के ‘आमाल 09:26-27
- पैदाइश 12:1-3
- पैदाइश 35:9-10
- मत्ती 18:4-6

## शब्दकोश:

- Strong's: H5344, H7121, H7761, H8034, H8036, G2564, G3686, G3687, G5122

# निशान, निशानियाँ,सुबूत, याद दिलाना

## ता’अर्रुफ़:

निशान वह चीज़ , जो हादसा या काम है जो एक ख़ास मतलब ज़ाहिर करता है।

- "याद कराने वाली बात" ऐसे इशारे हैं जो "याद दिलाने उन्हें याद करने में मदद करते है, जो कुछ वा'दा किया गया था:
- ख़ुदावन्द ने आसमानी कमान ज़ाहिर किया जो इस क़सम को याद कराता है कि ख़ुदावन्द दुनिया को पानी के सैलाब के ज़रिए' इन्सानी क़ौम को फिर हलाक नहीं करेगा।
- ख़ुदावन्द ने इस्राईलियों को हुक्म दिया कि वह उसके 'अहद के निशान के तौर पर अपने बेटों का ख़तना करें।
- निशान किसी बात को ज़ाहिर करते हैं या उसकी तरफ़ इशारा करते है:
- फ़रिश्ते ने चरवाहों को एक निशान दिया जिसके ज़रिए' वह बैतलहम में मा'सूम मसीह को पहचान पाए।
- यहूदा ने 'ईसा को बोसा देकर मज़हबी रहनुमाओं पर निशान ज़ाहिर किया कि जिसे उन्होंने पकड़ना है वह 'ईसा यही है।
- निशान किसी बात को सच्चा साबित करते है:
- नबियों और रसूलों के ज़रिए' किए गए मो'जिज़े निशान थे कि वह ख़ुदा की ख़ुशख़बरी सुना रहे थे ।
- ‘ईसा ने जो मो'जिज़े किए, वह साबित करते है कि वह हक़ीक़त में मसीहा था ।

## (तर्जुमा की सलाह:

- जुमले के मुताबिक़ “निशान” का तर्जुमा “इशारा” या “'अलामत” या “पहचान” या “सुबूत” या “सुबूत” या “इशारा करना” भी हो सकता है।
- “हाथों से इशारा करना” का तर्जुमा “हाथों का इशारा” या “हाथों से इशारा करना” या “इशारा दिखाएँ” भी हो सकता है।
- कुछ ज़बानों में निशान” जो किसी बात को साबित करता है और मो'जिज़े के लिए निशान का दूसरा लफ़्ज़ होता है।

(यह भी देखें: मो'जिज़ा, रसूल , मसीह, ‘अहद, ख़तना करना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 02:18-19
- ख़ुरूज 04:8-9
- ख़ुरूज 31:12-15
- पैदाइश 01: 14-15
- पैदाइश 09: 11-13
- यूहन्ना02:17-19
- लूक़ा 02:10-12
- मरकुस. 08:11-13
- ज़बूर 089:5-6

## शब्दकोश:

- Strong's: H226, H852, H2368, H2858, H4150, H4159, H4864, H5251, H5824, H6161, H6725, H6734, H7560, G364, G880, G1213, G1229, G1718, G1730, G1732, G1770, G3902, G4102, G4591, G4592, G4953, G4973, G5280

# नोहा, नोहे, नोहा

## ता’अर्रुफ़:

“नोहा करना” “नोहा” या’नी मातम, दुःख या ग़म का मज़बूत इज़हार|

कभी-कभी यह गुनाह का गहरा पछतावा या तबाही में मुब्तिला इन्सान के लिए रहम भी होता है।

- नोहा में कराहना, रोना या रोना-पीटना होता है।

## तर्जुमे की सलाह:

- “नोहा करना” का तर्जुमा “गहरा दुख मनाना” या “दुख से रोना पीटना” या “दुःखी होना” हो सकता है।
- "नोहा करना" (या "मातम") का तर्जुमा "ज़ोर से नोहा और रोना" या "गहरा दु: ख" या "ग़म में रोना" या "नोहे की तरह कराहना" के तौर पर किया जा सकता है।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- आमोस 08:9-10
- हिज़क़ीएल32:1-2
- यरमियाह22:17-19
- अय्यूब 27:15-17
- नोहा 02:5-6
- नोहा 02:8-9
- मीकाह 02:3-5
- ज़ुबूर 102:1-2
- आमोस 11:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H56, H421, H578, H592, H1058, H4553, H5091, H5092, H5594, H6088, H6969, H7015, H8567, G2354, G2355, G2870, G2875

# नफ़रत, ला’नत, ला’नती

## ता’अरुफ़:

ला’नत “ लफ्ज़ का मतलब है बुराई और नफ़रत पैदा करने वाली बात

- मिस्री लोग ‘इब्रानियों को ला’नती मानते थे |। इसका मतलब है कि मिस्री लोग इब्रानियों को पसन्द नहीं करते थे और उनके साथ रिश्ता नहीं रखना चाहते थे यहाँ तक कि उनके क़रीब भी नहीं आना चाहते थे।
- कलाम में "ख़ुदावन्द के लिए ला’नती" बातें हैं। झूठ, ग़ुरूर, इंसानों की क़ुर्बानी, बुत की ‘इबादत, क़त्ल, हरामकारी का गुनाह, नाजायज़ रिश्ता
- अपने शागिर्दों को आख़िरी वक़्त की ता’लीम देते वक़्त ईसा ने दानिएल नबी की नबुव्वत के बारे में बताया था जिसमें उजाड़ने वाली ला’नती चीज़ों की बात की गई थी जिसे ख़ुदावन्द से बग़ावत की तरह पैदा करके उसकी ‘इबाताद की जगह को नापाक किया जाएगा ।

## तर्जुमा की सलाह:

- “ला’नती चीज़ , का तर्जुमा जिस चीज़ से ख़ुदा नफ़रत करता है , या ग़लत चीज़ , या ग़लत काम की महारत , या बहुत बुरे काम |”।
- अलामत के मुताबिक़ , नफ़रत , का तर्जुमा होगा , के लिए बहुत ही ग़लत , को नफ़रत , या को ना मंज़ूर , या नफरती चीज़ या नफ़रत पैदा करने वाली |
- “उजाड़ने वाली खतरनाक चीज़ , का तर्जुमा , नापाक करने वाली चीज़ जिसमें लोगों को बहुत तकलीफ़ होती हो , या ऐसी चीज़ जिसके ज़रिए बहुत दु:ख होता हो | ”।

यह भी देखें: हरामकारी, नापाक करना, उजाड़ [बुत]ख़ुदा, झूठे ख़ुदा, बहुत से ख़ुदा, देवी, बुत, बुतों, बुतपरस्त, बुतपरस्तों, बुतपरस्ती, बुतपरस्ती, क़ुर्बानी

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- एज़्रा 09:1-2
- पैदाइश 46:33-34
- यशायाह 01:12-13
- मत्ती 24:15-18
- अम्साल 26:24-26

## शब्दकोश:

- Strong's: H887, H6292, H8251, H8262, H8263, H8441, G946

# पत्थर, पत्थरों, पत्थराव

## ता'अरुफ़:

पत्थर एक छोटी चट्टान का टुकड़ा होता है। "पत्थराव" करने के लिए किसी ने उसे मारने के इरादे से उस शख़्स पर पत्थर और बड़ी चट्टानें फेंकना है एक "पत्थरवाह" एक हादसाहै जिसमें किसी को पत्थरवाह किया गया था।

- पुरावे वक़्त में, पत्थराव को लोगों के ज़रिए' किए गए जुर्मों की सज़ा की शक्ल में लोगों को सज़ा-ए-मौत देने का एक 'आम तरीक़ा था।
- ख़ुदा ने इस्राईल के रहनुमाओं को हुक्म दिया था कि वह लोगों को कुछ गुनाहों के लिए मार डालें, जैसे ज़िनाकारी ।
- नए 'अहद नामे में, ‘ईसा ने ज़िनाकारी में एक 'औरत को मु'आफ़ कर दिया और लोगों को उसे मारने से रोक दिया
- स्तिफ़नुस, जो 'ईसा के बारे में गवाही देने के लिए कलाम में पहला शख़्स जिसको क़त्ल कर दिया गया था , उसे पत्थराव करके मार डाला गया था
- लुस्त्रा शहर में, पौलुस रसूल को पत्थराव किया गया था, लेकिन वह अपने ज़ख़्मों से मरा नहीं।

(यह भी देखें: ज़िनाकारी, करना, ज़ुल्म , मौत , लुस्त्रा, गवाही)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 07:57-58
- रसूलों के 'आमाल 07:59-60
- रसूलों के 'आमाल 14:5-7
- रसूलों के 'आमाल 14:19-20
- यूहन्ना 08:4-6
- लूक़ा 13:34-35
- लूक़ा 20:5-6
- मत्ती. 23:37-39

## शब्दकोश:

- Strong's: H68, H69, H810, H1382, H1496, H1530, H2106, H2672, H2687, H2789, H4676, H4678, H5553, H5601, H5619, H6344, H6443, H6697, H6864, H6872, H7275, H7671, H8068, G2642, G2991, G3034, G3035, G3036, G3037, G4074, G4348, G5586

# पहले से ठहराना, पहले से ठहराया

## ता'अर्रुफ़:

"पहले से ठहराना" या " पहले से ठहराया" इसका बयान वक़्त से पहले फ़ैसला लेना या मन्सूबा बनाना कि कुछ होगा।

- यह लफ़्ज़ ख़ास करके ख़ुदा के बारे में है कि उसने इन्सानों को वक़्त से पहले ठहरा दिया कि वे हमेशा की ज़िन्दगी पाएं।
- कभी-कभी यह लफ़्ज़ "पहले से ठहराए" का मतलब वक़्त से पहले फ़ैसला लेने के बारे में की काम में लिया जाता है।

## तर्जुमे की सलाह :

- "पहले से ठहराए" कातर्जुमा , "पहले से फ़ैसला लेना" या "वक़्त से पहले फ़ैसला लेने" के बारे में होता है।
- "पहले से ठहराए गए" कातर्जुमा , "बहुत पहले फ़ैसला लिया गया" या "वक़्त से पहले मन्सूबे में था" वक़्त से पहले फ़ैसला लिया गया"।
- "पहले से ठहराए गए" का तर्जुमा , "बहुत पहले से फ़ैसला लिया गया कि हम" या "वक़्त से पहले ही फ़ैसला ले लिया गया कि हम"।
- ध्यान रखें कि इस जुमले का तर्जुमा "पहले से इल्म" से अलग हो।

(यह भी देखें: 'इल्म साबिक़)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 02:6-7

## शब्दकोश:

- Strong's: G4309

# पहिलौठे का इख़्तियार

## ता'अर्रुफ़ :

“पहिलौठे का इख़्तियार” कलाम में 'इज्ज़त, ख़ानदान के नाम, जिस्मानी दौलत, जो पहले बेटे को दिया जाता है।

- पहले बेटे के पहिलौठे होने के इख्तियार में बाप की वसीयत का दो गुना हिस्सा होता था।
- बादशाह के पहिलौठे को बाप के मौत के बा'द हुकूमत करने का इख्तियार हासिल था।
- 'ऐसौ ने अपने छोटे भाई या'क़ूब को अपना पहिलौठे का इख्तियार बेच दिया था। इस वजह से 'ऐसौ की जगह में या'क़ूब को पहिलौठे की बरकतें मिलीं।
- पहिलौठे के इख्तियार में पहिलौठे की 'इज्ज़त होती है कि ख़ानदान की सब औलादों को पहिलौठे का नाम मिले।

## तर्जुमा की सलाह :

- “पहिलौठे का इख्तियार” के मुमकिन तर्जुमें हो सकते हैं, “पहले बेटे के इख्तियार और मीरास” या “ख़ानदान 'इज्ज़त” या “पहले बेटे के ख़ुशक़िसमत और इख़्तियार”

(यह भी देखें: पहिलौठे, मीरास , नसल)

## किताब -ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 05:1-3
- पैदाईश 25:31-34
- पैदईश 43:32-34
- 'इब्रानियों 12:14-17

## शब्दकोश:

- Strong's: H1062, G4415

# पाक करना, पाक ठहरेगा, तहज़ीब

## ता’अरुफ़:

पाक करना का मतलब है, ख़ुदा की ख़िदमत के लिए किसी चीज़ या इन्सान को सौंप देना जिस इन्सान या चीज़ को मसह कर दिया गया उसे पाक और ख़ुदा के लिए अलग माना जाता था।

- इस लफ़्ज़ का मतलब “पाक करने” जैसा ही है लेकिन इसका और मतलब है, किसी को पूरी तरह से ख़ुदा की ख़िदमत के लिए अलग करना।
- ख़ुदा के लिए अलग की गई चीज़ों में क़ुर्बानी के जानवर , आतशी क़ुर्बान गाह और रहने के ख़ेमे थे।
- ख़ुदा के लिए इन्सानों का भी मसह किया गया था, काहिन , इस्राईली लोग और पहिलौठा।
- कभी-कभी “मसह” लफ़्ज़ का मतलब “पाकीज़गी” भी होता था। ख़ास करके जब इन्सान या चीजों को ख़ुदा की ख़िदमत के लिए तैयार किया जाता था जिससे कि वे पाक होकर ख़ुदा को क़ाबिल-ए-क़ुबूल हो।

## तर्जुमे की सलाह:

- “पाक करना” के ताजुमे हो सकते हैं, “ख़ुदा की ख़िदमत के लिए अलग करना" या "ख़ुदा की ख़िदमत के लिए पाक करना।”
- "मुक़द्दस " और "पाक करना" का तर्जुमा कैसे किया गया है उस पर भी ध्यान दे।

(यह भी देखें: पाक, खरा, पाक करने)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तीमुथियुस 04:3-5
- 2 तवारीख़ 13:8-9
- हिज़क़ीएल 44:19

## शब्दकोश:

- Strong's: H2763, H3027, H4390, H4394, H5144, H5145, H6942, H6944, G1457, G5048

# पाक रूह से भर गए

## ता'अर्रुफ़ :

- लफ़्ज़ "रूह से भर गए" एक 'अलामती जुमला है जिसका मतलब है कि पाक रूह को ताक़त देता है कि ख़ुदावन्द की मर्ज़ी पूरी करे।
- इज़हार "भर जाना" एक जुमला है जिसका मतलब हमेशा "क़ाबू होना" होता है।
- इन्सान "पाक-रूह" से भर जाते हैं, जब वह पाक-रूह की रहनुमाई में रहते हैं और ख़ुदावन्द की मर्ज़ी पूरी करने के लिए उस पर मुकम्मल तौर पर मुनहस्सिर करते हैं।

## तर्जुमें की सलाह:

- इस का तर्जुमा "पाक-रूह की ताक़त में" या "पाक-रूह के क़ब्ज़े में" हो सकता है। लेकिन इसका मतलब ऐसा न ज़ाहिर हो कि पाक-रूह मजबूर कर रहा है।
- "वह पाक-रूह से भर गया" का तर्जुमा "वह मुकम्मल तौर पर पाक-रूह की ताक़त में जी रहा था" या "वह पाक-रूह की मुकम्मल रहनुमाई में था" या "पाक-रूह उसकी रहनुमाई कर रहा था"।
- यह जुमला"रूह की ज़िन्दगी" के मुताबिक़ है लेकिन "रूह से भर गया" मुकम्मल तौर पर ज़ोर देता है कि जिसकी तरफ़ से इन्सान पाक-रूह को अपनी ज़िन्दगी का क़ाबू और असर सौंप देता है। लिहाज़ा मुम्किन हो तो इन दोनों का तर्जुमा अलग-अलग किया जाए।

(यह भी देखें:पाक रूह )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 04:29-31
- रसूलों के 'आमाल 05:17-18
- रसूलों के 'आमाल 06:8-9
- लूक़ा 01:14-15
- लूक़ा 01:39-41
- लूक़ा 04:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: G40, G4130, G4137, G4151

# पाक रूह, ख़ुदा की रूह, ख़ुदावन्द की रूह, रूह

## सच्चाई:

ये सब लफ़्ज़ पाक रूह के बारे में है, जो ख़ुदा है। इकलौता सच्चा ख़ुदा बाप, बेटा और पाक रूह है।

- पाक रूह को “रूह” या “यहोवा की रूह” या “सच्चाई की रूह” भी कहा गया है।
- क्योंकि पाक रूह ख़ुदा है, वह अपने खुसूसियत और कामों में बहुत मुक़द्दस है, बहुत ज़्यादा पाक और इख़लाक़ी कामिलियत में है।
- बाप और बेटे के साथ पाक रूह भी क़ायनात की तख़लीक में मुतहर्रित थी।
- जब ख़ुदा का बेटा ‘ईसा जब आसमान पर लौट गया, तब उसने अपने लोगों के लिए पाक रूह भेजी कि उनकी रहनुमाई करे, उन्हें ता’लीम दे, उन्हें इत्मिनान दे और ख़ुदा की मर्ज़ी पूरी करने के क़ाबिल बनाए।
- पाक रूह ‘ईसा की रहनुमाई करती थी और ‘ईसा में ईमान करने वालों को भी राह दिखाती है।

## तर्जुमे की सलाह:

- इस लफ़्ज़ का सीधा तर्जुमा “पाक” और “रूह” अलफ़ाज़ के तर्जुमे से किया जा सकता है।
- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा, “पाक रूह”, या “रूह जो पाक है” या “ख़ुदा जो रूह है” हो सकता है।

(यह भी देखें: पाक, रूह, ख़ुदा, ख़ुदावन्द, ख़ुदा बाप, ख़ुदा का बेटा नज़्र

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 10:9-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- रसूलों के ‘आमाल 08:14-17
- गलातियों 05:25-26
- पैदाइश 01:1-2
- यसा’याह 63:10
- अय्यूब 33:4-5
- मत्ती. 12:31-32
- मत्ती. 28:18-19
- ज़ुबूर 051:10-11

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों के मिसालें:

- **01:01** लेकिन **ख़ुदा की रूह** वहाँ पानी के ऊपर थी।
- **24:08** और ‘ईसा बपतिस्मा लेकर फ़ौरन पानी में से ऊपर आया, और उसने **ख़ुदा की रूह** को कबूतर की तरह उतरते और उसके ऊपर आते देखा।
- **26: 1**शैतान की आज़माइश पर फ़तह पाने के बा’द, ‘ईसा जहाँ वह रहते थे गलील के ‘इलाक़े के लिए **पाक रूह** की क़ुव्वत में लौट आए।
- **26:03** ‘ईसा ने पढ़ा, “ **ख़ुदा की रूह** मुझ पर है, इसलिये कि उसने कंगालों को ख़ुशख़बरी सुनाने के लिए मसह किया है, और मुझे इसलिये भेजा है कि बंधुओं को छुटकारे का और अंधों को नज़र पाने का ख़ुशख़बरी का ‘ऐलान करूँ और कुचले हुओ को आज़ाद करूँ।"
- **42:10** तो जाओ, आसमानी बाप और **पाक रूह** के नाम पर उन्हें बपतिस्मा दो, सभी लोगों की जमा’अत के शागिर्द बनाओ और उन्हें उन सभी चीजों का ‘अमल करने के लिए सिखाओ जिसका मैंने तुमको हुक्म दी है। "
- **43:03** वे सब **पाक रूह** से भर गए, और उन्होंने अन्य अन्य भाषओं में बोलना शुरू किया।
- **43:08** "और ‘ईसा ने **पाक रूह** को भेजा है जैसा कि उसने वा’दा किया था कि वह करेंगे। **पाक रूह** उन चीज़ों की वजह बन रही है जो आप देख रहे हैं और सुन रहे हैं।"
- **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “तौबा करो, और तुम में से हर एक ‘ईसा मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो ख़ुदा तुम्हारे गुनाहों को मु’आफ़ करेगा। तब वह तुम्हें **पाक रूह** का हदिया देगा।।"
- **45:01** वह (स्तिफनुस) एक अच्छा ‘इज़्ज़तदार इन्सान था और **पाक रूह** और ‘इल्म से भरा था।

## शब्दकोश:

- Strong's: H3068, H6944, H7307, G40, G4151

# पाक, पाकीज़गी

## ता'अर्रुफ़:

"पाक" और पाकीज़गी" का हवाला ख़ुदा के किरदार से है जो पूरी तरह से अलग है और किसी भी गुनाहगार और बेकामिल बात से अलग किया हुआ है।

- सिर्फ ख़ुदा पूरी तरह से पाक है। वह इंसानों और चीज़ों को पाक बनाता है।
- एक इन्सान जो पाक है ख़ुदा में बसता है और ख़ुदा की ख़िदमत और जलाल के लिए अलग किया हुआ है।
- जिस चीज़ को ख़ुदा ने पाक मुक़र्रर कर दिया, वह उसके जलाल और इस्ते'माल के लिए अलग कर दी गई है जैसे कि एक क़ुर्बानगाह जो उसके क़ुर्बानी पेश करने के मक़सद के लिए है।
- लोग उसकी इजाज़त के बिना उसके क़रीब नहीं आ सकते क्योंकि वे पाक और सिर्फ़ इन्सान हैं, गुनाहगार और बेकामिल|
- पुराने 'अहदनामे में, ख़ुदा ने काहिनों को पाक करके अपनी ख़िदमत के लिए अलग कर लिया था। उन्हें ख़ुदा के क़रीब जाने के लिए दुनियावी तौर पर गुनाहों से पाक होना होता था।
- ख़ुदा कुछ मक़ामों और चीज़ों को भी पाकीज़गी में अलग कर लेता है जो उसकी होती हैं या जिनमें उसने अपने आप को ज़ाहिर किया है जैसे हैकल|

लफ़्ज़ी तौर पर, "नापाक" का मतलब है "पाक नहीं" यह कोई इन्सान या कोई चीज़ के बारे में बताता है जो ख़ुदा की 'इज़्ज़त नहीं करता|

- इस लफ़्ज़ का इस्ते'माल उसके बारे में है जो ख़ुदा को उसके ख़िलाफ़ बग़ावत करने के ज़रिए' उसे बे'इज़्ज़त करता है|
- एक ख़याल जिसे "नापाक" कहते है जिसका ज़िक्र हो सकता है, 'आम, नजिस नापाक| यह ख़ुदा में नहीं बसता है|

लफ़्ज़ "मुक़द्दस" उन चीज़ों के बारे में बताता है जो ख़ुदा की 'इबादत या बुरे काहिनों की झूठे मा'बूदों की 'इबादत से मुता'अल्लिक़ हैं|

- पुराने 'अहद नामे में, लफ़्ज़ "मुक़द्दस" कम से कम उन चीज़ों के बारे में बताता है जैसे, पत्थर का सुतून और दीगर चीज़ें जिनका इस्ते'माल झूठे म'बूदों की 'इबादत करने में किया जाता है| इसका तर्जुमा "मज़हबी" भी किया जा सकता है|
- "मुक़द्दस गीत" और "मुक़द्दस मोशीकी" उस मोशीकी के बारे में है जो ख़ुदा की ता'रीफ़ में गाए या बजाये जाते हैं| इसका तर्जुमा हो सकता है "यहोवा की 'इबादत के लिए मोशिकी" या "गीत जो ख़ुदा की हम्द करते हैं"
- जुमले "मुक़द्दस ज़िम्मेदारी", "मज़हबी ज़िम्मेदारी" या "रस्म" उनके बारे में हैं, जो 'इबादत करने वाले लोगों की रहनुमाई करते हैं| यह बुरे काहिनों के झूठे मा'बूदों की 'इबादत करने के ज़रिए' रस्मी कारकरदगी का मुज़ाहिरे के बारे में भी बताता है|

## तर्जुमे की सलाह:

- "पाक" के तर्जुमे के तरीक़े शामिल हो सकते हैं, "ख़ुदा के लिए अलग रखना" या "ख़ुदा में बसना" या "पूरी तरह से साफ़" या "बिल्कुल बेगुनाह" या "गुनाहगारों से अलग"
- "पाक करना" इसका अक्सर अंग्रेजी में तर्जुमा होता है "Sanctify(पाक)" इसका तर्जुमा ऐसे भी किया जा सकता है "ख़ुदा के जलाल से अलग होना (किसी का)|
- "नापाक" इसके तर्जुमे के तरीक़े हो सकते हैं "पाक नहीं" या "ख़ुदा में न बसना" या "ख़ुदा को 'ईज़्ज़त न देना" या "ख़ुदा की तरफ़ से नहीं"
- जुमले में "नापाक" का तर्जुमा किया जा सकता है "गन्दा"

(यह भी देखें: पाक रूह, रज़ामन्दी, पाक, अलग करना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 28:20-22
- 2 सलातीन 03:1-3
- नोहा 04:1-2
- हिज़क़ीएल 20:18-20
- मत्ती 07:6
- मरकुस 08:38
- रसूलों के 'आमाल 07:33-34
- रसूलों के 'आमाल 11:7-10
- रोमियो 01:1-3
- 2 कुरुन्थियो 12:3-5
- कुलुस्सियों 01:21-23

- 1 थिस्लुनीकियों 03:11-13
- 1 थिस्लुनीकियों 04:7-8
- 2 तीमुथियुस 03:14-15

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- **01:16** उस ने सातवें दिन को बरकत दी और उसे **पाक** बनाया क्योंकि इस दिन ख़ुदा ने अपने काम से आराम लिया था।
- **09:12** “जिस मक़ाम पर तू खड़ा है वह **पाक** ज़मीन है।”
- **13:01** ,”अगर तुम मेरी मानोगे, और मेरे ‘अहद का ‘अमल करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरी हमेशा की दौलत ठहरोगे, पूरी ज़मीन तो मेरी है, और तुम मेरी नज़र में काहिनों की बादशाही और **पाक** क़ौम ठहरोगे।”
- **13:05** तू सबत के दिन को **पाक** मानने के लिये याद रखना।
- **22:05**“इसलिये वह **पाक** जो पैदा होनेवाला है, ख़ुदा का बेटा कहलाएगा।”
- **50:02** जबकि हम ‘ईसा के वापस आने का इंतजार कर रहे हैं, तो ख़ुदा चाहता है कि हम ऐसी ज़िन्दगी जियें जो **पाक** हो और उसे ‘इज़्ज़त देता हो।

## शब्दकोश:

- Strong's: H430, H2455, H2623, H4676, H4720, H6918, H6922, H6942, H6944, H6948, G37, G38, G39, G40, G41, G42, G462, G1859, G2150, G2412, G2413, G2839, G3741, G3742

# पाकी, पाक करना, पाकीज़गी

## ता'अरुफ़:

पाक करने का मतलब है अलग करके पाक करना। पाक करना, पाक करने का तरीक़ा ।

- पुराने 'अहद नामे में, कुछ लोग और कुछ चीज़ें ख़ुदावन्द की ख़िदमत के लिए अलग किए गए थे या पाक माने गए थे।
- नये 'अहद नामे की ता'लीम के मुताबिक़ 'ईसा में ईमान रखने वालों को ख़ुदावन्द पाक करता है। या'नी वह उन्हें पाक करके अपनी ख़िदमत के लिए अलग कर लेता है।
- 'ईसा में ईमान रखनेवालों को हुक्म दिया गया है कि वे ख़ुदावन्द के लिए ख़ुद को को पाक करें, हर एक काम में पाक ठहरें।

## तर्जुमा की सलाह:

- मज़मून के मुताबिक़, " पाक करना" का तर्जुमा "अलग करना" या "मुक़द्दस करना" या "साफ़ करना" हो सकता हैं।
- जब लोग अपने को साफ़ करते हैं, तो इसका मतलब है कि वह अपने को वक़्फ़ करके ख़ुदावन्द की ख़िदमत में ख़ुद को सुपुर्द करते हैं। "पाक" करना लफ़्ज़ कलाम में इस मतलब में इस्ते'माल किया जाता है।
- "पाक" लफ़्ज़ का तर्जुमा "किसी को ख़ुद को सुपुर्द करना" हो सकता है।
- मज़मून के तौर पर, जुमले "आपकी पाकीज़गी" का तर्जुमा "आपको मुक़द्दस बनाना" या "आपको अलग करना (ख़ुदावन्द के लिए)" या "क्या आपको पाक बनाता है" की शक्ल में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: पाक करना, पाक, अलग करना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 थिस्सलुनीकियों 04:3-6
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- पैदाइश 02:1-3
- लूक़ा 11:2
- मत्ती. 06:8-10

## शब्दकोश:

- Strong's: H6942, G37, G38

# पिन्तेकुस्त, हफ़्तों की ‘ईद

## सच्चाई:

“हफ़्तों की ‘ईद” एक यहूदी ‘ईद है जो फसह की ‘ईद के पचास दिन बाद मनायी जाती थी जिसे बाद में "पिन्तेकुस्त" कहा जाता था।

- हफ़्तों की ‘ईद, पहले फलों की ‘ईद के सात हफ़्तों (पचास दिन) बाद मनायी जाती थी नये ‘अहद नामे के ज़माने में इस ‘ईद को “पिन्तेकुस्त” की ‘ईद कहते थे जिसके मतलब में एक हिस्सा “पचास” है।
- हफ़्तों की ‘ईद अनाज की कटनी के शुरू’ की ख़ुशी में मनाया जाता था। यह वह वक़्त था जब ख़ुदा ने इस्राईल के लिए सबसे पहले पत्थर की तख़्तियों पर मूसा को शरी’अत दी थी।
- नये अहद नामे में पिन्तेकुस्त का दिन ख़ास करके अहम था क्योंकि उस दिन ‘ईसा पर ईमान लाने वालों ने एक नए तरीक़े पाक रूह को पाया था।

(तर्जुमे की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: ‘ईद, पहले फल, फ़सल, पाक रूह, खड़ा करना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तवारीख़ 08:12-13
- रसूलों के आमाल 02:1-4
- रसूलों के आमाल 20:15-16
- इस्तिसिना 16:16-17
- गिनती 28:26-28

## शब्दकोश:

- Strong's: H2282, H7620, G4005

# पूरा कर, पूरा हुआ

## ता’अर्रुफ़:

लफ़्ज़ “पूरा कर” का मतलब है मुकम्मल या पूरा होना जिसकी उम्मीद की गयी थी|

- जब एक नबूव्वत पूरी होती है, तो इसका मतलब है कि ख़ुदा ने नबूव्वत में जो पेशगोई की थी उसे पूरा किया।
- अगर इन्सान अपने ‘अहद या क़सम पूरी करता है तो इसका मतलब है कि उसने जो कहा था उसे निभाया।
- ज़िम्मेदारी को पूरा करने का मतलब है किसी दिए गए को या ख़ास काम को पूरा करना।

## तर्जुमे की सलाह:

- मज़मून पर मुनहस्सिर “पूरा करना” का तर्जुमा हो सकता है “ख़त्म करना” या “मुकम्मल करना” या “होने के लिए कुछ करना” या “हुक्म मानना” या “ज़ाहिर करना”
- जुमला “पूरा किया जा चुका” का तर्जुमा हो सकता है, “सच हो गया” या “हो चुका है” या “मुकम्मल हो चुका है”
- “पूरा करना” के तर्जुमे के तरीक़े जैसे “अपनी ख़िदमत पूरी करो” इसका तर्जुमा हो सकता है, “मुकम्मल करो” या “निभाओ” या “इन्सानों की ख़िदमत वैसी करो जैसे ख़ुदा ने तुम्हें करने के लिए बुलाया है”।

(यह भी देखें: नबी, मसीह, वज़ीर, बुलाहट)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 02:26-27
- रसूलों के ‘आमाल 03:17-18
- अहबार 22:17-19
- लूक़ा 04:20-22
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 05:17-18
- ज़ुबूर 116:12-15

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **24:04** युहन्ना ने वह **पूरा किया** जो यसा’याह नबी की किताब में लिखा था, “देख मैं अपने फ़रिश्ते को तेरे आगे भेजता हूँ, जो तेरे लिए राह दिखाएगा”
- **40:03** सिपाहियों ने ‘ईसा के कपड़ों के लिये जुआ खेला। जब उन्होंने ये किया तो उन्होंने इस नबूव्वत को **पूरा किया** कि, “वे मेरे कपड़े आपस में बाँटते हैं, और मेरे लिबास के लिए जुआ खेलते हैं।”
- **42:07** ‘ईसा ने कहा, "मैंने तुमसे कहा था कि ख़ुदा के कलाम में मेरे बारे में जो कुछ लिखा हुआ है वह **पूरा होना** चाहिए।"
- **43:05**लेकिन यह वह बात है जो यूएल नबी के ज़रिए’ कही गई थी। ख़ुदा कहता है कि, “आख़िर के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपनी रूह सब इन्सानों पर उँडेलूँगा।”
- **43:07** “’ईसा की मौत हुई लेकिन उसी को ख़ुदा ने मौत के बन्धनों से छुड़ाकर जिलाया, और यह नबूव्वत की गई थी कि, ‘न तो उसकी जान आलम-ए-अर्वाह में छोड़ी गई और न उसका जिस्म सड़ने पाया।’
- **44:05** अगरछे तुम्हें नहीं पता था कि क्या करते हो, लेकिन ख़ुदा ने तुम्हारे कामो का इस्ते’माल किया नबूव्वतों को _पूरा करने _के लिए, कि उसका मसीह दुःख उठाएगा, और मारा जाएगा।

## शब्दकोश:

- Strong's: H1214, H5487, G1096, G4138

# पैरवी, पैरवी करता, पैरवी के लायक़, तरफ़दारी

## ता’अर्रुफ़:

“पैरवी” मतलब चुनना। जब कोई इन्सान किसी इन्सान की पैरवी करता है, तो वह उस इन्सान को मुस्बत की शक्ल में देखता है और उस इन्सान को औरों के मुक़ाबले ज्यादा फ़ायदा देता है।

- “ख़ास पैरवी” का मतलब है, कुछ लोगों के साथ काम करने का मुनासिब रवैया करना, मगर दूसरों के साथ नहीं। इसका मतलब यह है कि एक इंसान को दूसरे या एक चीज़ को दूसरी को मुन्तख़ब करने का झुकाव क्यूँकि इन्सान या चीज़ को अहमियत दी जाती है| ‘आम तौर पर, तरफ़दारी को ग़लत माना जाता है।
- ‘ईसा ख़ुदा और इन्सानों की “’इज़्ज़त में” बढ़ता गया। इसका मतलब है उन्होंने उसके किरदार और मिज़ाज को मंजूरी दे दी।
- किसी का “पैरवी पाना” का मतलब है, किसी के ज़रिए’ किसी इन्सान को मन्जूर करना।
- जब कोई बादशाह किसी की पैरवी करता है तो उसका मतलब अमूमन यह होता है कि बादशाह ने उसकी गुज़ारिश क़ुबूल कर ली है।
- "पैरवी" किसी और इन्सान के लिए एक उनके फ़ायदे के लिए एक इशारा या कार्रवाई भी हो सकता है|

## तर्जुमे की सलाह:

- “पैरवी” लफ़्ज़ का तर्जुमा करने के और तरीक़ों में “फ़ज़ल” या “फ़ायदा” शामिल हो सकता है|
- “यहोवा के ख़ुश रहने के साल” का तर्जुमा हो सकता है “साल(या वक़्त) के तौर पर किया जा सकता है जब यहोवा बड़ी बरकत लाएगा|”
- "तरफ़दारी" लफ़्ज़ का तर्जुमा "मुख़तलिफ़" या "ता’अस्सुब" या "नाइन्साफ़ी का सुलूक " के तौर पर किया जा सकता है। * यह लफ़्ज़ "पसंदीदा" लफ़्ज़ से मुता’अल्लिक़ है, जिसका मतलब है "जो पसंद किया गया है या सबसे ज़्यादा अज़ीज़ है।"

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 02:25-26
- 2 तवारीख़ 19:6-7
- 2 कुरिन्थियों 01:11
- रसूलों ले ‘आमाल 24:26-27
- पैदाइश 41:14-16
- पैदाइश 47:25-26
- पैदाइश 50:4-6

## शब्दकोश:

- Strong's: H995, H1156, H1293, H1779, H1921, H2580, H2603, H2896, H5278, H5375, H5414, H5922, H6213, H6437, H6440, H7521, H7522, H7965, G1184, G3685, G4380, G4382, G5485, G5486

# फ़रीसी, फ़रीसियों

## सच्चाई:

फ़रीसी 'ईसा के वक़्त यहूदी रहनुमाओं का एक अहम असरदार मज़हब था।

- उनमें से ज़्यादातर लोग बीच तबक़े'के तिजारती थे और कुछ फ़रीसी काहिन भी थे।
- सब यहूदी रहनुमाओं में फ़रीसी मूसा की शरी'अत के मानने में और ग़ैर यहूदी क़ानूनों और रिवाजों के मानने में सबसे ज़्यादा सख्त इन्सान थे।
- वह यहूदियों को आसपास की ग़ैर क़ौमों के असर से दूर रखने के बारे में बहुत ज़्यादा फ़िक्रमन्द रहते थे। फ़रीसी लफ़्ज़ “अलग करना” से आता है।
- फ़रीसी मरने के बा'द के ज़िन्दगी को मानते थे, वे फ़रिश्तों और कई रूहानी जानदारों को भी मानते थे।
- फ़रीसी और सदूकी 'ईसा और शुरू' की कलीसिया के दुश्मन थे।

(यह भी दखे: सलाह, यहूदी रहनुमा , क़ानून, सदूकी

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के आमाल 26:4-5
- यूहन्ना 03:1-2
- लूका 11:43-44
- मत्ती 03:7-9
- मत्ती 05:19-20
- मत्ती 09:10-11
- मत्ती 12:1-2
- मत्ती 12:38-40
- फिलिप्पियों 03:4-5

## शब्दकोश:

- Strong's: G5330

# फ़सह

## सच्चाई:

“फ़सह” यहूदियों के एक मज़हबी त्यौहार का नाम है जिसमें वे याद करते हैं कि ख़ुदा ने उनके बाप दादाओं को मिस्र की ग़ुलामी में से कैसे निकाला था।

- इस त्यौहार का नाम उस सच्चाई से आता है कि ख़ुदा इस्राईलियों के घरों से होकर निकला लेकिन उसने उनके बेटों का हलाक नहीं किया जबकि मिस्र के सब पहिलौठे मारे गए थे।
- फ़सह में एक मुकम्मल मेमने का गोश्त भूनकर खाया जाता था और रोटी ख़मीरी नहीं होती थी। इस खाने से उन्हें उस खाने की याद होता है जो उनके बाप दादाओं ने मिस्र से कूच करने से पहले रात को खाया था।
- ख़ुदा ने इस्राईलियों को हुक्म दिया था कि वे हर साल ऐसा खाना खाकर याद करें इसलिए ख़ुशी मनाएं कि ख़ुदा कैसे उनके घराने में से निकलकर गया और उन्हें ग़ुलामी से आज़ादी दिलाई।

## तर्जुमे की सलाह:

फ़सह का लफ़्ज़ के तर्जुमें में “होकर निकलने” की मिलने के लफ़्ज़ या और एक जैसे लफ़्ज़ों को मिलाने के ज़रिए’ किया जा सकता है।

- अगर इस त्यौहार का नाम फ़रिश्ते के ज़रिए’ इस्राईलियों के बेटों को क़त्ल न करते हुए आगे बढना ज़ाहिर तौर से दिखाए तो बहुत मददगार होगा।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 2 तवारीख़ 30:13-15
- 2 सलातीन 23:21-23
- इस्तिसिना 16:1-2
- ख़ुरूज 12:26-28
- एज़्रा 06:21-22
- यूहन्ना 13:1-2
- यशू’अ 05:10-11
- लैव्यव्यवस्था 23:4-6
- गिनती 09:1-3

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **12:14** ख़ुदा ने इस्राईलियों को हुक्म दिया कि वह हर साल **फसह** का त्यौहार मनाया करे, इस बात को याद करते हुए कि ख़ुदा ने उन्हें मिस्रियो की गुलामी से बचाया व उन्हें मिस्रियो पर फ़तहयाब किया |
- **38:01** हर साल, यहूदी **फसह** का त्यौहार मनाते थे | यह एक त्यौहार था, जब वह याद करते थे कि ख़ुदा ने कई सदियों पहले मिस्र की गुलामी से उनके बाप दादाओं को बचाया था |
- **38:04**’ईसा यरूशलीम में अपने शागिर्दों के साथ **फसह** का दिन मना रहा था |
- **48:09** जब ख़ुदा ने खून को देखा तो वह उनके घरों के पास से गुजर गया और उसने उनके जेठे बेटों को हलाक नहीं किया | इस हादसे को **फसह** कहा जाता है |
- **48:10** ’ईसा हमारा **फसह** का मेम्ना है | वह कामिल और बेगुनाह था, और **फसह** के त्यौहार के दिन मारा गया था |

## शब्दकोश:

- Strong's: H6453, G3957

## बचाना, बचाता है, नजात, हिफ़ाज़त

### ता’अर्रुफ़:

“बचाना” या'नी किसी बुरी या नुक़सानदह बात से बचना। “महफ़ूज़ रहना” या'नी नुक़सान या ख़तरे से बचना।

- जिस्मानी ऐतबार से लोगों को नुक़सान, ख़तरे या मौत से बचाया या निकाला जा सकता है।
- रूहानी मतलब में लोगों की "नजात" का मतलब है सलीब पर 'ईसा की मौत के ज़रिए’, गुनाह से मु'आफ़ किया गया और दोज़ख़ में सज़ा का हिस्सेदार होने से ख़ुदा ने उसे "बचा लिया" है।
- लोग ख़तरे से इन्सानों को बचा सकते हैं लेकिन गुनाहों की हमेशा की सज़ा से सिर्फ़ ख़ुदावन्द ही इन्सानों को बचा सकता है।

नजात लफ़्ज़ का मतलब है किसी को बुराई और ख़तरे से बचाना

- किताब-ए-मुक़द्दस में नजात रूहानी छुटकारे को बताता है जो उन लोगों के लिए बताया है: जो तौबा करते हैं और 'ईसा पर ईमान रखते हैं
- किताब-ए-मुक़द्दस ख़ुदा का अपने लोगों को उसके दुश्मनों से और बुराई से नजात दिलाना है नजात

### तर्जुमा की सलाह:

- “बचाना” का तर्जुमा “नजात दिलाना” या “नुक़सान से बचाना” या “नुक़सान के रास्ते से निकाल लेना” या “मरने से बचा लेना” हो सकता हैं।
- इस जुमले में “जो कोई अपनी ज़िन्दगी बचाएगा”, लफ़्ज़ “बचाएगा” का तर्जुमा, “हुफ़ाज़त” या “महफ़ूज़ रखना” हो सकता है।
- “महफ़ूज़” का तर्जुमा हो सकता है, “ख़तरे से बचना” “वह जगह जहाँ कोई नुक़सान न पहुंचा पाए”।
- नजात का जो लफ़्ज़ हैं उसका तेजुमा दुनियावी तरीक़े से भी कर सकते हैं "बचाना" या "निकालना"या लोगों को उनके गुनाहों की सज़ा से आज़ाद कराना
- ख़ुदा मेरी नजात है ऐसा भी तर्जुमा हो सकता है ख़ुदा ही है जो मुझे बचाता है
- आप नजात के कुँवें से पानी निकालना ,इसका तर्जुमा यह भी हो सकता हैं आप पानी से महफ़ूज़ निकल जाते हैं क्यूँकि ख़ुदा और उनकी हिफ़ाज़त करता है

((यह भी देखें: सलीब, छुड़ाना, सज़ा देना, नजात, गुनाह)

### किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 49:16-18
- पैदाइश 47:25-26
- ज़बूर 080:1-3
- यरमियाह 16:19-21
- मीकाह 06:3-5
- लूक़ा 02:30-32
- लूक़ा 08:36-37
- रसूलों के 'आमाल 04:11-12
- रसूलों के 'आमाल 28:28
- रसूलों के 'आमाल 02:20-21
- रोमियों 01:16-17
- रोमियों 10:8-10
- इफ़िसियों 06:17-18
- फ़िलीप्पियों 01:28-30
- 1 तीमुथियुस 01:15-17
- मुक़ाश्फा 19:1-2

### किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें :

- **09:08**मूसा ने अपने साथी इस्राईली को**बचाने** की कोशिश की |

- **11:02** ख़ुदा ने इन्तिज़ाम किया कि, वह शख्स जो उस पर यक़ीन करेंगा वह उसके पहलौठे बेटे को **बचाएगा** ।
- **12:05**मूसा ने लोगों से कहा, “डरो मत! ख़ुदा ख़ुद ही तुम्हारे लिये लड़ेगा और तुम्हे **बचाएगा**
- **12:13** इस्राईलियों ने अपनी आज़ादी का जश्न मनाने के लिये बहुत से गीत गाए, और ख़ुदा की 'इबादत की जिसने उन्हें मिस्रियो की फ़ौज से **बचाया**
- **16:17** यह बात कई बार दोहराई गई,इस्राईली गुनाह करते थे , ख़ुदा उन्हें सज़ा देता था, और फिर वह तौबा करते थे, और फिर ख़ुदा उन्हें **बचाने** के लिए एक नजात देने वाला भेजता था
- **44:08** तुमने 'ईसा को सलीब पर चढ़ाया, लेकिन ख़ुदा ने उसे मरे हुओं में से जिलाया। तुमने उसे क़ुबूल न किया, लेकिन और कोई दूसरा रास्ता नहीं है सिर्फ़ 'ईसा की क़ुव्वत के ज़रिए' ही नजात मिल सकती है ।”
- **47:11**दारोगा घबरा गया और पौलुस और सीलास के पास आकर पूछा, “ऐ साहीबों **नजात _ पाने के लिए मैं क्या करूँ ?” पौलुस ने जवाब दिया, "'ईसा, जो मालिक है, उसपर यक़ीन करो तो तुम और तुमारा ख़ानदान _नजात** पाएगा।"
- **49:12** अच्छे काम तुम्हें **बचा** नहीं सकते।
- **49:13** जो कोई भी 'ईसा पर यक़ीन करता और उसे ख़ुदा की शक्ल में क़ुबूल करता है ख़ुदा उसे **बचाएगा**। लेकिन जो उसमें ईमान नहीं करता है ऐसे किसी शख्स को वह नहीं **बचाएगा**।

## शब्दकोश:

- Strong's: H983, H2421, H3444, H3467, H3468, H4190, H4422, H4931, H6403, H7682, H7951, H7965, H8104, H8668, G803, G804, G806, G1295, G1508, G4982, G4991, G4992, G5198

# बचे हुए

## ता'अर्रुफ़:

लफ़्ज़ "बचे हुए लोग" हक़ीक़त में बचे हुए लोगों या चीज़ों के बारे में है। इसका मतलब बड़ी मिक़दार में से छोड़ी गई चीज़ भी है।

- "बचे हुए" अक्सर उन लोगों को ज़ाहिर करता है जो जान के ख़तरे से बच गए या सताव के बा'द भी जो इन्सान ख़ुदा के वफ़ादार रहे।
- यसा'याह यहूदियों की एक जमा'अत को बचे हुए लोग के बारे में कहता है जो दुश्मनों के हमले से बच निकले और 'अहद के मुल्क कना'न लौटे।
- पौलुस भी "बचे हुए" लोगों का ज़िक्र करता है जिन्हें ख़ुदा ने चुना कि उसके फ़ज़ल के वारिस हों।
- "बचे हुए" से यह भी मतलब निकलता है कि कुछ और लोग वफ़ादार नहीं थे, या जो बचे नहीं या जो चुने नहीं गए।

## तर्जुमे की सलाह:

- "इनमें से बचे हुए लोग" इस जुमले का तर्जुमा, "इन लोगों में से जो बाक़ी रह गए" या "जो लोग ईमानदार रहे" या "बचे हुए लोग" हो सकता है।
- "बाकी सब लोग" का तर्जुमा, "बचे हुए सब लोग" या "बचे हुए लोग" हो सकता है।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 15:15-18
- आमोस 09:11-12
- हिज़क़ीएल 06:8-10
- पैदाइश 45:7-8
- यसा'याह 11:10-11
- मीकाह 04:6-8

## शब्दकोश:

- Strong's: H3498, H3499, H5629, H6413, H7604, H7605, H7611, H8281, H8300, G2640, G3005, G3062

## बच्चे ,बच्चा

### ता’अर्रुफ़:

किताब-ए-मुक़द्दस में “बच्चा” लफ़्ज़ अक्सर बच्चे के लिए काम में लिया गया है ,छोटी ‘उम्र के लिए भी इसका इस्ते’माल किया गया है | “बच्चे” जमा’ है और इसके तम्सीली इस्ते’माल भी हैं |

किताब-ए-मुक़द्दस में शागिर्दों या इमानदारों को भी कभी कभी “बच्चे” कहा गया है |

- ”बच्चे” लफ़्ज़ कभी कभी नस्लों के लिए भी इस्ते’माल किया गया है |
- ”की बच्चे “का मतलब किसी बात की ख़ासियत ज़ाहिर करने से भी होता है | इसकी कुछ मिसाल हैं :
- रोशनी की औलाद
- हुक्म मानने वाली औलाद
- शैतान की औलाद
- यह लफ़्ज़ रूहानी बेटे /बेटियों के बारे में आता है | मसलन ,”खुदा के बेटे “या ‘ईसा में ईमान रखने की वजह से ख़ुदा के लोग |

### तर्जुमे की सलाह:

“औलाद “ का तर्जुमा “नसल”किया जा सकता है जब इसका बयान किसी के पोते-परपोतों से हो |

- ”मज़मून के मुताबिक़ “की औलाद “का तर्जुमा “की सिफ़त रखने वाले लोग “ या “के जैसा बर्ताव करने वाले लोग “भी किया जा सकता है |
- अगर मुमकिन हो तो “ख़ुदा की औलाद “को ज्यों का त्यों रखा जाये क्यूँकि किताब-ए-मुक़द्दस का एक ख़ास मज़मून है ,ख़ुदा हमारा आसमानी बाप है | इसका मुमकिन इख़्तियारी तर्जुमा हो सकता है ,”ख़ुदा के लोग “या “ख़ुदा की रूहानी औलाद “|
- ’ईसा अपने शागिर्दों को “औलाद कहता है तो इसका तर्जुमा “प्यारे दोस्तों” या “मेरे प्यारे शागिर्दों “हो सकता है |
- जब पौलुस और यूहन्ना ‘ईसा के ईमानदारों को “बच्चों कहते हैं तो इसका तर्जुमा “प्यारे ईमानदार साथियों”हो सकता है |
- ”वा’दा” की औलाद’ का तर्जुमा हो सकता है “ख़ुदा के वा’दे को पाए हुए लोग “|

(यह भी देखें: नसलें, वा’दा बेटा, रूह, ईमान, प्यारे

### किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1यूहन्ना 02:27-29
- 3 युहन्ना 01:1-4
- गलतियो 04:19-20
- पैदाइश 45:9-11
- यशू’अ 08:34-35
- नहमियाह 05:4-5

### शब्दकोश:

- Strong's: H1069, H1121, H1123, H1129, H1323, H1397, H1580, H2029, H2030, H2056, H2138, H2145, H2233, H2945, H3173, H3205, H3206, H3208, H3211, H3243, H3490, H4392, H5271, H5288, H5290, H5759, H5764, H5768, H5953, H6185, H7908, H7909, H7921, G730, G815, G1025, G1064, G1471, G3439, G3515, G3516, G3808, G3812, G3813, G3816, G5040, G5041, G5042, G5043, G5044, G5206, G5207, G5388

# बढाना, बुलन्द किया, ज़्यादा से ज़्यादा, ता'ज़ीम

## ता'अरुफ़:

ऊँचा करना किसी की बहुत ज़्यादा ता'रीफ़ करना और 'इज़्ज़त देना। इसका मतलब किसी को ऊँची जगह पर रखना भी है।

- किताब-ए-मुक़द्दस में ऊँचा करने का मतलब ख़ुदा को बढ़ाने के लिए इस्ते'माल किया जाता है।
- जब इंसान अपनी बड़ाई करता है तब वह घमण्ड करता है और अपने बारे में मग़रूर है।

## तर्जुमा की सलाह:

- “बुलन्द करने” के तर्जुमें के तरीक़े हो सकते है “बहुत ज़्यादा ता'रीफ़” या “इन्तिहाई 'इज़्ज़त देना” या “ता’रीफ़ करना” या “किसी के बारे में ऊँची सोंच ज़ाहिर करना”।
- कुछ जुमलों में इसका तर्जुमा ऐसे लफ़्ज़ों या जुमलों के ज़रिए’ हो सकता है जिन का मतलब, “ऊँची जगह पर रखना” या “ज़्यादा 'इज़्ज़त देना” या “फ़ख़्र से कहना”
- “अपनी बड़ाई मत करो” का तर्जुमा “अपने को बड़ा मत समझ” या “अपने बारे में बुरा न करें ”।
- “जो अपने आपको बड़ा समझते हैं” इसका तर्जुमा, “जो अपने पर घमण्ड करते हैं” या “जो मग़रूर हैं”

(यह भी देखें:ता'रीफ़, 'ईबादत, जलाल, घमण्ड, घमण्डी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 पतरस 05:5-7
- 2 शमूएल 22:47-49
- रसूलों के 'आमाल 05:29-32
- फ़िलिप्पियो 02:9-11
- ज़बूर 018:46-47

## शब्दकोश:

- Strong's: H1361, H4984, H5375, H5549, H5927, H7311, H7426, H7682, G1869, G5229, G5251, G5311, G5312

# बदरूह, बुरी रूह, नापाक रूह

## ता'अर्रुफ़

ये सब अलफ़ाज़ बदरूहों के बारे में हैं जो ख़ुदा के मुखालिफ़ रूहें हैं।

- ख़ुदा ने फ़रिश्ते की तख़लीक़ अपनी ख़िदमत के लिए की| शैतान ने जब ख़ुदा से मुख़ालिफ़त की तब कुछ फ़रिश्तों ने उसके साथ बग़ावत की और वे जन्नत से बाहर गिरा दिए गए। माना जाता है कि शैतान और बदरूहें ये "गिराए गए फ़रिश्ते" हैं।
- इन बदरूहों को कभी-कभी "नापाक रूहें" भी कहा गया है। "नापाक" या'नी "ख़राब" या "बुरी" या "गन्दी"
- शैतान की ख़िदमत में होने की वजह से वे बुरा काम करती हैं। कभी-कभी वे इन्सान में दाख़िल होकर उसे क़ाबू में कर लेती हैं।
- वे इन्सान से ज़्यादा ताक़तवर होती हैं लेकिन ख़ुदा से ज़्यादा नहीं।

## तर्जुमे की सलाह :

- लफ़्ज़ "बदरूह" का तर्जुमा हो सकता है "बुरी रूह"
- लफ़्ज़ "नापाक रूह" का तर्जुमा हो सकता है, "ख़राब रूह" या "ग़लत रूह" या "बुरी रूह"
- यक़ीनी करें कि इनमें से कोई भी लफ़्ज़ या जुमला जो इसके तर्जुमे में इस्ते'माल हो उस लफ़्ज़ के मतलब एक न हो जो शैतान के लिए काम में लिया जाए।
- ये भी ख़याल रहे कि लफ़्ज़ "बदरूह" मक़ामी या क़ौमी ज़बान में कैसा होगा। (देखें: नामा'लूम लफ़्ज़ का तर्जुमा कैसे करें

(ये भी देखें: बदरूह-से मुब्तिला, शैतान, झूठा मा'बूद, झूठे मा'बूद, फ़रिश्ता, बुराई, पाक)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- या'कूब 02:18-20
- या'कूब 03:15-18
- लूक़ा 04:35-37
- मरकुस 03:20-22
- मत्ती. 04:23-25

## बाइबल कहानियों से मिसाल:

- **26:09** बहुत से लोग जिनमें **बदरूहें** थी, उन्हें 'ईसा के पास लाया गया। जब 'ईसा उन्हें हुक्म देता, तब **बदरूहे** अक्सर यह चिल्लाते हुए बाहर निकलती थी कि, "तुम ख़ुदा के बेटे हों!"
- **32:08** **बदरूह** उस आदमी में से निकलकर सूअरों के अन्दर गई।
- **47:05** लिहाज़ा: एक दिन जब वह ख़ादिमा चिल्लाने लगी, पौलुस ने मुड़कर उस **बदरूह** से जो उसमे थी कहा, "मैं तुझे 'ईसा मसीह के नाम से हुक्म देता हूँ कि उसमें से निकल जा। उसी घड़ी वह **वह बदरूह** उसमें से निकल गई।
- **49:02** वह पानी पर चला, तूफान को रोक दिया, बहुत से बीमारों को चंगा किया, **बदरूहों** को निकाला, मुर्दों को ज़िन्दा किया, और पांच रोटी और दो छोटी मछलियों को इतने खाने में बदल दिया कि वह 5,000 लोगों के लिए काफ़ी हो।

## शब्दकोश:

- Strong's: H2932, H7307, H7451, H7700, G169, G1139, G1140, G1141, G1142, G4190, G4151, G4152, G4189

# बदरूहों से मुब्तिला

## ता’रीफ़:

एक शख़्स जो बदरूहों या बुरी रूहों से मुब्तिला हैं वह बदरूहों के ताबे’ रहता और बदरूह से ही करता है और सोचता है|

- अक्सर बदरूह में मुब्तिला इन्सान अपने को या और किसी को नुक़सान पहुँचाता है क्यूँकि बदरूह उससे ऐसा करवाती है|
- ‘ईसा ने बदरूह में मुब्तिला लोगों को चंगा किया; बदरूहों को हुक्म देकर कि उनमें से निकल जाएं। इसे अक्सर बदरूह निकालना कहा गया है।

## तर्जुमे की सलाह:

- दूसरे तरीक़े से इस लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, “बदरूह के क़ाबू में” या “बदरूह के ज़रिए’ क़ाबू” या “बदरूह का अन्दर रहना”

(इसे देखें: बदरूह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- मरकुस 01:32-34
- मत्ती 04:23-25
- मत्ती 08:16-17
- मत्ती 08:33-34

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **26:09** बहुत से लोग जिनमें **बदरूहें थी** , उन्हें ‘ईसा के पास लाया गया।
- **32:02** जब वह झील की दूसरी तरफ पहुँचे तो तुरन्त एक शख़्स जिसमे **बदरूह थी**, ‘ईसा के पास दौड़कर आया।
- **32:06 बदरूह में मुब्तिला** इन्सान ने ऊँचे लफ़्ज़ से चिल्लाकर कहा “ऐ ‘ईसा सबसे बड़े ख़ुदा के बेटे, मुझे तुझ से क्या काम है? मेहरबानी करके मुझे परेशानी न दे!”
- **32:09** लोगों ने आकर उसको जिसमें **बदरूहें** थीं, कपड़े पहने और इत्मिनान से बैठे देखा और एक ‘आम इन्सान की तरह सुलूक करते पाया ।
- **47:03** हर दिन जब वह (पौलुस और सिलास) दु’आ करने की जगह जाते थे, तो एक ख़ादिमा उनका पीछा करती थी जिसमें **बदरूह थी**।

## शब्दकोश:

- Strong's: G1139

# बपतिस्मा देना, बपतिस्मा लिया, बपतिस्मा

## ता'अर्रुफ़:

नए 'अहद नामे में "बपतिस्मा देना " और ,"बपतिस्मा" , का मतलब ईमानदार को रूहानी तरह से पानी में नहलाना कि उसके गुनाह से छुटकारा और मसीह के साथ मुत्तफ़िक़ होना।

- पानी के "बपतिस्में के अलावह किताब-ए-मुक़द्दस ,पाक रूह बपतिस्मे" और आग के बपतिस्में" की भी बात करती है" |
- " बपतिस्मा" लफ्ज़ कलाम में बड़े दुख के तजुर्बा के लिए भी काम में लिया जाता है |

## तर्जुमा की सलाह:

- मसीही लोग पानी के बपतिस्में के बारे में अलग-अलग ख़याल रखते हैं | तो अच्छा होगा कि इसका तर्जुमा 'अवामी तौर में किया जाए जिसमें पानी के इसते'माल के मुख्तलिफ़ तरीक़े हों |
- शर्तों के मुताबिक़ "बपतिस्मा" का तर्जुमा पाकीज़गी,उण्डेलना" "डूबाना" "धोना" या रुहानी तरह " से पाक करना" , हो सकता है | मिसाल के तौर पर, पानी से तुम्हें "बपतिस्मा देने का तर्जुमा पानी" में डुबकी, हो सकता है |
- लफ्ज़ "बपतिस्मा" का तर्जुमा "पाकीज़गी" " डालना, डुबकी " सफ़ाई या, रूहानी " धुलाई, " की शक्ल में किया जा सकता है |
- जब यह दर्द ज़ाहिर करता है, तो "बपतिस्मा" का तर्जुमा ख़तरनाक तकलीफ़ का वक़्त, या " दुख से आजाद साफ़ हों" |
- यह भी ख़याल करें कि इस लफ्ज़ का तर्जमा किसी मुक़ामी या क़ौमी ज़बान में कलाम-ए-मुक़द्दस तर्जुमा में किया गया है|

( यह भी देखें: नावाकिफ़ लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: युहन्ना बपतिस्मा देने वाला, तौबा करना, पाक रूह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- {रसूलों के 'आमाल 02:37-39](rc://ur-deva/tn/help/act/02/37)
- {रसूलों के 'आमल 08:36-38](rc://ur-deva/tn/help/act/08/36)
- रसूलों के 'आमाल 09:17-19
- रसूलों के 'आमाल 10:46-48
- {लूका 03:15-16](rc://ur-deva/tn/help/luk/03/15)
- मत्ती 03:13-15
- \मत्ती 28:18-19

## बाइबल कहानियों से मिसाल:

- *24:03_* जब उन लोगों ने यूहन्ना का पैगाम सुना, उन्होंने अपने-अपने गुनाहों से तौबा की, और युहन्ना ने उनको **बपतिस्मा** दिया| बहुत से मज़हबी रहनुमा युहन्ना से **बपतिस्मा** लेने को आए, लेकिन उन्होंने न तौबा की और न ही अपने गुनाहों का इक़रार किया |
- **{24:06](rc://ur-deva/tn/help/obs/24/06)** अगले दिन,'ईसा युहन्ना के पास उससे _बपतिस्मा _लेने को आया
- **{24:07](rc://ur-deva/tn/help/obs/24/07)** यूहन्ना ने 'ईसा से कहा, मैं इस लायक़ नहीं कि तुझे _बपतिस्मा _ दूँ | मुझे तो तेरे हाथ से बपतिस्मा लेने की ज़रूरत है।”
- **42:10** इसलिये तुम जाओ, सब क़ौमों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें बाप और बेटा और पाक रूह के नाम से बपतिस्मा दो और उन्हें सब बातें जो मैंने तुम्हें हुक्म दिया है मानना सिखाओ "
- **43:11** पतरस ने उनको जवाब दिया, तौबा करो और तुम में से हर एक 'ईसा मसीह के नाम से_ बपतिस्मा_ ले तो ख़ुदावन्द तुम्हारे गुनाहों को मा'फ़ करेगा
- **43:12** लगभग 3000 लोगों ने पतरस की बात पर यक़ीन किया और 'ईसा के शागिर्द बन गए| और उन्हें **बपतिस्मा** दिया गया और वह यरुशलीम की कलीसिया का हिस्सा बन गए|
- **45:11** फिलिप्पुस और कूश मुल्क का हाकिम रास्ते में चलते चलते वह किसी पानी की जगह पहुँचे| तब कूश के हाकिम ने कहा, "देख" देख यहाँ कुछ पानी है , क्या मैं **बपतिस्मा** ले सकता हूँ|
- **46:05** शाऊल फौरन देखने लगा, और हनन्याह ने उसे **बपतिस्मा** दिया|
- **49:14** 'ईसा तुम्हें उस यक़ीन करने वाले और **बपतिस्मा** लेने के लिए बुलाता है

## शब्दकोश:

- Strong's: G907

# बरकत, मुबारक, बरकत देना

## ता'अर्रुफ़:

किसी को “बरकत” देना या किसी शख्स या चीज़ के लिए अच्छी और फ़ायदे मन्द बात होने की तमन्ना करना।

- किसी को बरकत देने का मतलब उसके लिए सही और फ़ायदे की ख़याल ज़ाहिर करना।
- किताब-ए- मुक़द्दस के ज़माने में बाप हमेशा अपनी औलाद को ‘आम तौर पर बरकत देते थे।
- लेकिन आदमी जब ख़ुदावन्द को “मुबारक”कहता है तब इस लफ्ज़ का मतलब है, वह उसकी ता'रीफ़ कर रहे हैं।
- कभी-कभी “बरकत” लफ्ज़ खाना को खाने से पहले उसे पाक करना भी होता है या ख़ुदावन्द को खाने के लिए मुबारकबाद देना और उसकी ता'रीफ़ करना।

## तर्जुमें की सलाह:

- “बरकत” देने का तर्जुमा“ हलीमी से फ़राहम करना” या “किसी पर ज़्यादा से ज़्यादा रहम और फ़ज़्ल ज़ाहिर करना” भी हो सकता है।

“ख़ुदावन्द ने बहुत बरकत दी” का तर्जुमा हो सकता है, “ख़ुदा ने बहुत अच्छी चीज़ें दी” या “ख़ुदा उसे समझ फ़राहम करेगा”।

- “वह मुबारक है” इसका तर्जुमा हो सकता है, “वह बहुत फ़ायदा उठाएगा” या “वह अच्छी-अच्छी चीज़ें हासिल करेगा” या “ख़ुदावन्द उसे समझ फ़राहम करेगा”।
- “मुबारक है वह आदमी जो” इसका तर्जुमा हो सकता है, “कितना मुबारक है वह आदमी जो”
- इज़हार जैसे “मुबारक है ख़ुदा” का तर्जुमा“रब की ता'रीफ़ हो” या “ यहोवा की ता'रीफ़ करो” या “मैं ख़ुदा की ता'रीफ़ करता हूँ”।
- खाने को बरकत देने के बारे में इसका तर्जुमा किया जा सकता है, “खाने के लिए ख़ुदा का शुक्र किया” या “खाने के लिए ख़ुदावन्द की ता'रीफ़ की” या “ख़ुदा की ता'रीफ़ करके खाने को पाक किया”।

(यह भी देखें: ता'रीफ़ करना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 10:14-17
- रसूलों के 'आमाल 13:32-34
- इफिसियों 01:3-4
- पैदाईश 14:19-20
- यसा’याह 44: 3-4
- या’क़ूब 01:22-25
- लूक़ा 06:20-21
- मत्ती. 26:26
- नहमियाह 09:5-6
- रोमियो 04:9-10

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों की मिसालें:

- **01:07** ख़ुदा ने देखा कि यह अच्छा था और उसने उन्हें **बरकत दी**।
- **01:15** ख़ुदा ने अपनी शक्ल में आदम और हव्वा को बनाया। उस ने उन्हें **बरकत दी** और उन से कहा, “कई बच्चों और पोतो को पैदा करो और ज़मीन में भर जाओ!”
- **01:16** इसलिये ख़ुदा जो कुछ कर रहा था उन सब से आराम लिया। उस ने सातवें दिन को **बरकत दी** और उसे पाक किया क्योंकि इस दिन ख़ुदा ने अपने काम से आराम लिया था।
- **04:04** "मैं तुम्हारा नाम 'अज़ीम करूँगा। मैं **बरकत _ दूँगा उनको जो तुझे बरकत देगा, और जो तुझे ला’नत करेगा, उसे मैं ला’नत दूँगा। ज़मीन के सभी ख़ानदानों को तेरे वजह से _बरकत दी** जाएगी। "
- _ *[04:07](rc://ur-deva/tn/help/obs/04/07)_* मलिकसिदक ने अब्राम को **बरकत दी** और कहा, " ख़ुद मुख्तार ख़ुदावन्द जो आसमान और ज़मीन का मालिक है अब्राम को बरकत दे।"

- _ *[07:03](rc://ur-deva/tn/help/obs/07/03)_* इसहाक़ अपनी _बरकत _ 'ऐसौ को देना चाहता था।
- _ *[08:05](rc://ur-deva/tn/help/obs/08/05)_* यहाँ तक कि जेल में, यूसुफ़ ख़ुदा के लिए वफ़ादार रहा, और ख़ुदा ने उसे **बरकत दिया** ।

## शब्दकोश:

- Strong's: H833, H835, H1288, H1289, H1293, G1757, G2127, G2128, G2129, G3106, G3107, G3108, G6050

# बर्रा, ख़ुदा का बर्रा

## ता'अर्रुफ़:

"मेम्ना" भेड़ का बच्चा। भेड़ चौपाया जानवर होता है जिसके घने ऊन जैसे बाल होते हैं, और ख़ुदा को उसकी क़ुर्बानी पेश की जाती थी। ''ईसा को "ख़ुदा का मेम्ना" कहा जाता था क्योंकि उसे इन्सानों के गुनाहों की क़ीमत चुकानी पड़ी थी

- इन जानवरों का आसानी से भटक जाना मुमकिन था लिहाज़ा उन्हें हिफ़ाज़त की ज़रूरत थी। ख़ुदा इन्सानों का मुक़ाबला भेड़ों से करता है।
- ख़ुदा के हुक्म के मुताबिक़ इसे क़ुर्बानी पेश करने के लिए भेड़ या मेम्ने को जिस्मानी तौर से बे'ऐब होना था।
- 'ईसा को ख़ुदा का मेम्ना कहा गया है, क्योंकि वह इन्सानों के गुनाहों के लिए क़ुर्बानी पेश किया गया था। वह एक कामिल बे'ऐब क़ुर्बानी थी क्योंकि वह गुनाह से आज़ाद था।

## तर्जुमे की सलाह:

- अगर मक़ामी ज़बान में भेड़ जाना हुआ लफ़्ज़ है, तो उसके बच्चे के नाम के इस्ते'माल से तर्जुमा किया जाए जैसे "मेम्ना" या "ख़ुदा का मेम्ना" ।
- "ख़ुदा का बर्रा" का तर्जुमा "ख़ुदा का (क़ुर्बानी)बर्रा" या "मेम्ना, ख़ुदा के लिए क़ुर्बानी चढ़ाया गया" या " ख़ुदा की ओर से (क़ुर्बानी)मेम्ना" के तौर पर किया जा सकता है।
- अगर भेड़ अनजान है तो इस लफ़्ज़ का तर्जुमा "एक भेड़ का बच्चा" किया जा सकता है और हाशिये में उस भेड़ का ज़िक्र करें। हाशिए में भेड़ और भेड़ के बच्चों का मुक़ाबला जानवरों से किया जाता है जो झुंडों में रहता है, जो कि डरपोक और बेघर है, और वह अक्सर भटकते हैं।
- यह भी ध्यान रखें कि इस लफ़्ज़ का तर्जुमा मक़ामी या क़ौमी ज़बान में कैसे किया गया है।

(देखें: अनजान अलफ़ाज़ का तर्जुमा कैसे करे)

(यह भी देखें: भेड़, चरवाहा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 शमूएल 12:1-3
- 'अज़्रा 08:35-36
- यसा'याह 66:3
- यरमियाह 11:18-20
- युहन्ना 01:29-31
- युहन्ना 01:35-36
- अहबार 14:21-23
- अहबार 17:1-4
- लूक़ा 10:3-4
- मुकाशिफ़ा 15:3-4

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **05:07**जब इब्राहीम और इस्हाक़ क़ुर्बानी की जगह की ओर जा रहे थे, इस्हाक़ ने पूछा, " ऐ मेरे बाप, देख, क़ुर्बानी के लिए लकड़ी तो हैं; लेकिन **बर्रा** कहाँ है?"
- **11:02** ख़ुदा ने कहा कि, वह इन्सान जो उस पर ईमान करेंगा वह उसके पहलौठे बेटे को बचाएगा। हर ख़ानदान एक कामिल **बर्रे** की क़ुर्बानी देंगा।
- **24:06** अगले दिन, 'ईसा युहन्ना के पास उससे बपतिस्मा लेने को आया | जब यूहन्ना ने उसे देखा, तो कहा, "देख ! यह **ख़ुदा का बर्रा** है, जो दुनिया के गुनाहों को दूर ले जाएगा।"
- **45:08** वह पढ़ रहा था, "वह भेड़ की तरह हलाक होने को पहुँचाया गया, और जैसा **बर्रा** अपने ऊन कतरने वालों के सामने चुपचाप रहता है, वैसे ही उसने भी अपना मुँह न खोला।
- **48:08** जब ख़ुदा ने इब्राहीम से उसके बेटे इस्हाक़ को क़ुर्बानी करने को कहा, तब ख़ुदा ने इस्हाक़ की जगह पर इब्राहीम को क़ुर्बानी 'अदा करने के लिए एक **बर्रा _ 'अता किया। हम सब इन्सान अपने गुनाहों की वजह से मौत के लायक़ है। लेकिन ख़ुदा ने 'ईसा को भेजा, ख़ुदा का _बर्रा**, कि वह हमारी जगह पर अपने आप को क़ुर्बान करे।

- **48:09** जब ख़ुदा ने मिस्र पर आख़िरी बीमारी भेजी, उसने हर इस्राईली ख़ानदान से कहा कि वह एक कामिल **बर्रे** की क़ुर्बानी दे और उसका ख़ून अपने दरवाज़े के ऊपर व चारों ओर उंडेले।

## शब्दकोश:

- Strong's: H7716, G721, G2316

# बांधना, बन्धन, बाँधा

## ता'अर्रुफ़:

- “बांधना” या किसी चीज़ को बांधकर रखना या महफ़ूज़ जगह में रखना। बंधी हुई या मिली हुई चीज़ें“बन्धन” में कहलाती हैं। लफ्ज़ “बंधा हुआ” इस लफ़्ज़ का माज़ी है|
- “बाँधा” होने का मतलब है किसी चीज़ से लिपटा या बाँधा होना।
- 'अलामती शक्ल में इंसान किस सिफ़त से “बंधा” होता है जिसका मतलब कि उसने जो 'अहद किया है उसे "पूरा करना" उसके लिए ज़रूरी है।
- “बंधन” में होना या किसी भी बांधने वाली चीज़ या हदों में बंधे होना या किसी को जेल में डालना। इसका हवाला हमेशा ज़ंजीर, बेड़ियों या रस्सी से है जो इन्सान की आज़ादी को रूकावट करती है।
- किताब-ए-मुक़द्दस के ज़माने में रस्सी या ज़ंजीर बन्दियों को दीवार या पत्थर के फर्श में बांध कर रखने के लिए थी।
- “बांधना” लफ्ज़ घाव पर पट्टी बांधने के लिए भी काम में लिया जाता था कि घाव भर जाए।
- मुर्दा को भी कपड़ों में लपेटा जाता था कि दफ़्न के लिए तैयार करें।
- “बन्धन” 'अलामती शक्ल में गुनाह के लिए भी काम में लिया गया है क्योंकि वह आदमी को अपने क़ाबू में कर लेता है या ग़ुलाम बना लेता है।
- बन्धन दो इंसानों के क़रीबी रिश्ते में भी होता है, जिसमें वह एक दूसरे को दिमाग़ी, रूहानी और जिस्मानी नुक़ते नज़र में ता'उन देते हैं। यह शादी के बन्धन में भी है
- शौहर-बीवी एक दूसरे से बंधे होते हैं। यह एक ऐसा बन्धन है जिसे ख़ुदा नहीं चाहता कि कभी तोड़ा जाए।

## तर्जुमें की सलाह:

- “बांधना” लफ्ज़ का तर्जुमा “बंधन के मातहत करना” या “मिलकर करना” या “लपेटें”
- 'अलामती शक्ल में, इसका तर्जुमें"को क़ब्ज़े में करने के लिए" या "रोकने के लिए" या "से (कुछ) को रखने के लिए" हो सकता है।
- "बांधना" लफ्ज़ का ख़ास इस्ते'माल मत्ती 16 और 18 में "मना' करना" या "इजाज़त नहीं" है।
- “बन्धनों” लफ्ज़ का तर्जुमा "ज़ंजीरों" या "रस्सियों" या "बंधन" भी हो सकता है।
- 'अलामत शक्ल से “बन्धन” लफ्ज़ का तर्जुमा "गाँठ" या "ता'ल्लुक़" या "क़रीबी रिश्ता" भी हो सकता है।
- जुमले "अमन का बंधन" का मतलब है "एक साथ में होना, जो लोग एक-दूसरे के साथ +क़रीबी ता'लुक़ात में लोगों को लाते हैं" या "एक साथ बांधने से अमन मिलता है।"
- "बांध" का तर्जुमा "चारों तरफ़ लपेटो" या "पर एक पट्टी डाल" कि शक्ल में किया जा सकता है।
- क़सम के साथ अपने आप को "बांधना" करने के लिए का तर्जुमा "क़सम को पूरा करने का वा'दा" या "क़सम को पूरा करने का वा'दा" की शक्ल में किया जा सकता है।
- जुमले के मुताबिक़“बाँधा” का तर्जुमा "बंधे" या "बांध" या "ज़ंजीर" या "पाबन्दी (पूरा करने के लिए)" या "करने की ज़रूरत है" हो सकता है।

(यह भी देखें: पूरा, अमन, जेल, ख़ादिम, क़सम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में :

- इस्तिसना 08:6-7

## शब्दकोश:

- Strong's: H247, H481, H519, H615, H631, H632, H640, H1366, H1367, H1379, H2280, H2706, H3256, H3533, H3729, H4147, H4148, H4205, H4562, H5650, H5656, H5659, H6029, H6123, H6616, H6696, H6872, H6887, H7194, H7405, H7573, H7576, H8198, H8244, H8379, G254, G331, G332, G1195, G1196, G1198, G1199, G1210, G1397, G1398, G1401, G1402, G2611, G2615, G3734, G3784, G3814, G4019, G4029, G4385, G4886, G4887, G5265

# बारहों, ग्यारहों

## ता’अर्रुफ़:

“बारहों” का बयान उन आदमियों से है जिन्हें ‘ईसा ने चुना कि उसके क़रीबी शागिर्द या रसूल हों। यहूदा की ख़ुदकशी के बा’द, वे “ग्यारहों” कहलाते थे।

- ‘ईसा के बहुत और शागिर्द थे लेकिन “बारहों” यह ‘ओहदा उन्हें इसलिए दिया गया था क्योंकि वह ‘ईसा के बहुत करीब थे।
- इन बारह शागिर्दों के नाम, मत्ती 10, मरकुस 3, तथा लूका 6 में ज़ेरे फ़हरिस्त हैं।
- ‘ईसा के आसमान पर उठाये जाने के बा’द इन ग्यारहों ने मत्तिय्याह को यहूदा की जगह में चुन लिया था। तब वे फिर से “बारहों” कहलाए।

## तर्जुमे की सलाह:

- कुछ ज़बानों में इस्म लफ़्ज़ इसमें जोड़ना ज़्यादा साफ़ और ज़्यादा ख़ास होता है, “बारह शागिर्द ” या “’ईसा के ख़ास बारह शागिर्द ”।
- “ग्यारहों” का तर्जुमा हो सकता है, “’ईसा के बचे ग्यारहशागिर्द ”।
- कुछ तर्जुमों में पहला हर्फ़ बड़ा काम में लेकर दिखाया जाता है कि यह ‘ओहदे का नाम था जैसे “वे बारह” या “वे ग्यारह”।

(यह भी देखें: रसूल, शागिर्द

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 15:5-7
- रसूलों के 'आमाल 06:2-4
- लूका 09:1-2
- लूका 18:31-33
- मरकुस 10:32-34
- मत्ती. 10:5-7

## शब्दकोश:

- Strong's: G1427, G1733

# बुराई, बदकार, बदकारी

## ता'अर्रुफ़:

“बुरा और बदकार” दोनों का हवाला उन बातों से है जो ख़ुदावन्द की ख़ुसूसियात और मर्ज़ी के ख़िलाफ़ है।

- “बुरा” लफ्ज़ इन्सान के किरदार का बयान करता है, “बदकार” लफ्ज़ इन्सान के सुलूक का बयान करता है। ताहम, मतलब में दोनों लफ्ज़ बराबर हैं।
- “बुराई” का मतलब इन्सान के ज़रिए’ किए गए बुरे काम को ज़ाहिर करता हैं।
- बुराई के नतीजे वाज़ह तौर से दिखाए जाते हैं कि लोग कैसे क़त्ल करते हैं, चोरी करते हैं, बदनाम करते हैं और ज़ालिमाना और बेरहम होते हैं।

## तर्जुमा की सलाह:

- जुमले के मुताबिक़ “बुराई” और बदकारी का तर्जुमा “बुरा” या “गुनहगार” या “ग़ैर अख्लाक़ी” हो सकता है।
- इसका तर्जुमा दोसरी तरह हैं, “अच्छी नहीं” या “रास्त्बाज़ नहीं” या “अख्लाक़ी नहीं”
- यक़ीन करें कि इनके तर्जुमें के लफ्ज़ और मक़सदी ज़बान में ‘आम हवाले के साथ हों।

(यह भी देखें:नाफ़रमान, गुनाह , अच्छा, रास्तबाज़, बदरूह )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 24:10-11
- 1 तीमुथियुस 06:9-10
- 3 युहन्ना 01:9-10
- पैदाइश 02:15-17
- पैदाइश 06:5-6
- अय्यूब 01:1-3
- अय्यूब 08:19-20
- कुज़ात 09:55-57
- लूक़ा 06:22-23
- मत्ती. 07:11-12
- अमसाल 03:7-8
- ज़बूर 022:16-17

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों की मिसालें :

- _ *[02:04](rc://ur-deva/tn/help/obs/02/04)*_ "ख़ुदावन्द इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम ख़ुदा की तरह हो जाओगे और अच्छा और **बुरे** को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **03:01** एक लंबे वक़्त के बा'द, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे। वह बहुत _बदकार _ और तशदुद्द थे।
- **03:02** लेकिन नूह ने ख़ुदावन्द से फ़ज़ल पाया। वह **बदकार** लोगों के बीच रहने वाला एक रास्तबाज़ शख्स था।
- **04:02** ख़ुदावन्द ने देखा कि अगर वह सभी एक साथ मिलकर **बुराई** करते हैं, तो वह और भी ज़्यादा गुनाह करेंगे।
- **08:12** "आपने ग़ुलाम कि शक्ल में मुझे बेचकर तुमने **बुराई** करने की कोशिश की, लेकिन ख़ुदा ने भलाई के लिए **अच्छा** इस्ते'माल किया!"
- **14:02** वह (कना'नी) ने झूठे मा'बूदों की पूजा की और कई _ बुरे_ काम किए।
- **17:01** लेकिन फिर वह (शाऊल) एक _बदकार _ शख्स बन गया, जिसने ख़ुदा का हुक्म नहीं माना , इसलिए ख़ुदा ने एक अलग शख्स को चुना जो एक दिन उसके जगह पर बादशाह बनेगा।
- **18:11** इस्राईलियों के नए रियासत में, सभी बादशाह **बुरे** थे
- **29:08** बादशाह इतना ग़ुस्से में था कि उसने _बदकार _ ग़ुलाम को जेल में फेंक दिया जब तक कि वह उसके सारे क़र्ज़ को अदा न कर दे।
- **45:02** उन्होंने कहा, "हमने सुना है वह(स्तिफनुस) मूसा और ख़ुदा के बारे में _ बुरी_ बातें कहता है!"
- **50:17** वह ('ईसा ) हर आंसू को मिटा देगा उसके बा'द कोई दर्द , दुःख, रोने, **बुराई**, दर्द या मौत नहीं होगी।

## शब्दकोश:

- Strong's: H205, H605, H1100, H1681, H1942, H2154, H2162, H2617, H3415, H4209, H4849, H5753, H5766, H5767, H5999, H6001, H6090, H7451, H7455, H7489, H7561, H7562, H7563, H7564, G92, G113, G459, G932, G987, G988, G1426, G2549, G2551, G2554, G2555, G2556, G2557, G2559, G2560, G2635, G2636, G4151, G4189, G4190, G4191, G5337

# बुलाना ,पुकारा ,पुकारना ,कहलाता

## ता’रीफ़:

बुलाना’’ और “पुकारना” के हक़ीक़ी मा’ने हैं ,किसी दूर खड़े इन्सान को ऊँचे लफ़्ज़ों में कुछ कहना | "पुकारना "के मा'ने किसी ख़ास को बुलाना | इसके बहुत से तम्सीली मा’ने हैं

- “पुकारना “मतलब दूर खड़े किसी आदमी से ऊंचे लफ़्ज़ों में कुछ कहना | इसके मा’ने मदद माँगना भी होता है ख़ास कर ख़ुदा से |
- किताब-ए-मुक़द्दस में “बुलाना “के मा’नी हैं” तलब करना “या आने का हुक्म या “आने की गुज़ारिश |
- ख़ुदा इन्सानों को बुलाता है कि उसके पास आयें और उसके लोग हों यह उनकी बुलाहट है |
- बुलाया “ लफ़्ज़ का किताब-ए-मुक़द्दस में मा’नी है ,ख़ुदा ने इन्सानों को मुक़र्रर किया या चुन लिया कि उसकी औलाद हों ,उसके ख़ादिम हों और ‘ईसा के ज़रिए’नजात की ख़बर के बताने वाले हों
- इस लफ़्ज़ को किसी का नाम देने के मज़मून में भी काम में लिया जाता है | मिसाल के तौर पर “वह यूहन्ना कहलाया “जैसे कि “उस का नाम यूहन्ना रखा गया “या उसका नाम यूहन्ना हुआ “|
- नाम से पुकारा जाना “ मतलब किसी को किसी और का नाम दिया जाना | ख़ुदा कहता है कि उसने अपने लोगों को अपने नाम से बुलाया है |
- एक अलग कलाम “मैंने तुझे नाम लेकर बुलाया है “|ख़ुदा उस ख़ास इन्सान का नाम ख़ुद से जानता है और उसे ख़ास करके चुन लिया है |

## तर्जुमे की सलाह:

- “बुलाना “का तर्जुमा ऐसे लफ़्ज़ों में किया जाये जिनके मा’नी “तलब करना “हो जिसमे बुलाहट की मर्ज़ी और मक़सद शामिल हों |
- “तुझे पुकारता हूँ “इसका तर्जुमा हो सकता है “तुमसे मदद माँगता हूँ “या तुझसे शिद्दत से मिन्नत करता हूँ “|
- किताब-ए-मुक़द्दस में लिखा है कि ख़ुदा ने हमें बुलाया कि इसकी ख़िदमत करे तो इसका तर्जुमा किया जा सकता है ,उसके ख़ादिम होने के लिए “हमें ख़ास करके चुना”या “हमें मुक़र्रर किया”
- ”उसका नाम पुकारा “इसका तर्जुमा हो सकता है “उसको नाम देना “
- “उसका नाम पुकारा “इसका तर्जुमा हो सकता है “उसका नाम है “या उसको नाम दिया गया है |
- पुकारना “इसका तर्जुमा हो सकता है ,”ऊंचे लफ़्ज़ में कहना “या चिल्लाने “ऊँची आवाज़ में कहना “ लेकिन ध्यान रखें कि इसके तर्जुमे में अल्फ़ाज़ों में ग़ुस्से का निशान ज़ाहिर न हो |
- तुम्हारी बुलाहट “इसका तर्जुमा हो सकता है “तुम्हारा मक़सद “या तुम्हारे लिए ख़ुदा का मक़सद या “तुम्हारे लिए ख़ुदा का अहम काम “
- ख़ुदावन्द का नाम पुकारना “इसका तर्जुमा किया जा सकता है ,”ख़ुदावन्द की तलाश करो और उस पर भरोसा रखो “या ख़ुदा में यक़ीन करके उसके हुक्म मानो |
- किसी बात के लिए “पुकार करना “इसका तर्जुमा हो सकता है “मांग करना “या तलब करना “या “हुक्म देना “
- तुम मेरे नाम से बुलाये गये हो “इसका तर्जुमा हो सकता है “मैंने तुम्हें अपना नाम दिया है कि दिखाऊँ तुम मेरे हो “|
- “जब ख़ुदा कहता है “मैंने तुझे नाम लेकर बुलाया है “तो इसका तर्जुमा हो सकता है ,”मै तेरा नाम जानता हूँ और तुझे चुन लिया है “|

(यह भी देखें: दुआ करना )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 18:22-24
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- इफिसियों 04:1-3
- गलातियों 01:15-17
- मत्ती 02:13-15
- फिलिप्पियों 03:12-14

{{tag>publish ktlink }}

### शब्दकोश:

- Strong's: H559, H2199, H4744, H6817, H7121, H7123, G154, G363, G1458, G1528, G1941, G1951, G2028, G2046, G2564, G2821, G2822, G2840, G2919, G3004, G3106, G3333, G3343, G3603, G3686, G3687, G4316, G4341, G4377, G4779, G4867, G5455, G5537, G5581

# बे क़ुसूर

## ता'अर्रुफ़:

“बे क़ुसूर लफ्ज़” का ज़बानी मतलब है, “बिना किसी इलज़ाम के”। यह उस आदमी के बारे में काम में लिया जाता है जो पूरे दिल से ख़ुदावन्द का हुक्म मानता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह मा'सूम हैं।

- इब्राहीम और नूह ख़ुदावन्द की नज़र में में बे 'इल्ज़ाम थे।
- जिस आदमी को "मा'सूम " माना जाता है, वह ख़ुदावन्द को 'इज्ज़त देनेवाला सुलुक रखता है।
- एक कलाम की आयत के मुताबिक़ मा'सूम आदमी “ख़ुदा का डर मानता है और गुनाह से दूर रहता है”।

## तर्जुमा की सलाह:

- इसका तर्जुमा इस तरह भी हो सकता है “जिसके किरदार में कोई कमी न हो” या "पूरी तरह से ख़ुदावन्द का फ़र्माबरदार है” या “गुनाह से दूर रहना” या “बुराई से दूर रहना है”

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में :

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10-12
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:11-13
- 2 पतरस 03:14-16
- कुलुस्सियों 01: 21-23
- पैदाईश17: 1-2
- फिलिप्पियों 02:14-16
- फिलिप्पियों03:6-7

## शब्दकोश:

- Strong's: H5352, H5355, G273, G274, G298, G338, G410, G423

# बे-ईमान, धोखा

## ता’अरुफ़:

लफ़्ज़ “बे-ईमान” का मतलब ईमान से अलग या ईमान न करना।

- इस लफ़्ज़ के ज़रिए’ उन लोगों का ज़िक्र किया गया है जो ख़ुदा में ईमान नहीं करते। उनके ईमान में कमी ग़ैर इख़लाक़ी तरीक़े से देखी जाती है।
- यरमियाह नबी ने इस्राईल पर यक़ीन किया कि वह ख़ुदा के के लिए बे-ईमान और नाफ़रमान है।
- उन्होंने बुतों की ‘इबादत की और उन लोगों के और शर्मनाक रिवाजों पर ‘अमल किया जिन्होंने ख़ुदा की ‘इबादत या फरमाबरदारी नहीं की

## तर्जुमे की सलाह

- मज़मून पर मुनहस्सिर “बे-ईमान” लफ़्ज़ का तर्जुमा “बे-ईमान” या “ईमान न करना” या “ख़ुदा के नाफ़रमान” या “ईमान न करना” किया जा सकता है।
- “बे-ईमानी” का लफ़्ज़ का तर्जुमा “यक़ीन न करना” या “बे-ईमानी” या “ख़ुदा से बग़ावत” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: ईमान नहीं करने वाले, वफ़ादार, नाफ़रमानी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- हिज़क़ीएल 43:6-8
- ‘अज्रा 09:1-2
- यरमियाह 02:18-19
- अम्साल 02:20-22
- मुकाशिफ़ा\ 21:7-8

## शब्दकोश:

- Strong's: G571

# बेटे, बेटों

## ता'अर्रुफ़:

एक आदमी और एक 'औरत का बेटा उसके पूरी ज़िन्दगी के लिए उनका "बेटा" कहलाता है उसे उस आदमी का बेटा और उस 'औरत का एक बेटा भी कहा जाता है एक "गोद लिया बेटा" एक आदमी है जिसे क़ानूनी शक्ल से एक बेटे के'उहदे में रखा गया है।।

- कलाम में "बेटा" लफ़्ज़ हमेशा 'अलामती शक्ल में किसी भी शख़्स की औलाद के बारे में इस्ते'माल किया गया है। जैसे पोता या परपोता
- "बेटा" लफ़्ज़ को जुमले में किसी लड़के या आदमी से कम उम्र के शख़्स के लिए इस्ते'माल किया जा सकता है।
- "नए 'अहद नामे में ख़ुदा के बेटे" मसीह के ईमानदारों के बारे में इस्ते'माल किया गया है।
- ख़ुदा ने इस्राईल को अपना "पहलौठ बेटा" कहा। यह इस्राईल मुल्क को ख़ुदा के ज़रिए' ख़ास लोगों की शक्ल में चुनने के बारे में है। यह उनके ज़रिए' ख़ुदा की नजात या नजात का पैग़ाम आया, जिसके नातीजे के साथ कि दूसरे लोग उसकी रूहानी औलाद बन गए।
- "का बेटा" का रूहानी शक्ल में हमेशा एक मतलब होता है कि " शख़्स में किसी की ख़ासियत" हैं। इसकी मिसाल है, "रोशनी की औलाद", "फ़रमाबरदारी की औलाद ", " अमन का बेटा" "गर्ज के बेटे"।
- "बेटा" इस जुमले का इस्ते'माल हमेशा यह ज़ाहिर करने के लिए भी किया जाता है कि मा'लूम हो की इस शख़्स का बाप कौन है। यह अलफ़ाज़ 'औलादों और कई मक़ामों में भी काम में लिए गए हैं ।
- बाप का नाम रोशन करने के लिए" "का बेटा" ज़्यादातर एक ही नाम के लोगों को एक दूसरे से अलग बयान करने के लिए काम में लिया जाता है। मिसालके तौर पर , सदूक का बेटा अजरियाह" और "नातन का बेटा अजरियाह -1 बादशाह 4 और 2 बादशाह 15 में "अमसियाह का बेटा अजरियाह ।

## तर्जुमा की सलाह:

- इस लफ़्ज़ के बारे में ज़्यादातर 'अलामती ज़बान के उसी लफ़्ज़ को काम में लिया जाए जो "बेटा" के लिए काम आता है।
- " ख़ुदा का बेटा" जुमले का तर्जुमे में "बेटा" के लिए जिस लफ़्ज़ का इस्ते'माल 'आमतौर पर किया जाता है, उसी का इस्ते'माल करें।
- जब "बेटा" की जगह में किसी औलाद को ज़ाहिर किया जाता है तब "औलाद" लफ़्ज़ का इस्ते'माल किया जाए जैसे 'ईसा को दाऊद की औलाद कहा जाता था। या औलादों में भी जहां "बेटा" लफ़्ज़ किसी औलाद का इन्कार कराता है।
- कभी-कभी "बेटों" का तर्जुमा "औलाद " किया जा सकता है, जब मर्द-'औरत दोनों को एह साथ ज़िक्र किया जा रहा हो। मिसाल के तौर पर "ख़ुदा का बेटा" का तर्जुम, "ख़ुदा की औलाद" किया जा सकता है क्यूँकि इसमें मर्द-'औरत दोनों को एक साथ ज़िक्र किया जा है।
- 'अलामती शक्ल में, "का बेटा" का तर्जुमा इस तरह भी किया जा सकता है, "जिसमें ख़ासियत हैं" या "की शक्ल " या "में ख़ासियत हैं" या "की तरह सुलूक है"

(यह भी देखें: अजरियाह, औलाद, बुजुर्गों, पहलौठा, ख़ुदा का बेटा, ख़ुदा का बेटा।)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 18:14-17
- 1 सलातीन 13:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:4-7
- गलातियों 04:6-7
- होशे 11:1-2
- यसा'याह 09:6-7
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 05:9-10
- मत्ती 08:11-13
- नहेमायाह 10:28-29

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **04:08** ख़ुदावन्द ने अब्राम से 'अहद के साथ फिर से बात की कि उसे एक **बेटा** होगा और आसमान में तारे की तरह में कई नसल होंगी ।
- **04:09** ख़ुदावन्द ने कहा, "मैं तुमको तुम्हारे शरीर से एक **बेटा** दूँगा।"
- **05:05** तक़रीबन एक साल बा'द, जब इब्राहीम 100 साल का था और सारा 90 की , सारा ने इब्राहीम के **बेटे** को जन्म दिया।

- **05:08**जब वह क़ुर्बानी की जगह पर पहुंच गए, तो इब्राहीम ने अपने **बेटे** इस्हाक़ को बांध दिया और उसे क़ुर्बानगाह पर रख दिया। वह अपने **बेटे** को मारने ही पर था, जब ख़ुदावन्द ने कहा, "रुको! लड़के को चोट न पहुंचा! अब मुझे मा'लूम है कि तुम मुझ से डरते हो क्यूँकि तुमने मुझसे अपने **बेटे** को भी न रख छोड़ा।"
- **09:07**जब उसने बच्चे को देखा, उसने अपने **बेटे** के गोद में ले लिया।
- **11:06** ख़ुदावन्द ने मिस्र के सब पहलौठे **बेटों** को मार डाला।
- **18:01**कई सालों के बा'द, दाऊद की मौत हो गई, और उसके _बेटा _ सुलैमान ने शासन शुरू किया।
- **26:04**"क्या यह यूसुफ़ बेटा है ?â€š" उन्होंने कहा।

## शब्दकोश:

- Strong's: H1060, H1121, H1123, H1248, H3173, H3206, H3211, H4497, H5209, H5220, G3816, G5043, G5207

# बेवक़ूफ़, बेवक़ूफ़ लोग, बेवक़ूफ़ी, हिमाक़त

## ता'अर्रुफ़:

"बेवक़ूफ़" या'नी ग़लत फ़ैसला करनेवाला ख़ास करके नाफ़रमानी का फ़ैसला करनेवाला। लफ़्ज़ "बेवक़ूफ़" लफ़्ज़ बे-'अक़्ल इन्सान या सुलूक का ज़िक्र करता है।

- किताब-ए-मुक़द्दस, में पागल/बेवक़ूफ़ लफ़्ज़ उस इन्सान के लिए काम में लिया गया है जो ख़ुदा को नहीं मानता था या उसके हुक्म नहीं मानता है इसका मुख़तलिफ़ मुक़ाबला अमूमन उस इन्सान से किया गया है जो ख़ुदा में ईमान करता है और उसके हुक्मों की फरमाबरदारी करता है।
- ज़ुबूर में दाऊद बेवक़ूफ़ को ऐसा इन्सान कहता है जो ख़ुदा में ईमान नहीं करता या उसके हुक्मों को नहीं मानता है। वह क़ायनात में ख़ुदा के पहचान के सब सुबूतों को अनदेखा करता है।
- पुराने 'अहदनामे की किताब अम्साल में भी बेवक़ूफ़ या बे-'अक़्ल का किरदार बयान किया गया है।
- लफ़्ज़"बेवक़ूफ़ी" उस काम के बारे में बताता है जो बेवक़ूफ़ का है क्योंकि वह काम ख़ुदा की मर्ज़ी के ख़िलाफ़ है। अक्सर "बेवक़ूफ़ी" का मतलब बेतुका या खतरनाक भी होता है।

## तर्जुमे की सलाह:

- लफ़्ज़ "बेवक़ूफ़ी" का तर्जुमा "बेवक़ूफ़ इन्सान" या "' बे-अक़्ल इंसान" या "कुंद ज़हन इन्सान" या "पागल इन्सान" किया जा सकता है।
- "बेवक़ूफ़" के तर्जुमा के तरीक़े हैं, "समझ में कम" या "बे-'अक़्ल" या "कुंद ज़हन"।

(यह भी देखें: 'अक़्लमन्द)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- वाइज़ 01:16-18
- इफिसियों 05:15-17
- गलातियों 03:1-3
- पैदाइश 31:26-28
- मत्ती. 07:26-27
- मत्ती. 25:7-9
- अम्साल 13:15-16
- ज़बूर 049:12-13

## शब्दकोश:

- Strong's: H191, H196, H200, H1198, H1984, H2973, H3684, H3687, H3688, H3689, H3690, H5034, H5036, H5039, H5528, H5529, H5530, H5531, H6612, H8417, H8602, H8604, G453, G454, G781, G801, G877, G878, G3471, G3472, G3473, G3474, G3912

# बेक़ुसूर

## ता’अर्रुफ़:

“बेक़ुसूर” लफ़्ज़ का मतलब है, जुर्म या ग़लत काम का क़ुसूरवार न होना। इसके बारे में 'आम तौर पर उन लोगों से है जो बुरे कामों में नहीं हैं।

- किसी शख़्स पर ग़लत काम का इल्ज़ाम लगाया गया और उसने वह काम नहीं किया तो वह बेक़ुसूर है।
- कभी-कभी “बेक़ुसूर” लफ़्ज़ का इस्ते'माल उन लोगों के लिए किया जाता है जो किसी बुरे काम को नहीं करने के 'अलावह भी सज़ावार किए जाते हैं, जैसे दुश्मन की फ़ौज “बेक़ुसूरों” पर हमला करती है।

## तर्जुमा की सलाह:

- ज़्यादातर जुमलों में “बेक़ुसूर” लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है: "क़ुसूरवार नहीं " या "इल्ज़ाम नहीं" या "मुजरिम नहीं"
- जब 'आमतौर पर बेक़ुसूर लोगों के बारे में हो तो इसका तर्जुमा होगा, “जिन्होंने कुछ भी ग़लत नहीं किया” या “जो बुराई में हिस्सेदार नहीं हैं”।
- एक जुमला बार-बार काम में लिया जाता है, “ बेक़ुसूर का ख़ून” इसका तर्जुमा हो सकता है, “लोग जिन्होंने ग़लत काम नहीं किया कि उन्हें मार डाला गया”
- “बेक़ुसूर का ख़ून”बहाना” इसका तर्जुमा हो सकता है, “ बेक़ुसरों का क़त्ल” उन लोगों का क़त्ल करना जिन्होंने कुछ भी ग़लत नहीं किया”
- किसी का क़त्ल करने के बारे में “के ख़ून से बेक़ुसूर” का तर्जुमा किया जा सकता है, “क़त्ल का मुजरिम नहीं”।
- ‘ईसा की ख़ुशख़बरी को क़ुबूल नहीं करने वालों के बारे में तर्जुमा होगा, “के ख़ून से बेक़ुसूर” का तर्जुमा होगा, “रूहानी शक्ल से मुर्दा हों या नहीं, वह उसके ज़िम्मेदार नहीं हैं” या “इस 'एलान को क़ुबूल करें या न करें, वह ज़िम्मेदार नहीं”।
- जब यहूदा ने कहा, “मैंने एक बेगुनाह शख़्स को क़त्ल करवाया है” तो उसके कहने का मतलब है, "मैंने एक ऐसे आदमी के साथ धोकेबाज़ी की जिसने कोई जुर्म नहीं किया है" या "मैंने एक बेगुनाह शख़्स को मौत के मुंह में धकेल दिया।
- पिलातुस ने 'ईसा के बारे में कहा, “मैं इस रास्तबाज़ के ख़ून से बेक़ुसूर हूं” इसका तर्जुमा किया जा सकता है, “मैं इस आदमी के क़त्ल का ज़िम्मेदार नहीं जिसने मौत के लायक़ कोई काम नहीं किया है।”

(यह भी देखें: क़ुसूर)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 04:3-4
- 1 शमूएल 19:4-5
- रसूलों के 'आमाल 20:25-27
- ख़ुरूज 23:6-9
- यरमियाह 22:17-19
- अय्यूब 09:21-24
- रोमियो 16:17-18

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **08:06** दो साल बा'द भी, _बेक़ुसूर _ होने के बावजूद यूसुफ़ क़ैदखाने में था।
- **40:04** उनमें से एक जब 'ईसा का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू ख़ुदावन्द से नहीं डरता? हम मुजरिम है पर ,यह तो **बेगुनाह** है।”
- **40:08** तब सिपाही जो 'ईसा का पहरा दे रहे थे, वह सब कुछ जो हुआ था उसे देखकर कहा कि, “यह आदमी _रास्तबाज़ _ था। सचमुच यह ख़ुदावन्द का बेटा था।”

## शब्दकोश:

- Strong's: H2136, H2600, H2643, H5352, H5355, H5356, G121

# बेख़मीरी रोटी

## ता’अर्रुफ़:

“बेख़मीरी रोटी” बेख़मीरी या'नी खट्टा करने वाले पदार्थ के बिग़ैर रोटी। यह रोटी पतली होती है क्यूँकि उसे फूलने के लिए उसमें ख़मीर नहीं होता है।

- जब ख़ुदा ने इस्राईलियें को मिस्र की ग़ुलामी से छुड़ाया था तब कहा था कि आटे को ख़मीर होने की 'अहद किए बिना वह फ़ौरन वहाँ से निकलें। लिहाज़ा उन्होंने खाने में बेख़मीरी रोटी खाई थी। तब से उनके सालाना 'ईद में बेख़मीरी रोटी का इस्ते'माल किया जाता था कि उन्हें उस वक़्त को याद करवाए।
- कभी-कभी ख़मीर गुनाह की मु'आफ़ी भी कहा गया है,लिहाज़ा बेख़मीरी रोटी लोगों की ज़िन्दगी से गुनाह से छुटकारे को बताती है , या'नी ख़ुदा को 'इज़्ज़त देनेवाली ज़िन्दगी ।

## तर्जुमा की सलाह:

- इस लफ़्ज़ के तर्जुमा में कई शक्लें हो सकती हैं, “बिना ख़मीर की रोटी” या “बिना फूली रोटी."
- वाज़ेह करें कि इसका तर्जुमा आपके ज़रिए' “ख़मीर” के तर्जुमा से अलग हो।
- कुछ जुमलों में “बेख़मीरी रोटी” का तर्जुमा “बेख़मीरी रोटी की 'ईद” से है और इसका तर्जुमा वैसे ही किया जाए।

(यह भी देखें: रोटी, मिस्र, जशन, ‘ईद, ख़ादिम, ख़ादिम, ख़मीर)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 2 तवारीख़ 30:13-15
- रसूलों के ‘आमाल. 12:3-4
- ख़ुरूज 23:14-15
- 'अज़्रा 06:21-22
- पैदाइश 19:1-3
- क़ुज़ात 06:21
- अह्बार 08:1-3
- लूक़ा 22:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H4682, G106

# बड़ी क़ुदरत

## सच्चाई:

बहुत बड़ी क़ुदरत वाला,का हक़ीक़ी मतलब है ,सबसे ज़्यादा ताक़त वाला , कलाम में यह लफ्ज़ ख़ुदावन्द के लिए काम में लिया जाता है ,

- बहुत बड़ी क़ुदरत वाला,या बड़ी ताक़त वाला ,लफ्ज़ ख़ुदावन्द के बारे में है और ज़ाहिर करते हैं कि उसे सब पर पूरा इख़्तियार आय=और ताक़त हासिल है
- इस लफ्ज़ के ज़रिए ख़ुदावन्द को 'उहदे वाले नाम दिए गए हैं बहुत बड़ी क़ुदरत वालाख़ुदावन्द , या , बड़ी ताक़त वाला ख़ुदा , या बहुत बड़ी क़ुदरत वालाख़ुदा ख़ुदावन्द

## तर्जुमा की सलाह

- इस लफ्ज़ का तर्जुमा हो सकता , बड़ी ताक़त वाला , या बड़ी क़ुदरत वाला , या, ख़ुदावन्द जो बहुत बड़ी क़ुदरत वाला
- बहुत बड़ी क़ुदरत वालाख़ुदा ख़ुदावन्द , का तर्जुमा हो सकता है , ताक़तवर हाकिम ख़ुदावन्द , या , बहुत बड़ी क़ुदरत वाला इख़्तियार जताने वाला ख़ुदावन्द या ताक़तवर ख़ुदा जो एक बहुत बड़ा मालिक है,

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: ख़ुदावन्द, ख़ुदा, ताक़तवर)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- ख़ुरूज 06:2-5
- पैदाइश 17:1-2
- पैदाइश 35:11-13
- अय्यूब 08:1-3
- गिनती 24:15-16
- मुक़ाश्फ़ा 01:7-8
- रूत 01:19-21

## शब्दकोश:

- Strong's: H7706, G3841

# भाई, भाइयों

## ता'अरुफ़:

“भाई” लफ़्ज़ हमेशा उस मर्द के बारे में होता है जिसके माँ/बाप किसी और के भी माँ/बाप हों ।

- पुराने 'अहद नामें में “भाइयों” लफ़्ज़ रिश्ते के लिए एक 'आम लफ़्ज़ था जैसे एक ही क़बीला, ख़ानदान या क़ौम के अफ़राद ।
- नये 'अहद नामें में रसूल 'आम तौर पर ईमानदारों को भाई कहते थे, 'औरत-मर्द दोनों को क्योंकि मसीह में सब ईमानदार एक ही रूहानी ख़ानदान के फ़र्द माने जाते थे जिनका आसमानी बाप ख़ुदा है।
- कभी-कभी रसूलों ने ईमानदार 'औरतों के लिए भी बहन लफ़्ज़ का इस्ते'माल किया या कि मर्द और 'औरत दोनों को मुख़ातिब किया जा रहा है। मिसाल के तौर पर, या'क़ूब ज़ोर देकर सभी ईमानदारों के बारे में बात कर रहा है, जब वह "एक भाई या बहन को खाना या कपड़ों की ज़रूरत है" कहता है।

## तर्जुमा की सलाह:

- अच्छा तो होगा कि इसका तर्जुमा मक़सदी ज़बान के उस लफ्ज़ से किया जाए जो सगे भाई लफ्ज़ से किया जाए जब तक कि इसका मतलब गलत न समझा जाए।
- पुराने 'अहद नामें में खास करके “भाइयों” लफ्ज़ 'आम तौर पर एक ही ख़ानदान या एक ही क़बीला या एक ही क़ौम के अफ़राद के लिए काम में लिया गया है इसका मुमकिन तर्जुमा हो सकता है “ख़ानदान” या “क़बीले” या “इस्राईली भाई।”
- मसीह में साथी-ईमानदार के लिए इसका तर्जुमा हो सकता है “मसीही भाई” या “रूहानी भाई”।
- अगर 'औरत मर्द दोनों की बात की जा रही है और भाई लफ़्ज़ का मतलब गलत समझा जा सकता है तो रिश्तों के 'आम तौर पर लफ्ज़ का इस्ते'माल किया जाए जिसमें 'औरत मर्द दोनों हों।
- 'औरत-मर्द ईमानदारों के लिए काम में आनेवाला तर्जुमा लफ्ज़ हो सकता है, “ईमानदारों के साथी” या “मसीही भाई-बहन”।
- जुमले पर ग़ौर दें कि सिर्फ़ मर्दों को मुख़ातिब किया गया है या 'औरत - मर्द दोनों को।

(यह भी देखें:रसूल , ख़ुदा बाप, बहन, रूह )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल . 07:26-28
- पैदाईश 29:9-10
- अह्बार 19:17-18
- नहमियाह03:1-2
- फ़िलिप्पियों 04: 21-23
- मुकाशिफ़ा 01:9-11

## शब्दकोश:

- Strong's: H251, H252, H264, H1730, H2992, H2993, H2994, H7453, G80, G81, G2385, G2455, G2500, G4613, G5360, G5569

# मन्नत, मन्नतें, क़सम खाई

## ता’अर्रुफ़:

मन्नत एक क़सम है जो इन्सान ख़ुदा के सामने करता है। इन्सान ख़ुदा के ख़ास अदब में या उसके लिए दीनदारी के लिए कुछ करने का ‘अहद करता है।

- मन्नत मानने के बाद इन्सान उसे पूरा करने के लिए मजबूर हो जाता है।
- किताब-ए-मुक़द्दस के मुताबिक़ इन्सान मन्नत पूरी न कर पाए तो ख़ुदा से सज़ा पाता है।
- कभी-कभी इन्सान मन्नत मानता है कि ख़ुदा उसकी हिफ़ाज़त करे उसकी ख़बर ले तो वह कोई एक काम ख़ुदा के लिए करेगा।
- लेकिन ज़रूरी नहीं कि ख़ुदा उसकी मांग को पूरा करे।

## तर्जुमे की सलाह:

- मज़मून के मुताबिक़ , “मन्नत” का तर्जुमा हो सकता है, “पाक’अहद ” या “ख़ुदा से किया गया वा’दा ”।
- मन्नत एक ख़ास तरह की क़सम है जो ख़ुदा को दी जाती है।

(यह भी देखें: ‘अहद, क़सम )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 07:27-28
- रसूलों के 'आमाल 21:22-24
- पैदाइश 28:20-22
- पैदाइश 31:12-13
- युनाह 01:14-16
- यूनाह 02:9-10
- अम्साल 07:13-15

## शब्दकोश:

- Strong's: H5087, H5088, G2171

# मन्ना

## ता’अर्रुफ़:

मन्ना सफ़ेद रंग का एक तरह का अनाज था जिसका इन्तिज़ाम ख़ुदा ने इस्राईलियों के लिए किया था जब वह मिस्र से निकल करके 40 साल जंगल में थे।

- मन्ना सफ़ेद रंग का रूई जैसा सामान था जो बराबर रोज़ाना सुबह के वक़्त ओस में पाया जाता था। यह खाने में शहद की तरह मीठा होता है,।
- सबत के बर'अक्स इस्राई ली रोज़ाना मन्ना जमा' करते थे।
- सबत के एक दिन पहले ख़ुदा के हुक्म के मुताबिक़ इस्राईलियों को दोगुणा मन्ना जमा' करना होता था कि सबत के दिन उन्हें मेहनत न करना पड़े।
- “मन्ना” लफ़्ज़ का मतलब है, “यह क्या है?”
- कलाम में मन्ना को “आसमानी रोटी” या “आसमानी अनाज” कहा गया है।

## तर्जुमा की सलाह:

- इसका तर्जुमा इस तरह किया जा सकता है, “ सफ़ेद रूई जैसा सामान” या “आसमानी खाना”।
- यह भी याद रखें कि इस लफ़्ज़ का तर्जुमा मक़ामी या क़ौमी ज़बान में कैसे किया गया है। (देखें: नए लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: रोटी, रेगिस्तान, अनाज, आसमान, सबत)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इस्तिसना 08:3
- ख़ुरूज 16:26-27
- 'इब्रानियों 09:3-5
- यूहन्ना 06:30-31
- यशू'अ 05:12

## शब्दकोश:

- Strong's: H4478, G3131

# मसह करना, मसह किया हुआ , मसह

## ता’अर्रुफ़:

“मसह करना” लफ्ज़ का मतलब है, किसी आदमी या चीज़ पर तेल उण्डेलना। कभी-कभी तेल में मसाले मिलाए जाते थे कि उसमें से ख़ुशबू हो। यह लफ्ज़ पाक रूह के लिए ख़ास तौर से भी काम में लिया गया है जब वह किसी को चुनकर क़ूव्वत 'अता करता है।

पुराने 'अहद नामे में काहिनों, बादशाहों और नबियों को तेल से मसह किया जाता था कि उन्हें ख़ुदा के लिए एक ख़ास ख़िदमत के लिए अलग किया जाए।

- क़ुर्बानगाह और ख़ेम-ए-इन्तिमा' का भी तेल से मसह किया जाता था ताकि ज़ाहिर हो कि वे ख़ुदा की ता'रीफ़ और इबादत के काम लेने के लिए थी।
- नये अहद नामे में बीमारों की शिफ़ा के लिए तेल से मसह किया जाता था।
- नये अहद नामे में दो बार किसी औरत ने 'इबादत के लिए ईसा का ख़ुशबूदार तेल से मसह किया था। एक बार ईसा ने कहा कि ऐसा करके वह 'औरत उसे मुस्तक़बिल में दफ़नाने के लिए तैयार कर रही है।
- ईसा की मौत के बा'द उसके साथियों ने उसकी लाश को दफन के लिए तेल और ख़ुशबूदार तेल से मसह करके तैयार किया था।
- “मसीह” (इब्रानी ज़बान) और “ख्रीस्त” (यूनानी ज़बान) का मतलब है, “मसह (एक)”।
- मसीह ईसा एक ऐसा आदमी था जिसे चुना गया था और नबी, सरदार काहिन और बादशाह की तरह उसका मसह किया गया था।

## तर्जुमा की सलाह :

- जुमलों के मुताबिक़ “मसह ” का तर्जुमा “ऊपर तेल डालना” या “तेल डालना” या “ख़ुशबूदार तेल डालकर मसह करना” हो सकता है।
- “मसह होना” का तर्जुमा “तेल से मसह होना” या “मुक़र्रर होना” या “मसह किया होना” किया जा सकता है।
- कुछ जुमलों में “मसह ” का तर्जुमा “चुना” हो सकता है।
- “मसह किया हुआ काहिन” का तर्जुमा “काहिन जिसका मसह तेल से किया गया है” या “काहिन जो तेल डाल कर अलग किया गया” हो सकता है।

(यह भी देखें: मसीह, मसह करना, सरदार काहिन , यहूदियों का बादशाह, काहिन, नबी )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 यूहन्ना 02:20-21
- 1 यूहन्ना 02:27-29
- 1 शमूएल 16:2-3
- रसूलों के 'आमाल. 04:27-28
- आमोस 06:5-6
- ख़ुरूज 29:5-7
- या'क़ूब 05:13-15

## शब्दकोश:

- Strong's: H47, H430, H1101, H1878, H3323, H4397, H4398, H4473, H4886, H4888, H4899, H5480, H8136, G32, G218, G743, G1472, G2025, G3462, G5545, G5548

# मसीह ,मसीहा

## सच्चाई:

“मसीह” या “खिरिस्त”का मा’नी है ,”मसह पाए -लोग” और ख़ुदा के बेटे ‘ईसा के बारे में

- ”मसीह” या “क्राइस्ट”दोनो लफ़्ज़ नए ‘अहद नामे में ख़ुदा के बेटे के बारे में हैं जिसे ख़ुदा बाप ने अपने लोगों पर बादशाहत करने और गुनाह व मौत से उनको नजात देने के लिए मसह किया है |
- पुराने ‘अहद नामे में नबियों ने ज़मीन पर मसीह के आने से सैकड़ों साल पहले इसकी नबूव्वतत की थी |
- पुराने ‘अहद नामे में “मसह पाए (लोग)”आने वाले मसीह के बारे में कहा गया है |
- ’ईसा ने इन नबूव्वतों में से कई को पूरा किया और कई मो’जिज़े किये जो साबित करता है कि वह मसीहा” है और बाक़ी बची हुई नबूव्वतें ‘ईसा के वापस आने पर पूरी होंगी |
- "मसीह" लफ़्ज़ को अक्सर "मसीह" और “मसीह ‘ईसा “के लक़ब की शक्ल में इस्ते’माल किया जाता है |
- "मसीह" भी उसके नाम की शक्ल में "’ईसा मसीह" की शक्ल में इस्ते’माल किया गया ।

## तर्जुमे की सलाह:

- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा इसके मा’नी के साथ किया जा सकता है ,”मसह पाए लोग”या “ख़ुदा का मसह पाए नजात देने वाले |
- बहुत सी ज़बानों में इन लफ़्ज़ों का तर्जुमा किया गया है जो “क्राईस्ट “या “मसीह” जैसे दिखते या सुनाई देते हैं |(देखें:अनजान लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करें )
- तर्जुमा शुदह लफ़्ज़ की शक्ल में लफ़्ज़ की ता’रीफ़ के ज़रिये’ जाना किया जा सकता है ,”मसीह” मसह किया एक “|
- किताब-ए-मुक़द्दस में इसका तर्जुमा बा उसूल बनाये रखें ताकि इसे वाज़े’ किया जा सके कि एक ही लफ़्ज़ का इस्ते’माल किया जा रहा है|
- वाज़ेह करें कि “मसीहा” और “मसीह” के तर्जुमें के बारे में अच्छी तरह से काम करते है जहाँ आयत एक ही कलाम में होते हैं |(जैसे यूहन्ना ,1-41)|

(यह भी देखें :नामों का तर्जुमा कैसे करें )

(यह भी देखें: ख़ुदा का बेटा ,दाऊद , ‘ईसा ,मसह करना

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 यूहन्ना 05:1-3
- रसूलों के आमाल . 02:34-36
- रसूलों के आमाल 05:40-42
- यूहन्ना 01:40-42
- यूहन्ना 03:27-28
- यूहन्ना 04:25-26
- लूका 02:10-12
- मत्ती 01:15-17

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **17:07** **मसीह** ख़ुदा का चुना हुआ है जो दुनिया को गुनाह से छुड़ाएगा।
- **17:08** लेकिन हक़ीक़त में, **मसीह** के आने से पहले इस्राईलियों को एक लम्बे वक़्त तक इंतजार करना पड़ा, लगभग 1,000 साल तक।
- **21:01** शुरू’ से ही, ख़ुदा ने **मसीह** को भेजने का मन्सूबा बनाया था।
- **21:04** ख़ुदा ने राजा दाऊद से वा’दा किया है कि **मसीह** दाऊद की अपनी नसल में से एक होगा।
- **21:05** मसीह __ नए ‘अहद की शुरूआत करेगा।
- **21:06** ख़ुदा के नबियों ने यह भी कहा कि, **मसीह** एक नबी भी होगा, एक आलिम भी और एक बादशाह भी होगा।
- **21:09** यशायाह नबी ने नबूव्वत की थी , कि एक कुँवारी से **मसीह** पैदा होगा।
- **43:07** "लेकिन ख़ुदा ने उस नबूव्वत को पूरा करने के लिए फिर से जिंदा उठाया जो कहता है, 'आप कब्र में अपने _ पाक लोगों_ को सड़ने नहीं देगा।'"
- **43:09** "लेकिन ख़ुदा ने उसे ख़ुदावन्द भी ठहराया और **मसीह** भी!"

- **43:11** पतरस ने उन्हें जवाब दिया, "आप में से हर एक को तोबा करना चाहिए और 'ईसा _ मसीह_ के नाम पर बपतिस्मा लेना चाहिए ताकि ख़ुदा आपके गुनाह को माफ़ करे।"
- **46:06** शाउल यहूदियों से बहस करता था, और इस बात का सुबूत देता था कि 'ईसा ही **मसीह** है।

## शब्दकोश:

- Strong's: H4899, G3323, G5547

# मसीह का मुख़ालिफ़, मसीह के मुख़ालिफ़

## ता’अरुफ़:

“मसीह का मुख़ालिफ़” लफ्ज़ के बारे में उस इन्सान या ता'लीम से है जो मसीह ईसा और उसके काम के ख़िलाफ़ है। दुनिया में बहुत मसीह के मुख़ालिफ़ हैं।

- रसूल यूहन्ना लिखता है कि अगर कोई यह ता'लीम देकर इन्सानों को रास्ते से गुमराह करे कि 'ईसा मसीह नहीं है या इन्कार करे कि ईसा ख़ुदा नहीं और इन्सान भी नहीं है , तो वह मसीह का मुख़ालिफ़ है।
- कलाम की ता'लीम के मुताबिक़ दुनिया में मसीह के मुख़ालिफ़ की रूह है जो ईसा के काम की मुख़ालिफ़त करती है।
- नये ‘अहद नामे की किताब मुक़ाश्फा में लिखा हे कि एक आदमी “मसीह का मुख़ालिफ़” होगा जो आख़िरी वक़्त में ज़ाहिर होगा। वह ख़ुदा के लोगों को हलाक करने की कोशिश करेगा लेकिन वह ईसा के ज़रिए' शिकस्त किया जाएगा।

## तर्जुमा की सलाह:

- इस लफ्ज़ के तर्जुमे हो सकते हैं, ऐसे लफ्ज़ या जुमले हो सकते हैं जिनका मतलब हो, “मसीह का मुख़ालिफ़” या “मसीह का दुश्मन” या “मसीह की ख़िलाफ़त करनेवाला आदमी ”

“मसीह के मुख़ालिफ़ की रूह ” का तर्जुमा हो सकता है, “रूह जो मसीह के ख़िलाफ़ है”।या “(कोई) मसीह के बारे झूठी ता'लीम देता है” या “मसीह के बारे में झूठी ता'लीम पर यक़ीन करने का रवैया” या “बुरी रूह जो मसीह के बारे में झूठी ता'लीम देती है।”

- इस बात का भी रवज्जोह रखें कि इस लफ्ज़ का तर्जुमा मक़ामी या क़ौमी ज़बान में कलाम के तर्जुमें में कैसा है। (देखें: नए लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करे)

(यह भी देखें: मसीह, ज़ाहिर करना, मुसीबत )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 यूहन्ना 02:18-19
- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 2 यूहन्ना 01:7-8

## शब्दकोश:

- Strong's: G500

# मसीह में, ‘ईसा में, ख़ुदा में, उसमें

## ता’अर्रुफ़:

“मसीह में” और 'आम लफ़्ज़ों का मतलब है ईमान के ज़रिए' मसीह 'ईसा में रिश्ता रखना।

- इसके जैसे कई और लफ़्ज़ हैं, “मसीह 'ईसा में, ‘ईसा मसीह में, ख़ुदा 'ईसा में, ख़ुदा 'ईसा मसीह में”।
- “मसीह में” इस जुमले के मुनासिब मतलब हैं, “क्यूँकि तुम मसीह के हो” या “मसीह के साथ तुम्हारे रिश्ते के ज़रिए'” या “मसीह में तुम्हारे ईमान के तौर पर”
- इन सब जुमलों के मतलब हैं, ‘ईसा में ईमान और उसके शागिर्द होने की हालत में।
- ग़ौर करें: * याद रखें: कभी-कभी “में” लफ़्ज़ काम के साथ ता'अल्लुक़ है। मिसाल, “मसीह में मुत्तफ़िक़ ” या'नी मसीह के 'इल्म से जो फ़ायदा हासिल होते हैं, उसमें इतिफाक़ होना। “मसीह” में बड़ाई करना या'नी ख़ुश होकर ख़ुदा की ता'रीफ़ करना कि 'ईसा क्या है और उसने क्या किया। मसीह में “ईमान करना” या'नी उसमें नजात का यक़ीन करना और उसे जानना।

## तर्जुमा की सलाह:

- जुमले के मुताबिक़ ,“मसीह में” और “ख़ुदा में” (और मुता'अल्लिक़ जुमले ) तर्जुमा करने के अलग तरीक़े यह हो सकते हैं:
- “जो मसीह के हैं ”
- “क्यूँकि तुम मसीह में यक़ीन करते हो”
- "क्यूँकि मसीह ने हमें बचा लिया"
- "ख़ुदा की ख़िदमत में"
- "ख़ुदा पर भरोसा "
- “क्यूँकि ख़ुदा ने जो कुछ किया”
- जो लोग मसीह में "ईमान करते हैं" या जो मसीह पर "ईमान रखते हैं," वह यक़ीन करते हैं कि 'ईसा ने क्या सिखाया है और उन पर यक़ीन कर रहे हैं ताकि सलीब पर उनकी क़ुर्बानी की वजह से उन्हें बचाया जा सके ताकि उनके गुनाहों के लिए क़ीमत को अदा किया जा सके। कुछ ज़बानों में एक लफ़्ज़ हो सकता है जो कामों का तर्जुमा करता है जैसे "ईमान करना" या "साझा करें" या "ईमान में"।

(यह भी देखें: मसीह, ख़ुदा, ‘ईसा, ईमान , ईमान)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 यूहन्ना 02:4-6
- 2 कुरिन्थियों 02:16-17
- 2 तीमुथियुस 01:1-2
- गलातियों 01:21-24
- गलातियों 02:17-19
- फ़िलिमोन 01:4-7
- मुक़ाश्फ़ा 01:9-11
- रोमियो 09:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: G1519, G2962, G5547

# मसीही

## ता'अर्रुफ़:

'ईसा के आसमान पर उठाये जाने के कुछ वक़्त बा'द ईमानदारों को "मसीही" कहा गया जिसका मा'नी है, "मसीह के मानने वाले "

- अन्ताकिया शहर में 'ईसा के मानने वालों को सबसे पहले "मसीही" कहा गया था।
- मसीही शख़्स वह इन्सान है जो ईमान रखता है कि 'ईसा ही ख़ुदा का बेटा है और 'ईसा ही में ईमान रखता है कि उसने उसका गुनाह मु'आफ़ किया।
- आज "मसीही" लफ़्ज़ मसीही मज़हब मानने वाले के बारे में काम में लिया जाता है लेकिन वह शख़्स हक़ीक़त में 'ईसा की पैरवी नहीं करता है। किताब-ए-मुक़द्दस में "मसीही" लफ़्ज़ का मा'नी यह नहीं है।
- क्योंकि किताब-ए-मुक़द्दस में "मसीही" लफ़्ज़ हमेशा उस इन्सान के लिए काम में लिया गया है जो हक़ीक़त में 'ईसा में यक़ीन करता है, मसीही लोगों को "ईमानदार " भी कहते हैं।

## तर्जुमे की सलाह:

इस लफ़्ज़ का तर्जुमा "मसीह को मानने वाला" या "मसीह का पैरोकार" या "मसीह आदमी" जैसा।

- वाज़े' करें कि इस लफ़्ज़ का तर्जुमा शागिर्द और रसूल लफ़्ज़ों के तर्जुमे से अलग हो।
- होशियारी से तर्जुमा करें कि इस लफ़्ज़ का तर्जुमा 'ईसा पर ईमान रखने वाले सब लोगों के बारे में हो न कि किसी एक क़बीले या क़ौम से हो

यह भी ध्यान रखें कि इस लफ़्ज़ का तर्जुमा मुक़ामी ज़बान या क़ौमी ज़बान में कैसे किया गया है | (देखें:अनजाने लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करे )

(यह भी देखें :अन्ताकियामसीहइबादतख़ाना़शागिर्दईमानदार'ईसाख़ुदा का बेटा

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में :

- 1 कुरिन्थियों 06:7-8
- 1 पतरस 04:15-16
- रसूलों के आमाल 11:25-26
- रसूलों के आमाल 26:27-29

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **46:09** और शागिर्द सब से पहले अन्ताकिया ही में "**मसीही**" कहलाए।
- **47:14** पौलुस और ग़ैर **मसीही**रहनुमाओं ने अनेक शहरों में 'ईसा का मुनादी किया और लोगों को ख़ुदा के कलाम की ता'लीम दी।
- **49:15** अगर तुम 'ईसा पर और जो कुछ उसने आपके लिए किया उस पर ईमान रखते हो हो, तो आप एक **मसीही** हो!
- **49:16** अगर तुम एक **मसीही** हो, तो जो कुछ 'ईसा ने किया उसकी वजह से ख़ुदा ने तुम्हारे गुनाह माफ़ कर दिए हैं।
- **49:17** अगर आप एक **मसीही** हैं, फिर भी आप गुनाह करने की आज़माइश में पड़ोगे।
- **50:03** आसमान में वापस जाने से पहले, 'ईसा ने **मसीहों** से कहा कि वे उन लोगों को ख़ुशख़बरी सुनाएँ जिन्होंने इसे कभी नहीं सुना।
- **50:11** जब 'ईसा वापस आएगा, तो हर **मसीही** जो मरा है वह मुर्दों में से जी उठेगा और उससे आसमान में मिलेगा।

## शब्दकोश:

- Strong's: G5546

# महबूब

## ता'अरुफ़:

"महबूब " लफ्ज़ जज़्बे का इज़हार है जो किसी को ज़ाहिर करता जो किसी के अज़ीज़ और प्यारा है।

- “'महबूब” लफ्ज़ का लफ़्ज़ी मतलब है “'अज़ीज़ लोग” या “जिसे मुहब्बत की जाए”
- ख़ुदावन्द ने 'ईसा के लिए कहा कि वह उसका “'प्यारा बेटा है”
- मसीह कलीसियाओं के ख़तों में, रसूल अपने ईमानदारों को अज़ीज़ के तौर पर बताता है |

## तर्जुमें की सलाह:

इस लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, “महबूब”, या “ 'अज़ीज़ लोग ” या “बहुत अज़ीज़” या “बहुत प्यारा”

- मज़मून में क़रीबी दोस्तों के बारे में बताने के लिए इसका तर्जुमा हो सकता है, “मेरे 'अज़ीज़ दोस्त ” या “मेरे क़रीबी दोस्त” अंग्रेज़ी ज़बान में यह कहना 'आम है, “मेरे 'अज़ीज़ दोस्त पौलुस” या “पौलुस, मेरे 'अज़ीज़ दोस्त ” और ज़बानों में यह और भी आसान है जो और भी तरीक़े से कह सकते हैं|
- गौर करें कि “'अज़ीज़ ” लफ्ज़ ख़ुदा की मुहब्बत से आता है, जो बिना शर्त है, बे ख़ुदगर्ज़ी और जिसमें क़ुर्बानी हो।

(यह भी देखें: मुहब्बत)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में :

- 1 कुरिन्थियों 04:14-16
- 1 यूहन्ना 03:1-3
- 1 यूहन्ना 04:7-8
- मरकुस 01:9-11
- मरकुस 12:6-7
- मुक़ाशिफ़ा 20:9-10
- रोमियो 16:6-8
- ग़ज़ल-उल-ग़ज़लात 01:12-14

## शब्दकोश:

- Strong's: H157, H1730, H2532, H3033, H3039, H4261, G25, G27, G5207

# मान लेना, मानकर, क़ुबूल करना , इक़रार करना

## ता’रीफ़:

इक़रार करने के मा’नी हैं क़ुबूल करना या ज़ोर देकर कहना कि कोई बात सच है | * “इक़रार करना”कहना या क़ुबूल करना है कि कोई बात सच है |

- “इक़रार” का बयान ख़ुदा के बारे में सच्चाई का निडरता से बयान करने से है। इसका बयान अपने गुनाह मान लेने से भी है।

कलाम में लिखा है कि अगर कोई इन्सान ख़ुदा के सामने अपने गुनाहों का इक़रार करे तो ख़ुदा उन्हें मुआ’फ़ कर देगा |

- याक़ूब अपने ख़त में लिखता है कि ईमानदार एक दूसरे के सामने अपने गुनाहों को मान लें तो इससे रूहानी शिफ़ा मिलती है।
- पौलुस रसूल ने फ़िलिप्पी की कलीसिया को ख़त लिखा कि एक दिन हर एक लोग इक़रार करेंगे कि ‘ईसा ही ख़ुदावन्द है।
- पौलुस ने यह भी कहा है कि इन्सान अगर ‘ईसा को ख़ुदावन्द कहकर इक़रार करें और यक़ीन करें कि ख़ुदा ने उसे मरे हुओं में से जिलाया तो वह नजात पाएंगे।

## तर्जुमे की सलाह:

- मज़मून के मुताबिक़ “इक़रार करना”(मान लें)का तर्जुमा “क़ुबूल करना” या “गवाही देना” या मुनादी करना” या “मानना” या “साबित करना”हो सकता है|
- ”इक़रार” के तर्जुमे की शक्ल हो सकती है ,”मनादी” या “गवाही” या “ईमान का कहना” या “गुनाह का इक़रार”

(यह भी देखें: ईमान, गवाही)

## किताब-ए-मुक़द्दस:

- 1 यूहन्ना 01:8-10
- 2 यूहन्ना 01:7-8
- याक़ूब 05:16-18
- वा’इज़ 05:5-6
- मत्ती 03:4-6
- नहमियाह 01:6-7
- फिलिप्पियों 02:9-11
- ज़बूर 038:17-18

## शब्दकोश:

- Strong's: H3034, H8426, G1843, G3670, G3671

# मीरास होना, वरासत, हिस्सा, वारिस

## ता’अर्रुफ़:

“मीरास” माँ बाप या किसी से ख़ास रिश्ता की वजह से कोई क़ीमती चीज़ हासिल करना। यह "वरासत" का एलान है।

- दुनियावी वरासत में पैसा, ज़मीन, या दूसरी जायदाद हासिल होती है।
- रूहानी वरासत में 'ईसा में ईमान करनेवालों को ख़ुदावन्द देता है- इस ज़िन्दगी हमेशा की ज़िन्दगी में उसके साथ।
- कलाम ख़ुदा के लोगों की उसकी वरासत (हिस्सा) कहती है जिसका मतलब है वह उसके लोग हैं। वह उसकी क़ीमती जायदाद हैं।
- ख़ुदा ने इब्राहीम और उसकी नसलों से वा'दा किया था कि कन'आन उनका हिस्सा होगा कि वह हमेशा के लिए उनका होगा।
- इसका 'अलामती और रूहानी मतलब भी है, जिसमें ख़ुदा के लोगो के लिए कहा गया है कि, “ज़मीन के वारिस होंगे”। इसका मतलब है, अमीर होंगे और ख़ुदा से बरकत पाएंगे, दुनियावी और रूहानी बरकतें ।
- नए 'अहद नामे में ख़ुदा ने वा'दा किया है कि जो 'ईसा में ईमान करते है वह “नजात पाएंगे” और “हमेशा की ज़िन्दगी के वारिस” होंगे। इसका तर्जुमा इस तरह भी हो सकता है, “ख़ुदा की बादशाही के वारिस होंगे” यह एक रूहानी विरासत है जो हमेशा के लिए रहती है।
- इस जुमले के दूसरे 'अलामती मतलब भी हैं,
- कलाम में लिखा है, कि ' अक़्लमन्द आदमी “जलाल के हिस्सेदार ” होंगे और रास्तबाज़ लोगों का “हिस्सा अच्छी चीज़ें” होंगी ।
- “वादों का वारिस” होने का मतलब है, वह सब चीज़ें हासिल करना जिनका वा'दा ख़ुदा ने अपने लोगों से किया है।
- इस लफ़्ज़ का ग़लत इस्ते'माल भी किया जाता है जो मूर्ख और नाफ़रमान लोगों के बारे में है, “बेवक़ूफों का हिस्सा बेवक़ूफ़ी” ही होती है और “उनके हिस्से में बेवक़ूफ़ी” ही बेवक़ूफ़ी होती है। इसका मतलब है कि वह अपने गुनाह के कामों की सज़ा पाने को हैं जिसमें सज़ा और बदकार ज़िन्दगी गुजारते हैं ।

## तर्जुमा की सलाह:

- जैसे हमेशा किया जाता है, पहले यह देखें कि 'अलामती ज़बान में “वारिस” या “हिस्सा” (वारिस) के लिए लफ़्ज़ हैं, उनका इस्ते'माल करें।
- जुमले पर क़ायम, “हिस्से ” को तर्जुमा की कई शक्ल है, “हासिल करना” या “इख़्तियार में लेना” या “वारिस होना”।
- “जुमलों पर क़ायम ” (विरासत) का तर्जुमा हो सकता हैं “महफ़ूज़ हिस्सा” या “विरासत पाना”।
- जब ख़ुदा के लोगों को उसका हिस्सा कहा गया है तो उसका तर्जुमा होगा, “उनके वफ़ादार ईमानदार लोग”
- “वारिस” लफ़्ज़ का तर्जुमा ऐसे लफ़्ज़ से किया या जुमले से किया जा सकता है जिसका मतलब, “ख़ुश नसीब औलाद जो बाप की जायदाद हासिल करता है” या “(ख़ुदा की) रूहानी जायदाद या बरकत हासिल करने के लिए।”।
- लफ़्ज़ "विरासत" का तर्जुमा "ख़ुदा से मुबारकबाद" या "विरासत में मिली बरकतों" की शक्ल में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: वारिस, कन'आन, वा’दे का मुल्क )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 पतरस 01:3-5
- 2 शमूएल 21:2-3
- रसूलों के 'आमाल 07:4-5
- इस्तिसना 20:16-18
- गलातियों 05:19-21
- पैदाइश 15:6-8
- इब्रानियों 09:13-15
- यरमियाह 02:7-8
- लूक़ा 15:11-12
- मत्ती 19:29-30
- ज़बूर 079:1-3

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **04:06** जब अब्राम कन'आन मुल्क पहुंचा तब ख़ुदावन्द ने उससे कहा कि,'' अपने चारों तरफ़ देख'' क्यूँकि जितनी ज़मीन तुझे दिखाई देती है, उस सब को मैं तुझे और तेरी **नसल** को दूँगा।
- **27:01** एक दिन, यहूदियों के क़ानून में एक ;आलिम 'ईसा का इम्तिहान लेने के लिए आया था, उन्होंने कहा, "उस्ताद, मुझे हमेशा की ज़िन्दगी _ पाने के लिए_ क्या करना चाहिए ?"
- **35:03** “किसी आदमी के दो बेटे थे। उनमें से छोटे बेटे ने बाप से कहा, ‘ऐ बाप, जायदाद में से जो **हिस्सा मेरा** है वह मुझे दे दीजिए।’ तो बाप ने अपने दोनों बेटो में अपनी जायदाद बाँट दी।”

## शब्दकोश:

- Strong's: H2490, H2506, H3423, H3425, H4181, H5157, H5159, G2816, G2817, G2819, G2820

# मुंसिफ़, इन्साफ़ करता, इन्साफ़, फ़ैसला

## ता’अर्रुफ़:

“मुंसिफ़” और “इन्साफ़” का बयान किसी सही या ग़लत काम के फ़ैसले से होता है।

- “ख़ुदावन्द का इन्साफ़” या'नी किसी को गुनाहगार ठहराने का फ़ैसला।
- ख़ुदावन्द का इन्साफ़ हमेशा लोगों को गुनाह की सज़ा देना होता है।
- “इन्साफ़ करने” का मतलब “मुजरिम ठहराना” है। ख़ुदावन्द अपने लोगों से कहता है कि वह एक दूसरे का ऐसा इन्साफ़ न करें।
- इसका एक और मतलब है “के बीच का फ़ैसला” या “दो आदमियों का इन्साफ़ करना” कि तनाज़े में कौन सही है।
- कुछ जुमलों में ख़ुदावन्द के “इन्साफ़” का मतलब है ख़ुदावन्द ने किस बात को सही और इन्साफ़ का फ़ैसला ठहराया है। यह उसके हुक्म, क़ानून या हुक्मों की हिदायत से है।
- “इन्साफ़” का ख़ुलासा अक़्लमन्दी से फ़ैसला लेने की ताक़त । जिस शख़्स में “इन्साफ़” की कमी है उसमें अक़्लमन्दी के फ़ैसला लेने की क़ाबिलियत नहीं है।

## तर्जुमा की सलाह:

- जुमलों के मुताबीक़ “इन्साफ़ करना” का तर्जुमा हो सकता है, “फ़ैसला लेना” या “मुजरिम ठहराना” या “सज़ा देना” या “हुक्म देना”
- “इन्साफ़” का तर्जुमा हो सकता है “सज़ा” या “फ़ैसला” या “हुक्म” या “हुक्म” या “मुजरिम”
- कुछ जुमलों में “इन्साफ़ में” का तर्जुमा “इन्साफ़ के दिन” या “ख़ुदावन्द के ज़रिए'लोगों के इन्साफ़ का वक़्त” हो सकता है।

(यह भी देखें: हुक्म, मुंसिफ़, इन्साफ़ के दिन, मुनासिब, क़ानून, शरी’अत)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में :

- 1 यूहन्ना 04:17-18
- 1 सलातीन 03:7-9
- रसूलों के 'आमाल 10:42-43
- यसा'याह 03:13-15
- या'क़ूब 02:1-4
- लूक़ा 06:37
- मीकाह 03:9-11
- ज़बूर 054:1-3

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **19:16** उन नबियों ने लोगों को हिदायत देना शुरू' किया कि, अगर उन्होंने बुरे काम करना बंद न किया, और ख़ुदावन्द के हुक्म पर 'अमल करना शुरू' न किया, तब ख़ुदावन्द उन्हें **मुजरिम ठहराएगा** और उन्हें सज़ावार करेंगा।
- **21:08**बादशाह वह होता है जो मुल्क पर हुकूमत करता है और लोगों का **इन्साफ़** करता है। मसीह एक सच्चा बादशाह होगा जो की दाऊद के तख़्त पर बैठा होगा। वह हमेशा के लिए दुनिया पर बादशाहत करेगा, और हमेशा सच्चाई से **इन्साफ़** करेगा और सही फ़ैसला लेगा।
- **39:04** इस पर सरदार काहिन ने ग़ुस्से में अपने कपड़े फाड़े और कई मज़हबी रहनुमाओं से कहा कि, “अब हमें गवाहों की क्या ज़रुरत। तुमने अभी सुना है कि इसने अपने को ख़ुदावन्द का बेटा कहा है। तुम्हारा क्या **इन्साफ़** है?”
- **50:14** लेकिन जो 'ईसा पर ईमान नहीं करेंगे ख़ुदावन्द उनमें से हर एक का **इन्साफ़ करेंगे**। वह उन्हें दोज़ख़ में फेंक देगा, जहाँ वह तकलीफ़ में हमेशा रोएँगे और दाँत पीसेंगे।

## शब्दकोश:

- Strong's: H148, H430, H1777, H1778, H1779, H1780, H1781, H1782, H2940, H4055, H4941, H6414, H6415, H6416, H6417, H6419, H6485, H8196, H8199, H8201, G144, G350, G968, G1106, G1252, G1341, G1345, G1348, G1349, G2917, G2919, G2920, G2922, G2923, G4232

# मुनाफ़िक़, मुनाफ़िक़ों, मुनाफ़िक़त

## ता’अर्रुफ़:

“मुनाफ़िक़” लफ़्ज़ उस इन्सान के बारे में है जो रास्तबाज़ दिखने के लिए कुछ करता है लेकिन छिपकर बुरे काम करता है। “मुनाफ़िक़त” ऐसा सुलूक है जो इन्सानों को धोखा दे कि वह रास्तबाज़ इन्सान है।

- मुनाफ़िक़ इन्सान अच्छे काम करते हुए दिखाना चाहते हैं कि इन्सान उन्हें अच्छा इन्सान समझें।
- मुनाफ़िक़ अक्सर दूसरों की बुराई करते हैं जबकि वे आप वैसे काम करते हैं।
- ‘ईसा फ़रीसियों को मुनाफ़िक़ कहता था क्योंकि वे रास्तबाज़ी के काम ऐसे करते थे जैसे ख़ास लिबास पहनना, ख़ास खाना खाना लेकिन वे इन्सानों के साथ रहम का और बेतरफ़दारी का सुलूक नहीं करते थे।
- मुनाफ़िक़ इन्सान दूसरों के ‘ऐब देखता है लेकिन अपने ‘ऐब क़ुबूल नहीं करता है।

## तर्जुमे की सलाह:

- कुछ ज़बानों का इज़हार है जैसे, “दोमुहाँ” मुनाफ़िक़ों और मुनाफ़िक़त के ‘आमाल की तफ़सील करता है
- “मुनाफ़िक़” के तर्जुमे के और तरीक़े हैं, “झूठा” या “ढोंगी” या “बहुत धोखा देने वाला इन्सान”।
- “मुनाफ़िक़त” का तर्जुमा “धोखा” या “झूठे काम” या “दिखावा” किया जा सकता है।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- गलातियों 02:13-14
- लूक़ा 06:41-42
- लूक़ा 12:54-56
- लूक़ा 13:15-16
- मरकुस 07:6-7
- मत्ती 06:1-2
- रोमियो 12:9-10

## शब्दकोश:

- Strong's: H120, H2611, H2612, G505, G5272, G5273

# मुन्जी , बचाने वाला

## सच्चाई:

“बचाने वाला” या'नी किसी को परेशानी से उबारने वाला इसका मतलब लोगों की हौसला अफ़ज़ाई करनेवाले या उनके लिए इन्तिज़ाम करनेवाले से भी हो सकता है।

- पुराने 'अहद नामे में ख़ुदा को इस्राईल का मुन्जी कहा गया है, क्यूँकि उसने ज़्यादातर उन्हें दुश्मनों के हाथो से छुड़ाया था और उन्हें क़ुव्वत 'अता की थी और उनकी ज़रूरतों को पूरा किया था।
- नए 'अहद नामे में “मुन्जी” लफ़्ज़ 'ईसा मसीह के लिए एक लक़ब या तफ़सीली तौर से काम में लिया गया है क्ययूँकि वह लोगों को उनके गुनाहों की हमेशा की सज़ा से बचाता है। वह उन्हें गुनाह की गिरफ़्त से भी छुड़ाता है।

## तर्जुमा की सलाह:

- मुम्किन हो तो “मुन्जी” का तर्जुमा ऐसे लफ़्ज़ से किया जाना ज़रूरी है जो “नजात करने” और “नजात” से ही मूत'अल्लिक़ हो।
- इस लफ़्ज़ के तर्जुमें हो सकते हैं, “नजात करनेवाला” या "छुड़ाने वाला ख़ुदा" या "परेशानी से बचानेवाला" या “दुश्मनों से बचानेवाला” या ‘ईसा, गुनाहों से बचानेवाला (लोगो को)।

(यह भी देखें: छुटकारा देना, ‘ईसा, नजात, बचाना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- 2 पतरस 02:20-22
- रसूलों के ‘आमाल . 05:29-32
- यसायाह 60:15-16
- लूक़ा 01:46-47
- ज़बूर 106:19-21

## शब्दकोश:

- Strong's: H3467, G4990

## मुन्तख़ब हुआ, मुन्तख़ब हुए, इन्तख़ाब करना, मुन्तख़ब लोग, मुन्तख़ब हुआ, मुन्तख़ब ।

### ता'अर्रुफ़:

"मुन्तख़ब हुए" का हक़ीक़ी मतलब है "मुन्तख़ब लोग" या "मुन्तख़ब हुई क़ौम" उन लोगों के बारे में है जिन्हें ख़ुदावन्द ने अपने लोग होने के लिए मुक़र्रर किया या अलग किया है। "मुन्तख़ब हुआ" या "ख़ुदावन्द का चुना हुआ", 'अनवान जो 'ईसा को दिखाता है, जो मुन्तख़ब हुआ वह मसीह है।

- "मुन्तख़ब करना" लफ़्ज़ का मतलब है किसी चीज़ को या किसी आदमी को मुन्तख़ब करना या किसी बात पर फैसला लेना। यह लफ़्ज़ अक्सर ख़ुदावन्द की तरफ़ इंसानों को मुक़र्रर करने के लिए इस्ते'माल होता था कि वह अब उसके हैं और उसकी ख़िदमत के लिए हैं।
- "मुन्तख़ब हुए" का मतलब है "मुन्तख़ब" या "मुक़र्रर" कुछ होने के लिए या कुछ करने के लिए।
- ख़ुदावन्द ने इंसानों को पाक होने के लिए मुन्तख़ब किया, अच्छा रूहानी फ़ल लाने के लिए ख़ुदावन्द की तरफ़ से अलग किए गए। यही वजह है कि उन्हें "मुन्तख़ब हुए" या "मुन्तख़ब हुआ" कहते हैं।
- किताब-ए-मुक़द्दस में कभी-कभी "मुन्तख़ब हुओं" लफ़्ज़ का इस्ते'माल किसी ख़ास शख्स के लिए किया गया है जैसे मूसा, दाऊद जिन्हें ख़ुदावन्द ने अपनी क़ौम के रहनुमा मुक़र्रर किया था। यह इस्राईल के उन लोगों के बारे में बताता है जो ख़ुदा के ज़रिए' चुने गए हैं|
- "मुन्तख़ब हुआ" एक पुराना लफ़्ज़ है जिसका मतलब है "मुन्तख़ब हुए" या "मुन्तख़ब हुए लोग" मक़सदी ज़बान में यह लफ़्ज़ जब मसीही ईमानदारों के लिए इस्ते'माल किया गया तो यह जमा' में है।
- किताब-ए-मुक़द्दस के पुराने तहरीर में "मुन्तख़ब हुआ" लफ़्ज़ नये 'अहद नामें और पुराने 'अहद नामें दोनों में "अलग किए हुओं" के लिए इस्ते'माल किया गया है। ज़्यादा जदीद तहज़ीबों में "मुन्तख़ब हुआ" लफ़्ज़ सिर्फ़ उन लोगों के लिए इस्ते'माल किया गया है, जिसकी नजात ख़ुदावन्द ने मसीह 'ईसा के ज़रिए' किया है। किताब-ए-मुक़द्दस में दीगर जगहों में इस लफ़्ज़ का तर्जुमा "मुन्तख़ब हुआ" के शक्ल में तर्जुमा करते हैं।

### तर्जुमे की सलाह:

- लिहाज़ा : अच्छा तो यह होगा कि इस लफ़्ज़ का तर्जुमा, "मुन्तख़ब हुए लोग " या "मुन्तख़ब हुई क़ौम" किया जाए। इसका तर्जुमा "उन लोगों के शक्ल में भी किया जा सकता है जिसे ख़ुदावन्द ने मुन्तख़ब" या "जिन्हें ख़ुदावन्द ने अपने लोग होने के लिए मुक़र्रर किया।"
- "जो मुन्तख़ब किए गए" का तर्जुमा इस तरह भी किया जा सकता है, "जिन्हें मुक़र्रर किया" या "जो अलग किए गए" या "जिन्हें ख़ुदावन्द ने मुन्तख़ब किया "।
- "मैंने तुझे चुन लिया है" इसका तर्जुमा किया जा सकता है, "मैंने तुम्हें मुक़र्रर किया है" या "मैंने तुम्हें अलग किया है"।
- 'ईसा के बारे में, "मुन्तख़ब हुआ" का तर्जुमा "ख़ुदावन्द का मुन्तख़ब किया" या "ख़ुदा का ख़ास मुक़र्रर मसीह" या "जिसे ख़ुदा ने मुक़र्रर किया है" कि शक्ल में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मुक़र्रर, मसीह)

### किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 यूहन्ना 01:1-3
- कुलुस्सियों 03:12-14
- इफिसियों 01:3-4
- यसा'याह65:22-23
- लूक़ा 18:6-8
- मत्ती. 24:19-22
- रोमियो 08:33-34

### शब्दकोश:

- Strong's: H970, H972, H977, H1262, H1305, H4005, H6901, G138, G140, G1586, G1588, G1589, G1951, G4400, G4401, G4758, G4899, G5500

# मुहब्बत, मुहब्बत करता है, अज़ीज़, मुहब्बत की

## ता'अरुफ़:

किसी इन्सान से मुहब्बत करने का मतलब है, उस इन्सान की ख़बर लेना और उसे फ़ायदा पहुंचाने के काम करना। "मुहब्बत" के मुख़तलिफ़ मतलब होते हैं जिनके लिए मुख़तलिफ़ ज़बानों में मुख़तलिफ़ लफ़्ज़ होते हैं।

ख़ुदा की मुहब्बत इन्सान की भलाई पर मुनहस्सिर होती है चाहे उसमें ख़ुद का फ़ायदा न हो। ऐसी मुहब्बत जो इन्सानों की परवाह करती है चाहे वे कुछ भी करते हों। ख़ुदा ख़ुद मुहब्बत है और सच्ची मुहब्बत का ज़रिया' है।

- 'ईसा ने इस मुहब्बत का मुज़ाहरा किया कि है कि गुनाह और मौत से बचाने के लिए अपने आपको क़ुर्बानी पेश कर दिया। उसने अपने पैरोकारों को सिखाया कि नज़राने की मुहब्बत करें।
- जब लोग इस तरह की मुहब्बत से दूसरों को मुहब्बत करते हैं, तो वे उन तरीक़ों से काम करते हैं जो वे यह सोचते हैं कि दूसरों की तरक़्क़ी के लिए क्या वजह होगी। ऐसी मुहब्बत ख़ास करके दूसरों को मु'आफ़ करती है।
- यू.एल.बी. में "मुहब्बत" लफ़्ज़ ऐसा ही ख़ुद सुपुर्दगी या मुहब्बत है जब तक कि तर्जुमा का हाशिया अलग मतलब का ज़िक्र न करे।

नये 'अहदनामे में लफ़्ज़ का एक और हवाला है, भाईचारे की मुहब्बत या "दोस्त की मुहब्बत या ख़ानदानी फ़र्द की मुहब्बत"

- यह लफ़्ज़ दोस्तों और घर के अफ़राद की क़ुदरती मुहब्बत का हवाला देता है।
- इस का इस्ते'माल ऐसे मज़मूनों में भी हो सकता है जैसे वे दा'वत में ख़ास मक़ामों में बैठने की ख़्वाहिश रखते हैं। या'नी उन्हें ऐसा करने की "बहुत ज़्यादा ख़्वाहिश" या " गहरी चाहत"

- "मुहब्बत" लफ़्ज़ का हवाला 'औरत-आदमी में रोमानी रिश्ते की मुहब्बत है ।

अलामती तौर पर इज़हार, "मैंने या'क़ूब से मुहब्बत की है और 'ऐसौ को नफ़रती जाना है।" यहां "मुहब्बत" लफ़्ज़ का मतलब है कि ख़ुदा ने'' या'क़ूब को चुना कि ख़ुदा के साथ कलाम के बारे में रहे। इसका तर्जुमा "चुना" भी हो सकता है। ताहम 'ऐसौ को भी ख़ुदा ने बरकतें दी थी, उसे कलाम के मुता'अल्लिक़ इम्तियाज़ हासिल नहीं थे। "नफ़रती" लफ़्ज़ का 'अलामती इस्ते'माल किया गया है जिसका मतलब है "छोड़ा हुआ" या "नहीं चुना।"

## तर्जुमा की सलाह:

- जब तक कि तर्जुमा से मुता'अल्लिक़ हाशिये में और मतलब समझाया न जाए यू.एल.बी. में "मुहब्बत" लफ़्ज़ ख़ुदा से हासिल ख़ुद सुपुर्दगी की मुहब्बत का हवाला देता है।
- कुछ ज़बानों में ख़ुदा की बिना ख़ुदगर्ज़, सुपुर्दगी की मुहब्बत के लिए ख़ास लफ़्ज़ हो सकता है। इस लफ़्ज़ के तर्जुमा हो सकते हैं, "सुपुर्दगी, वफ़ादार देखरेख" या "बिना ख़ुदगर्ज़ होकर ख़िदमत करना" या "ख़ुदा की मुहब्बत।" यक़ीनी बनाएँ, कि ख़ुदा की मुहब्बत का तर्जुमा हो सकता है, औरों के फ़ायदे के लिए अपनी ख़्वाहिशों को मारना और कोई कुछ भी करे उनसे मुहब्बत निभाते रहना।
- कभी-कभी "मुहब्बत" लफ़्ज़ का मतलब होता है दोस्तों और ख़ानदानी अफ़राद के लिए गहरी ख़िदमत का ख़याल रखना। कुछ ज़बानों में इस लफ़्ज़ का तर्जुमा ऐसे लफ़्ज़ या जुमले से किया जा सकता है जिसका मतलब है, "बहुत अज़ीज़ समझना" या "ख़बर लेना" या "गहरा लगाव होना।"
- जिन मज़मूनों में "मुहब्बत" लफ़्ज़ किसी के लिए पुरज़ोर चाहत ज़ाहिर करे तो उस का तर्जुमा हो सकता है, "पुरज़ोर ख़्वाहिश" या "बहुत ज़्यादा चाहना" या "बहुत ज़्यादा पसन्द करना"।
- कुछ ज़बानों में एक अलग लफ़्ज़ होता है जिसके ज़रिए' शौहर-बीवी के बीच रोमानी मुहब्बत या जिस्मानी ता'अल्लुक़ की मुहब्बत को ज़ाहिर किया जाता है।
- बहुत सी ज़बानों में "मुहब्बत" लफ़्ज़ को फ़े'अल के तौर पर ज़ाहिर करना होता है। मिसाल के तौर पर, उनमें "मुहब्बत सब्र है, मुहब्बत रहमदिल है, इस जमले का तर्जुमा हो सकता है, "जब कोई किसी से मुहब्बत करता है, वह उसके साथ सब्र दिखाता है, उस पर रहम करता है।"

(यह भी देखें:'अहद, मौत, क़ुर्बानी, बचाना, गुनाह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 युहन्ना 03:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:9-12
- गलातियों 05:22-24

- पैदाइश 29:15-18
- यसा'याह 56:6-7
- यरमियाह02:1-3
- युहन्ना 03: 16-18
- मत्ती 10:37-39
- नहमियाह 09:32-34
- फ़िलिप्पियों 1: 9-11
- ग़ज़ल-उल-ग़ज़लात 01:1-4

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **27:02** मुन्तजिम ने जवाब दिया, "तू अपने ख़ुदा से अपने सारे दिल, रूह, क़ुव्वत और ,दिल से **मुहब्बत** रखना। और अपने पड़ोसी से अपने बराबर **मुहब्बत** करना।"
- **33:08** "कंटीली ज़मीन वे इन्सान है जिन्होंने कलाम सुना, और दुनिया की फ़िक्र और दौलत का धोखा, और दीगर चीज़ों का लालच उनमें समाकर ख़ुदा के लिए उसकी **मुहब्बत** को दबा देता है।"
- **36:05** जैसे पतरस बोल ही रहा था कि एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और उस बादल में से यह लफ़्ज़ निकला : " यह मेरा अज़ीज़ बेटा है, जिससे में **मुहब्बत** करता हूँ"
- **39:10** हर वह इन्सान जिसे सच्चाई से **मुहब्बत** है, मुझे सुनेगा।"
- **47:01** वह(लुदिया) बहुत **मुहब्बत** के साथ ख़ुदावन्द की 'इबादत करती थी।
- **48:01**ख़ुदा ने जब दुनिया की तख़लीक की , तो सब कुछ एकदम सही था। दुनिया में कोई गुनाह नहीं था। आदम और हव्वा एक-दूसरे से और ख़ुदा से **मुहब्बत** करते थे।
- **49:03**उसने('ईसा) सिखाया कि तुम्हें दूसरे लोगों को उसी तरह मुहब्बत करना है जैसे कि आप ख़ुद से मुहब्बत करते हैं।
- **49:04** उसने('ईसा) यह भी सिखाया कि तुम्हें किसी भी चीज़, अपनी दौलत से भी ज्यादा ख़ुदा को **मुहब्बत** करना चाहिए।
- **49:07** 'ईसा ने सिखाया कि ख़ुदा गुनाहगारों से बहुत **मुहब्बत** करता है।
- **49:09** लेकिन ख़ुदा ने क़ायनात के हर इन्सान से इतनी ज़्यादा **मुहब्बत** की कि उसने अपना इकलौता बेटा दे दिया ताकि जो कोई 'ईसा पर ईमान करे उसे उसके गुनाहों की सज़ा नहीं मिलेगी, लेकिन हमेशा ख़ुदा के साथ रहेगा।
- **49:13** ख़ुदा तुमसे **मुहब्बत** करता है और चाहता है कि तुम 'ईसा पर ईमान करो ताकि वह तुमसे एक क़रीबी रिश्ता क़ायम रख सके।

## शब्दकोश:

- Strong's: H157, H158, H159, H160, H2245, H2617, H2836, H3039, H4261, H5689, H5690, H5691, H7355, H7356, H7453, H7474, G25, G26, G5360, G5361, G5362, G5363, G5365, G5367, G5368, G5369, G5377, G5381, G5382, G5383, G5388

# मुहर्रिर , मुहर्रिरों

## ता'अर्रुफ़:

मुहर्रिर वह हाकिम थे जो हुकूमती या मज़हबी दस्तावेज़ को हाथ से लिखने या नक़ल करने के काम की ज़िम्मेदारी को पूरा करते थे। यहूदी मुहर्रिरों को "यहूदी शरी'अत के 'आलिम" भी कहा जाता था।

- मुहर्रिरों का काम था कि पुराने 'अहद नामे की किताबों की कापी बनाकर महफ़ूज़ रखें।
- वह ख़ुदा की शरी'अत पर मज़हबी ख़यालों की वाक्ये और दस्तावेज़ की कापी बनाकर महफ़ूज़ रखते थे।
- कभी-कभी मुमुहर्रिर बहत ही ख़ास हुकूमती हाकिम भी होते थे।
- किताब-ए-मुक़द्दस में बहत ही ख़ास मुहर्रिर थे बारूक और एज्रा।
- नए अहद नामे में, यह लफ़्ज़ "मुहर्रिर " का तर्जुमा "शरी'अत के 'आलिम " भी किया गया है।
- नए 'अहद नामे के वक़्त , मुहर्रिर हमेशा एक मज़हबी जमा'अत "फ़रीसी" के लोग थे और इन दोनों जमा'अतें बार-बार एक साथ ज़िक्र में रही हैं।

(यह भी देखें: क़ानून, फ़रीसी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलो के 'आमाल 04:5-7
- लूक़ा 07:29-30
- लूक़ा 20:45-47
- मरकुस 01:21-22
- मरकुस 02:15-16
- मत्ती 05:19-20
- मत्ती 07:28-29
- मत्ती 12:38-40
- मत्ती. 13:51-53

## शब्दकोश:

- Strong's: H5608, H5613, H7083, G1122

# मुक़द्दस

## ता’अरुफ़:

लफ़्ज़ “मुक़द्दस” किताब-ए-मुक़द्दस में एक ‘उहदे का नाम है जो हमेशा ख़ुदा का हवाला देता है।

- पुराने ‘अहदनामे में यह नाम ज़्यादातर “इस्राईल के मुक़द्दस” के जुमले में ज़ाहिर होता है।
- नये ‘अहदनामे में ‘ईसा को भी “मुक़द्दस” कहा गया है।
- “मुक़द्दस” किताब-ए-मुक़द्दस में कभी-कभी फ़रिश्ते के लिए काम में लिया गया है।

## तर्जुमे की सलाह:

सही लफ़्ज़ है, “मुक़द्दस लोग”("एक" के साथ मुंसलिक किया जा रहा है।) कई ज़बाने (जैसे अंग्रेज़ी) इसे इस्म के साथ तर्जुमा करेंगे(जैसे "एक" या "ख़ुदा") ।

- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा “ख़ुदा, जो पाक है” या “अलग किए गए लोग” हो सकता है।
- जुमले "इस्राईल के मुक़द्दसों" का तर्जुमा "पाक ख़ुदा जिसकी इस्राईली ‘इबादत करते हैं" या "पाक लोग जो इस्राईल पर हुकूमत करने वाले" के तौर पर किया जा सकता है।
- सही है कि इस लफ़्ज़ के तर्जुमें में उसी लफ़्ज़ या जुमले का इस्ते’माल करना है जिसे "पाक" का तर्जुमा करने के लिए इस्ते’माल किया जाता है।

(यह भी देखें: पाक, ख़ुदा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 युहन्ना 02:20-21
- 2 सलातीन 19:20-22
- रसूलों के ‘आमाल 02:27-28
- रसूलों के ‘आमाल 03:13-14
- यसा’याह 05:15-17
- यसा’याह 41:14-15
- लूक़ा 04:33-34

## शब्दकोश:

- Strong's: H2623, H376, H6918, G40, G3741

# मुक़द्दस , पाक लोग

## त'अर्रुफ़:

लफ़्ज़ "मुक़द्दस" का लफ़्ज़ी मतलब है " मुक़द्दस लोग" और 'ईसा में ईमानदारों के बारे में बयान करता है।

- कलीसियाई तवारीख़ में, आगे चलकर नेक कामों के लिए मशहूर आदमी के लिए "मुक़द्दस" लफ़्ज़ का इस्ते'माल किया गया है लेकिन यह लफ़्ज़ नये 'अहद नामे के वक़्त के दौरान ऐसा इस्ते'माल नहीं किया गया था।
- 'ईसा के ईमानदारों को मुक़द्दस लोग इसलिए नहीं कहा गया है कि उन्होंने अच्छे काम किए लेकिन मसीह 'ईसा ने जो किया उन कामों में यक़ीन करने की वजह से उन्हें मुक़द्दस लोग कहा गया है। वही उन्हें मुक़द्दस बनाता है।

## (तर्जुमा की सलाह:

- "मुक़द्दस लोग" या "'ईसा के पाक ईमानदार" या "पाक" या " पाक लोग" या "'ईसा के मुक़द्दस ईमानदार" या "अलग किए गए लोग।"
- ख़बरदार रहें कि इस जुमलों के ज़रिए' किसी ख़ास झुण्ड का ख़याल बयान न हो।

(यह भी देखें: मुक़द्दस)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तीमुथियुस 05:9-10
- 2 कुरिन्थियों 09:12-15
- मुक़ाश्फा 16:4-7
- मुक़ाश्फा 20:9-10

## शब्दकोश:

- Strong's: H2623, H6918, H6922, G40

# मुक़द्दस जगह

## ता'अर्रुफ़:

"मुक़द्दस जगह" का लफ़्ज़ी मा'ना है, "पाक घर" और इसके बारे में उस जगह से है जिसे ख़ुदावन्द ने मुक़द्दस और पाक बनाया। इसके बारे में महफ़ूज़ और हिफ़ाज़ती मक़ाम से भी हो सकता है।

- पुराने 'अहद नामे में "मुक़द्दस जगह" हमेशा ख़ेमा या हैकल के लिए काम में लिया जाता था जिनमें "मुक़द्दस-मक़ाम" और "मुक़द्दस जगह" थे।
- ख़ुदावन्द मुक़द्दस जगह को अपनी रि'आया इस्राईल के दरमियान अपने रहने की जगह को कहता था।
- वह ख़ुद को भी "मुक़द्दस जगह" या अपने लोगों के लिए एक महफ़ूज़ जगह कहता था जहां उन्हें हिफ़ाज़त हासिल थी।

## तर्जुमा की सलाह:

- इस लफ़्ज़ में बुनियादी मा'ना है, "मुक़द्दस जगह" या "वह जगह जो अलग की गईं है।"
- मज़मून के मुताबिक़ "मुक़द्दस जगह" लफ़्ज़ का तर्जुमा "मुक़द्दस मक़ाम" या "मुक़द्दस घर " या " ख़ुदावन्द की मुक़द्दस जगह" या "हिफ़ाज़त की मुक़द्दस जगह" या " हिफ़ाज़त की पाक जगह" भी किया जा सकता है।
- " मुक़द्दस जगह का शेकेल" का तर्जुमा हो सकता है "घर के ख़ेमे के लिए दिए गए शेकेल की तरह " या "हैकल के रख-रखाव के लिए जिज़्या की शक्ल में शेकेल।"
- नुक़ता: ख़बरदार रहें कि इस लफ़्ज़ का तर्जुमा आज के 'इबादतख़ाने के 'इबादत के घर का मतलब ज़ाहिर न करे।

(यह भी देखें: पाक, पाक रूह, पाक, अलग करना, ख़ेमे, जिज़्या, हैकल, )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- आमोस 07:12-13
- अह्बार 25:3-7
- हिज़कीएल 25:3-5
- 'इब्रानियों 08:1-2
- लूक़ा 11:49-51
- गिनती 18:1-2
- ज़बूर 078:67-69

## शब्दकोश:

- Strong's: H4720, H6944, G39

# मु’आफ़ करना, मु’आफ़ करता, मु’आफ़ किया, मु’आफ़ी, मु’आफ़ करना, मु’आफ़ किया

## ता’अर्रुफ़:

किसी को मु’आफ़ करने का मतलब है कि उसके लिए शिक़ायत न रखना जिसने कोई नुक़सान दायक काम किया है। “मु’आफ़ी” किसी को मु’आफ़ करने का काम है

- किसी को मु’आफ़ करने का मतलब है, उसके ग़लत काम के लिए सज़ा न देना।
- इस लफ़्ज़ का ‘अलामती मतलब के ज़रिए’ इस्ते’माल किया जाता है “ख़ारिज करना” जैसा इस इज़हार में है, “क़र्ज़ मु’आफ़ करना”
- जब इन्सान गुनाहों को क़ुबूल करता है तब ख़ुदा ‘ईसा की सलीबी मौत की क़ुर्बानी की बुनियाद पर उन्हें मु’आफ़ कर देता है।
- ‘ईसा ने अपने शागिर्दों को ता’लीम दी कि जैसे उसने उन्हें मु’आफ़ किया है वैसे ही वे भी दूसरों को मु’आफ़ करें।

लफ़्ज़ "मु’आफ़ी" का मतलब है किसी को गुनाहों के बदले मु’आफ़ कर देना और उसे सज़ा न देना|

- यह लफ़्ज़ एक जैसे मतलब रखते हैं “मु’आफ करना” लेकिन किसी शख़्स को जो मुजरिम है उसे सज़ा ने देने के लिए रवायती फ़ैसले का मतलब शामिल हो सकता|
- कानून की ‘अदालत में, एक मुंसिफ़ एक मुजरिम के जुर्म पाकर उसे मु’आफ़ कर सकता है|
- अगरचे, हम गुनाहों की मुजरिम हैं, ‘ईसा मसीह ने हमें अपनी सलीब पर मौत क़ुर्बानी की बुनियाद पर हमें जहन्नम में सज़ा देने से मु’आफ़ किया है,

## तर्जुमे की सलाह:

- मज़मून पर मुनहस्सिर, “मु,आफ़ करना” के तर्जुमे हो सकते हैं, “मु’आफ़ी” या “ख़ारिज करना” या “आजाद करना” या “मुख़ालिफ़त कुछ न रखना”।
- लफ़्ज़ "मु’आफ़ करना" का तर्जुमा किसी लफ़्ज़ या जुमले ज़रिए’ किया जा सकता है जिसका मतलब है "नाराजगी न रखने की मशक़" या "किसी को बेगुनाह क़रार देना" या "मु’आफ़ करने का काम"।
- अगर आपकी ज़बान में मु’आफ़ करने का रवायती फ़ैसले के लिए कोई लफ़्ज़ हो, तो उस लफ़्ज़ का इस्ते’माल “मु’आफ़ी” के लिए किया जाए|

(यह भी देखें: गुनाह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 50:15-17
- गिनती 14:17-19
- इस्तिस्ना 29:20-21
- यशू’अ 24:19-20
- 2 सलातीन 05:17-19
- ज़ुबूर 025:10-11
- ज़ुबूर 025:17-19
- यसा’याह 55:6-7
- यसा’याह 40:1-2
- लूक़ा 05:20-21
- रसूलों के ‘आमाल 08:20-23
- इफ़िसियों 04:31-32
- कुलुस्सियो 03:12-14
- 1 युहन्ना 02:12-14

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **07:10** लेकिन ‘ऐसौ या’क़ूब को पहले ही **मु’आफ़ कर** चुका था, और वह एक दूसरे को देखकर बहुत ही ख़ुश हुए।
- **13:15** मूसा पहाड़ पर फिर चढ़ गया और उसने दु’आ की कि ख़ुदा उन लोगों के गुनाहों को **मु’आफ़ कर** दे। ख़ुदा ने मूसा की दु’आ सुनी और उन्हें **मु’आफ़ किया**।

- **17:13** दाऊद को अपने किए हुए गुनाहों पर पछतावा हुआ और ख़ुदा ने उसे **मु’आफ़ किया**।
- **21:05** नए ‘अहदनामे में, ख़ुदा अपनी शरी’अत लोगों के दिलों में लिखता है, जो लोग ख़ुदा को ज़ाती तौर पर जानते हैं, वह ये लोग होते हैं, और ख़ुदा उनके गुनाहों को **मु’आफ़** करता हैं|
- **29:01** एक दिन पतरस ने पास आकर ‘ईसा से पूछा , “ए ख़ुदावन्द, अगर मेरा भाई गुनाह करता रहे, तो मैं उसे कितनी बार **मु’आफ़** करूँ?”
- **29:08**तू ने जो मुझ से मिन्नत की, तो मैं नेतेरा वह पूरा क़र्ज़ **मु’आफ़ कर दिया**।
- **38:05** फिर उसने मय का कटोरा लिया और कहा, “इसे पिओं। यह नए ‘अहद का मेरा ख़ून है, जो बहुतों के गुनाहों को **मु’आफ़ी** के लिये बहाया जाता है।

## शब्दकोश:

- H5546, H5547, H3722, H5375, H5545, H5547, H7521, G859, G863, G5483

# मेल करना, मेल-मिलाप, मेल मिलाप कर लिया, मिलाप

## ता’अर्रुफ़:

“मेल करना” और “मेल मिलाप” का हवाला “सुकून बनाने” से है, उनके दरमियान जो पहले एक दूसरे के दुश्मन थे। "मिलाप" सुकून बनाने का काम है

किताब-ए-मुक़द्दस में यह लफ़्ज़ अक्सर ख़ुदा के बारे में है कि वह इन्सानों के साथ मेल करता है जो मसीह ‘ईसा उसके बेटे की क़ुर्बानी के ज़रिए’ है। गुनाह की वजह से सब इन्सान ख़ुदा के दुश्मन हैं। लेकिन उसकी करूणा प्रेम के कारण, ख़ुदा ने ‘ईसा के के ज़रिए’ उसके साथ मेल करने की राह बनाई है। गुनाहों का क़ीमत चुकाने के लिए ‘ईसा की क़ुर्बानी में ईमान करके इन्सान मु’आफ़ किए जाते हैं और ख़ुदा के साथ उनका मेल होता है।

## तर्जुमे की सलाह:

लफ़्ज़ "मेल करना" का तर्जुमा "सुकून बनाने" या "अच्छे रिश्तों को दुबारा क़ायम करने" या "मित्र बनने के लिए" की शक्ल रिश्तों में किया जा सकता है। “मेल-मिलाप” का तर्जुमा “अच्छे रिश्तों को बनाना” या “सुकून बनाना” या “सुकूनत का रिश्ता क़ायम करना” की शक्लमें किया जा सकता है।

(यह भी देखें: सुकून, क़ुर्बानी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 कुरिन्थियों 05:18-19
- कुलुस्सियों 01:18-20
- मत्ती 05:23-24
- अम्साल 13:17-18
- रोमियो 05:10-11

## शब्दकोश:

- Strong's: H2398 , H3722 , G604 , G1259 , G2433 , G2643, G2644

# मो'जिज़ा, मो'जिज़ों, अजीब, हैरतके कामों, निशान, निशानों

## ता’अर्रुफ़:

“मो'जिज़ा” एक ऐसा अजीब काम है जो ख़ुदावन्द ने किए जो इन्सान के लिए मुम्किन नही है।

- 'ईसा के मो'जिज़ों में आंधी को शान्त करना, अंधे आदमी को बीनाई देना ।
- मो'जिज़ों को अजीब काम भी कहा गया है क्यूँकि उन्हें देखकर इन्सान हैरान और ता'अज्जुब से भर जाता है।
- “अजीब काम” के बारे में आम तौर से ख़ुदावन्द की ताक़त से ता'अज्जुब वाले काम से भी है जैसे जब उसने आसमान और ज़मीन को बनाया ।
- मो'जिज़ों को “निशान” भी कहा गया है क्यूँकि वे ख़ुदावन्द के क़ादिर होने का इशारा या सुबूत हैं, जहान पर उसका पूरा इख़्तियार है।
- कुछ मो'जिज़े ख़ुदावन्द के आज़ादी के काम हैं जैसे जब उसने इस्राईलियों को मिस्र की ग़ुलामी में से निकाला था और दानिएल को शेरों के नुक़सान से महफ़ूज़ रखा था।
- दूसरे मो'जिज़े हैं, ख़ुदावन्द की सज़ा जैसे नूह के वक़्त में उसने पानी का सैलाब भेजा या मूसा के वक़्त में मिस्र पर मुसीबतें डालीं।
- ख़ुदावन्द के दूसरे कई मो'जिज़ों में बीमारों को अच्छा करना और मुर्दों को जिलाना था।
- 'ईसा के ज़रिए' बीमारों की शिफ़ा, आंधी शान्त करना, पानी पर चलना, मुर्दों को जिलाना ख़ुदावन्द की ताक़त का ज़हूर था। यह सब मो'जिज़े थे।
- ख़ुदावन्द ने नबियों और रसूलों को भी ताक़त दिया कि वह मो'जिज़े करें जैसे बीमारी को शिफ़ा दूसरे ताक़तवर काम जो सिर्फ़ ख़ुदावन्द की ताक़त से ही मुम्किन थे।

## तर्जुमा की सलाह:

- “मो'जिज़े” और “अजीब कामों” के तर्जुमा हो सकते हैं, “ख़ुदावन्द के नामुम्किन काम ” या “ख़ुदावन्द की ताक़त के काम ” या “ख़ुदावन्द के हैरत अंगेज़ काम”
- “निशान और मो'जिज़ा” एक ऐसा जुमला है जिसका बार-बार इस्ते'माल किया गया है, इसका तर्जुमा हो सकता है, “सबूत और मो'जिज़े” या “ख़ुदावन्द की ताक़त को साबित करने वाले हैरत अंगेज़ काम” या “क़ुदरती मो'जिज़ा जिनसे ख़ुदावन्द की अज़मत ज़ाहिर होती है”
- तवज्जोह दें कि क़ुदरती निशान का मतलब है किसी बात को साबित करने के निशान से अलग है। इन दोनों का मतलब एक जैसा हो सकता है।

(यह भी देखें: ताक़त, नबी, रसूल, निशान)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 थिस्सलुनीकियों 02:8-10
- रसूलों के 'आमाल 04:15-18
- रसूलों के 'आमाल 04:21-22
- दानिएल 04:1-3
- इस्तिसना 13:1-3
- ख़ुरूज 03:19-22
- यूहन्ना 02:11
- मत्ती 13:57-58

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **16:08** ख़ुदावन्द इस्राईलियों को बचाने के लिए गिदोन का इस्ते'माल करना चाहता है, इसके लिए उसने ख़ुदावन्द से दो **निशान** पूछे |
- **19:14** ख़ुदावन्द ने एलीशा के ज़रिए' बहुत से **मो'जिज़े** किए |
- **37:10** कई यहूदी उसका यह **काम** देखकर, उस पर ईमान किया।
- **43:06** “ऐ इस्राईलियो ये बातें सुनो: 'ईसा नासरी एक आदमी था, जिसने ख़ुदावन्द की ताक़त से कई **अजीब कामों** और **निशानों** को ज़ाहिर किया, जो ख़ुदावन्द ने तुम्हारे बीच उसके ज़रिए' कर दिखाए जिसे तुम ख़ुद ही जानते हो |”
- **49:02** 'ईसा ने बहुत से **मो'जिज़े** किये जो यह साबित करते हैं कि वह ख़ुदावन्द है | वह पानी पर चला, तूफ़ान को शांत किया, बहुत से बीमारों को अच्छा किया, बदरूहों को निकाला, मुर्दों को ज़िन्दा किया, और पांच रोटी और दो छोटी मछलियों को इतने खाने में बदल दिया कि वह 5,000 लोगों के लिए काफ़ी हो |

## शब्दकोश:

- Strong's: H226, H852, H2368, H2858, H4150, H4159, H4864, H5251, H5824, H5953, H6381, H6382, H6383, H6395, H6725, H7560, H7583, H8047, H8074, H8539, H8540,, G880, G1213, G1229, G1411, G1569, G1718, G1770, G1839, G2285, G2296, G2297, G3167, G3902, G4591, G4592, G5059

# यहूदी, यहूदियों का, यहूदियों

## सच्चाई:

यहूदी वह लोग है जो इब्राहीम के पोते या'क़ूब की औलाद थे। “यहूदी” लफ़्ज़ “यहूदा” से आया था।

लोग इस्राईलियों को यहूदी तब कहने लगे थे जब वह बाबुल से यहूदा मुल्क लौट आए थे।

- मसीह 'ईसा यहूदी था। लेकिन यहूदी मज़हब के रहनुमाओं ने ;ईसा का इन्कार किया और उसको मार डालने की मांग की।
- “यहूदी लफ़्ज़ हमेशा यहूदियों के रहनुमाओं के बारे में लिया जाता था, सब यहूदियों के लिए नहीं। इन बारों में कुछ तर्जुमों में “के रहनुमा” को जोड़ा जाता है कि मतलब साफ़ बयान हो।

(यह भी देखें: इब्राहीम, या’क़ूब, इस्राईल, बाबुल, यहूदी रहनुमा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 02:5-7
- रसूलों के 'आमाल 10:27-29
- रसूलों के 'आमाल 14:5-7
- कुलुस्सियों 03:9-11
- यूहन्ना 02:13-14
- मत्ती 28:14-15

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **20:11** इस्राईलियों को अब **यहूदी** कहा जाता था और उनमें से ज़्यादातर लोगों ने अपनी पूरी ज़िन्दगी बाबुल में गुज़ार दी थी |
- **20:12** लिहाज़ा सत्तर साल तक जिला वतनी के बा'द, **यहूदियों** का एक छोटा गिरोह यरूशलीम को वापस लौट आया।
- **37:10** कई **यहूदी** उसका यह मो'जिज़ा देखकर, उस पर ईमान लाए ।
- **37:11** लेकिन **यहूदियों** के मज़हबी उस्ताद 'ईसा से हसद रखते थे, इसलिए उन्होंने आपस में मिलकर मन्सूबा बनाना चाहा कि कैसे वह 'ईसा और लाजर को क़त्ल सके।
- **40:02** पिलातुस ने हुक्म दिया कि 'ईसा के सिर के ऊपर सलीब पर यह लिख कर लगा दिया जाए कि, “यह **यहूदियों** का बादशाह है।”
- **46:06**फ़ौरन ही, शाऊल दमिश्क़ के **यहूदियों** से 'ऐलान करने लगा कि, "’ईसा ख़ुदावन्द का बेटा है!"

## शब्दकोश:

- Strong's: H3054, H3061, H3062, H3064, H3066, G2450, G2451, G2452, G2453, G2454

# यहोवा

## सच्चाई:

“यहोवा” ख़ुदा का नाम है, उसने उस जलती हुई झाड़ी पर मूसा को यह नाम बताया था

- “यहोवा” नाम उस लफ़्ज़ से आता है जिसका मतलब है “होना” या “हक़ीक़त में है।”
- “यहोवा” के मुनासिब मतलब हो सकते हैं, “वह है” या “मैं हूँ” या “वह जो होता है”।
- इन नाम का मतलब है ख़ुदा हमेशा से ज़िन्दा है और रहेगा। इसका मतलब हमेशा मौजूद भी है।
- लिखी हुई रवायत , कई कलाम के जुमलों का लफ़्ज़ "ख़ुदा" को ज़ाहिर करने के लिए "यहोवा" इस्ते'माल किया है। यह रवायत इस सच्चाई से हुई है कि तवारीख़ की शक्ल से, यहूदी लोग डरते हैं कि यहोवा के नाम का मतलब ग़लत तरीक़े से न हो इसलिए जहाँ भी बाब में यहोवा आया वहाँ वह ख़ुदा कहने लगे। अक्सर कलाम में "ख़ुदा"(मालिक) को अंग्रेजी में बड़े हरफ़ों से लिखा जाता है कि ख़ुदा के नाम की 'इज़्ज़त हो।
- यू.एल.बी. और यू.डी.बी. ख़ुदा के नाम को “यहोवा” ही लिखते हैं जैसा 'इब्रानी ज़बान के पुराने 'अहद नामे में है।
- नये 'अहद नामे में “यहोवा” नाम का इस्ते'माल नहीं किया गया है; सिर्फ़ “ख़ुदा” के लिए यूनानी लफ़्ज़ का इस्ते'माल किया जाता है, यहाँ तक कि पुराने 'अहद नामे की मिसाल में भी।
- पुराने 'अहद नामे में जब ख़ुदा ख़ुद के बारे में कहता है तब वह लक़ब की जगह में अपना नाम लेता है।
- लक़ब “मैं” और “मुझ” के ज़रिए' यू.एल.बी. के बाबों के लिए साबित करती है कि कहनेवाला ख़ुदा ही है।

## तर्जुमा की सलाह :

- “यहोवा” लफ़्ज़ की जगह में “मैं हूँ” या “ज़िन्दा ख़ुदा” या “हक़ीक़ी” या “वह जो ज़िन्दा है” काम में लिया जा सकता है।
- यह लफ़्ज़ इस तरह लिखा जाए जो “यहोवा” लफ़्ज़ की हिज्जे दिखाई दे।
- कुछ कलीसिया की क़ौमों में "यहोवा" लफ़्ज़ का इस्ते’माल करना पसंद नहीं करते हैं और बदले में रवायती तौर पर "ख़ुदा"(ख़ुदा को अंग्रेजी में बड़े हरफ़ों में) का इस्ते’माल करते हैं। एक ज़रूरी ख़याल यह है कि यह उलझन हो सकती है जब बड़े पैमाने पर पढ़ा जा सकता है क्यूँकि यह मज़मून "ख़ुदा" के जैसा होगा। कुछ ज़बानों में निशान जोड़े जा सकते है जो फ़र्क़ करता है “ख़ुदा” (ख़ुदा को अंग्रेजी में बड़े हरफ़ों में)को नाम के तौर पर (यहोवा) और “ख़ुदा” को उनवान के तौर पर।
- अगर मुनासिब हो तो बेहतर यही होगा कि जहां-जहां यहोवा का नाम आता है उसे ज्यों का त्यों ही रखें लेकिन कुछ तर्जुमों में लक़ब का ही इस्ते'माल किया गया है कि बाब को ज़्यादा सही और आसान बनाया जाए।
- कुछ इस तरह से मिसाल लिखें, "यहोवा यूं कहता है।"

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: ख़ुदावन्द, ख़ुदा, ख़ुदा, मूसा, ज़ाहिर करना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 21:19-20
- 1 शमूएल 16:6-7
- दानिएल 09:3-4
- हिज़्क़ीएल 17:24
- पैदाइश 02:4-6
- पैदाइश 04:3-5
- पैदाइश 28:12-13
- होसे'अ 11:12
- यसा'याह 10:3-4
- यसा'याह 38:7-8
- अय्यूब 12:9-10
- यशू'अ 01:8-9
- नौहा 01:4-5
- इस्तिसना 25:35-38
- मलाकी 03:4-5
- मीकाह 02:3-5

- मीकाह 06: 3-5
- गिनती 08:9-11
- ज़बूर 124:1-3
- रूत 01:19-21
- जकरियाह 14:5

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **09:14** ख़ुदा ने मूसा से कहा मैं जो हूँ सो हूँ। उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।" मैं यहोवा हूँ "तुम्हारे बाप दादा ,इब्राहीम , इस्हाक़ , और या'क़ूब , का ख़ुदा ", उनसे कहना "जिसका नाम मैं हूँ
- **13:04** ख़ुदा ने उन्हें क़सम दी और कहा, "मैं तेरा ख़ुदा **यहोवा** हूँ, जो तुझे ग़ुलामी के घर या'नी मिस्र मुल्क से निकाल लाया है। तू मुझे छोड़ दूसरों को ख़ुदा करके न मानना।"
- **13:05** "तू अपने लिये कोई बुत खोदकर न बनाना, न किसी की ख़ुदा बनाना, तू उनकी 'इबादत न करना क्योंकि मैं तेरा ख़ुदा **यहोवा** जलन रखने वाला ख़ुदा हूँ।"
- **16:01** इस्राईलियों ने **यहोवा** जो सच्चा ख़ुदा है उसकी जगह पर, कन'आनियो के मा'बूद की 'इबादत करना शुरू' किया।
- **19:10** फिर एलियाह ने दु'आ की, ऐ इब्राहीम, इस्हाक़ और इस्राईल के ख़ुदा _ यहोवा!_ आज यह ज़ाहिर कर कि इस्राईल में तू ही ख़ुदा है, और मैं तेरा ग़ुलाम हूँ,

## शब्दकोश:

- Strong's: H3050, H3068, H3069

# याहूदियों का बादशाह, यहूदियों का बादशाह

## ता’अर्रुफ़

“यहूदियों का बादशाह” लफ़्ज़ एक उनवान है, जो ‘ईसा मसीह के बारे में बताता है|

- पहली बार जब किताब-ए-मुक़द्दस इस उनवान को दर्ज करता तब इसका इस्ते’माल उन ‘अक़्लमन्द इंसानों के ज़रिए’ जिन्होंने बैतलहम का सफ़र उस बच्चे को देखने के लिए किया जो “यहूदियों का बादशाह” था
- फ़रिश्ते ने मरियम को बताया कि उसके बेटा बादशाह दाऊद की नसल से होगा, जिसकी बादशाही हमेशा तक क़ायम रहेगी|
- ‘ईसा को सलीब पर चढ़ाने से पहले रोमन सिपाहियों ने मज़ाक़ से ‘ईसा को “यहूदियों का बादशाह” कहा| यह उनवान लकड़ी की तख़्ती पर भी लिखा गया था और ‘ईसा के सलीब के ऊपर लगाया गया था|
- ‘ईसा हक़ीक़त में यहूदियों का बादशाह है और सारी मख़लूक का बादशाह है|

## तर्जुमे की सलाह:

- "यहूदियों के बादशाह" लफ़्ज़ का तर्जुमा "यहूदियों पर बादशाह" या "बादशाह जो यहूदियों पर हुकूमत करता है" या "यहूदियों का सबसे बड़ा हाकिम" के तौर में भी किया जा सकता है।
- तर्जुमे में और जगहों में “का राजा” जुमले का तर्जुमा कैसे किया जाता है देखने के लिए जाँचें|

( यह भी देखें: : नसल, यहूदी, ‘ईसा, बादशाह, बादशाही, ख़ुदा की बादशाही, ‘अक़्लमन्द लोग)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- लूक़ा 23:3-5
- लूक़ा 23:36-38
- मत्ती 02:1-3
- मत्ती 27:11-14
- मत्ती 27:35-37

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानिओं से मिसालें:

- **23:09** कुछ वक़्त के बा’द, पूरबी मुल्कों के ‘अक़्लमन्द लोगों ने आसमान में एक तारा देखा| उन्होंने इसका मतलब समझा कि नया**यहूदियों का बादशाह** पैदा हुआ था|
- **39:09** पिलातुस ने ‘ईसा से पूछा, "क्या तुम **यहूदियों के बादशाह** हो?"
- **39:12** रोमी सिपाहियों ने ‘ईसा को मारा और शाही लिबास और उसके ऊपर काँटे से बने ताज़ को लगाया| तब उन्होंने यह कहकर उसका मज़ाक़ उड़ाया, “देखो, यहूदियों का बादशाह”
- **40:02** पिलातुस ने हुक्म दिया कि वे किसी निशान पर “यहूदियों का बादशाह” लिखें और उसे ईसा के ऊपर सलीब पर लगायें|

## शब्दकोश:

- Strong's: G935, G2453

# यक़ीन, यक़ीन करे, यक़ीन किया, ईमानदार, ईमान, बे-ईमान, बे-ईमानों , बे-ईमान,

## ता'अर्रुफ़:

“यक़ीन” और “ में यक़ीन करना” क़रीबी रिश्ते में हैं लेकिन इसके मा'ने में फ़र्क बहुत कम है।

## 1.ईमान

- यक़ीन करने के लिए कुछ यह क़ुबूल या यक़ीन है कि यह सच है |
- यक़ीन करने के लिए किसी को ये तस्लीम करना है कि क्या उस शख़्स ने सच कहा है |

## 2. यक़ीन करना

- "यक़ीन रखना " किसी शख़्स को " उस पर यक़ीन रखना " का मतलब है| * उस पर यक़ीन करने का मतलब है कि इन्सान वही है कि जो कहता है कि वह है, कि वह हमेशा सच बोलता है , और वह वही करेगा जो उसने करने का वा'दा किया है |
- जब कोई शख़्स वाक़'ई किसी चीज़ पर यक़ीन रखता है तो वह ऐसे तरीक़े से काम करेगा जो उस 'अक़ीदे को ज़ाहिर करता है |
- उस जुमले में "ईमान लाए "'आम तौर पर उसी मा'ने में "ईमान लाए "है |
- " 'ईसा में यक़ीन रखना " का मतलब ये है कि वह ख़ुदा का बेटा है, ये कि वह ख़ुद ही ख़ुदा है जो इन्सान बन गया और हमारे गुनाहों की अदाइगी करने के लिए जो क़ुर्बानी के तौर पर मर गया | * उसका मतलब ये है कि उसे नजाते दहिन्दा के तौर पर 'ऐतमाद करना और उसी तरह से उसकी 'इज़्ज़त करना है |

किताब-ए-मुक़द्दस में "जो शख़्स ईमान लाता है और 'ईसा मसीह पे नजात दहिन्दा के तौर पर अनह्सार करती है उस से मुराद है "

- लफ्ज़ी मा'ने का मतलब है " जो शख़्स ईमान लाता है "
- लफ़्ज़ मसीही " आख़िर कार ईमानदारों के लिए ख़ास 'अन्वान बन गया क्यूँकि यह इशारा करता है कि मसीह में ईमान रखते हैं और उनकी ता'लीमात की इता'अत करते हैं |

" बे 'ऐतक़ाद "किसी चीज़ या किसी को यक़ीन नही करता, |

- किताब-ए-मुक़द्दस में, "बे-ईमानी" 'ईसा पर 'ऐतमाद नही करता या भरोसा नही करता है कि वह एक नजात दहिन्दा है|
- एक शख़्स जो 'ईसा के बारे में ईमान नही रखता , "उसे बे ईमान "कहा जाता है |

## तर्जुमा की सलाह :

- “यक़ीन करने” का तर्जुमा हो सकता है“जानना कि सच क्या है” या “अच्छा होने का 'इल्म ” किया जा सकता है।
- "यक़ीन रखने" के तौर पर " मुकम्मल तौर पर 'ऐतमाद " या " 'ऐतमाद और इता'अत " के तौर पर तर्जुमा किया जा सकता है या " मुकम्मल तौर पर 'अमल करें |"
- कुछ तर्जुमा शायद " 'ईसा में मोमिन " या मसीह " में ईमान लाने के लिए तरजीह देते हैं |
- यह लफ़्ज़ का तर्जुमा भी किया जा सकता है जिसका मतलब है "कि जो शख़्स 'ईसा पर 'एतमाद रखता है "या "जो कोई 'ईसा को जान्ता है और उसके लिए ज़िन्दा रहता है "
- तर्जुमा करने का दूसरा तरीक़ा " 'ईसा का पैरोकार "या " जो शख़्स 'ईसा को जानता है और उसकी इता'अत करता है" हो सकता है |
- मसीह में किसी ईमानदार के लिए एक 'आम लफ़्ज़ है, जबकि " शागिर्द और रसूल ख़ास तौर पर उन लोगों के लिए इस्ते'माल किया गया है जो 'इसा को जानता था जबकि वह ज़िन्दा था | ये सबसे बहतर है कि उन शरायत को मुख़्तलिफ़ तरीक़ों से तर्जुमा करें, ताकि उन्हें अलग रखने के लिए |
- "बे 'ऐतक़ाद"तर्जुमा करने के दुसरे तरीकों में " ईमान की कमी"या" ईमान नहीं लाना"शामिल हो सकता है |

"जो शख़्स 'ईसा में यक़ीन नहीं करता " या"किसी ऐसे शख़्स को जो नजात दहिन्दा के तौर पर 'ईसा में 'एतमाद नही है " पर तर्जुमा किया जा सकता है |

\ :यह भी देखें)ईमान , \ रसूल , \ 'ईसाई , \ शागिर्द , \ यक़ीन , \ 'ऐतमाद (

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाईश15:6-8
- पैदाईश 45:24-26
- अय्यूब 09:16-18
- हबक्कूक़ 01:5-7
- मरक़ुस 06:4-6
- मरक़ुस 01:14-15
- लुक़ा 09:41-42
- युहन्ना 01:12-13
- रसूलों के 'आमाल 06:5-6
- रसूलों के 'आमाल 09:40-43
- रसूलों के 'आमाल28:23-24
- रोमियों 03:3-4
- 1 कुरिन्थियों 06:1-3
- 1कुरिन्थियों 09:3-6
- 2 कुरिन्थियों 06:14-16
- 'इबरानियों 03:12-13
- 1 युहन्ना 03:23-24

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों की मिसालें:

- **03:04** नूह ने लोगों को बाढ़ के बारे में आगाह किया, और कहा कि ख़ुदा की तरफ़ दिल फिराओ पर उन्होंने नूह पर **यक़ीन** नहीं किया।
- **04:08** अब्राम ने ख़ुदा के 'अहद पर **यक़ीन** किया। ख़ुदा ने 'ऐलान किया कि अब्राम रास्तबाज़ है, क्योंकि उसने ख़ुदा के 'अहद पर **यक़ीन किया** है।
- **11:02** ख़ुदा ने कहा कि, वह इन्सान जो उस पर **यक़ीन करेंगा** वह उसके पहिलौठे बेटे को बचाएगा।
- **11:06** लेकिन मिस्रियों ने ख़ुदा पर यक़ीन नहीं किया था या उनके हुक्मों की इता'अत नहीं की थी |
- **37:05**'ईसा ने जवाब दिया " मैं क़यामत और ज़िन्दगी हूँ | जो भी **ईमान** लाएगा वह और में ज़िन्दा रहूँगा | हर कोई **यक़ीन** रखता है मैं कभी नहीं मरूंगा | क्या आप **यक़ीन** रखते हैं ?"
- **43:01**'ईसा मसीह के आसमान में जाने के बा'द, शागिर्द यरूशलीम में रहेंगे क्यूँकि 'ईसा ने उन्हें हुक्म दिया था | **ईमानदार** एक साथ दु'आ करने के लिए जमा' हुए थे |
- **43:03**जब **ईमानदार**सब एक साथ थे, अचानक वह घर जहाँ वह एक मौजूद थे वह तेज़ हवा की तरह आवाज़ से भरा हुआ था फ़िर कुछ जो आग की लपट की तरह लगती थी जैसे तमाम ईमानदारों के सरों पर आया ठहरी |
- **43:13** हर दिन ज़्यादा _**ईमानदारों** की तादाद बढ़ती रही |
- **46:06** उस दिन से यरुशलीम में बहुत से लोगों ने ईसा के **ईमानदारों** को सताना शुरू' किया इसलिए ईमानदार दूसरी जगह भाग गए | लेकिन उसके बावजूद भी, उन्होंने हर जगह 'ईसा के बारे में तबलीग़ की |
- **46:01** साऊल एक जवान आदमी था जो उन लोगों के कपड़ों की देख रेख कर रहा था, जो लोग इस्तिफ़ुनुस को क़त्ल किया था| उसने 'ईसा पर **यक़ीन** नहीं किया, इसलिए उन्होंने ईमानदारों को परेशान किया

* _46:09यरूशलीम में ज़ूल्म व सितम से भागने वाले कुछ _ईमानदार _ अन्ताकिया शहर में चले गए और 'ईसा के बारे में तबलीग़ की। यह अन्ताकिया कि 'ईसा में _ईमान लाने वालों __ को पहले "मसीही" कहा गया।

- **47:14**उन्होंने बातों में ईमानदार की हौसला अफज़ाई और सिखाने के लिए बहुत से ख़ुतूत भी कलीसियाओं लिखे |

## शब्दकोश:

- Strong's: H539, H540, G543, G544, G569, G570, G571, G3982, G4100, G4102, G4103, G4135

# रखवाला, रखवाले

## ता’अर्रुफ़:

“रखवाला” लफ़्ज़ के हक़ीक़ी मा’ने हैं चरवाहा। इसका इस्ते’माल ईमानदारों की जमा’त के रूहानी रहनुमाके लिए भी किया जाता है।

- अंग्रेजी कलाम में यह लफ़्ज़ एक ही बार इफिसियों के ख़त में आया है। यह लफ़्ज़ वही है जिसको “चरवाहा” कहा गया है।
- कुछ जबानों में “रखवाले” के लिए “चरवाहा” लफ़्ज़ काम में लिया गया है।
- यह वही है जो ‘ईसा के लिए काम में लिया गया था, “अच्छा चरवाहा”

## तर्जुमे की सलाह :

- सबसे अच्छा तो यही होगा कि इस लफ़्ज़ कातर्जुमा , “चरवाहा” किया जाए।
- इस लफ़्ज़ के और तर्जुमे हो सकते हैं, “रूहानी चरवाहा” या “चरानेवाला

(यह भी देखें: चरवाहा, भेंड)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इफिसियों- 04:11-13

## शब्दकोश:

- Strong's: H7462, G4166

# रब्बी

## ता'अर्रुफ़:

"रब्बी" लफ़्ज़ का सही मतलब है "मेरा मालिक" या "मेरा उस्ताद"

- यह एक इज़्ज़त वाला 'उहदा है जो यहूदी मज़हबी उस्ताद के लिए काम में लिया जाता था, ख़ास करके ख़ुदा की शरी'अत का उस्ताद|
- युहन्ना बपतिस्मा देनेवाले को और 'ईसा को भी कभी-कभी शागिर्द "रब्बी" कहते थे।

## तर्जुमे की सलाह:

- इस लफ़्ज़ के तर्जुमा के तरीक़े हो सकते हैं, "मेरा मालिक" या "मेरे उस्ताद" या "मो'अज़्ज़िज़ उस्ताद" या "मज़हबी उस्ताद" कुछ ज़बानों में ऐसे अहतराम को बड़े हर्फ़ में लिखा जाता है तो कुछ में नहीं लिखा जाता है।
- मक़सदी ज़बान में उस्तादों को मुख़ातिब करने का एक ख़ास तरीक़ा हो सकता हैं।
- यक़ीनी बनाएँ कि इस लफ़्ज़ के ऐसे तर्जुमें से 'ईसा किसी मदरसे का उस्ताद न समझ में आए।
- उसी ज़बान के या क़ौमी ज़बान की किताब-ए-मुक़द्दस तर्जुमा में "रब्बी" के तर्जुमा पर भी ध्यान दें।

देखें: नामा'लूम अलफ़ाज़ का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: उस्ताद)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- युहन्ना 01:49-51
- युहन्ना 06:24-25
- मरकुस 14:43-46
- मत्ती 23:8-10

## शब्दकोश:

- Strong's: G4461

# रसूल, रसूलों, रिसालत

## ता’अर्रुफ़:

“रसूलों”, ईसा के ज़रिए' भेजे गए आदमी जो ख़ुदा और उसकी बादशाही के नबी थे। “रसूलियत” या'नी रसूल होने के लिए चुने गए आदमियों का 'उहदा और इख्तियार ।

- “रसूल” लफ़्ज़ का मतलब है, “ख़ास मक़सद के लिए भेजा गया आदमी ”। रसूल के पास वही इख्तियार होता है जो भेजनेवाले के पास है।
- ईसा के वह बारह ख़ास शागिर्द पहले रसूल थे। दूसरे आदमी, जैसे कि पौलुस और या'क़ूब भी रसूल हुए थे।
- ख़ुदा के क़ूव्वत से रसूल बेख़ौफ़ होकर ख़ुशख़बरी सुनाने के लायक़ हुए थे और वह बीमारों को चंगा करते थे और बदरूहों को भी निकालते थे।

## तर्जुमा की सलाह:

- “रसूल” लफ़्ज़ का तर्जुमा ऐसे लफ़्ज़ या जुमलों के ज़रिए' भी किया जा सकता है जिसका मा'ना “भेजा गया आदमी” या “भेजा गया” या “लोगों को ख़ुदा का पैग़ाम सुनाने के लिए बुलाया गया और भेजा गया आदमी ”।
- “रसूल” और “शागिर्द” लफ़्ज़ों का तर्जुमा मुखतलिफ़ लफ़्ज़ो में किया जाना ज़रूरी है।

इस बात का भी ध्यान रखें कि इस लफ़्ज़ का तर्जुमा मक़ामी या क़ौमी ज़बान के कलाम तर्जुमा में कैसा है। (देखें: नए लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करे)

(यह भी देखें: इख्तियार, चेले, या'क़ूब (जब्दी का बेटा), पौलुस, बारह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- यहूदा 01:17-19
- लूका 09:12-14

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल :

- **26:10** फिर ईसा ने बारह लोगों को चुना, जो कि **रसूल** कहलाए। **रसूल** ईसा के साथ-साथ चलते थे और वह ईसा से सीखते थे।
- **30:01** ईसा ने 'एलान करने के लिए और कई अलग- अलग शहरों में लोगों को सिखाने के लिए अपने _शागिर्दों _ को भेजा।
- **38:02** ईसा के **शागिर्दों** में से एक यहूदा नाम का एक आदमी था। वह **शागिर्दों** के माल की देखभाल करता था, वह पैसों से मुहब्बत करता था और अकसर उसमें से चुराता था।
- **43:13** शागिर्द लगातार **रसूलों** से ता'लीम पाने, और शाथ रखने, और रोटी तोड़ने, और दु'आ करने में मशगूल रहे।
- **46:08** तब बरनबास ने उसे अपने साथ **रसूलों** के पास ले जाकर उनको बताया कि दमिश्क़ में इसने कैसे ग़लत तरीक़े से ईसा के नाम से 'एलान किया।

## शब्दकोश:

- Strong's: G651, G652, G2491, G5376, G5570

# रहम, रहमदिल

## ता’अर्रुफ़:

“रहम” और “रहमदिल” लफ़्ज़ों का मतलब है ज़रूरत मन्द लोगों की मदद करना ख़ास करके जब वह कमज़ोर और लाचार हों।

- “रहम” का मतलब यह भी है कि लोगों को उनकी ग़लती की सज़ा न देना।
- कोई ताक़तवर आदमी जैसे बादशाह को “रहमदिल” कहा जाता है जब वह अपनी रि'आया को नुक़सान पहुंचाने की बदले उनके साथ रहम का सुलूक करता है।
- रहमदिल होने का मतलब यह भी है कि किसी को हमारे साथ बुराई करने के लिए मु'आफ़ कर देना।
- जब हम बड़ी ज़रूरत में फंसे लोगों की मदद करते हैं तब हम रहम होता है।
- ख़ुदा हम पर रहम करता है और चाहता है कि हम दूसरों के साथ भी रहम के जैसा सुलूक करें।

## तर्जुमा की सलाह:

- जुमले के मुताबिक़ “रहम” का तर्जुमा “एहसान” या “शफ़क़त” या “”रहम भी किया जा सकता है।
- “रहमदिल” का तर्जुमा “ रहम दिखाना” या “किसी पर महेरबान होना” या “बख़्शने वाला” होना।
- “रहम दिखाना” या “ रहम करना” का तर्जुमा “रहम के जैसे सुलूक करना” या “रहम दिखाना” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: रहम, मु’आफ़)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 पतरस 01:3-5
- 1 तीमुथियुस 01:12-14
- दानिएल 09:17-19
- ख़ुरुज 34: 5-7
- पैदाइश 19: 16-17
- 'इब्रानियों 10:28-29
- या'क़ूब 02:12-13
- लूक़ा 06:35-36
- मत्ती 09:27-28
- फ़िलिप्पियों 02:25-27
- ज़बूर 041:4-6
- रोमियो 12:1-2

## किताब-ए-मुकद्दस की कहानियों से मिसालें:

- **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह मा'बूदों की 'इबादत करना बंद कर दें, और दूसरों के लिए इन्साफ़ और उन पर **रहम** करना शुरू' करें।
- **19:17** एक बार यरमियाह नबी को सूखे कुएँ में डाल दिया और उसे वहाँ मरने के लिए छोड़ दिया। कुएँ में पानी नहीं सिर्फ़ दलदल थी, और यरमियाह कीचड़ में धंस गया, लेकिन तब बादशाह ने उस पर **रहम** किया और उसने अपने ख़ादिमों को हुक्म दिया कि मरने से पहले उसे कुएँ में से निकाल लाए।
- **20:12** फ़ारस की सल्तनत बहुत ही मज़बूत थी लेकिन हारे हुए लोगों के लिए रहम **रहमदिल** था।
- **27:11** तब 'ईसा ने क़ानून के माहिर से पूछा, “ तुम्हें क्या लगता है इन तीनों में से उसका पड़ोसी कौन ठहरा?” उसने जवाब दिया, “ वही जिसने उस पर **रहम** किया।”
- **32:11** लेकिन 'ईसा ने उससे कहा, "नही, मैं चाहता हूँ कि तुम घर लौट जाओ और जाकर अपने दोस्तों और ख़ानदान के लोगों को वह सब बता जो ख़ुदा ने तुझ पर **रहम** करके तेरे लिए कैसे बड़े बड़े काम किए हैं |
- **34:09** लेकिन जिज़्या लेने वाला फ़रीसी दूर खड़े होकर, आसमान की तरफ़ आँखें उठाना भी न चाहा, इसके बजाए अपनी छाती पीट-पीटकर कहा, ‘ऐ ख़ुदा मुझ पर **रहम** कर क्यूँकि मैं गुनाहगार हूँ।’”

## शब्दकोश:

- Strong's: H2551, H2603, H2604, H2616, H2617, H2623, H3722, H3727, H4627, H4819, H5503, H5504, H5505, H5506, H6014, H7349, H7355, H7356, H7359, G1653, G1655, G1656, G2433, G2436, G3628, G3629, G3741, G4698

# रास्तबाज़, रास्तबाज़ी

## ता’अर्रुफ़:

“रास्तबाज़ी ” ख़ुदा की भलाई, इन्साफ़, वफ़ादारी और मुहब्बत के बारे में काम में लिया गया लफ़्ज़ है। इन ख़ुसूसियत के होने से ख़ुदा "रास्तबाज़" बनता है। क्योंकि ख़ुदा रास्तबाज़ है, उसके लिए गुनाह की सज़ा देना ज़रूरी है।

- इन अलफ़ाज़ के ज़रिए’ ख़ुदा के फ़रमाबरदार और नेक इन्सान का भी किरदार का ज़िक्र किया जाता है। लेकिन सबने गुनाह किया है, इसलिए ख़ुदा को छोड़ कोई भी पूरा रास्तबाज़ नहीं है।
- किताब-ए-मुक़द्दस में जिन लोगों को "रास्तबाज़" कहा गया है वे हैं नूह, अय्यूब, इब्राहीम, ज़करियाह और इलीशिबा।
- नजात के लिए ‘ईसा में ईमान करनेवालों को ख़ुदा गुनाहों से पाक करता है और ‘ईसा की रास्तबाज़ी की वजह से उन्हें रास्तबाज़ कहता है।

लफ़्ज़ "नारास्त" का मतलब होता है गुनाह गार और अख़लाक़ी तौर पर बाग़ी| "नारास्त" गुनाह और गुनाहगार होने की हालत के बारे में बताता है|

- ये लफ़्ज़ ख़ास तौर से ऐसे तरीक़े से जीने का ज़िक्र करते हैं जो ख़ुदा की ता’लीमत और हुक्मों का ज़िक्र करते हैं|
- नारास्त लोग अपने ख़्यालों और ‘आमाल में ग़ैरइख़लाक़ी हैं|
- कभी-कभी “नारास्त” उन लोगों के बारे में बात करता है जो ‘ईसा में ईमान करते हैं|

“ईमानदार” और “इमानदारी” लफ़्ज़ ऐसे तरीक़े से काम करते हैं जो ख़ुदा के क़वानीन पर ‘अमल करते हैं|

- इन अलफ़ाज़ का मतलब सीधे खड़े होने और आगे का ख़याल शामिल है|
- एक इन्सान जो “ईमानदार” है वह कोई है जो ख़ुदा के क़वानीन का ‘अमल करता है और अपनी मर्ज़ी की ख़िलाफ़ काम नहीं करता है|
- लफ़्ज़ जैसे "सदाक़त" और "रास्तबाज़ी" एक जैसे मतलब रखते हैंऔर कभी कभी मुतवाज़ी ता’मीरात में इस्ते’माल होते हैं, जैसे “सदाक़त और रास्तबाज़ी” (देखें: मुतवाज़ी

## तर्जुमे की सलाह:

- जब ख़ुदा का ज़िक्र होता है, तब “रास्तबाज़” का तर्जूमा होगा, “पूरी तरह से भला और इन्साफ़ पसन्द” या “हमेशा वफ़ादारी निभानेवाला” हो सकता हैं।
- ख़ुदा की “रास्तबाज़ी” का तर्जुमा “कामिल वफ़ादारी और भलाई” हो सकता है।
- ख़ुदा के फ़रमाबरदार इन्सानों के ज़िक्र में “रास्तबाज़” लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, “अख़लाक़ में सही” या “इन्साफ़ पसन्द ” या “ख़ुदा के ख़ुश करनेवाली ज़िन्दगी गुज़ारने वाले के तौर पर हो सकता हैं”।
- “रास्तबाज़” का तर्जुमा “रास्तबाज़ लोग” या “ख़ुदा का डर मानने वाले लोग” के तौर पर हो सकता है।
- पमज़मून पर मुनहस्सिर “रास्तबाज़ी” का तर्जुमा एक ऐसे लफ़्ज़ या जुमले के ज़रिए’ किया जा सकता है जिसका मतलब, “अच्छाई” या “ख़ुदा के सामने कामिल होना” या ख़ुदा के हुक्म मानकर सही सुलूक करना” या “पूरी तरह से कामिलियत के काम करना” हो सकता है।
- कभी-कभी “रास्तबाज़” लफ़्ज़ का इस्ते’माल ‘अलामती शक्ल में भी किया जा सकता है जिसका मतलब ऐसे इन्सानों से किया गया है जो ख़ुद को रास्तबाज़ समझते हैं” या “लोग जो रास्तबाज़ दिखते है।”
- लफ़्ज़"नारास्त" का तर्जुमा हो सकता है “रास्तबाज़ नहीं”
- मज़मून पर मुनहस्सिर, तर्जुमे के और तरीक़े शामिल हो सकते हैं जैसे “बुरा” या “ग़ैरअख़लाक़ी” या “लोग जो ख़ुदा के ख़िलाफ़ बग़ावत” या “गुनाहगार”|
- जुमले "नारास्त" का तर्जुमा हो सकता है “नारास्त लोग”|
- लफ़्ज़ "नारास्त" का तर्जुमा हो सकता है "गुनाह" या "बुरे ख़याल या ‘आमाल "बुराई."
- अगर मुमकिन हो, ये सब से बेहतर है कि इस तरह इसका तर्जुमा करें जो अपने रिश्ते को “रस्तबाज़, रास्तबाज़ी” से ज़ाहिर करें|
- “सीधे” तर्जुमा करने के तरीक़े में “सही तरीक़े से किरदार” या “जो सही तरीक़े से काम करना है” या ख़ुदा के क़वानीन पर ‘अमल” या “ख़ुदा के फरमाबरदार” या “ सही तरीक़े से सुलूक करना” शामिल हो सकता है|
- “ईमानदारी” लफ़्ज़ का तर्जुमा “इख़लाक़ी पाकी” या “अच्छा इख़लाक़ी किरदार” या “अच्छाई” के तौर पर किया जा सकता है|
- “सीधे” जुमले का तर्जुमा “सीधे लोग” या “सीधे लोग” की शक्ल में किया जा सकता है|

(यह भी देखें: बुराई, वफ़ादार, अच्छा, पाक, integrity, पाक, क़ानून, शरी’अत, हुक्म मानना, सही, रास्तबाज़, गुनाह, ग़ैरक़ानूनी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इस्तिस्ना 19:15-16

- या'क़ूब 01:6-8
- ज़बूर 037:28-30
- ज़बूर 049:14-15
- ज़बूर 107:41-43
- वाइज़ 12:10-11
- यसा'याह 48:1-2
- हिज़क़ीएल 33:12-13
- मलाकी 02:5-7
- मत्ती 06:1-2
- 'आमाल 03:13-14
- रोमियो 01:29-31
- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- गलतियों 03:6-9
- कुल्लुसियो 03:22-25
- 2 थिस्सुलूनिकियो 02:8-10
- 2 तिमथियुस 03:16-17
- 1 पतरस 03:18-20
- 1 युहन्ना 01:8-10
- 1 युहन्ना 05:16-17

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **03:02** लेकिन नूह ने ख़ुदा की तरफ़दारी पायी. वह **रास्तबाज़** आदमी था, और बदकारों की बीच रहता था|
- **04:08** ख़ुदा ने इब्राहीम को **रास्तबाज़**मुकर्रर किया था क्यूँकि वह ख़ुदा के 'अहदनामे में ईमान करता था|
- **17:02** दाऊद एक हलीम और **रास्तबाज़**इंसान था जो ख़ुदा में ईमान और उसकी फरमाबरदारी करता था|
- **23:01** यूसुफ़, जिसने मरियम से मंगनी की थी, जो एक **रास्तबाज़** इन्सान था|
- **50:10** तब**रास्तबाज़** लोग अपने ख़ुदाबाप की बादशाही में सूरज की तरह चमकते हैं|"

## शब्दकोश:

- Strong's: H205, H1368, H2555, H3072, H3474, H3476, H3477, H3483, H4334, H4339, H4749, H5228, H5229, H5324, H5765, H5766, H5767, H5977, H6662, H6663, H6664, H6665, H6666, H6968, H8535, H8537, H8549, H8552, G93, G94, G458, G1341, G1342, G1343, G1344, G1345, G1346, G2118, G3716, G3717

# रूह , रूहें , रूहानी

## त'अर्रुफ़:

“रूह ” इन्सान का वह ग़ैर जिस्मानी हिस्सा है जो दिखाई नहीं देता है। मरने के वक़्त रूह शरीर को छोड़ देती है। “रूह” लफ़्ज़ रवय्या या जज़्बात हालत को भी दिखता है।

- “रूह ” का शरीर नहीं होता है, ख़ास करके बदरूह का।
- इन्सान की रूह वह 'अज़ू है जो ख़ुदा को जानती है और उसमें ईमान करती है।
- “रूहानी ” लफ़्ज़ का 'आम मतलब है, ग़ैर जिस्मानी दुनिया का कोई भी वजूद ।
- कलाम में इसका बयान उस किसी भी बात से है जो ख़ुदा से त'अल्लुक़ रखती है, ख़ास करके पाक रूह से।
- मिसाल केतौर पर , “रूहानी खाना ” या'नी ख़ुदा की ता'लीमें जो इन्सान की रूह की परवरिश करती हैं। “रूहानी, अक़्ल” का मतलब \इल्म और रास्तबाज़ी के जैसा सुलूक जो पाक रूह की ताक़त से हासिल होता है।
- ख़ुदा रूह है और उसने दूसरे रूहानी मख़लूक़ात को पैदा किया है जिसके शरीर नहीं हैं।
- फ़रिश्ते रूहानी रूहें हैं इनमें ख़ुदा से बग़ावत करके बदरूह बननेवाली रूहें भी हैं।
- “रूह” लफ़्ज़ का मतलब “का सा किरदार” जैसे “'अक़्ल की रूह” या “एलियाह की रूह में”।
- रवय्या और जज़्बात के तौर में “रूह” के बारे में होगा, “खौफ़ की रूह ” या “हसद की रूह ”

## तर्जुमा की सलाह:

- जुमले के मुताबिक़ “रूह” के तर्जुमा की कई शक्लें हो सकती हैं, “गैर जिस्मानी ” या “अन्दुरूनी हिस्सा ” या “अन्दुरूनी वजूद ”।
- कुछ बयानों में “रूह ” का तर्जुमा “बदरूह” या “बुरी रूहानी ” से हो सकता है।
- कभी-कभी “आत्मा” शब्द मनुष्य की भावना को व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है जैसे “मेरी रूह अन्दर ही अन्दर परेशान थी”। इसका तर्जुमा “मेरी रूह परेशान थी” या “मुझे गहरा दुख” हो सकता है।
- “की रूह” का तर्जुमा “का किरदार” या “का अन्दाज़” या “का रवय्या” या “सोच के ज़रिए' ख़ासियत” हो सकता है।
- ख़ुलासे के तौर पर, "रूहानी" का तर्जुमा "ग़ैर रूहानी" या " पाक रूह से" या "ख़ुदा" या "ग़ैर -जिस्मानी दुनिया का हिस्सा" की शक्ल में किया जा सकता है।
- मुनासिब जुमला " रूहानी दूध" का तर्जुमा "ख़ुदा की बुनियादी ता’लीम " या "ख़ुदा की ता'लीमों की शक्ल में भी किया जा सकता है जो रूह की परवरिश करते हैं (जैसे दूध करता है)।"
- जुमला रूहानी पुख़्तगी " का तर्जुमा "ख़ुदा के सुलूक के तौर पर किया जा सकता है जो पाक रूह की फ़रमाबरदारी करता है।"
- लफ़्ज़ "रूहानी तोहफ़ा " की शक्ल में तर्जुमा किया जा सकता है "ख़ास सलाहियत पाक रूह देता है ।

(यह भी देखें: फ़रिश्ते, बदरूह, पाक रूह , जान)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- 1 यूहन्ना 04:1-3
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
- रसूलों के 'आमाल 05:9-11
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- इफ़िसियों 04:23-24
- पैदाइश 07:21-22
- यसा'याह 04: 3-4
- मरकुस 01:23-26
- मत्ती. 26:39-41
- फ़िलिप्पियों 01:25-27

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **13:03** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को **रूहानी शक्ल** से तैयार करे ,जब ख़ुदा सीनै पहाड़ पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पहाड़ पर काली घटा छा गई फिर नरसिंगे की बड़ी ज़ोर से आवाज़ हई |
- **40:07** तब 'ईसा ने रोते हुए कहा, “पूरा हुआ! ऐ बाप , मैं अपनी रूह तेरे हाथों में सौंपता हूँ | ” तब 'ईसा का सिर झुक गया, और उसने अपनी रूह को ख़ुदा के हाथ में सौंप दिया |
- **45:05** जब स्तिफ़नुस मरने पर था, वह दु'आ करने लगा कि, “ऐ ख़ुदावन्द ख़ुदा 'ईसा मेरी रूह को क़ुबूल कर |”
- **48:07** सभी लोगों का झुण्ड'ईसा की वजह से मुबारक हुआ, क्यूँकि हर कोई जिसने 'ईसा पर ईमान किया अपने गुनाहों से छुटकारा पाया, और इब्राहीम का एक _रूहानी _ नसल बना |

## शब्दकोश:

- Strong's: H178, H1172, H5397, H7307, H7308, G4151, G4152, G4153, G5326, G5427

# लायक़, क़ीमती, नालायक़ , निकम्मा

## ता’अर्रुफ़:

“लायक़ ” लफ़्ज़ किसी ऐसे इन्सान या चीज़ का बयान करता है जो बड़ाई या इज़्ज़त के लायक़ है। “क़ीमत ” या’नी क़ीमती या ख़ास होना “निकम्मा” या’नी किसी काम का नहीं

- “लायक़ ” या’नी काम का या ख़ास
- “नालायक़ ” या’नी ख़ास काम के लायक़ नहीं
- लायक़ मा’लूम न होना या’नी किसी की बराबरी में कम अहमियत का होना या इज़्ज़त और रहम के सुलूक के क़ाबिल न होना।
- “नालायक़” और “निकम्मा” मुन्सलिक़ लफ़्ज़ हैं लेकिन इनके मतलब अलग-अलग हैं। नालायक़ या’नी इज़्ज़त या मान के लायक़ नहीं । “निकम्मा” या’नी किसी काम का नहीं या किसी अहमियत का नहीं।

## तर्जुमे की सलाह

- “लायक़ ” का तर्जुमा हो सकता है, “क़ाबिलयत ” या “ख़ास ” या “फ़ायदेमंद ”।
- “क़ीमत ” का तर्जुमा हो सकता है “इज़्ज़त ” या “अहमियत ”
- “की क़ीमत ” का तर्जुमा हो सकता है, “क़ीमती होना” या अहम होना।
- “उसकी क़ीमत .... से ज़्यादा है” का तर्जुमा हो सकता है, "की बराबरी में ज़्यादा क़ीमती है।",
- मज़मून पर मुनहसिर “नालायक़” का तर्जुमा हो सकता है, “बिना अहमियत ” या “बे इज़्ज़त ” या “बेकार ”
- “निकम्मा” का तर्जुमा हो सकता है, “किसी काम का नहीं” या “किसी मक़सद का नहीं” या “बिना अहमियत ”

(यह भी देखें: इज़्ज़त

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 समूएल 22:3-4
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:11-12
- रसूलों के 'आमाल 13:23-25
- रसूलों के 'आमाल 25:25-27
- रसूलों के 'आमाल 26:30-32
- कुलुस्सियों 01: 9-10
- यरमियाह 08: 18-19
- मरकुस 01:7-8
- मत्ती 03:10-12
- फिलिप्पियों 01:25-27

## शब्दकोश:

- Strong's: H117, H639, H1929, H3644, H4242, H4373, H4392, H4592, H4941, H6994, H7939, G514, G515, G516, G2425, G2661, G2735

# ला’नत , ला’नती , ला’नत दे, कोसता है

## ता’अरुफ़:

यह लफ़्ज़ “ला’नत ” का मतलब है कि नकारात्मक चीज़े किसी आदमी या चीज़ के साथ हो जिसे ला’नत दी जा रही है।

- ला’नत एक बोल है कि किसी की नुक़सान हो।
- किसी को ला’नत देना एक कलाम या ख़्वाहिश भी हो सकती है कि उस आदमी के साथ बुरा हो।
- इसका बयान किसी के लिए किसी के ज़रिए’ सज़ा देना या दिया जाना या कुछ बुरा सोचना होता है।

## तर्जुमे की सलाह:

- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा “बुरा करवाना” या “बुराई का ऐलान करना” या “बुरी बातें होने की क़सम खाना”, हो सकता है।
- फ़र्माबरदार इन्सानों पर ख़ुदा की ला’नत के बारे में तर्जुमा इस तरह हो सकता है, “बुराई होने की इजाज़त के ज़रिये सज़ा देना”
- “ला’नती ” लफ़्ज़ जब आदमियों के लिए हो तो इसका तर्जुमा हो सकता है “(इसआदमी ) ज्यादा परेशानी का तजुर्बा होगा”।
- जुमलों "ला’नती होना" का तर्जुमा किया जा सकता है, "(उस आदमी ) कठिनाइयों का तजुर्बा हो सकता है।"
- जुमलों , "ला’नती ज़मीन है" का तर्जुमा किया जा सकता है, "ज़मीन उपजाऊ नहीं होगी।"
- “ला’नती हो, जिस दिन मै पैदा हुआ" का भी तर्जुमा किया जा सकता है, "मैं इतना दुखी हूं, बेहतर होता कि मै पैदा ही नहीं होता।"
- हालांकि, अगर मकसदी ज़बान में जुमलों "ला’नती है" है और इसका मतलब एक ही है, तो उसी जुमले को रखना अच्छा है।

(यह भी देखें: बरकत)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 14:24-26
- 2 पतरस 02:12-14
- गलातियों 03:10-12
- गलातियों 03:13-14
- पैदाइश 03:14-15
- पैदाइश 03:17-19
- या'कूब 03:9-10
- गिनती 22:5-6
- ज़ुबूर 109:28-29

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों सेमिसाल:

- **02:09** ख़ुदा ने साँप से कहा, “तुम _ला’नती _ हों।”
- **02:11** “अब ज़मीन _ला’नती _ है, और तुम्हें उसकी पैदावार खाने के लिये कड़ी मेहनत करनी होगी।”
- **04:04** “जो तुझे बरकत देंगे उन्हें मैं बरकत दूँगा और जो तुझे _ला’नत _ देंगे उन्हें मैं _ला’नत _ दूँगा।”
- **39:07** तब पतरस क़सम खाने लगा, “अगर मैं उस आदमी को जानता हूँ तो ख़ुदा मुझे _ला’नत _ दे।”
- **50:16** क्योंकि आदम और हव्वा ने ख़ुदा की हुक्म उदूली किया और इस दुनिया में गुनाह को लाए, इसलिये ख़ुदा ने इसे **बद्दुआ दिया** और इसे हलाक करने का फ़ैसला किया।

## शब्दकोश:

- Strong's: H422, H423, H779, H1288, H2763, H2764, H3994, H5344, H6895, H7043, H7045, H7621, H8381, G331, G332, G685, G1944, G2551, G2652, G2653, G2671, G2672, G6035

# लेपालक, गोद लेना, अपनाना

## ता’अर्रुफ़:

“गोद लेना” और “लेपालक” या'नी माँ-बाप के 'अलावह किसी के ज़रिए' किसी को क़ानूनी तौर से गोद लेने का रद्द-ए-'अमल ।

- कलाम में “लेपालक”लफ़्ज़ का इस्ते'माल 'अलामती शक्ल में किया गया है जो ज़ाहिर करता है कि ख़ुदा, लोगों को अपने ख़ानदान का मिम्बर बनाता है, उन्हें अपना रूहानी बेटा -बेटी बना लेता है।
- लेपालक औलाद होने की वजह ईमानदार मसीह ईसा के साथ वारिस हो गए हैं और उन्हें ख़ुदा के बेटा -बेटी की सब ज़रूरतें हासिल होती हैं।

## तर्जुमा की सलाह:

- इस लफ़्ज़ के तर्जुमा में ऐसा लफ़्ज़ काम में लिया जाए जो माँ-बाप और औलाद के ख़ास रिश्ते को दिखाए । वाजेह " करें कि इसका 'अलामती या रूहानी मतलब साबित हो।
- “लेपालक बेटों का तजुर्बा ” इसका तर्जुमा हो सकता है, “ख़ुदा के ज़रिए' बेटा होने के लिए गोद ले लेना” या “ख़ुदा की (रूहानी )औलाद होना”।
- "बेटों को गोद लेने का इन्तिज़ार करें" इसका तर्जुमा हो सकता है, "ख़ुदा के बच्चे बनने के लिए तैयार हैं " या "उम्मीद में ख़ुदा के लिए इन्तिज़ार करे बच्चों की शक्ल में हासिल करने के लिए"
- जुमला "उन्हें अपनाने" के तौर में तर्जुमा किया जा सकता है "उन्हें अपने बच्चों की शक्ल में हासिल करें" या "उन्हें ख़ुद (रूहानी ) बच्चों को बनाते हैं।"

(यह भी देखें: वारिस, हाकिम होना, रूह )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इफिसियों 01:5-6
- गलातियों 04:3-5
- रोमियो 08:14-15
- रोमियो 08:23-25
- रोमियो 09:3-5

## शब्दकोश:

- Strong's: G5206

# वा’दा की सच्चाई,वा’दा की वफ़ादारी ,महरबानी

## ता’अर्रुफ़:

इस लफ़्ज़ से ख़ुदा के ज़रिये’ उसके लोगों से किये गए वह वा’दों को पूरा करने लिए ख़ुदा की वफ़ादारी ज़ाहिर होती है।

- “ख़ुदा ने इस्राईल से जो वादे किये थे वे रस्मी मुआ’हद: “’अहद ” में थे
- यहोवा के “वा’दा की यक़ीन के लायक़ ” या “वा’दे की वफ़ादारी ” का मतलब है कि वह अपने लोगों से किये गये वा’दों को पूरा करता है।
- ;अहद के वा’दों को पूरा करने में ख़ुदा की वफ़ादार का मतलब है, उसके लोगों के लिए उसके फज़्ल की मर्ज़ी |
- “वफ़ादार ” (मुहब्बत /महरबानी ) एक और लफ़्ज़ है जिसका मतलब है वा’दे को करना और कहने में सौंपना व मुनहसिर करने लायक़ जिससे किसी को फ़ायदा हो।

## तर्जुमे की सलाह:

इस लफ़्ज़ का तर्जुमा मुनहसिर करेगा कि “’अहद ” और “यक़ीन के लायक़ ” तर्जुमा कैसे किया गया है।

- इस लफ़्ज़ के तर्जुमे के और तरीके हैं, “भरोसे मन्द मुहब्बत ” या “वफ़ादारी के साथ हवाले करना ” या “यक़ीनी मुहब्बत |”।

(यह भी देखें: अहद, ईमान, फ़ज़्ल, इस्राईल, ख़ुदा के लोग, वा’दा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- ‘अज़्रा 03:10-11
- गिनती 14:17-19

## शब्दकोश:

- Strong's: H2617

# वा’दा,वा’दे ,वा’दा किया

## ता’अर्रुफ़:

वा’दा किसी काम को करने का ‘अहद है इन्सान किसी बात का वा’दा करता है तो वह उसे करने को ज़िम्मा लेता है।

- किताब-ए-मुक़द्दस में ख़ुदा ने अपने लोगों से अनेक वा’दे किये हैं।
- वा’दे ज़ाहरी समझौतों जैसे ‘अहदों का एक ख़ास हिस्सा होते हैं।
- वा’दा अक्सर क़सम के साथ किया जाता है कि उसका पूरा किया जाना अटल है।

## तर्जुमें की सलाह :

- “ वा’दा” लफ़्ज़ का तर्जुमा , “सौपना ” या “यक़ीन दिलाना ” या “ईमान ” हो सकता है।
- “किसी काम को करने का वा’दा” का तर्जुमा , “किसी को यक़ीन दिलाना कि आप कुछ करेंगे” या “किसी काम को करने का ज़िम्मा ”हो सकता है।

(यह भी देखें: ’अहद, क़सम, ‘अहद )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- गलातियों 03:15-16
- पैदाइश 25:31-34
- इब्रानियों 11:8-10
- याक़ूब 01:12-13
- गिनती 30:1-2

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **03:15** ख़ुदा ने कहा "मैं **वादा** करता हूँ कि मैं फिर कभी ज़मीन पर ला’नत नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को हलाक कर देते हैं, भले ही लोग उस वक़्त से गुनाहगार होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
- **03:16** ख़ुदा ने बादल में पहला कमान बनाया रखा **’अहद** के निशान की शक्ल में। जब भी आसमान में कमान दिखाई देगा, ख़ुदा अपने ’अहद_ को याद करेगा और लोग भी।
- **04:08** ख़ुदा ने अब्राम से कहा और दुबारा **’अहद** किया कि उसको एक बेटा होगा और उसकी औलाद आसमान में तारो की तरह होगी। अब्राम ने ख़ुदा के **’अहद** पर यक़ीन किया।
- **05:04** तुम्हारी बीवी , सारह को एक बेटा होगा - वह **वा’दा** का बेटा होगा।
- **08:15** 'अहद**वा'दा** ख़ुदा ने जो ‘अहद अब्राहम से कियाथा , इब्राहीम के बा’द इसहाक़ से, इसहाक़ के बाद याक़ूब और उसके बारह बेटों व उसके घराने से|
- **17:14**जबकि दाऊद ख़ुदा के लिए भरोसे के लायक़ न रहा, लेकिन ख़ुदा अपने **’अहद** पर खरा था।
- **50:01** ‘ईसा ने **वादा** किया कि दुनिया के आखीर में वह वापस आएगा। अगरचे वह अभी तक वापस नहीं आया है, लेकिन वह अपना वा’दा पूरा करेगा।

## शब्दकोश:

- Strong's: H559, H562, H1696, H8569, G1843, G1860, G1861, G1862, G3670, G4279

# वा’दे का मुल्क

## सच्चाई:

“वा’दे का मुल्क ” किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों में आता है कलाम की ख़बर में नहीं। यह कना’न मुल्क के बारे की एक बदल है वह मुल्क जो ख़ुदा ने इब्राहीम और उसके नसलों को देने का वा’दा किया था।

- जब इब्राहीम ऊर शहर में रहता था तो ख़ुदा ने उसे हुक्म दिया कि वह वहाँ से निकल कर कना’न मुल्क में चला जाए। वह और उसकी नसले इस्राईली वहाँ अनेक सालों तक रहे।
- जब भयंकर अकाल की वजह वहाँ खाना ख़त्म हो गया तब इस्राईली मिस्र चले गए।
- चार सौ सालों के बा’द ख़ुदा ने इस्राईलियों को मिस्र की ग़ुलामी से आज़ादी दिलाई और उन्हें लौटाकर कना’न लाया, वह जगह जिसे देने की वा’दा ख़ुदा ने उनसे किया था

## तर्जुमे की सलाह:

- “वा’दे का मुल्क ” इसका तर्जुमा हो सकता है, “वह मुल्क जिसके लिए ख़ुदा ने इब्राहीम से कहा था कि वह उसे देगा”। या “वह मुल्क जिसका वा’दा ख़ुदा ने इब्राहीम से किया था ”, या “जिस मुल्क का वा’दा ख़ुदा ने अपने लोगों से किया था ” या “कना’न मुल्क ”।
- किताब-ए-मुक़द्दस की तहरीरों में किसी न किसी शक्ल में यह “ख़ुदा के वा’दे का मुल्क ” ज़ाहिर होता है।

(यह भी देखें: कना’न, वा’दा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इस्तिसिना 08:1-2
- हिज़क़ीएल 07:26-27

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **12:01** अब वह (इस्राईली) ग़ुलाम नहीं रहे, और वह _ वा’दे की ज़मीन _ पर जा रहे थे!!
- **14:01** इस्राईलीयों को सीने पहाड़ पर शरी’अत देने के बा’द, जिनका उन्हें ;अहद के मुताबिक़ मानना था, ख़ुदा ने इस्राईलियों की रहबरी _ वा’दे की ज़मीन _, कनान तक किया |.
- **14:02** ख़ुदा ने जो ‘अहद इब्राहीम , इसहाक़ और याक़ूब से किया था, कि वह ‘अहद की ज़मीन उनकी नसलों को देंगा, लेकिन अब वहाँ बहुत से लोगों के झुण्ड रहते हैं |
- **14:14** फिर ख़ुदा लोगों को _ वा’दे की ज़मीन _ के किनारे तक फिर से ले गया
- **15:02** इस्राईलियों को _ वा’दे की ज़मीन _ में दाख़िल करने से पहले यरदन नदी को पार करना था |
- **15:12**जंग के बा’द, ख़ुदा ने इस्राईल के हर एक क़बीले को _ वा’दे की ज़मीन _ में अपना अपना हिस्सा दिया |
- **20:09** यह वह वक़्त था जब ख़ुदा के लोगों को _वा’दे की ज़मीन _ को छोड़ने के लिए मजबूर किया गया, यह मुद्दत वहाँ से निकलने की कहलाई |

## शब्दकोश:

- Strong's: H776, H3068, H3423, H5159, H5414, H7650

# शरी’अत, मूसा की शरी’अत, ख़ुदा की शरी’अत, यहोवा की शरी’अत

## ता’अरुफ़:

ये सब लफ़्ज़ हुक्मों और इस्राईल के ‘अमल के लिए ख़ुदा के ज़रिए’ मूसा को दिए गए हुक्मों का हवाला देते हैं। “शरी’अत” और “ख़ुदा की शरी’अत” अलफ़ाज़ ‘आम’तौर पर उन सब बातों के बारे में इस्ते’माल किए गए है जो ख़ुदा चाहता है कि उसकी क़ौम माने।

- मज़मून पर मुनहस्सिर “शरी’अत” का मतलब होगाः
- पत्थर की पट्टियों पर इस्राईल के ‘अमल करने के लिए ख़ुदा के ज़रिए’ दस हुक्म
- मूसा को दिए गए सब कानून
- पुराने ‘अहदनामे की पहली पांच किताबें
- पूरा पुराना ‘अहदनामा (जिसे नये ‘अहदनामे में पाक कलाम कहा गया है।)
- ख़ुदा के सब हुक्म और मर्ज़ी |
- “शरी’अत और नबी” नये ‘अहदनामे में इब्रानी कलाम (या पुराना ‘अहदनामा) के लिए काम में लिया गया जुमला है।

## तर्जुमे की सलाह:

- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा जमा’ में “शरी’अतें” किया जा सकता है क्योंकि वे कई हैं।
- “मूसा की शरी’अत” का तर्जुमा हो सकता है, “इस्राईल को देने के लिए ख़ुदा ने मूसा को जो कानून सुनाए”।
- मज़मून पर मुनहस्सिर “मूसा की शरी’अत” का तर्जुमा, “मूसा को सुनाए गए ख़ुदा के कानून” या “मूसा के ज़रिए’ लिखे गए ख़ुदा के उसूलों” या "नियम जो कि ख़ुदा ने इस्राईलियों को देने के लिए मूसा को दिया था" के तौर पर हो सकता है।
- “शरी’अत” या “ख़ुदा की शरी’अत” के तर्जुमा में, “ख़ुदा से हासिल उसूल” या “ख़ुदा के हुक्म” या “ख़ुदा ने जो कानून दिए” या “ख़ुदा के ज़रिए’ महकूम सब बातें” या “ख़ुदा के सब हुक्म” भी शामिल हो सकते है।
- “यहोवा की शरी’अत” का तर्जुमा , “यहोवा की शरी’अत” या “ख़ुदा के ज़रिए’ ‘अमल के लिए लागू कानून” या “यहोवा के हुक्म के मुताबिक़ बातें” के तौर पर भी हो सकता है।

(यह भी देखें: हिदायत, मूसा, दस हुक्म, जायज़, यहोवा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के ‘आमाल 15:5-6
- दानिय्येल 09:12-14
- ख़ुरूज 28:42-43
- ‘अज़्रा 07:25-26
- गलातियों 02:15-16
- लूक़ा 24:44
- मत्ती 05:17-18
- नहमियाह 10:28-29
- रोमियो 03:19-20

## किताब-ए-मुक़द्दस कहानियों से मिसालें:

- **13:07** ख़ुदा ने और भी बहुत सी **शरी’अतों** व कवानीन का ‘अमल करने के लिये कहा। अगर वह लोग इन **शरी’अतों** का ‘अमल करेंगे, तो ख़ुदा अपने ‘अहद के मुताबिक़ उन्हें बरकत और उनकी हिफ़ाज़त करेगा। अगर वे इन कवानीन का ‘अमल नहीं करेंगे तो वह सज़ा के हक़दार बनेंगे।\
- **13:09** जो कोई भी **ख़ुदा के शरी’अतों** को नज़रंदाज़ करता है, वह मिलापवाले तम्बू के सामने क़ुर्बानगाह पर ख़ुदा के लिये जानवर की क़ुर्बानी पेश करेगा\
- **15:13** तब यशू’अ ने इस्राईलियों को वह ‘अहद याद दिलाया जो उन्होंने ख़ुदा के साथ सीनै पहाड़ पर बाँधा था, कि वह उसका ‘अमल करेंगे। इस्राईलियों ने ‘अहद बाँधा था कि वे ख़ुदा के लिए वफ़ादार रहेंगे और उसके **हुक्मों** का ‘अमल करेंगे।
- **16:01**यशू’अ के मरने के बाद, इस्राएलियों ने ख़ुदा की आज्ञा का पालन नहीं किया और न ही **ख़ुदा की व्यवस्थाओं** का पालन किया और न ही बचे हुए कनानियो को बाहर निकाला।\

- **21:05** नए 'अहद में ख़ुदा अपनी **शरी'अत** उनके दिलों पर लिखेगा, और लोग ख़ुदा को जानेंगे कि वह ख़ुदा के लोग है, और ख़ुदा उनका गुनाह मु'आफ़ करेगा।\
- **27:01** 'ईसा ने जवाब दिया, "**ख़ुदा की शरी'अत** में क्या लिखा है?"\
- **28:01** 'ईसा ने उससे कहा, "तू मुझे अच्छा क्यों कहता है?" जो अच्छा है वह सिर्फ़ एक ही है, और वह ख़ुदा है। लेकिन अगर तू अबदी ज़िन्दगी का वारिस बनना चाहता है, तो **ख़ुदा के हुक्मों** पर 'अमल करना।"

## शब्दकोश:

- Strong's: H430, H1881, H1882, H2706, H2710, H3068, H4687, H4872, H4941, H8451, G2316, G3551, G3565

# शागिर्द, शागिर्दों

## ता’अर्रुफ़:

“शागिर्द” लफ़्ज़ उस इन्सान के बारे में है जो उस्ताद के साथ बहुत वक़्त गुज़ारता है और उस्ताद के किरदार और ता’लीमों से सीखता है।

- जो लोग ‘ईसा के पीछे चलते थे और उसकी ता’लीमों को सुनकर उन पर ‘अमल करते थे, वे उसके “शागिर्द” कहलाते थे।
- यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के भी शागिर्द थे।
- ‘ईसा के ख़िदमत के वक़्त के दौरान में उसके बहुत से शागिर्द थे और जो उसकी पैरवी करते और उसकी ता’लीमों को सुनते थे।
- ‘ईसा ने बारह शागिर्दों को चुना कि उसके क़रीबी पैरोकार हों, ये शख़्स उसके “रसूल” कहलाए।
- ‘ईसा के बारह रसूल उसके “शागिर्द” या “बारहों” जाने गए|
- ‘ईसा अपने आसमान पर जाने दे ठीक पहले, उसने अपने शागिर्दों को हुक्म दिया कि वे लोगों को ता’लीम दें और उन्हें भी ‘ईसा के शागिर्द बनना सिखाएं।
- जो कोई ‘ईसा पर ईमान रखता और उसकी ता’लीमों का ‘अमल करता है वह ‘ईसा का शागिर्द कहलाता है।

## तर्जुमे की सलाह:

- “शागिर्द” लफ़्ज़ का तर्जुमा ऐसे लफ़्ज़ या जुमले के ज़रिए’ किया जाए जिसका मतलब है, “पैरवी करने वाला” या “तलबा” या “लफ़्ज़” या “सीखने वाला”।
- यक़ीनी करें कि इस लफ़्ज़ का तर्जुमा दर्जे में ‘इल्म हासिल करने वाले तलबा के जैसा नहीं।
- यक़ीनी करें कि इस लफ़्ज़ का तर्जुमा “रसूल” लफ़्ज़ के तर्जुमे से अलग लफ़्ज़ हो।

(यह भी देखें: रसूल, यक़ीन, ‘ईसा, युहन्ना (बपतिस्मा देने वाला), बारहों)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के ‘आमाल 06:1
- रसूलों के ‘आमाल 09:26-27
- रसूलों के ‘आमाल 11:25-26
- रसूलों के ‘आमाल 14:21-22
- यूहन्ना 13:23-25
- लूक़ा 06:39-40
- मत्ती 11:1-3
- मत्ती 26:33-35
- मत्ती 27:62-64

## किताब-इ-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **30:08** ‘ईसा ने रोटियाँ और मछलियाँ तोड़-तोड़ कर **शागिर्दों** को दी कि वे लोगों को परोसे। _ शागिर्दों _ ने रोटियाँ और मछलियाँ सब में बाँट दी, और रोटियाँ और मछलियाँ कम नहीं पड़ी।
- **38:01** ‘ईसा मसीह के अवामी ता’लीमों के तीन साल बा’द अपनी पहली ता’लीम शुरू’ की। ‘ईसा ने अपने _ शागिर्दों _ से कहा कि वह यरूशलीम में उनके साथ ‘ईद का जश्न मनाना चाहता था, और यह वही जगह है जहाँ उसे मार डाला जाएगा।
- **38:11** फिर वह गतसिमनी नाम की एक जगह में अपने _ शागिर्दों _ के साथ आया। ‘ईसा ने अपने _ शागिर्दों _ से कहा कि दु’आ करते रहो कि आज़माइश में न पड़ो।
- **42:10** ‘ईसा ने अपने _ शागिर्दों _ से कहा, “ आसमान और ज़मीन का सारा इख़्तियार मुझे दिया गया है। इसलिये तुम जाओ, सब क़ौमों के लोगों को शागिर्द बनाओ और उन्हें बाप, और बेटे, और पाक रूह के नाम से बपतिस्मा दो और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें हुक्म दिया है, ‘अमल करना सिखाओ।”

## शब्दकोश:

- Strong's: H3928, G3100, G3101, G3102

# शैतान, शैतान, बुरा

## सच्चाई :

शैतान ख़ुदावन्द के ज़रिए' पैदा की हुई एक रूहानी रूह है, लेकिन ख़ुदावन्द से बग़ावत करके वह उसका दुश्मन हो गया। शैतान को " बुरा" भी कहा गया है।

- शैतान ख़ुदावन्द और उसकी पूरी काइनात से नफ़रत करता है, क्यूँकि वह ख़ुदावन्द का मक़ाम लेकर ख़ुदावन्द के जैसी 'इबादत करवाना चाहता है।
- शैतान इन्सानों को ख़ुदावन्द से बग़ावत करने की आज़माइश में डालता है।
- ख़ुदावन्द ने अपने बेटे, 'ईसा को भेजा, कि इन्सानों को शैतान की गिरफ़्त से आज़ाद कराए।

शैतान लफ़्ज़ का मतलब है, "बैरी" या "दुश्मन ।"

- शैतान लफ़्ज़ का मतलब है, "इल्ज़ाम लगाने वाला।"

## तर्जुमा की सलाह:

- "शैतान" लफ़्ज़ का तर्जुमा " इल्ज़ाम लगाने वाला" या "बुरा" या "बदरूहों का बादशाह" या "ख़ास बदरूह" की शक्ल में भी तर्जुमा किया जा सकता है।
- "इबलीस" का तर्जुमा "मुख़ालिफ़" या "बैरी" किया जा सकता है या और कोई लफ़्ज़ जिससे साबित हो कि वह शैतान है।
- इन लफ़्ज़ों का तर्जुमा बदरूह और बुरी रूह से अलग होना है।
- ध्यान दें कि इन लफ़्ज़ों का तर्जुमा मक़ामी या क़ौमी ज़बान में कैसे किया गया है।

(देखें: नए लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करे)

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बदरूह, बुराई, \ ख़ुदा की बादशाही]ख़ुदा की बादशाही, आसमान की बादशाही, आज़माइश करना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 यूहन्ना 03:7-8
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
- 1 तीमुथियुस 05:14-16
- रसूलों के 'आमाल 13:9-10
- अय्यूब 01:6-8
- मरकुस 08:33-34
- जकरियाह 03:1-3

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **21:01** जिस साँप ने हव्वा को धोखे से फल खिलाया था वह **शैतान** था | वा'दा का मतलब यह था कि मसीह **शैतान**को पूरी तरह से शिकस्त देंगा |
- **25:06** फिर **शैतान** ने 'ईसा को दुनिया के सारी सल्तनत और उसकी शान-ओ-शौक़त दिखाकर उससे कहा, "अगर तू गिरकर मुझे सिजदा करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा |"
- **25:08**'ईसा **शैतान** के लालच में नहीं आया, तब **शैतान** उसके पास से चला गया|
- **33:06** तब 'ईसा ने उन्हें समझाया कि, "बीज ख़ुदावन्द का कलाम है।" रास्ता एक ऐसा शख्स होता है जो ख़ुदावन्द का कलाम सुनता है, लेकिन उसे समझ में नहीं आता है, और **शैतान** उस कलाम को उससे ले जाता है।"
- **38:07**रोटी खाते ही, यहूदा में **शैतान** दाख़िल हो गया।
- **48:04**ख़ुदावन्द ने वा'दा किया कि हव्वा की ही एक औलाद **शैतान** का सिर कुचलेगा, और **शैतान** उसकी एड़ी को डसेगा | इसका मतलब यह हुआ कि, **शैतान** मसीह को मार देगा, लेकिन ख़ुदावन्द उसे तीसरे दिन फिर ज़िन्दा कर देगा | 'ईसा **शैतान** की ताक़त को हमेशा के लिए कुचल देगा |
- **49:15** ख़ुदावन्द ने तुम्हें **शैतान** की बादशाही की तारीकी से बाहर निकाला और तुम्हें ख़ुदावन्द की बादशाही की रोशनी में रखा है |
- **50:09** "जंगली दाने उन लोगों की रहनुमाई करते हैं जो **बुराई _ से त'अल्लुक़ रखते हैं| जिस दुश्मन ने जंगली बीज बोये वह _शैतान** की रहनुमाई करता है।"

- **50:10** "जब दुनिया का ख़ात्मा होगा, तो जो लोग **शैतान** के हैं उन सभी लोगों को फ़रिश्ते एक साथ जमा'करेंगे और उन्हें एक धहकती आग में डाल देंगे, जहाँ वे खौफ़नाक मुसीबत की वजह से रोएँगे और अपने दाँत पीसेंगे |
- **50:15** जब 'ईसा वापस आएगा तो वह **शैतान** और उसकी बादशाही को हमेशा के लिये ख़त्म कर देगा| वह **शैतान** को दोज़ख़ में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने ख़ुदावन्द के हुक्म मानने की बजाय उसकी बात मानने का इन्तख़ाब किया|

## शब्दकोश:

- Strong's: H7700, H7854, H8163, G1139, G1140, G1141, G1142, G1228, G4190, G4566, G4567

# सच्चा, सच्चाई, हक़ीक़त

## ता’अर्रुफ़:

“सच्चा” और “सच्चाई” हक़ीक़त के ख़्याल से मुन्सलिक़ हैं, वारदात जो हक़ीक़त मेंहुए , और जो बातें हक़ीक़त में कही गई। ऐसी सोंच को "सच्चा" कहते है।

- सच्ची बातें, सच्ची, हक़ीक़ी इख़्तियार , सही तथा सच्चाई पर मुनहसिर होती हैं।
- सच एक समझ, ईमान , हक़ीक़त या सच्चा कहना होता है।
- यह कहना कि एक नबूव्वत "सच हो गई" या "सच हो जाएगी" का मतलब है कि यह हक़ीक़त में नबूव्वत जैसा हुआ या ऐसा ही होगा।
- सच में एक ख़्याल समाया होता है कि मुनहसिर एवं भरोसेमंदी का काम किया जाए।
- ‘ईसा ने अपने कलामों में ख़ुदा के सच को ज़ाहिर किया था।
- ख़ुदा का कलाम सच है। वह पहले गुज़री हुई बातों की चर्चा करता है और ख़ुदा के बारे में तथा उसकी पूरी तख्लीक़ के बारे में हक़ीक़त की ता’लीम देता है।

## तर्जुमे की सलाह:

- बारे में और सिलसिले के बुनयाद पर "सच" का तर्जुमा ऐसे भी हो सकता है: "हक़ीक़त " या "पहले " या "सही" या "सही " या "यक़ीनी " या "सच्चाई से भरपूर "।
- "सच्चाई " लफ़्ज़ के तर्जुमे हो सकते है "जो सच हा" या " हक़ीक़त " या "यक़ीनी बात" या "तरीक़ा "।
- "पूरा होना" जुमले के तर्जुमे हो सकते है: "हक़ीक़त में हो जाना" या "पूरा हो जाना" या "नबूव्वत पूरी होना"
- "सच्चाई से चलते हुए" या "सच बोले" इन जुमलों के तर्जुमे हो सकते है: "सच कहना" या "जो हक़ीक़त में हुआ वह कहना" या " क़ाबिल-ए-क़ुबूल बात कहना"
- “सच्चाई को क़ुबूल करना” का तर्जुमा “ख़ुदा के बारे में हक़ीक़त पर ईमान रखना ”
- “रूह और सच्चाई में ख़ुदा की इबादत करें”, इस जुमले में, “सच्चाई में” का तर्जुमा हो सकता है, “ख़ुदा ने हमें जो ता’लीम दी है उसका फ़र्मादारी से मानना”

(यह भी देखें :ईमान, वफादार , पूरा , मानना , नबी , समझदार )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 05:6-8
- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 यूहन्ना 02:7-8
- 3 यूहन्ना 01:5-8
- रसूलों के आमाल 26:24-26
- कुलुस्सियों 01:4-6
- पैदाइश 47:29-31
- याक़ूब 01:17-18
- याक़ूब 03:13-14
- याक़ूब 05:19-20
- यरमियाह 04:1-3
- यूहन्ना 01:9
- यूहन्ना 01:16-18
- यूहन्ना 01:49-51
- यूहन्ना 03:31-33
- यशू’अ 07:19-21
- नोहा 05:19-22
- मत्ती 08:8-10
- मत्ती 12:15-17
- ज़ुबूर 026:1-3
- मुकाश्फ़ा 01:19-20

- मुकाश्फ़ा 15:3-4

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों सेमिसालें:

- **02:04** साँप ने औरत को जवाब दिया, “यह **सच** नहीं है ! तुम नहीं मरोगे।
- **14:06** फ़ौरन ही कालेब और यशु’अ , और दो जासूस कहने लगे, "हाँ यह **सही** है कि कना’न के लोग लम्बे और तेज़ है , पर हम यक़ीनी तौर से उन्हें हरा देंगे ! ख़ुदा हमारे लिये उनसे जंग करेगा।"
- **16:01** इस्राईलियों ने यहोवा जो **सच्चा** ख़ुदा है उसकी जगह पर, कना’नियो के मा’बूद की इबादत करना शुरू’ किया।
- **31:08**उन्होंने ‘ईसा की ‘इबादत करी, और उसे कहा, **सचमुच**, तू ख़ुदा का बेटा है |”
- **39:10** मैं ख़ुदा के बारे में सच बताने के लिये ज़मीन पर आया हूँ | हर वह आदमी जिसे **सच्चाई _से मुहब्बत है, मुझे सुनेगा | पिलातुस ने कहा, “**सच_ क्या है?”

## शब्दकोश:

- Strong's: H199, H389, H403, H529, H530, H543, H544, H551, H571, H935, H3321, H3330, H6237, H6656, H6965, H7187, H7189, G225, G226, G227, G228, G230, G1103, G3303, G3483, G3689, G4103, G4137

# सदूक़ी, सदूक़ियों

## ता’अरुफ़ :

मसीह 'ईसा के ज़माने में सदूक़ी यहूदियों के काहिनों में से एक सियासती गिरोह खड़ा हुआ था। जो रोमी बादशाह का मुख़ालिफ़ था और क़यामत में यक़ीन नहीं करता था।

- कई सदूक़ी मालदार ऊँचे दर्जे के यहूदी थे जिनके हाथ में ताक़तवर रहनुमाई के 'उहदे थे जैसे हाकिम काहिन और सरदार काहिन ।
- सदूक़ियों की ज़िम्मेदारी में हैकल की देखरेख करना काहिनीय ख़िदमतें जैसे क़ुर्बानी पेश करना था।
- सदूक़ियों और फ़रीसियों ने 'ईसा को सलीब पर चढ़ाने के लिए रोमी हाकिमों को मजबूर किया था।
- ‘ईसा ने इन दो गिरोहों की ख़ुद ग़र्ज़ी और धोके की मज़म्मत की थी।

(यह भी देखें: हाकिम-काहिनो , मजमा’, सरदार काहिन, धोका, यहूदी रहनुमाओं, फ़रीसी, काहिन)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 04:1-4
- रसूलों के ‘आमाल 05:17-18
- लूक़ा 20:27-28
- मत्ती. 03:7-9
- मत्ती 16:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: G4523

# सबत

## ता'अरुफ़:

"सबत" लफ़्ज़ का मतलब है हफ़्ते का सातवां दिन, जिसके लिए ख़ुदावन्द ने इस्राईल को हुक्म दिया था कि उस दिन, आराम करें, कोई काम न करें।

- ख़ुदावन्द ने छः दिन में 'आलम को बनाया, और सातवें दिन आराम किया। इसी तरह, ख़ुदावन्द ने इस्राईलियों को हुक्म दिया था कि सातवें दिन को पाक मानकर आराम का ख़ास दिन रखें और उसमें 'इबादत करें।
- " सबत के दिन को पाक रखने" का हुक्म दस हुक्मों में एक है जिन्हें ख़ुदावन्द ने पत्थर की तख्तियों पर लिखकर मूसा को इस्राईल के लिए दिए थे।
- यहूदी दिनों के शुमार के मुताबिक़, सबत का दिन जुमा' सूरज ग़ुरुब के बा'द से शुरू' होकर शनीचर सूरज गुरूब तक होता था।
- कलाम में कभी-कभी सिर्फ़ सबत की जगह पर "सबत का दिन" कहा गया है।

## तर्जुमा की सलाह:

- इसको इस तरह से भी तर्जुमा किया जा सकता है जैसे कि "आराम का दिन" या "आराम के लिए दिन" या "काम नहीं करने का दिन" या " ख़ुदावन्द के आराम का दिन।"
- कुछ तर्जुमों में इस लफ़्ज़ को बड़े हरफ़ों में लिखकर ज़ाहिर किया जाता है कि यह एक ख़ास दिन है, जैसे कि "आराम का दिन" या "आराम का दिन।"
- याद रहे कि इस लफ़्ज़ का तर्जुमा मक़ामी ज़बान या क़ौमी ज़बान में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: नए लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: आराम )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तवारीख़ 31:2-3
- रसूलों के 'आमाल 13:26-27
- ख़ुरूज 31:12-15
- यशायाह 56:6-7
- नौहा 02:5-6
- अह्बार 19:1-4
- लूका 13:12-14
- मरकुस 02:27-28
- मत्ती 12:1-2
- नहमियाह 10:32-33

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल :

- **13:05**"तू **सबत के दिन** को पाक मानने के लिये याद रखना | छ: दिन तो तू मेहनत करके अपना सब काम-काज करना, लेकिन सातवा दिन तेरे ख़ुदावन्द यहोवा के लिये आराम का दिन है |"
- **26:02**'ईसा नासरत शहर के पास गया, जहाँ उसने अपना बचपन बिताया था | **सबत** के दिन वह ‘'इबादत करने की जगह पर गया |
- **41:03**'ईसा को दफ़नाने के दिन के बा’द **सबत** का दिन था, और यहूदियों को उस दिन क़ब्र पर जाने की इजाज़त नहीं थी|

## शब्दकोश:

- Strong's: H4868, H7676, H7677, G4315, G4521

# सरदार काहिन

## ता'अर्रुफ़:

"सरदार काहिन" वह काहिन था जो सब इस्राईली काहिनों का रहनुमा मुक़र्रर किया जाता था जिसकी ख़िदमत का 'अरसा एक साल था।

- सरदार काहिन की ख़ास ज़िम्मेदारियाँ थीं| एक सिर्फ़ वही था जो साल में एक बार ख़ास क़ुर्बानी चढ़ाने के लिए साल में एक बार हैकल के सबसे मुक़द्दस मक़ाम में दाख़िल हो सकता था।
- इस्राईल में काहिन तो बहुत थे लेकिन एक बार में एक ही सरदार काहिन होता था।
- जब 'ईसा को बन्दी बनाया गया था तब क़ैफ़ा सरकारी सरदार काहिन था। कभी-कभी क़ैफ़ा के ससुर हन्ना को भी दर्ज़ किया गया है, क्यूँकि वह माज़ी का सरदार काहिन था और यक़ीनन क़ौम पर उसकी क़ुव्वत और इख़्तियार अब भी था।

## तर्जुमें की सलाह:

- "सरदार काहिन" का तर्जुमा " सरदार काहिन" या "सबसे बड़ा काहिन" किया जा सकता है।
- यक़ीनी करें कि इस लफ़्ज़ का तर्जुमा "ख़ास काहिन" से अलग किया जाए।

(यह भी देखें: हन्ना, क़ैफ़ा, सरदार काहिन, काहिन, हैकल)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 05:26-28
- रसूलों के 'आमाल 07:1-3
- रसूलों के 'आमाल 09:1-2
- ख़ुरूज 30:10
- इब्रानियों 06:19-20
- अहबार 16:32-33
- लूक़ा 03:1-2
- मरक़ुस 02:25-26
- मत्ती 26:3-5
- मत्ती 26:51-54

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **13:08 सरदार काहिन** के अलावा कोई भी कमरे के पीछे दाख़िल नहीं हो सकता था, क्यूँकि वहाँ ख़ुदा रहता था|
- **21:07** मसीह जो एक कामिल _ सरदार काहिन_ के पास आएगा जो अपने आप को ख़ुदा के लिए कामिल क़ुर्बानी के तौर पर पेश करेगा|
- **38:03** यहूदी रहनुमाओं, ने **सरदार काहिन** की रहनुमाई में 'ईसा को धोखा देने के लिये यहूदाह को तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए |
- **39:01** फ़ौजियों ने 'ईसा की दु'आ के लिए _ सरदार काहिन_ के घर में 'ईसा की रहनुमाई की और **सरदार काहिन** के लिए उससे सवाल पूँछे|
- **39:03** आख़िर में, **सरदार काहिन** ने 'ईसा की ओर देखकर उससे कहा कि, "हमें बता कि क्या तू मसीह है, ज़िन्दा ख़ुदा का बेटा?"
- **44:07** दूसरे दिन, ऐसा हुआ कि यहूदी काहिन पतरस और यूहन्ना को लेकर **सरदार काहिन** और दीगर मज़हबी इमामों के पास गए।
- **45:02** तब मज़हबी इमामों ने स्तिफनुस को पकड़कर 'अदालत-ए-आलिया में ले गए और उसे **सरदार काहिन** और दीगर यहूदी रहनुमाओं के सामने खड़ा किया गया जहाँ कई और झूठे गवाहों ने स्तिफनुस के बारे में झूठ बोला।
- **46:01 सरदार काहिन** ने शाऊल को यह हुक्म दिया की वह दमिश्क़ शहर में जाकर वहाँ के मसीहियों को पकड़कर वापस यरूशलीम ले आए।
- **48:06** 'ईसा सबसे बड़ा **सरदार काहिन** है। दूसरे काहिनों से अलग, उसने अपने आप को उस एकलौती क़ुर्बानी के तौर पर सुपुर्द कर दिया जो दुनिया के सभी इन्सानों के गुनाहों को हटा सकती है। 'ईसा सबसे अच्छा **सरदार काहिन** है क्योंकि उसने सभी इन्सानों के सभी गुनाहों की सज़ा , जो उन्होंने अपनी ज़िन्दगी में कभी भी किया हो, अपने ऊपर ले लिया।

## शब्दकोश:

- Strong's: H7218, H1419, H3548, G748, G749

# सलीब

## ता’अर्रुफ़:

किताब-ए-मुक़द्दस के ज़माने में सलीब एक लकड़ी का खंभा होता था जिसे ज़मीन में गाड़ कर खड़ा किया जाता था, उसके ऊपरी हिस्से में एक तिरछा खंभा जोड़ा जाता था।

- रोमी सल्तनत के वक़्त में, रोमी हुकूमत ने ख़ताकारों को सलीब पर बांध कर या कीलों से ठोंक कर मरने के लिए छोड़ देते थे।
- ‘ईसा पर ख़ता का झूठा इल्ज़ाम लगाकर रोमियों ने उसे सलीब की मौत दी थी।
- ध्यान दें कि यह काम "पार करना" एक अलग लफ़्ज़ है, जिसका मतलब है कि किसी नदी के किनारे या झील के दूसरी ओर जाना।

## तर्जुमें की सलाह:

- इसका तर्जुमा मक़सदी ज़बान में सलीब का मतलब ज़ाहिर करने वाले लफ़्ज़ से किया जा सकता है।
- सलीब की बयान इस तरह करें कि ज़ाहिर हो कि उस पर आदमियों को मौत की सज़ा दी जाती थी जैसे “सलीबी ” या “पेड़ की मौत ”।
- मुक़ामी ज़बान और क़ौमी ज़बान के किताब-ए-मुक़द्दस के तर्जुमे में इस लफ़्ज़ का तर्जुमा कैसे किया गया है उस पर भी ध्यान दें। (देखें: अनजान लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखे: सलीब पर चढ़ाना, रोम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 01:17
- कुलुस्सियों 02:13-15
- गलातियों 06:11-13
- यूहन्ना 19:17-18
- लूका 09:23-25
- लूका 23:26
- मत्ती 10:37-39
- फिलिप्पियों 02:5-8

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **40:01** सिपाहियों के ज़रिये’ ‘ईसा का मज़ाक उड़ाने के बा’द, वह ‘ईसा को सलीब पर चढ़ाने के लिये ले गए। उन्होंने ‘ईसा से वो _सलीब _ उठवाया जिस पर उसे मरना था।
- **40:02** सिपाही ‘ईसा को उस जगह पर ले गए जो गुलगुता या खोपड़ी की जगह कहलाती है, वहाँ पहुँचकर _सलीब _ पर उसके हाथों और पाँवों को कीलो से ठोक दिया।
- **40:05** यहूदी और और लोग जो भीड़ में थे वह ‘ईसा का मज़ाक उड़ा रहे थे। यह कहकर कि, “अगर तू ख़ुदा का बेटा है तो _सलीब _ पर से उतर जा, और अपने आप को बचा। तब हम तुझ पर ईमान लायेंगे ”
- **49:10** जब ‘ईसा _सलीब _ पर मरे, उन्होंने तुम्हारा क़ुसूर अपने ऊपर ले लिया।
- **49:12** तुम्हें यक़ीन करना होगा कि ‘ईसा ख़ुदा का बेटा है, कि वह तुम्हारी जगह _सलीब _ पर क़ुर्बान हुआ, और यह कि ख़ुदा ने उसे फिर मुर्दों में से ज़िन्दा कर दिया।

## शब्दकोश:

- Strong's: G4716

# सलीब पर चढ़ा, सलीब पर चढ़ाया

## ता’रीफ़:

“सलीब पर चढ़ा” या’नी किसी को सलीब पर लटका कर छोड़ देना कि वह दर्द में होकर मर जाए।

- मुजरिम को सलीब पर बांध कर लटकाया जाता या कीलों से ठोंक कर लटकाया जाता था। सलीब पर लटकाया हुआ आदमी ख़ून की कमी से या सांस लेने में कठिनाई की वजह से मर जाता था।
- पुराने रोमी सल्तनत में सजाए-ए- मौत की यह तरकीब हमेशा काम में ली जाती थी, ख़ास करके ख़तरनाक मुजरिमों के लिए या हुकूमत के बाग़ियों के लिए।
- यहूदियों के रहनुमाओं ने रोमी हाकिमों को मजबूर किया कि वह ‘ईसा को सलीब पर चढ़ाने के लिए सिपाहियों को हुक्म दे। सिपाहियों ने ‘ईसा को कीलों से सलीब पर ठोंका था। ‘ईसा ने मरने से पहले छः घंटे दुःख उठाया था।

## तर्जुमे की सलाह:

- सलीब पर चढ़ाने का तर्जुमा किया जा सकता है, “सलीब पर मौत ” या “सलीब पर कीलों से ठोक कर सज़ा -ए-मौत देना”।

(यह भी देखें: सलीब, रोम

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल . 02:22-24
- गलतियों 02: 20-21
- लूका 23:20-22
- लूका 23:33-34
- मत्ती 20:17-19
- मत्ती 27:23-24

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **39:11** लेकिन यहूदी रहनुमाओं और भीड़ ने चिल्लाकर कहा कि, “उसे सलीब पर चढाओं।”
- **39:12** लेकिन पिलातुस डर गया कि कही कोलाहल न मच जाए, इसलिये उसने ‘ईसा को **सलीब पर चढ़ाए** जाने के लिए सिपाहियों को सौंप दिया।
- **40:01** सिपाहियों के ज़रिये’ ‘ईसा का मज़ाक उड़ाने के बा’द, वह ‘ईसा को **सलीब पर चढ़ाने** के लिये ले गए। उन्होंने ‘ईसा से वो सलीब उठवाया जिस पर उसे मरना था।
- **40:04** ‘ईसा को दो डाकुओ के बीच **सलीब पर चढ़ाया** गया।
- **43:06** “हे इस्राईलियो ये बातें सुनो: ‘ईसा नासरी एक इन्सान था, जिसने ख़ुदा की ताक़त से कई मोजिज़े के कामों और निशानों को ज़ाहिर किया, जो ख़ुदा ने तुम्हारे बीच उसके ज़रिये’कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो तुम ने गुनहगारों के हाथ उसे सलीब पर चढ़वाकर मार डाला।”
- **43:09** "उसी ‘ईसा को जिसे तुमने सलीब पर चढ़ाया।”
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें जवाब दिया, “’ईसा मसीह की क़ुव्वत से यह आदमी तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है। तुमने ‘ईसा को **सलीब पर चढ़ाया**, लेकिन ख़ुदा ने मरे हुओं में से जिलाया।”

## शब्दकोश:

- Strong's: G388, G4362, G4717, G4957

# साफ़ , पाक करना , सफ़ाई

## ता’अर्रुफ़:

“साफ़ ” या’नी बे’ऐब या “ऐसी कोई चीज़ मिली न हो जो नहीं होनी चहिए। किसी चीज़ को साफ़ करना या’नी उसे किसी भी नापाक या गन्दगी करनेवाली से चीज़ आज़ाद करना, साफ़ बनाना।

- पुराने ‘अहद नामे के हुक्मों के मुताबिक “साफ करना” और “साफ़ होना” ख़ासकर किसी चीज़ या आदमी को एसी बातों से पाक करना जो चीज़ या आदमी को नापाक बनाती है जैसे बीमारी , जिस्मानी सुख या बच्चे की पैदाइश से।
- पुराने ‘अहद नामे में आदमियों का गुनाहों से पाकी के भी हल थे कि कैसे गुनाहों से पाक या आज़ाद हुआ जाए आमतौर पर जानवरों की क़ुर्बानी से है। लेकिन यह एक नामुकम्मल शरी’अत थी, इसलिए क़ुर्बानी बार-बार पेश करनी होती थी।
- नये ‘अहद नामे में साफ़ होने का मतलब है गुनाहों से धुल जाना।
- आदमियों के लिए पूरा और गुनाह से छुटकारा केवल तोबा करना और ‘ईसा में ईमान और उसकी मौत के ज़रिए’ ख़ुदा की मु’आफ़ी को क़ुबूल करने के ज़रिए’ होता है।

## तर्जुमे की सलाह:

- “पाक करने” का तर्जुमा हो सकता है, “पाक बनाना” या “साफ करना” या “सब नापाकियों को दूर करना” या “गुनाहों से छुटकारा पाना”
- “उनके पाक होने के दिन पूरे हुए” इस जुमले का तर्जुमा हो सकता है, “जब मुक़र्रेर दिनों तक रूकने के बाद उन्होंने ख़ुद को पाक कर लिया”
- “गुनाहों से पाक होना” इसका तर्जुमा हो सकता है, “इन्सानों के लिए गुनाहों से पूरा हल का रास्ता मुहय्या करा दिया”।
- तर्जुमे के और शक्ल “पाक होना” का तर्जुमा “हल ” या “रूहानी सफ़ाई ” या “रस्म के मुताबिक़ पाक होना” हो सकता है।

(यह भी देखें: तोबा , पाक , रूह )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तीमुथियुस 01:5-8
- ख़ुरूज 31:6-9
- इब्रानियों09:13-15](rc://ur-deva/tn/help/heb/09/13)
- याक़ूब 04:8-10
- लूका 02:22-24
- मुकाशिफ़ा . 14:3-5

## शब्दकोश:

- Strong's: H1249, H1252, H1253, H1305, H1865, H2134, H2135, H2141, H2212, H2398, H2403, H2561, H2889, H2890, H2891, H2892, H2893, H3795, H3800, H4795, H5343, H5462, H6337, H6884, H6942, H8562, G48, G49, G53, G54, G1506, G2511, G2512, G2513, G2514

# साफ़,साफ़ सुथरा,साफ़ किया ,साफ़ करना ,साफ़ होना ,धुलना ,धुलाई ,धोया ,गन्दा

## ता’अर्रुफ़:

“साफ़” के मा’नी हैं मैल या दाग न होना | कलाम में इसका इस्ते’माल अक्सर ‘अलामती शक्ल में किया जाता है कि इसके मा’नी “साफ़” या “पाक” या”बे गुनाह “हो |

- ”सफ़ाई” किसी चीज़ को साफ़ करने की तरतीब है| इसका तर्जुमा “धोना”या “साफ़ करना “हो सकता है |

पुराने ‘अहद नामे में ख़ुदा ने इस्राईल को बताया था कि उसने कौन कौन से जानवरों को “साफ़”और कौन कौन से जानवरों को “गन्दा”मुक़र्रर किया है | केवल साफ़ जानवर ही खाने और क़ुर्बानी पेश करने के लिए काम में लिए जा सकते हैं | इस बारे में "साफ़" लफ़्ज़ के मा’नी है कि जानवर क़ुर्बानी पेश करने में ख़ुदा को क़ुबूल के लायक़ है।

- जिस आदमी को जिल्दी बीमारी होता था वह गन्दा माना जाता था जब तक कि उसकी बीमारी से आज़ाद न हो जाए। जिल्दी सफ़ाई के हुक्मों पर ‘अमल करना ज़रूरी था उस आदमी को फिर “साफ़” किया जाने के लिए।
- कभी कभी “साफ़”लफ़्ज़ को ‘अलामती शक्ल में रूहानी सफ़ाई के लिए इस्ते’माल किया जाता था|

किताब-ए-मुक़द्दस की ज़बान में “गन्दा” लफ़्ज़ किसी ख़ास चीज़ तरफ़ इशारा है जिसको ख़ुदा ने ज़ाहिर कर दिया है की न उसे छूना,खाना,न क़ुर्बानी पेश करना |

- ख़ुदा ने इस्राईलियों को इस बारे में बतादिया है कि कौन सा जानवर तुम्हारे लिए “साफ़”और कौन है “गन्दा” नापाक जानवरों को न खाने की इजाज़त थी न क़ुर्बानी पेश करने की |

लोग जो जिल्दी बीमारी मे है बताया गया है की वह नापाक होंगे जब तक उनको शिफ़ा न मिल जाये | अगर इस्राईल कोई ऐसी “नापाक” चीज़ छूता है तो वह भी कुछ वक़्त के लिए नापाक हो जायेंगे |

- ख़ुदा की फरमाबरदारी हुक्म करता है उस बारे में न छूना ,न खाना ,कोई गन्दी चीज़ इस्राईली लोग इसको ख़ुदा की इबादत से दूर रखें |
- जिस्मानी और मजहबी समझ का निशान है “मज़हबी समझ “
- दूसरे नज़र आने वाले गुनाह “बदरूह “जो बुरी रूह को ज़ाहिर करता है |

## तर्जुमे की सलाह :

- इस लफ़्ज़ का अनुवाद “स्वच्छ” एवं “शुद्ध” के लिए काम में आने वाले सामान्य शब्दों में किया जा सकता है।
- इसमें तर्जुमा करने के और तरीके शामिल हो सकते हैं, "पाक शक्ल से साफ" या "ख़ुदा को कुबूल "
- "साफ़ "; का तर्जुमा"धुलाई" या "पाक" ज़रिये’किया जा सकता है।
- वाज़े’करें कि "साफ़" और "पाक" के लिए इस्तेमाल किए गए लफ़्ज़ों को भी एक ज़ाहिरी मा’नीमें समझा जा सकता है।

“गन्दा” के मा’नी हैं इस का तर्जुमा ऐसे करें “नापाक”या “जो ख़ुदा की निगाह में मुनासिब नहीं””जिस्मानी नापाकी” या ऐब दार “ जो बताता है बदरूह या एक गंदी रूह “गन्दी” इसका तर्जुमा हो सकता है “बुरा “ऐब दार “ ये तर्जुमा ज़ाहिर करता है रूहानी नापाकी | यह किसी भी चीज़ को ज़ाहिर करता है जो खुदा ने बता दिया है जो ना मुनासिब हो छूने ,खाने ,और क़ुर्बानी पेश करने में

(यह भी देखें: पाक,बुरा, नापाक, क़ुर्बानी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 07:1-3
- पैदाइश 07:8-10
- अह्बार 12:15-16
- ज़ुबूर 051:7-9
- अम्साल 20:29-30
- हिज़्क़ीयेल 24:13
- मत्ती 23:27-28
- लूक़ा 05:12-13

- रसूलों के आमाल 08:6-8
- रसूलों के आमाल 10:27-29
- कुलस्सियो 03:5-8
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
- याक़ूब 04:8-10

## शब्दकोश:

- Strong's: H1249, H1252, H1305, H2134, H2135, H2141, H2398, H2548, H2834, H2889, H2890, H2891, H2893, H2930, H2931, H2932, H3001, H3722, H5079, H5352, H5355, H5356, H6172, H6565, H6663, H6945, H7137, H8552, H8562, G167, G169, G2511, G2512, G2513, G2839, G2840, G3394, G3689

# सिय्यून की बेटी

## ता’अर्रुफ़

“सिय्यून की बेटी” इस्राईल के लोगों का ज़िक्र करने करने के लिए एक मा’क़ूल तरीक़ा है| इसका इस्ते’माल अमूमन नबूव्वतों में किया जाता है |

- पुराने ‘अहदनामे में “सिय्यून” लफ़्ज़ यरुशलीम का दूसरा नाम है|
- “सिय्यून” और “यरुशलीम” दोनों लफ़्ज़ इस्राईल के लिए काम में लिए गए हैं|
- लफ़्ज़ “बेटी” परेशानी या अफ़सोस का लफ़्ज़ है| यह ख़ुदावन्द के ज़रिए’ उसकी क़ौम के लिए उसके सब्र और निगहबानी की एक इस्ता’रा है|

## तर्जुमे की सलाह:

- इसके तर्जुमे के तरीक़े हो सकते हैं, “सिय्यून से, मेरी बेटी इस्राईल” या “सिय्यून के लोग, जो मेरे लिए बेटी जैसे हैं” या “सिय्यून, मेरे अज़ीज़ लोग इस्राईल|
- लफ़्ज़ रखना बेहतर है “सिय्यून” इस इज़हार में यह किताब-ए-मुक़द्दस में कई बार इस्ते’माल हुआ है| इसके ‘अलामती मतलब और नबूव्वत के इस्ते’माल की वज़ाहत के लिए एक नुक़्ते को भी शामिल किया जा सकता है|
- इस इज़हार के तर्जुमे में “बेटी” यह भी इसतिलाह में रखना बेहतर है, क्यूँकि इसे सही तरीक़े से समझा जा सके|

(यह भी देखें: यरुशलीम, नबी, सिय्यून)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- यरमियाह 06:1-3
- युहन्ना 12:14-15
- मत्ती 21:4-5

## शब्दकोश:

- Strong's: H1323, H6726

# सिय्योन, सिय्योन पहाड़

## ता'अर्रुफ़:

"सिय्योन" या "सिय्योन पहाड़ " एक मज़बूत क़िले' के बारे में है जिसे बादशाह दाऊद ने यबूसियों से जीता था। दोनो लफ़्ज़ यरूशलीम के बारे में और शक्लों में हुए थे।

- सिय्योन पहाड़ और मोरिय्याह पहाड़ वे दो पहाड़ थे जिन पर यरूशलीम शहर बसा हुआ था। आगे चलकर "सिय्योन" और "सिय्योन पहाड़ " इन पहाड़ों और यरूशलीम शहर के नाम जैसे हुए। कभी-कभी ये लफ़्ज़ यरूशलीम के हैकल के बारे में भी काम में लिए गए हैं। इस्त'अरह)
- दाऊद ने सिय्योन या यरूशलीम को "दाऊदशहर " नाम दिया था। यह जगह दाऊद के अपने जगह , बैतलहम से अलग थी जिसे दाऊद का शहर भी कहा गया है।
- "सिय्योन" लफ़्ज़ के और तम्सीली शक्लों में भी काम में लिया गया है, जैसे इस्राईल के लिए या ख़ुदा के रूहानी मुल्क के लिए या उस नए आसमानी यरूशलीम के लिए जिसे ख़ुदा बनाएगा

(यह भी देखें: इब्राहीम, दाऊद, यरूशलीम, बैतलहम, यबूसी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 11:4-6
- आमोस 01:1-2
- यरमियाह 51:34-35
- ज़ुबूर 076:1-3
- रोमियो 11:26-27

## शब्दकोश:

- Strong's: H6726

# सूबेदार ,सूबेदारों

## ता’रीफ़:

सूबेदार रोमी फ़ौज का हाकिम था जिसके मातहत सौ सिपाही होते थे |

- इसका तर्जुमा ऐसे लफ़्ज़ से किया जा सकता है जिसका मा’नी हो “सौ आदमियों का रहनुमा” या “सिपाही का रहनुमा” या “सौ का असरदार हाकिम”|
- एक सूबेदार ‘ईसा के पास दरख़्वास्त लेकर आया था कि वह उसके ख़ादिम को शिफ़ा दे
- ‘ईसा के मस्लूबियत का गवाह सूबेदार ‘ईसा की मौत को देखकर हैरान हो गया था |
- ख़ुदा ने एक सूबेदार को पतरस के पास भेजा कि पतरस उसे ‘ईसा की ख़ुश ख़बरी सुनाये |

(यह भी देखें :रोम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के आमाल 10:1-2
- रसूलों के आमाल 27:1-2
- रसूलों के आमाल 27:42-44
- |लूका 07:2-5
- लूका 23:46-47
- मरकुस 15:39-41
- मत्ती 08:5-7
- मत्ती 27:54-56

## शब्दकोश:

- Strong's: G1543, G2760

# हरामकारी ,हरामकार बदकार, हराम्कारियाँ ,हराम्कारियों ,हरामकारनी

## ता'अर्रुफ़:

"हरामकार" ,यहाँ तक कि शादी शुदा आदमी के ज़रिये शादी की हदों से बाहर जिस्मानी रिश्ता बनाने का गुनाह दोनों ही हरामकारी के मुजरिम हैं हरामकारी ,ऐसा सुलूक या ऐसा गुनाह करने वाला आदमी

- "हरामकारी" क्या हैं, हाराम्कारी करने वाले आदमी के बारे में
- ज़ानी, हरामकारी करने वाली औरत के बारे में
- हरामकारी -शौहर-बीवी के ज़रिए शादी में किए गए वादों को तोड़ना है
- ख़ुदावन्द ने इस्राईलियों को हरामकारी नहीं करने का हुक्म दिया
- "हरामकारों" ,नए तौर से इस्राईल के लिए काम में लिया गया है जब वह ख़ुदावन्द के ख़ुदा परस्त नहीं होते थे ख़ास करके जब वह झूठे ख़ुदा की इबादत करते थे

## तर्जुमा की सलाह:

- अगर मुश्किल ज़बान में "हरामकारी" का तर्जुमा है तो इसका तर्जुमा एक ही तरह से किया जा सकता है , किसी और की बीवी के साथ जिस्मानी रिश्ता बनाना , या "किसी और के रफीक़-ए-हयात के साथ नाजायज़ रिश्ता बनाना"
- कुछ ज़बानों में "हरामकारी" को साफ़ तौरसे इबयान नहीं किया जाता है जैसे , किसी और के रफीक़-ए-हयात के साथ सोना , या अपनी बीवी से दग़ाबाज़ी करना (देखें)
- जब '' हरामकारी '' का इस्तेमाल किसी मुनासिब मतलब में किया जाता है, तो धोकेबाज़ शौहर /बीवी के साथ तुलना की जा रही उनके हुक्म न मानने वाले लोगों के बारे में ख़ुदावन्द के ख़्यालों के बारे में बयान करने के लिए, यह सबसे अच्छा तर्जुमा करना है अगर यह सही ज़बान में सही ढंग से नहीं बयान किया जाए, तो "हरामकारी" का मुनासिब इस्तेमाल "धोकेबाज़ी" या "बुराई" या "दगाबाज़ शौहर की तरह" के शक्ल में तर्जुमा किया जा सकता है।

(यह भी देखे: \ अहद, [वादा]’अहद , ‘अहदों,नया ‘अहद, [हरामकारी]ज़िनाकारी, ग़ैर इख़लाक़ी, ग़ैर इख़लाक़ी, ज़िना, \ के साथ सोना, \ इमानदार)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- ज़बूर 20:12-14
- होशे’अ 0 4:1-2
- लूका 16:18
- मत्ती 05:27-28
- मत्ती 12:38-40
- मुक़ाश्फा 02:22-23

## कलाम की कहानियों से मिसाल:

- **13:06** "तू हरामकारी न करना।
- __28:02 ज़िनाकारी मत करना
- **34;07 मज़हबी रहनुमाओं ने अपने दिल में इस तरह दुआ की , ऐ खुदावन्द मैं तेरा शुक्र करता हूँ कि मैं दूसरे आदमी की तरह अंधेर करने वाला ना इंसाफ़ी और __हरामकारी** नहीं और न इस महसूल लेने वाले की तरह हूँ

## शब्दकोश:

- Strong's: H5003, H5004, G3428, G3429, G3430, G3431, G3432

# हलाक हो, हलाक हुए, हलाक हो रहे, हलाकत

## ता'अरुफ़:

“हलाक होना” का मतलब है मरना या बर्बाद होना, अक्सर तशद्दुद के ज़रिये'या ग़ज़ब के ज़रिये' किताब-ए-मुक़द्दस में इसका मतलब है दोज़ख़ में हमेशा के लिए सज़ा पाना |

- “हलाक होने वाले” आदमी वह है जिनके लिए यह दोज़ख़ मुक़र्रर हैं क्योंकि उन्होंने अपने नजात के लिए 'ईसा पर 'ईमान लाने से इन्कार किया है।
- यूहन्ना 3:16 की ता'लीम के मुताबिक़ “हलाक होना” या'नी हमेशा के लिए अदन में न होना।

## तर्जुमे की सलाह :

- मज़मून पर मुनहसिर इसके तर्जुमे हो सकते हैं “हमेशा कीमौत ” या “दोज़ख़ की सज़ा भुगतना ” या “हलाक होना”।
- तय करें कि “हलाक होने” का मतलब है, हमेशा के लिए दोज़ख़ में होना न कि केवल “मुस्तक़बिल में ख़त्म होना”

(यह भी देखें: मौत, हमेशा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 पतरस 01:22-23
- 2 कुरिन्थियों 02:16-17
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:8-10
- यारमियाह 18:18-20
- ज़ुबूर 049:18-20
- ज़करियाह 09:5-7
- ज़करियाह 13:8-9

## शब्दकोश:

- Strong's: H6, H7, H8, H1478, H1820, H5486, H5595, H6544, H8045, G599, G622, G684, G853, G1311, G2704, G4881, G5356

# हलीम, हलीम, हलीम बनाया, हलीमी

## ता'अर्रुफ़:

“हलीम” लफ़्ज़ उस इन्सान के लिए काम में लिया जाता है जो अपने आपको औरों से बड़ा नहीं समझता है। वह न तो घमण्डी है न मग़रूर है। हलीमी हलीम होने की खुसीसियतहै।

- ख़ुदा के सामने हलीम होने का मतलब है ख़ुदा की बड़ाई, अक़्ल और कामिलियत के सामने अपने आप की कमज़ोरी और नाकामिलियत को समझना।
- इन्सान अगर हलीम बने तो वह ख़ुद को कम हैसियत के मक़ाम में रखता है।
- हलीमी का मतलब है अपने से ज़्यादा दूसरों की ज़रूरत की ख़बर लेना।
- हलीमी का मतलब यह भी है कि अपने ने'मतों तथा क़ाबिलियत के इस्ते'माल के वक़्त किसी की ख़िदमत में हदों का ‘अमल करना।

“हलीम बनो” का तर्जुमा, “मग़रूर न होना” हो सकता है।

- “ख़ुदा के सामने हलीम बनो” का तर्जुमा हो सकता है, “ख़ुदा की बड़ाई को क़ुबूल करके अपनी मर्ज़ी से ख़ुदा के ताबे' कर दो”।

(यह भी देखें: घमण्ड

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- या'क़ूब 01:19-21
- या'क़ूब 03:13-14
- या'क़ूब 04:8-10
- लूक़ा 14:10-11
- लूक़ा 18:13-14
- मत्ती 18:4-6
- मत्ती 23:11-12

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **17:02** दाऊद एक बहुत ही _ हलीम_ व रास्तबाज़ आदमी था, जो ख़ुदा के हुक्मों का फ़रमाबरदारी करता था।
- **34:10** “जो कोई अपने आप को बड़ा बनाएगा, वह(ख़ुदा)**हलीम** करेगा, और जो अपने आप को **छोटा** बनाएगा, वह बड़ा किया जाएगा।”

## शब्दकोश:

- Strong's: H1792, H3665, H6031, H6035, H6038, H6041, H6800, H6819, H7511, H7807, H7812, H8213, H8214, H8215, H8217, H8467, G858, G4236, G4239, G4240, G5011, G5012, G5013, G5391

# हुक्म,हुक्मों ,हुक्म दिया,हुक्म,ख़ुदा का हुक्म

## ता'अर्रुफ़:

“हुक्म देना”या'नी किसी को कुछ करने का हुक्म देना | “हुक्म” इन्सान को दिया गया हुक्म है|

अगरचे इन लफ़्ज़ों के बुनियादी तौर पर एक ही मा'नी हैं ,”हुक्म” अक्सर ख़ुदा के कुछ ज़रूरी हुक्मों को बताता है जो ज़्यादा सख़्त और मुस्तहकम हैं,जैसे “दस हुक्म'|

- हुक्म अस्बाती हो सकता है (अपने माँ -बाप की इज्ज़त करना) “या न मंज़ूरी करना (“चोरी मत कर”)
- “हुक्म हाथ में लेना” या'नी“इख़्तियार संभालना” या किसी काम या इन्सान की ज़िम्मेदारी संभालना”।

## तर्जुमे की सलाह:

- “इन्तिज़ाम ” लफ़्ज़ का तर्जुमा अलग मा'नी में किया जाना सबसे अच्छा है। “हुक्म” और “फ़रमान” की ता'रीफ़ से भी इसकी बराबरी करें।
- कुछ मुतर्जिम अपनी ज़बान में एक ही लफ़्ज़ के ज़रिए' हुक्म और ख़ुदा के हुक्म का तर्जुमा करना पसंद कर सकते हैं।
- और मुतर्जिम ख़ुदा के हुक्म के लिए एक ख़ास लफ़्ज़ का इस्ते'माल करना पसंद कर सकते हैं, जो कि मुक़ामी, सख़्त हुक्मो को जो ख़ुदा ने बनाए हैं।

(देखें: हुक्म, फ़रमान, इन्तिज़ाम, दस हुक्मो)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- लूका 01:5-7
- मत्ती 01:24-25
- मत्ती 22:37-38
- मत्ती 28:20
- गिनती 01:17-19
- रोमियो 07:7-8

## शब्दकोश:

- Strong's: H559, H560, H565, H1696, H1697, H1881, H2706, H2708, H2710, H2941, H2942, H2951, H3027, H3982, H3983, H4406, H4662, H4687, H4929, H4931, H4941, H5057, H5713, H5749, H6213, H6310, H6346, H6490, H6673, H6680, H7101, H7218, H7227, H7262, H7761, H7970, H8269, G1263, G1291, G1296, G1297, G1299, G1690, G1778, G1781, G1785, G2003, G2004, G2008, G2036, G2753, G3056, G3726, G3852, G3853, G4367, G4483, G4487, G5506

# हैकल

## सच्चाई:

हैकल पर कोटे से घिरा हुआ एक मकान था जहां इस्राईली दुआ करने और क़ुर्बानी पेश करने आते थे। यह हैकल मोरिय्याह पहाड़ पर यरूशलीम शहर में था।

- हैकल लफ़्ज़ पूरे हैकल 'इलाक़े के बारे में काम में लिया जाता था जिसमें ख़ास मकान का घिरा हुआ मैदान भी था। कभी-कभी यह केवल मकान के बारे में काम में लिया गया है।
- हैकल के दो हिस्से थे, पाक जगह और मुक़द्दस जगह
- ख़ुदा हैकल को अपना घर कहता था।
- बादशाह सुलैमान ने अपने शाही वक़्त के दौरान हैकल को ता'मीर किया। यह यरूशलीम में इबादत की मुक़र्रर जगह माना जाता था।
- नये 'अहद नामे में कहा गया है, "रूह-उल-कुद्दूस काहैकल " तो वह इमानदारों के झुण्ड का हवाला देता है क्योंकि पाक रूह उनमें रहता है।

## तर्जुमे की सलाह :

- हैकल में इन्सानों की मौजूदगी की जब चर्चा की गई है तो इसका मतलब है कि वे मकान के बाहर मैदान में थे। इसका तर्जुमा किया जा सकता है, "हैकल के आंगनों में" या "हैकल के मैदान में"।
- जब मकान की चर्चा की जा रही हो तो कुछ ज़बानों में इसका तर्जुमा होगा, "हैकल में" या "हैकल के मकान में" कि साफ़ समझ में आए।
- "हैकल " तर्जुमे की शक्ल में "ख़ुदा का पाक घर" या "पाक इबादतकी जगह " किया जा सकता है।
- किताब-ए-मुक़द्दस में हैकल का बयान "यहोवा काघर " या "ख़ुदा का घर" से है।

(यह भी देखें: क़ुर्बानी, सुलैमान, बाबेल, पाक रूह , सुलह का ख़ेमा, आंगन, सिय्योन, घराना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 03:1-3
- रसूलों के 'आमाल 03:7-8
- हिज़्क़ीएल 45:18-20
- लूका 19:45-46
- नहमियाह 10:28-29
- ज़ुबूर 079:1-3

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक _ हैकल _ की ता'मीर करे जिसमें सभी इस्राईली ख़ुदा की इबादत करें और क़ुर्बानी पेश करें |
- **18:02**यरुशेलीम में, सुलैमान ने अपने बाप के मनसूबे के मुताबिक़ एक _घर _ बनाने का फ़ैसला किया और उसके लिए समान इकठ्ठा किया | अब लोग सुलह के ख़ेमे की जगह पर उस घर में ख़ुदा की इबादत करते और क़ुर्बानी पेश करते थे ख़ुदा _घर _ में मौजूद था, और वह अपने लोगों के साथ रहता था |
- **20:07** उन्होंने यरूशलीम को जीत लिया, हैकल को बर्बाद कर दिया, और शहर व _ हैकल _ की सभी क़ीमती चीज़ों को उनसे छीन कर ले गए |
- **20:13** जब वह लोग वापस यरूशलीम लौटे, उन्होंने _ हैकल _ और साथ ही शहर की आस पास की दीवारों की भी फिर से ता'मीर किया |
- **25:04** तब शैतान 'ईसा को _ हैकल _ के ऊँची जगह पर ले गया और उससे कहा, "अगर तू ख़ुदा का बेटा है, तो अपने आप को नीचे गिरा दे; क्योंकि लिखा है: 'वह तेरे लिये अपने फ़रिश्तों को हुक्म आज्ञा देगा, और वह तुझे हाथों-हाथ उठा लेंगे | कहीं ऐसा न हो कि तेरे पाँवों में पत्थर से ठेस लगे |'"
- **40:07** जैसे ही 'ईसा की मौत हुई, वहा भूकंप आया और _ हैकल _ का बड़ा परदा जो इन्सानों को ख़ुदा की मौजूदगी से दूर रखता था ऊपर से नीचे तक फटकर दो टुकड़े हो गया |

## शब्दकोश:

- Strong's: H1004, H1964, H1965, H7541, G1493, G2411, G3485

# हौसला, हौसलाअफ्ज़ाई

## ता'अरुफ़:

“समझा” या'नी अच्छा काम करने के लिए हौसला अफज़ाई करना और दरख्वास्त करना। ऐसी हौसला को “हौसलाअफ्ज़ाई” कहलाती है।

- “हौसला देने” का मक़सद है इंसान को गुनाह को छोड़ करके ख़ुदा की मर्ज़ी पर चलने के लिए मुता'स्सिर करना।
- नये 'अहद नामें में ईमानदारों को ता'लीम दी गई है कि एक दूसरे को सख्ती से और वैसे मुहब्बत से समझाएं।

## तर्जुमा की सलाह:

- जुमले के मुताबिक़ “हौसला” का तर्जुमा “ज़्यादा दरख्वास्त करना” या “क़ायल करना” या “सलाह देना” भी हो सकता है।
- यक़ीन करें कि इस लफ्ज़ का तर्जुमा ऐसा न लगे कि समझाने वाला नाराज़ है। इस लफ्ज़ से क़ुव्वत और संजीदगी से आगाह करना चाहिए लेकिन नाराज़गी का इज़हार नही होना चाहिए |
- ज़्यादा तर जुमलों में “हौसला” का तर्जुमा“हौसला अफज़ाई” से मुख्तलिफ़ होना है जिसका मतलब है मुता'स्सिर करना, यक़ीन दिलाना, या इत्मिनान देना है।
- इस लफ्ज़ का तर्जुमा “झिड़कना” से भी मुख्तलिफ़ होना है जिसका मतलब है ग़लत सुलूक के लिए आगाह कर देना, या सुधारना है।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10-12
- 1 तीमुथियुस 05:1-2
- लूक़ा 03:18-20

## शब्दकोश:

- Strong's: G3867, G3870, G3874, G4389

# क़ुव्वत , ताक़तें

## ता’अर्रुफ़:

“क़ुव्वत” लफ़्ज़ का मतलब है कुछ करने की हिम्मत या बहुत ज़्यादा ज़ोर लगाकर कुछ होना मुमकिन करना। “ताक़तों ” का बयान इन्सानों या रूहों से है जिनमें कुछ करने की अज़ीम क़ुदरत होती है।

- “ख़ुदा की क़ुव्वत” या’नी सब कुछ मुमकिन बनाने की ख़ुदा कीक़ुदरत , ख़ास करके वे काम जो इन्सान के लिए नामुमकिन है।
- ख़ुदा को अपनी पूरी दुनिया का पूरा इख़्तियार है।
- ख़ुदा जो चाहता है उसे करने के लिए अपने लोगों को क़ुव्वत ‘अता करता है जिससे कि जब वे इंसानों को बीमारी से शिफ़ा ‘अता करें या और मोजिज़े करें तो वह ख़ुदा की क़ुदरत से माने जाएं।
- ‘ईसा और रूह-उल-क़ुद्दूस भी ख़ुदा हैं इसलिए उनकी क़ुव्वत भी एक जैसी है।

## तर्जुमे की सलाह :

- मज़मून के मुताबिक़ “क़ुव्वत ” का तर्जुमा “ताक़त ” या “क़ुदरत ” या “हिम्मत ” या “मोजिज़ों कीताक़त ” या “ज़ोर ” हो सकता है।
- “ताक़तों ” का तर्जुमा हो सकता है, “ताक़तवर जानदार ” या “क़ाबू में करने वाली रूहें ” या “इन्सानों को क़ब्ज़े करने वाले”
- “हमें दुश्मन के हाथों से बचा” का तर्जुमा होगा, “हमें अपने दुश्मनों के ज़ुल्म से बचा” या “हमें अपने दुशमनों के ज़ोर से छुड़ा ले”। * यहां “ताक़त ” का मतलब है इन्सानों को क़ब्ज़े में करने और उन पर ज़ुल्म करने की जिस्मानी क़ुव्वत ”।

(यह भी देखें: रूह-उल-क़ुद्दूस, ‘ईसा , मोजिज़े)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:4-5
- कुलुस्सियों 01:11-12
- पैदाइश 31:29-30
- यिर्मयाह 18:21-23
- यहूदा 01:24-25
- क़ुजात 02:18-19
- लूका 01:16-17
- लूका 04:14-15
- मत्ती 26:62-64
- फिलिप्पियों 03:20-21
- ज़ुबूर 080:1-3

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **22:05** फ़रिश्ते ने उसको जवाब दिया, “रूह-उल-क़ुद्दूस तुझ पर उतरेगा, और ख़ुदा की _ क़ुव्वत _ तुझ पर साया करेगी | इसलिये वह पाक जो पैदा होनेवाला है, ख़ुदा का बेटा कहलाएगा |”
- **26: 1**शैतान की आज़माइश पर फतह पाने के बा’द, ‘ईसा जहाँ वह रहते थे गलील के ‘इलाक़े के लिए पाक रूह की_ क़ुव्वत _ में लौट आए।
- **32:15** ‘ईसा ने फ़ौरन जान लिया कि मुझ में से _ क़ुव्वत _ निकली है |
- **42:11** ‘ईसा के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बा’द, उसने अपने शागिर्दों से कहा कि तुम यरूशलीम में ही रहना जब तक कि मेरा बाप से तुम्हे पाक रूह का _ क़ुव्वत _तुम्हे न दे |”
- **43:06**“हे इस्राईलियो ये बातें सुनो: ‘ईसा नासरी एक इन्सान था, जिसने ख़ुदा की **क़ुव्वत** से कई हैरानी के कामों और निशानों को ज़ाहिर किया, जो ख़ुदा ने तुम्हारे बीच उसके ज़रिये’ कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो |
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें जवाब दिया, “’ईसा मसीह की **क़ुव्वत** से यह आदमी तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है |

## शब्दकोश:

- Strong's: H410, H1369, H2220, H2428, H2429, H2632, H3027, H3028, H3581, H4475, H4910, H5794, H5797, H5808, H6184, H7786, H7980, H7981, H7983, H7989, H8280, H8592, H8633, G1411, G1415, G1756, G1849, G1850, G2478, G2479, G2904, G3168

# क़ुसूर, क़ुसूरों, धोका किया

## ता’अरुफ़:

“क़ुसूर” का मतलब है कानूनों की ख़िलाफ़ वर्ज़ी करना या किसी इन्सान के इख्तियारों पर क़ब्ज़ा करना। “क़ुसूर” करने के काम को "क़ब्ज़ा " कहते है।

- क़ुसूर एख़्लाक़ी या शहरी क़ानूनों का तोडना हो सकता है या किसी इन्सान के ख़िलाफ़ में गुनाह करना।
- इस लफ़्ज़ का ता’अल्लुक़ “गुनाह ” और “क़ुसूर” लफ़्ज़ों से है, ख़ास करके जब यह ख़ुदा के हुक्म न मानने के बारे में हो।
- सब गुनाह ख़ुदा के ख़िलाफ़ क़ुसूर हैं।

## तर्जुमे की सलाह:

- बयान के मुताबिक़ "तेरा क़ुसूर " का तर्जुमा हो सकता है "तेरे ख़िलाफ़ गुनाह " या “क़ानून तोड़ना” हो सकता है।
- कुछ ज़बानों में मुहावरे हो सकते हैं जैसे “हद पार करना”, “क़ुसूर” के लिए इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।
- देखें कि यह लफ़्ज़ किताब-ए-मुक़द्दस में इसके मज़मून के मतलब के साथ कैसे मिलता है और इसकी बराबरी और एक जैसे लफ़्ज़ों के साथ करें जैसे “क़ुसूर करना” और “गुनाह करना”।

(यह भी देखें: [ नाफ़रमानी , नारास्ती के काम, गुनाह , ख़िलाफ़ वर्ज़ी करना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 समूएल 25:27-28
- 2 तवारीख़ 26:16-18
- कुलुस्सियों 02:13-15
- इफिसियों 02:1-3
- हिज़क़ीएल 15:7-8
- रोमियो 05:16-17
- रोमियो 05:20-21

## शब्दकोश:

- Strong's: H816, H817, H819, H2398, H4603, H4604, H6586, H6588, G264, G3900

# ख़ादिम, ख़ादिमों

## ता'अरुफ़:

बुज़ुर्ग वह शख़्स होता है जो मक़ामी कलीसिया में ख़िदमत का काम करता है, और साथी ईमानदारों की ज़रूरतों जैसे, खाने या पैसे की मदद करता है|

- "बुज़ुर्ग" लफ़्ज़ यूनानी लफ़्ज़ "डीकन" से लिया गया है, जिसका मतलब "नौकर" या "वज़ीर" है|
- शुरू'आती कलीसिया के वक़्त ही से बुज़ुर्ग की ज़िम्मे'दारी कलीसिया में एक अच्छी ता'रीफ़ और ख़िदमत रही है।
- मिसाल के तौर पर, नये 'अहदनामे के ज़माने में बुज़ुर्ग तय करते थे कि ईमानदार जो पैसा और खाना फ़राहम करवाते थे, उसका बंटवारा बेवाओं में बिना तरफ़दारी से किया जाए।
- "बुज़ुर्ग" लफ़्ज़ का तर्जुमा किया जा सकता है, "कलीसिया का ख़ादिम" या "कलीसियाई के काम करने वाला" या "कलीसिया का नौकर" या और कोई जुमला जिसके ज़रिए' ज़ाहिर हो कि मक़ामी मसीही क़बीले के लिए फ़ायदेमन्द ख़ास काम के लिए रस्मी तौर पर मुक़र्रर किया गया शख़्स|

(यह भी देखें: वज़ीर, नौकर)

## क़िताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तीमुथियुस 03:8-10
- 1 तीमुथियुस 03:11-13
- फ़िलिप्पियों 01:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: G1249

# ख़िदमत करना, ख़िदमत

## ता’अर्रुफ़:

कलाम में “ख़िदमत” लफ़्ज़ का बयान लोगों को ख़ुदा के बारे में ता'लीम देना और उनकी रूहानी ज़रूरतों को पूरा करना ख़िदमत करने से था।

- पुराने 'अहद नामे में काहिन हैकल में नज़र पेश करके ख़ुदा की ख़िदमत करते थे।
- उनकी “ख़िदमत” में हैकल की देखरेख और लोगों की तरफ़ से ख़ुदा के लिए दु'आ करना भी होता था।
- लोगों की ख़िदमत के काम में ख़ुदा के बारे में ता'लीम देकर उनकी रूहानी ख़िदमत करना भी था।
- इसके बारे में उनकी दुनियावी ख़िदमत भी थी जैसे रोगियों की ख़बर लेना और ग़रीबों को खाना देना।

## तर्जुमा की सलाह:

- लोगों की ख़िदमत के बारे में “ ख़िदमत करना” का तर्जुमा “देखभाल ” या “ख़बर लेना” या “ज़रूरतें पूरी करना” भी हो सकता है।
- लोगो की हैकल में ख़िदमत के बारे में “ख़ादिम” लफ़्ज़ का तर्जुमा” हैकल में ख़ुदा की ख़िदमत करना” या “लोगों के लिए ख़ुदा के सामने क़ुर्बानी पेश करना ” हो सकता है।
- ख़ुदा की ख़िदमत के बारे में इसका तर्जुमा “ ख़िदमत करना” या “ख़ुदा के लिए काम करना” हो सकता है।
- “ ख़िदमत की” का तर्जुमा “ख़बर ली” या “देखभाल किया” या “मदद की” हो सकता है।

(यह भी देखें: ख़िदमत करना, क़ुर्बान)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 शमूएल 20:23-26
- रसूलों के 'आमाल 06:2-4
- रसूलों के 'आमाल 21:17-19

## शब्दकोश:

- Strong's: H6399, H8120, H8334, H8335, G1247, G1248, G1249, G2023, G2038, G2418, G3008, G3009, G3010, G3011, G3930, G5256, G5257, G5524

# ख़ुदा का कलाम,ख़ुदा के कलामों ,यहोवा का कलाम ,ख़ुदावन्द का कलाम ,पाक कलाम ,किताब-ए-मुक़द्दस

## ता’अर्रुफ़:

किताब-ए-मुक़द्दस में “ख़ुदा का कलाम ” उन सभी चीजों को बयान करता है जो ख़ुदा ने लोगों को बताया था। इसमें बोले गए और लिखे हुए पैग़ाम शामिल हैं। ‘ईसा को भी “ख़ुदा का कलाम ” कहा गया है।

“पाक कलाम ” का मतलब है “लिखा ”। नये .अहद नामे में “पाक कलाम ” का बयान इब्रानी किताब-ए-मुक़द्दस या पुराना ‘अहद नामे से है। ये लेख ख़ुदा वन्द का पैग़ाम है जो उसने इन्सानों से लिखने को कहा कि मुस्तक़बिल में पढ़ा जा सके।

- इससे मुन्सलिक़ लफ़्ज़ है, “यहोवा का कलाम ” या “ख़ुदावंद का कलाम ” आमतौर पर ख़ुदा के ख़ास पैगामों के बारे में है जो किसी नबी या किसी आदमी को दिया गया।
- कभी-कभी केवल यही लिखा है, “कलाम ” या “मेरा कलाम ” या “तेरा कलाम ” (ख़ुदा के कलाम के बारे में)
- नये ‘अहद नामे में ‘ईसा को “कलाम ” या “ख़ुदा का कलाम ” कहा गया है। इन ‘ओहदों का मतलब है कि ‘ईसा खुदा को पूरी तरह ज़ाहिर करता है क्योंकि वह ख़ुद ख़ुदा है।

“कलाम की सच्चाई “का मतलब है की एक और तरीक़ा यह है की ख़ुदा के कलाम का हवाला देते हुए जो उस का ‘पैग़ाम “या “तदरीस “है यह सिर्फ़ एक लफ़्ज़ का हवाला नहीं देता है |

- ख़ुदा का सच्चा वा’दा सब के लिए है उस की तखलीक और ‘ईसा के ज़रिये’ नजात का मन्सूबा बनाया |
- तम्सीली मतलब “लफ़्ज़ों” ये हकीक़त पर ज़ोर देता है कि ख़ुदा ने हम से क्या कहा है ,वह सच्चा ,वफ़ादार और हक़ीक़ी है |

## तर्जुमे की सलाह

- मज़मून के मुताबिक़ इस लफ़्ज़ के तर्जुमे के तरिके है, “यहोवा का पैग़ाम था” “ख़ुदा का पैग़ाम ” या “ख़ुदा की ता’लीमें ”
- कुछ ज़बानों में इसका जमा’ ज़्यादा इखलाकी होगा, “ख़ुदा के कलाम ” या “यहोवा के कलाम ”
- “यहोवा का कलाम पहुंचा” यह कलाम हमेशा खुदा के ज़रिये’ नबुव्वतों या इन्सानों को दिए गए पैग़ाम का शुरू’आत ज़ाहिर करती हैं। इसका तर्जुमा इस तरह किया जा सकता है, “यहोवा ने यह पैग़ाम दिया” या “ख़ुदा ने ये कलाम कहे”।
- “किताब-ए-मुक़द्दस” या “पाक कलामों ” का तर्जुमा “लेखे” या “ख़ुदा के लिखे पैग़ाम” की शक्ल में किया जा सकता है। इस आयत का तर्जुमा " लफ़्ज़ " से अलग तरह से किया जाना चाहिए।
- जब " लफ़्ज़ " अकेला होता है और यह ख़ुदा के कलाम को ज़ाहिर करता है, इसका तर्जुमा " पैग़ाम " या " ख़ुदा का लफ़्ज़ " या "ता’लीमों " की शक्ल में किया जा सकता है। मुन्दर्जा ज़ेल सलाह के मुताबिक़ तर्जुमो पर भी ध्यान दें।
- जब किताब-ए-मुक़द्दस ‘ईसा को "लफ़्ज़" के तौर पर हवाला देती है, तो इस लफ़्ज़ का तर्जुमा "पैग़ाम " या "सच " की शक्ल में किया जा सकता है।
- सच्चाई का कलाम “खुदा का सच्चा पैग़ाम है खुदा का लफ़्ज़ का तर्जुमा किया जा सकता है |
- यह बहुत ज़रूरी तर्जुमे के लिए की सच्चाई के मतलब को शामिल करें |

(यह भी देखें: नबी, कलाम, यहोवा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 15:1-3
- 1 सलातीन 13:1-3
- यरमियाह 36:1-3
- लूका 08:11-13
- यूहन्ना 05:39-40
- रसूलों के 'आमाल 06:2-4
- रसूलों के 'आमाल 12:24-25
- रोमियो 01:1-3
- 2 कुरन्थियूस 06:4-7
- इफ़ीसियों 01:13-14
- 2 तीमुथियूस 03:16-17

- याक़ूब 01:17-18
- या'क़ूब 02:8-9

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाले:

- **25:07** ख़ुदा के कलाम __ में वह अपने लोगों को हुक्म देता है कि 'तू ख़ुदावन्द अपने ख़ुदा की इज़्ज़त कर, और केवल उसी की ‘इबादत कर।’”
- **33:06** तब ‘ईसा ने उन्हें समझाया कि, “बीज _ख़ुदा का कलाम _ है ।
- **42:03** फिर ‘ईसा ने उन्हें समझाया कि _ख़ुदा का कलाम _ मसीहा के बारे में क्या कहता है
- **42:07** ‘इसा ने कहा, जो बाते मैंने तुम्हारे साथ रहते हुए तुम्हे बताई थी कि _ख़ुदा के कलाम _ में जो कुछ भी मेरे बारे में लिखा है वह सब पूरा होगा।" तब उसने _पाक कलाम _ समझने के लिये उनकी अक्ल खोल दी।
- **45:10** फिलिप्पुस ने और _किताबों _ का भी इस्तेमाल करके उसे ‘ईसा की ख़ुश ख़बरी सुनाया।
- **48:12** लेकिन ‘ईसा सबसे अज़ीम नबी है। वह _ ख़ुदा का कलाम _ है।
- **49:18** ख़ुदा कहता है कि हम दुआ’ करें, उसका _कलाम _ पढ़ें, और मसीही लोगों के साथ उसकी ‘इबादत करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

## शब्दकोश:

- Strong's: H561, H565, H1697, H3068, G3056, G4487

# ख़ुदा की बादशाही, आसमान की बादशाही

## ता’अर्रुफ़:

“ख़ुदा की बादशाही” और “आसमान की बादशाही” दोनों ही ख़ुदा की बादशाही और इख़्तियार के बारे में है और जो उसकी क़ौम और पूरी मख़लूक़ पर है।

- यहूदी “आसमान” लफ़्ज़ को अक्सर ख़ुदा के बारे में काम में लेते थे कि उसका सीधे तौर से नाम न लें। (देखें: मिजाज़-ए-‘इल्म बयान
- नये ‘अहदनामे में मत्ती के ज़रिए’ लिखी किताब में मत्ती ख़ुदा की बादशाही को “आसमान की बादशाही” कहता है क्योंकि उसका बुनियादी तौर पर यहूदी सुनने वाले को लिख रहा था।
- ख़ुदा की बादशाही का मतलब है ख़ुदा इन्सानों पर रूहानी तौर के साथ साथ जिस्मानी दुनिया पर भी बादशाही करता है|
- पुराने ‘अहदनामे के नबियों ने कहा था कि ख़ुदा अपना मसीह भेजेगा कि वह रास्तबाज़ी के साथ बादशाही करे। ख़ुदा का बेटा, ‘ईसा ही वह मसीह है जो ख़ुदा की बादशाही में अबद तक बादशाही करेगा।

## तर्जुमे की सलाह:

- मज़मून पर मुनहस्सिर “ख़ुदा की बादशाही” का तर्जुमा, “ख़ुदा की हुकूमत(बादशाह की शक्ल में)” या “जब ख़ुदा बादशाह की शक्ल में बादशाही करेगा” या “सब पर ख़ुदा की बादशाही” किया जा सकता है।
- लफ़्ज़“आसमान की बादशाही” का तर्जुमा “बादशाह के तौर पर आसमान से ख़ुदा की हुकूमत” या “ख़ुदा जो आसमान में है बादशाही करता है” या “आसमान की बादशाही” या “सब कुछ पर आसमान की हुकूमत” के तौर पर भी किया जा सकता है। अगर यह आसान और ज़ाहिरी तौर पर तर्जुमा करना मुमकिन नहीं है, तो तर्जुमा "ख़ुदा की बादशाही" किया जा सकता है।
- कुछ मुतरज्जिम अंग्रेज़ी में हेवन(आसमान)लफ़्ज़ का पहला हर्फ़ बड़ा रखते हैं ताकि ये ख़ुदा का हवाला दे। और जुमलों में एक ‘अलामत इस्तिलाह शामिल कर सकते हैं, जैसे "आसमान की बादशाही" (मतलब 'ख़ुदा की बादशाही')। "
- छपे हुए किताब-ए-मुक़द्दस के वर्क़ के नीचे इस तफ़सील में "आसमान" के मतलब को समझाने के लिए एक हाशिये का इस्ते’माल कर सकते है।

(यह भी देखें: ख़ुदा, आसमान, बादशाह, बादशाही, यहूदियों का बादशाह, हुकूमत)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 थिस्सलुनीकियों 01:3-5
- रसूलों के ‘आमाल 08:12-13
- रसूलों के ‘आमाल 28:23-24
- कुलुस्सियों 04:10-11
- यूहन्ना 03:3-4
- लूक़ा07:27-28
- लूक़ा10:8-9
- लूक़ा12:31-32
- मत्ती 03:1-3
- मत्ती 04:17
- मत्ती 05:9-10
- रोमियो 14:16-17

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **24:02** उसने(यूहन्ना) उनसे कहा, “तौबा करो क्योंकि **आसमान की बादशाही** क़रीब आ गई है !”
- **28:06** तब ‘ईसा ने अपने शागिर्दों से कहा, "मैं तुम से सच सच कहता हुँ कि दौलतमन्द का **आसमान की बादशाही** में दाख़िल करना मुश्किल है। तुमसे, फिर कहता हूँ कि **ख़ुदा की बादशाही** में दौलतमन्द के दाख़िल करने से ऊँट का सूई के नाके में से निकल जाना आसान है।”
- **29:02** ‘ईसा ने कहा “ इसलिये **आसमान की बादशाही** उस बादशाह के जैसी है, जिसने अपने गुलामों से हिसाब लेना चाहा।
- **34:01** ‘ईसा ने उन्हें **आसमान की बादशाही** के बारे में और कहानियाँ बताई। मिसाल के लिये, उसने कहा, “**आसमान की बादशाही** राई के एक दाने के समान है, जिसे किसी इन्सान ने लेकर अपने खेत में बो दिया।
- **34:03** ‘ईसा ने एक और कहानी उन्हें बताई, “**आसमान की बादशाही** ख़मीर के समान है जिसको किसी ‘औरत ने लेकर कुछ आटे में मिला दिया और होते-होते वह सारा आटा ख़मीर हो गया।”

- **34:04** “**आसमान की बादशाही** छिपी हुए दौलत की तरह है, जिसे किसी इन्सान ने खेत में छिपाया। एक दुसरे इन्सान को वह दौलत मिली और उसने भी उसे वापस छिपा दिया।”*

**34:05** “**ख़ुदा की बादशाही** बेशक़ीमती मोती की तरह भी है।”

- **42:09** उसने ऐसे कई तरीक़ों से अपने शागिर्दों को साबित किया कि वह ज़िन्दा है और उन्हें **ख़ुदा की बादशाही** की ता’लीम देता रहा।
- **49:05** ‘ईसा ने कहा कि **ख़ुदा की बादशाही** इस दुनिया की सारी चीज़ों से कहीं ज़्यादा क़ीमती है।
- **50:02** जब ‘ईसा ज़मीन पर रहता था तो उसने कहा, "मेरे शागिर्द दुनिया में हर जगह लोगों को **ख़ुदा की बादशाही** के बारे में ख़ुशख़बरी का ‘ऐलान करेंगे, और फिर आख़िर आ जाएगा।"

## शब्दकोश:

- Strong's: G932, G2316, G3772

# ख़ुदा की मर्ज़ी

## ता’अर्रुफ़:

“ख़ुदा की मर्ज़ी का बयान ख़ुदा की ख़्वाहिश और मंसूबे से है।

- ख़ुदा की मर्ज़ी ख़ास करके इन्सानों के साथ उनकी बातचीत से है और वह इन्सानों से अपने लिए कैसी रद्दे’अमल चाहता है, उससे मुन्सलिक है।
- इसका बयान उसके मंसूबों और ख़्वाहिश से है जो उसकी पूरी तख्लीक के ता’अल्लुक में हैं।
- “ख़्वाहिश करना” का मतलब है, “ठान लेना” या “आरज़ू करना” से है।

## तर्जुमा की सलाह:

- “ख़ुदा की मर्ज़ी ” का तर्जुमा हो सकता है, “ख़ुदा की ख़्वाहिश क्या है” या “ख़ुदा ने क्या मंसूबा बनाया है” या “ख़ुदा का मक़सद ” या “ख़ुदा को क्या ख़ुशी देता है”

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:3-6
- कुलुस्सियों 04:12-14
- इफिसियों 01:1-2
- यूहन्ना 05:30-32
- मरकुस 03:33-35
- मत्ती 06:8-10
- ज़ुबूर103:20-22

## शब्दकोश:

- Strong's: H6310, H6634, H7522, G1012, G1013, G2307, G2308, G2309, G2596

# ख़ुदा की क़ौम , मेरे लोग

## ता’अर्रुफ़:

“ख़ुदा की क़ौम” या’नी ख़ुदा ने दुनिया में से जिन लोगों को बुलाकर अलग कर लिया कि उसके साथ ख़ास रिश्ते में रहें।

- ख़ुदा कहता है “मेरे लोग ” तो वह उन लोगों के बारे में कह रहा है जिन्हें उसने चुन लिया है और उनके साथ उसका रिश्ता सबसे अलग है।
- ख़ुदा की क़ौम उसके ज़रिये’ चुनी हुई है और दुनिया से अलग की गई है कि उसे ख़ुश करने की ज़िन्दगी जीएं। ख़ुदा उन्हें अपनी औलाद भी कहता है।
- पुराने ‘अहद नामे में ख़ुदा के लोग (क़ौम) इस्राईल के बारे में है जिन्हें ख़ुदा ने चुन कर ग़ैर क़ौमों से अलग कर लिया कि उसकी ख़िदमत करें और उसका हुक्म मानें।
- नये ‘अहद नामे में “ख़ुदा के लोग” का मक़सद उन सब इन्सानों से है जो ‘ईसा में यक़ीन करते हैं और उन्हें कलीसिया कहा गया है। कलीसिया में यहूदी और ग़ैर क़ौमें ईमान दार दोनों हैं।

## तर्जुमे की सलाह:

- “ख़ुदा की क़ौम ” का तर्जुमा “ख़ुदा के लोग” या “ख़ुदा की इबादत करने वाले लोग” या “ख़ुदा की ख़िदमत करने वाले लोग” या “ख़ुदा के अपने लोग”।
- जब ख़ुदा कहता है, “मेरी क़ौम” तब उसका तर्जुमा हो सकता है, “जिन लोगों को मैंने चुन लिया है” या “मेरी इबादत करने वाले लोग” या “मेरे अपने लोग”
- इसी तरह “तेरी क़ौम ” का तर्जुमा “तेरे अपने लोग” या “तुझे चुन लेने वाले लोग” हो सकता है।
- “उसकी क़ौम” का तर्जुमा “उसके अपने लोग” या “जिन लोगों को ख़ुदा ने अपना हिस्सा चुन लिया” हो सकता है।

(यह भी देखें :इस्राईल, क़ौम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 11:1-3
- रसूलों के 'आमाल 07:33-34
- रसूलों के 'आमाल 07:51-53
- रसूलों के 'आमाल 10:36-38
- दानीएल 09:24-25
- यसा'याह 02:5-6
- यरमियाह 06:20-22
- योएल 03:16-17
- मीकाह 06: 3-5
- मुकाशिफ़ा 13:7-8

## शब्दकोश:

- Strong's: H430, H5971, G2316, G2992

# ख़ुदा के घर, यहोवा के घर

## ता’अर्रुफ़:

किताब-ए-मुक़द्दस में “ख़ुदा के घर” (ख़ुदा का घर) और “यहोवा के घर (यहोवा का घर) या’नी ख़ुदा की ‘इबादत का मक़ाम|

- यह लफ़्ज़ ज़्यादा खुसूसियत में ख़ेमा या हैकल के लिए काम में आता था।

कभी-कभी “ख़ुदा का घर”, ख़ुदा की क़ौम के लिए भी काम में लिया जाता था।

## तर्जुमें की सलाह:

- इबादत की जगह के बारे में इस जुमले का तर्जुमा “ख़ुदा की ‘इबादत का घर” या “ख़ुदा की ‘इबादत का मक़ाम” किया जा सकता है।

अगर यह हैकल का ख़ेमे के बारे में है तो इसका तर्जुमा “हैकल(या ख़ेमा)” किया जा सकता है जहाँ ख़ुदा की ‘इबादत की जाती है(या “जहा ख़ुदा हाज़िर होता है” या “जहाँ ख़ुदा अपने लोगों से मिलता है।”)

- लफ़्ज़ “घर” का तर्जुमा में इस्ते’माल करना ज़रूरी है ताकि ये ज़ाहिर कर सकें कि ख़ुदा "बसता" है, ख़ुदा की रूह अपने लोगों के साथ है जो उसकी ‘इबादत करने की जगह में है।

(यह भी देखें: ख़ुदा की क़ौम, ख़ेमा, हैकल)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तीमुथियुस 03:14-15
- 2 तवारीख़ 23:8-9
- ‘अज़्रा 05:12-13
- पैदाइश 28:16-17
- क़ुज़ात 18:30-31
- मरकुस 02:25-26
- मत्ती 12:3-4

## शब्दकोश:

- Strong's: H426, H430, H1004, H1005, H3068, G2316, G3624

# ख़ुदा के बेटे

## ता'अरुफ़:

“ख़ुदा के बेटे” यह एक 'अलामती जुमला है जिसके कई मुनासिब मतलब हैं।

- नए 'अहद नामे में, “ख़ुदा के बेटे” या'नी 'ईसा के ईमादार और इसका मतलब हमेशा “ख़ुदा के बेटे” होता है क्यूँकि इसमें औरत और मर्द दोनों हैं।
- इस लफ़्ज़ का इस्ते'माल ख़ुदा के साथ बाप बेटे के जैसा होता है जिसमें तुम को बेटे होने के सब ज़रूरतें हासिल हैं।
- पैदाइश 6 में कुछ लोग “खुदा के बेटों” का तर्जुमा फ़रिश्तों से करते हैं जिसका मतलब बदरूह से है। ग़ैरों के ख़्यालों में इसका बयान ताक़त सियासी हुक्मरानों से है या शेत के औलादों से है।
- नए 'अहद नामे में, “ख़ुदा के बेटे या'नी 'ईसा के ईमानदार और इसका मतलब हमेशा “ख़ुदा के बेटे ” होता है क्यूँकि इसमें मर्द और 'औरत दोनों हैं।
- इस लफ़्ज़ का इस्ते'माल ख़ुदा के साथ बाप बेटे के जैसा होता है जिसमें तुम को सब ज़रूरतें हासिल हैं।
- “ख़ुदा के बेटे” एक अलग लफ़्ज़ है: जो 'ईसा के बारे में है जो ख़ुदा का सिर्फ़ एकलौता बेटा है।

## तर्जुमा की सलाह:

- जब “ख़ुदा के बेटे” 'ईसा के ईमानदारों में है तो इसका तर्जुमा “ ख़ुदा की औलाद” हो सकता है।
- पैदाइश 6:2 मैं “ख़ुदा के बेटे” के चार और तर्जुमे हैं “फ़रिश्ते” या “रूहानी आदमी ” या “अलौकिक प्राणियों” या “बदरूह”।
- इसके अलावा “बेटे” का लिंक भी देखें।

(यह भी देखें: फ़रिश्ते, बदरूह, बेटे, [ख़ुदा के बेटे, हाकिम, रूह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 06:1-3
- पैदाइश 06:4
- अय्यूब 01:6-8
- रोमियो 08:14-15

## शब्दकोश:

- Strong's: H430, H1121, G2316, G5043, G5207

# ख़ुदा, झूठे ख़ुदा, बहुत से ख़ुदा, देवी, बुत, बुतों, बुतपरस्त, बुतपरस्तों, बुतपरस्ती, बुतपरस्ती

## ता'अर्रुफ़:

एक झूठा ख़ुदा वह है जिसकी 'इबादत लोग एक सच्चे ख़ुदा को छोड़ कर करते हैं। लफ़्ज़ "देवी" मतलब होता है ख़ास तौर एक 'औरत की शक्ल में झूठी मा'बूदा है।

- झूठे देवी-मा'बूद मौजूद नहीं हैं। यहोवा ही इकलौता ख़ुदा है।
- लोग कभी-कभी झूठे मा'बूदों के तौर पर 'इबादत के लिए बुत बनाते थे|
- किताब-ए-मुक़द्दस में, ख़ुदा के लोग बार-बार उसकी नाफ़रमानी करके इन झूठे मा'बूदों की 'इबादत करने लगे थे।
- बदरूहें अकसर लोगों को धोखा देती हैं कि वे झूठे मा'बूदों और बुतों की 'इबादत करें उनमें क़ुव्वत है।
- बा'ल, दजोन, मोलक, ये तीन बहुत झूठे मा'बूदों में से थे जिनकी 'इबादत किताब-ए-मुक़द्दस के ज़माने में की जाती थी।
- अशेरा और आरतिमिस (डायना) दो देवियां थी जिनकी 'इबादत पुराने ज़माने में की जाती थी।

लोग बुत बनाते थे, कि उसकी 'इबादत कर सकें| कुछ चीज़ों का "बुतपरस्त" के तौर पर ज़िक्र किया गया है अगर इसमें एक सच्चे ख़ुदा के अलावा किसी और चीज़ की 'इज़्ज़त करना शामिल है।

- लोग बुतों को उन झूठे मा'बूदों की रहनुमाई करने के लिए बनाते हैं जिन्हें वे 'इबादत करते हैं।
- ये झूठे मा'बूद मौजूद नहीं हैं; यहोवा के अलावा कोई ख़ुदा नहीं है।
- कभी-कभी शैतान एक बुत के ज़रिए' से काम करते हैं ताकि ऐसा लगता है कि इसमें ताक़त है, भले ही यह नहीं है।
- बुत अक्सर सोने, चांदी, काँसा, या महंगी लकड़ी जैसी क़ीमती चीज़ों से बने होते हैं।
- "बुत परस्त लोगों की बादशाही" का मतलब है "उन लोगों की बादशाही जो बुतों की 'इबादत करते हैं" या उन लोगों की बादशाही जो ज़मीन चीज़ों की 'इबादत करते हैं"
- लफ़्ज़ " बुतों बनावट" एक "नक्काशीदार तस्वीर" या "बुत" के लिए एक और लफ़्ज़ है।

## तर्जुमे की सलाह:

- मक़सदी ज़बान या आसपास की ज़बान में "ख़ुदा" या "झूठे ख़ुदा" के लिए कोई लफ़्ज़ होगा।
- "बुत" लफ़्ज़ झूठे मा'बूदों के बारे में काम में लिया जा सकता है।
- झूठे ख़ुदा के लिए ख़ुदा लफ़्ज़ और इकलौते सच्चे ख़ुदा के लिए ख़ुदा लफ़्ज़ का इस्ते'माल किया जाता है। और ज़बानों में भी ऐसा हो सकता है
- एक तरीक़ा यह भी है कि झूठे मा'बूदों के लिए एक पूरी तरह से अलग लफ़्ज़ का इस्ते'माल किया जाता है।
- कुछ ज़बानों में झूठे ख़ुदा के आदमी या 'औरत में फ़र्क़ के लिए एक ज़्यादा लफ़्ज़ का इस्ते'माल किया जाता है।

(यह भी देखें: ख़ुदा, अशेरा, बा'ल, मोलक, शैतान, तस्वीर, बादशाही, 'इबादत)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 35:1-3
- ख़ुरूज़ 32:1-2
- ज़ुबूर 031:5-7
- ज़ुबूर 081:8-10
- यसा'याह 44:20
- रसूलों के 'आमाल 07:41-42
- रसूलों के 'आमाल 07:43
- रसूलों के 'आमाल 15:19-21
- रसूलों के 'आमाल 19:26-27
- रोमियो 02:21-22
- गलतिया 04:8-9
- गलतिय 05:19-21
- कुलुस्सियो 03:5-8
- 1 थिस्लूनिकियों 01:8-10

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **10:02** इन ख़ौफ़नाक मुसीबतों के ज़रिए’ ख़ुदा यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िर’औन व मिस्र के _ मा’बूदों_ से बहुत ज़्यादा ताक़तवर है।
- **13:04** ख़ुदा ने उन्हें क़सम दी और कहा, “मैं तेरा ख़ुदा यहोवा हूँ, जो तुझे मिस्र में से ग़ुलामी से बचाया। ” दूसरे **ख़ुदा** की ‘इबादत न करना
- **14:02** उन्होंने(कनानियो) झूठे _ मा’बूदों_ की ‘इबादत की, और बहुत से बुरे काम किए।
- _*16:01*इस्राईलियों ने यहोवा के बजाय, कना’नियो के _मा’बूद _ की ‘इबादत करना शुरू’ कर दिया
- **18:13** लेकिन यहूदाह बहुत से बादशाह बुरे, धोखेबाज़ और बुतपरस्त करने वाले थे। कुछ बादशाह झूठे **मा’बूदों** के लिए अपने बच्चों की भी क़ुर्बानी चढ़ाने लगे।

## शब्दकोश:

- Strong's: H205, H367, H410, H426, H430, H457, H1322, H1544, H1892, H2553, H3649, H4656, H4906, H5236, H5566, H6089, H6090, H6091, H6456, H6459, H6673, H6736, H6754, H7723, H8163, H8251, H8267, H8441, H8655, G1493, G1494, G1495, G1496, G1497, G2299, G2712

# ख़ुदा, ख़ुदाई, बुरा, ख़ुदा की राह , ना क़ाबिल-ए-एतमाद , ख़ुदा परस्ती

## ता'अर्रुफ़: ##

“रास्तबाज़ी” लफ़्ज़ उस शख़्स को बयान करता है जो इस तरह के काम करता है जिनसे ख़ुदा का जलाल ज़ाहिर होता है और ज़ाहिर होता है कि ख़ुदा कैसा है। "’इबादत" ख़ुदा की मर्ज़ी पूरी करके ख़ुदा की 'इज़्ज़त करने का किरदार है।

- ‘इबादत का किरदार रखनेवाला शख़्स पाक रूह के फल ज़ाहिर करता है जैसे, मुहब्बत, ख़ुशी, अमन, सब्र, हलीमी, ख़ुद पर क़ाबू वगैरह ।
- इबादत की ख़ासियतों से पता चलता है कि एक शख़्स में पाक रूह है और उसे अमल करना है।

"बुरा " और "बे बुनियाद " लफ़्ज़ उन लोगों का बयान करते हैं जो ख़ुदा के मुख़ालिफ़ हैं । बुरे रास्ते में रहते हैं ,बिना ख़ुदा के , ग़ैर जानदार , या बे बुनियाद , कहा जाता है |

इन लफ़्ज़ों का मतलब बहुत 'आम है। हालांकि, "ख़ुदा परस्ती" और "बे बुनियाद" एक बहुत गहराई से बयान कर सकते है जिसमें लोग या क़ौम ख़ुदा को क़ुबूल करने या उनके हुकूमत करने का इख्तियार भी क़ुबूल नहीं करते हैं

- ख़ुदा  लेकिन फ़ैसला और ग़ुस्से का बयान करता है, जो हर वह शख्स को और उसके तरीकों को क़ुबूल नहीं करता है।

## तर्जुमा की सलाह :

- “ख़ुदा परस्त” का तर्जुमा “ख़ुदा के फ़रमाबरदार लोग” या “ख़ुदा के हुक्म मानने वाले लोग” (देखें: ना मुकम्मल
- सिफ़त "ख़ुदा परस्त" का तर्जुमा "ख़ुदा के बारे में फ़रमाबरदारी " या "ईमानदार" या , ख़ुदा को ख़ुश " की शक्ल में किया जा सकता है।
- " ख़ुदा परस्त के तरीक़े से" जुमलों का तर्जुमा "ऐसे तरीक़े से किया जा सकता है जो ख़ुदा पर अमल करता है" या "अमल और लफ़्ज़ों के साथ जो ख़ुदा को ख़ुश करते हैं।"
- "इबादत" का तर्जुमा करने के तरीक़े में "ख़ुदा को ख़ुश करने वाले तरीक़े से काम करना" या "ख़ुदा पर 'अमल करना" या "एक ईमानदार तरीक़े से जी रहे" हो सकते हैं।
- जुमलों के तौर पर, "ना रास्त" लफ़्ज़ का तर्जुमा "ख़ुदा से नाराज" या "ग़ैर इख़लाक़ी" या "ख़ुदा की नाफ़रमानी "की शक्ल में किया जा सकता है।
- "बे दीन" और "बे बुनियाद" लफ़्ज़ का लफ़्ज़ी मतलब यह है कि लोग "ख़ुदा के बग़ैर" हैं या "ख़ुदा के बारे में कोई ख़्याल नहीं है" या "ऐसे तरीक़े से काम करना जो ख़ुदा को क़ुबूल नहीं करता है।"
- "बे 'इज़्ज़ती" या "बे बुनियादी" का तर्जुमा करने के दूसरे तरीक़े "बदकारी" या "बुराई" या "ख़ुदा से बग़ावत" हो सकते हैं।

(यह भी देखें: ‘इज़्ज़त , हुक्म पर ‘अमल करना , रास्तबाज़ , सादिक़, रास्तबाज़ )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- अय्यूब 27:8-10
- अम्साल 11:9-11
- रसूलों के 'आमाल 03:11-12
- 1 तीमुथियुस 01:9-11
- 1 तीमुथियुस 04:6-8
- 2 तीमुथियुस03:10-13
- इब्रानियों 12:14-17
- 'इब्रानियों 11:7
- 1 पतरस04:17-19
- यहूदा 01:14-16

## शब्दकोश:

- Strong's: H430, H1100, H2623, H5760, H7563, G516, G763, G764, G765, G2124, G2150, G2152, G2153, G2316, G2317

# ख़ुदाई

## ता'अर्रुफ़:

लफ़्ज़ "ख़ुदाई" का मतलब ख़ुदा से मुता'अल्लिक़ सारी बातें।

- कुछ तरीक़ों में इस लफ़्ज़ को इस तरह भी इस्ते'माल किया जा सकता है, "ख़ुदाई इख़्तियार" "ख़ुदाई फ़ैसला" "ख़ुदाई जलाल"।
- किताब-ए-मुक़द्दस के एक मज़मून में "ख़ुदाई" लफ़्ज़ झूठे मा'बूदों के बारे के बारे में भी काम में लिया गया है।

## तर्जुमे की सलाह :

- "ख़ुदाई" लफ़्ज़ के तर्जुमे के तरीक़े हो सकते हैं, "ख़ुदा का" या "ख़ुदा से" या "ख़ुदा से मुता'अल्लिक़" या "ख़ुदाई सिफ़त"
- मिसाल के तौर पर, "ख़ुदाई इख़्तियार" का तर्जुमा हो सकता है, "ख़ुदा का इख़्तियार" या "ख़ुदा का दिया हुआ इख़्तियार"।
- अलफ़ाज़ "ख़ुदाई जलाल" का तर्जुमा हो सकता है, "ख़ुदा का जलाल" या "ख़ुदा में शामिल जलाल" या "ख़ुदा से ज़ाहिर जलाल"।
- कुछ तर्जुमों में बुतों से मुता'अल्लिक़ किसी बात को बताने के लिए अलग अलफ़ाज़ का इस्ते'माल किया जाता है।

(यह भी देखें: इख़्तियार, झूठे मा'बूद, जलाल, ख़ुदा, इन्साफ़, क़ुव्वत)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 कुरिन्थियों 10:3-4
- 2 पतरस 01:3-4
- रोमियो 01:20-21

## शब्दकोश:

- Strong's: G2304, G2999

# ख़ुदावन्द

## सच्चाई:

कलाम में “ख़ुदावन्द” के बारे में हमेशा की ज़िन्दगी से है जिसने जाहान को इब्तिदा से बनाया है। ख़ुदावन्द का ज़हूर बाप ,बेटा और पाक रूह में है। ख़ुदावन्द का नाम यहोवा है।

ख़ुदावन्द हमेशा से है, जब कुछ भी नहीं था तब ख़ुदावन्द था और वह हमेशा तक रहेगा।

- वही सिर्फ़ एक सच्चा ख़ुदावन्द है और उसका इख़्तियार पूरे 'आलम पर है।
- ख़ुदावन्द रास्तबाज़ी में सादिक़ , अज़ी म अक्लमंद , पाक, बे गुनाह , इन्साफ़ पसन्द ,हलीम और प्यार करने वाला है।
- वह 'अहद रखनेवाला ख़ुदावन्द है जो अपनी क़समें हमेशा पूरी करता है।
- इन्सान को ख़ुदावन्द की 'इबादत के लिए बनाया गया था और उसे हमेशा उसी की 'इबादत करना चाहिए।
- ख़ुदावन्द ने अपना नाम “यहोवा” बताया है जिसका मतलब है, “वह है” या “मैं हूँ” या “जो हमेशा से है।”
- कलाम में झूठे मा'बूदों का भी बयान है जो बे जान बुत हैं , उनकी इबादत इन्सान करता है।

## तर्जुमा की सलाह:

- “ख़ुदावन्द” लफ़्ज़ के तर्जुमें हो सकते हैं, “क़ुदरती ताक़त ” या “तख़लीक़ करने वाला ” या “रूहानी शख़्सियत ”।
- “ख़ुदावन्द” लफ़्ज़ के दूसरे तर्जुमें हो सकते हैं, “रूहानी ख़ालिक़” या “आख़िर वक़्त तक रहने वाला ख़ुदा ” या “हमेशा रूहानी शख़्सियत ”
- तवज्जोह दें कि मक़ामी ज़बान में ख़ुदावन्द के लिए क्या लफ़्ज़ काम में लिया जाता है। हो सकता है कि मक़सदी ज़बान में ख़ुदावन्द के लिए एक लफ़्ज़ है। अगर है तो वाज़ेह करें कि उस लफ़्ज़ में सिर्फ़ एक सच्चे ख़ुदावन्द की ख़ासियत ज़ाहिर हो , जैसा ऊपर बयान किया गया है।
- कई ज़बानों में ख़ुदावन्द लफ़्ज़ का पहला हर्फ़ बड़ा कर दिया जाता है कि वह झूठे मा'बूदों से अलग करा जा सके।
- इस फ़र्क़ को ज़ाहिर करने के लिए ख़ुदावन्द और मा'बूद लफ़्ज़ों को दो अलग हरफ़ों के ज़रिए' बयान किया जाए।
- “मैं उनका ख़ुदावन्द हूँगा और वह मेरे लोग होंगे” इस जुमले का तर्जुमा हो सकता है, “मैं ख़ुदावन्द इन लोगों पर राज करूंगा और वह मेरी 'इबादत करेंगे।”

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बनाने, झूठे मा’बूद, बाप ख़ुदावन्द, पाक रूह , बुत , ख़ुदावन्द का बेटा , यहोवा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 शमूएल 10:7-8
- 1 तीमुथियुस 04:9-10
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- इस्तिसना 29:14-16
- एज्रा 03:1-2
- पैदाइश 01: 1-2
- होशे 04:11-12
- यसा’याह. 36:6-7
- या'क़ूब 02:18-20
- यरमियाह 05:4-6
- यूहन्ना 01:1-3
- यसू'अ 03:9-11
- [विलापना 03:40-43
- मीका 04:4-5
- फ़िलिप्पुस 02:5-8
- अम्साल 24:11-12
- \ज़बूर 047:8-9](rc://ur-deva/tn/help/psa/047/008)

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों के मिसालें:

- **01:01 ख़ुदावन्द** ने छह दिनों में जहान और सब कुछ बनाया।
- **01:15 ख़ुदावन्द** ने अपनी शक्ल में आदमी और औरत को बनाया।
- **05:03** "मैं **ख़ुदावन्द** सब से ज़्यादा ताक़तवर हूँ। मैं तुम्हारे साथ 'अहद बान्धूंगा।
- **09:14 ख़ुदावन्द** ने कहा, "मैं जो हूं, सो हूं। उनसे कहना, 'जिसका नाम मैं हूँ उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।' यह भी उनको बताओ, "मैं तुम्हारे बुजुर्गों इब्राहीम, इस्हाक़ और या'क़ूब का **ख़ुदावन्द**, यहोवा हूं।" हमेशा तक मेरा नाम यही रहेगा।'" है
- **10:02** इन खौफ़नाक आफ़तों के ज़रिए' **ख़ुदावन्द** यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िर'औन व मिस्र के मा'बूदों से कहीं ज़्यादा ताक़तवर है।
- **16:01** इस्राईलियों ने यहोवा जो सच्चा **ख़ुदावन्द** है उसकी जगह पर, कन'आनियो के मा'बूद की 'इबादत करना शुरू' किया।
- **22:07** और तू ऐ लड़के , _ ख़ुदावन्द_ का नबी कहलाएगा क्योंकि तू ख़ुदा का रास्ता तैयार करने के लिए उसके आगे आगे चलेगा।
- **24:09** ” सिर्फ़ एक ही **ख़ुदावन्द** है। लेकिन जब यूहन्ना ने 'ईसा को बपतिस्मा दिया, उसने बाप **ख़ुदावन्द** को कहते सुना, बेटे ख़ुदावन्द को देखा, और पाक रूह को भी देखा।
- **25:07** "कि ‘तू ख़ुदा अपने **ख़ुदावन्द** को 'इबादत कर, और सिर्फ़ उसी की ख़िदमत कर।’”
- **28:01** "जो अच्छा है वह सिर्फ़ एक ही है, और वह **ख़ुदावन्द** है।"
- **49:09** लेकिन **ख़ुदावन्द** ने दुनिया के हर इन्सान से इतना ज़्यादा प्यार किया कि उसने अपना इकलौता बेटा दे दिया ताकि जो कोई उस पर ईमान करे उसे उसके गुनाहों की सज़ा नहीं मिलेगी, लेकिन **ख़ुदावन्द** के साथ हमेशा की ज़िन्दगी पाएगा ।
- **50:16** लेकिन एक दिन **ख़ुदावन्द** एक नया आसमान और एक नई ज़मीन को तैयार करेगा जो सही होगी।

## शब्दकोश:

- Strong's: H136, H305, H410, H426, H430, H433, H2486, H2623, H3068, H3069, H3863, H4136, H6697, G112, G516, G932, G935, G1096, G1140, G2098, G2124, G2128, G2150, G2152, G2153, G2299, G2304, G2305, G2312, G2313, G2314, G2315, G2316, G2317, G2318, G2319, G2320, G3361, G3785, G4151, G5207, G5377, G5463, G5537, G5538

# ख़ुदावन्द का दिन, यहोवा का दिन

## तफ़सील:

पुराने ‘अहद नामे में “यहोवा का दिन” एक मुक़र्रर वक़्त के बारे में है जब ख़ुदा इन्सानों को उनके गुनाह की सज़ा देगा|

- नये ‘अहदनामे के लफ़्ज़ “ख़ुदावन्द का दिन” उस दिन या वक़्त के बारे में है जब ख़ुदावन्द ‘ईसा दुबारा आएगा और आख़िर के वक़्त में इन्सानों का इन्साफ़ करेगा।
- यह आख़िर, इन्साफ़ और क़यामत का या आख़िरी वक़्त जिसे “आख़िरी दिन” भी कहते हैं| यह वक़्त तब शुरू’ होगा जब ख़ुदावन्द ‘ईसा गुनाहगारों का इन्साफ़ करने दुबारा आएगा और अपनी हमेशा की बादशाही क़ायम करेगा।
- लफ़्ज़ “दिन” इन जुमलों में कभी-कभी हक़ीक़त में दिन के ही बारे में होता है या यह कभी “वक़्त” या “मौक़े” के बारे में हो सकता है जिसकी मुद्दत दिन से ज़्यादा हो सकती है।
- कभी-कभी सज़ा को “ख़ुदा का ग़ज़ब नाज़िल होना” भी कहते हैं जो ईमान नहीं करने वालों पर आएगा।

## तर्जुमे की सलाह:

- मज़मून पर मुनहस्सिर, दूसरे तरीक़े से “यहोवा का दिन” का तर्जुमा हो सकता है, “यहोवा का वक़्त” या “वह वक़्त जब यहोवा अपने दुश्मनों को सज़ा देगा” या “यहोवा के ग़ज़ब का वक़्त."
- “ख़ुदावन्द का दिन” का तर्जुमे दूसरे तरीक़े से हो सकते हैं, “ख़ुदावन्द के इन्साफ़ का वक़्त” या “वह वक़्त जब ख़ुदावन्द ‘ईसा इंसानों का इन्साफ़ करने आएगा”

(यह भी देखें: दिन, इन्साफ़ का दिन , ख़ुदावन्द, क़यामत, यहोवा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 05:3-5
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:1-3
- 2 पतरस 03:10
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:1-2
- रसूलों के ‘आमाल 02:20-21
- फ़िलिप्पियों 1: 9-11

## शब्दकोश:

- Strong's: H3068, H3117, G2250, G2962

# ख़ुदावन्द का बेटा, बेटा

## सच्चाई:

“ख़ुदावन्द का बेटा” या'नी ‘ईसा, ख़ुदावन्द का कलाम, जो दुनिया में इन्सानी शक्ल में आया। उसे हमेशा “बेटा” भी कहा गया है।

- ख़ुदावन्द के बेटे में बाप ख़ुदावन्द की सब ख़ासियतें हैं लेकिन वह ख़ुद ही ख़ुदावन्द है।
- बाप ख़ुदावन्द, बेटे ख़ुदावन्द, और रूह-उल-क़ुदुस ख़ुदावन्द एक ही हैं।
- इंसानी बेटों के ‘अलाव:, ख़ुदावन्द का बेटा हमेशा सच्चाई में है।
- शुरू' में ख़ुदावन्द का बेटा दुनिया को बनाने में सामिल था, बाप और रूह-उल-क़ुदुस के साथ।

'ईसा ख़ुदावन्द का बेटा होने की वजह बाप ख़ुदावन्द से मुहब्बत करता है और उसके हुक्मों पर 'अमल करता है और ख़ुदावन्द उससे मुहब्बत करता है।

## तर्जुमा की सलाह:

- “ख़ुदावन्द का बेटा” के लिए “बेटा” ही तर्जुमा करना बेहतर लफ़्ज़ है जो ;अलामती ज़बान में इंसानी बेटों के लिए काम में लिया जाता है।
- वाज़ेह करें कि “बेटा” लफ़्ज़ उस लफ़्ज़ से मुसाबेह हो जिसको बाप के लिए काम में लिया गया है और यह लफ़्ज़ बाप बेटे का रिश्ता ज़ाहिरकरने के लिए अलामती ज़बान में बहुत आम लफ़्ज़ है।
- “बेटा” लफ़्ज़ को अगर कुछ इस तरह लिखा जाए कि उससे उसके ख़ुदावन्द होने की ख़ासियत ज़ाहिर हो तो मुनासिब होगा जैसे अंग्रेजी ज़बान में “एस” हर्फ़ को बड़ा लिख सकते हैं।
- जुमले में "पबेटा" " ख़ुदावन्द का बेटा" की छोटी शक्ल है, खासकर जब यह उसी बारे में "बाप" के शक्ल में होता है।

(तर्जुमा की सलाह:नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: मसीह, बुजुर्गों, ख़ुदावन्द, ख़ुदावन्द बाप, रूह-उल-क़ुदुस, ‘ईसा, बेटा, ख़ुदावन्द का बेटा।)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 यूहन्ना 04:9-10
- रसूलों के 'आमाल 09:20-22
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- गलतियों 02: 20-21
- 'इब्रानियों 04: 14-16
- यूहन्ना 03:16-18
- लूक़ा 10:22
- मत्ती 11:25-27
- मुक़ाश्फ़ा 02:18-19
- रोमियो 08:28-30

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **22:05** फ़रिश्ते ने समझाया, " रूह-उल-क़ुदुस तुम्हारे पास आएगा, और ख़ुदावन्द की ताक़त तुम पर सा या करेगी। इसलिए बच्चा पाक होगा, _ख़ुदावन्द का बेटा _।"
- **24:09** ख़ुदावन्द ने यूहन्ना से कहा था कि, “ रूह-उल-क़ुदुस नीचे किसी एक पर उतरेगा जिसे तू बपतिस्मा देगा। वह **ख़ुदावन्द का बेटा** है।"
- **31:08** शागिर्द हैरान थे। उन्होंने 'ईसा की 'इबादत की, और कहा, "सचमुच, तू _ ख़ुदावन्द का बेटा_ हैं।";
- **37:05** मार्था ने जवाब दिया, "हां, मालिक ! मेरा यक़ीन है कि तुम मसीहा हो, **ख़ुदावन्द का बेटा** ।"
- **42:10** इसलिए तुम जाओ, सब क़ौमों के लोगों को शागिर्द बनाओ और उन्हें बाप, और _बेटे _, और रूह-उल-क़ुदुस के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें हुक्म दिए हैं, मानना सिखाओ। "
- **46:06** फ़ौरन ही, शाऊल दमिश्क़ के यहूदियों से 'एलान करने लगा कि, "’ईसा _ ख़ुदावन्द का बेटा_ है!"
- **49:09** लेकिन ख़ुदावन्द दुनिया में हर किसी से इतना प्यार करता था कि उसने अपना एकलौता **बेटा** दिया ताकि जो कोई भी 'ईसा पर ईमान करे, उसके गुनाहों की सज़ा नहीं दी जाएगी लेकिन वह हमेशा के लिए ख़ुदा के साथ ज़िंदा रहेगा।

## शब्दकोश:

- Strong's: H426, H430, H1121, H1247, G2316, G5207

# ख़ुदावन्द की दा’वत

## ता’अरुफ़: ##

- लफ़्ज़ “ख़ुदावन्द की दा’वत” रसूल पौलुस इस जुमले को फ़सह के की दा’वत के लिए काम में लेता है जो ‘ईसा ने अपने शागिर्दों के साथ उस रात खाया था जब यहूदी रहनुमाओं ने उसे बन्दी बनाया था।
- इस खाने के वक़्त ‘ईसा ने फ़सह की रोटी को तोड़कर अपना जिस्म से कहा जो जल्दी ही परेशान किया जाएगा और मार डाला जायेगा।
- मय के कटोरे को उसने अपना ख़ून कहा जो जल्द ही बहाया जायेगा जब वह गुनाह की क़ुर्बानी होकर मरेगा।
- ‘ईसा ने हुक्म दिया था कि उसके शागिर्द जब भी इस दा’वत में शरीक हों तब वे उसकी मरने और जी उठने को हमेशा याद करें।
- कुरिन्थियों की कलीसिया को लिखे ख़त में रसूल पौलुस ने मसीह के ईमानदारों के लिए इस दा’वत को एक हमेशा की मश्क़ बना दिया था।
- आज कलीसियाएं ख़ुदावन्द की दा’वत के लिए “शराकत” लफ़्ज़ का इस्ते’माल करती हैं। “आख़री दा’वत” लफ़्ज़ का भी कभी-कभी इस्ते’माल किया जाता है।

## तर्जुमे की सलाह:

- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा “ख़ुदावन्द का खाना” या “हमारे ख़ुदावन्द ‘ईसा का खाना” या “ख़ुदावन्द ‘ईसा को याद करने का खाना” भी कहा जा सकता है।

(यह भी देखें: फ़सह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 11:20-22
- 1 कुरिन्थियों 11:25-26

## शब्दकोश:

- Strong's: G1173, G2960

# ख़ुदावन्द की शक्ल, सूरत

## ता'अर्रुफ़:

बुत का मतलब है किसी की शक्ल में या किरदार या जौहर में किसी की तरह । “ ख़ुदावन्द की सूरत” जुमले के मुताबिक़ अलग-अलग शक्ल में काम में लिया गया है।

- शुरू' में ख़ुदावन्द ने इन्सान को “अपनी शक्ल ” में बनाया था या'नी उसकी बराबरी में। इसका मतलब है कि इन्सान की कुछ ख़ासियतें ख़ुदावन्द की सूरत को ज़ाहिर करती हैं जैसे जज़्बात को महसूस करने की सलाहियत, रद्द करने और ख़यालों का लेन देन करने की सलाहियत और रूह जो हमेशा रहती है ।
- कलाम की ता'लीम के मुताबिक़ ‘ईसा, ख़ुदावन्द का बेटा, ख़ुदावन्द का जैसा है या'नी वह ख़ुदावन्द है। 'ईसा बनाया नहीं गया था जैसे इन्सान बनाएगए थे । शुरू'से ख़ुदावन्द के बेटे में ख़ुदावन्द की सब ख़ासियतें हैं, क्यूँकि उसके पास बाप ख़ुदावन्द का मुकम्मल जौहर है।

## तर्जुमा की सलाह:

- जब 'ईसा को ख़ुदावन्द की तरह कहा जाता है तो तर्जुमा हो सकता है, “ ख़ुदावन्द के 'एन मुताबिक़ में” या “ ख़ुदावन्द के जौहर में” या “ ख़ुदावन्द के हक़ीक़त में”।
- इन्सान के बारे में “ ख़ुदावन्द ने उसे अपनी सूरत में बनाया” का तर्जुमा इस तरह के जुमलों से किया जाए जिनका मतलब है, “ ख़ुदावन्द ने उसे अपनी बराबरी में बनाया” या “ ख़ुदावन्द ने उसे अपने जैसी ख़ासियतों में बनाया”।

(यह भी देखें: शक्ल , ख़ुदावन्द का बेटा, ख़ुदावन्द का बेटा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 कुरिन्थियों 04:3-4
- कुलुस्सियों 03:9-11
- पैदाइश 01:26-27
- पैदाइश 09:5-7
- या'क़ूब 03:9-10
- रोमियो 08:28-30

## शब्दकोश:

- Strong's: H4541, H1544, H2553, H6456, H6459, H6754, H6816, H8403, G504, G179

# ख़ुदावन्द बाप , आसमानी बाप , बाप

## सच्चाई:

यह लफ़्ज़ " बाप ख़ुदावन्द" और "आसमानी बाप" सिर्फ़ एक सच्चे ख़ुदावन्द, यहोवा के बारे में हैं। उसी मतलब के साथ एक और लफ़्ज़ "बाप" है, जो सबसे ज़्यादा बार इस्ते'माल किया जाता था जब 'ईसा उससे बात कर रहा था

- ख़ुदावन्द, बाप ख़ुदावन्द, बेटे ख़ुदावन्द और पाक रूह ख़ुदावन्द है। हर एक मुकम्मल ख़ुदावन्द होते हुए भी तीनों एक ही हैं। यह एक ऐसा राज़ है जिसे इन्सान पूरे तरीक़े समझ नहीं सकता।
- बाप ख़ुदावन्द ने बेटे ख़ुदावन्द ('ईसा) को दुनिया में भेजा और उसने अपने लोगों के लिए पाक रूह को भेजा।
- जो बेटे ख़ुदावन्द में ईमान करता है वह बाप ख़ुदावन्द की औलाद बन जाता है और पाक रूह ख़ुदावन्द उसमें रहने लगता है। यह एक और राज़ है जिसे इन्सान पूरे तरीक़े समझ नहीं सकता।

## तर्जुमा की सलाह:

- "बाप ख़ुदावन्द" का साफ़ तर्जुमा , "बाप " लफ़्ज़ हो सकता है, उसी लफ़्ज़ के साथ जो ज़बान आम तौर से एक इन्सानी बाप का बयान करने के लिए इस्ते'माल करता है।
- "आसमानी बाप " का तर्जुमा हो सकता है, बाप जो आसमान में है" या "बाप ख़ुदावन्द जो आसमान में है" या "हमारा आसमानी बाप " है।
- आमतौर पर जब "बाप " दारुल हुकूमत है, तो ख़ुदावन्द को बयान करता है।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बुजुर्गों , ख़ुदावन्द, आसमान , पाक रूह , 'ईसा , ख़ुदावन्द का बेटा)

## किताएब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 08:4-6
- 1 यूहन्ना 02:1-3

1 यूहन्ना 02:22-23

- 1 यूहन्ना 03:1-3
- कुलुस्सियों 01: 1-3
- इफ़िसियों 05: 18-21
- लूका 10:22
- मत्ती 05:15-16
- मत्ती 23:8-10

## किताएब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **24:09** सिर्फ़ एक ही ख़ुदावन्द है। लेकिन जब यूहन्ना ने 'ईसा को बपतिस्मा दिया, उसने **बाप ख़ुदावन्द** को कहते सुना, बेटा ख़ुदावन्द को देखा, और पाक रूह को भी देखा ।
- **29:09** तब 'ईसा ने कहा, "इसी तरह अगर तुम में से हर एक अपने भाई को दिल से अगर मु'आफ़ न करेगा, तो मेरा **बाप जो आसमान में है** , तुम से भी वैसा ही करेगा"
- **37:09** फिर ईसा ने आसमान की तरफ़ देखा और कहा, " **बाप**, मुझे सुनने के लिए मुबारक ।"

"* **40:07** तब ईसा ने रोते हुए कहा, "पूरा हुआ! ऐ **बाप**, मैं अपनी रूह तेरे हाथों में सौंपता हूँ।"

- **42:10** इसलिए तुम जाओ, सब क़ौमों के लोगों को शागिर्द बनाओ और उन्हें **बाप**, और बेटे , और पाक रूह के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें हुक्म दी हैं, मानना सिखाओ।
- **43:08** "ईसा अब आसमान में _ बाप ख़ुदावन्द_ के दाहिनी तरफ़ बैठा है।"
- **50:10** तब ईमानदार अपने _ बाप ख़ुदावन्द_ की बादशाही में सूरज की तरह चमकेंगे।"

## शब्दकोश:

- Strong's: H1, H2, G3962

# ख़ुदावन्द यहोवा, यहोवा ख़ुदा

## सच्चाई:

पुराने ‘अहदनामे में इस लफ़्ज़ का मतलब है एकलौता सच्चा ख़ुदा|

- लफ़्ज़ “ख़ुदावन्द” उनवान है और यहोवा ख़ुदा का ज़ाती नाम है।
- यहोवा के साथ ख़ुदा लफ़्ज़ भी लिखा जाता है, “यहोवा ख़ुदावन्द”

## तर्जुमा के सुझाव:

- अगर "यहोवा" का कोई रूप ख़ुदा के नाम के तर्जुमा के लिए इस्ते’माल किया जाता है, तो लफ़्ज़ "ख़ुदावन्द यहोवा" और "यहोवा ख़ुदावन्द" लफ़्ज़ का लफ़्ज़ी तौर से तर्जुमा किया जा सकता है। ध्यान दे कि “ख़ुदावन्द” का तर्जुमा ख़ुदा के बारे में ज़ाहिर करते वक़्त कैसा हो।
- कुछ ज़बानों में उनवान के बा’द में लिखा जाता है, लिहाज़ा तर्जुमा होगा, “यहोवा ख़ुदावन्द”। ध्यान दे कि मक़सदी ज़बान में क़ुदरती क्या है:: “ख़ुदावन्द” उनवान “यहोवा” के पहले हो या बा’द में आन चाहिए।
- “यहोवा ख़ुदावन्द” का तर्जुमा “ख़ुदा जो यहोवा कहलाता है” या “ज़िन्दा ख़ुदा” या “मैं हूँ जो ख़ुदा है”।
- अगर तर्जुमा में “यहोवा” को यहोवा या ख़ुदा लिखा जा रहा है तो “ख़ुदावन्द यहोवा” का तर्जुमा होगा “ख़ुदावन्द ख़ुदा” या “ख़ुदा जो ख़ुदावन्द” है। और मुमकिन तर्जुमा हो सकते है, “मालिक ख़ुदावन्द” या “ख़ुदावन्द ख़ुदा”।
- “ख़ुदावन्द यहोवा” का तर्जुमा, “ख़ुदावन्द-ख़ुदावन्द” कभी नहीं किया जाए क्योंकि पढ़ने वाले इन अलफ़ाज़ का फ़र्क़ नहीं देख पाएंगे जिन्हें इनके लिए रवायती तौर पर काम में लिया जाता था।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: ख़ुदा, मालिक, ख़ुदावन्द, यहोवा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 04:3-4
- 2 शमूएल 07:21-23
- इस्तिस्ना03:23-25
- हिज़क़ीएल39:25-27
- हिज़क़ीएल45:18-20
- यरमियाह44:26-28
- क़ुज़ात 06:22-24
- मीकाह 01:2-4

## शब्दकोश:

- Strong's: H136, H430, H3068, G2316, G2962

# ख़ुदावन्द, ख़ुदावन्दओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय

## ता'अर्रुफ़:

"ख़ुदावन्द" लफ़्ज़ का मतलब है और लोगों पर मिलक़ियत या इख़्तियार रखना।

- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा कभी-कभी "मालिक" भी किया जाता है जब 'ईसा कें बारे में हो या गुलामों के मालिक के बारे में हो।
- अंग्रेजी की कुछ कलामों में इस लफ़्ज़ का तर्जुमा, "जनाब" किया गया है जब कोई किसी ऊंचे 'उहदे वाले को हलीमी मुख़ातिब कर रहा है।

जब अंग्रेज़ी मे "Lord" बड़े हर्फ़ से है, यह एक उनवान है जो ख़ुदा की तरफ इशारा करता है| (ध्यान दें, हालाँकि, जब इस किसी को मुख़ातिब करने के तौर पर इस्ते'माल किया जाता है या यह जुमले की शुरू'आत में होता है तो इसे दर्ज किया जा सकता है और इसका मतलब "जनाब" या "मालिक" है|

- पुराने 'अहदनामे में, इस लफ़्ज़ का इस्ते'माल "ख़ुदावन्द ख़ुदा सबसे क़ुव्वतवाला" "ख़ुदावन्द यहोवा" या " यहोवा हमारा ख़ुदा" जैसे इज़हारों में किया जाता है|
- नए 'अहदनामे में, रसूलों ने इस लफ़्ज़ का इस्ते'माल "ख़ुदावन्द 'ईसा" और "ख़ुदावन्द 'ईसा मसीह" जैसे इज़हारों में किया था, जो बताते हैं कि 'ईसा ख़ुदा है|
- नए 'अहदनामे में, "ख़ुदा" लफ़्ज़ का इस्ते'माल ख़ुदाके सीधे हवाले के तौर पर भी किया जाता है, ख़ासकर पुराने 'अहदनामे से मज़मून में| मिसाल के तौर पर, पुराने 'अहदनामे के बाब ने "मुबारक है वह जो यहोवा के नाम पर आता है" और नए 'अहदनामे के बाब में "मुबारक है वह जो ख़ुदा के नाम पर आता है"

यू एल बी और यू डी बी में, "lord" उनवान का इस्ते'माल सिर्फ़ इब्रानी और ग्रीक अलफ़ाज़ का तर्जुमा करने के लिए किया जाता है जिसका मतलब है "ख़ुदा" यह कभी भी ख़ुदा के नाम (यहोवा) के तर्जुमे के तौर पर इस्ते'माल नहीं किया जा सकता है जैसा कि कई तर्जुमों में किया जाता है|

- कुछ ज़बाने "ख़ुदावन्द" को "मालिक" या "हाकिम" या कुछ और लफ़्ज़ के तौर पर तर्जुमा करती हैं जो मिलकियत उया सबसे बड़ी हुकूमत को बताती हैं|
- सही मज़मूनों में, कई तर्जुमा इस लफ़्ज़ के पहले हर्फ़ को पढ़ने वाले को ज़ाहिर करने के लिए दर्ज करते हैं कि यह एक उनवान जो ख़ुदा का ज़िक्र करता है|
- नए 'अहदनामे के मक़ामों के लिए जहाँ पुराने 'अहदनामे से मिसाल दी गई है, लफ़्ज़ "ख़ुदा" का इस्ते'माल यह ज़ाहिर करने के लिए किया जा सकता है कि ख़ुदा का हवाला है|

## तर्जुमे की सलाह:

- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा "मालिक" के बराबरी के साथ किया जा सकता है जब किसी ऐसे आदमी के बारे में बताता है जो ग़ुलामों का मालिक है| यह किसी नौकर के ज़रिए' उस आदमी को मुख़ातिब करने के लिए किया जा सकता जिसके लिए वह काम करता है|
- जब यह 'ईसा के बारे में बताता है, अगर हवाले से पता चले की बोलने वाला उन्हें एक उस्ताद की शक्ल में देखता है, तो इसका तर्जुमा मज़हबी उस्ताद के लिए अदबी पते के साथ किया जा सकता है, जैसे "मालिक"
- अगर मुख़ातिब करने वाला आदमी उसे नहीं जानता है, तो "ख़ुदा" का तर्जुमा 'इज़्ज़त की शक्ल में किया जा सकता है जैसे कि "जनाब"| यह तर्जुमा और मज़मूनों के लिए इस्ते'माल किया जाएगा जिसमे एक आदमी को पते का हलीम कहा जाता है|

जब ख़ुदा बाप का ज़िक्र करते हैं, तो इस लफ़्ज़ को अंग्रेज़ी में "ख़ुदा" (असल) के तौर पर लिखा जाने वाला उनवान माना जाता है|

(यह भी देखे: ख़ुदा, 'ईसा, हाकिम, यहोवा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 39:1-2
- यशू'अ 03:9-11
- ज़बूर 086:15-17
- यरमिया 27:1-4
- नोहा 02:1-2
- हिज़्क़ीएल 18:29-30
- दानिएल 09:9-11
- दानिएल 09:17-19

- मलाकी 03:1-3
- मत्ती 07:21-23
- लूक़ा 01:30-33
- लूक़ा 16:13
- रोमियो 06:22-23
- इफ़िसियो 06:9
- फ़िलिप्पियो 02:9-11
- कुलुस्सियो 03:22-25
- इब्रानियों 12:14-17
- या’ 02:1-4
- 1 पतरस 01:3-5
- यहूदाह 01:5-6
- मुकाशिफ़ा 15:3-4

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **25:05** ‘ईसा ने उसे कलाम से शैतान को जवाब दिया, उसने कहा, “ख़ुदा के कलाम में वह अपने लोगों को हुक्म देता है कि तू **ख़ुदावन्द** अपने ख़ुदा की आज़माइशपरीक्षा न करना।’”
- **25:07** तब ‘ईसा ने उससे कहा, “ऐ शैतान दूर हो जा ! ख़ुदा के कलाम में वह अपने लोगों को हुक्म देता है कि 'तू **ख़ुदावन्द** अपने ख़ुदा को सिज्दा कर, और सिर्फ़ उसी की ‘इबादत कर।’”
- **26:03** यह **ख़ुदावन्द** की बरकत का साल है।
- **27:02**मुन्तजिम ने जवाब दिया, “तू अपने **ख़ुदा** से अपने सारे दिल, रूह, क़ुव्वत और ,मन से मुहब्बत रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान मुहब्बत करना।”
- **31:05** फिर पतरस ने ‘ईसा से कहा ‘ऐ **उस्ताद**’ अगर तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने का हुक्म दे”
- **43:09** “उसी ‘ईसा को जिसे तुमने सलीब पर चढ़ाया, लेकिन ख़ुदा ने उसे **ख़ुदावन्द** भी ठहराया और मसीह भी।”
- **47: 3**इस बदरूह के ज़रिए’ वह दूसरों का मुस्तक़बिल बताती थी, जिससे अपने **मालिकों** के लिये नजूमी की शक्ल में बहुत पैसा कमा लाती थी।
- **47:11** पौलुस ने जवाब दिया,"‘ईसा में ईमान करो, जो **ख़ुदावन्द** है, तो तू और तेरा ख़ानदान बच जाएगा।"

## शब्दकोश:

- Strong's: H113, H136, H1167, H1376, H4756, H7980, H8323, G203, G634, G962, G1203, G2962

# ख़ुशख़बरी देने वाला, ख़ुशख़बरी सुनानेवाले

## ता'अर्रुफ़:

“मुबश्शिर” इन्सानों को मसीह 'ईसा की ख़ुश ख़बरी सुनाता है।

- “ख़ुश ख़बरी देने वाले” का हक़ीक़ी मतलब है “ख़ुशख़बरी सुनानेवाला”।
- 'ईसा ने अपने शागिर्दों को भेजा कि इन्सानों में ख़ुश ख़बरी सुनाया करें कि 'ईसा और गुनाह के छुटकारे को उसके क़ुर्बानी के ज़रीए’ ख़ुदावन्द की रियासत का हिस्सा कैसे बनें।
- सब मसीही ईमानदारों से आगाह किया जाता है कि इस ख़ुशख़बरी को सुनाएं।
- कुछ ईमानदारों को ख़ास रूहानी ने'मत हासिल है कि इन्सानों में इस ख़ुशख़बरी का मु'अस्सिर तबलीग़ करें। यह लोग कहा जाता है कि इंजील का तोहफ़ा है और उसे " मुब्शशिरींन " कहा जाता है |

## तर्जुमा की सलाह :

- “ख़ुशख़बरी सुनाना” लफ्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, “ख़ुशख़बरी सुनाने वाला” या “ख़ुशख़बरी का उस्ताद” या “अच्छी ख़बर सुनानेवाला शख्स ('ईसा के बारे में)” या “ख़ुशख़बरी का 'ऐलान करना।”

(यह भी देखें: ख़ुशख़बरी, रूह, ने'मत )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तीमुथियुस 04:3-5
- इफिसियों 04:11-13

## शब्दकोश:

- Strong's: G2099

# ख़ून

## ता'अरुफ़:

“ख़ून” लफ्ज़ का मतलब है, आदमी के जिस्म में जब चोट लगती है तब उसमें से निकलने वाली लाल रंग का पानी जैसा होता है। ख़ून इंसानों के जिस्म में ज़िन्दगी देने वाली गिज़ा लाता है।

- ख़ून ज़िन्दगी की 'अलामत होती है और जब वह बहाया जाता है तो इसका मतलब है जान जाना या मौत।
- जब आदमी ख़ुदा के लिए क़ुर्बानी पेश करते थे तब वह जानवर का ज़बह करके उसका खून क़ुर्बानगाह पर उण्डेलते थे। यह जानवर की ज़िन्दगी की क़ुर्बानी की तरफ़ से इंसानों के गुनाह की क़ीमत चुकाने का निशान था।
- सलीब पर 'ईसा की मौत कि तरफ़ से उसका ख़ून आदमी के गुनाह से आज़ादी को दिखता है और इंसानों के गुनाह की सज़ा की समझ करता है।
- “गोश्त और ख़ून” एक जुमले हैं जो आदमी को ख़बरदार करता है।
- “अपना ख़ून और गोश्त” इंसानों के ख़ून का रिश्ता दिखाता है।

## तर्जुमें की सलाह:

- इस लफ्ज़ का तर्जुमा मक़सदी ज़बान में उसी लफ्ज़ /जुमले की तरफ़ से किया जाए जो ख़ून के लिए काम में लिया जाता है।
- “गोश्त और ख़ून” का तर्जुमा किया जा सकता है, “आदमी” या “इंसानी क़ौम”।
- जुमले के मुताबिक़“मेरा गोश्त और मेरा ख़ून” का तर्जुमा हो सकता है, “मेरा अपना ख़ानदान” या “मेरे अपने लोग” या “मेरे अपने लोग”।
- अगर मक़सदी ज़बान में ऐसे जुमले के लफ्ज़ हें तो “गोश्त और खून” के तर्जुमें में उनका इस्ते'माल किया जाए।

(यह भी देखें: जिस्म )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में :

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 शमूएल 14:31-32
- रसूलों का 'आमाल 02:20-21
- रसूलों के 'आमाल 05:26-28
- कुलुस्सियों 01:18-20
- गलातियों 01:15-17
- पैदाईश 04:10-12
- ज़बूर 016:4
- ज़बूर 105:28-30

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों कि मिसाल:

- **08:03**जब उसके भाई घर वापस आए तो उन्होंने यूसुफ़ के कपड़े लिये, और एक बकरे को मार के उसके _खून _ में उसे डुबा दिया।
- **10:03** ख़ुदा ने नील नदी को **ख़ून**से भर दिया लेकिन फ़िर'औन का फिर भी जिद पर अड़ा रहा|
- **11:05** इस्राईल के घरों के दरवाज़ों के चारों तरफ **ख़ून** था, इसलिए ख़ुदा उन घरों से चला गया और हर कोई उनमें हिफ़ाज़त से था | वह मेमने के **ख़ून** की वजह से बाख गए|
- **13:09**जानवर के **ख़ून** जो क़ुर्बानी के तौर पर चढ़ाया गया था वह इन्सान के गुनाहों को धोकर इन्सान को ख़ुदा की नज़र पाक कर देता है|
- **38:05** तब 'ईसा ने एक कटोरा लिया और कहा इसे पी लो| नए 'अहद के लिए यह मेरा _ख़ून _है जो गुनाहों की मु'आफ़ी के लिए उंडेला है|
- **48:10** जब कोई 'ईस पर यक़ीन करता है, 'ईसा का _खून _ उस शख्स के सब गुनाहों की क़ीमत चुका देता है, और ख़ुदा की सज़ा उस शख्स के ऊपर से हट जाती है।

## शब्दकोश:

- Strong's: H1818, H5332, G129, G130, G131, G1420

# ख़ेमा

## ता’अर्रुफ़:

“ख़ुदा का डेरा” (घर ) एक ख़ास ख़ेमा था जिसमें इस्राईली वीरान के 40 सालों में ख़ुदा की इबादत करते थे।

- ख़ुदा ने इस बड़े ख़ेमे को बनाने के लिए इस्राईलियों को तफ़सील से एहकाम ‘अता किए थे। इसके दो कमरे थे और यह एक बन्द आंगन से घिरा हुआ था।
- इस्राईली जब भी वीराने में एक जगह से दूसरी जगह को जाते थे तब काहिन इस ख़ेमे को उखाड़कर नयी जगह में ले जाते थे। और अपनी छावनी के बीच में उसे खड़ा करते थे।
- यह ख़ेमा लकड़ी के ढांचे पर कपड़े, बकरी के बाल तथा जानवर की खाल से बना हुआ था। उसके चारों ओर का मैदान परदों के ज़रिए’ घिरा हुआ था।
- ख़ेमे के दो कमरे , पाक जगह (जिसमें धूप जलाने की क़ुर्बान गाह थी) और बेहद मुक़द्दस (जिसमें ‘अहद का सन्दूक़ रखा था) थे।
- ख़ेमे के मैदान में एक क़ुर्बानगाह थी जिस पर जानवर की क़ुर्बानी जलाई जाती थी और एक हौदा था जिसमें रस्मी पोछन का पानी रहता था।
- इस्राईलियों में इस ख़ेमे का इस्तेमाल ख़त्म हो गया था जब सुलैमान ने यरूशलीम में हैकल बना दिया।

## तर्जुमे की सलाह:

- “ख़ेमा ” का मतलब है “घर ”। इसका तर्जुमा हो सकता है, “पाक ख़ेमा ” या “ख़ेमा जिसमें ख़ुदा था” या “ख़ुदा का ख़ेमा ”
- तय करें कि इस लफ़्ज़ का तर्जुमा “हैकल ” लफ़्ज़ के तर्जुमे से अलग हो।

(यह भी देखें: क़ुर्बान गाह , धूप जलाने की क़ुर्बानगाह, ‘अहद का सन्दूक़, हैकल , मिलापवाला तम्बू)

## बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तवारीख़ 21:28-30
- 2 तवारीख़ 01:2-5
- रसूलों में 'आमाल 07:43
- रसूलों के 'आमाल 07:44-46
- ख़ुरूज 38:21-23
- यशू’अ 22:19-20
- अह्बार 10:16-18

## शब्दकोश:

- Strong's: H168, H4908, H5520, H5521, H5522, H7900, G4633, G4634, G4636, G4638

# ग़लती , बदकारी

## ता’अर्रुफ़:

"ग़लती" लफ़्ज़ का मतलब और "गुनाह" का मतलब एक जैसा ही है लेकिन जुर्म का ज़्यादा ख़ास करके जानबूझ कर या बड़ी बदकारी से मुता'अल्लिक़ ग़लत काम करना।

- “बदकारी का काम” का मतलब हक़ीक़त में है कि (शरी'अत को) घुमा फिरा के बयान करना। इसके बारे में बड़ी ना इंसाफ़ी है।
- ग़लती कई लोगों के ख़िलाफ़ जानबूझकर, नुक़सान दह 'आमाल की शक्ल में बयान किया जा सकता है ।
- “बदकारी के काम” का तर्जुमा हो सकता है, “ग़लत किरदार” या “बग़ावत” इन दोनों लफ़्ज़ों के ज़रिए' खौफ़नाक गुनाह की हालत ज़ाहिर होती है।

## तर्जुमा के लिए सलाह:

- “बदकारी के कामों” का तर्जुमा हो सकता है, “बदकार” या “सख्त 'अमल” या “नुक़सान देने वाला काम ”।
- “बदकारी के काम” यह जुमले हमेशा मुख़ालिफ़ ज़ाहिर होते है जिसमें “गुनाह ” और “बग़ावत ” लफ़्ज़ आते हैं। लिहाज़ा इनके तर्जुमे में अलग-अलग लफ़्ज़ों का इस्ते'माल करना बहुत ज़रूरी है।

(यह भी देखें: गुनाह, नाफ़रमानी करना, जुर्म करना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- दानिएल 09:12-14
- ख़ुरूज 34: 5-7
- पैदाइश 15:14-16
- पैदाइश 44:16-17
- हबक़्क़ूक़ 02:12-14
- मत्ती 13:40-43
- मत्ती 23:27-28
- मीकाह 03:9-11

## शब्दकोश:

- Strong's: H205, H1942, H5753, H5758, H5766, H5771, H5932, H5999, H7562, G92, G93, G458, G3892, G4189

# ग़ैर क़ौम, ग़ैर क़ौमों

## सच्चाई:

"ग़ैर क़ौम" का मतलब है ग़ैर यहूदी लोग । ग़ैर क़ौम उन लोगों को कहते थे जो या'क़ूब की नसल नहीं थे।

- कलाम में “मख़तून” लफ़्ज़ भी 'अलामती शक्ल से ग़ैर क़ौमों के लिए काम में लिया गया है क्यूँकि वह इस्राईलियों की तरह अपने लड़कों का ख़तना नहीं करते थे।
- ख़ुदा ने यहूदियों को अपने लिए अलग करके चुन लिया था, इसलिए यहूदी ग़ैर लोगों को बाहरी लोग मानते थे जो कभी ख़ुदा के लोग नहीं हो सकते थे।
- यहूदियों को तवारीख़ में अलग-अलग वक़्तों पर “इस्राईली” या “'इब्रानी” कहा गया है और सबको वे “ग़ैर क़ौम” कहते थे।
- ग़ैर क़ौम का तर्जुमा “यहूदी नहीं” या “ ग़ैर यहूदी” या “ ग़ैर इस्राईली” (पुराने ‘अहद नामे में) या “ग़ैर-यहूदी” हो सकता है।
- रवायतों के मुताबिक़ यहूदी ग़ैर क़ौम के साथ बैठ कर खाना नहीं करते थे या उनके साथ रिश्ता नहीं रखते थे, इस वजह से शुरू'आती कलीसिया में परेशानियाँ पैदा हुई थीं ।

(यह भी देखें: इस्राईल, या’क़ूब, यहूदी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 09:13-16
- रसूलों के 'आमाल 14:5-7
- गलातियों 02:15-16
- लूक़ा 02:30-32
- मत्ती 05:46-48
- मत्ती 06:5-7
- रोमियो 11:25

## शब्दकोश:

- Strong's: H1471, G1482, G1484, G1672

# ग़ज़ब, ग़ुस्सा

## ता'अर्रुफ़:

क़हर एक मज़बूत ग़ज़ब नाक हालत है जो कभी-कभी ज़्यादा वक़्त में होता है। यह ख़ास करके ख़ुदा से बग़ावत करने वालों के गुनाह के लिए खुदा के इन्साफ़ पसन्द 'अदालत और सज़ा के बारे में आता है।

- किताब-ए-मुक़द्दस में "क़हर " लफ़्ज़ अक्सर ख़ुदा के ख़िलाफ़ गुनाह करनेवालों के ख़िलाफ़ ख़ुदा के ग़ज़ब का बयान देता है।
- "ख़ुदा का ग़ज़ब " उसकी 'अदालत और गुनाह की सज़ा का बयान देता है।
- ख़ुदा का क़हर गुनाह से न फिराने वाला के लिए रास्तबाज़ी की सज़ा है।

## तर्जुमें की सलाह :

- तर्जुमे के मुताबिक़ , इस लफ़्ज़ के और तर्जुमे की शक्ल हो सकती है "ख़तरनाक ग़ुस्सा " या "इन्साफ़ पसन्द'अदालत " या "ग़ज़ब "
- ख़ुदा के क़हर के बारे में चर्चा करते वक़्त तय करें कि इसका तर्जुमा गुनाह की वजह से पैदा ग़ज़ब का दौरा के मतलब में न हो। ख़ुदा का ग़ुस्सा इन्साफ़ के साथ और पाक होता है।

(यह भी देखें: इन्साफ़ , गुनाह )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
- 1 तीमुथियुस 02:8-10
- लूका 03:7
- लूका 21:23-24
- मत्ती 03:7-9
- मुकाश्फ़ा 14:9-10
- रोमियो 01:18-19
- रोमियो 05:8-9

## शब्दकोश:

- Strong's: H639, H2197, H2528, H2534, H2740, H3707, H3708, H5678, H7107, H7109, H7110, H7265, H7267, G2372, G3709, G3949, G3950

# ज़मीर,’अक़्ल

## ता’अरुफ़:

ज़मीर इन्सान की सोच का हिस्सा है जिसके ज़रिये ख़ुदा उसे होशियार करता है जब वह कुछ गुनाह करता है |

- ख़ुदा ने इन्सान को ‘अक़्ल दिया है कि वह सही और ग़लत में फर्क़ कर पाए।
- जो इन्सान ख़ुदा के हुक्म मानता है उसके लिए कहा जाता है कि उसकी ‘अक़्ल “पाक” या “साफ़” या “खालिस ” है।
- अगर इन्सान का ज़मीर साफ़ है तो इसका मतलब है कि वह किसी भी गुनाह को छिपा नहीं रहा है |
- अगर इन्सान अपने ज़मीर की बात न सुने और गुनाह करते वक़्त उसे गुनाह का इल्म न हो तो इसका मतलब है कि उसका ज़मीर ग़लत काम के लिए हस्सास नहीं है। किताब-ए-मुक़द्दस इसे दागा गया ज़मीर कहती है, जिस पर ऐसा निशान लगा है जैसा गर्म लोहे से दागा जाता है। ऐसे ज़मीर को “बे हिस” या “गन्दा” कहा जाता है।
- इस लफ़्ज़ के मुमकिन तौर से तर्जुमे हो सकते हैं, “रूहानी नेक रहनुमा ” या “नेक ख़्याल”

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तीमुथियुस 01:18-20
- 1 तीमुथियुस 03:8-10
- 2 कुरिन्थियों 05: 11-12
- 2 तीमुथियुस 01:3-5
- रोमियो 09:1-2
- [तीतुस 01:15-16

## शब्दकोश:

- Strong's: G4893

# ज़ाहिर करना, ज़ाहिर करना, ज़ाहिर किया, मुकाशिफ़ा

## ता’अर्रुफ़:

“ज़ाहिर करना” या’नी किसी बात को जानने के क़ाबिल बनाना। “मुकाशिफ़ा” ज़ाहिर की गई कोई बात है।

- ख़ुदा ने अपनी क़ायनात की हर एक तख़लीक के ज़रिए’ से ख़ुद को ज़ाहिर किया है और ज़ुबानी और तहरीरी पैग़ाम के इन्सान के साथ जुड़ने के ज़रिए’ भी।
- ख़ुदा ख़्वाबों और रोया के ज़रिए’ भी ख़ुद को ज़ाहिर करता है।
- पौलुस कहता है कि उसने “मसीह ‘ईसा के मुकाशिफ़ा के ज़रिए’” ख़ुशख़बरी हासिल की है तो उसके कहने का मतलब है कि ‘ईसा ख़ुद ने उसे ख़ुशख़बरी समझाई है।
- नये ‘अहदनामे की किताब, “मुकाशिफ़ा” आख़िरी वक़्त से मुता’अल्लिक़ वाक़ि’आत का ख़ुदा के ज़रिए’ मुकाशिफ़ा है। उसने रोया के ज़रिए’ रसूल युहन्ना को सब ज़ाहिर किया था।

## तर्जुमे की सलाह:

- “ज़ाहिर करना” के दीगर तर्जुमा के तरीक़े हैं, “समझाना” या “खोलना” या “साफ़ दिखाना”
- मज़मून पर मुनहस्सिर “मुकाशिफ़ा” के मुमकिन तर्जुमा हो सकते हैं, “ख़ुदा से रिश्ता” या “ख़ुदा ने जो बातें ज़ाहिर की” या “ख़ुदा के बारे में ता’लीमत”। अच्छा तो यही होगा कि इसी लफ़्ज़ में “ज़ाहिर करना” का मतलब रखा जाए।

“जहां मुकाशिफ़ा नहीं” इस जुमले का तर्जुमा “जब ख़ुदा इन्सानों पर ख़ुद को ज़ाहिर न करे” या “जब ख़ुदा इन्सानों से बातें न करे” या “ख़ुदा ने इन्सानों से राब्ता न किया” के तौर पर किया जा सकता है।

(यह भी देखें: ख़ुशख़बरी, ख़ुशख़बरी, ख़्वाब, रोया)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- दानिएल11:1-2
- इफ़िसियों 03:3-5
- गलातियों 01:11-12
- नोहा. 02: 13-14
- मत्ती 10:26-27
- फ़िलिप्पियों 03:15-16
- मुकाशिफ़ा 01:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H241, H1540, H1541, G601, G602, G5537

# ज़िन्दगी, ज़िन्दा रहना, रहा, ज़िन्दगी,जानदार, ज़िन्दा

## ता'अर्रुफ़:

इन सब अलफ़ाज़ का मतलब है ज़िन्दा रहना, मरना नहीं इनका इस्ते'माल 'अलामती तौर पर रूह में ज़िन्दा रहने के लिए भी किया जाता है। मुन्दर्ज़ा ज़ेल से ज़िक्र किया जाता है कि, "जिस्मानी ज़िन्दगी" और "रूहानी ज़िन्दगी" का क्या मतलब है

## 1. जिस्मानी ज़िन्दगी

- जिस्मानी ज़िन्दगी जिस्म में रूह की हाज़िरी है। ख़ुदा ने आदम के जिस्म में ज़िन्दगी की सांस दी, और वह एक ज़िंदा हो गया।
- एक "ज़िन्दगी" को "एक ज़िन्दगी बचाया गया" के बारे में भी इस्ते'माल किया जा सकता है।
- कभी-कभी लफ़्ज़ "ज़िन्दगी" में रहने के तजरुबे के बारे में बताता है, "उसकी ज़िन्दगी ख़ुशहाल थी"
- यह किसी इन्सान की 'उम्र का भी ज़िक्र कर सकता है, जैसा कि इज़हार में "उसकी ज़िन्दगी की आख़िर" होता है।
- "ज़िन्दा रहना" लफ़्ज़ का मतलब जिस्मानी तौर से जिंदा होने का ज़िक्र कर सकते हैं, जैसा कि "मेरी मां अभी भी ज़िन्दा है।" यह रहने के बारे में ज़िक्र कर सकता है, "वे शहर में रह रहे थे।"
- किताब-ए-मुक़द्दस में, "ज़िन्दगी" का तसव्वुर अक्सर "मौत" के तसव्वुर से अलग है।

## 2. रूहानी ज़िन्दगी

- एक इन्सान की रूहानी ज़िन्दगी है, जब वह ख़ुदा के साथ 'ईसा पर ईमान करता है, तो उस इन्सान को पाक रूह के साथ रूहानी ज़िन्दगी में बदल जाता है।
- इस ज़िन्दगी को "अबदी ज़िन्दगी" कहा जाता है, यह इशारा करने के लिए कि इसका आख़िर नहीं है।
- रूहानी ज़िन्दगी के मुख़्तलिफ़ रूहानी मौत है, जिसका मतलब है कि ख़ुदा से अलग होने और अबदी सज़ा का सामना करना।

## तर्जुमें की सलाह:

- मज़मून पर मुनहस्सिर "ज़िन्दगी" का तर्जुमा "वजूद" या "इन्सान" या "जान" या "होना" या "तजरुबा" हो सकता है।
- "रहना" लफ़्ज़ का तर्जुमा "रहना" या "बसना" या "वजूद में रहना" किया जा सकता है।
- इज़हार "ज़िन्दगी की आख़िर" का तर्जुमा "ज़िन्दगी की सांस रूक जाए" हो सकता है।
- इज़हार "जान बचा दी" का तर्जुमा "जीने दिया" या "क़त्ल नहीं की" किया जा सकता है।
- इज़हार "जान ख़तरे में डाली" का तर्जुमा हो सकता है, "जान मुसीबत में डाली" या "ऐसा काम किया जो जान लेवा हो सकता था"।
- जब किताब-ए-मुक़द्दस के मज़मून में रूहानी तौर से ज़िन्दा होने के बारे में बात की जाती है, " मज़मून पर मुनहस्सिर "ज़िन्दगी" का तर्जुमा "रूहानी ज़िन्दगी" या "अबदी ज़िन्दगी" के तौर पर किया जा सकता है।
- "रूहानी ज़िन्दगी" का तसव्वुर का भी तर्जुमा किया जा सकता है क्योंकि "ख़ुदा हमें अपनी रूहों में ज़िन्दा कर रहा है" या "ख़ुदा की रूह से नई ज़िन्दगी" या "रूह में ज़िन्दा किया जाना।"
- मज़मून पर मुनहस्सिर, इज़हार "ज़िन्दगी देना" का तर्जुमा "ज़िन्दा रहने के लिए" या "अबदी ज़िन्दगी दे" या "हमेशा के लिए जीना" के तौर पर भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मौत, अबदी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 पतरस 01:3-4
- रसूलों के 'आमाल 10:42-43
- पैदाइश 02:7-8
- पैदाइश 07:21-22
- इब्रानियों 10:19-22
- यरमियाह44: 1-3
- युहन्ना 01: 4-5
- क़ुज़ात 02:18-19

- लूक़ा 12:22-23
- मत्ती. 07:13-14

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **01:10** फिर ख़ुदा ने मिट्टी ली, और उससे एक आदमी बनाया, और उसमें **ज़िन्दगी** की साँस फूँक दी
- **03:01** एक लंबे वक़्त के बा'द, बहुत से लोग दुनिया में **रह रहे** थे।
- **08:13** जब यूसुफ़ के भाई अपने बाप या'क़ूब के पास पहुँचे और उससे कहा, यूसुफ़ अब तक **ज़िन्दा** है, यह सुन वह बहुत ख़ुश हुआ।
- **17:09** हालांकि, अपनी **ज़िन्दगी** के आख़िरी वक़्त में उसने ख़ुदा के ख़िलाफ़ ख़ौफ़नाक गुनाह किया।
- **27:01** एक दिन, यहूदी मज़हब में माहिर एक मुन्तज़िम 'ईसा के पास उसकी आज़माइश लेने के लिए आया, और कहने लगा, "ऐ उस्ताद अबदी **ज़िन्दगी** का वारिस होने के लिए मैं क्या करूं?"
- **35:05** 'ईसा ने जवाब दिया, "मैं क़यामत और **ज़िन्दगी** हूँ।"
- **44:05** "तुम वही हो जिसने रोमी हुकूमत से कहा कि 'ईसा को मार दिया जाएँ। तुम ने **ज़िन्दगी** के मुसन्निफ़ को मार डाला, लेकिन ख़ुदा ने उसे मरे हुओ में से जिलाया।"

## शब्दकोश:

- Strong's: H1934, H2416, H2417, H2421, H2425, H5315, G198, G222, G227, G806, G590

# फ़ख्र, फ़ख्र करना, फ़ख्र से भरा

## ता'अर्रुफ़:

“फ़ख्र” या किसी चीज़ या आदमी के बारे में फ़ख्र की बातें करना। इसका मतलब हमेशा ख़ुद के बारे में बड़ाई करना होता है।

- “फ़ख्र” आदमी अपने बारे में फ़ख्र करता है।

ख़ुदा ने इस्राईल के बुतों पर फ़ख्र करने के लिए लड़ा था। वह सच्चे ख़ुदावन्द कि जगह में बुतों की 'इबादत करते थे।

- किताब-ए-मुक़द्दस में लोगों की दौलत, जाएदाद, ताक़त, अच्छी खेती और कवानीन पर फ़ख्र करने का बयान किया गया है। इसका मतलब है कि वह इन बातों पर फ़ख्र करते थे और इन सबको देने वाले ख़ुदावन्द को नहीं मानते थे।
- इसके अलावा ख़ुदावन्द इस्राईलियों से कहता था कि वह उससे जानने पर फ़ख्र करें।
- रसूल पौलुस ख़ुदा में फ़ख्र करने की बात कहता है या ख़ुदावन्द ने उनके लिए जो किया है उसके लिए ख़ुश होकर उसकी ता'रीफ़ करें।

## तर्जुमा की सलाह:

- “फ़ख्र” के और तर्जुमें हो सकते है, “बड़ाई करना” या “फ़ख्र से कहना” या “फ़ख्र करना”
- “फ़ख्र” लफ्ज़ का तर्जुमा ऐसे लफ्ज़ या बयान की ज़रिए’ किया जाए जिसका मतलब हो, “फ़ख्र की बातों से भरा” या “फ़ख्र से भरा हुआ” या “ख़ुद के बारे में बड़ाई करना”
- ख़ुदावन्द को जानने में फ़ख्र करने के बारे में तर्जुमा हो सकता है, “में फ़ख्र करना” या “में बड़ाई करना” के बारे में ज़्यादा तर ख़ुश होना” या “के लिए ख़ुदावन्द को मुबारक कहना”
- कुछ ज़बानों में “फ़ख्र” के दो लफ्ज़ हैं, एक मनफ़ी-फ़ख्र और दूसरा मुस्बत किसी के काम, ख़ानदान और मुल्क पर फ़ख्र करना।

## तर्जुमा की सलाह:

(यह भी देखें: फ़ख्र )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 20:11-12
- 2 तीमुथियुस 03:1-4
- या'क़ूब 03:13-14
- या'क़ूब 04:15-17
- ज़बूर 044:7-8

## शब्दकोश:

- Strong's: H1984, H3235, H6286, G212, G213, G2620, G2744, G2745, G2746, G3166

# फ़रिश्ता, फ़रिशतों,ख़ास ,फ़रिश्ते

## ता'अर्रुफ़:

फ़रिश्ते ख़ुदा के ज़रिए' बनाई गई एक ताक़तवर रूहानी क़ौम है। फ़रिश्ते ख़ुदा की ख़िदमत के लिए है, वह उसका हर एक हुक्म मानते हैं। “ हाकिम फ़रिश्ता” या'नी सब फ़रिश्तों पर हुकूमत या रहनुमाई करनेवाला।

- "फ़रिश्ते" का हक़ीक़ी मतलब क़ासिद है ""।
- " हाकिम फ़रिश्ता" का मतलब है, "ख़ास क़ासिद " कलाम में जिस " हाकिम फ़रिश्ता" का ज़िक्र किया गया है, वह मीकाईल है।
- कलाम में फ़रिशतों ने इन्सानों को ख़ुदा की ख़बर सुनाई है। इन ख़बरों में हुक्म थे कि ख़ुदा इंसानों से क्या करवाना चाहता था।
- फ़रिश्तों ने इन्सानों को मुस्तक़बिल के हादसाओं की जानकारी भी दी थी या पहले के हादसों की जानकारी दी थी।
- फ़रिशतों के पास ख़ुदा का इख्तियार होता था, क्यूँकि वह उसके नुमाइन्दे थे। कलाम में कभी-कभी वह ऐसे बोलते थे जैसे ख़ुदा ख़ुद ही कह रहा हो।

इन ख़बरों में हुक्म थे कि ख़ुदा इन्सानों से क्या करवाना चाहता था।

- फ़रिशतों ने इन्सानों को मुस्तक़बिल की की जानकारी भी दी थी या पहले के हादसों की जानकारी दी थी।1) “फ़रिश्ते जो यहोवा के नुमाइन्दे है” या “यहोवा की ख़िदमत करने वाला ” 2) इसके बारे में ख़ुद यहोवा हो सकता है, जो इन्सानों से बात करते वक़्त फ़रिश्ते सा दिखाई देता है। * फ़रिशते की ख़ुदा की ख़िदमत के कई शक्लें थीं, इन्सानों की हिफ़ाज़त करना और उन्हें क़ुव्वत अता करना।

## तर्जुमा की सलाह:

- “फ़रिश्ते” के तर्जुमा कई तरह कर सकते हैं, “ख़ुदा का क़ासिद” या “ख़ुदा का आसमानी ख़बर देने वाला ” या “ख़ुदा का क़ासिद "रूह ”।
- “हाकिम फ़रिश्ता” का तर्जुमा “ख़ास फ़रिश्ते” या “ख़ास हाकिम फ़रिश्ता” या “फ़रिश्तों का रहनुमा ”।
- तवज्जोह दें कि इन लफ़्ज़ों का तर्जुमा क़ौमी ज़बान या और मक़ामी ज़बान में कैसे किया गया है।
- “यहोवा का फ़रिश्ता” का तर्जुमा “यहोवा” और “फ़रिश्ते” के तर्जुमा सक्लों के ज़रिए' किया जाए। इससे उस जुमलें के अलग मतलब तर्जुमा में ज़ाहिर होगा। मुनासिब तर्जुमा हो सकते है, “यहोवा का फ़रिश्ता” या “यहोवा के ज़रिए' भेजा गया फ़रिशता” या “यहोवा, जो फ़रिश्ता सा दिखाई देता है।”

(यह भी देखें: नए लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करे)

(यह भी देखें: हाकिम, सिर, फ़रिश्ते, मीकाएल, हाकिम, खादिम )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 शमूएल 24:15-16
- रसूलों के 'आमाल 10:3-6
- रसूलों के 'आमाल 12:22-23
- कुलुस्सियों 02:18-19
- पैदाइश 48:14-16
- लूक़ा 02:13-14
- मरकुस 08:38
- मत्ती 13:49-50
- मुक़ाश्फ़ा 01:19-20
- जकरियाह 01:7-9

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **02:12** ख़ुदा ज़िन्दगी के दरख़्त का फल खाने से किसी को रोकने के लिये बाग़ के दरवाज़े पर ताक़तवर **फ़रिशतों** को रखा।
- _*22:03*फ़रिश्ते ने जकरियाह से कहा, "मैं ख़ुदा के ज़रिए' तुझे यह ख़ुशख़बरी सुनाने को भेजा गया हूँ।"
- **23:06** अचानक, एक चमकता **फ़रिश्ता** उन्हें दिखाई दिया , और वह बहुत डर गए। तब **फ़रिश्ते** ने उनसे कहा, “ मत डरो; क्यूँकि देखो, मैं तुम्हें बड़ी ख़ुशी की ख़ुशख़बरी सुनाता हूँ” तब **फ़रिश्ते** ने उनसे कहा, “ मत डरो; क्यूँकि देखो, मैं तुम्हें बड़े ख़ुशी की ख़ुशख़बरी सुनाता हूँ

- **23:07** तब एका एक **फ़रिशतों** का झुण्ड ख़ुदा की बड़ाई करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया,
- **25:08** तब **फ़रिश्ते** आए और ईसा की ख़िदमत करने लगे।
- **38:12** ईसा बहुत परेशान था और उसका पसीना खून की बूँदो की तरह था। ख़ुदा ने अपना एक **फ़रिश्ता** भेजा उसे क़ूव्वत देने के लिए।
- **38:15** " क्या तू नहीं जनता कि मैं अपने बाप से मिन्नत कर सकता हूँ, और वह _फ़रिश्तों _ की पलटन अभी मेरे पास भेज देगा।"

## शब्दकोश:

- Strong's: H47, H430, H4397, H4398, H8136, G32, G743, G2465

# फ़ैसले का दिन

## ता'अरुफ़:

"फ़ैसले का दिन" उस मुस्तक़बिल के वक़्त के बारे में है जब ख़ुदा लोगों का इन्साफ़ करेगा।

- ख़ुदा ने अपने बेटे मसीह 'ईसा को सब लोगों का मुंसिफ़ ठहराया है।
- फ़ैसले के दिन मसीह अपने रास्तबाज़ किरदार के तौर पर लोगों का फ़ैसला करेगा।

## तर्जुमा की सलाह:

- इसका तर्जुमा "फ़ैसले के दिन" हो सकता है क्यूँकि यह एक दिन से ज़्यादा वक़्त का होगा।
- इस जुमले की दूसरी शक्ल में तर्जुमा हैं "आख़िर वक़्त जब ख़ुदा सब लोगों का इन्साफ़ करेगा।"
- कुछ तर्जुमों में इस जुमले को बड़े हरफ़ों में लिखा जाता है कि इसे ख़ास दिन या वक़्त ज़ाहिर किया जाए। " इन्साफ़ का दिन" या " इन्साफ़ का वक़्त "

(यह भी देखें: इन्साफ़, 'ईसा, जन्नत, दोज़ख़)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- लूक़ा 10:10-12
- लूक़ा 11:31
- लूक़ा 11:32
- मत्ती 10:14-15
- मत्ती 12:36-37

## शब्दकोश:

- Strong's: H2962, H3117, H4941, G2250, G2920, G2962

# फ़ज़ल, फ़ज़ल करने वाला

## ता’अर्रुफ़:

“फ़ज़ल” का मतलब है कि किसी शख़्स की मदद करना या उसको बरकत देना जबकि वह इस लायक़ नहीं है। “फ़ज़ल करने वाला” इस शख़्स को दिखता है जो किसी पर फ़ज़ल करता है।

- गुनागार लोगों के बारे में ख़ुदावन्द का फ़ज़ल एक अनमोल ने'मत है।
- फ़ज़ल के ख़याल में ग़लत और नुक़सान पहुंचानेवाला काम करने वाले लोगों को रहम दिखाना या मु'आफ़ करना।
- जुमलों "फ़ज़ल हासिल करने के लिए" एक जुमला है जिसका मतलब है कि ख़ुदा से मदद और रहम हासिल करना है। इसके मतलब में किसी से ख़ुदावन्द का ख़ुश होना और उसकी मदद करने का मतलब ज़ाहिर होता है।

## तर्जुमा की सलाह:

- “फ़ज़ल” को दूसरे तर्जुमें की शक्ल हो सकती हैं “ख़ुदा की महेरबानी ” या “ ख़ुदावन्द का एहसान या “गुनाहगारों के लिए ख़ुदावन्द का रहम और मु'आफ़ी” या “रहम दिल महेरबान”।
- “फ़ज़ल देने वाला ” का तर्जुमा हो सकता है, “फ़ज़ल से मा'मूर” या “रहम दिल ” या “रहम करने वाला ” या “रहम दिल महेरबान ”।
- “ ख़ुदावन्द की नज़र में फ़ज़ल हासिल किया” इस जुमले का तर्जुमा हो सकता है, “उसने ख़ुदावन्द से रहम हासिल किया” या “ ख़ुदावन्द ने रहम दिल होकर उसकी मदद की” या "ख़ुदावन्द ने उस पर रहम दिखाया " या “ ख़ुदावन्द उससे ख़ुश हुआ और उसकी मदद की”।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 04:32-33
- रसूलों के 'आमाल 06:8-9
- रसूलों के 'आमाल 14:3-4
- कुलुस्सियों 04:5-6
- कुलुस्सियों 04:18
- पैदाइश 43:28-29
- या'क़ूब 04:6-7
- यूहन्ना 01:16-18
- फ़िलिप्पियों 04: 21-23
- मुक़ाश्फ़ा 22:20-21

## शब्दकोश:

- Strong's: H2580, H2587, H2589, H2603, H8467, G2143, G5485, G5543

# ‘अहद का सन्दूक़, यहोवा का सन्दूक़

## ता'अरुफ़:

यह लफ़्ज़ एक ख़ास लकड़ी के सन्दूक़ के लिए है, जिस पर सोने की चादर चढ़ाई हुई थी। उसमें दस हुक्मों की पत्थर की दो तख्तियाँ थी। उसमें हारून की लाठी और मन्ना का मर्तबान भी था।

- सन्दूक़ का तर्जुमा “बक्सा”, "पेटी" और "तिजोरी" भी किया जा सकता है।

इस सन्दूक़ में रखी चीज़ें इस्राईल को ख़ुदा के' 'अहद को याद कराती थी।

- 'अहद का सन्दूक़ "बहुत मुक़द्दस जगह" में रखा हुआ था।
- मिलाप वाले ख़ेमे में ख़ुदा की मौजूदगी बहुत मुक़द्दस जगह में 'अहद के सन्दूक़ के ऊपर थी। वहाँ वह इस्राईलियों के लिए मूसा से बातें करता था।
- जिस वक़्त 'अहद का सन्दूक़ हैकल की मुक़द्दस जगह में था, उस वक़्त सिर्फ़ बड़ा हाकिम ही उस सन्दूक़ के क़रीब जा सकता था और वह भी साल में एक बार तौबा कफ़्फ़ारे के दिन पर।
- कई अंग्रजी तर्जुमों में “'अहद के हुक्मों” का तर्जुमा लफ़्ज़ “गवाही (गवाही)” किया गया है। यह इस हक़ीक़त के बारे में बताता है कि दस हुक्म लोगों के साथ ख़ुदा के 'अहद का सुबूत या गवाह हैं। इसका तर्जुमा “ 'अहद का क़ानून” भी किया गया है।

(यह भी देखें: सन्दूक़, अहद, तौबा, मुक़द्दस जगह, गवाही, गवाह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 06:14-15
- ख़ुरूज 25:10-11
- इब्रानियों 09:3-5
- क़ुजात 20:27-28
- गिनती 07:89
- मुक़ाश्फा 11:19

## शब्दकोश:

- Strong's: H727, H1285, H3068

# ‘अज़ीम ख़ुदावन्द

## सच्चाई:

“‘अज़ीम ख़ुदावन्द” लफ़्ज़ ख़ुदावन्द का लक़ब है। इसके बारे में उसकी 'अज़मत और इख्तियार से है।

इस लफ़्ज़ का मतलब “ख़ुद मुख़तारी” या “'आला ” जैसा ही है।

- इस लक़ब में ऊँचा का मतलब जिस्मानी ऊँचाई या दूरी से नहीं है। इसका मतलब 'अज़मत से है।

## तर्जुमा की सलाह:

- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, “‘अज़ीम ख़ुदावन्द ख़ुदा” या “ बुलन्द जानदार ” या “'आला ख़ुदावन्द” या “सबसे बड़ा” या “ऊँचा” या “सबसे बड़ा ख़ुदावन्द ”
- अगर “ऊँचा” लफ़्ज़ का इस्ते'माल किया गया तो साबित करें कि उसका मतलब ऊँचाई या लम्बाई न हो।

(यह भी देखें: ख़ुदावन्द)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 07:47-50
- रसूलों के 'आमाल 16:16-18
- दानिएल 04:17-18
- इस्तिसना 32:7-8
- पैदाइश 14:17-18
- 'इब्रानियों 07:1-3
- होसे'अ 07:16
- नौहा 03:34-36
- लूक़ा 01:30-33

## शब्दकोश:

- Strong's: H5945, G5310

# ‘आलम-ए-अर्वाह, अथाह गड्ढा

## ता’अर्रुफ़:

“‘आलम-ए-अर्वाह” और “अथाह-गड्ढा” किताब-ए-मुक़द्दस में मौत के बारे में काम में लिए गए हैं और उस जगह को ज़ाहिर हैं जहां मरने के बा’द इन्सानों की रूहें जाती हैं। इनके मतलब एक से ही हैं।

- पुराने ‘अहदनामे में “अथाह गड्ढे” का इब्रानी लफ़्ज़ (शिओल) अमूमन मौत की जगह को ज़ाहिर है
- नये ‘अहदनामे में यूनानी लफ़्ज़ “‘आलम-ए-अर्वाह” (अथाह-गड्ढा) ख़ुदा के बाग़ियों की रूहों की जगह है। इन रूहों के लिए कहा गया है कि वे अथाह-गढ्ढे में डाली जायेंगी। यह कभी-कभी “आसमान पर उठाना” के मुख़्तलिफ़ ख़याल ज़ाहिर करने के लिए है जहां ‘ईसा के ईमानदारों की रूहें हैं।
- मुकाशिफ़े की किताब में अथाह-गड्ढे के साथ मौत लफ़्ज़ जुड़ा है। आख़िरी वक़्त में मौत और ‘आलम-ए-अर्वाह दोनों आग की झील में डाले जायेंगे।

## तर्जुमे की सलाह

पुराने ‘अहदनामे के लफ़्ज़ “अथाह गड्ढा” (‘आलम-ए-अर्वाह) का तर्जुमों “मुर्दों की जगह” या “मुर्दा रूहों की जगह” कुछ तर्जुमों में इसे “कुण्ड” या “मौत” कहा गया है-मज़मून पर मुनह्सिर।

- नये ‘अहदनामे का लफ़्ज़ “’आलम-ए-अर्वाह” का तर्जुमा भी “बे-ईमान मुर्दा रूहों की जगह” या “ईमानदार मुर्दा इन्सानों की रूहों की जगह”।
- कुछ तर्जुमों में “अथाह गड्ढा” और “‘आलम-ए-अर्वाह” का उसी ज़बान के तलफ़्फ़ुज़ में ज्यों का त्यों रखा गया है। (देखें: अनजान अलफ़ाज़ का तर्जुमा कैसे करें)
- एक जुमले को यह भी समझाने के लिए हर एक लफ़्ज़ में जोड़ा जा सकता है, ऐसा करने के मिसाल के तौर पर, "‘आलम-ए-अर्वाह, जगह जहाँ मरे हुए लोग हैं" और "अथाह-गड्ढा, मौत की जगह "।

(तर्जुमे की सलाह: अनजान अलफ़ाज़ का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: मौत, आसमान, ‘आलम-ए-अर्वाह, कब्र)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के ‘आमाल 02:29-31
- पैदाइश 44:27-29
- यूनाह 02:1-2
- लूक़ा 10:13-15
- लूक़ा 16:22-23
- मत्ती 11:23-24
- मत्ती 16:17-18
- मुकाशिफ़ा 01:17-18

## शब्दकोश:

- Strong's: H7585, G86

# ‘इबादत

## ता’अरुफ़:

“’इबादत करना” या’नी किसी की इज़्ज़त करना, बड़ाई करना और हुक्म मानना, ख़ास करके ख़ुदा का।

- इस लफ़्ज़ का हक़ीक़ी मतलब है, “झुकना” या “सजदा करना” कि किसी की हलीमी से इज़्ज़त करें।
- हम ख़ुदा की ख़िदमत और इज़्ज़त करके, उसकी ता’रीफ़ करके और हुक्म मानकर उसकी ’इबादत करते हैं।
- इस्राईलियों के ज़रिए ख़ुदा की ’इबादत में ज़्यादातर कुर्बानगाह पर जानवर की क़ुर्बानी पेश होती थी।
- कुछ लोग झूठे मा’बूद की ‘इबादत करते थे।

## तर्जुमे की सलाह:

- “’इबादत” लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है “सजदा करना” या “बड़ाई करना और ख़िदमत करना” या “इज़्ज़त करना और हुक्मों को मानना”।
- कुछ मज़मूनों में इसका तर्जुमा हो सकता है, “हलीमी से ता’रीफ़ करना” या “इज़्ज़त और ता’रीफ़ करें।”

(यह भी देखें: क़ुर्बानी , ता’रीफ़, इज़्ज़त )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- कुलुस्सियों 02:18-19
- इस्तिसिना 29:17-19
- ख़ुरूज 03:11-12
- लूका 04:5-7
- मत्ती 02:1-3
- मत्ती 02:7-8

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों सेमिसाल :

- **13:04** ख़ुदा ने उन्हें ‘अहद दिया और कहा, "मैं तेरा ख़ुदा यहोवा हूँ, जो तुझे ग़ुलामी के घर या’नी मिस्र मुल्क से निकाल लाया है। "तू मुझे छोड़ दूसरों को ख़ुदा करके न मानना |
- **14:02** कना’नियो ने न तो ख़ुदा की ‘इबादत की और न ही हुक्मों को माना उन्होंने झूठे मा’बूदों की ’इबादत की, और बहुत से बुरे काम किए।
- **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक हैकल को ता’मीर करें जिसमें सभी इस्राईली ख़ुदा की _’इबादत _ करें और क़ुर्बानियाँ पेश करें
- **18:12** इस्राईली मुल्क के सभी बादशाह और बहुत से लोग बुतों की _’इबादत _ करते थे।
- **25:07** तब ‘ईसा ने उससे कहा, “हे शैतान दूर हो जा ! ख़ुदा के कलाम में वह अपने लोगों को हुक्म देता है कि 'तू ख़ुदावन्द अपने ख़ुदा को सजदा कर, और केवल उसी की '_’इबादत _ कर।’”
- **26:02** सब्त के दिन वह(‘ईसा )_’इबादत _ करने की जगह पर गया।
- **47:01** वहा पर वह लुदिया नाम की दीनी‘औरत से मिले जो कि कारोबारी थी। वह बहुत मुहब्बत के साथ ख़ुदावन्द की _’इबादत _ करती थी।
- **49:18** ख़ुदा कहता है कि हम दुआ’ करें, उसका कलाम पढ़ें, और मसीही लोगों के साथ उसकी _ ’इबादत _ करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

## शब्दकोश:

- Strong's: H5457, H5647, H6087, H7812, G1391, G1479, G2151, G2318, G2323, G2356, G3000, G3511, G4352, G4353, G4573, G4574, G4576

# ‘इज़्ज़त, ‘इज़्ज़त करता,

## ता’अर्रुफ़:

“‘इज़्ज़त” और “‘इज़्ज़त करना” का मतलब है किसी का ‘इज़्ज़त करना, अदब करना या अहतराम करना |

- ‘इज़्ज़त उस इन्सान की की जा सकती है जो ‘उहदे में बड़ा हो, ख़ास हो जैसे बादशाह या ख़ुदा
- ख़ुदा ने मसीहियों को दूसरों का अहतराम करने का हुक्म दिया है।
- औलाद से उम्मीद की गई है कि अपने वालिदैन का अहतराम करें जिसमें उससे ‘इज़्ज़त और फ़रमाबरदारी की उम्मीद भी की गई है।
- “‘इज़्ज़त” और जलाल अलफ़ाज़ के साथ-साथ काम में लिया गया है, ख़ास करके ‘ईसा के बारे में। एक ही बात को कहने के ये दो तरीक़े हैं।
- ख़ुदा का अहतराम करने का मतलब है उसका शुक्र करना और उसकी ता’रीफ़ करना और उसका हुक्म मानकर ‘इज़्ज़त ज़ाहिर करना तथा ऐसी ज़िन्दगी जीना जिससे ज़ाहिर हो कि वह कैसा बड़ा है।

## तर्जुमे की सलाह:

- “‘इज़्ज़त” के और तर्जुमे के तरीके हैं, “किसी को ख़ास अहतराम दिखाना” या “’इज़्ज़त ज़ाहिर करना” या “बड़ी ‘इज़्ज़त देना”

“‘इज़्ज़त करना” का तर्जुमा हो सकता है, “ख़ास अहतराम करना” या “ता’रीफ़ करना” या “बड़ी इज़्ज़त देना” या “बड़ी खुसूसियत ज़ाहिर करना”

(यह भी देखें: बे’इज़्ज़ती, जलाल, बड़ाई करना, हम्द करना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 02:8
- रसूलों के ‘आमाल 19:15-17
- युहन्ना 04:43-45
- युहन्ना 12:25-26
- मरकुस 06:4-6
- मत्ती 15:4-6

## शब्दकोश:

- Strong's: H1420, H1921, H1922, H1923, H1926, H1927, H1935, H2082, H2142, H3366, H3367, H3368, H3372, H3373, H3374, H3444, H3513, H3519, H3655, H3678, H5081, H5375, H5457, H6213, H6286, H6437, H6942, H6944, H6965, H7236, H7613, H7812, H8597, H8416, G820, G1391, G1392, G1784, G2151, G2570, G3170, G4411, G4586, G5091, G5092, G5093, G5399

# ’अहद , ‘अहदों,नया ‘अहद

## ता’अर्रुफ़:

‘अहद एक ज़ाहिरी इक़रार नामा है जिसे दोनों फ़र्दों को निभाना होता है।

यह समझौता दो आदमियों , दो लोगों के झुण्ड में या ख़ुदा और इन्सानों के बीच हो सकता है।

- इन्सान जब एक दूसरे के साथ ‘अहद बांधते हैं तब वे कुछ वा’दे करते हैं और उनका पूरा करना ज़रूरी होता है।
- इन्सानों के बीच ‘अहद की मिसालें हैं, शादी , तिजारती समझौते तथा मुल्कों के बीच सुलह
- पूरे कलाम में ख़ुदा ने अपने लोगों के साथ बहुत से ‘अहद बांधे हैं।
- कुछ ‘अहदों में ख़ुदा ने बिना शर्त अपन किरदार निभाने का वा’दा किया है। * मिसाल के तौर पर जब ख़ुदा ने इन्सानों के साथ ‘अहद बांधा था कि वह ज़मीन को पानी के अज़ाब से कभी हलाक नहीं करेगा तो उसमें इन्सानों का कोई किरदार नहीं था ।
- और वा’दों में ख़ुदा ने अपन किरदार निभाने की शर्तें रखी थी कि इन्सान हुक्मों को मानें और अपना फ़र्ज़ निभाएं।

इस लफ़्ज़ के तम्सीली”नया ‘अहद “’ईसा की कुर्बानी के ज़रिये ऐसे लोगों के साथ इरादा या ‘अहद से मतलब रखता है |

- किताब-ए-मुक़द्दस के “नए ‘अहद नामे “के नाम से खुदा के “नए अहद “के बारे में बताया है |
- ये नया अहद “पुराने अहद नामे “या पिछले अहद के बार ख़िलाफ़ है जिस को खुदा ने इस्राईलियों के साथ बना दिया था
- नया “वादा”एक से ज़्यादा हैं क्यूँकि ये ‘ईसा की क़ुर्बानी पर मुनहसिर है जो मुकम्मल तौर पर लोगों के गुनाहों के लिए ज़ोर दिया गया है | पुराने अहद के तहत कुर्बानियों के ज़रिये नहीं किया |
- ख़ुदा अपने लोगों के दिलों पर जो ‘ईसा में ईमान रखते हैं उन को हाकिम बनाता है | यह उन लोगों की वजह से है जो ख़ुदा की फरमाबरदारी और मुक़द्दस ज़िन्दगी को फिर से शुरू करना चाहते हैं |
- नये सरदार को पूरे तरह आखीर के दिनों में पूरा करेगा जब खुदा ज़मीन पर ऐसे हाकिमो को कायेम करेगा | सब कुछ एक बार फिर बहुत अच्छा होगा ,क्यूँकि जब खुदा ने पहले दुनिया को बनाया |

## तर्जुमे की सलाह:

- मज़मून के तर्जुमें इस लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, “बंधा समझौता” या “पूरा सौंपना ” या “जुड़ा ” या “’अहद में बंधा ”।
- कुछ ज़बानों में ‘अहद बांधने की एक तरफ़ा या दो तरफ़ा वा’दों के मुताबिक़ अलग-अलग लफ़्ज़ होते हैं। अगर ‘अहद एक तरफ़ा है तो इसका तर्जुमा “वा’दा” या “’अहद ” हो सकता है।
- तय करें कि इस लफ़्ज़ का तर्जुमा ऐसा न सुनाई दे कि आदमियों ने ‘अहद को पेश किया है। ख़ुदा और आदमियों के बीच सब वादों में ख़ुदा ही ‘अहद का वाकिफ़ है।

नया ‘अहद “इस्तलाह “नए रस्मी ‘अहद “या ‘अहद को दिया “के तौर पर तर्जुमा किया जाता है | इन इज़हार में “नया”लफ़्ज़ ताज़ा या “नई किस्म “या दूसरे का मतलब है |

(यह भी देखें: नया ‘अहद, वा’दा)

## किताब-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 09:11-13
- पैदाइश 17:7-8
- पैदाइश 31:43-44
- ख़ुरूज 34:10-11
- यहोशू' 24:24-26
- 2 समूएल 23:5
- 2 सलातीन 18:11-12
- मरकुस 14:22-25
- लूक़ा 01:72-75
- लूक़ा 22:19-20
- रसूलों के 'आमाल 07:6-8
- 1 कुरन्थियों 11:25-26

- 2 कुरन्थियों 03:4-6
- गलतियों 03:17-18
- इब्रानियों 12:22-24

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **04:09** फिर ख़ुदा ने अब्राम के साथ एक _’अहद _ बांधा। _’अहद _ दो जमा’तों के बीच एक रज़ामन्दी होती है।
- **05:04** “मैं इस्माईल को भी एक बड़ी कौम बनाऊंगा, लेकिन मेरा _’अहद _ इसहाक़ के साथ होगा ।”
- **06:04** एक लंबे वक़्त के बा’द इब्राहीम की मौत हो गयी, ख़ुदा ने इब्राहीम से जो _’अहद _ किया था उसके मुताबिक़ , ख़ुदा ने इसहाक़ को बरकत दी।
- **07:10** ख़ुदा ने इब्राहीम के नस्लों के बारे में जो _’अहद _ उससे किया था , वह इब्राहीम से इसहाक़ और इसहाक़ से याक़ूब कोदिया ”
- **13:02** ख़ुदा ने मूसा से कहा कि वह इस्राईलियों से कहे ,“ अब अगर तुम ज़रूर मेरी मानोगे, और मेरे _’अहद _ को माना करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरे लोग ठहरोगे, सारी ज़मीन तो मेरी है, और तुम मेरी निगाह में काहिनो का मुल्क और मुक़द्दस कौम ठहरोगे।”
- **13:04** ख़ुदा ने उन्हें _'अहद _ दिया और कहा, “मैं तेरा ख़ुदा यहोवा हूँ, जो तुझे ग़ुलामी के घर या’नी मिस्र मुल्क से निकाल लाया है। तू मुझे छोड़ दूसरों को ख़ुदा करके न मानना।”
- **15:13** तब यशू’अ ने इस्राईलियों को वह _'अहद _ याद दिलाया जो उन्होंने ख़ुदा के साथ सीना पहाड़ पर किया था , कि वह उसको माना करेंगे।
- **21:05** यर्मियाह नबी के ज़रिये' खुदा ने वा'दा किया था कि वह _'अहद _करेगा ,लेकिन सिनाई में इस्राईल के साथ किये गये 'अहद की तरह नहीं | मेंवा'दाख़ुदा लोगों के दिल पर अपनी शरी'अत लिखेंगे लोग ख़ुदा को शख्सी तौर पर जानेगे वह उनके लोग होंगे और ख़ुदा उनके गुनाहों को मु'आफ़ करेगा | मसीह नया _'अहद _शुरू' करेगा |
- **21:14** मसीह की मौत और दोबारा ज़िन्दा होने के ज़रिये से ,ख़ुदा गुनहगारों को बचाने और _'अहद _को शुरू और पूरा करने का मंसूबा बनायेगा | .
- **38:05** फिर 'ईसा ने एक प्याला लिया और कहा,"इसे पियो | यह मेरा खून _'अहद _तुम्हारे लिए अहद का है जो तुम्हारे गुनाहों की मु'आफी के लिए बहाया जाता है | हर बार जब आप इसे पीते है तो मुझे याद रखने के लिए ऐसा करें |
- **48:11** लेकिन ख़ुदा ने अब एक **'अहद _ बनाया है जो हर किसी के लिए मौजूद है |. इस वजह से _'अहद**किसी भी इन्सान की कौम से कोई भी 'ईसा में यक़ीन करके ख़ुदा के लोगों का हिस्सा बन सकता है |

## शब्दकोश:

- Strong's: H1285, H2319, H3772, G802, G1242, G4934

# ’अक़्लमंद ,‘अक़्ल

## ता’आरुफ़:

“अक़्लमंद” वह इन्सान है जो समझता है कि करने के लिए क्या सही और अच्छा है और उसे करता है। “अक़्ल” जो सच और अच्छाई में सही है उसे समझना और उसको महसूस करना।

- अक़्लमंद होना या’नी सही फ़ैसला लेने की सलाहियत , ख़ास करके ख़ुदा को ख़ुश करने वाले काम करना।
- किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में “दुनयावी अक़्ल” एक तम्सीली ज़ाहिरयत है जो इस दुनिया में इन्सानों की समझ में अक़्लमंदी को ज़ाहिर करती है जबकि वह हक़ीक़त में बेवक़ूफ़ी है।
- इन्सान ख़ुदा की बात सुनकर और हलीमी से उसकी मर्ज़ी को मान करके अक़्ल मंद बनते हैं
- अक़्लमंद इन्सान अपनी ज़िन्दगी में पाक -रूह के फल-ख़ुशी , हलीमी , मुहब्बत , सब्र -ज़ाहिर करता है।

## तर्जुमे की सलाह:

- मज़मून के मुताबिक़ “अक़्लमंद” लफ़्ज़ के और तर्जुमे हो सकते हैं, “ख़ुदा के फ़र्माबरदार ” या “समझदार और फ़र्माबरदार” या “ख़ुदा का खौफ़ माननेवाले।”
- “अक़्ल” के तर्जुमे में एक ऐसा लफ़्ज़ या जुमला काम में लें जिसका मतलब है, “अक़्लमंदी की ज़िन्दगी ” या “समझदारी और फ़र्माबर्दारी की ज़िन्दगी ” या “सही फ़ैसला ”
- “अक़्ल” और “अक़्लमंदी” के तर्जुमे और ख़ास लफ़्ज़ों जैसे रास्तबाज़ी या फ़र्माबर्दारी से अलग होना सही है।

(यह भी देखें: फ़र्माबर्दारी, फल)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 06:2-4
- कुलुस्सियों 03:15-17
- ख़ुरूज 31:6-9
- पैदाइश 03:4-6
- यसा’याह . 19:11-12
- यरमियाह 18:18-20
- मत्ती. 07:24-25

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों के मिसालें :

- **02:05**वह _ अक़्लमंद _ भी बनना चाहती थी, इसलिये उसने कुछ फल लिये और उसे खा लिया।
- **18:01** जब सुलेमान ने _ अक़्ल _ माँगी, ख़ुदा उससे ख़ुश हुआ और उसे दुनिया का _सबसे अक़्लमंद _ आदमी बना दिया।
- **2-3:09** कुछ वक़्त बाद _नजूमियों _ ने पूरब में एक तारा देखा।
- **45:01** वह (स्तिफ़नुस) एक अच्छा इज़्ज़तदार इन्सान था और पाक रूह और _ अक़्ल _ से भरा था।

## शब्दकोश:

- Strong's: H998, H1350, H2445, H2449, H2450, H2451, H2452, H2454, H2942, H3820, H3823, H6195, H6493, H6912, H7535, H7919, H7922, H8454, G4678, G4679, G4680, G4920, G5428, G5429, G5430

# translationWords

## Names

# 'अजरियाह

## ता’अरुफ़:

पुराने 'अहद नामे में 'अजरियाह नाम के कई एक आदमी हुए है।

- एक 'अजरियाह अपने बाबुल के नाम से मशहूर है अबदनगू । वह यहूदा के उन कई इस्राईलियों में था जिन्हें नबूकदनज़र की फ़ौज ने क़ैदी बनाकर बाबुल ले गई थी। 'अजरियाह और उसके साथी हनन्याह और मीशाएल ने बाबुल के बादशाह की 'इबादत करने से इन्कार किया। लिहाज़ा उन्हें दहकते भट्ठे में डाल दिया गया था। लेकिन ख़ुदा ने उन्हें बचा लिया था उनको कुछ भी नुक़सान नहीं हुआ था ।
- यहूदा का बादशाह उज़्ज़ियाह भी "अजरियाह" कहलाता था।
- एक और अजरियाह पुराने 'अहद नामे में काहिन था।
- यरमियाह के वक़्त 'अजरियाह नाम का एक आदमी ने इस्राईलियों को अपने मुल्क को छोड़ने की सलाह देकर ख़ुदा के हुक्म की ना फ़रमानी करवाता था।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा)

(यह भी देखें: बाबुल, दानिएल , हनन्याह, मीशाएल, यरमियाह, 'उज़्ज़ियाह)

## किताब-ए-मुक़द्दस: के बारे में

- 1 तवारीख़ 02:36-38
- 1 सलातीन 04:1-4
- 2 तवारीख़ 15:1-2
- दानिएल 01:6-7
- यरमियाह 43:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H5838

# 'अदन, अदन का बाग़

## सच्चाई:

पुराने ज़माने में 'अदन एक ऐसी जगह थी जहाँ बाग़ था जिसमें ख़ुदावन्द ने पहले आदमी और 'औरत को रखा था।

- जिस बाग़ में आदम और हव्वा रहते थे वह 'अदन 'इलाक़े का एक हिस्सा सिर्फ़ था।
- 'अदन की जगह हक़ीक़त में कहां थी ‘इल्म नहीं है लेकिन दजला और फ़रात नदियाँ वहाँ बहती थी।
- 'इब्रानी ज़बान में 'अदन लफ्ज़ का मतलब है, “किसी जगह में बड़ी ख़ुशी लेना”।

( तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: आदम, फ़रात नदी, हव्वा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- हिज़क़ीएल 28:11-13
- पैदाईश 02:7-8
- पैदाईश 02:9-10
- पैदाईश 02:15-17
- पैदाईश 04:16-17
- यूएल 02:3

## शब्दकोश:

- Strong's: H5729, H5731

# 'अरब, 'अरबी, 'अरबियों

## सच्चाई:

अरब दुनिया का सबसे बड़ा महदीप है तक़रीबन 3,000,000 वर्ग कि.मी. का 'इलाक़ा है। इस्राईल के दक्खिन पूरब में लाल समन्दर, अरब समन्दर और फारस की खाड़ी से घिरा हुआ है।

- “अरबी” लफ्ज़ अरब के रहने वालों के लिए काम में लिया गया लफ़्ज़ है या अरब से मुता'अल्लिक़ कोई चीज़ के लिए।
- अरब के आदिवासी शेम की औलाद थे। अरब के और रहने वाले इब्राहीम के बेटे इस्माईल की औलाद और एसाव की औलाद थे।
- इस्राईल जिस जंगल में 40 साल फिरते रहे थे वह जगह अरब मे ही था।
- मसीह को क़ुबूल करने के बा'द पौलुस कुछ साल अरब के रेगिस्तान में रहा था।
- गलातिया सूबा के ईमानदारों को ख़त में पौलुस ने बयान किया है कि सोने के पहाड़ अरब में है।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: एसाव, गलातिया, इस्माईल , शेम, सोने)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 10:14-15
- रसूलों के 'आमाल 02:8-11
- गलातियों 01:15-17
- गलातियों 04:24-25
- यरमियाह 25:24-26
- नहेमियाह 02:19-20

## शब्दकोश:

- Strong's: H6152, H6153, H6163, G688, G690

# 'अक़रून, 'अक़रूनी

## ता'अर्रुफ़:

'अक़रून फ़िलिशतियों का एक एहम शहर था, रोम के समन्दर से नौ मील अंदर ज़मीन पर।

- 'अक़रून में झूठे मा'बूद बा'लज़बूल का हैकल था।
- जंग में इस्राईलियों से 'अहद का सन्दूक़ छीन लेने के बा'द फ़लिश्ती इसे अश्दोद में ले गए उसके बा'द वह उसे गत और 'अक़रून में ले गए क्योंकि जिस शहर में भी वह 'अहद का सन्दूक़ ले गए वहाँ ख़ुदावन्द ने उन्हें बीमार किया और मार डाला था। आख़िर में फ़िलिश्तियों ने 'अहद का सन्दूक़ इस्राईल भेज दिया।
- जब अहज्याह छत पर से गिर कर ज़ख़्मी हो गया था तो उसने 'अक़रून के बा'लजबूल मा'बूद से पूछा था कि वह ज़िन्दा बचेगा या नहीं। उसके इस गुनाह कि वजह से ख़ुदा ने उससे कह दिया था कि वह मर जाएगा।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा

(यह भी देखें: अहज्याह, 'अहद का सन्दूक़, अश्दोद, इब्लीस, झूठे मा'बूद , गत, फिलिश्ती)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 05:10
- यशू'अ 13:2-3
- कुजात 01:18-19
- जकरियाह 09:5-7

## शब्दकोश:

- Strong's: H6138, H6139

# 'इलि 'आज़र

## ता'अर्रुफ़

किताब-ए-मुक़द्दस में 'इलि 'अज़र ज़रनाम कई आदमी हुए थे।

- 'इलि 'अज़र मूसा के भाई हारून का तीसरा बेटा था। हारून के मरने के बा'द 'इलि'अज़र को इस्राईल का सरदार काहिन बनाया गया।
- 'इलि 'अज़र दाऊद के ताक़तवरों में से भी एक था।
- 'ईसा के बुज़ूर्गो में भी 'इलि'अज़र नाम एक शख़्स था।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: हारून, सरदार-काहिन, दाऊद, ताक़तवर)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 24:1-3
- क़ुज़ात 20:27-28
- गिनती 26:1-2
- गिनती 34:16-18

## शब्दकोश:

- Strong's: H499, G1648

# 'एनजदी

## ता'रुफ़:

'एनजदी नाम के जंगल में यरूशलीम के जनूबी मशरिक़ में एक शहर था।

'एनजदी खारे समन्दर के मग़रिबि साहिल पर वाक़े' था।

- इसके नाम का आधा मतलब है “सोता” जो उस शहर से बह कर समन्दर में गिरता है।
- 'एनजदी अंगूर की बारियों और फ़लदायक ज़मीन के लिए मशहूर जगह थी जिसकी वजह थी उस सोते का हमेशा पानी बहाव।
- 'एनजदी में कई जगह' थीं जहाँ दाऊद शाऊल बादशाह से बचने के लिए भाग गया था।

(यह भी देखें: दाऊद, रेगिस्तान, सोता, यहूदा, आराम, खारा तालब, शाऊल (पुराना 'अहद नामा ), जगह , अंगूर की बारी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तवारीख़ 20:1-2
- ग़ज़ल-उल-ग़ज़लात 01:12-14

## शब्दकोश:

- Strong's: H5872

# 'ऐलाम,'ऐलामी लोग

## ता'अर्रुफ़:

'ऐलाम शेम का बेटा और नूह का पोता था।

- 'ऐलाम की नस्ल 'ऐलामी कहलाते थे और वह ' ऐलाम 'इलाक़े के रहने वाले थे।
- 'ऐलाम 'इलाक़े आज के पश्चमी ईरान में दजला नदी के दख्खिन पूरब में था।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें:नूह, शेम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 01:17-19
- रसूलों के 'आमाल . 02:8-11
- 'अज़्रा 08:4-7
- यसा’याह 22:5-7

## शब्दकोश:

- Strong's: H5867, H5962, G1639

# 'ऐसौ

## ता'अरुफ़:

'ऐसौ इसहाक़ और रिबक़ा के जुड़वा बेटों में से एक था। वह उनका पहला बच्चा था। या'क़ूब उसका जुड़वा भाई था।

- 'ऐसौ ने दाल के एक कटोरे के लिए या'क़ूब को अपना पहिलौठा का इख्तियार बेच दिया था।
- 'ऐसौ पहिलौठा था, इसलिए इसहाक़ को उसे ख़ास बरकतें देनी थी। लेकिन या'क़ूब ने धोखे से वह बरकतें ले लीं। शरू'अ में तो ऐसौ ग़ुस्सा की से वजह या'क़ूब को क़त्ल करना चाहता था लेकिन बा'द में उसने या'क़ूब को मा'फ़ कर दिया।
- 'ऐसौ की कई औलाद और नाती-पोते हुए थे जो कना'न में एक क़ौम होकर बस गए थे।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: सदोम, इसहाक़, या'क़ूब, रिबक़ा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाईश 25:24-26
- पैदाईश 25:29-30
- पैदाईश 26:34-35
- पैदाईश 27:11-12
- पैदाईश 32:3-5
- 'इब्रानियों 12:14-17
- रोमियो 09:10-13

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों की मिसालें:

- **06:07** जब रिबक़ा के बच्चे पैदा हुए तौ बड़े 'उम्र का बेटा सुर्ख और बालों से बाहर आगया और उसने उसे **'ऐसौ** नाम दिया |
- **07:02** तो **'ऐसौ** ने अपने पहिलौठे का इख्तियार या'क़ूब के हाथ बेच दिया।
- **07:04** जब इसहाक़ ने उसे टटोलकर देखा और उसके कपड़ों की ख़ुशबू पाकर समझा कि वह 'ऐसौ है, तो उसे जी से दू'आ दी|
- **07:05** **'ऐसौ** ने या'क़ूब से दुश्मनी रखी क्योंकि उसने उसके पहिलौठे होने का इख्तियार तो छीन ही लिया था साथ ही बाप की दी हुईं दु'आओं में भी दुश्मनी रखी
- **07:10** लेकिन **'ऐसौ** या'क़ूब को फहले ही मा'फ़ कर चुका था, और वह एक दूसरे को देखकर बहुत ही ख़ुश हुए।

## शब्दकोश:

- Strong's: H6215, G2269

# अई #

## सच्चाई: ##

पुराने 'अहद नामे में एक कन'आनी शहर था, जो बेतेल के क़रीब दक्खिन में था और यरीहो से उत्तर पश्चिम में 8 कि.मी. दूर था।

- यरीहू को जीत लेने के बा'द एशौ ने इस्राईलियों को लेकर 'अई शहर पर हमला किया। लेकिन इस्राईली आसानी से हार गए क्यूँकि ख़ुदावन्द उनसे ख़ुश नहीं था।
- अकान नाम का एक इस्राईली आदमी ने यरीहू की लूट में से कुछ सामान चुराकर रख लिया था, ख़ुदावन्द ने हुक्म दिया कि वह और उसका ख़ानदान काट दिया जाए। तब ख़ुदावन्द ने 'अई शहर को शिकश्त करने में इस्राईल की मदद की थी।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: बेतेल, यरीहू)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में : ##

- एज्रा 02:27-30
- पैदाइश 12:8-9
- पैदाइश 13:3-4
- यसू'अ 07:2-3
- यसू'अ 08:10-12

## शब्दकोश:

- Strong's: H5857

# अखसूयरस

## सच्चाई:

अखसूयरस फ़ारस सल्तनत पर 20साल तक हुकूमत करने वाला बादशाह

- यह वह वक़्त था जब ग़ुलाम यहूदी बाबुल में थे और बाबुल फ़ारसी बादशाह के फरमाबरदार हो गया था।
- इस बादशाह का दूसरा नाम अखसूयरस हो सकता है।
- ग़ुस्से में आकर अपनी रानी को हटा करके अखसूयरस ने एक यहूदी 'औरत , आस्तर को अपनी बीवी और रानी बनाया था।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा (

(यह भी देखें: [बाबुल]बाबुल, बाबुल, बाबुल, बाबुल, \ आस्तर, [इथोपिया]कूश, कूशी, [ग़ुलामी]जलावतन, जलावतनों, जलावतन किया, [फ़ारस]फ़ारस, फ़ारसियों)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में: ## ##

- दानिएल 09:1-2
- आस्तर 10:1-2
- एज़्रा 04:7-8

## शब्दकोश:

- Strong's: H325

# अतलियाह

## सच्चाई:

अतलियाह यहूदा के बादशाह यहोराम की बुरी बीवी थी। वह इस्राईल के बुरे बादशाह 'उमरी की पोती थी।

- यहोराम के मरने के बा'द अतलियाह का बेटा अख़्ज़ियाह बादशाह बना।
- अपने बेटे अख़्ज़ियाह की मौत के बा'द अतलियाह ने बादशाह के ख़ानदान के सब लोगों को क़त्ल करने का मन्सूबा बनाया था ।
- लेकिन अतलियाह के सबसे छोटे पोते, यूआश को उसकी चाची ने छिपाकर मरने से बचा लिया था। अतलियाह ने छह साल तक इस मुल्क पर सल्तनत करने के बा'द, उसे मार दिया गया और यूआश बादशाह बन गया।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: अख़्ज़ियाह, यहोराम, यूआश , 'उम्री)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तवारीख़ 22:1-3
- 2 तवारीख़ 24:6-7
- 2 सलातीन 11:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H6721

# अदूनियाह

## ता’अर्रुफ़:

अदूनियाह बादशाह दाऊद का चौथा बेटा था

- अपने भाई अबीशलोम और अम्मोन की मौत के बा'द अदूनियाह ने इस्राईल का बादशाह बनने की कोशिश की ।
- लेकिन ख़ुदा ने दाऊद बादशाह के तख़्त सुलैमान को देने का वा'दा किया था ,लिहाज़ा अदूनियाह की कोशिश बेकार हुई और सुलैमान बादशाह बना।
- अदूनियाह ने दूसरी बार बादशाह बनने की कोशिश की तो सुलैमान ने उसे मरवा दिया।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: दाऊद, सुलैमान)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे मे:

## शब्दकोश:

- Strong's: G138

# अदोम, अदोमी , अदोमियों, 'इदूमिया

## ता'रीफ़:

अदोम 'ऐसौ का दूसरा नाम था। जिस जगह में वह बस गया उस जगह का नाम "अदोम" पड़ गया जो आगे चल कर "अदूमिया" हो गया। "अदोमियों" उसके नस्ल थे।

- अदोम 'इलाक़े के वक़्त के साथ-साथ जगह बदलता रहा। वह इस्राईल के दख्खिन में था और आख़िर यहूदाह के दख्खिन तक फैल गया।
- नये 'अहद नामे के ज़माने में अदोम यहूदाह रियासत का दख्खिनी नीम हिस्सा हो गया था। यूनानियों ने उसे "अदूमिया" कहा।
- अदोम लफ्ज़ का मतलब है "लाल" जो इस सच्चाई के बारे में है कि जब 'ऐसौ पैदा हुआ था तब उसके जिस्म पर लाल बाल थे। या इसका हवाला लाल रंग की उस दाल से भी हो सकता है जिसके बदले में 'ऐसौ ने अपने पलौठे होने का इख्तियार खो बेच दिया था।
- पुराने 'अहद नामें में अदोम मुल्क को हमेशा ही इस्राईल का दुश्मन कहा गया है।
- 'अबदियाह की मुकम्मल किताब में अदोम के तबाह होने की नबूव्वत की गई है। पुराने 'अहद नामें में नबियों ने अदोम के ख़िलाफ़ नबूव्वत की थी।

(तर्जुमा की सलाह :नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: दुशमन, पहलौठे का इख्तियार, 'ऐसौ, 'अबदियाह, नबी )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाईश 25:29-30
- पैदाईश 32:3-5
- पैदाईश 36:1-3
- यसा'याह 11:14-15
- यशू'अ 11:16-17
- 'अबदियाह 01:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H123, H130, H8165, G2401

# अन्ताकिया

## ता'अर्रुफ़:

अन्ताकिया नये 'अहद नामे में दो शहरों का नाम था। एक शहर समुन्दर के टीले पर सीरिया में था। दूसरा शहर रोमी सूबा पिसिदिया में कुलुस्से के क़रीब था।

- सीरिया के अन्ताकिया में मक़ामी कलीसिया के ईमानदारों को पहली बार “मसीही” कहा गया था। वहां की कलीसिया ग़ैर क़ौमों में इमामों को भेजने में क़ायम थी।
- यरूशलीम की कलीसिया के इमामों ने सीरिया के अन्ताकिया की कलीसिया के ईमानदारों को ख़त लिख कर यह तय किया था कि मसीह के ईमानदार होने के लिए उन्हें यहूदी क़ानून का पालन करने की ज़रूरत नहीं है।
- पौलुस, बरनबास और यूहन्ना मरकुस पिसिदिया के अन्ताकिया गए थे कि वहाँ ख़ुशख़बरी सुनाएं। वहाँ और शहरों से यहूदी आए थे कि परेशानी पैदा करें और पौलुस को क़त्ल करें। लेकिन कई लोगों ने, यहूदी और गैर यहूदीयों ने ख़ुशख़बरी को सुना और ईसा पर यक़ीन किया।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

:यह भी देखें) बरनबास, कुलुस्से, यूहन्ना मरकुस, पौलुस, सूबा, रोम, सूरिया)

# किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में: ##

- 2 तीमुथियुस 03:10-13
- रसूलों के ‘आमाल . 06:5-6
- रसूलों के ‘आमाल 11:19-21
- रसूलों के ‘आमाल 11:25-26
- गलातियों 02:11-12

## शब्दकोश:

- Strong's: G491

# अन्द्रियास

## सच्चाई:

अन्द्रियास उन बारहों में से एक था जिन्हें ईसा ने अपने क़रीबी शागिर्दों में से चुना था। (आगे चलकर वह रसूल कहलाए)

- अन्द्रियास का भाई शम'ऊन पतरस था। दोनों ही मछुवारे थे।
- पतरस और अन्द्रियास गलील के समन्दर में मछलियां पकड़ रहे थे जब तब ईसा ने उन्हें अपने चेले होने के लिए बुला लिया था।
- ईसा से मुलाक़ात करने से पहले पतरस और अन्द्रियास यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के शागिर्द थे।

(तर्जुमा की सलाह :नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: रसूल, शागिर्द, बारहों)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के ‘आमाल . 01:12-14
- यूहन्ना 01:40-42
- मरकुस 01:16-18
- मरकुस 01:29-31
- मरकुस 03:17-19
- मत्ती 04:18-20
- मत्ती 10:2-4

## शब्दकोश:

- Strong's: G406

# अप्पुल्लोस

## सच्चाई:

अप्पुल्लोस मिस्र के सिंकदरिया शहर का एक यहूदी था, उसे लोगों को ईसा के बारे में ता'लीम देने का ख़ास ने'मत हासिल थी ।

- अप्पुल्लोस इब्रानी कलाम का 'आलिम था और एक होनहार मुक़रिर्र भी था।
- इफिसुस में उसे दो ईमानदारों ने मसीही ता'लीम दी थी जिनके नाम थे: अक्विल्ला और प्रिस्किल्ला ।
- पौलुस ने ज़ोर दिया कि वह और अप्पुल्लोस और ग़ैर इमामों और उस्तादों का एक ही मक़सद है कि वह लोगों को ईसा में यक़ीन करने में मदद करे।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: अक्विला, इफिसुस, प्रिस्किल्ला, ख़ुदा का कलाम )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 01:12-13
- 1 कुरिन्थियों 16:10-12
- रसूलों के 'आमाल 18:24-26
- तीतुस 03:12-13

## शब्दकोश:

- Strong's: G625

# अबनेर

## ता’अर्रुफ़:

अबनेर बादशाह शाऊल का रिश्ते में भाई था- पुराना ‘अहद नामा ।

- अबनेर शाऊल की फ़ौज का हाकिम था, जब दाऊद ने गोलियत को मारा तो अबनेर दाऊद को लेकर शाऊल के पास गया था।
- बादशाह शाऊल की मौत के बा’द अबनेर ने शाऊल के बेटे ईशबोशेत को इस्राईल का बादशाह बनाया था, जबकि दाऊद यहूदाह का बादशाह मुक़र्रर किया गया था।
- बा’द में दाऊद के फ़ौज के सरदार योआब ने अबनेर को बेरहमी से मार डाला था

(तर्जुमा की सला: नामों का तर्जुम कैसे करें

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 26:26-28
- 1 सलातीन 02:5-6
- 1 सलातीन 02:32-33
- 1 शमूएल 17:55-56
- 2 शमूएल 03:22-23

## शब्दकोश:

- Strong's: H74

# अबिमलिक

## सच्चाई:

अबिमलिक गरार शहर का एक फ़िलिस्ती बादशाह था जब इब्राहीम और इस्हाक़ कन'आन मुल्क में रह रहे थे

- इब्राहीम ने बादशाह अबिमलिक को धोका देकर कहा कि सारा उसकी बीवी नहीं बहन थी
- इब्राहीम और अबिमलिक ने बेरशबा के कुएं के बारे में 'अहद बाँधा
- कई साल बा'द इस्हाक़ ने भी अबिमलिक और गरार के ईमानदारों से झूठ कहा कि उसकी बीवी रिबक़ा उसकी बहन थी |
- अबिमलिक ने इब्राहीम और बा'द में इस्हाक़ को झूठ कहने के लिए झिड़का
- एक और आदमी जिसका नाम अबिमलिक था वह यूताम के भाई गिदोन का बेटा था कुछ तर्जुमों में उनके नामों के बयानों में फ़र्क रखा जाता है कि उसमें और बादशाह अबिमलिक के नामों में फ़र्क ज़ाहिर हो।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: बेरशबा गरार गिदोन यूताम पलिश्ती)

# किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में :

- 2 शमूएल 11:21
- पैदाइश 20:1-3
- पैदाइश 20:4-5
- पैदाइश 21:22-24
- पैदाइश 26:9-11
- क़ुज्ज़ात 09:52-54

## शब्दकोश:

- Strong's: H40

# अबियातर

## सच्चाई:

अबियातर दाऊद के बादशाह के वक़्त में इस्राईल का सरदार काहिन था

- शाऊल जब काहिनों को संगसार कर रहा था तब अबियातर भाग कर जंगल में दाऊद की पनाह में पहुँचा था |
- अबियातर और दूसरा सरदार काहिन सदूक दाऊद के पूरे बादशाहत के वक़्त में उसके वफ़ादार रहे थे |
- दाऊद की मौत के बा'द अबियातर ने सुलेमान की जगह में अदोनियाह को बादशाह बनाने में मदद की थी |
- इस वजह से बादशाह सुलेमान ने अबियातर को कहिनी 'उहदे से हटा दिया था

यह भी देखें: शाऊल पुराना 'अहद दाऊद सुलेमान अदोनियाह

## किताब-ए-मुक़द्दस का हवाला

1तवारीख़27;32-34*

- 1सलातीन 1;7-8
- 1सलातीन 02;22-23
- 2 समूएल 17;15-16
- मरकुस 2;25-26

## शब्दकोश:

- Strong's: H54, G8

# अबियाम

## सच्चाई:

अबियाम यहूदाह का बादशाह था जिसने 915-913 ई.पहले बादशाहत की वह रहुब'आम बादशाह का बेटा था | पुराने 'अहद नामा में अबियाम नाम के कई लोग हुए हैं |

- शमूएल के बेटे अबियाम और यूएल बेरशबा में इस्राईलियों के उस्ताद थे अबियाम और उनके भाई बिमान और लालची थे इसलिए लोगों ने शमूएल से बादशाह की माँग क |
- अबियाम बादशाह दाऊद के वक़्त का एक काहिन था
- अबियाम यरुब'आम बादशाह के एक बेटे का नाम भी था
- जरुब्बाबुल के साथ बेबीलोन से यरुश्लीम लौटने वालों में एक सरदार काहिन का नाम भी अबियाम था

(तर्जुमा की सलाह: \ नामों का तर्जुमा

## किताब-ए-मुक़द्दसके बारे में

- / 1सलातीन 15:1-3
- / 1शमूएल 8:1-3
- / 2तवारीख़ 13;1-3
- 2 तवारीख़ 13:19-22
- लूका 01:5-7

## शब्दकोश:

- Strong's: H29, G7

# अबीसलोम

## सच्चाई:

अबीसलोम बादशाह दाऊद का तीसरा बेटा था | वह अपनी ख़ूबसूरती और ग़ुस्से के लिए मशहूर था |

- जब अम्नोन ने अपने सौतेले भाई अबशालोम की बहन तामार का बलात्कार किया तो अबशालोम ने अम्मोन की हत्या की योजना बनाई।

अमनोन के क़त्ल के बाद अबीसलोम गशूर भाग गया उसकी माँ माका उसी जगह की थीं और तीन साल तक वहीं रहा | तब बादशाह दाऊद ने उसे बुलवाया और यरुशलीम लौटने को कहा , लेकिन दो साल तक उसको अपनी मौजूदगी में आने की इजाज़त नहीं दी

- अबीसलोम ने सल्तनत के कुछ लोगों को अपने साथ लेकर दाऊद के ख़िलाफ़ बग़ावत कर दी |
- दाऊद की फ़ौज ने उससे जंग करके उसे मार डाला |। इस हादसे से दाऊद को बहुत दुःख हुआ |

तर्जुमा की सलाह , नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें:गशूर, अमनोन )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 03:1-3
- 1 सलातीन01:5-6
- 2 शमूएल 15:1-2
- 2 शमूएल 17:1-4
- 2 शमूएल 18:18
- ज़बूर 003:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H53

# अमसियाह

## सच्चाई:

अमसियाह यहूदा का बादशाह बना, क्यूँकि उसके बाप बादशाह यूआश को क़त्ल कर दिया गया था ।

- अमसियाह ने यहूदा पर 29 साल तक बादशाहत की थी 796-767 ई.पू.।
- वह एक अच्छा बादशाह था लेकिन उसने ऊंचे मक़ामों पर से बुतों को बर्बाद नहीं किया था।
- अमसियाह ने अपने बाप के सब क़ातिलों को मार डाला था।
- उसने मुख़ालिफ़ एदोमियों को हराकर यहूदा के ताबे' कर दिया था।
- उसने इस्राईल के बादशाह यहूआश से जंग किया लेकिन हार गया था। यरूशलीम की शहर पनाह का एक हिस्सा बर्बाद किया गया और हैकल के सोने चांदी के बर्तन लूट लिए गए।
- कुछ सालों बा'द अमसियाह यहोवा से मुँह मोड़ लिया और यरूशलीम के कुछ लोगों ने उसको क़त्ल कर दिया ।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा

(यह भी देखें: यू'आश. अदोम

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 03:10-12
- 1 तवारीख़ 04:34-38
- 2 तवारीख़ 25:9-10
- 2 सलातीन 14:8-10

## शब्दकोश:

- Strong's: H558

# अमालीक, अमलीकी, अमालीकियों

सच्चाई: ## ##

अमालीकियों या यावर क़ौम के थे, वह पूरे दक्खिनी कन'आन में घुमते रहते थे, नेगेब रेगिस्तान से अरब मुल्क तक। यह लोग एशौ के पोते अमलीक की नसल थे

* इस्राईल के कन 'आन में दाख़िल होने के वक़्त से ही अमालीकी उनके सख्त मुख़ालिफ़ थे

- कभी-कभी "अमालीक" लफ़्ज़ अलामत की शक्ल में अमालीकियों के लिए भी काम में लिया गया है। ](सिनेकडकि )देखें [ मिसाल
- अमालीकियों से जंग करते वक़्त मूसा ने अपना हाथ उठा रखा था, उस वक़्त इस्राईल जीत रहे थे। जब थक कर वह अपना हाथ नीचे कर लेता था तब इस्राईली हारने लगते थे। और हारून और हूर ने मूसा को हाथ ऊपर रखने में मदद की थी जब तक कि इस्राईलियों ने अमालीकियों को पूरी तरह शिकस्त नहीं कर दिया।
- बादशाह शाऊल और दाऊद दोनों ही ने अमालीकियों के ख़िलाफ़ फ़ौजी मुहिम चलाई थी
- अमालीकियों को एक बार शिकस्त करके इस्राईल ने ख़ुदा का हुक्म न मानकर कुछ लूट का सामान रख लिया था और अमालीकी बादशाह का क़त्ल नहीं किया था जैसा ख़ुदा ने उसे हुक्म दिया था

(तर्जुमा की सलाह: \ नामों का तर्जुमा

(यह भी देखें: ‘अरब, दाऊद, एशौ, नेगेब, शाऊल)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में: ##

- 1 तवारीख़ 04:42-43
- 2 शमूएल 01:8-10
- ज़बूर 17:8-10
- गिनती 14:23-25

## शब्दकोश:

- Strong's: H6002, H6003

# अमूरा

## सच्चाई:

अमूरा सदूम के क़रीब उपजाऊ घाटी में एक शहर था, जहाँ इब्राहीम के भतीजे लूत ने रहने को चुना था।

- अमूरा और सदूम की सही जगह मा'लूम नहीं है लेकिन कुछ इशारों से मा'लूम होता है कि यह दो शहर मुर्दा समन्दर के क़रीब दक्खिन में सिद्दिम घाटी में बसे हुए थे।
- सदूम और अमूरा की जगह में कई बादशाह जंग करते थे।

सदूम और दूसरे शहर के दरमियानी जंग में लूत का ख़ानदान भी क़ैदी बनाया गया था, लेकिन इब्राहीम ने अपने लोगों के साथ जाकर उन्हें छुड़ा लिया था। इसके बा'द ज़्यादा वक़्त नहीं हुआ था कि ख़ुदावन्द ने सदूम और अमूरा को हलाक कर दिया था क्यूँकि वहां के रहने वाले लवातती थे।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: इब्राहीम , बाबुल, लूत, खारे तालाब , सदूम)

## किताब-ए-मुकद्दस के बारे में:

- 2 पतरस 02:4-6
- पैदाइश 10:19-20
- पैदाइश 14:1-2
- पैदाइश 18:20-21
- यसा'याह 01:9
- मत्ती 10:14-15

## शब्दकोश:

- Strong's: H6017

# अमूरी, अमूरीयों

## सच्चाई:

अमूरी एक ताक़तवर क़ौम थी जो नूह के पोते कनान की नसल थी।

- उनके नाम का मतलब है, "ऊंचे लोग" जो अमूमन उनके पहाड़ों जैसे मक़ाम की वजह से पड़ा था क्यूँकि वे क़द में लम्बे थे।
- अमूरी यरदन नदी के दोनों तरफ़ बसे हुए थे। * अ'ई शहर अमूरीयों के रहने का मक़ाम था।
- ख़ुदा "अमूरीयों के गुनाह" के बारे में बताता है, उनके झूठे मा'बूदों की 'इबादत से जुड़े हुए गुनाहों जैसे सुलूक भी थे।
- ख़ुदा ने जैसा हुक्म दिया उसी के मुताबिक़ एशौ ने अमूरीयों के बर्बाद करने के लिए इस्राईली रहनुमाई की थी।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- आमोस 02:9-10
- इज़्कीएल 16:1-3
- पैदाइश 10:15-18
- पैदाइश 15:14-16
- यहोशू 09:9-10

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **15:07** कुछ वक़्त बा'द, कन'आन में एक दुसरे क़बीले के बादशाह **अमूरीयों** ने जब यह सुना कि गिबोन के रहने वालों ने इस्राईलियों से मेल किया और उनके बीच रहने लगे है, तब अमूरी के बादशाहों ने अपनी अपनी सेना इकट्ठी करके चढ़ाई कर दी, और गिबोन के सामने डेरे डालकर उस से जंग शुरू कर दी ।
- **15:08** सुबह को उन्होंने **अमूरीयों** की फ़ौज को हैरान कर दिया और उन पर हमला कर दिया।
- **15:09** उस दिन ख़ुदा इस्राईल के लिए लड़ा । ख़ुदा ने अमूरीयों को परेशानी में डाल दिया, और ओले भेजकर बहुत से अमूरीयों को हलाक किया
- **15:10** उस दिन ख़ुदा ने सूरज को आसमान के बीचोंबीच ठहरा दिया, ताकि इस्राईलियों के पास अमूरीयों को शिकस्त करने के लिए काफ़ी वक़्त हो।

## शब्दकोश:

- Strong's: H567,

# अम्नोन

## सच्चाई:

अम्नोन दाऊद का सबसे बड़ा बेटा था। उसकी माँ दाऊद की बीवीअहीनोअम थी।

- अम्नोन ने अपनी आधी बहन तमर, अबीशलोम की बहन को ज़िना किया था।
- यही वजह थी कि अबीशलोम ने साजिश रचकर अम्नोन को क़त्ल करवा दिया था ।

(यह भी देखें: दाऊद, अबीशलोम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 03:1-3
- 2 शमूएल 13:1-2
- 2 शमूएल 13:7-9

## शब्दकोश:

- Strong's: H550

# अम्मोन, अम्मोनी, अम्मोनियों

## सच्चाई:

“अम्मोन के रहने वाले ” या “अम्मोनी” कन'आन का एक झुण्ड है। वह बिन अम्मी की नसल थे जो लूत के ज़रिए' उसकी छोटी बेटी का बेटा था।

- अम्मोनी लफ़्ज़ एक अम्मोनी औरत के बारे में है। इसका तर्जुमा किया जा सकता है “अम्मोनी 'औरत ”
- अम्मोनी यरदन नदी के पूरब में रहते थे और वह इस्राईल के दुश्मन थे।
- यह वही लोग हैं जिन्होंने बिलाम नाम के नबी को ख़रीद लिया था कि इस्राईल को ला'नत दे, लेकिन ख़ुदा ने ऐसा नहीं होने दिया था।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बददु'आ, यरदन नदी, लूत)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 19:1-3
- इज़कीएल 25:1-2
- पैदाइश 19:36-38
- यहोशू 12:1-2
- क़ुज़्ज़ात 11:26-28
- सफ़नियाह 02:8-9

## शब्दकोश:

- Strong's: H5983, H5984, H5985

# अय्यूब

## सच्चाई:

अय्यूब को कलाम में ख़ुदावन्द के सामने बे गुनाह और नेक आदमी कहा गया है। वह तमाम परेशानियों में भी ख़ुदावन्द में ईमान के लिए मशहूर है।

- अय्यूब ऊस मुल्क का रहनेवाला था जिसका तक़रीबन यह जगह कन'आन के पूरब में कहीं थी, शायद अदूमियों के 'इलाक़े के क़रीब।
- ऐसा माना जाता है कि वह ऐसौ और या'क़ूब के वक़्त का भी है क्यूँकि उसका एक दोस्त तेमानी था जो ऐसौ के पोते की औलाद की क़ौम से था ।
- पुराने 'अहद नामे की किताब, अय्यूब में अय्यूब और उसके दोस्तों के रद्द-ए-’अमल का बयान है कि सबने अय्यूब की परेशानियों के बारे में अपना-अपना ख़्याल ज़ाहिर किया था। इस किताब में काइनात का सबसे बड़ा मालिक हाकिम और तख़लीक़ करने वाला, ख़ुदा का नज़रया भी ज़ाहिर किया गया है।
- उसकी तमाम आफ़तों के बा'द ख़ुदावन्द ने उसे दोबारा सेहत 'अता की और औलादों और माल जायदाद से पूरा किया।
- अय्यूब की किताब कहती है कि जब वह मरा तब वह बहुत 'उम्र दराज़ था।

(तर्जुमा की सलाहनामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: इब्राहींम, ऐसौ, पानी का सैलाब, या’क़ूबनूह, लोगों का झुण्ड)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- हिज़कीएल 14:12-14
- या'क़ूब 05:9-11
- अय्यूब 01:1-3
- तीतुस 03:4-5

## शब्दकोश:

- Strong's: H347, H3102, G2492

# अराम, अरामी, अरामियों, अरामी ज़बान

## ता'अर्रुफ़:

पुराने 'अहद नामे में अराम नाम के दो आदमी हुए हैं। यह कन'आन के उत्तर-पूरब में एक 'इलाक़े का नाम था जहाँ आज का सीरिया है।

- अराम के रहने वाले "अरामी" कहलाते थे और उनकी ज़बान "अरामी" थी। 'ईसा और उसके ज़माने के यहूदी अरामी ज़बान बोलते थे।
- शेम के एक बेटे का नाम अराम था। * दूसरा आदमी जिसका नाम अराम था वह रिबक़ा का रिश्ते का भाई था। मुम्किन है कि अराम मुल्क का नाम इन दो में से एक के नाम पर पड़ा।
- बा'द में अराम मुल्क का नाम यूनानी में "सीरिया" हुआ।
- “पदन अराम” का मतलब है, “अराम का मैदान” और यह जगह अराम का उत्तरी हिस्सा था।
- इब्राहीम के कुछ ख़ानदानी अराम शहर में रहते थे जो "पदन अराम" का एक शहर था।

पुराने 'अहद नामे में कभी-कभी “अराम” और “पदन अराम” एक ही जगह को बताते हैं।

- “अराम नहेरेम” का मतलब है “दो नदियों का अराम” यह 'इलाक़ा मिसोपतामिया के उत्तरी हिस्से में और "पदन अराम" के पूरब में था।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: मिसोपतामिया, पदन अराम, रिबक़ा, शेम, सेरिया)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 इतिहास 01:17-19
- 2 शमूएल 08:5-6
- आमोस 01:5
- हिज़कीएल 27:16-18
- पैदाइश 31:19-21
- होशे 12:11-12
- ज़बूर 060:1

## शब्दकोश:

- Strong's: H758, H763, G689

# अरारात

## सच्चाई:

कलाम में “अरारात” नाम एक ज़मीन का हिस्सा , एक बादशाही और एक पहाडी हद को दिया गया है।

- “अरारात सूबा” मुम्किन है आज के तुर्किस्तान के उत्तरी पूरबी हिस्से में था।
- अरारात नाम इस वजह से मशहूर है कि नूह का जहाज तबाही के पानी के उतर जाने के बा'द उन पहाड़ों पर टिक गया था।
- आज जिस पहाड़ का नाम “अरारात पहाड़” है उसे 'आम तौर पर कलाम के बयान से अरारात पहाड़ की जगह को मानते हैं।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: जहाज़, नूह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 सलातीन 19:35-37
- पैदाइश 08:4-5
- यशायाह 37:38
- यर्मियाह 51:27-28

## शब्दकोश:

- Strong's: H780

# अर्तख़शश्ता

## सच्चाई:

अर्तख़शश्ता ने फ़ारसी हुकूमत पर तक़रीबन 464 से 424 ई. पू. तक हुकूमत की थी ।

- अर्तख़शश्ता की हुकूमत के ज़माने में यहूदा के इस्राईली बाबुल में ग़ुलामी में थे उस वक़्त बाबुल फ़ारस के ताबे' था।
- अर्तख़शश्ता ने काहिन 'एज्रा और ग़ैर यहूदी रहनुमाओं को बाबुल से यरूशलीम लौट कर इस्राईलियों को ख़ुदा के क़ानून की ता'लीम देने की इजाज़त हासिल कर ली थी।
- इसके बा'द अर्तख़शश्ता ने अपने साक़ी नहमियाह को भी यरूशलीम जाने की इजाज़त दे दी थी कि वह शहर पनाह को बहाल करे।
- बाबुल फ़ारस के ताबे' था इसलिए अर्तख़शश्ता को कभी-कभी " बाबुल का बादशाह" भी कहा गया है।
- तवज्जुह दें कि अर्तख़शश्ता वही आदमी नहीं था।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा )

(यह भी देखें: वही आदमी , बाबुल, साक़ी, 'एज्रा, नहमियाह , फ़ा रस)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 'एज्रा 04:7-8
- 'एज्रा 07:1-5
- नहमियाह 02:1-2
- नहमियाह 13:6-7

## शब्दकोश:

- Strong's: H783

# अश्कलोन

## सच्चाई:

कलाम के ज़माने में अश्केलोन एक ख़ास फ़िलिस्ती शहर था जो समन्दर के किनारे पर क़ायम था। यह शहर आज भी इस्राईल में है।

अश्केलोन पांच बहुत ही ख़ास फ़िलिस्ती शहरों में से एक था, अश्दूद, अक्रोन, गत और ग़ाज़ा के साथ। इस्राईल अश्कलोन को कभी जीत नहीं पाया था, अगर्चे यहूदा बादशाह उसके पहाडी सूबों को ले चुका था।

- अश्कलोन सैंकड़ों साल फ़िलिस्तियों के ताबे' ही रहा।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा)

(यह भी देखें: अश्दूद, कन'आन, अक्रोन, गत, ग़ाज़ा, फ़िलिस्ती, \ समन्दर ]समन्दर, बड़ा समन्दर, पश्चिम के समन्दर, भूमध्य समन्दर)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 06:17-18
- आमोस 01:8
- यरमियाह 25:19-21
- यासू'अ 13:2-3
- क़ुजात 01:18-19
- जकरियाह 09:5-7

## शब्दकोश:

- Strong's: H831

# अश्दूद, अज़ोतस

## सच्चाई:

अश्दूद फ़िलिस्तियों के पांच ख़ास शहरों में से एक था। यह दक्खिन-पश्चिम कन'आन के क़रीब समन्दर से दूर था, जो ग़ाज़ा और याफ़ा के बीच क़ायम था ।

- फ़िलिस्तियों के मा'बूद दाजोन का हैकल वहाँ था।
- फ़िलिस्तियों के ज़रिए' ख़ुदा के 'अहद का सन्दूक लूट ले जाने की वजह से ख़ुदावन्द ने अश्दूद के रहने वालों को सख्त सज़ा दी थी क्यूँकि उन्होंने उसे अश्दूद में ना रास्त हैकल में रखा था।
- इस शहर का यूनानी नाम अज़ोतस था। यह भी उन शहरों में से एक था जहाँ ख़ुशख़बरी देने वाले फिलिप्पुस ने ख़ुशख़बरी सुनाई थी ।

( तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: अक्रोन, गत, ग़ाज़ा, याफ़ा, फिलिप्पुस, फ़िलिस्ती)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 05:1-3
- \रसूलों के ‘आमाल . 08:39-40](rc://ur-deva/tn/help/act/08/39)
- आमोस 01:8
- यसू'अ 15:45-47
- जकरियाह 09:5-7

{{tag>publish ktlink}

## शब्दकोश:

- Strong's: H795, G108

# असूर, असूरी, असूरियों, असूर मुल्क

## सच्चाई:

असूर, मुल्क इस्राईल के कन'आन रहने के वक़्त एक ताक़तवर मुल्क था। असूर मुल्क कई मुल्कों की सल्तनत थी जिस पर असूर बादशाह हुकूमत करता था।

- असूर मुल्क उस जगह में था जो आज उत्तरी इराक़ है।
- तवारीख़ में असूरों ने इस्राईल से कई जंग की थीं ।
- 722 ई.पू. में असूरों की फ़ौज ने इस्राईल मुल्क को पूरी तरह जीत लिया था और इस्राईलियों को क़ैदी बनाकर असूर मुल्क ले गए थे।
- जो इस्राईली अपने मुल्क में रह गए थे उन्होंने असूरों के ज़रिए' सामरिया से इस्राईल में लाकर बसाए हुए परदेशियों के साथ शादियाँ कर ली थी । ऐसी अलग क़ौमों की शादी से पैदा औलादों को आगे चलकर सामरी कहा गया था।

(यह भी देखें: सामरिया)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 10:11-14
- पैदाइश 25:17-18
- यशायाह 07:16-17
- यरमियाह 50:17-18
- मीका 07:11-13

## किताब-ए-मुक़द्दस कहानियों से मिसाल:

- **20:02** तब ख़ुदा ने दोनों मुल्कों को सज़ावार किया और उनके दुश्मनों को यह इजाज़त दी कि वह उन मुल्कों को बर्बाद कर दे। _ **असूर का मुल्क** एक ताक़तवर मुल्क था, जिसने इस्राईल के मुल्क को बर्बाद कर दिया। _ _असूरियों_ ने इस्राईल के बहुत से लोगों को मार गिराया, उनकी क़ीमती चीज़ों को छीन लिया और मुल्क का बहुत सा हिस्सा जला दिया।
- **20:03** **असूरियों** ने सभी रहनुमाओं को जमा' किया, मालदार आदमी और लायक़ आदमी को और वह उन्हें अपने साथ **असूर** ले आए।
- **20:04** तब **असूरियों** ने ग़ैर क़ौमों को उस ज़मीन पर रहने को कहा जहाँ पर इस्राईली मुल्क था।

## शब्दकोश:

- Strong's: H804, H1121

# अहाब

## सच्चाई:

अहाब एक बहुत ही बुरा बादशाह था जिसने उत्तरी हुकूमत इस्राईल पर 875 -854 ईपू-तक बादशाहत की थी

- बादशाह अहाब ने इस्राईली लोगों पर बुत परस्तीझूठे माँ'बूदका ग़लत असर डाला था
- नबी एलियाह ने अहाब से नबुव्वत की थी कि अहाब के ज़रिए'इस्राईल से गुनाह कराने के बदले साढ़े तीन साल तक सूखा पड़ेगा क्यूँकि यह उनके गुनाहों के लिए ख़ुदावन्दकी सज़ा है
- बादशाह अहाब और उसकी रानी ईज़ेबेल ने कई एक बुरे काम किए थे जिसमें उन्होंने उनकी ताक़त का ग़लत इस्तेमाल करके बेकुसूरों को क़त्ल किया ।

( तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें : इस्राईल की हुकूमत, यहोवा, इजिबेल, एलियाह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 18:1-2
- 1सलातीन 20:1-3
- 2 तवारीख़ 21:6-7
- 2 सलातीन 09:7-8

## कलाम की कहानियों से मिसाल:

- **19:02** एलिय्याह नबी था, जब **अहाब** इस्राईली सल्तनत का बादशाह था। **अहाब** एक बुरा आदमी था जो लोगों को झूठे, बा'ल नामक मा'बूद की 'इबादत करने के लिए जोश दिलाता था।
- **19:03 अहाब** और उसके फ़ौजी एलिय्याह की ताक में थे, लेकिन वह उसे खोज न सकें।
- **19:05** साढ़े तीन साल के बा'द, खुदावन्द का यह कलाम एलिय्याह के पास पहुँचा , “जाकर अपने आप को **अहाब** को दिखा, और मैं ज़मीन पर पानी बरसा दूँगा

## शब्दकोश:

- Strong's: H256

# अक़्विला

## सच्चाई:

अक़्विला यहूदियत से आया मसीही ईमानदार था, वह काले समन्दर के दक्खिन किनारे पर बसे पोन्तुस का रहने वाला था।

अक़्विला और प्रिस्किल्ला रोम, इटली में कुछ वक़्त रहे थे तब रोमी हाकिम क्लॉडियस ने सब यहूदियों को रोम से चले जाने का हुक्म दिया।

- और अक़्विला और प्रिस्किल्ला कुरिन्थ शहर आ गए जहां उनकी मुलाक़ात रसूल पौलुस से हुई थी।

उन्होंने ख़ेमे बनाने में और ख़ुशख़बरी के काम में पौलुस के साथ काम किया।

- अक़्विला और प्रिस्किल्ला दोनों ईमानदारों को ईसा की सच्चाई की ता'लीम देते थे, इन ईमानदारों में एक होनहार उस्ताद अप्पुल्लोस भी था।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: अप्पुलोस, कोरिन्थ, रोम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 16:19-20
- 2 तीमुथियुस 04:19-22
- रसूलों के 'आमाल 18:1-3
- रसूलों के 'आमाल 18:24-26

## शब्दकोश:

- Strong's: G207

# अख़ियाह

## सच्चाई:

पुराने 'अहद नामे में कई लोगों के नाम अख़ियाह थे नीचे लिखे इनमें से कुछ आदमी हैं

- शाऊल के बादशाह के वक़्त में एक काहिन का नाम अख़ियाहथा

सुलैमान बादशाह के वक़्त में अखियाह एक कातिब था

- अखियाह शीलो का एक नबी भी था जिसने इस्राईली सल्तनत के बटवारे की नबुव्वत की थी
- इस्राईल के बादशाह बाशा के बाप का नाम भी अखियाह था

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा

(यह भी देखें: \ बाशा, शीलो)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 15:27-28
- 1 सलातीन 21:21-22
- 1 शमूएल 14:18-19
- 2 तवारीख़ 10:15

## शब्दकोश:

- Strong's: H281

# अख़ज़ियाह

## :सच्चाई ##

अख़ज़ियाह नाम के दो बादशाह हुए थे एक इस्राईल का बादशाह था और दूसरा यहूदा का बादशाह था

- यहूदा का बादशाह अख़ज़ियाह बादशाह यरुबआम का बेटा था। उसने एक साल (841 ई.पू.) ही हुकूमत किया और फिर येहू ने उसको क़त्ल कर दिया । * अख़ज़ियाह के बेटे योआश ने छोटी उम्र में ही बादशाहत का काम सम्भाला था।

इस्राईल का अख़ज़ियाह बादशाह का बेटा था। उसकी बादशाहत का ज़माना दो साल था (850-49 ई.पू.)। वह अपने शाहीमहल की खिड़की में से गिर जाने की वजह से घायल होकर मर गया था और उसकी जगह पर उसका भाई यूराम तख़्त पर बैठा।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: येहू, आख़ज़, यरुबआम, यूआश(

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 22:39-40
- 2 तवारीख़ 22:1-3
- 2 तवारीख़ 25:23-24
- 2 सलातीन 11:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H274

# आदम

## सच्चाई:

आदम पहला आदमी था जिसे ख़ुदावन्द ने बनाया था| और वह उसकी बीवी हव्वा ख़ुदावन्द की सूरत से बनाए गए थे |

- ख़ुदावन्द ने आदम को मिट्टी से बनाकर उसमें साँस फूँकी थी ।
- आदम लफ़्ज़ का मतलब इब्रानी में लाल मिट्टी , या ज़मीन है |।
- “आदम लफ्ज़ वैसा ही है जैसा पुराने अहद नामे का लफ्ज़ इन्सानीक़ौम , या आदमी है ।
- पूरे तौर से इन्सानी क़ोम आदम और हव्वा की औलादें हैं ।
- आदम और हव्वा ने ख़ुदावन्द का हुक्म नहीं माना । इस वजह से वह ख़ुदावन्द से अलग हो गए और दुनिया में गुनाह और मौत को आने दिया|

तर्जुमा की सलाह , नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: मौत, औलादें , हव्वा, ख़ुदावन्द की सूरत, ज़िन्दगी

## किताब -ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तीमुथियुस 02:13-15
- पैदाइश 03:17-19
- पैदाइश 05:1-2
- पैदाइश 11:5-7
- लूका 03:36-38
- रोमियो 05:14-15

## किताब -ए-मुक़द्दस कहानियों से मिसाल :

- **01:09** फिर ख़ुदावन्द ने कहा , हम इन्सान को अपनी शक्ल में अपने जैसा बनायेंगे
- **01:10** आदमी का नाम **आदम** था ख़ुदावन्द ने **आदम** के रहने के लिए एक बाग़ बनाया और बाग़ की देखभाल करने के लिए उसे वहाँ रख दिया
- **01:12** फिर ख़ुदावन्द ने कहा आदमी का अकेला रहना अच्छा नहीं है ।” लेकिन जानवरों में से कोई भी **आदम** का मददगार नहीं बन सकता |
- **02:11** और ख़ुदावन्द ने जानवर की खाल से **आदम** और हव्वा को ढका
- **02:12** और ख़ुदावन्द ने ख़ूबसूरत बगीचे से **आदम** और हव्वा को बाहर भेज दिया
- **49:08** जब **आदम** और हव्वा ने गुनाह किया तो इसने उनकी सारी औलादों को मुता'अस्सिर किया
- **50:16** क्यूँकि आदम_ और हव्वा ने ख़ुदावन्द के हुक्म की नाफ़रमानी की और इस दुनिया में गुनाह को लाए, इसलिए ख़ुदावन्द ने इसे लानत किया और इसे बर्बाद करने का इरादा किया

## शब्दकोश:

- Strong's: H120, G76

# आमोस

## सच्चाई:

आमोस नबी यसायाह के बाप का नाम था।

- सिर्फ़ एक जगह जहाँ उसके नाम का ज़िक्र किया गया है वह यसायाह की पहचान के लिए है कि वह “अमोस का बेटा ” था।
- यह नाम नबी आमोस से अलग है जिसका ज़ाहिर करना ज़रूरी है।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: आमोस, यशायाह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 सलातीन 19:1-2
- यशायाह 37:1-2
- यशायाह 37:21-23

## शब्दकोश:

- Strong's: H531

# आशर

## सच्चाई:

आशर या'क़ूब का आठवाँ बेटा था। उसकी औलादें इस्राईल के बारह क़बीलों में से एक थी, क़बीले का नाम भी “आशर” था।

- आशर की माँ का नाम ज़िल्फ़ा था, वह लिआः की लौंडी थी।
- उसके नाम का मतलब है, “खुश ” या “मुबारक ”
- आशर को दिए गए ज़मीन के हिस्से का नाम भी आशर था यह ज़मीन इस्राईल के ज़रिए' कन'आन में दाख़िल होने के वक़्त उन्हें दी गई थी।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: इस्राईल, इस्राईल के बारह क़बीले )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 02:1-2
- 1 सलातीन 04:15-17
- हिज़कीएल 48:1-3
- पैदाइश 30:12-13
- लूका 02:36-38

## शब्दकोश:

- Strong's: H836

# आशर, आशर के लिए आशर, आशर नाम के मूर्तियों, अश्तोरेत

## ता'अरुफ़:

आशर कन'आनियों की देवी का नाम था, पुराने 'अहद नामे में। "अश्तोरेत" आशर का ही दूसरा नाम हो सकता है या यह कई देवी थी जो वैसी ही थी।

- “ आशर की मूर्तियां” या'नी लकड़ी की मूर्तियाँ या पेड़ों को काटकर वैसे शक्ल देना कि उसकी नुमाइन्दगी करें।
- आशर अक्सर झूठे मा'बूद बा'ल की क़ुर्बानगाह के क़रीब होती थी क्यूँकि उसे आशर का शौहर माना जाता था। कुछ लोगों के झुण्ड बा'ल को सूरज मा'बूद और आशर या अश्तोरेत को चांद देवी मानकर पूजा करते थे।
- ख़ुदा ने इस्राईल को हुक्म दिया था कि आशर के सब बुतों को बर्बाद कर दें।
- इस्राईल के कुछ रहनुमाओं ने जैसे गिदोन, आसा बादशाह , योशिय्याह बादशाह ने ख़ुदा का हुक्म मानकर इन बुतों को बर्बाद किया था।
- लेकिन कुछ इस्राईली बादशाह जैसे सुलैमान, मनस्सी आहब ने उनको बर्बाद नहीं किया और इस्राईल को उनकी 'इबादत के लिए ता'लीम दी।

(यह भी देखें: बुत, बा'ल, गिदोन, के जैसा, सुलैमान)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 सलातीन 18:4-5
- 2 सलातीन 21:1-3
- यशायाह 27:9
- कुज़ात 03:7-8
- मीका 05:12-15

## शब्दकोश:

- Strong's: H842, H6252, H6253

# आसा

## सच्चाई:

बादशाह आसा ने यहूदा पर चालीस साल तक बादशाहत की थी 913-873 ई.पू.।

- आसा एक अच्छा बादशाह था जिसने बुतों के मा'बूदों को ख़त्म किया और इस्राईलियों को यहोवा की 'इबादत के लिए शुरू' किया।
- यहोवा ने आसा को ग़ैर क़ौमों के साथ जंग में कामयाबी हासिल की थी।
- बा'द में अपने बादशाही ज़माने में आसा ने यहोवा पर यक़ीन करना बंद कर दिया और बीमार होकर आख़िरकार मर गया।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 इस्तिसना 09:14-16
- 1 सलातीन 15:7-8
- 2 तवारीख़ 14:1-4
- यरमियाह 41:8-9
- मत्ती 01:7-8

## शब्दकोश:

- Strong's: H609

# आसिया

## सच्चाई:

कलाम के ज़माने में “आसिया” रोमी सल्तनत के एक 'इलाक़े का नाम था। यह मक़ाम आज के तुर्किस्तान के पश्चिमी हिस्से में था।

- पौलुस ने आसिया के कई मकामों में ख़ुशख़बरी सुनाई थी । इन मक़ामों में इफ़िसुस और कुलुस्से थे।
- आज के आसिया के शक-ओ-शुबह से बचने के लिए ज़रूरी है कि इस लफ़्ज़ का तर्जुमा इस तरह किया जाए, “पुराने रोमी 'इलाक़े आसिया” या “आसिया सूबा ।”
- मुक़ाश्फ़ा की किताब में जितनी भी कलीसियाओं के नाम हैं, वे सब रोम के आसिया सूबे में थी।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: रोम, पौलुस, इफ़िसुस)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 16:19-20
- 1 पतरस 01:1-2
- 2 तीमुथियुस 01:15-18
- रसूलों के 'आमाल 06:8-9
- रसूलों के 'आमाल 16:6-8
- रसूलों के 'आमाल 27:1-2
- मुक़ाश्फ़ा 01:4-6
- रोमियो 16:3-5

## शब्दकोश:

- Strong's: G773

# आस्तर

## सच्चाई:

आस्तर एक यहूदी महिला थी जो यहूदियों की बाबुल की गिरफ़्तारी के दोरान फ़ारस सल्तनत की रानी बन गई थी।

- आस्तर की किताब में आस्तर का अख्सूयरस की रानी बनना और उसके मा'रिफ़त से ख़ुदावन्द के ज़रिए यहूदियों की हिफ़ाज़त की तहरीर लिखी है।

आस्तर एक यतीम बच्ची थी जिसे उसके रिश्ते के भाई मर्दकै ने पाल पोस कर बड़ा किया था।

- अपने इस वालदैन का हुक्म मानने से उसे ख़ुदा का हुक्म मानने में मदद मिली थी।
- आस्तर ने ख़ुदावन्द की इता'अत मानी और अपने लोगों को या'नी यहूदियों को बचाने के लिए जान को ख़तरे में डाल दी थी।
- आस्तर की कहानी तारीख़ के वाक़ि'यात पर ख़ुदा की ख़ुद मुख्तारी के क़ाबू पर वज़ाहत करता है ख़ास तौर पर वह अपनी क़ौम की हिफ़ाज़त करता है और जो उसकी इता'अत करता है उनके ज़रिए' काम करता है |

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा

(यह भी देखें: क़ाफ़ले, बाबुल , मोर्दकै, फ़ारस)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में :

- आस्तर 02:7
- आस्तर 02:15-16
- आस्तर 07:1-2
- आस्तर 08:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H635

# आसफ़

## सच्चाई:

आसफ़ एक लावी काहिन था साथ ही वह एक होनहार मैसीक़ी कार था, उसने दाऊद दाऊद के गीतों को मौसीक़ी से सजाया था। उसने ख़ुद भी गीत लिखे थे।

- दाऊद बादशाह ने आसफ़ को और दो मैसीक़ीकारों के साथ हैकल की 'इबादत के लिए गीत तैयार करने की ज़िम्मेदारी सौंपी थी । इनमें से कुछ गीत नबूव्वतें थी।
- आसफ़ ने अपने बेटों को भी ता'लीम दी थी कि इस ज़िम्मेदारी को पूरा करें, हैकल में गीत के साथ में कुछ बजाना और नबूव्वत करना।
- उनके गीत के साथ में कुछ बजाते थे, सारंगी, सितार, नरसिंगा और झांझ।
- ज़बूर 50, 73-83 आसफ़ के गीत माने जाते हैं। मुम्किन है कि इनमें से कुछ गीत उसके ख़ानदान के लोगों ने लिखे थे।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का ताजुमा

(यह भी देखें: औलादें , [सितार नबी गीत, तुरही)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 6;39-43
- 2 तवारीख़ 35:15
- नहमियाह 2;7-8
- ज़बूर 050:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H623

# आख़ज़

## ता’अरुफ़:

आख़ज़एक बुरा बे रहम बादशाह था जिसने यहूदा पर732से 716ई.पू.तक बादशाहत की थी यह वक़्त इस्राईल और यहूदा के बहुत से रहने वालों को बाबुल की ग़ुलामी में ले जाने से तक़रीबन 140साल पहले का था

- जब वह यहूदा में हुकूमत कर रहा था उसने अश्शूरों के मा'बूद के लिए एक क़ुर्बानगाह बनवाई थी उसका नतीजा यह हुआ कि लोग सिर्फ़एक सच्चे ख़ुदा यहोवा से फिर गए थे
- बादशाह आख़ज़ 20 साल की उम्र में यहूदा के तख़्त पर बैठा था और उसने 16 साल हुकूमत की थी।

तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें

यह भी देखें बाबुल

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 08:35-37
- 2 तवारीख़ 28:1-2
- 2 सलातीन 16:19-20
- होशे 01:1-2
- यशायाह 01:1
- यशायाह 07:3-4
- मत्ती 01:9-11

## शब्दकोश:

- Strong's: H271

# इकुनियुम

## सच्चाई:

इकुनियुम आज के तुर्किस्तान के दक्खिन दरमियानी हिस्से में एक शहर था।

- पौलुस पहले बशारती सफ़र में बरनबास के साथ इकुनियुम शहर गया था क्यूँकि यहूदियों ने अन्ताकिया में उसकी ख़िलाफ़त की थी ।
- इकुनियुम में भी ईमान नहीं करने वाले यहूदियों और ग़ैर क़ौमों ने पौलुस और उसके साथियों को पत्थराव करने का मन्सूबा बनाया था लेकिन पौलुस पास के शहर लुस्त्रा चला गया था
- उसके बा'द अन्ताकिया और इकुनियुम से कई लोगों ने आकर लुस्त्रा में भी लोगों को पौलुस पर पत्थराव करने के लिए भड़काया।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बरनबास, लुस्त्रा, पत्थर)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तीमुथियुस 03:10-13
- रसूलों के 'आमाल 14:1-2
- रसूलों के 'आमाल 14:19-20
- रसूलों के 'आमाल 16:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: G2430

# इब्राहीम, अब्राम

## सच्चाई:

अब्राम ऊर शहर का एक क़सदी आदमी था जिसे ख़ुदावन्द ने इस्राईल का बुजुर्ग होने के लिए चुन लिया था | खुदावन्द ने उसका नाम अब्राम से बदलकर इब्राहीम कर दिया था |

- " अब्राम का मतलब है मज़बूत बाप ""
- "अइब्राहीम का मतलब है बहुतों का बाप"
- ख़ुदावन्द ने इब्राहीम से वा'दा किया था कि वह बहुतों का बाप होगा उसकी औलादें एक बड़ी क़ौम होंगे ।
- इब्राहीम ने ख़ुदावन्द पर यक़ीन किया और उसके हुक्मों को माना |। ख़ुदावन्द ने इब्राहीम को कसदियों के मुल्क से लेकर कनआन जाने में रहनुमाई की।
- कन'आन में इब्राहीम और सारा को बुढ़ापे में इस्हाक़ हासिल हुआ था। ।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा)

(यह भी देखें: \ कना'न, क़सदी, सारा, इस्हाक़

## किताब -ए-मुक़द्दस के बारे में:

- गलातियों 03:6-9
- पैदाइश 11:29-30
- पैदाइश 21:1-4
- पैदाइश 22:1-3
- या'कूब 02:21-24
- मत्ती 01:1-3

## किताब -ए-मुक़द्दस कहानियों से मिसाल:

- **04:06**जब **अब्राम** कन'आन मुल्क पहुंचा तब ख़ुदावन्द ने उसे कहा कि , ""अपने चारों तरफ़ देख क्यूँकि जितनी ज़मीन तुझे दिखाई देती है, उस सब को मैं तुझे और तेरी नसल को दूँगा
- **05:04** ख़ुदावन्द_ ने कहा कि अब तेरा नाम **अब्राम** _ न होकर __ इब्राहीम होगा, जिसका मतलब है –"बहुतों का बाप ।"
- **05:05** तक़रीबन एक साल बाद में, जब _इब्राहीम _ सौ साल का हुआ और सारा नब्बे साल की तो, सारा ने इब्राहीम के बेटे को जन्म दिया ।
- **5:06 जब इस्हाक़ जवान हुआ, ख़ुदावन्द ने __इब्राहीम** से यह कहकर उसकी आज़माइश ली,"कि अपने एकलौते बेटे इस्हाक़ को आतशी क़ुर्बानी करके चढ़ा।।
- **06:01जब _इब्राहीम _ 'उम्र दराज़ हो गया था, तो उसका बेटा इस्हाक़ व्यस्कता की तरफ़ बढ़ता जा रहा था, __इब्राहीम** ने अपने एक ग़ुलाम से कहा, कि तू मेरे मुल्क में मेरे ही खानदानियों के पास जाकर मेरे बेटे इस्हाक़ के लिये एक बीवी ले आएगा।
- **06:04**एक लंबे वक़्त के बाद _इब्राहीम _ की मौत हो गयी, ख़ुदावन्द ने इब्राहीम से जो अहद बाँधा था उसके मुताबिक़ ख़ुदावन्द ने इस्हाक़ को बरकत दी
- **21:02** ख़ुदावन्द **ने __इब्राहीम** से अहद बाँधा कि सर ज़मीन के सारे लोग तेरे ज़रिए बरकत पाएँगे।।

## शब्दकोश:

- Strong's: H87, H85, G11

# इलीशा

## सच्चाई:

इलीशा इस्राईल में कई बादशाहों के वक़्त में नबी की ख़िदमत करता था। अहाब, अहज्याह, यहोराम, याहू , यहोआहाज और यहोआश

- ख़ुदा ने नबी इलियाह को हुक्म दिया था कि वह इलीशा का नबी होने के लिए मशह करे।
- जब इलियाह को आग के रथ में आसमान में उठा लिए जाने के बा'द इलीशा इस्राईल के बादशाहों के लिए ख़ुदा का नबी बना।
- इलीशा ने कई हैरत अंगेज़ काम किए जिनमें सीरिया के सेनानायक को कोढ़ से शिफ़ा करना और एक शूनेमी 'औरत के बेटे को मुर्दों में से जिलाया भी था।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: इलियाह, नाम का , नबी )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 19:15-16
- 2 सलातीन 03:15-17
- 2 सलातीन 05:8-10
- लूक़ा 04:25-27

## शब्दकोश:

- Strong's: H477

# इलीशिबा'

## सच्चाई:

इलीशिबा' यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले की माँ का नाम था। उसके बाप का नाम ज़करयाह था।

- ज़करयाह और इलीशिबा' के पास कोई औलाद नहीं थी लेकिन ख़ुदावन्द ने उनको बुढ़ापे में औलाद देने का वा'दा किया था।
- ख़ुदावन्द ने अपना वा'दा पूरा किया की और जल्दी ही उन्हें बेटा हासिल हुआ। उन्होंने उस बच्चे का नाम यूहन्ना रखा।
- इलीशिबा' 'ईसा की माँ मरियम के रिशतेदार भी थीं।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तरजुम कैसे करें

(यह भी देखें: यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), [ज़करयाह(नया 'अहद नामा )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- लूक़ा 01:5-7
- लूक़ा 01:24-25
- लूक़ा 01:39-41

## शब्दकोश:

- Strong's: G1665

# इल्याक़ीम

## सच्चाई:

इल्याक़ीम नाम के दो आदमी पुराने 'अहद नामें में हुए थे।

- इल्याक़ीम नाम का एक आदमी हिज़क़ीएल बादशाह का बावर्ची था।
- दूसरा इल्याक़ीम बादशाह योशिय्याह का बेटा था। उसे मिस्र के फ़िर 'औंन नीको ने यहूदाह का बादशाह बनाया था।
- नीको ने उसका नाम बदल कर यहोयाक़ीम रखा था।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा

(यह भी देखें: हिज़किय्याह, यहुयाक़ीम, होशियाह, फ़िर'औंन)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 सलातीन 18:16-18
- 2 सलातीन 18:26-27
- 2 सलातीन 18:36-37
- 2 सलातीन 23:34-35

## शब्दकोश:

- Strong's: H471, G1662

# इशकार

## सच्चाई:

इशकार या'क़ूब का पांचवां बेटा था। उसकी माँ का नाम लि'आ:

- इशकार का क़बीला इस्राईल के बारह क़बीलों में से एक था।
- इशकार का नसब नामा नफ़ताली, जबूलून, मनस्सी और गाद से घिरा हुआ था।
- उसकी सर हद गलील समन्दर के दक्खिन में थी ।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: गाद, मनस्सी, नफ़ताली, इस्राईल के बारह क़बीले , जबूलून)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- ख़ुरूज 01:1-5
- हिज़्क़ीएल 48:23-26
- पैदाइश 30:16-18
- यसू'अ 17:9-10

## शब्दकोश:

- Strong's: H3485, G2466

# इस्माईल, इस्माईल, इस्माईल

## सच्चाई:

इस्माईल इब्राहीम और मिस्री लौंडी हाजिरा का बेटा था। पुराने 'अहद नामे में इस्माईल नाम के कई आदमी भी हुए हैं।

- इस्माईल का मतलब है, “ख़ुदावन्द सुनता है”
- ख़ुदावन्द ने इब्राहीम के बेटे इस्माईल को बरकत देने का वा’दा किया था, लेकिन वह 'अहद का बेटा नहीं था।
- रेगिस्तान में ख़ुदावन्द ने हाजिरा और इस्माईल की हिफ़ाज़त की थी।
- पारान के रेगिस्तान में रहते हुए इस्माईल ने एक मिस्री 'औरत से शादी की थी ।
- नतन्याह का बेटा इस्माईल यहूदा का फ़ौजी अफ़सर था जिसने एक झुण्ड बनाकर बाबुल के बादशाह के मुक़र्रर हाकिम नबूकदनज़र को क़त्ल किया था ।
- पुराने 'अहद नामे में इस्माईल नाम के चार और आदमी हुए हैं।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: इब्राहीम , बाबुल, ‘अहद, रेगिस्तान, मिस्र, हाजिरा, इस्हाक़, नबूकदनज़र, पारान, सारा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 01:28-31
- 2 तवारीख़ 23:1-3
- पैदाइश 16:11-12
- पैदाइश 25:9-11
- पैदाइश 25:13-16
- पैदाइश 37:25-26

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **05:02** तो इब्राहीम ने हाजिरा से शादी की । हाजिरा को इब्राहीम के ज़रिए' एक बेटा हुआ, इब्राहीम ने उसका नाम **इस्माईल** रखा।
- **05:04** “मैं **इस्माईल** को भी एक बड़ी क़ौम बनाऊंगा, लेकिन मेरा 'अहद इस्हाक़ के साथ होगा।”

## शब्दकोश:

- Strong's: H3458, H3459

# इस्राईल की बादशाही

## सच्चाई

क्या हुआ था कि इस्राईल की बादशाही का उत्तरी हिस्सा इस्राईल के हिस्सा बने इस्राईल के बारह क़बीलों ने सुलैनाम के मर जाने के बा'द इस्राईल को दो सलतनतों में बाँट दिया|

- उत्तर की इस्राईल की बादशाही में दस क़बीले थे, और दख्खिन में यहूदा की बादशाही में दो क़बीले थे |
- इस्राईल की बादशाही का दारुल-उल-हुकूमत शहर सामरिया था| यह यहूदाह के दारुल-उल-हुकूमत शहर यरुशलीम से लगभग 50 किलो मीटर दूर था|
- इस्राईली बादशाही के सभी बादशाह बुरे थे| उन्होंने लोगों को झूठे मा'बूदों की ख़िदमत करने के लिए हौसला दिया|
- ख़ुदा ने अश्शूरियों को इस्राईल की सल्तनत पर हमला करने को भेजा| बहुत से इस्राईली क़ब्ज़े में लिए गए और अश्शूर में रहने के लिए ले जाए गए|
- इस्राईलियों ने ग़ैरमुल्क के लोगों इस्राईल के बचे हुए लोगों के साथ रहने के लिए लाए| ये ग़ैरमुल्की लोगो ने इस्राईलियों के साथ शादी की, और उनकी नसल सामरी बन गई|

(यह भी देखें: अस्सीरिया, इस्राईल, यहूदाह, यरुशलीम, बादशाही, सामरिया)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तवारीख़ 35:18-19
- यरमियाह 05:10-13
- यरमियाह 09:25-26

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें :

- ***18:08:***इस्राईल की सल्तनत के दस क़बीलों ने रहूबियाम के ख़िलाफ़ बग़ावत की था, यरुब'आम नाम का एक शख़्स मुक़र्रर किया गया था| उन्होंने मुल्क के उत्तरी हिस्से में अपनी सल्तनत क़ायम की और उन्हें इस्राईल की सल्तनत कहा जाता था|
- **18:10** यहूदाह और इस्राईल की सल्तनत दोनों दुश्मन हो गए और अक्सर एक दुसरे के साथ लड़े|
- **18:11** नई सल्तनत**इस्राईल**के सब बादशाह बुरे थे|
- **20:01 इस्राईल** की सल्तनत और यहूदाह दोनों ने ख़ुदा के ख़िलाफ़ बहुत से गुनाह किये|
- **20:02 _इस्राईल** की बादशाही अश्शूरी हुकूमत जो बहुत ताक़तवर और बेरहम मुल्क था उसके ज़रिए' तबाह कर दी गई अश्शूरियों ने इस्राईल की बादशाही में बहुत से लोग मारे, सब क़ीमती सामान ले लिया, और मुल्क के ज़्यादतर हिस्से को जला दिया|
- **20:04** तब अश्शूरी ग़ैरमुल्की लोगों को उस सरज़मीन पर रहने के लिए लाये जहाँ पहले **इस्राईल की बादशाही**हुआ करती थी| ग़ैरमुल्की लोगों ने तबाह शहर को दुबारा ता'मीर किया और जो इस्राईली वहाँ रह गए थे उनसे शादी की| ग़ैरमुल्की लोगों से शादी करने वाले इस्राईलियों की नसलों को सामरिया कहा जाता था|

## शब्दकोश:

- Strong's: H3478, H4410, H4467, H4468

# इस्राईल, इस्राईली, इस्राईलियों, या'क़ूब

## सच्चाई:

या'क़ूब इस्हाक़ और रिबक़ा के जुड़वा लड़कों में छोटा था।

- या'क़ूब का मतलब है, “वह एड़ी पकड़ता है” जिसका मतलब है, “वह धोकबाज़ है।” पैदाइश के वक़्त या'क़ूब अपने जुड़वा भाई ऐसौ की एड़ी पकड़े हुए था।
- कई साल बा'द ख़ुदावन्द ने या'क़ूब का नाम बदलकर इस्राईल रखा जिसका मतलब है, “वह ख़ुदावन्द के साथ मशक़्क़त करता है।”
- या'क़ूब चालाक और धोकेबाज़ था। उसने अपने बड़े भाई ऐसौ से उसके पहलौठे की बरकतें और इख़्तियार हासिल करने का मन्सूबा तलाश कर लिया था।
- ऐसौ इस पर बहुत ग़ुस्सा हुआ और उसको क़त्ल करने का मन्सूबा बनाया, लिहाज़ा या'क़ूब अपने घर से भाग गया। सालों बा'द या'क़ूब अपनी बीवियों और औलादों के साथ कन'आन लौटा, ऐसौ भी वहीं रहता था। दोनों के ख़ानदान अमन सुकून से रहने लगे।
- या'क़ूब के बारह बेटे थे। उनकी औलादें इस्राईल के बारह क़बीले हुए।
- मत्ती लिखने वाले की ख़ुशख़बरी में जो नसब नामा दिया गया है उसमें एक और या'क़ूब का बयान किया गया है, वह यूसुफ़ का बाप था।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: कन'आन, धोका करना, ऐसौ, इस्हाक़, इस्राईल, रिबक़ा, इस्राईल के बारह क़बीले)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 07:11-13
- रसूलों के 'आमाल 07:44-46
- पैदाइश 25:24-26
- पैदाइश 29:1-3
- पैदाइश 32:1-2
- यूहन्ना 04:4-5
- मत्ती 08:11-13
- मत्ती 22:31-33

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **07:01**फिर वह लड़के बढ़ने लगे, रिबक़ा **या'क़ूब** से मुहब्बत रखती थी, लेकिन इस्हाक़ ऐसौ से मुहब्बत रखता था। **या'क़ूब** सीधा आदमी था और ख़ेमों में रहा करता था, लेकिन ऐसौ तो जंगली होकर चतुर शिकार खेलनेवाला हो गया।
- **07:07** जब **या'क़ूब** वहाँ था ,उसी दौरान या'क़ूब ने चार बीवियों से शादी की और उसके बारह बेटे और एक बेटी पैदा हुई। ख़ुदा ने उसे बहुत मालदार बनाया।
- **07:08** बीस साल तक अपने घर से, जो कन'आन में है, दूर रहने के बा'द **या'क़ूब** अपने ख़ानदान, ख़ादिमों, और अपने सारे जानवरों के साथ वापस आ गया।
- **07:10** ख़ुदा ने इब्राहीम की नसबनामे के बारे में जो 'अहद उससे बाँधा था, वह इब्राहीम से इस्हाक़ और इस्हाक़ से **या'क़ूब** को दी।
- **08:01**कई साल बा'द, जब **या'क़ूब** ‘उम्र दराज़ हो गया, तो उसने अपने अज़ीज़ बेटे यूसुफ़ को भेजा कि वह जाकर अपने भाइयो को देखे जो भेड़ बकरियों के झुंड की देखभाल कर रहे थे।

## शब्दकोश:

- Strong's: H3290, G2384

# इस्हाक़

## सच्चाई:

इस्हाक़ इब्राहीम और सारा का पहलौठा बेटा था। अगर्चे वह ‘उम्र दराज़ था, फिर भी ख़ुदावन्द ने उन्हें बेटा देने का वा'दा किया था ।

- “इस्हाक़” का मतलब है, “वह हँसता है” ख़ुदावन्द ने इब्राहीम से कहा कि सारा एक बेटे को पैदा करेगी तब इब्राहीम हंस पड़ा था क्यूँकि वह दोनों बहुत 'उम्र दराज़ थे। उस वक़्त यह ख़ुशख़बरी सुनकर सारा भी हँस दी थी।
- लेकिन ख़ुदावन्द ने अपन वा'दा पूरा किया और इब्राहीम और सारा को 'उम्र दराज़ी में बेटा हासिल हुआ ।
- ख़ुदावन्द ने इब्राहीम से कहा कि उसने इब्राहीम के साथ जो 'अहद बाँधा है वह इस्हाक़ और उसकी नसल के साथ भी बंधी रहेगी।
- जब इस्हाक़ लड़कपन में पहुंचा तब ख़ुदावन्द ने इब्राहीम के ईमान को परखने के लिए उससे कहा कि वह उसके लिए इस्हाक़ को क़ुर्बान कर दे।
- इस्हाक़ के बेटे या'क़ूब के बारह बेटे थे जो आगे चलकर इस्राईल के बारह क़बीले हुए।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: इब्राहीम , नसल, सदाकालीन, मुकम्मल, या'क़ूब, सारा, इस्राईल के बारह क़बीले)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- गलातियों 04:28-29
- पैदाइश 25:9-11
- पैदाइश 25:19-20
- पैदाइश 26:1
- पैदाइश 26:6-8
- पैदाइश 28:1-2
- पैदाइश 31:17-18
- मत्ती 08:11-13
- मत्ती 22:31-33

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **05:04** “तेरी बीवी सारै के तुझ से एक बेटा होगा। और वह वा'दे का बेटा होगा। और तू उसका नाम इस्हाक़ रखना।”
- **05:06** जब इस्हाक़ लड़कपन ही में था , ख़ुदावन्द ने इब्राहीम से यह कहकर उसकी आज़माइश ली, “अपने पहलौठे बेटे इस्हाक़ को सोख़्तनी क़ुर्बानी करके पेश कर।”
- **05:09** लिहाज़ा इब्राहीम ने जाके उस मेढ़े को लिया और अपने बेटे इस्हाक़ की जगह पर उसको सोख़्तनी क़ुर्बानी करके पेश किया |
- **06:01** जब इब्राहीम 'उम्र दराज़ हो गया था, तो उसका बेटा **इस्हाक़** जवानी की ओर बढ़ता जा रहा था, इब्राहीम ने अपने एक ग़ुलाम से कहा, कि तू मेरे मुल्क में मेरे ही ख़ानदानियों के पास जाकर मेरे बेटे **इस्हाक़** के लिये एक बीवी ले आएगा।
- **06:05** **इस्हाक़** ने ख़ुदावन्द से दु'आ की, और ख़ुदावन्द ने उसकी इल्तिजा सुनी इस तरह रिबक़ा जुड़वाँ बेटों के साथ हाम्ला हुई।
- **07:10** **इस्हाक़** की मौत हो गयी और उसके बेटे ऐसौ और या'क़ूब ने उसको मिट्टी दी। ख़ुदावन्द ने इब्राहीम की नस्लों के बारे में जो 'अहद उससे बाँधा था, वह इब्राहीम से **इस्हाक़** और इस्हाक़ से या'क़ूब को दिया ।

## शब्दकोश:

- Strong's: H3327, H3446, G2464

# इफ़रात, इफ़रात, इफ्राती, इफ्राती

## सच्चाई:

इफ़रात एक शहर था जो इस्राईल के शिमाली हिस्से में था। इफ़रात का नाम आगे चलकर “बैतलहम” या “इफ़रात - बैतलहम” पड़ा।

- इफ़रात कालिब के एक बेटे का नाम था। शायद उसी के नाम पर इस शहर का नाम पड़ा।
- उस शहर के रहने वाले को इफ्राती कहते थे।
- बो'आज़, दाऊद का परदादा था, एक इफ्राती थे।

(तर्जुमा की सलाह :नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: बैतलहम, बो'आज़, कालेब, दाऊद, इस्राईल)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

## शब्दकोश:

- Strong's: H672, H673

# इफ़िसुस, इफ़िसुस के बाशिंदे, इफ़िस्स्यों

## सच्चाई:

इफ़िसुस मग़रिबि किनारे पर एक पुराना यूनानी शहर था जो आज के वक़्त में तुर्की का मुल्क है।

- इब्तिदाई ईसाइयों के वक़्त में, इफिसुस एशिया की दारुल हुकूमत थी, जो उस वक़्त एक छोटा रोमन सूबा था। *
- इसके मुक़ाम के ज़रिए, यह शहर तिजारत और सफ़र का एक ख़ास मरकज़ था। *
- वहाँ अरतिमिस(डायना) का एक मशहूर हैकल था।
- पौलुस इफ़िसुस में दो साल से ज़्यादा रहा और काम भी किया और वहाँ के बे ईमानों की हिदायत के लिए तीमुथियुस को मुक़र्रर कर दिया।
- नये 'अहद नामें में इफ़िसुस का ख़त इन ईमानदारों को लिखा पौलुस का ख़त है।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: आसिया, पौलुस, तीमुथियुस)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 15:31-32
- 1 तीमुथियुस 01:3-4
- 2 तीमुथियुस 04:11-13
- रसूलों के 'आमाल 19:1-2
- इफिसियों 01:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: G2179, G2180, G2181

# इफ़्ताह

## सच्चाई:

इफ़्ताह जिल'आद का एक ज़बरदस्त सूरमा था, वह इस्राईल का मुंसिफ़ था।

- 'इब्रानियों 11:32 में इफ़्ताह की बड़ाई की गई है कि वह एक बहुत ही ख़ास रहनुमा था जिसमें अपने लोगों को दुश्मनों से हिफ़ाज़त हासिल की थी।
- उसने अम्मोनियों को शिकस्त करने के लिए इस्राईलियों की रहनुमाई की थी और इफ़्राईमियों को भी हराया था।
- जैसा कि, इफ़्ताह ने बेवक़ूफ़ी में ख़ुदा से क़सम खाई जिसके नीजे में उसे अपनी बेटी की क़ुर्बानी पेश करनी पड़ी थी।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: अम्मोन, आज़ादी दिलाना, इफ़्राईम, मुंसिफ़, मिन्नत)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 'इब्रानियों 11:32-34
- क़ुज़ात 11:1-3
- क़ुज़ात 11:34-35
- क़ुज़ात 12:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H3316

# इफ़्राईम , इफ़्राईमी, इफ्राईमियों

## सच्चाई:

इफ्राईम यूसुफ़ का दूसरा बेटा था। उसकी औलाद इस्राईल के बारह क़बीलों में से एक हुए।

- इफ्राईम का क़बीला इस्राईल के शिमाली हिस्से में वाक़े' दस क़बीलों में से एक था।
- कभी-कभी इफ्राईम का नाम किताब-ए-मुक़द्दस में इस्ते'माल किया जाता है ताकि इस्राईल की पूरी शिमाली सल्तनत का हवाला दे सके । * (देखें:हमअहंगी)
- इफ्राईमी वाज़ह तौर पर एक पहाड़ या पहाड़ी 'इलाक़ा था, जो "इफ्राईम के पहाड़ी मुल्क " या "इफ्राईम के पहाड़ों" के हवाले से है '।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: इस्राईल का मुल्क , इस्राईल के बारह क़बीले)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 06:66-69
- 2 तवारीख़ 13:4-5
- हिज़क़ीएल 37:15-17
- पैदाईश 41:50-52
- पैदाईश 48:1-2
- यूहन्ना 11:54-55

## शब्दकोश:

- Strong's: H669, H673, G2187

# ईजेबेल

## सच्चाई:

ईजेबेल, इस्राईल के बादशाह आहब की बहुत बुरी रानी थी।

- ईजेबेल ने आहब और इस्राईल के लोगों को बुत परस्ती के लिए मजबूर किया था।
- उसने ख़ुदा के नबियों में से कई एक को क़त्ल करवाया था।
- उसने एक बेक़ुसूर आदमी नाबात को क़त्ल करवाया था कि आहब उसकी अँगूर की बाग़ को लूट पाए।
- यहाँ तक कि वह अपने बुरे कामों के बदले मारी गई। एलियाह ने उसकी मौत की नबूव्वत की थी और ठीक वैसे ही उसको क़त्ल किया गया था ।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा)

(यह भी देखें: आहब, एलियाह, झूठे मा’बूद )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 16:31-33
- 1 सलातीन 19:1-3
- 2 सलातीन 09:7-8
- 2 सलातीन 09:30-32
- मुक़ाश्फ़ा 02:20-21

## शब्दकोश:

- Strong's: H348, G2403

# उज़्ज़ियाह , अजरियाह

## सच्चाई:

उज़्ज़ियाह 16 साल की 'उम्र में यहूदा का बादशाह बना था और यरूशलीम में 52 साल हुकूमत की जो एक आम और ज़्यादा वक़्त तक बादशाह था। उज़्ज़ियाह को अजरियाह नाम से भी जाना जाता था।

- उज़्ज़ियाह बादशाह अपनी फ़ौज का इन्तिज़ाम और महारत के लिए जाना जाता था। अपने शहर की हिफ़ाज़त के लिए गुम्बद बनवाए थे, उसने जंग के हथियारों को ख़ास तौर से बनाया था जिनसे वह तीर चला सकता था और बड़े-बड़े पत्थर फेंक सकता था।
- वह जब तक ख़ुदा की ख़िदमत में रहा मज़बूत होता गया। अगर्चे अपने बादशाहत के वक़्त के आख़िरी वक़्त में उसे घमण्ड हो गया था और हैकल में ख़ुशबू जलाकर ख़ुदा के हुक्म की ना फ़रमानी की क्यूँकि ख़ुशबू जलाना सिर्फ़ काहिनों का काम था।
- इस गुनाह की वजह से उज़्ज़ियाह को कोढ़ हो गया था और आख़िर तक सबसे अलग रहना पड़ा।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें:यहूदा, बादशाह , कोढ़, हुकूमत करना, गुम्बद)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 सलातीन 14:20-22
- आमोस 01:1-2
- होसे'अ 01:1-2
- यसा'याह 06:1-2
- मत्ती 01:7-8

## शब्दकोश:

- Strong's: H5814, H5818, H5838, H5839

# ऊर

## सच्चाई:

ऊर फ़रात नदी के पास, पुराना क़सदी सूबा का एक ख़ास शहर था, जो मसोपतामिया का एक हिस्सा था। यह जगह आज के इराक़ में क़ायम थी।

- इब्राहीम ऊर शहर का रहने वाला था, वहीं से ख़ुदा ने उसे बुला लिया था कि उसे कन'आन ले जाएं।
- लूत का बाप, इब्राहीम का भाई हारान ऊर में ही मर गया था। लूत का इब्राहीम के साथ ऊर छोड़ने की शायद यह भी एक वजह थी ।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: इब्राहीम , कन'आन, क़सदी, फ़रात नदी, हारान, लूत, मसोपतामिया)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 11:27-28
- पैदाइश 11:31-32

## शब्दकोश:

- Strong's: H218

# एलिय्याह

## सच्चाई:

एलियाह यहोवा का सबसे ज़्यादा ख़ास नबी था। एलियाह ने इस्राईल और यहूदाह के कई बादशाहों के वक़्त में नबूव्वत की थी, इनमें अहाब बादशाह भी था।

- ख़ुदा ने एलियाह की मा'रिफ़त से कई हैरत अंगेज़ काम किए जिनमें एक मुर्दा बच्चे को ज़िन्दा करना भी था।
- एलियाह ने बादशाह अहाब को बा'ल की बुत परस्ती के लिए डांटा था।
- उसने बा'ल के पुजारियों को शर्त रखी थी कि पहचान कर देखें कि यहोवा ही सच्चा ख़ुदा है।
- वक़्त पूरा हो जाने पर ख़ुदा ने एलियाह को मु'जिज़ह शक्ल से आसमान में उठा लिया था।
- सैंकड़ों साल बा'द में एलियाह मूसा के साथ 'ईसा से पहाड़ पर क़ुर्बानी करने आया था और उन्होनें यरूशलीम में 'ईसा की आनेवाली परेशानी और मौत के बारे में बात चीत की थी।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: हैरत अंगेज़, नबी , यहोवा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 17:1
- 2 सलातीन 01:3-4
- या'क़ूब 05:16-18
- यूहन्ना 01:19-21
- यूहन्ना 01:24-25
- मरक़ुस 09:4-6

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों कि मिसाल:

- **19:02** _एलियाह _ नबी था, जब अहाब इस्राईली मुल्क का बादशाह था।
- **19:02 एलिय्याह** ने अहाब से कहा, “इन सालों में मेरे बिना कहे, न तो पानी बरसेगा, और न शबनम पड़ेगी।”
- **19:03** ख़ुदावन्द ने _एलियाह _ से कहा कि वह जंगल में जाकर छिप जाए, क्योंकि अहाब उसे मारने की ताक में है। और सुबह और शाम को कव्वे उसके पास रोटी और गोश्त लाया करते थे।
- **19:04** लेकिन तब उन्होंने एलियाह का ख़याल रखा, और ख़ुदावन्द ने उनके घड़े का मैदा ख़त्म न होने दिया, और न उनकी **कुप्पी** का तेल घटने दिया।
- **19:05**साढ़े तीन साल के बा'द, ख़ुदा का यह कलाम _एलियाह _ के पास पहुँचा, “जाकर अपने आप को अहाब को दिखा, और मैं ज़मीन पर पानी बरसा दूँगा।
- **19:07**और _एलियाह _ ने बा'ल के नबियों से कहा, “पहले तुम एक बछड़ा पसन्द कर के तैयार कर लो, क्योंकि तुम तो बहुत हो; तब अपने मा'बूद से दू'आ करना, लेकिन आग न लगाना।”
- **19:12** तब एलियाह ने कहा, “बा'ल के नबियों को पकड़ लो, उनमें से एक भी छूटने ने न पाए;
- **36:03** तब मूसा और _एलियाह _ नबी दिखाई दिए। इससे पहले यह दोनों आदमी कई सो साल पहले ज़मीन पर ज़िन्दा थे। वह 'ईसा से उसकी मौत के बारे में बात कर रहे थे, जो यरूशलीम में होने वाली थी।

## शब्दकोश:

- Strong's: H452, G2243

# ओम्री

## सच्चाई:

ओम्री एक फ़ौज का सरदार था जो इस्राईल का छठवां बादशाह हुआ था।

- बादशाह ओम्री ने तिर्सा नगर में 12 साल बादशाही की थी।
- इस्राईल के सब बादशाहों के जैसे ओम्री भी एक बुरा बादशाह था, उसने इस्राईल की क़ौम को और भी ज़्यादा बुतपरस्ती में गिराया था।
- ओम्री बादशाह आहाब का बाप था।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: अहाब, इस्राईल, यरुब'आम, तिर्सा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तवारीख़ 22:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H6018

# औरय्याह

## सच्चाई:

औरय्याह एक रास्तबाज़ आदमी था और दाऊद के बेहतर फ़ौजियों में से एक था। उसे अक्सर “हित्ती औरय्याह” से हवाला दिया जाता था।

- औरय्याह की बीवी बहुत ख़ूबसूरत थी, उसका नाम बतशबा था।
- दाऊद ने उसके साथ हरामकारी की और वह दाऊद से हामला हो गई थी।
- दाऊद ने अपना गुनाह छिपाने के लिए औरय्याह को जंग में आगे भेजकर मरवा दिया। फिर दाऊद ने बतशबा से शादी की ।
- औरय्याह नाम का एक और आदमी था जो बादशाह आख़ज़ के वक़्त काहिन था।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: आख़ज़, बतशबा, दाऊद, हित्ती)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 15:4-6
- 2 शमूएल 11:2-3
- 2 शमूएल 11:26-27
- नहमियाह 03:3-5

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **17:12** बतशबा का शौहर , जिसका नाम **औरय्याह** था, वह दाऊद का एक बहादुर फ़ौजी था | दाऊद ने **औरय्याह** को जंग से वापस बुला लिया और उससे कहा अपनी बीवी के पास जा | लेकिन **औरय्याह** अपने घर वापस न गया क्यूँकि बाक़ी फ़ौजी जंग लड़ रहे थे | तब दाऊद ने **औरय्याह** को वापस जंग में भेज दिया और योआब से कहा ‘सब से तेज़ जंग के सामने औरय्याह को रखना, तब उसे छोड़कर लौट आओ, कि वह घायल होकर मर जाए |
- **17:13**औरय्याह__ के मरने के बा'द, दाऊद ने बतशबा से शादी करली |

## शब्दकोश:

- Strong's: H223, G3774

# कना’न, कना’नी ,कना’नियों

## सच्चाई:

कना’न हाम का बेटा था और हाम नूह का बेटा था | कना’नी लोग कना’न के रहने वाले थे

- “कना’न और कना’न मुल्क “वह ‘इलाक़ा था जो यरदन नदी और समन्दर से दूर के बीच का हिस्सा था | दाख़िन में वह मिस्र की हद तक था और उत्तर में सीरिया की हद तक |
- इस मुल्क के रहने वाले कना’नी और ग़ैर क़ौमें थीं |
- ख़ुदा ने इब्राहीम से वा’दा किया था कि वह कना’न मुल्क उसे और उसकी नसल ,इस्राईलियों को देगा |

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: हाम, वा’दे का मुल्क )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के आ’माल 13:19-20
- ख़ुरूज 3:7-8
- पैदाईश 9:18-19
- पैदाईश 10:19-20
- पैदाईश 13:5-7
- पैदाईश 47:1-2

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- *4:5*इस तरह (अब्राम) अपनी बीवी सारै,और जो माल उन्होंने इकठ्ठा किया था ,और जो जानदार उन्होंने हारान में पाए थे ,सब को लेकर “कना’न मुल्क में जो ख़ुदावन्द ने उसे दिखाया था जाने को निकल चला ;
- *04:06*जब अब्राम _कना’न _मुल्क पहुँचा तब ख़ुदा ने उससे कहा कि ,अपने चारों ओर देख क्यूँकि जितनी ज़मीन तुझे दिखाई देती है ,उस सब को मै तुझे और तेरी नसल को दूँगा |
- _ 04:09”मै _कना’न मुल्क तेरी नसल को दूँगा |”
- *05:03*मै तुझ को और तेरे बा’द तेरी नसल को भी ,यह सारा कना’न मुल्क दूँगा वह उनकी अपनी ज़मीन रहेगी ,और मै उनका ख़ुदा रहूँगा |”
- *07:08*बीस साल तक अपने घर से ,जो कना’नमें है ,दूर रहने के बा’द या’क़ूब अपने घराने , ख़ादिमों ,और अपने सारे जानवरों समेत वापस आ गया |

## शब्दकोश:

- Strong's: H3667, H3669, G2581, G5478

# करेतियों

## सच्चाई:

“करेतियों” एक क़ौम थी जो मुमकिन है पलिश्तियों में से थी | कुछ तर्जुमो में इस नाम को “करेतियों की शक्ल में लिखते हैं |

- ”करेतियों और पलेतियों” बादशाह दाऊद की फ़ौज में सिपाहियों के ख़ास झुण्ड थे जो उसके मुहाफ़िज़ की शक्ल में उसके वफ़ादार थे |
- यहोयादा का बेटा बनायाह, दाऊद के इन्तिज़ामिया दल का एक फ़र्द ,करेतियों और पलेतियों का रहनुमा था |
- करेतियों दाऊद के साथ थे जब वह अबशालोम के बग़ावत करने पर यरूशलीम छोड़ कर गया था |

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा

(यह भी देखें: अबशालोम, बनायाह, दाऊद, पलिश्ती)

## किताब-ए-मुकद्दस के बारे में:

- सफ़नियाह 02:4-5

## शब्दकोश:

- Strong's: H3774

# करेते , करेते के बाशिन्दे ,करेते के बाशिन्दों

## सच्चाई:

करेते यूनान के दख्खिनी हिस्से पर एक जज़ीरह था "करेते के बाशिन्दे " वह हैं जो करेते जज़ीरह पर रहते हैं।

- अपने बशारती सफ़र में पौलुस रसूल करेते के सफ़र पर गया था।
- पौलुस ने अपने हमख़िदमत तीतुस को करेते पर छोड़ दिया था कि वहां कलीसिया के रहनुमाओं को मुक़र्रर करे।

(तर्जुमे से मुता’ल्लिक सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- ‘आमाल 02:8-11
- रसूलों के 'आमाल 27:7-8
- आमोस 09:7-8
- तीतुस 01:12-13

## शब्दकोश:

- Strong's: G2912, G2914

# कर्मिल ,कर्मिल पहाड़

## सच्चाई:

“कर्मिल पहाड़” समन्दर से दूर के किनारे पर वाक़े’पहाड़ियों में से -शारोंन के मैदान के नज़दीक उत्तर में | उसकी सबसे ऊँची चोटी 546 मीटर ऊँची है |

- कर्मिल नाम का एक शहर भी था जो नमक के समन्दर के दाख्खिन में यहूदाह की बादशाहत में था |
- नाबाल एक मालदार किसान था ,उसकी बीवी का नाम अबी गैल था |वह कर्मिल शहर के नज़दीक रहते थे |दाऊद और उसके साथी नाबाल के चरवाहों की हिफ़ाज़त करते थे |
- कर्मिल पहाड़ पर एलियाह ने बा’ल पुजारियों के साथ बहस करके साबित किया था कि केवल यहोवा ही सच्चा ख़ुदा है |
- यह वाज़ेह करने के लिए कि कर्मिल एक ही पहाड़ नहीं था ,”कर्मिल पहाड़”का तर्जुमा “कर्मिल पहाड़ियों में से के एक पहाड़ पर” या “कर्मिल पहाड़ियों में से |

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: बा’ल, एलियाह ,यहूदाह ,नमक का समन्दर)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 18:18-19
- 1समूएल 15:12-13
- यरमियाह 46:18-19
- मीकाह 07:14-15

## शब्दकोश:

- Strong's: H3760, H3761, H3762

# कसदी ,कसदी,कसदियों

## सच्चाई:

कसदी मेसोपोटामिया या बाबुल के दाख्खिन का ज़मीनी हिस्सा था | इस ‘इलाक़े के रहने वाले कसदी कहलाते थे |

- ऊर शहर जहाँ इब्राहीम रहता था,वह कसदियों का ही मुल्क था | इसे हमेशा “कसदियों के ऊर” कहा जाता है |
- नबूकदनज़र बहुत से कसदियों में से एक था जो बाबुल के बादशाह हुए थे
- बहुत सालों बा’द तक़रीबन 600ई.पू.में कसदी मुल्क “बाबुल” कहलाया |
- दानीएल की किताब में “कसदी” लफ़्ज़ एक ख़ास इन्सानी दर्जे का पस मन्ज़र देता है जो ऊँची ता’लीम पाए हुए इन्सान थे और सितारों का मुता’आला करते थे |

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: इब्राहीम, बाबुल, शिनार, ऊर)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के आमाल 07:4-5
- हिज़क़ीएल 01:1-3
- पैदाइश 11:27-28
- पैदाइश 11:31-32
- पैदाइश 15:6-8
- यसा’याह 13:19-20

## शब्दकोश:

- Strong's: H3679, H3778, H3779, G5466

# क़ाना

## ता’रीफ़:

क़ाना-ए-गलील ‘इलाक़े में एक गाँव या शहर था जो नासरत से तक़रीबन नौ मील उत्तर में बसा हुआ था |

- क़ाना शहर बारहों में से एक नतनएल की पैदाइश की जगह थी |
- ‘ईसा क़ाना शहर में एक शादी की महफ़िल में गया था जहाँ उसने अपना पहला मोजिज़ा ,पानी को मय बनाना ,किया था |
- कुछ वक़्त के बा’द ‘ईसा क़ाना में दुबारा आया था जहाँ उसकी मुलाक़ात कफ़रनहूम के एक हाकिम से हुई थी जिसने अपने बेटे की शिफ़ा के लिए उससे मिन्नत की थी |

(यह भी देखें: कफ़रनहूम, गलील, बारहों)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- यूहन्ना 2:1-2
- यूहन्ना 4:46-47

## शब्दकोश:

- Strong's: G2580

# क़ैसर

## सच्चाई:

“क़ैसर’’ रोमी बादशाहत के बादशाहों के ‘ओहदे का नाम था | किताब-ए-मुक़द्दस में, यह नाम तीन रोमी बादशाहों के बारे में आया है |

- पहला ,क़ैसर ‘’औगुस्तुस क़ैसर ‘’था, वह ‘ईसा की पैदाइश के वक़्त तख़्त पर था |
- तक़रीबन तीस साल बा’द जब यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला ‘ऐलान कर रहा था तब रोमी बादशाहत का राजा तिबिरियुस क़ैसर था |

पौलुस ने क़ैसर की मिन्नत की थी तब क़ैसर नीरो तख़्त पर था | जब ‘ईसा ने लोगों से कहा था कि जो क़ैसर का है वह क़ैसर को दो और जो ख़ुदा का है वह ख़ुदा को दो तब क़ैसर तिबिरियुस ही तख़्त पर था | क़ैसर’’लफ़्ज़ का इस्तेमा’ल जब ओहदे की शक़्ल में किया गया है तब इसका तर्जुमा राजा या ‘’रोमी बादशाह ‘’ किया जा सकता है जब ये ओहदा नाम के साथ जोड़ा जाए जैसे क़ैसर ‘’औगुस्तुस’’ या ‘’क़ैसर तिबिरियुस ‘’तब इसकी तशरीह मादरी ज़ुबान में बिलकुल वैसे ही की जाये |

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: राजा, पौलुस , रोम )

|## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में: ##

- रसूलों के 'आमाल 25:6-8
- लूक़ा 02:1-3
- लूक़ा 20:23-24
- लूका 23:1-2
- मरकुस 12:13-15
- मत्ती 22:15-17

*फिलिप्पियों 04: 21-23

## शब्दकोश:

- Strong's: G2541

# काइफ़ा

## सच्चाई:

काइफ़ा ‘ईसा और यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के वक़्त में इस्राईल का सरदार काहिन था |

- ‘ईसा की मज़म्मत और सज़ा में काइफ़ा ने अहम किरदार निभाया था |
- सरदार काहिन हन्ना और काइफ़ा पतरस और यूहन्ना की मज़म्मत में मौजूद थे जब उन्हें एक लंगड़े आदमी को अच्छा करने के लिए बन्दी बनाया गया था |
- काइफ़ा ही था जिसने कहा था पूरी दुनिया की तबाही के बदले उसकी जगह एक इन्सान का मरना बेहतर है | ख़ुदा ने उससे यह नबुव्वत करवाई थी कि ‘ईसा अपनी क़ौम की नजात के वास्ते जान देगा |

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: हन्ना, सरदार काहिन)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- आमल 4:5-7
- यूहन्ना 18:12-14
- लूका 3:1-2
- मत्ती 26:3-5
- मत्ती 26:57-58

## शब्दकोश:

- Strong's: G2533

# कालिब

## सच्चाई:

कालिब उन बारह इस्राईली राज़दारों में से एक था जिन्हें मूसा ने कना'न की मालूमात लेने के लिए भेजा था |

- उसने और यशू'अ ने इस्राईलियों को हिम्मत दिलाई कि वह ख़ुदा पर भरोसा रखें वह उन्हें कना'न पर फ़तह दिलाएगा |
- यशू'अ और कालिब उस नस्ल के दो ही लोग थे जिन्हें वा'दे के मुल्क कना'न में दाख़िल होने की इजाज़त दी गयी थी |
- कालिब ने मिन्नत किया था कि उसे और उसके घराने को हेब्रोन दिया जाए उसे यक़ीन था कि ख़ुदा उसे वहाँ के लोगों को हराने में उसकी मदद करेगा |

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: हेब्रोन ,यशू'अ)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 4:13-16
- यशू'अ 14:6-7
- कुज़ात 1:11-13
- गिनती 32:10-12

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- *14-4*जब इस्राईली कना'न की हद में पहुँचे तब मूसा ने बारह आदमियों को चुना इस्राईल के हर क़बीलेमें से उसने उन आदमियों को हुक्म दिया की जाओ और ज़मीन का पता लगाओ कि वह कैसी दिखती है |
- *14:06*जल्द ही कालिबऔर यशू'अ और दो जासूस कहने लगे हाँ यह सही है कि कना'न के लोग ताक़तवर हैं लेकिन हम बिला शुबह उन्हें हरा देंगे ! ख़ुदा हमारे लिए जंग करेगा |'"
- *14:8*उनमें से कालिब और यशू'अ को छोड़ कर जितने बीस साल के या उससे ज़्यादा 'उम्र के जितने गिने गये थे वह मर जायेंगे और कभी वा'दा के मुल्क में दाख़िल नहीं होंगे |

ताकि वह मुल्क में सुकून से जी सकें |

## शब्दकोश:

- Strong's: H3612, H3614

# किलिकिया

## सच्चाई:

किलिकिया एक छोटा रोमी सूबा था जो आज के तुर्किस्तान में दाख़िन पूर्वी इलाक़े'में था। वह एजीयन समन्दर के सिरे पर था

- पौलुस रसूल किलिकिया के तरसुस शहर का बाशिन्दा था।
- दमिश्क के रास्ते पर 'ईसा से आमना-सामना करने के बा'द पौलुस ने कई साल किलिकिया में बिताए थे।
- किलिकिया के कुछ यहूदियों ने स्तिफ़नुस का सामना किया था और लोगों को उसे संगसार करने के लिए भड़काया था।

(तर्जुमे की सलाहनामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: पौलुस, स्तिफ़नुस, तसुस)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के आमाल 06:8-9
- रसूलों के आमाल 15:39-41
- रसूलों के आमाल 27:3-6
- गलातियों 01:21-24

## शब्दकोश:

- Strong's: G2791

# कुरनेलियुस

## सच्चाई:

कुरनेलियुस, एक ग़ैर क़ौमी आदमी था, वह रोमी फ़ौज में एक हाकिम था।

- वह ख़ुदा से रोज़ दुआ करता था और गरीबो को हलीमी से खैरात देता था।
- पतरस रसूल से बशारत सुनकर कुरनेलियुस और उसका घराना 'ईसा का ईमानदार हो गया।
- कुरनेलियुस और उसका घराना पहले ग़ैर यहूदी थे, जिन्होंने 'ईसा पर यक़ीन किया था।
- इससे 'ईसा के शागिर्दों को को समझ में आया कि 'ईसा सबको नजात देने आया था, जिनमें ग़ैर क़ौमें भी थी।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: रसूल, ईमान, ग़ैर क़ौम. ख़ुशख़बरी, यूनानी, सूबेदार)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 10:1-2
- रसूलों के 'आमल 10:7-8
- रसूलों के 'आमल 10:17-18
- रसूलों के 'आमल 10:22-23
- रसूलों के 'आमल. 10:24
- रसूलों के 'आमल 10:25-26
- रसूलों के 'आमल 10:30-33

## शब्दकोश:

- Strong's: G2883

# कुरिन्थुस, कुरिन्थुस के लोग

## सच्चाई:

कुरिन्थुस शहर यूनान मुल्क का एक शहर था, ऐथेन्स से लगभग 50 मील पश्चिम में। कुरिन्थुस के लोग कुरिन्थ शहर के बाशिन्दे थे।

- कुरिन्थ शहर शुरू' की कलीसियाओं में से एक की जगह थी ।
- नये 'अहद नामे में 1कुरिन्थियों और 2कुरिन्थियों पौलुस के ज़रिये' कुरिन्थ की कलीसिया को लिखे ख़त थे।
- पहली बशारती सफ़र पौलुस लगभग 18 महीने कुरिन्थ शहर में ठहरा था।
- कुरिन्थ शहर में पौलुस की मुलाक़ात दो ईमानदारों , अक्विला और प्रिस्किल्ला से हुई थी।
- कुरिन्थ की कलीसिया से मुता'लिक और शुरू'आती कलीसियाई रहनुमे थे तीमुथियुस, तीतुस, अपुल्लोस और सीलास।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: अपुल्लोस, तीमूथियूस, तीतुस)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 01:1-3
- 2 कुरिन्थियों 01:23-24
- 2 तीमुथियुस 04:19-22
- रसूलों के 'आमाल 18:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: G2881, G2882

# कुरेनी

## सच्चाई:

कुरेनी एक यूनानी शहर था, समन्दर से दूर के उत्तरी किनारे पर अफ़्रीका में क्रेते टापू क़ौम के सीधे दाख़िन में।

- नये ‘अहद नामे के ज़माने में ईमानदार और यहूदी दोनों ही वहां रहते थे।
- कलाम में कुरेन शहर यक़ीनन ‘ईसा का सलीब उठाने वाले शम’ऊन की रहने की जगह होने की वजह जाना जाता है।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: क्रेते)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 11:19-21
- मत्ती 27:32-34

## शब्दकोश:

- Strong's: G2956, G2957

# कुलुस्से, कुलुस्सियों

## सच्चाई:

नये 'अहद नामें के ज़माने में कुलुस्से रोमी सूबे फ्रूगिया का एक शहर था। आज यह जगह दाख्खिनी पच्छिमी तुर्किस्तान है। कुलुस्से के लोग कुलुस्से के रहने वाले थे।

- समन्दर से दूर खुश्की से 100 मील अन्दर कुलुस्से इफ़िसुस और फ़रात नदी के बीच एक ख़ास तिजारत का रास्ता था।
- रोम के क़ैदख़ाने में पौलुस ने कुलुस्से के ईमानदारों को ख़त लिखकर झूठी ता'लीमों को सही किया था।
- ख़त लिखते वक़्त पौलुस ने कुलुस्से की कलीसिया से मुलाक़ात नहीं की थी। उसने अपने दोस्त इपफ्रास से उस कलीसिया के बारे में सुना था।
- मुमकिन है एक मसीही ऐलान करता था जिसने कुलुस्से में कलीसिया इकठ्ठा की थी।
- फ़िलेमोन को लिखा ख़त कुलुस्से में ही ख़ादिमों के एक मालिक को लिखा गया था।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: इफ़िसुस, पौलुस)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- कुलुस्सियों 01: 1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: G2857, G2858

# कूश

## सच्चाई:

कूश नहू के बेटे , हाम का बड़ा बेटा था। वह निम्रोद का पूर्वज था। उसके दो भाइयों के नाम मिस्र और कना'न थे।

- पुराने 'अहद नामे के ज़माने में इस्राईल के दाख्खिन में एक बड़ा 'इलाक़ा का नाम कूश था। मुमकिन है कि उस जगह का नाम हाम के बेटे कुश के नाम पर पड़ा था।
- कूश का पुराना 'इलाक़ा अलग-अलग वक़्तों में आज के सूडान, मिस्र, इथोपिया और मुमकिन है सऊदी अरब का मुल्क थे।
- एक और आदमी का नाम कूश हुआ है जिसका बयान ज़ुबूर में किया गया है। वह एक बिन्यामीनी था।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: अरब, \कना'न]कना'न, कना'नी ,कना'नियों, मिस्र, इथोपिया)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 01:8-10
- हिज़क़ीएल 29:8-10
- पैदाइश 02:13-14
- पैदाइश 10:6-7
- यरमियाह 13:22-24

## शब्दकोश:

- Strong's: H3568, H3569, H3570

# कूश, कूशी

## ता'अर्रुफ़:

कूश अफ़्रीक़ा का एक मुल्क है जो मिस्र के जुनूब में है जिसके जुनूब में नील नदी और पूरब में लाल समन्दर है। कूश का रहने वाला “कूशी” कहलाता है।

- पुराना कूश मिस्र के जुनूब में था और उसकी सरहदों में आज के कई अफ़्रीक़ी मुल्कों को जैसे सूडान, मौजूदह कूश, सोमालिया, केन्या, यूगांडा, मरकज़ी अफ़्रीक़ा जमूहरिया और चाड।
- किताब-ए-मुक़द्दस में कूश को “कूश” मुल्क या “नूबिया” भी कहा गया है।
- इथोपिया (कूश) और मिस्र मुल्कों का ज़िक्र किताब-ए-मुक़द्दस में हमेशा एक साथ किया गया है, शायद इसलिए कि वह पड़ोसी मुल्क थे और उनके बुज़ूर्ग एक ही थे।
- ख़ुदावन्द ने ‘ऐलान करने वाले फ़िलिप्पुस को रेगिस्तान में भेजा कि वह इथोपिया के खोजे को 'ईसा की ख़ुश ख़बरी सुनाएं ।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: कूश, मिस्र, खोजा, फ़िलिप्पूस)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल . 08:26-28
- रसूलों के 'आमाल 08:29-31
- रसूलों के 'आमाल 08:32-33
- रसूलों के 'आमाल 08:36-38
- यसा’याह 18:1-2
- नहूम 03:8-9
- सफनियाह 03:9-11

## शब्दकोश:

- Strong's: H3568, H3569, H3571, G128

# कोरह, कोरे, कोरह के रहने वाले लोग

## ता’अर्रुफ़:

कोरह नाम पुराने ‘अहदनामे में तीन आदमियों का था|

- ‘ऐसौ के बेटों में से एक का नाम कोरह था| वह अपने क़बीले का रहनुमा बना|
- कोरह लावी की नसल भी थे और इस तरह तम्बू में एक काहिन के तौर पर ख़िदमत की। उसे मूसा और हारून से जलन हो गया और आदमियों की एक जमा’अत को उनके खिलाफ बग़ावत करने की रहनुमाई की|
- कोरह नाम का तीसरा आदमी यहूदाह की नसल के तौर पर फ़हरिस्त में दर्ज है।

(यह भी देखें: हारून, इख़्तियार, कालिब, नसल, ‘ऐसौ, यहूदाह, काहिन)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 01:34-37
- गिनती 16:1-3
- गिनती 16:25-27
- ज़ुबूर 042:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H7141

# कफ़रनहूम

## सच्चाई:

कफ़रनहूम गलील झील के उत्तर-पच्छिमी किनारे पर मछुवारों का एक गाँव था |

- ‘ईसा जब गलील में ता’लीम देता था तब वह कफ़रनहूम में ठहरता था|
- उसके बहुत से शागिर्द कफ़रनहूम से थे |
- ‘ईसा ने इस गाँव में बहुत से मो’जिज़े किये थे ,जिनमे मुर्दा लड़की को फिर से ज़िन्दा करना भी था |
- कफ़रनहूम उन तीन शहरों में से एक था जिन पर ‘ईसा ‘ऐलानिया तौर पर मलामत की थी क्यूँकि वहाँ के लोगों ने उसका इनकार किया और उसकी ता’लीमों में यक़ीन नहीं किया था | ‘ईसा ने उन्हें हिदायत दी थी कि ख़ुदा उन्हें उनकी बे यक़ीनी की सज़ा देगा |

(तर्जुमे की सलाह :नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: गलील , गलील की झील )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- यूहन्ना 02:12

](rc://ur-deva/tn/help/luk/04/31)*[लूका 04:31-32

- लूका 07:1
- मरकुस 01:21-22
- मरकुस 02:1-2
- मत्ती 04:12-13
- मत्ती 17:24-25

## शब्दकोश:

- Strong's: G2584

# ख़ोरस

## सच्चाई:

ख़ोरस एक फारसी बादशाह था जिसने फौजी मुहिम के ज़रिये 550 ई.पू. में फारसी सल्तनत की बुनियाद रखी थी। तवारीख़ में वह ख़ोरस अज़ीम के नाम से भी जाना जाता है।

- खोरस ने बाबुल को जीत लिया था और ग़ुलाम इस्राईलियों को आज़ादी का शुरू’ हुआ।
- ख़ोरस जीती हुई क़ौमों के लिए अपने नर्म मिजाज़ी के लिए मशहूर था। यहूदियों के साथ उसकी रहम दिली के मिजाज़ की वजह से ही ग़ुलामी के बाद यरूशलीम हैकल की फिर से ता’मीर हुई ।
- ख़ोरस के बादशाहत के वक़्त मेंदानीएल , एज्रा और नहमियाह ज़िन्दा थे।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा

(यह भी देखें: दानीएल, दारा, एज्रा, नहमियाह, फ़ारस)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तवारीख़ 36:22-23
- दनीएल 01:19-21
- एज्रा 05:12-13
- यसा’याह 44:28

## शब्दकोश:

- Strong's: H3566

# खारा तालाब, मुर्दा समन्दर

## सच्चाई:

खारा तालाब(जिसे मुर्दा समन्दर भी कहा जाता है पश्चिम में दक्खिन इस्राईल और पूरब में मोआब के बीच था।

- यरदन नदी दक्खिन की तरफ़ बहकर मुर्दा समन्दर में गिरती है।
- क्यूँकि यह समन्दर से छोटा है, इसे "नमक की झील" कह सकते हैं।
- इस समन्दर में खारा पानी बहुत ज़्यादा है जिसका मतलब है कि इसमें ज़िन्दगी का गुज़ारा नहीं हो सकता है। पौधों और जानवरों की कमी "मुर्दा समन्दर" नाम की वजह है।
- पुराने 'अहद नामे में इस समन्दर को "अराबा का समन्दर" भी कहा गया है या "नेगेव का समन्दर" क्यूँकि इसका जुगराफ़िया मक़ाम अराबा और नेगेव के 'इलाक़े के क़रीब है।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा )

(यह भी देखें: अम्मोन, अराबा, , यरदन नदी, मोआब, नेगेव)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तवारीख़ 20:1-2
- इस्तिसना 03:17
- यसू'अ 03:14-16
- गिनती 34:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H3220, H4417

# गत, गत के रहने वाले , गती

## सच्चाई:

गत फिलीस्तीनियों के पांच ख़ास शहरों में से एक था। यह अक्रून के उत्तर में और अश्दूद और अश्कलून के पूरब में थी।

- फ़िलिस्ती जंगजू गोलियत गत शहर का रहने वाला था।
- शमूएल के वक़्त में फिलीस्तीनियों ने इस्राईल से 'अहद का सन्दूक़ ले लिया था और उसे अश्दूद में अपनी हैकल में रख दिया था। उसके बा'द वह उसे गत शहर ले गए और बा'द में अक्रून। लेकिन ख़ुदा ने वहाँ के रहने वालों को बीमारी से सज़ा दी तो उन्होंने 'अहद के सन्दूक़ को फिर इस्राईल भेज दिया था।
- बादशाह शाऊल से बचकर भागते वक़्त दाऊद गत चला गया था और कुछ वक़्त वहाँ रहा, उसके साथ उसकी दो बीवियाँ और उसके साथी छः सौ लोग थे।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा)

(यह भी देखें: अश्दूद, अश्कलून, अक्रून, ग़ाज़ा, गोलियत, फ़िलिस्ती )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 02:39-40
- 1 शमूएल 05:8-9
- 2 तवारीख़ 26:6-8
- यहोशू 11:21-22

## शब्दकोश:

- Strong's: H1661, H1663

# गतसिमनी

## सच्चाई:

गतसिमनी ज़ैतून के दरख़तों की एक बाग़ थी, क़िद्रोन घाटी के पार, यरूशलीम के पूरब में ज़ैतून पहाड़ के क़रीब ।

- गतसिमनी में ईसा और उसके शागिर्द अकेले रहने और आराम करने के लिए जाते थे कि लोगों के झुण्ड से दूर होकर ।
- गतसिमनी में ही 'ईसा ने अपना गहरे दुःख के साथ दु'आ किया था, इसके पहले कि यहूदी रहनुमा उसे क़ैदी बनाते।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: यहूदा इस्करियोति, क़िद्रोन घाटी, ज़ैतून पहाड़ )

## -ए-मुक़द्दस के बारे में:

- मरकुस 14:32-34
- मत्ती 26:36-38

## शब्दकोश:

- Strong's: G1068

# गलतिया, गलतियों

## सच्चाई:

नए 'अहद नामे के वक़्त में, गलतिया एक बड़ा रोमी सूबा था जो आज के तुर्किस्तान के हिस्से में क़ायम है।

- गलतिया का एक हिस्सा काला समन्दर के किनारे पर उत्तर की तरफ़ फ़ैला हुआ था। उसकी सरहदों पर एशिया, बिथुनिया, कप्पदोकिया, किलकिया और पंफूलिया थे।
- रसूल पौलुस गलतिया सूबे के ईमानदारों को ख़त लिखा था। यह ख़त नये 'अहद नामे में “गलतियों के नाम पौलुस के ख़त” के नाम से है।
- गलतिया के ईमानदारों को यह ख़त लिखने में पौलुस की एक वजह थी कि कामों के ज़रिए' नहीं फ़ज़ल के ज़रिए' नजात पर ताक़त दें।
- गलतिया सूबा में जो ग़ैर क़ौमों से आनेवाले ईमानदार थे उन्हें यहूदियत से आनेवाले ईमानदार ता'लीम दे रहे थे कि ईमानदारों को यहूदी क़ानूनों में से कुछ पर 'अमल करना ज़रूरी था।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: आसिया, ईमान, किलिकिया , ख़ुशख़बरी , पौलुस, काम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 16:1-2
- 1 पतरस 01:1-2
- 2 तीमुथियुस 04:9-10
- रसूलों के 'आमाल 16:6-8
- गलतियों 01:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: G1053, G1054

# गलील, गलीली, गलीलियों

## सच्चाई:

गलील इस्राईल का ख़ास उत्तरी हिस्सा था, सामरिया के ठीक उत्तर में। गलीली लोग गलील के रहनेवाले थे ।

- नये 'अहद नामे के वक़्त में गलील, सामरिया और यहूदा इस्राईल के तीन ख़ास 'इलाक़े थे।
- गलील के पूरब में एक बड़ी झील, गलील समन्दर था ।
- 'ईसा गलील के नासरत शहर में पला बड़ा हुआ था और वहीं रहता था

'ईसा के ज़्यादातर मो'जिज़े और ख़िदमत गलील 'इलाक़े में ही हुई थी।

(यह भी देखें: नासरत, सामरिया, गलील समन्दर )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 09:31-32
- रसूलों के 'आमाल 13:30-31
- यूहन्ना 02:1-2
- यूहन्ना 04:1-3
- लूक़ा 13:1-3
- मरकुस 03:7-8
- मत्ती 02:22-23
- मत्ती 03:13-15

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **21:10** यसा'याह नबी ने कहा कि मसीह **गलील** में रहेगा, वह ग़मज़दह लोगों को अमन देगा और ग़ुलामों के लिए आज़ादी का और क़ैदियों को छुटकारा देगा।
- **26:01** शैतान की आज़माइश पर क़ाबू पाने के बा'द, 'ईसा जहाँ वह रहते थे **गलील** के 'इलाक़े के लिए रूह-उल-क़ुदुस की ताक़त में लौट आए।
- **39:06** आख़िर में लोगों ने जो वहाँ खड़े थे, पतरस के पास आकर उससे कहा, "हम जानते है कि तू भी 'ईसा के साथ था क्यूँकि तुम दोनों **गलील** से हो।"
- **41:06** तब फ़रिश्ते ने उन 'औरतों से कहा , "जाओ और फ़ौरन जाकर उसके शागिर्दों से कहो कि 'ईसा मुर्दों में से जी उठा है और वह तुमसे पहले **गलील** को जाता है।"

## शब्दकोश:

- Strong's: H1551, G1056, G1057

# गाद

## सच्चाई:

लावी या'क़ूब या इस्राईल के बारह बेटों में से एक था। या'क़ूब को इस्राईल का नाम भी दिया गया था।

- गाद का ख़ानदान इस्राईल के 12 क़बीलों में से एक बना था।
- कलाम में एक और आदमी जिसका नाम गाद था वह एक नबी था जिसने इस्राईलियों की मर्दुम शुमारी के लिए दाऊद को फटकारा था।
- “बालगाद” और “मिगदल गाद” मक़ामी ज़बान में दो लफ़्ज़ हैं और कभी-कभी उन्हें “बाल गाद” और मिगदल गाद” लिखा भी गया है।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: मर्दुम शुमारी, नबी, इस्राईल के बारह क़बीले )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 05:18-19
- ख़ुरूज 01:1-5
- पैदाइश 30:9-11
- यसू'अ 01:12-13
- यसू'अ 21:36-38

## शब्दकोश:

- Strong's: H1410, H1425, G1045

# गुलगता

## सच्चाई:

“गुलगता” उस जगह का नाम है जहाँ 'ईसा को सलीब पर चढ़ाया गया था। इस लफ़्ज़ का असल अरामी ज़बान में है जिसका मतलब है, “खोपड़ी” या “खोपड़ी की जगह ”।

- गुलगता जगह यरूशलीम की शहरपनाह के बाहर थी लेकिन पास ही में। शायद ज़ैतून पहाड़ की ढलान पर।
- कलाम के कुछ अंग्रेजी तर्जुमों में गुलगता का तर्जुमा “कलवरी” किया गया है जिसको लतीनी ज़बान में है जो “खोपड़ी” के लिए आता है।
- कई कलाम के मज़मूनों में ऐसे लफ़्ज़ों का इस्ते'माल किया गया है जो “गुलगता” के सामने दिखते हैं या सुनने में आते हैं क्यूँकि इस लफ़्ज़ का तर्जुमा कलाम के जुमले में किया जा चुका है।

(तर्जुमा की सलाह : नाम कैसे तर्जुमा करें)

(यह भी देखें: अराम, ज़ैतून पहाड़ )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- यूहन्ना 19:17-18
- मरकुस 15:22-24
- मत्ती 27:32-34

## शब्दकोश:

- Strong's: G1115

# गोलियत

## सच्चाई;

“गोलियत” फ़िलिस्तियों की फ़ौज में एक लम्बा चौड़ा जंगबाज़ दाऊद ने मार गिराया था।

- गोलियत की ऊंचाई 2-3 मीटर की थी। अपने जिस्मानी डील-डौल की वजह उसे जिन्नात कहा जाता था।
- अगर्चे गोलियत के पास ज़्यादा अच्छे हथियार थे और शरीर में वह दाऊद से बहुत बड़ा था, ख़ुदा ने दाऊद को ताक़त और क़ाबिलियत 'अता की कि उसे हरा दे।
- गोलियत पर दाऊद की फ़तह के नतीजे जैसे इस्राईलियों को फ़िलिस्तियों पर फ़तह हासिल हुई।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: दाऊद, फ़िलिस्ती )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 20:4-5
- 1 शमूएल 17:4-5
- 1 शमूएल 21:8-9
- 1 शमूएल 22:9-10

## शब्दकोश:

- Strong's: H1555

# जरुब्बाबुल

## सच्चाई:

जरुब्बाबुल नाम के दो आदमी पुराने ‘अहद नामे के ज़माने में इस्राईल में हुए थे।

- इनमें से एक यहूयक़ीम और सिदक़ियाह की नसल का था।
- एक और जरुब्बाबुल, शेलतीएल का बेटा , वह एज्रा और नहमियाह के वक़्त यहूदाह के क़बीले का रहनुमा था जब फ़ारस के बादशाह खोरस ने इस्राईलियों को बाबुल की ग़ुलामी से आज़ाद किया था।
- जरुब्बाबुल और सरदार काहिन यशू’अ उन लोगों में से थे जिन्होंने ख़ुदा के हैकल और क़ुर्बानगाह के दोबारा ता’मीर में हाथ बंटाया था।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बाबुल , क़ैदी , खोरस, एज्रा, सरदार काहिनी , यहूयक़ीम, यशू’अ, यहूदा, नहमियाह, फारस, सिदकियाह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 03:19-21
- एज्रा 02:1-2
- एज्रा 03:8-9
- लूका 03:27-29
- मत्ती 01:12-14

## शब्दकोश:

- Strong's: H2216, H2217, G2216

# जशन

## ता’अर्रुफ़:

जशन मिस्र के उत्तरी हिस्से में नील नदी के किनारे में बसा एक उपजाऊ सूबा था।

जब यूसुफ़ मिस्र का हाकिम था तब उसका बाप और उसके भाई अपने ख़ानदानों के साथ आकर जशन में बस गए थे क्यूँकि कन'आन में सूखा पड़ गया था।

- वह और उनकी औलाद 400 साल तक जशन में अमन के साथ रहे उसके बा'द मिस्र के फ़िर'औन ने उन्हें ग़ुलाम बना लिया।
- आख़िर में ख़ुदावन्द ने मूसा को भेजा कि जशन से निकल कर ग़ुलामी से आज़ाद होने में इस्राईलियों की मदद करें ।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: मिस्र, काल, मूसा, नील नदी)

## किताब-ए-मुक़द्दस में बारे में:

- ख़ुरूज 08:22-24
- पैदाइश 45: 9-11
- पैदाइश 47:1-2
- पैदाइश 50:7-9
- यसू'अ 10:40-41

## शब्दकोश:

- Strong's: H1657

# जसूर , जसूरियों

## ता’अर्रुफ़:

बादशाह दाऊद के वक़्त में जसूर गलील समन्दर के पूरब में एक छोटा सा मुल्क था, जो इस्राईल और अराम मुल्कों के बीच था।

- बादशाह दाऊद ने जसूर के बादशाह की बेटी माका से शादी किया था जिससे अबीशलोम पैदा हुआ था।
- अपने आधे भाई अम्नोन को क़त्ल करने के बा'द अबीशलोम यरूशलीम से उत्तर पूरब में जसूर की तरफ़ भाग गया था जो 140 मील दूर था। वहाँ वह तीन साल तक रहा।

(यह भी देखें: अबीशलोम, अम्नोन, अराम, गलील समन्दर )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 02:23-24
- 2 शमूएल 03:2-3
- \इस्तिसना 03:14](rc://ur-deva/tn/help/deu/03/14)
- यहोशू 12:3-5

## शब्दकोश:

- Strong's: H1650

# ज़क्काई

## सच्चाई:

ज़क्काई यरीहू में महसूल लेनेवाला हाकिम था, वह ‘ईसा को देखने के लिए पेड़ पर चढ़ गया था।

- ‘ईसा में ईमान रख कर ज़क्काई पूरी तरह बदल गया था।
- उसने लोगों को धोका देने के गुनाह से तोबा किया और अपनी आधी जायदाद ग़रीबों में बांटने का ‘अहद किया था
- उसने यह ‘अहद भी किया था कि जिनसे उसने नाहक़ महसूल वसूल किया है उन्हें वह चार गुना लौटा देगा।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: ईमान, ‘अहद, वा’दा, गुनाह, कर, महसूल लेनेवाला)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- लूका 19:1-2
- लूका 19:5-7

## शब्दकोश:

- Strong's: G2195

# जिब'आ

## सच्चाई:

जिब'आ यरूशलीम के उत्तर में और बेतेल के दक्खिन में एक शहर का नाम था।

- जिब'आ शहर बिन्यामीन क़बीले के 'इलाक़े में था।
- बिन्यामीन और इस्राईल के दरमियान यह एक जंगी 'इलाक़ा भी रहा है।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बिन्यामीन, बेतेल, यरूशलीम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 10:26-27
- 2 शमूएल 21:5-6
- होशे 09:8-9
- क़ुज़ात 19:12-13

## शब्दकोश:

- Strong's: H1387, H1389, H1390, H1394

# जिब'ऊन

## सच्चाई:

जिब'ऊन एक इस्राईली आदमी था, ख़ुदा ने उसे इस्राईल के दुश्मनों से बचाने के लिए खड़ा किया था।

- जिब'ऊन के वक़्त मिदयानी क़ौम के लोग इस्राईलियों पर हमला करके उनकी फसलों को बर्बाद कर देते थे।
- अगर्चे जिब'ऊन डर रहा था, ख़ुदा ने उसे मिदयानियों के ख़िलाफ़ जंग करने के लिए इस्राईलियों की रहनुमाई के काम में लिया था और यहाँ तक कि उन्हें हराया।
- जिब'ऊन ने ख़ुदा का हुक्म मानकर बा'ल मा'बूद असूरा की क़ुर्बानगाहें ख़त्म कर दी थीं।
- उसने दुश्मनों को हराने में ही इस्राईल की रहनुमाई नहीं की थी, उसने उन्हें सिर्फ़ एक सच्चे ख़ुदा यहोवा की 'इबादत करने के लिए भी इस्राईल की हौसला अफ़ज़ाई की थी ।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बा'ल, असूरा, छुड़ाएगा, दरमियान, यहोवा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 'इब्रानियों 11:32-34
- क़ुज़ात06:11-12
- क़ुज़ात 06:22-24
- क़ुज़ात 08:15-17

## किताब-ए-मुक़द्दसकी कहानियों से मिसालें:

- **16:05** यहोवा का फ़रिश्ता **जिब'ऊन** के पास आया और कहा, “ख़ुदा तेरे साथ है, ताक़तवर जंगबाज़ । इस्राईलियों को मिदयानियों के हाथ से छुड़ा।”
- **16:06** **जिब'ऊन** के बाप के पास बुत के लिए वक़्फ़ एक क़ुर्बानगाह थी। ख़ुदा ने **जिब'ऊन** से उस क़ुर्बानगाह को नीचे गिराने के लिए कहा।
- **16:08** वहाँ पर वह(मिद्यानी) बहुत थे, उन्हें गिना नहीं जा सकता था। **जिब'ऊन** ने उन सब इस्राईलियों को जमा' किया उनसे लड़ने के लिए।
- **16:08** **जिब'ऊन** ने उन सब इस्राईलियों को जमा' किया उनसे लड़ने के लिए। ख़ुदा इस्राईलियों को बचाने के लिए **जिब'ऊन** का इस्ते'माल करना चाहता है, इसके लिए उसने ख़ुदा से दो निशान पूछे।
- **16:10** 32,000 इस्राईली **जिब'ऊन** के पास आए, लेकिन ख़ुदा ने कहा कि यह बहुत ज़्यादा है।
- **16:12** और **जिब'ऊन** ने इस्राईलियों की छावनी में लौटकर एक एक आदमी के हाथ में एक नरसिंगा और खाली घड़ा दिया, और घड़ो के भीतर एक मशाल थी।
- **16:15** तब इस्राईल के मर्दों ने जिब'ऊन से कहा कि तू हम पर ख़ुदाई कर
- **16:16** तब **जिब'ऊन** ने उस सोने से एक ख़ास लिबास बनवा लिए जो मिदयानियों के बादशाह पहनते थे। लेकिन लोगों ने उसकी 'इबादत करना शुरू' कर दिया, जैसे कि वह कोई बुत है।

## शब्दकोश:

- Strong's: H1439, H1441

# जिब्राईल

## सच्चाई:

ख़ुदावन्द के एक फ़रिश्ते का नाम जिब्राईल है । पुराने 'अहद नामे और नये 'अहद नामे में उसका नाम कई बार आया है।

- ख़ुदावन्द ने जिब्राईल को दानिएल के पास भेजा था कि उसके ख़्वाब का मतलब समझाए।
- एक बार और, जब दानिएल दु'आ कर रहा था तब फ़रिश्ता जिब्राईल उड़ कर उसके पास आया और उसे मुस्तक़बिल में होने वाले हादसों की नबूव्वत सुनाई। दानिएल उसे एक "आदमी" कहता है।
- नया ‘अहद नामा में जिब्राईल जकरियाह के पास आया था कि उसकी बीवी इलीशबा के ज़रिए' बेटा पैदा होने की नबूव्वत की थी ।
- उसके छः महीने बा'द जिब्राईल को मरियम के पास भेजा गया कि उसे ख़ुदावन्द की क़ुदरत के ज़रिए' बेटा होने की ख़बर को सुनाए, वह बेटा "ख़ुदावन्द का बेटा" होगा। जिब्राईल ने मरियम से कहा था कि वह अपने बेटे का नाम 'ईसा रखे।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: फ़रिश्ता, [दानिएल, इलीशबा, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), मरियम, नबी, ख़ुदावन्द का बेटा, जकरियाह (नया ‘अहद नामा))

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- दानिएल 08:15-17
- दानिएल 09:20-21
- लूक़ा 01:18-20
- लूक़ा 01:26-29

## शब्दकोश:

- Strong's: H1403, G1043

# जिब’ऊन , जिब’ऊनी , जिब’ऊनियों

## सच्चाई:

जिब’ऊन एक शहर था जो यरूशलीम के उत्तर-पश्चिम में 13 किलोमीटर दूर था। जिब’ऊन के रहनेवाले जिब’ऊनी कहलाते थे।

- जिब’ऊनियों ने सुना कि इस्राईलियों ने यरीहू और अ'ई शहर को तबाह कर दिया है तो वह डर गए थे।
- लिहाज़ा वह जिब’ऊनियों में इस्राईलियों के रहनुमाओं के पास आए और कहा कि वह दूर मुल्क के हैं।
- इस्राईल के रहनुमाओं ने धोखा खाकर उनके साथ समझौता कर लिया था कि वह उनकी हिफ़ाज़त करेंगे और उन्हें हलाक नहीं करेंगे।

(यह भी देखें: गिलगाल, यरीहू, यरूशलीम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 08:29-31
- 1 सलातीन 03:4-5
- 2 शमूएल 02:12-13
- यसू'अ 09:3-5

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **15:06** लेकिन कन'आन के रहनेवालों का एक गिरोह, जो कि _जिब’ऊनियों _ कहलाता है, उन्होंने यसू'अ के साथ धोका किया और कहा, हम दूर मुल्क से आए है।
- **15:07** कुछ वक़्त बा'द, कन'आन में एक दूसरे गिरोह के बादशाह, अमूरियों ने जब यह सुना कि _ जिब’ऊन के रहनेवालों _ ने इस्राईलियों से मेल किया और उनके बीच रहने लगे है, तब अमूरी के बादशाहों ने अपनी अपनी फ़ौज जमा' करके चढ़ाई कर दी, और **जिब’ऊन** के सामने डेरे डालकर उस से जंग शुरू'कर दी ।
- **15:08** तब यसू'अ सारे जंगबाज़ों को साथ लेकर रातोंरात _जिब’ऊनियों _ तक पहुँचने के लिए चल पड़े।

## शब्दकोश:

- Strong's: H1391, H1393

# जिरार

## सच्चाई:

जिरार कन'आन में एक शहर और सूबा था, हिब्रून के दक्खिन पूरब में और बेर्शेबा के उत्तर पश्चिम में।

- बादशाह अबीमालिक जिरार में इब्राहीम और सारा के रहने के वक़्त जिरार का बादशाह था।
- जब इस्राईली कन'आन में रह रहे थे तब जिरार पर फिलिस्तियों की हुकूमत थी ।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: अबीमालिक , बेर्शेबा, हिब्रून, फ़िलिस्ती ]फ़िलिस्तियों)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तवारीख़ 14:12-13
- पैदाइश 20:1-3
- पैदाइश 26:1
- पैदाइश 26:6-8

## शब्दकोश:

- Strong's: H1642

# जिर्जाशियों

## सच्चाई:

कन'आन मुल्क में गलील समन्दर के किनारे पर रहनेवाली एक क़ौम को जिर्जाशी कहते थे।

- वह हाम के बेटे कन'आन की औलाद थे, लिहाज़ा वह कन'आनी कहलाने वाली कई क़ौमों में से एक थी ।
- ख़ुदा इस्राईलियों से 'अहद किया था कि वह जिर्जाशियों और दूसरे सब कन'आनी क़ौमों को हराने में उनकी मदद करेगा।
- दूसरे कन'आनियों की तरह जिर्जाशी भी बुत परस्त थे और बुत परस्ती की वजह से उन्होंने ग़ैरइख़्लाक़ी काम किए।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: कन'आन , हाम, नूह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 01:13-16
- इस्तिसना 07:1
- पैदाइश 10:15-18
- यसू'अ 03:9-11
- यसू'अ 24:11-12

## शब्दकोश:

- Strong's: H1622

# जिलजाल

## सच्चाई:

जिलजाल यरीहू के उत्तर में एक शहर था जहां इस्राईलियों ने यरदन नदी पार करने के बा'द सबसे पहली छावनी डाली थी, कन'आन में।

- जिलजाल में यरीहू ने यरदन नदी के सूखे किनारे से, जहां से उन्होंने चलकर नदी पार की थी, बारह पत्थर लेकर खड़े किए थे।
- जिलजाल शहर से एलियाह और एलीशा ने कूच किया था, जब यरदन नदी पार करने के बा'द एलियाह को उठा लिया गया था।
- पुराने 'अहद नामे में “जिलजाल” नाम के कई और जगह भी थीं ।
- “जिलजाल” लफ़्ज़ का मतलब है, “पत्थरों का गोला” शायद यह नाम उस जगह के बारे में है जहां गोल क़ुर्बानगाह बनाई गई थी।
- पुराने 'अहद नामे में यह नाम तक़रीबन हमेशा ही “जिलजाल” कहलाया है। इससे यह इशारा मिलता है कि यह एक मखसूस जगह का नाम नहीं था बल्कि एक जगह का बयान था।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा )

(यह भी देखें: एलियाह , , एलीशा, यरीहू , यरदन नदी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 07:15-17
- 2 सलातीन 02:1-2
- होशे 04:15-16
- क़ुज़ात 02:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H1537

# जिल’आद , जिल’आदी , जिल’आदियों

## ता’अर्रुफ़:

- जिल’आद यरदन नदी के पूरब में एक पहाड़ी सूबा है जहां इस्राईली क़बीले गाद, रूबेन, मनस्सी रहने लगे थे।
- इस \इलाक़े को “ जिल’आद की पहाड़ी सूबा ” या “ जिल’आद पहाड़” भी कहा गया है।
- “जिल’आद” पुराने 'अहद नामे में कई मर्दों का नाम भी था। उनमें से एक मनस्सी का पोता भी था। एक और आदमी जिसका नाम जिल’आद था, वह यिप्तह का बाप था।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें:गाद, यिप्तह, मनस्सी, रूबिन, इस्राईल के बारह क़बीले )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 02:21-22
- 1 शमूएल 11:1-2
- आमोस 01:3-4
- इस्तिसना 02:36-37
- पैदाइश 31:19-21
- पैदाइश 37:25-26

## शब्दकोश:

- Strong's: H1568, H1569

# तमर

## सच्चाई:

तमर पुराने ‘अहद नामे में बहुत सी ‘औरतों का नाम हुआ है | यह पुराने ‘अहद नामे में कई शहरों या जगहों का भी नाम था।

- तमर यहूदा की बहू का नाम था। उससे पेरेज पैदा हुआ जो ‘ईसा का बुज़ुर्ग था।
- बादशाह दाऊद की बेटियों में से एक का नाम भी तमर था, वह अबशालोम की बहन थी। उसके आधे भाई अम्नोन ने उसके साथ ज़िना करके उसे उजाड़ दिया था।
- अबशालोम की बेटी का नाम भी तमर
- 'हज़जोन तमर नाम के शहर नमक के समन्दर के पच्छिमी किनारे पर एनगदी शहर के जैसा था। एक "बा’ल तमर " भी है, और एक जैसे बयान "तमर " नाम की जगह जो शहरों से अलग हो सकते हैं।

(यह भी देखें: अबशालोम, बुज़ुर्गों, अम्नोन, दाऊद, पुर्खों , यहूदा, नमक का समन्दर )

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 02:3-4
- 2 समूएल 13:1-2
- 2 समूएल 14:25-27
- पैदाइश 38:6-7
- पैदाइश 38:24-26
- मत्ती 01:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H1193, H2688, H8412, H8559

# तरसीस

## सच्चाई:

तरसीस नाम के दो आदमी पुराने ‘अहद नामे में हुए थे। एक शहर का भी यही नाम था।

- येपेत के पोते का नाम तरसीस था।
- बादशाह क्षयर्ष के अक़्लमन्द लोगों में से एक का नाम तरसीस था।
- तरसीस शहर एक बहुत कामयाब बंदरगाह शहर था, जिनके जहाज़ों ने क़ीमती पैदावारों को ख़रीदने, बेचने या तिजारत करने के लिए किया था।
- यह शहर सूर के साथ जुड़ा था और माना जाता है कि वह एक फ़ीनीके शहर था जो शायद इस्राईल से कुछ दूर था, शायद स्पेन के दख्खिनी किनारे पर।
- पुराने ‘अहद नामे में यूनाह नबी निनवे में ‘ऐलान करने के लिए ख़ुदा के हुक्म को मानने के बजाय एक जहाज पर तरसीस के शहर के लिए निकला।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: एस्तेर, येपेत, युनाह, नीनवे, फीनीके, नजूमी )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 10:2-5
- यसा’याह 02:14-16
- यरमियाह 10:8-10
- यूनाह 01:1-3
- ज़ुबूर 048:7-8

## शब्दकोश:

- Strong's: H8659

# तरसुस

## सच्चाई:

तरसुस, रोमी सल्तनत किलकिया में एक पुराना और कामयाब शहर था, यह जगह आज दख्खिन के बीच का तुर्किस्तान है।

- एक ख़ास नदी और समन्दर से दूर के किनारे पर मौजूद होने के वजह वह जगह एक ख़ास तिजारती रास्ते का हिस्सा था।
- एक वक़्त में यह किलिकिया की राजधानी थी।
- नए 'अहद नामें में, तरसुस को पौलुस रसूल के घर के शहर की शक्ल में जाना जाता था।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

यह भी देखें: किलिकिया , पौलुस, सूबा , समन्दर)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 09:10-12
- रसूलों के 'आमाल 09:28-30
- रसूलों के 'आमाल . 11:25-26

## शब्दकोश:

- Strong's: G5018, G5019

# तारह

## सच्चाई:

तारह नूह के बेटे सिम की नसल से था| वह अब्राम ,नहूर और हारान का बाप था |

- तारह ने अपने बेटे अब्राम के साथ कना'न जाने के लिए ऊर से कूच किया, साथ में उसका भतीजा लूत और अब्राम की बीवी सारय भी थे।
- कना'न के रास्ते में वे कुछ वक़्त मेसोपोटामिया के हारान शहर में ठहरे। तारह हरान में मर गया, उसकी 'उम्र 205 साल की थी।

(तर्जुमे की सलाह :नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: इब्राहीम , कना'न, हारान, लूत, मेसोपोटामिया, नाहूर, सारय, सिम , ऊर)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 11:31-32
- 1 तवारीख़ 01:24-27
- लूका 03:33-35

## शब्दकोश:

- Strong's: H8646, G2291

# तिरज़ाह

## सच्चाई:

तिरज़ाह एक ख़ास कना’नी शहर था जिसे इस्राईल ने जीत लिया था। यह जिल’आद की बेटी का नाम भी था, जो मनस्सी की नसल से थे।

- तिरज़ाह शहर मनस्सी के क़बीले के ज़मीनी हिस्से में था। माना जाता है कि यह शहर शकेम के उत्तर में लगभग 10 मील दूर था।
- साल बाद, इस्राईल के चार बादशाहों की बादशाहत के दौरान, तिरज़ाह , इस्राईल के उत्तरी मुल्क का एक ग़ैर मुक़र्रर दारुल-सल्तनत बन गया।
- तिरज़ाह मनस्सी की पोतियों में से एक का नाम था। उनके बाप की मौत के बा’द से ज़मीन का एक हिस्सा देने के लिए कहा और क्योंकि उनके बाप का कोई बेटा नहीं था जैसा आम तौर से रिवाज था।

(तर्जुमे की सलाह: \नामो का तर्जुमा कैसे करें](नामों का तर्जुमा कैसे करें ))

(यह भी देखें: कना’न, इख़्तियार होना, इस्राईल की बादशाहत , मनस्सी , शेकेम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- गिनती 27:1
- गिनती 36:10-12
- ग़ज़ल-उल-गज़लात 06:4

## शब्दकोश:

- Strong's: H8656

# तीतुस

## सच्चाई:

तीतुस एक ग़ैर कौम से था। उसे पौलुस के ज़रिए' शुरू' की कलीसियो में रहनुमाई करने के लिए तरबियत दिया गया था।

- पौलुस के ज़रिये' तीतुस को लिखा गया एक ख़त नये 'अहद नामे की किताबों में से एक है।
- इस ख़त में पौलुस ने तीतुस को करेते के टापू पर कलीसियाओं में बुज़ुर्गों को मुक़र्रर करने का हुक्म दिया था।
- पौलुस ने मसीहियों को लिखे कुछ अपने ख़तों , पौलुस ने तीतुस को ऐसे किसी शख़्स की शक्ल में बताया, जिसने उसे हौसला दिया और उसे ख़ुशी दी।

(तर्जुमे के बारे में सलाह :नामो का तर्जुमा कैसे करें )

(यह भी देखें: मुक़र्रर , ईमानदार, कलीसिया, ख़तना, केरेते , पुराना, हौसला , हुक्म , रहनुमा

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तीमुथियुस . 04:9-10
- ग़लातियों 02:1-2
- ग़लातियों 02:3-5
- तीतुस 01:4-5

## शब्दकोश:

- Strong's: G5103

# तीमुथियुस

## सच्चाई:

तीमुथियुस लुस्त्रा का रहने वाला एक आदमी था। बा'द में वह पौलुस के साथ बहुत से बशारती सफ़रों पर गया और ईमानदारों के नए झुण्ड की रहबरी किया।

- उसकी नानी लोइस और माँ यूनीके दोनों यहूदी थे और मसीह 'ईसा के ईमान में थे लेकिन उनका बाप यूनानी था।
- रास्तबाज़ बुज़ुर्ग और पौलुस ने तीमुथियुस के सिर पर हाथ रखकर दुआ' के ज़रिए' उसे मसीही ख़िदमत में मुक़र्रर किया था।
- नये 'अहद नामे में दो किताबें , (I और 2 तीमुथियुस) पौलुस के ज़रिए' तीमुथियुस को जो एक शख़्स था मुक़ामी कलीसिया की रहनुमाई के हुक्मों के ख़त हैं।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें )

(यह भी देखें :मुक़र्रर करना, ईमान , इबादत खाना , यूनानी, ख़ादिम )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 थिस्सलुनीकियों 03:1-3
- 1 तीमुथियुस 01:1-2
- रसूलों के 'आमाल 16:1-3
- कुलुस्सियों 01:1-3
- फ़िलेमोन 01:1-3
- फ़िलिप्पियों 01:1-2
- फ़िलिप्पियों 02:19-21

## शब्दकोश:

- Strong's: G5095

# तुखिकुस

## सच्चाई:

तुखिकुस ख़ुशख़बरी के 'ऐलान में पौलुस का हम ख़िदमत था।

- तुखिकुस पौलुस की एशिया के बशारती ख़िदमत में कम से कम एक बार गया था।
- पौलुस उसे "अज़ीज़ " और "वफ़ादार" कहता था।
- तुखिकुस इफ़िसुस और कुलुस्से में पौलुस के ख़त लेकर गया था।

(तर्जुमे के मुता'अल्लिक सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें )

(यह भी देखें: आसिया, अज़ीज़, कुलुस्से, इफ़िसुस, वफ़ादार, ख़ुशख़बरी, रहनुमा

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तीमुथियुस. 04:11-13
- कुलुस्सियों 04:7-9
- तीतुस 03:12-13

{{tag>publish ktlink}}

## शब्दकोश:

- Strong's: G5190

# तूबल

## सच्चाई:

पुराने ‘अहद नामे में तूबल नाम में बहुत इन्सान हुए थे।

- येपेत के बेटों में से एक का नाम तूबल था।
- “तूबल-क़ाइन” लेमेक का बेटा था और क़ाईन की नसल का
- यसायाह और हिज़क़ीएल नबियों ने भी एक क़ौम तूबल की ग़ुफ़्तुग़ु की है।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: कैन, नसलों , हिज़क़ीएल, यसायाह, येपेत, लेमेक, क़ौम, नबी )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 01:5-7
- हिज़क़ीएल 27:12-13
- पैदाइश 10:2-5

## शब्दकोश:

- Strong's: H8422, H8423

# तोमा

## सच्चाई:

तोमा ‘ईसा के बारह शागिर्दों में से एक था जो आगे चलकर वे रसूल कहलाए। उसे “दिदुमुस” भी कहा गया था,जिसका मतलब है "जुड़वा।"

- ‘ईसा की मौत से पहले, उसने अपने शागिर्दों से कहा कि वह बाप के साथ रहने जा रहा था और उनके साथ रहने के लिए एक जगह तैयार करेगा। तोमा ने ‘ईसा से पूछा कि वे कैसे वहां पहुंचने का तरीका जान सकते हैं जब उन्हें पता भी नहीं कि वह कहाँ जा रहा है।
- ‘ईसा के मौत और जी उठने के बा’द, तोमा ने कहा जब तक वह ‘ईसा के ज़ख़्मों को छूकर न देखें तब तक यक़ीन नहीं करेगा की ‘ईसा हकीक़त में जी उठा है।

(तर्जुमे की सलाह:नामों का तर्जुमा कैसे करें )

(यह भी देखें: रसूल , शागिर्द , ख़ुदा बाप , बारहों)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 01:12-14
- यूहन्ना 11:15-16
- लूका 06:14-16
- मरकुस 03:17-19
- मत्ती 10:2-4

## शब्दकोश:

- Strong's: G2381

# त्रोआस

## सच्चाई:

त्रोआस बंदरगाह एशिया के पुराने रोमी सूबा के पच्छिमी किनारे पर बसा था।

- पौलुस ख़ुशख़बरी का 'ऐलान करने के लिए अलग अलग 'इलाक़े के दौरे के दौरान त्रोआस में कम से कम तीन बार गया था।
- उसी शहर की एक वारदात है कि पौलुस देर रात तक 'ऐलान कर रहा था और एक आदमी यूतुखुस को नींद आ गई। वह खिड़की पर बैठा था इसलिए वह बाहर गिर गया और मर गया। ख़ुदा की ताक़त से पौलुस ने उसे दुबारा ज़िन्दा किया।
- रोम के क़ैदखाने से पौलुस ने तीमुथिमुस को ख़त लिखा था कि वह त्रोआस से उसके तोमार और बागा ले आए, कि जिन्हें वह वहां छोड़ आया था।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: एशिया, 'ऐलान करना, सूबा, खड़ा करना, रोम, तोमार , तीमुथियुस)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 कुरिन्थियों 02:12-13
- 2 तीमुथियुस 04:11-13
- रसूलों के 'आमाल 16:6-8
- रसूलों के 'आमाल 20:4-6

## शब्दकोश:

- Strong's: G5174

# थिस्सलुनीके, थिस्सलुनीकियों, थिस्सलुनीकियों

## सच्चाई:

नये ‘अहद नामे के ज़माने में थिस्सलोनिके रोमी बादशाहत की मकिदुनिया की दारुल सल्तनत थी। उस शहर के लोग “थिस्सलोनिकेके बाशिन्दे ” कहलाते थे।

- थिस्सलोनिके शहर एक ख़ास बंदरगाह था और एक ख़ास रास्ते पर मौजूद था जिसके ज़रिये रोम पूरब ‘इलाक़े से जुड़ता था।
- सिलास और तीमुथियुस के साथ पौलुस अपनी दूसरी बशारती सफ़र में इस शहर में गया और वहाँ एक फलदायक कलीसिया तैयार की। पौलुस ने अपने तीसरे बशारती सफ़र में भी इस शहर की कलीसिया से मुलाक़ात की थी।
- पौलुस ने थिस्सलोनिके की कलीसिया को दो ख़त लिखे थे। ये दोनों ख़त (पहला थिस्सलुनीकियों और दूसरा थिस्सलुनीकियों) नये ‘अहद नामे में मौजूद है।

(तर्जुमे की सलाह: नामोंका तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: मकिदुनिया, पौलुस, रोम)

## किताब-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:1
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:1-2
- 2 तीमुथियूस . 04:9-10
- रसूलों के 'आमाल 17:1-2
- फ़िलिप्पियों 04:14-17

## शब्दकोश:

- Strong's: G2331, G2332

# दख्खिनी मुल्क

##:सच्चाई ##

दख्खिनी मुल्क इस्राईल के दख्खिनी हिस्से में एक रेगिस्तानी ‘इलाक़ा था जो खारे ताल के दख्खिन में था।

- बुनियादी लफ़्ज़ का मतलब है “दख्खिन” कुछ अंग्रेजी तर्जुमों में यही तर्जुमा किया गया है।
- यह हो सकता है कि "दख्खिन" वहाँ नहीं है, जहाँ आज नेगेव रेगिस्तान क़ायम है।
- क़ादिश में बसते वक़्त इब्राहीम नेगेव या दख्खिनी ‘इलाक़े में था।
- इस्हाक़ नेगेव में ही रहता था जब रिब्क़ा सफ़र करके उससे शादी करने आई थी।
- यहूदियों के क़बीले के यूहदाह और शमा’ऊन इस दख्खिनी हिस्से में रहते थे।
- नेगेव ‘इलाक़े का सबसे बड़ा शहर बैरशबा था।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: इब्राहीम , बैरशबा, इस्राईल, यहूदाह, क़ादिश, खारा ताल, शमा’ऊन)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 12:8-9
- पैदाइश 20:1-3
- पैदाइश 24:61-62
- यशू’अ 03:14-16
- गिनती 13:17-20

## शब्दकोश:

- Strong's: H5045, H6160

# दमिश्क़

## सच्चाई:

दमिश्क़ सीरिया की दार-उल-हुकूमत है यह शहर आज भी वहीँ है जहाँ वह किताब-ए-मुक़द्दस के ज़माने में था|

- दमिश्क़ दुनिया सबसे क़दीम, मुसलसल आबादी वाला शहर है|
- इब्राहीम के ज़माने में, दमिश्क़ अराम की बादशाही की दार-उल-हुकूमत था, अराम की बादशाही आज के सीरिया में थी|
- पूरे पुराने ‘अहदनामे में दमिश्क़ के बाशिन्दों और इस्राईली क़ौम के दरमियान बात-चीत के बहुत से हवाला मौजूद हैं|
- दमिश्क़ की तबाही की बहुत सी नबूव्वतें किताब-ए-मुक़द्दस में हैं| ये नबूव्वतें हक़ीक़त में उस वक़्त पूरी हो गईं थीं जब पुराने ‘अहदनामे के ज़माने में अश्शूरों ने उस शहर को तबाह किया था, या मुस्तक़बिल में यह शहर पूरी तरह से हलाक होगा|
- नए ‘अहदनामे में जब फ़रीसी शाऊल(पौलुस) मसीही ईमानदारों को असीर करने को दमिश्क़ को जा रहा था तब मसीह ‘ईसा उस पर ज़ाहिर होकर उसे अपना ईमानदार बनाया|

( तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: अराम, अश्शूर,. ईमान, सीरिया)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तवारीख़ 24:23-24
- आमाल 09:1-2
- आमाल 09:3-4
- आमाल 26:12-14
- गलतियों 01:15-17
- पैदाइश 14:15-16

## शब्दकोश:

- Strong's: H1833, H1834, G1154

# दरया-ए-फ़ुरात, दरिया

## सच्चाई:

फ़रात 'अदन की बाग़ से होकर बहनेवाली चार नदियों में से एक का नाम है। इस नदी का नाम किताब-ए-मुक़द्दस में कई बार आता है।

- आज की फ़रात नदी मशरिक़ वस्ती में वाक़े' है जो ऐशिया की सबसे लम्बी और सबसे ज़्यादा ख़ास नदी है।
- दजला नदी के साथ फ़रात नदी मेसोपोतामिया 'इलाक़े की सरहदें बनातीं हैं।
- पुराना शहर और जहाँ से इब्राहीम निकला था, फ़रात नदी के मुंह कि जगह पर था।

यह नदी उस मुल्क की सरहदों में से एक थी जिसका वा'दा ख़ुदा ने इब्राहीम को देने के लिए किया था। (पैदाईश. 15:18)

- कभी-कभी फ़रात नदी को सिर्फ़ दरिया कहा गया है।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 05:7-9
- 2 तवारीख़ 09:25-26
- ख़ुरूज 23:30-33
- पैदाईश 02:13-14
- यशायाह 07:20-22

## शब्दकोश:

- Strong's: H5104, H6578, G2166

# दलीला

## सच्चाई:

दलीला एक फ़लिश्ती ‘औरत थी जिससे समसून मुहब्बत करने लगा था, लेकिन वह उसकी पत्नी नहीं थी।

- दलीला समसून से ज़्यादा पैसो से मुहब्बत करती थी।
- फ़िलिश्तियों ने दलीला को रिश्वत देकर समसून से पूछने को कहा कि वह कैसे कमज़ोर बनाया जा सकता है। जब उसकी क़ुव्वत ख़त्म हो गई, फ़िलिश्तियों ने उसे पकड़ लिया।

(तर्जुमे की सलाह: \नामों का तर्जुमा](नामों का तर्जुमा कैसे करें )

(यह भी देखें: रिश्वत, \फ़लिस्ती, समसून

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- क़ुज़ात 16:4-5
- क़ुज़ात 16:6-7
- क़ुज़ात 16:10-12
- क़ुज़ात 16:18-19

## शब्दकोश:

- Strong's: H1807

# दाऊद

## सच्चाई:

दाऊद इस्राईल का दूसरा बादशाह था, वह ख़ुदा से मुहब्बत रखता था और उसकी ख़िदमत करता था| वह ज़ुबूर का ख़ास मुसन्निफ़ था

- दाऊद अपने ख़ानदान की भेड़ें चराते वक़्त जवान ही था की ख़ुदा ने उसे इस्राईल का दूसरा बादशाह होने के लिए मुन्तख़ब कर लिया था|
- दाऊद एक बड़ा ताक़तवर था और उसने दुश्मनों के मुख़ालिफ़ कई जंगो में इस्राईल की रहनुमाई की| फ़लिश्ती गोलियत को हराने के लिए वह मशहूर है|
- बादशाह शाऊल ने दाऊद को क़त्ल करने की कोशिश की, लेकिन ख़ुदा ने उसकी हिफ़ाज़त की, और शाऊल की मौत के बा'द उसे बादशाह बनाया|
- दाऊद ने ख़ौफ़नाक गुनाह अंजाम दिया, लेकिन उसने तौबा की और ख़ुदा ने उसे मु'आफ़ कर दिया|
- 'ईसा, मसीह, को "दाऊद की औलाद" कहा जाता है क्यूँकि वह दाऊद की नसल से था|

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: गोलियत, फ़िलिस्तीनी, शाऊल)

## किताब-ए मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 17:12-13
- 1 शमूएल 20:32-34
- 2 शमूएल 05:1-2
- 2 तिमुथियुस 02:8-10
- रसूलों के 'आमाल 02:25-26
- रसूलों के 'आमाल 13:21-22
- लूका 01:30-33
- मरकुस 02:25-26

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें

- **17:02** ख़ुदा ने शाऊल की मौत के बा'द बादशाह के लिए एक जवान इस्राईली का नाम मुन्तख़ब किया जिसका नाम. ... दाऊद था| दाऊद एक बैतलहम शहर का चरवाहा था| दाऊद एक बहुत ही हलीम और रास्तबाज़ शख़्स था, जो ख़ुदा पर ईमान रखता और उसके हुक्मों को मानता था|
- **17:03** **दाऊद** एक बड़ा फ़ौजी और रहनुमा था | जब **दाऊद**एक जवान आदमी था, वह गोलियत के ख़िलाफ़ भी लड़ा|
- **17:04** लोगों की _**दाऊद** से मुहब्बत से **शाऊल** जलन रखता था| शाऊल ने उसे क़त्ल करने की कई बार कोशिश की, इस वजह से **दाऊद**शाऊल से छिप कर रहा|
- **17:05** ख़ुदा ने **दाऊद** को बरकत दी और उसे कामयाब बनाया **दाऊद** ने बहुत सी जंगे लड़ीं और ख़ुदा ने इस्राईल के दुश्मनों को हराने के लिए उसकी मदद की|
- **17:06** **दाऊद** चाहता था कि वह एक हैकल ता'मीर करे जहाँ सब इस्राईली ख़ुदा की 'इबादत करें और उसे क़ुर्बानी पेश करें|
- **17:09** **दाऊद** ने बहुत सालों तक इन्साफ़ और वफ़ादारी से हुकूमत की, और ख़ुदा ने उसे बरकत दी| हालाँकि, अपनी ज़िन्दगी के आख़िर में उसने ख़ुदा के ख़िलाफ़ बहुत ख़ौफ़नाक गुनाह किया|
- **17:13**दाऊद ने जो कुछ भी किया उससे ख़ुदा का ग़ज़ब उस पर भड़का, ख़ुदा ने नातन नबी के ज़रिए'**दाऊद**को कहला भेजा कि उसके गुनाह कितने बुरे हैं| **दाऊद**ने अपने गुनाहों से तौबा की और ख़ुदा ने उसे मु'आफ़ कर दिया| अपनी बाक़ी बची हुई ज़िन्दगी में,**दाऊद**ख़ुदा के हुक्मों की फरमाबरदारी की, यहाँ तक कि मुश्किल हालात में भी|

## शब्दकोश:

- Strong's: H1732, G1138

# दाऊद का शहर

## सच्चाई:

"दाऊद का शहर" यरूशलीम और बैतलहम दोनों शहरों का दूसरा नाम है।

- यरूशलीम वह शहर है जिसमें दाऊद इस्राईल पर बादशाहत करने के वक़्त रहता था।
- बैतलहम वह शहर था जहां दाऊद पैदा हुआ था।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: दाऊद, बैतलहम, यरूशलीम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 08:1-2
- 2 समूएल 05:6-7
- यसायाह 22:8-9
- लूका 02:4-5
- नहमियाह 03:14-15

## शब्दकोश:

- Strong's: H1732, H5892, G1138, G4172

# दाऊद के ख़ानदान

## सच्चाई:

“दाऊद के ख़ानदान” का मतलब है बादशाह दाऊद की नसल या उसका ख़ानदान

- इसका तर्जुमा “दाऊद की नसल” या “दाऊद का ख़ानदान” या “बादशाह दाऊद का क़बीला” भी हो सकता है
- क्योंकि ‘ईसा दाऊद की नसल से था वह “दाऊद के ख़ानदान” का था।
- कभी-कभी “दाऊद का ख़ानदान” या “दाऊद की नसल” दाऊद की ज़िन्दा नसलों के बारे में भी है।
- नहीं तो यह जुमला ‘आम तौर पर उसकी सब नसलों के बारे मे है, जो पहले ही मर गए उनके भी।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: दाऊद, नसल, ख़ानदान, ‘ईसा, बादशाह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तवारीख़ 10:17-19
- 2 शमूएल 03:6-7
- लूक़ा 01:69-71
- ज़ुबूर 122:4-5
- जकरियाह 12:7-9

## शब्दकोश:

- Strong's: H1004, H1732, G1138, G3624

# दान

## सच्चाई

दान या’क़ूब का पाँचवाँ बेटा था और इस्राईल के बारह क़बीलों में से एक था | कना’न के उत्तरी भाग में जहाँ यह क़बीला बस गया था उस जगह का नाम भी दान पड़ गया था |

- इब्राहीम के ज़माने में यरुशलीम के पश्चिम में एक शहर का नाम भी दान था|
- सालों बा’द जब इस्राईली ‘अहद के मुल्क में आये तब यरुशलीम के उत्तर में 60 मील दूर एक शहर का नाम दान था|
- “दानियों” लफ़्ज़ दान के नसलों के बारे में है जो इसी क़बीले के अफ़राद थे|

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: कना’न, यरुशलीम, इस्राईल के बारह क़बीले)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 12:34-35
- 1 सलातीन 04:24-25
- ख़ुरूज 01:1-5
- पैदाइश 14:13-14
- [पैदाइश 30:5-6

## शब्दकोश:

- Strong's: H1835, H1839, H2051

# दानिएल

## सच्चाई:

दानिएल इस्राईली नबी था जिसे 'ईसा से 600 साल पहले नबूकदनज़र के ज़रिए' क़ैदी बनाकर बाबुल ले जाया गया था, उस वक़्त वह नौजवान था|

- यह वह वक़्त था जब यहूदाह से बहुत से इस्राईली बाबुल में 70 साल के लिए असीरी में थे|
- दानिएल को बाबुली नाम, बेलतशज़र रखा गया|
- दानिएल एक मो'अज़्ज़िज़ और रास्तबाज़ शख़्स था, वह ख़ुदा के हुक्मों को मानता था|
- ख़ुदा ने दानिएल को सलाहियत अता की थी कि वह बाबुल के बादशाहों के बहुत से ख़्वाबों और मुक़ाशिफ़ों का मतलब उनको बताए|
- उसकी सलाहियत और मो'अज़्ज़िज़ किरदार की वजह से दानिएल को बाबुल की हुकूमत में रहनुमाई का 'आला मक़ाम दिया गया |
- कई साल बा'द दानिएल के दुश्मनों ने दारा बादशाह के साथ होशियारी करके हुक्म निकलवाया कि क़ौम बादशाह के 'अलावा किसी और की परस्तिश न करे| दानिएल ने ख़ुदा से दु'आ करना नहीं छोड़ा, नतीजन उसे पकड़ कर शेरों की गुफ़ा में डाल दिया गया| लेकिन ख़ुदा ने उसकी हिफ़ाज़त की और शेरों ने उसे किसी तरह का नुक़सान न पहुँचाया|

(तर्जुमें की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: बाबुल, नबूकदनज़र)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- दानिएल 01:6-7
- दानिएल 05:29-31
- दानिएल 07:27-28
- हिज़क़ीएल 14:12-14
- मत्ती 24:15-18

## शब्दकोश:

- Strong's: H1840, H1841, G1158

# दारा

## सच्चाई

दारा नाम फ़ारस के कई बादशाहों का था| मुमकिन है कि “दारा” नाम का लक़ब है |

- “दारा मादी” को जाल मे फँसा कर दानिएल के मुख़ालिफ़ों ने दानिएल को यहोवा की परस्तिश की वजह से शेरों की माँन्द डलवा दिया था|

“फारसी दारा” ने इज़्रा और नहमियाह के वक़्त यरुशलीम के हैकल के दुबारा ता’मीर करने के लिए इन्तज़ाम किया|

(तर्जुमे की सलाह: नामो का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: परसिया, बाबुल, दानिएल, इज़्रा, नहमियाह)

## किताब-ए-मुक़द्दस का हवाला

- ‘अज़्रा 04:4-6
- हज्जै 01:1-2
- नहमियाह 12-22-23
- ज़करियाह 01:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H1867, H1868

# नबूकदनज़र

## सच्चाई:

नबूकदनज़र बाबुल की हुकूमत का बादशाह था जिसकी ताक़तवर फ़ौज ने बहुत सी क़ौमों और मुल्कों को जीता था।

- नबूकदनज़र की रहनुमाई में बाबुल की फ़ौज ने यहूदाह की बादशाही को जीत कर बहुत से यहूदियों को क़ैदी बनाया और बाबुल ले गए। क़ैदियों को 70 साल के 'अरसे के लिए वहां रहने के लिए मजबूर किया गया था जिसे "बाबुल जेलावतनी" कहा जाता था।

इन गुलामों में एक था दानिएल, जिसने नबूकदनज़र के ख़्वाब का मतलब बताया था।

- इस्राईली गुलामों में तीन आदमी और भी थे, हननियाह, मीशाएल और अज़रियाह, को नबूकदनज़र ने आग में डलवाया था क्योंकि वे उसके सोने के बड़े बुत के सामने सिज्दा नहीं करते थे।
- बादशाह नबूकदनज़र मग़रूर था और झूठे मा'बूदों की 'इबादत करता था। यहूदाह को जीतने पर उसने यरूशलीम के हैकल में से सोने चांदी के बर्तन लूट लिए थे।
- नबूकदनज़र मग़रूर था और झूठे मा'बूदों की 'इबादत से फिरता नहीं था इसलिए ख़ुदा ने उसे सात साल तक जानवर की तरह ज़िन्दगी दी और वह बेघर हो गया। सात सालों बा'द जब वह हलीम बना और इकलौते सच्चे ख़ुदा यहोवा की ता'रीफ़ की तब ख़ुदा ने उसको दुबारा क़ायम किया।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: मग़रूर, अज़रियाह, बाबुल, हननियाह, मीशाईल)

## किताब-इ-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 06:13-15
- 2 सलातीन 25:1-3
- दानिएल 01:1-2
- दानिएल 04:4-6
- हिज़क़ीएल 26:7-8

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **20:06** अस्सूरियों के ज़रिए' इस्राईली हुकूमत को तबाह करने के लगभग सौ साल बा'द, ख़ुदा ने बाबुल के बादाशाह _ नबूकदनज़र _ को भेजा, यहूदी हुकूमत को तबाह करने के लिए |
- **20:06** बाबुल एक ताक़तवर हुकूमत थी। यहूदाह का बादशाह, _ नबूकदनज़र_ का ख़ादिम बनकर उन्हें हर साल बहुत सी दौलत देने के लिए राज़ी हो गया |
- **20:08** बग़ावत करने के लिए यहूदाह के बादशाह को सज़ा दी गयी और _ नबूकदनज़र_ के सिपाहियों ने उसके बेटे को उसी के सामने मार डाला और उसके बा'द उसे अँधा बना दिया |
- **20:09** _ नबूकदनज़र_ और उसके सिपाही लगभग सभी यहूदियों को बंदी बनाकर बाबुल ले गए, वहाँ पर सिर्फ़ कंगालों को छोड़ दिया गया ताकि वह वहाँ खेती कर सके |

## शब्दकोश:

- Strong's: H5019, H5020

# नहमियाह

## सच्चाई:

नहमियाह एक इस्राईली था जिसे मजबूर होकर बाबुली हुकूमत में आना पड़ा जब इस्राईलियों और यहूदियों को बाबुल की फ़ौज ने क़ैदी बना लिया।

- वह फ़रीसी बादशाह, अख़सूयरस का साक़ी था, उसने यरूशलीम लौट जाने की इजाज़त मांगी थी।
- नहमियाह ने इस्राईलियों को साथ लेकर यरूशलीम की शहरपनाह को दुबारा ता'मीर किया जिसे बाबुल के सिपाहियों ने ढा दिया था।
- बादशाह के महल में लौट आने से पहले नहमियाह बारह साल तक यरूशलीम का हाकिम था।
- पुराने 'अहदनामे में नहमियाह की किताब में नहमियाह के ज़रिए' शहरपनाह का दुबारा ता'मीरी काम और यरूशलीम के लोगों पर हुकूमत का ज़िक्र किया गया है।
- पुराने 'अहदनामे में नहमियाह नाम के और आदमी भी हैं। अगर किसी नहमियाह का ज़िक्र किया जाता है, तो अक्सर सिनाख़्त के लिए उसके बाप का नाम जोड़ा जाता है।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(या भी देखें: अख़सूयरस, बाबुल, यरूशलीम, बेटा)

##:किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में ##

- 'अज़्रा 02:1-2
- नहमियाह 01:1-2
- नहमियाह 10:1-3
- नहमियाह 12:46-47

## शब्दकोश:

- Strong's: H5166

# नहूम

## सच्चाई:

नहूम एक नबी था जो 'ऐलान करता था उस वक़्त में जब बुरा बादशाह मनस्सी यहूदाह पर बादशाही करता था।

- नहूम यरूशलीम से 20 मील दूर एल्कोश नाम के एक शहर का बाशिंदा था।
- पुराने 'अहदनामे में नहूम की किताब में अश्शूरों के शहर नीनवे की तबाही की नबूव्वतें हैं।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: अश्शूर, मनस्सी, नबी, नीनवे)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- नहूम 01:1

## शब्दकोश:

- Strong's: H5151, G3486

# नहूर

## सच्चाई:

नहूर इब्राहीम के दो रिश्तेदारों का नाम था, उसका दादा और उसका भाई।

- इब्राहीम का भाई नहूर इस्हाक़ की बीवी रिब्क़ा का दादा था।
- “नहूर शहर” या’नी “नहूर नाम का शहर” या “वह शहर जहां नहूर रहता था” या “नहूर का शहर”

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: इब्राहीम , रिब्क़ा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 01:24-27
- पैदाइश 31:51-53
- यशू’अ 24:1-2
- लूक़ा 03:33-35

## शब्दकोश:

- Strong's: H5152, G3493

# नातन

## सच्चाई:

नातन ख़ुदा का एक ईमानदार नबी था, और दाऊद की बादशाही में ख़िदमत कर रहा था।

- उरिय्याह के ख़िलाफ़ दाऊद के गुनाह का पर्दाफाश करने के लिए ख़ुदा ने नातन को भेजा था।
- नातन ने दाऊद को झिड़का था, अगरचे दाऊद बादशाह था।
- नातन के आने के बा'द दाऊद ने अपने गुनाह का क़फ़्फ़ारा किया।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: दाऊद, ईनानदार, नबी , उरिय्याह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 17:1-2
- 2 तवारीख़ 09:29-31
- 2 शमूएल 12:1-3
- ज़ुबूर 051:1-2

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **17:07**लेकिन ख़ुदा ने _नातन _ नबी के ज़रिए' दाऊद को पैग़ाम भेजा, "क्योंकि तू एक फ़ौजी है, तू मेरे लिए वह घर नहीं बनाएगा |
- **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर ख़ुदा का ग़ज़ब उस पर भड़का, ख़ुदा ने _नातन _ नबी के ज़रिए' दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके गुनाह कितने बुरे है।

## शब्दकोश:

- Strong's: H5416, G3481

# नासरत, नासरियों

## सच्चाई:

नासरत उत्तरी इस्राईल के गलील ‘इलाक़े में एक शहर है। * वह यरूशलीम के उत्तर में लगभग 100 मील दूर है। इसके पैदल सफ़र में तीन से पांच दिन लगते हैं।

- यूसुफ़ और मरियम नासरत के बाशिन्दे थे और ‘ईसा की परवरिश वहीं हुई थी। यही वजह है कि ‘ईसा को “नासरी” कहते थे।
- नासरत के बहुत से यहूदी ‘ईसा की ता’लीमात को क़ुबूल नहीं करते थे क्योंकि वह उनके साथ पला-बड़ा था इसलिए वे उसे एक ‘आम इन्सान मानते थे।
- एक बार ‘ईसा नासरत के ‘इबादतख़ाने में ता’लीम दे रहा था तब वहां के यहूदियों ने उसे मार डालना चाहा क्योंकि उसने मसीह होने का दा’वा किया और उनके ज़रिए’ उसके इन्कार के लिए उन्हें झिड़का था।
- जब नतनएल ने सुना कि ‘ईसा नासरत से है तब उसकी बातों से ज़ाहिर होता है कि उस शहर की शोहरत नहीं थी।

(यह भी देखें: मसीह, गलील, यूसुफ़ (नया ‘अहदनामा), मरियम)

##:किताब-ए-मुक़द्दस के बारे मे ##

- रसूलों के ‘आमाल 26:9-11
- युहन्ना 01:43-45
- लूक़ा 01:26-29
- मरकुस 16:5-7
- मत्ती 02:22-23
- मत्ती 21:9-11
- मत्ती 26:71-72

## किताब-ए-मुक़द्दस कहानियों से मिसालें :

- **23:04** लिहाज़ा यूसुफ़ और मरियम भी एक लम्बा सफ़र तय करके **नासरत** को गए, क्योंकि यूसुफ़ दाऊद के घराने और नसल का था, गलील के नासरत शहर से यहूदिया में दाऊद के शहर बैतलहम को गया |
- **26:02** ‘ईसा **नासरत** शहर के पास गया, जहाँ उसने अपना बचपन बिताया था |
- **26:07** **नासरत** के लोगों ने ‘इबादत की जगह से ‘ईसा को बाहर घसीटा और उसे मारने की ख़्वाहिश से चट्टान के किनारे ले आए, कि उसे वहाँ से नीचे गिरा दें |

## शब्दकोश:

- Strong's: G3478, G3479, G3480

# ना’मान

## सच्चाई:

पुराने ‘अहदनामे में ना’मान अरामी फ़ौज का सरदार था।

- ना’मान को एक लाइलाज़ ज़िल्द की बीमारी कोढ़ थी जो ठीक नहीं हो सकती थी।
- ना’मान के घर में एक यहूदी ख़ादिमा थी जिसने उसे सलाह दी कि वह बीमारी से नजात के लिए नबी एलीशा के पास जाए।
- एलीशा ने ना’मान के पास पैग़ाम भेज दिया कि वह सात बार यरदन नदी में डुबकी लगाए। ना’मान ने हुक्म का ‘अमल किया तो ख़ुदा ने उसे पूरी शिफ़ा दे दी।
- इसका नतीजा यह हुआ कि ना’मान इकलौते सच्चे ख़ुदा, यहोवा में ईमान करने लगा।
- ना’मान नाम के दो और आदमी भी हुए है जो या’क़ूब के बेटे बिन्यामीन के नसल से थे।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: अराम, यरदन नदी, कोढ़, नबी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 08:6-7
- 2 सलातीन 05:1-2
- लूक़ा 04:25-27

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **19:14** जिनमे से एक मो’जिज़ा **ना’मान** नाम के इन्सान की ज़िन्दगी में हुआ, वह दुश्मनों का सिपाहसालार था और कोढ़ी था |
- **19:15** पहले तो **ना’मान** ग़ुस्सा हुआ, और वह ऐसा नहीं करना चाहता था, क्योंकि उसे यह बेवक़ूफ़ी भरा काम लग रहा था| लेकिन ज़ल्दी ही उसने अपना ख़याल बदल लिया और यरदन को जाकर उसमे सात बार डुबकी मारी |
- **26:06** लेकिन एलीशा ने उनमें से किसी को भी ठीक नहीं किया, उसने सिर्फ इस्राईल के दुश्मनों के एक सिपाहसालार, **ना’मान** की जिल्द की बीमारी को शिफ़ा दी।”

## शब्दकोश:

- Strong's: H5283, G3497

# नीनवे, नीनवे के लोगों

## सच्चाई:

नीनवे अस्सूरों की दार-उल-हुकूमत थी। “नीनवे के बाशिंदे” वह है जो नीनवे में रहते थे।

- ख़ुदा ने यूनाह को भेजा था कि नीनवे के लोगों को बुराई से फिरने की हिदायत दे। उन्होंने तौबा की और ख़ुदा ने उन्हें तबाह नहीं किया।
- बा’द में अस्सूरों ने ख़ुदा की ख़िदमत करना छोड़ दिया। उन्होंने इस्राईल मुल्क को जीतकर क़ौम को बन्दी बना लिया था।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें|](नामों का तर्जुमा कैसे करें )

(यह भी देखें: अश्शूर, यूनाह, तौबा करना, बदलना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 10:11-14
- यूनाह 01:1-3
- यूनाह 03:1-3
- लूक़ा 11:32
- मत्ती 12:41

## शब्दकोश:

- Strong's: H5210, G3535, G3536

# नील नदी, मिस्र की नदी, नील नदी

## सच्चाई:

उत्तरी पश्चिम अफ़्रीका में नील नदी एक लम्बी चौड़ी नदी है। यह मिस्र की एक मशहूर नदी है।

- नील नदी मिस्र में से बहती हुई उत्तर में रोम के समन्दर में गिरती है।
- नील नदी के दोनों ओर पैदावार ज़मीन में अच्छी फ़सल उगती है।
- ज़्यादातर मिस्र के बाशिन्दे नील नदी के क़रीब रहा करते हैं क्योंकि यह पानी और खाने की चीज़ों का एक ख़ास ज़रिया' है।
- इस्राईली गोशेन में रहते थे क्योंकि नील नदी के क़रीब होने की वजह से वह एक पैदावार 'इलाक़ा था।
- मूसा जब बच्चा था तब उसके वालिदैन ने उसे एक टोकरी में रखकर नील नदी की लम्बी घासों में छिपा दिया था कि फ़िर'औन के लोग उसे देख न पाएं।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: मिस्र, गोशेन, मूसा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- आमोस 08:7-8
- पैदाइश 41:1-3
- यरमियाह 46:7-9

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **08:04** मिस्र **नील नदी** के किनारे क़ायम एक बड़ा , ताक़तवर मुल्क था |
- **09:04** जब फ़िर'औन ने देखा कि इस्राईलियों की औलादें बहुत ज़्यादा बढ़ती जा रही है, तब फ़िर'औन ने आपनी सारी क़ौम के लोगों को हुक्म दिया, हिब्रियों के जितने बेटे पैदा हो उन सभी को तुम **नील नदी** में डाल देना |
- **09:06** उन्होने उसे एक टोकरी में रख कर **नील नदी** मे छोड़ दिया | उस बच्चे की बहन दूर खड़ी रही कि देखे उस बच्चे का क्या होता है |
- **10:03** ख़ुदा ने __नील नदी को ख़ून से भर दिया, तब भी फ़िर'औन का दिल ज़िद्दी रहा और उसने इस्राईलियों को नहीं जाने दिया।

## शब्दकोश:

- Strong's: H2975, H4714, H5104

# नूह

## सच्चाई:

नूह लगभग 4000 साल पहले था जब ख़ुदा ने ज़मीन पर से सब गुनाहगारों को तबाह करने के लिए पानी की बाढ़ लाया था। ख़ुदा ने नूह को हुक्म दिया कि वह एक बहुत बड़ी नाव बनाए जिसमें बाढ़ का पानी ज़मीन पर भरने तक उसका ख़ानदान महफ़ूज़ रहे।

- नूह एक रास्तबाज़ इन्सान था जो हर एक बात में ख़ुदा का हुक्म मानता था।
- नूह ने उस नाव को ठीक वैसा ही बनाया जैसा ख़ुदा ने कहा था।
- इस नाव में नूह और उसका ख़ानदान महफ़ूज़ रहा और बा'द में ज़मीन पर फैल गए।
- तब के बा'द सब इन्सान नूह के नसल हैं।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: नसल, जहाज)

##:किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में ##

- पैदाइश 05:30-31
- पैदाइश 05:32
- पैदाइश 06:7-8
- पैदाइश 08:1-3
- इब्रानियों 11:7
- मत्ती 24:37-39

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें :

- **03:02** लेकिन ख़ुदा के फ़ज़ल की नज़र **नूह** पर बनी रही |
- **03:04** **नूह** और उसके तीन बेटों ने नाव को बनाया वैसे ही कि जैसे ख़ुदा ने उनसे कहा था | नूह और उसके तीन बेटों ने नाव बनाया वैसे ही की जैसे ख़ुदा ने उनसे कहा था।
- **03:13** दो महीने बा'द ख़ुदा ने **नूह** से कहा कि तू अपने बेटों, बीवी और बहुओ के साथ जहाज में से निकल आ | ख़ुदा ने नूह को बरकत दी "फलों-फूलो, और बढ़ो, और ज़मीन में भर जाओ | तब **नूह** और उसका ख़ानदान जहाज में से निकल आए |

## शब्दकोश:

- Strong's: H5146, G3575

# नड़ समन्दर, लाल समुद्र

## सच्चाई:

“नड़ समन्दर” मिस्र और अरब के बीच क़ायम समन्दर का नाम था। इसे अब लाल समन्दर कहा जाता है।

लाल समन्दर लंबा और पतला है। यह एक झील या नदी से बड़ा है लेकिन समुद्र से बहुत छोटा है। इस्राईलियों को मिस्र से निकलने के बा’द लाल समन्दर पार करना पड़ा था। ख़ुदा ने लाल समन्दर के पानी को तकसीम करके सूखी ज़मीन ज़ाहिर कर दी थी कि इस्राईली चलकर उसे पार कर लें। कना’न इस समन्दर के उत्तर में था। इसका तर्जुमा “नड़ समन्दर” भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अरब**.** कना’न, मिस्र)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के ‘आमाल 07:35-37
- ख़ुरूज 13:17-18
- यशू’अ 04:22-24
- गिनती 14:23-25

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

12:04_ जब इस्राईलियों ने देखा कि मिस्र की फ़ौज आ रही है, तो उन्हें एहसास हुआ कि वे फ़िर’औन की फ़ौज और **वे लाल समन्दर** के बीच फंस गए थे| *12:05_* तब ख़ुदा ने मूसा से कहा, "लोगों को **लाल समन्दर** की तरफ़ जाने के लिए कहो।"

- 13:01__ कि बा’द ख़ुदा**लाल समन्दर** के ज़रिए’ से इस्राईलियों की रहनुमाई की, वह उन्हें सीनै नाम की पहाड़ पर जंगल में ले गया।

## शब्दकोश:

- Strong's: H3220, H5488, G2063, G2281

# नफ़्ताली

## सच्चाई:

नफ़्ताली या'क़ूब का छठवां बेटा था। उसकी नसल नफ़्ताली के क़बीले कहलाए जो इस्राईल के 12 क़बीलों में से एक था।

- कभी-कभी नाम नफ़्ताली उनके रहने के मक़ाम के लिए भी काम में लिया गया है। (देखें: हमअहनगी
- नफ़्ताली की ज़मीनें इस्राईल के उत्तर में थीं, दान और आशर के साथ। इसकी पूरबी सरहद किन्नेरत समन्दर के पश्चिमी किनारे पर थी।
- इस क़बीले का ज़िक्र पुराने 'अहदनामे और नये 'अहदनामे दोनों में किया गया है।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

( यह भी देखें: आशर, दान, याकूब, गलील समन्दर, इस्राईल के बारह क़बीले)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 बादशाह 04:15-17
- इस्तिस्ना 27:13-14
- हिज़क़ीएल 48:1-3
- पैदाइश 30:7-8
- क़ुज़ात 01:33
- मत्ती 04:12-13

## शब्दकोश:

- Strong's: H5321, G3508

# पतरस, शमा’ऊन पतरस, क़ैफा

## सच्चाई:

पतरस ‘ईसा के बारह शागिर्दों में से एक था। वह शुरू’ की कलीसिया का एक ख़ास रहनुमा था।

- ‘ईसा की ज़रिये’ शागिर्द होने के लिए बुलाए जाने से पहले पतरस का नाम शमा’ऊन था।
- बाद में ‘ईसा ने उसे “क़ैफा” नाम दिया जिसका मतलब है “पत्थर या चट्टान” अरामी ज़बान में। * पतरस का मतलब यूनानी ज़बान में “पत्थर” या “चट्टान” होता है।
- ख़ुदा ने पतरस के ज़रिये से लोगों को चंगा किया और ‘ईसा की ख़ुशख़बरी का ‘ऐलान किया।
- नये अहद नामे में दो किताबें पतरस के ख़त हैं जो ईमानदारों को हौसला देने और ता’लीम देने के लिए हैं।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

शागिर्द,आमाल(यह भी देखें:

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के आमाल 08:25
- गलातियों 02:6-8
- गलातियों 02:11-12
- लूका 22:56-58
- मरकुस 03:13-16
- मत्ती 04:18-20
- मत्ती 08:14-15
- मत्ती 14:28-30
- मत्ती 26:33-35

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों सेमिसाल:

- **28:09** इस पर **पतरस** ने उससे कहा, “देख हम तो सब कुछ छोड़ के तेरे पीछे हो लिए हैं | तो हमें इसका क्या बदला मिलेगा ?”
- **29:01** एक दिन **पतरस** ने पास आकर ‘ईसा से पूछा , “हे ख़ुदावन्द , अगर मेरा भाई गुनाह करता रहे, तो मैं उसे कितनी बार मु’आफ़ करूँ? क्या सात बार तक?”
- **31:05** फिर **पतरस** ने ‘ईसा से कहा ‘हे उस्ताद अगर तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने का हुक्म दे” ‘ईसा ने **पतरस** से कहा, “ आ |”
- **36:01** एक दिन ‘ईसा ने अपने तीन चेलों, **पतरस**, याक़ूब और यूहन्ना को अपने साथ लिया |
- **38:09** **पतरस** ने कहा, “अगर सब तुझे छोड़ दे तोभी, मैं नहीं छोड़ूँगा | ‘ईसा ने **पतरस** से कहा, “शैतान तुम सबकी आज़माइश लेना चाहता है, लेकिन मैंने तुम्हारे लिये दू’आ की है, **पतरस**, तेरा ईमान कमज़ोर नहीं होगा | फिर भी आज की रात, मुर्ग़ के दो बार बाँग देने से पहले, तू तीन बार मुझ से मुकर जाएगा |”
- **38:15** जैसे ही सिपाहियों ने ‘ईसा को पकड़ लिया, **पतरस** ने अपनी तलवार निकाल ली और सरदार काहिन के एक नौकर पर चलाकर उसका कान काट दिया |
- **43:11** **पतरस** ने उनसे कहा, “तोबा करो , और तुम में से हर एक ‘ईसा मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो ख़ुदा तुम्हारे गुनाहों को मु’आफ़ करेगा।
- **44:08** तब **पतरस** ने उन्हें जवाब दिया, “‘ईसा मसीह की क़ुदरत से यह आदमी तुम्हारे सामने सही सालिम खड़ा है।

## शब्दकोश:

- Strong's: G2786, G4074, G4613

# पिलातुस

## सच्चाई

रोमी सूबा यहूदिया का हाकिम पिलातुस था जिसने 'ईसा को मौत की सज़ा दिया था।

- हाकिम होने की वजह पिलातुस के पास मुजरिमों को मौत की सज़ा देने का इख़्तियार था।
- यहूदी मज़हब के उस्ताद चाहते थे कि पिलातुस ईसा को मौत की सज़ा दे, इसलिए उन्होंने 'ईसा पर झूठा इल्ज़ाम लगाया कि वह एक मुजरिम है।
- पिलातुस समझ गया था कि 'ईसा ने कोई जुर्म नहीं किया है लेकिन वह लोगों की भीड़ से डरता था और उन्हें ख़ुश करना चाहता था, इसलिए उसने सिपाहियों को हुक्म दिया कि 'ईसा को सलीब पर चढ़ा दें।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: सलीब पर चढ़ाना, हाकिम, इल्ज़ाम, यहूदिया, रोम

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के आमाल 04:27-28
- रसूलों के आमाल 13:28-29
- लूका 23:1-2
- मरकुस 15:1-3
- मत्ती 27:11-14
- मत्ती 27:57-58

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **39:09** अगली सुबह यहूदी रहबरों ने 'ईसा को ले जाकर **पिलातुस** को सौंप दिया जो एक रोमन हुकमरान था | वह इस उम्मीद में थे कि **पिलातुस** उसे मुजरिम ठहरा कर उससे मरवा डाले | **पिलातुस** ने 'ईसा से पूछा, " क्या तू यहूदियों का बादशाह है?"
- **39:10** **पिलातुस** ने कहा, "सच क्या है?"
- **39:11** 'ईसा से बात करने के बाद **पिलातुस** भीड़ में आया, और कहा, "मैं तो इस आदमी में कोई 'ऐब नहीं पाता | लेकिन यहूदी उस्तादों ने चिल्लाकर कहा कि, "इसे सलीब में चढ़ा दो |" **पिलातुस** ने कहा कि, "मैं इसमें कोई 'ऐब नहीं पाता | वह और जोर से चिल्लाने लगे | **पिलातुस** ने तीसरी बार कहा कि "मैं इसमें कोई 'ऐब नहीं पाता |"
- **39:12** लेकिन **पिलातुस** डर गया कि कही हलचल न मच जाए, इसलिये उसने 'ईसा को सलीब पर चढ़ाए जाने के लिए सिपाहियों के हवाले कर दिया |
- **40:02** _ पिलातुस_ ने हुक्म दिया कि 'ईसा के सिर के ऊपर सलीब पर यह लिख कर लगा दिया जाए कि, "यह यहूदियों का बादशाह है |"
- **41:02** **पिलातुस** ने कहा, "कुछ सिपाही लो और जाओ अपनी समझ के मुताबिक रखवाली करो |"

## शब्दकोश:

- Strong's: G4091, G4194

# पुन्तुस

## सच्चाई:

पुन्तुस रोमी सल्तनत और शुरू' की कलीसिया के वक़्त एक रोमी मुल्क था। वह काला सागर के दख्खिनी किनारे पर था जो आज के तुर्किस्तान का उत्तरी हिस्सा था।

- जैसा रसूलों के 'आमाल की किताब में लिखा है पुन्तस के यहूदी भी यरूशलीम में थे जब पाक रूह पिन्तेकुस्त के दिन रसूलों पर उतरा था।
- अक्विला नाम का एक ईमानदार पुन्तुस से था।
- तमाम ममालिक में बिखरे ईमानदारों को ख़त लिखते वक़्त पतरस ने पुन्तुस इ 'लाक़े के नाम का भी बयान किया था।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें )

(यह भी देखें: अक्विला, पिन्तेकुस्त)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 पतरस 01:1-2
- रसूलों के आमाल 02:8-11

## शब्दकोश:

- Strong's: G4193, G4195

# पौलुस, शाऊल

## सच्चाई:

पौलुस शुरू'की कलीसिया का रहनुमा था जिसे 'ईसा ने सब क़ौमों में ख़ुशख़बरी सुनाने के लिए भेजा था।

- पौलुस रोमी शहर तर्शिश में पैदा एक यहूदी था, इसलिए वह रोमी बाशिन्दा भी था।
- पौलुस पहले अपने यहूदी नाम शाऊल के ज़रिए'जाना जाता था।
- शाऊल एक यहूदी मज़हब का रहनुमा था जो उन यहूदियों को क़ैदी बनाता था जो मसीह के ईमानदार हो गए थे क्योंकि उसके ख़्याल में 'ईसा में यक़ीन करके वे ख़ुदा को बे इज़्ज़त करते थे।
- 'ईसा शाऊल पर अंधा करने वाली बहुत ज़्यादा रोशनी में ज़ाहिर हुआ और उससे कहा कि वह मसीही ईमानदारों को सताना छोड़ दे।
- शाऊल ने 'ईसा पर यक़ीन किया और अपने साथी यहूदियो को उसकी ता'लीम देने लगा।
- इसके बा'द ख़ुदा ने उसे ग़ैर क़ौमों में 'ईसा के बारे में बताने के लिए भेजा और उसने रोमी बादशाहत के तमाम शहरों में और इ'लाकों में कलीसियाएं शुरू'कीं इस वक़्त उसका नाम बदल कर "पौलुस" हो गया था।
- पौलुस ने इन कलीसियाओं को हौसला देने और ता'लीम देने के लिए ख़त भी लिखे थे उनमें से अनेक ख़त नये अहद नामे में हैं।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: मसीही, यहूदी रहनुमा , रोम)

## किताब ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 01:1-3
- रसूलों के आमाल 08:1-3
- रसूलों के आमाल 09:26-27
- रसूलों के आमाल 13:9-10
- गलातियों 01:1-2
- फिलेमोन 01:8-9

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **45:06** एक **शाऊल** नाम का जवान, स्तिफनुस के क़त्ल में शामिल लोगो से राज़ी था और वह उन सब के कपड़ों कि रखवाली कर रहा था जब वे स्तिफनुस पर पथराव कर रहे थे।
- **46:01** **शाऊल** वह जवान था जिसने स्तिफनुस के क़त्ल में शामिल लोगों के कपड़ों कि रखवाली कि थी। वह 'ईसा पर यक़ीन नही करता था, इसलिए वह ईमानदारों को सताता था।
- **46:02** लेकिन जब **शाऊल** दमिश्क के क़रीब पहुँचा, तो अचानक आसमान से उसके चारों ओर रोशनी चमकी, और वह ज़मीन पर गिर गया| **शाऊल** ने यह लफ़्ज़ सुना, "हे **शाऊल**! हे **शाऊल**! तू मुझे क्यों सताता है?"
- **46:05** तब हनन्याह उठकर **शाउल** के पास गया, और उस पर अपना हाथ रखकर कहा, "'ईसा , जो उस रास्ते में, तुझे दिखाई दिया था, उसी ने मुझे भेजा है कि तू फिर आँखे पाए और रूह-उल-कुद्दूस से मा'मूर हो जाए।"**शाउल** फ़ौरन देखने लगा, और हनन्याह ने उसे बपतिस्मा दिया।
- **46:06** फ़ौरन ही, **शाऊल** दमिश्क के यहूदियों से मुनादी करने लगा की 'ईसा ही ख़ुदा का बेटा है "|
- **46:09** बरनबास और **शाऊल** इन नए ईमानदारों को पढ़ाने, 'ईसा के बारे में बताने और कलीसिया को मज़बूत करने के लिये अन्ताकिया आए।
- **47:01** जैसे **शाऊल** पुरे रोमी सल्तनत में सफ़र करने लगा, उसने अपने रोमी नाम, "**पौलुस**" का इस्ते'माल करना शुरू किया।
- **47:14** **पौलुस** और ,और मसीही रहनुमाओं ने बहुत से शहरों में 'ईसा का 'ऐलान किया और लोगों को ख़ुदा के कलाम की ता'लीम दी।

## शब्दकोश:

- Strong's: G3972, G4569

# प्रिस्किल्ला

## सच्चाई:

प्रिस्किल्ला और उसका शौहर अक्विला यहूदियों से आए ईमानदार थे जिन्होंने बशारती ख़िदमत में पौलुस की मदद किया था।

- प्रिस्किल्ला और अक्विला ने रोम से कूच किया था क्योंकि बादशाह ने मसीही ईमानदारों को वहाँ से चले जाने का हुक्म दिया था |
- पौलुस ने अक्विला और प्रिस्किल्ला से कुरिन्थ शहर में मुलाक़ात की थी। वे तम्बू बनाने वाले थे और पौलुस ने उनके साथ काम किया।
- पौलुस जब कुरिन्थ शहर से सीरिया गया तब प्रिस्किल्ला और अक्विला भी उसके साथ गए।
- सीरिया से ये तीनों इफिसुस शहर गए थे। पौलुस तो इफ़िसुस से चला गया था लेकिन प्रिस्किल्ला और अक्विला वहीं रूक गए और ख़ुशख़बरी का 'ऐलान करते रहे।
- उन्होंने इफ़िसुस में अपुल्लोस नाम के एक आदमी को ख़ास ता'लीम दी थी, वह 'ईसा पर ईमान रखता था और एक अच्छा बोलने वाला और उस्ताद था।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: ईमान, मसीही, कुरन्थ, इफ़िसुस. रोम, सीरिया )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 16:19-20
- 2 तीमुथियुस 04:19-22
- रसूलों के आमाल. 18:1-3
- रसूलों के आमाल 18:24-26

## शब्दकोश:

# फ़ारस, फ़ारसियों

## ता’अर्रुफ़:

फ़ारस एक ताक़तवर मुल्क हो गया था जिसकी बुनियाद बुलन्द खोरस ने 550 ई.पू. में की थी। फ़ारस देश बाबुल अश्शूर मुल्कों के दाख्खिन पूरब में था। वह आज का ईरान देश है।

- फ़ारस के बाशिन्दों को फ़ारसी कहते थे।
- खोरस बादशाह के हुक्म के मुताबिक़ यहूदियों को बाबुल की ग़ुलामी से आज़ाद करके अपने वतन लौटने की इजाज़त मिल गई थी, और यरूशलीम का हैकल भी फिर से बनाया गया था जिसका खर्चा फ़ारस शहर के ख़ज़ाने से मिलता था।
- जब एज्रा और नहमियाह यरूशलीम की शहरपनाह को फिर से ता’मीर करने अपने वतन लौटे थे तब अर्तक्षत्र फ़ारसी मुल्क का बादशाह था।
- आस्तर फ़ारसी बादशाह की रानी थी जब उसने बादशाह अख़सूयरस से शादी किया था।

(यह भी देखें: अखसू यरस, अर्तछत्र , अश्शूर देश, बाबुल, कूश, आस्तर, अज़्रा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तवारीख़ 36:20-21
- दानीएल 10:12-13
- आस्तर 01:3-4
- हिज़क़ीएल 27:10-11

## शब्दकोश:

- Strong's: H6539, H6540, H6542, H6543

# फ़िर’औन, मिस्र का बादशाह

## सच्चाई:

पुराने ज़माने में मिस्र मुल्क के बादशाह फ़िर’औन कहलाते थे।

- कुल 300 फ़िर’औन हुए थे जिन्होंने मिस्र पर 2000 से ज़्यादा साल हुकूमत किया था।
- मिस्त्र के ये बादशाह बहुत ताक़तवर और मालदार आदमी थे।
- किताब-ए-मुक़द्दस में भी कुछ फिर’औन का नाम आता है।
- अक्सर यह मज़मून एक मज़मून के बजाय नाम की शक्ल में इस्तेमाल किया जाता है। ऐसी हालत में फिर’औन लफ़्ज़ को अंग्रेजी में बड़े “पी” हर्फ़ से लिखा गया है।

(तर्जुमे की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें )

(यह भी देखें: मिस्र, बादशाह

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 07:9-10
- रसूलों के 'आमाल 07:11-13
- रसूलों के 'आमाल 07:20-21
- पैदाइश 12:14-16
- पैदाइश 40:6-8
- पैदाइश 41:25-26

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **08:06** एक रात को मिस्र के बादशाह ने, जिसे **फ़िर’औन** कहते है उसने रात में दो ख़्वाब देखे जो उसे लगातार परेशान कर रहे थे |
- **08:08** **फ़िर’औन** यूसुफ़ से बहुत मुता’अस्सिर हुआ, और उसे मिस्र का दूसरा सबसे ताक़तवर आदमी मुक़र्रर किया |
- **09:02** उस वक़्त जो **फ़िर’औन** मिस्र पर हुकूमत करता था, इस्राईलियों को मिस्रियो का गुलाम बनाया।
- **09:13** इसलिये आ मैं तुझे **फ़िर’औन** के पास भेजता हूँ कि तू मेरे इस्राईली लोगों को मिस्र में से निकाल ले आए |
- **10:02** इन खौफ़नाक हालातों के ज़रिए ख़ुदा यह दिखाना चाहता था ,कि वह **फ़िर’औन** व मिस्र के मा’बूद से कई गुना ताक़तवर है।

## शब्दकोश:

- Strong's: H4428, H4714, H6547, G5328

# फ़िलिप्पी, फ़िलिप्पियों

## सच्चाई:

फ़िलिप्पी एक ख़ास शहर और रोमी सूबा था जो पुराने यूनान के उत्तरी हिस्से में मकिदुनिया इ'लाक़े में था।

- पौलुस और सीलास ने फ़िलिप्पी शहर जाकर वहां के लोगों को 'ईसा के बारे में बताया।
- फ़िलिप्पी में पौलुस और सीलास को क़ैदी बना लिया गया था लेकिन ख़ुदा ने मो'जिज़े की शक्ल से उन्हें बचाया।
- नये 'अहद नामे में फ़िलिप्पियों की ख़त पौलुस ने फ़िलिप्पी के ईमानदारों की कलीसिया को लिखा था।
- ध्यान रखें कि यह शहर कैसरिया फ़िलिप्पी नहीं है, कैसरिया फ़िलिप्पी उत्तर के पूरब इस्राईल में हर्मन पहाड़ के नज़दीक था।

(यह भी देखें: कैसरिया, मसीही, जमात, मकिदुनिया, पौलूस, सीलास

## किताब -ए- मुक़द्दस के बारे में:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:1-2
- रसूलों के आमाल 16:11-13
- मत्ती 16:13-16
- फ़िलिप्पियों 01:1-2

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों सेमिसाल:

- **47:01** एक दिन पौलुस और उसका दोस्त सीलास **फ़िलिप्पी** में 'ईसा का 'ऐलान करने को गए |
- **47:13** जब दिन हुआ तो सिपाहियों ने पौलुस और सीलास को छोड़ दिया और उन्हें हुक्म दिया कि **फ़िलिप्पी** छोड़ दे |

## शब्दकोश:

- Strong's: G5374, G5375

# फ़िलिप्पुस, ख़ुशख़बरी देने वाला

## सच्चाई

यरूशलीम में शुरू’ की कलीसिया में फ़िलिप्पुस सात ख़ादिमों में से एक था जिन्हें ग़रीब और ज़रूरत मन्द ईमानदारों की ख़बर लेने के लिए चुना गया था, ख़ास करके बेवाओ को।

- ख़ुदा ने यहूदिया और गलील के तमाम ‘इलाक़ों में ख़ुशख़बरी सुनाने के लिए फ़िलिप्पुस का इस्तेमाल किया था उसने यरूशलीम से गाजा जाने वाले यरूशलीम के रास्ते में एक कूशी आदमी को भी ख़ुशख़बरी सुनाया था।
- सालों बा’द जब फ़िलिप्पुस क़ैसरिया में रह रहा था तब यरूशलीम लौटते वक़्त पौलुस और उसके साथी उसके घर में ठहरे थे।
- ज़्यादातर किताब-ए-मुक़द्दस के आलिमों के ख़्याल में यह फ़िलिप्पुस ‘ईसा का शागिर्द फ़िलिप्पुस नहीं था। कुछ ज़बानों में इन दोनों के नामों के हुरूफ़ में बदलाव कर दिया गया है कि उनका अलग-अलग ज़ाहिर होना साफ़ हो।

तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

यह भी देखें : फिलिप्पी

## किताब ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के आमाल 06:5-6
- रसूलों के आमाल. 08:6-8
- रसूलों के आमाल 08:12-13
- रसूलों के आमाल 08:29-31
- रसूलों के आमाल 08:36-38
- रसूलों के आमाल 08:39-40

## शब्दकोश:

- Strong's: G5376

# फ़ीनीके

## सच्चाई

पुराने ज़माने मे फ़ीनीके इस्राईल के उत्तर में समन्दर से दूर के किनारे पर एक मालदार शहर था।

- फ़ीनीके आज के लेबनान मुल्क के पच्छिम में मौजूद एक ज़मीनी हिस्सा था।
- नये 'अहद के ज़माने में फ़ीनीके की राजधानी सूर शहर थी। एक और ख़ास फ़ीनीके शहर सैदा था।
- फ़ीनीके के रहने वाले लकड़ी के काम के लिए मशहूर थे, वे अपने मुल्क के देवदारों की लकड़ी काम में लेते थे और बैंजनी रंग तैयार करते थे, जो बहुत मंहगा होता था। वह समन्दरी सफर और तिजारत करने के लिए मशहूर थे। वह बहुत ही माहिर नाव बनानेवाले भी थे।
- पहले के हरफ़ों में से एक हर्फ़ फ़ीनीके के रहने वालों के ज़रिये' बनाया गया था। तिजारत के ज़रिये'से कई लोगों के झुण्ड के साथ उनके राबते की वजह से उनकी हुरूफ़ तहजी पूरे तौर से इस्ते'माल की गई थी।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

सैदा]देवदारों ,देवदार की लकड़ी सूर(यह भी देखें: देवदारु, बैंजनी,[

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के आमाल 11:19-21
- रसूलों के आमाल 15:3-4
- रसूलों के आमाल 21:1-2
- यशायाह 23:10-12

## शब्दकोश:

- Strong's: H3667, G4949, G5403

# बतशबा'

## सच्चाई:

“बतशबा' ” दाऊद के एक फौजी ऊरिय्याह की बीवी थी। ऊरिय्याह के मरने के बा'द वह दाऊद की बीवी बन गई थी, वही बादशाह सुलैमान की माँ थी।

- दाऊद ने बतशबा' के साथ ज़िना किया जबकि वह ऊरिय्याह की बीवी थी।
- जब बतशबा' दाऊद से हमिलाहो गई तब दाऊद ने ऊरिय्याह को जंग के लिए 'इलाक़े में आगे भेजकर क़त्ल करा दिया।
- उसके बा'द दाऊद ने बतशबा' से शादी की और उनके बेटा पैदा हुआ।
- ख़ुदावन्द ने उस बच्चे को कुछ दिनों बा'द मारकर दाऊद के गुनाह की सज़ा दी |
- बतशबा' से एक और बेटा हुआ, सुलैमान जो दाऊद के बा'द बादशाह बना।

( तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

( यह भी देखें: दाऊद, सुलैमान. ऊरिय्याह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1तवारीख़ 03:4-5
- 1 सलातीन 01:11-12
- 2 शमूएल 11:2-3
- ज़बूर 051:1-2

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **17:10** एक दिन, जब दाऊद के सब फ़ौजी बादशाहत से दूर जन्ग करने के लिए गए हुए थे, उसने अपने महल से बाहर देखा, तो उसे एक 'औरत जो बहुत ख़ूबसूरत थी नहाती हुई दिखाई पड़ी। उसका नाम **बतशेबा** था।
- **17:11** कुछ वक़्त बा'द _ बतशबा_ ने दाऊद के पास कहला भेजा कि वह हमल से है |
- **17:12** **बतशबा'** का शोहर, जिसका नाम ऊरिय्याह था, वह दाऊद का एक बाहादुर फ़ौजी था।
- **17:13** ऊरिय्याह के मरने के बा'द, दाऊद ने बतशबा' से शादी कर ली।
- **17:14** उसके बा'द, दाऊद और **बतशबा'** का एक और बेटा पैदा हुआ उसका नाम उन्होंने सुलैमान रखा।

## शब्दकोश:

- Strong's: H1339

# बतूएल

## सच्चाई:

बतूएल इब्राहीम के भाई नाहोर का बेटा था।

- बतूएल रिबक़ा और लाबान का बाप था।
- एक शहर का नाम भी बतूएल था जो मुमकिन तौर पर दक्षिणी यहूदा में था जो बैरशबा' से बहूत दूर नहीं था।

(तर्जुमें की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: बैरशबा', लाबान, नाहोर, रिबक़ा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 04:29-31
- पैदाइश 28:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H1328

# बनाने वाला

## सच्चाई:

आम तौर से “बनाने वाला” चीज़ों का बनानेवाला या तैयार करने वाला होता है।

- कलाम में “बनाने वाला” कभी-कभी यहोवा के नाम या तौर पर काम में लिया जाता है क्यूँकि उसने सब कुछ बनाया है।
- यह लफ़्ज़ हमेशा “उसका” या “मेरा” या “तेरा” लफ़्ज़ों के साथ जुड़ा होता है।

## तर्जुमा की सलाह:

- “बनाने वाला” लफ़्ज़ का तर्जुमा किया जा सकता है, “पैदा करने वाला” या “बनाने वाला ख़ुदा” या “जिसने सब कुछ बनाया”।
- “उसका बनाने वाला” इसका तर्जुमा हो सकता है, “जिसने उसे बनाया” या “ख़ुदा जिसने उसे बनाया”।
- “तेरा बनाने वाला” और “मेरा बनाने वाला” इन जुमलों का भी तर्जुमा इसी तरह किया जा सकता है।

(यह भी देखें: नाम कैसे तर्जुमा करें)

(यह भी देखें: बनाना, यहोवा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- होसे'अ 08:13-14

## शब्दकोश:

- Strong's: H2796, H3335, H6213, H6466, H6467, G1217

# बरअब्बा

## ता'अर्रुफ़:

जब 'ईसा को क़ैदी बनाया गया उस वक़्त बरअब्बा यरूशलीम में एक क़ैदी था।

- बरअब्बा एक मुजरिम था जिसने क़त्ल किए थे और रोमी हुकूमत के ख़िलाफ़ बग़ावत की थी।
- जब पेन्तुस पिलातुस ने बरअब्बा और 'ईसा में से एक को छोड़ देने का 'ऐलान किया तो क़ौम ने बरअब्बा को चुना।
- आख़िर पिलातुस ने बरअब्बा को छोड़ दिया और 'ईसा को मौत की सज़ा दी ।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: पिलातुस, रोम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- यूहन्ना 18:38-40
- लूक़ा 23:18-19
- मरकुस 15:6-8
- मत्ती 27:15-16

## शब्दकोश:

- Strong's: G912

# बरतुलमाई

## सच्चाई:

बरतुलमाई 'ईसा के बारह शागिर्दों में से एक था।

- और शागिर्दों के साथ बरतुलमाई को ख़ुशख़बरी सुनाने और 'ईसा के नाम में मो'जिज़ा करने के लिए भेजा गया था।
- वह भी 'ईसा के आसमान पर उठाने जाने के बा'द आँखों देखे गवाहों में से था।
- कुछ दिनों बा'द पिन्तेकुस्त के दिन जब शागिर्दों पर पाक -रूह उतरी तब वह भी यरूशलीम शहर में और शागिर्दों के साथ था।

( तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

( यह भी देखें: ख़ुशख़बरी, , पाक रूह, पिन्तेकुस्त,बारहों

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 01:12-14
- लूक़ा 06:14-16
- मरकुस 03:17-19

## शब्दकोश:

- Strong's: G918

# बरनबास

## सच्चाई:

रसूलों के वक़्त में बात करने वाला बरनबास एक पहला मसीही ईमानदार था |

- बरनबास इस्राईल के लावी क़बीले का था बर्फीले जज़ीरे का रहने वाला था |
- शाऊल (पौलुस) ने जब 'ईसा को क़ुबूल किया, तब बरनबास ने दूसरे ईमानदारों से गुज़ारिश कि उसे क़ुबूल कर लें|
- बरनबास और पौलुस) , एक साथ मुख्तलिफ़ शहरों में गए कि वहाँ 'ईसा के बारे में ख़ुशख़बरी सुनाए |
- उसका नाम यूसुफ़ था लेकिन उसे "बरनबास "या हौसला का बेटा कहा जाता था |

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: मसीही, कुप्रस, ख़ुशख़बरी, लावी, पौलुस, |

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में: ## |

- रसूलों के 'आमाल 04:36-37
- रसूलों के 'आमाल 11:25-26
- रसूलों के 'आमाल 13:1-3
- रसूलों के 'आमाल 15:33-35
- कुलुस्सियों 04:10-11
- गलातियों 02:9-10
- गलातियों 02:13-14

## बाइबल कहानियों से मिसालें:

- **46:08** तब _बरनबास _ ने उसे अपने साथ रसूलों के पास ले जाकर उनको बताया कि दमिश्क़ में इसने कैसे हियाव से 'ईसा के नाम का 'ऐ लान किया |
- **46:09** _ बरनबास_ और शाऊल इन नए ईमानदारों को ता'लीम देने, 'ईसा के बारे में बताने और कलीसिया को मज़बूत करने के लिए अन्ताकिया आए | I

**46:10** एक दिन जब अन्ताकिया की कलीसिया के मसीही लोग रोज़ा रखकर ख़ुदावन्द की 'इबादत कर रहे थे, तो पाक रूह ने कहा," मेरे लिए _ बरनबास_ और शाऊल को उस काम के लिए अलग करो जिसके लिए मैंने उन्हें बुलाया है|"  तब अन्ताकिया की कलीसिया ने पौलुस और_ बरनवास_ के के ऊपर अपना हाथ रख कर दु'आ की और उन्हें भेज दिया|

## शब्दकोश:

- Strong's: G921

# बरूक

## सच्चाई:

बारूक नाम के कई ऐसे शख्स पुराने 'अहद नामे में में हुए हैं।

- एक बारूक, जब्बै का बेटा यरूशलीम की शहरपनाह के दरवाज़ा बनाने में नहमियाह का मददगार था।
- नहमियाह के वक़्त एक और बारूक था। वह कोलहोजे का बेटा उन रहनुमाओं में से एक था जो यरूशलीम की शहरपनाह के बन जाने के बा'द वही रहा था।
- नबी यरमियाह के लिखने वाले का नाम भी बारूक नेरिय्याह का बेटा, था। वह कई कामों में यरमियाह की मदद करता था जैसे ख़ुदावन्द यरमियाह कि ख़बरों को लिखकर क़ौम को पढ़ कर सुनाता था।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: शागिर्द, यरमियाह , यरूशलीम, नहमियाह , नबी )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में :

- यरमियाह 32:10-12
- यरमियाह 36:4-6
- यरमियाह 43:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: G1263

# बल'आम

## सच्चाई:

बल'आम एक ग़ैरक़ौमी नबी था जिसे बादशाह बलक़ ने रिशवत देकर बुलवाया था कि इस्त्राईलियों को ला'नत करे क्योंकि वह उत्तरी मोआब में, यरदन के किनारे पर छावनी डाले हुए कना'न में दाख़िल होने की तैयारी में थे।

- बल'आम फ़तोर शहर का रहनेवाला था, यह जगह मो'आब से 400 मील दूर फ़रात नदी के 'इलाक़े में था।
- मिदया'नी बादशाह बलक़ इस्राईलियों की बड़ी ता'दाद से डरता था इसलिए उसने बल'आम को बुलाया था कि उन्हें ला'नत करे।
- जब बल'आम इस्राईलियों की तरफ़ जा रहा था तब ख़ुदावन्द का एक फ़रिश्ता उनका रास्ता रोक कर खड़ा हो गया, जिसकी वजह से बल'आम का गधा रूक गया था। ख़ुदा ने उस गधे को इंसानी ज़बान में बल'आम से बोलने की ताक़त 'अता की।
- ख़ुदा ने बल'आम को इजाज़त नहीं दी कि वह इस्राईल को ला'नत करे लेकिन बल'आम को उन्हें बरकत देने पर मजबूर किया।
- लेकिन बल'आम ने इस्राईल की बुराई की और उन पर बा'ल पिओर की 'इबादत करने का असर डाला।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा )

(यह भी देखें: बरकत देना, कना'न, ला'नत, गधा, फ़रात नदी, यरदन नदी, मिदयाँन , मो'आब, पिओर)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 पतरस 02:15-16
- इस्तिसना 23:3-4
- यशू'अ 13:22-23
- गिनती 22:5-6
- मुक़ाशिफ़ा 02:14-15

## शब्दकोश:

- Strong's: H1109, G903

# बशन

## सच्चाई :

बशन गलील समुन्दर के पहले का 'इलाक़ा था। वह 'इलाक़ा आज के सीरिया और गोलन ऊंचाईयों के 'इलाक़े का एक हिस्सा था।

- पुराने 'अहद नामें का एक पनाह का शहर, “गोलन” बशन 'इलाक़े में था।
- बशन एक बहुत फ़सीलदार मुल्क था जो बलूत के दरख्त और जानवरों की चारागाहों के लिए मशहूर था।
- पैदाईश 14 में लिखा है कि बशन कई बादशाहों और उनके मुल्कों की जंग की जगह थी।
- मिस्र से फ़रार होने के बा'द जब इस्राईली वीराने में थे तब उन्होंने बशन के एक हिस्से पर हुकूमत की थी।
- सालों बा'द बादशाह सुलैमान उस मुल्क से सामान हासिल करता था।

(तर्जुमें की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: मिस्र, बंजर, गलील समन्दर, सूरज )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 Kings 04:11-14
- आमोस 04:1-2
- यरमियाह 22:20-21
- यहोशू 09:9-10

## शब्दकोश:

- Strong's: H1316

# बा'शा

## सच्चाई:

बा'शा इस्राईल का बुरा बादशाह था जिसने इस्राईल की क़ौम को बुत परस्ती के लिए मुता’स्सिर किया था।

- बा'शा इस्राईल का तीसरा बादशाह था और उसने 24 साल हुकूमत किया थी, उस वक़्त यहूदा में आसा की बादशाही थी|
- वह सिपासालार था और बादशाह नादब को क़त्ल करके वह तख़्त पर बैठ गया था।
- बा'शा की बादशाही वक़्त में इस्राईल और यहूदा के बीच में कई जंगें हुई थीं, ख़ास करके यहूदा के बादशाह आसा के साथ।
- बा'शा के ज़्यादा गुनाहों की वजह से ख़ुदावन्द ने उसके मरने के बा'द उसे तख़्त से हटाया था।

(तर्जुमें की सलाह : नामों का तर्जुमा )

(यह भी देखें: आसा, झूठे मा'बूद)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में :

- 1 सलातीन 15:16-17
- 2 सलातीन 09:9-10
- यरमियाह 41:8-9

## शब्दकोश:

- Strong's: H1201

# बाबुल

## सच्चाई:

बाबुल मेसोपोटामिया 'इलाक़े के दक्षिण में शिन'आर मुल्क का एक अहम शहर था। शिन'आर आगे चलकर बाबुल कहलाया था।

- किताब-ए-मुक़द्दस का शहर हाम के परपोते, नमरूद-शिनार के हुकमरान के ज़रिए' - क़ायम किया गया था।
- शिनार के बाशिंदे घमण्ड से भरकर आसमान तक ऊँचा गुम्बद बनाना चाहते थे। इस मीनार का नाम आगे चलकर "बाबुल का गुम्मद" पड़ा था।

इस मीनार की ता'मीर करने वालों ने ज़मीन पर फैल जाने के ख़ुदावन्द के हुक्म का इनकार कर दिया था, इसलिए ख़ुदा ने उनकी ज़बानों को अलग-अलग कर दिया जिससे कि वह एक दूसरे की बात समझ नहीं पाए। इस वजह से वह मजबूर होकर एक दूसरे से अलग हो गए और ज़मीन के मुख्तलिफ़ जगहों में जाकर बस गए।

- "बाबुल" लफ्ज़ का बुनियादी मतलब है "उलझ जाना" ख़ुदावन्द ने उनकी ज़बान में इख्तिलाफ़ पैदा कर दिया था इसलिए उस जगह का यह नाम पड़ गया था।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बाबुल, हाम, मिसोपोतामिया)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाईश 10:8-10
- पैदाईश 11:8-9

## शब्दकोश:

- Strong's: H894

# बाबुल, बाबुल, बाबुल, बाबुल

## सच्चाई:

बाबुल शहर, पुराने बाबुल सल्तनत की दारुल हुकूमत थी । यह भी बाबुल के हाकिम का ही हिस्सा था।

- बाबुल फरात नदी पर बसा था, वही जगह जहाँ 100 साल पहले बाबुल का गुम्मद बनाया गया था।
- कभी-कभी बाबुल लफ्ज़, मुकम्मल बाबुल हुकुमत के लिए काम में लिया गया है। मिसाल के तौर पर, “बाबुल का बादशाह ” शहर पर ही नहीं पूरे मुल्क पर बादशाहत करता था।
- बाबुल के बाशिंदे एक ताक़तवर लोग थे, जिन्होंने यहूदा बादशाह पर हमला करके वहाँ की क़ौम को 70 साल अपनी गूलामी में रखा था।
- इस 'इलाक़े का एक हिस्सा "कसदी" कहलाता था और वहाँ के लोग भी "कसदी" कहलाते थे। नतीज़े के तौर पर “कसदी” लफ्ज़ ज़्यादा तर बाबुल बाशिंदों के लिए काम में लिया गया है। देखें : हमख़याल)
- नये 'अहद नामें में “बाबुल” लफ्ज़ कभी-कभी शक्ल बा शक्ल काम में लिया गया है जो मुख्तलिफ़ जगहों, लोगों और बुत परस्त या और दूसरे गुनहगार तरीक़ों से मिले जुले ख़यालात के बारे में है।
- “बड़ा बाबुल” या “बड़ा शहर बाबुल” शक्ल बा शक्ल ऐसा शहर या मुल्क के लिए काम में लिए गए हैं जो बड़ा आमीर और गुनहगार या जैसे पुराना बाबुल शहर था। (देखें: मिसाल )

(यह भी देखें: बाबुल, कसदी, यहूदा, नबूकदनज़्ज़र)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में :

- 1 तवारीख़ 09:1-3
- 2 सलातीन 17:24-26
- रसूलों के 'आमाल . 07:43
- दानिएल 01:1-2
- हिज़क़ीएल 12:11-13
- मत्ती. 01:9-11
- मत्ती 01:15-17

## किताब-एमुक़द्दस की कहानियों की मिसालें:

- **20:06** अश्शूरियों की तरफ़ से इस्राईली हुकूमत को बर्बाद करने के तक़रीबन सौ सालों बा'द, ख़ुदावन्द ने बाबुल के बादशाह नबूकद नज़्ज़र को भेजा, यहूदी हुकूमत पर हमला करने के लिए। बाबुल एक ताक़तवर सल्तनत थी ।
- **20:07** लेकिन कुछ सालों के बा'द, यहूदा के बादशाह ने _बाबुल _ के ख़िलाफ़ बग़ावत की। तब _बाबुल _ ने वापस आकर यहूदा की बादशाही पर हमला किया। उन्होंने यरूशलेम को जीत लिया, हैकल को बर्बाद कर दिया, और शहर व हैकल की सभी क़ीमती चीज़ों को उनसे छीन कर ले गए।
- **20:09** नबूकदनज़्ज़र और उसके फ़ौजी तक़रीबन सभी यहूदियों को क़ैदी बनाकर _बाबुल _ ले गए, वहाँ पर सिर्फ़ ग़रीबों को छोड़ दिया गया ताकि वह वहा खेती कर सके।
- **20:11** तक़रीबन सत्तर साल के बा'द, कुस्त्रू जो फारस का बादशाह बना, उसने _बाबुल _ को शिकस्त दी।

## शब्दकोश:

- Strong's: H3778, H3779, H8152, H894, H895, H896, G897

# बालजबूल

## सच्चाई:

बालजबूल इबलीस, या शैतान का दूसरा नाम है। इसे कभी-कभी "बालजबूब" भी लिखा गया है।

- इस नाम का लफ़्ज़ी मतलब है “मक्खियों का मा'बूद ” जिसका मतलब“बुरी रूहों का हाकिम ”। अच्छा होगा कि इस लफ़्ज़ का तर्जुमा असल मतलब में हो, नहीं तो उसका मा'ने|
- इसको साफ़ ज़ाहिर करने के लिए इसका तर्जुमा “बालजबूल इबलीस” भी किया जा सकता है|
- यह नाम एक्रोन के एक झूठे मा'बूद “बाल-जबूब” से ता'ल्लुक़ रखता है।

(तर्जुमा की सलाहें: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: बुरी रूह, एक्रोन, शैतान)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- लूक़ा 11:14-15
- मरकुस 03:20-22
- मत्ती 10:24-25
- मत्ती 12:24-25

## शब्दकोश:

- Strong's: G954

# बा’ल

## सच्चाई:

“बा’ल” का मतलब है, “ख़ुदा” या “मालिक”, और पहले के झूठे मा’बूद का नाम था जिनकी इबादत कना’नी करते थे।

- “बा’ल” लफ़्ज़ से निकले और भी झूठे मा’बूद जिनमे बा’ल उन नामों में एक था “ पिओरबा’ल।“ कभी-कभी इन सब देवमा’बूदोंताओं को एक साथ “बा’ल” कहा गया है।
- कुछ लोग उनमें "बा’ल" लफ़्ज़ का नाम शामिल करते थे।
- बा’ल की ‘इबादत में बुरी रवायतें शामिल है जैसे बच्चों की क़ुर्बानी चढ़ाना और तवायफ़ का इस्ते’माल करना|
- उनकी तारीख़ में मुख़तलिफ़ ज़मानों में इस्राईली भी गहराई से ‘इबादत में शामिल होते थे और जो उनके पास ग़ैर-क़ौमें थीं उनके तरीक़े पर चलते थे|
- आहाब की बादशाही के वक़्त में ख़ुदावन्द ले नबी एलियाह ने साबित करके दिखाया था कि बा’ल नहीं सिर्फ़ यहोवा ही सच्चा है| नतीजे के तौर पर बा’ल के पुजारियों को हलाक कर दिया गया था और फ़िर से यहोवा की ‘इबादत करने लगे थे|

(अनुवाद के सुझाव: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: अहाब, अशेरा, एलियाह, झूठे मा’बूद, ज़िनाकर, यहोवा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 16:31-33
- 1 शमूएल 07:3-4
- यरमियाह 02:7-8
- क़ुजात 02:11-13
- गिनती 22:41

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **19:02** अहाब एक बुरा इंसान था जो लोगों को **बा’ल** नाम के झूठे मा’बूद की ‘इबादत करने के लिए हौसला अफ़ज़ाई करता था|
- **19:06** इस्राईली बादशाह के सभी लोगों समेत और --बा’ल-- के नबी 450 आदमी कर्मिल के पहाड़ पर जमा’ हुए| एलियाह ने लोगों से कहा, “कब तक तुम दो तरफों में लटके रहोगे| अगर यहोवा ख़ुदा हो, ‘तो उसकी ख़िदमत करो|’ अगर_ बा’ल _ख़ुदा हो, ‘तो उसकी ख़िदमत करो|’”
- **19:07** एलियाह ने बा’ल के नबियों से कहा, “पहले तुम एक बछड़ा चुनकर क़ुर्बानी के लिए तैयार कर लो, लेकिन आग न लगाना|”
- **19:08** तब_ बा’ल_ के नबी यह कहकर बा’ल से दु’आ करते रहे, “ऐ _ बा’ल हमारी सुन, ऐ _बा’ल हमारी सुन|”
- **19:12** तब लोगों ने **बा’ल** के नबियों को पकड़ लिया, फ़िर एलियाह ने उन्हें वहाँ से ले जाकर मार डाला|

## शब्दकोश:

- Strong's: H1120, G896

# बिनायाह

## ता'रुफ़:

बिनायाह नाम के कई आदमी पुराने 'अहद नामें में हुए हैं।

- यहूयदा का बेटा बिनायाह दाऊद के बहादुरो में एक से था। वह एक हुनरमन्द फ़ौजी था इसलिए दाऊद के हिफ़ाज़त करने वालों का हाकिम बनाया गया था।
- जब सुलैमान को बादशाह बनाया गया तब बिनायाह ने उसके दुशमनों को हलाक किया था। आख़िर में वह इस्राईली फ़ौज का सरदार बन गया था।
- पुराने 'अहद नामें में बिनायाह नाम के और आदमी थे, तीन लावी, एक काहिन, एक मूशीकार, आसाप की एक नस्ल का ।

(यह भी देखें: आसाप, यहूयदा, लैवी., सुलैमान)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में :

- 1 तवारीख़ 04:34-38
- 1 सलातीन 01:7-8
- 2 शमूएल 23:20-21

## शब्दकोश:

- Strong's: H1141

# बिन्यामीन, बिन्यामीनी, बिन्यामीनियों

## सच्चाई :

बिन्यामीन याक़ूब और उसकी बीवी राहेल का सबसे छोटा बेटा था। उसके नाम का मतलब है, “मेरे दाहिने हाथ का बेटा”

बिन्यामीन और उसका बड़ा भाई यूसुफ़ राहेल के दो ही बेटे थे, राहेल बिन्यामीन के पेदाईस के बा'द मर गई थी।

- बिन्यामीन की नस्ल इस्राईल का एक क़बीला था।
- बादशाह शाऊल इस्राईल के बिन्यामीन क़बीले का था।
- रसूल पौलुस भी बिन्यामीन के क़बीले का था।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें )

(यह भी देखें: इस्राईल , या’क़ूब , यूसुफ (पुराना 'अहदनामा ), पौलुस, राहेल, इस्राईल के बारह क़बीले )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 02:1-2
- 1 सलातीन 02:8-9
- रसूलों का 'आमाल . 13:21-22
- पेदाईश 35:16-20
- पेदाईश 42:1-4
- पेदाईश 42:35-36
- फिलिप्पुस 03:4-5

## शब्दकोश:

- Strong's: H1144, G958

# बिरीया

## सच्चाई:

नये 'अहद नामें में बिरीया एक कामयाब समुन्दरी शहर था, मकिदुनिया के पूरब में थिस्सलुनीके शहर से 80 कि.मी. दूर।

- थिस्सलुनीके शहर में कुछ यहूदियों ने उनके लिए दु:ख पैदा किया तो उनके ईमानदार भाइयों ने उन्हें वहाँ से निकल जाने में मदद की और पौलुस सीलास के साथ बिरीया शहर चला गया।
- बिरीया के लोगों ने पौलुस ख़ुशख़बरी सुनकर किताब-ए-मुक़द्दस से बराबरी की तो पाया कि पौलुस की बातें सच थी।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: मकिदुनिया , पौलुस , सीलास , थिस्सलोनिके )

## किताब-ए-मुक़द्दस: के बारे में :

- रसूलों के 'आमाल 17:10-12
- रसूलों के 'आमाल 17:13-15
- रसूलों के 'आमाल 20:4-6

## शब्दकोश:

- Strong's: G960

# बैत-एल

## सच्चाई:

“बैत-एल” कनान मुल्क में यरूशलीम के उत्तर में एक शहर था। इसका पहले का नाम "लूज" था।

- ख़ुदा से पहली बार वा'दों को हासिल करने के बा'द अब्राम (इब्राहीम ) ने बैत-एल के क़रीब ख़ुदा के एक कुर्बानगाह बनाई थी। शहर का का असल नाम उस वक़्त तक अभी तक बैतएल नहीं था, लेकिन ये 'आम तौर "बैतएल" के तौर पर कहा गया था जो बेहतर मा'लूम था|
- जब अपने भाई 'ऐसौ से डर कर भागा, तब या'क़ूब इस शहर के क़रीब ठहरा और वहीँ बाहर ज़मीन पर सोया था| सोते वक़्त उसके ख़्वाब में उसे फ़रिश्ते एक सीढ़ी पर जन्नत पर चढ़ते और वहां से उतरते दिखाई दिए थे।
- इस शहर का नाम बैत-एल नहीं था जब तक कि या'क़ूब ने इसे "बैत-एल" नाम नहीं दिया। इस लफ्ज़ को साफ़ ज़ाहिर करने के लिए, कुछ तर्जुमों में इब्राहीम के बारे में साथ साथ “लूज(बा'द में बैत-एल कहलाया)” के तौर पर तर्जुमा किया जा सकता है, जब तक कि या'क़ूब ने वहां पहुंचता है (उसका नाम बैतएल करने से पहले)|
- बैत-एल का नाम पुराने 'अहद नामें में बहुत बार आया है और वहां कई ख़ास वाक़ि'आत हुए |

(तर्जुमें की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: इब्राहीम , क़ुर्बान गाह , या'क़ूब, यरूशलीम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाईश 12:8-9
- पैदाईश 35: 1-3
- होशे'अ 10:14-15
- क़ुज़ात 01:22-24

## शब्दकोश:

- Strong's: H1008

# बैतनिय्याह

## सच्चाई:

बैतनिय्याह शहर जैतून पहाड़ को पुरबी ढलान पर यरूशलीम से लगभग 2 मील दूर था।

- बैतनिय्याह यरूशलीम से यरीहो के रासते में था।
- 'ईसा हमेशा बैतनिय्याह जाता था जहां उसके 'अज़ीज़ दोस्त लाजर, मार्था और मरियम थे।

बैतनिय्याह को ख़ास तरह से जाना जाता था क्योंकि वहाँ 'ईसा ने लाजर को मरने के बा'द ज़िन्दा किया था।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: यरीहो, यरूशलीम, लाजर, मार्था, मरियम (मार्था की बहन), जैतून पहाड़)

## किताब-ए- मुक़द्दस के बारे में:

- यूहन्ना 01:26-28
- लूका 24:50-51
- मरकुस 11:1-3
- मत्ती 21:15-17

## शब्दकोश:

- Strong's: G963

# बैतलहम, इपफ़्रात

## सच्चाई:

बैतलहम इस्राईल में एक छोटा सा शहर था जो यरूशलीम के सामने वाक़े' था। यह नाम "इपफ़्रात " के तौर पर जाना जाता था, जो इसका असल नाम था|

- बैतलहम को "दाऊद का शहर " भी कहते थे, क्योंकि दाऊद की पैदाईश वहीँ हुई थी
- नबी मीकाह ने कहा था कि मसीह बैतलहम इपफ़्रात से आएगा।
- इस की नबूव्वत पूरी हुई, जब सालों बा'द 'ईसा की पैदाईश बैतलहम शहर में हुई थी |
- "बैतलहम" का मतलब है "रोटी का घर" या "खाने का घर"

(यह भी देखें: कालेब , दाऊद , मीका )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाईश 35:16-20
- यूहन्ना 07:40-42
- पैदाईश 02:4-6
- मत्ती 02:16
- रूत 01:1-2
- रूत 01:19-21

## किताब-ए-मुक़द्दस कि कहानियों से मिसालें:

- **17:02 बैतलहम** शहर में दाऊद एक चरवाहा था
- **21:09** यसा'याह नबी ने नबुव्वत की थी , कि एक कुँवारी से मसीह की पैदईश होगी । मीका नबी ने कहा कि उसकी पैदाईश **बैतलहम** के शहर में होगी ।
- **23:04** आख़िर: यूसुफ़ और मरियम भी एक लम्बा सफ़र तय करके नासरत को गए, क्योंकि यूसुफ़ दाऊद के घराने और ख़ानदान का था, गलील के नासरत शहर से यहूदिया में दाऊद के शहर_ बैतलहम_ को गया।
- **23:06** " आज **बैतलहम** शहर में तुम्हारे लिये एक नजात देने वाले की पैदाईश हुई है, और यही मसीह ख़ुदा है।"

## शब्दकोश:

- Strong's: H376, H672, H1035, G965

# बैतशम्श

## सच्चाई:

बैतशम्श एक कना'नी शहर का नाम था, जो यरूशलीम से लगभग 30 कि.मी. पश्चिम में था।

- इस्राईलियों ने यशू'अ क़यादत के वक़्त बैतशम्श पर इख़्तियार कर लिया था।
- बैतशम्श शहर लेवी काहिनों के रिहाइश गाह के लिए अलग कर दिया गया था।
- जब फ़िलिस्ती 'अहद के सन्दूक़ को लौटाकर यरूशलीम जा रहे थे तब बैतशम्श पहला शहर था, जहाँ वह रूके थे।

(तर्जुमा की सलाह :नामों का तर्जुमा )

(यह भी देखें: 'अहद का सन्दूक़, कना'न, यरूशलीम, यहोशू' , लेवी, फ़िलिस्ती)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

1 सलातीन 04:7-10

- 1 शमूएल 06:7-9
- यहोशू' 19:20-22
- कुज़ात 01:33

## शब्दकोश:

- Strong's: H1053

# बैरसबा'

## सच्चाई:

पुराने 'अहद नामें के ज़माने में बैरसबा' शहर यरूशलीम से तकरीबन 45 मील जुनूबी मग़रिब में रेगिस्तान में बसा था जिसे अब नेगेव , जुनूब मुल्क कहते हैं।

- बैरस्बा' के आसपास के रेगिस्तान में हाजिरा और इस्माईल भटक रहे थे जब इब्राहीम ने उन्हें अपने तम्बुओं से दूर भेज दिया था।
- इस शहर के नाम का मतलब है “क़सम का कूआं” इस जगह को यह नाम तब दिया गया था जब इब्राहीम ने अबीमलिक से क़सम खाई थी कि वह उसके लोगों को उसके कूओं में से एक पर ग़ैर मुनासिब कब्ज़ा करने के लिए धोखा नहीं करेगा।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: अबीमेलेक, इब्राहीम , हाजिरा, इस्माईल, यरूशलीम, क़सम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में :

- 1 शमूएल 03:19-21
- 2 शमूएल 17:11-12
- पैदाईश 21:14-16
- पैदाईस 21:31-32
- पैदाईस 46:1-4
- नहमियाह11:28-30

## शब्दकोश:

- Strong's: H884

# बो'आज़

## ता'अर्रुफ़:

बो'आज़ एक इस्राईली आदमी था जिसने रूत से शादी की थी, वह बादशाह दाऊद का परदादा था और 'ईसा मसीह का बुज़ुर्ग था।

- बो'आज़ इस्राईल के तारीख़ में उस वक़्त था जब इंसाफ़ हुआ करते थे।
- वह एक इस्राईली 'औरत नाओमी का रिश्तेदार था, नाओमी अपने शौहर और बेटों की मौत के बा'द मो'आब से इस्राईल लौट आई थी।

बो'आज़ ने छुटकारे के तौर पर नाओमी की बेवा बहु रूत से उससे शादी की और उसे मुस्तक़बिल में और औलाद दी।

- उसे 'ईसा कि तरफ़ हमारे गुनाहों से छुड़ाने की सलाह के तौर पर माना जाता है।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें:मोआब, छुटकारा दिलाना, रूत)

## किताब-ए-मुक़द्दस- के बारे में:

- 1 तवारीख़ 02:9-12
- 2 तवारीख़ 03:15-17
- लूक़ा 03:30-32
- मत्ती 01:4-6
- रूत 02:3-4

## शब्दकोश:

- Strong's: H1162

# मकिदुनिया

## सच्चाई:

नये 'अहद नामे के वक़्त में मकिदुनिया एक रोमी सूबा था जो पुराने यूनान के उत्तर में था।

- मकिदुनिया के कुछ ख़ास शहरों का नाम कलाम में है, बीरिया, फ़िलिप्पी और थिस्सलुनीके।
- ख़ुदा ने पौलुस को ख़्वाब में कहा कि वह मकिदुनिया के लोगों को ख़ुशख़बरी सुनाए।
- पौलुस और उसके साथी मकिदुनिया गए और वहाँ के लोगों को 'ईसा के बारे में ता'लीम दी और नए-ईमानदारों को ईमान में मज़बूत होने में मदद की।
- कलाम में मकिदुनिया के शहरों की कलीसियाओं को लिखे पौलुस के ख़त हैं:- फ़िलिप्पियों की बीवी, थिस्सलुनिकियों की बीवियाँ।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: ईमानदार, बिरीया, ईमान, ख़ुशख़बरी, यूनान, फ़िलिप्पुस, थिस्सलोनिके)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में :

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:9-12
- 1 तीमुथियुस 01:3-4
- रसूलों के 'आमाल 16:9-10
- रसूलों के 'आमाल 20:1-3
- फ़िलिप्पियों 04:14-17

## शब्दकोश:

- Strong's: G3109, G3110

# मत्ती, लावी

## सच्चाई:

मत्ती उन बारहों में से एक था जिन्हें 'ईसा ने शागिर्द होने के लिए बुलाया था। वह हलफ़ई का बेटा लावी नाम से भी जाना जाता था।

- ‘ईसा से मुलाक़ात करने से पहले लावी (मत्ती) कफ़रनहूम से एक जिज़्या लेने वाला था।
- मत्ती ने इन्जील को लिखा है जो उसके नाम से है।
- कलाम में लावी नाम के कई आदमी हैं।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: रसूल, लावी, जिज़्या लेनेवाला)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- लूक़ा 05:27-28
- लूक़ा 06:14-16
- मरकुस 02:13-14
- मरकुस 03:17-19
- मत्ती 09:7-9
- मत्ती 10:2-4

## शब्दकोश:

- Strong's: G3017, G3156

# मनस्सी

## सच्चाई:

मनस्सी नाम के पाँच आदमी पुराने 'अहद नामे में हुए हैं।

- यूसुफ़ के पहिलौठे का नाम मनस्सी था।
- मनस्सी और इफ़्राईम दोनों को यूसुफ़ के बाप या'क़ूब ने गोद लिया था। जिसकी वजह से उनकी औलादों को इस्राईल के बारह क़बीलों में गिने जाने की ख़ुश नसीबी हासिल हुई ।
- मनस्सी की औलाद इस्राईल का एक क़बीला हुआ।
- मनस्सी का क़बीला “मनस्सी का आधा क़बीला” कहलाता था क्यूँकि यरदन नदी के पश्चिम में कन'आन मुल्क में इस क़बीले के एक हिस्से ने ही रहना शुरू' किया था, । इस क़बीले का बाक़ी हिस्सा यरदन नदी के पूरब में बस गया।
- यहूदा के एक बादशाह का नाम भी मनस्सी था।
- मनस्सी एक बुरा बादशाह था जिसने अपने बच्चों को झूठे मा'बूदों के लिए आतिशी क़ुर्बानी पेश करता था।
- ख़ुदा ने बादशाह मनस्सी को दुश्मन की फ़ौज के ज़रिए' क़ैदी बनाये जाने की सज़ा दी । मनस्सी तौबा करके ख़ुदा के क़रीब आया और सब बुत परस्ती की क़ुर्बानगाहों को बर्बाद कर दिया।
- 'अज़्रा के वक़्त में भी मनस्सी नाम के दो आदमी थे। उन्हें अपनी-अपनी ग़ैर क़ौमों की बीवियों को तलाक़ देना पड़ा था क्यूँकि उन्होंने बुत परस्ती पर ज़ोर डाला था।
- मनस्सी नाम का एक और आदमी था वह दान की औलादों में कुछ का दादा था, वह झूठे मा'बूदों के पुजारी थे ।

(तर्जुमा की सलाहनामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: क़ुर्बानगाह, दान, इफ़्राईम, 'अज़्रा, झूठे मा’बूद, या’क़ूब, यहूदा, बुत परस्त, इस्राईल के बारह क़बीले)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तवारीख़ 15:8-9
- इस्तिसना 03:12-13
- पैदाइश 41:50-52
- पैदाइश 48:1-2
- क़ुज़ात 01:27-28

## शब्दकोश:

- Strong's: H4519, H4520, G3128

# मरयम

## सच्चाई:

मरयम हारून और मूसा की बड़ी बहन थी।

- जब वह जवान थी तब उसकी माँ ने उसे हुक्म दिया था कि वह नील नदी के सरकंडों के बीच टोकरी में रखे भाई मूसा की निगरानी करे। फिर'औन की बेटी ने उस लड़के को उठा लिया उसने उसकी देखरेख के लिए किसी लौंडी की ज़रूरत पड़ी तब मरयम ने अपनी माँ को हाज़िर किया था।
- जब इस्राईली लाल समन्दर पार कर चुके तब मिस्रियों से बच जाने के इस मक़सद में और ख़ुदा को मुबारकबाद देने के लिए मरयम ने ख़ुशी में मस्त होकर नाच किया था।
- सालों बा'द जब इस्राईली जंगल में थे तब मरयम और हारून ने मूसा की बुराई की क्यूँकि उसने एक कूशी 'औरत से शादी की थी ।
- उसको बग़ावत और मूसा की बुराई करने की सज़ा देकर ख़ुदा ने उसे कोढ़ी कर दिया था। लेकिन मूसा के ज़रिए' उसके लिए दु'आ करने पर ख़ुदा ने उसे कोढ़ से आज़ादी 'अता की।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा )

(यह भी देखें: हारून, कूश, मादाख़िलत करना, मूसा, नील नदी, फिर'औन, बाग़ी )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे:

- 1 तवारीख़ 06:1-3
- इस्तिसना 24:8-9
- मीकाह 06: 3-5
- गिनती 12:1-3
- गिनती 20:1

## शब्दकोश:

- Strong's: H4813

# मरियम (मार्था की बहन)

## सच्चाई:

मरियम बैत’अनिन्याह की रहने वाली थी जो 'ईसा की शागिर्द थी।

- मरियम की बहन मार्था और भाई लाज़र भी 'ईसा के मानने वाले थे।
- 'ईसा ने कहा कि उसकी ता'लीमों को सुनना मरियम को बहुत पसन्द था, बजाए इसके कि मार्था उसके लिए खाने के लिए फ़िक्र करती।
- मरियम के भाई लाज़र ही को तो 'ईसा ने दोबारा ज़िंदा किया था।
- कुछ वक़्त के बा'द जब 'ईसा बैत’अनिन्याह में किसी के घर खाना खा रहा था तब उसकी 'इबादत में मरियम ने 'ईसा के पैरों पर बेशक़ीमती 'इत्र डाला था।
- 'ईसा ने उसकी ता'रीफ़ करते हुए कहा था कि वह उसके दफ़्न की तैयारी में थी।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बैत’अनिन्याह, लोबान, लाज़र, मार्था)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- यूहन्ना 11:1-2
- यूहन्ना 12:1-3
- लूक़ा 10:38-39

## शब्दकोश:

- Strong's: G3137

# मरियम मगदलीनी

## सच्चाई:

मरियम मगदलीनी उन सब 'औरतों में से एक थी जो 'ईसा में ईमान करती थी और उसकी ख़िदमत में उसके साथ रहती थी। वह 'ईसा के ज़रिए' सात बदरूहों से आज़ादी पाने के लिए मशहूर थी।

- मरियम मगदलीनी और दूसरी कुछ 'औरतें 'ईसा और उसके शागिर्दों को मदद करती थी।
- वह 'ईसा को मुर्दों में से जी उठने के बा'द देखनेवाली सबसे पहली 'औरत थीं।
- जब मरियम मगदलीनी खाली क़ब्र के बाहर खड़ी थी तब उसने 'ईसा को वहाँ खड़े देखा और 'ईसा ने उससे कहा कि वह जाकर शागिर्दों से कहे कि वह जी उठा है।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बदरूह, बदरूहों से भरा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- लूक़ा 08: 1-3
- लूक़ा 24:8-10
- मरकुस 15:39-41
- मत्ती 27:54-56

## शब्दकोश:

- Strong's: G3094, G3137

# मरियम, 'ईसा की माँ

## सच्चाई:

मरियम एक जवान 'औरत थी जो नासरत में रहती थी। उसकी मंगनी यूसुफ़ से हुई थी। ख़ुदा ने मरियम को चुना कि वह ख़ुदा के बेटे 'ईसा मसीहा की माँ बने,।

- पाक रूह ने रूहानी तरीक़े से मरियम को हामला किया जब कि वह कुँवारी थी।
- फ़रिश्ते ने मरियम से कहा था कि उसका बेटा ख़ुदा का बेटा है और उसका नाम 'ईसा रखा जाए।
- मरियम ख़ुदा से मुहब्बत करती थी और उसके इस फ़ज़ल के लिए उसने ख़ुदा को मुबारकबाद दी ।
- यूसुफ़ ने मरियम से शादी की लेकिन वह 'ईसा की पैदाइश तक कुँवारी ही थी।
- मरियम ने चरवाहों और नजूमियों के ज़रिए' बच्चे 'ईसा के लिए कही गईं बातों को मन में बसा लिया था।
- यूसुफ़ और मरियम 'ईसा को सुपुर्द करने के लिए हैकल में ले गए। * वह 'ईसा को हेरोदेस के हाथों क़त्ल से बचाने के लिए मिस्र ले गए थे। आख़िर में वह नासरत लौट आए।
- जब 'ईसा बालिग़ हो गया तब उसने कन'आन में एक शादी के जशन में पानी को शराब में तब्दील कर दिया, मरियम भी वहाँ थी।
- इन्जील में यह भी लिखा है कि 'ईसा के सलीब पर चढ़ाने के वक़्त मरियम भी वहाँ थी। 'ईसा ने अपने शागिर्द यूहन्ना को हुक्म दिया कि वह मरियम को अपनी माँ के जैसा संभाले।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: कन’आन, मिस्र, हेरोदेस बड़ा, 'ईसा, यूसुफ़ (नया ‘अहद नामा), ख़ुदा का बेटा , कुंवारी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- यूहन्ना 02:3-5
- यूहन्ना 02:12
- लूक़ा 01:26-29
- लूक़ा 01:34-35
- मरकुस 06:1-3
- मत्ती 01:15-17
- मत्ती 01:18-19

## किताब-ए-मुक़द्दस कहानियों से मिसालें:

- **22:04** जब इलीशबा छ: माह हाम्ला थी, वही फ़रिश्ता इलीशबा की ख़ानदानी **मरियम** के पास गया | वह एक कुँवारी थी जिसकी मंगनी यूसुफ़ नाम के आदमी के साथ हुई थी | फ़रिश्ता ने उससे कहा, “तू हाम्ला होगी, और तेरे एक बेटा पैदा होगा | ” “तू उसका नाम 'ईसा रखना |वह महान होगा और ख़ुदावन्द का बेटा कहलाएगा और हमेशा के लिए हुकूमत करेगा |”
- **22:05** फ़रिश्ता ने उसको उत्तर दिया, “पाक रूह तुझ पर उतरेगा, और ख़ुदावन्द की क़ूव्वत तुझ पर साया करेगी | इसलिए वह पाक हैजो पैदा होनेवाला है, ख़ुदा का बेटा कहलाएगा |” जो कुछ फ़रिश्ता ने **मरियम** से कहा, उसने उस पर यक़ीन किया |
- **22:06** फ़रिश्ते ने मरियम से बात की, उसके कुछ वक़्त बा'द वह इलीशबा से मुलाक़ात करने को गई | जैसे ही इलीशबा ने **मरियम** का सलाम सुना, वैसे ही बच्चा उसके पेट में उछला |
- **23:02** फ़रिश्ते ने उससे कहा, “ऐ यूसुफ़ ! तू अपनी बीवी **मरियम** को यहाँ ले आने से मत डर, क्यूँकि जो उसके हमल में है, वह पाक रूह की तरफ़ से है |
- **23:04** तब यूसुफ़ और **मरियम** भी एक लम्बा सफ़र तय करके नासरत को गए, क्यूँकि यूसुफ़ दाऊद के घराने और नसल का था, गलील के नासरत शहर से यहूदिया में दाऊद के शहर बैतलहम को गया |
- **49:01** एक फ़रिश्ते ने **मरियम** नाम की एक कुंवारी से कहा कि वह ख़ुदा के बेटे को जन्म देगी | तब जबकि वह एक कुँवारी ही थी, तो उसने एक बेटे को जन्म दिया और उसका नाम 'ईसा रखा |

## शब्दकोश:

- Strong's: G3137

# मर्दकै

## सच्चाई:

मर्दकै फ़ारस में एक यहूदी आदमी था। वह अपनी बहन आस्तर का मुहाफ़िज़ था, आस्तर बा'द में फ़ारसी बादशाह अख़्सूयरस की बीवी हुई थी।

- बादशाह के महल में ख़िदमत करते वक़्त मर्दकै ने रि'आया के कुछ लोगों को बादशाह को क़त्ल करने की साज़िश करते सुना। उसने बादशाह को इसकी ख़बर दी और बादशाह की जान बच गई।
- कुछ वक़्त बा'द मर्दकै ने फ़ारस में यहूदियों के हलाक की साज़िश को भी सुना। उसने आस्तर से कहा कि वह अपने लोगों को बचाने के लिए बादशाह से बात करे।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा)

(यह भी देखें: अख़्सूयरस, बाबुल, आस्तर, फ़ारस)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- आस्तर 02:5-6
- आस्तर 03:5-6
- आस्तर 08:1-2
- आस्तर 10:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H4782

# मलाकी

## सच्चाई:

मलाकी यहूदा मुल्क में ख़ुदा का एक नबी था। वह मसीह के आने से 500 साल पहले का था।

- मलाकी उस वक़्त नबूव्वत कर रहा था जब यहूदी बाबुल से लौटकर हैकल को दोबारा तैयार कर रहे थे।
- 'अज़्रा और नहेमियाह मलाकी के वक़्त के ही थे।
- मलाकी की किताब पुराने 'अहद नामे की आख़िरी किताब है।
- पुराने 'अहद नामे के सब नबियों की तरह मलाकी ने भी गुनाह से तौबा की और यहोवा की 'इबादत में लौट आने का 'ऐलान किया था।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बाबुल, क़ैदी, 'अज़्रा, यहूदा, नहेमियाह, नबी, तौबा करना, मुड़ना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- मलाकी 01:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H4401

# मसक

## सच्चाई:

मसक पुराने 'अहद नामे में दो आदमियों के नाम थे।

- एक मसक तो येपेत का बेटा था।
- दूसरा मसक सिम का पोता था।
- मसक एक जगह का नाम भी था जो शायद इन दो में से एक के नाम से पड़ा था।
- शायद यह 'इलाक़ा एक हिस्सा आज के तुर्किस्तान में था।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: येपेत, नूह, सिम)

## किताब-ए-मुकद्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 01:5-7
- हिज़्क़ीएल 27:12-13
- पैदाइश 10:2-5
- ज़बूर 120:5-7

## शब्दकोश:

- Strong's: H4851, H4902

# मसोपतामिया,अरम्नहरैम

## सच्चाई:

मसोपतामिया वह ’इलाक़ा है जो हिद्देकेल और फ़रात नदियों के दरमियान का ज़मीनी हिस्सा है। यह जगह आज के ईराक़ में है।

- पुराने 'अहद नामे में इस 'इलाक़े को अरम्नहरैम कहते थे।
- “मसोपतामिया” का मतलब है “नदियों के बीच”। * “अरम्नहरैम” का मतलब है, “दो नदियों का अराम”
- इब्राहीम मसोपतामिया 'इलाक़ा ऊर और हारान में रहता था, इससे पहले कि वह कन'आन के लिए रवानगी करता।
- मसोपतामिया का एक और ख़ास शहर बाबुल था।
- “क़सदियों” का मुल्क भी मसोपतामिया में था।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: अराम, बाबुल, क़सदी, फ़रात नदी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 02:8-11
- रसूलों के 'आमाल 07:1-3
- पैदाइश 24:10-11

## शब्दकोश:

- Strong's: H763, G3318

# मा'का

## सच्चाई:

मा'का इब्राहीम के भाई नाहोर के बेटों में से एक था। पुराने 'अहद नामे में इस नाम के और भी आदमी हुए हैं।

- मा’का या बेत मा'का शहर इस्राईल के दूर उत्तर में नफ़्ताली क़बीले के 'इलाक़े में था।
- यह एक ख़ास शहर था और दुश्मन बार-बार उस पर हमला करते थे।
- मा'का कई 'औरतों का नाम था, जिनमें दाऊद के बेटे अबीसलोम की माँ भी थी।
- बादशाह आसा ने अपनी माँ मा'का को रानी के ‘उहदे से हटा दिया था क्यूँकि उसने असूरा की बुत परस्ती शुरू' कर दी थी।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: आ'सा, असूरा, नहोर, नफ़्ताली, इस्राईल के बारह क़बीले )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

## शब्दकोश:

- Strong's: H4601

# मादियों, मादी

## सच्चाई:

मादी सल्तनत एक पुरानी सल्तनत थी जो असूर मुल्क और बाबुल के पूरब में और एलाम और फ़ारस के उत्तर में थी। मादी मुल्क के लोग “मादियों” कहलाते थे।

- मादी सल्तनत में आज के तुर्किस्तान, सीरिया, ईराक़ और अफ़गानिस्तान के कुछ हिस्से थे।
- मादी लोग फ़ारसियों के क़रीबी रिश्ते में थे और दोनों की फ़ौजों ने एक साथ मिलकर बाबुल को फ़तह किया था।
- बाबुल पर मादी घराने के बादशाह दारा ने हमला किया था जब दानिएल नबी बाबुल में था।

(तर्जुमा की सलाह:नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: असूर, बाबुल, सलीब, दानिएल, दारा, एलाम, फ़ारस)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 सलातीन 17:4-6
- रसूलों के 'आमाल 02:8-11
- दानिएल 05:25-28
- आस्तर 01:3-4
- 'अज़्रा 06:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H4074, H4075, H4076, H4077, G3370

# मार्था

## सच्चाई:

मार्था बैत' अनिन्याह की रहने वाली थी जो 'ईसा की मानने वाली थी।

- मार्था की बहन मरियम और भाई लाज़र भी 'ईमा के मानने वाले थे।
- एक बार 'ईमा उनके घर गया तब मार्था खाना तैयार करने में मशगूल हो गई लेकिन मरियम 'ईमा के पास बैठकर उसकी ता'लीम सुनने लगी।
- लाज़र की मौत पर मार्था ने 'ईमा के सामने क़ुबूल किया कि वह ख़ुदा का बेटा है।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: लाज़र, मरियम (मार्था की बहन))

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- यूहन्ना 11:1-2
- यूहन्ना 12:1-3
- लूक़ा 10:38-39

## शब्दकोश:

- Strong's: G3136

# मालिक-ए-सिदक़

## सच्चाई:

इब्राहीम के वक़्त में मालिक-ए-सिदक़ सालिम का बादशाह था। (बा’द में , यरूशलीम का)

- मालिक-ए-सिदक़ के नाम का मतलब है, “ रास्तबाज़ी का बादशाह” और “सालिम का बदशाह” पद्वी का मतलब है, “अमन का बादशाह ”।
- उसे “सबसे बड़ा ख़ुदा का काहिन” भी कहा गया है।
- मालिक-ए-सिदक़ का नाम कलाम में पहली बार तब आया था जब उसने अब्राम को रोटी और मय दिया था, उसके भतीजे लूत को उन ताक़तवर बादशाहों से छुड़ाकर लाने के बाद। अब्राम ने मालिक-ए-सिदक़ को अपनी लूट के माल का दसवां हिस्सा दिया था।
- नये 'अहद नामे में मालिक-ए-सिदक़ को ऐसे शख़्स की शक्ल में बयान किया गया है जिसका कोई माँ बाप नहीं। उसे हमेशा के लिए हुकूमत करनेवाला काहिन और बादशाह कहा गया है।
- नये 'अहद नामे में 'ईसा को “ मालिक-ए-सिदक़ के तौर पर” काहिन कहा गया है। 'ईसा लावियों की नस्ल से नहीं था बल्कि इस्राईल के काहिन थे । उसका काहिन होना ख़ुदा से था जैसा मालिक-ए-सिदक़ का था।
- कलाम में उसके इस बयान के तौर पर मालिक-ए-सिदक़ एक इन्सानी काहिन था जो ख़ुदा के ज़रिए' चुना गया था, ‘ईसा अमन और रास्तबाज़ी का हमेशा का बादशाह और हमारा 'आला सरदार काहिन।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें:इब्राहीम , हमेशा, सरदार काहिन, यरूशलीम, लावी, काहिन, मज़हबी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 14:17-18
- 'इब्रानियों 06:19-20
- 'इब्रानियों 07:15-17
- ज़बूर 110:4

## शब्दकोश:

- Strong's: H4442, G3198

# मिदियान, मिदियानी, मिदियानियों

## सच्चाई:

मिदियान इब्राहीम और उसकी बीवी कतूरा का बेटा था। यह एक क़ौम और जगह का भी नाम पड़ गया जो कन'आन के दक्खिन में अरब के रेगिस्तान के उत्तर में था। इस क़ौम के लोग मिदियानी थे।

- जब मूसा मिस्र से भागा था तब वह मिदियान मुल्क में ही गया था जहाँ उसकी मुलाक़ात यित्रों की बेटी से हुई थी जिसकी भेड़ों को पानी पिलाने में उसने मदद की थी। बा'द में मूसा ने यित्रों की बेटियों में से एक से शादी कर ली थी।
- यूसुफ़ को मिदियानी ताजिर ही ख़रीदकर मिस्र ले गए थे।

सालों बा'द मिदियानियों ने कन'आन मुल्क में इस्राईलियों पर हमला करके उन्हें लूटा था। गिदोन ने इस्राईलियों को लेकर उन्हें हराया था।

- आज की कई अरब-क़ोमें इनकी नसल हैं।

(देखें अरब, मिस्र, झुण्ड, गिदोन, यित्रो, मूसा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 07:29-30
- ख़ुरूज 02:15-17
- पैदाइश 25:1-4
- पैदाइश 36:34-36
- पैदाइश 37:27-28
- क़ुज़ात 07:1

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **16:03** लेकिन लोग ख़ुदा को भूलने लगे और दूसरे मा'बूदों के पीछे चलकर उनकी 'इबादत करने लगे | तो ख़ुदा ने पास के ही एक दुश्मनों के झुण्ड ने **मिदियानियों** को इजाज़त दी कि वह उन्हें शिकस्त करे |
- **16:04** **मिदियानियों** के डर के मारे इस्राईलियों ने पहाड़ो के गहरे खड्डों, और गुफ़ाओं, और क़िलों को अपने घर बना लिया
- **16:11** वह जन अपने साथी से कह रहा था, " कि इस ख़्वाब का मतलब यह हुआ कि गिदोन की फ़ौज हरा देंगी **मिदियानियों** की फ़ौज को |
- **16:14**परमेश्वर ने **मिदियानियों** को हक्का-बक्का कर दिया, अत: उन्होंने एक दूसरे पर आक्रमण करना व मारना शुरू कर दिया |

## शब्दकोश:

- Strong's: H4080, H4084, H4092

# मिस्र, मिस्री, मिस्रियों

## ता'रीफ़:

मिस्र अफ्रीक़ा के उत्तर पहले से कना'न के दख्खिन पश्चिम तक एक मुल्क है। मिस्री लोग मिस्र मुल्क का रहने वाला है।

- पुराने ज़माने में मिस्र एक ताक़तवर और अमीर मुल्क था।
- पहले मिस्र दो हिस्सों में तक़सीम था, कम मिस्र (श्माली हिस्सा जहाँ से नील नदी बहकर समन्दर में गिरती है) ऊंचीं तरफ़ मिस्र का (जनूबी हिस्सा )। पुराने 'अहद नामें में इन दोनों हिस्सों को "मिस्र" और "क़ादिस" कहा गया है।
- जब कना'न में खाने की कमी होती थी तब इस्राईल के बेटे खाना खरीदने मिस्र जाया करते थे।
- इस्राईली सैंकड़ों साल मिस्र में ग़ुलाम बन कर रहते थे।
- यूसुफ़ और मरियम भी अपने बच्चे 'ईसा को हेरोदेस 'अज़ीम से बचाने के लिए मिस्र चले गए थे।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: हेरोदेश 'अज़ीम, यूसुफ़ (नया 'अहद नामा), नील नदी, बाप)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 04:7-9
- रसूलों के 'आमाल. 07:9-10
- इस्तिसना 03:7-8
- पैदाईश 41:27-29
- पैदाईश 41:55-57
- मत्ती 02:13-15

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **08:04** और ताजिर यूसुफ़ को **मिस्र** ले गए। **मिस्र** नील नदी के किनारे वाक़े' एक बड़ा, ताक़तवर मुल्क था।
- **08:08** फ़िर'औन यूसुफ़ से बहुत मुता'अस्सिर हुआ, और उसे **मिस्र** का दूसरा सबसे ताक़तवर आदमी मुकर्रर किया।
- **08:11** या'क़ूब ने अपने बेटों को **मिस्र** से अनाज लाने के लिये भेजा।
- **08:14** या'क़ूब बुज़ुर्ग हो गया था, वह अपने ख़ानदान के साथ **मिस्र** मुल्क गया और वह सब वहाँ रहने लगे।
- **09:01** यूसुफ़ की मौत के बा'द में , उसके सभी रिश्तेदारों ने **मिस्र** में ही बस किया।

## शब्दकोश:

- Strong's: H4713, H4714, G124, G125

# मिस्फ़ाह

## सच्चाई:

मिस्फ़ाह पुराने 'अहद नामे में कई शहरों के नाम थे। इसका मतलब है, “निगरानी की जगह” या “चौकसी का गुम्बद”।

- जब दाऊद शाऊल से बच कर भाग रहा था तब उसने अपने माँ-बाप को मोआब के बादशाह के 'इलाक़े में मिस्फ़ाह में रखा था।
- मिस्फ़ाह नाम का एक समन्दर यहूदा और इस्राईल मुल्कों की सरहद पर था। वह एक ख़ास फ़ौजी मरक़ज़ था।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा)

(यह भी देखें: दाऊद, यहूदा, इस्राईल मुल्क , मोआब, शाऊल (पुराना ‘अहद नामा))

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 15:20-22
- 1 शमूएल 07:5-6
- 1 शमूएल 07:10-11
- यरमियाह 40:5-6
- क़ुज़ात 10:17-18

## शब्दकोश:

- Strong's: H4708, H4709

# मीकाएल

## सच्चाई:

ख़ुदा के सब फ़रमाबरदार मुक़द्दस फरिश्तों का हाकिम मीकाएल है। वही सिर्फ़ एक फ़रिश्ता है जिसे ख़ुदा ने फरिश्तों का हाकिम कहा जाता है।

- “हाकिम फ़रिश्ता” का मतलब है “फरिश्तों का सरदार” या “हुकूमत करनेवाला फ़रिश्ता”।
- मीकाएल एक सूरमा है जो ख़ुदा के दुश्मनों से जंग करके उसके लोगों की हिफ़ाज़त करता है।
- उसने फ़ारस की फ़ौज से जंग करने के लिए इस्राईल की रहनुमाई की थी। आख़िरी वक़्त में वह बुरी फ़ौज के ख़िलाफ़ इस्राईल की रहनुमाई करेगा जैसा उसने दानिएल से कहा था।
- कलाम में मीकाएल नाम के कई आदमी हुए है। कई आदमियों की पहचान “मीकाएल का बेटा” से की गई है।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा)

(यह भी देखें: फ़रिश्ता, दानिएल, क़ासिद, \फ़ारस]फ़ारस, फ़ारसियों)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- दानिएल 10:12-13
- दानिएल 10:20-21
- 'अज्रा 08:8-11
- मुक़ाशफ़ा 12:7-9

## शब्दकोश:

- Strong's: H4317, G3413

# मीकाह

## सच्चाई:

मीकाह, मसीह से 700 साल पहले यहूदा में यसा'याह ख़िदमत के वक़्त में यहूदा ही में एक नबी था। मीकाह नाम का एक और आदमी था जो क़ुज़ात के वक़्त में था।

- मीकाह की किताब पुराने 'अहद नामे के आख़िर में है।
- मीकाह ने असूरों के ज़रिए' सामरिया के बर्बादी की नबूव्वत की थी।
- मीकाह ने यहूदा की रि'आया को ख़ुदा की नाफ़रमानी के लिए झिड़का था और उन्हें हिदायत दी थी कि दुश्मन उन पर हमला करेंगे।
- उसकी नबूव्वत के आख़िर में ख़ुदा में उम्मीद का पैग़ाम भी था, ख़ुदा, जो वफ़ादार हैं और अपने लोगों की नजात करता है।
- क़ुज़ात की किताब में मीकाह नाम के एक आदमी की कहानी है जो इफ़्राईम में रहता और चाँदी के बुत बनाता था। एक जवान लावी काहिन उसके घर में रहने के लिए आया था, उसने उसके घर से वह बुत और दूसरे सामान चुराया और दान के एक गिरोह के साथ भाग गया था। आख़िर में वह लावी और दान की औलाद लैश शहर में जा बसे और उस चाँदी के बुत को खड़ा करके 'इबादत शुरू' कर दी।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा)

(यह भी देखें: असूर, दान, इफ़्राईम, झूठे मा'बूद, यसा'याह, यहूदा, मुंसिफ़, लावी, काहिन, नबी, सामरिया, चाँदी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- यरमियाह 26:18-19
- मीकाह 01:1
- मीकाह 06:1-2

{{tag>publish ktlink}

## शब्दकोश:

- Strong's: H4316, H4318

# मीसाएल

## सच्चाई:

मीसाएल पुराने 'अहद नामे में तीन आदमियों का नाम था।

- एक और आदमी जिसका नाम मीसाएल था, वह हारून का रिश्ते का भाई था। हारून के दो बेटों को ख़ुदा ने इसलिए क़त्ल करवा दिया था कि उन्होंने ख़ुदा के तरीक़े से अलग ख़ुशबू जलाई थी, उस वक़्त मीसाएल और उसके भाई को उनकी लाश ख़ेमे से बाहर ले जाने का काम सौंपा गया था।
- एक और आदमी जिसका नाम मीसाएल था 'अज़्रा के साथ खड़ा था जब वह ख़ुदा की शरी'अत, जो उन्हें मिली थी पढ़कर सबको सुना रहा था।
- जब इस्राईली बाबुल की ग़ुलामी में थे तब एक आदमी, मीसाएल को भी क़ैदी बनाकर वहां से ले जाया गया था। बाबुल के रहने वालों ने उसे "मेशक" नाम दिया था। उसने और उसके साथियों, अज़रियाह (शद्रक) और हनिन्याह (अबदनग़ू) ने बादशाह के बुत को सिज्दा करने से इन्कार कर दिया था जिसकी सज़ा के तौर पर उन्हें आग के भट्ठे में डाल दिया गया था।

( तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा )

(यह भी देखें: हारून, अज़रियाह, बाबुल, दानिएल, हनिन्याह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- दानिएल 01:6-7
- दानिएल 02:17-18

## शब्दकोश:

- Strong's: H4332, H4333

# मूसा

## सच्चाई:

मूसा एक नबी और इस्राईलियों का रहनुमा था, उसने 40 साल उनकी रहनुमाई की थी।

- बच्चे की हालत में मूसा के माँ-बाप ने उसे एक टोकरी में रखकर नील नदी के सरकंडों में बीच छोड़ दिया था, वह उसे मिस्र के फिर'औन से महफ़ूज़ रखना चाहते थे। मूसा की बहन मरयम उसकी रखवाली कर रही थी। मूसा की जान बच गई क्यूँकि फिर'औन की बेटी उसे अपने महल में ले गई कि अपना बेटा बनाकर उसकी परवरिश करे।
- ख़ुदा ने मूसा को चुना कि इस्राईलियों को मिस्र की ग़ुलामी से निकाल कर वा'दे के मुल्क में ले जाए।
- मिस्र से निकलने के बा'द जब इस्राईली जंगल में थे तब ख़ुदा ने मूसा को पत्थर की तख़्तियों पर लिखकर दस हुक्म दिए थे ।
- अपनी ज़िन्दगी के आख़िर में मूसा ने वा'दे के मुल्क को तो देखा लेकिन वहाँ दाख़िल नहीं हो पाया क्यूँकि उसने ख़ुदा के हुक्म के मुताबिक़ काम नहीं किया था।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: मरयम, वा’दे का मुल्क , दस हुक्म)

## किताब-ए-मुकद्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 07:20-21
- रसूलों के 'आमाल 07:29-30
- ख़ुरूज 02:9-10
- ख़ुरूज 09:1-4
- मत्ती 17:3-4
- रोमियो 05:14-15

## किताब-ए-मुकद्दस की कहानियों से मिसालें:

- **09:12** एक दिन, **मूसा** जब अपनी भेड़ो की देख रेख कर रहा था , तब उसने देखा कि किसी झाड़ी में आग लगी है |
- **12:05** **मूसा** ने लोगों से कहा, “डरो मत, ख़ुदा ख़ुद ही तुम्हारे लिये लड़ेगा और तुम्हे बचाएगा |”
- **12:07** ख़ुदा ने **मूसा** से कहा कि अपनी लाठी उठाकर अपना हाथ समन्दर के ऊपर बढ़ा और वह दो हिस्से हो जाएगा |
- **12:12** जब इस्राईलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने ख़ुदा पर भरोसा किया और ईमान करने लगे कि **मूसा** ख़ुदा का एक नबी है।
- **13:07**ख़ुदा ने यह दस हुक्म **मूसा** को दो पत्थर की तख़्तियों पर लिख के दे दीं |

\

## शब्दकोश:

- Strong's: H4872, H4873, G3475

# मैदान

## सच्चाई:

पुराने 'अहद नामे का लफ्ज़ "मैदान" बड़ा रेगिस्तान या'नी यरदन नदी के मैदानी 'इलाक़े के बारे में है और लाल समन्दर के उत्तरी किनारे तक जाता है।

- इस्राईली मिस्र से कन'आन के सफ़र में इस 'इलाक़े से होकर आए थे।
- "मैदानी समन्दर " का तर्जुमा हो सकता है, "मैदानी रेगिस्तान में मौजूद समन्दर"। इस समन्दर को हमेशा "नमक का समन्दर" या "लाल समन्दर" कहते हैं।
- "मैदान " लफ्ज़ किसी भी रेगिस्तान के बारे में भी हो सकता है।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा

(यह भी देखें: रेगिस्तान, नमक समन्दर, यरदन नदी, कन'आन, नमक का समन्दर, मिस्र)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 23:24-25
- 2 सलातीन 25:4-5
- 2 शमूएल 02:28-29
- यरमियाह 02:4-6
- अय्यूब 24:5-7
- जकरियाह 14:9-11

## शब्दकोश:

- Strong's: H1026, H6160

# मोआब, मोआबी, मोआबिन

## सच्चाई:

मोआब लूत की बड़ी बेटी का बेटा था। उस जगह का नाम मोआब पड़ गया था, जहाँ वह और उसके ख़ानदान वाले रहते थे।। “मोआबी” का मतलब है मोआब की औलाद या मोआब मुल्क के रहने वाले।

- मोआब मुल्क नमक के समन्दर के पूरब में था।
- मोआब मुल्क बैतलहम, जहाँ नाओमी का ख़ानदान रहता था, इसके दक्खिन पूरब में था।
- बैतलहम के रहने वाले रूत को मोआबिन कहते थे क्यूँकि वह मोआब मुल्क की थी। इस लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, “मोआबी 'औरत” या “मोआब मुल्क की औरत”

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बैतलहम, यहूदिया, लूत, रूत, नमक का तालाब)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 19:36-38
- पैदाइश 36:34-36
- रूत 01:1-2
- रूत 01:22

## शब्दकोश:

- Strong's: H4124, H4125

# मोलक, मोलक

## सच्चाई:

मोलक कन'आनियों का झूठा मा’बूद था जिसकी वह 'इबादत करते थे। उसे मोलक भी लिखा गया है।

- मोलक की 'इबादत करने वाले अपने बच्चों को उसके बुत के सामने क़ुर्बान करते थे।
- कुछ इस्राईली भी सच्चे ख़ुदा यहोवा को छोड़ कर मोलक की 'इबादत करने लगे थे। उन्होंने मोलक की 'इबादत करने वालों की बुरी आदतों पर 'अमल किया, जिसमें उनके बच्चों की क़ुर्बानी भी शामिल थी।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: कन'आन, बुराई, झूठे मा’बूद, ख़ुदावन्द, झूठे मा’बूद, क़ुर्बानी, सच्चाई, ‘इबादत, यहोवा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 11:7-8
- 2 सलातीन 23:10-11
- रसूलों के 'आमाल 07:43
- यरमियाह 32:33-35
- इस्तिसना 18:21

## शब्दकोश:

- Strong's: H4428, H4432, G3434

# मोफ़

## ता’अर्रुफ़:

मोफ़ नील नदी के किनारे मिस्र की पुरानी दारुल-सल्तनत थी।

- मोफ़ निचले मिस्र में नील नदी के मुहाने पर दक्खिन में था जहाँ ज़मीन बहुत उपजाऊ थी और फसलें बेहतार उगती थी।
- उसकी उपजाऊ ज़मीन और ऊपरी और निचले मिस्र के दरमियान उसकी हालात की वजह से यह शहर कारोबार और तिजारत के लिए एक कास शहर हो गया था।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा)

(यह भी देखें: मिस्र, नील नदी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- होसे'अ 09:5-6

## शब्दकोश:

- Strong's: H4644, H5297

# यबूस, यबूसी, यबूसियों

## सच्चाई:

यबूसी कन'आन मुल्क में रहनेवाली एक क़ौम थी। वह हाम के बेटे कन'आन की औलाद थे।

- यबूसी यबूस शहर के रहनेवाले थे। इस शहर का नाम बदलकर यरूशलीम रखा गया था जब दाऊद बादशाह ने इसे फ़तह कर लिया था।
- मलिक-ए-सिदक़, शालोम का बादशाह, शायद यबूसी क़ौम का था।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: कन'आन, हाम, यरूशलीम, मलिक-ए-सिदक़)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 01:13-16
- 1 सलातीन 09:20-21
- ख़ुरूज 03:7-8
- पैदाइश 10:15-18
- यसू'अ 03:9-11
- क़ुज़ात 01:20-21

## शब्दकोश:

- Strong's: H2982, H2983

# यरदन नदी, यरदन

## सच्चाई:

यरदन नदी उत्तर से दक्खिन की तरफ़ बहती है और कन'आन मुल्क की पूरबी सरहद बनाती है।

- आज यरदन नदी पश्चिम में इस्राईल और पूरब में यरदन को अलग करती है।
- यरदन नदी गलील समन्दर से बहती हुई मुर्दा समन्दर में गिरती है।
- यसू'अ जब इस्राईलियों को लेकर कन'आन आ रहा था तब उन्हें यरदन नदी पार करनी पड़ी थी। क्यूँकि पानी बहुत गहरा था ख़ुदावन्द ने यरदन नदी के बहाव को रोक दिया और इस्राईलियों ने उसे पार किया।

कलाम में यरदन नदी का बयान “यरदन ” से है।

(यह भी देखें: कन'आन, खारा तालाब, गलील समन्दर)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 32:9-10
- यूहन्ना 01:26-28
- यूहन्ना 03:25-26
- लूक़ा 03:3
- मत्ती 03:4-6
- मत्ती 03:13-15
- मत्ती 04:14-16
- मत्ती 19:1-2

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **15:02** इस्राईलियों को वा'दा की ज़मीनमें दाख़िल होने से पहले **यरदन नदी** को पार करना था।
- **15:03**जब सब इस्राईलियों ने **यरदन नदी** को पार कर लिया, तब ख़ुदा ने यसू'अ को बताया कि किस तरह से यरीहू के ताक़तवर शहर पर हमला करना है।
- **19:14** एलीशा ने उसे कहा, “तू जाकर **यरदन नदी** में सात बार डुबकी मार।”

## शब्दकोश:

- Strong's: H3383, G2446

# यरमियाह

## सच्चाई:

यरमियाह यहूदा मुल्क में ख़ुदावन्द का नबी था। पुराने 'अहद नामे में यरमियाह नाम की किताब में उसकी नबूव्वतें हैं।

दूसरे नबियों की तरह यरमियाह ने भी इस्राईलियों को ख़बरदार किया था कि ख़ुदा उनके गुनाहों की सज़ा देगा।

- यरमियाह की नबूव्वत के मुताबिक़ बाबुल, यरूशलीम को गुलाम बनाएगा, इस वजह से कई यहूदा के रहने वाले उससे ग़ुस्सा थे। नतीज़ा यह हुआ कि उन्होंने उसे एक सूखे कूएं में डाल दिया कि वह मर जाए। लेकिन यहूदा के बादशाह ने अपने ख़ादिमों को हुक्म देकर उसे कूएं में से निकलवाया।

यरमियाह ने लिखा कि वह चाहता था कि उसकी आंखें “आंसुओं का चश्मा” बन जाएं कि वह अपने लोगों के बग़ावत और दर्द पर गहरा ग़म बयान कर पाए।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बाबुल, यहूदा, नबी, बग़ावत, तकलीफ़ उठाना, कुंआ)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तवारीख़ 35:25
- यरमियाह 01:1-3
- यरमियाह 11:1-2
- मत्ती 02:17-18
- मत्ती 16:13-16
- मत्ती 27:9-10

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **19:17** एक बार **यरमियाह** नबी को सूखे कुएँ में डाल दिया और उसे वहाँ मरने के लिए छोड़ दिया। कुएँ में पानी नहीं सिर्फ़ दलदल थी, और **यरमियाह** कीचड़ में धंस गया, लेकिन तब बादशाह ने उस पर रहम किया और उसने अपने ख़ादिमों को हुक्म दिया कि मरने से पहले उसे कुएँ में से निकाल लाए।
- **21:05** _यरमियाह _ नबी के ज़रिए’, ख़ुदा ने वा'दा किया कि वह एक नई 'अहद बनाएगा लेकिन वह उस 'अहद के तरह न होंगी जो ख़ुदा ने इस्राईलियों के साथ सीनै पहाड़ पर बाँधी थी।

## शब्दकोश:

- Strong's: H3414, G2408

# यरीहू

## सच्चाई:

यरीहू कन'आन मुल्क में एक ताक़तवर शहर था। वह यरदन के पश्चिम में और मुर्दा समन्दर के उत्तर में था।

- दूसरे सब कन'आनियों की तरह यरीहू के रहने वाले भी बुत परस्त थे।
- यरीहू कन'आन मुल्क में पहला शहर था, जिसे ख़ुदावन्द ने इस्राईलियों को फ़तह करने के लिए कहा था।

जब यसू'अ ने यरीहू के ख़िलाफ़ इस्राईलियों की रहनुमाई की तब यरीहू को शिकस्त करने में ख़ुदावन्द ने अजीब मो'जिज़ा किया था।

(यह भी देखें: कन'आन, यरदन नदी, यसू'अ, मो'जिज़ा, खारे तालाब)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 06:77-79
- यसू'अ 02:1-3
- यसू'अ 07:2-3
- लूक़ा 18:35-37
- मरकुस 10:46-48
- मत्ती 20:29-31
- गिनती 22:1

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **15:01** यसू'अ ने दो जासूसों को कन'आनियों के शहर **यरीहू** में भेजा।
- **15:03** जब सब इस्राईलियों ने यरदन नदी को पार कर लिया, तब ख़ुदावन्द ने यसू'अ को बताया कि किस तरह से **यरीहू** के ताक़तवर शहर पर हमला करना है।
- **15:05** यरीहू की शहरपनाह नींव से गिर पड़ी! तब इस्राईलियों ने ख़ुदावन्द के हुक्म के मुताबीक़, जो कुछ उस शहर में था सब कुछ ख़त्म कर दिया।

## शब्दकोश:

- Strong's: H3405, G2410

# यरूशलीम

## सच्चाई:

यरूशलीम हक़ीक़त में एक पुराना कन'आनी शहर था जो बा'द में इस्राईल का एक ख़ास शहर बन गया था। यह शहर खारे तालाब के पश्चिम में 34 किलोमीटर दूर और बैतलहम के उत्तर में क़ायम है। यह शहर आज भी इस्राईल की दारुल सल्तनत है।

- "यरूशलीम" नाम सबसे पहले यसू'अ की किताब में आया है। इस शहर के दूसरे नाम जो पुराने 'अह्द नामे में हैं वह हैं, "शलूम", "यबूसियों का शहर" और "सिय्यून" यरूशलीम और शलूम दोनों लफ़्ज़ों का असल मतलब है, "अमन"।
- यरूशलीम असलमें यबूसी गढ़ था जिसका नाम "सिय्यून" था, बादशाह दाऊद ने इस शहर को फ़तह कर अपनी दारुल सल्तनत बना लिया था।
- दाऊद बादशाह के बेटे , सुलैमान ने सबसे पहला हैकल यरूशलीम में मोरियाह पहाड़ पर बनाया था। मोरियाह पहाड़ वह जगह थी जहाँ इब्राहीम ने अपने बेटे, इस्हाक़ की क़ुर्बानी पेश थी। बाबुल की फ़ौज के ज़रिए' हैकल को बर्बाद करने के बा'द दुबारा फिर तैयार किया गया था।
- हैकल यरूशलीम में था इसलिए यहूदियों के ख़ास 'ईद वहीं मनाई जाती थी।
- लोग कहते थे कि वह ऊपर यरूशलीम को जा रहे हैं क्यूँकि यह शहर पहाड़ पर बसा हुआ था।

(यह भी देखें:बाबुल, मसीह, दाऊद, यबूसी, 'ईसा, सुलैमान, हैकल, सिय्यून)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- गलातियों 04:26-27
- यूहन्ना 02:13-14
- लूक़ा 04:9-11
- लूक़ा 13:4-5
- मरकुस 03:7-8
- मरकुस 03:20-22
- मत्ती 03:4-6
- मत्ती. 04:23-25
- मत्ती 20:17-19

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **17:05** दाऊद ने **यरूशलीम** पर फ़तह हासिल की और उसे अपनी दारुल सल्तनत बनाया।
- **18:02 यरूशलीम** में, सुलैमान ने अपने बाप के मन्सूबे के मुताबिक़ एक हैकल बनाने का इरादा किया और उसके लिए समान जमा' किया।
- **20:07** उन्होंने **यरूशलीम** को फ़तह कर लिया, मंदिर को बर्बाद कर दिया, और शहर व मंदिर की सभी क़ीमती चीज़ों को उनसे छीन कर ले गए।
- **20:12** लिहाज़ा सत्तर साल जिला वतनी के बा'द, यहूदियों का एक छोटा गिरोह **यरूशलीम** को वापस लौट आया।
- **38:01** 'ईसा मसीह के 'आम ता'लीमों के तीन साल बा'द अपनी पहली ता'लीम शुरू की। 'ईसा ने अपने शागिर्दों से कहा कि वह **यरूशलीम** में उनके साथ फ़सह का 'ईद मनाना चाहता था, और यह वही जगह है जहाँ उसे मार डाला जाएगा।
- **38:02** 'ईसा और शागिर्दों के _ यरूशलीम_ में पहुँचने के बा'द यहूदा यहूदी रहनुमा के पास गया और पैसों के बदले 'ईसा के साथ धोकेबाज़ी करने का बात रखी।
- **42:08** " किताब-ए-मुक़द्दस में यह भी लिखा था कि मेरे शागिर्द 'एलान करेंगे कि हर एक को गुनाहों की मु'आफ़ी हासिल करने के लिये तौबा करना चाहिए। वह **यरूशलीम** से इसकी शुरु'आत करेंगे और हर जगह सब क़ौमों में जायेंगे, तुम इन सब बातों के गवाह हो।"
- **42:11** 'ईसा के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बा'द, उसने अपने शागिर्दों से कहा कि तुम यरूशलीम में ही रहना जब तक कि मेरे बाप तुम्हे पाक रूह की ताक़त तुम्हे न दें।"

## शब्दकोश:

- Strong's: H3389, H3390, G2414, G2415, G2419

# यशू'अ

## सच्चाई:

कलाम में यशू'अ नाम के कई इस्राईली आदमी हुए हैं। सबसे ज़्यादा मशहूर नून का बेटा यशू'अ है, वह मूसा का मददगार था और ख़ुदावन्द के लोगों का एक ख़ास रहनुमा हुआ था।

- यशू'अ उन बारह जासूसों में से एक था जिन्हें मूसा ने वा'दे के मुल्क की जानकारी लेने के लिए भेजा था।
- क़ालिब के साथ यशू'अ ने इस्राईलियों से वा'दा किया कि वह ख़ुदावन्द के हुक्म मानकर वा'दे के मुल्क में दाख़िल होकर उसे कन'आनियों से फ़तह कर लें।
- सालों बा'द जब मूसा की वफ़ात हो गई तब ख़ुदावन्द ने यशू'अ को मुक़र्रर किया कि वह इस्राईलियों को वा'दे के मुल्क में लेकर जाए।
- कन'आनियों के ख़िलाफ़ पहली और बहुत मशहूर जंग में यशू'अ ने यरीहू को फ़तह करने में इस्राईलियों की रहनुमाई की थी।
- पुराने 'अहद नामे में यशू'अ की किताब में बयान किया गया है कि यशू'अ ने वा'दे के मुल्क पर इख़्तियार और इस्राईल के हर एक क़बीले को रहने के लिए ज़मीनें दीं थीं ।
- योसदाक का बेटा यशू'अ सरदार काहिन का ज़िक्र हज्जी और ज़करियाह की किताबों में किया गया है, उसने यरूशलीम की शहरपनाह के दोबारा तेयार कराने में मदद की थी।
- यशू'अ नाम के दूसरे कई आदमी हुए हैं जिनका बयान नसब नामों और कलाम में कई जगहों में किया गया है।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: कन'आन, हज्जी, यरीहू, मूसा, वा'दे के मुल्क, ज़करियाह (पुराना 'अहद नामा))

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 07:25-27
- इस्तिसना 03:21-22
- ख़ुरूज 17:8-10
- यशू'अ 01:1-3
- गिनती 27:18-19

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **14:04**जब इस्राईली कन'आन की सरहद पर पहुँचे, तब मूसा ने बारह आदमियों को चुना इस्राईल के हर क़बीले में से उसने उन आदमियों को हुक्म दिया कि जाओ और ज़मीन का पता लगाओ कि वह कैसी दिखती है।
- **14:06** फ़ौरन ही कालेब और **यशू'अ**, दूसरे दो जासूस कहने लगे, "हाँ यह सही है कि कन'आन के लोग लम्बे और मज़बूत है , लेकिन हम यक़ीनी तौर पर उन्हें शिकस्त कर देंगे !
- **14:08** उनमें से कालेब और **यशू'अ** को छोड़ जितने बीस साल के या उससे ज़्यादा 'उम्र के जितने शुमार किए गए थे ,और मुझ पर बुड़बुड़ाते थे, कोई भी उस मुल्क में न जाने पाएगा, जिसके बारे मैं ने क़सम खाई है ,कि तुम को उसमें बसाऊँगा।
- **14:14** मूसा बहुत उम्र दराज़ हो गया था, उसकी मदद करने के लिए ख़ुदावन्द ने **यशू'अ** को चुना जिससे वह लोगों का रास्ता तैयार कर सके।
- **14:15 यशू'अ** एक अच्छा रहनुमा था क्यूँकि वह ख़ुदावन्द पर ईमान करता था व उसके हुक्मों पर 'अमल करता था।
- **15:03** जब सब इस्राईलियों ने यरदन नदी को पार कर लिया, तब ख़ुदावन्द ने **यशू'अ** को बताया कि किस तरह से यरीहू के ताक़तवर शहर पर हमला करना है।

## शब्दकोश:

- Strong's: H3091, G2424

# यसा'याह

## सच्चाई:

यसा'याह ख़ुदा का नबी था जिसने यहूदा में चार बादशाहों की बादशाहत में ख़िदमत की थी। उज़्ज़ियाह, यूताम, आख़ज़ और हिज़क़ियाह

- जब असूर हिज़क़ियाह के वक़्त में शहर पर हमला कर रहे थे तब वह यरूशलीम में रह रहा था।
- पुराने 'अहद नामे की किताब यसा'याह कलाम की बड़ी ख़ास किताब में से एक है।
- यसा'याह ने कई नबूव्वतें की थीं जो लिखी है जो उसकी ज़िन्दगी ही में पूरी हो गईं थीं ।
- यसा'याह मसीह की नबूव्वत के लिए ख़ास करके जाना जाता है, जो 700 साल बा'द 'ईसा के वक़्त में पूरी हुई थी।
- 'ईसा और उसके शागिर्दों ने यसा'याह की नबूव्वतों के ज़रिए' लोगों को मसीह के बारे में ता'लीम दी थी।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: आख़ज़, असूर, मसीह, हिज़क़ियाह , यूताम, यहूदा, नबी, उज़्ज़ियाह )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 सलातीन 20:1-3
- रसूलों के 'आमाल 28:25-26
- यसा'याह 01:1
- लूक़ा 03:4
- मरकुस 01:1-3
- मरकुस 07:6-7
- मत्ती 03:1-3
- मत्ती 04:14-16

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **21:09 यसा'याह** नबी ने नबूव्वत की थी , कि एक कुँवारी से मसीह पैदा होगा।
- **21:10 यसा'याह** नबी ने कहा कि मसीह गलील में रहेगा, वह ग़म जदह लोगों को अमन देगा और ग़ुलामों के लिए आज़ादी का और क़ैदियों को छुटकारा देगा।
- **21:11 यसा'याह** नबी ने यह भी नबूव्वत की कि मसीह से लोग बिना वजह के 'अदावत करेंगे और उसे नज़र अन्दाज़ करेंगे।
- **21:12 यसा'याह** ने नबूव्वत की थी, कि लोग मसीह के ऊपर थूकेंगे, उसकी मज़ाक़ उड़ाएँगे, और उसे मारेंगे।
- **26:02** उसे('ईसा)**यसा'याह** नबी की किताब दी गयी कि वह उसमे से पढ़े। 'ईसा ने किताब खोल दी और लोगों को इसके बारे में पढ़कर सुनाया।
- **45:08** जब फ़िलिप्पुस रथ के पास पहुँचा, उसने कूश मुल्क के हाकिमों को **यसा'याह** नबी की किताब से पढ़ते हुए सुना।
- **45:10** फिर फ़िलिप्पुस ने उसे समझाया कि **यसा'याह** यह 'ईसा मसीह के बारे में बता रहा है।

## शब्दकोश:

- Strong's: H3470, G2268

# यस्सी

## सच्चाई:

यस्सी बादशाह दाऊद का बाप और रूत और बो'अज़ का पोता था।

- यस्सी यहूदा के क़बीले का था।
- वह "एफ़्राती" था या'नी एफ़्राता (बैतलहम) शहर का रहने वाला था।
- नबी यसा'याह ने एक "जड़" या "डाली" की नबूव्वत की थी, कि वह "यस्सी की जड़" से फूट निकलेगी और सरसब्ज़ न होगी। यह 'ईसा के बारे में था क्यूँकि वह यस्सी की औलाद था।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बैतलहम, बो'अज़, औलाद, फल, 'ईसा, बादशाह, नबी, रूत, इस्राईल के बारह क़बीले)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 02:9-12
- 1 सलातीन 12:16-17
- 1 शमूएल 16:1
- लूक़ा 03:30-32
- मत्ती 01:4-6

## शब्दकोश:

- Strong's: H3448, G2421

# यहुयक़ीम

## सच्चाई:

यहुयक़ीम यहूदा का बादशाह था।

- यहुयक़ीम 18 साल की 'उम्र में बादशाह बन गया था। वह सिर्फ़ तीन महीने ही हुकूमत कर पाया था कि बाबुल की फ़ौज ने उसे क़ैदी बनाकर बाबुल ले गई।
- इस छोटे से हुकूमत के वक़्त ही में यहुयक़ीम ने अपने दादा मनस्सी और बाप यहुयक़ीम की नज़र में बुरे काम किए।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बाबुल, यहुयक़ीम, यहूदा, मनस्सी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तवारीख़ 36:8
- 2 सलातीन 24:15-17
- आस्तर 02:5-6
- हिज़्क़ीएल 01:1-3
- यरमियाह 22:24-26
- यरमियाह 37:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H3078, H3112, H3204, H3659

# यहूदा

## सच्चाई:

यहूदा या'कूब के बारह बेटों में से एक था। उसकी माँ का नाम लिआ: था। उसकी नसल “यहूदा का क़बीला” कहलाते थे।

- यहूदा ने ही अपने भाइयों को मशवरा दिया था कि यूसुफ़ को गड्ढे में मरने के लिए छोड़ने की बदले उसे बेच दिया जाए।
- बादशाह दाऊद और उसके बा'द के सब बादशाह यहूदा की नसल थे। 'ईसा भी यहूदा की नसल था।
- सुलैमान के बा'द जब इस्राईल मुल्क का बटवारा हो गया था तब यहूदा मुल्क इस्राईल का दक्खिनी 'इलाक़ा हुआ।
- नये 'अहद नामे में मुक़ाश्फ़ा की किताब 'ईसा को “यहूदा का सींग” कहा गया है।
- “यहूदी” और “यहूदिया” लफ़्ज़ “यहूदा” से ही बने लफ़्ज़ हैं।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: या'क़ूब, यहूदी, यहूदा, यहूदिया, इस्राईल के बारह क़बीले )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 02:1-2
- 1 सलातीन 01:9-10
- पैदाइश 29:35
- पैदाइश 38:1-2
- लूक़ा 03:33-35
- रूत 01:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H3063

# यहूदा इस्करियोती

## सच्चाई:

यहूदा इस्करियोती 'ईसा के शागिर्दों में से एक था। उसने 'ईसा को धोका करके यहूदी रहनुमाओं के हाथों पकड़वा दिया था।

- इस्करियोती का मतलब हो सकता है, “कारियोथ का रहनेवाला ” शायद यूहदा उस शहर में पाला- पोसा गया था।
- यहूदा इस्करियोती शागिर्दों का पैसा संभालता था और शायद उसमें से चोरी भी करता था।
- यहूदा ने मज़हब के रहनुमाओं को उसका पता बताकर उससे धोकेबाज़ी की और इस तरह उन्होंने 'ईसा को क़ैदी बना लिया।
- जब मज़हब के रहनुमाओं ने 'ईसा को सज़ा-ए-मौत के लायक़ ठहरा दिया तब 'ईसा के साथ धोकेबाज़ी करने क लिए यहूदा पछताया और यहूदी रहनुमाओं का पैसा लौटाकर ख़ुदकशी कर ली।
- एक और शागिर्द का नाम यहूदा था और 'ईसा के भाई का नाम भी यहूदा था। 'ईसा के भाई को भी यहूदा कहा जाता है ।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा)

(यह भी देखें:रसूल, पकड़वाना, यहूदी रहनुमा, या’क़ूब का बेटा यहूदा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- लूक़ा 06:14-16
- लूक़ा 22:47-48
- मरकुस 03:17-19
- मरकुस 14:10-11
- मत्ती 26:23-25

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **38:02** ''ईसा के शागिर्दों में से एक **यहूदा** नाम का आदमी था । ...'ईसा और शागिर्दों के यरूशलीम में पहुँचने के बा'द **यहूदा** यहूदी रहनुमाओं के पास गया और पैसों के बदले 'ईसा के साथ धोकेबाज़ी करने की बात रखी।
- **38:03** यहूदी रहनुमाओं ने हाकिम काहिन की ज़िम्मेदारी में 'ईसा को धोखा देने के लिये उसे तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए।
- **38:14** **यहूदा** हाकिम काहिनों फ़ौजियों और एक बड़ी भीड़ को तलवार और लाठियों के साथ लाया। **यहूदा** 'ईसा के पास आया और कहा, “ नमस्कार, उस्ताद,” और उसे चूमा।
- **39:08** इसी दौरान जब **यहूदा**, धोकेबाज़ ने देखा कि यहूदी काहिन 'ईसा को क़ुसूरवार साबित कर के उसे मारना चाहते है। यह देख यहूदा ग़म से भर गया और खुद को मार डाला।

## शब्दकोश:

- Strong's: G2455, G2469

# यहूदाह, यहूदाह की बादशाही

## सच्चाई:

यहूदाह का क़बीला इस्राईल के बारह क़बीलों में सबसे बड़ा था। यहूदाह की बादशाही यहूदाह और बिनयामीन के क़बीलों से थी

- बादशाह सुलैमान के मरने के बा'द इस्राईल की बादशाही दो हिस्सों में तक़सीम हो गयी थी: इस्राईल और यहूदाह| यहूदाह की बादशाही, दख्खिनी बादशाही थी जो खारे समन्दर के पश्चिम में थी|
- यहूदाह की बादशाही की दारुल-उल-हुकूमत यरूशलीम थी।
- यहूदाह के आठ बादशाह यहोवा के हुक्मों पर चले और क़ौम को उसकी परस्तिश की सलाह दी। यहूदाह के और बादशाह बुरे थे और उन्होंने क़ौम को बुतपरस्ती के लिए हौसला दिया
- अश्शूरों के ज़रिए' इस्राईल को हराने के 120 साल से ज़्यादा वक़्त बा'द यहूदाह की बादशाही बाबुल के ज़रिए' हरा दी गई। बाबुल की फ़ौज ने शहर को और हैकल को बर्बाद कर दिया और ज़्यादातर यहूदाह के बाशिन्दों को क़ैदी बनाकर ले गए।

(यह भी देखें: यहूदाह, खारा समन्दर)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 30:26-28
- 2 शमूएल 12:7-8
- होशे'अ 05:14-15
- यरमियाह 07:33-34
- क़ुज़ात 01:16-17

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाले:

- **18:07** सिर्फ़ दो क़बीले उसके(रहुब'आम) लिए वफ़ादार रहे। यह दो क़बीले **यहूदाह की बादशाही** बन गए। \
- **18:10 यहूदाह और इस्राईली बादशाही** दुश्मन बन गए और अक्सर एक दूसरे के ख़िलाफ़ लड़े।\
- **18:13 यहूदाह के बादशाह** दाऊद की नसल के थे| कुछ बादशाह अच्छे इन्सान भी थे, जिन्होंने सही तरीक़े से हुकूमत की और खुदा की परस्तिश की। लेकिन बहुत से **यहूदाह के** बादशाह बुरे, बाग़ी और बुतों की परस्तिश करने वाले थे। \ \
- **20:01** इस्राएल की बादशाही और **यहूदाह की बादशाही** दोनों ने खुदा के ख़िलाफ़ गुनाह किया।\
- **20:05 यहूदाह की बादशाही** के लोगों ने देखा कि खुदा के हुक्म का 'अमल न करने और उस पर ईमान न रखने की वजह इस्राईलियों को उसने कैसे सज़ा दी| फिर भी उन्होंने कना'नियों के मा'बूदों समेत बुतों की परस्तिश करनी न छोड़ी। \
- **20:06** अश्शूरियों के ज़रिए' इस्राईली हुकूमत को तबाह करने के लगभग सौ सालों बा'द, खुदा ने बाबुल के बादशाह नबूकदनज़र को भेजा, **यहूदी हुकूमत** को बर्बाद करने के लिए।\
- **20:09** नबूकदनज़र और उसके सिपाही लगभग सभी **यहूदियों** को बंदी बनाकर बाबुल ले गए, वहाँ पर सिर्फ़ कंगालों को छोड़ दिया गया ताकि वह वहाँ खेती कर सके।\

## शब्दकोश:

- Strong's: H4438, H3063

# यहूदिया

## सच्चाई:

“यहूदिया” पुराना इस्राईल के एक दरमियानी हिस्से को कहा जाता था। यह कभी कभी तंग मतलब में तो कभी बहुतायत मतलब में इस्ते'माल किया गया है

- तंग मतलब में यहूदिया लफ़्ज़ का हवाला पुराना इस्राईल, दक्खिनी हिस्सा, मुर्दा-समन्दर के पश्चिमी 'इलाक़े से था। कुछ तर्जुमों में इस 'इलाक़े को “यहूदा” कहा गया है।
- कभी कभी यहूदिया लफ़्ज़ पुराने इस्राईल के सब सूबों, गलील, सामरिया, पेरिया, इदुमिया, यहूदिया (यहूदा) वग़ैरह शामिल हैं ।
- अगर मुतर्जिम फ़र्क़ ज़ाहिर करना चाहते हैं, तो यहूदिया का बड़ा मतलब "यहूदी मुल्क" और छोटे मतलब में यहूदिया लफ़्ज़ का तर्जुमा “यहूदिया सूबा” या “यहूदा सूबा ” किया जा सकता है क्यूँकि यह पुराना इस्राईल का वह दरमियानी हिस्सा था जहाँ यहूदा का क़बीला रहा करता था।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: गलील, अदोम, यहूदा , यहूदा , सामरिया)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- रसूलों के 'आमाल 02:8-11
- रसूलों के 'आमाल 09:31-32
- रसूलों के 'आमाल 12:18-19
- यूहन्ना 03:22-24
- लूक़ा 01:5-7
- लूक़ा 04:42-44
- लूक़ा 05:17
- मरकुस 10:1-4
- मत्ती 02:1-3
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती 02:22-23
- मत्ती 03:1-3
- मत्ती 19:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H3061, G2453

# यहूयक़ीम

## सच्चाई:

यहूयक़ीम यहूदा का एक बद्कार बादशाह था, जिसकी हुकूमत की शुरू’आत 608 ई.पू. हुआ था, वह बादशाह यूसियाह का बेटा था। उसका नाम हक़ीक़त में एल्याक़ीम था।

- मिस्र के फ़िर'औन नीको ने एल्याक़ीम का नाम बदलकर यहूयक़ीम रखा और उसे यहूदा का बादशाह बनाया था।
- फ़िर'औन नीको ने यहूयक़ीम को बहुत ज़्यादा जिज़्या देने पर मजबूर किया।
- जब आगे चलकर बादशाह नबूकदनज़र ने यहूदा पर हमला किया तब ग़ुलामों में जो बाबुल ले जाए गए थे यहूयक़ीम भी था।
- यहूयक़ीम एक बुरा बादशाह था जिसने यहूदा के रहने वालों को यहोवा से दूर किया था। नबी उसके ख़िलाफ़ नबूव्वत करता था।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा)

(यह भी देखें: बाबुल, एलयाक़ीम, यरमियाह, यहूदा, नबूकदनज़र)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 03:15-16
- 2 सलातीन 23:34-35
- 2 सलातीन 24:1-2
- दानिएल 01:1-2
- यरमियाह 01:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H3079

# यहूराम, यूराम

## सच्चाई:

“यहूराम” पुराने 'अहद नामे में दो बादशाह हुए हैं। दोनों बादशाहों को भी "यूराम" के नाम से जाना जाता था।

- एक बादशाह यहूराम ने यहूदा पर आठ साल हुकूमत की थी। वह बादशाह यहूसफ़त का बेटा था। यह बादशाह जो यूराम भी कहलाता था।
- दूसरा बादशाह यहूराम इस्राईल का बादशाह था जिसने 12 साल बादशाहत की थी । वह आहब का बेटा था।
- यहूदा के बादशाह यहूराम ने उस वक़्त हुकूमत की जब नबी यरमियाह, दानिएल, अबदियाह और हिज़्क़ीएल यहूदा के मुल्क में नबूव्वत कर रहे थे।
- बादशाह यहूराम ने भी कुछ वक़्त तक हुकूमत की थी जब उसके बाप बादशाह यहूसफ़त यहूदा पर हुकूमत कर रहे थे।
- कुछ तर्जुमों में इस्राईल के बादशाह के नाम पर "यहूराम" का नाम लगातार इस्तेमाल करना और यहूदा के बादशाह के लिए "यूराम" नाम का मुक़र्रर करना हो सकता है।
- हर किसी को सही तौर से पहचानने का दूसरा तरीक़ा उसके बाप का नाम शामिल करना होगा।

(तर्जुमा की सलाह :नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: आहब, यहूसफ़त, यूराम , यहूदा, इस्राईल की बादशाही , ओबद्याह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 22:48-50
- 2 तवारीख़ 21:1-3
- 2 सलातीन 11:1-3
- 2 सलातीन 12:17-18

## शब्दकोश:

- Strong's: H3088, H3141, G2496

# यहूसफ़त

## सच्चाई:

यहूसफ़त पुराने 'अहद नामे में कम से कम दो आदमियों का नाम था।

- इस नाम का मशहूर आदमी यहूदा मुल्क का चौथा बादशाह था।
- उसने इस्राईल, यहूदा मुल्कों के दरमियान अमन क़ायम किया था और बुत के मा'बूदों की क़ुर्बानगाह को ख़त्म कर दिया था।
- दूसरा यहूसफ़त दाऊद और सुलैमान का “लिखने वाला” था। उसका ख़ास मज़हब था बादशाहों के लिए दस्तख़त करने के लिए दस्तावेज़ तैयार करे और मुल्क में हुए हादसों और वाक़ि'आतों का बयान लिख ले।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: क़ुर्बानगाह , दाऊद, झूठे मा’बूद, इस्राईल, यहूदा, काहिन, सुलैमान)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 03:10-12
- 1 सलातीन 04:15-17
- 2 तवारीख़ 17:1-2
- 2 सलातीन 01:17-18
- 2 शमूएल 08:15-18
- मत्ती 01:7-8

## शब्दकोश:

- Strong's: H3092, H3146, G2498

# यहोयदा'

## सच्चाई:

यहोयदा एक काहिन था जिसने बादशाह अहज़ियाह के बेटे, यूआस को छिपाकर उसकी हिफ़ाज़त की थी, जब तक कि वह बादशाह बन जाने की 'उम्र का नहीं हो गया।

- यहोयदा ने लड़के यूआस की हिफ़ाज़त के लिए सैंकड़ों असलहा पसन्द मुक़र्रर किए थे क्यूँकि लोगों ने हैकल में उसे बादशाह होने का 'एलान कर दिया था।
- यहोयदा ने बा'ल की सब क़ुर्बानगाहों को ख़त्म करने में लोगों की रहनुमाई की थी।
- काहिन यहोयदा ने अपने बाक़ी पूरी ज़िन्दगी बादशाह यूआस को ख़ुदा के हुक्म मानने अैर लोगों पर अक़्लमन्दी से बादशाहत करने में मदद देता रहा था।
- यहोयादा नाम का एक और आदमी बिनायाह का बाप था।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: अहज़ियाह , बा'ल, बिनायाह, यूआस)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 सलातीन 11:4-6
- 2 सलातीन 12:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H3077, H3111

# या'क़ूब (ज़ब्दी का बेटा)

## सच्चाई:

ज़ब्दी का बेटा या'क़ूब, 'ईसा के बारह शागिर्दों में से एक था। उसके छोटे भाई का नाम यूहन्ना था। वह भी 'ईसा के बारह शागिर्दों में से एक था।

- या'क़ूब और यूहन्ना अपने बाप जब्दी के साथ मछली पकड़ने का काम करते थे।
- या'क़ूब और यूहन्ना का लक़ब "गरज के बेटे" दिया गया था शायद क्यूँकि वह बहुत जल्द ही ग़ुस्सा हो जाते थे।
- पतरस, या'क़ूब और यूहन्ना 'ईसा के ख़ास शागिर्द थे और उसके साथ अजीब हादसों मौजूद रहते थे जैसे मूसा और एलियाह से बातें करते वक़्त जब 'ईसा पहाड़ पर था और जब 'ईसा ने एक छोटी लड़की को मुर्दों में से ज़िन्दा किया था।
- यह या'क़ूब वह नहीं था जिसने नय 'अहद नामा में या'क़ूब को ख़त लिखा था । कुछ ज़बानों में इनके नाम अलग-अलग लिखे जा सकते है। कि साबित हो कि वह एक ही शख़्स नहीं हैं।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: रसूल, एलियाह, या'क़ूब ('ईसा का भाई), या'क़ूब (हलफ़ई का बेटा), मूसा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- लूक़ा 09:28-29
- मरकुस 01:19-20
- मरकुस 01:29-31
- मरकुस 03:17-19
- मत्ती 04:21-22
- मत्ती 17:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: G2385

# या'क़ूब (‘ईसा का भाई)

## सच्चाई:

या'क़ूब मरियम और यूसुफ़ का बेटा था। वह 'ईसा का छोटा भाई(‘ईसा की माँ मरियम का बेटा) था।

- 'ईसा के दूसरे भाई (‘ईसा की माँ, मरियम के बेटे) यूसुफ़, यहूदा, शमा'ऊन थे।
- 'ईसा जब तक ज़िन्दा था, या'क़ूब और उसके भाई उसे मसीह नहीं मानते थे।
- जब 'ईसा मुर्दों में से जी उठा तब या'क़ूब ने उस पर ईमान किया और वह यरूशलीम की कलीसिया का रहनुमा ठहरा।
- नये 'अहद नामे में या'क़ूब का बेटा उन ईमानदारों को लिखा गया था जो सताव की वजह से दूसरे 'इलाक़ों में चले गए थे।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: रसूल, मसीह, ‘इबादतखाना, या'क़ूब का बेटा यहूदा, सताना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- गलातियों 01:18-20
- गलातियों 02:9-10
- या'क़ूब 01:1-3
- यहूदा 01:1-2
- मरकुस 09:1-3
- मत्ती 13:54-56

## शब्दकोश:

- Strong's: G2385

# या'क़ूब का बेटा यहूदा

## सच्चाई:

या'क़ूब का बेटा यहूदा, 'ईसा के बारह शागिर्दों में से एक था। तवज्जोह दें कि यह आदमी यहूदा इस्करियोती नहीं था।

- कलाम में एक ही नाम के अलग अलग आदमियों के उनके बाप का नाम देकर अलग बताया जाता है। यहाँ इस यहूदा को " या'क़ूब का बेटा" कहा गया है।
- एक और यहूदा था जो 'ईसा का भाई था। उसे "यहूदा" भी कहा गया था।
- नये 'अहद नामे में यहूदा की किताब शायद 'ईसा के भाई यहूदा के ज़रिए' लिखी गई थी क्यूँकि वह ख़ुद को " या'क़ूब का भाई" कहता है। या'क़ूब भी 'ईसा का भाई था।
- यह भी मुम्किन है कि यहूदा की किताब 'ईसा के शागिर्द या'क़ूब के बेटे , यहूदा के ज़रिए' लिखी गई थी।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा)

(यह भी देखें: या'क़ूब (जब्दी का बेटा), यहूदा इस्करियोती, बेटा, बारहों)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 01:12-14
- लूक़ा 06:14-16

## शब्दकोश:

- Strong's: G2455

# या'क़ूब(हलफ़ई का बेटा )

## सच्चाई:

हलफ़ई का बेटा या'क़ूब 'ईसा के बारह शागिर्दों में एक था।

- इसका नाम ख़ुशख़बरी देने वालों में मत्ती, मरकुस और लूक़ा में 'ईसा के शागिर्दों की सूची में दिया गया है।
- उसका नाम रसूलों के 'आमाल की किताब में भी आया है कि वह भी उन ग्यारह शागिर्दों में था जो 'ईसा के जन्नत में जाने के बा'द यरूशलीम में दु'आ कर रहे थे।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: रसूल, शागिर्द, या'क़ूब (ईसा का भाई), या'क़ूब (जब्दी का बेटा), बारहों)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 01:12-14
- लूक़ा 06:14-16
- मरकुस 03:17-19
- मरकुस 14:32-34
- मत्ती 10:2-4

## शब्दकोश:

- Strong's: G2385

# याहू

## सच्चाई:

याहू नाम के दो आदमी पुराने 'अहद नामे में हुए हैं।

- हानानी का बेटा याहू एक नबी था जिस वक़्त इस्राईल में बादशाह आहब था और यहूदा में बादशाह यहूसफ़त था।
- यहूसफ़त का बेटा (या औलाद) याहू इस्राईली फ़ौज का हाकिम था जिसे एलीशा के हुक्म के मुताबिक़ बादशाह बनाया गया था।
- बादशाह याहू ने दो बुरे बादशाहों को मार डाला, इस्राईल के बादशाह यूराम और यहूदा के बादशाह अख़ज़ियाह ।
- याहू ने गुज़रे हुए बडशाह आहब के सब ख़ानदानियों को भी क़त्ल कर दिया था। और बदकार 'औरत ईजीबेल को भी क़त्ल करवा दिया था।
- याहू ने सामरिया बा'ल की ‘इबादत की जगहों को बर्बाद करवा दिया था और बा'ल के सब पुजारियों को क़त्ल करवा दिया था।
- बादशाह याहू ने सिर्फ़ एक सच्चे ख़ुदा, यहोवा की 'इबादत की और इस्राईल पर 28 साल तक हुकूमत की ।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा)

(यह भी देखें: आहब, अख़ज़ियाह, बा'ल, एलीशा, यहूसफ़त, याहू, ईजीबेल, यूराम, यहूदा, सामरिया)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 04:34-38
- 1 सलातीन 16:1-2
- 2 तवारीख़ 19:1-3
- 2 सलातीन 10:8-9
- होशे 01:3-5

## शब्दकोश:

- Strong's: H3058

# याफ़त

## सच्चाई:

याफ़त नूह के तीन बेटों में से एक था।

- पूरी दुनिया पर जब पानी का सैलाब आया था तब याफ़त और उसके दो भाई नूह के साथ जहाज़ में थे, उनकी बीवियाँ भी उनके साथ थी।
- नूह के बेटे तरतीबवार लिखे गए हैं, “सिम, हाम, याफ़त।” इससे समझ में आता है कि याफ़त सबसे छोटा बेटा था।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: जहाज़, पानी का सैलाब, हाम, नूह, शेम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 01:1-4
- पैदाइश 05:32
- पैदाइश 06:9-10
- पैदाइश 07:13-14
- पैदाइश 10:1

## शब्दकोश:

- Strong's: H3315

# याफ़ा

## सच्चाई:

कलाम के वक़्त में याफ़ा शहर एक ख़ास तौर से तिजारती बन्दरगाह था जिसके रक़बे की हद शारोन के मैदान के दक्खिन में दरमियानी समन्दर के किनारे पर क़ायम था।

- पुराना याफ़ा आज के तेलअविव का हिस्सा याफ़ा था।
- पुराने 'अहद नामे में याफ़ा वह मक़ाम था जहाँ से जहाज़ पर चढ़कर यूनाह तर्शीश जाना चाहता था।
- नये 'अहद नामे में तबीता नाम की एक मसीह औरत याफ़ा शहर में मर गई थी जिसे पतरस ने जिलाया था।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: झील, यरूशलीम, शारोन, तर्शीश)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 09:36-37
- रसूलों के 'आमाल 10:7-8
- रसूलों के 'आमाल 11:4-6
- रसूलों के 'आमाल 11:11-14
- यूनाह 01:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H3305, G2445

# यित्रो, र'ऊएल

## सच्चाई:

“यित्रो” और “र'ऊएल” शाऊल दोनों नाम मूसा की बीवी सफ़्फ़ूरा के बाप के हैं। पुराने 'अहद नामे में “र'ऊएल” नाम के दो आदमी और थे।

मिदयान मुल्क में जब मूसा चरवाहा था तब उसने एक मिदयानी आदमी, र'ऊएल की बेटी से शादी कर ली थी।

- बा'द में र'ऊएल को “यित्रो, मिदयानियों का पुजारी” कहा गया है। हो सकता है कि “र'ऊएल” उसके क़बीले का नाम था।
- जिस वक़्त ख़ुदा ने जलती हुई झाड़ी में से मूसा से बातें की थी, उस वक़्त मूसा यित्रो की भेड़ें चरा रहा था।
- मिस्र से इस्राईलियों को निकाल लाने के कुछ वक़्त बा'द इत्रो जंगल में इस्राईलियों के पास आया और मूसा को लोगों की लड़ाइयों को सुलझाने का अच्छा मशवरा दिया।
- मिस्र में इस्राईलियों के लिए किए गए ख़ुदा के मो'जिज़ों के बारे में सुनकर उसने ख़ुदा में ईमान किया।
- ऐसौ के एक बेटे का नाम भी र'ऊएल था।
- र'ऊएल नाम का एक और आदमी था जिसका ज़िक्र बाबुल की ग़ुलामी के बा'द यहूदी लौटने वाले इस्राईलियों की नसब नामे में है।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: ग़ुलाम, क़बीला, रेगिस्तान, मिस्र, ऐसौ, मो’जिज़े, मूसा, रेगिस्तान)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 01:34-37
- ख़ुरूज 02:18-20
- ख़ुरूज 03:1-3
- \ख़ुरूज 18:1-4](rc://ur-deva/tn/help/exo/18/01)
- गिनती 10:29-30

## शब्दकोश:

- Strong's: H3503, H7467

# युरब'आम

## सच्चाई:

- नबात का बेटा युरब'आम उत्तरी बादशाहत इस्राईल का पहला बादशाह हुआ था, तक़रीबन 900-910 ई.पू. * युरब'आम नाम का इस्राईल का एक और बादशाह हुआ था, वह बादशाह यहू'आस का बेटा था जिसने 120 साल बा'द इस्राईल पर बादशाहत की थी |
- यहोवा ने नबात के बेटे युरब'आम को नबूव्वत में कहा था कि वह सुलैमान के बा'द बादशाह होगा और उसकी हुकूमत दस क़बीलों पर होगी।
- सुलैमान के मरने से पहले इस्राईल के दस क़बीलों ने सुलैमान के बेटे रहुब'आम से बग़ावत करके युरब'आम को अपना बादशाह बनाने का 'ऐलान कर दिया। अब रहुब'आम सिर्फ़ दक्खिन के दो क़बीलों , यहूदा और बिन्यामीन 'इलाक़ों का ही बादशाह रह गया था।
- युरब'आम एक बुरा बादशाह हुआ जिसने लोगों को यहोवा से मन फिराकर करके उनकी 'इबादत करने के लिए मूर्तियों को तैयार किया। इस्राईल के वक़्त सब बादशाहों ने युरब'आम को क़ुबूल किया और उसी की तरह बुरे हुए।
- 120 साल बा'द एक और युरब'आम वहां बादशाह हुआ। यह युरब'आम बादशाह यहू'आस का बेटा था और इस्राईल के दूसरे सब बादशाहों की तरह बुरा था।
- इस सब बदकारियों के 'अलावह भी ख़ुदा ने इस्राईल पर रहम किया और इस बादशाह युरब'आम को अपने मुल्क की सरहद क़ायम करने और सरहद तैयार करने में मदद की।

(तर्जुमा की सलाह (नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: मूरत, इस्राईल की हूलूमत, यहूदा, सुलैमान)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारते में:

- 1 तवारीख़ 05:16-17
- 1 सलातीन 12:1-2
- 2 तवारीख़ 09:29-31
- 2 सलातीन 03:1-3
- आमोस 01:1-2

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **18:08** और दस इस्राईली क़बीले जो रहूब'आम के ख़िलाफ़त में थे, उन्होंने अपने लिए **यरुब'आम** नाम का एक बादशाह को मुक़र्रर किया।
- **18:09** **यरुब'आम** ने ख़ुदावन्द की मुख़ालिफ़त की और लोगों को गुनाह में डाल दिया। उसने ख़ुदा की 'इबादत करने की जगह पर लोगों के लिए दो बछड़े यहूदा की बादशाही की हैकल में इबादत करने के लिए बनवाए।

## शब्दकोश:

- Strong's: H3379

# यूआब

## ता’अर्रुफ़:

दाऊद के पूरे हुकूमत में बादशाह का यूआब बहुत ही ख़ास फ़ौज का रहनुमा था |

- दाऊद के बादशाह बनने से पहले वह उसके वफ़ादारों में से था।
- बादशाह दाऊद के तख़्त पर बैठने के बा'द वह दाऊद बादशाहकी फ़ौज का हाकिम हो गया था।
- यूआब दाऊद का भांजा भी था क्यूँकि उसकी माँ दाऊद की बहनों में से एक थी।
- जब अबीसलोम ने बादशाहत पाने के लिए दाऊद से बग़ावत की थी तब यूआब ही ने उसको क़त्ल किया था ।
- यूआब एक जोशीला सूरमा था जिसने इस्राईल के कई एक दुश्मनों को हलाक किया था।

(यह भी देखें: अबीसलोम, दाऊद)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 02:16-17
- 1 सलातीन 01:7-8
- 1 शमूएल 26:6-8
- 2 शमूएल 02:18-19
- नहमियाह 07:11-14

## शब्दकोश:

- Strong's: H3097

# यूआस

## सच्चाई:

यूआस नाम के कई आदमी कलाम में हुए हैं।

- एक यूआस इस्राईल के मुहाफ़िज़ गिदोन का बाप था।
- एक और यूआस या'क़ूब के सबसे छोटे बेटे बिन्यामीन की औलाद था।
- ज़्यादा मशहूर यूआस यहूदा का बादशाह था जिसने सात साल की 'उम्र में बादशाहत की ज़िम्मेदारी को संभाला था। वह अख़ज़ियाह का बेटा था, यहूदा का बादशाह जिसको क़त्ल कर दिया गया था।
- यूआस जब लड़का ही था तब उसकी बुआ ने उसे छिपा कर बचा लिया था, जब तक कि वह ताज पहनने के लायक़ न हो गया।
- यूआस एक अच्छा बादशाह था और शुरू' में ख़ुदा का फ़रमाबरदार था। लेकिन उसने बुत परस्ती के ऊंचे मक़ाम को बर्बाद नहीं किए थे जिसका नतीजा हुआ कि इस्राईलियों ने दोबारा बुत परस्ती शुरू' कर दी थी।
- यूआस जब यहूदा पर हुकूमत कर रहा था तब कुछ साल इस्राईल पर यहूआस की हुकूमत थी। यह दोनों अलग-अलग बादशाहों के नाम है।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा)

(यह भी देखें: अख़ज़ियाह, क़ुर्बानगाह, बिन्यामीन, झूठे मा'बूद, गिदोन, ऊंचे मक़ाम, झूठे मा'बूद)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 03:10-12
- 2 तवारीख़ 18:25-27
- 2 सलातीन 11:1-3
- आमोस 01:1-2
- क़ुज़ात 06:11-12

## शब्दकोश:

- Strong's: H3101, H3135

# यूएल

## सच्चाई:

यूएल एक नबी था, वह यहूदा के बादशाह यूआस की बादशाहत के वक़्त में ख़िदमत कर रहा था। यूएल नाम के कई और आदमी पुराने 'अहद नामे में हुए हैं।

- यूएल की किताब पुराने 'अहद नामे के आख़िरी हिस्से में बारह छोटे नबियों की किताबों में से एक है।
- हमें यूएल की ख़ुद की जानकारी में सिर्फ़ इतना ही मा'लूम है कि उसके बाप का नाम पतूएल था।
- पिन्तेकुस्त के दिन अपनी तक़रीर में रसूल पतरस ने यूएल की नबूव्वत का हवाला दिया था।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: यूआस, यहूदा, पिन्तेकुस्त)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 06:33-35
- 1 शमूएल 08:1-3
- रसूलों के 'आमाल 02:16-17
- 'एज्रा 10:41-44
- जोएल 01:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H3100, G2493

# यूताम

## ता’अर्रुफ़:

पुराने 'अहद नामे में यूताम नाम के तीन आदमी हुए हैं।

- एक यूताम गिदोन का सबसे छोटा बेटा था। यूताम ने अपने बड़े भाई अबीमलिक को शिकस्त करने में मदद की जिसने अपने दूसरे सभी भाइयों को क़त्ल कर डाला था।
- यहूदा के बादशाह का नाम भी यूताम था, उसने अपने बाप उज़्ज़ियाह्(अजरियाह) के मरने के बा'द सोलह साल तक हुकूमत की थी ।
- अपने बाप की तरह यूताम भी ख़ुदा का फ़रमाबरदार था और एक अच्छा बादशाह हुआ था।
- अगर्चे उसने बुतों की जगहों को बर्बाद नहीं किया था जिसका नतीज़ा यह हुआ कि बा'द में यहूदा के रहने वाले फिर बुत परस्ती करने लगे थे।
- ‘ईसा के नसब नामे में भी एक यूताम है, मत्ती की इन्जील में।

(यह भी देखें: अबीमलिक, आख़ज़, गिदोन, उज़्ज़ियाह्)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तवारीख़ 26:21
- 2 सलातीन 15:4-5
- यसा'याह 01:1
- क़ुज़ात 09:5-6

## शब्दकोश:

- Strong's: H3147

# यूनातन

## सच्चाई:

पुराने 'अहद नामें में तक़रीबन दस आदमियों का नाम यूनातन हुआ है। इस नाम का मतलब है, "यहोवा ने दिया है"।

- कलाम में सबसे ज़्यादा मशहूर नाम यूनातन, दाऊद के दोस्त, कहा है। * यूनातन शाऊल का बड़ा बेटा था।
- पुराने 'अहद नामा के कई यूनातन हैं, मूसा की औलाद में बादशाह दाऊद का भतीजा, कई एक काहिन, अबियातर का बेटा भी और पुराने 'अहद नामा का एक आलिम जिसके घर में यरमियाह को क़ैदी बनाकर रखा गया था।

(यह भी देखें:नाम कैसे तर्जुमा करें)

(यह भी देखें: अबियातर, दाऊद, मूसा, यरमियाह, काहिन, शाऊल (पुराना 'अहद नामा), 'आलिम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 01:41-42
- 1 शमूएल 14:1
- 1 शमूएल 20:1-2
- 2 शमूएल 01:3-5

## शब्दकोश:

- Strong's: H3083, H3129

# यूनान, यूनानी

## सच्चाई:

नए 'अहद नामे के वक़्त में यूनान रोमी सल्तनत का एक सूबा था।

- आज के यूनान की जगह ही में वह यूनान दरमियानी समन्दर , एजियन समन्दर और आयोनियन समन्दर के किनारे पर एक पजज़ीरा था।
- रसूल पौलुस यूनान के कई शहरों में गया था और वहां कलीसियाओं की शुरू'आत की, कुरिन्थ, थिस्सलुनीके, फ़िलिप्पी और दूसरी ।
- यूनान के रहने वाले यूनानी कहलाते हैं और उनकी ज़बान भी यूनानी ही कहलाती है। रोम के दूसरे सूबों के लोग भी यूनानी ज़बान बोलते थे जिनमे यहूदी भी थे।
- कभी-कभी यूनानी लफ़्ज़ ग़ैर क़ोम के लिए भी काम में लिया जाता था।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: कुरिन्थ, ग़ैर क़ोम, यूनानी, इब्रानी, फ़िलिप्पियों, थिस्सलोनिके)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- दानिएल 08:20-21
- दानिएल 10:20-21
- दानिएल 11:1-2
- जकरियाह 09:11-13

## शब्दकोश:

- Strong's: H3120, G1671

# यूनानी, यूनानी

## सच्चाई:

लफ़्ज़ "यूनानी" यूनान मुल्क में बोली जाने वाली ज़बान को बयान करता है, यह लफ़्ज़ यूनान मुल्क के जुमले के लिए भी इस्ते'माल किया है। यूनानी भी रोमन बादशाहत भर में बोली जाती थी यूनानी का मतलब था "यूनानी ज़बान बोलने"

- क्यूँकि रोमन बादशाहत में ज़्यादातर ग़ैर-यहूदी लोग यूनानी ज़बान बोलते हैं, इसलिए नए नियम में ग़ैर क़ौमों को अक्सर "यूनानी" कहा जाता है, ख़ास तौर से जब यहूदियों के साथ में हो।
- इस जुमले में "यूनानी यहूदी" का हवाला यहूदियों से है जो यूनानी ज़बान बोलते है न कि "इब्रानी ज़बान से जुड़े यहूदी" जो सिर्फ़ इब्रानी या शायद अरामी ज़बान बोलते है।
- "यूनानी" का दूसरी शक्ल में तर्जुमा हो सकता हैं; "यूनानी बोलनेवाले" या "यूनानी रवाज के" या "यूनानी"।
- ग़ैर-यहूदी के बारे में इसका तर्जुमा हो सकता है, "यूनानी" या "ग़ैर क़ौम" हो सकता है।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: अराम, ग़ैर क़ौम, यूनान, इब्रानी, रोम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 06:1
- रसूलों के 'आमाल 09:28-30
- रसूलों के 'आमाल 11:19-21
- रसूलों के 'आमाल 14:1-2
- कुलुस्सियों 03:9-11
- गलातियों 02:3-5
- यूहन्ना 07:35-36

## शब्दकोश:

- Strong's: H3125, G1672, G1673, G1674, G1675, G1676

# यूनाह

## ता’अरुफ़:

यूनाह पुराने 'अहद नामे का एक 'इब्रानी नबी था।

- यूनाह की किताब में यूनाह की कहानी है कि उसे ख़ुदा ने नीनवे के लोगों में पैग़ाम सुनाने भेजा था।
- यूनाह नीनवे जाने के बदले किसी और तर्शीश मुल्क को जानेवाले जहाज़ में चढ़ गया था।
- ख़ुदा ने उस जहाज़ को एक ख़ौफ़नाक आंधी से घेर लिया था।
- उसने लोगों को जहाज़ से सफ़र करने वाले से कहा कि वह ख़ुदा से दूर भाग रहा था, और उन्होंने तरीक़ा बताया कि वह उसे समन्दर में फेंक दें। जब उन्होंने ऐसा किया तब तूफ़ान रुक गया।
- यूनाह को समन्दर में एक बहुत बड़ी मछली ने निगल लिया, वह उस मछली के पेट में तीन दिन तीन रात रहा।
- मछली ने जब यूनाह को उगल दिया तब उसने जाकर नीनवे में ख़ुदा का पैग़ाम सुनाया, नतीजा यह हुआ कि नीनवे के रहने वालों ने गुनाहों से तौबा किया।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें:हुक्म न मानना, नीनवे, फिरना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- यूनाह 01:1-3
- लूक़ा 11:29-30
- मत्ती 12:38-40
- मत्ती 16:3-4

## शब्दकोश:

- Strong's: H3124, G2495

# यूराम

## सच्चाई:

यूराम, जो आहब का बेटा, इस्राईल का बादशाह था। वह यहूराम के नाम से भी जाना जाता है।

- बादशाह यूराम उसी वक़्त इस्राईल पर बादशाहत कर रहा था जब यहूदा में भी यहूराम नाम का बादशाह बादशाहत कर रहा था।
- यूराम एक बुरा बादशाह था जिसने ख़ुद तो बुत परस्ती की और इस्राईल का गुनाह करने की वजह बना।
- इस्राईल के बादशाह यूराम ने एलियाह और अबदियाह के नबियों के वक़्त में बादशाहत की ।
- यूराम नाम का एक और आदमी था जो हमात के बादशाह तू का बेटा और बादशाह दाऊद की बादशाहत के जमाने में।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा)

(यह भी देखें: आहब, दाऊद, एलियाह, हाम, यहूराम, इस्राईल की बादशाही, यहूदा, अबदियाह, नबी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 03:10-12
- 2 तवारीख़ 22:4-5
- 2 सलातीन 01:17-18
- 2 सलातीन 08:16-17

## शब्दकोश:

- Strong's: H3088, H3141, G2496

# यूसियाह

## सच्चाई:

यूसियाह एक ख़ुदा परस्त बादशाह था जिसने 31 साल यहूदा पर बादशाहत की थी। उसने यहूदा के रहने वालों के मन फिराकर यहोवा की 'इबादत करने के लिए रहनुमाई की थी।

- उसके बाप अमून के क़त्ल के बा'द यूसियाह, उसके बेटे ने आठ साल की 'उम्र में बादशाहत की ज़िम्मेदारी को संभाला था।
- अपने बादशाहत के वक़्त के अठारहवें साल बादशाह यूसियाह ने सरदार काहिन ख़िलक़ियाह को हुक्म दिया कि यहोवा की हैकल को दोबारा तैयार किया जाए। हैकल को दोबारा ता'मीर के वक़्त इस्तिसना की किताब मिली थी।
- जब इस्तिसना की किताब यूसियाह को पढ़कर सुनाई गई तब उसे मा'लूम हुआ कि उसकी सल्तनत के लोग ख़ुदा के हुक्मों पर 'अमल नहीं कर रहे थे, इससे उसे बहुत दुःख हुआ। उसने हक्म दिया कि बुत परस्ती की सब जगहों को मिटा दिया जाए और उनके पुजारियों को मार डाला जाए।
- उसने लोगों को हुक्म दिया कि 'ईद के मौक़े' पर जशन का मनाना शुरू' किया जाए।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा)

(यह भी देखें: झूठे मा’बूद, यहूदा, क़ानून, ‘ईद , हैकल)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 03:13-14
- 2 तवारीख़ 33:24-25
- 2 तवारीख़ 34:1-3
- यरमियाह 01:1-3
- मत्ती 01:9-11

## शब्दकोश:

- Strong's: H2977, G2502

# यूसुफ़ (नया ‘अहद नामा)

## सच्चाई:

यूसुफ़ 'ईसा का दुनियावी बाप था जिसने उसे पाल-पोस कर बड़ा किया। वह एक मज़हबी आदमी था जिसका पेशा लकड़ी का काम था।

- यूसुफ़ की मंगनी एक यहूदी 'औरत मरियम के साथ हुई थी जिसे ख़ुदा ने 'ईसा मसीह की माँ होने के लिए चुन लिया था।
- फ़रिश्ते ने यूसुफ़ से कहा कि पाक रूह ने मो'जिज़े के ज़रिए' मरियम को हाम्ला किया है और मरियम का यह बेटा ख़ुदा का बेटा है।
- 'ईसा की पैदाइश के बा'द एक फ़रिश्ते ने यूसुफ़ को बताया कि वह लड़का और मरियम को लेकर मिस्र मुल्क से चला जाए क्यूँकि हेरोदेस से बचने के लिए।
- यूसुफ़ अपने ख़ानदान के साथ गलील 'इलाक़े के नासरत शहर में रहता था और लकड़ी का काम करके ज़िन्दगी गुज़ारता था।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: मसीह, गलील, 'ईसा, नासरत, ख़ुदा का बेटा, कुंवारी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- यूहन्ना 01:43-45
- लूक़ा 01:26-29
- लूक़ा 02:4-5
- लूक़ा 02:15-16
- मत्ती 01:18-19
- मत्ती 01:24-25
- मत्ती 02:19-21
- मत्ती 13:54-56

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **22:04** वह एक कुँवारी थी जिसकी मंगनी **यूसुफ़** नाम के आदमी के साथ हुई थी।
- **23:01** मरियम की मंगनी एक **यूसुफ़** नाम के एक मजहबी आदमी से हुई। जब यूसुफ़ को यह पता चला कि मरियम हाम्ला है, और जो उसके जिस्म में है वह उसका लड़का नहीं है, लिहाज़ा यूसुफ़ ने जो मज़हबी था और उसको बदनाम करना नहीं चाहता था, उसे चुपके से छोड़ देने का इरादा किया।
- **23:02** फ़रिश्ते ने उससे कहा, “हे **यूसुफ़** ! तू अपनी बीवी मरियम को यहाँ ले आने से मत डर, क्यूँकि जो बच्चा उसके शिकम में है, वह रूह-उल-कुदुस की तरफ़ से है। वह बेटा पैदा करेगी और तू उसका नाम 'ईसा रखना (जिसका मतलब है, 'यहोवा बचाता है' )क्यूँकि वह अपने लोगों को उनके गुनाहों से नजात करेगा।”
- **23:03** **यूसुफ़** ने मरियम से शादी की और अपनी बीवी को अपने यहाँ ले आया, और जब तक वह बेटा न पैदा हुआ तब तक वह उसके पास न गया।
- **23:04** लिहाज़ा **यूसुफ़** और मरियम भी एक लम्बा सफ़र तय करके नासरत को गए, क्यूँकि यूसुफ़ दाऊद के घराने और नसल का था, गलील के नासरत शहर से यहूदिया में दाऊद के शहर बैतलहम को गया।
- **26:04** 'ईसा ने उनसे कहा, “ आज ही यह लेख तुम्हारे सामने पूरा हुआ है” | सभी लोग हैरान थे। और कहने लगे कि “ क्या यह **यूसुफ़** का बेटा नहीं है?”

## शब्दकोश:

- Strong's: G2501

# यूसुफ़ (पुराना ‘अहद नामा)

## सच्चाई:

यूसुफ़ या'क़ूब का ग्यारहवां और माँ राहेल का पहला बेटा था।

- यूसुफ़ अपने बाप का प्यारा बेटा था।
- उस वजह से उसके भाई उससे हसद करते थे और उसे ग़ुलाम बनने के लिए बेच दिया।
- मिस्र मुल्क में यूसुफ़ पर झूठा इल्ज़ाम लगाकर क़ैदख़ाने में डाल दिया गया।
- सब परेशानियों के बवाजूद भी यूसुफ़ ख़ुदावन्द का वफ़ादार रहा।
- ख़ुदावन्द उसे मिस्र मुल्क में इख़्तियार के दूसरे ऊँचे 'उहदे न पर ले आया और जब खाना कम था तब उसके ज़रिए' लोगों को बचाया। मिस्र के लोग बल्कि यूसुफ़ का अपना ख़ानदान भी भूखें मरने से बचाया गया।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: मिस्र, या'क़ूब)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 30:22-24
- पैदाइश 33:1-3
- पैदाइश 37:1-2
- पैदाइश 37:23-24
- पैदाइश 41:55-57
- यूहन्ना 04:4-5

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **08:02 यूसुफ़** के भाई उससे 'अदावत रखते थे क्यूँकि जब यूसुफ़ के भाइयो ने देखा कि हमारा बाप हम सबसे ज़्यादा उसी से मुहब्बत रखता है, और यूसुफ़ ने ख़्वाब में देखा था कि वह अपने भाइयो पर हुकूमत करे।
- **08:04** और ताजिर **यूसुफ़** को मिस्र ले गए।
- **08:05** यहाँ तक कि क़ैदख़ाने में भी **यूसुफ़** ख़ुदावन्द के लिए वफ़ादार रहा और ख़ुदावन्द ने उसे बरकत दी।
- **08:07** ख़ुदावन्द ने **यूसुफ़** को यह क़ाबिलियत दी थी कि वह ख़्वाब का मतलब समझ सके, इसलिए फ़िर'औन ने यूसुफ़ को क़ैदख़ाने से बुलवा भेजा।
- **08:09 यूसुफ़** ने सात साल अच्छी पैदावार के दिनों में खाने की चीज़ों को जमा' करने के लिए लोगों से कहा।
- **09:02**मिस्र के रहने वाले अब **यूसुफ़** को भूल गये थे और उन कामों को जो उसने उनकी मदद करने के लिए किए थे।

## शब्दकोश:

- Strong's: H3084, H3130, G2500, G2501

# यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला)

## सच्चाई:

यूहन्ना ज़करियाह और एलिशिबा का बेटा था। क्यूँकि “यूहन्ना” एक आम नाम था, वह यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला कहलाया कि दूसरे यूहन्नाओं से उसे अलग किया जाए जैसे रसूल यूहन्ना।

- यूहन्ना एक नबी जिसे ख़ुदा ने भेजा कि लोगों को मसीह के लिए और मसीह के पैरवी के लिए तैयार करे।
- यूहन्ना ने लोगों को कहा कि अपने गुनाहों को मानकर ख़ुदा की तरफ़ फिरें और गुनाह करना छोड़ दें जिससे कि वह मसीह को क़ुबूल करने के लिए तैयार हो जाएं।
- यूहन्ना पानी में बपतिस्मा देता था जो इस बात का निशान था कि वह अपने गुनाहों का पछतावा करते हैं और गुनाहों से अलग होते हैं।
- यूहन्ना को बपतिस्मा देनेवाला कहा गया है क्यूँकि वह लोगों को बपतिस्मा देता था।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बपतिस्मा देना, ज़करियाह(नया 'अहद नामा))

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- यूहन्ना 03:22-24
- लूक़ा 01:11-13
- लूक़ा 01:62-63
- लूक़ा 03:7
- लूक़ा 03:15-16
- लूक़ा 07:27-28
- मत्ती 03:13-15
- मत्ती 11:13-15

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **22:02**फ़रिश्ते ने ज़करियाह से कहा, “तेरी बीवी इलीशबा तेरे लिए एक बेटा पैदा करेगी । और तू उसका नाम **यूहन्ना** रखना। वह पाक रूह से मा'मूर होगा, और लोगों का मन मसीह की तरफ़ फेरेगा।
- **22:07**तब इलीशबा के पैदाइश का वक़्त पूरा हुआ, और उसने बेटे को जन्म दिया, ज़करियाह और इलीशबा ने उस बेटे का नाम **यूहन्ना** रखा, जैसा कि फ़रिश्ते ने उनसे कहा था।
- **24:01** **यूहन्ना**, जो ज़करियाह और इलीशबा का बेटाथा, वह बड़ा होकर एक नबी बन गया। वह जंगल में रहता था, और ऊँट की खाल का लिबास पहने हुए था और अपनी कमर में चमड़े का पटका बाँधे रहता था और टिड्डियाँ और शहद खाया करता था।
- **24:02** बहुत से आस पास के लोग **यूहन्ना** को सुनने के लिए बाहर निकल आए। यूहन्ना ने उनसे कहा, “तौबा क्यूँकि आसमान की बादशाही क़रीब आ गई है !”
- **24:06** अगले दिन, 'ईसा **यूहन्ना** के पास उससे बपतिस्मा लेने को आया। जब **यूहन्ना** ने उसे देखा, तो कहा, “देख ! यह ख़ुदाका मेम्ना है, जो दुनिया के गुनाहों को दूर ले जाएगा।”

## शब्दकोश:

- Strong's: G910 G2491

# यूहन्ना (रसूल)

## सच्चाई:

यूहन्ना 'ईसा के बारह शागिर्दों में से एक था और 'ईसा का ख़ास दोस्त था।

- यूहन्ना और उसका भाई या'क़ूब एक मछुवारे जब्दी के बेटे थे।
- उसने 'ईसा की ज़िन्दगी के बारे में लिखा था तो उसमें ख़ुद को “वह शागिर्द जिससे 'ईसा मुहब्बत करता था” लिखा। इससे ज़ाहिर होता है कि यूहन्ना 'ईसा का ख़ास दोस्त था।
- रसूल यूहन्ना ने पांच नए 'अहद नामे की किताबें लिखीं:यूहन्ना की इन्जील, 'ईसा मसीह का मुक़ाश्फ़ा, और ईमानदारों को लिखे तीन ख़त।
- तवज्जोह दें कि रसूल यूहन्ना, यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले से अलग है।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: रसूल, ज़ाहिर करना, या'क़ूब (जब्दी का बेटा), यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), जब्दी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- गलातियों 02:9-10
- यूहन्ना 01:19-21
- मरकुस 03:17-19
- मत्ती 04:21-22
- मुक़ाश्फ़ा 01:1-3

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **36:01** एक दिन 'ईसा ने अपने तीन शागिर्द, पतरस, या'क़ूब और **यूहन्ना** को अपने साथ लिया। ('ईसा का शागिर्द **यूहन्ना** वह यूहन्ना नहीं था, जिसने 'ईसा को बपतिस्मा दिया था।) और उन्हें तन्हाई में दु'आ करने के लिए ऊँचे पहाड़ पर ले गया।\
- **44:01** एक दिन पतरस और **यूहन्ना** दु'आ करने के लिये हैकल में जा रहे थे। तब उन्होंने एक लंगड़े भिखारी को देखा जो पैसों के लिए भीख माँग रहा था।\
- **44:06** पतरस और **यूहन्ना** लोगों से जो कह रहे थे, उससे हैकल के सरदार उनसे बहुत परेशान थे। तो उन्होंने उन्हें पकड़कर क़ैदखाने में डाल दिया।
- **44:07** दूसरे दिन ऐसा हुआ कि यहूदी काहिन पतरस और **यूहन्ना** को लेकर सरदार काहिन के पास गए। उन्होंने पतरस और **यूहन्ना** से पूछा कि, “तुम ने यह काम किस ताक़त से और किस नाम से किया है ?”\
- **44:09** जब उन्होंने पतरस और **यूहन्ना** का हौसला देखा, और यह जाना कि यह अनपढ़ और आम आदमी है , तो हैरानी किया। फिर उनको पहचाना कि यह 'ईसा के साथ रहे है। तब उन्होंने पतरस और **यूहन्ना** को धमकाकर छोड़ दिया।

## शब्दकोश:

- Strong's: G2491

# यूहन्ना मरकुस

## सच्चाई:

यूहन्ना मरकुस जो “मरकुस” के नाम से भी जाना जाता है, पौलुस के साथ उसके 'एलान के सफ़र में गया था। मुम्किन है कि मरकुस की इन्जील का मुसन्निफ़ वही था।

- यूहन्ना मरकुस अपने भाई बरनबास और पौलुस के साथ पहले बशारती सफ़र में गया था।
- जब पतरस को यरूशलीम के क़ैदखाने में डाला गया था तब वहाँ यूहन्ना मरकुस की माँ के घर में जमा' होकर उसके लिए दु'आ कर रहे थे।
- मरकुस हक़ीक़त में रसूल नहीं था लेकिन पौलुस और पतरस की ता'लीमों में रहकर उनके साथ बशारती काम करता था।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बरनबास, पौलुस)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तीमुतुस 04:11-13
- रसूलों के 'आमाल 12:24-25
- रसूलों के 'आमाल 13:4-5
- \रसूलों के 'आमाल 13:13-15](rc://ur-deva/tn/help/act/13/13)
- रसूलों के 'आमाल 15:36-38
- रसूलों के 'आमाल 15:39-41
- कुलुस्सियों 04:10-11

## शब्दकोश:

- Strong's: G2491, G3138

# यज़र'एल, यज़र'एली

## ता’अरुफ़:

यज़र'एल इस्कार क़बीले में एक बहुत ख़ास शहर था जो मुर्दा समन्दर के दक्खिन पूरब में क़ायम था।

- यज़र'एल मगिद्दो के मैदान के पश्चिमी 'इलाक़े में से एक था जिसे यज़र'एल की घाटी भी कहते थे।
- यज़र'एल शहर में अपने इस्राईली बादशाहों के महल थे।
- नाबात की अँगूर की बाग़ कभी यज़र'एल में बादशाह आहब के महल के क़रीब थी। नबी एलियाह ने आहब के ख़िलाफ़ वहीं नबूव्वत की थी।
- आहब की बुरी रानी ईज़ेबेल भी वहीं मारी गयी थी।
- इस शहर में कई एक बहुत ख़ास हादसे हुए थे जिनमें जंग भी थे।

(यह भी देखें: आहब, एलियाह, इस्कार, ईजेबेल, महल, नमक का तालाब)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 04:11-14
- 1 शमूएल 25:43-44
- 2 सलातीन 08:28-29
- 2 शमूएल 02:1-3
- क़ुज़ात 06:33

## शब्दकोश:

- Strong's: H3157, H3158, H3159

# रब्बा

## ता’अर्रुफ़:

रब्बा अम्मोनियों का एक बहुत ज़्यादा ख़ास था।

- अम्मोनियों के साथ जंग करते वक़्त इस्राईली ज़्यादातर रब्बा शहर पर आक्रमण करते थे।
- इस्राएल के बादशाह दाऊद ने अपनी आख़िरी जंग में रब्बा शहर को जीत लिया था।
- आज का अम्मान जॉर्डन वहाँ क़ायम है जहाँ पुराना रब्बा शहर हुआ करता था।

(यह भी देखें: अम्मोन, दाऊद)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 इतिहास 20:1
- 2 शमूएल 12:26-28
- इस्तिस्ना 03:11
- हिज़कीएल 25:3-5
- यरमियाह 49:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H7237

# रहूबियाम

## सच्चाई:

रहूबियाम सुलैमान के बेटों में से एक था और सुलैमान के मरने के बा'द इस्राईल का बादशाह बना था।

- बादशाही वक़्त के शुरू' में रहूबियाम क़ौम के साथ शख़्त था लिहाज़ा इस्राईल के दस क़बीलों ने बग़ावत करके उत्तरी बादशाही इस्राईल बना लिया था।
- रहूबियाम दक्षिणी इस्राईल यहूदाह का बादशाह बना रहा, जिसमें केवल दो क़बीला शामिल थे, यहूदाह और बिन्यामीन।
- रहूबियाम एक बुरा बादशाह था, उसने यहोवा को छोड़ कर झूठे मा'बूदों की 'इबादत करता था।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: इस्राईल बादशाही, यहूदाह, सुलैमान)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 03:10-12
- 1 सलातीन 11:41-43
- 1 सलातीन 14:21-22
- मत्ती 01:7-8

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- 18:05__ सुलैमान की मौत के बा'द उसका बेटा **रहूबियाम** उसके जगह पर बादशाह हुआ | **रहूबियाम** एक बेवक़ूफ़ इन्सान था |
- 18:06_ _रहूबियाम ने उन्हें बेवक़ूफ़ी के साथ जवाब देते हुए कहा, "मेरे बाप ने तुम पर जो भारी जूआ रखा था उसे मैं और भी भारी करूँगा; और मैं तुम्हें और भी शख़्ती से सज़ा दूँगा |"
- **18:07** दस इस्राईली क़बीले रहूबियाम के ख़िलाफ़ हो गए सिर्फ़ दो क़बीला उसके लिए वफ़ादार रहे |

## शब्दकोश:

- Strong's: H7346, G4497

# रामाह

## सच्चाई:

रामाह यरूशलीम से आठ कि.मी. दूर एक पुराना इस्राईली शहर था। यह शहर बिन्यामीन क़बीले के सूबे में था जहाँ वे रहते थे।

- रामाह में राख़िल की मौत हुई थी जब उसने बिन्यामीन को पैदा किया था।
- बाबुल की फ़ौज इस्राईलियों को बन्दी बना कर ले जा रही थी तब वे बाबुल पहुंचने से पहले रामाह लाए गए थे।
- शमूएल के वालिदैन का घर भी रामाह में था।

(तर्जुमे की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बिन्यामीन, इस्राईल के बारह क़बीले)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 27:25-27
- 1 शमूएल 02:11
- 2 तवारीख़ 16:1
- यरमियाह 31:15
- यशू’अ 18:25-28
- मत्ती 02:17-18

## शब्दकोश:

- Strong's: H7414, G4471

# रामोत

## सच्चाई:

रामोत यरदन नदी के क़रीब ज़िल’आद के पहाड़ों में एक महत्वपूर्ण शहर था। उसे रामोत ज़िल’आद भी कहते थे।

- रामोत इस्राईली क़बीला गाद के ‘इलाक़े में था और वह शहर-ए-पनाह था।
- इस्राईल के बादशाह आहाब और यहूदाह के बादशाह यहूसफ़त ने रामोत में अराम से जंग की थी। उस जंग में आहाब मारा गया था।
- कुछ वक़्त बाद बादशाह अहज़ियाह और बादशाह यूराम ने अराम के बादशाह से वह शहर दुबारा हासिल करने की कोशिश की थी।
- रामोत ज़िल’आद शहर ही में येहू को इस्राईल का बादशाह होने के लिए मसह किया गया था।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा)

(यह भी देखें: अहाब, अहज़ियाह, अराम, गाद, यहूसफ़त, येहू, यूराम , यरदन नदी, यहूदाह, पनाह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 06:71-73
- 1 सलातीन 22:3-4
- 2 तवारीख़ 18:1-3
- 2 सलातीन 08:28-29

## शब्दकोश:

- Strong's: H7216, H7418, H7433

# राहब

## सच्चाई:

राहब यरीहू की रहने वाली ‘औरत थी जब इस्राईल ने यरीहू पर हमला किया था। वह एक तवायफ़ थी।

- हमला करने से पहले इस्राईल के दो जासूस यरीहू में गए थे, उन्हें बचाने के लिए राहब ने उन्हें छिपा लिया था। फिरसे छावनी पहुंचने में उसने उनकी मदद की थी।
- राहब यहोवा की ईमानदार हो गई थी।
- राहब और उसका ख़ानदान यरीहू तबाही के वक़्त छोड़ दिया गया था और वे हमेशा इस्राईलियों के साथ रहने आए।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: इस्राईल, यरीहू, तवायफ़)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इब्रानियों 11:29-31
- या’क़ूब 02:25-26
- यहोशू 02:20-21
- यहोशू 06:17-19
- मत्ती 01:4-6

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **15:01** उस शहर में **राहब** नाम की एक तवायफ़ रहती थी, उसने उन दोनों जासूसों को छिपा रखा और उन्हें भगाने में भी मदद की| उसने ऐसा इसलिए किया क्यूँकि वह ख़ुदा पर ईमान ले आई थी| उन्होंने क़सम खाई कि इस्राईली जब यरीहू को तबाह करेंगे तब **राहब** और उसके ख़ानदान की वे हिफ़ाज़त करेंगे।
- **15:05**तब इस्राईलियों ने ख़ुदा के हुक्म के मुताबिक़, जो कुछ उस शहर में था सब कुछ तबाह कर दिया। उन्होंने सिर्फ़ **राहब** और उसके ख़ानदान को छोड़ा, क्योंकि वे इस्राईलियों का ही भाग बन गए थे।

## शब्दकोश:

- Strong's: H7343, G4460

# राख़िल

## सच्चाई:

राख़िल या’क़ूब की बीवियों में से एक थी। राख़िल और लियाह या’क़ूब के मामा लाबान की बेटियाँ थी।

- राख़िल यूसुफ़ और बिन्यामीन की माता थी, ये दोनों इस्राईल के दो क़बीले हुए।
- सालों तक राख़िल को औलाद हासिल नहीं हुई थी। तब ख़ुदा ने उसे क़ाबिल बनाया और उसने यूसुफ़ को जन्म दिया।
- सालों बा’द जब राख़िल ने बिन्यामीन को पैदा किया तब उसकी मौत हो गई और या’क़ूब ने उसे बैतलहम के पास दफन किया।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बैतलहम, या’क़ूब, लाबन, लियाह, [यूसुफ़ , इस्राईल के बारह क़बीले)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 29:4-6
- पैदाइश 29:19-20
- पैदाइश 29:28-30
- पैदाइश 31:4-6
- पैदाइश 33:1-3
- मत्ती 02:17-18

## शब्दकोश:

- Strong's: H7354, G4478

# रिब्क़ा

## सच्चाई:

रिब्क़ा इब्राहीम के भाई नहूर की पोती थी।

- ख़ुदा ने रिब्क़ा को इब्राहीम के बेटे इस्हाक़ की बीवी होने के लिए चुन लिया था।
- रिब्क़ा अपना मुल्क अरम्नहरैम को छोड़ कर इब्राहीम के ख़ादिम के साथ इब्राहीम के रहने के मक़ाम को नेगेब चली गई।
- लम्बे वक़्त तक रिब्क़ा को सन्तान हासिल नहीं हुई लेकिन ख़ुदा ने आख़िरकार उसे जुड़वा बच्चे दिए 'ऐसौ और या'क़ूब।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: इब्राहीम , अराम, 'ऐसौ, इस्हाक़, या'क़ूब, नहूर, नेगेब)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 24:15-16
- पैदाइश 24:45-46
- पैदाइश 24:56-58
- पैदाइश 24:63-65
- पैदाइश 25:27-28
- पैदाइश 26:6-8

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **06:02** एक लम्बा सफ़र के बा'द, जब वह ग़ुलाम उस शहर में गया जहाँ इब्राहीम के रिश्तेदार रहते थे, तब ख़ुदा ने ग़ुलाम के सामने **रिब्क़ा** को भेजा। वह इब्राहीम के भाई की पोती थी।
- **06:06** ख़ुदा ने **रिब्क़ा** से कहा, "तेरे हमल में दो क़ौमें हैं, "
- **07:01** फिर वे लड़के बढ़ने लगे, **रिब्क़ा** या'क़ूब से मुहब्बत रखती थी, लेकिन इस्हाक़ 'ऐसौ से मुहब्बत रखता था।
- **07:03** इस्हाक़ बहुत बूढ़ा हो गया था, वह अपनी बरकत 'ऐसौ को देना चाहता था। । पर इससे पहले वह ऐसा करता, रिब्क़ा ने या'क़ूब को 'ऐसौ की जगह पर इस्हाक़ के पास भेज दिया|
- **07:06** जब **रिब्क़ा** को 'ऐसौ के मन्सूबे का पता चला। तो उसने या'क़ूब को अपने रिश्तेदारों के पास भेज दिया।

## शब्दकोश:

- Strong's: H7259

# रिम्मोन

## सच्चाई:

रिम्मोन किताब-ए-मुक़द्दस में एक आदमी का और कई मक़ामों का नाम था। एक झूठे मा'बूद का भी यही नाम था।

- रिम्मोन शहर एक आदमी बिन्यामीनी था जो जबूलून कीरोत शहर का बाशिन्दा था। इस आदमीं ने यूनातान के अपाहिज़ बेटे इशबोशत को क़त्ल किया था।
- रिम्मोन यहूदाह के दख्खिनी हिस्से में बिन्यामीन के 'इलाक़े में एक शहर था।
- रिम्मोन की चट्टान" एक हिफ़ाज़त का मक़ाम था जहाँ बिन्यामीनी जंग में मारे जाने से बचकर छिपे थे।
- यहूदाह के जंगल में "रिम्मोन परेज" एक अनजान मक़ाम था।
- सीरिया की फ़ौज का सरदार नामान ने रिम्मोन मा'बूद का ज़िक्र किया है जहाँ सीरिया के बादशाह 'इबादत करते थे।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा)

बिन्यामीन, यहूदिया, नामान, सीरिया, जबूलून)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 सलातीन 05:17-19
- 2 शमूएल 04:5-7
- क़ुज़ात 20:45-46
- [क़ुज़ात 21:13-15](rc://ur-deva/tn/help/jdg/21/13)

## शब्दकोश:

- Strong's: H7417

# रूत

## सच्चाई:

रूत एक मोआबी ‘औरत थी, जो इस्राईल में क़ुज़ात के ज़माने में थी। उसने एक इस्राईली से विवाह मोआब में किया था, जब वह अकाल की वजह से अपने ख़ानदान के साथ वहां चले गए थे जब मुन्सिफ़ इस्राईल में थे।

- रूत के शौहर की मौत हो गई, कुछ वक़्त बा’द उसकी सास, नाओमी अपने पुराने मक़ाम बैतलहम लौट रही थी तो उसने भी अपनी सास के साथ जाने का फ़ैसला लिया।
- रूत नाओमी की वफ़ादार रही और उसके लिए खाने का इंतज़ाम करती रही।
- वह इस्राईल के इकलौते सच्चे ख़ुदा की ख़िदमत में सुपुर्द हो गई थी।
- रूत की शादीएक इस्राईली आदमी बोअज़ के साथ हो गई थी, उसका बेटा ‘ईसा के बुज़ुर्ग बादशाह दाऊद का दादा था। क्योंकि बादशाह दाऊद ‘ईसा मसीह का बुज़ुर्ग था इसलिए रूत भी थी।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बैतलहम, बो’अज़, दाऊद, मुन्सिफ़)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- मत्ती 01:4-6
- रूत 01:3-5
- रूत 03:8-9
- रूत 04:5-6

## शब्दकोश:

- Strong's: H7327, G4503

# रूबिन

## सच्चाई:

रूबिन या'क़ूब का पहिलौठा था। उसकी माता का नाम लिआ था।

- यूसुफ़ के भाई जब उसकी हत्या करना चाहते थे तब रूबिन ने उसे गड्ढे में डलवा कर उसकी जान बचाई थी।
- रूबिन बा'द में यूसुफ़ को गड्ढे से निकालने आया, लेकिन उसके दीगर भाइयों ने उसे वहां से जानेवाले ताज़िरों के हाथ दास होने के लिए बेच दिया था।
- रूबिन की नसल इस्राईल के बारह क़बीलों में से एक बने थे।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: या'क़ूब, यूसुफ़ (पुराना 'अहदनामा), लियाह, इस्राईल के बारह क़बीले)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 29:31-32
- पैदाइश 35:21-22
- पैदाइश 42:21-22
- पैदाइश 42:37-38

## शब्दकोश:

- Strong's: H7205, H7206, G4502

# रोम, रोमी

## सच्चाई:

नये ‘अहदनामे के ज़माने में रोम शहर रोमी हुकूमत की दार-उल-हुकूमत था। आज वह इटली मुल्क की दार-उल-हुकूमत है।

- रोम हुकूमत रोम के-समन्दर के पूरे ‘इलाक़े, इस्राईल पर भी बादशाही कर रहा था।
- “रोमी” लफ़्ज़ उन सब ‘इलाक़ों के बारे में है जिन पर रोमी सरकार की हुकूमत थी जिनमें रोमी बाशिन्दे और रोमी मुलाज़िम भी थे।
- रसूल पौलुस को बन्दी बनाकर रोम ले जाया गया था क्योंकि वह ‘ईसा का ख़ुशख़बरी सुनाता था।
- नए ‘अहदनामे की किताब "रोमियों का ख़त" पौलुस के ज़रिए’ रोम के मसीही ईमानदारों को लिखा ख़त है।

(यह भी देखें: ख़ुश ख़बरी, समन्दर, पिलातुस, पौलुस)

## किताब-ए-मुक़द्दस के के बारे में:

- 2 तीमुथियुस 01:15-18
- रसूलों के ‘आमाल 22:25-26
- रसूलों के ‘आमाल 28:13-15
- युहन्ना 11:47-48

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **23:04** जब मरियम के जनने के दिन पूरे हुए, **रोमन** हुकूमत ने कहा कि सब लोग नाम लिखवाने के लिए अपने अपने शहर को जाए |
- **32:06** तब ‘ईसा ने उस बदरूह से पूछा “तेरा क्या नाम है?” उसने उसे कहा “मेरा नाम लश्कर है: क्योंकि हम बहुत है |” (लश्कर फ़ौजियों की जमा’अत होती है |)
- **39:09** अगली सुबह यहूदी नेताओ ने ‘ईसा को एक **रोमन** हाकिम पिलातुस के पास इस उम्मीद से ले गए की वह ‘ईसा को मार डालेगा।
- **39:12** **रोमन** सैनिकों ने ‘ईसा को कोड़े मारे, और शाही चोगा पहनाकर काँटों का ताज उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर ‘ईसा का मज़ाक उड़ाया “यहूदियों का बादशाह” देखो |

## शब्दकोश:

- Strong's: G4514, G4516

# लमक

## सच्चाई:

लमक नाम के दो आदमी पुराने 'अहदनामे में हैं।

- पहला लमक क़ाइन की नसल से था। उसने अपनी बीवियों से बड़े घमण्ड से कहा कि उसने नुक़सान करने वाले एक आदमी का क़त्ल कर दिया है।
- दूसरा लमक सेत की नसल से था। वह नूह का बाप था।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: क़ाइन, नूह, सेत)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 04:18-19
- पैदाइश 04:23-24
- पैदाइश 05:25-27
- पैदाइश 05:28-29
- पैदाइश 05:30-31
- लूक़ा 03:36-38

## शब्दकोश:

- Strong's: H3929, G2984

# लाबन

## सच्चाई:

पुराने ‘अहदनामे में लाबन या’क़ूब का मामा और ससुर दोनों था।

- या’क़ूब फ़द्दान अराम में लाबन के घर में रहा था और उसकी बेटियों से शादी करने की शर्त में उसकी भेड़ बकरियों को संभालता था।
- या’क़ूब लाबन की बेटी राख़िल से शादी करना चाहता था।
- लाबान ने धोखे से अपनी बड़ी बेटी राख़िल की बहन लियाह से उसकी शादी कर दी|

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: या’क़ूब, नाहूर, लियाह, राख़िल)

## क़िताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 24:28-30
- पैदाइश 24:50-51
- पैदाइश 27:43-45
- पैदाइश 28:1-2
- पैदाइश 29:4-6
- पैदाइश 29:13-14
- पैदाइश 30:25-26
- पैदाइश 46:16-18

## शब्दकोश:

- Strong's: H3837

# लावी, लावी, लावियों, लावी

## ता’अर्रुफ़:

लावी या’क़ूब या इस्राईल के बारह बेटों में से एक था। लफ़्ज़“लावी” का मतलब इस्राईल के एक से फ़र्द है, जो लावी क़बीले जिसका बुज़ुर्ग लावी था।

- लावी हैकल की देखभाल के ज़िम्मेदार थे, वे मज़हबी रवायतों को भी करते थे जिसमें क़ुर्बानी पेश करना और दु’आ करना भी था।
- सब यहूदी काहिन लावी थे, लावी की नसल और लावी क़बीले के फ़र्द| (ताहम सब लावी काहिन नहीं थे।)
- लावी काहिन हैकल में ख़ुदा की ख़िदमत के लिए अलग किए गए थे और मसह किए हुए लोग थे।
- लावी नाम के दो आदमी ‘ईसा के बुज़ुर्गों में थे जिनके नाम लूक़ा की ख़ुशख़बरी में दिए गए नसबनामे में हैं।
- ‘ईसा का शागिर्द मत्ती भी लावी था।

(यह भी देखें: मत्ती, काहिन, क़ुर्बानी, हैकल, इस्राईल के बारह क़बीले)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 02:1-2
- 1 सलातीन 08:3-5
- रसूलों के ‘आमाल 04:36-37
- पैदाइश 29:33-34
- युहन्ना 01:19-21
- लूक़ा 10:31-32

## शब्दकोश:

- Strong's: H3878, H3879, H3881, G3017, G3018, G3019, G3020

# लाज़र

## सच्चाई:

लाज़र और उसकी बहनें, मार्था और मरियम ‘ईसा के ख़ास साथी थे। ‘ईसा उनके बैतनिय्याह के घर में अक्सर ठहरा करता था।

- लाज़र इसलिए जाना जाता है कि ‘ईसा ने उसे मरने के बा’द फिर ज़िन्दा किया था, वह कई दिन कब्र में रहा था।
- यहूदी रहनुमा ‘ईसा के इस मो’जिज़े से नाराज़ थे बल्कि हसद करते थे, लिहाज़ा वे ‘ईसा और लाज़र दोनों ही को क़त्ल करने का मौक़ा ढूँढ रहे थे।
- ‘ईसा ने एक मिसाल भी सुनायी थी जिसमें एक गरीब इन्सान था और एक दौलतमन्द इन्सान था, उस गरीब इन्सान का नाम भी “लाज़र” था।

( तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: भिखारी, यहूदी रहनुमा, मार्था, मरियम, परवरिश

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- यूहन्ना 11:10-11
- यूहन्ना 12:1-3
- लूक़ा 16:19-21

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **37:01** एक दिन, ‘ईसा को पैग़ाम मिला कि **लाज़र** बहुत बीमार है। **लाज़र** और उसकी दो बहिन, मार्था और मरियम, ‘ईसा के बहुत अज़ीज़ थे।
- **37:02** ‘ईसा ने कहा, “हमारा दोस्त **लाज़र** सो गया है, लेकिन मैं उसे जगाने जाता हूँ।”
- **37:03** ‘ईसा के शागिर्दों ने जवाब दिया, “ऐ ख़ुदावन्द, अगर वह सो गया है, तो ठीक हो जाएगा।” तब ‘ईसा ने उनसे साफ़-साफ़ कह दिया, “ लाज़र मर गया है”
- **37:04**जब ‘ईसा **लाज़र** के रहने के शहर पहुँचा, तो लाजर को क़ब्र में रखे चार दिन हो चुके थे।
- **37:06** ‘ईसा ने उनसे पूछा “तुमने **लाज़र** को कहाँ रखा है?”
- **37:09** यह कहकर उसने बड़े लफ़्ज़ से पुकारा, “ऐ लाज़र निकल आ।”
- **37:10** **लाज़र** बाहर निकल आया। वह अभी भी कपड़ो में लिपटा हुआ था।
- **37:11**लेकिन यहूदियों के मज़हबी रहनुमा ‘ईसा से हसद रखते थे, इसलिये उन्होंने आपस में मिलकर मन्सूबा बनाना चाहा कि कैसे वह ‘ईसा और **लाज़र** को मरवा सके।

## शब्दकोश:

- Strong's: G2976

# लियाह

## सच्चाई:

लियाह या'क़ूब की बीवियों में से एक थी। वह या'क़ूब के दस बेटों की माँ थी जिनकी नसल इस्राईल के बारह क़बीलों में से थे।

- लियाह का बाप लाबन था जो या'क़ूब की माँ रिब्क़ा का भाई था।

या'क़ूब लियाह से उतनी मुहब्बत नहीं करता था जितनी वह राख़िल से मुहब्बत करता था। लेकिन ख़ुदा ने लियाह को ज़्यादा औलाद देकर बाबरकत किया था। लियाह के बेटों में से एक यहूदाह, बादशाह दाऊद और 'ईसा का बुज़ुर्ग था।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: या'क़ूब, यहूदाह, लाबन, राख़िल, रिब्क़ा, इस्राईल के बारह क़बीले)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 29:15-18
- पैदाइश 29:28-30
- पैदाइश 31:4-6
- रूत 04:11-12

## शब्दकोश:

- Strong's: H3812

# लिवयातान

## सच्चाई:

लफ़्ज़ “लिवयातान” एक बहुत बड़े नामौजूद जानदार के बारे में है, जिसका ज़िक्र पुराने ‘अहदनामे की अय्यूब की किताब, ज़ुबूर और यसा’याह में है।

- लिवयातान का ज़िक्र एक बड़े साँप जैसे जानदार के तौर पर किया गया है जो बहुत ज़्यादा ताक़तवर और ख़ौफ़नाक है और अपने चारों ओर के पानी को उबाल देता है। इसका ज़िक्र डायनेसोर के जैसा है।
- यसा’याह नबी लिवयातान को “रेंगनेवाला साँप” कहता है।
- अय्यूब लिवयातान का ज़िक्र देखते हुए करता है जिसका मतलब है कि यह जानवर उसके वक़्त में ज़िन्दा था।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा

(यह भी देखें: यसा’याह, अय्यूब, साँप)

## किताब मुक़द्दस के बारे में:

- अय्यूब 03:8-10
- ज़ुबूर 104:25-26

## शब्दकोश:

- Strong's: H3882

# लुबनान

## सच्चाई:

लुबनान एक बहुत ख़ूबसूरत पहाड़ी मुल्क है जो इस्राईल के उत्तर में रोम के समन्दर के किनारे पर है। किताब-ए-मुक़द्दस के ज़माने में यह मक़ाम सनोवर के देवदारू और सरू के पेड़ों से घिरा हुआ था।

- सुलैमान ने लुबनान में मज़दूर भेजे थे कि ख़ुदा के हैकल के ता'मीर के लिए पेड़ काट कर लाएं।
- पुराने लुबनान में फ़ीनीके के बाशिन्दे रहते थे जो पानी के जहाज बनाने में माहिर कारीगर थे, ये जहाज समन्दर में तिजारत के लिए काम में लिए जाते थे।
- सूर और सैदा शहर लुबनान ही में थे। इन्हीं शहरों में बेशक़ीमत बैंजनी रंग सबसे पहले काम में लिया गया था।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: देवदार, सनोबर, सनोबर, फ़ीनीके)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 04:32-34
- 2 तवारीख़ 02:8-10
- इस्तिस्ना01:7-8
- ज़ुबूर 029:3-5
- ज़करियाह 10:8-10

## शब्दकोश:

- Strong's: H3844

# लुस्त्रा

## सच्चाई:

लुस्त्रा पुराने एशिया माइनर में एक शहर था जहां पौलुस ने अपने ‘ऐलान के सफ़र के दौरान दौरा किया था। वह लुकाउनिया ‘इलाक़े में था जो आज के तुर्किस्तान का हिस्सा है।

- पौलुस और उसके साथी इकुनियुम में यहूदियों की धमकी की वजह से दिरबे और लुस्त्रा चले गए थे।
- लुस्त्रा में पौलुस की मुलाक़ात तीमुथियुस से हुई थी, तीमुथियुस पौलुस का साथी ‘ऐलान करने वाला और कलीसिया का मुन्तजिम हुआ।
- लुस्त्रा में एक लंगड़े इन्सान को शिफ़ा देने की वजह से वहां के लोगों ने पौलुस और बरनबास की ‘इबादत करने का इंतज़ाम किया वे उन्हें मा’बूद समझने लगे थे लेकिन पौलुस ने उन्हें झिड़क कर ऐसा बुरा काम करने से रोका।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें:ख़ुशख़बरी देने वाला, इकुनियुम, तीमुथियुस)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तीमुथियुस 03:10-13
- रसूलों के ‘आमाल 14:5-7
- रसूलों के ‘आमाल 14:8-10
- रसूलों के ‘आमाल 14:21-22

## शब्दकोश:

- Strong's: G3082

# लूत

## सच्चाई:

लूत इब्राहीम का भतीजा था।

- वह इब्राहीम के भाई हारान का बेटा था।
- लूत इब्राहीम के साथ कना’न आया था और सदोम शहर में बस गया।
- लूत मोआबियों और अम्मोनियों का बुनियादी इन्सान था।
- जब दुश्मनों ने सदोम पर हमला करके वहां के बाशिन्दों में लूत को भी क़ैदी बना लिया था तब इब्राहीम अपने सैंकड़ों आदमियों को लेकर गया और उन सब को और पूरी लूट को छुड़ा लाया था।
- सदोम के बाशिन्दे बुराई की हद पार कर गए थे इसलिए ख़ुदा ने उस शहर को तबाह कर दिया। लेकिन उन्होंने लूत और उसके ख़ानदान को पहली बाहर निकाला कि वे बच जाएं।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: इब्राहीम , अम्मोन, हारान, मोआब, सदोम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 पतरस 02:7-9
- पैदाइश 11:27-28
- पैदाइश 12:4-5

## शब्दकोश:

- Strong's: H3876, G3091

# लूक़ा

## सच्चाई:

लूक़ा नये ‘अहदनामे की दो किताबों का मुसन्निफ़ था: लूक़ा की इंजील और रसूलों के ‘आमाल की किताब|

- कुलुस्से की कलीसिया को लिखे ख़त में पौलुस लूक़ा को हकीम कहता है। पौलुस अपने दो और ख़तों में भी लूक़ा का नाम लेता है।
- ऐसा माना जाता है कि मसीह का शागिर्द बनने से पहले लूक़ा एक यूनानी और ग़ैरक़ौमी इन्सान था। अपनी ख़ुशख़बरी में, लूक़ा बहुत सी ऐसी बातों का ज़िक्र करता है जिसके ज़रिए’ ’ईसा की मुहब्बत सबके लिए, यहूदी और ग़ैरक़ौम दोनों के लिए ज़ाहिर होती है।
- लूक़ा पौलुस के साथ दो बशारती सफ़रों में गया था और उसके कामों में उसकी मदद की थी।
- कुछ शुरू’आती कलीसियाओं में, यह कहा जाता है कि लूक़ा की पैदाइश सीरिया में अन्तोक शहर में हुई|

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: अन्तोक, पौलुस, सीरिया)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तीमुथियुस 04:11-13
- कुलुस्सियो 04:12-14
- फ़िलेमोन 01:23-25

## शब्दकोश:

# वश्ती

## सच्चाई:

पुराने 'अहद नामे में आस्तर की किताब में वश्ती बादशाह अख़्सूयरस की रानी थी।

- वश्ती ने अख़्सूयरस की दावत में हाज़िर होने के हुक्म को टाल दिया था इसलिए बादशाह अपने मेहमानों को जो शराब के नशे में थे रानी वश्ती की ख़ूबसूरती दिखाना चाहता था, लेकिन रानी वश्ती ने आने से इन्कार कर दिया था, इस वजह से बादशाह ने उसे छोड़ दिया था।
- अब नई रानी के लिए 'औरतों का चुनाव किया गया और आखीर में आस्तर रानी बनी।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का अनुवाद

(यह भी देखें: अख़्सूयरस, आस्तर, फारस)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- आस्तर 01:9-11
- आस्तर 02:1-2
- आस्तर 02:17-18

## शब्दकोश:

- Strong's: H2060

# शमा'ऊन

## सच्चाई:

पुराने 'अहद नामे में शमा'ऊन नाम के कई आदमी थे।

- पुराने 'अहद नामे में या'क़ूब (इस्राईल) के दूसरे बेटे का नाम शमा'ऊन था । उसकी माँ का नाम लीआ: था। उसकी औलाद इस्राईल के बारह क़बीलों में से एक थी ।
- शमा'ऊन के क़बीले ने वा'दे के मुल्क कन'आन में दूर क़ायम दक्खिनी 'इलाक़े पर क़ब्ज़ा कर लिया था, उस 'इलाक़े का एक हिस्सा यहूदा की मीरास में था।
- जब यूसुफ़ और मरियम 'ईसा को यरूशलीम की हैकल में सुपुर्द करने लाए थे तब शमा'ऊन नाम का एक उम्र दराज़ आदमी ने मसीह के दीदार पाने के लिए यहोवा की ता'रीफ़ की थी।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: कन'आन, मसीह, सुपुर्द करना, या’क़ूब, यहूदा, हैकल)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 29:33-34
- पैदाइश 34:24-26
- पैदाइश 42: 35-36
- पैदाइश 43:21-23
- लूक़ा 02:25-26

## शब्दकोश:

- Strong's: H8095, H8099, G4826

# शमा'ऊन जेलोतेस

## सच्चाई:

शमा'ऊन जेलोतेस 'ईसा के बारह शागिर्दों में से एक था।

- इस शमा'ऊन का नाम 'ईसा के शागिर्दों में तीन बार आया है लेकिन इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।
- यह शमा'ऊन भी 'ईसा के आसमान पर उठाए जाने के बा'द ग्यारह शागिर्दों में था जब वह यरूशलीम में दु'आ कर रहे थे ।
- जेलोतेस का मतलब यह हो सकता है कि वह उस मज़हबी "जेलोतेस" क़ौम का था जो मूसा की शरी'अत को 'अमल में और रोम मुख़ालिफ़ के साथ सख़्त मिजाज़ थे।
- या "जेलोतेस" का मतलब सिर्फ़ "जोशीला" हो सकता है जो शायद उसके मज़हबी जोश की वजह हो।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: रसूल, शागिर्द, बारहों)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 01:12-14
- लूक़ा 06:14-16
- मरकुस 03:17-19

## शब्दकोश:

- Strong's: G2208, G2581, G4613

# शमूएल

## सच्चाई:

शमूएल एक नबी था और इस्राईल का आख़िरी मुंसिफ़ था। उसने शाऊल और उसके बा'द दाऊद दोनों को इस्राईल का बादशाह होने के लिए मुबारक किया था।

- शमूएल रामा शहर में एल्क़ाना और हन्ना से पैदा हुआ था।
- हन्ना बांझ थी, उसने ख़ुदावन्द से रो-रोकर दु'आ की कि उसे बेटा दे। उसकी दु'आ सुन कर ख़ुदावन्द ने उसे शमूएल दिया।
- हन्ना ने वा'दा किया था कि, अगर ख़ुदावन्द उसे बेटा देगा तो वह उसे यहोवा की ख़िदमत में सुपुर्द कर देगी।
- जब शमूएल लड़का ही था, तब हन्ना ने उस काहिन एली के पास दे दिया और ख़ुदावन्द से की गई अपनी क़सम पूरी की।
- ख़ुदावन्द ने शमूएल को अपना एक अज़ीम नबी बनाया।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: हन्ना, क़ुज़ाती , नबी , यहोवा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 01:19-20
- 1 शमूएल 09:23-24
- 1 शमूएल 12:16-18
- रसूलों के 'आमाल 03:24-26
- रसूलों के 'आमाल 13:19-20
- 'इब्रानियों 11:32-34

## शब्दकोश:

- Strong's: H8050, G4545

# शाऊल (पुराना ‘अहद नामा )

## सच्चाई:

शाऊल एक इस्राईली था जिसे ख़ुदा ने चुनकर इस्राईल का पहला बादशाह बनाया था।

- शाऊल बहुत लम्बा और ख़ूबसूरत था, और एक ताक़तवर जंगबाज़ भी था। वह ऐसा आदमी था जिसे इस्राईली चाहते थे कि वह उनका बादशाह हो।
- या'नी वह शुरू' में ख़ुदावन्द का ख़ादिम था लेकिन बा'द में वह मग़रूर होकर ख़ुदावन्द के हुक्मों की नाफ़रमानी करने लगा था। इसलिए, ख़ुदावन्द ने दाऊद को शाऊल की जगह में बादशाह होने के लिए मुक़र्रर किया और शाऊल को जंग में मरने दिया।
- नये 'अहद नामे में, भी शाऊल नाम का एक यहूदी था जो बा'द में पौलुस कहलाया और 'ईसा का रसूल हुआ।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बादशाह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 10:1-3
- 1 शमूएल 09:1-2
- 2 शमूएल 01:1-2
- रसूलों के 'आमाल 13:21-22
- ज़बूर 018:1

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **17:01 शाऊल** इस्राईल का पहला बादशाह था | वह लम्बा और ख़ूबसूरत था, जैसा कि लोग चाहते थे | शाऊल ने पहले कुछ सालों तक इस्राईल पर अच्छी हुकूमत की | लेकिन बा'द में वह एक बुरा आदमी बन गया और उसने ख़ुदावन्द के हुक्मों की नाफ़रमानी की, और ख़ुदावन्द ने उसकी जगह पर एक दूसरा बादशाह चुना |
- **17:04 शाऊल** यह देख कि लोग दाऊद को मुहब्बत करते है उससे जलने लगा | **शाऊल** ने दाऊद को मारने का कई बार इरादा किया, इस वजह से दाऊद **शाऊल** से छिप रहा था |
- **17:05** आख़िरकार **शाऊल** जंग में मारा गया, और दाऊद इस्राईल का बादशाह बन गया |

## शब्दकोश:

- Strong's: H7586, G4549

# शारोन, शारोन का मैदान

## सच्चाई:

शारोन पहाड़ कर्मेल के दक्खिन में दरमियानी समन्दर के किनारे एक बराबर पैदावार देने वाला ज़मीन हिस्सा था। इसे “शारोना का मैदान” भी कहते हैं

- कलाम में बयान कई शहर यहाँ क़ायम थे, याफ़ा, लुद्दा और कैसरिया।
- इसका तर्जुमा “शारोन का मैदान” या “शारोन नाम का ज़मीन का हिस्सा” किया जा सकता है।
- शारोन के रहने वालों को शारोनी कहते थे।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: कैसरिया, कर्मेल, याफ़ा, समन्दर)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 05:16-17
- रसूलों के 'आमाल 09:33-35
- यसायाह 33:9

## शब्दकोश:

- Strong's: H8289, H8290

# शीबा

## सच्चाई:

पुराने ज़माने में शीबा एक पुराना तहज़ीबी 'इलाक़ा था जो दक्खिन 'अरब में था।

- शीबा मुल्क या जगह आज के यमन या इथोपिया मुल्क के क़रीब था।

वहाँ के रहने वाले शायद हाम की औलाद थे।

- शीबा की मलिका सुलैमान की हिकमत और 'अज़मत का ज़िक्र सुनकर उससे मुलाक़ात करने आई थी।
- पुराने 'अहद नामे के नसब नामें में “शीबा” नाम के कई आदमी थे। शायद है कि उस जगह का नाम शीबा इनमें से किसी एक आदमी के नाम पर पड़ा था।
- बर्शेब शहर का नाम छोटा करके एक बार पुराने 'अहद नामे में शीबा कहा गया है।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा )

(यह भी देखें: 'अरब, बर्शेबा, इथोपिया, सुलैमान)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 01:8-10
- 1 सलातीन 10:1-2
- यसायाह 60:6-7
- ज़बूर 072:8-10

## शब्दकोश:

- Strong's: H5434, H7614

# शेकेम

## सच्चाई:

शेकेम कन'आन में एक शहर था जो यरूशलीम के उत्तर में 40 मील दूर क़ायम था। शेकेम पुराने 'अहद नामे में एक आदमी का भी नाम था।

- शेकेम वह जगह थी जहाँ या'क़ूब लौटने के बा'द अपने भाई ऐसौ से सुलह करके बस गया था।
- या'क़ूब ने शेकेम के हिव्वी हमूर के बेटों से ज़मीन ख़रीदी थी यह ज़मीन का हिस्सा बा'द में उनका ख़ानदानी क़ब्रिस्तान हो गया था, वहीं या'क़ूब के बेटों ने उसे दफ़न किया था।
- हमूर के बेटे शेकेम ने या'क़ूब की बेटी दीना के साथ ज़िनाकारी की थी जिसका नतीजा यह हुआ कि या'क़ूब के बेटों ने शेकेम शहर के सब आदमियों को मार डाला था।

(तर्जुमा की सलाह : हामोर

(यह भी देखें: कन'आन, ऐसौ, हामोर, हिव्वी, या'क़ूब)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 07:14-16
- पैदाइश 12: 6-7
- पैदाइश 33: 18-20
- पैदाइश 37: 12-14

## शब्दकोश:

- Strong's: H7928, H7930

# शेत

## सच्चाई:

पैदाइश की किताब में, शेत आदम और हव्वा का तीसरा बेटा था।

- हव्वा ने कहा कि उसके बेटे हाबिल की जगह में उसे शेत दिया गया, हाबिल को उसके भाई काइन ने क़त्ल कर दिया था ।
- नूह शेत की नसलों में से था, लिहाज़ा सैलाब के बा'द सब शेत ही की औलाद हैं।
- शेत और उसका ख़ानदान सबसे पहले इन्सान थे जिन्होंने “ख़ुदा का नाम पुकारा था।"

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: हाबिल, काइन, पुकारना, नसल, बाप दादा, सैलाब, नूह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 01:1-4
- लूक़ा 03:36-38
- गिनती 24:17

## शब्दकोश:

- Strong's: H8352, G4589

# शेम

## सचचाई:

शेम नूह के तीन बेटों में से एक था, पैदाइश की किताब में बयान है कि सारी दुनिया में सैलाब के वक़्त वह नूह के साथ उसके जहाज में था।

- शेम इब्राहीम और उसकी “औलादों” का बुज़ुर्ग था।
- शेम की औलाद “सामी” कहलाए जो 'इब्रानी और 'अरबी ज़बान जैसी सामी ज़बाने बोलते थे।
- कलाम बताता है कि शेम तक़रीबन 600 साल ज़िन्दा रहा।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: इब्राहीम, अरेबिया, बड़ा जहाज, सैलाब, नूह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 05:32
- पैदाइश 06:9-10
- पैदाइश 07: 13-14
- पैदाइश 10:1
- पैदाइश 10:30-31
- पैदाइश 11: 10-11
- लूक़ा 03:36-38

## शब्दकोश:

- Strong's: H8035, G4590

# सदूम

## ता’अर्रुफ़:

सदूम कन'आन के दक्खिनी हिस्से में एक शहर था, जहाँ इब्राहीम के भतीजे लूत अपने ख़ानदान के साथ रहने गया था।

- सदूम के इर्द गिर्द के 'इलाक़े की ज़मीन बहुत अच्छी तरह से उपजाऊ थी , यही वजह थी कि लूत ने वह जगह अपने रहने के लिए चुना था।
- इस जगह के मक़ाम मा'लूम नहीं, क्यूँकि वह पूरा ‘इलाक़ा, सदूम, अमूरा और आसपास का 'इलाक़ा वहाँ के रहने वालों के बुरे कामों की सज़ा के तौर पर ख़ुदा ने पूरे तरीक़े से तबाह कर दिया था।
- वहाँ के लोगों का सबसे बड़ा गुनाह लवातत परस्त थे ।

(यह भी देखें: कन'आन, अमूरा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 10: 19-20
- पैदाइश 13: 12-13
- मत्ती. 10:14-15
- मत्ती 11:23-24

## शब्दकोश:

- Strong's: H5467, G4670

# सदोक़

## सच्चाई:

सदोक़ दाऊद बादशाह की बादशाहत के वक़्त में इस्राईल का एक खास सरदार काहिन था।

- जब अबशालोम ने राजा दाऊद के ख़िलाफ़ बग़ावत किया, तब सदोक़ दाऊद की हिमायत करता था और उसने 'अहद के सन्दूक़ को यरूशलीम से वापस लाने में मदद की।
- सालों बा'द उसने दाऊद के बेटे सुलैमान को बादशाहत के लिए मसह करने में मदद किया था।
- सदोक़ नाम के दो आदमियों ने नहमियाह के वक़्त यरूशलीम की शहरपनाह का फिर से ता'मीर करने में मदद की थी।
- योताम बादशाह के दादा का नाम भी सदोक़ था।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: 'अहद का सन्दूक, दाऊद, योताम, नहमियाह, बादशाहत करना, सुलैमान)

## किताब-ए-मुकद्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 24:1-3
- 1 सलातीन 01:26-27
- 2 समूएल 15:24-26
- मत्ती 01:12-14

## शब्दकोश:

- Strong's: H6659, G4524

# सन्हेरीब

## सच्चाई:

सन्हेरीब असूरों का एक ताक़तवर बादशाह था जिसने नीनवे को एक अमीर और ख़ास शहर बना दिया था।

- सन्हेरीब बाबुल और यहूदा मुल्क से जंग करने के लिए जाना गया है।
- वह एक ज़बरदस्त बादशाह था और यहोवा का ख़ैर मक़दम करता था।
- सन्हेरीब ने हिज़किय्याह बादशाह के वक़्त में यरूशलीम पर हमला किया था।
- यहोवा ने सन्हेरीब की फ़ौज को तबाह कर दिया था।
- पुराने 'अहद नामा में बादशाहों और तवारीख़ की किताबों में सन्हेरीब की बादशाही के हादसे दर्ज हैं।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: असूर, बाबुल , हिज़किय्याह, यहूदा, मज़ाक करना, [नीनवे[

## किताब-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तवारीख़ 32:1
- 2 तवारीख़ 32:16-17
- 2 सलातीन 18:13-15

## शब्दकोश:

# समन्दर, बड़ा समन्दर, पश्चिम के समन्दर, भूमध्य समन्दर

## सच्चाई:

कलाम में “बड़ा समन्दर” या “पश्चिमी समन्दर” आज के भूमध्य समन्दर के बारे में है। यह कलाम के वक़्त के लोगों के लिए सबसे बड़ा समन्दर था।

- यह इस बड़े समन्दर (भूमध्य समन्दर) के चारों तरफ़ थे: इस्राईल(पूरब में), यूरोप (उत्तर और पश्चिम में) और अफ़्रीक़ा (दक्खिन में)।
- पुराने वक़्त में यह समन्दर बहुत ही ख़ास था क्यूँकि इसमें कारोबार और पानी से सफ़र किया जाता था क्यूँकि इसके किनारे पर कई मुल्क थे। इस समन्दर के किनारे पर मौजूद शहर और वहाँ के लोग बहुत कामयाब थे क्यूँकि दूसरे मुल्कों से जहाज़ के ज़रिए' सामान लाना आसान था।
- यह बड़े समन्दर इस्राईल के पश्चिम में था इसलिए इसे “पश्चिमी समन्दर” भी कहा गया है।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा)

(यह भी देखें: इस्राईल, लोगों का झुण्ड, कामयाब)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- हिज़्क़ीएल 47:15-17
- हिज़्क़ीएल 47:18-20
- यशू'अ 15:3-4
- गिनती 13:27-29

## शब्दकोश:

- Strong's: H314, H1419, H3220

# समसून

## सच्चाई:

समसून इस्राईली मुंसिफ़ों में से एक था, और इस्राईल का छुड़ाने वाला था। वह दान के क़बीले का था।

- ख़ुदावन्द ने उसे ज़बरदस्त ताक़त दी थी जिससे उसने इस्राईल के दुश्मन फ़िलिस्तियों से लड़ने में काम में ली।
- समसून क़सम में मजबूत था कि वह न तो शराब नोशी करेगा, न ही किसी तरह का खमीरी पीने वाली चीज़ पीएगा। जब तक वह अपनी क़सम पर क़ायम रहा, ख़ुदावन्द उसे ताक़त देता रहा।
- उसने अपनी ताक़त का राज़ जाहिर करके बाल कटवा लिए और फ़िलिस्तियों ने उसे क़ैदी बना लिया।
- जब समसून क़ैदखाने में था, ख़ुदावन्द ने उसे ताक़त दी और कई फ़िलिस्तियों के साथ उनके दागोन मा'बूद की हैकल को ख़त्म करवाया।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: नजात दिलाना, फ़िलिस्ती , इस्राईल के बारह क़बीले )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 'इब्रानियों 11:32-34
- क़ुज़ात 13:24-25
- क़ुज़ात 16:1-2
- क़ुज़ात 16:30-31

## शब्दकोश:

- Strong's: H8123, G4546

# साइप्रस

## सच्चाई:

साइप्रस समन्दर के किनारे का मुल्की हिस्सा है है जो आज के तुर्किस्तान से 64 किलोमीटर दाख़िन में था।

- बरनबास साइप्रस का बाशिन्दा था, और मूमकिन है कि यूहन्ना मरकुस भी वहीं रहा होगा क्योंकि दोनों रिश्ते में भाई थे।
- पौलुस और बरनबास ने अपनी पहले मुनादी सफ़र के शुरू' में साइप्रस में ख़ुशख़बरी सुनाया था। उस सफ़र में यूहन्ना मरकुस उनकी ख़िदमत में था।
- बाद में बरनबास और यूहन्ना मरकुस ने साइप्रस का दुबारा दौरा किया था।
- पुराने 'अहद नामे में साइप्रस सरू के पेड़ों की बहुतायत के लिए मशहूर था।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: बरनबास, यूहन्ना, मरकुस, समन्दर

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 04:36-37
- रसूलों के 'आमाल 13:4-5
- रसूलों के 'आमाल 15:39-41
- रसूलों के 'आमाल 27:3-6
- हिज़क़ीएल 27:6-7
- यसायाह 23:10-12

## शब्दकोश:

- Strong's: G2953, G2954

# सामरिया, सामरी

## सच्चाई:

सामरिया उत्तरी मुल्क इस्राईल में एक शहर और उसके आसपास के 'इलाक़ों का नाम था। यह मक़ाम पश्चिम में शारोन के मैदान और पूरब में यरदन नदी के दरमियान था।

- पुराने 'अहद नामे के ज़माने में, सामरिया उत्तरी मुल्क इस्राईल की सल्तनत थी। उस वक़्त के बा'द में इसके आसपास का 'इलाक़ा भी सामरिया कहलाने लगा था।
- जब असूरों ने उत्तरी मुल्क इस्राईल को फ़तह कर लिया था और ज़्यादातर इस्राईलियों को वहाँ से बाज़ू के ज़ोर से ले जाकर असूर मुल्क के अलग अलग शहरों में बसा दिया था।
- असूर कई परदेशियों को वहाँ इस्राईलियों के मक़ाम में बसा कर चले गए थे।
- जो इस्राईली वहाँ रह गए थे उन्होंने उन परदेशियों से शादी कर ली थी और इस तरह उनकी औलाद सामरी कहलाए।
- यहूदी सामरियों से नफ़रत करते थे क्यूँकि वह आधे यहूदी थे और क्यूँकि उनके बाप दादा बुत परस्त थे।
- नये 'अहद नामे के ज़माने में, सामरिया 'इलाक़ा उत्तर में गलील इलाक़ा ओर दक्खिन में यहूदिया की सरहदों से घिरा हुआ था।

(यह भी देखें: असूर, गलील, यहूदिया, शारोन, इस्राईल का मुल्क )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलो के आमाल 08:1-3
- रसूलो के आमाल 08:4-5
- यूहन्ना 04:4-5
- लूक़ा 09:51-53
- लूक़ा 10:33-35

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल :

- **20:04**तब असूरियों ने ग़ैर क़ौमों को उस ज़मीन पर रहने को कहा जहाँ पर इस्राईली मुल्क था| ग़ैर क़ौमों ने उस बर्बाद शहर को दोबारा तैयार किया, और वहाँ बाक़ी बचे इस्राईलियों से शादी की | इस्राईलियों की वह औलादें जिन्होंने ग़ैर क़ौमों से शादी की थी वह **सामारी** कहलाए|
- **27:08**"अगला आदमी जो वहाँ से जा रहा था वह एक **सामरी** था| (**सामरी** यहूदियों की औलाद थे , जिन्होंने ग़ैर मुल्क के लोगों से शादी करी थी | **सामरी** और यहूदियों को एक दूसरे से नफ़रत थी।)"
- **27:09**"**सामरी** आदमी ने उस घायल आदमी को अपने गधे पर लाद लिया और उसे सड़क के पार एक सराय में ले गया जहाँ उसकी देख-भाल की|"
- **45:07** वह (फिलिप्पुस)**सामरिया** शहर में गया और वहा लोगों को 'ईसा के बारे में बताया और बहुत से लोग बचाए गए|

## शब्दकोश:

- Strong's: H8111, H8115, H8118, G4540, G4541, G4542

# सारा, सारय

## सच्चाई:

- सारा इब्राहीम की बीवी थी।
- उसका लफ़्ज़ी नाम "सारै" था लेकिन ख़ुदावन्द ने उसका नाम बदलकर "सारा" रखा।
- सारा ने ख़ुदावन्द के वा'दे के मुताबिक़ बेटे को पैदा किया।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: इब्राहीम , इस्हाक़)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 11:29-30
- पैदाइश 11:31-32
- पैदाइश 17:15-16
- पैदाइश 25:9-11

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **05:01** तो अब्राम की बीवी **सारय**, ने उससे कहा, "देख ख़ुदावन्द ने मेरे रहम को बन्द कर रखा है, इसलिए मैं तुझ से मिन्नत करती हूँ कि तू मेरी लौंडी हाजिरा के पास जा | तू उससे शादी भी करना ताकि, उसके ज़रिए' मेरी गोद भर सके |
- **05:04** "तुम्हारी बीवी, **सारय**को एक बेटा होगा--वह वा'दे का बेटा होगा।"
- **05:04**" ख़ुदावन्द ने **सारय**का नाम बदलकर **सारा** रखा, जिसका मतलब है, "शहज़ादी
- **05:05**"तक़रीबन एक साल बा'द, जब इब्राहीम सौ साल का था और **सारा** नब्बे साल की थी, **सारा**ने इब्राहीम के बेटे को पैदा किया| उन्होंने उसका नाम इस्हाक़ रखा, जैसा कि ख़ुदावन्द ने कहा था|

## शब्दकोश:

- Strong's: H8283, H8297, G4564

# सिदक़ियाह

## सच्चाई:

सिदक़ियाह यहूदा का आख़री बादशाह था (597-587 ई.पू.)। पुराने 'अहद नामे में सिदक़ियाह नाम के और भी शख्स हुए हैं।

- बादशाह नबूकदनज़र ने यहूदा के बादशाह सिदक़ियाह को बादशाह यहूयक़ीम को पकड़ कर बाबुल को ले जाने के बा'द बनाया था। बा'द में सिदक़ियाह ने बग़ावत किया और नबूकदनज़र ने उसे पकड़ा और पुरे यरूशलीम को बर्बाद कर दिया।
- सिदक़ियाह, कना'ना का बेटा , इस्राईल के बादशाह अहाब के वक़्त एक झूठा नबी था।
- सिदक़ियाह नाम का एक आदमी नहमियाह के वक़्त ख़ुदावन्द के साथ एक सुलह नामे पर दस्तखत किए थे।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तेर्जुमा कैसे करें )

(यह भी देखें :अहाब, बाबुल, हिज़क़ीएल, इस्राएल कामुल्क , यहूयक़ीम, यरमियाह, यूसियाह, यहूदा, नबूकदनेस्सर, नहमियाह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 03:15-16
- यरमियाह 37:1-2
- यरमियाह 39:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H6667

# सिन'आर

## सच्चाई:

“सिन'आर” या'नी दो नदियों का मुल्क , यह जगह दक्खिनी मिसोपतामिया में थी ।

बा'द में सिन'आर का नाम क़सदी तदोपरान्त बाबुल हुआ। बाबुल में रहनेवाले पुराने लोगों ने एक ऊंचा मीनार बनाने की कोशिशकी थी कि अपने को बड़ा बनाएं। नस्लों बा'द यहूदी बुज़ुर्ग इब्राहीम इसी 'इलाक़े के ऊर शहर में रहता था, उस वक़्त इस जगह का नाम “क़सदी” था।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: इब्राहीम , बाबुल, बाबुल, क़सदी, मसोपतामिया, पित्र, ऊर)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 10:8-10
- पैदाइश 14: 1-2
- पैदाइश 14:7-9
- यसा'याह 11:10-11
- ज़करियाह 05:10-11

## शब्दकोश:

- Strong's: H8152

# सिन’आर

## सच्चाई:

ख़ुदा ने सदोम और अमोरा को हलाक किया तो लूत एक छोटे शहर सिन’आर में जा बसा था।

- इस शहर का नाम “बेला” था लेकिन जब लूत ने ख़ुदा से उस शहर को बचाए रखने की मिन्नत की थी तब उसका नाम सिन’आर पड़ा था।
- माना जाता है कि सिन’आर शहर यरदन नदी के मैदानी ‘इलाक़े में था या मौत का -सागर के पच्छिमी सिरे पर था।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: लूत, सदोम, अमोरा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इस्तिसिना 34:1-3
- पैदाइश 13:10-11
- पैदाइश 14:1-2
- पैदाइश 19:21-22
- पैदाइश 19:23-25

## शब्दकोश:

- Strong's: H6820

# सिम'ई

## ता’अरुफ़:

पुराने अहद नामे में सिम'ई नाम के कई आदमी हुए हैं ।

- गेरा का बेटा सिम'ई एक बिन्यामीनी था जिसने दाऊद को ला'नत दिया और उस पर पत्थर फेंके थे जब वह अपने बेटे अबीसलोम से बच कर यरूशलीम से भाग रहा था।
- पुराने 'अहद नामे में सिम'ई नाम के कई लावी काहिन भी हुए हैं।

(यह भी देखें: अबीसलोम, बिन्यामीन, लावी, काहिन)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 06:16-18
- 1 सलातीन 01:7-8
- 2 शमूएल 16:13-14
- ज़करियाह 12:12-14

## शब्दकोश:

- Strong's: H8096, H8097

# सीनै, सीनै पहाड़

## सच्चाई:

सीनै पहाड़ शायद एक पहाड़ था जो आज के सीनै प्रायद्वीप के दक्खिन में है। यह "होरेब पहाड़" की शक्ल में भी जाना जाता था।

- सीनै पहाड़ एक बहुत बड़ा चट्टानी रेगिस्तान का हिस्सा है।
- मिस्र से निकल कर वा'दे के मुल्क के सफ़र के वक़्त इस्राईली सीनै पहाड़ के क़रीब पहुँचे थे।
- ख़ुदा ने सीनै पहाड़ पर ही मूसा को दस हुक्म दिए थे ।

(यह भी देखें: रेगिस्तान, मिस्र, होरेब, वा'दे का मुल्क, दस हुक्म)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 07:29-30
- ख़ुरूज 16:1-3
- गलातियों 04:24-25
- अह्बार 27:34
- गिनती 01:17-19

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- 13:01__ के बा'द ख़ुदा लाल समन्दर के ज़रिए' से इस्राईलियों की रहनुमाई की , वह उन्हें **सीनै** नाम के पहाड़ पर जंगल में ले गया।
- **13:03** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को रूहानी शक्ल से तैयार करें ,जब ख़ुदा **सीनै पहाड़** पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पहाड़ पर काले बादल छा गए फिर नरसिंगे की बड़ी ज़ोर से आवाज़ आई |
- **13:11** कई दिनों तक मूसा **सीनै पहाड़** के ऊपर ख़ुदा से बात करता रहा |
- **15:13** तब यसू'अ ने इस्राईलियों को वह 'अहद याद दिलाया जो उन्होंने ख़ुदा के साथ _सीनै पहाड़ _ पर बाँधा था, कि वह उस पर 'अमल करेंगे।

## शब्दकोश:

- Strong's: H2022, H5514, G3735, G4614

# सीरिया

## सच्चाई:

सीरिया इस्राईल के उत्तर पूरब में है। नए 'अहद नामे के वक़्त, यह रोमन सल्तनत की हुकमरान के तहत एक सूबा था।

- पुराने 'अहद नामे के वक़्त मैं सीरियाई सैन्य इस्राईलियों के मज़बूत दुश्मन थे।
- नामान सीरिया की फ़ौज का सिपेसालार था जिसे एलीशा ने कोढ़ से आज़ाद किया था।
- सीरिया के कई रहने वाले आराम की औलाद थे, जो नूह के बेटे शेम की औलाद था।
- दमिश्क़, सीरिया की सल्तनत का नाम है जिसका ज़िक्र कई बार कलाम में बयान हुआ है।
- शाऊल दमिश्क़ शहर में ईमानदारों को सताने के मन्सूबे से गया था लेकिन 'ईसा ने उसे रोक दिया था।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: आराम, सिपेसालार, दमिश्क़, औलाद, एलीशा, कोढ़ , ना'मान, सताना, नबी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 15:22-23
- रसूलों के 'आमाल 15:39-41
- रसूलों के 'आमाल 20:1-3
- गलातियों 01:21-24
- मत्ती. 04:23-25

## शब्दकोश:

- Strong's: H130, H726, H758, H761, H762, H804, H1834, H4601, H7421, G4947, G4948

# सीलास, सिल्वानुस

## सच्चाई:

सीलास यरूशलीम के मसीही ईमानदारों का रहनुमा था।

- यरूशलीम की कलीसिया के बुजुर्गों ने सीलास को पौलुस और बरनबास के साथ जाने के लिए मुक़र्रर किया कि अन्ताकिया के लिए ख़त ले जाए।
- आगे चलकर सिलास पौलुस के साथ और शहरों में भी 'ईसा की ख़ुशख़बरी करने के लिए गया था।
- पौलुस और सीलास फ़िलिप्पी के क़ैदखाने में एक साथ थे। वहाँ वह ख़ुदा की 'इबादत कर रहे थे और ख़ुदावन्द ने उन्हें वहाँ से आज़ादी दिलाई। उनकी इस गवाही के नतीजे उस क़ैदखाने का जेलर मसीही ईमानदार हो गया।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: अन्ताकिया, बरनबास, यरूशलीम, पौलुस, फिलिप्पुस, क़ैदखाना, गवाही)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 पतरस 05:12-14
- 1 थिस्सलुनीकियों 01:1
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:1-2
- रसूलों के 'आमाल 15:22-23

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **47: 1** एक दिन, पौलुस और उसका दोस्त __ सिलास फ़िलिप्पी के शहर में 'ईसा के बारे में ख़ुशख़बरी देने के लिए गए।
- **47:02** वह (लुदिया ) ने पौलुस और __ सिलास को अपने घर में रहने के लिए बुलाया , इसलिए वह उसके और उसके ख़ानदान के साथ रहे।
- **47:03** पौलुस और _ सिलास_ अक्सर दु'आ की जगह पर लोगों के साथ मिलते थे ।
- **47:07** इसलिए ग़ुलाम लड़की के मालिकों ने पौलुस और __ सिलास को रोमन हाकिमों के पास ले गए, जिन्होंने उन्हें मारा और उन्हें जेल में फेंक दिया।
- **47:08** उन्होंने पौलुस और __ सिलास को जेल के सबसे महफ़ूज़ हिस्से में रखा और यहां तक कि उनके पैरों को भी बाँध दिया।
- **47:11** जेलर कांपते हुए' पौलुस और __ सिलास के पास आया और पूछा, "बचने के लिए मुझे क्या करना चाहिए?"
- **47:13** अगले दिन शहर के रहनुमाओं ने पौलुस और _ सिलास को जेल से रिहा कर दिया और उन्हें फ़िलिप्पी छोड़ने के लिए कहा। पौलुस और _ सिलास ने लुदिया और कुछ और दोस्तों सें मिले और फिर शहर छोड़ दिया।

## शब्दकोश:

- Strong's: G4609, G4610

# सुलैमान

## सच्चाई:

सुलैमान दाऊद के बेटों में से एक था। उसकी माँ नाम बतशबा था ।

- जब सुलैमान तख़्त सल्तनत पर बैठा तब ख़ुदा ने उससे कहा था कि वह जो चाहे उससे मांग ले। तब सुलैमान ने अपने लोगों पर मुनासिब हुकूमत करने के लिए हिकमत 'अमली तलब की । ख़ुदा सुलैमान की इस इल्तिजा से ख़ुश हुआ और उसे हिकमत और माल दोनों दिया।

सुलैमान यरूशलीम के शानदार हैकल को बनाने के लिए भी मशहूर है।

- सुलैमान ने शुरू'आती सालों में तो बड़ी हिकमत-ए-'अमली से बादशाहत की लेकिन बा'द में उसने ग़ैर क़ौमों की 'औरतों से शादी करके बुत परस्ती शुरू' कर दी थी।
- सुलैमान की इस दग़ाबाज़ी की वजह से ख़ुदा ने उसकी मौत के बा'द इस्राईल को दो मुल्कों में बाँट दिया, एक इस्राईल और दूसरा यहूदा। यह दोनों मुल्क हमेशा लड़ते रहते थे।

(तर्जुमा की सलाह :नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बतशबा, दाऊद, इस्राईल, यहूदा, इस्राईल का मुल्क , हैकल)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के ‘आमाल . 07:47-50
- लूक़ा 12:27-28
- मत्ती. 01:7-8
- मत्ती. 06:27-29
- मत्ती 12:42

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **17:14** उसके बा'द, दाऊद से बतशबा को एक और बेटा पैदा हुआ उसका नाम उन्होंने **सुलैमान** रखा।
- **18:01** कई सालों बा'द, जब दाऊद की मौत हो गई, तब उसके बेटे **सुलैमान** ने इस्राईल पर हुकूमत करना शुरू' किया | ख़ुदा ने **सुलैमान** से बात की और उससे कहा, “जो कुछ तू चाहे कि मैं तुझे दूँ, वह माँग | ” जब **सुलैमान** ने हिकमत माँगी, ख़ुदा उससे ख़ुश हुआ और उसे दुनिया का सबसे दानिशवर आदमी बना दिया | ख़ुदा ने उसे बहुत मालदार सख्स बनाया |
- **18:02** यरुशलीम में, **सुलैमान** ने अपने बाप के मन्सूबे के मुताबिक़ एक हैकल बनाने का फ़ैसला किया और उसके लिए समान जमा' किया |
- **18:03** लेकिन **सुलैमान** कई मुल्कों की 'औरतों से मुहब्बत करता था |. लिहाज़ा जब **सुलैमान** बूढ़ा हुआ तब उसकी 'औरतों ने उसका मन ग़ैर मा'बूदों की तरफ़ बहका दिया |
- **18:04** तब ख़ुदा ने **सुलैमान** पर ग़ुस्सा किया, और **उसकी** नारास्ती की वजह से उसे सज़ा दिया, और 'अहद बाँधा कि **सुलैमान** की मौत के बा'द वह इस्राईल के मुल्क को दो हिस्सों में बाँट देंगा।

## शब्दकोश:

- Strong's: H8010, G4672

# सुक़्क़ात

## ता'अर्रुफ़:

सुक़्क़ात पुराने 'अहद नामे में दो शहरों का नाम था। सुक़्क़ात लफ़्ज़ का मतलब है “पनाह गाह ”

- पहला सुक़्क़ात शहर यरदन नदी के पूरब में था।
- या'क़ूब अपने ख़ानदान और जानवरों के साथ सुक़्क़ात में रूका जहाँ उसने अपने लिए झोपड़ियाँ बनाई थीं ।
- सैंकड़ों साल बा'द गिदोन और उसके जवान मर्द मिद्यानियों का पीछा करते हुए थककर सुक़्क़ात में रूके थे लेकिन वहाँ के रहनेवालों ने उन्हें खाना देने से इन्कार कर दिया था।
- दूसरा सुक़्क़ात मिस्र की उत्तरी सरहद पर था जहाँ इस्राईली लाल समन्दर पार करने के बा'द रुके थे, जब वह मिस्र से जा रहे थे।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 07:46-47
- ख़ुरूज 12:37-40
- यसू'अ 13:27-28
- क़ुज़ात 08:4-5

## शब्दकोश:

- Strong's: H5523, H5524

# सूर, सूर के लोग

## सच्चाई:

सूर शहर कना’न का एक पुराना शहर था समन्दर से दूर के किनारे पर जो आज लबानोन का एक हिस्सा है। इस शहर के लोगों को "सूर के लोग" कहा जाता था।

- इस शहर का एक हिस्सा टापू पर समन्दर में मौजूद था जो करीब एक किलोमीटर ज़मीन से दूर था
- उसकी जुगराफिय हालत और क़ीमती क़ुदरती सामानों की वजह जैसे की देवदार पेड़ , सोर का तिजारती काम तरक़्क़ी पर था और वह एक मालदार शहर था।
- सूर के बादशाह हीराम ने बादशाह दाऊद के लिए महल बनाने में देवदार के पेड़ों की लकड़ी और माहिर मज़दूरों को भेजा था।
- सालों बा’द, हीराम ने भी हैकल बनाने में मदद करने के लिए बादशाह सुलेमान को लकड़ी और माहिर मज़दूरों को भेजा। सुलैमान ने उन्हें बड़ी ता’दाद में गेहूं और जैतून का तेल दिया।
- सूर का नाम हमेशा ही नज़दीकी सैदा शहर के साथ आता है। यह कना’न के ‘इलाक़े के सबसे ख़ास शहर थे, जिन्हें फीनीके कहा जाता था।

(तर्जुमे की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें :कना’न, देवदारू , इस्राईल, झील, फ़ीनीके, सैदा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल . 12:20-21
- मरकुस 03:7-8
- मत्ती 11:20-22
- मत्ती 15:21-23

## शब्दकोश:

- Strong's: H6865, H6876, G5183, G5184

# सैदा, सैदानियों

## सच्चाई:

सैदा कन'आन का पहलौठ बेटा था। सैदा नाम का कन'आन में एक शहर भी था, शायद कन'आन के बेटे के नाम पर।

- सैदा शहर इस्राईल के उत्तर-पश्चिम में दरमियानी समन्दर के किनारे पर बसा था जो आज के लबनान मुल्क का एक हिस्सा है।
- “सैदानियों” फ़िनीके की क़ौम के लोग थे जो पुराने सैदा और उसके आसपास के 'इलाक़ों में रहते थे।
- बाबुल में सैदा, सूर के क़रीबी रिश्ते को बताया गया है यह दोनों शहर अपने ग़ैर इख़लाक़ी सुलूक के लिए मशहूर थे।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: कन'आन, नूह, फ़िनीके, समन्दर, सूर)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 12:20-21
- रसूलों के 'आमाल 27:3-6
- पैदाइश 10: 15-18
- पैदाइश 10: 19-20
- मरकुस 03:7-8
- मत्ती 11:20-22
- मत्ती 15:21-23

## शब्दकोश:

- Strong's: H6721, H6722, G4605, G4606

# सैला

## सच्चाई:

सैला शहरपनाह का एक कन'आनी शहर था जिसे इस्राईल ने यसू'अ की रहनुमाई में फ़तह कर लिया था।

सैला शहर यरदन नदी के पश्चिम में और बेतेल के उत्तर-पूरब में था। इस्राईल में यसू'अ की रहनुमाई के वक़्त सैला शहर इस्राईलियों के लिए मिलने की जगह थी। इस्राईल के 12 क़बीले सैला में मौजूद होकर यसू'अ का ऐलान सुनते थे कि कन'आन का कौन सा हिस्सा किस क़बीले को दिया गया है। यरूशलीम की हैकल ता'मीर होने से पहले इस्राईली सैला में ख़ुदा के लिए क़ुर्बानी पेश करने आते थे। जवान शमूएल को उसकी माँ ने सैला में रखा था कि काहिन 'एली से यहोवा की ख़िदमत करना सीखे।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बेतेल, सुपुर्द करना, हन्ना, यरूशलीम, यरदन नदी, काहिन, क़ुर्बानी, शमूएल, हैकल )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 02:26-27
- 1 शमूएल 01:9-10
- यसू'अ 18:1-2
- क़ुज़ात 18:30-31

## शब्दकोश:

- Strong's: H7886, H7887

# स्तिफ़नुस

## सच्चाई:

स्तिफ़नुस पहला शहीद मसीही या'नी मसीह में ईमान की वजह से क़त्ल किया गया। उसकी ज़िन्दगी और मौत की सच्चाई रसूलों के 'आमाल की किताब में हैं।

- स्तिफ़नुस को शुरू'आती कलीसिया ने यरूशलीम में बेवाओं और कई ज़रूरतमन्द ईमानदारों के लिए खाना फ़राहम की ख़िदमत के लिए एक ख़ादिम चुना था।
- कुछ यहूदियों ने उस पर झूठा इल्ज़ाम लगाया था कि वह ख़ुदावन्द और मूसा की शरी'अत के ख़िलाफ़ बोलता है।
- स्तिफ़नुस ने मसीह 'ईसा के बारे में बेख़ौफ़ होकर सच्चाई का ज़िक्र किया और इस्राईल के साथ शुरू' से लेकर ख़ुदावन्द के किरदार का बयान किया था।
- उसकी बातें सुनकर यहूदी रहनुमा आग बबूला हो गए और उसे शहर के बाहर ले जाकर पथराव कर के मार डाला।
- उसकी मौत का गवाह तर्शिश का शाऊल भी था जो बा'द में रसूल पौलुस हुआ।
- स्तिफ़नुस ने मरने से पहले जो आख़िरी दु'आ की वह यादगार है, “ऐ ख़ुदा उनसे इस गुनाह का हिसाब मत लेना” इससे लोगों के लिए उसका प्यार ज़ाहिर होता है।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: मुक़र्रर, सदाक़त , यरूशलीम, पौलुस, पत्थर, सच्ची)

## किताब-ए-मुक़द्दस क्र बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 06:5-6
- रसूलों के 'आमाल 06:8-9
- रसूलों के 'आमाल 06:10-11
- रसूलों के 'आमाल 06:12-15
- रसूलों के 'आमाल 07:59-60
- रसूलों के 'आमाल 11:19-21
- रसूलों के 'आमाल 22:19-21

## शब्दकोश:

- Strong's: G4736

# सफ़नियाह

## सच्चाई:

सफ़नियाह नबी , खोरस का बेटा , यरूशलीम का रहने वाला था और यहूदा के मुल्क यूसियाह के बादशाहत के ज़माने में उसने नबुव्वत की थी। उसकी ख़िदमत का ज़माना यरमियाह के वक़्त का है।

- उसने लोगों को बुतों की ‘इबादत के लिए झिड़का था। उनकी नबुव्वतें पुराने ‘अहद नामे में सफ़नियाह की किताब में लिखी गई है।
- पुराने ‘अहद नामे में सफ़नियाह नाम के कई शख़्स भी हुए हैं जिनमें से ज्यादातर काहिन थे।।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा )

(यह भी देखें: यरमियाह , यूसियाह , काहिन)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 सलातीन 25:18-19
- यरमियाह 52:24-25
- ज़करियाह 06:9-11
- सफ़नियाह 01:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H6846

# हज्जै

## सच्चाई:

यहूदियों ने बाबुल में गुलाम होने से घर लौटने के बा'द हज्जै यहूदाह के एक नबी थे।

- उस वक़्त के दौरान जब हज्जै नबूव्वत कर रहा था, तब बादशाह उज्जिया यहूदाह पर हुकूमत कर रहा था।
- इस वक़्त के दौरान नबी ज़करियाह भी नबूव्वत कर रहा था।
- हज्जै और ज़करियाह ने यहूदियों को हैकल को फिर से ता'मीर करने के लिए हौसला दिया, जिसे बाबुलियों ने बादशाह नबूकदनजर के ताबे' बर्बाद कर दिया था।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा

(यह भी देखें: बाबुल, यहूदाह, नबूकदनजर, उज्जियाह, [ज़करियाह )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 'अज़्रा 05:1-2
- 'अज़्रा 06:13-15

## शब्दकोश:

- Strong's: H2292

# हननियाह

## सच्चाई:

पुराने ‘अहदनामे में बहुत से नेक आदमियों के नाम हननियाह थे।

- एक हननियाह बाबुल में एक इस्राईली बंधुआ था। जिसका नाम बादशाह ने शद्रक रखा था।
- उसके बहुत अच्छे किरदार और काबिलियत की वजह से उसे बादशाही ख़ादिम का ‘उहदा दिया गया था।
- एक बार हननियाह (शद्रक) और दो और इस्राईली आदमियों को आग की भट्ठी में डाल दिया गया था क्योंकि उन्होंने बाबुल के बादशाह की ‘इबादत नहीं की थी। ख़ुदा ने उन्हें नुक़सान से बचाकर अपनी क़ुव्वत ज़ाहिर की थी|
- एक और हननियाह का नाम बादशाह सुलेमान के नसबनामे में है।
- एक और हननियाह यरमियाह के वक़्त झूठा नबी था।
- हननियाह नाम का एक काहिन भी था जिसने नहमियाह के वक़्त ख़ुशी मनाने में रहनुमाई की थी।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा)

(यह भी देखें: अज़रियाह, बाबुल, दानिएल, झूठा नबी, यरमियाह, मीशाईल)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- दानिएल 01:6-7
- दानिएल 02:17-18
- यरमियाह 28:1-2
- यरमियाह 28:5-7
- यरमियाह 28:15-17

## शब्दकोश:

- Strong's: H2608

# हनूक

## सच्चाई:

हनूक नाम के दो आदमी पुराने 'अहद नामें में हुए हैं।

- हनूक नाम का एक शख़्स शेत से था। वह नूह का परदादा था।
- यह हनूक ख़ुदावन्द के साथ क़रीबी ता'ल्लुक़ात रखता था, 365 साल की 'उम्र में वह ख़ुदा के ज़रिए आसामन में उठा लिया गया था।
- दूसरा हनूक कैन का बेटा था।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: कैन, शेत)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 01:1-4
- पैदाईश 05:18-20
- पैदाईश 05:21-24
- यहूदाह 01:14-16
- लूक़ा 03:36-38

## शब्दकोश:

- Strong's: H2585, G1802

# हन्ना

## सच्च्याई:

हन्ना नबी शमूएल की माँ थी। वह एल्क़ाना की दो बीवियों में से एक थी।

- हन्ना बाँझ थी यह उसके लिए दु:ख की बात थी।
- हैकल में हन्ना ने दिल से दु'आ की कि उसे बेटा मिले जिसे वह ख़ुदा को ही नज़्र कर देगी।
- ख़ुदा ने उसे बेटा दिया और जब वह लड़का बड़ा हो गया तब हन्ना ने उसे हैकल में ख़िदमत के लिए दे दिया।
- ख़ुदा ने हन्ना को इसके बा'द और भी औलाद दी।

(तर्जुमे की सलाह के सुझाव: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: हामिला होना, शमूएल)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 01:1-2
- 1 शमूएल 02:1

## शब्दकोश:

- Strong's: H2584

# हब्रून

## सच्चाई:

हब्रून यरूशलीम के दख्खिन में तक़रीबन 20 मील दूर ऊंचे चट्टानी पहाड़ों में बसा था।

- यह शहर इब्राहीम के ज़माने में ‘ईसा से 2000 साल पहले बना था। पुराने ‘अहदनामे के तवारीख़ी बयान में इस शहर का नाम कई बार आता है।
- हब्रून ने बादशाह दाऊद की ज़िन्दगी में ख़ास किरदार निभाया था। उसके कई बेटे, अबीशलोम की भी पैदाइश वहाँ हुई थी।
- तक़रीबन सन् 70 में रोमी फ़ौज ने इस शहर को तबाह कर दिया था।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: अबीसलोम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 शमूएल 02:10-11
- पैदाइश 13:16-18
- पैदाइश 23:1-2
- पैदाइश 35:26-27
- पैदाइश 37:12-14
- कुजात 01:8-10
- गिनती 13:21-22

## शब्दकोश:

- Strong's: H2275, H2276, H5683

# हबक़्क़ूक़

## सच्चाई:

हबक़्क़ूक़ पुराने 'अहद नामे के वक़्त में एक नबी था, जो यहूदाह के बादशाह यहुयाक़ीम के वक़्त के क़रीब रहता था। नबी यरमियाह भी इस वक़्त ज़िन्दा था।

- इस नबी ने हबक़्क़ूक़ नाम की किताब लिखी थी लगभग 600 साल 'ईसा से पहले जब बाबुल की फ़ौज ने यहूदाह की अवाम में से कई लोगों को क़ैदी बनाया और ले गया।
- यहोवा ने हबक़्क़ूक़ को नबुव्वत की थी कि कैसे कसदी (बाबुल) आकर यहूदाह को जीत लेंगे।
- हबक्कूक का एक सबसे ज़्यादा मशहूर बयानात में से एक है, "रास्तबाज़ शख़्स इसके ईमान के मुताबिक़ रहेंगे|

(तर्जुमे की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बाबुल, यहुयाक़ीम, यरमियाह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- हबक़्क़ूक़ 01:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H2265

# हमोर #

## सच्चाई:

हमोर एक कना'नी शख़्स था जो सिक्म में रहता था, जब या'क़ूब और उसका ख़ानदान सुक़्क़ात के क़रीब रहते थे| वह एक हिव्वी था|

- या'क़ूब ने हमोर के बेटों में से एक ख़ानदानी क़ब्रिस्तान ख़रीदा था|
- जब वे वहाँ हमोर के बेटे सिक्म ने या'क़ूब की बेटी दीना से ज़िना किया था|
- दीना के भाइयों ने हमोर के ख़ानदान से बदला लिया और सिक्म शहर के सभी लोगों को मार डाला|
- (तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

( यह भी देखें: कना'न, हिव्वी, या'क़ूब, सिक्म, सुक्कात)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 07:14-16
- पैदाइश 34:1-3
- पैदाइश 34:20-21
- यशू'अ 24:32-33
- क़ुज़ात 09:28-29

## शब्दकोश:

- Strong's: H2544

# हर्मोन पहाड़

## सच्चाई:

हर्मोन पहाड़ इस्राईल के सबसे ऊंचे पहाड़ का नाम है जो लबनान की पहाड़ क़िस्सा के दक्खिनी किनारे पर है।

यह पहाड़ गलील समन्दर के उत्तर में, इस्राईल और सीरिया के दरमियान उत्तरी सरहद पर है। ग़ैर क़ौमों के ज़रिए' हेर्मोन पहाड़ को " पहाड़ सिर्योन" और " पहाड़ सनीर" भी कहा गया है।

- हेर्मोन पहाड़ की तीन ख़ास चोटियाँ हैं। सबसे ऊंची चोटी 2,800 मीटर ऊँची है।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: इस्राईल, गलील समन्दर, सीरिया)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 05:23-24
- हिज़्क़ीएल 27:4-5
- यशू'अ 11:16-17
- ज़बूर 042:5-6
- ग़ज़.व.ग़ज़ालात 04:8

## शब्दकोश:

- Strong's: H2022, H2768, H2769, H8149

# हव्वा

## सच्चाई:

यह नाम सबसे पहली 'औरत का था। उसके नाम का मतलब है, “ज़िन्दगी” या “जी रहा” है।

- ख़ुदा ने आदम के जिस्म से एक पसली निकाल कर हव्वा को बनाया था।
- हव्वा को आदम की “मददगार” होने के लिए बनाया गया था। वह ख़ुदा के फ़राहम कामों में आदम के साथ काम करती थी।
- इब्लीस ने शांप की शक्ल बना करके हव्वा को ललचाया था और ख़ुदावन्द के मना’ फल को खा के गुनाह करनेवाली इन्सानों में पहली थी।

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: आदम, ज़िन्दगी, इब्लीस)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तीमुथियुस 02:13-15
- 2 कुरिन्थियों 11:3-4
- पैदाईश 03:20-21
- पैदाईश 04:1-2

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- **01:13** तब ख़ुदावन्द ने आदम की पसलियों में से एक से 'औरत को बनाया और उसे आदम के पास लाए।
- **02:02**लेकिन बाग़ में एक चालाक साँप था। उसने 'औरत से पूछा, “क्या ख़ुदा ने हक़ीक़त में यह कहा है कि बाग़ के किसी भी पेड़ से फल न खाना?”
- **02:11** इन्सान ने अपनी बीवी का नाम हव्वा रखा, जिसका मतलब होता है दुनिया पैदा करने वाली क्योंकि वह हर इन्सान के क़ौम की माँ कहलाएगी।
- **21:01** ख़ुदावन्द ने यह वा'दा किया कि **हव्वा** कि नस्ल में एक शख्स पैदा होगा जो साँप के सिर को कुचल डालेगा।
- **48:02**इब्लीश ने **हव्वा** को धोखा देने के लिए बाग़ में साँप के ज़रिए से बात की।
- **49:08** जब आदम और **हव्वा** ने गुमाह किया तो इसने उनकी सारी औलादों को मुता'स्सिर किया।
- **50:16** क्यूँकि आदम और **हव्वा** ने ख़ुदावन्द के हुक्म का ना फ़रमानी की और इस दुनिया में गुनाह को लाए, इसलिये ख़ुदा ने इस पर ला'न्त की और इसे बर्बाद करने का फ़ैसला किया।

## शब्दकोश:

- Strong's: H2332, G2096

# हाजिरा

## सच्चाई:

हाजिरा एक मिस्री 'औरत थी जो सारय की अपनी लौंडी थी।

- जब सारय बच्चे पैदा करने के लायक़ न थी, तब उसने हाजिरा इब्राहीम को दी कि उससे औलाद पैदा कर।
- हाजिरा हामिला हुई उससे इब्राहीम का बेटा इश्माईल को पैदा हुआ|
- जब वह रेगिस्तान में दुखी थी तब ख़ुदा ने उसकी ख़बर ली और उसकी नसल को बरकत देने का वा'दा किया।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: इब्राहीम, नसल, इस्माईल, सारय, ग़ुलाम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- गलातियों 04:24-25
- पैदाइश 16:1-4
- पैदाइश 21:8-9
- पैदाइश 25:12

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **05:01** तब अब्राम की बीवी सारय ने उससे कहा, "देख ख़ुदा ने मेरी सुनी मुझे बच्चे की इजाज़त नहीं दी है, और मैं बहुत बूढ़ी हूँ, यहाँ मेरी लौंडी **हाजिरा** है। तू उससे शादी भी करना ताकि उसके ज़रिए' मेरे लिए औलाद पैदा कर सके।
- **05:02 हाजिरा** को एक बेटा हुआ, अब्राम ने उसका नाम इश्माएल रखा।

## शब्दकोश:

- Strong's: H1904

# हाबिल

## सच्चाई:

हाबिल आदम और हव्वा का दूसरा बेटा था | काइन का छोटा भाई था |

- हाबिल एक चरवाहा था |
- हाबिल ने अपने जानवरों में से एक की क़ुर्बानी ख़ुदावन्द को पेश की थी |
- ख़ुदावन्द हाबिल और उसकी क़ुर्बानी से ख़ुश हुआ था |
- आदम और हव्वा के पहलौठे काइन ने हाबिल को क़त्ल कर दिया था |

(तर्जुमा का तरीक़ा --नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: काइन क़ुर्बानी चरवाहा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में

- पैदाइश 04:1-2
- पैदाइश 04:8-9
- इब्रानियों 12:22-24
- लूक़ा 11:49-51
- मत्ती 23:34-36

## शब्दकोश:

- Strong's: H01893, G6

# हाम

## सच्चाई:

हाम नूह के तीन बेटों में से दूसरा था।

- पूरी दुनिया को ढंकने वाली दुनिया भर में बाढ़ के दौरान, हाम और उसके भाई नूह के साथ किश्ती में अपनी बीवियों के साथ थे।
- बाढ़ के बा'द, एक मौक़ा था जहां हाम अपने बाप, नूह के लिए बहुत शर्मनाक था। नतीजन, नूह ने हाम के बेटे कना'न और उसकी सभी नसलों को बद्दु'आ दी, जो आख़िरकार कना'नियों के नाम से जाने जाते थे।

(तर्जुमे की सलाह: \ नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: किश्ती, कना'न, शर्मनाक, नूह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 05:32
- पैदाइश 06:9-10
- पैदाइश 07:13-14
- पैदाइश 10:1
- पैदाइश 10:19-20

## शब्दकोश:

- Strong's: H2526

# हामात, हमाती, लीबो हामात

## सच्चाई:

हामात उत्तरी सीरिया में कना'न के उत्तर में एक ख़ास शहर था। हमाती नहू के बेटे, कना'न की नसल सेथे।

- "लीबो हमात" मुमकिन है हमात शहर के क़रीब एक पहाड़ी दर्रे का नाम था।
- कुछ मुख़्तलिफ़ मज़मूनों में लीबो हमात का तर्जुमा "हामात का दाख़िला" किया गया है।
- बादशाह दाऊद ने हमात के बादशाह तू के बैरियों को हराया था जिसके नतीज़े में वे अच्छे दोस्त बन गए थे।
- हामात सुलैमान के ज़खीरे के शहरों में से एक था जहां उसने सामान रखा था।
- हामात शहर वह मक़ाम था जहां नबूकदनज़र ने बादशाह सिदक़ियाह को क़त्ल किया था और वहीं यहूआहाज मिस्र के फ़िर'औन के ज़रिए' क़ैदी बनाया गया था।
- "हामात" का तर्जुमा "हामात के बाशिन्दे" भी किया जा सकता है।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा)

(यह भी देखें: बाबुल, कना'न, नबूकदनज़र, सीरिया, सिदक़ियाह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 18:3-4
- 2 शमूएल 08:9-10
- आमोस 06:1-2
- हिज़क़ीएल 47:15-17

## शब्दकोश:

- Strong's: H2574, H2577

# हारान

## सच्चाई:

हारान इब्राहीम का छोटा भाई और लूत का बाप था।

- हारान एक शहर का भी नाम है जहाँ इब्राहीम 'ऊर से रवाना होने के बा'द कना'न जाते वक़्त ठहरा था।
- क़ालिब के बेटे का नाम भी हारान था।
- किताब-ए-मुक़द्दस में हारान नाम का तीसरा आदमी लावी की नसल से था।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: इब्राहीम , क़ालिब, कना'न, लावी, लूत, तोरह, 'ऊर)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 सलातीन 19:12-13
- रसूलों के 'आमाल 07:1-3
- पैदाइश 11:31-32
- पैदाइश 27:43-45
- पैदाइश 28:10-11
- पैदाइश 29:4-6

## शब्दकोश:

- Strong's: H2039

# हारून

## सच्चाई:

हारुन मूसा का बड़ा भाई था ख़ुदावन्द ने हारून को इस्राईल का पहला सरदार काहिन होने के लिए चुना था|

- हारून ने मूसा की मदद की थी जब वह फ़िर'औन से इस्राईलियों के वहाँ से जाने की इजाज़त माँग रहा था|
- जंगल में सफ़र करते वक़्त हारून से गुनाह हो गया था और उसने इस्राईलियों की 'इबादत के लिए एक मूर्ति बनाई थी
- ख़ुदावन्द ने हारून और उसकी औलादों को काहिन इस्राईल के काहिन के लिए मुक़र्रर कर दिया था

(तर्जुमा की सलाह - नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: काहिन, मूसा, इस्राईल)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1तवारीख़, 23;12-14
- रसूलों के आमाल 7;38-40
- ख़ुरूज 28;1-3
- लूक़ा 1;5-7
- गिनती 16;44-46

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **_9;15**ख़ुदावन्द ने मूसा और हारून को ख़बरदार किया था कि फ़िर'औन सख्त आदमी है
- **10:05**फ़िर'औन ने मूसा और **हारून** को बुलवाकर कहा कि अगर वह इस क़त्ल-ओ-ग़ारत को ख़त्म कर दे, तो फ़िर'औन मिस्र से इस्राएलियों को आज़ाद कर दें
- **13:09**ख़ुदावन्द ने मूसा के भाई हारून और हारून की नसल को काहिन 'उहदे के लिए चुना
- **13:11**लोग हारून के पास सोना ले आए और बोले कि हमारे लिए मा'बूद बना
- **14:07** ह लोग मूसा और हारून से ग़ुस्सा होकर कहने लगे , कि तुम हमें इतनी खौफ़नाक जगह क्यों लेकर आए ?

## शब्दकोश:

- Strong's: H175, G2

# हित्ती, हित्तियों

## ता’अर्रुफ़:

हित्ती कना’न के बेटे हाम की से नसल थे। वे एक बड़ी हुकूमत बने जो आज के तुर्किस्तान और उत्तरी फ़िलिस्तीन ‘इलाक़ों में थे

- इब्राहीम ने हित्ती एफ्रोन से ज़मीन ख़रीदी थी कि अपनी बीवी सारा को वहां दफन करे। इब्राहीम और उसकी कई नसलें भी उस कब्र में दफ़न किए गए थे।
- ‘ऐसौ ने दो हित्ती ‘औरतों से शादी की थी जिसकी वजह से उसके वालिदैन दु:खी थे।
- दाऊद का भी एक फ़ौजी हित्ती था जिसका नाम ‘ऊरिय्याह था।
- सुलैमान की ग़ैरमुल्की रानियों में भी हित्ती ‘औरतें थीं| इन ‘औरतों बेदीन औरतों ने सुलैमान का दिल ख़ुदा से मोड़ दिया था जिसकी की वजह से ख़ुदा ने उन्हें दूर कर दिया|
- हित्ती ज़्यादातर इस्राईल के लिए जिस्मानी और रूहानी ख़तरे बने हुए थे।

(यह भी देखें: नसल, ‘ऐसौ, बेदीन, हाम, क़ादिर, सुलेमान, उरियाह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 09:20-21
- ख़ुरूज 03:7-8
- पैदाइश 23:10-11
- पैदाइश 25:9-11
- यशू’अ 01: 4-5
- नहमियाह 09:7-8
- गिनती 13:27-29

## शब्दकोश:

- Strong's: H2850

# हिलक़ियाह

## सच्चाई:

बादशाह यूशियाह की बादशाही के वक़्त में हिलक़ियाह सरदार काहिन था।

- जब हैकल को दुबारा ता’मीर किया जा रहा था, तब हिलक़ियाह सरदार काहिन ने कवानीन और हुक्मों की किताब पायी और उसे बादशाह यूशियाह के पास लाया|

लिहाज़ा उसने यहूदाह के बादशाह की क़ौम को यहोवा की ‘इबादत और उसकी शरी’अत के ‘अमल करने के लिए इसरार किया।

- हिलक़ियाह नाम का एक और आदमी था, वह इलयाक़ीम का बेटा था जो हिज़क़ियाह बादशाह के महल में ख़िदमत करता था।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: इलयाक़ीम, हिज़क़ियाह , सरदार काहिन, यूशियाह, यहूदाह, शरी’अत, ‘इबादत, यहोवा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 सलातीन 18:16-18

## शब्दकोश:

- Strong's: H2518

# हिव्वी, हिव्वियों

## सच्चाई:

हिव्वी कना’न में बसने वाली सात ख़ास क़ौमों में से एक थी।

- इन सब क़ौमों में हिव्वी भी कना’न की नसल से थे, जो नूह का पोता था।
- हिव्वी सिक्म ने या’क़ूब की बेटी दीना के साथ ज़िना किया था नतीज़न उसके भाइयों ने लगभग सब हिव्वियों को मार डाला था।
- जब कना’न के जीत पर यशू’अ इस्राईलियों की अगुआई कर रहा था, तब हिव्वियों ने उनको हराने के बजाय धोखे से इस्राईल के साथ ‘अहद बाँध लिया था|

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा)

(यह भी देखें: कना’न, हाम, नूह, शेकेम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तवारीख़ 08:7-8
- ख़ुरूज 03:7-8
- पैदाइश 34:1-3
- यशू’अ 09:1-2
- क़ुज़ात 03:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H2340

# हिज़क़ियाह

## ता’अर्रुफ़:

हिज़क़ियाह यहूदाह सल्तनत का तेरहवां बादशाह था। वह ख़ुदा को माननेवाला और ख़ुदा का फ़रमाबरदार था।

- अपने बाप आहाज के बर’अक्स, हिज़क़ियाह नेक बादशाह था, उसने यहूदाह की बादशाही में से बुतपरस्ती की सारी जगहों को बर्बाद कर दिया था।
- हिज़क़ियाह बहुत बीमारी में मुब्तिला हो गया था और मरने पर था, उसने ख़ुदा से मिन्नत की कि उसे ज़िन्दगी बख़्स दे। ख़ुदा ने उसकी ज़िन्दगी बख़्स दी और उसकी ‘उम्र को पन्द्रह साल बढ़ा दिया।
- हिज़क़ियाह के लिए अपने ‘अहद को सच साबित करने के लिए ख़ुदा ने यह मो’जिज़ा किया और वक़्त को पीछे कर दिया।
- अपनी क़ौम को अश्शूरी बादशाह सन्हेरीब से बचाने के लिए हिज़क़ियाह ने ख़ुदा से दु’आ की थी और ख़ुदा ने उसकी दु’आ सुनी।

(यह भी देखें: आहाज, अश्शूरी, झूठे मा’बूद, यहूदाह, सेन्हेरिब)

## किताबए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 03:13-14
- 2 सलातीन 16:19-20
- होशे’अ 01:1-2
- मत्ती 01:9-11
- अम्साल 25:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H2396, H3169, G1478

# हिज़क़ीएल

## सच्चाई:

हिज़क़ीएल ख़ुदा का नबी था जिसे क़ैदी बनाकर बाबुल ले जाया गया था।

- हिज़क़ीएल यहूदाह में एक काहिन था जिसे दूसरे यहूदियों के साथ बाबुल की फ़ौज ने क़ैदी बनाया था।
- 20 साल से ज़्यादा वह अपनी बीवी के साथ बाबुल में एक नदी के किनारे रहा, यहूदी उसके पास ख़ुदावन्द का पैग़ाम सुनने आते थे।
- दूसरी बातों के साथ हिज़क़ीएल ने यरूशलीम और हैकल की तबाही और दुबारह बनाने की नबुव्वत की थी।
- उसने मसीह के मुस्तक़बिल की बादशाही की भी नबूव्वत की थी।

(तर्जुमा की सलाह :नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें:बाबुल, मसीह, जलावतनी , नबी )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- हिज़क़ीएल 01:1-3
- हिज़क़ीएल 24:22-24

## शब्दकोश:

- Strong's: H3168

# हेरोदियास

## सच्चाई:

हेरोदियास यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के वक़्त में यहूदिया के हेरोदेस अन्तिपास की बीवी थी।

- हेरोदियास हक़ीक़त में अन्तिपास के भाई फ़िलिप की बीवी थी लेकिन नाजायज़ शादी करके वह हेरोदेस अन्तिपास के साथ आ गई थी।
- यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला हेरोदेस और हेरोदियास को उनके नाजायज़ शादी के लिए झिड़कता था। इस वजह हेरोदेस ने यूहन्ना को क़ैदी बना लिया था और बा'द में उसका सिर कटवा दिया।

## तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: हेरोदेस अन्तिपास, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला))

## किताब-इ-मुक़द्दस के बारे में:

- लूक़ा 03:18-20
- मरकुस 06:16-17
- मरकुस 06:21-22
- मत्ती 14:3-5

## शब्दकोश:

- Strong's: G2266

# हेरोदेस अन्तिपास

## सच्चाई:

‘ईसा की ज़िन्दगी के दौरान, हेरोदेस अन्तिपास जो रोमी हाकिम के कुछ हिस्सों पर जिसमें गलील सूबा शामिल था हुकूमत की

उसके बाप की तरह उसे भी “हेरोदेस का बादशाह” कहा गया है जबकि वह बादशाह नहीं था।

- हेरोदेस अन्तिपास रोमी हुकूमत के एक चौथाई हिस्सों में हुकूमत की और “चौथाई मुल्क का बादशाह” भी कहा गया है।
- अन्तिपास वह “हेरोदेस” था जिसने यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले का सिर काटने का हुक्म दिया था।
- यही हेरोदेस ने मस्लूब करने से पहले ‘ईसा से सवाल किए थे।
- और हेरोदेस नए ‘अहदनामे में अन्तिपास के बेटे (अग्रिप्पा) और पोते(अग्रिप्पा 2) थे जिन्होंने रसूलों के वक़्त में हुकूमत की थी।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: सलीब पर चढ़ाना, हेरोदेस बड़ा, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), बादशाह, रोम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- लूक़ा 03:1-2
- लूक़ा 03:18-20
- लूक़ा 09:7-9
- लूक़ा 13:31-33
- लूक़ा 23:8-10
- मरकुस 06:18-20
- मत्ती 14:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: G2264, G2265, G2267

# हेरोदेस बड़ा

## सच्चाई:

हेरोदेस बड़ा यहूदिया का हाकिम था जब 'ईसा की पैदाइश हुई। वह कई ईदोमी हाकिमों में पहला हेरोदेस था, जो रोमी हुकूमत के कुछ हिस्सों पर हुकूमत किया था।

- उसके बुज़ुर्ग यहूदी में बदले थे और वह एक यहूदी की शक्ल में पले बड़े थे।
- औगुस्तुस क़ैसर ने उसे बादशाह हेरोदेस नाम दिया था जबकि वह बादशाह नहीं था। * उसने यहूदिया में यहूदियों पर 33 साल तक हुकूमत की।
- हेरोदेस बड़ा शानदार 'इमारतों की ता'मीर के लिए जाना जाता था जिसमें यरूशलीम के यहूदियों के हैकल को दुबारा ता'मीर करना भी था।
- यह हेरोदेस एक बेरहम इन्सान था और उसने बहुज्त से क़त्ल किए थे। जब उसने सुना कि यहूदियों के बादशाह की पैदाइश हुई है तब उसके बैतलहम के सब बच्चों को मरवा दिया था।
- उसके बेटे हेरोदेस अन्तिपास और हेरोदेस फिलिप और उसका पोता हेरोदेश अग्रिप्पा आगे चलकर यहूदिया के हाकिम बने। उसका परपोता हेरोदेश अग्रिप्पा दूसरा ("बादशाह अग्रिप्पा" कहलाया) ने भी पूरे यहूदिया पर हुकूमत की

(देखें: नाम का कैसे तर्जुमा करें)

(यह भी देखें: हेरोदेस अन्तिपास, यहूदिया, बादशाह, हैकल

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- मत्ती 02:1-3
- मत्ती 02:11-12
- मत्ती 02:16
- मत्ती 02:19-21
- मत्ती 02:22-23

## शब्दकोश:

- Strong's: G2264

# होरिब

## ता’अर्रुफ़:

होरिब की पहाड़ी सिनाई की पहाड़ी के लिए दूसरा नाम है, जहाँ ख़ुदा ने दस हुक्मों के साथ मूसा को पत्थर की तख़्ती दी थीं|

- होरिब की पहाड़ी को “ख़ुदा की पहाड़” कहा जाता है
- होरिब वह मक़ाम है जहाँ मूसा ने जलती हुई झाड़ी को देखा जब वह भेड़ का पीछा कर रहा था|
- होरिब की पहाड़ी वह मक़ाम है जहाँ ख़ुदा ने उनपर लिखे गए उसके हुक्मों के साथ पत्थर की तख़्तियाँ देकर इस्राईलियों पर अपना ‘अहद बाँधा था|
- यह वह जगह भी थी जहाँ ख़ुदा ने बा’द में मूसा को इस्राईलियों के लिए पानी मुहैया करने के लिए चट्टान पर मारने के लिए कहा क्यूँकि वह रेगिस्तान में घूम रहे थे|
- इस पहाड़ का सही मक़ाम का पता नहीं है, लेकिन शायद यह “सिनाई पहाड़ी” के दख्खिनी हिस्से में हो सकता है|
- यह मुम्किन है की “होरिब” पहाड़ का हक़ीक़ी नाम था और “सिनाई की पहाड़ी” का मतलब सिर्फ़ “सिनाई का पहाड़” है, इस हक़ीक़त का ज़िक्र करते हुए कि होरिब की पहाड़ी सिनाई के रेगिस्तान में क़ायम थी|

(यह भी देखें: ‘अहद, इस्राईल, मूसा, सिनाई, दस हुक्म)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 08:9-11
- 2 तवारीख़ 05:9-10
- इस्तिस्ना 01:1-2
- ख़ुरूज 03:1-3
- ज़ुबूर 106:19-21

## शब्दकोश:

- Strong's: H2722

# होशे’अ

## सच्चाई:

होशे’अ इस्राईल के एक बादशाह का नाम था, बल्कि पुराने ‘अहदनामे में बहुत से आदमियों इस नाम के हुए हैं।

- एला का बेटा होशे’अ ने इस्राईल पर नौ साल बादशाही की थी, उस वक़्त यहूदाह में आहाज के बा’द हिज़क़ियाह का बादशाह था।
- नून के बेटे यशू’अ का पुराना नाम होशे’अ था। मूसा ने उसका नाम बदलकर यशू’अ रखा था जब वह उसे और उसके साथ ग्यारह लोगों को कना’न का राज़ लेने भेज रहा था।
- मूसा के मरने के बा’द यशू’अ इस्राईलियों को लेकर कना’न पर इख़्तियार करने आया था।
- एक और आदमी का नाम होशे’अ जो अज्जियाह का बेटा था, वह एप्रैमियों का रहनुमा था।

## तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा)

(यह भी देखें: अहाज, कना’न, एप्रैम, हिज़क़ियाह, यशू’अ, मूसा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 27:19-22
- 2 सलातीन 15:29-31
- 2 सलातीन 17:1-3
- 2 सलातीन 18:1-3
- 2 सलातीन 18:9-10

## शब्दकोश:

- Strong's: H1954

# क़ाइन

## सच्चाई:

क़ाइन और उसका छोटा भाई हाबिल आदम और हव्वा के पहले बेटे थे जिनका बयान किताब-ए-मुक़द्दस में किया गया है |

- क़ाइन एक किसान था और हाबिल एक चरवाहा था |
- क़ाइन ने ग़ुस्से में आकर अपने भाई का क़त्ल कर दिया था उसके ग़ुस्सा होने की वजह थी कि ख़ुदा ने हाबिल का हदिया क़ुबूल किया और क़ाइन का हदिया क़ुबूल नहीं किया था |
- सज़ा के तौर पर ख़ुदा ने उसे अदन से बाहर निकाल दिया और उसे बद्दुआ दिया कि ज़मीन उसके लिए फ़सल पैदा नहीं करेगी |
- ख़ुदा ने क़ाइन के माथे पर एक निशान ठहरा दिया था कि उसकी मदद करेगा अगर किसी ने उसकी जान लेने की कोशिश की |

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: आदम, क़ुर्बानी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1यूहन्ना 03:11-12
- पैदाइश 4:1-2
- पैदाइश 4:8-9
- पैदाइश 4:13-15
- इब्रानियों 11:4
- याक़ूब 1:9-11

## शब्दकोश:

- Strong's: H7014, G2535

# क़ादिस

## सच्चाई:

क़ादिस एक कना'नी शहर था, जिसे कना'न के मुल्क में दाख़िल होने पर इस्राईलियों ने ले लिया था|

- यह शहर इस्राईल के उत्तरी हिस्से में, नफ़ताली के क़बीले को दी गई ज़मीन के हिस्से में क़ायम था|
- क़ादिस उन शहरों में से एक था जहाँ लावी काहिन रह सकते थे, क्यूँकि उनके पास अपनी कोई ज़मीन नहीं थी|
- इसे शहर-ए-पनाह के तौर भी अलग किया जा सकता है|

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा

(यह भी देखें: कना'न, हब्रून, लावी, नफ़ताली, काहिन, पनाह, सिक्म, इस्राईल के बारह क़बीले)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 06:71-73
- यशू'अ 19:35-37
- क़ुज़ात 04:10

## शब्दकोश:

# क़ादिस, क़ादिस-बरनी, मरीबूत क़ादिस

## सच्चाई:

नाम क़ादिस, क़ादिस-बरनी और मरीबूत क़ादिस नाम इस्राईल की तारीख़ में एक ख़ास शहर का ज़िक्र करते हैं जो अदोम के इलाक़े में इस्राईल के दख्खिनी हिस्से में क़ायम था।

- क़ादिस शहर एक ओएसिस था, एक जगह जहां ज़िन नामक रेगिस्तान के बीच में पानी और ज़रख़ेज़ मिट्टी थी।
- मूसा ने क़ादिस बरनी से कना'न मुल्क में बारह जासूस भेजे।
- जंगल में भटकने के दौरान इस्राईल ने क़ादिस में भी डेरा डाला।
- क़ादिस बरनी जहां मरियम की मौत हो गई थी।
- यह मरीबूत क़ादिस में था जहां मूसा ने ख़ुदा की नाफ़रमानी की और इस्राईलियों के लिए पानी पाने के लिए एक चट्टान पर मारा, जैसा कि ख़ुदा ने उसे करने के लिए कहा था।
- नाम "क़ादिस" इब्रानी लफ़्ज़ "पाक" या "अलग हिस्सा" से आता है।

(तर्जुमा की सलाह: \ नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: \ रेगिस्तान, [आदम]अदोम, अदोमी , अदोमियों, 'इदूमिया, \ पाक)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- \ हिज़क़ीएल 48:27-29
- पैदाइश 14:7-9
- पैदाइश 16:13-14
- पैदाइश 20:1-3
- यशू'अ 10:40-41
- गिनती 20:1

## शब्दकोश:

- Strong's: H4809, H6946, H6947

# क़िद्रोन की वादी

## सच्चाई:

क़िद्रोन की वादी यरुशलीम के शहर के बाहर, उसकी पश्चिम दीवार और ज़ैतून के पहाड़ के दरमियान एक गहरी वादी है|

- वादी 1000 मीटर गहरी और ३२ किलो मीटर लम्बी है|

जब बादशाह दाऊद अपने बेटे अबीसलोम से भाग गया क़िद्रोन वादी के पास चला गया ताकि वह ज़ैतून पहाड़ पर चढ़ सके|

- यहूदाह के बादशाह यूशियाह और 'आसा ने हुक्म दिया कि झूठे मा'बूदों के 'आला मक़ामों और क़ुर्बानगाहों को तोड़ दें और जलाएं और राख को क़िद्रोन वादी में फेंक दिया जाए|

बादशाह हिज़क़ियाह की हुकूमत के दौरान, क़िद्रोन की वादी जहाँ फ़कीहों ने हर चीज़ फेंक दी थी कि उन्हें हैकल से हटा दिया गया था| इस वादी में अत्तलियाह बुरी मलिका को हलाक कर दिया गया था, क्यूँकि उसने जो बुरे काम किये थे उसकी वजह से|

( तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: अबीसलोम, 'आसा, अत्तलियाह, दाऊद, झूठे मा'बूद, हिज़क़ीएल, ऊँचे मक़ाम, यूशियाह, यहूदाह, ज़ैतून का पहाड़)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- युहन्ना 18:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H5674, H6939, G2748, G5493

# क़ीदार

## सच्चाई:

क़ीदार इश्माईल का दूसरा बेटा था। यह भी एक ख़ास शहर था, जिसे शायद इसी शख़्स के नाम पर रखा गया था|

- क़ीदार शहर फ़िलिस्तीन की दख्खिनी सरहद के पास अरब के उत्तरी हिस्से में क़ायम था| किताब-ए-मुक़द्दस के ज़माने में, अपनी बड़ाई और शान के लिए जाना जाता था|
- क़ीदार की नसलों की एक बड़ी जमा'अत तैयार हुई जिसे "क़ीदार" कहा जाता है|
- जुमले "क़ीदार के अँधेरे तम्बू" का मतलब है काली बकरी के बाल के तम्बू जिसमे क़ीदार के लोग रहते हैं|
- इन लोगों ने भेड़ बकरियां पालते थे| वे ऊंट को भी सामान लाने ले जाने में इस्ते'माल करते थे।
- किताब-ए-मुक़द्दस में "क़ीदार की शान" उस शहर और वहां के लोगों के बड़प्पन के बारे में है।

(तर्जुमे की सलाहनामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: अरब, बकरी, इश्माईल, क़ुर्बानी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में

- ग़ज़ल-उल-ग़ज़लात 01:5-6

## शब्दकोश:

- Strong's: H6938

# क़ैसरिया,क़ैसरिया फ़िलिप्पी

## सच्चाई:

क़ैसरिया समन्दर के बीच के किनारे पर एक ख़ास शहर था कर्मेल पहाड़ से 39 किमी.दख्खिन की तरफ़ क़ैसरिया फ़िलिप्पी इस्राईल के उत्तर पूर्वी 'इलाक़े में हेर्मोन पहाड़ के नज़दीक एक शहर था |

- इन शहरों का नाम रोमी बादशाह क़ैसर के नाम पर पड़ा था |
- साहिली क़ैसरिया रोमी 'इलाक़ा यहूदिया की दारुल हुकूमत बन गया था यह 'ईसा की पैदाइश का वक़्त था |
- पौलुस रसूल ने ग़ैर क़ौमों में सब से पहले क़ैसरिया में ही 'ऐलान किया था |
- पौलुस तरसुस के लिए क़ैसरिया से ही रवाना हुआ था और अपने दो बशारती सफ़र में वह क़ैसरिया हो कर गया था |
- 'ईसा और उसके शागिर्दों ने क़ैसरिया फ़िलिप्पी के इलाक़ों में सीरिया का दौरा किया था | इन दोनों शहरों का नाम हेरोदेस फ़िलिप्प के नाम पर पड़ा था |

(तरजुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: क़ैसर , ग़ैर क़ौम , समन्दर, कर्मेल, पहाड़ हेर्मोन, रोम, तरसुस)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 09:28-30
- रसूलों के 'आमाल 10:1-2
- रसूलों के 'आमाल 25:1-3
- रसूलों के 'आमाल 25:13-16
- मरकुस 08:27-28
- मत्ती 16:13-16

## शब्दकोश:

- Strong's: G2542, G5376

# ख़ुदा के लोग

## सच्चाई:

“ख़ुदा के लोग” यहोवा के नबी के बारे में कहने का एक इज़हार का तरीक़ा है। यह जुमला यहोवा के फ़रिश्ते के बारे में भी बताता है।

- नबी के बारे में इसका तर्जुमा हो सकता है, “ख़ुदा के अपने लोग” या “ख़ुदा का चुना हुआ शख़्स” या “ख़ुदा के ख़ादिम लोग ”
- ख़ुदा के बारे में इसका तर्जुमा हो सकता है, “ख़ुदा का रसूल” या “तेरा फ़रिश्ता” या “ख़ुदा की तरफ़ से इन्सानी शक्ल में आसमानी आदमी”

(यह भी देखें:फ़रिश्ता, ‘इज़्ज़त, नबी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 23:12-14
- 1 सलातीन 12:22-24
- 1 शमूएल 09:9-11

## शब्दकोश:

- Strong's: H376, H430, G444, G2316

# ग़लील समन्दर, किन्नेरेत की समन्दर, गन्नेसरत की झील, तिबिरियुस की झील

## ता'अर्रुफ़:

"ग़लील समन्दर" पूरबी इस्राईल में एक झील का नाम है। पुराने 'अहद नामे में इस झील को “किन्नेरेत की झील” कहते थे

- इस झील के पानी का बहाव दक्खिन की ओर यरदन नदी में होकर मुर्दा समन्दर में जाता था।
- कफ़रनहूम, बेतसैदा, गन्नेसरत और तिबरियास कुछ शहर हैं जो नए 'अहद नामे के ज़माने में ग़लील समन्दर के आस पास में क़ायम थे।
- ‘ईसा की ज़िन्दगी के कई हादसे ग़लील समन्दर पर या उसके क़रीब हुए ।
- ग़लील समन्दर को "तिबरियास समन्दर और गन्नेसरत की झील भी कहते हैं।"
- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा इस तरह भी किया जा सकता है, "ग़लील 'इलाक़े की झील" या "ग़लील झील" या "तिबरियास (गन्नेसरत) के क़रीब झील"

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: कफरनहूम, ग़लील, यरदन नदी, नमकीन तालाब )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- यूहन्ना 06:1-3
- लूक़ा 05:1-3
- मरकुस 01:16-18
- मत्ती 04:12-13
- मत्ती 04:18-20
- मत्ती 08:18-20
- मत्ती 13:1-2
- मत्ती 15:29-31

## शब्दकोश:

- Strong's: H3220, H3672, G1056, G1082, G2281, G3041, G5085

# ग़ाज़ा

## सच्चाई:

कलाम के वक़्त में ग़ाज़ा एक कामयाब पलिश्ती शहर था, भूमध्य-समन्दर के किनारे पर, अश्दूद से तक़रीबन 38 किलोमीटर दक्खिन में। यह शहर पलिश्तियों के पांच ख़ास शहरोंमें से एक था।

- उस मक़ाम की वजह से ग़ाज़ा एक ख़ास बन्दरगाह था, जहाँ कई क़ोमों और मुल्कों के दरमियान कारोबार किया जाता था।
- आज भी ग़ाज़ा शहर ग़ाज़ा पट्टी का एक बहुत ही ख़ास बन्दरगाह है वह भूमध्य समन्दर के किनारे पर और उत्तर और पूरब में इस्राईल की सरहद और दक्खिन में मिस्र से घिरा हुआ है।
- पलिश्ती शिमशोन को ग़ुलाम बनाने के बा'द ग़ाज़ा ले गए थे।
- ख़ुशख़बरी देने वाला फ़िलिप्पुस ग़ाज़ा जाने वाले रेगिस्तानी रास्ते पर चल रहा था जब उसकी मुलाक़ात कूश के खोजे से हुई थी।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: अश्दूद, फ़िलिप्पुस, पलिश्ती, कूश, गत)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 04:24-25
- रसूलों के 'आमाल 08:26-28
- पैदाइश 10:19-20
- यहोशू 10:40-41
- क़ुज़ात06:3-4

## शब्दकोश:

- Strong's: H5804, H5841, G1048

# ज़करियाह (नया’अहद नामा )

## सच्चाई:

ज़करियाह एक यहूदी काहिन था जो यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले का बाप हुआ।

- ज़करियाह ख़ुदा से मुहब्बत करता था और उसके हुक्म मानता था।
- ज़करियाह और उसकी बीवी इलीशिबा सालों ‘औलाद पाने की दुआ’ की थी लेकिन उन्हें बेटा नहीं हुआ । जब वे ‘बुज़ुर्ग हो गए तब ख़ुदा ने उनकी दुआ’ सुनकर उन्हें बेटा दिया।
- ज़करियाह ने नबूव्वत की थी कि उसका बेटा यूहन्ना एक नबी होगा जो मसीह के लिए रास्ता तैयार करेगा।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: मसीह, इलीशिबा, नबी )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- लूका 01:5-7
- लूका 01:21-23
- लूका 01:39-41
- लूका 03:1-2

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों सेमिसाल:

- **22:01** अचानक एक फ़रिश्ता _ ज़करियाह _ नामके बूढ़े काहिन के पास ख़ुदा का पैग़ाम लेकर आया। _ ज़करियाह _ और उसकी बीवी इलीशिबा वे दोनों ख़ुदा के सामने रास्तबाज़ थे, और ख़ुदा के सारे हुक्मों और शरी’अत पर बेऐब चलने वाले थे।
- **22:02** फ़रिश्ते ने ज़करियाह से कहा, “तेरी बीवी इलीशिबा तेरे लिए एक बेटा पैदा करेगी और तू उसका नाम यूहन्ना रखना।”
- **22:03** फ़ौरन ही, _ ज़करियाह _ गूंगा हो गया।
- **22:07** तब ख़ुदा ने _ ज़करियाह _ को इजाज़त दी और वह फिर से बोलने लगा।

## शब्दकोश:

- Strong's: G2197

# ज़करियाह(पुराना’अहद नामा )

## सच्चाई:

ज़करियाह फारसी दारा पहले सलातीन के ज़माने में नबूव्वत करने वाला नबी था। पुराने ‘अहद नामे में ज़करियाह नाम की किताब में उसकी नबुव्वतें हैं जिसने लौटने वाले ग़ुलामों को हैकल को फिर से ता’मीर के लिए गुज़ारिश किया।

उसके ख़िदमत का ज़माना एज्रा, नहमियाह , जरूब्बाबुल और नबी हज्जी के वक़्त का है। ‘ईसा के ज़रिए उसका बयान आख़री नबियों की शक्ल में हुआ था जिसका पुराने ‘अहद नामे के वक़्त के दौरान उस का क़त्ल हुआ था

- ज़करियाह नाम का एक और आदमी था जो बादशाह दाऊद के वक़्त हैकल का ख़ास निगहबान था।
- बादशाह यहोशापात के बेटों में से एक का नाम ज़करियाह था जिसका क़त्ल उसी के भाई यहोराम ने किया था
- ज़करियाह नाम का एक काहिन था जिसने लोगो को बुत की इबादत के लिए फटकारा था और लोगों ने उसे संगसार कर दिया था।
- राजा ज़करियाह यारोबाम का बेटा था और उसका क़त्ल किए जाने के पहले उसने इस्राईल पर केवल छः महीने ही हुकूमत किया।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा

(यह भी देखें: दारा, एज्रा, यहोशापात, यारोबाम, नहमियाह , जरूब्बाबुल)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- एज्रा 05:1-2
- मत्ती 23:34-36
- ज़करियाह 01:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H2148

# ज़बदी

## सच्चाई:

ज़बदी ग़लील से एक मछुआरा था जो अपने बेटों, या’क़ूब और यूहन्ना, जो ‘ईसा के शागिर्द थे, की वजह से जाना जाता है। वे अक्सर नए ‘अहद नामे में "ज़बदी के बेटे " की शक्ल में पहचाने जाते हैं।

- ज़बदी के बेटे भी मछुआरे थे और उनके साथ मछली पकड़ने का काम किया करते थे।
- या’क़ूब और यूहन्ना ने अपने बाप ज़बदी के साथ मछली पकड़ने का काम छोड़ दिया और ‘ईसा के पीछे हो लिए।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यहभी देखें: शागिर्द , मछुवारे, या’क़ूब (ज़बदी काबेटा ), यूहन्ना (रसूल))

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- यूहन्ना 21:1-3
- लूका 05:8-11
- मरकुस 01:19-20
- मत्ती 04:21-22
- मत्ती 20:20-21
- मत्ती 26:36-38

## शब्दकोश:

- Strong's: G2199

# ज़बूलून

## सच्चाई:

ज़बूलून याक़ूब और लिआह का आख़री बेटा था और इस्राईल के बारह क़बीलों में से एक क़बीले का नाम था।

- ज़बूलून के क़बीले को नमक के समन्दर के पच्छिम में ज़मीन दी गई थी।
- कभी-कभी इस क़बीले के रहने वालों को भी "ज़बूलून" कह कर पुकारा जाता था।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें )

(यह भी देखें: या'क़ूब, लिआह, नमक का समन्दर , इस्राईल के बारह क़बीले )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे मे:

- ख़ुरूज 01:1-5
- पैदाइश 30:19-21
- यसायाह 09:1-2
- कुज़ात 04:10
- मत्ती 04:12-13
- मत्ती 04:14-16

## शब्दकोश:

- Strong's: H2074, H2075, G2194

# ज़ैतून के पहाड़

## ता’अर्रुफ़:

ज़ैतून के पहाड़ यरूशलीम के पूरब में एक पहाड़ या बड़ा पहाड़ है। उसकी ऊंचाई 787 मीटर है।

- पुराने 'अहद नामे में इस पहाड़ को कभी-कभी “यरूशलीम के पूरब का पहाड़” कहा गया है।
- नये 'अहद नामे में कई मोक़ो' पर बयान है जब 'ईसा अपने शागिर्दों के साथ ज़ैतून पहाड़ पर दु'आ करने और आराम करने गया था।
- ‘ईसा को गतसिमनी की बाग़ में क़ैदी बनाया गया था, यह भी ज़ैतून के पहाड़ पर है।
- इसका तर्जुमा “ज़ैतून के पहाड़” या “ज़ैतून के पेड़ का पहाड़” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: नामों का तर्जुमा)

(यह भी देखें: गतसिमनी, ज़ैतून)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- लूक़ा 19:29-31
- लूक़ा 19:37-38
- मरकुस 13:3-4
- मत्ती 21:1-3
- मत्ती 24:3-5
- मत्ती 26:30-32

## शब्दकोश:

- Strong's: H2022, H2132, G3735, G1636

# फ़गूर, फ़गूरपहाड़ , बा’ल फ़गूर

## ता’अर्रुफ़:

" फ़गूर " और " फ़गूर पहाड़ " लफ़्ज़ का बयान मोआब ‘इलाक़े के नमक के समन्दर के उत्तरी-पूरब में मौजूद पहाड़ से है।

- नाम "बेत फ़गूर " एक शहर का नाम था, शायद उस पहाड़ पर या उसके नजदीक मौजूद था। यह वह जगह है जहां ख़ुदा ने मूसा को वा’दे का मुल्क दिखाया जिसके बा’द उसकी मौत हो गई।
- "बा’ल फ़गूर " मोआबियों का एक झूठा मा’बूद था जिसकी वे फ़गूर पहाड़ पर इबादत करते थे। इस्राइलियों ने भी इस बुत की इबादत करना शुरू’ कर दिया और ख़ुदा ने उन्हें इसके लिए सजा दी।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: बा’ल, झूठे मा’बूद, मोआब, नमक का समंदर , इबादत)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- गिनती 23:28-30
- गिनती 31:16-17
- ज़ुबूर 106:28-29

## शब्दकोश:

- Strong's: H1047, H1187, H6465

# फ़द्दानअराम

## सच्चाई:

फ़द्दानअराम वह ‘इलाक़ा था जहां इब्राहीम कना’न आने से पहले रहा करता था। इसका मतलब है, “अराम के मैदान।”

- जब इब्राहीम ने फ़द्दान अराम के हारान शहर से कना’न के लिए कूच किया था तब उसका ज़्यादा क़बीला हारान में ही रह गया था।
- सालों बाद इब्राहीम का ख़ादिम फ़द्दान अराम गया कि इसहाक़ के लिए बीवी ले आए और वहां इब्राहीम के क़बीलों में बतूएल की पोती रिबक़ा को चुना।
- इसहाक़ और रिबक़ा का बेटा याक़ूब भी फ़द्दान अराम गया था और वहां रिबक़ा के भाई लाबान के दोनों बेटियों से शादी किया।
- अराम फ़द्दान अराम और अराम नहरेम सब एक ही ‘इलाक़े के अलग अलग हिस्से थे जो आज के सीरिया में हैं।

(तर्जुमे की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: इब्राहीम , अराम, बेतूएल, कना’न, हारान, याक़ूब, लाबान, रिबक़ा, सीरिया)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 28:1-2
- पैदाइश 35:9-10
- पैदाइश 46:12-15

## शब्दकोश:

- Strong's: H6307

# फ़ारान

## सच्चाई:

फ़ारान मिस्र के पूरब में और कना'न के दाख़िन में रेगिस्तानी या वीरान सूबा था। पहाड़ी फ़ारान का बयान भी किया गया है जो मुमकिन है सीनै पहाड़ था।

- बांदी हाजिरा और उसका बेटा इस्माईल , सारा और इब्राहीम के ज़रिए' निकाले जाने के बाद फ़ारान के वीरान जंगलों में रहे थे।
- मूसा इस्राईलियों को मिस्र से निकाल कर ला रहा था तब उन्होंने फ़ारान का जंगल पार किया था।
- फ़ारान के जंगल में का मुल्क बर्ने से मूसा ने 12 आदमियों को कना'न में भेजा था कि वहां का राज़ लेकर उसे बताएं।
- सीन का जंगल फ़ारान के उत्तर में था और सीन का जंगल फ़ारान के दाख़िन में था।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें )

(यह भी देखें : कना'न, वीरान, मिस्र, कामुल्क , सीने

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 11:18-19
- 1 समू'एल 25:1
- पैदाइश 21:19-21
- गिनती 10:11-13
- गिनती 13:3-4

## शब्दकोश:

- Strong's: H364, H6290

# फ़िरिज़्ज़ी

## सच्चाई:

फ़िरिज़्ज़ी कना’न की तमाम क़ौमों में से एक थी। इस कौम के बारे में ज़्यादा मा’लूमात नहीं है कि उनके बाप दादा कौन थे और वे कना’न के किस हिस्से में रहते थे।

- फ़िरिज़्ज़ी की चर्चा पुराने ‘अहद नामे की किताब यशु’अ में की गई है, वहां लिखा है कि फ़िरिज़्ज़ीयों ने इस्राईलियों से शादी किया और उन्हें बुत की इबादत के लिए मायल किया।
- ध्यान दें कि फ़रेज की नस्ल जिसे फ़िरिज़्ज़ी कहा गया है वह फ़िरिज़्ज़ी क़ौम से अलग है। यहां ज़रूरी है कि दोनों के जवाबो में फ़र्क रखें कि यह राज़ ज़ाहिर हो।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: कना’न , झूठे मा’बूद)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 09:20-21
- 2 तवारीख़ 08:7-8
- ख़ुरूज 03:16-18
- पैदाइश 13:5-7
- यशू’अ 03:9-11

## शब्दकोश:

- Strong's: H6522

# फ़िलिप्पुस ,रसूल

## सच्चाई:

फ़िलिप्पुस ‘ईसा के बारह शागिर्दों में से एक था। वह बेतसैदा शहर का था।

- फ़िलिप्पुस नतनएल को ‘ईसा के पास लाया था।
- ‘ईसा ने फ़िलिप्पुस से कहा था कि वह 5000 आदमियों के लोगों के लिए खाने का इन्तिज़ाम करे।
- आख़िरी फसह के खाने में ‘ईसा ने अपने शागिर्दों के साथ ख़ुदा बाप के बारे में गुफ्तुगू की थी। फ़िलिप्पुस ने ‘ईसा से मिन्नत की थी कि वह उन्हें ख़ुदा बाप का दीदार कराए।
- कुछ ज़बानों में इस फ़िलिप्पुस का नाम ‘ऐलान करने वाला फ़िलिप्पुस के नाम की हरफ़ों से अलग लिखना सही समझा गया है जिससे कि देनों नामों में उलझन पैदा न हो।

(तर्जुमे की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें

यह भी देखें : फिलिप्पी

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के आमाल 01:12-14
- यूहन्ना 01:43-45
- यूहन्ना 06:4-6
- लूका 06:14-16
- मरकुस 03:17-19

## शब्दकोश:

- Strong's: G5376

# फ़िलिस्तियों

## सच्चाई:

फ़िलिस्ती एक क़ौम थी जो समन्दर से दूर के किनारे पर फ़िलिस्तीन मुल्क में रहा करती थी। इस नाम का मतलब है, “समन्द्री लोग”

- फ़िलिस्तियों के पांच ख़ास शहर थे: अश्दोद, अश्कलोन, एक्रोन, गत और गाज़ा।
- अश्दोद शहर फ़िलिस्तीन के उत्तर में था और गाज़ा शहर दाख्खिन में था।
- फ़िलिस्तियों को इस्राईल के साथ सालो जंग करने की वजह से अच्छा जाना गया था।
- शिमसोन, एक इन्साफ़ पसन्द फ़िलिस्तियों से जंग करने के लिए मशहूर था, वह ख़ुदा की क़ुदरती ताक़त का इस्तेमाल करता था।
- बादशाह दाऊद ने भी फ़िलिस्तियों के साथ कई जंग कीं थीं, उसने अपनी जवानी में फ़िलिस्तियों के दानव गोलियत को हराया था।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: अश्दोद, अश्कलोंन, एक्रोन, गत, गाज़ा, गोलियत नमक का समन्दर

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 18:9-11
- 1 समूएल 13:3-4
- 2 तवारीख़ 09:25-26
- पैदाइश 10:11-14
- ज़ुबूर 056:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H6429, H6430

# फ़िलिस्तीन

## ता’अर्रुफ़:

फ़िलिस्तीन कना’न में एक बड़े ‘इलाक़े’ का नाम था और समन्दर से दूर के किनारे पर बसा हुआ था।

- यह एक उपजाऊ किनारे का मैदान था जो उत्तर में याफ़ा और दाख़िन में गाज़ा तक फैला हुआ था। यह 64 किमी. लम्बा और 16 किमी. चौड़ा सूबा था।
- फ़िलिस्तीन मुल्क फ़िलिस्तियों की रहने की जगह थी, यह एक ताक़तवर क़ौम थी जो हमेशा ही इस्राईल के दुश्मन रहे थे।

(यह भी देखें: फ़िलिस्तीन, गाज़ा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 10:9-10
- योएल 03:4-6
- ज़ुबूर 060:8-9

## शब्दकोश:

- Strong's: H776 H6429 H06430

# फ़ीनहास

## सच्चाई:

पुराने ‘अहद नामे में फ़ीनहास नाम के दो शख़्स हुए हैं।

- हारून के पोतों में से एक का नाम फ़ीनहास था, वह काहिन था जिसने इस्राईल में झूठे मा’बूदों की इबादत की बहुत ख़िलाफ़त किया था।
- इस्राईली आदमियों ने मिदयानी ‘औरतों से शादी करके उनके मा’बूदों की इबादत की तो ख़ुदा का कहर उन पर भड़का तब फ़ीनहास ही ने उन्हें बचाया था।
- बहुत से मौक़ों’ पर फ़ीनहास इस्राईलियों के साथ हमला वर मिदयानियों का ख़ात्मा करने गया था।
- पुराने ‘अहद नामे में फ़ीनहास नाम का दूसरा आदमी ‘एली का बुरा लड़का था, वह शमूएल के ज़माने में इस्राईल के लिए काहिन की ख़िदमत कर रहा था।
- फ़ीनहास और उसका भाई होफ़्नी दोनों फ़िलिस्तियों के साथ जंग में मारे गए थे और ‘अहद का सन्दूक़ फ़िलिस्ती चुरा कर ले गए थे।

(तर्जुमे की सलाह: [नामों का तर्जुमा )

(यह भी देखें: ‘अहद का सन्दूक, यरदन नदी, मिदयान; फ़िलिस्तियों, समू’एल

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 समूएल 04:3-4
- एज़्रा 08:1-3
- यशू’अ 22:13-14
- गिनती 25:6-7

## शब्दकोश:

- Strong's: H6372

# फ़ोतीफ़र

## सच्चाई

फ़ोतीफ़र मिस्र के फ़िर'औन का एक ख़ास हाकिम था, उस वक़्त यूसुफ़ कुछ इसमाईलियों को बेचा गया था।

- फ़ोतीफ़र ने यूसुफ़ को इसमाईल की नसल के तिजारती लोगों से ख़रीद कर अपने घर का निगहबान बनाया था।
- यूसुफ़ पर ग़लत काम का इल्ज़ाम लगाया गया तो उसने यूसुफ़ को क़ैदख़ाने में डलवा दिया।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: मिस्र, यूसुफ़(पुराने 'अहद नामे),फ़िर'औन)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 37:34-36
- पैदाइश 39:1-2
- पैदाइश 39:13-15

## शब्दकोश:

- Strong's: H6318

# ‘अबदियाह

## सच्चाई:

‘अबदियाह पुराने ‘अहदनामे का एक नबी था, जिसने अदोमियों (‘ऐसौ क़ौम) के ख़िलाफ़ नबूव्वत की थी। पुराने नियम में ‘अबदियाह नाम के कई और आदमी हुए हैं।

- ‘अबदियाह की किताब पुराने ‘अहदनामे की सबसे छोटी किताब है और उसमें उसे दिए गए ख़ुदा के मुकाशिफ़े की नबूव्वत बताई गई हैं।
- ‘अबदियाह के रहने और नबूव्वत की ख़िदमत का वक़्त पता नहीं है। हो सकता है कि वह वक़्त यहूदाह के बादशाहों यहूराम, अहजिय्याह, यूआश और अतलियाह की बादशाही के वक़्त का है। दानिएल, हिज़क़ीएल और यरमियाह भी इसी ज़माने में कभी नबूव्वत कर रहे होंगे।
- यह भी हो सकता है कि ‘अबदियाह उस वक़्त के बा’द के वक़्त का था, सिदक़ियाह की बादशाही या बाबुल की ग़ुलामी के वक़्त का।
- ‘अबदियाह नाम के और आदमी वह शाऊल की नसल को मिलकर, गादवासी जो दाऊद का ख़ादिम हो गया था, बादशाह आहाब के महल का कारिन्दा, बादशाह यहूसफ़त का एक मुलाज़िम, बादाशाह यूशीयाह के वक़्त हैकल की मरम्मत के काम में मददगार एक आदमी और नहमियाह के वक़्त में एक लावी आदमी जो दरबान था।
- यह हो सकता है कि ‘अबदियाह की किताब का मुसन्निफ़ इन आदमियों में से एक हो।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा)

( यह भी देखें: अहाब, बाबुल, दाऊद, अदोम, ‘ऐसौ, हिज़क़ीएल, दानिएल, गाद, यहूसफ़त, यूशियाह, लावी, शाऊल (पुराना ‘अहदनामा), सिदक़िय्याह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 03:19-21
- 1तवारीख़ 08: 38-40
- ‘अज़्रा 08:8-11
- ‘अबदियाह 01:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H5662

# ‘अज़्रा

## सच्चाई:

एक यहूदी काहिन था और यहूदाह के क़ानून में माहिर था, उसने बाबुल से यरूशलीम लौटने वाले इस्राईलियों की ता'रीख़ लिखी थी । इस्राएल 70 साल बाबुल की जलावतन में था।

- ‘अज़्रा ने यह ता'रीख़ किताब-ए-मुक़द्दस के ‘अज़्रा नाम की किताब में लिखा है। नहमियाह नाम की किताब भी उसी ने लिखी होगी क्योंकि अस्ल में ये दोनों किताबें एक ही थी।
- यरूशलीम लौटकर उसने शरी’अत को दुबारह लागू किया था, क्योंकि उन्होंने सब्त के क़ावानीन पर 'अमल करना छोड़ दिया था और ग़ैर क़ौम 'औरतों से जो बुत परस्त थी, शादी कर लिया था।
- ‘अज़्रा ने हैकल को दुबारह बनाने में भी मदद की थी जिसे बाबुल की फ़ौज ने यरूशलीम पर क़ब्जा करते वक़्त तबाह कर दिया था।
- पुराने 'अहद नामें में ‘अज़्रा नाम के दो आदमी हुए हैं।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: बाबुल, जलावतनी, यरूशलीम, क़ानून, नहमियाह, हैकल )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- ‘अज़्रा 07:6-7
- नहमियाह 08:1-3
- नहमियाह 12:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H250, H5830, H5831, H5834

# translationWords

## Other

# 'उक़ाब, 'उक़ाबों

## ता'अरुफ़:

'उक़ाब एक ताक़तवर परिन्दा होता है जो मछली, चूहा, साँप और मुर्गी के बच्चे खाता है।

- किताब-ए-मुक़द्दस में फ़ौज की रफ़्तार और ताक़त के मुक़ाबले 'उक़ाब के झपटने की फुर्ती से की गई है।
- यसायाह कहता है कि ख़ुदावन्द का डर माननेवाले 'उक़ाब के बराबर हवा से बातें करेंगे। यह एक ‘अलामती ज़बान है जिसका इस्ते’माल ज़ाहिर करने के लिए है ख़ुदा में यक़ीन करने और उसके हुक्मों को मानने से आज़ादी और ताक़त हासिल होती है।
- दानीएल की किताब में बादशाह नबूकदनज़्ज़र के बालों की लम्बाई की बराबरी 'उक़ाब के परों से की गई है, 'उक़ाब का पर 50 सेन्टी मीटर से भी लम्बा होता है।

(यह भी देखें: दानीएल, आज़ादी, नबूकदनज़्ज़र, ताक़त)

(यह भी देखें: \ ना मा'लूम लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करें)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 शमूएल 01:23-24
- दानीएल 07:4-5
- यरमियाह 04:13-15
- अह्बार 11:13-16
- रसूलों के 'आमल 04:7-8

## शब्दकोश:

- Strong's: H5403, H5404, H7360, G105

# 'ऐब, 'ऐबों, बे'ऐब

## सच्चाई:

“'ऐब” ये है जानवर या आदमी में जिस्मानी बुराई । इसका मतलब इंसानों में रूहानी कमज़ोरी और ग़लती से भी है।

- कुछ कुर्बानियाँ, ख़ुदा ने इस्राईलियों को बे'ऐब जिसमें कोई कमी न हो ऐसे जानवर की क़ुर्बानी पेश करने के लिए हुक्म दिया हैं|
- यह एक बात की तस्वीर है कि कैसे मसीह 'ईसा ख़ुद एक बेगुनाह कामिल क़ुर्बानी था |
- मसीह के ईमानदार 'ईसा के ख़ून के ज़रिए गुनाहों से पाक किए गए हैं, और बेगुनाह या बे'ऐब समझे गए हैं|
- इस लफ्ज़ के तर्जुमें के और भी तरीक़े हैं , “'ऐब” या “कमी” या “गुनाह ” मज़मून पर मुनहस्सिर।

(यह भी देखें: ईमानदार, पाक , क़ुर्बानी, गुनाह )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में :

- 1 पतरस 01:18-19
- 2 पतरस 02:12-14
- इस्तिस्ना 15:19-21
- गिनती 06:13-15
- गज़ल-उल-गज़लात 04:6-7

## शब्दकोश:

- Strong's: H3971, H8400, H8549, G3470

# , भेड़-बकरियाँ, झुण्ड, काफ़िला, झुण्ड, गाय-बैलों

## ता’अर्रुफ़:

किताब-ए-मुक़द्दस में “झुण्ड” लफ़्ज़ भेड़ या बकरियों के जमा’ के लिए काम में लिया गया है और कभी-कभी यह लफ़्ज़ मवेशियों, बैलों और सूअरों के लिये भी काम में लिया गया है।

- मुख़्तलिफ़ ज़बानों में जानवरों और परिंदों के नाम मुख़्तलिफ़ शक्लों में ज़ाहिर किये जाते है।
- मिसाल के तौर पर अंग्रेजी में “हर्ड” लफ़्ज़ भेड़ों और बकरियों के लिए भी काम में लिए जाते हैं। लेकिन किताब-ए-मुक़द्दस में नहीं।
- अंग्रेजी में “फ्लॉक” लफ़्ज़ी परिंदों के लिए भी काम में लिया जाता है लेकिन सूअरों, बैल और मवेशियों के लिए नहीं।
- अपनी ज़बान में मुख़्तलिफ़ जानवरों के झुण्ड के लिए काम में लिए गए अलफ़ाज़ का ख़ुलासा करें।
- जिन आयात में “झुण्ड और ग़ोल” का हवाला है वहाँ सही होगा कि उनके आगे “भेड़ों का” या “मवेशियों का”, मिसाल के तौर पर अगर उस ज़बान में जानवरों के झुण्ड के लिए अलग-अलग लफ़्ज़ न हों।

(यह भी देखें: बकरी, बैल, सुअर, भेड़,)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 10:28-29
- 2 तवारीख़ 17:10-11
- इस्तिस्ना 14:22-23
- लूक़ा 02:8-9
- मत्ती 08:30-32
- मत्ती 26:30-32

## शब्दकोश:

- Strong's: H951, H1241, H2835, H4029, H4735, H4830, H5349, H5739, H6251, H6629, H7399, H7462, G34, G4167, G4168

# , क़ैदख़ाना, क़ैदी, क़ैदख़ाना, क़ैद में, क़ैद में, क़ैदी बनाना, क़ैदी बनना, क़ैदी बनना

## ता'अर्रुफ़:

"क़ैदख़ाना" वह जगह है जहाँ मुजरिमों को उनके जुर्म की सज़ा देने के लिए रखा जाता है। "क़ैदी " वह आदमी है जो क़ैदख़ाना में रखा गया है।

- मुजरिम को 'अदालत के वक़्त तक क़ैदख़ाना में रखा जाता है।
- "क़ैदी बनाया" या'नी "क़ैदख़ाना में रखा" या "ग़ुलाम में रखा"।
- अनेक नबियों और ख़ुदा के ख़ादिमों बेगुनाह क़ैदख़ाने में डाले गए थे।

## तर्जुमे की सलाह:

- "क़ैदख़ाना" का दूसरा लफ़्ज़"जेल खाना" है।
- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा "कालकोठरी" भी किया जा सकता है, जब जेल खाना किसी मकान या राजमहल के तहख़ाने में हो।
- "क़ैदी " का बयान उन लोगों से भी हो सकता है जिन्हें उनके दुश्मन क़ैदी बनाकर उनकी मर्ज़ी के ख़िलाफ़ किसी जगह में रखते हैं। इसका तर्जुमा "ग़ुलाम " भी किया जा सकता है।
- "क़ैदी बनाने" के तर्जुमें हो सकते हैं, "क़ैदी बनाकर रखना" या "ग़ुलामी में रखना" या "क़ैद कर लेना"

(यह भी देखें:ग़ुलामी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के आमाल 25:4-5
- इफिसियों 04:1-3
- लूका 12:57-59
- लूका 22:33-34
- मरकुस 06:16-17
- मत्ती 05:25-26
- मत्ती 14:3-5
- मत्ती 25:34-36

## शब्दकोश:

- Strong's: H612, H613, H615, H616, H631, H1004, H1540, H3608, H3628, H3947, H4115, H4307, H4455, H4525, H4929, H5470, H6115, H6495, H7617, H7622, H7628, G1198, G1199, G1200, G1201, G1202, G1210, G2252, G3612, G4788, G4869, G5084, G5438, G5439

# अँगूर का रस ,अँगूर का रस

## ता'अर्रुफ़:

“अँगूर का रस ” मय के बारे में काम में लिया गया लफ़्ज़ है जिसमैं में शराब है।

मय अनाज या फलों से बनाई जाती है जिसको सड़ा कर तैयार किया जाता है।

- "अँगूर के रस" की तरह में, अँगूर का रस, खजूर की शराब शराब , बीयर और सेब का रस शामिल हैं। कलाम में, अँगूर का रस सबसे ज़्यादा बार बयान किया जाने वाला अँगूर का रस था।
- काहिन या नासिरी लोगों को किसी भी तरह का ख़मीर किया गया पीने के लिए इजाज़त नहीं थी ।
- इस लफ़्ज़ को "जोश पैदा करने वाला " या "शराब पीने " की शक्ल में भी तर्जुमा किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अंगूर, नासिरी , मन्नत , अँगूर का रस )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- यसा'याह 05:11-12
- अह्बार 10:8-11
- लूक़ा 01:14-15
- गिनती 06:1-4

## शब्दकोश:

- Strong's: H5435, H7941, G4608

# अँगूर, अँगूर, अँगूर की बेल

## ता’अर्रुफ़:

अँगूर (दाख) एक छोटा चिकना गोल फल होता है जो अँगूर की बेल में गुच्छों में उगता है। अँगूर का रस शराब बनाने के काम में आता है।

- अँगूर अलग अलग रंग के होते हैं, जैसे हरे, काले और लाल।
- हरएक अंगूर का क़द एक से तीन सेंटी मीटर का होता है।
- अँगूर के बगीचों को अँगूर का बाग़ कहते हैं। अँगूर के बाग़ में अँगूर की बेल की लम्बी कतारें होती हैं।
- कलाम के वक़्त में अँगूर एक बहुत ही ख़ास खाने की चीज़ थी और अँगूर की बाग़ माल की 'अलामत थी ।
- अँगूर को सड़ने से बचाने के लिए उन्हें सुखा लिया जाता है। * सूखे अँगूर किशमिश कहलाते है जिन्हें केक बनाने में काम में लिया जाता है।
- ‘ईसा ने अपने शागिर्दों को ख़ुदा की बादशाही की ता'लीम देने के लिए अँगूर के बाग़ की मिसाल दी थी ।

(यह भी देखें: अँगूर , अँगूर का बाग़, शराब )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इस्तिसना 23:24-25
- होशे 09:10
- अय्यूब 15:31-33
- लूक़ा 06:43-44
- मत्ती 07:15-17
- मत्ती 21:33-34

## शब्दकोश:

- Strong's: H811, H891, H1154, H1155, H1210, H2490, H3196, H5563, H5955, H6025, H6528, G288, G4718

# अंजीर, अंजीरों

## ता’अरुफ़ :

“अंजीर” एक छोटा मीठा फल होता है जो पेड़ में उगता है। पक जाने पर इस फल के मुख्तलिफ़ रंग होते हैं, भूरा, पीला या बैंगनी।

- अंजीर का पेड़ छः मीटर तक लम्बा हो जाता है और इसके चौड़े पत्तों कि वजह से पेड़ के नीचे बहुत छाया होती है । इसके फल की लम्बाई 3-5 से.मी. होती है।
- आदम और हव्वा ने गुनाह करने के बा’द अंजीर के पत्तों से अपने कपड़े बनाए थे।
- अंजीर का फल खाया जाता है, पकाया जाता है या सुखा कर भी रखा जाता है। लोग उन्हें टुकड़े करके उनकी टिक्कियाँ बनाकर सुखा लेते हैं कि बा’द में खाने के काम आए।
- किताब-ए-मुक़द्दस के ज़माने में अंजीर खाने के लिए बेचकर पैसा कमाने के लिए ख़ास थे।
- फलदार अंजीर के पेड़ की बात किताब-ए-मुक़द्दस में बार-बार की गई है। जिसका हवाला शरी’अत से है।
- ‘ईसा ने भी कई बार अंजीर के दरख्त की मिसालें देकर रूहानी सच्चाई की तशरीह की थी।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- हबक़्क़ूक़ 03:17
- या’क़ूब 03:11-12
- लूक़ा 13:6-7
- मरकुस 11:13-14
- मत्ती 07:15-17
- मत्ती 21:18-19

## शब्दकोश:

- Strong's: H1061, H1690, H6291, H8384, G3653, G4808, G4810

# अक़्लमन्द, अक़्लमन्दी, अक़्लमन्दी से

## सच्चाई:

“अक़्लमन्द” (होशियार) वह इन्सान जो अपने कामों के बारे में होशियारी से सोचता है और समझदारी के फ़ैसले लेता है।

- “अक़्लमन्दी” हमेशा उस हिम्मत के बारे में होती है जिसके ज़रिए’’अमली , दुनयावी बातों के फ़ैसले लिए जाते हैं, जैसे पैसे या दौलत का इन्तिज़ाम करना।
- अगर चे “अक़्लमन्दी” और “अक़्ल” मतलब में एक से हैं, अक़्ल ज़्यादा आम और रूहानी या अच्छी बातों पर मुनहसिर होती है।
- मज़मून के मुताबिक़ " अक़्लमन्द का तर्जुमा हो सकता है: "होशियार " या "चालाक " या समझदार।"

(यह भी देखें: चालाक , रूह, अक़्लमन्द)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- अमसाल 08:4-5
- अमसाल 12:23-24
- अमसाल 27:11-12

## शब्दकोश:

- Strong's: H995, H5843, H6175, H6191, H6195, H7080, H7919, H7922, G4908, G5428

# अधिकार में लेना, मोल लिया, कब्ज़ा था, अधिकार में रखना, अधिकार, सम्पति, निकाल देना

## सच्चाई:

“अधिकार में लेना” (वारिस होना) और “सम्पत्ति” प्रायः किसी वस्तु के स्वामीत्व को दर्शाते हैं। इनका अर्थ किसी वस्तु पर अधिकार करना था ज़मीन पर अधिकार करना भी होता है।

- पुराने नियम में ये शब्द “ज़मीन पर अधिकार” या “अधिकार करने” के संदर्भ में उपयोग किए गए हैं।
- यहोवा ने इस्राएलियों को आज्ञा दी कि वे कनान देश पर “अधिकार” करें तो इसका अर्थ था कि वे उस देश में जाकर वहां रहें। इसमें पहले वहां के निवासियों को जीतना था।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों से कहा था कि उसने उन्हें वह देश उनकी संपदा होने के लिए दे दिया है। * इसका तर्जुमा हो सकता है, “उनका अधिकृत निवास स्थान”।
- इस्राएल को यहोवा की “निज धन” भी कहा गया है। इसका अर्थ है कि वे उसके अपने लोग थे जिन्हें उसने विशेष करके अपनी आराधना और सेवा के लिए बुलाया था।

## अनुवाद के सुझाव:

- “अधिकारी होना” का तर्जुमा “स्वामी होना” या “रखना” या “अधिकार रखना” भी हो सकता है।
- “पर अधिकार करो” का अनुवाद “वश में करो” या “अधिग्रहण करो” “वहां रहो”-प्रकरण के अनुसार तर्जुमा करें।
- मनुष्यों की संपदा के संदर्भ में “संपदा” का तर्जुमा “सामान” या “सम्पत्ति” या “अधिकार की वस्तुएं” या “जो वस्तुओं के वे स्वामी हैं”।
- यहोवा इस्राएल को “मेरा निज धन” कहता है जिसका तर्जुमा “मेरे विशेष लोग” या “मेरे लोग” या “मेरे लोग जिन से मैं प्रेम करता हूं और जिन घर में राज करता हूं”।
- ज़मीन के संबन्ध में जब कहा गया है, “वह उनका भाग होगा” तो इसका अर्थ है, “वे उस ज़मीन के अधिकारी होंगे” या “वह देश उनका होगा”।
- “उसके यहां पाया जाए” का तर्जुमा “वह रखे हुए था” या “उसके पास था”।
- “तुम्हारा निज भाग” का तर्जुमा “जो देश तुम्हारा है” या “वह स्थान जहां तुम रहोगे”।
- “उसकी संपदा” का तर्जुमा “जो उसके अधिकार में था” या “जो उसका था”।

(यह भी देखें :कनान, इबादत)

## बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तवारीख़ 06:70
- 1 सलातीन 09:17-19
- रसूलों के आमाल 02:43-45
- व्यवस्थाविवरण 04:5-6
- पैदाइश 31:36-37
- मत्ती 13:44-46

## शब्दकोश:

- Strong's: H270, H272, H834, H2505, H2631, H3027, H3423, H3424, H3425, H3426, H4180, H4181, H4672, H4735, H4736, H5157, H5159, H5459, H7069, G1139, G2192, G2697, G2722, G2932, G2933, G2935, G4047, G5224, G5564

# अनाज की क़ुर्बानी , सुलह की क़ुर्बानी

## ता’अर्रुफ़:

“अनाज क़ुर्बानी” ख़ुदा के लिए अनाज या आटे की रोटी की शक्ल में क़ुर्बानी थी।

“अनाज” का मतलब है अनाज का आटा।

- आटे को पानी या तेल में गूंध कर रोटी बनाई जाती थी। कभी-कभी रोटी पर तेल लगाया जाता था।
- यह क़ुर्बानी हमेशा आतिशी क़ुर्बानी के साथ पेश की जाती थी।

(यह भी देखें:आतिशी क़ुर्बानी, अनाज, क़ुर्बान)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- हिज़्क़ीएल 44:30-31
- यूएल 02:14

## शब्दकोश:

- Strong's: H4503, H8641

# अनाज क़ुर्बानी, अनाज क़ुर्बानियों

## ता’अर्रुफ़:

अनाज क़ुर्बानी ख़ुदावन्द को पेश की जानेवाली गेहूं या जौ के आटे की क़ुर्बानी थी जो आतिशी क़ुर्बानी के बा'द पेश की जाती थी।

- अनाज क़ुर्बानी के लिए काम में लिया गया अनाज बारीक़ पिसा हुआ होना था। कभी-कभी उसे पका कर भी क़ुर्बानी पेश की जाती थी और कभी कच्चा भी पेश किया जाता था।

अनाज के आटे में तेल और नमक मिलाया जाता था लेकिन ख़मीर और शहद मना' था।

- क़ुर्बानी के अनाज का एक हिस्सा जला दिया जाता था बाक़ी काहिन खाता था।

(यह भी देखें: आतिशी क़ुर्बानी , इल्ज़ाम क़ुर्बानी, क़ुर्बान , गुनाह की क़ुर्बानी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 23:27-29
- ख़ुरूज 29:41-42
- क़ुज़ात 13:19-20
- इस्तिसना 02:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H4503, H8641

# अनाज, अनाज , खेत

## ता’अर्रुफ़:

“अनाज” या'नी गेहूं, जौ, मक्का, दाल, चावल। इसका पूरा मतलब पेड़ से भी हो सकता है।

- कलाम में ख़ास अनाज हैं गेहूं और जौ।
- बालियां गेहूं के पेड़ का वह ऊपरी हिस्सा है जो दाने को पकड़े रहता है।
- कुछ पुराने मज़मून (अंग्रेजी) में “मकई” लफ़्ज़ या'नी दाना लफ़्ज़ का इस्ते'माल किया गया है जो 'आम तौर पर अनाज के बारे में है। लेकिन अंग्रेज़ी में “मकई” का मतलब सिर्फ़ मक्का से है।

(यह भी देखें: सिर, गेहूँ )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 42:1-4
- पैदाइश 42:26-28
- पैदाइश 43:1-2
- लूक़ा 06:1-2
- मरकुस 02:23-24
- मत्ती 13:7-9
- रूत 01:22

## शब्दकोश:

- Strong's: H1250, H1430, H1715, H2233, H2591, H3759, H3899, H7054, H7383, H7641, H7668, G248, G2590, G3450, G4621, G4719

# अनार, अनारों

## सच्चाई:

अनार एक फल है जिसका छिलका मोटा होता है जिसमें लाल रंग का खाने के दाने होते हैं।

बाहरी छिलका लाल रंग का होता है और बीजों का गूदा चमकदार और लाल होता है।

- अनार गर्म और सूखी आब हवा के मुल्कों में बहुतायत से उगते हैं, जैसे मिस्र और इस्राईल।
- ख़ुदा ने इस्राईल से वा'दा किया था कि कना'न पानी और ज़रख़ेज़ ज़मीन थी जिसकी वजह से वहां खाने की चीज़ें और अनार बहुतायत से हैं।
- सुलेमान के ता'मीरी हैकल की सजावट में तांबे के अनार बने हुए थे।

(यह भी देखें: ताँबा, कना'न, मिस्र, सुलेमान, हैकल)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 सलातीन 25:16-17
- इस्तिसिना 08:7-8
- यिर्मयाह 52:22-23
- गिनती 13:23-24

मिस्र

## शब्दकोश:

- Strong's: H7416

# अमसाल,अमसाल

## ता'अर्रुफ़:

अमसाल एक छोटा जुमला है जो की अक़्ल की बात या सच ज़ाहिर करती है।

- अमसाल असरदार होते है क्योंकि उन्हें याद रखना और दोहराना आसान होता है।
- अमसाल में ज़्यादा तर रोज़ मर्रा ज़िन्दगी की कार आमद मिसालें होती हैं।
- कुछ अमसाल साफ़ और सीधे होते है जबकि कुछ अमसाल समझने में कठिन होते हैं।
- बादशाह सुलैमान अपनी अक़्ल के लिए मशहूर था, उसने 1,000 से ज़्यादा अमसाल लिखे थे।
- 'ईसा इन्सानों को ता'लीम देने के लिए हमेशा अमसाल और तम्सीलों का इस्तेमाल करता था।
- "अमसाल " का तर्जुमा हो सकता है, "अक़्ल की बातें" या "सच कलाम "

(यह भी देखें: सुलेमान, सच, अक़्लमंदी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 04:32-34
- 1 समूएल 24:12-13
- 2 पतरस 02:20-22
- लूका 04:23-24
- अमसाल 01:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H2420, H4911, H4912, G3850, G3942

# अर्ग़वानी

## सच्चाई:

“अर्ग़वानी” लफ़्ज़ एक रंग का नाम है जिसमें नीले और लाल रंग को मिलाया जाता है।

- पुराने ज़माने में, अर्ग़वानी रंग मुश्किल था और क़ीमती रंग था जिससे बादशाहों और आला हाकिमों के लिबास रंगे जाते थे।
- इस रंग को बनाना महंगा और वक़्त लेनेवाला होता था, अर्ग़वानी लिबास मालदार होने, ख़ास होने तथा बादशाही होने का निशान था।
- रहने के तंबू और हैकल के परदों का रंग भी अर्ग़वानी था काहिनो के जुब्बा का रंग भी अर्ग़वानी था।
- अर्ग़वानी रंग समुद्री घोंघे को कुचल कर या गर्म पानी में डालकर निकाला जाता था, घोंघा ज़िन्दा रहकर यह रंग छोड़ता था। यह एक मंहगा ‘अमल था
- रोमी सिपाहियों ने ‘ईसा को सलीब देने से पहले उसे अर्ग़वानी लिबास पहनाकर उसकी बे हुरमती की थी क्योंकि उस पर इल्ज़ाम लगाया गया था कि वह यहूदियों का बादशाह है।
- फ़िलिप्पी नगर की लुदिया अर्ग़वानी रंग बेचकर ज़िन्दगी को चलाया करती थी

(तर्जुमे की सलाह: तर्जुमे का नाम

(यह भी देखें: एपोद, फ़िलिप्पी, शाही,सुलह का ख़ेमा , हैकल )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तवारीख़ 02:13-14
- दानीएल 05:7
- दानीएल 05:29-31
- अमसाल 31:22-23

## शब्दकोश:

- Strong's: H710, H711, H713, G4209, G4210, G4211

# अलग करना, ख़ारिज, ख़ारिज, बेमिशाल

## ता'अर्रुफ़:

“ख़ुशी करना” और “ख़ुशी”के जरीए’ किसी कामयाबी और ख़ास बरकत कि वजह ज़्यादा तर ख़ुशगवार होने से है।

- “अगल "करने में हैरत अंगेज़ कुछ मनाने का एहसास भी शामिल है |
- एक शख्स़ ख़ुदावन्द की नेकी में ख़ुश हो सकता है
- “ख़ुशी करनेवाले” कि ख़ुशी के एहसास में घमण्ड भी हो सकता है, कामयाबी या बरकत की वजह ।
- “ख़ुशी मनाना” का तर्जुमा“बहुत ज़्यादा ख़ुशी” या “बड़ी ख़ुशी के साथ ता'रीफ़ करना” हो सकता है।
- जुमले के मुताबिक़“ ख़ुश करना” का तर्जुमा “ फतह के साथ ता'रीफ़ करना” या “ख़ुद ता'रीफ़ के साथ मसरूर होना” या “फ़ख़्र” हो सकता है।

(यह भी देखें:शख़्त, ख़ुश, ता'रीफ़, ख़ुशी मनाना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 02:1
- यसा’याह 13:1-3
- अय्यूब 06:10-11
- ज़बूर 068:1-3
- सफनियाह 02:15

## शब्दकोश:

- Strong's: H5539, H5947, H5970

# अलग किया, अलग करे, काटकर

## ता'अर्रुफ़:

"काटा जाए" एक मुहावरा है जिसका मतलब है, ख़ास क़ौम से अलग किया जाना, मुल्क से निकाल देना, या रिश्ते ख़त्म कर देना। इसका बयान गुनाह की सज़ा के ख़ुदा के काम के ज़रिए' हलाक किया जाना।

- पुराने 'अहद नामे में ख़ुदा का हुक्म नहीं मानने का अंजाम होता था काटा जाना या ख़ुदा के लोग या उसकी हुज़ूरी से अलग कर दिया जाना।
- ख़ुदा ने यह भी कहा था कि वह ग़ैर कौमों को "अलग किया" या हलाक कर देगा क्योंकि वे उसकी इबादत नहीं करते थे न ही उसके हुक्मो को माना करते थे इसलिए वे इस्राईल के दुश्मन थे।
- "अलग किया" ख़ुदा के ज़रिए'नदी के बहाव को रोकने के बारे में भी काम में लिया गया है।

## तर्जुमे की सलाह:

- "काट दिया जाए" का तर्जुमा हो सकता है, "मुल्क से निकाल दिया जाए", या "दूर भेज दिया जाए" या "अलग कर दिया जाए" या "मार डाला जाए" या "हलाक कर दिया जाए"।
- मज़मून के मुताबिक़ "काट देना" का तर्जुमा किया जा सकता है, "हलाक करना" या "दूर कर देना" या "अलग करना" या "हलाक करना"।
- बहते पानी को काट देने का तर्जुमा हो सकता है, "रोक देना" या "पानी के बहाव को रोक देना" या "पानी को अलग कर देना"।
- चाकू के ज़रिए'किसी चीज़ को काटने का मतलब इस लफ़्ज़ के तम्सीली तर्जुमा से हमेशा अलग होना है।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 17:12-14
- क़ुज़्ज़ात 21:6-7
- अम्साल 23:17-18

## शब्दकोश:

- Strong's: H1214, H1219, H1438, H1468, H1494, H1504, H1629, H1820, H1824, H1826, H2498, H2686, H3582, H3772, H5243, H5352, H6202, H6789, H6990, H7082, H7088, H7096, H7112, H7113, G609, G851, G1581, G2407, G5257

# अलहदा, अलहदगी, दूरियाँ

## ता’रीफ़:

अलफ़ाज़ “अलहदा” और “अलहदगी” उस जगह का हवाला देते हैं जो ऐसा बरबाद हो जाए कि वह तबाह हो जाए।

- जब किसी इन्सान के बारे में बयान करते हैं, तब लफ़्ज़ “अलहदा” को बर्बादी, तन्हाई, और ग़म की सूरत में इस्ते’माल होते हैं|
- लफ़्ज़ “अलहदगी” अलहदा होने की हालत के बारे में है|
- अगर एक खेत, जिसकी फ़सल बर्बाद हो जाए, इसका मतलब है कि किसी चीज़ ने फ़सल बर्बाद की है, जैसे कीड़ों या हमलावर फ़ौज ने|
- “अलहदा मुल्क” ये किसी ऐसी जगह के बारे में है जहाँ कुछ लोग ही रहते हैं क्यूँकि वहाँ फ़सलें या दीगर क़िस्म के पौदे बहुत कम उगते हैं ।
- “अलहदा जगह” या “जंगल” वह जगहें थीं जहां अवाम से निकाले हुए लोग (कोढ़ी) और जंगली जानवर रहते थे।
- अगर एक शहर “अलहदा” हो गया, इसका मतलब है कि इसकी ‘इमारतें और माल सब बर्बाद हो गया या चोरी हो गया, और उसके लोग मार दिए गए या पकड़े गए| वह शहर, “ख़ाली” और “बर्बाद” हो गया। इसका मतलब “अलहदा करना” या “वीरान” एक जैसा ही है लेकिन ख़ाली होना ख़ास जगह पर ज़ोर दिया गया है।
- मज़मून पर मुनहस्सिर, इस लफ़्ज़ का तर्जुमा “बर्बाद” या “तबाह” या “वीरान करना” या ”बर्बाद” “अकेला और निकाला हुआ” या “सुनसान” हो सकता है।

(यह भी देखें: वीरान, तबाह, बर्बाद)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 सलातीन 22:17-19
- रसूलों के ‘आमाल 01:20
- दानीएल 09:17-19
- यरमियाह का नोहा 03:9-11
- लूका 11:16-17
- मत्ती 12:24-25

## शब्दकोश:

- Strong's: H490, H816, H820, H910, H1327, H1565, H2717, H2720, H2721, H2723, H3173, H3341, H3456, H3582, H4875, H4876, H4923, H5352, H5800, H7582, H7612, H7701, H7722, H8047, H8074, H8076, H8077, G2048, G2049, G2050, G3443

# असलहा, असलहों का घर

## ता'अर्रुफ़:

“असलहा” या'नी फ़ौज के ज़रिए' काम में आने वाले असलहा और दुश्मन के वार से बचाने वाला कवच। इसका इस्ते'माल सही तरीक़े से रूहानी असलहों के लिए भी काम में लिया गया है।

- फ़ौज के असलहों में टोप, ढाल, सीनाबन्ध, पांव के कवच और तलवार वग़ैरह।
- पौलुस रसूल असलहों की मिसाल के ज़रिए' रूहानी असलहों के बारे में बताता है जो ख़ुदा ने ईमानदारों को रूहानी जंग के लिए दिए हैं।
- गुनाह और शैतान के ख़िलाफ़ जंग करने के लिए ख़ुदा अपने लोगों को जो रूहानी असलहे देता है, वह हैं, सच्चाई, रास्तबाज़ी, सुकून की ख़ुशख़बरी , यक़ीन, नजात और पाक रूह ।
- इसका तर्जुमा ऐसे लफ़्ज़ों से किया जाए जिसका मतलब हो, “फ़ौज के असलहे” या “जंग के हिफ़ाज़ती लिबास” या “हिफ़ाज़ती कवर” या “असलहा”

(यह भी देखें: यक़ीन , पाक रूह ।, सुकून, नजात , रूह )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 31:9-10
- 2 शमूएल 20:8
- इफिसियों 06:10-11
- यार्मियाह 51:3-4
- लूका 11:21-23
- नहमियाह 04:15-16

## शब्दकोश:

- Strong's: H2185, H2290, H2488, H3627, H4055, H5402, G3696, G3833

# अहतराम, अहतराम माना, अहतराम मानकर, अहतरामों, बा’इज़्ज़त

## ता’अर्रुफ़:

“अहतराम मानकर” लफ़्ज़ का मतलब, किसी इन्सान या चीज़ के लिए गहरी ‘इज़्ज़त का अहसास है। किसी आदमी या चीज़ के लिए "अहतराम" दिखाने के लिए ‘इज़्ज़त|

- अहतराम के अहसास के हक़दार की ‘इज़्ज़त के काम में देखी जा सकती है।
- ख़ुदा का डर अंदरूनी अहतराम है जो ख़ुदा के हुक्मों को मानने से ज़ाहिर होती है।
- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा “डर और ‘इज़्ज़त” या “दिली ‘इज़्ज़त” हो सकता है।

(यह भी देखें: डर, अहतराम, ‘अमल)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 पतरस 01:15-17
- इब्रानियों 11:7
- यसा’याह 44:17
- ज़ुबूर 005:7-8

## शब्दकोश:

- Strong's: H3372, H3373, H3374, H4172, H6342, H7812, G127, G1788, G2125, G2412, G5399, G5401

# अक़्लमंदों

## सच्चाई:

किताब-ए-मुक़द्दस में, जुमलों " अक़्लमंद" अक्सर उन इन्सानों को दिखाता है जो ख़ुदा की ख़िदमत करते हैं और अक़्लमंदी से काम करते हैं, बेवक़ूफ़ी से नहीं। “अक़्लमंद” या’नी ख़ास ‘इल्म और सलाहियतें रखनेवाला इन्सान जो ज़्यादातर बादशाह के दरबार का फ़र्द होता था।

- कभी-कभी लफ़्ज़ " अक़्लमंद आदमी " को मज़मून में "होशियार इन्सानों " या "समझ वाले आदमी " की शक्ल में समझाया जाता है। यह उन लोगों का हवाला देता है जो अक़्लमंदी और सच्चाई से काम करते हैं क्योंकि वे ख़ुदा के हुक्मों को मानते हैं।
- " अक़्लमंदों " जिन्होंने फिर’औन और दीगर बादशाहों की ख़िदमत की थी, वे अक्सर ‘आलिम थे, जिन्होंने सितारों का मुता’आला किया था, ख़ास कर उन सितारों के ‘अहम मतलबों की तलाश करते थे कि सितारों ने आसमान में कैसी जगह बनायी थी।
- अक्सर अक़्लमंद इन्सानों से ख़्वाब के मा’नी की तशरीह करने की उम्मीद की जाती थी। मिसाल के लिए, बादशाह नबूक़दनज़र ने मांग की कि उसके अक़्लमंद इन्सान उसके ख़्वाबों का बयान करें और उसे बताए कि इसका क्या मतलब है, लेकिन उनमें से दानीएल के सिवा कोई भी ऐसा करने के लिए, क़ाबिल नहीं थे जिसने ख़ुदा की ओर से इस ‘इल्म को पाया था।
- कभी-कभी अक़्लमंद लोगों ने जादुई कामों को ज़ाहिर किया जैसे कि बदरूहों की ताक़त के ज़रिए’ से की गयी नबूव्वत या मो’जिज़ा
- नए ‘अहद नामे में, पूरब के ‘इलाक़ों से आने वाले आदमियों के झुण्ड को "मागी" कहा जाता था, जिसे अक्सर " अक़्लमंद आदमी " की शक्ल में तर्जुमाई की जाती है, क्योंकि यह शायद उन ‘आलिमों को ज़ाहिर करता है जिन्होंने मुल्क के एक हाकिम की ख़िदमत की थी।
- मुमकिन है कि वे नजूमी थे जो सितारों का मुता’आला करते थे। कुछ रोशन ख़याल लोगों का मानना था कि वे अक़्लमंद लोग उनकी औलाद है जिन्हें दानीएल ने सिखाया था।
- बयान के मुताबिक़ पर, " अक़्लमंद आदमी " लफ़्ज़ का तर्जुमा " अक़्लमंद" या "दानिशमंद आदमी " या "ता’लीम याफ़्ता आदमी " या किसी और लफ़्ज़ जैसे जुमले के साथ किया जा सकता है जिसका मतलब है उन आदमियों के बारे में है जो ख़ास काम किसी हाकिम के लिए करते है।
- जब " अक़्लमंद आदमी " केवल एक इसम लफ़्ज़ है, तो " अक़्लमंद" लफ़्ज़ का तर्जुमा एक तरह से किया जाना चाहिए जैसे किताब-ए-मुक़द्दस में और जगह इसका तर्जुमा किया गया है।

(यह भी देखें: बाबुल , दानीएल , शैतानी , जादू-टोना, नबूकदनज़र , हाकिम , अक़्लमंद)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 27:32-34
- दानीएल 02:1-2
- दानीएल 02:10-11

## शब्दकोश:

- Strong's: H2445, H2450, H3778, H3779, G4680

# अज़ाब

## ता’अरुफ़:

“अज़ाब ” लफ़्ज़ सज़ा के बारे में है जिसमें अपील या बचने की इमकान हरगिज़ नहीं होते है।

- इस्राईलियों को बाबुल में क़ैदी बनाकर ले जाया गया था, तब हिज़क़ीएल नबी ने कहा था, “हम पर तबाही आ पड़ी है”।
- मज़मून पर मुनहस्सिर, इस लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, “तबाही” या “सज़ा” या “नाउम्मीद बर्बादी”।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- हिज़क़ीएल 07:5-7
- हिज़क़ीएल 30:8-9
- यसा’याह 06:4-5
- ज़ुबूर 092:6-7

## शब्दकोश:

- Strong's: H1820, H3117, H6256, H6843, H8045

# आ पड़े, पड़ जाना, आ पकड़ा, पकड़ लिया

## ता’अर्रुफ़:

लफ़्ज़ “आ पड़े” और “पकड़ लिया” का हवाला किसी इन्सान या किसी चीज़ को क़ाबू में कर लेने से है। ‘आमतौर इसमें ख़याल यह है कि पीछा करके पकड़ना।

- जब फ़ौज किसी और दुश्मन फ़ौज को घेर लेती है तो इसका मतलब है कि उन्होंने उस फ़ौज को जंग में हरा दिया।
- जब शिकारी शिकार को पकड़ता है तो इसका मतलब है कि उसने पीछा करके शिकार को पकड़ लिया।
- अगर किसी पर ला’नत आ पड़े तो इसका मतलब है कि ला’नत में जो कुछ कहा गया था वह उसके साथ होगा।
- अगर किसी पर बरकत आती है तो इसका मतलब है कि उसे बरकत मिलेगी।
- मज़मून पर मुनहस्सिर “घेरना” का तर्जुमा “जीतना” या “बन्दी बनाना” या “हराना ” या “पकड़ लेना” या “पूरी तरह मुताअस्सिर करना” हो सकता है।
- गुज़िस्ता ज़माने का ‘अमल “आ पड़ी” का तर्जुमा “पकड़ लिया” या “साथ आ गया” या “जीत लिया” या “हरा दिया” या “नुक़सान कर दिया” किया जा सकता है।
- जब ख़बरदार किया जाए कि तरीकी या सज़ा या डर इन्सानों के गुनाहों की वजह से आ पड़ेगा तो इसका मतलब है कि अगर वे गुनाहों से न फिरे तो उन्हें इन मनफ़ी बातों का तजरुबा होगा।
- “मेरे कलाम तुम्हारे बुज़ुर्गों पर आ पड़े है” का मतलब है कि यहोवा ने उनके बुज़ुर्गों को जो ता’लीमात दी थी उनकी वजह से उन्हें सज़ा मिलेगी क्योंकि वे उन ता’लीमात पर ‘अमल करने में नाकाम रहे।

(यह भी देखें: बरकत देना, फटकारने लगा, शिकार, सज़ा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 सलातीन 25:4-5
- युहन्ना 12:34-36

{{tag>publish ktlink}}

## शब्दकोश:

- Strong's: H579, H935, H1692, H4672, H5066, H5381, G2638, G2983

# आग, आग, लुकटियों, करछों, चिमनियों, भट्ठा, अंगीठियाँ

## ता'अर्रुफ़:

आग गर्म होती, जब किसी चीज़ के जलने पर पैदा गर्म, रोशनी और लौ।

- लकड़ी आग के ज़रिए' जलकर राख हो जाती है।
- लफ्ज़ "आग" को अलामती शक्ल में भी काम में लिया गया है, जिसके बारे में हमेशा सज़ा और नुमाइश से है।
- बे-ईमानों को आख़िरी सज़ा जहन्नम की आग में डाला जाता है।
- आग का इस्ते'माल सोने और और धातुओं को दुबारा बेहतर करने के लिए होता है| किताब-ए-मुक़द्दस में, इस 'अमल की तफ़सील करने के लिए इस्ते'माल किया जाता है जैसे ख़ुदा के ज़रिए' मुश्किल हालातों से इन्सान को बेहतर करता है जो उसकी ज़िन्दगी में होते हैं|
- "आग से बपतिस्मा देना" इस जुमले का तर्जुमा हो सकता है "पाक करने के लिए तकलीफ़ उठाने के लिए पाबन्द करना।"

(यह भी देखें: पाक )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 16:18-20
- 2 सलातीन 01:9-10
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:6-8
- रसूलों के 'आमाल 07:29-30
- युहन्ना 15:5-7
- लूक़ा 03:15-16
- मत्ती 03:10-12
- नहमियाह 01:3

## शब्दकोश:

- Strong's: H215, H217, H398, H784, H800, H801, H1197, H1200, H1513, H2734, H3341, H3857, H4071, H4168, H5135, H6315, H8316, G439, G440, G1067, G2741, G4442, G4443, G4447, G4448, G4451, G5394, G5457

# आराम करना, आराम, आराम किया, आराम, बे-आराम

## ता’अर्रुफ़:

लफ़्ज़“आराम करना” का मतलब है काम करने से रूकना कि थकान से आज़ादी हासिल हो या नई क़ुव्वत हासिल हो। लफ़्ज़ “बाक़ी” का मतलब किसी चीज़ का बचा हुआ काम बंद करना “आराम करना” है

- किसी चीज़ के लिए कहा जाए कि वह रखी हुई है तो इसका मतलब है, कि वह वस्तु वहां मौजूद है या “क़ायम है”,
- नाव जो “आकर रूकी” कही पर तो इसका मतलब है, “ठहर गई” या “पहुंच गई।”
- इन्सान या जानवर “आराम” करता है तो इसका मतलब है कि वह बैठा है या लेटा है ताकि ताजगी पाए।
- ख़ुदा ने इस्राईलियों को हुक्म दिया था कि सप्ताह के सातवें दिन आराम करें। काम नहीं करने का यह दिन “सब्त” का दिन कहलाता था।
- किसी चीज़ को कहीं रखना या’नी उसे वहां क़ायम करना या रखना|

## तर्जुमे की सलाह:

- मज़मून पर मुनहस्सिर, "आराम करना (ख़ुद को)" "काम करना बंद करना" या "खुद को ताज़ा करने के लिए" या "बोझ उठाना बंद करने के लिए" के तौर पर भी तर्जुमा किया जा सकता है।
- किसी चीज़ पर "आराम" करने का तर्जुमा "मक़ाम" या "डालना" या "क़ायम" किसी चीज़ को किसी पर, की शक्लमें किया जा सकता है
- जब ‘ईसा ने कहा, "मैं तुम्हें आराम दूंगा," इसका तर्जुमा इस तरह भी किया जा सकता है, "मैं आपको अपना बोझ उठाना बंद कर दूंगा" या "मैं आपको सुकून में रहने में मदद करूंगा" या "मैं तुमको मुझ मे आराम और ईमान करने के लिए मज़बूत बनाता हूं ।"
- ख़ुदा ने कहा, "वे मेरे आराम में दाख़िल नहीं होंगे" और इस जुमले का तर्जुमा किया जा सकता है कि "वे बाकी की बरकतों का अहसास नहीं करेंगे" या "वे मुझ पर भरोसा करने से आने वाली ख़ुशी और इत्मिनान का अहसास नहीं करेंगे।"
- लफ़्ज़ "आराम" का तर्जुमा "जो लोग" या "दीगर सभी लोग" या "जो कुछ भी बचा है" की में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बचे हुए लोग, सब्त)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तवारीख़ 06:40-42
- पैदाइश 02:1-3
- यरमियाह 06:16-19
- मत्ती 11:28-30
- मुकाशिफ़ा 14:11-12

## शब्दकोश:

- Strong's: H14, H1824, H1826, H2308, H3498, H3499, H4494, H4496, H4771, H5117, H5118, H5183, H5564, H6314, H7258, H7280, H7599, H7604, H7605, H7606, H7611, H7673, H7677, H7901, H7931, H7954, H8058, H8172, H8252, H8300, G372, G373, G425, G1515, G1879, G1954, G1981, G2270, G2663, G2664, G2681, G2838, G3062, G4520

# आलूदा, अलूदा करता, अलूदा हुआ, अलूदा हो जाना, अलूदा हैं, अलूदा था, अलूदा हैं, आलूदा था, अलूदा थे

## ता'अर्रुफ़:

लफ़्ज़ "आलूदा" और "आलूदा होना" का मतलब आलूदगी या गन्दगी से है। कोई चीज़ जिस्मानी, इख़लाक़ी या दुनियावी तौर से नापाक हो सकती है।

- ख़ुदा ने इस्राईलियों को उन चीज़ों को खाने या छूने से ख़बरदार किया है जिन्हें उसने "आलूदा" और "नापाक" क़रार दिया है|
- कुछ चीज़ों जैसे मुर्दा जिस्म और बीमार शख़्स ख़ुदा के ज़रिए' नापाक क़रार दिए गए हैं, अगर कोई शख़्स इनको छू लेगा तो वह नापाक हो जाएगा|
- ख़ुदा ने इस्राईलियों को ज़िना के गुनाह से बचने का हुक्म दिया था। यह उनको नापाक करेगा और उनको ख़ुदा के लिए नाक़ाबिल-ए-क़ुबूल बनाएगा|

जिस्मानी काम कुछ और क़िस्म के भी थे, जो किसी शख़्स को फ़ौरी तौर पर नापाक कर दिया जब तक कि वह रवायती तौर पर दुबारा पाक हो न सके|

- नये 'अहदनामे में 'ईसा ने ता'लीम दी थी कि गुनाहों का ख़याल और काम हक़ीक़त में इन्सान को नापाक करते हैं।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- लफ़्ज़ "आलूदा"का तर्जुमा इस तरह भी हो सकता है " नापाकी की वजह होना" या "रवायती तौर पर नाक़ाबिल-ए-क़ुबूल होना"
- "आलूदा होना" का तर्जुमा इस तरह भी हो सकता है, "गन्दा होना" या "इखलाक़ी तौर से नाकाबिल-ए-क़ुबूल होना(खुदा के लिए)" या "रवायती तौर से नाक़ाबिल-ए-क़ुबूल होना"

(यह भी देखें: पाक,पाक

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में

- 2 सलातीन 23:8-9
- ख़ुरूज 20:24-26
- पैदाइश 34:27-29
- पैदाइश 49:3-4
- यसा'याह 43:27-28
- अहबार 11:43-45
- मरक़ुस 07:14-16
- मत्ती 15:10-11

## शब्दकोश:

- Strong's: H1351, H1352, H1602, H2490, H2491, H2610, H2930, H2931, H2933, H2936, H5953, G733, G2839, G2840, G3392, G3435, G4696, G5351

# आवाज़ , आवाजें

## ता’अर्रुफ़:

“आवाज़ ” का इस्ते’माल हमेशा बोलने या ख़्यालों का तबादला करने के लिए किया गया है।

- ख़ुदा अपने आवाज़ को कहता है अगर चे उसकी आवाज़ इन्सान जैसी नहीं है।
- आवाज़ पूरे इन्सान का बयान देती है जैसे “जंगल में एक पुकारने वाले की आवाज़ सुनाई देती है, ख़ुदावन्द की राह तैयार करो।” इसका तर्जुमा हो सकता है, “जंगल में एक इन्सान की पुकार सुनी जाती है”। (देखें:हम आहंगी
- “किसी की आवाज़ सुनना” या’नी “किसी को बोलते सुनना”।

कभी कभी "आवाज़ " का इस्तेमाल ऐसी चीजों के लिए भी किया गया है जो बोल नहीं सकती, जैसे दाऊद लिखता है कि ख़ुदा की हैरत अंगेज़ तख़लीक़ उसके कामों का बयान करती है, या’नी उनकी आवाज़ उनकी अज़मत का ‘एलान करती है। इसका तर्जुमा हो सकता है: "उनकी बड़ाई ख़ुदा के जलाल का बयान कर रही है।"

(यह भी देखें: बुलाहट, ‘एलान करना, जलवा )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- यूहन्ना 05:36-38
- लूका 01:42-45
- लूका 09:34-36
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 12:19-21

## शब्दकोश:

- Strong's: H6963, H7032, H7445, H8193, G2906, G5456, G5586

# आशिक़, आशिक़ों

## ता’अर्रुफ़:

“आशिक़” या’नी “मुहब्बत करने वाला इन्सान” यह लफ़्ज़ अक्सर उन इन्सानों के लिए है जिनके जिस्मानी ता’अल्लुक़ात होते हैं।

- किताब-ए-मुक़द्दस में “आशिक़” लफ़्ज़ उस इन्सान के लिए काम में लिया जाता है जो किसी के साथ जिस्मानी ता’अल्लुक़ रखता है, जिससे उसकी शादी नहीं हुई है।
- ऐसा नाजायज़ ता’अल्लुक़ किताब-ए-मुक़द्दस में इस्राईल के ज़रिए’ बुतपरस्ती करके ख़ुदा की नाफ़रमानी के लिए काम में लिया जाता है। लिहाज़ा “आशिक़” लफ़्ज़ ‘अलामती तौर पर इस्राईल के ज़रिए’ ‘इबादत किये जानेवाले बुतों के लिए भी काम में लिया गया है। इन मज़मूनों में इस लफ़्ज़ का तर्जुमा मुमकिन हो तो इस तरह किया जाए, “नाजायज़ साथी” या “ज़िनाकार के साथी” या “बुतों”,(देखें: मिसाल)
- पैसों के “लालची” (आशिक़) ऐसा इन्सान जो पैसा कमाने और दौलतमन्द होने को बहुत ज़्यादा अहमियत देता है।
- पुराने ‘अहदनामे में ग़ज़ल-उल-ग़ज़लात की किताब में “आशिक़” लफ़्ज़ का इस्ते’माल मुश्बत तौर पर किया गया है।

(यह भी देखें: ज़िनाकार, झूठे मा’बूद, बुत, मुहब्बत)

##:किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में ##

- होशे’अ 02:4-5
- यरमियाह03:1-2
- नोहा 01:1-2
- लूक़ा 16:14-15

## शब्दकोश:

- Strong's: H157, H158, H868, H5689, H7453, H8566, G865, G866, G5358, G5366, G5367, G5369, G5377, G5381, G5382

# आज़माइश में रहेगा, सब्र करेगा, बर्दाश्त करना, मुस्तहकम रहता है, सब्र

## ता'अर्रुफ़:

“आज़माईश में रहेगा” या'नी “लम्बा वक़्त बिताना या किसी मुश्किल में सब्र करना।“

- इसका मतलब आज़माइश के वक़्त, हिम्मत न हारकर मज़बूत रहना।
- “सब्र ” लफ्ज़ का मतलब“परेशानी ”, “आज़माइश में बर्दाश्त करना” या “परेशानी में सब्र करना”
- ईमानदारों को हौसला अफज़ाई किया गया है कि “आख़िर तक सब्र करता रहेगा” या'नी उन्हें कहा गया है कि 'ईसा की इता'अत को चाहे इसकी वजा उन्हें दुख भी उठाना पड़े।
- “मुसीबत सहने” का मतलब है, “दुख उठाना”

## तर्जुमा की सलाह:

- “सब्र से बर्दाश्त करते रहना” के शक्ल तर्जुमा हो सकता हैं, “क़ायम रहना” या “यक़ीन करते रहना” या “ख़ुदावन्द जो चाहता है वह करते रहना” या “मज़बूती से खड़े रहना”।
- कुछ हवालों में “सब्र के साथ ” का मतलब है तर्जुमा हो सकता है, “तजुर्बा करना” या “भोगना”
- लम्बे वक़्त के मतलब में “बर्दाश्त ” का तर्जुमा हो सकता है, “लम्बे वक़्त रहना” या “होते रहना”। “बर्दाश्त नहीं करे” का तर्जुमा हो सकता है “हमेशा नहीं रहेगा” या “वजूद में नहीं रहेगा”।
- “सब्र करना ” के शक्ल तर्जुमा हो सकते हैं, “मज़बूती” या “यक़ीन करते रहना” या “'भरोसेमन्द बने रहना”।

(यह भी देखें:सब्र )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तीमुथियुस 02:11-13
- या’क़ूब 01:1-3
- या’क़ूब 01:12-13
- लूक़ा 21:16-19
- मत्ती 13:20-21
- मुक़ाशिफा 01:9-11
- रोमियो 05:3-5

## शब्दकोश:

- Strong's: H386, H3201, H3557, H3885, H5331, H5375, H5975, G430, G907, G1526, G2005, G2076, G2553, G2594, G3114, G3306, G4722, G5278, G5281, G5297, G5342

# आज़माइश, मुसीबत

## ता’अर्रुफ़:

“आज़माइश” का मतलब है किसी चीज़ या इन्सान को “आज़माना ” या “जांचना”।

- अदालत या’नी अदालती सुनवाई जिसमें इन्सान को मुजरिम या बेक़ुसूर साबित करने के लिए सुबूतों को पेश किया जाता है।
- ख़ुदा के ज़रिए’ ईमान को आजमाने के लिए पैदा किये गये मुश्किल हालातों को भी “आज़माइश” कहा जाता है। इसके लिए और लफ़्ज़ है " आज़माइश " या "लालच " ख़ास तरह की आज़माइश है।
- किताब-ए-मुक़द्दस में बहुत से इन्सानों की आज़माइश ली गई थी कि ख़ुदा के लिए उनके ईमान और फ़र्माबर्दारी को तय किया जाए। वे हर तरह की आज़माइश से होकर निकले जैसे कोड़े खाना, क़ैदखाने में डाले जाना या ईमान की वजह से हलाक किए जाना।

यह भी देखें: आज़माइश करना, आज़माना , बे क़ुसूर , इल्ज़ाम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इस्तिसिना 04:34
- हिज़क़ीएल 21:12-13
- नोहा 03:58-61
- अम्साल 25:7-8

## शब्दकोश:

- Strong's: H974, H4531, H4941, H7378, G178, G1382, G1383, G2919, G3984, G3986, G4451

# आज़ाद, आज़ाद है, आज़ाद हो गया, आज़ाद होना, आज़ादी, आज़ादी से, आज़ाद आदमी, मर्ज़ी, नजात

## ता'अर्रुफ़:

"आज़ाद" और "आज़ादी" का मतलब है ग़ुलामी या और किसी तरह की बंदिश में न रहना। "आज़ादी" के लिए दूसरा लफ़्ज़ है "नजात"

- इज़हार "किसी को आज़ाद करना" या "आज़ाद करना" या'नी किसी की ग़ुलामी या बन्धुआई से निकल आने की राह अता करना।
- किताब-ए-मुक़द्दस में, ये लफ़्ज़ अमूमन 'अलामती तौर पर काम में लिए गए हैं कि ज़ाहिर किया जाए कि 'ईसा में ईमान करनेवाला अब गुनाह के क़ाबू में नहीं है।
- "आज़ादी" या "नजात" का मतलब यह भी है कि मूसा की शरी'अत की लम्बे वक़्त तक ज़रूरत 'अमल करने के ताबे' नहीं बल्कि पाक रूह की ता'लीम और अगुआई में रहने के लिए आज़ाद

## तर्जुमे की सलाह:

- लफ़्ज़ "आज़ाद" ऐसे लफ़्ज़ और जुमले के ज़रिए' तर्जुमा किए जा सकते हैं जैसे "बन्धन आज़ाद" या "ग़ुलामी में नहीं" या "ग़ुलामी से आज़ाद" या "बन्धुआ नहीं"।
- "आज़ादी" या "नजात" का तर्जुमा ऐसे अलफ़ाज़ से हो जैसे "आज़ाद होने की हालत" या "ग़ुलाम न होने की हालत" या "बन्धुआ नहीं"।
- इज़हार "आज़ाद करना" इसका तर्जुमा "आज़ाद होने की वजह" या "ग़ुलामी से बचाना" या "बन्धन से छुटकारा दिलाना"
- जो इन्सान "आज़ाद किया गया" वह बन्धुआई या ग़ुलामी से "छुड़ाया गया" या "बाहर निकाला गया"।

(यह भी देखें: बाँधना, ग़ुलाम बनाना, ख़ादिम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- गलातियों 04:26-27
- गलातियों 05:1-2
- यसा'याह 61:1
- अहबार 25:10
- रोमियो 06:17-18

## शब्दकोश:

- Strong's: H1865, H2600, H2666, H2668, H2670, H3318, H4800, H5068, H5069, H5071, H5081, H5337, H5352, H5355, H5425, H5674, H5800, H6299, H6362, H7342, H7971, G425, G525, G558, G572, G629, G630, G859, G1344, G1432, G1657, G1658, G1659, G1849, G2010, G3032, G3089, G3955, G4174, G4506, G5483, G5486

# इल्ज़ाम लगाना, इल्ज़ाम लगाता है, इल्ज़ाम, इल्ज़ाम लगा रहे है,क़ुसूर लगाने वाला, क़ुसूर लगाने वाले, क़ुसूरवार

## ता'अर्रुफ़:

"इल्ज़ाम लगाना" या "क़ुसूरवार" यहाँ तक कि किसी ग़लत काम का इल्ज़ाम किसी पर लगाना। किसी पर इल्ज़ाम लगाने वाले को "इल्ज़ाम लगाने वाला" कहते हैं।

- झूठा इल्ज़ाम यहाँ तक कि किसी पर लगाया गया इल्ज़ाम सच नहीं है जैसे यहूदी उस्तादों ने ईसा पर ग़लत काम करने का झूठा इल्ज़ाम लगाया था
- नये अहद नामे की किताब, मुक़ाश्फ़ा में शैतान को "इल्ज़ाम लगाने वाला" कहा गया है

## किताब -ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 19:38-41
- होशे 04:4-5
- यरमियाह 02:9-11
- लूका 06:6-8
- रोमियो 08:33-34

## शब्दकोश:

- Strong's: H3198, H8799, G1458, G2147, G2596, G2724

# इस्राईल के बारह क़बीले, इस्राईली बच्चों के बारह क़बीले, बारह क़बीले

## ता’अरुफ़:

इस्राईल के बारह क़बीलों का मतलब या’क़ूब के बारह बेटों और उनकी औलादों से हैं .

- या’क़ूब इब्राहीम का पोता था ख़ुदा ने बा’द में या’क़ूब के नाम को बदल कर इस्राईल रखा
- यह बारह क़बीलों के नाम हैं रुबेन ,शमा’ऊन लावी, यहूदाह, दान, नफ़्ताली, जद, अशेर, अशकार, जबुलून, यूसुफ़ और बिनयामीन
- लावी की औलाद ने कन’आन में कोई शहर नहीं दिया गया क्यूँकि वह काहिंनो के क़बीला से थे जो ख़ुदा और उसके लोगों की ख़िदमत करने के लिए अलग अलग थे,
- यूसुफ़ को मुल्क का दो गुना हिस्सा दिया गया जो उसके दो बेटों इफ़्राईम और मनस्सी की औलादों को मिला ,
- किताब-ए-मुक़द्दस में कई जगहो में है जहाँ बारह क़बीलों की फ़ेहरिस्त में थोड़ा मुखतलिफ़ है कहीं कहीं लावी ,यूसुफ़, और दान , फ़ेहरिस्त से अलग किया हैं और कुछ जगहों में यूसुफ़ के दो बेटे इफ़्राईम और मनस्सी फ़हरिस्त में साथ हैं

(यह भी देखें:,वारिस, इस्राईल, या’क़ूब, काहिन, क़बीला)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के ‘अमाल 26:6-8
- पैदाइश 49:28-30
- लूक़ा 22:28-30
- मत्ती 19:28

## शब्दकोश:

- Strong's: H3478, H7626, H8147, G1427, G2474, G5443

# उठा लिया ,जा लिया ,दौड़ गया

## ता’रीफ़:

“उठा लिया गया”अक्सर ख़ुदा के ज़रिये’ किसी को अचानक ही मो’जिज़े की शक्ल में जन्नत में उठा लेने के बारे में होता है |

- “जा लिया” किसी के नज़दीक जल्दी से पहुँचना इसी मा’नी का दूसरा लफ़्ज़ है ,”पड़ेगा”
- पौलूस रसूल तीसरे आसमान में “उठा लिए जाने”की बात करता है | इसका तर्जुमा “ऊपर ले लेना”भी हो सकता है
- पौलूस कहता है कि जब मसीह दोबारा आएगा तब ईमानदार उससे आसमान में मुलाक़ात करने के लिए उठा लिए जायेंगे “|
- यह तम्सीली ख़ुलासा “मेरे बेदीनी के कामों ने मुझे आ पकड़ा “ इसका तर्जुमा हो सकता है “मै अपने गुनाहों का नतीजा पा रहा हूँ “या मेरे गुनाहों की वजह से मै दुःख उठा रहा हूँ “या “मेरे गुनाह मुझे दुःख देते हैं |

(देखें: मो’जिज़े, घेरना, दुःख उठाना, परेशानी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 कुरन्थियों12:1-2
- रसूलों के आमाल 08:39-40

## शब्दकोश:

- Strong's: H1692, G726

# उस्ताद, उस्तादों , ता’लीम देने वाला

## ता’अर्रुफ़:

उस्ताद वह इन्सान है जो इन्सानों को नई मा’लूमात देता है। उस्ताद (सिखाने वाला) इन्सानों को ‘इल्म और तरबियत लेने में मददगार होता है।

- कलाम में सिखाने वाला लफ़्ज़ एक ख़ास मतलब में काम में लिया गया है जो ख़ुदा के बारे में ता’लीम देनेवाले के बारे में है।
- उस्ताद से ‘इल्म पाने वाले को “तालिब-ए-इल्म ” या “शागिर्द ” कहते हैं।
- कुछ अंग्रेजी किताब-ए-मुक़द्दस के तर्जुमे में इस लफ़्ज़ को बड़े हरफ़ों में लिखा गया है अगर वह ‘ईसा के बारे में है।

## तर्जुमे की सलाह:

- इस लफ़्ज़ के तर्जुमे में आम लफ़्ज़ उस्ताद का इस्तेमाल किया जा सकता है, जब तक कि लफ़्ज़ केवल एक स्कूल उस्ताद के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाता है।
- कुछ मज़हबी ज़ुबान में आलिम -उस्तादों के लिए ख़ास ‘ओहदे का नाम होता है जैसे “उस्ताद-उस्ताद ” या “रब्बी” या “मुबललिग़ ”।

(यह भी देखें: शागिर्द, उस्ताद)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- वा’इज़ 01:12-15
- इफिसियों 04:11-13
- गलातियों 06:6-8
- हबक़्क़ूक़ 02:18-20
- या’क़ूब 03:1-2
- यूहन्ना 01:37-39
- लूका 06:39-40
- मत्ती 12:38-40

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **27:01** एक दिन, यहूदी मज़हब में निपुण एक इन्तिज़ामी 'ईसा के पास उसका इम्तेहान लेने के लिए आया, और कहने लगा, “हे _उस्ताद _ हमेशा की ज़िन्दगी का वारिस होने के लिए मैं क्या करूं?”
- **28:01** एक दिन, एक अमीर जवान हाकिम 'ईसा के पास आया और उससे पूछा, "अच्छा **उस्ताद**, मुझे क्या करना चाहिए अब्दी ज़िन्दगी पाने के लिए ?"
- **37:02** दो दिन बीतने के बाद, 'ईसा ने अपने शागिर्दों से कहा, “आओ हम फिर यहूदिया को चलें |” शागिर्दों ने उससे कहा “हे **रब्बी**, कुछ वक़्त पहले तो लोग तुझे मरना चाहते थे |”
- **38:14** यहूदा 'ईसा के पास आया और कहा, “ सलाम, **उस्ताद**,” और उसे चूमा |
- **49:03** 'ईसा एक बड़ा**उस्ताद** भी था, और वह इख्तियार के साथ बोलता था क्योंकि वह ख़ुदा का बेटा है |

## शब्दकोश:

- Strong's: H3384, H3887, H3925, G1320, G2567, G3547, G5572

# ऊँचे मक़ाम पर, आसमान में

## ता'अर्रुफ़:

लफ़्ज़ “ऊँचे मक़ाम पर” या “आसमान में” इज़हार हैं जिसका अक्सर का मतलब होता है “जन्नत में”

- इज़हार का दुसरा मतलब “आसमान में” का मतलब “सबसे इज़्ज़त वाला” भी हो सकता है।
- इस इज़हार का इस्ते'माल ‘अलामती तौर पर भी होता है जैसे “सबसे ऊंचे पेड़ में”।
- इज़हार “ऊंचे पर” का हवाला आसमान में ऊंचाई पर भी हो सकता है जैसे परिन्दे का घोंसला जो ऊंचाई पर है। इस मज़मून में इसका तर्जुमा हो सकता है, “आसमान में ऊँचा” या “ऊँचे पेड़ की चोटी पर”।
- “ऊंचा” लफ़्ज़ उठा हुआ मक़ाम या इन्सान या चीज़ की अहमियत ज़ाहिर करता है|
- इज़हार “ऊपर से” का तर्जुमा “आसमान से” हो सकता है।

(यह भी देखें: आसमान, ‘इज़्ज़त)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- नोहा 01:13-14
- ज़ुबूर 069:28-29

## शब्दकोश:

- Strong's: H1361, H4605, H4791, H7682, G1722, G5308, G5310, G5311

# ऊँचे मक़ाम, ऊँचे मक़ामों

## ता'अर्रुफ़:

लफ़्ज़"ऊंचे मक़ाम" का मतलब क़ुर्बानगाहों और पाक मक़ामों से है जहाँ बुतपरस्ती की जाती थी। वे ऊँचे मक़ामों पर बनाई जाती थी जैसे पहाड़ी पर या पहाड़ों की चोटियों पर।

- इस्राईल के बहुत से बादशाहों ने ख़ुदा के ख़िलाफ़ गुनाह किया उन्होंने ऊंचे मक़ामों में बुतों के लिए क़ुर्बानगाहें बनवाई थी। जिसकी वजह से क़ौम बुतपरस्ती में शामिल हो गई थी।
- जब इस्राईल या यहूदाह की बादशाही में ख़ुदा का ख़ौफ़ माननेवाला कोई बादशाह बादशाही करने आया तब उसने ऊंचे मक़ामों या इन क़ुर्बानगाहों को तबाह किया कि बुतपरस्ती को रोका।
- लिहाज़ा इन अच्छे बादशाहों में से कुछ बेपरवाह रहे और उन्होंने इन क़ुर्बानगाहों को तबाह नहीं किया जिसके नतीजे में पूरा इस्राईल मुल्क बुतपरस्ती करता रहा"

## तर्जुमे के सलाह:

- इस जुमले के तर्जुमे के और भी तरीक़े हो सकते हैं, "बुतपरस्ती के ऊंचे मक़ाम" या "पहाड़ों की चोटियों पर बुतों के पाक मक़ाम" या "बुतों की क़ुर्बानगाहों के टीले"।
- यक़ीनी बनाएं कि इन अलफ़ाज़ से बुतों की क़ुर्बानगाहों का मतलब ज़ाहिर हो न कि उन क़ुर्बानगाहों के ऊँचे मक़ाम सिर्फ़ जहाँ क़ुर्बानगाहें थी।

(यह भी देखें: क़ुर्बानगाह, झूठे मा'बूद, परस्तिश)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 09:12-13
- 2 सलातीन 16:3-4
- आमोस 04:12-13
- इस्तिस्ना 33:29
- हिज़क़ीएल 06:1-3
- हबक़्क़ूक़ 03:18-19

## शब्दकोश:

- Strong's: H1116, H1181, H1354, H2073, H4791, H7311, H7413

# ऊँट ,ऊंटों

## ता’रीफ़:

ऊँट एक बड़ा चौपाया जानवर होता है जिसकी पीठ पर एक या दो उभार होते हैं | (यह भी देखें : अनजाने अल्फ़ाज़ों का तर्जुमा कैसे करें

- किताब-ए-मुक़द्दस के वक़्त में ,ऊँट इस्राईल और आस-पास के ‘इलाक़ों में पाए जाने वाले सबसे बड़े जानवर थे |
- ऊँट लोग और बोझ भी ले जाने के लिए ज़्यादा तर इस्ते’माल किया जाता था |
- कुछ लोगों के गिरोहों में ऊँटों को खाने के लिए इस्ते’माल करते थे लेकिन इस्राईलियों को नहीं ,क्यूँकि ख़ुदा ने कहा कि ऊँट नापाक थे और खाए नहीं जाते थे |
- ऊँट क़ीमती थे क्यूँकि वह तेजी से रेत में जा सकते थे और कई हफ़्तों तक खाना और पानी के बिना रह सकते थे |

(यह भी देखें: बोझ , पाक)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1तवारीख़ 5:20-22
- 2 तवारीख़ 9:1-2
- ख़ुरूज 9:1-4
- मरकुस 10:23-25
- मत्ती 3:4-6
- मत्ती 19:23-24

## शब्दकोश:

- Strong's: H327, H1581, G2574

# ओला, ओले, ओले, ओले गिरना

## सच्चाई:

यह लफ़्ज़ आमतौर पर आसमान से गिरने वाले जमे हुए पानी की गांठों का हवाला देता है। अगरचे अंग्रेजी में एक ही तरह से लिखा गया है, एक अलग लफ़्ज़, "हैलो" का इस्ते'माल किसी के इस्तक़बाल में किया जाता है और इसका मतलब हो सकता है, "हैलो" या "आपको मुबारक।"

- आसमान से नीचे आने वाली गेंदों की शक्ल के या बर्फ के टुकड़ों को "ओले" कहा जाता है।
- 'आम तौर पर ओले छोटे होते हैं (सिर्फ़ कुछ सेंटीमीटर चौड़े होते हैं), लेकिन कभी-कभी ये ओले होते हैं जो कि 20 सेंटीमीटर चौड़े होते हैं और यह एक किलो से ज़्यादा वजन होता है
- नए 'अहदनामे में मुकाशिफ़ा की किताब में 50 किलोग्राम वजन वाले बड़े ओलों का ज़िक्र किया गया है, जब वह आख़िरी वक़्त में लोगों को उनकी बुराई के लिए इन्साफ़ करते हैं, तो ख़ुदा ज़मीन पर गिरने का ज़रिया' बनेंगा।
- पुरानी अंग्रेजी में रस्मी इस्तक़बाल लफ़्ज़ "ओले" लफ़्ज़ का लफ्ज़ी मतलब है "ख़ुशी" और इसका तर्जुमा "मुबारकबाद" के तौर पर किया जा सकता है! या "हैलो!"

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- मत्ती 27:27-29
- मत्ती 28:8-10
- ज़ुबूर 078:47-49
- ज़ुबूर 148:7-8
- मुकाशिफ़ा 08:6-7

## शब्दकोश:

- Strong's: H68, H417, H1258, H1259, G5463, G5464

# कटीले, झड़बेरी, झाड़ियों, काँटों, झाड़ी, ऊँटकटारे

## सच्चाई:

कटीले झाड़ियां या ऊंटकटार वे पेड़ होते हैं जिनकी डालियों में कांटे या फूल होते हैं। इन पेड़ों में फल या काम की कोई चीज़ नहीं उगती है।

- "कांटा" पेड़ की डाल पर एक कड़ी नुकीली नोक है। “कंटीली झाड़ी” एक छोटा पेड़ या झाड़ी है जिसकी टहनियों पर कांटे होते हैं।
- “ऊंटकटार” वह पेड़ है जिसकी टहनियां और पत्तों पर कांटे होते हैं। उसके फूल अक्सर बैगंनी रंग के होते हैं।
- कंटीली झाड़ियां बहुत जल्दी बढ़ती हैं और अच्छे पेड़ों को बढ़ने से रोकते हैं। यह गुनाह के ज़रिए’ आदमी की रूहानी तरक्क़ी को रोकने का एक अच्छा तरीक़ा है।
- ‘ईसा को सलीब देने से पहले उसके सिर पर कांटों का ताज रखा गया है।
- अगर मुमकिन हो तो, इन लफ़्ज़ों का तर्जुमा दो अलग-अलग पेड़ों या झाड़ियों के नाम से किया जाना चाहिए जो कि ज़बानी ‘इलाक़े’ में जाना जाता है।

(यह भी देखें: ताज , फल, रूह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इब्रानियों 06:7-8
- मत्ती 13:7-9
- मत्ती 13:22-23
- गिनती 33:55-56

## शब्दकोश:

- Strong's: H329, H1863, H2312, H2336, H4534, H5285, H5518, H5544, H6791, H6796, H6975, H7063, H7898, G173, G174, G4647, G5146

# कम तरफ़दारी, तरफ़दारी करना,तरफ़दारी

## ता’अर्रुफ़:

“तरफ़दारी करना” और “तरफ़दारी” कुछ लोगों को औरों से ज़्यादा अहमियत देना।

- यह वैसा ही है जैसा कुछ लोगों के साथ औरो से ज़्यादा इज़्ज़त का बर्ताव करना।
- तरफ़दारी या ख़ास गुज़ारिश ज़ाहिर करना ज़्यादातर इसलिए किया जाता है कि आदमी ज़्यादा मालदार है या औरों से ज़्यादा इज़्ज़तदार है।
- कलाम अपने लोगों को ता’लीम देता है कि वे मालदारों और इज़्ज़त दार लोगों के लिए तरफ़दार न हों।
- रोम की कलीसिया को लिखे ख़त में पौलुस कहता है कि ख़ुदा तरफ़दारी नहीं करता है वह बिना तरफ़दारी के इन्साफ़ करता है।
- याक़ूब के ख़त में भी यही ता’लीम दी गई है कि मालदारों को ज़्यादा ऊँची जगह देना या उनके साथ ज़्यादा नर्म बर्ताव करना सही नहीं है।

(यह भी देखें: तरफ़दार)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इस्तिसना 01:17-18
- मलाकी 02:8-9
- मरकुस 12:13-15
- मत्ती 22:15-17
- रोमियो 02:10-12

## शब्दकोश:

- Strong's: H5234, H6440, G991, G1519, G2983, G4299, G4383

# कमर

## ता’अर्रुफ़:

लफ़्ज़ “कमर” एक जानवर या इन्सान के जिस्म के हिस्से के बारे में बताता हैं जो पसलियों और कूल्हे की हड्डियों के बीच होता है, जिसे निचले पेट की शक्ल में भी जाना जाता है|

- इज़हार “कमर कसना” का मतलब है मेहनत करने के लिए तैयार हो जाओ। यह मुहावरा उस मश्क़ से आता है जब वे अपने चोगे के निचले भाग को उठाकर कमर में बांध लेते थे कि चलना फिरना आसान हो जाए।
- “कमर” लफ़्ज़ किताब-ए-मुक़द्दस में अक्सर क़ुर्बानी के जानवर के पिछले हिस्से के लिए काम में लिया जाता था।
- किताब-ए-मुक़द्दस में “कमर” का ‘अलामती शक्ल में हलीमी के तौर पर इन्सान के तख़लीकी ‘उज़्व अपनी नसल का ज़रिया’ लिए काम में लिया गया लफ़्ज़ है। (देखें: अलफ़ाज़
- “से पैदा होना” इसका तर्जुमा हो सकता है, “तेरी औलाद होगी” या “तेरे नुत्फ़े से पैदा होगा” या “ख़ुदा तुम से पैदा करेगा।” (देखें: अलफ़ाज़
- जिस्म के बारे में इसका तर्जुमा हो सकता है, “पेट” या “कूल्हा” या “कमर” मज़मून पर मुनहस्सिर|

(यह भी देखें: नसल, बाँधना, नसल)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 पतरस 01:13-14
- 2 तवारीख़ 06:7-9
- इस्तिस्ना33:11
- पैदाइश 37:34-36
- अय्यूब 15:27-28

## शब्दकोश:

- Strong's: H2504, H2783, H3409, H3689, H4975, G3751

# कमान और तीर, कमान और तीर

## ता'अर्रुफ़:

यह एक हथियार क़िस्म है, जिसमें कमान से तीर चलाना होता है। किताब-ए-मुक़द्दस के ज़माने में इसका इस्ते'माल दुश्मनों की फ़ौज से लड़ने में किया जाता था और खाने के लिए जानवरों को मारने में भी किया जाता था।

- कमान लकड़ी, हड्डी, धात या और सख्त चीज़ से जैसे हिरण शुतुरमुर्ग से बनाया जाता था। वह रस्सी या बेल से बान्ध कर कमान की तरह बनाया जाता था।
- तीर एक पतली डंडी होता है जिसका एक सिरा नुकीला होता था। पुराने ज़माने में तीर मुख्तलिफ़ चीज़ों से बनाये जाते थे जैसे लकड़ी, हड्डी, पत्थर या धातु से।

कमान और तीर 'आम तौर पर शिकारियों और जंगबाजों की ज़रिए' से काम में लिए जाते थे।

- किताब-ए-मुक़द्दस में तीर का इस्ते'माल जुमलों कि शक्ल में दुश्मन के हमला या ख़ुदा की सज़ा के लिए भी किया गया है।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाईश 21:14-16
- हबक्कूक 03:9-10
- अय्यूब 29:20-22
- यरमियाह का नौहा 02:3-4
- ज़बूर 058:6-8

## शब्दकोश:

- Strong's: H2671, H7198, G5115

# कराहते, रोना, कराहना

## ता’अरुफ़:

“कहरना” या'नी जिस्मानी या जज़्बाती हालत की वजह से गहरी हलकी सी की आवाज़ निकालना। यह बिना किसी भी लफ़्ज़ की आवाज़ निकलना हो सकता है।

- एक शख़्स दु:ख की वजह से कराहता है।
- खौफ़ नाक ज़ालिमाना बोझ को महसूस करके भी शख़्स कराहता है।

“कराहना ” के तर्जुमे हो सकते हैं, “दर्द की वजह से आवाज़ ” या “गहरा दु:ख”

- एक तरीक़े में इसका तर्जुमा हो सकता है, “ गहरे दर्द की आवाज़ ” या “मुसीबत ”।

(यह भी देखें: दोहाई)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 कुरिन्थियों 05:1-3
- इब्रानियों 13:15-17
- अय्यूब 23:1-2
- ज़बूर 032:3-4
- ज़बूर 102:5-6

## शब्दकोश:

- Strong's: H584, H585, H602, H603, H1901, H1993, H5008, H5009, H5098, H5594, H7581, G1690, G4726, G4727, G4959

# करूब,करूबी,करूबियों

## ता'अर्रुफ़:

“करूब” और इसके जमा' की शक्ल “करूबियों” इसके बारे में ख़ुदा के ज़रिये' बनाए ख़ास जानदार से है | किताब-ए-मुक़द्दस के बयान के मुताबिक़ करूबियों के पर होते है और आग निकलती है |

- करूबी ख़ुदा के जलाल और क़ुदरत को ज़ाहिर करते हैं और पाक चीज़ों की हिफ़ाज़त का निशान होते हैं |
- आदम और हव्वा के गुनाह के बा'द ख़ुदा ने अदन के बगीचे के पूरब में करूबियों को आग की तलवार के साथ मुक़र्रर कर दिया था कि ज़िन्दगी के दरख़्त के नज़दीक कोई न जा पाए |
- ख़ुदा ने इस्राईलियों को हुक्म दिया था कि वह करूबों को इस तरह बनाएं कि वह एक दूसरे के आमने सामने हों और उनके पर एक दूसरे से को छूते हुए 'अहद के सन्दूक़ के कफ़्फ़ारे के ढकने पर छाए हों|
- ख़ुदा ने उन से यह भी कहा था कि मिलाप वाले ख़ेमें के पर्दों पर कढ़ाई करके करूब बनाएं |

कुछ मज़मूनों में इन जानदारों के चार मुँह बनाये गये हैं ,इन्सान,शेर,बैल,और उकाब के मुँह |

- करूबियों को फ़रिश्ता भी समझा जाता है लेकिन किताब-ए-मुक़द्दस में ऐसा साफ़ नहीं कहा गया है |

## तर्जुमे की सलाह:

- करूबों* लफ़्ज़ का तर्जुमा “पर वाले जानदार “ या परों वाले मुहाफ़िज़ “ या “परो वाली मददगार रूहें” या “पाक,परों वाले मुहाफ़िज़ “|
- ”कुरूब'का तर्जुमा करूबियों के वाहिद की शक्ल में तर्जुमा करना चाहिए मसलन “पर वाला जानदार “ या “पर वाली मददगार रूह “|
- वाज़ेह करें कि इन लफ़्ज़ों का तर्जुमा “फ़रिश्तों” से अलग हो |
- यह भी ध्यान रखें कि मुक़ामी या क़ौमी ज़बान के किताब-ए-मुक़द्दस के तर्जुमें में इन लफ़्ज़ों का तर्जुमा किया गया है | (देखें: अनजान लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: फ़रिश्ता

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 13:5-6
- 1 सलातीन 06:23-26
- ख़ुरूज 25:15-18

हिज़कीएल 09:3-4

- पैदाइश 03:22-24

## शब्दकोश:

- Strong's: H3742, G5502

# कलाम, लफ़्ज़

## ता’अरुफ़:

“कलाम ” लफ़्ज़ का मतलब है किसी के ज़रिए’ कही गई बात।

- मसलन , फ़रिश्ते ने ज़करियाह से कहा था, “तूने मेरी बातों का यक़ीन न किया ” या’नी “मैंने जो तुझ से कहा उस पर तूने यक़ीन नहीं किया।”
- यह लफ़्ज़ अक्सर सिर्फ़ एक लफ़्ज़ की बजाय पूरी ख़बर के बारे में होता है।
- कभी-कभी “कलाम ” लफ़्ज़ आम बात के बारे में भी होता है जैसे “कलाम और काम में ताक़ती ” जिसका मतलब है “कहने और बर्ताव में ताक़ती ”।
- कलाम-ए-मुक़द्दस में “कलाम ” लफ़्ज़ अक्सर ख़ुदा की बात या हुक्म के बारे में होता है जैसे खुदा का कलाम या हक़ का कलाम
- इस लफ़्ज़ का बहुत ख़ास इस्ते’माल है जब ‘ईसा को “कलाम ” कहा गया है। इन आख़री दो मा’नी के लिए, देखें खुदा का कलाम

## तर्जुमे की सलाह:

- “कलाम ” या “कलामों ” के तर्जुमे की कई शक्ल , “ता’लीम ” या “पैग़ाम ” या “ख़बर ” या “कहना ” या “जो कहा गया।”

(यह भी देखें: ख़ुदा का कलाम

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तीमुथियूस. 04:1-2
- रसूलों के 'आमाल . 08:4-5
- कुलुस्सियों 04:2-4
- याक़ूब 01:17-18
- यरमियाह 27:1-4
- यूहन्ना 01:1-3
- यूहन्ना 01:14-15
- लूका 08:14-15
- मत्ती 02:7-8
- मत्ती 07:26-27

## शब्दकोश:

- Strong's: H561, H562, H565, H1697, H1703, H3983, H4405, H4406, H6310, H6600, G518, G1024, G3050, G3054, G3055, G3056, G4086, G4487, G4935, G5023, G5542

# कांपना, काँप उठना, काँपकर, थरथराते हुए

## ता'अरुफ़:

“कांपना” (थरथराकर) या’नी डर या बहुत नाउम्मीदी की वजह से कंपकंपाना।

- इसका तमसीली इस्तेमाल “बहुत ज़्यादा डर” होने से है।
- कभी-कभी जब ज़मीन हिलती है, तो इसे "कांपना" कहा जाता है। यह ज़ल्जले के दौरान या बहुत जोर से आवाज़ की शक्ल में हो सकती है।
- किताब-ए-मुक़द्दस में लिखा है कि ख़ुदा की हुज़ूरी में ज़मीन लरज़ उठती है। इसका मतलब है कि ज़मीन के लोग ख़ुदा के डर से कांप उठेंगे या ज़मीन लरज़ उठेगी।
- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है “खौफ़ माने” या “ख़ुदा से डरो” या “कांप उठो” या मज़मून के मुताबिक़

(यह भी देखें: ज़मीन , डर, ख़ुदावन्द )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 कुरिन्थियों 07:15-16
- 2 समूएल 22:44-46
- रसूलों के 'आमाल 16:29-31
- यरमियाह 05:20-22
- लूका 08:47-48

## शब्दकोश:

- Strong's: H1674, H2111, H2112, H2151, H2342, H2648, H2729, H2730, H2731, H5128, H5568, H6342, H6426, H6427, H7264, H7268, H7269, H7322, H7460, H7461, H7478, H7481, H7493, H7578, H8078, H8653, G1719, G1790, G5141, G5156, G5425

# कानाफूसी, गपशप, कानाफूसी करनेवाला

## ता’अर्रुफ़:

“कानाफूसी” किसी के बारे में या ज़ाती मु'आमिलात में या बेकार की बातें करना। अक्सर बात क्या है वह सच बात नहीं कही गई है ।

- कलाम में किसी के बारे में बेकार की बातें करना ग़लत है। बकबक करना और बुराई करना ऐसी बेकार बातों की मिसाल है।
- जिसके बारे में बेकार की बातें की जा रहीं हैं , उसको नुक़सान करती हैं, क्यूँकि ऐसा करने से लोगों के साथ उसके रिश्तों पर ग़लत असर पड़ता है।

(यह भी देखें: झूठा इल्ज़ाम लगाना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तीमुथियुस 05:11-13
- 2 कुरिन्थियों 12:20-21
- इस्तिसना 19:15-16
- अम्साल 16:27-28
- रोमियो 01:29-31

## शब्दकोश:

- Strong's: H5372, G2636, G5397

# कामयाब होना, , कामयाबी , इक़बाल मंदी , कामयाब

## ता’अरुफ़:

“कामयाबी ” लफ़्ज़ का मतलब है अच्छी ज़िन्दगी और इसका बयान दुनयावी और रूहानी कामयाबी से भी हो सकता है। जब इन्सान या मुल्क “कामयाब ” होते हैं तो इसका मतलब है वे दौलत मंद हैं और कामयाबी के लिए उनके पास सब कुछ है। वे “इक़बाल मंदी ” को महसूस करते हैं।

- “कामयाब ” लफ़्ज़ हमेशा माल -दौलत का हवाला देता है या इन्सानों की सुखी ज़िन्दगी के लिए सब ज़रूरतों के पूरा होने का बयान देता है।
- किताब-ए-मुक़द्दस में “कामयाब ” लफ्ज़ का मक़सद है, तंदुरुस्त और औलादों की बरकत
- “कामयाब ” शहर या मुल्क वह है जिसमें बहुत से लोग हों, खाने की अच्छी पैदावार हो तथा बहुत पैसा लानेवाली तिजारत हों।
- किताब-ए-मुक़द्दस के मुताबिक़ ख़ुदा के हुक्मों को मानने वाला रूहानी कामयाबी पाता है। उसे ख़ुशी और सुकून भी मिलता है। ख़ुदा इन्सान को हमेशा माल-दौलत नहीं देता है लेकिन उसके रास्तों पर चलने से उन्हें रूहानी कामयाबी ‘अता करता है।
- मज़मून पर मुनहसिर “कामयाब ” लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, “रूहानी तरक्क़ी ” या “ख़ुदा के ज़रिए’बरकत ” या “भली चीज़ों का तजुर्बा ” या “अच्छी ज़िन्दगी ”।
- “कामयाब ” लफ़्ज़ का तर्जुमा यह भी हो सकता है, “कामयाबी ” या “मालदार ” या “रूहानी सरसब्ज़ी ”।
- “इक़बाल मंदी ” का तर्जुमा ऐसे भी हो सकता है, “भला ” या “माल असबाब ” या “कामयाबी ” या “बहूत बरकतें ”।

(यह भी देखें: बरकत, फल, रूह)

## किताब-ए-मुक़द्दसके बारे में:

- 1 तवारीख़ 29:22-23
- इस्तिसिना 23:5-6
- अय्यूब 36:10-12
- अह्बार 25:26-28
- ज़ुबूर 001:3

## शब्दकोश:

- Strong's: H1129, H1767, H1878, H1879, H2428, H2896, H2898, H3027, H3190, H3444, H3498, H3787, H4195, H5381, H6500, H6509, H6555, H6743, H6744, H7230, H7487, H7919, H7951, H7961, H7963, H7965, G2137

# कामिल,कामिलयत ,कामिल करने वाला

## ता’अर्रुफ़:

किताब-ए-मुक़द्दस में”कामिल”लफ़्ज़ का मतलब है मसीह ज़िन्दगी में कामिलयत हासिल करना | किसी काम को कामिलयत में करने का मतलब है सही और बिना नुक्स काम करना |

- कामिल और मुकम्मल का मतलब है वह ईमान दार फ़र्माबरदार है न कि बेगुनाह |
- ”कामिल लफ़्ज़ का मतलब ‘मुकम्मल “और कामिल भी होता है |
- नये ‘अहद नामें मे या’क़ूब के ख़त में लिखा है कि परखे जाने से ईमानदारों में कामिलयत और कमाल पैदा करती है |

ईमानदार किताब -ए-मुक़द्दस का मुता’ला करके उस पर अमल करते हैं तो रूहानी ज़िन्दगी में बहुत ही कामिल और मुकम्मल हो जाते है |

## तर्जुमे की सलाह:

इस लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है,”बिना नुक्स के”या “बिना चूक के “या “बेगुनाह”या बे ‘ऐब” या बिना किसी इल्ज़ाम के “|

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इब्रानियों 12:1-3
- या’क़ूब 03:1-2
- मत्ती 05:46-48
- ज़ुबूर 019:7-8

## शब्दकोश:

- Strong's: H724, H998, H1584, H1585, H3632, H3634, H4357, H4359, H4512, H8003, H8502, H8503, H8535, H8537, H8549, H8552, G195, G197, G199, G739, G1295, G2005, G2675, G2676, G2677, G3647, G5046, G5047, G5048, G5050, G5052

# काल, क़हत

## ता’अर्रुफ़:

“काल” लफ़्ज़ किसी मुल्क या ‘इलाक़े में खाने की बहुत ज़्यादा कमी की वजह है, ‘आमतौर पर बारिस की कमी की वजह से नहीं|

- खाने की फसलें क़ुदरती वजहों से नाक़ाम हो सकती हैं जैसे बारिस की कमी, फ़सल की बीमारी या कीड़े|
- लोगों के ज़रिए’ खाने को जमा’ भी किया जा सकता है, जैसे दुश्मन फ़सलों को बर्बाद करते हैं|
- किताब-ए-मुक़द्दस में, ख़ुदा ने अक्सर काल को मुल्कों को सज़ा देने के तरीक़े के तौर पर पैदा किया जब उन्होंने उसके ख़िलाफ़ गुनाह किया|
- आमोस 8:11 में “काल” लफ़्ज़ का इस्ते’माल उस वक़्त के लिए किया जाता है जब ख़ुदा ने उनसे बिना बात किये अपने लोगों को सज़ा दी| इसका तर्जुमा आपकी ज़बान “काल” के लफ़्ज़ के साथ तर्जुमा किया जा सकता है या “इन्तहाई कमी” या “शदीद महरूमियत” के जुमले के साथ|

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 21:11-12
- रसूलों के ‘आमाल 07:11-13
- पैदाइश 12:10-13
- पैदाइश 45:4-6
- यरमियाह 11:21-23
- लूक़ा 04:25-27
- मत्ती 24:6-8

## शब्दकोश:

- Strong's: H3720, H7458, H7459, G3042

# की तरह, एक दिल, जैसा करना, बराबरी, मिसाल, वैसे ही, बराबर, से अलग

## ता’अरुफ़:

“कीट तरह” या “जैसा” का मतलब है कोई चीज़ किसी दूसरी चीज़ के जैसी हो।

- “तरह” जब उसे मिसाल के तौर पर भी काम में लिया जाता है जिसमें खुसूसियत को ज़ाहिर करते हुए किसी की मिसाल किसी और से की जाती है। मिसाल के तौर पर, “उसके कपड़े सूरज की तरह चमकने लगे” और “उसकी आवाज़ गर्जन की सी थी” (देखें:मिसाल)
- “के जैसा होना” या “ की तरह सुनाई देना” या “बराबरी में होना” का मतलब है जिससे मिसाल दी जा रही है उसकी ख़ुसूसियत उसमें होना।
- इन्सान ख़ुदा की “तरह” में बनाया गया था या’नी उसकी “शक्ल” में। इसका मतलब है कि इन्सान ख़ुदा की ख़ुसूसियत की तरह या शक्ल में है जैसे सोचने की हैसियत, अहसास और ख़यालों का लेन-देन करना।

किसी चीज़ की “मिसाल” किसी का मतलब है कि उसके पास चीज़ या शख़्स की ख़ुसूसियत नज़र आती है|

## तर्जुमे की सलाह

- कुछ मज़मूनो में यह जुमले “की बराबरी” का तर्जुमा “जैसा दिखता है” या “जैसा ज़ाहिर होता है”।
- “उसकी मौत की बराबरी में” इस जुमले का तर्जुमा “उसकी मौत के तजुर्बे को बांटना” या “जैसे कि उसके साथ मौत का अहसास करना”।
- “गुनाहगार जिस्म की मिसाल में” का तर्जुमा हो सकता है, “गुनाहगार इन्सान की तरह होना” या “इन्सान होना”। यक़ीनी बनाएँ कि इस इज़हार का तर्जुमा यह न ज़ाहिर करे कि ‘ईसा गुनाहगार था।
- “उसकी मिसाल में” का तर्जुमा हो सकता है, “उसके जैसे होना” या “उसके जैसी बहुत ख़ुसूसियतें होना”।
- इज़हार “हलाक होने वाला इन्सान या जानवरों जैसे परिन्दों चौपायों और रेंगनेवाले कीड़ों की मिसाल में” का तर्जुमा हो सकता है “हलाक होने वाले इन्सानों या जानवरों जैसे परिन्दों चौपायों तथा छोटे-छोटे रेंगनेवाले कीड़ों की शक्ल में बनाए गए बुत”

(यह भी देखें: जानवर, गोश्त, ख़ुदा की तस्वीर, तस्वीर, हलाकत)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- हिज़क़ीएल 01:4-6
- मरकुस 08:24-26
- मत्ती 17:1-2
- मत्ती 18:1-3
- ज़बूर 073:4-5
- मुकाशिफ़ा 01:12-13

## शब्दकोश:

- Strong's: H1823, H8403, H8544, G1503, G1504, G2509, G2531, G2596, G3664, G3665, G3666, G3667, G3668, G3669, G3697, G4833, G5108, G5613, G5615, G5616, G5618, G5619

# कुँवारी, कुवारियों, कुँवारीपन

## ता’अर्रुफ़:

कुँवारी, वह ‘औरत होती है जिसने किसी इन्सान के साथ जिस्मानी रिश्ते नहीं बनाए हैं।

- नबी यसा’याह ने कहा था कि मसीह एक कुँवारी से पैदा होगा
- मरियम ‘ईसा को रिहम में रख करके भी कुँवारी थी। उसका दुनियावी बाप नहीं था।
- कुछ ज़बानों में इस लफ़्ज़ के लिए एक कुँवारापन लफ़्ज़ हो सकता है। (देखें: अदबी

(यह भी देखें: मसीह, यसा’याह, ‘ईसा , मरियम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 24:15-16
- लूका 01:26-29
- लूका 01:34-35
- मत्ती 01:22-23
- मत्ती 25:1-4

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों सेमिसाल:

- **21:09** यसा’याह नबी ने नबूव्वत की थी , कि एक **कुँवारी** से मसीह की पैदाइश होगी
- **22:04**वह एक **कुँवारी** थी जिसकी मंगनी यूसुफ़ नाम के सख़्स के साथ हुई थी |
- **22:05** मरियम ने फ़रिश्ते से कहा कि, “यह कैसे होगा, मैं तो एक **कुँवारी** हूँ?”
- **49:01** एक फ़रिश्ते ने मरियम नाम की एक **कुंवारी** से कहा कि वह ख़ुदा के बेटे को पैदा करेगी | और जबकि वह एक **कुँवारी** ही थी, तो उससे एक बेटा पैदा हुआ और उसका नाम ‘ईसा रखा |

## शब्दकोश:

- Strong's: H1330, H1331, H5959, G3932, G3933

# कुर्ता, कमीज़

## ता'अर्रुफ़:

किताब-ए-मुक़द्दस में, लफ़्ज़ "कुर्ता" का मतलब लिबास के लिए है जो बनयान है कि और कपड़े के नीचे पहना जाता था।

- "कमीज़" कंधे से कमर या घुटनों तक पहुंचने वाला लिबास था और आमतौर पर एक कमरबन्द के साथ पहना जाता था। अमीर लोगों के ज़रिए' पहना जाने वाला कुर्ता कभी-कभी आस्तीन होती थी और टखनों तक की होती थी।
- कमीज़ चमड़ा, टाट, ऊन, या लिनेन से बने थे, और दोनों आदमी और औरतों के ज़रिये पहना जाता था।
- कमीज़ लम्बे लबादे के नीचे पहना जाता था, जैसे एक चोगा या बाहरी लिबास गर्म मौसम में एक कमीज़ कभी-कभी बाहरी बनयान के साथ नहीं पहना जाता था।
- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा , "लंबी कमीज" या "लंबे नीचे पहनने के कपड़े" या "कमीज जैसी बनयान " हो सकती है। यह एक तरह से " कमीज़ " की तरह लिखा जा सकता है, यह समझाने के लिए कि यह कैसे कपड़े थे

(यह भी देखें: अनजान लफ़्ज़ों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: लबादा

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- दानीएल 03:21-23
- यसायाह 22:20-22
- अह्बार 08:12-13
- लूका 03:10-11
- मरकुस 06:7-9
- मत्ती 10:8-10

## शब्दकोश:

- Strong's: H2243, H3801, H6361, G5509

# कुल्हाड़ा, कुल्हाड़े

## ता'अर्रुफ़:

कुल्हाड़ी दरख़्त या लकड़ी काटने का औज़ार है।

- कुल्हाड़ी में एक लकड़ी का डंडा और लोहा लगा होता है।
- अगर आप की ज़बान में लकड़ी काटने का एक औज़ार है तो "कुल्हाड़ी" की जगह में उस लफ़्ज़ का इस्ते'माल करें।
- इस लफ़्ज़ के कई तर्जुमें हो सकते हैं, “पेड़ काटने का औज़ार”, “लकड़ी में लगा हुआ लोहे का सामान”, या “लकड़ी काटने का लंबे डंडे का औज़ार ”
- पुराने 'अहद नामे की एक वाक़िया है कि कुल्हाड़ी डंडे में से निकल कर पानी में गिर गई थी, लिहाज़ा उसके तर्जुमें से ज़ाहिर है कि कुल्हाड़ी डंडे से निकल कर गिर सकती है।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 06:7-8
- 2 सलातीन 06:4-5
- क़ुज़ात 09:48-49
- लूक़ा 03:9
- मत्ती 03:10-12
- ज़बूर 035:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H1631, H4621, H7134, G513

# के साथ रिश्ते थे, प्यार में मस्त होना, साथ सोना, साथ सोता है, के साथ सोया, के साथ सोना

## ता’अर्रुफ़:

कलाम में, यह लफ़्ज़ यौन संबन्ध का संदर्भ देने वाले व्यंजना लफ़्ज़ हैं। (देखें: [अलफ़ाज़)

- ज़ाहिरी "साथ सो जाओ" किसी इन्सान को उस इन्सान के साथ जिस्मानी रिश्ता रखने के लिए बयान करता है। इसका माज़ी है “साथ सोया”
- पुराने 'अहद नामे की किताब “ग़ज़वलुल ग़ज़लात” में -यू.एल.बी.- में “मुहब्बत” लफ़्ज़ काम में लिया गया है जो जिस्मानी रिश्ते के बारे में है। इसकी इस्लाह,“मुहब्बत ज़ाहिर करना” के मता'अल्लिक़ है

## तर्जुमा की सलाह:

- कुछ ज़बानों में इस लफ़्ज़ों को कई तरीक़ों से अलग अलग जुमले हैं जो साबित करते हैं कि शौहर बीवी के बारे में है या और किसी के बारे में यह तय करना ज़रूरी है कि इस लफ़्ज़ का तर्जुमा हर एक जुमले में इस लफ़्ज़ का तर्जुमा मुनासिब मतलब में हो।
- जुमले पर मुन्हसिर तर्जुमें के ऐसे जुमले होंगे,“साथ सोना” या "के साथ लेटना" या "प्यार करने के लिए" या "के साथ सोह्बत करना "
- कई और तर्जुमा के तरीक़े हैं,“साथ रिश्ता बनाना” जिसमें आ सकता है,“साथ ज़िना करना” या“साथ शादी शुदा ता'अल्लुक़ बनाना"
- “प्यार करना”का तर्जुमा,“मुहब्बत करना” या“जिस्मानी रिश्ता” हो सकता है। या कोई ऐसा जुमला हो सकता है जो कि अलग ज़बान में इसका तर्जुमा करने का एक आसान तरीका है।
- यह साबित करना ज़रूरी है कि इस ख़्याल का तर्जुमा कलाम के पढने वालों को क़ुबूल हो

(यह भी देखें: जिस्मानी रिश्ते ग़ैर इख़लाक़ी )

## किताब-ए-मुक़द्दस: के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 05:1-2
- 1 शमूएल 01:19-20
- इस्तिसना 21:13-14
- पैदाइश 19:4-5
- मत्ती 01:24-25

## शब्दकोश:

- Strong's: H160, H935, H1540, H2181, H2233, H3045, H3212, H6172, H7250, H7901, H7903, G1097

# कोढ़ी, कोढ़ियों, कोढ़, कोढ़

## ता’अर्रुफ़:

लफ़्ज़“कोढ़” का ज़िक्र किताब-ए-मुक़द्दस में आया है कि वह कई जिल्दी बीमारियों का हवाला देता है। “कोढ़ी” वह इन्सान है जो कोढ़ में मुब्तिला है, “कोढ़” इन्सान या इन्सान के जिस्म के उस हिस्से का हवाला देता है जहाँ कोढ़ की आलूदगी ज़ाहिर होती है।

- एक क़िस्म के कोढ़ में जिल्द का रंग उड़ जाता है और वहां सफेद दाग हो जाते हैं जैसे मिर्याम और नामान को था।
- आज के ज़माने में कोढ़ की वजह से हाथ, पांव और जिस्म के और हिस्से ज़रर होकर बेकार हो जाते हैं।
- ख़ुदा ने इस्राईलियों को जो हुक्म दिए थे उनके मुताबिक़ अगर किसी इन्सान को कोढ़ हो जाता था तो उसे “नापाक” माना जाता था और उसे दीगर इन्सानों से अलग रहना होता था कि उन्हें बीमारी न हो।
- कोढ़ी को “नापाक” चिल्लाना पड़ता था कि इन्सानों को उससे दूर रहने की हिदायत मिले।
- ‘ईसा ने अनेक कोढ़ियों को और दूसरी तरह की बीमारियों में मुब्तिला लोगों को ठीक किया था।

## तर्जुमे की सलाह:

- किताब-ए-मुक़द्दस में “कोढ़” का तर्जुमा “जिल्दी बीमारी” या “भयानक ख़ौफ़नाक जिल्दी बीमारी” किया जा सकता है।
- “कोढ़” का तर्जुमा “कोढ़ में मुब्तिला” या “जिल्दी बीमारी में मुब्तिला” या “जिल्द के घावों से भरा” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मिरियाम, नामान, साफ़)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- लूक़ा 05:12-13
- लूक़ा 17:11-13
- मरकुस 01:40-42
- मरकुस 14:3-5
- मत्ती 08:1-3
- मत्ती 10:8-10
- मत्ती 11:4-6

## शब्दकोश:

- Strong's: H6879, H6883, G3014, G3015

# खजूर, खजूरो

## ता’अर्रुफ़:

“खजूर”, लम्बा पेड़ जिसके पत्ते और डालियां आसान होती हैं और परों के जैसे दिखाई देती हैं।

- कलाम में जिस खजूर के पेड़ का बयान किया गया है जिसके फलों को “खजूर” कहते हैं। उसकी पत्तियां परिन्दों के पर जैसी होती हैं।
- खजूर का पेड़ गर्म नम मौसम में उगता है। उसकी पत्तियां पुरे साल हरी रहती हैं।
- जब ‘ईसा गधे पर सवार होकर यरूशलीम में दाख़िल हो रहा था तब लोगों ने उनके सामने राह में खजूर की डालियां बिछा दी थी।
- खजूर की डालियां सुकून और फ़तह का निशान हैं।

(यह भी देखें: गधे, यरूशलीम, \सुकून]सुकून , पुर सुकून , पुर अमन , सुकून के लायक़ , सुलह कराने वाले)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 06:29-30
- हिज़क़ीएल 40:14-16
- यूहन्ना 12:12-13
- गिनती 33:8-10

## शब्दकोश:

- Strong's: H3712, H8558, H8560, H8561, G5404

# खराई

## ता’अर्रुफ़:

“मन की खराई” के बारे में सच्चाई और मज़बूत इख़लाक़ी तरीक़ा और सिफ़त से है।

- खराई का मतलब यह भी है कि जब कोई देख न रहा हो तब भी सच्चाई और मुनासिब काम करना।
- कलाम के कुछ जुमले जैसे यूसुफ़ और दानिएल ने मन की खराई को ज़ाहिर किया था जब उन्होंने बुराई करना छोड़ दिया और ख़ुदा के हुक्म मानने का फ़ैसला लिया था।
- अम्साल की किताब में लिखा है कि मालदार और बद या ग़ैर ज़िम्मेदार होने के बदले खरा और मुफ़लिस होना बेहतर है।

## तर्जुमा की सलाह:

- “खराई” का तर्जुमा, “सच्चाई” या “इख़लाक़ी” या “सच्चा सुलूक” या “क़ाबिल एतमाद , ईमानदारी से काम करना” किया जा सकता है ।

(यह भी देखें: दानिएल, यूसुफ़ )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 09:4-5
- अय्यूब 02:3
- अय्यूब 04:4-6
- अम्साल 10:8-9
- ज़बूर 026:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H3476, H6664, H6666, H8535, H8537, H8538, H8549, G4587

## ख़मीर, ख़मीरी, ख़मीर, ख़मीर बनाना, बेख़मीरी

### ता’अरुफ़:

"ख़मीर" एक पदार्थ के लिए एकआम लफ़्ज़ है जिसकी वजह रोटी का आटे को वसी'अ और ज़्यादा करना होता है। “ख़मीर” एक ख़ास तरह का ख़मीर होता है।

अंग्रेजी तर्जुमों में ख़मीर का तर्जुमा “यीस्ट” किया गया है। यह ज़्यादातर ख़मीर का तरीक़ा है जिससे आटे में झाग उठते हैं इससे पकाने के पहले आटा फूल जाता है। आटा गूंधते वक़्त उसमें ख़मीर मिलाया जाता है कि वह पूरे आटे में मिलाया जाए।

- पुराने 'अहद नामे के वक़्त में ख़मीर पैदा करने के लिए आटे को कुछ वक़्त गूंधकर रख दिया जाता था * ख़मीर किए हुए आटे का एक हिस्सा रख दिया जाता था कि नये आटे को ख़मीर करने के काम में आए।
- मिस्र से निकलते वक़्त इस्राईलियों के पास वक़्त नहीं था कि आटे को ख़मीर होने का इन्तिज़ार करें। जबकि उन्होंने रास्ते के लिए बेख़मीरी रोटियाँ बनाई थी। इस बात की याद में यहूदी हर साल 'ईद के पहले में बेख़मीरी खाया करते थे।
- कलाम में ख़मीर को गुनाह के 'अलामती तौर में काम लिया गया है कि वह लोगों के पूरी ज़िन्दगी में फैल जाता है और लोगों को भी को भी मुता'अस्सिर करता है।
- यह झूठी ता'लीम को भी बयान कर सकता है जो हमेशा कई लोगों तक फैलता है और उन्हें मुता'अस्सिर करता है।
- “ख़मीर” को आम ताऊ में भी काम में लिया जाता है कि ख़ुदा की बादशाही कैसे लोगों से लोगों में फैल जाता है।

## तर्जुमा की सलाह

- इसका तर्जुमा “ख़मीर”या “वह चीज़ जो आटे को फुला देती है” या “फुलानेवाला पदार्थ” किया जा सकता है। * “फुलाना” का तर्जुमा “वसी'अ” या “हिशियार होना” या “फूल जाना” किया जा सकता है।
- अगर आटे को ख़मीर करने के लिए कोई और मक़ामी चीज़ काम में ली जाती है तो तर्जुमा में उसका इस्ते'माल करें। अगर ज़बान को एक अच्छी तरह से जाना जाता है, आम लफ़्ज़ जिसका मतलब है, "ख़मीर करना," यह इस्ते'माल करने के लिए बेहतर लफ़्ज़ होगा।

(यह भी देखें: मिस्र, ‘ईद, बे ख़मीरी रोटी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में :

- ख़ुरूज 12:5-8
- गलातियों 05:9-10
- लूक़ा 12:1
- लूक़ा 13:20-21
- मत्ती 13:33
- मत्ती 16:5-8

### शब्दकोश:

- Strong's: H2556, H2557, H4682, H7603, G106, G2219, G2220

# ख़ाक कर देगा, ख़ाक, ख़ाक किया, ख़ाक करती जाएगी

## ता'अर्रुफ़:

"ख़ाक करना" (खा जाना) का ख़ास मतलब है, ख़त्म करना इसके बहुत से 'अलामती इस्ते'माल हैं।

कलाम में "खाए" लफ़्ज़ को हलाक करने के बारे में काम में लिया गया है

- आग ख़ाक करती है या'नी जलाकर राख कर देती है।
- ख़ुदा को "ख़ाक करने वाली आग" कहा गया है जो गुनाह के ख़िलाफ़ उसके ग़ज़ब का बयान है। उसका ग़ज़ब तोबा न करने वालों को गुनहगारों को खौफ़नाक सज़ा देता है।
- खाना खा जाना या'नी किसी खाने वाली चीज़ को खाना-पीना।
- "ज़मीन को बर्बाद करना" का तर्जुमा "उसको हलाक करना।" हो सकता है।

## तर्जुमे की सलाह:

- ज़मीन और इन्सानों के बारे में इस लफ़्ज़ का तर्जुमा "हलाक " किया जा सकता है।
- जब बयान आग का हो तो इसका तर्जुमा "जलाकर राख कर देना" हो सकता है।
- मूसा ने जिस जलती हुई झाड़ी को देखा था वह "ख़ाक नहीं हो रही थी", इसका तर्जुमा हो सकता है, "जल कर राख नहीं हुई" या "जल कर ख़त्म नहीं हुई"
- खाने के बारे में "ख़ाक कर देगा" का तर्जुमा हो सकता है, "खाना" या "चट कर जाना"
- किसी की ताक़त के बारे में "ख़ाक किया" का तर्जुमा हो सकता है, उसकी क़ुव्वत "ख़त्म हो गई" या "धीमी हो गई"।
- "ख़ुदा ख़ाक करने वाली आग है" इसका तर्जुमा हो सकता है, "ख़ुदा ऐसी आग है जो ख़ाक कर देती है" या "ख़ुदा गुनाह से गुस्सा होकर गुनहगारों को आग की तरह जलाकर राख कर देता है।"

(यह भी देखें: चट कर जाना , ग़ज़ब)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 18:38-40
- इस्तिसना 07:16
- यरमियाह 03:23-25
- अय्यूब 07:8-10
- गिनती 11:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H398, H402, H1086, H1104, H1197, H1497, H1846, H2000, H2628, H3615, H3617, H3631, H3857, H4127, H4529, H4743, H5486, H5487, H5595, H6244, H6789, H7332, H7646, H7829, H8046, H8552, G355, G1159, G2618, G2654, G2719, G5315, G5723

# ख़िराज

## ता’अर्रुफ़:

“ख़िराज”, एक बादशाह के ज़रिए’ दूसरे बादशाह को दिए जानेवाले तोहफ़े जिसका मक़सद होता था, हिफ़ाज़त और दोनों मुल्कों के अच्छे रिश्ते

- ख़िराज एक अदायगी भी हो सकती है जिसे किसी हाकिम या हुकूमत को लोगों से ज़रूरत होती है,जैसे कि चुंगी या ख़िराज
- किताब-ए-मुक़द्दस के ज़माने में कोई बादशाह या हाकिम किसी और बादशाहत में से होकर सफ़र करता था तो उस मुल्क के बादशाह को ख़िराज देता था कि उस ‘इलाक़े में उसकी हिफ़ाज़त तय की जाए।
- ख़िराज में पैसों के अलावा खाने की चीज़ें, मसाले, अच्छे लिबास, और सोने जैसी क़ीमती धातुएं भी होती थी।

## तर्जुमे की सलाह:

- मज़मून के मुताबिक़ , “ख़िराज” का तर्जुमा किया जा सकता है, “सरकारीतोहफ़ा ” या “ख़ास अदाएगी ” या “ज़रूरी अदाएगी ”।

(यह भी देखें: सोना, बादशाह , हाकिम , ख़िराज)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 18:1-2
- 2 तवारीख़ 09:22-24
- 2 सलातीन 17:1-3
- लूक़ा 23:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H1093, H4060, H4061, H4371, H4503, H4522, H4530, H4853, H6066, H7862, G1323, G2778, G5411

## ख़ौफ़, डराएँगे, दहशत, डर , डराएँ, घबरा गए, ख़ौफ़नाक

### ता'अर्रुफ़:

- "ख़ौफ़" लफ़्ज़ बहुत डर को ज़ाहिर करता है। किसी को "डराना" या'नी उसे ख़ौफ़ज़दा करना।
- "ख़ौफ़" किसी चीज़ या इन्सान के ज़रिए' पैदा डर भी होता है। ख़ौफ़ की एक मिसाल हमलावर दुश्मन फ़ौज या वबा या बीमारी है जो फैलती है, कई लोगों का क़त्ल कर सकता है।
- इन ख़ौफ़ों को " ख़ौफ़ नाक " की शक्ल में बयान किया जा सकता है। इस लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, "दर की वजह " या "दहशत -पैदा करना "
- ख़ुदा की 'अदालत एक दिन तोबा न करने वाले इन्सानों में जो उसके फ़ज़ल को नामंज़ूर करते हैं, डर पैदा करेगा।
- "यहोवा काडर " का तर्जुमा "यहोवा की ख़ौफ़नाक हुज़ूरी " या "यहोवा की ख़ौफ़नाक'अदालत " या "जब यहोवा बहुत डर पैदा करता है।" हो सकता है।
- दहशत का तर्जुमा करने के तरीके में "बहुत ज़्यादा डर " या "गहरा डर " शामिल हो सकता है।

(यह भी देखें: दुश्मन , खौफ़, इन्साफ़, महामारी, यहोवा)

### किताब-ए-मुक़द्दस के बारे मे:

- इस्तिसिना 02:24-25
- ख़ुरूज 14:10-12
- लूका 21:7-9
- मरकुस 06:48-50
- मत्ती 28:5-7

### शब्दकोश:

- Strong's: H367, H926, H928, H1091, H1161, H1204, H1763, H2111, H2189, H2283, H2731, H2847, H2851, H2865, H3372, H3707, H4032, H4048, H4172, H4288, H4637, H6184, H6206, H6343, H6973, H8541, G1629, G1630, G2258, G4422, G4426, G5401

# ख़्वाब, ख़्वाबो, ख़्वाबों में

## सच्चाई:

“ख़्वाब” का मतलब है, इंसान के ज़रिए’ कुछ देखना। इसका बयान ख़ास तौर से नामुमकिन या क़ुदरती काम से है जो ख़ुदा अपने पैग़ाम के लिए इन्सानों को दिखाता है।

- ख़्वाबइन्सान की जागने की हालत में देखे जाते हैं। मगर नींद में भी इन्सान को ख़्वाबदिखाई देते हैं।
- ख़ुदा इन्सान को ख़्वाबदिखाता है कि उन पर कोई ख़ास बात ज़ाहिर करे। मसलन , पतरस को ख़्वाबदिखाया गया जिसका मक़सद था कि उसे ग़ैर क़ौमों को ख़ुशख़बरी सुनाने के लिए क़ुबूल करना सिखाए।

## तर्जुमे की सलाह:

- जुमला "एक ख़्वाबदेखा" का तर्जुमा किया जा सकता है "ख़ुदा से नामुमकिन कुछ देखा" या "ख़ुदा ने उसे कुछ खास दिखाया।"
- कुछ ज़बानों में "निगाह " और "ख़्वाब" के लिए अलग-अलग लफ़्ज़ नहीं होंगे। तो "दानीएल के मन में ख़्वाबऔर रोया थे" जुमले का तर्जुमा "दानीएल सोते हुए ख़्वाबदेख रहा था और ख़ुदा ने उसे अनोखी चीज़ों को दिखाया। "

(यह भी देखें: ख्व़ाब)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 09:10-12
- रसूलों के 'आमाल 10:3-6
- रसूलों के 'आमाल 10:9-12
- रसूलों के 'आमाल 12:9-10
- लूका 01:21-23
- लूका 24:22-24
- मत्ती 17:9-10

## शब्दकोश:

- Strong's: H2376, H2377, H2378, H2380, H2384, H4236, H4758, H4759, H7203, H7723, H8602, G3701, G3705, G3706

# खा जाना, खा जाता, खा गया, खाना

## ता’अर्रुफ़:

लफ़्ज़ “फाड़ खाना” का मतलब जारिहाना तरीक़े से खाना खर्च करना।

- इस लफ़्ज़ का ‘अलामती मतलब में इस्ते’माल करते हुए पौलुस ईमानदारों से कहता है कि एक दूसरे को फाड़ न खाओ, या’नी अलफ़ाज़ और ‘आमाल के ज़रिए’ एक दूसरे को नुक़सान मत पहुंचाओ। (गला. 5:15)
- लफ़्ज़ “खाना” को अक्सर “पूरी तरह से तबाह” के मतलब के साथ ‘अलामती तौर पर इस्ते’माल क्या जाता है, जबकि क़ौमों के बारे में बात करते हुए एक दूसरे को खाते हुए या एक आग का ‘इमारत को निगलना या आदमी को|
- इस जुमले का तर्जुमा हो सकता है, "पूरी तरह से बर्बाद होना" या "पूरी तरह से तबाह होंना।"

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 पतरस 05:8-9
- आमोस 01:9-10
- ख़ुरूज 24:16-18
- हिज़क़ीएल 16:20-22
- लूक़ा 15:28-30
- मत्ती 23:13-15
- ज़ुबूर 021:9-10

## शब्दकोश:

- Strong's: H398, H399, H400, H402, H1104, H1105, H3216, H3615, H3857, H3898, H7462, H7602, G2068, G2666, G2719, G5315

# खुर, खुरों, टापों

## सच्चाई:

ये अलफ़ाज़ कुछ जानवरों के पाँवों के नीचे की शख़्त सतह के बारे में हैं जैसे ऊँट, मवेशी, हिरन, घोड़ा, गधा, सुअर, बैल, भेड़ और बकरी।

- खुर जानवर के चलने में उसके पांवों का हिफ़ाज़ती कवर होते हैं।
- कुछ जानवरों के खुर दो हिस्सों में बटें होते हैं और कुछ के नहीं होते।
- ख़ुदा ने इस्राईलियों को हुक्म दिया था कि जिन जानवरों के खुर बंटे हों और जो जुगाली करते हैं उनका माँस खाने के लिए पाक है। इसमें मवेशी, भेड़, हिरन और बैल हैं।

(यह भी देखें: नामा’लूम अलफ़ाज़ का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: ऊँट, गाय, गधे, बकरी, सुअर, भेड़)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इस्तिस्ना 14:6-7
- हिज़क़ीएल 26:9-11
- अहबार 11:3-4
- अहबार 069:30-31

## शब्दकोश:

- Strong's: H6119, H6471, H6536, H6541, H7272

# खैरात

## ता’अर्रुफ़:

खैरात , या'नी ग़रीबों की मदद के लिए पैसा, खाना और तमाम चीज़ें देना।

- खैरात करना ज़्यादातर रास्तबाज़ी के लिए हे मज़हब की ज़रूरी होता था।

ईसा,ने कहा कि खैरात देना लोगों को दिखाने के लिए नहीं होना है*

- इस लफ्ज़ का तर्जुमा , पैसा, या ग़रीबों को देना , या ग़रीबों की मदद , हो सकता है

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 03:1-3
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 06:3-4

## शब्दकोश:

- Strong's: G1654

# खड़ा करना, उठाना, उठाया, खड़ा होना, उठना, उठा, उठा था

## ता'अर्रुफ़:

#### ज़िन्दा करना, खड़ा करना

उमूमन ज़िन्दा करने असल लफ़्ज़ का मतलब है, “ऊंचा उठाना” या “ऊंचा बनाना”

- इसका ‘अलामती मतलब है, किसी को ज़वजूदहूर में लाना या ज़ाहिर होना। इसका मतलब यह भी हो सकता है, किसी को किसी काम के लिए मुक़र्रर करना।
- कभी-कभी इस मूल लफ़्ज़ का मतलब “दुबारा क़ायमकरना” या “दुबारा ता'मीर करना” होता है।
- “मुर्दों में से जिलाया” इस जुमले में इस असल लफ़्ज़ का मतलब ख़ास है। इसका मतलब है मुर्दे को ज़िन्दा करना।
- कभी-कभी इस असल लफ़्ज़ का मतलब किसी चीज़ या आदमी को ऊंचा करना है।

#### उठाना, उठना

“उठाना” या “उठना” का मतलब है, “ऊपर चढ़ना” या “उठ खड़ा होना” लफ़् ज़“जी उठा है” या “जी उठा” या “उठ कर” ये लफ़्ज़ सब माज़ी को ज़ाहिर करता हैं।

- जब कोई कहीं जाने के लिए उठता है तो उसको कभी-कभी, “वह उठकर गया” या “वह खड़ा होकर गया” के तौर पर ज़ाहिर किया जाता है।
- अगर कोई बात “उठती” है तो उसका मतलब है कि, वह "होती है" या “उसका होना शरू' होता है”
- ‘ईसा ने नबूव्वत की थी कि वह “मुर्दों में से जी उठेगा”। ‘ईसा की मौत के तीसरे दिन फ़रिश्ते ने कहा था, की “वह जी उठा है”।

## तर्जुमे की सलाह:

- “उठना” या “उठ खड़ा होना” के तर्जुमा “उठाना” या “ऊंचा करना” हो सकते है।
- “उठाना” का तर्जुमा, “ज़ाहिर करना” या “मुक़र्रर करना” या “वजूद में लाना” हो सकता है।
- “तेरे दुश्मनों का ज़ोर बढ़ाऊंगा” का तर्जुमा, “तेरे दुश्मनों को ताक़त दूंगा” हो सकता है।
- “मुर्दों में से जी उठाना” का तर्जुमा “मौत से ज़िन्दगी में ले आना” या “दुबारा ज़िन्दा करना” हो सकता है।
- मज़मून पर मुनहस्सिर “उठाने” का तर्जुमा, “मौजूद करवाना”, “मुक़र्रर करना” या “होना मुमकिन करना” या “ता'मीर करना” या “दुबारा ता'मीर करना” या “सुधारना” हो सकता है।
- “उठकर गया” इस जुमले का तर्जुमा, “खड़ा होकर गया” या “गया” हो सकता है।
- मज़मून पर मुनहस्सिर “उठा” का तर्जुमा, “शुरू' किया” या “चल पड़ा” या “खड़ा हुआ” या “खड़ा हो गया” हो सकता है।

(यह भी देखें: क़यामत, मुक़र्रर, बलन्द करना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तवारीख़ 06:40-42
- 2 शमूएल 07:12-14
- रसूलों के ‘आमाल 10:39-41
- कुलुस्सियों 03:1-4
- इस्तिस्ना13:1-3
- यरमियाह 06:1-3
- क़ुज़ात 02:18-19
- लूक़ा 07:21-23
- मत्ती 20:17-19

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **21:14** नबियों ने यह भी नबूव्वत की कि मसीह मारा जाएगा और ख़ुदा उसे मुर्दों में से **जी उठाएगा**।
- **41:05** ‘ईसा यहाँ नहीं है, लेकिन अपने कलाम के मुताबिक़ जी उठा है।" वह मुर्दों में से **ज़िन्दा** हुआ, जैसा उसने कहा था कि वह करेगा|

- **43:07** अगरचे "'ईसा की मौत हुई लेकिन उसी को ख़ुदा ने मौत के बन्धनों से छुड़ाकर **जिलाया**, और यह नबूव्वत की गई थी कि, 'न तो उसका आलम-ए-अर्वाह में छोड़े गई और न उसका जिस्म सड़ने पाया |' इसी 'ईसा को ख़ुदा ने फिर से **जिलाया**, जिसके हम सब गवाह है |"
- **44:05** " और तुम ने ज़िन्दगी के मुसन्निफ़ को मार डाला, जिसे ख़ुदा ने मरे हुओ में से **जिलाया**।"*
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें जवाब दिया, "'ईसा मसीह की क़ुव्वत से यह आदमी तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है | तुमने 'ईसा को सलीब पर चढ़ाया, लेकिन ख़ुदा ने मरे हुओं में से जिलाया |"
- **48:04** इसका मतलब यह हुआ कि, शैतान मसीह को मार देगा, पर ख़ुदा उसे तीसरे दिन फिर **ज़िन्दा कर देगा** | 'ईसा शैतान की ताक़त को हमेशा के लिए बर्बाद कर देगा |

**49:02** वह पानी पर चला, तूफ़ान को रोक दिया, बहुत से बीमारों को चंगा किया, बदरूहों को निकाला, मुर्दों को **ज़िन्दा किया**, और पांच रोटी और दो छोटी मछलियों को इतने खाने में बदल दिया कि वह 5,000 लोगों के लिए क़ाफ़ी हो।

- **49:12** तुम्हें ईमान करना होगा कि 'ईसा ख़ुदा का बेटा है, कि वह तुम्हारी जगह सलीब पर क़ुर्बान हुआ, और यह कि ख़ुदा ने उसे फिर मुर्दों में से **ज़िन्दा कर दिया**।

## शब्दकोश:

- Strong's: H2210, H2224, H5549, H5782, H5927, H5975, H6209, H6965, H6966, H6974, H7613, H7721, G305, G386, G393, G450, G1096, G1326, G1453, G1525, G1817, G1825, G1892, G1999, G4891

# गड्ढा, गड्ढे, फंदों

## ता'अर्रुफ़:

गड्ढा ज़मीन में खोदा गया गड्ढा होता है।

- ज़मीन में गड्ढा खोदने के दो वजह ख़ास थे, जानवरों को फंसाना या पानी निकालना।
- गड्ढा क़ैदी को रखने का न मुकम्मल जगह भी होता है।
- कभी-कभी "गड्ढा" लफ़्ज़ क़ब्र या दोज़ख़ के लिए भी काम में लिया गया है। कभी-कभी इसका बयान "गहरे -कुएं " से भी है।
- बहुत गहरे गड्ढे को "हौज" भी कहा गया है।
- "गड्ढा" लफ़्ज़ मिसालों में भी काम आया है जैसे "हलाकत कागढ्ढा " जिसका मतलब है हलाकत वाले हालात में फंसना या गुनाह के मिटने वाले मशक में पड़ जाना।

(यह भी देखें: गहरा कुआँ, दोज़ख़, क़ैद खाना )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 37:21-22
- अय्यूब 33:16-18
- लूका 06:39-40
- अम्साल 01:12-14

## शब्दकोश:

- Strong's: H875, H953, H1356, H1360, H1475, H2352, H4087, H4113, H4379, H6354, H7585, H7745, H7816, H7825, H7845, H7882, G12, G999, G5421

# गधा, खच्चर

## ता’अर्रुफ़:

गधा एक काम करने वाला चौपाया जानवर है, घोड़े जैसा, लेकिन छोटा से होता है और कान ज़्यादा लंबे होते हैं।

- खच्चर घोड़ी और गधे का बच्चा होता है वह मुखन्नस होता है।
- खच्चर ताक़तवर जानवर है इसलिए उसे ज़्यादा काम का माना जाता है।
- खच्चर और गधा दोनों इन्सान और माल को ढोने में काम में आता है।
- किताब-इ-मुक़द्दस के ज़माने में, बादशाह अमन के वक़्त गधे की सवारी करते थे, न कि घोड़े की, जो जंग में काम आता था।
- ‘ईसा अपने मस्लूब होने से एक हफ्ता पहले एक जवान गधे पर बैठकर यरूशलीम में आया था।

(यह भी देखें: अनजान अलफ़ाज़ का तर्जुमा कैसे करें

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 01:32-34
- 1 शमूएल 09:3-4
- 2 सलातीन 04:21-22
- इस्तिस्ना 05:12-14
- लूक़ा 13:15-16
- मत्ती. 21:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H860, H2543, H3222, H5895, H6167, H6501, H6505, H6506, H7409, G3678, G3688, G5268

# गन्धक, गन्धक

## ता'अर्रुफ़:

“गन्धक” एक पीले रंग का पदार्थ होता है जो आग में जलने के बा'द जलने वाला तेल पदार्थ हो जाता है।

- गन्धक की भी एक बहुत मजबूत गंध है जो सड़े हुए अंडे की गंध की तरह है।
- कलाम में जलता हुआ गंधक बे'एतक़ादी और मुख़ालिफ़ लोगों के लिए सज़ा की 'अलामत है।
- लूत के वक़्त मैं ख़ुदा ने सदूम और अमूरा के बद किरदार शहरों पर आग और गन्धक बरसाया था।
- कुछ अंग्रेजी कलाम के तर्जुमों में गन्धक को “जलता हुआ पत्थर” कहा गया है जिसका लफ़्ज़ी मतलब है "जलता हुआ पत्थर।"

## तर्जुमा की सलाह:

- इस लफ़्ज़ का मुनासिब तर्जुमा हो सकता है, “पीला पत्थर जो आग पकड़ता है” या “जलनेवाला पीला पत्थर”।

(यह भी देखें: अमूरा, इन्साफ़ करना, लूत, बग़ावत करना, सदूम, बे'एतक़ादी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 19:23-25
- यसा'याह 34:8-10
- लूक़ा 17:28-29
- मुक़ाश्फा 20:9-10

## शब्दकोश:

- Strong's: H1614, G2303

# गहरा गड्ढ़े, अथाह गड्ढ़े

## ता’अर्रुफ़:

“गहरे गड्ढ़े , एक बहुत गहरे गड्ढ़े के बारे में बताता है |।

- किताब-ए-मुक़द्दस में, “गहरे गड्ढ़े” सज़ा की जगह है |
- मिसाल के तौर पर, ईसा ने एक बदरूह वाले आदमी से बदरूहों को निकाला तो उन्होंने ईसा से मिन्नत की कि उन्हें गहरे गड्ढ़े में न डालें |

“गहरे गड्ढ़े का तर्जुमा गेहरे गड्ढ़े या वह खाई जिसकी कोई इन्तेहा न हो किया जा सकता है|।

- इस लफ्ज़ का तर्जुमा बे इन्तिहा गेहराई या दोज़ख़ से अलग होना चाहिए |।

यह भी देखें: बे इन्तिहा गेहराई , दोज़ख़, सज़ा देना

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- लूका 08:30-31
- रोमियो 10:6-7

## शब्दकोश:

- Strong's: G12, G5421

# ग़लत, ग़लतियाँ, ग़लत करना, ग़लत तरीके से, ग़लत तरीके से, ग़लत करनेवाले, ग़लत, ज़ुल्म करना , सितम करना , सताया हुआ, दर्द, चोट पहुँचाना, दर्दनाक

## ता’अरुफ़:

“ग़लत” करने का मतलब है उसके साथ ना इन्साफ़ी करना या बुरा बर्ताव करना।

- लफ़्ज़ ""; का मतलब है किसी आदमी पर बुरी और बेअदबी से सुलूक करना, उस आदमी को जिस्मानी या जज़्बाती ठेस पहुंचाना।
- लफ़्ज़ "चोट"; ज़्यादा आम है और इसका मतलब है "किसी को किसी तरह नुक़सान पहुंचाना।" इसका अक्सर "जिस्मानी चोट" का मतलब होता है।
- बयान के मुताबिक़, इन लफ़्ज़ों का तर्जुमा "ग़लत करना" या "ना इन्साफी का सुलूक "; या "नुक़सान पहुँचाना" या "नुकसानदायक तरीके से बर्ताव करना" या "चोट पहुँचाना" की शक्ल में किया जा सकता है।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 07:26-28
- पैदाइश 22:20-21
- पैदाइश 16:5-6
- लूका 06:27-28
- मत्ती. 20:13-14
- ज़ुबूर 071:12-13

## शब्दकोश:

- Strong's: H205, H816, H2248, H2250, H2255, H2257, H2398, H2554, H2555, H3238, H3637, H4834, H5062, H5142, H5230, H5627, H5753, H5766, H5791, H5792, H5916, H6031, H6087, H6127, H6231, H6485, H6565, H6586, H7451, H7489, H7563, H7665, H7667, H7686, H8133, H8267, H8295, G91, G92, G93, G95, G264, G824, G983, G984, G1536, G1626, G1651, G1727, G1908, G2556, G2558, G2559, G2607, G3076, G3077, G3762, G4122, G5195, G5196

# ग़ौर , ग़ौर करता, तवज्जोह

## ता’अरुफ़:

“ग़ौर ” या'नी किसी बात पर एहतियात के साथ और गहराई से ग़ौर करना।

- कलाम में इस लफ़्ज़ का इस्ते'माल हमेशा ख़ुदा और उसकी ता'लीमों पर ग़ौर करने के लिए काम में किया गया है।
- ज़बूर 1 में लिखा है कि वह इन्सान जो “दिन रात” ख़ुदा की शरी'अत पर ग़ौर करता है, मुबारक है।

## तर्जुमा की सलाह:

- “ग़ौर” का तर्जुमा हो सकता है, “एहतियात के साथ और गहराई से ग़ौर करना” या “ फ़िक्र मन्द होकर गहराई से ग़ौर करना” या “बार-बार सोचना”।
- इसकी जमा' की शक्ल है, “तवज्जोह” और इसका तर्जुमा “गहराई के ख़यालात” हो सकता है। “मेरे मन के ख़याल” का तर्जुमा हो सकता है, “मैं जिसका गहराई से ग़ौर करता हूं” या “मै अक्सर किस बारे में सोचता हूँ”।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 24:63-65
- यशू'अ 01:8-9
- ज़बूर 001:1-2
- ज़बूर 119:15-16

## शब्दकोश:

- Strong's: H1897, H1900, H1901, H1902, H7742, H7878, H7879, H7881, G3191, G4304

# गाय, गायें, बैल, बैलों, बछड़ा, बछड़ों, जानवरों, बछिया, बैल, बैलों

## ता'अर्रुफ़:

"जानवरों " का बयान एक बड़े चार पैर वाले जानवर से है जो घास खाता है और गोश्त और दूध के लिए पाला जाता है।

- ऐसे जानवर की मादा को गाय कहते हैं और नर को बैल और उसके बच्चे को बछड़ा कहते हैं।
- कभी-कभी गाय लफ़्ज़ को आम तौर सब मवेशियों के लिए काम में लिया गया है। * कुछ तहज़ीब में सामान लेने के बदले में मवेशी दिए जाते थे।

बछिया वह गाय होती थी जिसने बच्चा न दिया हो।

"बैल" एक चौपाया जानवर है जिसे खेती के काम के लिए तरबियत दी जाती है। इस लफ़्ज़ का जमा'है "बैलों" बैल नर हैं और बधिया किया गया है।

- पूरे कलाम में बैल जूए में या गाड़ी में या हल में जोते जाते दिखाए गए हैं।
- जूए में जुते हुए बैलों में एक ऐसी आम बात थी कि "जूए में जुतना" कठिन काम या मेहनत की मिसाल हो गयी ।
- सांड भी नर गाय है लेकिन उसको खस्सी नहीं किया जाता है और न ही उससे काम कराया जाता है।

(यह भी देखें: अनजान लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: जुआ)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 15:9-11
- ख़ुरूज 24:5-6
- गिनती 19:1-2
- इस्तिसना 21:3-4
- 1 समुएल 01:24-25
- 1 समुएल 15:1-3
- 1 समुएल 16:2-3
- 1 सलातीन 01:9-10
- 2 तवारीख़ 11:13-15
- 2 तवारीख़ 15:10-11
- मत्ती 22:4
- लूका 13:15-16
- लूका 14:4-6
- इब्रानियों 09:13-15

## शब्दकोश:

- Strong's: H47, H441, H504, H929, H1165, H1241, H1241, H1241, H4399, H4735, H4806, H5695, H5697, H5697, H6499, H6499, H6510, H6510, H6629, H7214, H7716, H7794, H7794, H7921, H8377, H8377, H8450, H8450, G1016, G1151, G2353, G2934, G3447, G3448, G4165, G5022, G5022

# गीबत, बदनामी, बदनाम, गीबत, कुफ़्र, बदनाम कुन

## ता’अर्रुफ़:

गीबत मन्फ़ी पर मुस्तामिल हैं, किसी दूसरे शख़्स के बारे में बोली जाने वाली बातें ( लिखी नहीं) जो बदनाम करती हैं। किसी शख़्स के बारे में ऐसी बातें (लिखने के लिए नहीं) कहने के लिए उस शख़्स को बदनाम करना है । ऐसी बातें कहने वाला शख़्स एक गीबत करने वाला है।

- गीबत सच्ची बात नहीं होती है, यह झूठा इल्ज़ाम होता है लेकिन इससे सुननेवाला किसी शख़्स के बारे में ग़लत सोचता है।
- गीबत का तर्जुमा "के ख़िलाफ़ बोलना" या "बुराई फैलाने" या "बदनामी" की शक्ल में किया जा सकता है।
- बदनामी करने वाले को “मुख़बिर” या “अफ़वाह फैलाने वाला” भी कहते हैं।

(यह भी देखें: कुफ़्र )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 04:12-13
- 1 तीमुथियुस 03:11-13
- 2 कुरिन्थियों 06:8-10
- मरकुस 07:20-23

## शब्दकोश:

- Strong's: H1681, H1696, H1848, H3960, H5006, H5791, H7270, H7400, H8267, G987, G988, G1228, G1426, G2636, G2637, G3059, G3060, G6022

# गुजारिश ,मिन्नत ,वकालत,बहस करना, गिड़गिड़ाना ,दरख़्वास्त करना

## सच्चाई

“गिड़गिड़ाकर मिन्नत करना” और “दरख़्वास्त ” का मतलब है किसी से कुछ करने की बहुत ज़्यादा गुजारिश “गिड़गिड़ाना” एक शदीद गुज़ारिश है।

- मिन्नत का मतलब अक्सर यह होता है कि आदमियों को मदद की बहुत ज़रूरत है।
- इन्सान ख़ुदा से रहम की मिन्नत कर सकते हैं या गुज़ारिश कर सकते हैं या उससे कुछ देने का दरख़्वास्त कर सकते हैं ख़ुद के लिए या किसी और के लिए।
- इसका तर्जुमा हो सकता है, “मांगना”, “गिड़गिड़ाकर मिन्नत करना” या बहुत ज़्यादा गुजारिश “”
- “मिन्नत ” का तर्जुमा हो सकता है, “गुज़ारिश करना ” या “बहुत ज़्यादा गुजारिश”।
- वाज़े’ करें कि मज़मून में इसका मतलब पैसा मांगना नहीं है।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 कुरिन्थियों 08:3-5
- क़ुजात 06:31-32
- लूका 04:38-39
- अम्साल 18:17-18

## शब्दकोश:

- Strong's: H1777, H2603, H3198, H4941, H4994, H6279, H6293, H6664, H6419, H7378, H7379, H7775, H8199, H8467, H8469, G1189, G1793, G2065, G3870

# गुनाह की क़ुर्बानी , गुनाह की क़ुर्बानियाँ

## ता’अर्रुफ़:

“गुनाह की क़ुर्बानी ” उन क़ुर्बानियों में से एक थी जिनका हुक्म ख़ुदा ने इस्राईलियों को दिया था ।

- इस क़ुर्बानी में बैल की क़ुर्बानी पेश होती थी, क़ुर्बानगाह पर उसका ख़ून और चर्बी जलाई जाती थी और जानवर के जिस्म को इस्राईल की छावनी के बाहर ज़मीन पर जला दिया जाता था।
- इस जानवर को पूरी तरह ख़ाक करने का मतलब था कि ख़ुदा बहुत पाक है और गुनाह खौफ़नाक है।
- कलाम की ता'लीम में गुनाह से पाक होने के लिए गुनाह की क़ीमत चुकाने के लिए ख़ून का बहाना ज़रूरी है।
- जानवर की क़ुर्बानी गुनाह के लिए हमेशा की मु'आफ़ी नहीं हासिल कर सकती थी।
- सलीब पर 'ईसा की मौत ने हमेशा के लिए गुनाहों की सज़ा चुका दी । वह एक मुक़द्दस क़ुर्बानी थी ।

(यह भी देखें: क़ुर्बानगाह, गाय, मु'आफ़ी, क़ुर्बानी, गुनाह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तवारीख़ 29:20-21
- ख़ुरूज 29:35-37
- हिज़कीएल 44:25-27
- अह्बार 05:11
- गिनती 07:15-17

## शब्दकोश:

- Strong's: H2401, H2402, H2398, H2403

# गुमराह, गुमराह हो जाते हैं, गुमराह हो गए, गुमराह कर देना, गुमराह कर दिया, फिरना, फेर दिया, गुमराह

## ता'अर्रुफ़:

“फिर जाना” और “गुमराह” का मतलब है ख़ुदा की मर्ज़ी न मानना। लोग जो “ गुमराह हो गए” उन्होंने ग़ैर लोगों या हालातों से परेशान होकर ख़ुदा के हुक्मों को नहीं माना ।

“गुमराह” लफ़्ज़ बराबर रास्ता या हिफ़ाज़त की जगह को छोड़कर ग़लत और ख़तरनाक रास्ते में जाने का ख़्याल बयान करता है। चरवाहे की चारागाह से दूर जानेवाली भेड़ को “ गुमराह हुई” कहते हैं। ख़ुदा गुनाहगारों की बराबरी उन भेड़ों से करता है जो उसको छोड़ करके “ गुमराह हो गई” हैं।

## तर्जुमा की सलाह;

- “गुमराह” का तर्जुमा, “ख़ुदा से दूर हो जाना” या “ख़ुदा की मर्ज़ी से अलग ग़लत रास्ते पर चलना” या “ख़ुदा के हुक्मों को न मानना छोड़ देना” या “ख़ुदा के रास्ते से दूर जाते रहना” हो सकता है।
- “किसी को गुमराह करना” का तर्जुमा, “किसी को ख़ुदा के हुक्मों को न मानने के लिए ज़ोर करना” या “किसी को ख़ुदा के हुक्मों को न मानने के लिए अममादा करना” या “किसी को ग़लत रास्ते पर अपने पीछे चलाना”हो सकता है।

(यह भी देखें: नाफ़रमानी , चरवाहे)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 यूहन्ना 03:7-8
- 2 तीमुतुस 03:10-13
- ख़ुरूज 23:4-5
- हिज़कीएल 48:10-12
- मत्ती. 18:12-14
- मत्ती. 24:3-5
- ज़बूर 058:3-5
- ज़बूर 119:109-110

## शब्दकोश:

- Strong's: H5080, H7683, H7686, H8582, G4105

# गेहूँ

## ता’अर्रुफ़:

गेहूँ एक तरह का अनाज है जो आदमी खाने के लिए उगाते है। जब किताब-ए-मुक़द्दस "अनाज" या "बीज" का बयान करती है, तो यह अक्सर गेहूँ के अनाज या बीज के बारे में बात करती है।

- गेहूँ के पौधों के दाने (अनाज ) ऊपर के हिस्से में लगता है।
- कटनी के बाद गेहूँ के दाने को खलिहान से निकाला जाता है। * गेहूँ के पेड़ों को ज़मीन पर रखा जाता था कि उस पर जानवर सोएं।
- खलिहान के बाद, अनाज बीज के आसपास के भूसे सूप के ज़रिए’अनाज से अलग किए जाते है और फेंक दिया जाता है।
- गेहूँ को पीस कर आटा तैयार किया जाता है जिससे रोटियाँ बनाई जाती हैं।

(यह भी देखें: जौ, भूसा, अनाज , बीज, दांवना, हवा में उड़ाना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 27:36-38
- ख़ुरूज 34:21-22
- यूहन्ना 12:23-24
- लूका 03:17
- मत्ती 03:10-12
- मत्ती 13:24-26

## शब्दकोश:

- Strong's: H1250, H2406, G4621

# गोदाम , ज़ख़ीरा

## ता'अर्रुफ़:

"ज़ख़ीरा" अनाज और दूसरी चीज़ों को महफ़ूज़ रखने के लिए बनाये गए ख़ास घर ।

- कलाम में “ज़ख़ीरा” हमेशा अनाज के 'अलावह और खाने की चीज़ों को मुस्तक़बिल के लिए महफ़ूज़ रखा जाता था, जब काल की वजह से खाने की कमी हो जाए।
- यह लफ़्ज़ 'अलामती शक्ल में उन सब अच्छी चीज़ों के लिए भी काम में लिया जाता है जो ख़ुदा अपने लोगों को देना चाहता है।
- हैकल के ज़ख़ीरे में क़ीमती चीजें थीं जो यहोवा के हवाले थीं, जैसे सोने और चांदी। हैकल में मरम्मत और रखरखाव करने के लिए इस्ते'माल की जाने वाली इनमें से कुछ चीजों को भी वहाँ रखा गया था।
- “ज़ख़ीरा” लफ़्ज़ के दूसरे तर्जुमे हो सकते हैं “अनाज के ज़ख़ीरे का गोदाम” या “खाना रखने की जगह” या “क़ीमती चीज़ों को महफ़ूज़ रखने की जगह ”।

(यह भी देखें: \ बरकत देना]पाक करना, पाक ठहरेगा, तहज़ीब, क़ुबूल करना, काल, सोना, अनाज, चांदी, हैकल )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तवारीख़ 16:2-3
- लूक़ा 03:17
- मत्ती 03:10-12
- ज़बूर 033:7-9

## शब्दकोश:

- Strong's: H214, H618, H624, H4035, H4200, H4543, G596

# गोबर, खाद

## ता’अर्रुफ़:

“गोबर” इन्सान और जानवरों की नजिस होती है जिसे पाख़ाना कहते हैं। जब इसका इस्ते’माल ज़मीन की पैदावार बढ़ाने के लिए किया जाता है तो इसे खाद कहते हैं।

- इन अलफ़ाज़ को ‘अलामती शक्ल में किसी निकम्मी या बे-अहमियत चीज़ के लिए काम में लिया गया है।
- जानवरों का सूखा हुआ गोबर ईंधन के लिए काम में लिया जाता था।
- “ज़मीन के ऊपर खाद के समान पड़ी रहेंगी” का तर्जुमा हो सकता है, “निकम्मे गोबर की तरह ज़मीन पर फैलाय गए।”
- “कूड़ा फाटक” यरूशलीम की दख्खिनी दीवार में था जो यक़ीनन शहर का कूड़ा बाहर ले जाने के लिए काम में आता था।

(यह भी देखें: फ़ाटक)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 14:9-10
- 2 सलातीन 06:24-26
- यसा’याह 25:9-10
- यरमियाह 08:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H830, H1119, H1557, H1561, H1686, H1828, H6569, H6675, G906, G4657

# गढ़, गढ़ों, क़िला' क़िले’, क़िलों’, क़िले’

## ता'अर्रुफ़:

“गढ़” यह वह जगह है जो दुश्मनों की फ़ौज के हमले में महफ़ूज़ होता है और आसानी से हिफ़ाज़त की जा सकती है। लफ़्ज़ "गढ़वाले" एक शहर या दूसरी जगह का बयान करता है जिसे हमले से महफ़ूज़ बनाया गया है।

- अक्सर, क़िले’ और क़िले’की महफ़ूज़ दीवारें इन्सान के ज़रिए' बनाई गईं थीं। वह आम तौर से महफ़ूज़ करने के साथ भी हो सकते थे जैसे चट्टानी चट्टान या ऊँचे पहाड़ों ।
- लोगों ने मोटी दीवारों या दूसरे ढाँचे को ता'मीर कर के बनाए क़िले’- वह क़िले’, जिससे दुश्मन के ज़रिए' से तोड़ना मुश्किल हो गया।
- “क़िले’” या “मजबूत क़िले’” का तर्जुमा हो सकता है “मज़बूत हिफ़ाज़ती जगह ” या “हिफ़ाज़त के लिए मज़बूत जगह ”।
- लफ़्ज़ लफ़्ज़ "गढ़वाले शहर" का तर्जुमा " महफ़ूज़ शक्ल से महफ़ूज़ शहर" या "मज़बूत बनाया हुआ शहर" की शक्ल में भी किया जा सकता है।

यह लफ़्ज़ को 'अलामती शक्ल में ख़ुदा के लिए भी काम में लिया गया हैं, ख़ुदा उसमें ईमान करनेवालों के लिए पनाहगाह या क़िला' है। (देखें: मिसाल)

- लफ़्ज़ "क़िले" के लिए एक और 'अलामती मतलब जिसका मतलब है कि किसी को ग़लत हिफ़ाज़त के लिए भरोसा किया गया, जैसे कि एक झूठे मा'बूद या दूसरी चीज जो कि यहोवा के 'अलावह 'इबादत की गई थी । इसे "झूठे क़िले " की शक्ल में भी तर्जुमा किया जा सकता है।
- इस लफ़्ज़ को "पनाह" से अलग तरह का तर्जुमा किया जाना चाहिए, जो कि मज़बूत होने की मुक़ाबले से ज़्यादा हिफ़ाज़त पर ज़ोर देती है।

(यह भी देखें:झूठे मा’बूद , बुत , पनाह, यहोवा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 कुरिन्थियों 10:3-4
- 2 सलातीन 08:10-12
- 2 शमूएल 05:8-10
- रसूलों के 'आमाल 21:34-36
- हबक़क़ूक़ 01:10-11

## शब्दकोश:

- Strong's: H490, H553, H759, H1001, H1002, H1003, H1219, H1225, H2388, H4013, H4026, H4581, H4526, H4679, H4685, H4686, H4692, H4693, H4694, H4869, H5794, H5797, H5800, H6438, H6696, H6877, H7682, G3794, G3925

# घंटे, घंटा

## ता'अर्रुफ़:

“वक़्त ” किताब-ए-मुक़द्दस में हमेशा इस्ते'माल किया जाता है ये बताता है कि मखसूस वाक़ि'या कहाँ से हुआ है । इसका 'अलामती इस्ते'माल “वक़्त” या “लम्हे ” के लिए भी किया जाता है।

- यहूदी दिन को सूरज निकलने से गिनते थे। (तक़रीबन सुबह 6 बजे) मिसाल के तौर पर, "नवें घंटे" का मतलब है कि" दुपहर में (तक़रीबन तीन बजे)
- रात का वक़्त गुरूब आफ़ताब (तक़रीबन 6 बजे) शाम की शुरू'आत से शुमार होती है मिसाल के तौर पर “रात के तीसरे घंटे” का मतलब हमारे मौजूदा दिन के निज़ाम में "रात में नौ बजे के तक़रीबन"।
- किताब-ए-मुक़द्दस में वक़्त के बारे में मौजूदा वक़्त के निज़ाम के मुताबिक़ नहीं होंगे, इसलिए "तक़रीबन नौ" या "तक़रीबन छः बजे" जैसे जुमलों का इस्ते'माल किया जा सकता है।
- कुछ तर्जुमों में ऐसे जुमले काम में लिए गए हैं जैसे “शाम का वक़्त ” या “सुबह के वक़्त ” या “दोपहर के वक़्त ” कि दिन के वक़्त को तें किया जाए।
- “उस घड़ी में” का तर्जुमा हो सकता है, “उस वक़्त ” या “उस लम्हे ”
- 'ईसा के बारे में “घड़ी आ पहुंची है” का तर्जुमा हो सकता है, “उसका वक़्त आ गया है कि” या “उसका मुक़र्रर वक़्त आ चूका है”।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- Acts 02:14-15
- John 04:51-52
- Luke 23:44-45
- मत्ती 20:3-4

## शब्दकोश:

- Strong's: H8160, G5610

# घड़ी, घंटे

## ता’अर्रुफ़:

किसी बात को होने के वक़्त या ‘अरसा के बारे में “घड़ी” लफ़्ज़ के कई ‘अलामती इस्ते’माल हैं।

- कभी-कभी “घड़ी” का हवाला किसी काम को करने का मुसलसल मुक़र्रर वक़्त होता है जैसे “दु’आ का वक़्त”
- जब मज़मून में लिखा होता है, “वह घड़ी आ पहुंची है” जब ‘ईसा दु:ख उठाएगा और मारा जाएगा तो इसका मतलब है, इस बात के होने के लिए ख़ुदा के ज़रिए’ बहुत पहले ही मुक़र्रर किया गया वक़्त|
- “घड़ी” लफ़्ज़ का मतलब यह भी हो सकता है, “उस लम्हा” या “उसी वक़्त”
- जब "घंटे" की बात की जाए तो इसका मतलब है, जल्दी ही सूरज ग़ुरूब होने वाला है।

## तर्जुमे की सलाह:

- जब ‘अलामती इस्ते’माल में, लफ़्ज़ “घड़ी” का तर्जुमा “वक़्त” या “लम्हा” या “मुक़र्रर वक़्त”
- “उस घड़ी में” या “उसी वक़्त” का तर्जुमा हो सकता है, “उस वक़्त” या “उस लम्हा” या "फ़ौरन" या "ठीक उसी वक़्त"
- इज़हार "वक़्त बहुत देर हो चुकी थी" का तर्जुमा "यह दिन में देर हो गई" या "यह जल्द ही अंधेरा हो जाएगा" या "यह देर दोपहर था" के रूप में तर्जुमा किया जा सकता है।

(यह भी देखें: घड़ी)

## किताब-इ-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 15:29-30
- रसूलों के ‘आमाल 10:30-33
- मरकुस 14:35-36

## शब्दकोश:

- Strong's: H8160, G5610

## घमण्ड

### ता’अरुफ़:

“ग़ुरूर” (फ़ख़्र) लफ़्ज़ का मतलब है मग़रूर या घमण्डी “मग़रूर” ऐसा इन्सान से है जो अपने आपको बहुत बड़ा समझता है।

- अक्सर यह लफ़्ज़ ऐसे इन्सान के घमण्ड को ज़ाहिर करता है जो ख़ुदा के ख़िलाफ़ गुनाह करने से नहीं रूकता है।
- अक्सर वह इन्सान जो अपने आप अपने बारे में बड़ी-बड़ी बातें करता है
- मग़रूर इन्सान दानिशमन्द नहीं बेवक़ूफ़ है।
- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा “फ़ख़्र”, या “घमण्डी” या “ख़ुदग़र्ज़” किया जा सकता है।
- ‘अलामती इज़हार “घमण्डी आंखें” इस जुमले का तर्जुमा हो सकता है, “घमण्ड से भरी नज़र” या “दूसरों को अपने आप से छोटा समझना” या “दूसरों को नीचा समझने वाला घमण्डी इन्सान”।

(यह भी देखें: ख़ुद की बड़ाई, घमण्ड)

### किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तीमुथियुस 03:1-4
- यसा’याह 02:17-19
- अम्साल 16:17-18
- अम्साल 21:23-24
- ज़ुबूर 131:1

### शब्दकोश:

- Strong's: H1361, H1363, H1364, H3093, H4791, H7312

# घमण्ड, घमण्ड से, फ़ख़्र, ग़ुरूर से भरा

## ता’अर्रुफ़:

“घमण्ड” और “ग़ुरूर से भरा” लफ़्ज़ उस इन्सान के बारे में हैं जो अपने आपको बहुत बड़ा समझता है और ख़ास करके सोचता है कि वह औरों से कहीं ज़्यादा अच्छा है।

- घमण्डी इन्सान हमेशा अपनी गलतियां क़ुबूल नहीं करता है। वह हलीम इन्सान नहीं है।
- घमण्ड और बातों में ख़ुदा की नाफ़रमानी की तरफ़ ले जाता है।
- “घमण्ड” और “फ़ख़्र ” को सरीही मतलब में भी काम में लिया जाता है जैसे किसी की कामयाबी पर घमण्ड करना या बच्चों पर घमण्ड करना। “अपने काम पर घमण्ड करना” इस कलाम का मतलब है अपना काम करने में ख़ुशी को महसूस करना।
- कोई घमण्ड से भरे बिना अपने काम पर घमण्ड कर सकता है। कुछ ज़बानों में “घमण्ड” के इन दोनों लफ़्ज़ों के मतलब अलग-अलग लफ़्ज़ों में ज़ाहिर किए जा सकते हैं।
- “घमण्ड से भर जाना” हमेशा हर्फ़े नफ़ी होता है या’नी “ग़ुरूर ” या “तकब्बुर ” या “अपने आपको बहुत बड़ा समझने वाला”।

## तर्जुमे के लिए सलाह:

- इसम "घमंड" का तर्जुमा "तकब्बुर " या "ग़ुरूर " या "ख़ुद –‘वक़ार " की शक्ल में किया जा सकता है।
- और बयानों में, "घमंड" का तर्जुमा "ख़ुशी" या "सब्र " या "ख़ुश " की शक्ल में किया जा सकता है।
- 'पर फ़ख़्र करने के लिए' का तर्जुमा "के साथ खुश" या "मुतमईन " या " (कामयाबी की) " की शक्ल में किया जा सकता है।
- “अपने काम पर घमण्ड कर” इस जुमले का मतलब है अपना काम करने में ख़ुशी को महसूस करना करना।
- "यहोवा पर फ़ख़्र करने" का मतलब भी तर्जुमा किया जा सकता है, "यहोवा ने जो कुछ हैरत अन्गेज़ काम किया है, उसके बारे में ख़ुश होना" या "खुश होना कि यहोवा कितना हैरान कुन है।"

(यह भी देखें: तकब्बुर,हलीम,ख़ुश )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तीमुथियुस 03:6-7
- 2 कुरिन्थियों 01:12-14
- गलातियों 06:3-5
- यसायाह 13:19-20
- लूक़ा 01:50-51

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल :

- **04:02** उन्हें बहुत **घमंड** था, और ख़ुदा ने जो कहा था उन्होंने उसकी परवाह नहीं की |
- **34:10** ‘ईसा ने कहा, “मैं तुम से सच कहता हूँ कि, ख़ुदा ने चुंगी लेनेवाले की दुआ’ सुनी और उसे रास्तबाज़ मुक़र्रर कर दिया | लेकिन उसे रास्तबाज़ रहबर की दुआ’ पसंद नहीं आई। “जो कोई अपने आप को बड़ा बनाएगा, वह(ख़ुद) छोटा किया जाएगा, और जो अपने आप को छोटा बनाएगा, वह बड़ा किया जाएगा |”

## शब्दकोश:

- Strong's: H1341, H1343, H1344, H1346, H1347, H1348, H1349, H1361, H1362, H1363, H1364, H1396, H1466, H1467, H1984, H2086, H2087, H2102, H2103, H2121, H3093, H3238, H3513, H4062, H1431, H4791, H5965, H7293, H7295, H7312, H7342, H7311, H7407, H7830, H8597, G212, G1391, G1392, G2744, G2745, G2746, G3173, G5187, G5229, G5243, G5244, G5308, G5309, G5426, G5450

# घर, घरों, छत के ऊपर, छतों, ज़खीरा, ज़खीरों, घर के निगहबान

## ता'अर्रुफ़:

"घर" लफ़्ज़ का इस्ते'माल किताब-ए-मुक़द्दस में 'अलामती तौर से किया जाता है।

कभी-कभी इसका मतलब "घरेलू" से है या'नी एक ही घर में रहने वाले सब फ़र्द।

- "घर" अक्सर किसी की नसलों या दीगर रिश्तेदारों के बारे में आता है। मिसाल के तौर पर, "दाऊद का घराना" या'नी बादशाह दाऊद की सब नसलें|
- लफ़्ज़ "ख़ुदा का घर" और "यहोवा का घर" मतलब तम्बू या हैकल| ये इज़हार का अक्सर मतलब यह होता है कि ख़ुदा की हाज़िरी का मक़ाम या उसके रहने का मक़ाम
- इब्रानियों बाब 3 में, "ख़ुदा के घर" एक मिसाल की तरह काम में लिया गया है जो ख़ुदा के लोगों के बारे में है या ज़्यादा 'आम ख़याल में, ख़ुदा से मुता'अल्लिक़ सब चीज़ों के बारे में है।
- जुमले "इस्राईल का घराना" उमूमन पूरी इस्राएली क़ौम के बारे में काम में लिया गया है या ख़ास तौर से उत्तरी सल्तनत के इस्राईल के क़बीलों के लिए है।

## तर्जुमे की सलाह:

- मज़मून पर मुनहस्सिर, "घर" लफ़्ज़ का तर्जुमा , "ख़ानदान" या "लोग" या "घरेलू" या "नसल" या "हैकल" या "रहने का मक़ाम"हो सकता है।
- "दाऊद का घराना", इस जुमले का तर्जुमा हो सकता है, "दाऊद का कुल" या "दाऊद का ख़ानदान" या "दाऊद की नसल"। मुता'अल्लिक़ इज़हारों का तर्जुमा भी इसी बुनियाद पर किया जा सकता है।
- "इस्राईल का घराना" इस जुमले के तर्जुमा के मुख़्तलिफ़ तरीक़े हो सकते हैं, "इस्राईल की क़ौम" या "इस्राईल की नसल" या "इस्राईली"
- जुमला "यहोवा का घर" इसका तर्जुमा हो सकता है, "यहोवा का हैकल" या "यहोवा की 'इबादत का मक़ाम" या "जहां यहोवा अपने लोगों के साथ मिलते है" या "यहोवा का रहने का मक़ाम"।
- "ख़ुदा का घर" इसका तर्जुमा भी ऐसे ही किया जाए।

(यह भी देखें: दाऊद, नसल, ख़ुदा का घर, घराना, इस्राईल की बादशाही, ख़ेमा, हैकल, यहोवा)

## किताब-इ-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 07:41-42
- रसूलों के 'आमाल 07:47-50
- पैदाइश 39:3-4
- पैदाइश 41:39-41
- लूक़ा 08:38-39
- मत्ती. 10:5-7
- मत्ती 15:24-26

## शब्दकोश:

- Strong's: H1004, H1005, G3609, G3613, G3614, G3624

# घुड़सवार, घुड़सवारों

## ता’अर्रुफ़:

किताब-ए-मुक़द्दस के ज़माने में “सवारों” का मतलब था जंग में घोड़े की सवारी करनेवाला।

- रथों पर सवारी करनेवाले फ़ौजियों को भी “घुड़सवार” कहते थे। जबकि घुड़सवार हक़ीक़त में घोड़े की सवारी करनेवाला होता है।
- इस्राईलियों का मानना था कि जंग में घोड़े काम में लेना यहोवा के मुक़ाबले अपनी ताक़त पर ज़्यादा भरोसा रखना था, लिहाज़ा, वे ज़्यादा घुड़सवारों को नहीं रखते थे।
- इसका तर्जुमा “घोड़े के सवार” या “घोड़े पर सवार इन्सान” हो सकता है।

(यह भी देखें: रथ, घोड़ा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 01:5-6
- दानिएल 11:40-41
- ख़ुरूज 14:23-25
- पैदाइश 50:7-9

## शब्दकोश:

- Strong's: H6571, H7395, G2460

# घोड़ा, घोड़े, जंग का घोडा, जंग के घोड़ों, सवार होकर

## ता’अर्रुफ़:

किताब-ए-मुक़द्दस के ज़माने में घोड़ा एक चौपाया, खेती और सवारी में काम में लिया जाता था।

- कुछ घोड़े गाड़ी और रथ खींचने के लिए भी काम में लिए जाते थे, उन पर सवारी भी की जाती थी।
- घोड़ों को लगाम लगाई जाती थी कि मर्ज़ी के मुताबिक़ चलाया जाए।
- किताब-ए-मुक़द्दस के ज़माने में, घोड़े एक क़ीमती दौलत थे, उन्हें जानवर दौलत माना जाता था क्योंकि वे जंग में काम आते थे। मिसाल के तौरपर, सुलैमान की शान का एक हिस्सा हजारों घोड़ें और रथ थे।
- घोड़े जैसे चौपाए गधे और खच्चर भी होते हैं।

(यह भी देखें: रथ, , गधा, सुलैमान)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 18:3-4
- 2 सलातीन 02:11-12
- ख़ुरूज 14:23-25
- हिज़क़ीएल 23:5-7
- जकरियाह 06:7-8

## शब्दकोश:

- Strong's: H47, H5483, H5484, H6571, H7409, G2462

# चरवाहे, चरवाहा, चरवाया , चरवाही

## ता’अर्रुफ़:

चरवाहा भेड़ों की निगरानी करता है “चरवाहा ” या'नी भेड़ों की हिफ़ाज़त करना और उनके लिए खाना-पानी का इन्तिज़ाम करना। चरवाहे भेड़ों की निगरानी करते हैं और उन्हें अच्छे खाने और पानी के पास ले जाते हैं। चरवाहे भेड़ों को भटकने से और जंगली जानवरों से भी बचाते हैं।

- कलाम में इस लफ़्ज़ का मक़सदी इस्ते'माल भी किया गया है जो लोगों की रूहानी ज़रूरतों के ख़बर लेने के बार में है। या'नी उन्हें कलाम से ख़ुदा की बातों की त'लीम देना और जिस रास्ते में उन्हें चलना है उसमें उनकी रहनुमाई करना।
- पुराने 'अहद नामे में ख़ुदा को “चरवाहा” कहा गया है क्यूँकि वह अपने लोगों की सब ज़रूरतों को पूरा करता है और उनकी हिफ़ाज़त करता है। वह उनकी रहुमाई करता है और उनको रास्ता दिखाता है। (देखें: मिसाल)
- मूसा इस्राईलियों का चरवाहा था क्यूँकि उसने यहोवा की रूहानी तौर पर 'इबादत की और जिस्मानी तौर से उनकी रहुमाई की और कन'आन के सफ़र में उनको रास्ता दिखाया ।
- नए 'अहद नामे में 'ईसा अपने आपको को “अच्छा चरवाहा” कहता है। पौलुस रसूल उसे कलीसिया का “हाकिम चरवाहा” कहता है।
- नए 'अहद नामे में “चरवाहा” लफ़्ज़ उस शख़्स के बारे में भी बताता है जो ईमानदारों का रूहानी रहनुमा है। "पासबान" की शक्ल में तर्जुमे का लफ़्ज़ एक ही है जिसका तर्जुमा "चरवाहा" है। बुज़ुर्ग और निगराँ भी चरवाहे कहलाते थे।

## तर्जुमा की सलाह

- लफ़्ज़ी तौर में “चरवाहा” लफ़्ज़ का तर्जुमा “भेड़ों की रखवाली करना” या “भेड़ों की निगरानी” करना है।

“चरवाहे” लफ़्ज़ का तर्जुमा “भेड़ों की रखवाली करनेवाला” या “भेड़ों की रहनुमाई ” या “भेड़ों की ख़बर लेने वाला”।

- मिसाल के तौर पर इस्ते'माल करने में इसके मतलब अलग-अलग होते हैं, “रूहानी चरवाहा” या “रूहानी रहनुमा” या “चरवाहे की तरह” या “भेड़ों की रखवाली करने वाले चरवाहे के जैसा अपने लोगों की ख़बर लेनेवाला” या “चरवाहा जैसे अपनी भेड़ों की रहनुमाई करता है वैसे अपने लोगों की रहनुमाई करनेवाला” या “ख़ुदा की भेड़ों की ख़बर लेनेवाला”।
- इस बारे में “चरवाहे” का तर्जुमा “रहनुमा” या “रास्ता दिखने वाला” या “ख़बर लेनेवाला” हो सकता है।
- "चरवाहा" के रूहानी जुमले का तर्जुमा "देखभाल करने के लिए" या "रूहानी शक्ल से देखभाल करने" या "रास्ता दिखाने और सिखाने" या " रहनुमाई करने और देखभाल करने के लिए" (जैसे चरवाहा भेड़ों का ख़्याल रखता है) की शक्ल में तर्जुमा किया जा सकता है।
- ‘अलामती शक्ल में, इस लफ़्ज़ के तर्जुमे में "चरवाहा" के लिए लफ़्ज़ी जुमले का इस्ते'माल करना या इसमें शामिल करना सबसे अच्छा है।

(यह भी देखें: ईमान, कन'आन, ‘इबादतखाना, मूसा, रहनुमा, भेड़, रूह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 49:24
- लूक़ा 02:8-9
- मरकुश 06:33-34
- मरकुस 14:26-27
- मत्ती 02:4-6
- मत्ती. 09:35-36
- मत्ती. 25:31-33
- मत्ती. 26:30-32

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **09:11**_ मूसा मिस्र से बहुत दूर जंगल में एक **चरवाहा** बन गया.
- **17:02** दाऊद बेतेलहम के शहर से एक चरवाहा था। अलग-अलग वक़्त में जब वह अपने बाप के **भेड़** देख रहा था, तब दाऊद ने शेर और एक भालू दोनों को मार दिया था जिसने **भेड़** पर हमला किया था।
- **23:06** उस रात, वहाँ कुछ _ चरवाहे _ पास के एक 'इलाक़े में उनके झुंड की हिफ़ाज़त करते थे।
- **23:08** चरवाहे __ जल्द ही उस जगह पर पहुंचे जहाँ 'ईसा था और उन्होंने उसे लेटे हुआ पाया, जैसा फ़रिश्ते ने उन्हें बताया था।

- **30:03** ‘ईसा के लिए, यह लोग किसी चरवाहे के बिना **भेड़** की तरह थे।

## शब्दकोश:

- Strong's: H6629, H7462, H7469, H7473, G750, G4165, G4166

# चराग़, चराग़ों

## ता’अरुफ़:

“चराग़” लफ़्ज़ रोशनी पैदा करने का ज़रिया’ होता है। किताब-ए-मुक़द्दस में जिन चराग़ों का ज़िक्र किया गया है वे तेल से जलते थे,

वह एक छोटी कटोरी होती थी जिसमें तेल डालकर जलाया जाता था कि रोशनी हो।

- ‘आमतौर पर चराग़ मिट्टी का बनता था जिसमें ज़ैतून का तेल भरा जाता था, उसमें एक बत्ती रखकर जलाई जाती थी।
- कुछ चराग़ अण्डानुमा होते थे जिनकी एक शिरा दबा होता था जहां बत्ती रखी जाती थी।
- एक तेल की चराग़ को लेकर चला जा सकता है या तो एक ऊँचे मक़ाम पर रखा जा सकता है ताकि इसकी रोशनी एक कमरे या घर को रोशन कर सके।
- कलाम में, चराग़ ‘अलामती तौर पर ज़िन्दगी और नूर की ‘अलामत है।

(यह भी देखें: चराग़दान, ज़िन्दगी, रोशनी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 11:34-36
- ख़ुरूज 25:3-7
- लूक़ा 08:16-18
- मत्ती 05:15-16
- मत्ती 06:22-24
- मत्ती 25:1-4

## शब्दकोश:

- Strong's: H3940, H3974, H4501, H5215, H5216, G2985, G3088

# चराग़दान, चराग़दानों

## ता'अर्रुफ़:

किताब-ए-मुक़द्दस में, "चराग़दान" लफ़्ज़ उस बनावट का हवाला होता है जिस पर चराग़दान रखा जाता था कि कमरे में रोशनी फैले।

- एक 'आम चराग़दान मिट्टी, लकड़ी या धातु का बना होता था (धातु जैसे तांबा, चांदी या सोना)
- यरूशलीम की हैकल में एक ख़ास चाराग़दान था जिसमें सात चराग़ों के लिए सात शाखाएं थी और वह सोने का था।

## तर्जुमा की सलाह

- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा "चराग़ की बुनियाद में" या "चराग़ रखने का ढाँचा" या "चराग़ रोकने वाला" किया जा सकता है।
- हैकल के चराग़दान, का तर्जुमा "सात चराग़ों का चराग़दान" या "सात चराग़ों की सोने की चौकी" किया जा सकता है।
- तर्जुमा के साथ चराग़दान की तस्वीर और किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में सात शाख़ाओं का चराग़दान की तस्वीर देना मददगार होगा।

(यह भी देखें: पीतल, सोना, चराग़, रोशनी, चाँदी, हैकल)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- दानिएल 05:5-6
- ख़ुरूज 37:17-19
- मरकुस 04:21-23
- मत्ती 05:15-16
- मुकाशिफ़ा 01:12-13
- मुकाशिफ़ा 01:19-20

## शब्दकोश:

- Strong's: H4501, G3087

# चलना, चलता, चले, चलता

## ता'अर्रुफ़:

तम्सीली शक्ल में “चलने का" इस्ते'माल "आदत " का इल्म करवाता है।

- "हनूक ख़ुदा के साथ चलता था" या'नी वह ख़ुदा के साथ गहरे रिश्ते में था।
- “पाक -रूह के साथ चलना” या'नी पाक रूह की रहनुमाई में चलना कि ख़ुदा को ख़ुश करनेवाले और उसे इज़्ज़त पहुंचाने वाले काम करें।
- ख़ुदा के हुक्मों में या ख़ुदा की राहों में चलना या'नी उसके हुक्मों को मान कर ज़िन्दगी जीना या'नी उसके “हुक्मों को मानना” या “उसकी मर्ज़ी पूरी करना।”
- ख़ुदा कहता है कि वह “अपने लोगों के बीच सुकूनत करेगा” या उनके साथ “अच्छा बर्ताव ” करेगा।
- “उल्टी चाल चलना” का मतलब ऐसी ज़िन्दगी की आदत रखना जो किसी के ख़िलाफ़ हो।
- “पीछे चलना” या'नी किसी का पीछा करना। * इसका मतलब फ़र्माबर्दारी करना भी होता है।

## तर्जुमे के लिए सलाह:

- “जब तक “चलना” का सही मतलब समझ में आए तब तक इसे वैसा का वैसा रखना ही सही है।
- “चलना” के तम्सीली इस्ते'मालों का तर्जुमा हो सकता है “ज़िन्दगी जीना” या “बर्ताव करना” या “काम करना।”
- “रूह के मुताबिक़ चलना” का तर्जुमा हो सकता है, “पाक -रूह की फ़र्माबर्दारी में जीना।” या “पाक -रूह को ख़ुश करनेवाली ज़िन्दगी जीना” या “पाक रूह की रहनुमाई में ख़ुदा के लिए क़ाबिल-ए-क़ुबूल काम करना”।
- “ख़ुदा के हुक्मों पर चलना” का तर्जुमा हो सकता है, “ख़ुदा के हुक्मों को मानने में जीना” या “खुदा के हुक्मों को मानना”।
- “ख़ुदा के साथ चलता था” इसका तर्जुमा हो सकता है, “ख़ुदा के हुक्मों को मानकर और उसकी इज़्ज़त करके ख़ुदा के साथ क़रीबी रिश्ते की ज़िन्दगी जीना”।

(यह भी देखें: पाक रूह , इज़्ज़त )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 यूहन्ना 01:5-7
- 1 सलातीन 02:1-4
- कुलुस्सियों 02:6-7
- गलातियों 05:25-26
- पैदाइश 17:1-2
- यसा'याह 02:5-6
- यरमियाह 13:8-11
- मीकाह 04:2-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H1869, H1979, H1980, H1981, H3212, H4108, H4109, G1330, G1704, G3716, G4043, G4198, G4748

# चाँदी

## ता’अर्रुफ़:

चाँदी एक चमकीली सफ़ेद रंग की धातु होती है जिससे सिक्के, ज़ेवर, बर्तन और साज सजावट का सामान बनाया जाता है।

- बर्तनों में चाँदी के बड़े-छोटे कटोरे और खाना पकाने, खाने या निकालने के बर्तन बनते हैं।
- सोना और चाँदी ख़ुदावन्द के घर और हैकल की ता'मीर में भी काम में लिए गए थे। यरूशलीम की हैकल में सब बर्तन चाँदी के थे।
- कलाम के वक़्त में, एक शेकेल वजन का एक इकाई था, और अक्सर एक ख़ालिस चाँदी की शेकेल की क़ीमत पर ख़रीदारी की जाती थी । नए 'अहद नामे के मुताबिक़ शेकेल में नापा जाने वाले अलग अलग वजन के चाँदी के सिक्के थे।
- यूसुफ़ के भाइयों ने उसे चाँदी के बीस शेकेल (सिक्कों) में ग़ुलाम होने के लिए बेचा था।
- ‘ईसा के पकड़वाने के लिए यहूदा को चाँदी के 30 सिक्के दिए गए थे।

(यह भी देखें: मुलाक़ात का ख़ेमा, हैकल)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 18:9-11
- 1 शमूएल 02:36
- 2 सलातीन 25:13-15
- रसूलों के 'अमाल 03:4-6
- मत्ती. 26:14-16

## शब्दकोश:

- Strong's: H3701, H3702, H7192, G693, G694, G695, G696, G1406

# चालाक , चालाकी

## ता’अर्रुफ़:

लफ़्ज़ "चालाक" एक ऐसे आदमी का बयान करता है जो अक़्लमंद और चालाक है, खासकर सुलूक के मु'आमिलात में।

- इस लफ़्ज़ का मतलब हमेशा मनफ़ी होता है क्यूँकि इसमें ख़ुद गर्ज़ी छिपी होती है।
- चतुर आदमी औरों के बदले ख़ुद का फ़ायदा खोजता है।
- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा “चालाक” या “चतुर” या “होशियार ” या “चालाकी ” हो सकता है जुमलों के मूताबिक़ ।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

## शब्दकोश:

- Strong's: H2450, H6175, G5429

# चिट्ठी, ख़त, ख़ुतूत

ता’अर्रुफ़: ####

ख़त किसी को या किसी क़बीले को भेजा गया तहरीरी पैग़ाम है जो लिखने वाले से बहुत दूर है। एक चिट्ठी एक ख़ास क़िस्म का ख़त होता है जो ज़्यादा ज़ाहिरी अंदाज़ में लिखा होता है जिसका मक़सद ख़ास करके त’लीम देना होता है।

- नये ‘अहदनामे के ज़माने में जानवर की जिल्द से बने चमड़े के थे या पेड़ों की खाल से बने कागज़ों पर लिखे जाते थे।
- नये ‘अहदनामे के ख़त जिन्हें पौलुस, यूसुफ़, या’क़ूब और यहूदाह और पतरस ने लिखे वे हिदायत थे जो पूरी रोमी बादशाही के मुख़्तलिफ़ मक़ामों में ईमानदारों को हौसला देने का पैग़ाम देना और ता’रीफ़ देने के मक़सद से लिखे गए थे।
- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा “तहरीरी पैग़ाम” या “लिखे हुए लफ़्ज़” या “तहरीर” हो सकता है।

(यह भी देखें: हौसला अफ़ज़ाई, हिदायत, ता’लीम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:25-28
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- रसूलों के ‘आमाल 09:1-2
- रसूलों के ‘आमाल 28:21-22

## शब्दकोश:

- Strong's: H104, H107, H3791, H4385, H5406, H5407, H5612, H6600, G1121, G1989, G1992

# चीता, चीतों

## सच्चाई:

चीता, बिल्ली जैसा एक बड़ा जानवर है जिसका रंग भूरा होता है और उस पर काले धब्बे होते हैं।

- चीता और जानवरों को मार कर खाता है।
- किताब-ए-मुक़द्दस में अचानक के वाक़े’आत की मिसाल चीते से दी जाती है क्योंकि चीता अपने शिकार पर अचानक हमला करता है।
- नबी दानिएल और रसूल युहन्ना ने मिकाशिफ़े में चीते जैसा एक जानवर देखा था।

(यह भी देखें: नामा’लूम का तर्जुमा किसे करें

( तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: वहशी जानवर, दानिएल, शिकार, ख़्वाब)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- दानिएल 07:6-7
- होशे’अ 13:7-8
- मुकाशिफ़ा 13:1-2
- ग़ज़ल-उल-ग़ज़लात 04:8

## शब्दकोश:

- Strong's: H5245, H5246

# चोगा, लिबास, मुलब्बस

## ता'अर्रुफ़:

चोगा लम्बी बांह का बाहरी लिबास था जिसे 'औरत और मर्द दोनों पहनते थे। यह दिखने में कोट के जैसा होता है।

- लिबास सामने खुलते हैं और एक कमरबंद या बेल्ट के साथ बाँधा जाता है।
- उनकी लम्बाई बड़ी या छोटी होती है।
- बैंगनी रंग का लिबास बादशाह पहनते थे जो तख़्त, शान और 'इज़्ज़त की 'अलामत था।

(यह भी देखें: शाही, चोगा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के के बारे में:

- निर्गमन 28:4-5
- पैदाइश 49:11-12
- लूक़ा 15:22-24
- लूक़ा 20:45-47
- मत्ती. 27:27-29

## शब्दकोश:

- Strong's: H145, H155, H899, H1545, H2436, H2684, H3671, H3801, H3830, H3847, H4060, H4254, H4598, H5497, H5622, H6614, H7640, H7757, H7897, H8071, G1746, G2066, G2067, G2440, G4749, G4016, G5511

# चोर, चोर, लूटने, लूटने, लूटने, डाकू, लुटेरे, डकैती, लूट

## सच्चाई:

“चोर” या “लुटेरा” वह इन्सान है जो आदमियों का पैसा या सामान चुराता है। "चोर" का जमा’ है "चोरों।" लफ़्ज़ "डाकू" अक्सर एक चोर को ज़ाहिर करता है जो जिस्मानी तौर से उन लोगों को नुक़सान पहुँचाता या धमकाता है जिससे वह चोरी करता हैं।

- ‘ईसा ने एक सामरी की तमसील सुनाया, जिसने एक यहूदी शख़्स का ख़्याल रखा जिस पर लुटेरों ने हमला किया था। लुटेरों ने यहूदी आदमी को पीटा और उसके पैसे और कपड़े चोरी करने से पहले उसे घायल कर दिया था।
- चोर और लुटेरों दोनों चोरी करने अचानक ही आते है, जब लोग इसकी उम्मीद नहीं करते। वे अक्सर अँधेरे में काम करते हैं कि छिपे रहें।
- नये ‘अहद नामे में शैतान को तमसीली शक्ल में एक चोर कहा गया है जो चोरी करने, क़त्ल करने और हलाक करने आता है। इसका मतलब है कि शैतान का मंसूबा है कि ख़ुदा के लोगों को बहका कर उसका हुक्म मानने से रोके। अगर शैतान ऐसा करने में क़ामयाब हुआ तो लोगों से अच्छी चीजें चोरी कर लेगा जो ख़ुदा ने उनके लिए मंसूबा बनाया है।
- ‘ईसा ने अपने फिर से आने की बराबरी चोर से किया जो अचानक लोगों से चोरी करने आता है। जैसे चोर ऐसे वक़्त में आता है जब इन्सान उसके इन्तिज़ार में नहीं रहता है वैसे ही ‘ईसा भी अचानक ही आ जाएगा जब इन्सान उसके वापस आने के लिए तैयार न हो।

(यह भी देखें: बरकत , जुर्म , सलीब पर चढ़ाई, अँधेरा , बर्बाद करने वाला , क़ुदरत , सामरिया, शैतान)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 पतरस 03:10
- लूका 12:33-34
- मरकुस 14:47-50
- अमसाल 06:30-31
- मुक़ाश्फ़ा 03:3-4

## शब्दकोश:

- Strong's: H1214, H1215, H1416, H1589, H1590, H1980, H6530, H6782, H7703, G727, G1888, G2417, G2812, G3027

# चौकस, ताकता, देखा, देख रहा था, चौकीदार , पहरुओं, होशियार रहो

## ता’अरुफ़:

“चौकस” किसी चीज़ को ध्यान से देखना या किसी चीज़ पर नज़दीकी से और बहुत होशियारी से ध्यान देना। इसके बहुत से लफ़्ज़ी मतलब भी हैं। एक "चौकीदार" ऐसा कोई था जिसका काम ध्यान से शहर को चारों तरफ से देखना कि किसी भी खतरे या धमकी से शहर के लोगों की हिफ़ाज़त करे।

- अपनी ज़िन्दगी और खरी ता’लीम की “चौकसी” करने का हुक्म का मतलब है अक़्लमंदी से ज़िन्दगी जीना और झूठी ता’लीमों पर यक़ीन नहीं करना।
- “होशियार रहो” या’नी मुसीबत से बचने और नुक़सानदेह असर के लिए चौकस रहने की हिदायत दी|

“जागते रहो” या “चौकस रहो” का मतलब है हमेशा होशियार रहना और होशियार रहना कि गुनाह में और बुराई में न पड़ें। इसका मतलब “तैयार रहना” भी है।

- “पहरा देना” या “चौकसी करना” या’नी किसी जानदार या किसी चीज़ की हिफ़ाज़त करना, निगाह रखना या निगहबानी करना।
- तर्जुमे की और शक्ल “ध्यान देना” या “मेहनती होना” या “बहुत जयादा होशियार रहना” या “चौकस रहना”।
- "चौकीदार " के लिए और लफ़्ज़"पहरेदार" या "निगहबान " हैं।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:4-7
- इब्रानियों 13:15-17
- यरमियाह 31:4-6
- मरकुस 08:14-15
- मरकुस 13:33-34
- मत्ती 25:10-13

## शब्दकोश:

- Strong's: H821, H2370, H4929, H4931, H5027, H5341, H5894, H6486, H6822, H6836, H6974, H7462, H7789, H7919, H8104, H8108, H8245, G69, G70, G991, G1127, G1492, G2334, G2892, G3525, G3708, G3906, G4337, G4648, G5083, G5438

# चौखट

## ता'रीफ़:

"चौखट" दरवाज़े के ऊपर का सीधा खड़ा भाग है, जो दरवाज़े को मज़बूती देता है।

- इससे पहले जब ख़ुदा इस्राईलियों को मिस्र से निकालने वाला था तब उसने उन्हें हिदायत दी कि वे एक मेम्ने को ज़बह करके उसका ख़ून चौखट पर लगाएं।
- पुराने 'अहदनामे में, एक ग़ुलाम जो अपने मालिक की ख़िदमत करना चाहता था उसकी बाक़ी ज़िन्दगी में उसका कान उसके मालिक के दरवाज़े की चौखट में कील से छेद दिया जाता था|
- इसका तर्जुमा इस तरह भी किया जा सकता है, "दरवाज़े के दोनों पहलुओं की लकड़ी का खंभा" या "दरवाज़े की लकड़ी की चौखट" या "दरवाज़े के पहलुओं की लकड़ी की शहतीर"।

(यह भी देखें: मिस्र, फ़सह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 06:31-32
- इस्तिसना 11:20-21
- ख़ुरूज 12:5-8
- यसा'याह 57:7-8

## शब्दकोश:

- Strong's: H352, H4201

# छेदना, बेधाता, बेधा, भेदता हुआ

## ता’अर्रुफ़

“छेदना” लफ़्ज़ किसी नुकीले धारवाला हथियार घोंपना। इसका तम्सीली इस्तेमाल किसी को गहरा दिमाग़ी चोट पहुंचाने के लिए भी किया जाता है।

- जब ‘ईसा सलीब पर लटका हुआ था तब एक सिपाही ने उसकी पसलियों पर छेदा था।
- कलाम के ज़माने में जब ग़ुलाम को आज़ाद कर दिया जाता था तब वह अपने मालिक की ख़िदमत करने का अपनी मर्ज़ी से फ़ैसला लेता था तब उसका कान छेदा जाता था जो उसकी मर्ज़ी की ख़िदमत का निशान था।
- शम’ऊन ने जब मरियम से कहा था कि एक तलवार उसका कलेजा छेदेगी तो वह तम्सीली शक्ल में कह रहा था कि बेटा , ‘ईसा के साथ होने वाले बर्ताव की वजह उसे गहरा दुःख होगा।

(यह भी देखें: सलीब, ‘ईसा, ख़ादिम, शम’ऊन

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- अय्यूब 16:13-14
- अय्यूब 20:23-25
- यूहन्ना 19:36-37
- ज़ुबूर 022:16-17

## शब्दकोश:

- Strong's: H935, H1856, H2342, H2490, H2491, H2944, H3738, H4272, H5181, H5344, H5365, H6398, G1330, G1338, G1574, G2660, G3572, G4044, G4138

# छोटा, हलीमी, हिल्म

## ता’अरुफ़:

हलीम और हलीमी का हवाला गरीब या छोटी हालत से है। छोटा होने का मतलब “हलीम” होने से भी है।

- ‘ईसा इन्सानी शक्ल में होने और इन्सानों की ख़िदमत करने तक हलीम बना था।
- उसकी पैदाइश ग़रीबी की हालत में हुई थी क्योंकि वह शाही महल की बजाय गौशाला में हुई थी
- हलीम रवैया घमण्ड का उल्टा है।
- “हलीमी” के तर्जुमें के तरीक़े है “हलीम” या “ग़रीब हालत” या “बे-अहमियत”।
- “ग़रीबी की हालत” का तर्जुमा “हलीमी” या “बहुत कम अहमियत” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: हलीम, घमण्डी)

##:किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में ##

- रसूलों के ‘आमाल 20:17-21
- हिज़क़ीएल17:13-14
- लूक़ा 01:48-49
- रोमियो 12:14-16

## शब्दकोश:

- Strong's: H6041, H6819, H8217, G5011, G5012, G5014

# छोड़ना, छोड़ देना, छोड़ा हुआ, छोड़ना, ख़ारिज

## ता'अर्रुफ़:

"इन्कार करना" का मतलब किसी आदमी या चीज़ को क़ुबूल करने से इन्कार करना।

- "इन्कार" लफ़्ज़ का मतलब यह भी हो सकता है, कि किसी बात में ईमान नहीं करना।
- ख़ुदा को छोड़ने का मतलब है उसके हुक्म मानने से इन्कार करना।
- इस्राईलियों ने मूसा की रहनुमाई को क़ुबूल नहीं किया, इसका मतलब है कि वे उसके इख़्तियार की मुख़ालिफ़त कर रहे थे। वे उसके हुक्म मानना नहीं चाहते थे।
- इस्राईलियों के ज़रिए' बुतपरस्ती करने का मतलब था कि वे ख़ुदा को छोड़ रहे है।
- इस लफ़्ज़ का मूल मतलब है, "धक्का देना"। दीगर ज़बानों में ऐसा ही इज़हार हो सकता है जिसका मतलब किसी चीज़ या इन्सान में ईमान करने का छोड़ देना या इन्कार करना।

## तर्जुमे की सलाह

- मज़मून पर मुनहस्सिर "छोड़ना" का तर्जुमा हो सकता है, "क़ुबूल नहीं करना" या "मदद करना रोक देना" "हुक्म मानने से इन्कार करना" या "हुक्म मानना छोड़ देना"।
- इज़हार में " मिस्रियों ने जिस पत्थर को छोड़ दिया था" या "तर्क कर दिया" या'नी "काम में नहीं लिया" या "क़ुबूल नहीं किया" या "फेंक दिया" या "निकम्मा जानकर काम में नहीं लिया"।
- मज़मून में लोग, जो ख़ुदा के हुक्मों को छोड़ते हैं का तर्जुम "हुक्म मानने से इन्कार करना" या "हठ करके क़ुबूल न करना" की शक्ल में तर्जुमा हो सकता है।

(यह भी देखें: हुक्म, नाफ़रमानी, 'अमल, ज़िद्दी

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- गलातियों 04:12-14
- होशे'अ 04:6-7
- यसा'याह 41:8-9
- युहन्ना 12:48-50
- मरकुस 07:8-10

## शब्दकोश:

- Strong's: H947, H959, H2186, H2310, H3988, H5006, H5034, H5186, H5203, H5307, H5541, H5800, G96, G114, G483, G550, G579, G580, G593, G683, G720, G1609, G3868

# छड़ी , छड़ी

## ता'अर्रुफ़:

छड़ी एक लम्बी लकड़ी होती थी जिसका इस्ते'माल चलने में सहारा लेने के लिए किया जाता था।

या'क़ूब अपनी 'उम्र दराज़ी में चलने के लिए छड़ी का सहारा लेता था। ख़ुदावन्द ने अपनी कुव्वत ज़ाहिर करने के लिए मूसा की छड़ी को सांप बना दिया था। चरवाहे भी छड़ी का इस्ते'माल करके भेड़ों को चलाते थे या वह गिर जाएं या भटक जाएं तो उनका बचाव करते थे। छड़ी के सिरे पर एक कांटा होता था लेकिन वह चरवाहे की लाठी से अलग होती थी क्यूँकि चरवाहे की लाठी सीधी होती थी और भेड़ों पर हमला करने वाले जंगली जानवरों को मारने के लिए काम में ली जाती थी।

(यह भी देखें: फ़िर'औन , क़ूव्वत , भेड़, चरवाहे)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- ख़ुरूज 04:1-3
- ख़ुरूज 07:8-10
- लूक़ा 09:3-4
- मरकुस 06:7-9
- मत्ती. 10:8-10
- मत्ती. 27:27-29

## शब्दकोश:

- Strong's: H4132, H4294, H4731, H4938, H6086, H6418, H7626, G2563, G3586, G4464

# जलावतन, जलावतनों, जलावतन किया

## ता'अरुफ़:

“जलावतन” लफ्ज़ का मतलब है कि इन्सानों को वतन से बाहर कहीं दूर बसाया जाना।

- इन्सान सज़ा के लिए या सियासी वजहों से अपने मुल्क से बाहर किया जाता है।
- शिकस्त पाए मुल्क की क़ौम को, फतह मुल्क जलावतनी के तौर अपने मुल्क को ले जाता ताकि वह उनके लिए काम करें|।
- " किताब-ए-मुक़द्दस "की ता'रीख़ की मुद्दत है जब यहुदाह के बहुत से यहूदी शहरी अपने घरों से निकल कर बाबुल में रहने के लिए मजबूर थे | यह 70 साल तक चली।
- “जलावतनी ” लफ्ज़ उन लोगों के ता'ल्लुक़ में है जिन्हें वतन से दूर रास्ते में रखा जाता है।

## तर्जुमा की सलाह:

- “जलावतनी में ले जाने” का तर्जुमा एक ऐसे लफ्ज़ या ऐसे जुमले के ज़रिए’ किया जा सकता है जिसका मतलब “दूर करना” या “निकालना” या “मुल्क से निकाल देना”।
- “जलावतनी " का वक़्त ” लफ्ज़ का तर्जुमा ऐसे लफ्ज़ या ऐसे जुमले के ज़रिए किया जा सकता है जिसका मतलब , “भेजे गए वक़्त ” या “जलावतन का वक़्त ” या “मजबूर ग़ैर मौजूदगी का वक़्त ” या “बर्तन”।
- “जलावतनी ” के तर्जुमें की तरीक़े हो सकते है, “बे घर लोग” या “वह लोग जिन्हें मुल्क से निकाल दिया गया है” या “बाबुल में बे घर लोग”

(यह भी देखें: बाबुल, यहूदाह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 सलातीन 24:13-14
- दानीएल 02:25-26
- हिज़क़ीएल 01:1-3
- यशायाह 20:3-4
- यरमियाह29:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H1123, H1473, H1540, H1541, H1546, H1547, H3212, H3318, H5080, H6808, H7617, H7622, H8689, G3927

# जादू, जादू टोना, जादूगर, जादूगरों

## ता’अर्रुफ़:

“जादू” लफ़्ज़ एक ऐसी ताक़त का काम है जो ख़ुदा से नहीं आती है। “जादूगर” वह शक़्स है जो जादू करता है।

- मिस्र मुल्क में ख़ुदा ने मूसा के ज़रिए' से जब अजीब काम किए थे तब मिस्र के बादशाह फ़िर'औन के जादूगरों ने भी वैसे ही कुछ जादू किए लेकिन वह ख़ुदा की ताक़त से नहीं थे।
- जादू में मंत्रों का बोलना और जादू-टोना होता है ताकि रूहानी हादसा घटे।
- ख़ुदा ने अपने लोगों को ऐसा जादू-टोना करना मना' किया था।
- जादू-टोना करने वाला एक तरह का जादूगर है जो अक्सर जादू के ज़रिए' दूसरों को नुक़सान पहुचाता है।

(यह भी देखें: जादूगरी, मिस्र, फ़िर'औन, ताक़त, टोना)

## किताब-ए-मुक़द्दस:

- पैदाइश 41:7-8
- पैदाइश 41:22-24
- पैदाइश 44:3-5
- पैदाइश 44:14-15

## शब्दकोश:

- Strong's: H2748, H2749, H3049, G3097

# जादूगर, जादूगर, जादूगर, जादूगर, जादूगर, जादू टोना

## ता'अर्रुफ़:

“जादू-टोना” या “भूत-सिद्धी” का बयान जादू से है जिसमें बदरूह की मदद से ताक़तवर काम किए जाते हैं। एक "जादूगर" ऐसा कोई है जो इन ताक़तवर , जादुई चीज़ों को करता है।

- जादू-टोना और भूत-सिद्धी के ज़रिए' अच्छे और बुरे दोनों काम किए जा सकते हैं जैसे बीमारी से छुटकारा या किसी का नुक़सान । जादू टोना किसी भी तरह का हो ग़लत ही है क्यूँकि इसमें बदरूहों का काम होता है।
- कलाम में जादू टोना को दूसरे किसी भी तरह के बड़े गुनाह जैसा माना गया है(जैसे हरामकारी, बुत परस्ती, और बच्चों की क़ुर्बानी ) ।
- "जादू-टोना" और "भूत-सिद्धी" का तर्जुमा “बदरूह की ताक़त” या “सम्मोहन करना” किया जा सकता है।
- "जादू" का मुमकिन तर्जुमा होगा "जादू करनेवाले" या "सम्मोहन करनेवाले" या "बदरूह की ताक़त से अजीब काम दिखानेवाले"।
- तवज्जह दें कि "जादूगर" का मतलब "नबूव्वत " से अलग है, जो कि रूहानी दुनिया से ता'अल्लुक़ करने की कोशिश करता है।

(यह भी देखें: ज़िना, बदरूह, मुस्तक़बिल की बातें , बुत, जादू, क़ुर्बानी , ‘इबादत)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 08:9-11
- निर्गमन 07:11-13
- गलातियों 05:19-21
- मुक़ाश्फ़ा 09:20-21

## शब्दकोश:

- Strong's: H3784, H3785, H3786, H6049, G3095, G3096, G3097, G5331, G5332, G5333

# जानदार , जानदारों

## ता’अरुफ़:

“जानदार ” का मतलब है ख़ुदा के ज़रिये’बनाये सब मख़लूक़ चाहे इन्सान हो या जानवर |

- हिज़क़ीएल नबी ने ख़ुदा के जलाल के रोया में "ज़िन्दा मख़लूक़ों" का बयान किया है। वह उन्हें पहचानता नहीं था इसलिए उसने उन्हें यह नाम दिया।
- ध्यान दें कि मख़लूक़ का मतलब यहां अलग है क्योंकि ख़ुदा ने सब कुछ बनाया है जानदार और बेजान चीज़े (जैसे ज़मीन , पानी , सितारे)। “जानदार ” लफ़्ज़ का मतलब है केवल जानदार चीज़ें |

## तर्जुमे की सलाह:

- मज़मून के मुताबिक़ “जानदार” “मख़लूक़” या “ज़िन्दा मख़लूक़” या बना जानदार “भी किया जा सकता है |

इस लफ़्ज़ का जमा’ “जानदारों” का तर्जुमा “सभी ज़िन्दा मख़लूक़" या “इन्सान और जानवर ” या "जानवर " या “इन्सान ”|

(यह भी देखें: पैदा करना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- दानीएल 04:10-12
- हिज़क़ीएल 01:7-9
- यशू’अ 10:28
- अह्बार 11:46-47
- मुकाशिफ़ा 19:3-4

## शब्दकोश:

- Strong's: H255, H1320, H1321, H1870, H2119, H2416, H4639, H5315, H5971, H7430, H8318, G2226, G2937, G2938

# जानना, जानता है, जानता था, जानना, ‘इल्म, ‘इल्म होना, पता करना, पता करता है, पता किया, अनजान, पहले से जानना, पहले से ‘इल्म

## ता’अरुफ़:

“जानना” का मतलब किसी बात को समझना या किसी चीज़ का आगाह होना। "पता करना" एक इज़हार है जिसका मतलब है जानकारी देना।

- “’इल्म” लफ़्ज़ उनके बारे में है जो इन्सान जानकारी रखते हैं। इसका मतलब जिस्मानी और रूहानी दुनिया, दोनों की जानकारी हो सकता है।

ख़ुदा के “बारे में जानना” या’नी उसके बारे में चीज़ों को समझना जो उसने हम पर ज़ाहिर किया है।

- ख़ुदा को “जानना” का मतलब है उसके साथ रिश्ता क़ायम करना। यह इन्सानों को जानने के लिए भी काम में लिया जाता है।
- ख़ुदा की मर्ज़ी जानना का मतलब है उसके हुक्मों के लिए होशियार रहना या इन्सान से जो चाहता है उसे समझना।
- “शरी’अत को जानना” का मतलब है ख़ुदा के हुक्मों के लिए होशियार रहना या ख़ुदा ने मूसा को शरी’अत में जो हिदायत दी हैं उन्हें समझना।
- कभी-कभी “’इल्म” “’अक़्ल” के मुवाफ़िक़ लफ़्ज़ के तौर पर काम में लिया जाता है जिसमें ख़ुदा को ख़ुश करनेवाली ज़िन्दगी शामिल है।
- “ख़ुदा का ‘इल्म” को कभी-कभी “यहोवा का डर” का मुवाफ़िक़ लफ़्ज़ के तौर पर काम में लिया जाता है।

## तर्जुमे की सलाह

- मज़मून पर मुनहस्सिर “जानना” के तर्जुमे हो सकते हैं, “समझना” या “जानकार होना” या “होशियार होना” या “जानकार होना” या “के बारे में” में होना।
- कुछ ज़बानों के पास दो अलग-अलग लफ़्ज़ हैं "जानना," एक चीज़ जानने के लिए और दूसरा एक इन्सान को जानने के लिए और उसके साथ रिश्ता होने के लिए।
- लफ़्ज़ “ज़ाहिर करना” का तर्जुमा “इन्सानों को जानने के क़ाबिल बनाना” या “ज़ाहिर करना” या “बारे में बताना” या “ज़िक्र करना” हो सकता है।

“किसी के बारे में बताना” का तर्जुमा “होशियार होना” या “जानकार होना हो सकता है।” “जानना कैसे” का मतलब कुछ करने का तरीक़ा या ढंग समझना। इसका तर्जुमा हो सकता है, “क़ाबिल होना” या “करने में हुनरमन्द होना”।

- “’इल्म” लफ़्ज़ का तर्जुमा “जो पता है” या “अक़्ल” या “समझ” मज़मून पर मुनहस्सिर हो सकता है।

(यह भी देखें: शरी’अत, ज़ाहिर, समझना, अक़्लमन्द)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 02:12-13
- 1 शमूएल 17:46-47
- 2 कुरिन्थियों 02:14-15
- 2 पतरस 01:3-4
- इस्तिस्ना 04:39-40
- पैदाइश 19:4-5
- लूक़ा 01:76-77

## शब्दकोश:

- Strong's: H1843, H1844, H1847, H1875, H3045, H3046, H4093, H4486, H5046, H5234, H5475, H5869, G50, G56, G1097, G1107, G1108, G1231, G1492, G1921, G1922, G1987, G2467, G2589, G3877, G4267, G4894

# जानवर

## सच्चाई:

“जानवर” उन जानवरों को कहते हैं जो खाना और दीगर ज़रूरी सामान पैदा करते हैं। कुछ जानवरों को काम के लिए पाला जाता है

- जानवर में भेड़, मवेशी, बकरियां, घोड़े और गधे आते हैं।
- किताब-ए-मुक़द्दस के ज़माने में दौलत का एक हिस्से में जानवर भी गिना जाता था।
- जानवर से ऊन, दूध, पनीर, घरेलू चीज़ें और कपड़ों का कच्चा माल पैदा होता था।
- इसका तर्जुमा, “पालतू जानवर” भी किया जा सकता है।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: गाय, गदहे, बकरा, घोड़ा, भेड़)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 सलातीन 03:15-17
- पैदाइश 30:29-30
- यशू’अ 01:14-15
- नहमियाह 09:36-37
- गिनती 03:40-41

## शब्दकोश:

- Strong's: H929, H4399, H4735

# जानवर, जानवरों

## सच्चाई:

किताब-ए- मुक़द्दस में “जानवर ” लफ्ज़ “जानवर” को कहने के लिए दूसरा लफ्ज़ है।

- जंगली जानवर जंगल या खेतों में आज़ाद घूमता है, वह तरबियत वाला नहीं होता कि घरेलू जानवर कहलाए।
- घरेलु जानवर इंसानों के साथ रहता है और खाना या काम करवाने के लिए इस्ते'माल में आता है जैसे हल चलाना वग़ैरा। अक्सर 'आम तौर पर ज़ाहिर करने के लिए इस्ते'माल में आता है |
- पुराने 'अहदनामें में दानिएल की किताब और नये 'अहद नामें में मुक़ाशिफा की किताब में ख़्वाब के बारे में बताया गया है जिनमें बुराई की ताक़त और ख़ुदावन्द के ख़िलाफ़ बुरी ताक़त और इख्तियार को दिखाता है उसको जानवर कहा गया है। देखें , मिसाल
- इनमें कुछ जानवरों को 'अजीब दिखाया गया है जैसे कई सिर और कई सींग। उनके पास ताक़त और इख्तियार हैं जो दिखाता हैं कि वह मुल्क, क़ौमों या सियासी ताक़तों की अलामत हैं।
- इस लफ्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, “जानदार ” या “बनाई हुई चीज़ें ” या “जानवर ” या जंगली जानवर मज़मून पर मून ह्स्सिर

(यह भी देखें : इख्तियार, दानिएल, ज़िन्दगी, क़ौम, ताक़त, ज़ाहिर, इबलीश ,

## किताब-ए-मुकद्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 15:31-32
- 1 शमूएल 17:44-45
- 2 तवारीख़ 25:18-19
- यरमियाह16:1-4
- अह्बार 07:21
- ज़बूर 049:12-13

## शब्दकोश:

- Strong's: H338, H929, H1165, H2123, H2416, H2423, H2874, H3753, H4806, H7409, G2226, G2341, G2342, G2934, G4968, G5074

# जायज़, जायज़, शरी’अत के तौर पर, जायज़ नहीं, ग़ैर-क़ानूनी, ग़लत

## ता’अर्रुफ़:

“जायज़” मतलब शरी’अत या और ज़रूरतों के मुताबिक़ इजाज़त हासिल इसका उल्टा “शरी’अत के मुख़ालिफ़” या’नी “ग़लत”।

- किताब-ए-मुक़द्दस में, अगर किसी बात को “जायज़” कहा गया है तो इसका मतलब है कि वह ख़ुदा की शरी’अत में इजाज़त हासिल है, या मूसा की शरी’अत या यहूदी रवायतों के मुताबिक़। जो “शरी’अत के ख़िलाफ़”, “जिसकी इजाज़त नहीं दी गई थी” उन कानूनों के मुताबिक़
- “शरी’अत के मुताबिक़” करने का मतलब है, “जायज़” तौर पर करना या “सही” करना।
- यहूदी कवानीन में जो बहुत बातें जायज़ या नाजायज़ मानी जाती थीं लेकिन ख़ुदा की शरी’अत जो दूसरों से मुहब्बत करने के बारे में थी उससे दुरुस्त नहीं थी।
- मज़मून पर मुनहस्सिर तर्जुमा “जायज़” हो सकते हैं “इजाज़त हासिल” या “ख़ुदा की शरी’अत के मुताबिक़” या “अपने क़वानीन के ‘अमल में” या “जायज़” या “दुरुस्त”
- “क्या यह जायज़ है” का तर्जुमा “क्या हमारी शरी’अत इजाज़त देती है?” या “क्या यह शरी’अत के मुताबिक़ है”

लफ़्ज़ “जायज़ नहीं” और नाजायज़” कानून तोड़ने वालों के लिए कामा में लिए जाते हैं|

- नए ‘अहदनामे में, लफ़्ज़ “नाजायज़” सिर्फ़ क़ानून तोड़ने वालों के लिए ही इस्ते’माल नहीं होता बल्कि उनके लिए भी है जो यहूदी इंसानों के बनाए हुए क़ानून को भी तोड़ता है

सालों बा’द, यहूदियों ने उन क़वानीन को भी शामिल किया जो ख़ुदा ने उनको दिए थे| यहूदी रहनुमा उसे “ग़ैरकानूनी” जो उनके बनाये हुए क़वानीन के मुताबिक़ नहीं होता| जब ‘ईसा और उसके शागिर्द जब सबत के दिन पर अनाज खा रहे थे, तब फ़रीसियों ने उन पर इलज़ाम लगाया थे “ग़ैर क़ानूनी” क्यूँकि उस दिन यहूदी काम करने के बारे में, यहूदी क़ानून तोड़ रहा था| जब पतरस ने कहा कि नापाक खाना खाने से उसके लिए ग़ैर क़ानूनी था, तो उसका मतलब था कि अगर उसने उन खाने की चीज़ों को खा लिया तो वह उन क़वानीन को तोड़ देगा जो ख़ुदा ने इसराईलियों को कुछ खाने के बारे में नहीं दिया था|

लफ़्ज़ “नाजायज़” उस आदमी के बारे में बताता है जो कानून और शरी’अत को नहीं मानता| जब एक मुल्क या जमा’अत “ग़ैर क़ानूनी” की हालत में है, तो बड़ी नाफ़रमानी, बग़ावत या ग़ैर-इख़लाक़ी है|

एक ग़ैरक़ानूनी आदमी बाग़ी और ख़ुदा की शरी’अत की नाफ़रमानी करने होता है| रसूल पौलुस ने लिखा था कि आख़िरी दिनों में “बुराई का आदमी” या “बुरा” होगा, जो शैतान के ज़रिए’ बुरी चीज़ों को करने के लिए मुतास्सिर

## तर्जुमे की सलाह:

- इस लफ़्ज़ “ग़ैरक़ानूनी” का तर्जुमे किसी लफ़्ज़ या इज़हार का इस्ते’माल करके किया जाना चाहिए जिसका मतलब है “जायज़ नहीं” या “क़ानून तोड़ने वाला”|
- “ग़ैरक़ानूनी” के तर्जुमे के और तरीक़े हो सकते हैं, जैसे “इजाज़त नहीं दी जा सकती” या “ख़ुदा की शरी’अत के मुताबिक़” या “हमारे क़ानूनों के मुताबिक़”
- इज़हार “शरी’अत के ख़िलाफ़” और “नाफ़रमान” का मतलब एक ही है|
- “कानून न मानने वाला” लफ़्ज़ का तर्जुमा “बाग़ी” या “नाफ़रमान” या “क़ानून के ख़िलाफ़” भी किया जा सकता है|
- “क़ानून तोड़ना” लफ़्ज़ का तर्जुमा “किसी भी तरह के क़ानून का ‘अमल नहीं करना” या “बग़ावत (ख़ुदा के क़वानीन के ख़िलाफ़) के तौर पर किया जा सकता है|
- जमला “बुराई का आदमी” का तर्जुमा “आदमी जो किसी भी क़ानून का ‘अमल नहीं करता” या “वह इन्सान जो ख़ुदा के क़वानीन के ख़िलाफ़ बग़ावत करता है” के तौर पर भी किया जा सकता है|
- अगर मुमकिन हो तो इस लफ़्ज़ में “क़ानून” का तसव्वुर को रखना ज़रूरी है|
- ध्यान दें कि “ग़ैर-क़ानूनी” लफ़्ज़ का मतलब इस लफ़्ज़ से अलग है|

(यह भी देखें: कानून, शरी’अत, मूसा, सबत)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- मत्ती 07:21-23
- मत्ती 12:1-2
- मत्ती 12:3-4

- मत्ती 12:9-10
- मरकुस 03:3-4
- लुक़ा 06:1-2
- रसूलों के ‘आमाल 02:22-24
- रसूलों के ‘आमाल 10:27-29
- रसूलों के ‘आमाल 22:25-26
- 2 थिस्सलुनिकियो 02:3-4
- तीतुस 02:14
- 1 युहन्ना 03:4-6

## शब्दकोश:

- Strong's: H4941, H6530, H6662, H7386, H7990, G111, G113, G266, G458, G459, G1832, G3545

# जाल , फंदे, फंसाना, फंसाना, फँसना, फंसाना, जाल, जालें, फंस गए

## ता'अर्रुफ़:

"जाल" और "फंदा" यह ऐसी चीजें होती थे जिनसे जानवर परिन्दे पकड़े जाते थे। जाल में फँसाने के लिए "फंसे" या "जाल" करना" है, और "जाल" या "फंसाने" के लिए एक जाल से पकड़ना है । कलाम में इन लफ़्ज़ों को जुमले की शक्ल में भी काम में लिया गया है कि गुनाह और आज़माइश छिपे हुए फंदे हैं। जिनमें फंसकर इन्सान नुक़सान उठाता है।

- “जाल” रस्सी या तार का एक कुंडलाकार फंदा होता है जिसमें जानवर का पैर पड़ जाए तो वह उसमें उलझ जाता है।
- “जाल ” धातु या लकड़ी का बना होता है जिसके दो हिस्से होते हैं जो जानवर का पैर पड़ने पर बन्द हो जाते हैं और जानवर भाग नहीं पाता है। कभी-कभी ज़मीन में खोदे हुए गड्ढा में जाल होता है जिसमें जानवर गिर जाता है।
- जाल या फंदा छिपाकर रखा जाता है कि जानवर उसे देख न पाए।
- “जाल बिछाना” या'नी किसी को फंसाने के लिए जाल लगाना।
- “जाल में फंसना” या'नी किसी गहरे गड्ढे में गिरना जो पहले से जानवर को फंसाने के लिए खोदा गया है।
- एक शख़्स जो गुनाह करना शुरू' कर देता है और रोक नहीं सकता, उसे "गुनाह से फंसे" की शक्ल में बयान किया जा सकता है, जिस तरह एक जानवर को फँसाने के लिए किया जा सकता है और बच नहीं सकता।
- जिस तरह कि जानवर फंदे में फंसकर मिसीबत में पड़ जाता है और नुक़सान उठाता है उसी तरह इन्सान गुनाह में फंस कर नुक़सान उठाता है और उसे आज़ादी की ज़रूरत होती है।

(यह भी देखें: आज़ाद , , शिकार, शैतान, आज़माइश में डालना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- वा'इज़ 07:26
- लूक़ा 21:34-35
- मरकुस 12:13-15
- ज़बूर 018:4-5

## शब्दकोश:

- Strong's: H2256, H3353, H3369, H3920, H3921, H4170, H4204, H4434, H4685, H4686, H4889, H5367, H5914, H6315, H6341, H6351, H6354, H6679, H6983, H7639, H7845, H8610, G64, G1029, G2339, G2340, G3802, G3803, G3985, G4625

# जूआ, जूए, जूए में

## ता’अर्रुफ़:

जूआ लकड़ी या लोहे का होता है जिसमें दो या ज़्यादा जानवर जोते जाते हैं कि हल चलाएं या गाड़ी खीचें। इसके कई 'अलामती मतलब हैं।

- लफ़्ज़ "जूआ" का इस्ते'माल अलामती शक्ल से किया जाता है, जो कि एक साथ काम करने के मक़सद से लोगों को शामिल करना, जैसे कि 'ईसा की ख़िदमत करने के लिए।
- पौलुस ने किसी ऐसे शख़्स को बयान करने के लिए "जुआ " लफ़्ज़ का इस्ते'माल किया जो मसीह की ख़िदमत कर रहा था। इसका तर्जुमा “साथी काम करने वाला” या “साथी ख़ादिम” या “जोड़ना” भी हो सकता है।
- लफ़्ज़ "जूआ" का इस्ते'माल अक्सर एक भारी बोझ का बयान करने के लिए किया जाता है, जिसे किसी को ले जाना पड़ता है, जैसे ग़ुलामी या परेशानी के ज़रिए' दमन करते वक़्त।
- जुमले के तौर पर इसका तर्जुमा ज्यों का त्यों ही हो और 'अलामती ज़बान में खेती के लिए जो जूआ काम में आता है वही लफ़्ज़ काम में लिया जाए।

इस लफ़्ज़ के 'अलामती इस्ते'मालों का तर्जुमा हो सकता है, जुमले का तौर पर “ज़ूल्म का बोझ” या “भारी बोझ” या “बंधन”।

(यह भी देखें: बांधना, बोझ, ज़ूल्म करना, सताना, ख़ादिम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 15:10-11
- गलातियों 05:1-2
- पैदाइश 27:39-40
- यसा'याह 09:4-5
- यरमियाह 27:1-4
- मत्ती 11:28-30
- फ़िलिप्पियों 04:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H3627, H4132, H4133, H5674, H5923, H6776, G2086, G2201, G2218, G4805

# जूता, जूतियाँ

## ता'अर्रुफ़:

"जूते" असल में बराबर तले की जूते होते थे जिसे पांवों और टखने पर चमड़े की पट्टी से बांधी जाती थी। 'औरत-मर्द दोनों ही इन जूतों को पहनते थे।

- कभी-कभी जूते किसी क़ानूनी फ़ैसले को साबित करने के लिए भी काम में लिया जाता था जैसे कोई अपने माल को बेचता हो तो वह अपने जूते उतार कर ख़रीददार को दे देगा।एक आदमी एक जूता ले जाएगा और दूसरे को दे देगा।
- अपने जूते उतारना सामने वाले के लिए 'इज़्ज़त और एहतराम का निशान था, ख़ास करके ख़ुदा की मौजूदगी में।
- यूहन्ना ने कहा था कि वह 'ईसा की जूतियों (जूतों)के फ़ीता खोलने के लायक़ भी नहीं है, ऐसा काम 'आम तौर पर नीचे तबक़े के या ग़ुलाम का होता था।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 07:33-34
- इस्तिसना 25:9-10
- यूहन्ना. 01:26-28
- यसू'अ 05:14-15
- मरकुस 06:7-9

## शब्दकोश:

- Strong's: H5274, H5275, H8288, G4547, G5266

# जौ

## ता'अर्रुफ़:

"जौ" एक तरह, का अनाज होता है जिससे वह रोटी बनाते थे |

- जौ का पेड़ लम्बा होता है जिसके उपरी हिस्से पर आनाज की बाली होती है|
- जौ गर्म मौसम में फलती है और इसकी कटनी बसन्त मौसम या गर्म मौसम में होती है
- जौ को भूसे से अलग करने के लिए जौ दांवा जाता है |
- जौ को पीसकर आटा बनाते हैं तब पानी या तेल में गूंध कर रोटी बनाई जाती है |
- अगर जो मुनासिब ज़बान में जानी नहीं जाती है तो इसका तर्जुमा "जौ कहलाने वाला अनाज ' या "जौके दाने " किया जा सकता है |

(यह भी देखें: नावाकिफ़ लफ्ज़ों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: अनाज, [दांवना, गेंहूँ )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़11:12-14
- अय्यूब 31:38-40
- क़ुज़ात 07:13-14
- गिनती 05:15
- मुकाशिफ़ा 06:5-6

## शब्दकोश:

- Strong's: H8184, G2915, G2916

# जज़िया ,जज़िये ,महसूल ,महसूल ,महसूल लेना ,महसूल लेने वाले ,महसूल इकठ्ठा करना ,महसूल इकठ्ठा करने वाले

## ता'अर्रुफ़:

"जज़िया" और "खिराज " या'नी हुकूमत के मुता'अल्लिक सरकार को पैसा या सामान देना। * खिराज की क़ीमत तय किसी चीज़ की क़ीमत या इन्सान की जायदाद की क़ीमत पर किया जाता है।

- महसूल के तौर पर अदा करने वाली रक़म आम तौर पर किसी चीज़ की कीमत पर मुनहसिर होती है या उस इंसान की जायदाद की क़ीमत कितनी है |
- 'ईसा और रसूलों के वक़्त रोमन हुकूमत रोमियों की सल्तनत में रहने वाले सब से महसूल की ज़रूरत होती है जिसमे यहूदी भी शामिल हैं |
- जब खिराज नहीं चुकाया तब सरकार हुकूमत के ज़रिए' किसी इन्सान या तिजारती काम के ख़िलाफ़ तहक़ीक़ कर सकती है कि देने वाली रक़म की वसूली की जाए।
- यूसुफ़ और मरियम, सफ़र करके बैतलहम को गए ताकि मरदुम शुमारी में गिने जाए,जो कर देने के लिए रोमी सल्तनत में रहनेवाले हर इन्सान के लिए बनाया गया था।
- बयान के मुताबिक़ "कर" लफ़्ज़ का तर्जुमा "ज़रूरी अदाइगी " या "सरकारी माल " या "हैकल का माल "की शक्ल में भी किया जा सकता है।
- "करों का अदाएगी " करने का तर्जुमा "सरकार को पैसा" या "सरकार के लिए माल लेना " या "ज़रूरी अदाएगी करना" की शक्ल में भी किया जा सकता है। "करों को इकठ्ठा करने" का तर्जुमा "सरकार के लिए माल लेने के लिए किया जा सकता है"
- "चुंगी लेने वाला" सरकारी नौकर है जो इन्सानों से ज़रूरी माल – इकठ्ठा करता है।
- जो लोग रोमन हुकूमत के लिए टेक्स जमा' करते हैं वह लोगों से अक्सर ज़्यादा पैसे मांगते हैं जो हुकूमत की ज़रूरत होती है | महसूल के अजज़ा' अपने लिए ज़्यादा रक़म रखेगी |

क्यूँकि महसूल लेने वाले ने इस तरह लोगों को धोका दिया है |यहूदियों ने उन्हें गुनाहगारों को बेहद बदतरीन बताया है |

- यहूदी ने यहूदियों के महसूल वालों को भी अपने लोगों को गुस्सा करार दिया है क्यूँकि उन्होंने रोमन हुकूमत के लिए जो यहूदियों पर ज़ुल्म कर रहा था |
- यह 'अहद नामा "महसूल जमा' करने वाले और गुनाहगार ,नये 'अहद नामे में एक आम इज़हार था ,कि ये ज़ाहिर करता है यहूदियों ने कितने महसूल जमा' करने वालों को मुक़र्रर किया था |

(यह भी देखें: यहूदी, रोम, गुनाह )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- लूका 20:21-22
- मरकुस 02:13-14
- मत्ती 09:7-9
- गिनती 31:28-29
- रोमियो 13:6-7
- लूका 03:12-13
- लूका 05:27-28
- मत्ती 05:46-48
- मत्ती 09:10-11
- मत्ती 11:18-19
- मत्ती 17:26-27
- मत्ती 18:17

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

34:06 उस ने कहा "दो मर्द हैकल में दुआ करने के लिए गए थे उन में से एक महसूल लेने वाला था और दूसरा मज़हबी रहनुमा था | 34:07 "मज़हबी रहनुमा ने इस तरह दुआ की "शुक्र ,है ख़ुदा का कि मई दूसरे मर्दों जैसा गद्दार नहीं हूँ जैसे चोर ,ज़ालिम इन्सान, ज़िनाकार, या उस महसूल लेने वाले की तरह | 34:09 "लेकिन महसूल वाला मज़हबी रहनुमा से बहुत दूर खड़ा था "उसने आसमान तक नहीं देखा | इसके बजाय ,उसने अपनी सीने पर बैठाया और दुआ की ,ख़ुदा

मेरे लिए मेहरबान रहें क्यूँकि मै गुनाहगार हूँ | 34:10 फिर ‘ईसा ने कहा “मै तुमसे सच कहता हूँ ,ख़ुदा ने महसूल लेने वाले की दुआ सुनी और उसे रास्तबाज़ ठहराया | 35:01 एक दिन ‘ईसा कई महसूल लेने वालों और गुनाहगारों को ता’लीम दे रहा था जो उसे सुनने के लिए इकठ्ठे हुए थे

## शब्दकोश:

- Tax Collector: Strong's: H5065, H5674, G5057, G5058

# झाड़ना, , झाड़ा-सफ़ाई , झाड़ू

## सच्चाई:

"झाड़ना" को आम तौर पर झाड़ू या ब्रश के साथ चौड़ा, धीरे धीरे कर के गंदगी को दूर करना होता है । "झाड़ना" का माज़ी झाड़ा है। इन लफ़्ज़ों का इस्ते'माल तमसीली भी है।

- “झाड़ना” का 'अलामती मतलब है फ़ौज के ज़रिए' ,तेज़ फ़ैसला कुन, वासी' पैमाने पर कदम उठाना कहलाता है।
- मिसाल के तौर पर , यसा'याह ने नबूव्वत की थी कि असूरों की फ़ौज यहूदा मुल्क का सफाया कर देगी। इसका मतलब है कि वह यहूदा के मुल्क को हलाक करके लोगों को क़ैदी बनाकर ले जायेंगे।
- लफ़्ज़ "झाड़ना" का इस्ते'माल उस तरीक़े का बयान करने के लिए भी किया जा सकता है जिसमें तेज़ी से बहने वाले पानी चीज़ों को धक्का दे और उन्हें दूर कर दें।
- जब एक शख़्स के लिए मुश्किल चीज़ें भारी हो रही हैं, तो यह कहा जा सकता है कि वह "उसे ख़त्म" कर रहे हैं।

(यह भी देखें: असूर, यसा'याह, यहूदा, नबी )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 16:3-4
- दानिएल 11:40-41
- पैदाइश 18:24-26
- अम्साल 21:7-8
- ज़बूर 090:5-6

## शब्दकोश:

- Strong's: H622, H857, H1640, H2498, H2894, H3261, H5500, H5502, H5595, H7857, H8804, G4216, G4563, G4951

# झिलम, झिलमें, सीनाबन्द

## ता'अर्रुफ़:

लफ़्ज़ "सीनाबन्द" का मतलब कपड़े के एक खास टुकड़े को दिखाता है जो इस्राईली सरदार काहिन अपनी छाती के सामने के हिस्से पर पहनते थे। लफ़्ज़ "सीनाबन्द" का मतलब कपड़े के एक ख़ास टुकड़े को दिखाता है जो इस्राईली सरदार काहिन अपनी छाती के सामने के हिस्से पर पहनते थे।

- सिपाहियों की तरफ़ से पहने जाने वाली "झिलम" लकड़ी, धातु या जानवर के चमड़े की होती थी। उनको पहनने का मक़सद था कि फौजी का सीना भाले, तीर और तलवार से महफ़ूज़ रहे।
- इस्राईली सरदार काहिन के कपडे की "झिलम" कपड़े की होती थी जिससे क़ीमती पत्थर जड़े होते थे। काहिन हैकल में ख़ुदा की ख़िदमत करते वक़्त इसे पहनता था।
- लफ़्ज़ "झिलम" का तर्जुमा करने के और तरीक़ों में "धातु सीनाबन्द छाती कवर" या "छाती की हिफ़ाज़त करने के लिए कवर टुकड़ा" शामिल हो सकते हैं।
- लफ़्ज़ "चपरास" का एक लफ़्ज़ के साथ तर्जुमा किया जा सकता है जिसका मतलब है "कहानत का लिबास, जिससे सीना ढका होता है।" या "सरदार काहिन लिबास के टुकड़े" या "सरदारों के कपड़ों के सामने का टुकड़ा"।

(यह भी देखें: हथियार, सरदार -काहिन, छेदना, काहिन, हैकल , जंग)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- ख़ुरूज 39:14-16
- यसा'याह 59:17-18
- मुकाशिफ़ा 09:7-9

## शब्दकोश:

- Strong's: H2833 , H8302, G2382

# झिड़कना, घुड़कने, डांटा

## ता’अर्रुफ़:

झिड़कना या’नी शख़्त अलफ़ाज़ के इस्ते’माल के ज़रिए’ किसी का सुधार करना कि वह गुनाहों से फिर जाए। इस तरह के सुधार झिड़कना है।

नये ‘अहदनामे में ईमानदारों को हुक्म दी गई है कि वे साथ के ईमानदारों को ख़ुदा की हुक्मों का ‘अमल न करने पर डाँटे। अम्साल में वालिदैन को हिदायत है कि वे अपनी औलाद की ताड़ना करें।

- झिड़की ख़ास करके गलती करनेवाले को गुनाह करने से रोकने के लिए की जाती थी।
- इसका तर्जुमा “शख़्ती से सुधार करना” या “मशविरा करना” की शक्ल में हो सकता है।

जुमला “एक झिड़की” का तर्जुमा, शख़्त सुधार” या “शख़्त तनक़ीद” के तौर पर हो सकता है। “बिना झिड़के” इस जुमले का तर्जुमा “बिना समझाए” या “तनक़ीद किए बिना” की शक्ल में हो सकता है।

(यह भी देखें: आगाह कराना, नाफ़रमानी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- मरकुस 01:23-26
- मरकुस 16:14-16
- मत्ती 08:26-27
- मत्ती 17:17-18

## शब्दकोश:

- Strong's: H1605, H1606, H2778, H2781, H3198, H4045, H4148, H8156, H8433, G298, G299, G1649, G1651, G1969, G2008, G3679

# झूठा नबी, झूठे नबियों

## ता’अर्रुफ़:

एक झूठा नबी वह इन्सान होता है जो ग़लत तरीक़े से दा’वा करता है कि उसका पैग़ाम ख़ुदा से आता है।

- झूठे नबियों की नबूव्व्तें ज़्यादातर पूरी नहीं होती थी। लिहाज़ा, वे सच में नहीं आते थे।
- झूठे नबी ऐसे पैग़ाम सिखाते हैं जो किताब-ए-मुक़द्दस कहती हैं कि थोड़े तौर से या पूरी तरह से रद्द करते हैं।
- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा "ऐसे इन्सान की शक्ल में भी किया जा सकता है जो झूठे तौर पर ख़ुदा के तर्जुमान होने का दा’वा करते हैं" या "कोई ऐसा इन्सान जो ख़ुदा के अलफ़ाज़ को बोलने का झूठा दा’वा करता है।"
- नया ‘अहदनामा सिखाता है कि आख़िर में कई झूठे नबी होंगे जो लोगों को यह सोचने के लिए धोखा देने की कोशिश करेंगे कि वे ख़ुदा की तरफ़ से आए हैं।

(यह भी देखें: पूरा, नबी, सच्चा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 युहन्ना 04:1-3
- 2 पतरस 02:1-3
- रसूलों के ‘आमाल 13:6-8
- लूक़ा 06:26
- मत्ती 07:15-17
- मत्ती 24:23-25

## शब्दकोश:

- Strong's: G5578

# टाट

## ता'अर्रुफ़:

टाट बकरी के या ऊँट के बालों से बना एक चुभनेवाला सख्त लिबास होता था।

- जो लोग इससे बने हुए कपड़े पहनते थे उनको आराम नहीं होता था । * टाट मातम, ग़म या ‘आजिज़ी तौबा दिखाने के लिए पहना गया था ।
- "टाट और राख" एक तरह के जुमले थे जो नौहा और तौबा के लिए एक तरह के जुमलें है ।

## तर्जुमा की सलाह:

- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा इस तरह से भी किया जा सकता है जैसे "जानवरों के बालों से बना मोटा लिबास" या "बकरी के बालों से बना लिबास" या "मोटा चुभने वाला लिबास ।"
- इस तरह से भी इस लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है "सख्त,खुरखुरा ग़म के कपड़ों।"
- "टाट ओढ़कर राख में बैठना" का तर्जुमा ऐसे भी हो सकता है जैसे "चुभने वाला लिबास पहनकर राख में बैठने के ज़रिए' मुसीबत और हलीमी ज़ाहिर करना।"

(यह भी देखें: नए लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करे)

(यह भी देखें: राख, ऊंट, बकरी, आजिज़ी, ग़म, तौबा, निशान )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 शमूएल 03:31-32
- पैदाइश 37:34-36
- योएल 01:8-10
- योनाह 03:4-5
- लूक़ा 10:13-15
- मत्ती 11:20-22

## शब्दकोश:

- Strong's: H8242, G4526

# टिड्डी, टिड्डियाँ

## सच्चाई:

“टिड्डी” एक क़िस्म का उड़नेवाला टिड्डा जैसा बड़ा कीड़ा होता है जो कभी कभी उड़ते है अपनी तरह की और टिड्डियों के साथ एक बहुत ही नुक़सानदायक झुंड बनकर जो सभी फ़सलों खा जाते है।

- टिड्डियां या ‘आम टिड्डे बड़े और सीधे पर काले लम्बे पैरों वाले कीट होते है। इनके जुड़े हुए पिछले पैरों की वजह से ये बहुत दूर तक कूद सकते हैं।
- पुराने नियम में टिड्डियों के झुण्ड ‘अलामती तौर से तबाही के निशानी होते थे जो इस्राईल की नाफ़रमानी का मुस्तक़बिल का नतीजा था।
- ख़ुदा ने मिस्रियों पर जो दस आफ़तें भेजी थी उनमें टिड्डियां भी एक आफ़त थी।
- नये ‘अहदनामे में युहन्ना का ख़ास खाना जंगल की टिड्डियां था।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: क़ैदी, मिस्र, इस्राईल, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), बीमारी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तवारीख़ 06:28-31
- इस्तिस्ना28:38-39
- ख़ुरूज 10:3-4
- मरकुस 01:4-6
- अम्साल 30:27-28

## शब्दकोश:

- Strong's: H697, H1357, H1462, H1501, H2284, H3218, H5556, H6767, G200

# टेढ़ी, गुमराही , बिगड़ा , बे इन्साफ़ी , उलट फेर, बिगाड़ने, टेढ़ी-मेढ़ी, उलट-पुलट कर दिया, बहकाते

## ता’अरूफ़:

“टेढ़ी” लफ़्ज़ एक ऐसे इन्सान वाज़े’ करते हैं जो सही तौर से बेकार या बिगड़े तरीके के हैं। “गुमराही ” या’नी “बिगड़ा तरीका ”। किसी चीज़ को “टेढ़ा” करना या’नी उसे सही या अच्छी हालत से बुरी हालत में कर देना।

- कोई आदमी या चीज़ टेढ़ी है तो वह सही और अच्छे से ख़िलाफ़ हो गया या गई है।
- किताब-ए-मुक़द्दस में इस्राईली ख़ुदा के हुक्मों को न मानने की वजह से टेढ़ा बर्ताव करते थे। वे हमेशा झूठे मा’बूदों की इबादत करके ऐसा करते थे।
- ख़ुदा के मन को या उसके बरअक्स सही बर्ताव के ख़िलाफ़ हर एक काम टेढ़ा माना जाता था।
- “टेढ़े” के तर्जुमा की और शक्ल है, “एख़लाक़ मेंबिगाड़ ” या “बुरे एखलाक़ ” या “ख़ुदा के सीधे हिस्से से बेराह होना”, यह सब मज़मून पर मुनहसिर होना है।
- “टेढ़ी ज़बान ” का तर्जुमा हो सकता है, “बुरी ज़बान बोलना” या “फ़रेब की बातें करना” या “बे एखलाक़ी ज़बान काम में लेना”।
- “टेढ़े लोग” का तर्जुमा हो सकता है, “बुरे लोग” या “बे एखलाक़ आदमी ” या “लगातार ख़ुदा के हुक्मों को तोड़ने वाले लोग”।
- “टेढ़ी चाल चलना” का तर्जुमा हो सकता है, बुरा बर्ताव करना” या “ख़ुदा के हुक्मों के ख़िलाफ़ चलना” या “ख़ुदा की ता’लीम के ख़िलाफ़ ज़िन्दगी जीना”।
- “टेढ़ी” लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, “बर्बाद होना” या “बुराई में बदल जाना”।

(यह भी देखें: बेकार, धोका देना, नाफ़रमानी, बुरा, फिरना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 08:46-47
- 1 शमूएल 20:30-31
- अय्यूब 33:27-28
- लूका 23:1-2
- ज़ुबूर 101:4-6

## शब्दकोश:

- Strong's: H1942, H2015, H3399, H3868, H3891, H4297, H5186, H5557, H5558, H5753, H5766, H5773, H5791, H5999, H6140, H6141, H8138, H8397, H8419, G654, G1294, G3344, G3859

# टोकरियाँ, टोकरियाँ ,टोकरीभर

## ता'अर्रुफ़:

“टोकरी” सरकंड़ों से बना एक बर्तन होता है।

- किताब-ए- मुक़द्दस के ज़माने में टोकरियां 'आम तौर पर पौधों के मज़बूत हिस्सों से बनती थी जैसे पेड़ की शाख़ाओं के छिलके या सरकंडे।
- टोकरी में पानी रोकना राल लगाने से वह पानी पर तैरती थी।
- जब मूसा एक बच्चा था तब उसकी माँ ने एक राल वाली टोकरी बनाकर उसमें मूसा को रखा और नील नदी के बीच में रख दिया वह नील नदी में तैरने लगी।
- इस कहानी में जिस लफ्ज़ का तर्जुमा “टोकरी” किया गया है उसी लफ्ज़ का तर्जुमा “नाव” भी किया गया है जिसको नूह ने बनाया था। इन दोनों मज़मून में इन लफ़्ज़ों का सही तर्जुमा “तैरने वाला बर्तन ” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: नाव, मूसा, नील नदी, नूह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 कुरिन्थियों 11:32-33
- रसूलों के 'आमाल . 09:23-25
- आमोस 08:1-3
- यूहन्ना 06:13-15
- कुज़ात 06:19-20
- मत्ती 14:19-21

## शब्दकोश:

- Strong's: H374, H1731, H1736, H2935, H3619, H5536, H7991, G2894, G3426, G4553, G4711

# ठोकर, ठोकर की वजह , ठोकर की वजह होना , ठोकर का पत्थर

## ता'अर्रुफ़:

“ठोकर की वजह ” या “ठोकर का पत्थर” कोई चीज़ जिससे किसी का पैर टकराए और वह गिर जाए।

- अलामती शक्ल में “ठोकर की वजह ” “वह कोई भी बात है जिसकी वजह से इन्सान की इख़लाक़ी या रूहानियत में रुकावट जाए।
- ‘अलामती शक्ल में “ठोकर की वजह ” या “ठोकर का पत्थर” ऐसी कोई भी बात है जो इन्सान को 'ईसा में ईमान करने से रोकती है या इन्सान को रूहानियत में तरक्की नहीं करने देती है।
- गुनाह हमेशा किसी के लिए या दूसरे के लिए ठोकर की वजह है।
- कभी-कभी ख़ुदा उससे बग़ावत करने वाले के रास्ते में ठोकर की वजह पैदा कर देता है।

## तर्जुमा की सलाह:

- अगर एक ज़बान में फंदे को खुला रखनेवाली चीज़ का कोई लफ़्ज़ है तो वह लफ़्ज़ तर्जुमा में लिया जा सकता है।
- इसका तर्जुमा हो सकता है, “ठोकर लगने का पत्थर” या “शक पैदा करनेवाली रुकावट” या “ईमान में रुकावट” या “किसी से गुनाह कराने वाली बात”।

(यह भी देखें: ठोकर खाना, गुनाह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 01:22-23
- गलातियों 05:11-12
- मत्ती. 05:29-30
- मत्ती. 16:21-23
- रोमियो 09:32-33

## शब्दकोश:

- Strong's: H4383, G3037, G4349, G4625

# ठोकर, ठोकर खाए, ठोकर खाया, ठोकर खाता

## सच्चाई:

"ठोकर" खाना मतलब चलते या दौड़ते वक़्त पैर टकराने की वजह तक़रीबन गिर जाना। इसमें किसी चीज़ से पैर के लगन की वजह से गिरना होता है।

- ‘अलामती शक्ल में "उसके लिए ठोकर खाना" का मतलब उसके लिए गुनाह " या "के लिए "धोकेबाज़" हो सकता है ।
- यह लफ़्ज़ भी एक लड़ाई के लड़ते वक़्त की कमज़ोरी दिखा रहा है या उन्हें परेशान या सज़ावार किया जा रहा है को ज़ाहिर करता है ।

## तर्जुमा की सलाह:

- उन बारों में जहाँ "ठोकर" लफ़्ज़ का मतलब जिस्मानी शक्ल से किसी चीज़ के सफ़र पर होता है, इसका तर्जुमा एक लफ़्ज़ के साथ किया जाना चाहिए जिसका मतलब है "तक़रीबन गिरना" या "सफ़र करना।"
- इस बारे में यह सही मा'ने रखता है कि अगर इस बारे में सही मतलब का बयां किया जाता है, तो यह लफ़्ज़ी मतलब भी एक 'अलामत के बारे में इस्ते'माल किया जा सकता है।
- जुमलों के इस्ते'माल के लिए जहाँ 'अलामती ज़बान में लफ़्ज़ी मतलब नहीं होगा, जैसे बयान के मुताबिक़ "ठोकर" का तर्जुमा किया जा सकता है, "गुनाह" या "लड़खड़ाना" या "ईमान में रुकावट" या "कमजोर होना"।
- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा करने का एक दूसरा तरीक़ा हो सकता है, "गुनाह करने से ठोकर" या "ईमान न करने से ठोकर"।
- जुमला "ठोकर करने के लिए बनाया" का तर्जुमा "कमजोर होने की वजह " या "लड़खड़ाना " के वजह किया जा सकता है।

(यह भी देखें: ईमान , औलाद, गुनाह, रुकावट)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 पतरस 02:7-8
- होशे 04:4-5
- यसा'याह 31:3
- मत्ती 11:4-6
- मत्ती 18:7-8

## शब्दकोश:

- Strong's: H1762, H3782, H4383, H4384, H5062, H5063, H5307, H6328, H6761, H8058, G679, G4348, G4350, G4417, G4624, G4625

# ढाल, ढालें, बचाया

## ता’अर्रुफ़:

ढाल, फ़ौज के जरिए' हाथ में पकड़ने का औज़ार जिससे वह दुश्मन के वार से बचता है। “किसी की ढाल होना” या'नी उसे नुक़सान से बचाना।

- ढाल, दिखने में गोल या अन्डे के जैसी होती थी और चमड़े, लकड़ी या धातु की बनी होती थी और तलवार का वार और तीर वग़ैरह को रोकने के लिए बहुत सख़्त होती थी।
- इस लफ़्ज़ को 'अलामती शक्ल में इस्ते'माल करते हुए, कलाम ख़ुदावन्द को उसके लोगों का हिफ़ाज़ती कवच कहा गया है। (देखें: ) मिसाल
- पौलुस “ईमान की ढाल” जुमले का इस्ते'माल करता है, यह एक वाक़ि'आ है जिसका मतलब है, ‘ईसा में ईमान करना और ख़ुदा का हुक्म मानकर उस ईमान की ज़िन्दगी गुज़ारना, ईमानदारों को शैतान के हमले से बचाता था।

(यह भी देखें: ईमान, फ़रमाबरदारी, शैतान, रूह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 14:25-26
- 2 तवारीख़ 23:8-9
- 2 शमूएल 22:36-37
- इस्तिसना 33:29
- ज़बूर 018:35-36

## शब्दकोश:

- Strong's: H2653, H3591, H4043, H5437, H5526, H6793, H7982, G2375

# ढालना, साँचा, ढालकर, बना रहा था, बनानेवाला, सड़ना

## ता’अर्रुफ़:

ढालना लकड़ी, मिट्टी या धातु का खोखला औज़ार होता है जिसमें बुत या दूसरी चीज़ें बनाने के लिए सोना,चाँदी या दूसरी धातुएं या प्लास्टिक को पिघला कर डाला जाता है।

- ज़ेवरात, बर्तन या दूसरी चीज़ें सांचों में डाल कर बनाई जाती थी।
- कलाम में सांचा ख़ास तौर से बुत बनाने के बारे में काम में लिया गया है।
- धातुओं को तेज़ गरमी से पिघलाया जाता है कि वह सांचे में उण्डेली जाएं।
- ढालने का मतलब है सांचे के ज़रिए' या हाथों के ज़रिए' किसी चीज़ को शक्ल देना।

## तर्जुमा की सलाह:

- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा, “शक्ल देना” या “शक्ल देना” या “बनाना” हो सकता है।
- “ढालना” लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, “ शक्ल देना” या “बनाना”।
- “सांचा” लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, “ शक्ल बनाने का बर्तन” या “तराशी हुई चीज़”

(यह भी देखें: झूठे मा’बूद , सोना, झूठे मा’बूद , चाँदी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- ख़ुरूज 32:3-4

## शब्दकोश:

- Strong's: H4541, H4165, G4110, G4111

# ढूँढ़े, ढूँढ़ते हैं, खोजना, मांगा

## ता'अर्रुफ़:

"ढूँढ़े" या'नी किसी चीज़ या आदमी की तलाश करना। माज़ी में क्या काम है " ढूंढा गया" इसका मतलब यह भी है, किसी काम को करने की "पूरी कोशिश करना" या "मेहनत करना।"

- "खोज करना" या "इन्तिज़ार करना" या'नी किसी ख़ास काम को करने के मौक़े' को "वक़्त निकालने की कोशिश" कहते है।
- "यहोवा की खोज करना" या'नी "यहोवा को जानने और उसके हुक्म मानने में वक़्त और तवानाई लगाना।"
- "हिफ़ाज़त खोजना" या'नी "किसी आदमी या जगह को ढूंढने की कोशिश करना कि परेशानी से बचाए।"
- "इन्साफ़ खोजना" या'नी "लोगों के साथ इन्साफ़ और ख़ुद गर्ज़ी के सुलूक की कोशिश करना।"
- "सच्चाई की खोज करना" या'नी "सच्चाई क्या है जानने की कोशिश करना।"
- "फ़ज़ल की खोज करना" या'नी "अच्छा बर्तन बनने की कोशिश" या "ऐसे काम करना कि किसी से मदद मिले।"

(यह भी देखें: मुन्सिफ़, सच)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 10:13-14
- रसूलों के 'आमाल 17:26-27
- 'इब्रानियों 11:5-6
- लूक़ा 11:9-10
- ज़बूर 027:7-8

## शब्दकोश:

- Strong's: H579, H1156, H1239, H1243, H1245, H1556, H1875, H2470, H2603, H2658, H2664, H2713, H3289, H7125, H7592, H7836, H8446, G327, G1567, G1934, G2052, G2212

# तबाह करना, तबाह करना, बर्बाद

## ता’अर्रुफ़:

“तबाह करना” या’नी लूटना, तबाह करना, या निकम्मा कर देना। लफ़्ज़ “खण्डहर” या “खण्डहरों” तबाह किए गए मलबे या तबाह किए गए अवशेष।

नबी ज़ेपनियाह ने ख़ुदा के ग़ज़ब के दिन को “तबाही का दिन” कहा था, जब दुनिया का इंसाफ़ किया जाएगा और सज़ा दी जाएगी। अम्साल की किताब में लिखा है कि बेदीनों के फल के लिए तबाही और बर्बादी है। मज़मून पर मुनहस्सिर, “तबाह करना” का तर्जुमा “बर्बाद करना” या “नाबूद कर देना” या “निकम्मा कर देना” या “तोड़ देना” किया जा सकता है। लफ़्ज़ “तबाह” या “तबाही” का तर्जुमा “मलबा” या “तबाह ‘इमारते” या “तबाह किया गया शहर” या “तबाही” या “तोड़फोड़” या “बर्बादे” हो सकता है मज़मून पर मुनहस्सिर।

## किताब-ए-मुक़द्दस के के बारे में:

- 2 तवारीख़ 12:7-8
- 2 सलातीन 19:25-26
- रसूलों के ‘आमाल 15:15-18
- यसा’याह 23:13-14

## शब्दकोश:

- Strong's: H6, H1197, H1530, H1820, H1942, H2034, H2040, H2717, H2719, H2720, H2723, H2930, H3510, H3765, H3782, H3832, H4072, H4288, H4383, H4384, H4654, H4658, H4876, H4889, H5221, H5557, H5754, H5856, H6365, H7451, H7489, H7582, H7591, H7612, H7701, H7703, H7843, H8047, H8074, H8077, H8414, H8510, G2679, G2692, G3639, G4485

# तबाह होना, तबाह हुआ, तबाह करना, तबाही, तबाहियाँ

## ता'अर्रुफ़:

लफ़्ज़ "तबाह कर दिया" या "तबाही" किसी जायदाद या ज़मीन के बर्बाद या तबाह होने बारे में बताता है| अक्सर इसमें उस मुल्क के बाशिंदों को तबाह कर देना और बन्दी बनाना भी शामिल है।

- इसका हवाला बहुत शदीद और पूरी तरह से बर्बादी से है।
- मिसाल के तौर पर, सदोम शहर के बाशिंदों के गुनाह की सज़ा में ख़ुदा ने उस शहर को तबाह कर दिया था।
- लफ़्ज़ "तबाही" के मतलब में सज़ा या तबाही के ज़रिए' अज़ीम जज़्बाती ग़म से भी शामिल हो सकता है।

## तर्जुमे की सलाह के:

- "उजड़ना" का तर्जुमा "पूरी तरह से तबाह" या "पूरी तरह से बर्बाद" के तौर पर किया सकता है।
- मज़मून पर मुनह्सिर, "उजाड़" का तर्जुमा "पूरी तरह से तबाह " या "पूरा तबाह होना" या "बहुत ज़्यादा ग़म होना" या "मुसीबत होना" हो सकता है।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- दानी'एल 08:24-25
- यरमियाह 04:13-15
- गिनती 21:29-30
- सफ़नियाह 01:12-13

## शब्दकोश:

- Strong's: H1110, H1238, H2721, H1826, H3615, H3772, H7701, H7703, H7722, H7843, H8074, H8077

# तरह, क़िस्में, हलीम, हलीमी

## ता'अर्रुफ़:

"हलीम" और "क़िस्म" लफ़्ज़ उन चीज़ों की मजमू'आ या दर्जाबन्दी के बारे में बताते हैं जो ख़ुसूसियात से मुंसलिक होते हैं"| हैं।

- किताब-ए-मुक़द्दस में, इस लफ़्ज़ का ख़ास तौर पर ख़ास क़िस्म के पेड़ और जानवरों के बारे में बताता है जिन्हें ख़ुदा ने बनाया जब उसने दुनिया की तख़लीक की|
- अक्सर "क़िस्म" में भी मुख़्तलिफ़ क़िस्में होती हैं| मिसाल के तौर पर, घोड़े, ज़ेबरा, और गधे वग़ैरह सब एक ही "क़िस्म" के लेकिन उनकी नसलें मुख़तलिफ़ हैं|
- एक ख़ास बात जिसमें "क़िस्म" को अलग अलग जमा'अत के तौर पर अलग करती है कि उस जमा'अत के अफ़राद उन की "नस्ल" में से ज़्यादातर दुबारा पेश कर सकते हैं| मुख़्तलिफ़ क़िस्म के लोग एक दूसरे के साथ ऐसा नहीं कर सकते

## तर्जुमें की सलाह

- इस लफ़्ज़ के तर्जुमा करने के तरीक़े में "तरह" या "दर्जा" या "क़ौम" या "जानवर(पौंधा) के नसल" या "क़िस्म"

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 01:20-21
- पैदाइश 01:24-25
- मरकुस 09:28-29
- मत्ती 13:47-48

## शब्दकोश:

- Strong's: H2178, H3978, H4327, G1085, G5449

# तरीक़ा , तरीक़े

## ता'अर्रुफ़:

तरीक़ा, ख़ास तौर से लिखा क़ानून हैं जो लोगों की ज़िन्दगी के लिए रास्ता तय करता है।

- लफ़्ज़ "क़ानून" "फ़रमान " और "हुक्म" और "क़ानून" और "डिक्री" के तरह है। इन सभी शर्तों में उन हुक्मों और ज़रूरतें शामिल हैं जिनमें ख़ुदावन्द अपने लोगों या हाकिमों को उनके लोगों को देता है।
- दाऊद बादशाह कहता था कि वह यहोवा के तरीक़ों से ख़ुश रहता था।
- “तरीक़ा” का तर्जुमा “ख़ास हुक्म ” या “ख़ुसूसी फ़रमान ” की शक्ल मैं किया जा सकता है।

(यह भी देखें: हुक्म , हुक्म, क़ानून, फ़रमान , यहोवा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 11:11-13
- इस्तिसना 06:20-23
- हिज़्क़ीएल 33:14-16
- गिनती 19:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H2706, H2708, H6490, H7010

# तलवार, तलवारें, तलवार रखनेवाले

## ता'अरुफ़:

एक तलवार सपाट ब्लेड, धातु का एक हथियार होता है जो काटने या छेदने के लिए इस्ते'माल किया जाता है। इसमें एक बहुत तेज काटने वाले किनारे के साथ एक लम्बा धार ब्लेड और एक कुंदा होता है ।

पुराने ज़माने में तलवार के ब्लेड की लंबाई तक़रीबन 60 से 91 सेंटीमीटर थी। कुछ तलवारों में दोनों तरफ़ धार लगी होती है जिन्हें दोधारी तलवार कहते हैं।

- 'ईसा के शागिर्द भी ख़ुद की हिफ़ाज़त के लिए तलवारें रखते थे । पतरस अपनी तलवार चलाकर सरदार काहिन के ख़ादिम का कान काट दिया था

यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला और या'क़ूब रसूल दोनों का सिर तलवार से काटा गया था।

## तर्जुमा की सलाह:

एक तलवार ख़ुदा के लफ़्ज़ के लिए एक इस्ति'यार की शक्ल में इस्ते'माल किया जाता है । कलाम में ख़ुदा की ता'लीमों ने लोगों के अंदरूनी ख़्यालों को रोशन किया और उन्हें अपने गुनाहों के मुजरिम ठहराया। इसी तरह एक तलवार गहराई से काटती है, दर्द पैदा करती है। (देखें: इस्ति'यार

- इस 'अलामती इस्ते'माल का तर्जुमा करने का एक तरीक़ा हो सकता है, "ख़ुदा का कलाम तलवार जैसा है जो गहरा वार करके गुनाह को ज़ाहिर करता है"।
- इस आयत का एक दूसरा 'अलामती इस्ते'माल ज़बूर में हुआ है, जहां किसी शख़्स की ज़बान या 'एलान की बराबरी तलवार से होती है, जो लोगों को घायल कर सकती है। इसका तर्जुमा किया जा सकता है "जीभ एक तलवार की तरह है जो किसी को बुरी तरह से घायल कर सकती है।"
- अगर आपके माहोल में तलवारें नहीं जानी जाती हैं, तो इस लफ़्ज़ का तर्जुमा एक लंबे मोहरे हथियार के नाम से किया जा सकता है जिसका इस्ते'माल काटने या छेदने के लिए किया जाता है।

तलवार का तर्जुमा "धारवाला हथियार" या "लम्बी छुरी" भी किया जा सकता है। कुछ तर्जुमों में तलवार की तस्वीर देना भी मुनासिब हो सकता है।

(यह भी देखें:नए लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करे)

(यह भी देखें: या'क़ूब ('ईसा का भाई), युहन्ना (बपतिस्मा देनेबाला), जीभ, ख़ुदा का कलाम )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 12:1-2
- पैदाइश 27:39-40
- पैदाइश 34:24-26
- लूक़ा 02:33-35
- लूक़ा 21:23-24
- मत्ती 10:34-36
- मत्ती. 26:55-56
- मुक़ाश्फ़ा 01:14-16

## शब्दकोश:

- Strong's: H19, H1300, H2719, H4380, H6609, H7524, H7973, G3162, G4501

# तलाक़

## ता’अरुफ़:

तलाक़ देना शादी तोड़ने का कानूनी ‘अमल है। लफ़्ज़ "तलाक़" का मतलब है कि शादी का ख़ात्मा करने के लिए शौहर बीवी को रस्मी और कानूनी तौर से छोड़ देना।

- “तलाक” का लफ़्ज़ी मतलब हैः "अलग कर देना" या "रस्मी तौर से अलग होना।" और ज़बानों में तलाक़ के लिए इसी तरह का कोई लफ़्ज़ हो सकता है।
- "तलाक़ का फ़रमान" का तर्जुमा हो सकता है: " शादी तोड़ने के दस्तावेज़।"

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 08:8-11
- अहबार 21:7-9
- लूक़ा 16:18
- मरकुस 10:1-4
- मत्ती 05:31-32
- मत्ती 19:3-4

## शब्दकोश:

- Strong's: H1644, H3748, H5493, H7971, G630, G647, G863

# तवारीख़

## ता'अर्रुफ़:

"तवारीख़" या वक़्त के किसी ज़माने की लिखी हुई वारदात की तहरीर।

- पुराने 'अहद नामे की दो किताबें, "पहली तवारीख़" और "दूसरी तवारीख़" कहलाती हैं।
- "तवारीख़" की इन किताबों में इस्राईल की तवारीख़ का एक हिस्सा ज़ाहिर करता है जिनका शुरू' आदम से लेकर हर एक नसल के लोगों की फ़हरिस्त से है।
- "पहली तवारीख़"इस किताब में बादशाह साऊल की ज़िन्दगी का ख़ात्मा और बादशाह दाऊद की सल्तनत तहरीर है |
- "दूसरी तवारीख़" बादशाह सुलेमान और ग़ैर बादशाहों की बादशाहत का बयान है ,हैकल ता'मीर और उत्तरी सलतनत इस्राईल और दाख़िन की सलतनत यहूदा का बटवारा भी |
- दूसरी तवारीख़ की किताब के आख़ीर में बाबुल की ग़ुलामी के शुरू' होने की गुफ्तुगू की गयी है |

(यह भी देखें: बाबुल, दाऊद, ग़ुलामी, इस्राईल की सलतनत, यहूदा; सुलेमान)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 27:23-24
- 2 तवारीख़ 33:18-20
- आस्तर 10:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H1697

# तशरीह करना, बयान करना, तफ़सीर दिया, तशरीह, मतलब बताना, तशरीहात , तर्जुमा करने वाला

## सच्चाई:

“ तशरीह करना” और “मतलब बताना” का मतलब है किसी अधूरी बात का मतलब समझाना।

- कलाम में इन लफ़्ज़ों के बारे ख़्वाब और रोया के मतलब बताने से है।
- बाबुल के बादशाह ने ख़्वाब देखा और वह परेशान हो गया तब ख़ुदावन्द ने दानिएल की मदद की कि वह उसका ख़्वाब बताए और उसका मतलब समझाए।
- ख़वाब का “मतलब” बताना या'नी उस का तर्जुमा समझाना।
- पुराने 'अहद नामे में ख़ुदा कभी-कभी ख़वाबों के ज़रिए' लोगों को मुस्तक़बिल की बातें बताता था। लिहाज़ा उन तर्जुमों का मतलब नबूव्वत होता था।

“मतलब बताना” दूसरी बातों की तशरीह समझाना भी होता है, जैसे कि यह मा'लूम करना कि मौसम कितना ठंडा या गर्म है, कैसी हवा है, और आसमान कैसा दिखता है।

- “मतलब बताना” का तर्जुमा “मतलब की वज़ाहत ” या “ख़ुलासा करना” या “मतलब समझाना” भी हो सकता है।
- “मतलब बताना” का तर्जुमा “तफ़सीर” या “मतलब का ख़ुलासा ” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: बाबुल, दानिएल, ख़्वाब, नबी , मक़सद)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 12:9-11
- दानिएल 04:4-6
- पैदाइश 40:4-5
- क़ुज़ात 07:15-16
- लूका 12:54-56

## शब्दकोश:

- Strong's: H995, H3887, H6591, H6622, H6623, H7667, H7760, H7922, G1252, G1328, G1329, G1381, G1955, G2058, G3177, G4793

# तसल्ली, तसल्ली, तसल्ली दी, तसल्ली देने वाला, तसल्ली देनेवाला, तसल्ली देनेवाले, तसल्ली नहीं मिली

## ता'रीफ़:

“तसल्ली” और “तसल्ली देनेवाला” का बयान उस इन्सान से है जो जिस्मानी या जज़्बाती दर्द में मुब्तिला की मदद का बयान करने के लिए काम में लिया गया है।

- तसल्ली देने वाले को तसल्ली देने वाला कहते हैं
- पुराने ‘अहद नामे में “तसल्ली देना” ख़ुदा की क़ौम के लिए उसकी महरबानी और उसके प्यार और दुखों में उनकी मदद का बयान करने के लिए काम में लिया गया है।
- नये ‘अहद नामे में कहा गया है कि ख़ुदा अपनी पाक रूह के ज़रिये अपने लोगों को तसल्ली ‘अता करेगा। जिन्हें तसल्ली मिलती है वे बदले में दुःख उठानेवालों को तसल्ली देंगे।
- “इस्राईल का तसल्ली देने वाला ” मसीह के बारे में है जो अपने लोगों को नजात देगा।
- ’ईसा ने पाक रूह को मददगार कहा जो ‘ईसा पर ईमान रखने वालों की मदद करेगा |

## तर्जुमे की सलाह:

मज़मून के मुताबिक़ “तसल्ली देना “ का तर्जुमा हो सकता है “दुखों को हटाने वाला “या “(किसी को)दुःख से उबरने में मदद “ या “हौसला देते हैं” या तसल्ली “

- ”हमारी तसल्ली “इस जुमले का तर्जुमा हो सकता है ,”हमारा हौसला’या हमारी (किसी के)हमदर्दी “या “दुखी होने के वक़्त हमारी मदद”|
- लफ़्ज़"तसल्ली देनेवाला" का तर्जुमा"कोई इन्सान तसल्ली देता है" या "कोई इन्सान जो दर्द को कम करने में मदद करता है" या "कोई इन्सान जो हौसला देता है"।
- जब पाक रूह को "तसल्ली देनेवाला" कहा गया तो इसका तर्जुमा "तसल्ली देना वाला " या "मददगार " या "जो मदद और रास्ता दिखाता है।"
- जुमला "इस्राईल की तसल्ली" का तर्जुमा "मसीहा जो इस्राईल को तसल्ली ‘अता करता है" की शक्ल में किया जा सकता है।
- एक दिल पसन्दकलाम की तरह, "उनके पास कोई तसल्ली देनेवाला नहीं" का भी तर्जुमा किया जा सकता है, "कोई भी उन्हें तसल्ली नहीं देता" या "उन्हें हौसला देने या उनकी मदद करने के लिए कोई नहीं है।"

(यह भी देखें: हौसला देना , पाक रूह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- 2 समूएल 10:1-3
- रसूलों के आमाल 20:11-12

## शब्दकोश:

- Strong's: H2505, H5150, H5162, H5165, H5564, H8575, G302, G2174, G3870, G3874, G3875, G3888, G3890, G3931

# तस्वीर, तस्वीरों , खुली तस्वीर, खोदी हुई तस्वीर, धातु की तस्वीर , सूरत, तस्वीर बनाने वाला ,खुली हुई शक्ल, खुदी हुई शक्ल , धात की शक्ल ,

## ता’अर्रुफ़:

यह सब लफ़्ज़ झूठे मा'बूदों की 'इबादत में बुतों के बारे में हैं। बुत परस्ती के रिश्ते में बुत का मतलब था, तराशे हुए बुत।

- “ख़ुदी हुई तस्वीर” या “खुदे हुए बुत” लकड़ी से बनाया हुआ जानवर, इन्सान या किसी चीज़ की तरह नज़र आती हो।
- “धातु की खुदी हुई मूरत” धातु को पिघला कर सांचे में डालकर किसी चीज़, जानवर या इन्सान की शक्ल देना।
- यह लकड़ी के या धातु की तरह झूठे मा'बूदों की 'इबादत के काम में लिए जाते थे।
- किसी बुत के लिए “बुत” लफ़्ज़ का मतलब है लकड़ी या धातु के बुत ।

## तर्जुमा के लिए सलाह:

- बुत के बारे में “बुत ” का तर्जुमा “सूरत ” या “ख़ुदे हुए बुत ” या “ख़ुदी मज़हबी चीज़ ” किया जा सकता है।
- कुछ ज़बानों में इस लफ़्ज़ के साथ मनफ़ी लफ़्ज़ काम में लेना ज़्यादा बेहतर होगा जैसे “ख़ुदी हुई सूरत” या “ढले हुए बुत” चाहे कहीं-कहीं सिर्फ़ “बुत” या “लाठ” लफ़्ज़ हो जो असल ज़बान के हैं।
- वाज़ेह करें कि यह लफ़्ज़ ख़ुदा की सूरत से अलग हो।

(यह भी देखें: झूठे मा’बूद, ख़ुदावन्द, बुत, ख़ुदावन्द की सूरत )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 14:9-10
- रसूलों के ;आमाल 07:43
- यसा'याह 21:8-9
- मत्ती 22:20-22
- रोमियो 01:22-23

## शब्दकोश:

- Strong's: H457, H1544, H2553, H4541, H4676, H4853, H4906, H5257, H5262, H5566, H6091, H6456, H6459, H6754, H6755, H6816, H8403, H8544, H8655, G1504, G5179, G5481

# तहम्मुल , तहम्मूल से, सब्र करना , बर्दाश्त

## ता'अरुफ़:

"तहम्मुल " और "सब्र " लफ़्ज़ कठिन हालातों में मज़बूत खड़े रहने के बारे में है। "सब्र करना " में अक्सर इन्तिज़ार करना होता है।

- किसी के साथ तहम्मुल होने का मतलब है उससे मुहब्बत करना और उसकी गलतियों को मु'आफ़ कर देना।
- किताब-ए-मुक़द्दस में ख़ुदा के लोगों को ता'लीम दी गई है कि वे परेशानियों में सब्र करें और एक दूसरे की बर्दाश्त हो।
- अपनी रहमत की वजह से खुदा इन्सानों के साथ तहम्मुल वाला है जबकि वे सज़ा के लायक़ गुनहगार हैं।

(यह भी देखें: बर्दाश्त करना, मुआ'फ़ी , सब्र)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 पतरस 03:18-20
- 2 पतरस 03:8-9
- इब्रानियों 06:11-12
- मत्ती 18:28-29
- ज़ुबूर 037:7
- मुक़ाशिफा 02:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H750, H753, H2342, H3811, H6960, H7114, G420, G463, G1933, G3114, G3115, G3116, G5278, G5281

# ताज , ताज, ताज पहनाना, ताज रखा

## ता’अर्रुफ़:

ताज बादशाह रानी के सिर पर पहना जानेवाला ज़ेवर हैं। “ताज पहनाना” का मतलब किसी के सिर पर ताज रखना ; जिसका ‘अलामती मतलब है “इज़्ज़त करना।”

- ताज सोने या चांदी के बने होते थे और उनमे क़ीमती पत्थर मरकत और माणिक जड़े होते थे।
- ताज बादशाह की ताक़त और माल -दौलत का निशान था।
- इसके बरख़िलाफ़ सिपाहियों ने ‘ईसा के सिर पर कांटों का ताज रखा था तो वह उसका मज़ाक़ उड़ाने और उसे दुःख देने के लिए था।
- पुराने ज़माने में जीतने वाले खिलाड़ियों को जैतून के पेड़ की टहनियों का ताज पहनाया जाता था। पौलुस रसूल तीमुथियुस को लिखे दूसरे ख़त में इस ताज की गुफ़्तुगू करता है।
- तम्सीली शक्ल में “ताज पहनाने” का मतलब है इज़्ज़त करना। हम ख़ुदा का हुक्म मानकर और ग़ैरों में उसकी ता’रीफ़ बयान करके उसकी इज़्ज़त करते हैं। यह ऐसा है जैसे उसके सिर पर ताज रखना और उसे बादशाह क़ुबूल करना।
- पौलुस ईमानदारों को अपनी “ख़ुशी और ताज ” कहता है। इस कलाम में “ताज ” का मतलब ‘अलामती है जिसका मतलब है कि पौलुस बहुत बरकत से मा’मूर और क़ाबिल-ए-इज़्ज़त है क्योंकि ईमानदार ख़ुदा की ख़िदमत में यकीन के लायक़ रहे हैं।
- तम्सीली शक्ल में इस्ते’माल करने पर ताज का तर्जुमा “इना’म ” या “इज़्ज़त ” या “बदला ” किया जा सकता है।
- “ताज पहनाने” को जब तम्सीली शक्ल में काम में लिया जाए तो इसका तर्जुमा “इज़्ज़त देना” या “आरास्ता करना” हो सकता है।
- किसी को ताज पहनाने का तर्जुमा हो सकता है, “उसके सिर पर ताज रखा गया”।
- “जलाल और इज़्ज़त का ताज ” का तर्जुमा “उसे ता’ज और इज़्ज़त दिया गया” या “उसे जलाली या क़ाबिल-ए-इज़्ज़त किया गया” या “वह जलाल और इज़्ज़त के साथ मा’मूर था”।

(यह भी देखें: जलाल, बादशाह, जैतून)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- यूहन्ना 19:1-3
- नोहा 05:15-16
- मत्ती 27:27-29
- फिलिप्पियों 04:1-3
- जुबूर 021:3-4
- मुकाशिफ़ा 03:9-11

## शब्दकोश:

- Strong's: H2213, H3803, H3804, H4502, H5145, H5849, H5850, H6936, G1238, G4735, G4737

# ताबे' होना, ताबे' रहना, ताबे' हुआ, ताबे' रहना, ताबे'दार ,ताबे'दारी में

## ता'अर्रुफ़:

“ताबे' होना” का 'आम मतलब है अपनी मर्ज़ी से किसी के या हुकूमत के ताबे' होना।

- कलाम में 'ईसा के ईमानदारों को कहा गया है कि वह अपनी ज़िन्दगी में ख़ुदा और दूसरे हाकिमों के ताबे रहो ।
- “एक दूसरे के ताबे' रहो” या'नी हलीमी से एक दूसरे को क़ुबूल करें और अपने जैसे दूसरों की ज़रूरतों पर ज़्यादा तवज्जह दें।
- “ताबे'दारी में रहो” या'नी ख़ुद को किसी के ताबे' रखो।

## तर्जुमा की सलाह:

- “ताबे' रहो” का तर्जुमा “इख्तियार के नीचे हो जाओ” या “रहनुमाई की पैरवी करो” या “हलीमी से 'इज़्ज़त करो और बड़ाई करो”।
- “ताबे'दारी” का तर्जुमा “हुक्मों पर 'अमल” या “ इख्तियार को क़ुबूल करना” हो सकता है।
- “ताबे'दारी में रहो” का तर्जुमा “करो” फरमा बरदार या “किसी के मातहत रहो”।
- “ताबे'दारी में रहो” का तर्जुमा “हलीमी से इख्तियार को क़ुबूल करो”

(यह भी देखें: मज़मून )

## किताब -ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 14:34-36
- 1 पतरस 03:1-2
- 'इब्रानियों 13:15-17
- लूक़ा 10:17-20

## शब्दकोश:

- Strong's: H3584, H7511, G5226, G5293

# तारीकी

## ता’अर्रुफ़

तारीकी का लफ़्ज़ी मतलब है रोशनी की ग़ैरमौजूदगी| इस लफ़्ज़ के ’अलामती मतलब भी हैं:

- इस्ता’रा की शक्ल में “तारीकी” का मतलब “नापाकी”, या “बुराई”, या “रूहानी अँधापन” है |
- यह गुनाह और इख़लाक़ी फ़सादात के हवाले से है|
- “तारीकी का बादशाह” इस जुमले का मतलब है सब कुछ जो बुरा है और शैतान के ताबे’ है|
- तारीकी मौत की शक्ल भी है| (देखें: इस्ता’रा
- जिन इंसानों को ख़ुदा का ‘इल्म नहीं उन्हें उनके लिए कहा जाता है कि वे “तारीकी में रह रहे हैं” या’नी रास्तबाज़ी को समझते नहीं और न ही उसका सुलूक करते हैं|
- ख़ुदा नूर(रास्तबाज़ी) है और तारीकी (बुराई)उस पर नहीं छा सकती है|
- ख़ुदा को छोड़ने वालों को सज़ा की जगह को कभी-कभी “बाहरी तारीकी” कहा जाता है|

## तर्जुमे की सलाह

- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा जैसा का तैसा करना ठीक है, मक़सदी ज़बान में इसका मुतरज्जिम लफ़्ज़ जिसका ता’अल्लुक रोशनी की ग़ैरमौजूदगी से है | यह किसी कमरे की तारीकी का भी लफ़्ज़ हो सकता है जहाँ रोशनी नहीं या वक़्त का वह पहर जब रोशनी नहीं होती|
- ‘अलामती इस्ते’माल में भी रोशनी के मुख्तलिफ़ लफ़्ज़ का मतलब ज़ाहिर होना है, भलाई और सच्चाई के मुख़ालिफ़ बुराई और धोके का ज़िक्र करना|
- मज़मून पर मुनहस्सिर इसका तर्जुमा हो सकता है, “रात की तारीकी” (जैसा कि “दिन की रोशनी” की मुख़ालिफ़त की गयी थी) या “कुछ भी नहीं देखना, रात की तरह” या “बुराई, तारीक जगह जैसा|

(यह भी देखें: फ़साद, इख़्तियार, बादशाही, नूर, नजात देना, रास्तबाज़

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 युहन्ना 01:5-7
- 1 युहन्ना 02:7-8
- 1 थिस्लुनीकियो 05:4-7
- 2 समूएल 22:10-12
- कुलस्सियो 01:13-14
- यसा’याह 05:29-30
- यरमियाह 13:15-17
- यशू’अ 24:7
- मत्ती 08:11-13

## शब्दकोश:

- Strong's: H652, H653, H2816, H2821, H2822, H2825, H3990, H3991, H4285, H5890, H6205, G2217, G4652, G4653, G4655, G4656

# ताक़त, ताक़तवर करना, मज़बूत किया, मज़बूत, मज़बूत करना

## सच्चाई:

“ताक़त” या'नी जिस्मानी, जज़्बाती या रूहानी ताक़त। “ मज़बूत करना” (क़ायम होना, मज़बूत होना) या'नी किसी को ज़्यादा ताक़तवर बनाना।

- “ताक़त” का मतलब यह भी है कि किसी तरह की मुख़ालिफ़ ताक़त का सामना करना।
- आज़माइश में नहीं गिरनेवाले में “मर्ज़ी की ताक़त ” होती है।
- ज़बूर का मुंसिफ़ यहोवा को अपनी “ताक़त” कहता है या'नी ख़ुदा उसे ताक़तवर होने में मदद करता है।
- दीवार या हैकल जैसी 'इमारत को मज़बूत किया जाए तो इसका मतलब है कि उसको दोबारा तैयार किया जा रहा है उसमें पत्थर और ईंटों को जोड़कर उसे ज़्यादा मज़बूत किया जा रहा है कि वह हमले का सामना कर पाए।

## तर्जुमा की सलाह:

- “ मज़बूत करना” का 'आम तर्जुमा हो सकता है, “ मज़बूत करना” या “ज़्यादा ताक़तवर बनाना”।
- रूहानी मतलब में “अपने भाइयों को मज़बूत कर” का तर्जुमा होगा, “अपने भाइयों की हौसला अफ़ज़ाई कर” या “अपने भाइयों को सब्र करने में मदद हासिल कर”।
- लिखी हुई मिसालें इन लफ़्ज़ों का मतलब दिखाते हैं, और इसलिए उनका तर्जुमा कैसे किया जा सकता, जब उन्हें लंबे वक़्त तक तजुर्बे में शामिल किया जाता है।
- “पटके की ताक़त ” या'नी “पूरी ताक़त देना जैसे पटका कमर को घेरे रहता है”।
- “सुकून और ईमान तेरी ताक़त होगी” या'नी “पुर सुकून भरोसा और ख़ुदा में ईमान तुझे रूहानी ताक़त हासिल करेगा”।
- "अपनी ताक़त का तजुर्बा करेगा" का मतलब "फिर से मजबूत हो जाएंगे”।
- "मेरी ताक़त और मेरी 'अक़्ल से मैंने काम किया" इसका मतलब है "मैंने यह सब किया है क्यूँकि मैं बहुत ताक़तवर और 'अक़्लमन्द हूं।"
- "दीवार को मजबूत करें" का मतलब है "दीवार को मज़बूत करना" या "दीवार को फिर से बनाना"।
- “मैं तुझे मज़बूत करूंगा” या'नी “मैं तुझे ताक़तवर बनाऊंगा”।
- “नजात और ताक़त यहोवा से है, या'नी “सिर्फ़ यहोवा हमारी नजात करता है और हमें ताक़त देता है”।
- “ ताक़त की चट्टान” या'नी “वह ईमान के लायक़ है जो तुझे ताक़त देता है”
- “उसकी दहिने हाथ की नजात की ताक़त से” या'नी “वह तुझे मुसीबतों से ताक़त के ज़ोर उबारता है जैसे कोई तुझे ताक़तवर हाथ से पकड़े रहे”।
- “छोटी ताक़त” या'नी “कमज़ोर” या “ज़यादा मज़बूत नहीं”।
- “अपनी पूरी ताक़त से” या'नी “अपने पूरी कोशिश से” या “मज़बूती से मुकम्मल तौर से ”

(यह भी देखें: ईमान, मज़बूत रहना, दाहिना हाथ, नजात)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 सलातीन 18:19-21
- 2 पतरस 02:10-11
- लूक़ा 10:25-28
- ज़बूर 021:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H193, H202, H353, H360, H386, H410, H553, H556, H905, H1082, H1369, H1396, H1679, H2220, H2388, H2391, H2392, H2393, H2428, H2633, H3027, H3028, H3559, H3581, H3811, H3955, H4206, H4581, H5326, H5331, H5332, H5582, H5797, H5807, H5810, H5934, H5975, H6106, H6109, H6697, H6965, H7292, H7293, H7296, H7307, H8003, H8443, H8510, H8632, H8633, G461, G772, G950, G1411, G1412, G1743, G1765, G1840, G1849, G1991, G2479, G2480, G2901, G2904, G3619, G3756, G4599, G4732, G4733, G4741

# ताक़त, ताक़तवर, बहुत ताक़तवर, ताक़त से

## ता'अरुफ़:

"क़ादिर-ए-मुतलक़" और "ताक़त" के बारे में बड़ी क़ूव्वत या ताक़त से है।

- "ताक़तवर" हमेशा "मज़बूती" के लिए दूसरा लफ़्ज़ है। ख़ुदावन्द के बारे में बात करते वक़्त इस लफ़्ज़ का मतलब "क़ूव्वत" हो सकता है।
- "ताक़तवर आदमी" के बारे में हिम्मत और जंग में माहिर आदमियों के लिए किया गया है। दाऊद के ईमानदार साथी जो उसकी हिफ़ाज़त और देखरेख करते थे उन्हें कई बार "ताक़तवर आदमी" कहा गया है।
- ख़ुदावन्द को भी "क़ादिर-ए-मुतलक़" कहा गया है।
- " क़ुदरत वाले काम" हमेशा ख़ुदावन्द के मो'जिज़ों, ख़ास करके अजीब कामों को कहा गया है
- यह लफ़्ज़ "क़ादिर-ए-मुतलक़" ख़ुदा के नारे में है जो ख़ुदावन्द के लिएआम बयान है जिसका मतलब है कि उसके पास पूरी क़ूव्वत है।

## तर्जुमा के लिए सलाह:

- बयान के मुताबिक़ "ताक़तवर" लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, "ताक़तवर" या "" या हैरत अंगेज़"बहुत मज़बूत "
- "उसकी ताक़त" का तर्जुमा हो सकता है, "उसकी क़ूव्वत" या "उसकी ताक़त"।
- रसूलों के 'आमाल 7 में मूसा को "कलाम और अमल दोनों में ताक़तवर" कहा गया है। इसका तर्जुमा हो सकता है, "मूसा ख़ुदावन्द के ताक़तवर कलाम बोलता था और अजीब काम करता था।" या "मूसा ख़ुदावन्द के कलाम की ताक़त के साथ कलाम करता था और अजीब के काम करता था।"
- बयान के मुताबिक़ , "ताक़तवर काम" का तर्जुमा हो सकता है, "ख़ुदावन्द के ज़रिए' काम " या "मो'जिज़ा" या "ख़ुदावन्द ताक़त के साथ काम करता है।"
- "ताक़त" का तर्जुमा "क़ूव्वत" या "बहुत मज़बूत " हो सकता है।
- इस लफ़्ज़ का अंग्रेजी में इमकान केलिए इस्ते'माल किया जाता है जैसे बारिश हो सकती है।

(यह भी देखें:[क़ादिर-ए-मुतलक़, मो'जिज़ा, क़ूव्वत, बल

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के ;आमाल . 07:22-25
- पैदाइश 06:4
- मरकुस 09:38-39
- मत्ती 11:23-24

## शब्दकोश:

- Strong's: H46, H47, H117, H193, H202, H352, H386, H410, H430, H533, H650, H1219, H1368, H1369, H1370, H1396, H1397, H1401, H1419, H2220, H2389, H2394, H2428, H3201, H3524, H3581, H3966, H4101, H5794, H5797, H5807, H5868, H6099, H6105, H6108, H6184, H6697, H6743, H7227, H7580, H7989, H8623, H8624, H8632, G972, G1411, G1413, G1414, G1415, G1498, G1752, G1754, G2159, G2478, G2479, G2900, G2904, G3168, G3173, G5082

# ता’मीर करना, ता’मीर की, ता’मीर करने वाला, बुनियाद, बुनियादें

## ता’अरुफ़:

फ़े’अल लफ़्ज़ “ता’मीर करना” का मतलब ता’मीर, बनाना या उसके लिए बुनियाद रखना। जुमले “पर क़ायम” का मतलब है हिमायत की या उसकी बुनियाद पर। “बुनियाद” वह नींव है जिस पर ता’मीर किया जाता है।

- घर या ‘इमारत की नींव मज़बूत होनी चाहिए, वह पूरी ता’मीर को संभालने के लिए मुनहस्सिर करने के लायक़ होनी चाहिए।
- “बुनियाद” का हवाला किसी बात को शुरू’ से भी हो सकता है या वह वक़्त जब किसी चीज़ को ता’मीर किया गया था।
- ‘अलमाती मतलब में, मसीह के ईमानदारों का मुक़ाबला एक ऐसी ‘इमारत से किया गया है जिसकी नींव रसूलों और नबियों की ता’लीम पर पड़ी है जिस ‘इमारत के कोने का पत्थर मसीह ख़ुद है।
- “नींव का पत्थर” नींव में रखा गया पत्थर होता है। इन पत्थरों को आज़मा कर देखा जाता था कि वे पूरी ‘इमारत को संभालने के लिए मज़बूत हैं या नहीं।

## तर्जुमे की सलाह:

- जुमला “दुनियाँ की तख़लीक से पहले” का तर्जुमा किया जा सकता है, “क़ायनात की तख़लीक से पहले”, या “क़ायनात के ज़ाहिर होने के वक़्त से पहले” या “पूरी क़ायनात के बनने से पहले”।
- लफ़्ज़ “बुनियाद... मज़बूत करके रखी” का तर्जुमा हो सकता है, “हिफ़ाज़ती बनाया” या “मज़बूती से बुनियाद रखना”।
- मज़मून पर मुनहस्सिर “नींव” का तर्जुमा “मज़बूत नींव” या “ठोस बुनियाद” या “शुरू’” या “तख़लीक”।

(यह भी देखें: कोने का पत्थर, बनाना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 06:37-38
- 2 तवारीख़ 03:1-3
- हिज़क़ीएल 13:13-14
- लूक़ा 14:28-30
- मत्ती 13:34-35
- मत्ती 25:34-36

## शब्दकोश:

- Strong's: H134, H787, H803, H808, H2713, H3245, H3247, H3248, H4143, H4144, H4146, H4328, H4349, H4527, H6884, H8356, G2310, G2311, G2602

# तीरंदाज़, तीरंदाज़ों

## ता’अरुफ़:

“तीरंदाज़” धनुष और तीर को हथियार की तरह काम में लेने में माहिर आदमी ।

- कलाम में तीरंदाज़ एक सिपाही है जो फ़ौज में धनुष और तीर का इस्तेमाल करता है।
- तीरंदाज़ अश्शूरों की फ़ौज का सबसे ख़ास हिस्सा थे।
- कुछ ज़बानों में इसके लिए अपना लफ़्ज़ होगा जैसे “तीरंदाज़”

(यह भी देखें: अश्शूर)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 31:1-3
- 2 तवारीख़ 35:23-24
- पैदाइश 21:19-21
- यशायाह 21:16-17
- अय्यूब 16:13-14
- अम्साल 26:9-10

## शब्दकोश:

- Strong's: H1167, H1869, H2671, H2686, H3384, H7198, H7199, H7228

# तुरही, तुरहियां, तुरही फूँकनेवालों

## ता'अर्रुफ़:

"तुरही" मौसीक़ी के लिए या लोगों को 'ऐलान या मजलिस के लिए इकठ्ठा करने के लिए बजाने वाला था।

- तुरही आमतौर पर धातु, शंख या जानवर के सींग से बनाई जाती थी।
- तुरही जुंग के लिए या इस्राईल की मजलिसे आम के लिए फूंकी जाती थी।
- मुकाश्फ़ा की किताब में आख़ीर वक़्त के मन्ज़र का बयान किया गया है जब फ़रिश्ते तुरही फूंकेंगे जो ज़मीन को खुदा के ग़ज़ब को उण्डेले जाने का इशारा होगा।

(यह भी देखें: फ़रिश्ता , मजलिस , ज़मीन , सींग, इस्राईल, ग़ज़ब)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 13:7-8
- 2 सलातीन 09:11-13
- ख़ुरूज 19:12-13
- इब्रानियों 12:18-21
- मत्ती 06:1-2
- मत्ती 24:30-31

## शब्दकोश:

- Strong's: H2689, H2690, H3104, H7782, H8619, H8643, G4536, G4537, G4538

# तूमार , तूमारों

## ताअर्रुफ़:

पुराने ज़माने में, एक किताब तूमार या चमड़े की बनी एक छोटी चादर होती थी जिस पर लिखकर उसे लपेट लिया जाता था।

- लिखकर या पढ़ कर उसे फिर दोनों सिरों पर लगे डंडों पर लपेट दिया जाता था।
- क़ानूनी कागज़ात ओर मज़हबी-सहीफ़ों के लिए किताब काम में ली जाती थी।
- क़ासिद के हाथ लाई गई उन किताब पर मोम की मुहर लगी होती थी। जब किताब (दस्तावेज़ों) हासिल होने पर मोम अभी भी मौजूद था, तो हासिल करने वाले को पता था कि किताब को पढ़ने के लिए किसी ने भी इसे खोला नहीं था या उस पर लिखने के बा'द से इसे सील कर दिया गया था।
- 'इब्रानी मज़हब की मुक़द्दस किताब (दस्तावेज़ों) इबादतख़ानों में पढ़े जाते थे।

(यह भी देखें: मुहर, ‘इबादतख़ाना, ख़ुदा का कलाम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- यरमियाह 29:1-3
- लूक़ा 04:16-17
- गिनती 21:14-15
- मुक़ाश्फा 05:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H4039, H4040, H5612, G974, G975

# तेल

## ता’अरुफ़:

तेल एक मोटा, पानी जैसी चीज़ है जो पेड़ों से निकाला जाता है। किताब-ए-मुक़द्दस के ज़माने में ज़ैतून का तेल ज़्यादातर काम में लिया जाता था।

- ज़ैतून का तेल पकाने, मसह करने, क़ुर्बानी चढ़ाने, चराग़ जलाने और दवाइयाँ के बनाने में काम में लिया जाता था।
- पुराने ज़माने में ज़ैतून का तेल बेशक़ीमत था और तेल का जमा’ करना दौलत का पैमाना माना जाता था।
- यक़ीनी बनाएँ कि इस लफ़्ज़ का तर्जुमा पकाने के तेल का मतलब ज़ाहिर करे न कि, गाड़ियों में डालने वाले तेल का। कुछ ज़बानों में इन अलग-अलग तेलों के लिए अलग अलग लफ़्ज़ है।

(यह भी देखें: ज़ैतून, क़ुर्बानी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 शमूएल 01:21-22
- ख़ुरूज 29:1-2
- अहबार 05:11
- अहबार 08:1-3
- मरक़ुस 06:12-13
- मत्ती 25:7-9

## शब्दकोश:

- Strong's: H1880, H2091, H3323, H4887, H6671, H7246, H8081, G1637, G3464

# तख़्त, तख़्तों, तख़्त नशीन होना

## ता’अर्रुफ़:

एक तख़्त एक ख़ास शक्ल से बनाई गई कुर्सी है जहाँ एक हाकिम बैठता है जब वह अहम मामलों का फ़ैसला करता है और अपने लोगों की फ़रियाद को सुनता है।

- तख़्त हाकिम का इख़्तियार और ताक़त का निशान है।
- “तख़्त ” लफ़्ज़ का तमसीली इस्ते’माल बादशाह या उसकी सल्तनत या उसकी कुदरत के लिए भी किया जाता है। (देखें: ‘इल्म बयान की एक सिफ़त )
- किताब-ए-मुक़द्दस में ख़ुदा को बादशाह की शक्ल में तख़्त पर बैठे हुए कहा गया है। ‘ईसा को ख़ुदा बाप के दाहिनी ओर तख़्त पर बैठा हुआ बयान किया गया था।
- ‘ईसा ने कहा कि आसमान ख़ुदा का अर्श है। इसका तर्जुमा , "जहां ख़ुदा बादशाह की शक्ल में सल्तनत करता है" किया जा सकता है।

(यह भी देखें इख़्तियार, ताक़त , बादशाह , बादशाहत करना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- कुलुस्सियों 01:15-17
- पैदाइश 41:39-41
- लूका 01:30-33
- लूका 22:28-30
- मत्ती 05:33-35
- मत्ती 19:28
- मुक़ाशिफ़ा 01:4-6

## शब्दकोश:

- Strong's: H3427, H3676, H3678, H3764, H7675, G968, G2362

# दरख़्त , पेड़ , लगाए गए, पेड़ लगाना, बनाना , दोबारा बनाना , एक जगह से दूसरी जगह लगाना , बोना, बोया बोया, बोया, बुवाई

## ता'अरुफ़:

एक "पेड़" आम तौर पर कुछ ऐसा होता है जो बढ़ता है और जमीन से जुड़ा होता है। “बोना” या'नी ज़मीन में बीज डालना कि पेड़ उगें। “बोनेवाला” वह शख़्स है जो बीज डालता है या पेड़ लगाता है।

- बीज बोने और पेड़ लगाने का तरीक़ा अलग-अलग होता है। एक तरीक़े में बीज हाथ में लेकर ज़मीन पर बोया जाता हैं।
- एक और तरीक़ा है जिसमें ज़मीन में छेद करके बीज डाले जाते हैं।
- “बोना” लफ़्ज़ का इस्ते'माल 'अलामती शक्ल में भी किया जाता है जैसे,जो शख़्स बोता है वही काटता है। कहने का मतलब है कि शख़्स बुरा करता है तो ग़लत नतीजा होता है, अगर कोई शख़्स अच्छा करता है, तो उसे सही का फ़ल हासिल होगा ।

## तर्जुमा की सलाह:

- 'बोना' लफ़्ज़ को "पेड़" के शक्ल में भी तर्जुमा किया जा सकता है। वाज़ेह करें कि इसका तर्जुमा करने के लिए लफ़्ज़ लगाना बीज शामिल कर सकते हैं ।
- "बोनेवाला" का तर्जुमा करने के कई तरीकों में "बोनेबाला" या "किसान" या " शख़्स जो पेड़ों के बीज बोते हैं" शामिल हो सकते हैं।
- अंग्रेजी में, "बोना " का इस्ते'माल सिर्फ़ बीज लगाए जाने के लिए किया जाता है, लेकिन अंग्रेजी लफ़्ज़ "पेड़" का इस्ते'माल बीज के साथ-साथ बड़ी चीजों जैसे कि दरख़्तों के लिए किया जा सकता है। कई ज़बानों में भी अलग-अलग लफ़्ज़ों का इस्ते'माल किया जा सकता है, जो कि लगाए जा रहे हैं पर मुन्हसिर करता है।
- जुमला "किसी शख़्स ने जो कुछ भी बोया है" का भी तर्जुमा किया जा सकता है "एक सही तरह के बीज की तरह ही एक सही तरह का पेड़ पैदा होता है, इसी तरह से किसी शख़्स की अच्छी देखभाल से अच्छे नतीजे आएंगे और एक शख़्स की लापरवाही से बुरे नतीजे आएंगी। "

(यह भी देखें:बुराई, भलाई, कटनी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- गलातियों 06:6-8
- लूक़ा 08:4-6
- मत्ती. 06:25-26
- मत्ती 13:3-6
- मत्ती. 13:18-19
- मत्ती. 25:24-25

## शब्दकोश:

- Strong's: H2221, H2232, H2233, H2236, H4218, H4302, H5193, H7971, H8362, G4687, G4703, G5300, G5452 , G6037

# दस हुक्म

## सच्चाई:

"दस हुक्म " हुक्म थे कि ख़ुदा ने मूसा को सीनै पहाड़ पर दिया था, जब इस्राईलियों ने कना'न मुल्क के रास्ते में वीराने में रह रहे थे। ख़ुदा ने दस हुक्म पत्थरों की दो तख़्तियों पर लिखी थी।

- ख़ुदा ने इस्राईलियों को हुक्म मानने के लिए बहुत से हुक्म दिए थे,पर दस हुक्म ख़ास थे कि इस्राईली ख़ुदा से मुहब्बत करना और उसकी इबादत करना और आपस में मुहब्बत रखें।
- ये हुक्म उनके साथ ख़ुदा के 'अहद का एक हिस्सा भी था ख़ुदा के हुक्म को मानना इस्राईली यह साबित करते थे कि वे ख़ुदा से मुहब्बत करते थे और उसके लोग हैं।
- उन पत्थरों पर लिखी गए हुक्मो के साथ पत्थर की तख़्तियों को 'अहद का सन्दूक़ में रखा गया था, जो कि ख़ेमे के सबसे पाक जगह और बा'द में हैकल में मौजूद था।

(यह भी देखें: 'अहद का सन्दूक़, हुक्म , 'अहद , रेगिस्तान, शरी'अत , मानना , सीनै, इबादत )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इस्तिसिना 04:13-14
- इस्तिसिना 10:3-4
- ख़ुरूज 34:27-28
- लूका 18:18-21

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल :

- **13:07** ख़ुदा ने यह _दस हुक्म _ मूसा को दो पत्थर की तख्तियों पर लिख के दे दी |
- **13:13** जब मूसा पहाड़ से नीचे उतर आया, और उसने उस मा'बूद को देखा, तो उसका ग़ज़ब भड़क उठा, और उसने तख्तियों को अपने हाथों से पहाड़ के नीचे पटककर तोड़ डाला, क्योंकि वह ख़ुदा के _दस हुक्मों _ के ख़िलाफ़ था |
- **13:15** तब मूसा ने पहली तख्तियों की तरह दो और तख्तियाँ गढ़ी; क्योंकि पहली उसने तोड़ डाली थी |

## शब्दकोश:

- Strong's: H1697, H6235

## दसवां, दसवें, दसवां हिस्सा, दसवें हिस्से

### ता'अर्रुफ़:

"दसवां" या "दसवां हिस्सा " का मतलब है, पैसा, फ़सल, जानवरों या और जायदाद का दस फ़ीसद हिस्सा ख़ुदा को देते थे।

- पुराने 'अहद नामे में ख़ुदा ने इस्राईल को हुक्म दिया था कि वे अपने सब कुछ का दसवां हिस्सा ख़ुदा के लिए शुक्र के हदिये की शक्ल में अलग कर दे।
- यह हदिये लावियों के याद के लिए थी क्योंकि वे इस्राईलियों के लिए काहिनो की ख़िदमत करते थे और घर और हैकल की देखरेख करते थे।
- नये 'अहद नामे में ख़ुदा के लिए दसवां हिस्सा अलग करने का हुक्म तो नहीं है लेकिन हलीमी और ख़ुशी से देने का ख़्याल है कि मसीही ख़िदमत में मदद और गरीबों को मदद मिली हो।
- इसका तर्जुमा हो सकता है, "दसवां हिस्सा " या "दस में से एक।"

(यह भी देखें: ईमान , इस्राईल, लेवी, ज़िन्दगी , मेलिकिसिदक, ख़ादिम , क़ुर्बानी सुलह का ख़ेमा, हैकल )

### किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 14:19-20
- पैदाइश 28:20-22
- इब्रानियों 07:4-6
- यसा'याह 06:13
- लूका 11:42
- लूका 18:11-12
- मत्ती 23:23-24

### शब्दकोश:

- Strong's: H4643, H6237, H6241, G586, G1181, G1183

# दहलीज़ , दहलीज़ों

## ता’अर्रुफ़:

कभी-कभी “दहलीज़ ” मकान का वह हिस्सा भी होता है जो दाख़िल होने के दरवाज़े के अन्दर का हिस्सा है।

- कभी-कभी दहलीज़ लकड़ी या पत्थर की एक पट्टी होती है, जिस पर कमरे या मकान में दाख़िल होने के लिए कदम रखते है।
- फाटक और ख़ेमे दोनों के दाख़िल होने के दरवाज़े पर दहलीज़ हो सकती है।
- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा मक़्सदी ज़बान में उस लफ़्ज़ से किया जाना चाहिए जो एक घर के बहुत दाख़िले के दरवाज़े की जगह का हवाला देता है जहाँ से एक आदमी घर में दाख़िल होता है।
- अगर “दरवाज़े ” लिए कोई लफ़्ज़ नहीं है, तो इसका तर्जुमा "दरवाज़ा " या "खोलने" या " दाख़िल होने का दरवाज़ा " की शक्ल में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: फाटक, ख़ेमा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 09:17-19
- हिज़क़ीएल 09:3-4
- यसा’याह 06:4-5
- अम्साल 17:19-20

## शब्दकोश:

- Strong's: H624, H4670, H5592

# दाँवना, दाँवना, दाएँ हुए, दाँवने

## ता’अर्रुफ़:

- “दाँवना” और “दाँवने” गेहूं से गेहूं का दाना अलग करने के काम को कहते हैं।
- गेहूं के पेड़ को दाँवना से पुआल और भुसा से अनाज को ढीला करता है। बाद में अनाज को "फटका जाता है" ताकि बेकार चीज़ों से अनाज को पूरी तरह से अलग किया जा सके, केवल उस हिस्से को छोड़कर जो खाया जा सकता है।
- किताब-ए-मुक़द्दस के ज़माने में खलिहान एक बराबर बड़ी चट्टान होती थी या मलबा दबा कर कठोर बनाया हुआ फर्श होता था जिस पर गेहूं की दाँवनी की जाती थी कि गेहूं के दाने अलग किए जाएं।
- “दंवनी छकड़ा” या “दंवनी चर्खी” गेहूं को रौंदने और दानों को भूसी से अलग करने के काम में लिया जाता था।
- “दंवनी हथौड़ा” या “दंवनी पटल” गेहूं के दानों की अलग करने के लिए काम में लिया जाता था। यह लकड़ी का एक तख्ता होता था जिसमें कीले लगी होती थी।

(यह भी देखें: भूसी, अनाज , हवा में उड़ाना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तवारीख़ 03:1-3
- 2 सलातीन 13:6-7
- 2 समूएल 24:15-16
- दानीएल 02:34-35
- लूका 03:17
- मत्ती 03:10-12
- रूत 03:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H212, H4173, H1637, H1758, H1786, H1869, H2251, G248

# दाख़ की बारी, दाख़ की बारियों

## ता’रीफ़:

दाख की बारी एक बड़ा बगीचा का ‘इलाक़ा है जहाँ अंगूर उगते हैं और अंगूर की खेती होती है।

- दाख की बारी दीवारों से घिरी होती है कि चारों ओर जानवरों से दाख की हिफाज़त की जाए।
- ख़ुदा इस्राईल की बराबरी दाख की बारी से करता है और उसमें अच्छे फल नहीं लगे। (देखें: मिसाल
- दाख की बारी का तर्जुमा किया जा सकता है, “अंगूरों का बगीचा” या “अंगूर की खेती”

(यह भी देखें: अंगूर, इस्राईल, दाखलता)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 09:20-21
- लूका 13:6-7
- लूका 20:15-16
- मत्ती 20:1-2
- मत्ती 21:40-41

## शब्दकोश:

- Strong's: H64, H1612, H3657, H3661, H3754, H3755, H8284, G289, G290

# दाख़लता, दाख़लताओं

## ता’अर्रुफ़:

लफ़्ज़"बेल" एक पेड़ का हवाला देता है है जो जमीन के साथ बांधते हुए या पेड़ों और और बनावटों पर चढ़ने से बढ़ता है। किताब-ए-मुक़द्दस में “दाख़लता” लफ़्ज़ केवल फल लानेवाली डाली के लिए काम में लिया गया है और ज़्यादा तर दाख़लता के लिए काम में लिया गया है।

- किताब-ए-मुक़द्दस में "दाख़लता" ज़्यादा तर “अंगूर की बेल” के बारे में काम में लिया गया है।
- अंगूर की डालियाँ ख़ास तने से जुड़ी होती हैं जो उन्हें पानी और कुछ गिज़ाई चीज़े देती हैं ताकि वे बढ़ सकें।
- ‘ईसा ने ख़ुद को “दाखलता” और ईमानदारों को “डालियाँ” कहा है। यहाँ “दाख़लता” का तर्जुमा हो सकता है “दाख़लता की डाली” या “टहनी ” (देखें: मिसाल

(यह भी देखें: अंगूर, दाख की बारी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 40:9-11
- पैदाइश 49:11-12
- यूहन्ना 15:1-2
- लूका 22:17-18
- मरकुस 12:1-3
- मत्ती 21:35-37

## शब्दकोश:

- Strong's: H5139, H1612, H8321, G288, G290, G1009, G1092

# दा’वत, दा’वतें, दा’वतनामा:

## ता’अरुफ़:

“दा’वत” लफ़्ज़ का हवाला किसी ख़ास मौक़े से है, जहाँ लोगों की जमा’अत एक बड़ी दा’वत एक साथ खाते हैं, अक्सर किसी चीज़ का जश्न मनाने के लिए| “दा’वत” का ‘अमल का मतलब है बहुत ज्यादा ता’ दाद में खाना या एक साथ खाने के लिए शरीक़ होना|

- अक्सर ख़ास क़िस्म के खाने हैं जो एक ख़ास दा’वत में खाते हैं|

मज़हबी ‘ईदों जिनको ख़ुदा ने यहूदियों को मनाने का हुक्म दिया था अक्सर उसमें बड़ी दा’वत का इंतज़ाम रखते थे| यही वजह है कि ‘ईदों को दा’वत कहा गया था।

- किताब-ए-मुक़द्दस के ज़माने में बादशाह और दूसरे दौलतमन्द और ताक़तवर लोग अपने ख़ानदान और दोस्तों की तफ़रीह के लिए दा’वत देते थे|
- खोए हुए बेटे की कहानी में, बाप ने बेटे के लौट आने की ख़ुशी में एक ख़ास दा’वत का इंतज़ाम किया|
- कभी-कभी दा’वत का खाना कई दिनों तक चलता था।
- “दा’वत मनाने” का तर्जुमा, “बहुत ज़्यादा खाना” या “बहुत खाने के ज़रिए’ ख़ुशी मनाना” या “ख़ास, बहुत सा खाना” के तौर पर भी हो सकता है|
- मज़मून पर मुनहस्सिर “दा’वत” का तर्जुमा हो सकता है, “बड़ी दा’वत की एक साथ मिलकर ख़ुशी मनाना” या “बहुत ज़्यादा खाने की दा’वत” या “ख़ुशी की दा’वत”|

(यह भी देखें : ‘ईद)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 पतरस 02:12-14
- पैदाइश 26:30-31
- पैदाइश 29:21-22
- यहूदाह 40:20-23
- यहूदाह 01:12-13
- लूक़ा 02:41-44
- लूका 14:7-9
- मत्ती 22:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H398, H2077, H2282, H2287, H3899, H3900, H4150, H4580, H4797, H4960, H7646, H8057, H8354, G26, G755, G1062, G1173, G1403, G1456, G1858, G1859, G2165, G3521, G4910

# दिन, दिनों

## ता'रुफ़:

“दिन” हक़ीक़त में 24 घन्टे का वक़्त होता है जिसकी शुरू'आत ग़ुरूब आफ़ताब से होती थी | इसका इस्ते'माल 'अलामती तौर भी हो सकता है।

- इस्राईलियों और यहूदियों के लिए दिन की शुरू'आत ग़ुरूब आफ़ताब से होती थी और दूसरे दिन ग़ुरूब आफ़ताब पर ख़त्म होती थी |
- कभी-कभी “दिन” लफ्ज़ का इस्ते'माल शक्ल बा बशक्ल एक लम्बे वक़्त के लिए भी किया जाता था जैसे “यहोवा का दिन” या “आख़री दिन|”

कुछ ज़बानों में इन तरह के तर्जुमों में मुख्तलिफ़-मुख्तलिफ़ लफ़्ज़ों का इस्ते'माल होता हैं या “दिन” का तर्जुमा शक्ल बा शक्ल नहीं करता हैं।

- “दिन” के और तर्जु में शामिल हो सकते हैं, “वक़्त ”, “मौसम ” या “मौक़ा' ” का “घटना” जुमले के मुताबिक़।

(यह भी देखें: सज़ा के दिन, आख़िरी दिन)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमल 20:4-6
- दानिएल 10:4-6
- 'अज़्रा 06:13-15
- 'अज़्रा 06:19-20
- मत्ती 09:14-15

## शब्दकोश:

- Strong's: H3117, H3118, H6242, G2250

# दिमाग़, दिमाग़ों ,दिमाग़ में लेना, एहसास लेना, एहसास दिला, याद दिलाता है, याद किए गए, याद, याद दिलाने वाला, याद दिलाना, एक दिमाग़

## ता’अर्रुफ़:

“दिमाग़” इन्सान का वह हिस्सा है जो सोचता और फ़ैसला लेता है।

- इन्सान का दिमाग़ उसके तवज्जोह और ख़्यालों का मज्मू'आ है।
- “मसीह का दिमाग़ रखना” या'नी 'ईसा के जैसा सोचना और काम करना। इसका मतलब है बाप ख़ुदा के वफ़ादार होना, मसीह की ता'लीमों का याद करना, पाक रूह की ताक़त से ऐसा करना।
- “ दिमाग़ बदलना, फ़ैसला बदलना या अब पूरे तौर से ख़याल से अलग होना।

## तर्जुमा की सलाह:

- “दिमाग़” का तर्जुमा हो सकता है, “ख़याल” या “तवज्जोह करना” या “सोचना” या “समझना।”
- “ दिमाग़ में रखना” का तर्जुमा हो सकता है, याद रखना या “ तवज्जोह देना” या “ज़रूर जान लेना।”
- “दिल, जान और दिमाग़” का तर्जुमा हो सकता है, “तजुर्बा करना, यक़ीन करना और ख़याल करना।”
- “ दिमाग़ में लाना” का तर्जुमा हो सकता है, “याद करना” या “सोचना”।
- “ दिमाग़ बदल करके गया” इसका तर्जुमा हो सकता है, “फ़ैसला बदल कर गया” या “यहाँ तक कि जाने का फ़ैसला ले ही लिया” या “ख़याल बदल कर गया।”
- 
    - जुमला "दो दिमाग़ " का तर्जुमा "शक" या "फ़ैसला लेने में कमज़ोर" या "बग़ावती ख़्यालों के साथ" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: यक़ीन, दिल, रूह )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- लूक़ा 10:25-28
- मरकुस 06:51-52
- मत्ती 21:28-30
- मत्ती 22:37-38
- या'क़ूब 04:08

## शब्दकोश:

- Strong's: H3629, H3820, H3824, H5162, H7725, G1271, G1374, G3328, G3525, G3540, G3563, G4993, G5590

# दिलेर, बे खौफ़ होकर, हिम्मत, हिम्मत देना

## ता'अरुफ़:

यह अलफ़ाज़ इस बात का हवाला देते हैं, सच बोलने के लिए हिम्मत और ऐ’तमाद होना मुश्किल हालात में भी सही करना|।

- “दिलेर” इंसान अच्छा और अच्छी बात कहने और बद बख़्ती सहनेवालों को बचाने में घबराता नहीं है। इसका तर्जुमा“हिम्मती” या “कमज़ोर” भी हो सकता है।
- नये 'अहद नामें में रसूल 'अवामी जगहों में 'ईसा की बात करने में बे खौफ़ थे चाहे उन पर जेल में डालने या क़त्ल का ख़तरा था। इसका तर्जुमा, “ख़ुद 'एतमादी के साथ” या “ताक़तवर हिम्मत के साथ” या “दबाव” हो सकता है।
- इन इब्तिदाई शागिर्दों की तरफ़ मसीह के सलीब पर मौत की तरफ़ नजात की ख़ुशख़बरी सुनाने में “बे खौफ़” रहने का नतीजा यह हुआ कि 'ईसा की ख़ुशख़बरी इस्राईल और आसपास के मुल्कों में और आख़िर में दुनिया में फैल गई। “बेख़ौफ़” का तर्जुमा, “ऐ’तमाद हिम्मत” हो सकता है।

(यह भी देखें:ख़ुद 'एतमादी, ख़ुशख़बरी, छुटकारा दिलाना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 यूहन्ना 02:27-29
- 1 थिस्सलुनीकियों 02:1-2
- 2 कुरिन्थियों 03:12-13
- रसूलों के 'आमाल 04:13-14

## शब्दकोश:

- Strong's: H982, H983, H4834, H5797, G662, G2292, G3618, G3954, G3955, G5111, G5112

# दुःख

## ता'अरुफ़:

“दुःख ” लफ़्ज़ का मतलब है लोगों में जिस्मानी जज़्बाती टकराव।

- एक शख़्स जो लड़ाई की वजह बनता है, लोगों के बीच मज़बूत ना इतिफ़ाक़ी और जज़्बात को चोट पहुंचाते हैं।
- कभी-कभी “झगड़े” लफ़्ज़ का इस्ते'माल करने से साबित होता है ग़ुस्सा या कड़वाहट जैसे मज़बूत जज़्बात शामिल होना।
- इस लफ़्ज़ के तर्जुमे हो सकते हैं, “ना इत्तिफ़ाक़ी ” या “झगड़ा” या “लड़ाई”।

(यह भी देखें: गुस्सा )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 03:3-5
- हबक़्क़ूक़ 01:3-4
- फ़िलिप्पियों 01:15-17
- अम्साल 17:1-2
- ज़बूर 055:8-9
- रोमियो 13:13-14

## शब्दकोश:

- Strong's: H1777, H1779, H4066, H4090, H4683, H4808, H7379, H7701, G485, G2052, G2054, G3055, G3163, G5379

# दुःख उठाए, मुसीबत उठाना, तकलीफ़ उठाया, परेशानी उठता, दुःख उठाता

## ता'अर्रुफ़:

“दुःख उठाए” और “ मुसीबत उठाना” का मतलब है दुःख का तजुर्बा जैसे बीमारी, मुसीबत जदह या दूसरी परेशानियाँ ।

- जब लोगों को परेशान किया जाता है या जब वह बीमार होते हैं तब उन्हें तकलीफ़ होती है।
- कभी-कभी लोग ग़लत कामों की वजह से भी तकलीफ़ उठाते हैं, कभी-कभी दुनिया में गुनाह और मर्ज़ की वजह से इन्सान तकलीफ़ उठाता है।
- तकलीफ़ जिस्मानी भी होती है जैसे दर्द और मर्ज़ । जज़्बाती तकलीफ़ भी होती है जैसे डर, उदासी या अकेलापन।
- “मुझे बर्दाश्त करो ” या'नी “मेरे साथ सब्र दार रहो” या “मेरी बात सुनो” या “सब्र के साथ सुनो”।

## (तर्जुमा की सलाह:

- “ तकलीफ़ उठाना” का तर्जुमा “दर्द का तजुर्बा करना” या “मुश्किल और तकलीफ़ का तजुर्बा करना” या "मुश्किल और दर्दनाक तजुर्बों के ज़रिए' जाना"।
- बयान के तौर पर, "दर्द" का तर्जुमा "इन्तिहाई मुश्किल हालात " या "बहुत बड़ी मुश्किलों " या "मुश्किलात का तजुर्बा " या "दर्दनाक तजुर्बों का वक़्त" के तौर में किया जा सकता है।
- “प्यास लगना” का तर्जुमा “प्यासा होना” या “प्यास की वजह परेशान होना” हो सकता है”।
- “दुःख बर्दाश्त ” का तर्जुमा “दुःख का शिकार होना” या “दुःख कामों से नुक़सान उठाना”

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:3-5
- 2 तीमुथियुस 01:8-11
- रसूलों के 'आमाल 07:11-13
- यसा'याह 53:10-11
- यरमियाह 06:6-8
- मत्ती. 16:21-23
- ज़बूर 022:24-25
- मुक़ाश्फ़ा 01:9-11
- रोमियो 05:3-5

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **09:13** ख़ुदावन्द ने कहा, “मैं ने अपनी रि'आया के लोग जो मिस्र में है उनके **तकलीफ़** को मैंने देखा है |”
- **38:12** ‘ईसा ने तीन बार दु'आ की कहा, “ऐ मेरे बाप, अगर हो सके तो इस **दुःख** के कटोरे में से मुझे पीने मत देना |
- **42:03** उसने(ईसा) उन्हें नबियों ने जो कहा था याद दिलाया कि मसीह **दुःख उठाएगा** और मारा जाएगा और फिर तीसरे दिन जी उठेगा |
- **42:07** उसने(‘ईसा) कहा कि, “लिखा है कि मसीह **दुःख** उठाएग, मारा जायेगा और तीसरे दिन मरे हुओ में से जी उठेगा |”
- **44:05** अगर्चे तुम्हे नहीं मा'लूम था कि क्या करते हो, लेकिन ख़ुदावन्द ने तुम्हारे कामो का इस्तेमाल किया नबियों को पूरा करने के लिए, कि उसका मसीह **दुःख उठाएगा**, और मारा जाएँगा |
- **46:04** ख़ुदा ने कहा, "तू चला जा क्यूँकि वह तो ग़ैर क़ौमों और बादशाहों के सामने मेरा नाम ज़ाहिर करने के लिये मेरा चुना हुआ वसीला है | और मैं उसे बताऊँगा कि मेरे नाम के लिये उसे कैसा कैसा **दुःख उठाना** पड़ेगा |”
- **50:17** वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई **दुख़**, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मौत नहीं होगी |

## शब्दकोश:

- Strong's: H943, H1741, H1934, H4342, H4531, H4912, H5142, H5254, H5375, H5999, H6031, H6040, H6041, H6064, H6090, H6770, H6869, H6887, H7661, G91, G941, G971, G2210, G2346, G2347, G3804, G3958, G4310, G4778, G4841, G5004, G5723

# दुःख देने, सताया, अंधेर करना, दुःख देनेवालों

## सच्चाई:

“दुःख देने” या’नी ज़्यादा तकलीफ़ देना। किसी को दुःख देने का मतलब है बेरहमी से सताना।

- कभी-कभी दुःख देने का बयान जिस्मानी तकलीफ़ और हालत से होता है। मिसाल के लिए, मुकाश्फ़ा की किताब में जिस्मानी परेशानी का बयान किया गया है जो "जानवर " की इबादत करने वाले को आखीर वक़्त में सहना पड़ेगा।
- तकलीफ़ रूहानी और दिमाग़ी हालत भी होती है जैसा अय्यूब के साथ था।
- मुकाश्फ़ा की किताब के मुताबिक़ ‘ईसा में यक़ीन नहीं करनेवालों को आग की झील में रूहानी हमेशा की तकलीफ़ सहनी होगी।
- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा , “बेहद तकलीफ़” या “ज़्यादा तकलीफ़ ” या “परेशानी ” हो सकता है। कुछ तर्जुमे में ज़ाहिरयत के लिए “जिस्मानी ” या “रूहानी ” लफ़्ज़ को इसके साथ जोड़ दिया जाता है।

(यह भी देखें: जानवर, हमेशा , अय्यूब, नजात दहिन्दा , रूह , दुख उठाना, इबादत )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 पतरस 02:7-9
- यरमियाह 30:20-22
- नोहा 01:11-12
- लूका 08:28-29
- मुकाश्फ़ा 11:10-12

## शब्दकोश:

- Strong's: H3013, G928, G929, G930, G931, G2558, G2851, G3600

# दुःख, सताव , परेशान होना, सताना, सतानेवाले, फ़सादी

## ता'अर्रुफ़:

"दुःख" ज़िन्दगी की मुश्किलों और मायूसी का तजुर्बा * "सताव " या'नी किसी को "परेशान" करना या "तकलीफ़ " देना।"परेशान होना" का मतलब है किसी बात से घबराना और परेशान होना।

- घबराना, जिस्मानी , जज़्बाती या रूहानी दुःख की वजह से हो सकता है।
- किताब-ए-मुक़द्दस में ख़ुदा ईमानदारों की तरक्क़ी और कमाल को लिए आज़माने के ऐसे वक़्त पैदा करता है।
- पुराने 'अहद नामे में "दुःख" बुरे और ख़ुदा के छोड़ने वाले मुल्कों की सज़ा माना गया है।

## तर्जुमे की सलाह:

- "घबराना" या "सताव" का तर्जुमा "मुसीबत " या "दुःख देंने वाले हादसे "या "सताव" या "मुश्किल तजुर्बा " या "मुसीबत " भी किया जा सकता है।
- "घबराना" का एसे लफ़्ज़ या जुमले से तर्जुमा किया जा सकता है, जिसका मतलब हो "तकलीफ़ में होना" या "ख़तरनाक तकलीफ़ का तर्जुमा करना" या "गहरी फ़िक्र " या "तनाव" या "सताव " या "डर" या "परेशानी"।
- "उसे परेशान मत करो" का तर्जुमा हो सकता है, "उसे रहने दो" या "उसकी बुराई मत करो"
- "मुसीबत के दिन" या "मुसीबत केवक़्त " का तर्जुमा हो सकता है, "जब तुम तकलीफ़ों का तजुर्बा करो" या "जब तुम्हारे सामने कठिनाइयां आएं" या "जब ख़ुदा मुसीबतें लाए"।
- "तकलीफ़ लाना" या "तकलीफ़ की वजह" का तर्जुमा हो सकता है, " तकलीफ़देह बातें करना" या "कठिनाई पैदा करना" या "कठिनाइयों का तजुर्बा कराना"

(यह भी देखें: सताव देना, सताना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 18:18-19
- 2 तवारीख़ 25:18-19
- लूका 24:38-40
- मत्ती 24:6-8
- मत्ती 26:36-38

## शब्दकोश:

- Strong's: H205, H598, H926, H927, H928, H1204, H1205, H1607, H1644, H1804, H1993, H2000, H2113, H2189, H2560, H2960, H4103, H5590, H5753, H5916, H5999, H6031, H6040, H6470, H6696, H6862, H6869, H6887, H7264, H7267, H7451, H7481, H7489, H7515, H7561, H8513, G387, G1298, G1613, G1776, G2346, G2347, G2350, G2360, G2553, G2873, G3636, G3926, G3930, G3986, G4423, G4660, G5015, G5016, G5182

# दुल्हन, दुल्हनें, दुल्हन

## ता'अर्रुफ़:

दुल्हन, शादी के जशन में वह 'औरत होती है जो अपने शौहर से शादी करती है, दूल्हा।

- “दुल्हन” लफ्ज़ 'ईसा के ईमानदारों, कलीसिया के लिए भी शक्ल बा शक्ल काम में लिया गया लफ्ज़ है।
- 'ईसा को 'अलामती शक्ल में कलीसिया का दुल्हा कहा गया है। (देखें: मिसाल )

(यह भी देखें: दुल्हा, 'इबादतख़ाना )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- ख़ुरूज 22:16-17
- यसा'याह 62:5
- यूएल02:15-16

## शब्दकोश:

- Strong's: H3618, G3565

# दुल्हा, दुल्हे

## ता'अरुफ़:

शादी के जशन में, दुल्हा-दुल्हन से शादी करने वाला आदमी होता है।

- किताब-ए-मुक़द्दस के ज़माने में यहूदी तहज़ीब में, जशन में दुल्हे की तरफ़ से दुल्हन को लेने आने पर मरकज़ होता था।
- किताब-ए-मुक़द्दस में 'ईसा को "दुल्हें" की मिसाल दी गई है जो एक दिन अपनी "दुल्हन", कलीसिया को लेने आएगा।
- 'ईसा ने अपने शागिर्दों की बराबरी दुल्हे के दोस्तों से की थी। जो दुल्हे के साथ ख़ुशी मनाते हैं लेकिन दुल्हे के चले जाने के बा'द दुखी होते हैं।

(यह भी देखें:दुल्हन)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- यसा'याह 62:5
- योएल 02:15-16
- यूहन्ना 03:29-30
- लूक़ा 05:33-35
- मरकुस 02:18-19
- मरकुस 02:20-21
- मत्ती 09:14-15

## शब्दकोश:

- Strong's: H2860, G3566

# देवदारों ,देवदार की लकड़ी

## ता’रीफ़:

“देवदार “ एक बड़ा पेड़ होता है जिसकी लकड़ी लाल -भूरे रंग की होती है | और देवदार नसल के पेड़ों की तरह इसके नुकीले पत्ते होते है और शंकु जैसे फल होते है

- पुराने ‘अहद नामे में लबानोन के बारे में देवदार पेड़ों की गुफ्तुगू की गयी है ,वहाँ ये पेड़ बहुतायत से आते थे |
- यरुशलीम के हैकल के बनाने में देवदार की लकड़ी काम में ली गयी थी |
- इसका इस्ते’माल क़ुर्बानी पेश करने और पाक हदियों के पेश करने में किया जाता था |

(यह भी देखें: सनोबर , पाक, क़ुर्बानी, हैकल)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 14:1-2
- 1 सलातीन 07:1-2
- यसायाह 02:12-13
- ज़करयाह 11:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H730

# दोस्ती की नज़्र, दोस्ती की नज़्

## सच्चाई:

पुराने ‘अहद नामें में “दोस्ती की नज़्र” एक ऐसी क़ुर्बानी थी जो कई वजहों से पेश की जाती थी, जैसे ख़ुदावन्द का शुक्र करने के लिए या मन्नत पूरी करने के लिए।

- इस क़ुर्बानी में जानवर क़ुर्बान किया जाता था, मुज़क्कर जानवर या मु’अन्नस जानवर यह आतिशी क़ुर्बानी से अलग था, जिसके लिए मुज़क्कर जानवर की ज़रूरत होती है|
- क़ुर्बानी का एक हिस्सा ख़ुदा को पेश करने के बा’द, क़ुर्बानी पेश करने वाला बाक़ी गोश्त काहिनों और दूसरे इस्राईलियों के साथ बाँटता था।
- यह मुन्सलिक़ खाने की नज़्र थी, जिसमें खुली हुई रोटी शामिल होती थी|
- इसे कभी-कभी “अमन की नज़्र” भी कहा जाता है।

(यह भी देखें: दोस्ती की नज़्र, पूरी, अनाज की नज़्र, गुनाहों की नज़्र, दोस्ती की नज़्र, काहिन, क़ुर्बानी, बेखमीरी रोटी, क़सम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 21:25-27
- 2 तवारीख़ 29:35-36
- ख़ुरूज 24:5-6
- अहबार 03:3-5
- गिनती 06:13-15

## शब्दकोश:

- Strong's: H8002

# दौड़ना, दौड़ना, दौड़ना, दौड़ना, दौड़ना

## ता'अर्रुफ़:

सही लफ़्ज़ "दौड़ना" का मतलब है "पैर पर बहुत जल्दी चलना", आमतौर पर तेज़ रफ़्तार से चलना के ज़रिए' पूरा किया जा सकता है

"दौड़ना" का ख़ास मतलब भी 'अलामती इज़हारों में इस्ते'माल किया जाता है जैसे कि दर्जज़ेल:

- "इस तरह से जीतने के लिए जिस तरह से इनाम जीतने के लिए" - एक ही मज़बूती से जीतने के सिलसिले में एक दौड़ चलाने की शक्ल में ख़ुदा की मर्ज़ी को करने में मज़बूती से बताता है

"हुक्म 'अमल" या'नी ख़ुदा के हुक्मों को ख़ुशी से और ज़ल्दी मानो।

- "दीगर मा'बूदों के पीछे चलने के लिए" दीगर मा'बूदों की 'इबादत करने में जारी रहने का मतलब है।

"मैं तेरा पनाह में हूँ" या'नी कठिनाइयों से पनाह पाने और हिफ़ाज़त के लिए ख़ुदा के पास ज़ल्दी आ जाना पानी और दीगर तरल चीज़ें जैसे आंसू, ख़ून, पसीना और नदियों को भी बहना कहते हैं। इसका तर्जुमा "बहना" हो सकता है। किसी मुल्क या 'इलाक़े की सरहद को किसी नदी सा किसी मुल्क की सरहद के साथ चलना कहा जाता है। इसका मतलब यह हो सकता है कि मुल्क की सरहद नदी या दीगर मुल्क के बगल में है या कहती है कि देश नदी या दीगर मुल्क की "सरहदें" है। नदी और सोते सूख जाते हैं या'नी उनमें पानी नहीं है। इसका तर्जुमा हो सकता है, "सूख गए" या "बे-पानी हो गए।" फ़सह के दिन "अपना सिलसिला पूरा करते हैं" या'नी "निकल गए" या "ख़त्म हो गए" या "पूरे हो गए।"

(यह भी देखें: झूठे मा'बूद, मज़बूत रहें, पनाह, फिरना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 06:18
- गलातियों 02:1-2
- गलातियों 05:5-8
- फ़िलिप्पियों 02: 14-16
- अम्साल 01:15-17

## शब्दकोश:

- Strong's: H213, H386, H1065, H1272, H1518, H1556, H1980, H2100, H2416, H3001, H3212, H3332, H3381, H3920, H3988, H4422, H4754, H4794, H4944, H5074, H5127, H5140, H5472, H5756, H6437, H6440, H6544, H6805, H7272, H7291, H7310, H7323, H7325, H7519, H7751, H8264, H8308, H8444, G413, G1377, G1601, G1530, G1532, G1632, G1998, G2027, G2701, G3729, G4063, G4370, G4390, G4890, G4936, G5143, G5240, G5295, G5302, G5343

# धक्का देना, धक्का दिया, धक्का

## ता’अर्रुफ़:

“धक्का देना” या’नी ताक़त लगाकर किसी चीज़ को हटाना। इस लफ़्ज़ के तम्सीली मतलब भी हैं।

- “धक्का देने” का मतलब है, “छोड़ना ” या “मदद करने से इन्कार करना”।
- “दबाना” या’नी “ज़ुल्म करना” या “सताना” या “हराना”। इसका मतलब यह भी है कि कोई हक़ीक़त में ज़मीन पर गिराया गया है।
- किसी को “बाहर धकेल देना” या’नी किसी से “पीछा छुड़ाना” या “दूर भेज देना”।
- “आगे बढ़ना” या’नी किसी काम को हिफ़ाज़त से रखना या “सही और हिफ़ाज़त का अन्दाज़ा न होते हुए किसी काम को करते चले जाना”।

(यह भी देखें: ज़ुल्म करना, सताना, छोड़ देना )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

## शब्दकोश:

- Strong's: H1556, H1760, H3276, H3423, H5055, H5056, H5186, H8804, G683, G4261

# धोखा, धोखे, धोखा दिया, धोखा देना, धोखा देना वाला, धोखा देने वाले

## ता'अर्रुफ़:

“धोखा” का मतलब है किसी को धोखा देना या नुक्सान पहुंचाना है। * “धोखा वाने वाला” वह शख़्स होता है जो यक़ीन करने वाले को धोखा दे।

- यहूदाह “धोखा देने वाला” था क्योंकि उसने यहूदी रहनुमाओं को तरीक़ा बताया था कि 'ईसा को कैसे पकड़ें।
- यहूदाह के ज़रिए' धोखा गुनाह था, क्योंकि वह 'ईसा का रसूल था और उसने पैसों के बदले में यहूदी रहनुमाओं को जानकारी दी थी जिसका अन्जाम से 'ईसा की बेइंसाफ़ की मौत हुई।

## तर्जुमें की सलाह:

जुमले के मुताबिक़“पकड़वाने” का तर्जुमा “धोखा देना और नुक्सान पहुंचाना” या “दुशमनों के हाथों में कर देना” या “बे रहमी का सलुक़ करना” हो सकता है।

- “पकड़वानेवाला” लफ्ज़ का तर्जुमा “धोखा देने वाला शख्स” या “बुरा सलूक ” या “बाग़ी” हो सकता है।

(यह भी देखें यहूदाह इस्करियोती, यहूदी रहनुमा, रसूल)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 07:51-53
- युहन्ना 06:64-65
- युहन्ना 13:21-22
- मत्ती 10:2-4
- मत्ती 26:20-22

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों की मिसालें:

- **21:11** नबियों ने पहले से नबूव्वत की थी, कि जो लोग मसीह को मारने वाले होंगे वह उसके कपड़ों के लिए जुआ खेलेंगे और उसका उल्टा दोस्त उसे **धोखा देगा**। ज़करियाह नबी ने पहले से ही नबूव्वत की थी, कि मसीह का ही एक शागिर्द उसे तीस चाँदी के सिक्कों के लिए **धोखा देगा**।
- **38:02** 'ईसा और शागिर्दों के यरूशलीम में पहुँचने के बा'द यहूदाह यहूदी सरदार के पास गया और पैसों के बदले 'ईसा के साथ _धोखा _ देने की तजवीज़ रख्खी |
- **38:03**यहूदी सरदारों ने 'आला सरदार काहिन के मौजूदगी में 'ईसा को **धोखा देने** के लिये उसे तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए।
- **38:06** फिर 'ईसा ने अपने शागिर्दों से कहा, “तुम में से एक मुझे पकड़वाएगा।” 'ईसा ने कहा कि, “जिसे मैं यह रोटी का टुकड़ा दूँगा वही मेरा **पकड़वाने वाला** होगा।”
- **38:13** जब 'ईसा तीसरी बार दू'आ करके आया तो उसने अपने शागिर्दों से कहा कि, “उठो, मेरे पकड़ने वाले आ गए है।”
- **38:14** 'ईसा ने यहूदाह से कहा कि, “ तूने मुझे **पकड़वाने** के लिए चूमा है।”
- **39:08** इसी दौरान जब यहूदाह, **धोखेबाज़**, ने देखा कि यहूदी काहिन 'ईसा को मुजरिम ठहरा कर उसे मारना चाहते है। यह देख यहूदाह ग़मगईं हुआ और खुद को मार डाला।

## शब्दकोश:

- Strong's: H7411, G3860, G4273

# धोखा, धोखे, धोखा दिया, धोखा देना, धोखेबाज़, धोखेबाज़, धोखेबाज़ों, धोकेबाज़, धोखे से, धोखे में , धोखेबाज़ी, धोखेबाज़

## ता'अर्रुफ़

अलफ़ाज़ "धोखा" का मतलब है किसी को किसी बात पर यक़ीन दिलाना जो सच्ची नहीं होती| किसी को फ़रेब देने का काम "धोखा" कहलाता है।

- एक और लफ़्ज़, "धोखेबाज़ी" भी किसी को कुछ ऐसा यक़ीन करने का काम करता है जो सच्चा नहीं है।
- किसी को झूठी बात में यक़ीन दिलाने वाले को "धोखेबाज़" कहते हैं| मिसाल के तौर पर, शैतान को धोखेबाज़ कहा गया है। बदरूहें जो वह क़ाबू करता है वह भी धोखेबाज़ हैं|
- इन्सान, काम या ख़बर जो सच नहीं है, उसे "धोखा देनेवाला" कहते हैं।
- अलफ़ाज़ "धोखा" और "धोखा" का मतलब एक ही है, लेकिन उनके इस्ते'माल करने में कुछ फ़र्क़ है।
- तफ़सीली अलफ़ाज़ "धोखेबाज़ी" और "गुमराही" एक ही जैसे हैं और इस्ते'माल में भी एक ही मतलब में होते हैं|

## तर्जुमे की सलाह:

- "धोखा" के तर्जुमे के और तरीक़े "झूठ बोलना" या "झूठा यक़ीन दिलाना" या "किसी का किसी बात पर ख़याल करवाना जो सच नहीं है।
- लफ़्ज़ "धोखा देना" का तर्जुमा हो सकता है, "झूठ पर ग़ौर करने की वजह" या "झूठ कहना" या "चाल चलना" या "बेवक़ूफ़ बनाना" या "गुमराह करना"।
- "धोखेबाज़" का तर्जुमा हो सकता है "झूठा" या "जो गुमराह करता है" या "जो धोका देता है"|
- मज़मून पर मुन्हस्सिर है, लफ़्ज़ "धोखा" का तर्जुमा या जुमले में किया जा सकता है जिसका मतलब "बातिल" या "झूठा" या "चाल चलने वाला" या "बेईमान" होता है|
- लफ़्ज़ "गुमराही " या "धोखेवाज़ी" का तर्जुमा हो सकता है "झूठा" या "गुमराह" "झूट" एक ऐसे शख़्स की तफ़सील जो और लोगों को यक़ीन दिलाने के लिए ऐसा बोलता और काम करता है जो सच नहीं होता|

(यह भी देखें: सच)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 यूहन्ना 01:8-10
- 1 तीमुथियुस 02:13-15
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
- पैदाइश 03:12-13
- पैदाइश 31:26-28
- क़ुज़ात 19:11-12
- मत्ती. 27:62-64
- मीकाह 06:11-12

{{टैग>जायज़ा शा'अ करें}

## शब्दकोश:

- Strong's: H898, H2048, H3577, H3584, H4123, H4820, H4860, H5230, H5377, H6121, H6231, H6280, H6601, H7411, H7423, H7683, H7686, H7952, H8267, H8496, H8501, H8582, H8591, H8649, G538, G539, G1386, G1387, G1388, G1389, G1818, G3884, G4105, G4106, G4108, G5422, G5423

# नजात, नजात देता है, नजात दिलाई , नजात दिलाना, नजात दिलाने वाला , छुटकारा

## ता'अरुफ़

"छुड़ाना" मतलब है किसी शख़्स को बचाना। लफ़्ज़ "नजात दिलाने वाला" उसके बारे में बताता है, जो इन्सानों को ग़ुलामी, ज़ुल्म, या और तरह के ख़तरों से बचानेवाला है। "नजात" लफ़्ज़ उसका हवाला देता है जो या इंसानों का ग़ुलामी, ज़ुल्म या और तरह के ख़तरों से निकाल लेने के बा'द की हालत होती है।

- पुराने 'अहदनामे में ख़ुदा ने इस्राईल के लिए नजात दिलाने वाले मुक़र्रर किए थे कि और लोग जब उन पर हमला करें तो उनके ख़िलाफ़ जंग में उनकी रहनुमाई करें।
- इन नजात दिलाने वालो को "मुन्सिफ़" कहा जाता था और पुराने 'अहदनामे में क़ुज़ात में इस्राईल पर इन मुंसिफ़ों की तवारीख़ में दर्ज है जब यह मुंसिफ़ इस्राईल पर हुकूमत करते थे।
- ख़ुदा को भी "नजात दिलाने वाला" कहा गया है। इस्राईल के पूरी तवारीख़ में, उसने अपनी क़ौम को उनके दुश्मनों से छुड़ाया था।
- लफ़्ज़ "पकड़वाना" या "सौंपा जाना" का मतलब हमेशा अलग है, या'नी किसी को दुश्मन के हाथों में दे देना, जैसे यहूदा ने 'ईसा को यहूदी रहनुमाओं के हाथों में पकड़वा दिया था।

## तर्जुमे की सलाह:

- लोगों को उनके दुश्मनों से बचने में मदद के बारे में "छुटकारा" का तर्जुमा हो सकता है, "बचाना" या "आजादी दिलाना" या "बचाना"।
- जब मतलब दुश्मनों के हाथों पकड़वाना हो तो इसका तर्जुमा होगा "फ़रेब करके" या "पकड़वाना" या "सौंप देना"।
- "छुटकारा दिलाने वाला का तर्जुमा हो सकता है, "बचानेवाला" या "मुन्जी"।
- जब "छुटकारा दिलाने वाला" लफ़्ज़ इस्राईल के मुंसिफ़ों कें बारे में हो तो उसका तर्जुमा हो सकता है, "हाकिम", या "मुन्सिफ़" या "रहनुमा"।

(यह भी देखें: मुंसिफ़,बचाना)

## किताब-ए मुक़द्दस के बारे में:

- 2 कुरिन्थियों 01:8-10
- रसूलों के 'आमाल 07:35-37
- गलतियों 01: 3-5
- क़ुज़ात 10:10-12

## किताब-ए मुक़द्दस की कहानियों से मिसाले:)

- **16:03**तब ख़ुदा ने एक_ नजात दिलाने वाला_ 'अता किया, जो उन्हें अपने दुश्मनों से बचाया और मुल्क में अमन लाया।
- **16:16** उन्होंने(इस्राईल) ख़ुदा से एक बार फिर मदद माँगी और ख़ुदा ने एक और **मुन्जी** को उनके लिए भेजा।
- **16:17** कई सालों में ख़ुदा ने बहुत से **नजात दिलाने वालों** को भेजा जिन्होंने इस्राईलियों को दुश्मनों से बचाया।

## शब्दकोश:

- Strong's: H579, H1350, H2020, H2502, H3052, H3205, H3444, H3467, H4042, H4422, H4560, H4672, H5337, H5338, H5414, H5462, H6299, H6308, H6403, H6405, H6413, H6475, H6487, H6561, H7725, H7804, H8000, H8199, H8668, G325, G525, G629, G859, G1080, G1325, G1560, G1659, G1807, G1929, G2673, G3086, G3860, G4506, G4991, G5088, G5483

# नया चाँद, नये चाँद

## ता’अर्रुफ़:

लफ़्ज़ “नया चाँद” का मतलब चाँद के बारे में है जब वह छोटा सा, आधे चाँद की सूरत में दिखाई देता है| सूरज ग़ुरूब होने पर ज़मीन का चक्कर करने में यह चाँद की पहली सूरत है। यह भी पहले दिन के बारे में बताता है कि चाँद के कुछ दिनों के लिए अंधेरा होने के बा’द एक नया चाँद दिखाई देना चाहिए।

- पुराने ज़माने में नया चांद वक़्त की शुरू’आत जैसे महीनों की शुरू’आत का इशारा माना जाता था।
- इस्राईली नये चांद की ‘ईद मनाते थे और नरसिंगा फूंकते थे।
- किताब-ए-मुक़द्दस में इस वक़्त को “महीने की शुरू’आत” माना गया है।

(यह भी देखें: महीने, ज़मीन, ‘ईद, सींग, भेड़)

##:किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में ##

- 1 तवारीख़ 23:30-31
- 1 शमूएल 20:4-5
- 2 सलातीन 04:23-24
- हिज़क़ीएल45:16-17
- यसा’याह 01:12-13

## शब्दकोश:

- Strong's: H2320, G3376, G3561

# नरसुल, सरकंडा

## सच्चाई:

“नरसुल” पानी में उगनेवाली एक लम्बी डंडी की घास होती है। जो अक्सर नदी या झरने के तट पर पाई जाती है।

- नील नदी के तट पर उगनेवाले नरकट जिनमें बच्चा मूसा को छिपाया गया था, उन्हें “सरकंडा” भी कहा गया है। वह नदी के पानी में घने उगते थे। इनके डंडे लम्बे और खोखले होते थे।
- पुराने मिस्र में इस घास से कागज, टोकरियां और छोटी नावें बनाई जाती थी।
- नरसुल के डंडे नरम होने की वजह हवा में झुक जाते थे।

(तर्जुमे की सलाह: नामों का तर्जुमा)

(यह भी देखें: मिस्र, मूसा, नील नदी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 14:14-16
- लूक़ा 07:24-26
- मत्ती 11:7-8
- मत्ती 12:19-21
- ज़ुबूर 068:30-31

## शब्दकोश:

- Strong's: H98, H100, H260, H5488, H6169, H7070, G2063, G2563

# नसल

## ता'अर्रुफ़:

"नसल" लफ़्ज़ 'आमतौर पर इन्सान या जानवर की नसल के बारे में बताता है।

- किताब-मुक़द्दस में "नसल" का मतलब "औलाद" या "नसल" होता है।
- कभी-कभी "बीज" लफ़्ज़ 'अलामती तौर पर औलाद के लिए काम में लिया जाता है।

(यह भी देखें: नसल, बीज)

## किताब-इ-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 17:28-29
- ख़ुरूज 13:11-13
- पैदाइश 24:5-7
- यसा'याह 41:8-9
- या'क़ूब 05:23-25
- लूक़ा 03:7
- मत्ती 12:33-35

## शब्दकोश:

- Strong's: H1121, H2233, H5209, H6363, H6529, H6631, G1081, G1085

# नसल, नसलें, नसल हुई, नसल होना, नसल, नस्लें

## ता’रीफ़:

"नसल” वह इन्सान है जो तवारीख़ में किसी पुराने वक़्त के इन्सान का ख़ूनी रिश्तेदार है।

मिसाल के तौर पर, इब्राहीम नूह की नसल से था।

- नसल किसी की औलाद, पोते, परपोते वग़ैरह होते हैं। इस्राईल के बारह क़बीले या’क़ूब की नसल थे।
- जुमले " की नसल से" को "की नसल" की शक्ल में कहने का एक और तरीक़ा है "इब्राहीम नूह की नसल था।" इसका तर्जुमा “ख़ानदान के रिश्ते से” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: इब्राहीम, बुज़ुर्ग, या’क़ूब, नूह, इस्राईल के बारह क़बीले)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 09:4-5
- रसूलों के ‘आमाल 13:23-25
- इस्तिस्ना 02:20-22
- पैदाइश 10:1
- पैदाइश 28:12-13

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **02:09** “’औरत की **नसल** वह तेरे सिर को कुचल डालेगा, और तू उसकी एड़ी को डसेगा।”
- **04:09** “मैं तेरी **नसल** को कना’न मुल्क देता हूँ।”
- **05:10** तेरी **नसल** को आसमान के तारों की तरह बेशुमार करूँगा |
- **17:07** तेरी ही नसल में से कोई एक बादशाह मेरे लोगों पर हमेशा के लिए हुकूमत करेगा, और मसीह भी तुम्हारी **नसल** से होगा।”
- **18:13** यहूदा के बादशाह दाऊद की **नसल** के थे।
- **21:04** ख़ुदा ने बादशाह दाऊद से वा’दा किया है कि मसीह दाऊद के अपनी **नसल** में से एक होगा।
- **48:13** ख़ुदा ने बादशाह दाऊद को वा’दा किया था कि मसीह उनकी **नसल** एक होगा। क्योंकि ‘ईसा मसीह दाऊद की ख़ास **नसल** है|

## शब्दकोश:

- Strong's: H319, H1004, H1121, H1323, H1755, H2232, H2233, H3205, H3211, H3318, H3409, H4294, H5220, H6849, H7611, H8435, G1074, G1085, G4690

# नापाक करना, नापाक , नापाक करना

## ता'अर्रुफ़:

नापाक करने का मतलब है: नापाक करना, गन्दा करना या मुक़द्दस चीज़ की बेहुरमती करना ।

- नापाक इन्सान वह है जो नजिस है और ख़ुदा की इज़्ज़त नहीं करता है ।
- "नापाक करना" किया लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है: "बेहुरमती का बर्ताव करना" या "बुराई का बर्ताव करना" या "इज़्ज़त नहीं करना ।"
- ख़ुदा ने इस्राईलियों से कहा था कि उन्होंने अपने आप को "नापाक " कर लिया है। या'नी वे बुतों की इबादत के गुनाह से "नापाक " या "ग़ैर मुक़द्दस " हो गए थे। वे ख़ुदा की बेहुरमती कर रहे थे।
- मज़मून के मुताबिक़ सिफती लफ़्ज़ "नापाक " का तर्जुमा हो सकता है: "इज़्ज़त से दूर " या "नापाक " या "बेदीन"।

(यह भी देखें: नापाक, पाक, नापाक

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तीमुथियुस 02:16-18
- हिज़क़ीएल 20:8-9
- मलाकी 01:10-12
- मत्ती 12:5-6
- गिनती 18:30-32

## शब्दकोश:

- Strong's: H2455, H2490, H2491, H2610, H2613, H5234, H8610, G952, G953

# नापाक करना, नापाक किया, नापाक

## ता’अर्रुफ़

लफ़्ज़ “नापाक करना” या’नी किसी मुक़द्दस जगह को या पाक चीज़ के बर्बाद या आलूदा करना कि वह ‘इबादत में इस्ते’माल के लायक़ न रह जाए।

- “ अक्सर किसी चीज़ को नापाक करने में बहुत बे’अदबी ज़ाहिर होना शामिल है|
- मिसाल के तौर पर, बुतपरस्त बादशाहों ने ख़ुदा के हैकल के पाक बर्तनों को अपने जश्नों में इस्ते’माल करके नापाक कर दिया था|
- ख़ुदा की हैकल के क़ुर्बानगाह को नापाक करने के लिए दुश्मन मुर्दों की हड्डियों इस्ते’माल करते थे।
- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा, “नापाक करने की वजह होना” या “नापाक करके बेहुरमती करना” या “मुक़द्दस चीज़ों की बेहुरमती करना” या “नापाकी की वजह होना”।

(यह भी देखें : क़ुर्बानगाह, [गन्दा]आलूदा, अलूदा करता, अलूदा हुआ, अलूदा हो जाना, अलूदा हैं, अलूदा था, अलूदा हैं, आलूदा था, अलूदा थे, बेहुरमती, मुक़द्दस चीज़ों की बेहुरमती, पाक, हैकल, पाक)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के ‘आमाल 24:4-6
- यसा’याह 30:22
- ज़ुबूर 074:7-8
- ज़ुबूर 089:38-40

## शब्दकोश:

- Strong's: H2490, H2610, H2930, G953

# नाज़िन निगराँ निगरों, देरेख करने वाले , नाज़िमों , इन्तिज़ाम

## ता’अर्रुफ़:

“ नाज़िन ” या "कारिन्दे" कलाम में यह लफ़्ज़ उस ख़ादिम के लिए लिया गया है जो अपने मालिक की जायदाद और कारोबार को संभालता है।

- निगराँ बहुत ज़िम्मेदार होते थे जिनमें दूसरे ख़ादिमों के कामों की निगरानी भी थी ।
- “ नाज़िन ” निगराँ का नया लफ़्ज़ है। दोनों लफ़्ज़ों का मतलब है किसी के अमली मु'आमिलात को संभालना

तर्जुमा की सलाह

- इसका तर्जुमा “निगरा” या “घरेलू नाज़िम” या “निज़ाम करनेवाला ख़ादिम” या “निज़ाम करने वाला शाख़्स” हो सकता है।

(यह भी देखें: ख़ादिम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तीमुथियुस 03:4-5
- पैदाइश 39:3-4
- पैदाइश 43:16-17
- यसा’याह . 55:10-11
- लूक़ा 08: 1-3
- लूक़ा 16: 1-2
- मत्ती 20: 8-10
- तीतुस 01:6-7

## शब्दकोश:

- Strong's: H376, H4453, H5057, H6485, G2012, G3621, G3623

# नाफ़रमानी करना, नाफ़रामानियाँ, नाफ़रमानी की, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी

## ता'अर्रुफ़:

"नाफ़रमानी" लफ़्ज़ का मतलब है हाकिम के हुक्म या हिदायत को न मानना। ऐसा करने वाले मनुष्य को "नाफ़रमान" कहते है।

- इन्सान जो वह काम करता है, जिसे करने के लिए मना किया गया था, उसे नाफ़रमानी कहते हैं।
- नाफ़रमानी का मतलब यह भी है कि वह काम करने से मना' कर देना जिसका हुक्म दिया गया था।
- "नाफ़रमान" लफ़्ज़ ऐसे इन्सान का भी किरदार बयान करता है जिसकी आदत हुक्म न मानना और बग़ावत करना है। इसका मतलब है कि वह गुनाहगार और बुरा है।
- "नाफ़रमानी" लफ़्ज़ का मतलब है, हुक्म न मानने का काम" या "ऐसा सुलूक जो ख़ुदा की मर्ज़ी के ख़िलाफ़ है।"
- "नाफरमान क़ौम" का तर्जुमा "नाफ़रमानी ही में रहनेवाली क़ौम" या "ख़ुदा के हुक्मों का 'अमल न करनेवाली क़ौम" के तौर में हो सकता है।

(यह भी देखें: इख़्तियार, बुराई, गुनाह, फ़रमाबरदारी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 13:20-22
- रसूलों के 'आमाल 26:19-21
- कुलुस्सियों 03:5-8
- लूक़ा 01:16-17
- लूक़ा 06:49
- ज़ुबूर 089:30-32

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **02:11** ख़ुदा ने उस आदमी से कहा, "तुमने अपनी बीवी को सुनकर मेरी **नाफ़रमानी** की।"
- **13:07** अगर लोग इन 'अहदों का 'अमल करते थे, तो ख़ुदा ने वा'दा किया था कि वह उन्हें बरकत और उनकी हिफ़ाज़त करेगा। अगर वे **नाफ़रमानी** करे तो ख़ुदा उन्हें सज़ा देगा।
- **16:02** क्योंकि इस्राईल ख़ुदा की **नाफ़रमानी** करते रहे, उसने उन्हें अपने दुश्मनों को उन्हें हराने करने की इजाज़त देकर सज़ा दी।
- **35:12** "बड़े बेटे ने अपने बाप से कहा, 'इन सभी सालों से मैंने आपके लिए ईमानदारी से काम किया है! मैंने कभी भी आपकी **नाफ़रमानी** नहीं किया लेकिन फिर भी तुमने मुझे एक छोटी बकरी नहीं दी, ताकि मैं अपने दोस्तों के जश्न साथ मना सकूं ।"

## शब्दकोश:

- Strong's: H4784, H5674, G506, G543, G544, G545, G3847, G3876

# निकाला ,निकाल दिया ,बाहर निकालना ,फेंक देना ,फेंक कर

## ता’रीफ़:

निकालना ,या “निकालता”या’नी किसी आदमी या चीज़ को ताक़त से दूर करना |

- “डालना “या’नी फेंकना जाल डालना या’नी पानी में जाल फेंकना
- तम्सीली इस्ते’माल में “निकालना” या दूर करना या’नी किसी को छोड़ना या उसे अपने से दूर करना

## तर्जुमें की सलाह:

- मज़मून पर मुनहसिर इसके और तर्जुमें होंगे ,ताक़त से हटाना या अलग कर देना ,या पीछा छुड़ाना
- बदरूह निकालना “ इसका तर्जुमा हो सकता है ,”बदरूह को निकल जाने पर मजबूर करना “ या बदरूह को बाहर निकालना “ या बदरूह का हटाना “ या बदरूह को निकल जाने का हुक्म देना “|

(यह भी देखें: बदरूह, बदरूह से भरा , ख़त)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के आमाल 07:17-19
- मरकुस 03:13-16
- मरकुस 09:28-29
- मत्ती 07:21-23
- मत्ती 09:32-34
- मत्ती 12:24-25
- मत्ती 17:19-21

## शब्दकोश:

- Strong's: H1272, H1644, H1920, H3423, H7971, H7993, G1544

# निगरानी, निगरानी करना, निगरानी की, निगहबान, निगहबानों

## ता’अर्रुफ़:

लफ़्ज़ "निगहबान" उस इन्सान के बारे में है जो इन्सानों के कामों और ख़ैरियत के इख़्तियार में है।

- पुराने ‘अहदनामे में निगहबान का काम था कि अपने मुलाज़िमों से अच्छा काम करवाए।
- नये ‘अहदनामे में यह लफ़्ज़ शुरू’आती कलीसिया के रहनुमाओं के बारे में था। उनका काम था कि कलीसिया की रूहानी ज़रूरतों को पूरा करें और पक्का करें कि ईमानदारों को सही कलाम की ता’लीम दी जाए।
- पौलुस निगबान को चरवाहा कहता है जो मक़ामी कलीसिया में ईमानदारों की ख़बर लेता है क्योंकि कलीसिया उसकी "भेड़ें" हैं।
- एक चरवाहे की तरह निगहबान अपनी भेड़ों की हिफ़ाज़त करता है। वह झूठी रूहानी ता’लीम और दीगर बुरे आसार से अपनी कलीसिया की हिफ़ाज़त करता है।
- नये ‘अहदनामे में “निगहबान”, "बुज़ुर्गों" और “रखवाले/चरवाहे” रूहानी रहनुमों का ‘इल्म कराने के लिए मुख़तलिफ़ लफ़्ज़ हैं।

## तर्जुमे की सलाह

- इस ‘लफ़्ज़ के और तर्जुमे हो सकते हैं, “निगराँ” या “देखभाल करने वाला” या “मुन्तज़िम”
- जब ख़ुदा के लोगों के मुक़ामी क़बीलों के बारे में हो, तो इस लफ़्ज़ का तर्जुमा एक ऐसे लफ़्ज़ या जुमले से किया जा सकता है जिसका मतलब हो, “रूहानी निगहबान” या “ईमानदार क़बीले की रूहानी ज़रूरतों की खबर लेनेवाला” या “कलीसिया की रूहानी ज़रूरतों की निगहबानी करने वाला इन्सान”|

(यह भी देखें: कलीसिया, बुज़ुर्ग, पासबान, चरवाहा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 26:31-32
- 1 तीमुथियुस 03:1-3
- रसूलों के’आमाल 20:28-30
- पैदाइश 41: 33-34
- फ़िलिप्पियों 01:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H5329, H6485, H6496, H7860, H8104, G1983, G1984, G1985

## निन्दा, मज़ाक़ करता, मज़ाक़ करके, मज़ाक़, हँसी करनेवाला, मज़ाक़ करनेवालों, हँसी उड़ाने, इल्ज़ाम लगाते, मज़ाक़ करने लगे, नफ़रत करते, ठट्ठे में उड़ाया

### ता'अर्रुफ़:

“निन्दा”, “निन्दा करना”, “मज़ाक़ करना” या'नी किसी को बे रहमी से ठट्ठे में उड़ाना ।

- ठट्ठा करने में किसी के लफ़्ज़ों और 'आमाल की नक़ल करना कि उसे ज़लील करें या नफ़रत बयान करें।
- रोमी फ़ौजियों ने 'ईसा का मज़ाक़ किया था जब उसे बादशाह का लिबास पहना कर उसके साथ मज़ाक़ किया था।
- जवानों के ज़रिए' एलीशा का भी ठट्ठा किया या मज़ाक़ उड़ाया था, उसके गंजे सिर की हंसी करके।
- किसी ख़याल को ईमान के लायक़ या ख़ास न मानना भी “ठट्ठा करना” था।
- एक "ठट्ठा करनेवाला" वह है जो मज़ाक़ उड़ाता है और लगातार मज़ाक़ करता है।

### किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 पतरस 03:3-4
- रसूलों के 'आमाल 02:12-13
- गलातियों 06:6-8
- पैदाइश 39:13-15
- लूक़ा 22:63-65
- मरकुस 10:32-34
- मत्ती 09:23-24
- मत्ती 20:17-19
- मत्ती 27:27-29

### किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **21:12** यसा'याह ने नबूव्वत की थी, कि लोग मसीह के ऊपर थूकेंगे, उसको **ठट्ठों में उड़ाएँगे**, और उसे मारेंगे।
- **39:05** यहूदी रहनुमाओं ने सरदार काहिन को जवाब दिया, “यह मरने के लायक़ है |” तब उन्होंने 'ईसा की आँखें ढक दी, उसके मुँह पर थूका और उसे मारा, और उसका **मज़ाक़ उड़ाया** |
- **39:12** रोमन फ़ौजियों ने 'ईसा को कोड़े मारे, और शाही लबादा पहनाकर काँटों का ताज उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर 'ईसा का **मज़ाक़ उड़ाया** “यहूदियों का बादशाह” देखो |
- **40:04** 'ईसा को दो डाकुओं के बीच सलीब पर चढ़ाया गया | उनमें से एक जब 'ईसा का **मज़ाक़ उड़ा रहा था** तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू ख़ुदा से नहीं डरता?
- **40:05** यहूदी और दूसरे लोग जो भीड़ में थे वह 'ईसा का **मज़ाक़ उड़ा रहे थे** यह कहकर कि, “अगर तू ख़ुदा का बेटा है तो सलीब पर से उतर जा, और अपने आप को बचा | तब हम तुझ पर यक़ीन करेंगे |”

### शब्दकोश:

- Strong's: H1422, H2048, H2049, H2778, H2781, H3213, H3887, H3931, H3932, H3933, H3934, H3944, H3945, H4167, H4485, H4912, H5058, H5607, H5953, H6026, H6711, H7046, H7048, H7814, H7832, H8103, H8148, H8437, H8595, G1592, G1701, G1702, G1703, G2301, G2606, G3456, G5512

# नींद, सो जाना, सो गए थे, सोना, सोना, “उसे नींद आ गई”, सोना, सोना, नींद ना आना, नींद

## ता’अर्रुफ़:

इन लफ़्ज़ों के 'अलामती मतलब "मौत" है।

- “नींद” या “सोये रहो ” एक मिसाल जिसका मतलब है "मर जाना" हो सकता है। (देख: मिसाल )
- जुमला "सो जाओ" का मतलब है सोना शुरू करना, या, मरना मरना।
- 'अपने बाप दादा के साथ सो जाओ' का मतलब है, जैसा कि किसी के बिज़ुर्गों की तरह मरना, मरने के लिए या मरने का मतलब है।

## तर्जुमा की सलाह:

- “सो जाना” का तर्जुमा हो सकता है, “अचानक ही सो जाना” या “सोने लगना” या “मरना” जैसा भी जुमला हो उसके मुताबिक़।
- टिप्पणी: ख़ास ज़रूरी बात है कि 'अलामती जुमलों के मुताबिक़ हों, जहाँ सुनने वाले मतलब न समझा पाते हों। मिसाल के तौर पर, जब 'ईसा ने अपने शागिर्दों से कहा कि लाज़र “सोता है” तब वह समझे कि वह सो रहा है। ऐसे में “सोता है” का तर्जुमा “मर गया” करना मिनासिब होगा।
- अगर मक़सदी ज़बान में “सोता है” या “सोया हुआ है” समझ में न आए तो इस ज़बान में मौत या मरने के अलग लफ़्ज़ों का इस्ते'माल किया जाए।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 18:27-29
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:13-15
- रसूलों के 'आमाल 07:59-60
- दानिएल 12:1-2
- ज़बूर 044:23-24
- रोमियो 13:11-12

## शब्दकोश:

- Strong's: H1957, H3462, H3463, H7290, H7901, H8139, H8142, H8153, H8639, G879, G1852, G1853, G2518, G2837, G5258

# नक़दरी, नक़दरी करना, नक़दरी किया, नाक़दर

## ता’अरुफ़:

लफ़्ज़ “नक़दरी” का मतलब है कि किसी का अहतराम खोने का काम करना। ये भी वजह हो सकती है, शर्मिन्दा इन्सान या बे’इज़्ज़त|

“नक़दरी” लफ़्ज़ का मतलब, एक शर्मनाक काम या किसी को शर्मिन्दा करने की वजह ज़ाहिर करता है।

- कभी-कभी “नक़दरी” लफ़्ज़ ऐसी चीज़ों के लिए भी काम में लिया जाता है जो किसी अहमियत की नहीं हैं।
- बच्चों के लिए हुक्म है कि वे अपने वालिदैन की ‘इज़्ज़त करें और उनका हुक्म मानें। * जब बच्चे नाफ़रमानी करते हैं तो वे अपने वालिदैन की नक़दरी करते हैं। वे अपने वालिदैन के साथ ऐसा सुलूक करते हैं जिससे उनको ‘इज़्ज़त हासिल नहीं होती है।
- बुतपरस्ती करके और ग़ैर-इख़लाक़ी सिफ़त के ज़रिए’ इस्राईल यहोवा की बे’इज़्ज़ती करते थे।
- यहूदी ‘ईसा को बदरूह से भरा कहकर उसकी बे’इज़्ज़ती करते थे।
- इसका तर्जुमा “’इज़्ज़त नहीं करना” या “अहतिराम का सुलूक न करना” हो सकता है।
- “बे’इज़्ज़त” इस्म लफ़्ज़ का तर्जुमा “बे’इज़्ज़ती” या “अहतराम खोना” किया जा सकता है।
- मज़मून पर मुनहस्सिर “बे’इज़्ज़ती” का तर्जुमा “’इज़्ज़त के लायक़ नहीं” या “शर्मनाक ” या “बे-अहमियत” या “क़ीमती नहीं” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बे’इज़्ज़ती, ‘इज़्ज़त)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 04:10-11
- 1 शमूएल 20:32-34
- 2 कुरिन्थियों 06:8-10
- हिज़क़ीएल 22:6-9
- युहन्ना 08:48-49
- अहबार 18:6-8

## शब्दकोश:

- Strong's: H1540, H2490, H2781, H3637, H3639, H5006, H5034, H6172, H6173, H7034, H7036, H7043, G818, G819, G820, G2617

# नक़ल करना, इम्तियाज़, की तरह चाल चलने, जैसी चाल चलो

## ता’अर्रुफ़:

“की तरह चाल चलना” और “नक़ल करना” के बारे किसी की नक़ल करने से है, ठीक उसी शख़्स के जैसा किरदार रखना।

- ईमानदारों को ता'लीम दी गई है कि 'ईसा मसीह की नक़ल करें, ‘ईसा के जैसा ख़ुदा के हुक्म मानें और लोगों से मुहब्बत करें।
- पौलुस रसूल ने शुरू'आती कलीसिया से कहा था कि वह उसकी जैसी चाल चलें, जैसे वह मसीह की तरह चाल चलता है।

## तर्जुमा के लिए सलाह:

- “नक़ल” का तर्जुमा “वैसा ही करना” या “उसकी मिसाल पर चलना”
- “ख़ुदा की नक़ल ” का तर्जुमा, “ऐसे लोग होना जो ख़ुदा का किरदार रखते हैं” या “ख़ुदा के जैसे काम करनेवाले होना”
- “तुम हमारी जैसी चाल चलते हो” का तर्जुमा “हमारी मिसाल पर चले” या “तुम वैसे ही ख़ुदा परस्ती के काम करते हो जो तुमने हमें करते हुए देखा हैं”।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 3 यूहन्ना 01:11-12
- मत्ती 23:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H310, H6213, G1096, G2596, G3401, G3402, G4160

# नफ़रत, नफ़रत की , नफ़रती

## सच्चाई:

लफ़्ज़ “नफ़रती” मतलब किसी ऐसे के बारे में है जो नापसन्द और ख़ारिज किया हुआ| किसी चीज़ से “नफ़रत” करने का मतलब उसे शख़्ती से नफ़रत करना|

- किताब-ए-मुक़द्दस बुराई को रोकने के लिए अक्सर बात करती है| इसका मतलब है बुराई से नफ़रत करके उसे ख़ारिज करना|
- ख़ुदा ने “नफ़रती” लफ़्ज़ का इस्ते’माल उन लोगों के बुरे कामों का ख़ुलासा करने के लिए किया है, जो झूठे मा’बूदों की ‘इबादत करते हैं|
- इस्राईलियों को उन पड़ोसी जातियों के गुनाहगारों से “नफ़रत” करने का हुक्म दिया गया था, जो ग़ैर-इख़लाक़ी मशक़ से नफ़रत करते हैं|
- ख़ुदा ने सब जिन्सी कामों को “नफ़रती” क़रार दिया है|
- मुस्तक़बिल कहना, जादूगरी करना और बच्चे की क़ुर्बानी, सब ख़ुदा के लिए "नफ़रती" थे।
- लफ़्ज़ “नफ़रत” का तर्जुमा इस तरह किया जा सकता है “शख़्ती से इनकार” या “नफ़रत” या बहुत बुराई के तौर पर अहतराम”
- “नफ़रती” लफ़्ज़ का तर्जुमा “बहुत बुरा” या “नफ़रत ” या “ख़ारिज करने का रद्द-ओ-‘अमल ” किया जा सकता है।
- जब बदकारी करने वालों को “करने के क़ाबिल” रास्तबाज़ होने पर लागू किया जाता है, तो इसका तर्जुमा "बहुत नापसन्द समझा जाता है" या "नाक़ाबिल" या "किसी ज़रिए ख़ारिज कर दिया " के तौर में किया जा सकता है।
- ख़ुदा ने कुछ क़िस्म के जानवरों से "नफ़रत" करने के लिए इस्राईलियों से कहा था कि ख़ुदा ने उन्हें "नापाक" और खाने के लिए मुनासिब नहीं मुक़र्रर किया था। * इसका तर्जुमा “ज़ोर देकर नापसंद करना” या “ख़ारिज” या “नाक़ुबूल मानना” के तौर पर किया जा सकता है।

(यह भी देखें: तक़सीम, पाक)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 43:32-34
- यरमियाह 07:29-30
- अहबार 11:9-10
- लूक़ा 16:14-15
- मुकाशिफ़ा 17:3-5

## शब्दकोश:

- Strong's: H1602, H6973, H8130, H8251, H8262, H8263, H8441, H8581, G946, G947, G948, G4767, G5723, G3404

# पक्का करने, पक्का करता, पक्की की, तसदीक़ देने

## ता’अर्रुफ़:

“पक्का करने” (यक़ीन करना) और “तसदीक़ देना” कि कोई बात सच है, पक्की है और क़ाबिल-ए-ऐतिबार है।

- पुराने ‘अहद नामे में ख़ुदा अपने लोगों से कहता है कि वह उनके साथ अपने ‘अहद को पक्का करेगा। इसका मा’नी है कि वह कह रहा है कि उसने ‘अहद में जो वा’दे किये हैं उन्हें वह ज़रूर ही पूरा करेगा।
- जब किसी बादशाह को “पक्का” किया जाता है तो इसका मा’नी है कि लोग राज़ी हैं| और तसदीक़ करती है।
- किसी की लिखी बात का यक़ीन करने के मा’नी है कि लिखी हुई बात सच है।
- 
    - ख़ुशख़बरी का “सुबूत ” या’नी ‘ईसा के बारे में ख़ुशख़बरी इस तरह सुनाना कि वह सच साबित हो।
- क़सम को “पक्का करना” या’नी सख़्ती से कहना या यक़ीनी होना कि वह बात सच है।
- इन लफ़्ज़ों का तर्जुमा “सच कहना” या “यक़ीन के लायक़ साबित करना” या “राज़ी होना” या “यक़ीन दिलाना” या “’अहद करना” हो सकते हैं लेकिन उन्हें मज़मून के मुताबिक़ होना है।

(यह भी देखें: ‘अहद, क़सम; भरोसा)

## किताब-ए-मुक़द्दस की बारे में:

- 1 तवारीख़ 16:15-18
- 2 कुरिन्थियों 01:21-22
- 2 सलातीन 23:3
- इब्रानियों 06:16-18

## शब्दकोश:

- Strong's: H553, H559, H1396, H3045, H3559, H4390, H4672, H5414, H5975, H6213, H6965, G950, G951, G1991, G2964, G3315, G4300, G4972

# पड़ोसी, पड़ोसियों, पड़ोस, आस पास के

## ता'अर्रुफ़:

पड़ोसी या'नी क़रीब में रहनेवाला इन्सान। यह 'आमतौर पर उस इन्सान के लिए है जो किसी क़बीले या क़ौम के बीच बसता है।

- पड़ोसी इन्सान एक ही क़बीले का होने की वजह से हिफ़ाज़त और रहम का हक़दार होता है।
- नये 'अहदनामे में नेक सामरी की मिसाल में 'ईसा ने पड़ोसी लफ़्ज़ का 'अलामती इस्ते'माल किया है जिसमें वह सब इन्सानों को शामिल करता है, यहाँ तक कि जिसे हम अपना दुश्मन समझते हैं।
- अगर मुमकिन हो तो इसका तर्जुमा लफ़्ज़ी मतलब में ही किया जाए जिसका मतलब है, "क़रीब रहनेवाला इन्सान"।

(यह भी दखें: दुश्मन, मिसाल, लोगों की भीड़, सामरिया)

##:किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में ##

- रसूलों के 'आमाल 07:26-28
- इफिसियों 04:25-27
- गलातियों 05:13-15
- या'क़ूब 02:8-9
- युहन्ना 09:8-9
- लूक़ा 01:56-58
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 19:18-19
- मत्ती 22:39-40

## शब्दकोश:

- Strong's: H5997, H7138, H7453, H7468, H7934, G1069, G2087, G4040, G4139

# पण्डुकी, कबूतर

## ता’अर्रुफ़:

पण्डुकी और कबूतर दो छोटे भूरे रंग के परिन्दे हैं जो एक से दिखते हैं। पण्डुकी रंग में हल्की होती है, लगभग सफ़ेद|

- कुछ ज़बानों में इन दोनों परिंदों के नाम अलग-अलग हैं और कुछ ज़बानों दोनों परिंदों के लिए एक ही नाम काम में लेते हैं।
- पण्डुकी और कबूतर दोनों ख़ुदा के लिए क़ुर्बानी चढ़ाने के काम में आते थे, ख़ास करके उन इन्सानों के ज़रिए’ जो बड़ा जानवर ख़रीदने की सलाहियत नहीं रखते थे।
- जब तूफान का पानी घट रहा था तब पण्डुकी ज़ैतून का पत्ता लेकर नूह के पास लौट आई थी।
- पण्डुकी कभी-कभी पाकी, मासूमियत और सुकून की ‘अलामत भी है।
- अगर तर्जुमे की मक़ामी ज़बान में पण्डुकी और कबूतर नहीं जाने जाते हैं जहाँ तर्जुमा किया गया है, इस लफ़्ज़ तर्जुमा किया जा सकता है, “एक छोटा भूरा परिन्दा जो पण्डुकी कहलाता है” या “एक छोटा भूरे रंग का परिन्दा जो (किसी मक़ामी परिन्दे का नाम) की तरह दिखता है।”
- अगर पण्डुकी और कबूतर दोनों का ज़िक्र एक ही आयत में है तो ठीक होगा कि हर मुमकिन दो अलग-अलग अलफ़ाज़ का इस्ते’माल किया जाए।

(यह भी देखें: नामा’लूम अलफ़ाज़ का तर्जुमा कैसा करें

(यह भी देखें: ज़ैतून, मासूम, पाक)

## किताब-ए-मुक़द्दस की बारे में:

- पैदाइश 08:8-9
- लूक़ा 02:22-24
- मरकुस 01:9-11
- मत्ती 03:16-17
- मत्ती 21:12-14

## शब्दकोश:

- Strong's: H1469, H1686, H3123, H8449, G4058

# पनाह, पनाहगुज़ीन, पनाहगुज़ीनों, पनाहगाह, पनाहगाहों, पनाह दी, पनाह देना

## ता'अर्रुफ़:

"पनाह" का मतलब हिफ़ाज़त और की हालत या मक़ाम "पनाहगाह" एक ऐसा मक़ाम जो मौसम और खतरों से महफ़ूज़ रखता है। एक "पनाह" उस जगह के बारे में जो मौसम या ख़तरे से हिफ़ाज़त करता है|

- किताब-ए-मुक़द्दस में अक्सर ख़ुदा को पनाहगाह कहा गया है, जहां उसके लोग महफ़ूज़ और निगरानी में संभाले हुए रहते हैं।
- "शहर पनाह" पुराने 'अहदनामे में कुछ शहर ऐसे थे जिनमें अगर किसी ने गलती से क़त्ल कर दिया तो वह बदला लेने वालों से भागकर वहां पनाह ले सकता था।
- "पनाहगाह" एक ऐसी जिस्मानी तख़लीक होती है जैसे कोई घर या छत जो इन्सानों को या जानवरों को हिफ़ाज़त 'अता करती थी।
- कभी-कभी "पनाह" का मतलब "हिफ़ाज़त" होता है, जैसा कि लूत ने कहा था कि उनके मेहमान "छत के नीचे" उसकी छत के। उसके कहने का मतलब है कि वे उसके घर में हैं इसलिए वे महफ़ूज़ रहें।

## तर्जुमे की सलाह:

- "पनाह गाह" का तर्जुमा "महफ़ूज़ मक़ाम" या "हिफ़ाज़त का मक़ाम" हो सकता है।

"पनाहगुज़ीन"

- मज़मून पर मुनहस्सिर "पनाह" का तर्जुमा "हिफ़ाज़त देने वाला" या "हिफ़ाज़त" या "महफ़ूज़ मक़ाम"।
- अगर उसका हवाला जिस्मानी बनावट से है तो "महफ़ूज़" का तर्जुमा "महफ़ूज़ ईमारत" हो सकता है या
- "महफ़ूज़ मक़ाम में" का तर्जुमा "महफ़ूज़ मक़ाम में" या "इस मक़ाम में जहां हिफ़ाज़त हासिल होगी" की शक्ल में हो सकता है।
- "पनाह पाना" या "पनाह लेना" या "हिफ़ाज़त का मक़ाम पाना" का तर्जुमा "किसी के महफ़ूज़ मक़ाम में रखना" के तौर पर हो सकता है।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 शमूएल 22:3-4
- इस्तिस्ना 32:37-38
- यसा'याह 23:13-14
- यरमियाह 16:19-21
- गिनती 35:24-25
- ज़ुबूर 046:1-3
- ज़ुबूर 028:6-8

## शब्दकोश:

- Strong's: H2620, H4268, H4498, H4585, H4733, H4869

# परदा, घूँघटों, परदा पड़ा, निक़ाब

## ता’अरुफ़:

“परदा” लफ़्ज़ पतले कपड़े का सिर या चेहरा ढांकने का एक पतला कपड़ा होता है।

- यहोवा की हुज़ूरी में रहने के बाद मूसा ने अपने चेहरे पर परदा डाल लिया था कि उसके चेहरे की चमक इस्राईलियों से छिपी रहे।
- किताब-ए-मुक़द्दस में में ‘औरतें सिर ढांकने के लिए और ज़्यादातर चेहरा भी ढांकने के लिए परदा डालती थी, आदमियों के सामने या आम जगहों में।
- “परदा डालना” या’नी किसी चीज़ को ढांकना।
- मगरबी तहज़ीब में मुक़द्दस जगह को तक़सीम करने वाले मोटी परदे को भी परदा कहा गया है लेकिन मोटा लफ़्ज़ ज़्यादा सही है क्योंकि वह एक मोटा कपड़ा हुआ करता था। इस बारे में "परदा" लफ़्ज़ सही है क्योंकि वह एक मोटा कपड़ा था।

## तर्जुमे की सलाह:

- “परदा” लफ़्ज़ का तर्जुमा “पतले कपड़े का ढकना ” या “कपड़े का ढकना ” या “सिर ढांकना” हो सकता है।
- कुछ तह्ज़ीबों में ‘औरतों के परदे के लिए अलग लफ़्ज़ होगा। मूसा के लिए एक और लफ़्ज़ काम में लेना होगा।

(यह भी देखें: मूसा

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 कुरिन्थियों 03:12-13
- 2 कुरिन्थियों 03:14-16
- हिज़्क़ीएल 13:17-18
- यसा’याह 47:1-2
- ग़ज़ल-उल-गज़लात 04:3

## शब्दकोश:

- Strong's: H7289, G2665

# परदा, परदे

## ता’अर्रुफ़:

कलाम में “परदा” लफ़्ज़ रहने की जगह और हैकल में काम में आनेवाला कपड़े का बहुत मोटा परदा था।

- रहने की जगह परदों की चार परतों के ज़रिए’ बनाया गया था। ऊपर के लिए और हिस्सों के लिए। ये परदे जानवरों की खाल या कपड़ो के थे।
- रहने के चारों ओर मैदान को ढांपने के लिए दीवार की तरह परदे डाले गए थे। ये परदे “लिनन” से बने थे ये जो एक तरह का कपड़ा है जो सन के पेड़ से बनाया जाता था।
- रहने (तम्बू ) और हैकल में पाक जगह और मुक़द्दस जगह के बीच कपड़े का एक बहुत मोटा परदा था। यही वह परदा था जो ‘ईसा की मौत पर मो’जिज़ाना तौर से फट गया था।

## तर्जुमा की सलाह :

- क्योंकि मौजूदा ज़माने के परदे कलाम के वक़्त में काम में आनेवाले परदों से शायद अलग थे, अलग लफ़्ज़ का इस्तेमाल करना या बयान के लिए और लफ़्ज़ को जोड़ना सही होगा।
- मज़मून के मुताबिक़ इस लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, “परदे काढकना ” या “ढकना ” या “मोटा कपड़ा” या “जानवर की खाल काढकना ” या “लटकनेवाला कपड़ा”।

(यह भी देखें: पाक जगह, \सुलह का ख़ेमा]ख़ेमा, हैकल)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इब्रानियों 10:19-22
- अह्बार 04:16-17
- लूका 23:44-45
- मत्ती 27:51-53
- गिनती 04:5-6

## शब्दकोश:

- Strong's: H1852, H3407, H4539, H6532, H7050, G2665

# परदेशी, फूट डाली, अलग किए, पराई, परदेशी, परदेशियों

## ता’अर्रुफ़:

लफ़्ज़ “परदेशी” उस शख़्स के बारे में है जो किसी और मुल्क में रहता है जो उसका अपना नहीं है। “परदेशी” का दूसरा लफ़्ज़ है, बैरूनी

- पुराने ‘अहदनामे में, यह लफ़्ज़ ख़ास तौर से उस इन्सान का हवाला देता है जो लोगों के बीच रह रहा था, जो मुख़्तलिफ़ लोगों की जमा’अत से आया हो|
- परदेशी वह इन्सान भी है जिसकी ज़बान और तहज़ीब किसी ख़ास इलाक़े से अलग होती है।
- मिसाल के तौर पर, जब नाओमी और उसका ख़ानदान मोआब गए थे तब वहां परदेशी हो कर रहते थे। जब नाओमी और उसकी बहू रूत इस्राईल लौटे तब रूत को “परदेशी” कहा गया क्योंकि वह असल में इस्राईली नहीं थी।
- रसूल पौलुस ने इफिसियों की कलीसियाँ को लिखा कि मसीह को जानने से पहले वे ख़ुदा की शरी’अत के लिए “परदेशी” थे।
- कभी-कभी “परदेशी” का तर्जुमा “अजनबी” भी किया जा सकता है लेकिन इसका मतलब सिर्फ़ उसके लिए न हो जो वह “अजनबी” या “अन्जान” है।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तवारीख़ 02:17-18
- रसूलों के ‘आमाल 07:29-30
- इस्तिस्ना 01:15-16
- पैदाइश 15:12-13
- पैदाइश 17:24-27
- लूक़ा 17:17-19
- मत्ती 17:24-25

## शब्दकोश:

- Strong's: H312, H628, H776, H1471, H1481, H1616, H2114, H3363, H3937, H4033, H5236, H5237, H5361, H6154, H8453, G241, G245, G526, G915, G1854, G3581, G3927, G3941

# पहनाना, पहनना, लिबास, कपडे, उतारना

## ता’अर्रुफ़:

|कलाम में “पहने हुए” के मा’नी हैं किसी बात से सवारना “पहन लो” का मा’नी है किसी ख़सलती सिफ़त को अपनाने की कोशिश करना।

- जिस तरह लिबास बदन के बाहर दिखाई देते हैं उसी तरह किसी सिफ़त से मा’मूर होने के मा’नी है इन्सान वह सिफ़त देखते हैं। “रहीम हो जाओ ” का मा’नी है तुम्हारे काम रहम का ऐसी ख़सलत ज़ाहिर करें कि सब पर ज़ाहिर हो।
- “आसमान से क़ुव्वत ” या’नी आसमान से क़ुव्वत ‘अता किया जाना।
- इस लफ़्ज़ के ज़रिये’न मंज़ूर मिजाज़ भी ज़ाहिर किए जाते है जैसे “शर्मिन्दा” और “डरावना ”

## तर्जुमे की सलाह:

अगर मुमकिन हो तो आरास्ता को वैसे ही रखें ,”पहन लो” इसका तर्जुमा हो सकता है, “पहन लो” अगर लिबास पहनने के बारे में है।

- अगर मक़सद सही ज़ाहिर न हो रहा हो तो “पहनने” का दूसरा तर्जुमा हो सकता है, “रोया ” या “ज़ाहिर करना” या “भर जाना” या “सिफ़त होना”
- “पहन लो” का तर्जुमा “से ढांक लो” या “नज़र आने वाला मिजाज़ ”।

## किताब-ए-मुक़द्दस:

- लूका 24:48-49

## शब्दकोश:

- Strong's: H899, H1545, H3680, H3736, H3830, H3847, H3848, H4055, H4346, H4374, H5497, H8008, H8071, H8516, G294, G1463, G1562, G1737, G1742, G1746, G1902, G2066, G2439, G2440, G3608, G4016, G4470, G4616, G4683, G4749, G5509, G6005

# पहली फसल

## ता’अर्रुफ़ :

“पहली फसल ” या’नी मौसम के फल और सब्जियों की पहली फसल का एक हिस्सा |

- इस्राईली ख़ुदा के लिए ये पहले फल क़ुर्बानी के लिए लाते थे।
- किताब-ए-मुक़द्दस में इस जुमले का इस्ते’माल ‘अलामती शक्ल में भी किया जाता है, पहलौठा बेटा ख़ानदान का पहला फल है। क्योंकि वह ख़ानदान में पैदा होने वाला पहला बेटा है, वह ख़ानदान का नाम और ‘इज़्ज़त देने वाला है।
- ‘ईसा मुर्दों में से जी उठा इसलिए वह ‘ईसा के सब ईमानदारों में पहला फल है क्योंकि वह भी एक दिन मुर्दों में से जी उठेंगे।
- ‘ईसा के ईमानदारों को भी मख्लूक़ का “पहला फल ” कहा गया है, ‘ईसा ने जिनकी नजात की और अपने लोग होने के लिए बुलाया है उनके ख़ास ख़ुश क़िसमत और ‘उहदे को ज़ाहिर करता है।

## तर्जुमा की सलाह:

- इस जुमले का लफ़्ज़ी इस्ते’माल का तर्जुमा “पहला हिस्सा (फसल का)” या "फसल का पहला हिस्सा" किया जा सकता है।
- अगर मुम्किन हो तो, अलग-अलग हवालों में अलग-अलग मतलबों की इजाज़त देने के लिए, ‘अलामती इस्ते’मालों का लफ़्ज़ी तर्जुमा किया जाना चाहिए। यह लफ़्ज़ी मतलब और लफ़्ज़ी इस्ते’मालों के बीच के ता’ल्लुक़ को भी दिखाएगा।

(यह भी देखें: पहलौठा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में :

- 2 तवारीख़ 31:4-5
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
- ख़ुरूज 23:16-17
- या’क़ूब 01:17-18
- यरमियाह 02:1-3
- ज़बूर 105:34-36

## शब्दकोश:

- Strong's: H1061, H6529, H7225, G536

# पहले से जान लिया, पहले से ‘इल्म

## ता’अर्रुफ़:

लफ़्ज़ “पहले से जान लिया”, या “पहले से ‘इल्म” फ़े’अल “पहले से जानना” से आता है जिसका मतलब है वाक़े’ होने से पहले उसका ‘इल्म हो जाना।

- ख़ुदा वक़्त से महदूद नहीं है। वह माज़ी, हाल और मुस्तक़बिल की सब बातें जानता है।
- यह लफ़्ज़ अमूमन इस बारे में काम में लिया जाता है कि ख़ुदा पहले से ही जानता है कि ‘ईसा को अपना मुन्जी क़ुबूल करने के ज़रिए’ किसकी नजात होगी।

## तर्जुमे की सलाह:

- लफ़्ज़ “पहले ही से जानता था” का तर्जुमा हो सकता है, “पहले से जाना था” या “वक़्त से आगे जानता था” या “पहले से जानता था” या “पहले से ही पता था।”
- लफ़्ज़ “पहले से ‘इल्म” का तर्जुमा “पहले से जानना” या “वक़्त से पहले जानना” या “पहले से जानना” या “पहले से जानना”।

(यह भी देखें: जानना, पहले से ठहराए गए)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रोमियो 08:28-30
- रोमियो 11:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: G4267, G4268

# पहलौठे

## ता'अर्रुफ़ :

“पहलौठे” लफ्ज़ इन्सान या जानवर के सबसे पहले बच्चे को कहते हैं।

- किताब-ए-मुक़द्दस में “पहलौठे” के बारे में सबसे पहले पैदा होनेवाले बेटे से है।
- किताब-ए-मुक़द्दस के ज़माने में, सबसे पहले पैदा होने वाले बेटे को ख़ास जगह दी जाती थी और माँ-बाप की दौलत में से दूसरे बेटों की बराबरी में दो गुना हिस्सा दिया जाता था।
- ख़ुदावन्द के लिए जिस जानवर की क़ुर्बानी पेश की जाती थी, वह पहला मुज़क्कर बच्चा होता था।
- इसका इस्ते'माल 'अलामती भी किया जा सकता है। मिसाल के तौर, इस्राईली क़ौम को ख़ुदावन्द का पहलौठा कहा गया है क्योंकि ख़ुदा ने उसे दूसरी क़ौमों की बराबरी में ख़ास ख़ुशक़िस्मती 'अता की हैं।
- ख़ुदा के बेटे 'ईसा को पहिलौठा कहा गया है, उसकी अहमियत और सब इन्सानों पर उसके इख़्तियार की वजह से।

## तर्जुमा की सलाह :

- अगर पहलौठा दस्तावेज़ में अकेला लफ्ज़ है तो इसका तर्जुमा हो सकता है, “पहलौठा आदमी” या “पहलौठा बेटा” क्योंकि इसका मतलब यही है। (देखें: क़बूल 'इल्म और अनदुरूनी जानकारी )
- इस लफ़्ज़ी के तर्जुमा हो सकते हैं, “बेटा जो पहले पैदा हुआ” या “सबसे बड़ा बेटा” या “पहला बेटा”।
- जब 'अलामती इस्ते'माल में 'ईसा का हवाला हो, तब एक लफ्ज़ या जुमले के साथ तर्जुमा किया जा सकता है जिसका मतलब है "बेटा जो सब कुछ पर इख़्तियार रखता है" या "बेटा, जो अहतराम में पहला है।"
- ख़बरदार: यक़ीन करें कि 'ईसा लफ्ज़ का तर्जुमा ऐसा न लगे कि वह बनाया गया था।

(यह भी देखें: इख़्तियार होना, क़ुर्बानी, बेटा

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- कुलुस्सियों 01: 15-17
- पैदाइश 04:3-5
- पैदाइश 29:26-27
- पैदाइश 43:32-34
- लूक़ा 02:6-7
- मुकाशिफ़ा 01:4-6

## शब्दकोश:

- Strong's: H1060, H1062, H1067, H1069, G4416, G5207

# पाँवों की चौकी

## ता'अरुफ़:

"पाँवों की चौकी" बैठते वक़्त पाँवों को आराम देने के लिए रखने की चौकी। इस जुमले का 'अलामती मतलब है, जमा' करना रहना या छोटा 'उहदा।

- किताब-ए-मुक़द्दस के ज़माने में पाँवों को जिस्म का सबसे कम इज़्ज़त वाला हिस्सा माना जाता है। लिहाज़ा पाँवों की चौकी और भी ज़्यादा नाचीज़ थी, क्योंकि उस पर पाँव रखे जाते थे।
- ख़ुदा कहता है, मैं अपने दुश्मनों को अपने पाँवों की चौकी कर दूँगा तो वह बाग़ियों पर अपनी , क़ुव्वत और जीत की मुक़र्रर कर रहा है। वे हार कर इतने हलीम हो जाएंगे कि ख़ुदा की मर्ज़ी के ताबे' सुपुर्द कर देंगे।
- "ख़ुदा के पाँवों की चौकी पर परस्तिस करना" मतलब ख़ुदा तख़्त पर बैठा है और परस्तिस करने वाले उसके क़दमों में सज्दा करते हैं। यह फिर बात चीत करता है कि आजिज़ी और बरकत खुदा के लिए है|
- दाऊद हैकल को ख़ुदा के पाँवों की चौकी कहता है। इसका हवाला उसके अपने लोगों पर उसके पूरे इख़्तियार से है। यह तख़्त पर बैठे ख़ुदा का तसव्वुर भी है जिसके पाँव चौकी पर रखे हुए हैं जो उसके ताबे' सबकी सुपुर्दगी ज़ाहिर करता है।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 07:47-50
- यसा'याह 66:1
- लूक़ा 20:41-44
- मत्ती 05:33-35
- मत्ती 22:43-44
- ज़बूर 110:1

## शब्दकोश:

- Strong's: H1916, H3534, H7272, G4228, G5286

# पानी, पानी , पानी पिलाया, पानी देना

## ता’अर्रुफ़:

“पानी” का ख़ास मतलब के अलावा मा’नी तालाबों से भी है जैसे समन्दर , सागर, झील या नदी भी है।

- "पानी " इस जुमले का बयान तालाबों या बहुत पानी के चश्मों से है। इसका बयान आम तौर पर पानी की बड़ी ता’दाद से भी है।
- “पानी” का तम्सीली इस्तेमाल बड़ी नाउम्मीदी, कठिनाइयों और तकलीफों के लिए भी किया जाता है। मिसाल के तौर पर , ख़ुदा ‘अहद करता है कि जब हम “पानी से होकर चलें” तब वह हमारे साथ-साथ होगा।
- “बहुत पानी ” का मतलब है परेशानियां बहुत बड़ी हैं।
- जानदारों और कुछ जानवरों को पानी पिलाने का मतलब है उनके लिए "पीने के पानी का इन्तिज़ाम करना"। किताब-ए-मुक़द्दस के ज़माने में पानी बाल्टी के ज़रिये कुएँ से निकाल कर हौज़ में या किसी और बर्तन में डाला जाता था कि जानवर उसमें से पानी पीएं।
- पुराने ‘अहद नामे में ख़ुदा को उसके लोगों के लिए “ज़िंदगीका पाने ” का चश्मा कहा गया है। इसका मतलब है कि वह रूहानी ताक़त और नई ज़िन्दगी का चश्मा है
- नये ‘अहद नामे में ‘ईसा ने “ज़िन्दगी के पानी” जुमले का इस्ते’माल किया है जो इंसान को बदलने और नई ज़िन्दगी देने के लिए पाक रूह का काम है।

## तर्जुमे की सलाह :

- “पानी भरना” का तर्जुमा होगा, “बाल्टी के ज़रिए’कूएँ से पानी निकालना”
- “उसके दिल में से ज़िन्दगी के पानी की नदियां बह निकलेंगी”। इसका तर्जुमा हो सकता है, “पाक रूह की ताक़त और बरकतें उनमें से नदियों के जैसे बहने लगेंगी” “बरकतों ” की जगह में “तोहफ़ा ” या “फल” या “ख़ुदाई सिफ़त ” का इस्तेमाल किया जा सकता है।
- कूएँ पर उस सामरी ‘औरत से बातें करते वक़्त “ज़िन्दगीका पानी ” का तर्जुमा “ज़िन्दगी देने वाला पानी” या “पानी जो ज़िन्दगी देता है” किया जा सकता है। इस बारे में पानी की मिसाल को तर्जुमा में ज़ाहिर करना है।
- मज़मून के मुताबिक़ , “पानी” और “बहुत पानी” का तर्जुमा “गहरा दुःख ” हो सकता है (जो आपको पानी की तरह चारों ओर से घेरे होता है) "या" भारी मुश्किलों (जैसे पानी की बाढ़) "या "बड़ी मिक़दार में पानी "।

(यह भी देखें: ज़िन्दगी , रूह , पाक रूह, ताक़त )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 08:36-38
- ख़ुरूज 14:21-22
- यूहन्ना 04:9-10
- यूहन्ना 04:13-14
- यूहन्ना 04:15-16
- मत्ती 14:28-30

## शब्दकोश:

- Strong's: H2222, H4325, H4529, H4857, H7301, H7783, H8248, G504, G4215, G4222, G5202, G5204

# पिघलना, पिघल गया, पिघलाई, पिघल जाता, ढालकर

## सच्चाई:

“पिघलना” या'नी गरमी पाकर किसी ठोस सामान का पानी जैसा हो जाना। इसका 'अलामती इस्ते'माल भी किया गया है। पिघली हुई चीज़ को “ढालना” भी कहते हैं।

- अलग अलग धातुओं को पिघला कर सांचों में डालकर हथियार या मूर्तियाँ बनाई जाती हैं। * “ढाली गई धातु” या'नी पिघलाई गई धातु।
- मोमबत्ती जलती है तो उसका मोम पिघलकर गिरता है। पुराने वक़्त में ख़तों के सिरों पर पिघला हुआ मोम डालकर उन्हें मुहरबन्द किया जाता था।
- “पिघलने” का 'अलामती मतलब है, मुलायम और कमज़ोर जैसे पिघला हुआ मोम।
- यह जुमला , “दिल पिघल जायेंगे” या'नी ख़ौफ़ की वजह से बहुत कमज़ोर हो जायेंगे।
- एक और 'अलामती जुमला है, “वह पिघल जायेंगे” वह चले जाने के लिए मजबूर किये जायेंगे या वह कमज़ोर दिखाई देंगे और हार जायेंगे।
- “पिघलने” का सही तर्जुमा होगा “पानी जैसा हो जाना” या “पानी की तरह होना” या “पानी बनाना।”
- “पिघलने” के 'अलामती मतलबों का तर्जुमा होगा, “मुलायम होना” या “ कमज़ोर होना” या “शिकस्त होना।”

(यह भी देखें:दिल, झूठे मा’बूद, तरह, मुहर)

## किताब-ए-* मुक़द्दस के बारे में:

- ज़बूर 112:10

## शब्दकोश:

- Strong's: H1811, H2003, H2046, H3988, H4127, H4529, H4541, H4549, H5140, H5258, H5413, H6884, H8557, G3089, G5080

# पिया हुआ, शराबी

## सच्चाई:

“नशे में” का मतलब बहुत ज़्यादा मयनोशी से मदहोश होना|

- “शराबी” इन्सान अक्सर मयनोशी करता है। ऐसे इन्सान को मयख़्वार भी कह सकते हैं।
- किताब-ए-मुक़द्दस में ईमानदारों से कहा गया है कि मय से मतवाले होने की बजाय पाक रूह के ताबे’ हो जाएं।
- किताब-ए-मुक़द्दस की ता’लीम के मुताबिक़ मतवालापन बे’अक़्ल है और इन्सान को गुनाहों में गिराता है।

“मतवालापन” का तर्जुमें के तरीक़े हो सकते हैं, “मतवाले” या “नशे में चूर” या “बहुत ज़्यादा मय नोशी” या “शराब से भरा हुआ ”।

(यह भी देखें: मय)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 05:11-13
- 1 शमूएल 25:36
- यरमियाह 13:12-14
- लूक़ा 07:33-35
- लूका 21:34-35
- अम्साल 23:19-21

## शब्दकोश:

- Strong's: H5433, H5435, H7301, H7302, H7910, H7937, H7941, H7943, H8354, H8358, G3178, G3182, G3183, G3184, G3630, G3632

# पीतल

## ता'अर्रुफ़:

“पीतल” (कांसा) एक धातु है जिसे तांबा और टिन के मिलने से तैयार किया जाता है। इसका रंग हल्की सुर्ख़ी लिए गहरा भूरा होता है।

- यह पीतल पानी से होने वाले नुक़सान से महफ़ूज़ रहता है और गर्मी को अच्छी तरह से मुन्तक़िल करता है।
- बुज़ुर्गों के ज़माने में पीतल औज़ारों, हथियारों, नाख्खासी, क़ुर्बानगाहों, खाना पकाने के बर्तन, फ़ौजों की हिफ़ाज़त के लिए कई चीज़ों की ता'मीर में काम आता था।
- बहुत से ख़ेमों और हैकल की 'इमारत करने वाले सामान पीतल के बने होते थ|
- झूठे मा'बूदों के बुत भी तांबे से बनते थे।
- तांबे से चीज़ें बनाने के लिए पहले तांबे को पिघलाया जाता था उसके बा'द सांचों में डाला जाता था। इस 'अमल को "ढालना" कहते थे।

(यह भी देखें: ना मा'लूम लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: हथियार, ख़ेमा, हैकल )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 07:15-17
- 1 शमूएल 17:37-38
- दानिएल 02:44-45
- इस्तिसना 25:3-7
- मुक़ाशिफ़ा 01:14-16

## शब्दकोश:

- Strong's: H5153, H5154, H5174, H5178, G5470, G5474, G5475

# पीने का नज़राना

## ता’अरुफ़ :

मय ख़ुदा के लिए क़ुर्बानी या जिसमें क़ुर्बानगाह पर मय उण्डेला जाती थी| यह अक्सर एक साथ, आतिशी क़ुर्बानी और अनाज की क़ुर्बानी के साथ पेश किया जाता था।

- पौलुस अपनी ज़िन्दगी को मय की तरह उण्डेले जा रहा है। इसका मतलब था कि वह ख़ुदा की ख़िदमत में पूरी तरह सुपुर्द था कि इन्सानों में ख़ुशख़बरी सुनाए चाहे वह तकलीफ़ उठाए या चाहे मार डाला जाए।
- सलीब पर ‘ईसा की मौत फ़ौरी तौर पीने का नज़राना था जैसा कि हमारे गुनाहों की वजह से उसका ख़ून बहाया गया था।

## तर्जुमे की सलाह:

- इसका तर्जुमा हो सकता है “मय का नज़राना”
- जब पौलुस कहता है कि वह नज़राने की तरह उण्डेला जा रहा है तब इसका तर्जुमा हो सकता है, “मैं इन्सानों में ख़ुदा की ख़ुशख़बरी सुनाने के लिए पूरी तरह हाज़िर हूं जैसे मय को क़ुर्बानगाह पर नज़्र करके पेश किया जाता है”।

(यह भी देखें: आतिशी नज़राना, अनाज का नज़राना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- ख़ुरूज 25:28-30
- हिज़क़ीएल 45:16-17
- पैदाइश 35:14-15
- यरमियाह 07:16-18
- गिनती 05:15

## शब्दकोश:

- Strong's: H5257, H5261, H5262

# पुकार, चिल्लाहट, पुकारकर, रोना, दोहाई, दोहाई, पुकारकर, चिल्लाहट, -नारे बुलन्द करना

## ता'अर्रुफ़:

"पुकार" या "दोहाई" हमेशा किसी बात को ऊँची आवाज़ में कहना और ज़रूरत ज़ाहिर करना। कोई "दोहाई" तकलीफ़ या नाउम्मीदी या ग़ुस्से में भी पुकार सकता है।

- "दोहाई" का मतलब चिल्लाना या आवाज देना, ज़्यादातर मदद के लिए।
- इसका तर्जुमा "ऊँची आवाज़ में ऐलान करना" या "जल्दी में मदद मांगना" हो सकता है-मज़मून के मुताबिक़
- "मैं तुझे पुकारता हूं" इस जुमले का तर्जुमा "मैं मदद के लिए तुझे पुकारता हूं" या "मैं मुश्किल हालात में मदद के लिए तुझे पुकारता हूं" हो सकता है

(यह भी देखें: बुलाहट, मिन्नत करना)

## किताब -ए- मुक़द्दस के बारे में:

- अय्यूब 27:8-10
- मरकुस 05:5-6
- मरकुस 06:48-50
- ज़ुबूर 022:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H603, H1058, H2199, H2201, H6030, H6463, H6670, H6682, H6817, H6818, H6873, H6963, H7121, H7123, H7321, H7440, H7442, H7723, H7737, H7768, H7769, H7771, H7773, H7775, H8173, H8663, G310, G349, G863, G994, G995, G1916, G2019, G2799, G2805, G2896, G2905, G2906, G2929, G4377, G5455

# पूछना, जांच करना, जाँच-की , पूछ-ताछ

## सच्च्चाई:

“पूछना” या'नी किसी से किसी बात को मा'लूमात करने के लिए पूछना । * “से पूछना” हमेशा ख़ुदा के लिए हिकमत और मदद को पूछने में मदद के लिए इस्ते'माल करते हैं

- पुराने 'अहद नामे में कई मिसालें हैं जब लोगों ने ख़ुदा से बातें पूछी हैं।
- यह लफ़्ज़ बादशाह या किसी हुकूमती हाकिम के ज़रिए' लिखे हुए के बारे में मा'लूमात हासिल करने के लिए भी काम में लिया जाता था।
- जुमले के मुताबिक़ इस लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, “पूछना” या “जानकारी मांगते हैं।”
- “यहोवा से पूछना” इसका तर्जुमा हो सकता है, “यहोवा से सही रास्ता खोजना” या “यहोवा से पूछना कि क्या किया जाए”।
- "पूछताछ करने के लिए" का तर्जुमा "सवाल पूछें" या " मा'लूमात के लिए पूछें" की शक्ल में किया जा सकता है।
- जब यहोवा कहता है, “मैं उत्तर नहीं दूंगा” तो इसका तर्जुमा हो सकता है, “मैं तुम्हें मा'लूमात पूछने की इजाज़त नहीं दूंगा” या “तुम्हें मुझसे मदद मांगने की इजाज़त नहीं मिलेगी”।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- अह्बार 19:17-19
- हिज़्क़ीएल 20:1
- हिज़्क़ीएल 20:30-32
- 'एज़्रा 07:14-16
- अय्यूब 10:4-7

## शब्दकोश:

- Strong's: H1240, H1245, H1875, G1830

# पैदा करना, जच्चा की सी, दर्द-ए-ज़ेह

## ता'अर्रुफ़:

एक 'औरत "दर्द-ए-ज़ेह" में उस दर्द को महसूस करती है जिसके ज़रिए' वह बच्चे को पैदा करती है। इसे "दर्द-ए-ज़ेह" कहते हैं।

- गलातिया मुल्क की कलीसियाओं को लिखे ख़त में पौलुस इस लफ़्ज़ का इस्ते'माल 'अलामती तौर पर करता है जिसका मतलब है कि पौलुस अपने ईमानदार भाइयों को ज़्यादा से ज़्यादा मसीह की तरह लाने के लिए ज़ोरदार कोशिश करता है।
- किताब-ए-मुक़द्दस में की मिसाल दर्द-ए-ज़ेह आख़िरी दिनों की तबाही को ज़ाहिर करने के लिए भी दी गई है कि वह ज़्यादा से ज़्यादा तेज़ और ज़ोर में होगा।

(यह भी देखें: दर्द-ए-ज़ेह, आख़िरी दिन)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 04:19-20
- गलातियों 04:19-20
- यसा'याह 13:6-8
- यरमियाह 13:20-21
- ज़बूर 048:4-6
- रोमियो 08:20-22

## शब्दकोश:

- Strong's: H2342, H2470, H3018, H3205, H5999, H6045, H6887, H8513, G3449, G4944, G5088, G5604, G5605

# पैदा करना,बनाना ,पैदा किया ,'आलम ,ख़ालिक़

## ता'अर्रुफ़:

"पैदा करना" या'नी बनाना या किसी को हक़ीक़त में लाना | जो कुछ बनाया गया उसे दुनिया कहते हैं। ख़ुदा को "ख़ालिक़ " कहते हैं क्योंकि उसने पूरी दुनिया को हकीक़त बख़्शा|

- जब ख़ुदा के लिए कहा जाता है कि उसने पूरी दिनिया को बनाया तो इसका मतलब है कि उसने अव्वल से उसे पैदा किया।
- जब इन्सान कोई चीज़ बनाता है तो इसका मतलब है कि वह मौजूदा चीज़ों से कुछ बनाता है।
- कभी-कभी "बनाना" 'अलामती तौर से काम में लिया जाता है जैसे "सुकून को पैदा करना" या "इन्सान में पाक दिल बनाना "
- "तख़लीक़ " लफ़्ज़ का मतलब है, शुरू में जब ख़ुदा ने सब कुछ बनाया। यह लफ़्ज़ ख़ुदा के ज़रिये' बना सब के लिए काम में लिया जा सकता है। कभी-कभी "तख़लीक़" लफ़्ज़ ख़ास करके ज़मीन पर आदमियों के लिए काम में लिया जाता है।

## तर्जुमे की सलाह:

- कुछ ज़बानों में साफ़ ज़ाहिर किया जा सकता है कि ख़ुदा ने "शुरू'से" पूरी दुनिया की तख़लीक़ की, यक़ीन करें कि इसका मतलब वाज़े'ह हो।
- "दुनिया की तख़लीक़ के वक़्त से" या'नी "उस वक़्त से जब ख़ुदा ने पूरी दुनिया को बनाया था|"।
- 'आम जुमलों , "दुनिया के शुरू' में " का तर्जुमा किया जा सकता है, "जब ख़ुदा ने आलम को वक़्त की शुरुआत में बनाया" या "जब 'आलम को पहली बार बनाया गया।"
- "सारी दुनिया के लोगों को" ख़ुशख़बरी की मुनादी करो या'नी "पूरी ज़मीन पर आदमियों को" ख़ुशख़बरी सुनाओ।
- "पूरी दुनिया ख़ुशी करे" या'नी "ख़ुदा के ज़रिये' बना सब कुछ ख़ुशी मनाए "।
- मज़मून के मुताबिक़ "पैदा करना" का तर्जुमा "बनाना" या "हक़ीक़त में लाना" या "शुरू'से पैदा करना" हो सकता है।
- "ख़ालिक़ " का तर्जुमा "जिसने सब कुछ बनाया" या "ख़ुदा जिसने पूरी दुनिया की तख़लीक़ की"।
- "तेरा बनाने वाला " का तर्जुमा "ख़ुदा जिसने तुझे बनाया" हो सकता है।

(यह भी देखें: ख़ुदा, ख़ुशख़बरी, दुनिया)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 11:9-10
- 1 पतरस 04:17-19
- कुलुस्सियों 01: 15-17
- गलातियों 06:14-16
- पैदाइश 01:1-2
- पैदाइश 14:19-20

## शब्दकोश:

- Strong's: H3335, H4639, H6213, H6385, H7069, G2041, G2602, G2675, G2936, G2937, G2939, G4160, G5480

# फटकना, फटकता, फटका, फटकेगा, फटके, छानना

## ता’अर्रुफ़:

“फटकना” और “फटके” या’नी अनाज को भूसी से अलग करना। किताब-ए-मुक़द्दस में ये दोनों लफ़्ज़ों का इस्तेमाल तम्सीली शक्ल में भी किया जाता है, इन्सानों को अलग करने और उनको तक़सीम करने में।

“फटकना” भी ग़ैर ज़रूरी भूसी को अनाज से अलग करना है अनाज में मिली भूसी को हवा में उड़ाया जाता था कि हवा भूसी को उड़ाकर अनाज से अलग कर दे।

- “फटके” उस गेहूँ को जो हवा में उड़ाकर भूसी से अलग किया गया है एक छलनी में फटका जाता था कि उसमें से मिट्टी और कंकड़ अलग किये जाएं।
- पुराने ‘अहद नामे में फटकना और हवा में उड़ना जुमलों का तम्सीली इस्तेमाल किया गया है जिसका बयान रास्तबाज़ों को नारास्तों से अलग करने वाली मुश्किलों से है।
- एक बार ‘ईसा ने भी “फटके” लफ़्ज़ का ‘अलामती इस्ते’माल किया है जब वह शम’उन पतरस से कह रहा था कि वह और दीगर शागिर्द अपने ईमान में कैसे परखे जायेंगे।
- इन लफ़्ज़ों का तर्जुमा करने के लिए, मक़सदी ज़बान में उन लफ़्ज़ों या जुमलों का इस्ते’माल करें जो इन हरकतों का हवाला हो; मुमकिन तर्जुमा "हिलाना" या "हवा करना" हो सकता हैं। अगर सूप या छानना नहीं जानते हैं, तो उन लफ़्ज़ों का तर्जुमा दुसरे लफ़्ज़ के ज़रिए’ किया जा सकता है जो अनाज से भूसी या गंदगी को अलग करने, या इस काम का बयान करने का एक अलग तरीक़े का हवाला देता हो।

(यह भी देखें: अनजान लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: भूसी, अनाज )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- यसा’याह 21:10
- लूका 22:31-32
- मत्ती 03:10-12
- अम्साल 20:7-8
- रूत 03:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H2219, H5128, H5130, G4425, G4617

# फल, फलों, फलदार, बेफल

## ता’अर्रुफ़:

लफ़्ज़ “फल” का मतलब पेड़ के उस हिस्से से है जो खा सकते हैं| कुछ भी “फलदार” है जो बहुत फलदायक है। किताब-ए-मुक़द्दस में इस लफ़्ज़ को ‘अलामती तौर भी काम में लिया गया है।

- किताब मुक़द्दस में “फल” लफ़्ज़ अक्सर इन्सान के ‘आमाल के लिए काम में लिया गया है। जिस तरह कि फल ज़ाहिर करता है कि पेड़ कैसा है उसी तरह इन्सान के अलफ़ाज़ और ‘आमाल ज़ाहिर करते हैं कि उसका किरदार कैसा है।
- इन्सान अच्छे या बुरे रूहानी फल पैदा कर सकता है, लेकिन “फलदार” का मतलब हमेशा ही सही है या’नी बहुत अच्छे फल लाना।
- लफ़्ज़ “फलदार” का ‘अलामती मतलब है, “ख़ुशगवार” इसका हवाला अक्सर अनेकी औलाद और नसल और खाने की कसरत तथा दौलत से है।
- ‘आमतौर पर, इज़्हार “का फल” का मतलब है किसी से पैदा कोई बात। मिसाल के तौर पर, “’अक़्ल का फल” का मतलब है ’अक़्लमन्द होने के अंजाम में अच्छी चीजें पाना|
- इज़्हार “ज़मीन का फल” का मतलब उन सभी चीज़ों से है जो खाने के लिए ज़मीन देती है| इसमें न सिर्फ़ फल जैसे कि खजूर और अंगूर ही नहीं, सब्जियाँ, मेवे और अनाज भी शामिल है।
- ‘अलामती इज़्हार “रूह का फल” फरमाबरदार इन्सानों में पाक रूह के ज़रिए’ पैदा ख़ुदा की ‘इबादत की ख़ुसीसियत|
- इज़्हार “हमल का फल” का मतलब है जो ‘औरत पैदा करती है” जो बच्चा है|

## तर्जुमे की सलाह:

- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा “फल” के लिए ‘आम लफ़्ज़ के ज़रिए’ ही किया जाए तो अच्छा होगा, जो ‘आम तौर मक़सदी ज़बान में इस्ते’माल होता है जिसका मतलब है एक फलदार पेड़ का खाने वाला फल| कई ज़बानों में जमा’ लफ़्ज़ “फलों” ज़्यादा क़ुदरती होगा।
- मज़मून पर मुनहस्सिर, “फलदार” का तर्जुमा हो सकता है, “ज़्यादा रूहानी फल पैदा करना” या “बहुत औलाद होना” या “ख़ुसगवार होना”
- इज़्हार “ज़मीन की पैदावार” का तर्जुमा “ज़मीन के ज़रिए’ पैदा खाना” या “उस इलाक़े की फसल”।
- जब ख़ुदा ने जानवर और इन्सान की तख़लीक की, तब उसने उन्हें हुक्म दिया “फलदार हो और ज़रब हो” जिसका मतलब है बहुत ज़्यादा औलाद होना| इसका तर्जुमा “बहुत औलाद होना” या “बहुत औलाद और नसलें होना” या “बहुत औलाद होना कि बहुत नसलें हों” हो सकता है|
- इज़्हार “हमल का फल” का तर्जुमा हो सकता है, “हमल से पैदा” या “’औरत के ज़रिए’ पैदा औलाद” या सिर्फ़ “औलाद”। जब इलीशिबा ने मरियम से कहा, “मुबारक है तेरे रिहम का फल,” तो उसका मतलब था “जिस बच्चे को तू पैदा करेगी वह मुबारक है”। मक़सदी ज़बान में इस जुमले के लिए मुख़्तलिफ़ इज़्हार हो सकते हैं।
- एक और इज़्हार “अँगूर का फल” का तर्जुमा “अँगूर की बेल का फल” या “अंगूर” हो सकता है।
- मज़मून पर मुनह्स्सिर, “ज़्यादा फलदार होना” का तर्जुमा हो सकता है, “ज़्यादा फल देगी” या “ज़्यादा औलाद होगी” या “ख़ुसगवार होगे”।
- रसूल पौलुस का इज़्हार “फलदार मज़दूरी” का तर्जुमा हो सकता है, “अच्छे नतायज लाने वाला काम” या “मसीह में ईमान करने के लिए काम को लाने वाली कोशिश”।
- “रूह का फल” का तर्जुमा “पाक रूह के ज़रिए’ पैदा काम” या “लफ़्ज़ और काम जिनसे ज़ाहिर हो कि पाक रूह इन्सान में काम करती है” हो सकता है।

(यह भी देखें: नसल, अनाज, अंगूर, पाक रूह, अँगूर की बेल, हमल)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- गलातियों 05:22-24
- पैदाइश 01:11-13
- लूक़ा 08:14-15
- मत्ती 03:7-9
- मत्ती 07:15-17

## शब्दकोश:

- Strong's: H3, H4, H1061, H1063, H1069, H2173, H2233, H2981, H3206, H3581, H3759, H3899, H3978, H4022, H4395, H5108, H5208, H6500, H6509, H6529, H7019, H8256, H8393, H8570, G1081, G2590, G2592, G2593, G3703, G5052, G5352, G6013

# फ़ाहेशा , रण्डी , ज़ानी , क़स्बी , छिनाल , जिना करने वाली

## ता’अरुफ़:

“फ़ाहेशा” या’नी पैसों के लिए या सालाना रस्मों के लिए ज़िनाकारी करना। कस्बियाँ अक्सर ‘औरतें होती थी लेकिन आदमी भी होते थे।

- कलाम में “फ़ाहेशा” लफ़्ज़ तमसीली शक्ल में बुत की इबादत या जादू टोना करने वाले के लिए काम में लिया जाता था।
- “ज़िना करना” या’नी फ़ाहेशा के जैसा बुरा काम करना। कलाम में यह जुमला बुत की इबादत के लिए भी काम में लिया गया है।
- “जिना होना” या’नी बुरे काम करना या तमसीली शकल में -ग़ैर मा’बूदों की इबादत करना।
- पुराने ज़माने में हैक्लों में ‘औरत और आदमी काम के लिए जिना के हक़दार होते थे।
- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा मकसदी ज़बान में उसी लफ़्ज़ से किया जाए जिसका मतलब क़स्बी हो। कुछ ज़बानों में इस लफ़्ज़ के लिए एक ख़ास लफ़्ज़ हो सकता है। (देखें: किस्म

(यह भी देखें: ज़िना, झूठेमा’बूद , बुरा काम , बुत )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 34:30-31
- पैदाइश 38:21-23
- लूका 15:28-30
- मत्ती 21:31-32

## शब्दकोश:

- Strong's: H2154, H2181, H2183, H2185, H6945, H6948, H8457, G4204

# फाटक, फाटकों, बेंड़ों, चौकीदार , चौकीदारों, दरवाज़े के खम्भे, दरवाज़ा

## ता’अर्रुफ़:

“दरवाज़ा ” किसी अहाते में या दीवार में जो शहर या घर के चारों तरफ़ से उसमें चूल पर लगी एक रुकावट होती है। “बेड़ों” दरवाज़ा को बन्द करने के लिए लकड़ी या धातु की ज़ंजीर ।

- दरवाज़ा के फाटकों को खोला जाता था कि लोग, जानवर और ताजिर शहर में आ सकें और शहर से जा सकें।
- शहर को महफ़ूज़ रखने के लिए शहरपनाह और दरवाज़े बहुत मोटे होते थे। दरवाज़ों को ज़ंज़ीरों से बन्द किया जाता था कि दुश्मन की फ़ौज को शहर में दाख़िल होने से रोका जाए।
- शहर का दरवाज़ा शहर की ख़बर और क़ौमी मरकज़ होता था। वहां कारोबारियों के लेनदेन और फ़ैसला भी किया जाता था क्यूँकि शहरपनाह के मोटे होने की वजह से वहाँ धूप से बचने के लिए मौजूद ठंडी छांव होती थी। शहरियों को उसके साए में बैठना अच्छा लगता था कि वहाँ बैठकर फ़ैसला करें या कारोबार करें।

## तर्जुमा की सलाह:

- जुमलों के मुताबिक़ “दरवाज़े” का तर्जुमा “दरवाज़ा” या “दीवार से दाख़िल होने की जगह” या “रुकावट” या “दाख़िल होने का दरवाज़ा ” किया जा सकता है।
- “दरवाज़े की सलाखों” का तर्जुमा “फाटक की सिटकनी” या “दरवाज़े को बन्द करने की लम्बी लाठी ” या “दरवाज़े को बन्द करने की धातु की ज़ंजीर ”।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 09:23-25
- रसूलों के 'आमाल 10:17-18
- इस्तिसना 21:18-19
- पैदाइश 19:1-3
- पैदाइश 24:59-60
- मत्ती. 07:13-14

## शब्दकोश:

- Strong's: H1817, H5592, H6607, H8179, H8651, G2374, G4439, G4440

# फूल जाना, फूल जाना

## ता’अर्रुफ़:

“फूल जाना” एक कलाम है जिसका मतलब है मग़रूर या गुस्ताख़ होना। (देखें:कलाम

- एक आदमी जो फूल जाता है वह ख़ुद को औरों से ज़्यादा बड़ा समझता है।
- पौलुस ने सिखाया था कि मा’लूमात और सच्चाई या मज़हबी इल्म की ज़्यादती की वजह से इन्सान “फूल जाता है” और मुताकब्बिर हो जाता है।
- और ज़बानों में भी ऐसी ही या इससे अलग जुमला हो सकता है जिसका मतलब यही हो जैसे “अकड़ में रहना”।
- इसका तर्जुमा "बहुत ग़ुरूर " या "दूसरों से नफ़रत " या "तकब्बुर " या "दूसरों की बराबरी में खुद को बेहतर समझने" की शक्ल में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मग़रूर, मुताकब्बिर)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बार में:

- 1 कुरिन्थियों 04:6-7
- 1 कुरिन्थियों 08:1-3
- 2 कुरिन्थियों 12:6-7
- हबक्कूक 02:4-5

## शब्दकोश:

- Strong's: H6075, G5229, G5448

# बंजर

## ता'अरुफ़:

"बंजर" का मतलब बंजर या बे फ़ल

- बंज़र ज़मिन में पेड़ पौधे नहीं उगते हैं
- 'औरत जो जिस्मानी तौर पर इस लायक़ नहीं जो हामिला हो और बच्चा पैदा करे उसे बाँझ कहते हैं

## तर्जुमें की सलाह:

- ज़मीन के हवाले में कहा जा सकता है, "बंजर " या, " बे फ़ल", या "बग़ैर पेड़ -पौधों का "
- जब बाँझ 'औरत के मुता'अल्लिक़ कहा जा सकता है, इसका तर्जुमा "बेऔलाद" या "औलाद पैदा करने के लायक़ नहीं" या "हामिला होने के लायक़ नहीं"किया जा सकता है|

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में :

- 1 शमूएल 02:5
- गलातियों 04:26-27
- पैदाइश 11:29-30
- अय्यूब 03:6-7

## शब्दकोश:

- Strong's: H4420, H6115, H6135, H6723, H7909, H7921, G692, G4723

# बकरा, बकरियों, बकरियों की खालें, , बच्चे

## ता’अर्रुफ़:

बकरी एक औसत क़द का भेड़ जैसा चौपाया होता है जिसे दूध और गोश्त के लिए पाला जाता है। एक छोटी बकरी को बकरी का बच्चा कहते हैं।

- भेड़ की तरह बकरी भी क़ुर्बानी के लिए ज़रूरी जानवर था ख़ास करके फ़सह के वक़्त ।
- अगर्चे भेड़ और बकरी देखने में एक से हैं, वह दिखने कुछ में अलग हैं:
- बकरी के बाल सख़्त होते है और भेड़ के बाल ऊन होते हैं।
- बकरी की पूंछ ऊपर रहती है जबकि भेड़ की पूंछ लटकी होती है।
- भेड़ अपने झुण्ड में रहती है, लेकिन बकरी में आज़ादी होती है और वह झुण्ड को छोड़ कर यहाँ वहाँ भागती है।
- कलाम के वक़्त में बकरी इस्राईल के लिए दूध का ख़ास जानवर थी।
- बकरी की खाल से ख़ेमे की पोशीदा चीज़ें और मशकें बनाई जाती थी।
- पुराने और नये 'अहद नामे में दोनों में बकरी लफ़्ज़ को नारास्तों की 'अलामत के तौर पर काम में लिया गया है, शायद रखवाले से दूर भागने के उनके सुलूक की वजह ।
- इस्राईली बकरे को 'अलामती गुनाहगार के तौर पर काम में लेते थे। एक बकरे की कुर्बानी पेश करने के बा'द काहिन दूसरे बकरे के सिर पर हाथ रखकर उसे बयाबान में भेज देता था जो लोगों का गुनाह उठा ले जाने वाले की 'अलामत थी ।

(यह भी देखें: झुण्ड, कुर्बानी, भेड़, नारास्त, अँगूर का रस)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- ख़ुरूज 12:3-4
- पैदाइश 30:31-32
- पैदाइश 31:10-11
- पैदाइश 37:31-33
- अह्बार 03:12-14
- मत्ती 25:31-33

## शब्दकोश:

- Strong's: H689, H1423, H1429, H1601, H3277, H3629, H5795, H5796, H6260, H6629, H6842, H6939, H7716, H8163, H8166, H8495, G122, G2055, G2056, G5131

# बखूर की क़ुर्बानगाह , ख़ुशबू की क़ुर्बानगाह

## सच्चाई:

ख़ुशबू जलाने की क़ुर्बानगाह वह मक़ाम था जहां काहिन ख़ुदावन्द को नज़र पेश करने के लिए ख़ुशबू जलाता था। उसे सोने की क़ुर्बानगाह भी कहते थे।

- ख़ुशबू जलाने की क़ुर्बानगाह लकड़ी की बनी हुई थी और उस पर सोना चढ़ा हुआ था। उसकी लम्बाई और चौड़ाई आधा-आधा मीटर की थी और ऊंचाई एक मीटर की थी।
- पहले वह ख़ेम-ए-इज्तिमा' के अन्दर थी। उसके बा'द उसे हैकल में लाया गया था।
- काहिन रोज़ाना सुबह-शाम उस पर खुशबू जलाता था।
- इसका तर्जुमा “ख़ुशबू जलाने की क़ुर्बानगाह” या सोने की क़ुर्बानगाह” या “ख़ुशबू जलाने वाली” या “ख़ुशबू की मेज” किया जा सकता है।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा कैसे करें

[

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- लूका 01:11-13

## शब्दकोश:

- Strong's: H4196, H7004, G2368, G2379

# बढ़ाएगा, बढ़ाता रहता, बढ़ गए, बढ़ने लगी, बढ़ती करेगा

## ता’अर्रुफ़:

“बढ़ाएगा” या'नी ता'दाद बहुत बढ़ जाना। इसका मतलब और बातों से भी होता है जैसे दर्द का बढ़ना।

- ख़ुदा ने इन्सानों और जानवरों से कहा था कि वह बढ़ कर (फूलो फलो) ज़मीन को भर दें। यह औलाद बढ़ाने का हुक्म था।
- ‘ईसा ने 5,000 लोगों को खाना खिलाने के लिए रोटी और मछलियों की ता'दाद बढ़ाई थी। खाने की मिक़दार बढ़ती गई कि सबके लिए ज़रूरत से ज़्यादा खाना हो।
- जुमले के मुताबिक़ इस लफ़्ज़ का तर्जुमा “फैलना” या “बढ़ने की वजह होना” या “ता'दाद बढ़ते रहना” या “ता'दाद ज़्यादा होना” या “ला ता'दाद हो जाना” भी हो सकता है।
- “तेरे दर्द को बहुत बढ़ा देगा” का तर्जुमा हो सकता है, “तेरी दर्द को ज़्यादा बड़ा बना दे” या “तुझे बहुत ज्यादा दर्द दे”।
- “घोड़े बढ़ाना” या'नी “लालच करके घोड़ों का जाए' करना” या “बहुत ज़्यादा घोड़े जमा' करना”

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में :

- इस्तिसना 08:1-2
- पैदाइश 09:5-7
- पैदाइश 22:15-17
- होसे'अ 04:6-7

## शब्दकोश:

- Strong's: H3254, H3527, H6280, H7231, H7233, H7235, H7680, G4052, G4129

# बदकार, बदकारियों, बदतरीन

## ता'अर्रुफ़:

“बदकार” लफ्ज़ गुनाह करनेवालों और बुराई करनेवालों के लिए यह एक 'आम लफ्ज़ है।

- यह लफ्ज़ उन लोगों के लिए एक 'आम लफ्ज़ हो सकता है जो ख़ुदा के हुक्मों पर 'अमल नहीं करते।
- इस लफ्ज़ के तर्जुमें में “बुरा” और “बदकार” के लिए लफ़्ज़ों के इस्ते'माल एक ऐसे लफ्ज़ के साथ जो “करना” या “बनाना” या “वजह होना” ज़ाहिर करता है, इस्ते'माल किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुराई)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 पतरस 02:13-17
- यसा’याह 09:16-17
- लूक़ा 13:25-27
- मलाकी 03:13-15
- मत्ती 07:21-23

## शब्दकोश:

- Strong's: H205, H6213, H6466, H7451, H7489, G93, G458, G2038, G2040 , G2555

# बदला लेना, बदला लेनेवाला, बदला लिया, इन्तक़ाम लेने, बदला लेनेवाला, इन्तक़ाम, इन्तक़ाम लेना

## ता'अर्रुफ़:

“बदला लेना”,“बदला लो” या “ इन्तक़ाम करना” किसी को उसके ज़रिए' किए गए नुक़सान का बदला लेने के लिए सज़ा देना। बदला लेने का काम, इन्तक़ाम कहलाता है।

- “बदला लेना” हमेशा इन्साफ़ करने या ग़लत को सही करने के मतलब से होता है।
- जब लोगों के बारे में हो तो “बदला लेना” या “इन्तक़ाम” नुक़सान करने वाले तक पहुंचने के लिए होता है।
- जब ख़ुदा “बदला लेता ” या “ इन्तक़ाम लागू करता है” तो वह उसकी वफ़ादारी का दा'वा है क्यूँकि वह गुनाह और बग़ावत की सज़ा देता है।

## तर्जुमा की सलाह:

- “बदला लेना” का तर्जुमा “ग़लतियों को सुधारना” या “इन्साफ़ चुकाना” भी हो सकता है।
- जब लोगों से “बदला लेना” हो तब इसका तर्जुमा “हिसाब चुकाना” या “सज़ा देने के लिए नुक़सान पहुंचाना”, या “बदला लेना” हो सकता है।
- जुमले के मुताबिक़, “बदला” का तर्जुमा हो सकता है, “सज़ा” या “गुनाह की सज़ा ” या “ग़लत काम का बदला देना” “बदला” लफ़्ज़ लोगों के बारे में इस्ते'माल किया गया है।
- ख़ुदा कहता है “मेरा बदला लो” तो इसका तर्जुमा किया जा सकता है, “मेरे ख़िलाफ़ किए गए ग़लत काम की सज़ा उन्हें दो” या “उनका बुरा करो क्यूँकि उन्होंने मेरे ख़िलाफ़ गुनाह किया है।”
- ख़ुदा के बदले की बात करते वक़्त वाज़ेह करें कि आपके तर्जुमा में साफ़ हो कि गुनाह की सज़ा देने में ख़ुदा मुंसिफ़ है ।

(यह भी देखें: सज़ा, मुनासिब, ईमानदार लोग)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 24:12-13
- हिज़कीएल 25:15-17
- यशायाह 47:3-5
- लैव्यव्यवस्था 19:17-18
- ज़बूर 018:46-47
- रोमियो 12:19-21

## शब्दकोश:

- Strong's: H1350, H3467, H5358, H5359, H5360, H6544, H6546, H8199, G1349, G1556, G1557, G1558, G2917, G3709

# बदला, बदले, बदला देना, बदला दिया, बदला देने बाला

## ता’अर्रुफ़:

“बदला” लफ़्ज़ का मतलब है कि किसी आदमी का अच्छा या बुरा किया हुआ काम के लिए जो कुछ उसको मिलता है उसको जानकारी करता है। “बदला” या’नी किसी को उसकी क़ाबिलियत के लिए कुछ देना।

- बदला अच्छा और मुश्बत होता है जिससे भलाई करनेवाला या ख़ुदा का हुक्म मानने वाला हासिल करता है।
- कभी-कभी बदला मनफ़ी होता है जो बुरे सुलूक का नतीजा होता है जैसे “बुराई का फल” इस बारे में “बदला” मनफ़ी नतीजा या गुनाह की सज़ा होता है।

## तर्जुमे की सलाह:

- मज़मून पर मुनहस्सिर, “बदला” का तर्जुमा “अदायगी” या “जो कुछ मुस्तहक़ कोई बात” या “सज़ा” हो सकता है।
- “बदला देना” का तर्जुमा हो सकता है, “बदले में देना” या “जो मुस्तहक़ है वह देना”।
- यक़ीनी करें कि इस लफ़्ज़ के तर्जुमा का मतलब मज़दूरी न हो। बदला काम की मज़दूरी नहीं है।

(यह भी देखें: दण्ड)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इस्तिस्ना32:5-6
- यसा’याह 40:9-10
- लूक़ा 06:35-36
- मरकुस 09:40-41
- मत्ती 05:11-12
- मत्ती 06:3-4
- ज़बूर 127:3-5
- मुकाशिफ़ा 11:18

## शब्दकोश:

- Strong's: H319, H866, H868, H1576, H1578, H1580, H4864, H4909, H4991, H5023, H6118, H6468, H6529, H7809, H7810, H7936, H7938, H7939, H7966, H7999, H8011, H8021, G469, G514, G591, G2603, G3405, G3406, G3408

# बबूल

## ता’रीफ़:

"बबूल" कन’आन में पुराने ज़माने का एक कटीला दरख़्त था जो आज भी बहुतायत से पाया जाता है ।

- बबूल के पेड़ की नारंगी भूरे रंग की लकड़ी बहुत सख्त और लंम्बे वक़्त के लिए इस्ते'माल होती है। जिससे चीजें तैयार करने के लिए और इस्तेमाल की जाने वाली चीजें बनती है।
- यह लकड़ी आसानी से सड़ती नहीं है क्यूँकि इसकी घनता बहुत ज़्यादा है यह पानी को भी रोकती है, इसमें क़ुदरती तौर से कीड़े नहीं होते हैं
- कलाम में बबूल की लकड़ी से रहने की जगह (बैतुल माल ) और अहद का सन्दूक बनाने में काम में ली गई थी

(यह भी देखें: ना मा’लूम लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: अहद का संदूक़ , सुलह का ख़ेमा

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इस्तिसना 10:3-4
- ख़ुरूज 25:3-7
- ख़ुरूज 38:6-7
- यशायाह 41:19-20

## शब्दकोश:

- Strong's: H7848

# बरस, साल , उम्र

## ता'अरुफ़:

उम्र ,या'नी इन्सान की ज़िन्दगी के साल जो इंसान जीता है इसका इस्ते'माल आम तौर पर वक़्त की मुद्दत के बारे में

- लम्बी मुद्दत को बयान करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले दूसरे लफ़्ज़ों में, ज़माना, और साल शामिल हैं
- 'ईसा ने मौजूदा ज़माने को जब ज़मीन पर गुनाह, बुराई और ना फ़रमानी बहुत ज़्यादा हो जायेगी , यह ज़माना कहा था
- एक आने वाला ज़माना भी होगा जब नए आसमान और नई ज़मीन पर रस्तबाज़ी का बादशाह होगा।

## तर्जुमा की सलाह:

- शर्तों के मुताबिक़ , ज़माना, लफ्ज़ का तर्जुमा , वक़्त , या इतने साल की उम्र , या मुक़र्रर वक़्त, या, वक़्त हो सकता है
- बहुत ज़्यादा ‘उम्र, इसका सही तर्जुमा , कई साल का होकर , या, जब वह बहुत ‘उम्र का हो गया , जब वह बहुत वक़्त ज़िन्दा रहा , हो सकता है
- यह मौजूदा ज़माना बुरा ज़माना, या'नी मौजूदा इस वक़्त के दौरान लोग बहुत बुरे थे

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 29:26-28
- 1 कुरिन्थियों 02:6-7
- इब्रानियों 06:4-6
- अय्यूब 05:26-27

## शब्दकोश:

- Strong's: H2465, G165, G1074

# बर्बाद , हलाक , हलाक हो गया, हलाक कर, उजाड़, वीरानों

## ता’अर्रुफ़:

किसी चीज़ को गवांना या’नी उसे लापरवाही से फेंक देना या उसका बद अक़्ली से इस्ते’माल करना। कुछ ऐसा जो "उजाड़" या "बर्बाद " है, वह ज़मीन या एक शहर का हवाला देता है जिसे बर्बाद कर दिया गया है कि इसमें कुछ भी नहीं रह सके।

- लफ़्ज़" हलाक हो जाएँगे" एक तमसील है जिसका मतलब है कि ज़्यादा से ज़्यादा बीमार या बर्बाद हो जाए। जो इन्सान बर्बाद हो रहा है वह आमतौर पर बीमारी या खाने की कमी की वजह से बहुत दुबला हो जाता है।
- किसी शहर या जगह को “उजाड़ छोड़ देना” या’नी उसे बर्बाद कर देना।
- एक "उजाड़" के लिए एक और लफ़्ज़ "रेगिस्तान" या "वीरान " हो सकता है। लेकिन एक बंजर ज़मीन भी यह ज़ाहिर करती है कि लोग वहाँ रहते थे और ज़मीन में पेड़ों और पौधों को खाने के लिए इस्ते’माल किया जाता था।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- हिज़क़ीएल 06:6-7
- अह्बार 26:37-39
- मत्ती 26:6-9
- मुकाश्फ़ा 18:15-17
- ज़करियाह 07:13-14

## शब्दकोश:

- Strong's: H535, H1086, H1104, H1110, H1197, H1326, H2100, H2490, H2522, H2717, H2720, H2721, H2723, H3615, H3765, H3856, H4087, H4127, H4198, H4592, H4743, H4875, H5307, H5327, H7334, H7582, H7703, H7722, H7736, H7843, H8047, H8074, H8077, H8414, H8437, G684, G1287, G2049, G2673, G4199

# बर्बाद, बर्बाद करता, बर्बाद किया, बर्बाद करनेवाला, बर्बाद करने वाले, बर्बाद करना

## ता'अर्रुफ़

कुछ बर्बाद करना मतलब है उसको पूरी तरह से ख़त्म, लिहाज़ा यह अब मौजूद नहीं|

- लफ़्ज "बर्बाद करनेवाला" का लफ़्ज़ी मतलब "क़हर ढाने वाला इन्सान"।
- पुराने 'अहदनामे में ये लफ़्ज़ अक्सर किसी शख़्स के 'आम हवाले के तौर पर इस्ते'माल होतें जो दूसरे लोगों को बर्बाद कर देता है, जैसे हमला और फ़ौज|
- जब ख़ुदा ने मिस्र के पहलौठों को मार डालने के लिए फ़रिश्ता भेजा था तब उस फ़रिश्ते को "पहलौठे को बर्बाद करनेवाला कहा गया है" इसका तर्जुमा "वह (फ़रिश्ता) जिसने पहलौठे बेटों को हलाक किया" के तौर पर हो सकता है,।
- मुकाशिफ़ा की क़िताब में आख़िरी वक़्त के बारे में, शैतान या किसी बुरी रूह को "बर्बाद करनेवाला" कहा गया है। वही "नाश करने वाला" है क्योंकि उसका मक़सद ख़ुदा के ज़रिए' बनाई हर चीज़ को बर्बाद करना है।

(यह भी देखें: फ़रिश्ता, मिस्र, पहलौठा, फ़सह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- ख़ुरूज 12:23
- इब्रानियों 11:27-28
- यरमियाह 06:25-26
- कुज़ात16:23-24

## शब्दकोश:

- Strong's: H6, H7, H622, H398, H1104, H1197, H1820, H1942, H2000, H2015, H2026, H2040, H2254, H2255, H2717, H2718, H2763, H2764, H3238, H3341, H3381, H3423, H3582, H3615, H3617, H3772, H3807, H4191, H4199, H4229, H4591, H4889, H5218, H5221, H5307, H5362, H5420, H5422, H5428, H5595, H5642, H6789, H6979, H7665, H7667, H7703, H7722, H7760, H7843, H7921, H8045, H8074, H8077, H8316, H8552, G355, G396, G622, G853, G1311, G1842, G2049, G2506, G2507, G2647, G2673, G2704, G3089, G3645, G4199, G5351, G5356

# बर्फ़, बर्फ़ पड़ा, बर्फ़ गिरने के वक़्त

## सच्चाई:

"बर्फ़" लफ़्ज़ का मतलब है जमे हुए पानी के सफ़ेद टुकड़े जो कि बादलों से उन जगहों पर गिरता है जहाँ हवा का मिजाज़ ठंडा होता है।

- इस्राईल के ऊँचे मक़ामों में बर्फ़ गिरता है लेकिन ज़मीन पर ज़्यादा वक़्त नहीं रुकता फ़ौरन पिंघल जाता है। पहाड़ों की चोटी पर बर्फ़ जमता है। कलाम के बयान में हिम की जगह का एक मिसाल लबनान पहाड़ है ।
- बहुत सफ़ेद रंग का कुछ हिस्सा अक्सर उसके रंग की बराबरी में बर्फ़ के रंग के बराबर में होता है। मिसाल के लिए, मुक़ाश्फा की किताब में 'ईसा के कपड़े और बाल को "बर्फ़ की तरह सफ़ेद" होने की शक्ल में बयान किया गया था।
- बर्फ़ (बर्फ़) की ख़ूबी और पाकीज़गी भी सफ़ाई की 'अलामत है। मिसाल के तौर पर , हमारे “गुनाह की तरह बर्फ़ के तौर पर ” हो जाएंगे या'नी “ख़ुदा अपने लोगों को गुनाह से मुकम्मल तरीक़े से साफ़ कर देता है।
- कुछ ज़बानों में बर्फ़ को “जमी हुई बारिश” या “ बर्फ़ के टुकड़े” या “जमे बरफ़ का टुकड़ा” कहा जाता है।
- “बर्फ़ का पानी” या'नी पिघली हुई बर्फ़ का पानी।

(यह भी देखें: नए जुमलों का तर्जुमा कैसे करें)

(तर्जुमा की सलाह : नामों का तर्जुमा)

(यह भी देखें: लबनान, साफ़)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- ख़ुरूज 04:6-7
- अय्यूब 37:4-6
- मत्ती. 28:3-4
- ज़बूर 147:15-16
- मुक़ाश्फा 01:14-16

## शब्दकोश:

- Strong's: H7949, H7950, H8517, G5510

# बलूत का पेड़, बलूत के पेड़

## ता’अर्रुफ़:

बलूत, या बलूत के पेड़ मोटे तने और फैली हुई शाख़ाओं का एक लम्बा पेड़ होता है।

- बलूत के पेड़ की लकड़ी कठोर और मज़बूत होती है जिससे जहाज, हल, जूए और सहारे की छड़ी बनाए जाते थे।
- इस पेड़ के फल को बलूत का फ़ल कहते हैं।
- कुछ बलूत पेड़ों के तने 6 मीटर मोटे होते हैं।
- बलूत का पेड़ लम्बी ‘उम्र के ‘अलामत थे, उनके और रूहानी मतलब भी हैं किताब-ए-मुक़द्दस में इनका ता’अल्लुक़ पाक मक़ामों से है।

## तर्जुमे की सलाह:

- कई तर्जुमों में "बलूत पेड़" लफ़्ज़ के इस्ते’माल में अहमियत देने के बजाय सिर्फ़ "बलूत" लफ़्ज़ का इस्ते’माल करना सही होगा।
- अगर बलूत का पेड़ उस ‘इलाक़े में नहीं है जाना जाता है तो इसका तर्जुमा किया जा सकता है, “एक बड़ा बलूत का छायादार पेड़ जैसे....” और इसके खुसूसियत वाले किसी मक़ामी पेड़ का नाम दें।
- देखें: अनजान लफ़्ज़ का तर्जुमा

(यह भी देखें: पाक)

## किताब-एमुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 10:3-4
- पैदाइश 13:16-18
- पैदाइश 14:13-14
- पैदाइश 35:4-5
- क़ुज़ात 06:11-12

## शब्दकोश:

- Strong's: H352, H424, H427, H436, H437, H438

# बहन, बहनों

## ता’अरुफ़:

बहन माँ या बाप के रिश्ते से किसी की 'औरत रिश्तेदार होती है। उसे कहा जाता है कि दूसरे शख़्स की बहन या उस शख़्स की बहन ।

- नए 'अहद नामे में "बहन" लफ़्ज़ का तम्सीली इस्ते'माल मसीह 'ईसा में ईमान करनेवाली 'औरतों के लिए किया जाता है।
- कभी-कभी,"भाइयों और बहनों" लफ़्ज़ मसीह के सब ईमानदार मर्द-ओ-’औरत के लिए इस्ते'माल किया गया है।
- पुराने 'अहद नामे की किताब ख़ास गीतों में "बहन" लफ़्ज़ 'आशिक़ या शरीक़-ए-हयात के लिए इस्ते'माल किया गया है।

## तर्जुमा की सलाह:

- और बेहतर होगा कि इस लफ़्ज़ का तर्जुमा जैसे है वैसे ही करें, जब तक कि इसका मतलब ग़लत न हो।
- इसके कई तर्जुमा की शक्लें हो सकती हैं, “मसीह में बहन” या “रूहानी बहन” या “मसीह की ईमानदार 'औरत” या “ईमानदार 'औरत '”।
- मुम्किन हो तो ख़ानदानी लफ़्ज़ काम में लेना सबसे बेहतर है।
- अगर 'अलामती ज़बान में ईमानदार लफ़्ज़ को 'औरतों की शक्ल हो तो इसे काम में लेना मुनासिब तर्जुमा हो सकता है।
- ‘आशिक़ या बीवी के बारे में “प्यारे” या “'अज़ीज़” 'औरतें लफ़्ज़ को काम में ले।

(यह भी देखें: भाई मसीह में, रूह )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 02:16-17
- इस्तिसना 27:22-23
- फ़िलेमोन 01:1-3
- रोमियो16:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H269, H1323, G27, G79

# बाँधे, बांधा हुआ

## ता’अर्रुफ़:

“बाँधे” या'नी किसी चीज़ पर कुछ बान्धना। इसका मतलब हमेशा बाग़ा की कमर पर पट्टा बान्धना होता है कि वह अपनी जगह पर रहे।

- “कमर कसना” या'नी कपड़े का नीचे का हिस्सा उठाकर कमर में बांधना कि इन्सान आसानी से काम कर पाए।
- इस मुहावरे का मतलब है "काम करने के लिए तैयार होना" या कठिन काम करने की तैयारी करना।
- “कमर कसना” का तर्जुमा में ,अलामती ज़बान के मुनासिब जुमले काम में ली जा सकती है। या इसका आसन तर्जुमा भी किया जा सकता है, “काम करने के लिए तैयार होना” या “तैयार हो जाना।”
- “लिपटा हुआ” या'नी “चारों तरफ़ लपेटा हुआ” या “घिरा हुआ” या “बन्धा हुआ”

(यह भी देखें: कमर)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 पतरस 01:13-14
- अय्यूब 38:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H247, H640, H2290, H2296, H8151, G328, G1241, G2224, G4024

# बाँसुरी, बाँसुरी, बाँसुरी, सीटी बजाने का सामान

## ता’अर्रुफ़:

किताब-ए-मुक़द्दस के ज़माने में, बाँसुरी हड्डियों या लकड़ी के खोखले बजाने वाले सामान- थे जिनसे आवाज़ निकलती थी। बाँसुरी एक क़िस्म की नली थी।

- ज़्यादातर नलियों में सरकंडे जो मोटे घास के बने थे, हवा फूंकने पर कंपकपी पैदा होती थी।
- एक नली जिसमें सरकंडे नहीं होते थे उन्हें बाँसुरी कहते थे।
- चरवाहे अपनी भेड़ों को सुकून देने क लिए सीटी बजाते थे।
- इन बाजों के ज़रिए’ ख़ुशी या ग़म का मोशीकी बजाई जाती थी।

(यह भी देखें: झुण्ड, चरवाहा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 14:7-9
- 1 सलातीन 01:38-40
- दानीएल 03:3-5
- लूक़ा 07:31-32
- मत्ती 09:23-24
- मत्ती 11:16-17

## शब्दकोश:

- Strong's: H4953, H5748, H2485, H2490, G832, G834, G836

# बादशाह, बादशाहों, सल्तनत, सल्तनतों, बादशाही, बादशाहत

## ता'अर्रुफ़:

लफ़्ज़ "बादशाह" एक ऐसे इन्सान के बारे में बताता है जो शहर, बादशाही या मुल्क का सबसे बड़ा हाकिम है।

- बादशाह को 'आम तौर पर अपने पिछले बादशाहों के ख़ानदान में से हुकूमत करने के लिए चुना गया था।
- जब एक बादशाह की मौत हो गई, तो वह 'आमतौर पर उसका पहलौठा बेटा था जो अगला बादशाह बन गया।
- पुराने ज़माने में, बादशाह की बादशाही में लोगों पर पूरा इख़्तियार था।
- शायद ही कभी "बादशाह" लफ़्ज़ का इस्ते'माल किसी ऐसे इन्सान को बताने के लिए किया गया था जो नए 'अहदनामे में "बादशाह हेरोदेस" के जैसा सच्चा बादशाह नहीं था।
- किताब-ए-मुक़द्दस में, ख़ुदा को अक्सर बादशाह की शक्ल में जाना जाता है जो अपने लोगों पर हुकूमत करता है।
- "ख़ुदा की बादशाही" अपने लोगों पर ख़ुदा की हुकूमत को ज़ाहिर करता है।
- 'ईसा को "यहूदियों का बादशाह", "इस्राईल के बादशाह" और "बादशाहों के बादशाह" कहा जाता था।
- जब 'ईसा वापस आएगा, तो वह दुनिया भर में बादशाह की शक्ल में हुकूमत करेगा।
- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा "सबसे बड़ाख़ास " या "पूरा रहनुमा" या "ख़ुद इख़्तियार हाकिम" की शक्ल में भी किया जा सकता है।
- "बादशाहों के बादशाह" जुमले का तर्जुमा "बादशाह जो और सभी बादशाहों पर हुकूमत करता है" या "सबसे बड़ा हाकिम जो और सभी हाकिमों पर इख़्तियार रखता है" की शक्ल में तर्जुमा किया जा सकता है।

(यह भी देखें: \ इख़्तियार, \ हेरोदेस अन्तिपास, \ हुकूमत]बादशाही, बादशाहियाँ, \ ख़ुदा की बादशाही)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- \ 1 तीमुथियुस 06: 15-16
- \ 2 सलातीन 05: 17-19
- 2 शमूएल 05:3-5
- \ रसूलों के 'आमाल 07: 9-10
- \ रसूलों के 'आमाल 13: 21-22
- \ युहन्ना 01: 49-51
- \ लूक़ा 01: 5-7
- \ लूक़ा 22: 24-25
- \ मत्ती 05: 33-35
- \ मत्ती 14: 8-9

## किताब-एमुक़द्दस की कहानियों की मिसालें:

- **08:06** एक रात, फ़िर'औन, जिसने मिस्रियों को अपने बादशाहों से बुलाया था, दो सपने थे जो उसे बहुत परेशान करते थे।
- **16:01** इज़राइलियों के पास कोई **बादशाह** नहीं था, इसलिए हर कोई ऐसा करता था जो उन्होंने सोचा था कि उनके लिए सही था।
- **16:18** आख़िर में, लोगों ने ख़ुदा को और सभी हुकूमतों की तरह एक**बादशाह** के लिए कहा।
- **17:05** आखिरकार, शाऊल जंग में मर गया, और दाऊद इस्राईल का**बादशाह** बन गया। वह एक अच्छा **बादशाह** था, और लोग उसे प्यार करते थे।
- **21:06** ख़ुदा के नबियों ने यह भी कहा कि मसीह एक नबी, काहिन और एक **बादशाह** होगा।
- **48:14** दाऊद इज़राइल का **बादशाह** था, लेकिन 'ईसा पूरी क़ायनात का **बादशाह** है!

## शब्दकोश:

- Strong's: H4427, H4428, H4430, G935, G936

# बादशाही करना, बादशाही करता है, बादशाही करता, बादशाही कर रहा है

## ता’अर्रुफ़:

“बादशाही करना” का मतलब क़ौम पर या किसी मुल्क पर या किसी बादशाही पर बादशाही करना है। एक बादशाह का शासनकाल वह वक़्त है, जिसके दौरान वह हुकूमत कर रहा है।

- लफ़्ज़ "बादशाही करना" भी ख़ुदा को पूरी दुनिया पर बादशाह की शक्ल में बादशाही करने के लिए ज़िक्र किया जाता है
- ख़ुदा ने इन्सानी बादशाहों को इस्राईल पर बादशाही करने का हुक्म तब दिया जब लोगों ने उन्हें अपने बादशाह की शक्ल में ख़ारिज कर दिया।
- मसीह ‘ईसा जब दुबारा आयेगा तब वह पूरे क़ायनात पर बादशाही करेगा और उसके ईमानदार उसके साथ बादशाही करेंगे।

इस लफ़्ज़ का तर्जुमा, “पूरी बादशाही” या “बादशाह की तरह हुकूमत करना” हो सकता है।

(यह भी देखें: बादशाही)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तीमुथियुस 02:11-13
- पैदाइश 36: 34-36
- लूक़ा 01:30-33
- लूक़ा 19:26-27
- मत्ती 02:22-23

## शब्दकोश:

- Strong's: H3427, H4427, H4437, H4438, H4467, H4468, H4475, H4791, H4910, H6113, H7287, H7786, G757, G936, G2231, G4821

# बादशाही लाठी, बादशाही लाठी

## ता'अर्रुफ़:

"बादशाही लाठी " बादशाह के ज़रिए' पकड़ा जानेवाला एक सजावटी छड़ी को एलान करता हैं।

- बादशाही लाठी लकड़ी पर नक्काशी किया हुआ डंडा होता था। बा'द में सोने की भी बादशाही लाठी बनाई गई थी ।
- बादशाही लाठी बादशाही तरीक़े और इख्तियार का निशान होता था जो बादशाह की 'इज़्ज़त और शान-ओ-शौकत को दिखाता था।
- पुराने 'अहद नामे में, ख़ुदा के हाथ में रास्तबाज़ी के बादशाही की लाठी पकड़े को ज़ाहिर किया गया है क्यूँकि ख़ुदा अपने लोगों पर बादशाह के तौर में हुकूमत करता हैं।
- पुराने अहद नामे की एक नबूव्वत में मसीह को 'अलामती तौर में बादशाही लाठी कहा गया है जो इस्राईल से निकलकर सब क़ौमों पर बादशाहत करेगा।
- इसका तर्जुमा "हुकूमत करने का दण्ड" या "मुल्क की लाठी" की शक्ल में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: इख्तियार, मसीह, बादशाह, ईमानदार )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- आमोस 01:5
- आस्तर 04:9-12
- पैदाइश 49:10
- 'इब्रानियों 01:8-9
- गिनती 21:17-18
- ज़बूर 045:5-7

## शब्दकोश:

- Strong's: H2710, H4294, H7626, H8275, G4464

## बादशाही, बादशाहियाँ

### ता’अर्रुफ़:

बादशाही लोगों की क़ौम होती है जिसपर बादशाह के ज़रिए’ हुकूमत की जाती है | इसका हवाला एक मुल्क या सियासी इलाक़े से भी हो सकता है। जिस पर एक बादशाह या हाकिम का क़ाबू और इख़्तियार होता है।

- बादशाह का ज़मीनी हद कितनी भी बड़ी हो सकती है। बादशाह के इख़्तियार में एक क़ौम या मुल्क या सिर्फ़ एक शहर हो सकता है।
- “बादशाही” रूहानी हुकूमत या इख़्तियार के बारे में भी हो सकता है जैसे “ख़ुदा की बादशाही”
- ख़ुदा पूरी क़ायनात का बादशाह है लेकिन “ख़ुदा की बादशाही” ख़ास करके ‘ईसा में ईमान करके उसके इख़्तियार के ताबे’ हो जाने पर लोगों पर उसकी बादशाई और इख़्तियार के बारे में है।
- किताब-ए-मुक़द्दस में शैतान की “बादशाही” का भी ज़िक्र किया गया है जिसमें वह ज़मीन की बहुत सी बातों पर ‘आरज़ी तौर बादशाही कर रहा है। उसकी बादशाही बुराई की है जिसे “तारीकी” कहा गया है

### तर्जुमे की सलाह:

- बादशाह के ज़मीनी हद के बारे में “बादशाही” का तर्जुमा "मुल्क (एक बादशाह के ज़रिए’ हुकूमत)" या "बादशाह का इलाक़ा" या "एक बादशाह के ज़रिए’ हुकूमत वाला इलाक़ा" किया जा सकता है।
- एक रूहानी ख़याल में, " बादशाही " का तर्जुमा "हुकूमत करना" या "हुकूमत" या "क़ाबू" या "हुकूमत" के तौर पर किया जा सकता है।
- "काहिनों की बादशाही " का तर्जुमा "रूहानी काहिन जो ख़ुदा के ज़रिए’ हुकमत में हैं" कर सकते है।
- जुमले "रोशनी की बादशाही " का तर्जुमा "ख़ुदा की हुकूमत जो रोशनी की तरह अच्छी है" या "जब ख़ुदा, जो रोशनी है, लोगों पर हुकूमत करता है" या "ख़ुदा की बादशाही की रोशनी और अच्छाई।" “रोशनी” लफ़्ज़ को संभाले रखना ठीक है क्योंकि यह किताब-ए-मुक़द्दस में एक बहुत ख़ास लफ़्ज़ है।
- ध्यान दें कि लफ़्ज़ "बादशाही" हुकूमत से अलग हो, जिसमें एक हाकिम बहुत से मुल्कों पर हुकूमत करता है।

(यह भी देखें: : इख़्तियार, बादशाह, ख़ुदा की बादशाही , इस्राईल की बादशाही, यहूदाह, यहूदाह, काहिन)

### किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:10-12
- 2 तीमुथियुस 04:17-18
- कुलुस्सियों 01:13-14
- युहन्ना 18:36-37
- मरकुस 03:23-25
- मत्ती 04:7-9
- मत्ती 13:18-19
- मत्ती 16:27-28
- मुकाशिफ़ा 01:9-11

### किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों की मिसालें:

- **13:02** ख़ुदा ने मूसा से कहा कि वह इस्राइलियों से कहे ,“ अब अगर तुम यक़ीनन मेरी मानोगे, और मेरे ‘अहद का ‘अमल करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरी मुबारक मीरास, काहिनों की _ बादशाही _ और पाक क़ौम ठहरोगे।”
- **18:04** तब ख़ुदा ने सुलैमान पर ग़ुस्सा किया, और उसकी नारास्ती की वजह उसे सज़ा दी, और ‘अहद बाँधा कि सुलैमान की मौत के बा’द वह इस्राईल की _ बादशाही _ को दो हिस्सों में तक़सीम कर देंगा।
- **18:07** दस इस्राईली क़बीलों ने रहूब’आम के ख़िलाफ़ बग़ावत की। सिर्फ़ दो क़बीले उसके लिए वफ़ादार रहे। यह दो क़बीले यहूदाह की _ बादशाही _ बन गए।
- **18:08** दीगर दस इस्राईली क़बीले जो रहुब’आम के मुख़ालिफत में थे, उन्होंने अपने लिए यरुब’आमम नाम के एक बादशाह को मुक़र्रर किया। उसने मुल्क के उत्तरी हिस्से में अपनी **बादशाही** को क़ायम किया और उसे इस्राईल की **बादशाही** कहा गया।
- **21:08** बादशाह वह होता है जो **बादशाही** पर हुकूमत करता है और लोगों का इन्साफ़ करता है।

### शब्दकोश:

- Strong's: H4410, H4437, H4438, H4467, H4468, H4474, H4475, G932

# बाशिन्दा, बाशिन्दे, शहरियत

## ता’रीफ़:

बाशिन्दा उस इन्सान को कहते हैं जो किसी शहर, मुल्क या बादशाहत में रहता है। या’नी जो उस जगह का इख़्तियारी बाशिन्दा माना जाता है।

- बयान के मुताबिक़, इसका तर्जुमा, “बाशिन्दों” या “इख़्तियारी बाशिन्दा” भी किया जा सकता है।
- बाशिन्दा एक हिस्से में रहता है जो किसी मुल्क का एक हिस्सा हो सकता है जिस पर राजा या बादशाह या हाकिम राज करता है। मसलन, पौलुस रोमी बाशिन्दा था, रोम के कई सूबे थे, पौलुस इनमें से एक सूबे में रहता था।
- ‘अमली शक्ल में ‘ईसा के ईमानदार आसमान के बाशिन्दे कहलाते हैं, या’नी वे एक दिन वहां होंगे। किसी मुल्क के बाशिन्दों की तरह ईमानदार ख़ुदा की बादशाहत के बाशिन्दे हैं।

(देखें :बादशाही पौलुससूबा, रोम)

## किताब-एमुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के आमाल 21:39-40
- यसायाह 03:1-3
- लूका 15:15-16
- लूका 19:13-15

## शब्दकोश:

- Strong's: H6440, G4175, G4177, G4847

# बाग़ी गवाह, झूठी जानकारी, झूठी गवाही, झूठे गवाह , झूठे गवाहों

## ता’अर्रुफ़:

“झूठा गवाह” और “बाग़ी गवाह” उस इंसान के बारे में है जो किसी के बारे में या किसी हादसे के बारे में, ‘अदालत जैसी मजलिस में झूठी बातें कहता है।

- “झूठी गवाही” या “झूठी जानकारी” को हक़ीक़त में झूठ ही कहते है।
- “झूठी गवाही देना” या’नी झूठ कहना या गलत ज़िक्र करना।
- किताब-ए-मुक़द्दस में बहुत मिसालें हैं जब झूठे गवाहों को भाड़े पर लाया गया कि किसी को सज़ा या सज़ा-ए-मौत दिलवाने के लिए झूठी गवाही दी जाए।

## तर्जुमे की सलाह:

- “झूठी गवाही देना” या “झूठी गवाही देना” इसका तर्जुमा किया जा सकता है, “झूठा गवाह” या “किसी के बारे में झूठा ज़िक्र करना” या “किसी के ख़िलाफ़ झूठा इल्ज़ाम लगाना” या “झूठ कहना”
- जब “झूठी गवाही” किसी इन्सान के बारे में हो तब कहा जा सकता है, “झूठ बोलने वाला इन्सान” या “झूठी गवाही देने वाला इन्सान” या “झूठी बातें करने वाला इन्सान”।

(यह भी देखें: गवाही, सच्चा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इस्तिस्ना 19:17-19
- ख़ुरुज 20:15-17
- मत्ती 15:18-20
- मत्ती 19:18-19
- अम्साल 14:5-6
- ज़ुबूर027:11-12

## शब्दकोश:

- Strong's: H5707, H6030, H7650, H8267, G1965, G3144, G5571, G5575, G5576, G5577

# बाढ़, बाढ़ें, जल में डूब गया, बाढ़ आना, बाढ़ का पानी

## ता’अर्रुफ़:

“बाढ़” लफ़्ज़ का लफ़्ज़ी मतलब बहुत ज़्यादा पानी से है जो पूरी तरह से ज़मीन को ढक ले|

- यह लफ़्ज़ ‘अलामती तौर पर भी काम में लिया जाता है जिसका हवाला किसी चीज़ पूरी तरह से हैरान करनेवाली बात से होता है, ख़ास करके अचानक ही होनेवाले हादसे से।
- नूह के ज़माने में, इन्सान ऐसा ज़िनाकारी हो गया था कि ख़ुदा ने ज़मीन को पानी सराबोर करके सब कुछ तबाह कर दिया था, यहां तक कि पहाड़ भी पानी में डूब गए थे। जो कोई नूह की कश्ती में नहीं था बाढ़ में डूब गया| और सब बाढ़ थोड़ी ही ज़मीन को पानी से भरा करती है।
- यह लफ़्ज़ भी एक ‘अमल है, जिसमें “ज़मीन पूरी तरह से नदी के पानी के ज़रिए’ डुबा दी गयी थी|

## तर्जुमे की सलाह:

- “बाढ़” का हक़ीक़ी मतलब का तर्जुमे के तरीक़े “पानी बहुत बढ़ जाना” या “बहुत ज़्यादा पानी” हो सकते हैं|
- ‘अलामती मुक़ाबले “बाढ़ जैसा” को ज्यों का त्यों रहने दिया जाए। या इसका लफ़्ज़ी जुमला काम में लिया जाए जिसका मतलब बाढ़ हो जैसे नदी।
- इज़हार के लिए “बाढ़ के जैसा” जिसमें पानी का ज़िक्र हो चुका है, लिहाज़ा “बाढ़” का तर्जुमा हो सकता है, “बहुत ज़्यादा ता’दाद में” या “उमड़ना”
- इस लफ़्ज़ को मिसाल के तौर पर भी काम में लिया जा सकता है, जैसे “मुझ पर बाढ़ न आने दो” जिसका मतलब “ये उमड़ती हुई आफ़ात मुझ पर न होने दो” या “मुझे आफ़ात की तबाही में न पड़ने दो” या “मुझ पर अपना ग़ज़ब न करो”। (देखें:मिसाल
- ‘अलामती इज़हार, “मैंने आँसुओं से अपना बिस्तर बहाया” का तर्जुमा इस तरह भी किया जा सकता है, “मेरे आँसू पानी में एक बाढ़ की तरह मेरे बिस्तर पर बह रहे हैं।”

(यह भी देखें: कशिश, नूह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- दानीएल 11:10
- पैदाइश 07:6-7
- लूक़ा 06:46-48
- मत्ती 07:24-25
- मत्ती 07:26-27
- मत्ती 24:37-39

## शब्दकोश:

- Strong's: H216, H2229, H2230, H2975, H3999, H5104, H5140, H5158, H5674, H6556, H7641, H7857, H7858, H8241, G2627, G4132, G4215, G4216

# बिखरा, बिखराव

## ता’अरुफ़:

- लफ़्ज़ “बिखरा” और “बिखराव” का मतलब है इन्सानों या चीज़ों का मुख़तलिफ़ सिम्तों में फैल जाना।
- पुराने ‘अहदनामे में, ख़ुदा लोगों को “बिखेरने” की बात कहता है। उन्हें अलग-अलग करके एक दूसरे से दूर अलग अलग जगहों में कर देगा। उन्हें गुनाहों की सज़ा देने के लिए ख़ुदा ने ऐसा किया था। मुमकिन था कि बिखरने की वजह से वे तौबा करें और दुबारा ख़ुदा की ‘इबादत करने लगें।
- नये ‘अहदनामे में “बिखराव” लफ़्ज़ ऐसे ईमानदारों के बारे में है जो मुसीबत से बचने के लिए अपना घर छोड़ कर मुख़तलिफ़ जगहों को चले गए|
- अलफ़ाज़ “बिखरना” का तर्जुमा हो सकता है, “ईमानदार मुख़तलिफ़ जगहों में” या “वे लोग जो मुख़तलिफ़ मुल्कों में जाकर रहने लगे”।
- “बिखरना” लफ़्ज़ का तर्जुमा “मुख़तलिफ़ जगहों में भेजना” या “परदेश में बसाना ” या “मुख़तलिफ़ मुल्कों में बसने के लिए मज़बूर करना”।

(यह भी देखें: ईमान, मुसीबत देना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 पतरस 01:1-2
- हिज़क़ीएल 12:14-16
- हिज़क़ीएल 30:22-24
- ज़ूबूर 018:13-14

## शब्दकोश:

- Strong's: H2219, H4127, H5310, H6327, H6340, H6504, H8600, G1287, G1290, G4650

# बिगड़कर, हलाक होती है, बिगड़ गए, बेकार , सड़ाहट, बिगड़ गए

## ता’अर्रुफ़:

“बिगड़कर” या “सड़ाहट” का बयान ऐसी हालत से है जिसमें इन्सान हलाक हो जाता है बुरा या बेईमान हो जाता है।

“बिगड़कर” लफ़्ज़ का ख़ास मतलब है, अच्छाई में “झुकना” या “तोड़ा जाना” है।

- जो इन्सान “बिगड़ गया” वह हक़ से मुँह मोड़ गया और बुरे और ग़ैर इख़लाकी काम करता है।
- किसी को बिगाड़ना या’नी उसे ग़लत और बुरा काम करने के लिए मुता’स्सिर करना।

## तर्जुमे के सलाह:

- “बिगाड़ना” या’नी “बुरा काम करने के लिए मुता’स्सिर करना” या “बुरा होने के लिए हौसला देना ”।
- बिगड़ा इन्सान वह है, “जो बुरा हो गया है” या “जो बुराई करता है”
- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा “बुरा” या “ग़लत ” या “बदकार ” भी किया जा सकता है।
- “बिगड़ना” का तर्जुमा हो सकता है, “बुरासुलूक ” या “बुराई” या “बदकारी ”

(यह भी देखें: बुरा )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- हिज़क़ीएल 20:42-44
- गलातियों 06:6-8
- पैदाइश 06:11-12
- मत्ती 12:33-35
- ज़ुबूर 014:1

## शब्दकोश:

- Strong's: H1097, H1605, H2254, H2610, H4167, H4743, H4889, H4893, H7843, H7844, H7845, G853, G861, G862, G1311, G1312, G2585, G2704, G4550, G4595, G5349, G5351, G5356

# बीज, नुत्फ़ा

## ता'अर्रुफ़:

दरख़्त का बीज वह हिस्सा है जिसे ज़मीन में डालने पर उसी नसल का दरख़्त पैदा होता है। इसके कई 'अलामती मतलब भी हैं।

- "बीज" लफ़्ज़ 'अलामती और सूल्ब की शक्ल में औरत-मर्द की औलाद पैदा करने की महफ़ूज़ 'आज़ाओं के लिए भी काम में लिया गया है। इनको नुत्फ़ा कहा जाता है।
- इसी बारे में "बीज" लफ़्ज़ लोगों को औलाद या नस्लों के लिए भी काम में लिया जाता है।
- इस लफ़्ज़ का मतलब हमेशा जमा' में होता है जो एक से ज़्यादा बीज और एक से ज़्यादा औलादों के बारे में होता है।
- बीज बोनेवाले की मिसाल में ख़ुदा के कलाम की बराबरी बीजों से करता है, जब यह शख़्स के मन में पैदा होता है तो बेहतर रूहानी फल लाता है।
- पौलुस रसूल "बीज" लफ़्ज़ का इस्ते'माल ख़ुदा के कलाम के बारे में करता है।

## तर्जुमा की सलाह:

- जब बयान बीज का हो, तो "बीज" लफ़्ज़ का ही इस्ते'माल तर्जुमा में किया जाए, जो मक़सदी ज़बान में इस्ते'माल किया जाता है, उसके लिए जो किसान अपने खेत में बोता है।
- जब ख़ुदा के कलाम के बारे में हो तब बीज लफ़्ज़ को ज्यों का त्यों काम में लेना होगा.
- 'अलामाती इस्ते'माल में जब एक ख़ानदान कुल ता'दाद के लोगों के बारे में 'अलामाती शक्ल में बयान किया जाए तब बीज की मुक़ाबिले औलाद या “औलादों” लफ़्ज़ का इस्ते'माल ज़्यादा साफ़ मतलब बयान करेगा। कुछ ज़बानों में ऐसा लफ़्ज़ भी हो सकता है जिसका मतलब "औलाद और पोता-पोती" हो।
- 'औरत या मर्द के "बीज" के लिए देखें कि मक़सदी ज़बान में कि इसे किस तरह बयान किया जा सकता है जिससे पढने वालों को बुरा न लगे या शर्मिंदगी का तर्जुमा न हो। (देखें: अल्फ़ाज़ )

(यह भी देखें: नसल , औलाद

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 18:30-32
- पैदाइश 01:11-13
- यरमियाह 02:20-22
- मत्ती 13:7-9

## शब्दकोश:

- Strong's: H2232, H2233, H2234, H3610, H6507, G4615, G4687, G4690, G4701, G4703

# बीनने, बीनता, बीना हुआ, इकट्ठा करना

## ता'अर्रुफ़:

"सीला बीनना" खेत से या बगीचे से अनाज और फल जो लवनी करने वालों के हाथों से गिर गए उनको उठाना।

- ख़ुदा ने इस्राईल को हुक्म दिया था कि वह बेवाओं, ग़रीबों और परदेशियों को गिरा हुआ अनाज उठाने दें कि उनके खाने के लिए हो।
- कभी-कभी खेत का मालिक सीला बीनने वालों को लवनी करनेवालों के क़रीब भी आने नहीं देता था जिससे वह और भी ज़्यादा अनाज बटोर सकते थे।
- इस कहानी की सही मिसाल रूत की कहानी में है उसे हलीमी के साथ उसके एक रिश्तेदार बो'अज़ के खेत में लवनी करनेवालों के पास ईमानदारी से सीला बीनने दिया था।
- "सीला बीनने" के तर्जुमे हो सकते हैं, "चुनना" या "जमा' करना" या "उठाना"।

(यह भी देखें: बो'अज़, अनाज, फ़सल, रूत)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इस्तिसना 24:21-22
- यसा'याह 17:4-5
- अय्यूब 24:5-7
- रूत 02:1-2
- रूत 02:15-16

## शब्दकोश:

- Strong's: H3950, H3951, H5953, H5955

# बीमारी

## ता'अरुफ़:

“बीमारी” या'नी सख्त दर्द या मुसीबत ।

- बीमारी जिस्मानी या दिमाग़ी तकलीफ़ या परेशानी हो सकती है।
- ख़तरनाक बीमारी में पड़े लोगों के चेहरे या सुलूक से वह ज़ाहिर होती है।
- मिसाल के तौर पर, बीमार इन्सान दांत पीसता है या रोता है।
- “बीमारी” का तर्जुमा हो सकता है, “दिमाग़ी परेशानी” या “ज़्यादा गम ” या “ज़ोरों की दर्द ”।

## किताब-ए-मुक़द्दस : के बारे में

- यरमियाह 06:23-24
- यरमियाह 19:6-9
- अय्यूब 15:22-24
- लूका 16:24
- ज़बूर 116:3-4

## शब्दकोश:

- Strong's: H2342, H2479, H3708, H4164, H4689, H4691, H5100, H6695, H6862, H6869, H7267, H7581, G928, G3600, G4928

# बुझाना, बुझेगी, नहीं बुझती

## ता’अरुफ़:

“बुझाना” लफ़्ज़ का मतलब है आग बुझाना या की ख्वाहिश को मुतमईन करना छोड़ देना |

- इस लफ़्ज़ का इस्तेमाल आमतौर पर प्यास बुझाने के बारे में किया जाता है, पीने वाली चीज़ को पीकर प्यास को बुझाना
- इसका बयान आग बुझाने से भी है।
- आग और प्यास दोनों ही पानी से बुझते हैं।
- पौलुस “बुझाने” लफ़्ज़ को तम्सीली शक्ल में काम में लेता है, जब वह ईमानदारों को कहता है, “पाक रूह को न बुझाओ”। इसका मतलब है कि इंसानों में पाक रूह के फल और ने;मत से इन्सानों को मायूस न करें। पाक रूह को बुझाने का मतलब है ऐसे काम करना कि पाक रूह इन्सान में अपनी ताक़त और काम ज़ाहिर न कर पाए।

(यह भी देखें: फल, ने’मत, पाकरूह )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:19-22
- हिज़क़ीएल 20:45-47
- यसा’याह 01:31
- यरमियाह 21:11-12

## शब्दकोश:

- Strong's: H1846, H3518, H7665, H8257, G762, G4570

# बुराई, बे’इज़्ज़ती, बुराई, बुराई, बदनामी

## ता’अर्रुफ़:

किसी की बुराई करने का मतलब है तनक़ीद करना किरदार या आदत को क़ुबूल नहीं करना। बुराई करना इन्सान के लिए मनफ़ी तनक़ीद करना है।

- इन्सान “बुराई के क़ाबिल नहीं” या “बुराई के परे” या “बुराई का नहीं” है तो इसका मतलब है कि इन्सान ख़ुदा को ‘इज़्ज़त देनेवाला सुलूक रखता है और उसकी तनक़ीद नहीं की जा सकती है।
- लफ़्ज़ "बुराई" का तर्जुमा "इल्जाम" या "शर्म" या "बे’इज़्ज़ती" की शक्ल में भी किया जा सकता है।
- "बुराई करने के लिए" का तर्जुमा "ठट्ठा करने के लिए" या "इल्जाम लगाने के लिए" या "तनक़ीद करने के लिए" की शक्ल में भी किया जा सकता है, मज़मून पर मुनहस्सिर|

(यह भी देखें: इल्जाम लगाना, झिड़कना, शर्म)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तीमुथियुस 05:7-8
- 1 तीमुथियुस 06:13-14
- यरमियाह 15:15-16
- अय्यूब 16:9-10
- अम्साल 18:3-4

## शब्दकोश:

- Strong's: H1421, H1442, H2617, H2659, H2778, H2781, H3637, H3639, H7036, G410, G423, G819, G3059, G3679, G3680, G3681, G5195, G5196, G5484

# बुज़ुर्ग ख़ानदान , बुज़ुर्ग ख़ानदानों

## ता’अर्रुफ़:

“बुज़ुर्ग ख़ानदान” लफ़्ज़ पुराने ‘अहद नामे में यहूदियों के ख़ास बाप दादों का बयान देता है, ख़ास करके इब्राहीम , इसहाक़ और याक़ूब।

- यह लफ़्ज़ याक़ूब के बारह बेटों के बारे में भी काम में लिया गया है जो इस्राईल के बारह क़बीलों के बुज़ुर्ग ख़ानदान हुए थे।
- “बुज़ुर्ग ख़ानदान” लफ़्ज़ का मतलब “बुज़ुर्गों ” ही है लेकिन इसका ख़ास बयान क़ौम के सबसे ज्यादा इज्ज़तदार बुज़ुर्ग आदमी से है।

(यह भी देखें: बुज़ुर्ग,बाप,बाप दादा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के आमाल 02:29-31
- रसूलों के आमाल.. 07:6-8
- रसूलों के आमाल 07:9-10
- एज़्रा 03:12-13

## शब्दकोश:

- Strong's: H1, H7218, G3966

# बुज़ुर्ग, बुज़ुर्गों, बाप, बापों, बाप बना, निगरानी करना, बुज़ुर्ग, बुज़ुर्गों, दादा

## ता'अर्रुफ़:

जब लफ़्ज़ी तौर पर इस्ते'माल किया जाता है, तब "बाप" लफ़्ज़ किसी शख़्स के वालिदैन के बारे में बताता है| इस लफ़्ज़ के बहुत से 'अलामती इस्ते'माल भी हैं।

- "बाप" और "बुज़ुर्ग" लफ़्ज़ उमूमन किसी इन्सान या क़बीले के बुज़ुर्गों के लिए भी काम में लिया जाता है। * इसका तर्जुमा "बुज़ुर्ग" या "बुज़ुर्ग बाप" किया जा सकता है।
- इज़हार "का बाप" 'अलामती तौर पर उस इन्सान के बारे में होता है जो लोगों की जमा'अत का रहनुमा हो या किसी का ज़रिया' हो। मिसाल के तौर पर पैदाइश. 4 में " वह उन लोगों का बाप था जो तम्बूओं में रहते थे" इसका मतलब हो सकता है पहले लोगों के पहली नसल के रहनुमा जो "तम्बूओं में रहते थे"।
- पौलुस रसूल ने ख़ुद को उन लोगों का बाप कहा है जिन्होंने ख़ुशख़बरी बाँटने के ज़रिए' मसीही बनने में मदद की|

## तर्जुमे की सलाह

- जब हम एक बाप और उसके लफ़्ज़ी बेटे के बारे में बात करते हैं, तब लफ़्ज़ तर्जुमा 'आम लफ़्ज़ का इस्ते'माल करके किया जाना चाहिए ताकि ज़बान में एक बाप के बारे में बताया जा सके|
- "ख़ुदा बाप" का तर्जुमा भी उसी लफ़्ज़ से करना होगा जो "बाप" के लिए काम में आता है।
- बुज़ुर्गों के ज़िक्र में इस लफ़्ज़ का तर्जुमा "बुज़ुर्ग" या "बाप के बुज़ुर्ग" किया जाए।
- जब पौलुस ख़ुद को मसीही ईमानदारों का बाप कहता है तब इसका तर्जुमा किया जा सकता है, "रूहानी बाप" या "मसीह में बाप"।
- कभी-कभी "बाप" लफ़्ज़ का तर्जुमा "क़बीले का सरदार" किया जा सकता है।
- जुमले "सब झूठों का बाप" का तर्जुमा "सब झूठों का ज़रिया'" या "जिससे सारे झूठ आते हैं"।

(यह भी देखें: ख़ुदा बाप, बेटा, ख़ुदा का बेटा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 07:1-3
- रसूलों के 'आमाल. 07:31-32
- रसूलों के 'आमाल. 07:44-46
- रसूलों के 'आमाल. 22:3-5
- पैदाइश 31:29-30
- पैदाइश 31:41-42
- पैदाइश 31:51-53
- इब्रानियों 07:4-6
- युहन्ना 04:11-12
- यशू'अ 24:3-4
- मलाकी 03:6-7
- मरकुस 10:7-9
- मत्ती 01:7-8
- मत्ती 03:7-9
- मत्ती 10:21-23
- मत्ती. 18:12-14
- रोमियो 04:11-12

## शब्दकोश:

- Strong's: H1, H2, H25, H369, H539, H1121, H1730, H1733, H2524, H3205, H3490, H4940, H5971, H7223, G256, G540, G1080, G2495, G3737, G3962, G3964, G3966, G3967, G3970, G3971, G3995, G4245, G4269, G4613

# बुज़ूर्ग, बुज़ूर्गों

## ता'अरुफ़:

बुज़ूर्ग रूहानी बालिग़ मर्द होते हैं जिनकी ज़ूम्मेदारी होती है कि ख़ुदा के लोगों की रूहानी और मश्क़ी रहनुमाई करें।

- “बुज़ूर्ग” लफ्ज़ का असल इस ता'रीफ़ में है कि ये मर्द 'उम्र में ज़्यादा होते थे और 'उम्र और तजुर्बे के बारे में उनमें ज़्यादा 'अक्ल होती थी।
- पुराने 'अहद नामें में बुज़ूर्ग क़ौमी 'और मूसा की शरी'अत से मुता'ल्लिक़ मौज़ू'आत में इस्राईलियों की रहनुमाई और मदद करते थे।
- नये 'अहद नामें में यहूदी बुज़ूर्ग अपने क़बीलों में रहनुमाओं का किरदार निभाते थे और क़बीलों के मुंसिफ़ भी थे।
- इब्तिदाई मसीही कलीसियाओं में मसीही बुज़ूर्ग ईमानदारों के नज़दीकी मण्डली की रूहानी क़बीले में रहनुमाई करते थे।
- उन कलीसियाओं में बुज़ूर्ग में नौजवान शामिल थे जो रूहानी शक्ल से बालिग़ थे।
- इस लफ्ज़ का तर्जुमा " 'बूढ़े मर्दों " या " रूहानी शक्ल से बालिग़ लोगों” के शक्ल में किया जा सकता है जो कलीसिया की क़यादत कर रहे हैं।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 11:1-3
- 1 तीमुथियुस 03:1-3
- 1 तीमुथियुस 04:14-16
- रसूलों के 'आमाल . 05:19-21
- रसूलों के 'आमाल 14:23-26
- मरकुस 11:27-28
- मत्ती 21:23-24

## शब्दकोश:

- Strong's: H1419, H2205, H7868, G1087, G3187, G4244, G4245, G4850

# बेकार, पाजी

## ता’अर्रुफ़:

“बेकार ” लफ़्ज़ किसी निकम्मी बात या बे मक़सद बात को ज़ाहिर करता है। बेकार बातें बे मा’नी और निकम्मी होती हैं।

- “पाजी ” (बेकार ही बेकार) या’नी निकम्मापन या बे मतलब इसका बयान घमंड और ग़ुरूर से भी है।
- पुराने ‘अहद नामे में बुतों को बेकार, निकम्मी कहा गया है, वे छुटकारा या नजात नहीं दिला सकतीं। वे निकम्मी हैं, उनकी न तो कोई लियाक़त है न ही कोई मक़सद
- अगर कोई काम “बेकार” में किया गया है तो इसका मतलब है कि उसका कोई अच्छा फल नहीं मिला उस कोशिश या काम से कुछ भी फ़ायदा नहीं हुआ है।
- बेकार में भरोसा करने' का मतलब कुछ ऐसी चीज़ों में यक़ीन करना है जो सच नहीं है और वह झूठी उम्मीद देती है।

## तर्जुमे की सलाह:

- मज़मून के मुताबिक़ “बेकार” लफ्ज का तर्जुमा “खाली” या “निकम्मा” या “ना उम्मीदी ” या “घटिया” या “बिन माने ” हो सकता है।
- “बेकार होना” का तर्जुमा “बे फल ” या “फल से महरूम ” या “बे मा’नी ” या “बे मक़सद ” हो सकता है।
- “बेकार ही बेकार” का तर्जुमा “घमंड” “निकम्मी बात” या “नाउम्मीदी बात” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुत, लायक़)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 15:1-2
- 1 समूएल 25:21-22
- 2 पतरस 02:17-19
- यसा’याह 45:19
- यरमियाह 02:29-31
- मत्ती 15:7-9

## शब्दकोश:

- Strong's: H205, H1891, H1892, H2600, H3576, H5014, H6754, H7307, H7385, H7386, H7387, H7723, H8193, H8267, H8414, G945, G1432, G1500, G2755, G2756, G2757, G2758, G2761, G3150, G3151, G3152, G3153, G3154, G3155

# बेश क़ीमत

## सच्चाई

“बेश क़ीमत” उन आदमियों या चीज़ों का बयान देता है जिन्हें बहुत ज़्यादा क़ीमती माना जाता है।

- “बेश क़ीमत पत्थर” या “बेश क़ीमत मूंगे” उन चट्टानों या लगानों के बारे में काम में लिए जाते है जो रंगीन होते हैं या ऐसे और ख़ूबी वाले होते हैं जो उन्हें ख़ूबसूरत या इस्तेमाल वाले बनाते हैं।
- बेश क़ीमत पत्थरों में हैं, हीरे, माणिक और पन्ना।
- सोना और चांदी “बेश क़ीमत धातु” हैं।
- यहोवा कहता है कि उसके लोग “बेश क़ीमत है”। (यशा. 43:4)
- पतरस कहता है, “हलीमी और मन की हलीमी ख़ुदा की नज़र में इसकी क़ीमत बड़ी है”। (1पत. 3:4)
- इसका तर्जुमा हो सकता है, “क़ीमती ” या “बहुत प्यारी ” या “सजाने के लायक़” या “बहुतपसन्दीदा ”।

(यह भी देखें: सोना,चाँदी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 पतरस 01:1-2
- रसूलों के आमाल 20:22-24
- दानीएल 11:38-39
- नोहा 01:7
- लूका 07:2-5
- नग़मा 036:7-9

## शब्दकोश:

- Strong's: H68, H1431, H2532, H2580, H2667, H2896, H3357, H3365, H3366, H3368, H4022, H4030, H4261, H4262, H4901, H5238, H8443, G927, G1784, G2472, G4185, G4186, G5092, G5093

# बेक़ुसूर , बे क़ुसूर ठहराना, आज़ाद हो जाना ,

## ता’रीफ़:

"बेक़ुसूर ठहराना, यहाँ तक कि किसी को क़ानून के ख़िलाफ़ चाल चलन के इल्ज़ाम से आज़ाद करना,।

- कलाम, में यह लफ़्ज़ कभी - कभी गुनाहगारों को मुआफ़ करने में लिया जाता है ।
- ज़्यादा तर, बदकारों और ख़ुदावन्द की ख़िलाफ़त करने वालों को सही तौर से क़ुसूर से आज़ाद करने के बारे में है|।
- इसका तर्जुमा हो सकता है, बेक़ुसूर ठहराना , या मुजरिम न होने का ऐलान कर देना”

(यह भी देखें: \ मुआफ़, क़ुसूर, गुनाह)

## किताब -ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इस्तिसना 25:1-2
- ख़ुरूज 21:28-30
- ख़ुरूज 23:6-9
- यसा'याह 05:22-23
- अय्यूब 10:12-14

## शब्दकोश:

- Strong's: H3444, H5352, H5355, H6403, H6663

# बे‘इज़्ज़त, बे‘इज़्ज़त, शर्म, शर्मनाक , शर्मिंदगी से, बे शर्म, बे शर्मी से,शर्म, बे‘इज़्ज़त नहीं

## ता’अर्रुफ़:

“शर्मनाक” लफ़्ज़ लोगों की बे‘इज़्ज़त के एहसास के बारे में है या'नी बे‘इज़्ज़त या ग़लत काम जो किसी ने किया।

- “शर्मनाक बात” या'नी “ग़लत ” या “नाक़ाबिले क़ुबूल ” काम।
- “बे‘इज़्ज़त” लफ़्ज़ का मतलब है किसी शर्मनाक काम को करने पर लोगों के मन में पैदा होने वाले एहसास ।
- “ शर्मनाक करना” या'नी किसी को हरा देना या उसके गुनाहों को ज़ाहिर करना कि उसे अपने पर शर्म आए।
- यसा'याह नबी यह कहता है कि जो बुत बनाते हैं और बुत परस्ती करते हैं वह बे‘इज़्ज़त किए जाएंगे।
- ख़ुदावन्द तौबा न करने वाले के गुनाह ज़ाहिर करके और उसे ज़लील करके बे‘इज़्ज़त करेगा।

(यह भी देखें: झूठे मा’बूद, हलीमी , ज़लालत , यसा'याह, तौबा, गुनाह, ‘इबादत)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 पतरस 03:15-17
- 2 सलातीन 02:17-18
- 2 शमूएल 13:13-14
- लूक़ा 20:11-12
- मरकुस. 08:38
- मरकुस. 12:4-5

## शब्दकोश:

- Strong's: H937, H954, H955, H1317, H1322, H2616, H2659, H2781, H3001, H3637, H3639, H3640, H6172, H7022, H7036, H8103, H8106, G127, G149, G152, G153, G422, G808, G818, G819, G821, G1788, G1791, G1870, G2617, G3856, G5195

# बे’इज़्ज़ती, बे’इज़्ज़त करता, बे’इज़्ज़त किया, शर्मनाक

## सच्चाई:

लफ़्ज़ “बे’इज़्ज़त” का मतलब है ‘इज़्ज़त और अहतिराम खो देना|

- जब इन्सान गुनाह करता है तो वह बे’इज़्ज़ती और शर्मिंदगी की हालत में होता है|
- “शर्मनाक” लफ़्ज़ गुनाह को या गुनाह करनेवाले का ज़िक्र करता है।
- कभी-कभी नेक काम करने वाले के साथ ऐसा सुलूक किया जाता है जिससे वह शर्मिंदा और बे’इज़्ज़त होता है।
- मिसाल के तौर पर, ‘ईसा की सलीब पर मौत एक शर्मनाक मौत थी। ‘ईसा ने ऐसी बे’इज़्ज़ती के लायक़ कुछ नहीं किया था।
- “बे’इज़्ज़ती” का तर्जुमा “शर्म” या “बे’इज़्ज़त” हो सकता है।
- “शर्मनाक” का तर्जुमा “शर्मनाक” या “बे’इज़्ज़त” हो सकता है।

(यह भे देखें: बे’इज्ज़त, ‘इज़्ज़त, शर्म)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तीमुथियुस 03:6-7
- पैदाइश 34:6-7
- इब्रानियों 11:23-26
- यरमियाह का नोहा 02:1-2
- ज़ुबूर 022:6-8

## शब्दकोश:

- Strong's: H954, H1984, H2490, H2617, H2659, H2781, H2865, H3637, H3971, H5007, H5034, H5039, H6031, H7036, G149, G819, G3680, G3856

## बोझ, बोझ, बोझ से दबे, भारी

### ता'अर्रुफ़:

बोझ उठाने के लिए कोई भारी चीज़ हो सकती है। यह किसी जानवर के ज़रिए' उठाया जानेवाला भारी सामान भी होता है। "बोझ" लफ़्ज़ के कई 'अलामती लफ़्ज़ भी हैं।

- बोझ आदमी का एक शख़्त ज़िम्मेदारी या ख़ास ज़िम्मेदार भी होता है। उसके लिए कहा जाता है कि वह “भारी बोझ” "उठा रहा है" या “से दबा है”।
- बेरहम बादशाह अवाम पर बोझ डालता है जैसे बहुत ज़्यादा कर चुकाना।
- जो इंसान किसी पर बोझ होना नहीं चाहता वह किसी के लिए तकलीफ़ का ज़रिया' नहीं होता है।
- इंसान के लिए गुनाह का बोझ एक बोझ है।
- “ख़ुदा का बोझ” का नबी के ज़रिए' ख़ुदावन्द की क़ौम को सुनाए गए “ख़ुदा की ख़ुशख़बरी” 'अलामती मतलब है।
- “बोझ” जिसका तर्जुमा हो सकता है, “ज़िम्मेदारी” या “ज़िम्मेदारी” या “भारी बोझ” या “ख़ुशख़बरी” जुमले के मुताबिक़ जैसा भी हो।

### किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 थिस्सलुनीकियों 03:6-9
- गलातियों 06:1-2
- गलातियों 06:3-5
- पैदाईश 49:14-15
- मत्ती 11:28-30
- मत्ती 23:4-5

### शब्दकोश:

- Strong's: H92, H3053, H4614, H4853, H4858, H4864, H4942, H5445, H5447, H5448, H5449, H5450, H6006, G4, G916, G922, G1117, G2347, G2599, G2655, G5413

# बोसा, बोसे, बोसा दिया, बोसा देना

## ता'अर्रुफ़:

बोसा एक ऐसा काम है जिसमें एक इन्सान अपने होंठ किसी और इन्सान के होंठ या चेहरे पर रखता है| इस लफ़्ज़ का इस्ते'माल तम्सीली तौर भी किया जा सकता है|

- कुछ रवायतों में गाल पर एक दूसरे के इस्तक़बाल के तौर पर या अलविदा कहने के लिए बोसा दिया जाता है|
- एक बोसा शौहर और बीवी के दरमियान गहरी मुहब्बत ज़ाहिर कर सकता है|
- "किसी को विदाई पर चूमना" का मतलब है किसी को बोसे के साथ अलविदा कहना|
- कभी कभी "बोसे" लफ़्ज़ का मतलब "अलविदा कहने" के लिए किया जाता है| जब एलीशा ने एलियाह से कहा, "मुझे पहले मेरे वालिदैन को चूमने दो" वह एलियाह का 'अमल करने से पहले अपने वालिदैन से विदा लेना चाहता था|

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:25-28
- पैदाइश 27:26-27
- पैदाइश 29:11-12
- पैदाइश 31:26-28
- पैदाइश 45:14-15
- पैदाइश 48:8-10
- लूक़ा 22:47-48
- मरकुस 14:43-46
- मत्ती 26:47-48

## शब्दकोश:

- Strong's: H5390, H5401, G2705, G5368, G5370

# बग़ावत , बग़ावत, बग़ावत की, बग़ावत करना, बग़ावत, बाग़ी, बग़ावत

## ता’अर्रुफ़:

“बग़ावत” लफ़्ज़ का मतलब है किसी के इख़्तियार के ताबे’ होने से इन्कार करना। “बग़ावत करने वाला” हुक्म नहीं मानता है और बुरा काम करता है। ऐसा इन्सान “बाग़ी” कहलाता है

इन्सान बग़ावत करता है जब वह ऐसा काम करता है जिसके लिए मुलाज़िमों ने मना’ किया है।

- इन्सान मुलाज़िमों के ज़रिए’ मुक़र्रर काम न करे तो वह बग़ावत करता है।
- कभी-कभी इन्सान अपने सरकार या शासकों से भी बग़ावत (बग़ावत ) करते हैं।
- मज़मून पर मुनहस्सिर “बग़ावत करना” का तर्जुमा “हुक्म न मानना” या “बग़ावत करना” भी हो सकता है।
- “बाग़ी” का तर्जुमा “लगातार फ़रमाबरदार” या “फ़रमाबरदारी से इन्कार” भी किया जा सकता है।
- “बग़ावत” का मतलब है, “हुक्म मानने से इन्कार” या “नाफ़रमानी” या “क़ानून की मुख़ालिफ़त”
- “बग़ावत” का हवाला एक संगठित जमा’अत से भी हो सकता है जो क़ानून को तोड़कर रहनुमा और अवाम पर अवामी हमला कर देते हैं। ये लोग दीगर इन्सानों को भी साथ देने के लिए भड़काते हैं।

(यह भी देखें: इख़्तियार, हाकिम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 12:18-19
- 1 शमूएल 12:14-15
- 1 तीमुथियुस 01:9-11
- 2 तवारीख़ 10:17-19
- रसूलों के ‘आमाल 21:37-38
- लूक़ा 23:18-19

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **14:14** इस्राईलियों के चालीस साल तक जंगल में भटकने के बा’द, वह सभी जो ख़ुदा के ख़िलाफ़ बोलते थे मर गए।
- **18:07** दस इस्राईली क़बीले रहूबियाम के **ख़िलाफ़** बग़ावत की|
- **18:09** यरुबआम ने ख़ुदा का _बग़ावत _ किया और लोगों को गुनाह में धकेल दिया।
- **18:13** यहूदाह के बहुत से लोग ख़ुदा के **विरुद्ध** हो गए और दीगर मा’बूदों की ‘इबादत करने लगे।
- **20:07** लेकिन कुछ सालों के बा’द, यहूदाह के बादशाह ने बाबुल के **ख़िलाफ़** बग़ावत की|
- **45:03** फिर स्तिफनुस ने कहा, “ऐ ज़िद्दी और ख़ुदा से बग़ावत करने वालों, तुम हमेशा पाक रूह की **मुख़ालिफ़त** करते हो, जैसा तुम्हारे बुज़ुर्गों ने हमेशा ख़ुदा की मुख़ालिफ़त की और उसके नबियों को मार डाला।

## शब्दकोश:

- Strong's: H4775, H4776, H4777, H4779, H4780, H4784, H4805, H5327, H5627, H5637, H6586, H6588, H7846, G3893, G4955

# बड़ा , जिन्नात

## ता’अर्रुफ़:

“दानव” उस इन्सान को कहते हैं जो क़द और ताक़त में 'आम तौर से बड़ा हो।

- फ़िलिस्ती फ़ौज गोलियत जो दाऊद से लड़ा उसको दानव कहा गया है क्यूँकि वह बहुत लम्बा चौड़ा और ताक़तवर आदमी था।
- कन'आन का राज़ लेने जो इस्राईली जासूस गये थे उन्होंने कहा कि वहाँ दानव बसते हैं।

(यह भी देखें: कन'आन, गोलियत, फ़िलिस्ती)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 06:4
- गिनती 13:32-33

## शब्दकोश:

- Strong's: H1368, H5303, H7497

# भट्ठा

## सच्चाई:

भट्ठा एक बहुत बड़ा आग का गड्ढा होता था जिसमें बहुत ज़्यादा हरारत की आग जलती थी।

- पुराने वक़्त में भट्ठे धातु को पिघलाकर पकाने के बर्तन, गहने, हथियार और बुत बनाने के लिए धधकाए जाते थे।
- मिट्टी के बर्तन पकाने के लिए भी भट्ठे जलाए जाते थे।
- कभी मिट्टी लफ़्ज़ को मिसाल के तौर पर भी काम में लिया जाता है कि बहुत गर्म का मतलब ज़ाहिर हो।

(यह भी देखें: झूठे मा'बूद, तस्वीर)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 08:51-53
- पैदाइश 19:26-28
- अम्साल 17:3-4
- ज़ुबूर 021:9-10
- मुकाशिफ़ा 09:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H861, H3536, H3564, H5948, H8574, G2575

# भरोसा, भरोसा करना, यक़ीन के साथ

## ता'अर्रुफ़:

“भरोसा” (हियाव) यक़ीनी होना कि कोई बात सच है या उसका होना यक़ीनी है।

- कलाम में, "उम्मीद" लफ़्ज़ का मा'नी अक्सर कुछ के लिए इंतजार करना है जो यक़ीनी तौर से होने वाला है। यूएलबी अक्सर इसका तर्जुमा "भरोसा" या "मुस्तक़बिल के लिए भरोसा" या "मुसतकबिल के भरोसे" की शक्ल में करते हैं, ख़ासकर जब इसका मतलब है कि ख़ुदा ने 'ईसा में ईमानदारों के लिए किए हुए वादों पर भरोसा करना है।
- अक्सर लफ़्ज़"भरोसा" ख़ास शक्ल में यक़ीनी तौर से यह ज़ाहिर करता है कि 'ईसा के ईमानदारों में यह है कि वे किसी दिन आसमान में हमेशा के लिए ख़ुदा के साथ होंगे।
- “ख़ुदा पर भरोसा” इस जुमले का मा'नी है कि ख़ुदा ने जो वा'दा किया है उसे हासिल करने और उसको महसूस करने की उम्मीद
- “भरोसा करना” का मा'नी है ख़ुदा के वा'दों में यक़ीन करना और इरादे के साथ काम करना कि ख़ुदा ने जो कह दिया है, उसे वह पूरा करेगा। इस लफ़्ज़ का मा.नी निडर या हिम्मत वर सुलूक है।

## तर्जुमे की सलाह:

- “भरोसा” लफ़्ज़ का तर्जुमा “यक़ीनी ” या “पूरा यक़ीन ” भी हो सकता है।
- जुमला "भरोसा करना"; का तर्जुमा "पूरी तरह से यक़ीन " या "पूरी तरह से यक़ीनी " या "यक़ीनी तौर से पता" की शक्ल में किया जा सकता है।
- लफ़्ज़"भरोसे के साथ " का तर्जुमा "निडरता " या "यक़ीनी शक्ल से" की शक्ल में किया जा सकता है।
- बयान के मुताबिक़ , "भरोसा" का तर्जुमा करने के तरीक़े में "पूरी उम्मीद " या "यक़ीनी उम्मीद" या "यक़ीन " शामिल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: ईमान, ईमानदार. \हिम्मत]दिलेर, बे खौफ़ होकर, हिम्मत, हिम्मत देना,वफ़ादार , उम्मीद, भरोसा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

{{topic>confidence&nocomments}}

## शब्दकोश:

- Strong's: H982, H983, H985, H986, H3689, H3690, H4009, G1340, G2292, G3954, G3982, G4006, G5287

# भाला, भाले, भाला करनेवाला सिपाही

## ता'अर्रुफ़:

भाला एक ऐसा हथियार था जिसके धातु के फल के पीछे लम्बा डंडा लगा होता था और उसे फेंक कर दूर तक वार किया जाता था।

- कलाम के वक़्त में जंग के लिए भाले काम में आते थे। आज भी कभी-कभी लोगों के गिरोह के झगड़े में भाले काम में लिए जाते हैं।
- 'ईसा सलीब पर लटका हुआ था तब एक रोमी फ़ौजी ने भाले से उसकी पसली को छेदा था ।
- कभी-कभी लोग मछली या दूसरे शिकार को मारने के लिए भाला काम में लेते हैं।
- ऐसे ही हथियार "बर्छी" और "नेज़ह" हैं।
- वाज़ेह करें कि भाले का तर्जुमा "तलवार" से अलग हो। तलवार छेदने या घांपने के काम में आती है न कि फेंक कर वार करने के। तलवार का फल लम्बा होता है और पकड़ने के लिए हत्था होता है। जबकि भाले के सिरे पर एक छोटा लगा होता है।

(यह भी देखें: शिकार, रोम. तलवार, जंगजू )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 13:19-21
- 2 शमूएल 21:18-19
- नहेमियाह 04:12-14
- ज़बूर 035:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H1265, H2595, H3591, H6767, H7013, H7420, G3057

# भालू, बहुत भालू

## ता'र्रूफ़ :

भालू भूरा या काले रंग का बाल दार जानवर है जिसके दांत और पंजे तेज़ होते है। कलाम-ए-मुक़द्दस के ज़माने में भालू एक 'आम जंगली जानवर था।

- ये जानवर जंगलों और पहाड़ी इलाक़े में रहते हैं यह मछली, कीड़े और पौधे खाते हैं।
- पुराने 'अहदनामें में भालू ताक़तवर का मिसाल था।
- भेड़ों की रखवाली करते वक़्त दाऊद ने एक भालू को मार गिराया था।
- कुछ लड़के एलीशा का मज़ाक उड़ा रहे थे तब दो भालू जंगल से निकल कर आए और उन्हें मार डाला।

(यह भी देखें : दाऊद, एलीशा )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

## शब्दकोश:

- Strong's: H1677, G715

# भूसी

## ता’रीफ़:

भूसी गेहूँ का हिफ़ाज़ती छिलका होता है जिसे सूखे गेहूँ से अलग किया जाता है | भूसी खाने लायक़ नहीं होती है इसलिए उसे सूखे गेहूँ से अलग करके फेंक दिया जाता है |

- अनाज को हवा में उछालने से भूसी उड़कर गेहूँ से अलग हो जाती है | भूसी हवा में उड़ जाती थी और अनाज के दाने नीचे ज़मीन पर गिर जाते थे | इस तरकीब को “सूप “ कहते हैं |
- किताब -ए-मुक़द्दस में इस लफ़्ज़ को बुरे लोगों और बुराई के लिए तमसीली शक्ल में काम में लिया गया है |

(यह भी देखें: अनाज, गेहूँ, हवा में उड़ाना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- दानिएल 02:34-35
- अय्यूब 21:16-18
- लूका 03:17
- मत्ती 03:10-12

## शब्दकोश:

- Strong's: H2842, H4671, H5784, H8401, G892

# भेजना, भेजा जाता, भेजा गया, भेजा जाना, बाहर भेजना, बाहर भेजना, बाहर भेजा गया, बाहर भेजा जाना

## ता'अर्रूफ़:

“भेजना” या'नी किसी को या किसी चीज़ को कहीं जाने के लिए मजबूर करना। “बाहर भेजना” या'नी किसी को किसी दूर काम पर ले जाना

- "बाहर भेजा गया" इन्सान हमेशा किसी ख़ास काम के लिए मुक़र्रर किया जाता है
- “बारिश भेजना” या “आफ़त लाना” या'नी “आने की वजह होना” ऐसे जुमले ख़ुदावन्द के लिए काम में लिए जाते हैं कि वह ऐसा कर रहा है।
- “भेजना” लफ़्ज़ का इस्ते'माल “ख़बर भेजना” या “ख़ुशख़बरी भेजना” में भी काम में लिया जाता है या'नी किसी को ख़बर सौंपना कि किसी को सुनाए।
- किसी को किसी चीज़ के साथ “भेजना” या'नी किसी और की वह चीज़ ले जाकर देना, हमेशा कुछ दूर जाना कि ख़्वाहिशमन्द लोगों को वह हासिल हो।
- ‘ईसा बार-बार कहता था “वह जिसने मुझे भेजा है” या'नी बाप ख़ुदावन्द जिसने उसे ज़मीन पर लोगों को आज़ादी दिलाने या “उनकी नजात करने के लिए भेजा है”। इसका तर्जुमा इस तरह भी किया जा सकता है, “वह है जिसे ख़ुदावन्द ने चुना है”

(यह भी देखें: मुक़र्रर , छुटकारा दिलाना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के ‘आमाल . 07:33-34
- रसूलों के ‘आमाल 08:14-17
- यूहन्ना 20:21-23
- मत्ती 09:37-38
- मत्ती. 10:5-7
- मत्ती. 10:40-41
- मत्ती. 21:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H935, H1540, H1980, H2199, H2904, H3318, H3474, H3947, H4916, H4917, H5042, H5130, H5375, H5414, H5674, H6963, H7368, H7725, H7964, H7971, H7972, H7993, H8421, H8446, G782, G375, G630, G649, G652, G657, G1026, G1032, G1544, G1599, G1821, G3333, G3343, G3936, G3992, G4311, G4341, G4369, G4842, G4882

# भेड़, भेड़ें, मेंढ़ा, मेंढ़ा, भेड़, भेड़शाला, भेड़ रहने की जगह , भेड़-बकरी, भेड़ की खाल

## ता'अर्रुफ़:

"भेड़" एक छोटा चार पैरों का जानवर होता है जिसके जिस्म पर ऊन होती है। नर भेड़ को मेढ़ा कहते हैं। मादा भेड़ को भेड़ कहते हैं "भेड़" का जमा' भी "भेड़" है।

- भेड़ के बच्चे को मेम्ना कहते हैं।
- इस्राईली ज़्यादातर भेड़ को क़ुर्बानी के लिए काम में लेते थे, ख़ास करके नर भेड़ और मेम्ना।
- लोग भेड़ का गोश्त खाने के लिए और उसकी ऊन को कपड़े और कई चीज़े बनाने के लिए इस्ते'माल करते है।
- भेड़ बहुत भरोसेमंद, कमज़ोर और बुज़दिल जानवर होता है। वह घूमने के लिए आसानी से तैयार हो जाते हैं। उन्हें रहनुमाई , हिफ़ाज़त, खाना-पानी और रहने के लिए चरवाहे की ज़रूरत होती है।
- कलाम में लोगों की बराबरी भेड़ से की गई है जिनका चरवाहा ख़ुदा है।

(तर्जुमा की सलाह: नए लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करें )

(यह भी देखें:इस्राईल, मेम्ना, क़ुर्बानी, चरवाहा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 08:32-33
- पैदाइश30:31-32
- यूहन्ना 02:13-14
- लूक़ा 15:3-5
- मरकुस 06:33-34
- मत्ती. 09:35-36
- मत्ती. 10:5-7
- मत्ती 12:11-12
- मत्ती 25:31-33

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **09:12** एक दिन, मूसा जब अपनी **भेड़ो** की देख रेख कर रहा था , तब उसने देखा कि किसी झाड़ी में आग लगी है |
- **17:02**बैतलहम शहर में दाऊद एक चरवाहा था | वह अपने बाप की **भेंड़ों** की रखवाली करता था, दाऊद ने अलग-अलग वक़्त पर भालू व शेर दोनों को मार गिराया जिन्होंने भेड़ों पर हमला किया था |
- **30:03** 'ईसा ने लोगों की बड़ी भीड़ देखी और उन पर तरस खाया | क्यूँकि वह उन **भेड़ो** की तरह थे जिनका कोई रखवाला न हो |
- **38:08** तब 'ईसा ने उनसे कहा, "तुम सब मुझे छोड़ दोगे, क्यूँकि लिखा है: मैं रखवाले को मारूँगा, और **भेड़े** तितर-बितर हो जाएँगी |"

## शब्दकोश:

- Strong's: H352, H1494, H1798, H2169, H3104, H3532, H3535, H3733, H3775, H5739, H5763, H6260, H6629, H6792, H7353, H7462, H7716, G4165, G4262, G4263

# भेड़िया, भेड़िए, जंगली कुत्ते

## ता'अर्रुफ़:

भेड़िया एक गोश्त खाने वाला जानवर होता है जो कुत्ते जैसा दिखता है।

- भेड़िये आमतौर पर झुण्डों में शिकार करते हैं और एक शातिर और गुपचुप तरीक़े से अपने शिकार का शिकार करते हैं।
- किताब-ए-मुक़द्दस में, लफ़्ज़ "भेड़िए" का इस्तेमाल तम्सीली शक्ल से झूठे उस्ताद या झूठे नबियों के लिए किया जाता है जो ईमानदारों को बर्बाद करते हैं, जिनकी तशबीह भेड़ों से की जाती हैं। झूठी ता'लीम से लोगों को गलत चीजों पर यक़ीन करने की वजह बनता है जो उन्हें नुकसान पहुँचाते हैं।
- यह तशबीह इस सच्चाई पर मुनहसिर है कि भेड़े भेड़ियों के हमले के लिए मजरूह होती हैं क्योंकि उनके पास अपनी हिफ़ाज़त के लिए कुछ भी नहीं होता है।

## तर्जुमे की सलाह:

इस लफ़्ज़ का तर्जुमा , “जंगली कुत्ते” या “जंगली जानवर” हो सकता है।

- जंगली कुत्ते के दुसरे नाम हो सकता है "सियार" या "भेड़िया।"
- जब तम्सीली शक्ल से इन्सान के लिए इस्तेमाल किया जाता है, तो इसका तर्जुमा "बुरे लोग को जो लोगों को नुकसान पहुँचाते हैं जैसे जानवर जो भेड़ों पर हमला करता है। "

(यह भी देखें: बुराई, झूठेनबी , भेड़, सिखाना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 20:28-30
- यसा'याह 11:6-7
- यूहन्ना 10:11-13
- लूका 10:3-4
- मत्ती 07:15-17
- सफ़नियाह 03:3-4

## शब्दकोश:

- Strong's: H2061, H3611, G3074

# भड़काना, भड़काना, भड़काना, भड़काना, भड़काना

## सच्चाई:

“भड़काना” किसी में नामंज़ूरी का रद्दे ‘अमल या ख़्याल पैदा करवाना।

- किसी को ग़ुस्सा दिलाने का मतलब है किसी के लिए ग़ुस्से की वजह होना। इसका तर्जुमा हो सकता है, “ग़ुस्सा दिलाना” या “ग़ुस्सा करना”
- “उसे भड़काओ नहीं” इसका तर्जुमा हो सकता है, “ग़ुस्सा मत दिलाओ” या “ग़ुस्से करने का वजह मत बनो” या “ग़ुस्सा मत करो”।

(यह भी देखें: ग़ुस्सा)

## किताब-ए-मुक़द्दसक्र बारे में:

- हिज़क़ीएल 20:27-29

## शब्दकोश:

- Strong's: H3707, H3708, H4784, H4843, H5006, H5496, H7065, H7069, H7107, H7264, H7265, G653, G2042, G3863, G3893, G3947, G3948, G3949, G4292

# मछली पकड़ने वाला, पकड़नेवाले

## ता’अर्रुफ़ :

मछली पकड़ने वाले वह लोग होते हैं जो पानी में से मछली पकड़कर रोज़गार चलाते हैं। नये ‘अहद के ज़माने में मछली पकड़ने वाले बड़े-बड़े जाल डाल कर पकड़ते थे। मछुए को मछुआरे भी कहते हैं।

- ‘ईसा के बुलाने से पहले पतरस और दूसरे रसूल भी मछली पकड़ने वाले थे।
- इस्राईल पानी के सामने था किताब-ए-मुक़द्दस में मछलियों और मछली पकड़ने वाले की बात बहुत बार की गई है।
- इस लफ्ज़ का तर्जुमा, “मछली पकड़नेवाले” या “मछली पकड़कर रोज़ी हासिल करने वाले” जैसी जुमलों के ज़रिए’ किया जा सकता है।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- हिज़क़ीएल 47:9-10
- यसा’याह 19:7-8
- लूक़ा 05:1-3
- मत्ती 04:18-20
- मत्ती 13:47-48

## शब्दकोश:

- Strong's: H1728, H1771, H2271, G231, G1903

# मजमा’, मजलिसों, इकट्ठा करना, इकट्ठा किया

## ता'अर्रुफ़:

“मजमा’” के बारे में लोगों के एक झुण्ड से है जो परेशानी पर मशवरा करने के लिए बुलाया जाता है कि सलाह दें और फ़ैसला लें।

- मजलिस लोगों का एक ऐसा झुण्ड हो सकता है जो इख्तियार और एक तरह से मक़ामी तौर पर मुक़र्रर किया गया है या वह लोगों का एक झुण्ड हो सकता है जो किसी ख़ास मक़सद या मौक़ा' के लिए फौरी तौर पर जमा' होता है।
- पुराने 'अहद नामे में एक ख़ास मजलिस होती थी जिसे “मुक़द्दस मजलिस ” कहते थे, वह इस्राईलियों के ज़रिए' यहोवा की 'इबादत के लिए झुण्ड जमा' होता था।
- कभी-कभी “मजमा'” लफ़्ज़ इस्राईलियों के झुण्ड को भी कहा जाता था।
- दुश्मन की फ़ौजों के बड़े झुण्ड को भी "मजमा’" कहा गया है। इसका तर्जुमा “फ़ौज ” किया जा सकता है।
- नये 'अहद नामे में यरूशलीम जैसे ख़ास शहरों में 70 यहूदी रहनुमाओं की मजलिस क़ानूनी तौर पर फ़ैसला लेने और लोगों में लड़ाई झगड़े सुलझाने के लिए बैठक करते थे। इस मजलिस को इज्तेमा' कहते थे।

## तर्जुमा की सलाह:

- जुमले के मुताबिक़ “मजलिस” का तर्जुमा “ख़ास गिरोह” या “महफ़िल” या “मजलिस ” या “फ़ौज” या “बड़ा झुण्ड” भी किया जा सकता है।

जब “मजलिस” लफ़्ज़ का इस्ते'माल 'आम तरीक़े से इस्राईल के लिए काम में लिया जाता है तो इसका तर्जुमा “क़ौम” या “इस्राईली लोग ” किया जा सकता है।

- “पूरी मजमा'” का तर्जुमा “सब लोग” या “सब इस्राईलियों का पूरी जमा'अत” या “हर एक शख़्स” किया जा सकता है। (देखें:

(यह भी देखें: अदालत-ए-'आलिया)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 08:14-16
- रसूलों के 'आमाल 07:38-40
- 'एज्रा 10:12-13
- 'इब्रानियों 12:22-24
- लैव्यव्यवस्था 04:20-21
- नहमियाह 08:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H622, H627, H1413, H1481, H2199, H3259, H4150, H4186, H4744, H5475, H5712, H5789, H6116, H6633, H6908, H6950, H6951, H6952, H7284, G1577, G1997, G3831, G4863, G4864, G4871, G4905

# मय के हौज़

## ता’अर्रुफ़:

किताब-ए-मुक़द्दस में मय के हौज़ वह जगह थी जहाँ अंगूर का रस निकाला जाता था कि मय तैयार किया जाए।

- इस्राईल मय के ये हौज़ ज़मीन में बनाए गए बड़े और चौड़े गड्ढे होते थे। अंगूर के गुच्छे इन गड्ढों में डालकर पांवों से रौंदे जाते थे कि रस बह निकले।
- आमतौर पर एक मय के हौज़ के दो हिस्से होते है, ऊँची जगह पर अंगूरों को कुचल दिया जाता है, जिससे कि रस निचले हिस्से पर चला जाएगा जहां यह इकठ्ठा किया जा सकता है।

यह लफ़्ज़ तम्सीली शक्ल में किताब-ए-मुक़द्दस में बुरे लोगों पर ख़ुदा के ग़ज़ब के उण्डेले जाने का बयान भी देता हे। (देखें: मिसाल)

(यह भी देखें: अंगूर, गज़ब)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- यसायाह 63:1-2
- मरकुस 12:1-3
- मत्ती 21:33-34
- मुक़ाश्फा 14:19-20

## शब्दकोश:

- Strong's: H1660, H3342, H6333, G3025, G5276

# मय, दाखरस, मशक़, मशक़ो, नई दाखरस

## ता’अरुफ़:

किताब-ए-मुक़द्दस में, "मय" लफ़्ज़ एक तरह का शीरा पीने का जो एक फल के रस से बनता है जिसे अंगूर कहते हैं। मय मशक़ों में रखा जाता था। मशक़ जानवरों की खाल से बनी थैली होती थी।

- “नई मय” या’नी अंगूर का ताजा रस जिसका शीरा नहीं किया गया है। कभी-कभी मय शीरा के बिना मय को भी कहते थे।
- मय निकालने के लिए अंगूरों को हौज़ में कुचला जाता है ताकि उनका रस निकले। रस का शीरा किया जाता था कि उसका मय बने।
- किताब-ए-मुक़द्दस के ज़माने में मय खाने के साथ एक आम तौर से पीने का रस था। उसमें नशे की मिक़दार उतनी नहीं होती थी जितनी आज की मय में होती है।
- खाने के वक़्त पेश की गई शराब में अक्सर पानी मिलाया गया होता था।
- पुरानी मशक़ कड़क होकर चिटक जाती थी जिसकी दरारों में से मय बह जाता था। नई मशक़ें नाज़ुक एवं लचीली होती थी या;नी वे फटती नहीं थी और मय को महफ़ूज़ रखने के लिए सही थी।
- अगर आपके मज़हब में मय नहीं जानी जाती है तो इसका तर्जुमा “शीरा किया हुआ अंगूर का रस” कह सकते हैं या “अंगूर के फलों से शीरा किया हुआ रस” या “शीरा किया हुआ फलों का रस” (देखें:अनजान लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करें )
- “मशक़” का तर्जुमा “शराब की थैली” या “जानवर की खाल शराब का थैला” या “जानवर की खाल शराब का थैला”।

(यह भी देखें: अंगूर, मय, मय की बारी, मय के हौज़ )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तीमुथियुस 05:23-25
- पैदाइश 09:20-21
- पैदाइश 49:11-12
- यूहन्ना 02:3-5
- यूहन्ना 02:9-10
- मत्ती 09:17
- मत्ती 11:18-19

बर्बाद करना

## शब्दकोश:

- Strong's: H2561, H2562, H3196, H4469, H4997, H5435, H6025, H6071, H8492, G1098, G3631, G3820, G3943

# मरदुम शुमारी

## ता’रीफ़:

मरदुम शूमारी (ज़ाहिरी शुमार) किसी मुल्क या बादशाहत में रहने वालों की सही गिनती करना |

- पुराने ‘अहद नामे के तहरीरों में उन वक़्तों का बयान किया गया है जब ख़ुदा ने इस्राईल के आदमियों का शुमार करने का हुक्म दिया था जैसे जब इस्राईलियों ने मिस्र से कूच किया था और दूसरी बार जब वे कना’न में दाख़िल होने पर थे |
- ज़ाहिरी शुमार का मक़सद हमेशा यह होता था कि कर वसूली करने के लिए आदमियों की ता’दाद मा’लूम हो |
- मसलन ,ख़ुरूज की किताब में एक बार आदमियों का शुमार किया गया था कि हर एक आदमी हैकल के रख रखाव के लिए आधी शेकेल दे |
- जब ‘ईसा बच्चा ही था तब रोमी हुकूमत ने मरदुम शुमारी करवाई थी कि अपने पूरी बादशाहत की लोगों की ता’दाद मा’लूम करके ज़रूरी किया जाये |

## तर्जुमे की सलाह:

- इस जुमले का मुमकिन तर्जुमा हो सकता है ,”नाम का शुमार” या “नामों की फ़हरिस्त” या “लिखे हुए ”
- मरदुम शुमारी करवाना ,इस जुमले का तर्जुमा हो सकता है ,”अवाम के नाम दर्ज करना”या “आदमियों का नाम लिखना ” या “आदमियों का नाम लिखकर रखना” |

(यह भी देखें: [क़ौम[, रोम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के आमाल 05:35-37
- ](rc://ur-deva/tn/help/act/05/35)ख़ुरूज 30:11-14](rc://ur-deva/tn/help/exo/30/11)
- ख़ुरूज 38:24-26
- लूका 02:1-3
- गिनती 04:1-4

## शब्दकोश:

- Strong's: H3789, H5674, H5921, H6485, H7218, G582, G583

# मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें

## सच्चाई:

यह लफ़्ज़ जिस्मानी और रूहानी मौत दोनों का हवाला देता है| जिस्मानी तौर पर, इसका हवाला देता है जब किसी शख़्स का जिस्म का जीना ख़त्म जाता है| रूहानी तौर पर, यह गुनाहगारों को उनका गुनाहों की वजह से मुक़द्दस ख़ुदा से अलग हो जाना.

## 1. जिस्मानी मौत

- “मरना” मतलब जीना छोड़ देना| मौत जिस्मानी ज़िन्दगी की आख़िर है|
- किसी शख़्स की रूह उसका जिस्म छोड़ देती है, जब वह मरता है|
- जब आदम और हव्वा ने गुनाह किया, तब जिस्मानी मौत दुनिया में आई|
- इज़हार “सज़ा-ए-मौत” से मतबल है किसी को क़त्ल करना या किसी को मार डालने का हुक्म देना, ख़ास तौर से किसी बादशाह या कोई और हाकिम किसी को मारने का हुक्म देता है|

## 2 रूहानी मौत

- रूहानी मौत ख़ुदा की तरफ़ से एक शख़्स की जुदाई है|
- आदम रूहानी मौत मरा, जब उसने ख़ुदा की नाफ़रमानी की| उसका ख़ुदा के साथ रिश्ता टूट गया| वह शर्मिन्दा हो गया और ख़ुदा से छिपने की कोशिश की|
- आदम की हर नसल एक गुनाहगार है, और रूहानी तौर पर मुर्दा है| जब हम ‘ईसा मसीह पर ईमान रखते हैं तो ख़ुदा हमें रूहानी तौर पर दुबारा ज़िन्दा करता है|

## तर्जुमे की सलाह

- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा करने के लिए, रोज़ाना इस्ते’माल करना बेहतर है, क़ुदरती लफ़्ज़ या इज़हार मक़सदी ज़बान जो मौत की तरफ़ इशारा करती है|
- कुछ ज़बानों में, “मरने” के लिए “ज़िन्दा नहीं” का इस्ते’माल किया जा सकता है| लफ़्ज़ “मरा” को “ज़िन्दा नहीं” या “कोई ज़िन्दगी नहीं है” या “नहीं रहना” के तौर पर तर्जुमा किया जा सकता है|

बहुत सी ज़बानों में मौत की तफ़सील के लिए ‘अलामती इज़हार का इस्ते’माल किया जाता है, मिसाल के तौर पर अंग्रेज़ी में “गुज़र जाना” ताहम, किताब-ए-मुक़द्दस में यह सबसे बेहतर है कि रोज़ाना की ज़बान में मौत के लिए सीधे लफ़्ज़ का इस्ते’माल करें| किताब-ए-मुक़द्दस में जिस्मानी ज़िन्दगी और मौत अमूमन रूहानी ज़िन्दगी और मौत के मुक़ाबिल में होती हैं| तर्जुमे में जिस्मानी मौत और रूहानी मौत दोनों के लिए एक ही लफ़्ज़ या जुमले का इस्ते’माल ज़रूरी है|

- कुछ ज़बानों में “रूहानी मौत” कहना ज़्यादा साफ़ होता है जब मजमूनों में उस मतलब की ज़रूरत हो। कुछ मुतरज्जिम भी महसूस कर सकते हैं कि मज़मून में “जिस्मानी मौत” कहना अच्छा है, जहाँ इसका इस्ते’माल रूहानी मौत के मुक़ाबिल किया जा रहा है|
- इज़हार “मुर्दा” एक नामज़द सिफ़त है जो मरने वाले लोगों के हवाले से है| कुछ ज़बानों में इसका तर्जमा इस तरह होगा “मुर्दा लोग” या “जो लोग मर गए हैं” (देखें: नामज़द सिफ़त
- अलफ़ाज़ “सज़ा-ए-मौत” को “मारना” या “क़त्ल करना” के तौर पर भी किया जा सकता है|

(यह भी देखें: यक़ीन, ईमान, ज़िन्दगी, रूह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 15:20-21
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
- रसूलों के ‘आमाल 10:42-43
- रसूलों के ‘आमाल 14:19-20
- कुलुस्सियों 02:13-15
- कुलुस्सियों 02:20-23
- पैदाइश 02:15-17

- पैदाइश 34:27-29
- मत्ती 16:27-28
- रोमियो 05:10-11
- रोमियो 05:12-13
- रोमियो 06:10-11

## किताब-ए-मुक़द्दस कीं कहानियों से मिसालें:

- **01:11** ख़ुदा ने आदम से कहा कि वह भले और बुरे के ‘इल्म के पेड़ के फल को छोड़कर बाग़ के किसी भी पेड़ से खा सकता है। अगर वह इस पेड़ के फल को खाएगा, तो वह **मर जाएगा**|
- **02:11**तब तुम **मर जाओगे** और जिस्म वापस मिट्टी में मिल जाएगा|
- **07:10** इस्हाक़ की **मौत** हो गयी और उसके बेटे ‘ऐसौ और या’क़ूब ने उसको मिट्टी दी।
- **37:05** ‘ईसा ने जवाब दिया, "मैं क़यामत और ज़िन्दगी हूँ।" जो कोई मुझ पर ईमान करता है वह अगर **मर भी जाए** तोभी जीता रहेगा। और हर कोई जो मुझ पर ईमान करता है वह कभी न मरेंगा।”
- **40:08** अपनी _ मौत_ के जरिए’ ‘ईसा ने लोगों के लिये ख़ुदा के पास आने का रास्ता खोल दिया।
- **43:07** "अगरचे ‘ईसा **मरा**, लेकिन ख़ुदा ने उसे मुर्दों में से जी उठाया|
- **48:02** क्यूँकि वह गुनाहगार थे, इसलिए ज़मीन पर हर एक बीमार हुआ और**मरा**|
- **50:17** वह (‘ईसा) हर आँसू को पोछेगा और यहाँ तक कि और कोई परेशानी, दुःख, रोना, बुराई, दर्द, या **मौत**नहीं होगी|

## शब्दकोश:

- Strong's: H6, H1478, H1826, H1934, H2491, H4191, H4192, H4193, H4194, H4463, H5038, H5315, H6297, H6757, H7496, H7523, H8045, H8546, H8552, G336, G337, G520, G581, G599, G615, G622, G684, G1634, G1935, G2079, G2253, G2286, G2287, G2288, G2289, G2348, G2837, G2966, G3498, G3499, G3500, G4430, G4880, G4881, G5053, G5054

# मरी, बलाएँ

## ता’अर्रुफ़:

बलाएँ ऐसे हादसे होते है जिनकी वजह से बड़ी ता’दाद में आदमियों पर दुःख आते हैं या आदमी मरने लगते हैं। बलाओं में महामारी का मर्ज़ भी होता है जिसकी वजह से इलाज से पहले ही बड़ी ता’दाद में लोग मर जाते हैं।

- बहुत सी बलाओं की क़ुदरती वजह होती है लेकिन कुछ ख़ुदा के ज़रिये’ आदमियों के गुनाह की शक्ल में भेजी जाती हैं।
- मूसा के वक़्त ख़ुदा ने मिस्र पर दस बलाएँ भेजी थी कि इस्राईल के मिस्र से जाने के लिए फ़िर’औन को मजबूर करे। उन बलाओं में पानी ख़ून में बदल गया था, जिस्मानी बीमारी थीं , टिड्डियों और ओला बरसने के ज़रिये’ फसल का बर्बाद होना, तीन दिन पूरा अँधेरा होना और पहिलौठों की मौत
- इसका तर्जुमा हो सकता है, “फ़ैली हुई बर्बादी ” या “फैली हुई बीमारी ” मज़मून के मुताबिक़ करे।

(यह भी देखें: सलाम, इस्राईल. मूसा, फ़िर’औन)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 समूएल 24:13-14
- ख़ुरूज 09:13-14
- पैदाइश 12:17-20
- लूका 21:10-11
- मुकाशिफ़ा 09:18-19

## शब्दकोश:

- Strong's: H1698, H4046, H4194, H4347, H5061, H5062, H5063, G3061, G3148, G4127

# मलिका, रानियाँ

## ता’अर्रुफ़:

मलिका या’नी बादशाह की बीवी या किसी मुल्क की हाकिम

- बादशाह अख़्सूयरस से शादी करके आस्तर फारस सल्तनत की मलिका बन गई थी।
- मलिका ईज़ेबेल बदकार राजा अहाब की बीवी थी।
- शीबा की मलिका एक मशहूर हाकिम थी जो सुलैमान से मुलाक़ात करने आई थीं
- “मलिकाआल्या ” बादशाहत करने वाले बादशाह की माँ या दादी को कहते है या बादशाहत की बीवी को कहते हैं। “मलका आलिया ” का बहुत असर होता है जैसा अतल्याह में देखा गया है जिसने बुतों की इबादत को बढ़ावा दिया था।

(यह भी देखें: अख़्सूयरस, अतल्याह, आस्तर, बादशाह . फ़ारस, हाकिम, शीबा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 10:10
- 1 सलातीन 11:18-19
- 2 सलातीन 10:12-14
- रसूलों के 'आमाल 08:26-28
- आस्तर 01:16-18
- लूका 11:31
- मत्ती 12:42

## शब्दकोश:

- Strong's: H1404, H1377, H4410, H4427, H4433, H4436, H4438, H4446, H7694, H8282, G938

# मशहूर, मशहूर हुआ

## ता’अर्रुफ़:

“मशहूर” लफ़्ज़ का मतलब अच्छी तरह से पता होने के साथ जुड़ी बड़ाई को ज़ाहिर है और ता’रीफ़ की इज़्ज़त हासिल करना है। कुछ या कोई "मशहूर हुआ" है अगर वह मशहूर है

- मशहूर हुआ इन्सान वह है जो मशहूर और बहुत मो’अज़्ज़िज़ इन्सान है|
- “मशहूर” लफ़्ज़ ख़ास करके लम्बे ‘अरसे की इज़्ज़त का हवाला देता है|
- एक शहर जिसे "मशहूर" कहा जाता है वह अक्सर उसकी दौलत और ख़ुशहाली के लिए जाना जाता है।

## तर्जुमे की सलाह:

- “मशहूर” का तर्जुमा “शोहरत” या “मो’अज़्ज़िज़ इज़्ज़त” या “इन्सानों में ‘आम बड़ाई” भी हो सकता है।
- “मशहूर” लफ़्ज़ का तर्जुमा “मशहूर और मो’अज़्ज़िज़ ” या “बेहतरीन शोहरत” भी हो सकता है।
- इज़हार “यहोवा का नाम इस्राईल में मशहूर हो” इस जुमले का तर्जुमा “यहोवा का नाम इस्राईल के ज़रिए’ जाना जाए और अहतराम के लायक़ ठहरे” हो सकता है।
- मज़मून "मशहूर के लोग" का तर्जुमा "इन्सान जो आपनी हिम्मत के लिए जाने जाते है" या "मशहूर जंगी मर्द" या "बहुत ज़्यादा मो’अज़्ज़िज़ इन्सान" की शक्ल में किया जा सकता है।
- इज़हार “तेरी मशहूरियत नसल दर नसल तक बनी रहेगी” का तर्जुमा “साल ब साल तक हर एक नसल तेरी अज़मत को जानेगी” या “तेरी बड़ाई हर एक नसल में देखी और सुनी जायेगी”।

(यह भी देखें: इज़्ज़त)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 06:4
- ज़बूर135:12-14

## शब्दकोश:

- Strong's: H1984, H7121, H8034

# मसला

## ता’अर्रुफ़:

“मसला” का ज़बानी मतलब है ता’लीम देना। यह अमूमन रास्तबाज़ी की ता’लीमों के बारे में है।

- मसीही ता’लीम के बारे में “मसला” के मज़मून में, बाप, बेटा, और पाक रूह, उसके किरदार की सिफ़तों और सब कामों में शामिल हैं।
- इसका मतलब यह भी है कि ख़ुदा के ज़रिए’ ईमानदारों को पाक ज़िन्दगी जीने की ता’लीम देना कि ख़ुदा का जलाल हो।
- लफ़्ज़ " मसला" कभी-कभी झूठी या दुनियावी रास्तबाज़ी की ता’लीमों का ज़िक्र करने के लिए भी इस्ते’माल किया जाता है जो इन्सानों से हैं। मज़मून से इसका मतलब ज़ाहिर होता है।
- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा "ता’लीम" हो सकता है।

(यह भी देखें: ता’लीम देना

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तीमुथियुस 01:3-4
- 2 तीमुथियुस 03:16-17
- मरकुस 07:6-7
- मत्ती 15:7-9

## शब्दकोश:

- Strong's: H3948, H4148, H8052, G1319, G1322, G2085

# महल, महलों

## ता'अर्रुफ़:

"महल" उस इमारत या घर के बारे में बयान करता है जहां एक बादशाह रहता था, और उसका घराना और उसके ख़ादिम के रहने की जगह होता था।

- सरदार काहिन् भी महल में रहता था जैसा नए 'अहद नाम में से ज़ेल है।
- महल सजे हुए होते थे, उनकी नक्काशी और साज-सजावट ख़ूबसूरत होती थी।
- महल पत्थर या लकड़ी के बने होते थे और उन पर क़ीमती लकड़ी, सोना या हाथी के दांत का काम होता था।
- महलों में और भी लोग रहते थे और काम करते थे, जो आमतौर पर महलों में कई और ईमारतें तथा मैदान थे।

(यह भी देखें: आँगन, सरदार काहिन, बादशाह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तवारीख़ 28:7-8
- 2 समू'एल 11:2-3
- दानीएल 05:5-6
- मत्ती 26:3-5
- ज़ुबूर 045:8-9

## शब्दकोश:

- Strong's: H643, H759, H1001, H1002, H1004, H1055, H1406, H1964, H1965, H2038, H2918, G833, G933, G4232

# महीना, महीनों, महीने के

## ता'रुफ़:

“महीना” लफ्ज़ चार हफ़्तों के वक़्त के बारे में है। हर महीने के दिनों में फ़र्क तब आ जाता है जब चांद या सूरज को कैलेण्डर से काम में लिया जाता है।

- चांद के कैलेण्डर में महीने का वक़्त चांद की तरफ़ से ज़मीन की चक्कर के दिनों की बुनियाद पर होता है या 29 दिन। इस निज़ाम में साल 12 या 13 महीनों का होता है। 12 या 13 महीनों का साल होने के बा'द भी पहले माहीने का नाम वही होता है अगरचे मौसम अलग होगा।
- “नया चांद” या चांद का इब्तिदाई मरहले -चांदी कैसी रोशनी, चांद के हर महीने की सुरु'आत है।
- कलाम में जिन महीनों का तज़ किरह किया गया है वह चन्द सालों के महीने हैं क्योंकि इस्राईल इसी कैलेण्डर को मानता था। आज के यहूदी मज़हबी मक़ासिद में इसी कैलेण्डर को इस्ते'माल करते हैं।
- आज का मौजूदा कैलेण्डर शमसी कैलेण्डर पर मबनी करता है कि ज़मीन सूरज के चारो तरफ़ चक्कर करने में कितने दिन लगाती है (तक़रीबन 365 दिन) इस कैलेण्डर में साल बारह महीनों में तक़सीम होता है, हर साल 28 से 31 दिन तक का होता है।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में :

- 1 शमूएल 20:32-34
- रसूलों का 'आमाल. 18:9-11
- इब्रानियों 11:23-26
- गिनती 10:10

## शब्दकोश:

- Strong's: H2320, H3391, H3393, G3376

# मातम करना, मातम कर रहा है, शोक करने लगे, मातम करता हुआ, मातम करनेवाला, मातम करनेवालों, उदासी, ग़म

## सच्चाई:

“मातम” और मातम करना” का मतलब है ग़म करना, हमेशा किसी की मौत पर।

कई रवाजों में मातम के लिए ख़ास बाहरी सुलूक होता है जिससे दुःख और ग़म ज़ाहिर होता है। पुराने वक़्त में इस्राईल और दूसरी क़ौमें ऊँची आवाज़ा में रोकर मातम ज़ाहिर करके दुःख बयान करते थे। वह टाट के बने लिबास पहन कर और सिर में राख डालते थे।

- किराए के ग़म मनाने वाले भी होते थे, हमेशा ‘औरतें, वह मौत के वक़्त से लेकर दफ़न तक रोती और मातम करती थी।
- ग़म का वक़्त सात दिन होता था लेकिन तीस दिन तक भी होता था (जैसे मूसा और हारून के लिए था) या सत्तर दिन (जैसा या'क़ूब के लिए किया गया था)
- कलाम इस लफ़्ज़ का 'अलामती इस्ते'माल भी करता है गुनाह के लिए “मातम करना”। इसका बयान गहरे दुःख के एहसास से है क्यूँकि गुनाह ख़ुदा के लोगों को तकलीफ़ पहुँचाता है।

(यह भी देखें: टाट, गुनाह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 15:34-35
- 2 शमूएल 01:11-13
- पैदाइश 23:1-2
- लूक़ा 07:31-32
- मत्ती 11:16-17

## शब्दकोश:

- Strong's: H56, H57, H60, H205, H578, H584, H585, H1058, H1065, H1068, H1669, H1671, H1897, H1899, H1993, H4553, H4798, H5092, H5098, H5110, H5594, H6937, H6941, H6969, H7300, H8386, G2354, G2875, G3602, G3996, G3997

# मानना, मान लेता है, मानकर, मान लेता, मान लिया

## ता’अर्रुफ़:

पहचानना” (मानना) यहाँ तक कि किसी आदमी को या चीज़ को मुनासिबन मान लेना।

- ख़ुदावन्द का मानना (पहचानना) में ऐसा लगता है जिससे ज़ाहिर हो कि वह जो कहता है वह सच है.
- ख़ुदावन्द को माननेवाले उसके हुक्मों को मानने के ज़रिए ज़ाहिर करते हैं, जिससे उसके नाम की बड़ाई होती है.
- किसी बात को मानने का मतलब है कि उसकी सच्चाई को क़ुबूल करना, कामों आयर लफ़्ज़ों के ज़रिए' उसको साबित करना।

## तर्जुमा की सलाह :

- किसी बात को मानने का मतलब है कि उसकी सच्चाई को क़ुबूल करना, कामों और लफ़्ज़ों के ज़रिए' उसको मज़बूत करना ”।
- किसी आदमी को मानने (पहचान लो) के बारे में इस लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, “क़ुबूल करना” या “के हक़ीक़त को पहचानना” या “औरों से कहना कि वह वफ़ादार रहै।”।”
- इस बारे में ख़ुदावन्द को मानने का तर्जुमा ख़ुदावन्द पर यक़ीन और उसके हुक्मों पर अमल करना" या "ऐलान करे कि ख़ुदावन्द कौन है" या "और लोगों को बताएं कि ख़ुदावन्द कितना महान है" या "क़ुबूल करे कि ख़ुदावन्द जो कहता है और करता है सच है।"

(यह भी देखें: \ हुक्म मानना, बड़ाई, नजात)

## किताब -ए-मुक़द्दस के बारे में :

- दानिएल 11:38-39
- यरमियाह 09:4-6
- अय्यूब 34:26-28
- अह्बार 22:31-33
- ज़बूर 029:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H3045, H3046, H5046, H5234, H6942, G1492, G1921, G3670

# मिटा दे, मिटा देता, मिटाया जाता, मिटा डाले, मिटा, मिट गए

## ता'अर्रुफ़:

अलफ़ाज़ “मिटा दे” और “इज़हार हैं इसका मतलब मिटा डाले” या किसी चीज़ को या किसी आदमी को पूरी तरह से हलाक कर देना या हटा देना।

- इन लफ़्ज़ों का इस्ते'माल 'अलामती शक्ल में भी किया जाता है जैसे ख़ुदावन्द गुनाहों को मिटा डालता है, उन्हें मा'फ़ करके कभी याद नहीं करता है।
- इसका मनफ़ी इस्ते'माल ज़्यादा तर क़ौमो को मिटा देने, गुनाह कि वजह से उन्हें तबाह कर देने के लिए भी किया जाता है।
- किताब-ए-मुक़द्दस में आदमी का नाम ख़ुदा की ज़िन्दगी की किताब में से “मिटाया जाता” या “मिटा डाले” की बहस की गई है, या उस आदमी को हमेशा की ज़िन्दगी हासिल नहीं होगी।

## तर्जुमा की सलाह :

- जुमले के मुताबिक़ इनका तर्जुमा “पीछा छुड़ाना” या “हटाना” या “बिलकुल तबाह कर देना” या “पूरी तरह से ख़त्म कर देना” हो सकता है।
- ज़िन्दगी की किताब से किसी का नाम मिटा देने के बारे में इसका तर्जुमा “हटा देना” या “मिटाना” हो सकता है।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इस्तिसना 29:20-21
- ख़ुरूज 32:30-32
- पैदाईश 07:23-24
- ज़बूर 051:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H3971, H4229, G631, G1591, G1813

# मिट्टी देना, दबा देता है, गाड़े गए, मिट्टी दे, मिट्टी देना

## ता’अर्रुफ़:

“मिट्टी देना” लफ़्ज़ अक्सर मुर्दे को को क़ब्र में या और किसी क़ब्रिस्तान में रखना है। लफ़्ज़ “क़ब्रिस्तान” किसी चीज़ को दफ़नाने के काम को कहते हैं का मतलब किसी को गाड़ना या गाड़ने की जगह।

- अक्सर लोग मुर्दे को दफ़नाने के लिए मुर्दे को ज़मीन में एक गहरे सुराख़ में रखते हैं और उसे मिट्टी से ढक देते हैं|
- कभी-कभी मुर्दे को एक सन्दूक में रखा जाता है जैसे ताबूत, फिर गाड़ा जाता है।
- किताब-ए-मुक़द्दस के ज़माने में,मुर्दा इन्सान को एक गुफ़ा में या उसके जैसी किसी जगह में रखते थे| ‘ईसा के मौत के बा’द ‘ईसा की लाश कपड़ों में लपेटकर एक गुफा की शक्ल की कब्र में रखा गया था जिसके मुंह पर बड़ा पत्थर लुढ़का दिया गया था।
- “कब्रिस्तान”, “कब्र” या “दफन का कमरा” या “दफन की गुफा” वग़ैरह सब लफ्ज़ मुर्दे को दफनाने के की जगह के बारे में हैं।
- और चीज़ों को भी गाड़ा जाता था जैसे अकान ने यरीहू से चुराया हुआ सोना और और चीज़ों का गाड़ा था।
- जुमले “मुंह ढांपना”“ का अमूमन मतलब “हाथों से मुंह को छिपाना” होता है
- कभी-कभी “छिपाना” लफ़्ज़ का मतलब “गाड़ना” भी होता है जैसे अकान ने यरीहू से चुराई हुई चीज़ों को ज़मीन में गाड़ दिया था। इसका मतलब उसने उन्हें ज़मीनी कर दिया था।

(यह भी देखें: यरीहू, क़ब्र)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 सलातीन 09:9-10
- पैदाइश 35:4-5
- यरमियाह 25:32-33
- लूक़ा 16:22-23
- मत्ती 27:6-8
- ज़ूबूर 079:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H6900, H6912, H6913, G1779, G1780, G2290, G4916, G5027

# मिन्नत, गुज़ारिश की, मिन्नत करना, भिखारी

## ता'अर्रुफ़:

"गुज़ारिश" या किसी से किसी चीज़ के लिए बहुत ज़्यादा दरख्वास्त करना। अक्सर इसका हवाला पैसा मांगने से है, लेकिन इसका मतलब किसी बात की दरख्वास्त करने से भी है।

- अक्सर लोग गुज़ारिश या मिन्नत करते हैं जब उन्हें शख़्त ज़रूरत होती है, लेकिन वह नहीं जानता की दूसरा शख़्स उसे देगा भीं या नहीं जिसके लिए वह गुज़ारिश कर रहा है|
- "भिखारी" वह आदमी है जो 'आम जगहों में बैठकर या खड़ा होकर इंसानों से पैसा मांगता है।
- मज़मून पर मुनहस्सिर इस लफ्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, "गुज़ारिश करना" या "बहुत ज़्यादा दरख्वास्त करना" या "पैसा मांगना" या "हमेशा पैसा मांगना"

(यह भी देखें: दरख्वास्त )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- लूक़ा 16:19-21
- मरकुस 06:56
- मत्ती 14:34-36
- ज़बूर 045:12-13

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **10:04** ख़ुदावन्द ने सारे मिस्र मुल्क में मेंढकों को भेज दिया। फ़िर 'औन ने मेंढकों को दूर ले जाने के लिये मूसा से _ गुज़ारिश_ की
- **29:08** तब बादशाह ने उसे बुलाकर उस से कहा, 'ऐ बुरे ग़ुलाम, तू ने जो मुझ से गुज़ारिश की, तो मैं ने तेरा वह पूरा क़र्ज़ मा'फ़ कर दिया।'
- **32:07** बुरी रूह ने 'ईसा से बहुत **गुज़ारिश की**, "हमें इस मुल्क से बाहर न भेज।" वहाँ पहाड़ पर सूअरों का एक बड़ा झुण्ड चर रहा था। बुरी रूह ने उससे _ गुज़ारिश _ करके कहा " बराए करम हमें उन सूअरों में भेज दे कि हम उनके अंदर जाएं !"
- **32:10** तो वह आदमी जिसमें पहले बुरी रूह थी, "ईसा के साथ जाने की **गुज़ारिश** करने लगा ।"
- **35:11** उसका बाप बाहर आया और उसे सबके साथ ख़ुशी मनाने के लिये उससे **गुज़ारिश** करने लगा लेकिन उसने मना' कर दिया।"
- **44:01** एक दिन पतरस और यूहन्ना दु'आ करने के लिये हैकल में जा रहे थे। तब उन्होंने एक लंगड़े भिखारी को देखा जो पैसों के लिए भीख माँग रहा था|

## शब्दकोश:

- Strong's: H34, H7592, G154, G1871, G4319, G4434, G6075

# मीनार , पहरे की मिनारों, गुम्मद

## ता’अर्रुफ़:

“गुम्मद” एक ऊँची बनावट जहाँ से निगहबान किसी आने वाली मुसीबत पर नजर रख सकते थे। ये गुम्मद पत्थरों के बने होते थे।

- जमींदार भी कभी-कभी गुम्मद बनाते थे कि वहाँ से अपनी फ़सल की चौकीदारी करें और चोरी होने से उसे बचाएं।
- गुम्मटों में कमरे भी होते थे कि चौकीदार या उसका घराना वहाँ रहे जिससे कि दिन रात फ़सल की चौकसी की जा सके।
- शहर के गुम्मद शहरपनाह से ऊँचे बनाए जाते थे कि पहरूए किसी दुश्मन की फ़ौज को आते हुए देख पाएं।
- गुम्मद दुश्मन से हिफ़ाज़त का निशान था। (देखें: इस्ता’रह )

(यह भी देखें: दुश्मन , पहरा देना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 27:25-27
- हिज़क़ीएल 26:3-4
- मरकुस 12:1-3
- मत्ती 21:33-34
- ज़ुबूर 062:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H803, H969, H971, H975, H1785, H2918, H4024, H4026, H4029, H4692, H4707, H4869, H6076, H6438, H6836, H6844, G4444

# मुँह, मुँह, के सामने, के सामने, चेहरे, मुँह के बल गिरे

## ता’अर्रुफ़:

लफ़्ज़ “मुँह ” का लफ़्ज़ी मतलब इन्सान के सिर का सामने का हिस्सा। इस लफ़्ज़ के कई ‘अलामती मतलब होते हैं।

- इज़हार “तेरा मुँह” को कहने का लफ़्ज़ी तरीक़ा “तू” * इसी तरह इज़हार “मेरा मुँह” का अक्सर मतलब “मैं” या “मुझे” होता है।
- “सामना करना” का जिस्मानी तौर पर किसी का या किसी चीज़ का या’नी किसी को देखना या किसी चीज़ को देखना|
- “आमने-सामने देखना” मतलब है “सीधा एक दूसरे को देखना”
- “आमने-सामने” मतलब दो इन्सान क़रीब में एक दूसरे के सामने हैं।
- “’ईसा ने यरूशलीम जाने का फ़ैसला किया” मतलब उसने जाने का मज़बूत फ़ैसला किया था।
- “मुँह फेर लेना” का मतलब किसी जगह या इन्सान की मदद ना देने या उसको छोड़ने का फ़ैसला कर लेना।
- इज़हार “ज़मीन का चेहरा” मतलब ज़मीन के बारे है, उमूमन तमाम ज़मीन के बारे में है। मिसाल के तौर पर “अकाल ज़मीन का मुँह है” बहुत बड़ा अकाल जिससे ज़मीन पर बहुत से जानदार मुतास्सिर हुए।
- यह ‘अलामती इज़हार, “अपने लोगों से अपना मुँह न छिपा” या’नी “अपने लोगों को छोड़ न दे” या “अपने लोगों को अकेला न छोड़ दे” या “अपने लोगों की ख़बर लेने से इन्कार न कर।”

## तर्जुमे की सलाह:

- अगर मुमकिन हो, इसी जुमले को रखा जाए या मक़सदी ज़बान में इस अलफ़ाज़ में एक मतलब का जुमला इस्ते’माल किया जाए।
- लफ़्ज़ "सामना करने के लिए" का तर्जुमा किया जा सकता है "की ओर मुड़ना" या "सीधे देखने के लिए" या "चेहरे को देखने के लिए।"
- इज़हार "आमने-सामने" का तर्जुमा "बहुत करीब से" या "ठीक सामने में" या "की हाज़िरी में" की शक्ल में किया जा सकता है।
- मज़मून पर मुनहस्सिर, "उसके चेहरे के सामने" का तर्जुमा "उसके आगे" या "उसके सामने" या "उसके पहले" या "उसकी हाज़िरी में" के तौर पर किया जा सकता है।
- इज़हार "उसके चेहरे की तरफ मुड़ें" अलफ़ाज़ का तर्जुमा “की ओर बढ़ने” या “मज़बूती से करने के लिए अपना दिल बनाया।”
- इज़हार “से उसके चेहरा छिपाना” का तर्जुमा “से मुड़ जाना” या “मदद करना या हिफ़ाज़त करना रोकें” या “खारिज़” के तौर में किया जा सकता है।
- 'मुँह फेरना' किसी शहर या लोगों के ख़िलाफ़ की शक्ल में तर्जुमा किया जा सकता है, "गुस्सा और मुज़म्मत के साथ देखो" या "क़ुबूल करने से मना’ करना " या "ख़ारिज करने का फ़ैसला लेना" या " मुज़म्मत करना और ख़ारिज करना" या "फ़ैसला देना"।
- इज़हार “उनके मुँह पे बोले” का तर्जुमा “उनको सीधे बोलना” या “उनकी हाज़िरी में उन्हें यह कहो” या “उन्हें इन्सान में कहें” की शक्ल में किया जा सकता है।
- इज़हार “ज़मीन का मुँह” का तर्जुमा “तमाम ज़मीन” या “पूरी ज़मीन पर” या “पूरी ज़मीन पर रह रहे है” की शक्ल में किया जा सकता है।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इस्तिस्ना 05:4-6
- पैदाइश 33:9-11

## शब्दकोश:

- Strong's: H600, H639, H5869, H6440, H8389, G3799, G4383, G4750

# मुंसिफ़, मुंसिफ़ो

## ता’अर्रुफ़:

हाकिम एक मुक़र्रर ज़िम्मेदार होता है जो मुंसिफ़ के तौर पर काम करता है और क़ानून के बारे में फ़ैसला देता है।

- कलाम के वक़्त में हाकिम आपसी ना इतिफ़ाक़ी का फ़ैसला करता था।
- जुमलों पर मुन्हसिर इस लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, “हुक्मरा मुंसिफ़” या “क़ानूनी अफ़सर” या “शहर का रहनुमा ”।

(यह भी देखें: मुंसिफ़, क़ानून)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलो के 'आमाल 16:19-21
- रसूलो के 'आमाल 16:35-36
- दानिएल 03:1-2
- लूक़ा 12:57-59

## शब्दकोश:

- Strong's: H6114, H8200, H8614, G758, G3980, G4755

# मुंसिफ़, फ़ैसला

## ता’अर्रुफ़:

मुंसिफ़ वह शख्स है जो सही और ग़लत का फ़ैसला लेता है, ख़ास करके क़ानून मु'आमिलात के बारे में जब लोगों में तनाज़ा' हो।

- कलाम में ख़ुदा को ज़्यादातर एक मुंसिफ़ कहा गया है क्यूँकि वही सिर्फ़ एक बेहतरीन मुंसिफ़ है जो सही या ग़लत का आख़िरी फ़ैसला देता है।
- इस्राईल जब कन'आन में दाख़िल हो गए और उनके बादशाहों से पहले ख़ुदा उनके लिए रहनुमा मुक़र्रर करता था कि परेशानी के वक़्त उनकी रहनुमाई करे इन रहनुमाओं को मुंसिफ़ कहा गया है। ये मुंसिफ़ ज़्यादातर फ़ौजी रहनुमा थे जिन्होंने दुश्मन को शिकस्त करके इस्राईलियों की नजात की थी ।
- “मुंसिफ़” को “फ़ैसला लेने वाला” या “रहनुमा” या “मुन्जी ” या “हाकिम” कह सकते हैं लेकिन जुमलों के मुताबिक़ ।

(यह भी देखें: हाकिम, इन्साफ़, [क़ानून )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- रसूलों के 'आमाल 07:26-28
- लूक़ा 11:18-20
- लूक़ा 12:13-15
- लूक़ा 18:1-2
- मत्ती 05:25-26
- रूत 01:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H148, H430, H1777, H1778, H1779, H1780, H1781, H1782, H2940, H4055, H6414, H6415, H6416, H6417, H6419, H8196, H8199, H8201, G350, G1252, G1348, G2919, G2922, G2923

# मुखालिफ़ ,बाग़ियों ,अदावती,दुश्मनों

## ता'अर्रुफ़:

"मुख़ालिफ़," एक आदमी, या झुण्ड जो किसी के या किसी चीज़ के ख़िलाफ़ हो अदावती, लफ़्ज़ का भी यही मतलब है

- अदावती, वह आदमी है आपकी ख़िलाफ़त करता है या आपको तकलीफ़ पहुँचाता है
- जब दो मुल्कों की लड़ाई होती है, तो हर एक को दूसरे का दुश्मन कहा जा सकता है
- कलाम में शैतान को, मुख़ालिफ़ या अदावती कहा गया है
- अदावती का तर्जुमा मुखालिफ़ या दुश्मन किया जा सकता है लेकिन यह लफ़्ज़ मुखालिफ़ को ज़्यादा मज़बूती बयान करता

(यह भी देखें: \ शैतान)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तीमुथियुस 05:14-16
- यसा'याह 09:11-12
- अय्यूब 06:21-23
- नौहा 04:12-13
- लूका 12:57-59
- मत्ती 13:24-26

## शब्दकोश:

- Strong's: H341, H6146, H6887, H6862, H6965, H7790, H7854, H8130, H8324, G476, G480, G2189, G2190, G4567, G5227

# मुसीबत ज़दा परेशानी देना, मज़लूम, मारेगा, मुसीबत,परेशानी

## ता'अरुफ़:

परेशानी देना ,यहाँ तक कि किसी को मुसीबत या दुःख देना * "मुसीबत" ,जज़बाती लड़ाई या उससे पैदा और कई आफ़तें हैं

- ख़ुदावन्द अपने बन्दे को बीमारी और सख्त हालात में मुसीबत देता था कि वे अपने गुनाहों से फिर कर उसके पास लौट आएं।
- ख़ुदावन्द ने मिस्र पर मुसीबत या परेशानी डाली थी क्यूँकि उनके बादशाह ने ख़ुदावन्द का हुक्म नहीं माना था ।
- किसी बात से “दबना” बीमारी, परेशानी या जज़्बाती तकरार की वजह से परेशानी उठाना।

## तर्जुमें की सलाह:

- किसी को मुसीबत देने का तर्जुमा , किसी को परेशानी का अहसास दिलाना , या किसी को परेशानी देना , या किसी की मुसीबत की वजह होना
- कुछ शर्तो में ,मुसीबत का तर्जुमा हो सकता है , होना , या , पहुँचाना , या मुसीबत लाना
- “कोढ़ी ” का तर्जुमा“कोढ़ का मरीज़ होना” हो सकता है।
- इन्सानों या जानवरों को परेशानी देने के लिए जब क़हर भेजी जाटी है तो इसका तर्जुमा हो सकता है परेशानी देना
- शर्तो के मुताबिक़ ,परेशानी का तर्जुमा हो सकता है मुसीबत , या मर्ज़, या ग़म , बड़ी मुसीबत
- मुसीबत पाते हैं , इस जुमले का तर्जुमाहो सकता है , से घिरा , या बीमार

(यह भी देखें: कोढ़, बीमारी, मुसीबत)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 थिस्सलुनीकियों 01:6-8
- आमोस 05:12-13
- कुलुस्सियों 01:24-27
- ज़बूर 22:22-24
- पैदाइश 12:17-20
- पैदाइश 15:12-13
- पैदाइश 29:31-32

## शब्दकोश:

- Strong's: H205, H1790, H3013, H3905, H3906, H4157, H4523, H6031, H6039, H6040, H6041, H6862, H6869, H6887, H7451, H7489, H7667, G2346, G2347, G2552, G2553, G2561, G3804, G4777, G4778, G5003

# मुहर, मुहर, मुहर लगाना, खुली

## ता'अर्रुफ़:

मुहर लगाने का मतलब है कि मुहरबन्द चीज़ मुहर तोड़े बिना खोली नहीं जा सकती है।

- मुहर में हमेशा कोई निशान होता था जिससे ज़ाहिर होता था कि वह किस की है।
- ख़तों और दीगर दस्तावेज़ों पर मुहर लगाने के लिए मोम को पिघलाकर काम में लिया जाता था। मोम जब ठंडा होकर सख्त हो जाता था तब मुहर को तोड़े बिना ख़त खोला नहीं जा सकता था।
- ‘ईसा की क़ब्र के सामने रखे पत्थर पर मुहर लगाई गई थी कि कोई उस पत्थर को हटाए नहीं।
- पौलुस पाक रूह को 'अलामती शक्ल में मुहर कहता है जिससे हमारी नजात तय होती है

(यह भी देखें: पाक रूह, क़ब्र)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- ख़ुरूज 02:3-4
- यशायाह 29:11-12
- यूहन्ना 06:26-27
- मत्ती 27:65-66
- मुक़ाश्फ़ा 05:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H2368, H2560, H2856, H2857, H2858, H5640, G2696, G4972, G4973

## मुहासिरा , मुहासिरा लकरना, मुहासिरा किया, मुहासिरा करनेवाला, घेर लेना, मुहासिरा

### ता’अर्रुफ़:

“मुहासिरा ” दुश्मन की फ़ौज के जरिए' शहर को घेर कर खाना-पानी का आना रोक दिया था । किसी शहर को "मुहासिरा " करने या इसे "घेराबंदी के नीचे" रखने के लिए इसका मतलब है घेराबंदी के जरिए' से हमला करना।

- जब बाबुल ने इस्राईल पर हमला किया, तो उन्होंने शहर के अंदर लोगों को कमज़ोर करने के लिए यरूशललीम के ख़िलाफ़ घेराबंदी के मन्सूबे का इस्ते'माल किया।
- मुहासिरा के वक़्त धूल मिट्टी के ढेले बनाए जाते थे कि दुश्मन की फ़ौज शहरपनाह को पार करके शहर पर हमला कर पाए।
- एक शहर को "मुहासिरा " करने के लिए इसे "घेराबंदी" की शक्ल में बयान किया जा सकता है या उस को "घेराबंदी" करने के लिए कहा जा सकता है।
- “घेराव कर दिया” का मतलब “घेराव” ही है। इन दोनों जुमलों के ज़रिए' किसी शहर के ज़रिए' मुहासिरा को दिखता है।

### किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 20:1
- 1 सलातीन 20:1-3
- 1 शमूएल 11:1-2
- यरमियाह 33:4-5

### शब्दकोश:

- Strong's: H4692, H4693, H5341, H5437, H5564, H6693, H6696, H6887

# मुक़द्दस शहर, मुक़द्दस शहरों

## ता’अर्रुफ़

किताब-ए-मुक़द्दस में, लफ़्ज़ “मुक़द्दस शहर” का मतलब यरुशलीम के बारे में है|

- इस लफ़्ज़ का इस्ते’माल यरुशलीम के पुराने शहर साथ-साथ नए आसमानी यरुशलीम के बारे में किया जाता है जहाँ खुदा अपने लोगों के बीच रहेगा और हुकूमत करेगा|
- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा “मुक़द्दस” और “शहर” के अलफ़ाज़ से मिलाकर किया जा सकता है, जिसका तर्जुमा बाक़ी तर्जुमे में किया जा सकता है|

(यह भी देखें: आसमान, मुक़द्दस, यरुशलीम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- मत्ती 04:5-6
- मत्ती 27:51-53
- मुकाशिफ़ा 21:1-2
- मुकाशिफ़ा 21:9-10
- मुकाशिफ़ा 22:18-19

## शब्दकोश:

- Strong's: H5892, H6944, G40, G4172

# मुक़र्रर करना, बांटा, ठहराए, हिस्सा, हिस्सों, फिर दे देना

## सच्चाई:

“ मुक़र्रर करना” या “बांटा” किसी को कोई ख़ास काम देना या एक या अधिक लोगों को किसी काम के लिए मुक़र्रर किया जाना।

- शाऊल नबी ने नबूव्वत की थी कि शाऊल बादशाह इस्राईल के जवान मर्दों को फ़ौज के लिए मुक़र्रर करेगा।
- मूसा ने इस्राईल के बारह क़बीलों को उनके रहने के लिए कन'आन मुल्क की ज़मीन बांट दी थी।
- पुराने 'अहद नामे के क़ानून के मुताबिक़ कुछ क़बीलों को काहिन की ख़िदमत, फनकारों की ख़िदमत, मौसीक़ी कारों की ख़िदमत और बनाने वालों की ख़िदमत बांट दिए गए थे ।
- जुमलों के मुताबिक़ “ मुक़र्रर करना” का तर्जुमा “बांटना” या “काम देना” "काम के लिए चुनें" किया जा सकता है।
- जुमलों के मुताबिक़, “बांटना” का तर्जुमा “ मुक़र्रर करना” या “काम सौंपना” हो सकता है।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा)

(यह भी देखें: मुक़र्रर करना, शमूएल, शाऊल (पुराना ‘अहद नाम ))

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 06:48
- दानिएल 12:12-13
- यरमियाह 43:11-13
- यहोशू 18:1-2
- गिनती 04:27-28
- ज़बूर 078:54-55

## शब्दकोश:

- Strong's: H2506, H3335, H4487, H4941, H5157, H5307, H5414, H5596, H5975, H6485, H7760, G3307

# मुक़र्रर, मुक़र्रर किया, तक़दीर, मुक़द्दर

## ता’अर्रुफ़:

लफ़्ज “तक़दीर” इंन्सान की ज़िन्दगी के मुस्तक़बिल में होने वाली बात के बारे में बताता हैं| अगर किसी को मुस्तक़बिल के लिए “मुक़र्रर” गया है तो इसका मतलब है कि वह इन्सान मुस्तक़बिल में क्या करेगा, जो ख़ुदा की तरफ से मुक़र्रर किया गया है|

- जब खुदा अपने गज़ब के लिए किसी मुल्क को “मुक़र्रर” कर लेता है, तो इसका मतलब है कि ख़ुदा ने फ़ैसला कर लिया है कि उस मुल्क को गुनाहों की सज़ा मिलेगी।
- यहूदाह तबाही के लिए “मुक़र्रर” गया था, जिसका मतलब है कि ख़ुदा ने फ़ैसला कर लिया था कि उसके बग़ावत की वजह से वह बर्बाद होगा।
- हरएक इन्सान की आख़िरत, अबदी मुक़द्दर है कि वह जन्नत में जाए या जहन्नुम में जाए।
- जब वा’इज़ का मुसन्निफ़ कहता है कि सबका मुक़द्दर एक ही है तो उसका मतलब है कि सब मरेंगे।

## तर्जुमे की सलाह:

- जुमला “ग़ज़ब के लिए मुक़र्रर” का तर्जुमा “तुम्हारी सज़ा यक़ीनी है” या “फ़ैसला लिया जा चुका है कि तुम मेरे ग़ज़ब का तजुरबा करोगे”।
- ‘अलामती ख़याल में “वे तलवार से बर्बाद होने के लिए मुक़र्रर किए गए हैं” इसका तर्जुमा इस तरह किया जा सकता है “ख़ुदा ने फ़ैसला कर लिया है कि वे अपने दुश्मनों के ज़रिए’ तलवार से हलाक किए जाएंगे” या “ख़ुदा ने ठान लिया है कि उनके दुश्मन उन्हें तलवार से हलाक करें”।
- अलफ़ाज़ “तुम मुक़र्रर किए गए हो” का तर्जुमा ऐसे जुमलों के ज़रिए’ किया जाए जैसे “ख़ुदा ने फ़ैसला कर लिया है कि तुम...”
- मज़मून के मुताबिक़ “मुस्तक़बिल” का तर्जुमा हो सकता है, “आख़िरत” या “आख़िर में जो होगा” या “ख़ुदा ने जो फ़ैसला किया है वह होगा”

(या भी देखें: क़ैदी, अबदी, जन्नत, जहन्नुम, युहन्ना (बपतिस्मादेने वाला), तौबा)

किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:##

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
- वा’इज़ 02:13-14
- इब्रानियों 09:27-28
- फ़िलिप्पियों 03:17-19
- ज़ुबूर 009:17-18

## शब्दकोश:

- Strong's: H2506, H4150, H4487, H4745, H6256, H4507, G5056, G5087

# मुक़र्रर, मुक़र्ररा, ‘आम, मुक़र्रर

## ता’अर्रुफ़:

मुक़र्रर करने का मतलब है किसी ख़ास काम या किरदार के लिए किसी इन्सान को फ़ौरी तौर पर मुक़र्रर करना| इसका मलतब फ़ौरी तौर पर कानून या हुक्म भी हो सकता है।

- लफ़्ज़ "मुक़र्रर" का हवाला अक्सर काहिन, ख़ादिम या उस्ताद मुक़र्रर करने फ़ौरी ‘अमल से भी है।
- मिसाल के तौर पर, ख़ुदा ने हारून और उसकी नसलों को काहिन होने के लिए मुक़र्रर किया है।
- इसका मतलब रखना या क़ायम करना भी है, जैसे कोई मज़हबी दा’वत या ‘अहद ।
- मज़मून पर मुनहस्सिर, “मुक़र्रर करना” का तर्जुमा हो सकता है” काम-काज़ सौंपना” या “ठहराना” या “हुक्म देना” या “कानून बनाना ” या “क़ायम करना”।

(यह भी देखें: हुक्म, ‘अहद, हुक्म, कानून, शरी’अत, काहिन

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 12:31-32
- 2 शमूएल 17:13-14
- ख़ुरूज 28:40-41
- गिनती 03:3-4
- ज़ुबूर 111:7-9

## शब्दकोश:

- Strong's: H3245, H4390, H4483, H6186, H6213, H6466, H6680, H7760, H8239, G1299, G2525, G2680, G3724, G4270, G4282, G4309, G5021, G5500

# मुड़ना, मुड़ता, लौटना, पीछे मुड़ता है, वापस मुड़ता है, वापस मुड़ना, वापस मुड़ा, मुड़ जाना, वापस मुड़ा,मोड़, मुड़ कर दूर जा रहा है, लौटता है, वापस लौटाया, वापस लौट रहा है, वापस लौट जाता है

## ता’अर्रुफ़:

“मुड़ना” का मतलब है सिम्त बदलना या किसी बात की वजह किसी की सिम्त बदलना।

- “मुड़ना” का मतलब “पीछे मुड़ना” कि पीछे देखें या दूसरी सिम्त के रुख़ में हों।
- “वापस मुड़ना” या “चाल से फिरना” का मतलब है “लौट जाना” या “दूर हो जाना” या “दूर करने की वजह होना”
- “किसी बात से फिर जाने” का मतलब है कुछ करने का “छोड़ना” या किसी को ना मंज़ूर करना।
- “की ओर मुड़ें” या’नी किसी को सीधा देखना।
- “मुड़कर चल देना” या “मुंह मोड़कर चल देना” या’नी “चले जाना”
- " वापस मुड़ना" का मतलब है "कुछ फिर से शुरू करना।"
- “किसी बात से फिर जाने” या’नी “किसी काम को छोड़ देना ”

## तर्जुमे की सलाह:

- बयान के मुताबिक़ “वापस” का तर्जुमा “सिम्त बदलना” या “जाना” या “चलना” हो सकता है।
- कुछ बयानों में “वापस” का तर्जुमा “वजह” (कोई) कुछ करने के लिए। "(किसी) से दूर मुड़ना" का तर्जुमा "वजह (कोई) जाने के लिए" या "वजह (किसी) को रोकने के लिए किया जा सकता है।"
- " ख़ुदा से दूर हो जाना" जुमले का तर्जुमा " ख़ुदा की इबादत करना बंद करना" की शक्ल में किया जा सकता है।
- "ख़ुदा की ओर मुड़ना" जुमले का तर्जुमा "फिर से ख़ुदा की इबादत करना शुरू’ करना" किया जा सकता है।
- जब दुश्मन "पीछे मुड़ें," इसका मतलब है कि वे "पीछे हटना" "दुश्मन को पीछे मुड़ना" का मतलब है "दुश्मन के पीछे हटने की वजह "
- वाकई, जब इस्राईल "झूठे मा’बूदों " के पास लौट आए, तब वे "उनकी इबादत करने लगे" जब वे बुतों से "मुड़ गए", उन्होंने "उनकी इबादत करना बंद कर दिया"
- जब ख़ुदा अपने बाग़ी लोगों से "दूर हो गया", तब उसने "उनकी हिफ़ाज़त करना बंद कर दिया" या "उनकी मदद करना बंद कर दिया"
- जुमला "अपने बच्चों के लिए पिता के दिलों को मोड़ना" का तर्जुमा "पिता अपने बच्चों की देखभाल फिर से करे" किया जा सकता है।
- ज़ाहिरयत"मेरे जलाल को शर्मिंदगी में बदलना" का तर्जुमा "मेरी जलाल को शर्मिंदा बनाने की वजह " या "मुझे बेइज़्ज़त करना है कि मैं शर्मिंदा हो जाऊँ" या "मुझे शर्मिंदा करना (बुरा काम करके) ताकि लोग मुझे इज़्ज़त न दें ।" की शक्ल में किया जा सकता है।
- "मैं तुम्हारे शहरों को बर्बाद कर दूंगा" का तर्जुमा किया जा सकता है, "मैं तुम्हारे शहरों को बर्बाद कर दूंगा" या "मैं दुश्मनों को तुम्हारे शहरों को बर्बाद करने की वजह बनाऊंगा।"
- जुमला " में बदलना" का तर्जुमा "बन जाना हैं" के शक्ल में किया जा सकता है।" जब मूसा की छड़ी एक साँप "में बदल गई", तो यह एक सांप "बन गया"। इसका तर्जुमा भी "में बदल गया" की शक्ल में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: बुत , कोढ़ , इबादत )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 11:1-2
- रसूलों के 'आमाल 07:41-42
- रसूलों के 'आमाल 11.:19-21
- यरमियाह 36:1-3
- लूका 01:16-17
- मलाकी 04:4-6
- मुक़ाश्फ़ा 11:6-7

## शब्दकोश:

- Strong's: H541, H1750, H2015, H2017, H2186, H2559, H3399, H3943, H4142, H4672, H4740, H4878, H5186, H5253, H5414, H5437, H5472, H5493, H5528, H5627, H5753, H5844, H6437, H6801, H7227, H7725, H7734,

H7750, H7760, H7847, H8159, H8447, G344, G387, G402, G576, G654, G665, G868, G1294, G1578, G1612, G1624, G1994, G2827, G3179, G3313, G3329, G3344, G3346, G4762, G5077, G5157, G5290, G6060

# मेहनत, मेहनत करे, मेहनत की, मज़दूर, मज़दूरों

## ता’अरुफ़:

मेहनत या’नी किसी भी तरह का कठिन काम करना।

- उमूमन मेहनत करना मतलब जिस्मानी ताक़त काम में लेना। इसका मतलब है कि काम मुश्किल है।
- मजदूर वह इन्सान है जो जिस्मानी मेहनत का काम करता है।

अंग्रेजी ज़बान में “मेहनत” (लेबर) का मतलब बच्चे को पैदा करने के काम से भी होता है। और ज़बानों में इसके लिए पूरी तरह से एक अलग लफ़्ज़ होता है।

- “मेहनत” लफ़्ज़ के तर्जुमे हो सकते हैं, “काम” या “शख़्त काम करना” या “शख़्त काम” या “जिस्मानी मेहनत करना”।

(यह भी देखें: शख़्ती, दर्द-ए-ज़ेह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 थिस्सलुनीकियों 02:7-9
- 1 थिस्सलुनीकियों 03:4-5
- गलातियों 04:10-11
- या’कूब 05:4-6
- युहन्ना 04:37-38
- लूक़ा 10:1-2
- मत्ती 10:8-10

## शब्दकोश:

- Strong's: H213, H3018, H3021, H3022, H3023, H3205, H5447, H4522, H4639, H5445, H5647, H5656, H5998, H5999, H6001, H6089, H6468, H6635, G75, G2038, G2040, G2041, G2872, G2873, G4704, G4866, G4904, G5389

# मो’जिज़ा ,हैरान, हैरान कुन, हैरत, हैरत ज़दः,हैरत अंगेज़ , त'अज्जुब ,अजीब काम #

## ता’अर्रुफ़:

यह सब लफ़्ज़ बहुत त'अज्जुब का बारे में बता देते हैं, क्यूँकि एक बहुत अजीब बात हुई है।

- इनमें से कुछ लफ़्ज़ यूनानी कहावत में तर्जुमा हैं जैसे, “हैरान होना” या “अपने आपे से बाहर होना”। * इन जुमलों से मा'लूम होता है कि आदमी कैसे त'अज्जुब और हैरान हुआ है। और ज़बानों में भी इन जुमलों को बयान करने के लफ्ज़ होंगे।

बराबर हैरान और त'अज्जुब पैदा करने वाले हादसे मो'जिज़े होते हैं ऐसा काम सिर्फ़ ख़ुदा ही कर सकता है

- इन लफ़्ज़ों के मतलब में घबराहट का एहसास भी हो सकता है क्यूँकि जो हुआ वह न उम्मीद था।
- इन लफ़्ज़ों का तर्जुमा करने की कई शक्लें हैं, “रूहानी हैरत” या “बहुत ज़्यादा ”
- इस लफ्ज़ का एक ही जैसे मतलब हैं, “अजीब (हैरान कुन, त’अज्जुब) “हैरान” “हैरान करना”
- आम तौर से यह लफ्ज़ बराबर हैं और दिखाते हैं कि इंसान किसी ख़ास वजह से ख़ुश हैं।

(यह भी देखें: अजीबकाम, \निशान]निशान, निशानियाँ,सुबूत, याद दिलाना

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल . 08:9-11
- रसूलों के 'आमाल 09:20-22
- गलातियों 01:6-7
- मरकुस 02:10-12
- मत्ती 07:28-29
- मत्ती 15:29-31
- मत्ती 19:25-27

## शब्दकोश:

- Strong's: H926, H2865, H3820, H4159, H4923, H5953, H6313, H6381, H6382, H6383, H6395, H7583, H8047, H8074, H8078, H8429, H8539, H8540, H8541, H8653, G639, G1568, G1569, G1605, G1611, G1839, G2284, G2285, G2296, G2297, G2298, G3167, G4023, G4423, G4592, G5059

# मग़रूर, ग़ुरूर करके, गुरूर

## ता'अर्रुफ़:

“मग़रूर” या'नी घमण्डी, हमेशा ज़ाहिरी शक्ल में।

- मग़रूर आदमी अपनी बड़ाई करता है।
- मग़रूर का मतलब है कि और लोग इतने अहम या होनहार नहीं हैं।
- ख़ुदा की बे'इज़्ज़ती करनेवाले लोग जो उसके मुख़ालिफ़ है, मग़रूर हैं, क्यूँकि वह क़ुबूल नहीं करते कि वह ख़ुदावन्द बड़ी 'इज़्ज़त वाला है।

(यह भी देखें:: पहचानना, फ़ख्र करना, घमण्डी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 04:17-18
- 2 पतरस 02:17-19
- हिज़कीएल 16:49-50
- अम्साल 16:5-6
- ज़बूर 056:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H1346, H1347, H6277

# मज़मून , मौज़ू’, , ताबे’, मुस्तहकम , मौज़ू’ के ताबे’, मज़ामीन, ताबे’, मज़ामीन था, मज़ामीन किए गए थे, मज़ामीन में

## सच्चाई:

एक शख़्स दूसरे शख़्स का "ताबे’" होता है, अगर दूसरा शख़्स पहली पर हुकूमत करता है। “ताबे' रहो” यह जुमला एक हुक्म है जिसका मतलब है, “हुक्म मानों” या “किसी के इता'अत के ताबे' रहो”

- “के ताबे' करना” का मतलब है लोगों को किसी रहनुमा या हाकिम के इख़्तियार के ताबे' करना।
- “किसी को किसी बात के ताबे' करना” या'नी किसी को मन्फ़ी तौर पर तजुर्बा करवाना जैसे सज़ा के हुक्म के ताबे' करना।
- कभी-कभी “ताबे'” लफ़्ज़ का मौज़ू' “वजह” या किसी बात का तवज्जह होना भी होता है जैसे “मज़ाक़ की वजह होगे”
- “के ताबे'” का मतलब भी वही है जैसे “के ताबे' रहो” या “फ़रमाबरदारी ”

(यह भी देखें:ताबे')

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 02:14-16
- 1 सलातीन 04:5-6
- 1 पतरस 02:18-20
- इब्रानी 02:5-6
- अम्साल 12:23-24

## शब्दकोश:

- Strong's: H1697, H3533, H3665, H4522, H5647, H5927, G350, G1379, G1396, G1777, G3663, G5292, G5293

# यहूदियों, यहूदी

## सच्चाई:

“यहूदी रहनुमा ” या “यहूदियों के हाकिम” या'नी मज़हबी रहनुमा जैसे इमाम और ख़ुदा के कलाम का उस्ताद । उन्हें मज़हब के 'अलावह दूसरे मज़्मूनों के बारे में भी फ़ैसला देने का इख़्तियार था।

- यहूदियों के रहनुमा थे ‘आला और ख़ास इमामों, और क़ानून के उस्ताद (ख़ुदावन्द की शरी'अत के उस्ताद)
- यहूदी रहनुमाओं के दो ख़ास गिरोह थे फ़रीसी और सदूक़ी।
- यरूशलीम की मजलिस में क़ानूनी मु'आमिलात के बारे में फ़ैसला लेने के लिए सत्तर यहूदी रहनुमा जमा' हुए थे।
- कई यहूदी रहनुमा मग़रूर थे और अपने आप को नेक समझते थे। * वह 'ईसा से हसद करते थे और उसे नुक़सान पहुंचाना चाहते थे। वह ख़ुदा को जानने का दावा तो करते थे, लेकिन उसके हुक्मों को नहीं मानते थे।
- “यहूदी” लफ़्ज़ ज़्यादातर यहूदी रहनुमाओं के लिए काम में लिया जाता था। ख़ास करके जब वह 'ईसा से नाराज़ होकर उसे जाल में फंसाना चाहते थे या उसे नुक़सान पहुंचाना चाहते थे।
- इन लफ़्ज़ों का तर्जुमा किया जा सकता है, “यहूदी हाकिम” या “यहूदियों के ” या इख़्तियारी हाकिम “यहूदी मज़हबी उस्ताद”

(यह भी देखें: यहूदी, हाकिम-काहिनों, मजलिस, सरदार काहिन, फ़रीसी, काहिन, सदूक़ी, ‘आलिम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- ख़ुरूज 16:22-23
- यूहन्ना 02:17-19
- यूहन्ना 05:10-11
- यूहन्ना 05:16-18
- लूक़ा 19:47-48

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **24:03 उन्होंने** अपने-अपने गुनाहों को मानकर, बपतिस्मा लिया, बहुत से मज़हबी काहिन यूहन्ना से बपतिस्मा लेने को आए, लेकिन उन्होंने अपने गुनाहों से तौबा न किया |
- **37:11** लेकिन **यहूदियों के मज़हबी उस्ताद** ‘ईसा से हसद रखते थे, इसलिए उन्होंने आपस में मिलकर मन्सूबा बनाना चाहा कि कैसे वह 'ईसा और लाजर को मरवा सकें ।
- **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि _ यहूदी उस्तादों_ ने 'ईसा को मसीहा की शक्ल में इन्कार कर दिया था और वह उसे मरवा डालने का मन्सूबा बना रहे थे।
- **38:03 यहूदी रहनुमाओं** ने हाकिम काहिन के ज़िम्मेदारी में 'ईसा को धोखा देने के लिये उसे तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए।
- **39:05 यहूदी रहनुमाओं** ने सरदार काहिन को जवाब दिया, “यह मरने के लायक़ है।”
- **39:09** अगली सुबह **यहूदी रहनुमाओं** ने 'ईसा को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन गवर्नर था।
- **39:11** लेकिन **यहूदी रहनुमाओं** ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे सलीब पर चढ़ा दो।”
- **40:09** तब यूसुफ़ और नीकुदेमुस, दो **यहूदी काहिन** जिन्हें यक़ीन था कि 'ईसा ही मसीह है, पिलातुस के पास जाकर 'ईसा की लाश को माँगा।
- **44:07** दूसरे दिन ऐसा हुआ कि _यहूदी काहिन _पतरस और यूहन्ना को लेकर सरदार काहिन के पास गए।

## शब्दकोश:

- Strong's: G2453

# यहूदी मज़हब, यहूदियों

## ता’अर्रुफ़:

“यहूदी मज़हब” का मतलब है यहूदियों का ,अमली मज़हब इसे “यहूदी मज़हब” भी कहा गया है।

- पुराने 'अहद नामे में “यहूदी मज़हब” का ज़िक्र है जबकि नये 'अहद नामे में “यहूदी मज़हब” को काम में लिया गया है।
- यहूदी मज़हब में पुराने 'अहद नामे के क़ानून और इस्राईलियों के 'अमल करने के लिए ख़ुदा के हुक्म थे। उसमें वक़्त के साथ काम में जुड़ने वाली रवाजे और तौर तरीक़े भी थी।
- यहूदी मज़हब के तर्जुमे में दोनों पुराने और नये 'अहद नामों में भी “यहूदी मज़हब” काम में लिया जा सकता है।
- “यहूदी मज़हब” का इस्ते'माल सिर्फ़ नये 'अहद नामे में किया जाए क्यूँकि यह लफ़्ज़ इससे पहले नहीं था।

(यह भी देखें: यहूदी, क़ानून )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- गलातियों 01:13-14

## शब्दकोश:

- Strong's: G2454

# याद दिलानेवाले, हदिया याद के लिये

## ता’अरुफ़:

“ याद दिलानेवाले” या'नी कोई काम या चीज़ जो किसी का या किसी बात को याद कराती है।

- यह लफ़्ज़ ख़ास तौर में काम में लिया जाता है कि बात का बयान करे जिससे याद हो जैसे “यादगार की नज़र” या “यादगार का हिस्सा ” या “ यादगार के पत्थर”
- पुराने 'अहद नामे में नज़र पेश की जाती थी कि इस्राईल याद रखें कि ख़ुदा ने उनके लिए क्या किया।
- ख़ुदा ने इस्राईल के काहिनों को ख़ास लिबास पहनने का हुक्म दिया था जिन पर यादगार के लिए पत्थर लगे थे। * इन पत्थरों पर इस्राईल के बारहों क़बीलों के नाम लिखे थे। ये शायद उन्हें ख़ुदा की क़ाबिलियत का याद कराने के लिए थे।
- नये 'अहद नामे में, ख़ुदा ने कुरनेलियुस नाम का एक आदमी को नवाज़ा था क्यूँकि वह ग़रीबों पर तरस खाता था। उसके इन कामों को ख़ुदा के सामने “यादगार के लिए” माना गया था।

## तर्जुमा की सलाह:

- इसका तर्जुमा “हमेशा के लिए यादगार ” हो सकता है।
- “ यादगार के पत्थर” का तर्जुमा “उन्हें याद कराने के लिए पत्थर” हो सकता है।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 10:3-6
- ख़ुरूज 12:12-14
- यसा'याह 66:3
- यशू'अ 04:6-7
- इस्तिसना 23:23-25

## शब्दकोश:

- Strong's: H2142, H2146, G3422

# रथ, रथों ,रथियों

## ता’अर्रुफ़:

पुराने ज़माने में रथ घोड़ो के ज़रिये’ खींची जाने वाली दो पहियों की गाड़ियाँ होती थीं |

- सवार रथ में बैठते थे या खड़े होते थे और उन्हें आम सवारी के लिए या जंग के लिए काम में लेते थे |

जंग में जिस फ़ौज के पास रथ थे वह सामने वाली फ़ौज जिसके पास रथ नहीं थे उससे ज़्यादा तेज़ व तैयारी में ताक़त रखते थे | पुराने ज़माने में मिस्र और रोमी रथों के इस्ते’माल के लिए जाने जाते थे

(यह भी देखें: अनजाने लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: मिस्र, रोम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 09:22
- 2 तवारीख़ 18:28-30
- रसूलों के 'आमाल 08:29-31
- रसूलों के 'आमाल 08:36-38
- दानीएल 11:40-41
- ख़ुरूज 14:23-25
- पैदाइश 41:42-43

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

**12:10*इस लिए वह समन्दर के रास्ते में इस्राईलियों के पीछे चल रहे थे लेकिन ख़ुदा ने उन्हें घबरा दिया ,और उनके रथोके पहिये को निकाल डाला जिससे उनका चलना मुश्किल हो गया|

## शब्दकोश:

- Strong's: H668, H2021, H4817, H4818, H5699, H7393, H7395, H7396, H7398, G716, G4480

# रहन, वा’दा करना , ‘अहद

## ता’अर्रुफ़:

“रहन” रस्मी तौर से और ईमानदारी से की बात को करने या किसी चीज़ को देने का ‘अहद करना।

- पुराने ‘अहद नामे में इस्राईल के हाकिमों ने दाऊद के साथ वफ़ादारी निभाने का वा’दा किया था।
- वा’दे को पूरा करने की शकल दी गई चीज़ वा’दा पूरे होने के वक़्त उसके मालिक को लौटा दी जाती थी।
- “वा’दा करने ” का तर्जुमा हो सकता है, “पूरी तरह हवाले करना” या “पक्का अहद करना”
- इस लफ़्ज़ का इस्तेमाल उस चीज़ के लिए भी किया जाता है जो क़र्ज़ चुकाने के भरोसे या रहन की शकल में रखी जाती है।
- “वा’दा करना ” का तर्जुमा हो सकता है, “पूरी तरह से वा’दा करना” या “रस्मी तौर और हवाले ” या “’अहद ” या “रस्मी तौर पर भरोसा ” मज़मून के मुताबिक़

(यह भी देखें: वा’दा, क़सम, अहद

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 कुरिन्थियों 05:4-5
- ख़ुरूज 22:25-27
- पैदाइश 38:17-18
- नहमियाह 10:28-29

## शब्दकोश:

- Strong's: H781, H2254, H2258, H5667, H5671, H6148, H6161, H6162

# राख, राख, धूल

## सच्चाई:

“राख” लफ़्ज़ उस काले पावडर के बारे में काम में लिया जाता है जो लकड़ी के जलने के बा'द रह जाता है। कभी-कभी इस लफ़्ज़ का इस्ते'माल किसी बेकार और निकम्मी चीज़ के लिए भी किया जाता है।

- कलाम में कभी-कभी राख के लिए "धूल" लफ़्ज़ का इस्ते'माल भी किया गया है। इसके बारे में सूखी ज़मीन की मिट्टी से भी है।
- “राख का ढेर” या'नी बहुत राख का ढेर पड़ा है।
- पुराने ज़माने में राख में बैठना दुःख और नौहा का इशारा देता था।
- नौहा के वक़्त टाट का बना कड़ा चुभनेवाला लिबास पहन कर राख में बैठना या सिर में राख डालना होता था।
- सिर में राख डालना बे'इज़्ज़त और शर्मिंदगी की भी पहचान थी ।
- जब कोई किसी निकम्मी चीज़ के लिए कोशिश करता है जो कहा जाता है कि वह “राख खा रहा है”।
- “राख” लफ़्ज़ का तर्जुमा करते वक़्त मक़सदी ज़बान में ऐसा लफ़्ज़ काम में लें जो जली लकड़ी के जल जाने के बा'द काले चूर्ण को बयान करता है।
- तवज्जुह दें कि “राख का दरख़्त(राख का दरख़्त)” एक मुकम्मल अलग लफ़्ज़ है।

(यह भी देखें: आग, टाट)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 20:9-10
- यरमियाह 06:25-26
- ज़बूर 102:9-10
- ज़बूर 113:7-8

## शब्दकोश:

- Strong's: H80, H665, H666, H766, H1854, H6083, H6368, H7834, G2868, G4700, G5077, G5522

# राज़, भेदों, भेद, पोशीदा

## ता’अर्रुफ़:

कलाम में “राज़” लफ़्ज़ का बयान किसी अंजान या समझने में ला 'इल्म बात से है जिसे ख़ुदा अब ज़ाहिर कर रहा है।

- नये 'अहद नामे में कहा गया है कि मसीह की ख़ुश ख़बरी गुज़रे हुए ज़माने में एक राज़ की बात थी।
- एक ख़ास बात जिसे राज़ कहा गया है, वह है कि यहूदी और ग़ैर क़ोम मसीह में एक हैं।
- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा “राज़ ” या “पोशीदा बात” या “अंजान बात” भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मसीह, ग़ैर क़ोम, अच्छी ख़बर, यहूदी, सच्चाई)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- कुलुस्सियों 04:2-4
- इफ़िस्सियों 06:19-20
- लूक़ा 08:9-10
- मरकुस 04:10-12
- मत्ती 13:10-12

## शब्दकोश:

- Strong's: H1219, H7328, G3466

# रिवायत , रिवायतें

## ता’अरुफ़:

रिवायत, तहज़ीब और मश्क़ थे जो बहुत ज़माने से इस्तेमाल में रहे और आनेवाली नसलों को दिए गए।

- किताब-ए-मुक़द्दस में अक्सर " रिवायतों" लफ़्ज़ जो कि लोगों के ज़रिए’ की गई ता’लीमों और तहजीबों के बारे में बताया जाता है, ख़ुदा की शरी’अत के मुताबिक़ नहीं। ज़ाहिरयत "आदमियों की रिवायत " या "इन्सानों रिवायत " इस को वाज़े’ करता है।
- जुमला जैसे कि "बाप दादों की रिवायतों" या "मेरे बाप की रिवायतों" खास कर से यहूदी रीति-रिवाजों और रस्मों के लिए ख़ास शक्ल में बयान करता हैं, जो वक़्त के साथ यहूदी रहनुमाओं ने मूसा के ज़रिए’इस्राईलियों को दिए गए क़ानूनों में वक़्त के साथ जोड़ा गया था। अगर चे इन जोडी गई रिवायतें ख़ुदा से नहीं आई थीं, और लोगों ने सोचा कि उन्हें रास्तबाज़ होने के लिए उन्हें इनको मानना होगा।
- पौलुस रसूल ने “रिवायत” को अलग तरीके से इस्तेमाल किया मसीही मशक के बारे में ता’लीमों को जो ख़ुदा से आया था बयान करने के लिए जो उसने और और रसूलों ने नए ईमानदारों को सिखाया।
- आज के वक़्त में, कई मसीही रिवायतें हैं जो किताब-ए-मुक़द्दस में सिखाई नहीं जाती हैं बल्कि तावारीखी शक्ल से क़ुबूल किए गए रस्मों -रिवाजों और रिवायत का नतीजा है। ये रिवायतें हमेशा किताब-ए-मुक़द्दस में ख़ुदा के बारे में हमें सिखाए गए कामों के मुताबिक़ परख की जानी चाहिए।

(यह भी देखें: रसूल , ईमान, मसीही ईमानदार, बाप दादो, नसल, यहूदी, शरी’अत, मूसा)

## किताब-ए-मुक़द्दस सन्दर्भ:

- 2 थिस्सलुनीकियों 03:6-9
- कुलुस्सियों 02:8-9
- गलातियों 01:13-14
- मरकुस 07:2-4
- मत्ती 15:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: G3862, G3970

# रिश्तेदार, रिश्तेदार, रिश्तेदारी, रिश्तेदार, अज़ीज़ मर्द, अज़ीज़ लोग

## ता’अर्रुफ़:

लफ़्ज़ "रिश्तेदार" एक इंसान के ख़ून के रिश्तेदारों को बताता है, जिसे ख़ानदान के तौर पर माना जाता है। लफ़्ज़ "अज़ीज़मर्द" ख़ासतौर से आदमी रिश्तेदार के बारे में बताता है।

- "रिश्तेदार" सिर्फ़ एक इंसान के क़रीबी रिश्तेदारों को देख सकता है, जैसे माँ-बाप और भाई बहन, या इसमें चाची, चाचा, या चचेरे भाई जैसे ज़्यादा दूर के रिश्तेदार भी शामिल हो सकते हैं।
- पुराने इस्राईल में, अगर एक आदमी की मौत हो गई, तो उसके क़रीबी आदमी रिश्तेदार से उसकी बेवा से शादी करने, अपनी मीरास का इंतजाम करने और अपने ख़ानदान के नाम को चलाने में मदद की उम्मीद थी। इस रिश्तेदार को "बचाने वाला रिश्तेदार" कहा जाता था।
- इस लफ़्ज़ "रिश्तेदार" का तर्जुमा "रिश्तेदार" या "ख़ानदान के अफ़राद" के तौर पर भी किया जा सकता है।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रोमियो 16:9-11
- रूत 02:19-20
- रूत 03:8-9

## शब्दकोश:

- Strong's: H251, H1350, H4129, H4130, H7138, H7607, G4773

# रिश्वत , रिश्वत , रिश्वत दी, रिश्वत लेना

## ता'अर्रुफ़:

“रिश्वत ”, किसी से गलत काम करवाने के लिए क़ीमती तोहफ़ा जैसे पैसा देना।

- 'ईसा की क़ब्र की चौकसी करनेवाले फौजियों को झूठ बोलने के लिए रिश्वत दी गई थी।
- कभी-कभी सरकारी अफ़सर को जुर्म को नज़रअंदाज़ करने या कोई फ़ैसला लेने के लिए भी रिश्वत दी जाती है।
- किताब-ए-मुक़द्दस में रिश्वत लेना या रिश्वत देना मना है।
- “रिश्वत ” लफ्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, “बेइमानी का पैसा” या “झूठ बोलने के लिए दिया गया पैसा” या “उसूल तोड़ने की क़ीमत ।”
- “रिश्वत देना” का तर्जुमा ऐसे लफ्ज़ या जुमले के ज़रिये' किया जा सकता है जिसका मतलब है, “असर डालने के लिए पैसा देना” या “बेईमानी से तरफ़दारी करने की क़ीमत देना” या “तरफ़दारी के लिए पैसा देना।”

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 08:1-3
- वाइज़ 07:7
- यसा'याह 01:23
- मीकाह 03:9-11
- अम्साल 15:27-28

## शब्दकोश:

- Strong's: H3724, H4979, H7809, H7810, H7936, H7966, H8641, G5260

# रिहम ,बच्चेदानी

## ता'अर्रुफ़:

“रिहम ” या'नी ‘औरत के जिस्म में बच्चे दानी |

- यह एक पुराना लफ़्ज़ है जिसका इस्तेमाल अच्छाई और सीधी ज़बान के लिए किया गया है। (देखें तमसील ).
- “रिहम ” का नया लफ़्ज़ है “बच्चे दानी ”।
- कुछ ज़बानों में रिहम या बच्चेदानी की जगह में “पेट” लफ़्ज़ काम में लिया जाता है।
- मक़सदी ज़बान में आम और क़ुदरती व मंज़ूरी लफ़्ज़ का इस्ते'माल करे।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 25:23
- पैदाइश 25:24-26
- पैदाइश 38:27-28
- पैदाइश 49:25
- लूका 02:21
- लूका 11:27-28
- लूका 23:29-31
- मत्ती 19:10-12

## शब्दकोश:

- Strong's: H990, H4578, H7356, H7358, G1064, G2836, G3388

# रेगिस्तान , रेगिस्तान, वीरान, सुनसान

## ता'अर्रुफ़:

रेगिस्तान या वीरान, एक ख़ुश्क बंजर ज़मीन की जगह होती है जहां बहुत ही कम पेड़ पौधे उगते हैं।

- रेगिस्तान एक ख़ुश्क आब-ओ-हवा और थोड़े दरख़्त और जानवर की जगह होती है|
- शख़्त हालात की वजह से, रेगिस्तान में बहुत ही कम लोग रह सकते हैं, इस लिए इसका हवाला "वीरान" के तौर पर देते हैं|
- "वीरान" दूर होने का मतलब बयान करता है, लोगों से दूर वीरान जगह|
- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा "वीरान जगह" या "दूर दराज की जगह" या "अजनबी जगह" किया जा सकता है।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 13:16-18
- रसूलों के 'आमाल 21:37-38
- ख़ुरूज 04:27-28
- पैदाइश 37:21-22
- यूहन्ना 03:14-15
- लूक़ा 01:80
- लूक़ा 09:12-14
- मरकुस 01:1-3
- मत्ती 04:1-4
- मत्ती 11:7-8

## शब्दकोश:

- Strong's: H776, H2723, H3293, H3452, H4057, H6160, H6723, H6728, H6921, H8047, H8414, G2047, G2048

# रोटी

## ता'अर्रुफ़:

रोटी, आटे में पानी और तेल मिलाकर बनाई जाती है। आटे को बेलकर रोटी की शक्ल देकर सेंका जाता है।

- जब “रोटी” लफ्ज़ अकेला हो तो इसका मतलब है, रोटी।
- रोटी के आटे को फूलाने के लिए उसमें खमीर मिलाया जाता है।
- रोटी बिना खमीर के भी बनाई जाती है। * किताब-ए-मुक़द्दस में ऐसी रोटी को “बे ख़मीरी रोटी” कहा गया है, यह रोटी यहूदी 'ईद के जशन में खाते थे।
- रोटी किताब-ए-मुक़द्दस के ज़माने में ख़ास खाना होता था, इसे खाने कि जगह में भी काम में लिया गया है। (देखें: इस्ते'माल)
- “नज़र की रोटियां” घर के ख़ेमे या हैकल में ख़ुदावन्द को अदा की गई बारह रोटियां थी जिन्हें एक सोने की मेज पर रखा जाता था। ये रोटियां इस्राईल के बारह क़बीलों की नुमाइन्दगी करती थी और सिर्फ़ काहिन ही उन्हें खा सकता था। इसका तर्जुमा हो सकता है, “उनमें ख़ुदा की हाज़री के नज़र की रोटियां।”
- 'अलामती लफ्ज़, “जन्नत की रोटी” खास सफेद रंग की अन्न, मन्ना के बारे में है, ख़ुदावन्द ने इस्राईलियों के लिए जंगल में इसका ज़िक्र किया था।
- 'ईसा ने ख़ुद को “जन्नत से उतरने वाली रोटी” और “ज़िन्दगी की रोटी” कहा है।
- 'ईसा अपने शागिर्दों के साथ 'ईद का खाना खा रहा था तब उसने अपने जिस्म को बेख़मीरी रोटी कहा था जो घायल की जायेगी और आख़िर में सलीब पर मार दी जायेगी।
- कई जगहों में “रोटी” का तर्जुमा “खाना” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: 'ईद , ख़ेमा , हैकल , बेख़मीरी रोटी, ख़मीर )

## किताब-ए-मुक़द्दस:

- रसूलों के 'आमाल. 02:46-47
- रसूलों के 'आमाल . 27:33-35
- ख़ुरूज 16:13-15
- लूक़ा 09:12-14
- मरकुस 06:37-38
- मत्ती 04:1-4
- मत्ती 11:18-19

## शब्दकोश:

- Strong's: H2557, H3899, H4635, H4682, G106, G740, G4286

# रोशनी, रोशनियाँ, रोशनी होना, बिजलियाँ, दिन की रोशनी, सूरज की रोशनी, शाम, रोशन, रोशन हुआ

## ता’अरुफ़:

किताब-ए-मुक़द्दस में “रोशनी” लफ़्ज़ के कई ‘अलामती इस्ते’माल किए गए हैं। इसका इस्ते’माल ज़्यादातर रास्तबाज़ी, पाकीज़गी और सच की मिसालों के ज़रिए’ किया जाता है। (देखें: मिसाल

- ‘ईसा ने कहा, “दुनिया की रोशनी मैं हूँ” उसके कहने का मतलब था वह दुनिया को ख़ुदा का सच्चा पैग़ाम सुनाता है और इनसानों को उनके गुनाहों की तरीकी से उबारता है।
- ईमानदारों को हुक्म दिया गया है, “रोशनी में चलो” या’नी उन्हें ख़ुदा की मर्ज़ी के मुताबिक़ ज़िन्दगी जीना है और बुराई से बचना है।
- रसूल युहन्ना ने कहा, “ख़ुदा रोशनी है” और उसमें तारीकी नहीं
- रोशनी और तारीकी एक दूसरे से पूरी तरह से अलग हैं। तारीकी का मतलब है रोशनी की ग़ैरमोजूदगी|
- ‘ईसा ने कहा कि वह “दुनिया की रोशनी है” और उसके ईमानदारों को दुनिया में रोशनी की तरह चमकना है, उन्हें ऐसी ज़िन्दगी रखना है जिससे साफ़ ज़ाहिर हो कि ख़ुदा कैसा बड़ा है।
- “रोशनी में चलो” का मतलब ऐसी ज़िन्दगी रखो जिससे ख़ुदा ख़ुश होता है या’नी भलाई और अच्छे काम करो। अन्धकार में चलने का अर्थ है, ख़ुदा से बग़ावत करना और परेशान करना।

## तर्जुमे की सलाह:

- जब तर्जुमा करें, “रोशनी” और “तारीकी” अलफ़ाज़ को ज्यों का त्यों रखा जाए चाहे उनका इस्ते’माल ‘अलामती हो।
- मज़मून के मुक़ाबले का ज़िक्र करना ज़रूरी है। मिसाल के तौर पर, “रोशनी की औलाद की तरह चलो” इसका तर्जुमा हो सकता है, खुली रास्तबाज़ी की ज़िन्दगी जिओ जैसे कोई सूरज की तेज़ रोशनी में चलता है”।
- यक़ीनी बनाएं कि “रोशनी” का तर्जुमा ऐसा इशारा दे कि वह रोशनी का ज़रिया’ है जैसे चराग़| इस लफ़्ज़ का तर्जुमा उजियाला ही का हवाला है।

(यह भी देखें: तारीकी, पाक, नजात, सच)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 युहन्ना 01:5-7
- 1 युहन्ना 02:7-8
- 2 कुरिन्थियों 04:5-6
- रसूलों के ‘आमाल. 26:15-18
- यसा’याह 02:5-6
- युहन्ना 01:4-5
- मत्ती 05:15-16
- मत्ती 06:22-24
- नहमियाह 09:12-13
- मुकाशिफ़ा 18:23-24

## शब्दकोश:

- Strong's: H216, H217, H3313, H3974, H4237, H5051, H5094, H5105, H5216, H6348, H7052, H7837, G681, G796, G1645, G2985, G3088, G5338, G5457, G5458, G5460, G5462

# रोज़ा, रोज़े, रोज़ा रखा, रोज़ा, रोज़ा रखना

## ता’अर्रुफ़:

लफ़्ज़ “रोज़ा” का मतलब है कुछ वक़्त के लिए खाना नहीं खाना जैसे एक दिन या ज़्यादा वक़्त। कभी-कभी इसमें पानी भी नहीं पिया जाता है।

- रोज़ा इंसानों को ख़ुदा में दिल लगाने में मदद करता है और खाना पकाने और खाने की फ़िक्र किए बिना दु’आ कर पाएं।
- ‘ईसा ने यहूदी रहनुमाओं के ज़रिए’ ग़लत वजह से रोज़े से इनकार किया है| रोज़ा रखने में उनका मक़सद था कि लोग उन्हें रास्तबाज़ समझें।
- इन्सान कभी-कभी दु:ख या ग़म की वजह से भी रोज़ा रखता है।
- “रोज़ा रखना” इस काम का तर्जुमा हो सकता है, “खाने का छोड़ना” या “खाना नहीं खाना”
- “रोज़ा” लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, “खाना नहीं, खाने का वक़्त” या “खाना खाने छोड़ने का वक़्त”

(यह भी देखें: यहूदी रहनुमा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 21:8-10
- 2 तवारीख़ 20:3-4
- रसूलों के ‘आमाल 13:1-3
- यूनाह 03:4-5
- लूक़ा 05:33-35
- मरकुस 02:18-19
- मत्ती 06:16-18
- मत्ती 09:14-15

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **25:01** फ़ौरन ही ‘ईसा के बपतिस्मा लेने के बा’द, रूह ने ‘ईसा को जंगल की ओर भेजा जहाँ उन्होंने चालीस दिन और चालीस रात **रोज़ा रखा** ।
- **34:08** “मिसाल के लिये, मैं सप्ताह में दो बार **रोज़ा रखता** हूँ; मैं अपनी सब कमाई का दसवाँ अंश भी देता हूँ।”
- **46:10** एक दिन जब अन्ताकिया की कलीसिया के मसीही **रोज़ा** के साथ ख़ुदावन्द की ‘इबादत कर रहे थे, तो पाक रूह ने कहा, "मेरे लिये बरनबास और शाऊल को उस काम के लिये अलग करो जिसके लिये मैंने उन्हें बुलाया है।"

## शब्दकोश:

- Strong's: H2908, H5144, H6684, H6685, G777, G3521, G3522, G3523

# रौंदना, रौंदेगा, पामाल , पामाल करना

## ता’अर्रुफ़:

“कुचलना” या’नी पांव रखकर बर्बाद कर देना। किताब-ए-मुक़द्दस में इस जुमले का इस्तेमाल तमसीली शक्ल में भी किया जाता है, “पामाल करना” या “हराना” या “बेईज्ज़त करना” है।

- "रौंदना" का एक और मिसाल हो सकती है लोगों के ज़रिए’ मैदान में दौड़ने की वजह घास का कुचला जाना ।
- पुराने ज़माने में, अंगूर को पांवों से कुचला (रौंदा) जाता था कि उसका रस निकले।
- कभी-कभी "रौंदना" का तमसीली मतलब है "बेइज़्ज़त करके सज़ा देना " की बराबरी यह खलिहान के लिए गन्दगी कुचलता है।
- “रौंदना” लफ़्ज़ ख़ुदा के ज़रिए’ इस्राईल को सज़ा देने के लिए अक्सर तमसीली शक्ल में काम में लिया गया है कि उन्हें उनके ग़ुरूर और बग़ावत की मिज़ाज से गिराया जाए।
- "रौंदने " का और तर्जुमा हो सकता है, “पांवों तले कुचलना” या “पांवों से रौंदना” या “ठोकना और कुचलना” या “जमीन में रौंदना”।
- बयान के मुताबिक़ , इस लफ़्ज़ का तर्जुमा किया जा सकता है।
- बयान के मुताबिक़ , इस लफ़्ज़ का तर्जुमा किया जा सकता है।

## किताब-ए-मुक़द्दसके बारे में:

- इब्रानियों 10:28-29
- ज़ुबूर 007:5

## शब्दकोश:

- Strong's: H947, H1758, H1869, H4001, H4823, H7429, H7512, G2662, G3961

# रज़ा की क़ुर्बानी, रज़ा की क़ुर्बानियाँ

## ता’अर्रुफ़:

रज़ा की क़ुर्बानी ख़ुदा को चढ़ायी जानेवाली क़ुर्बानी थी जिसकी ज़रूरत मूसा की शरी’अत में नही थी। यह इन्सान की अपनी मर्ज़ी की नज़्र थी।

- अगर रज़ा की क़ुर्बानी में जानवर था तो उस जानवर में कुछ ‘ऐब क़ुबूल थे क्योंकि वह इन्सान की अपनी मर्ज़ी से थी।
- इस्राईली क़ुर्बानी के जानवर का गोश्त खाते थे जो ‘ईद का हिस्सा था।
- जब रज़ा की क़ुर्बानी पेश की जा सकती,या इस्राईल की ख़ुशी की वजह थी क्यूँकि इसका मतलब था कि फसल अच्छी हुई है और उनके पास बहुत खाने का सामान है
- ‘अज़्रा की किताब में एक मुख़तलिफ़ रज़ा की क़ुर्बानी है जो हैकल के दुबारा ता’मीर के लिए चढ़ाई गई थी। इस चढ़ावे में सोना-चाँदी और सोने चाँदी के बर्तन थे।

(यह भी देखें: सोख़्तनी क़ुर्बानी, ‘अज़्रा, दा’वत, अनाज का हदिया, जुर्म का हदिया, शरी’अत, गुनाह का हदिया)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 29:6-7
- 2 तवारीख़ 35:7-9
- इस्तिस्ना 12:17
- ख़ुरूज 36:2-4
- अहबार 07:15-16

## शब्दकोश:

- Strong's: H5068, H5071

# लटकाना, लटकाए, लटकाया गया, लटकाकर, पर्दे, लटका दिया

## ता’अर्रुफ़:

लफ़्ज़ “लटका हुआ” का मतलब किसी चीज़ या इन्सान को ज़मीन से ऊपर अधर में रखना।

- फाँसी देकर मारने में रस्सी का फँदा बनाकर इन्सान के गले में डाला जाता है और उसे पेड़ की डाली पर ज़मीन से ऊपर करके लटका दिया जाता है। यहूदा ने फाँसी लगाकर ख़ुदकशी की थी।
- सलीब पर लटका कर ‘ईसा की मौत हुई, उसके गर्दन पर कुछ नहीं था: सिपाहियों ने उसके हाथ और पाँवों को सलीब की लकड़ी पर कीलों से ठोंका था और उसे सलीब पर लटकाया था।
- किसी को फाँसी देने का मतलब है रस्सी का फँदा उसके गले में डालकर उसे लटका देना।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 शमूएल 17:23
- रसूलों के ‘आमाल 10:39-41
- गलातियों 03:13-14
- पैदाइश 40:20-23
- मत्ती 27:3-5

## शब्दकोश:

- Strong's: H2614, H3363, H8518, G519

# लाठी, छड़ें

## ता'अर्रुफ़:

"लाठी" एक पतली लम्बी लकड़ी होती है जिसका उपयोग नाना प्रकार से किया जाता है। इसकी लम्बाई लगभग एक मीटर की होती थी

- चरवाहे हिंसक पशुओं से भेड़ों की रक्षा करने के लिए लाठी साथ रखते थे। लाठी फेंक कर भटकती हुई भेड़ को झुण्ड में लाया जाता था।
- भजन 23 में राजा दाऊद ने "छड़ी" और "लाठी" शब्दों को काम में लिया हैं जो उसके लोगों के लिए उसके मार्गदर्शन और अनुशासन के रूपक हैं।
- चरवाहा अपनी लाठी उठाकर भेड़ों की गिनती करता था।
- "लोहे का दण्ड" भी परमेश्वर से विमुख काम करने वालों के लिए परमेश्वर के दण्ड का प्रतीक है।
- प्राचीन युग में मापदण्ड धातु, लकड़ी या पत्थर के बने होते थे जिनकी सहायता से किसी ईमारत या वस्तु की लम्बाई नापी जाती थी।
- बाइबल में लकड़ी की छड़ी बच्चों के अनुशासन के लिए काम में ली जाती थी।

(यह भी देखें:लाठी, भेड़, चरवाहे)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 04:19-21
- 1 शमूएल 14:43-44
- रसूलों के 'आमाल16:22-24
- ख़ुरूज 27:9-10
- मुकाशफ़ा 11:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H2415, H4294, H4731, H7626, G2563, G4463, G4464

# लायक़ करना, लायक़ , निकम्मा ठहरा

## ता’अर्रुफ़:

“लायक़ करना” का बयान फ़ायदा पाने का इख़्तियार होना या क़ाबिलयत के लिए पहचाना जाना।

- किसी काम के लिए “लायक़” इन्सान के पास उस काम को करने की ज़रूरी क़ाबिलयत और तरबियत होती है।
- कुलुस्से की कलीसिया के लिये ख़त में पौलुस लिखता है कि ख़ुदा बाप ने ईमानदारों को नूर की बादशाहत में शरीक होने के “लायक़” बनाया है। इसका मतलब है कि खुदा ने उन्हें वह सब दिया है जो ख़ुदा -की फ़र्माबर्दारी की ज़िन्दगी जीने के लिए ज़रूरी है।
- ईमानदार ख़ुदा की बादशाहत का हाकिम ख़ुद नहीं हो सकता है वह केवल मसीह के लहू के ज़रिए’ नजात के लायक़ ठहरता है।

## तर्जुमे की सलाह:

- मज़मून के तर्जुमे “लायक़” का तर्जुमा “पूरा ” या “क़ाबिल ” या “मुस्तहक ” हो सकता है।
- किसी को “लायक़ करना” बनाने का तर्जुमा “पूरा करना” या “लायक़ बनाना” या “लायक़ बनाना” हो सकता है।

(यह भी देखें: कुलुस्से, दीनदार , मुल्क , नूर , पौलुस, नजात दिलाना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- दानीएल 01:3-5

## शब्दकोश:

- Strong's: H3581

# लिखा गया

## ता’अर्रुफ़:

“जैसा लिखा है” या “जो लिखा है” नये ‘अहद नामे में यह जुमला बार-बार आता है जो इब्रानी किताब-ए-मुक़द्दस के हुक्मों और नबूव्वतों के बारे में है।

- कभी कभी “जैसा लिखा है” मूसा की शरी’अत की बातों के बारे में भी काम में लिया गया है।
- अगर यह जूमला पुराने ‘अहद नामे की नबूव्वतों के लिखे हुए के बारे में हैं।
- इसका तर्जुमा हो सकता है, “जैसा मूसा की शरी’अत में लिखा है” या “जैसा नबियों ने सालों पहले लिखा था” या “मूसा की लिखी ख़ुदा की शरी’अत में कहा गया है”।
- एक तरीक़ा यह भी है कि इसे जैसे का जैसा ही रखें, “लिखा है कि” और लिखी तहरीर में इसका मतलब वाज़े’ करें।

(यह भी देखें: हुक्म, शरी’अत, नबी, ख़ुदा का कलाम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 यूहन्ना 05:13-15
- रसूलों के 'आमाल . 13:28-29
- ख़ुरूज 32:15-16
- यूहन्ना 21:24-25
- लूका 03:4
- मरकुस 09:11-13
- मत्ती 04:5-6
- मुकाश्फ़ा 01:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H3789, H7559, G1125

# लोबान

## ता’अरुफ़:

लोबान पेड़ के रस से बना एक ख़ुशबूदार मसाला है। यह ‘इत्र और धूप बनाने के लिए इस्ते’माल किया जाता है|

- किताब-ए-मुक़द्दस के ज़माने में, मुर्दों को दफ़न के लिए तैयार करने में लोबान एक बहुत ही ख़ास मसाला था।
- यह मसाला शिफ़ा और ताक़त देने की ख़ुसीसियत के लिए अहमियत रखता है।
- जब नजूमी बलक़ ‘ईसा से मिलने से पहले चलकर बैतलहम आए थे तब जो तोहफ़ा वे लाए थे उनमें लोबान भी था।

(यह भी देखें: बैतलहम, नजूमी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 09:28-29
- ख़ुरूज 30:34-36
- मत्ती 02:11-12
- गिनती 05:15

## शब्दकोश:

- Strong's: H3828, G3030

# लौट आना, लौट आना, लौटकर, लौट रहे

## ता’अर्रुफ़:

“लौट आना” या’नी दुबारा लौट जाना या किसी चीज़ को फेर देना।

- “पर लौट आना” या’नी दुबारा वही काम करना। "लौट आना" किसी मक़ाम या आदमी की ओर का मतलब है किसी मक़ाम या आदमी के पास लौट जाना
- इस्राईली बुतपरस्ती में लौट आए, या’नी उन्होंने बुतपरस्ती की दुबारा शुरू’आत कर दी थी|
- जब वे यहोवा के पास लौट आए, तो उन्होंने तौबा किया और यहोवा की फिर से ‘इबादत की।
- किसी ली गई ज़मीन या चीज़ लौटाने का मतलब था जिसकी वह दौलत थी उसको दुबारा उसे दे देना।

(यह भी देखें: फिरना

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

## शब्दकोश:

- Strong's: H5437, H7725, H7729, H8421, H8666, G344, G360, G390, G1877, G1880, G1994, G5290

# वारिस, वारिसों

## ता’अरुफ़:

“वारिस” वह इन्सान है जो मुर्दे की जायदाद या दौलत को कानूनी तौर से हासिल करता है।

- किताब-ए-मुक़द्दस के ज़माने में, पहलौठा बेटा ख़ास वारिस होता है, जिसे बाप की जायदाद और दौलत का ज़्यादा हिस्सा मिलता है।
- किताब-ए-मुक़द्दस में “वारिस” लफ़्ज़ का ‘अलामती इस्ते’माल भी किया गया है, ईमानदार ख़ुदा बाप से रूहानी मुनाफ़ा पाते हैं।
- ख़ुदा की औलाद होने के नाते ईमानदार मसीह ‘ईसा के “साथी वारिस” कहलाते हैं। इसका तर्जुमा हो सकता है, “साथीवारिस” या “साथी वारिसों” या “के साथ वारिस”।
- “वारिस” लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, “फ़ायदा हासिल करनेवाला इन्सान” या अपने वालिदैन या रिश्तेदार के मरने पर दौलत-ओ-जायदाद हासिल करने वाले के लिए जो भी लफ़्ज़ काम में लिया जाता है।

(यह भी देखें: पहलौठा,मीरास)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- गलातियों 04:1-2
- गलातियों 04:6-7
- पैदाइश 15:1-3
- पैदाइश 21:10-11
- लूक़ा 20:13-14
- मरकुस 12:6-7
- मत्ती 21:38-39

## शब्दकोश:

- Strong's: H1121, H3423, G2816, G2818, G2820, G4789

# वीणा, तार वाला बाजा, सारंगियाँ

## ता’अर्रुफ़:

“वीणा” और “तारवाला बाजा” ये मोशिकी के सामान ख़ुदा की ‘इबादत में इस्राईल के ज़रिए’ काम में लिए जाते थे।

- मोशीकी का यह सामान एक छोटे वीणा की तरह दिखता है, जिसमें एक चौखटे में तार लगा होता था।
- जिसे तारवाला बाजा कहा गया है वह क़ाफ़ी कुछ आज के गिटार जैसा होता था एक खोखला डब्बा और लम्बी डंडी जिस पर तार कसे होते थे।
- मोशीकी को बजाने के लिए एक हाथ से तारों को दबाया जाता था और दूसरे हाथ से उन तारों को छेड़ा जाता था।
- वीणा, तारवाला बाजा और सारंगी सबको तार छेड़ कर बजाया जाता था।
- इनके तारों की गिनती अलग-अलग थी लेकिन पुराने ‘अहदनामे में ज़ाहिरी ज़िक्र किया गया है कि दस तार वाले बाजे।

(यह भी देखें: वीणा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 10:11-12
- 1 शमूएल 10:5-6
- 2 तवारीख़ 05:11-12

## शब्दकोश:

- Strong's: H3658, H5035, H5443

# वीणा, वीणाओं, बजानेवाला, वीणा बजानेवाले

## ता’अर्रुफ़ :

- वीणा, एक तारवाला बजाने सामान होता था।
- किताब-ए-मुक़द्दस में चीड़ की लकड़ी से वीणा और दुसरी तरह के बजाने वाले सामान बनाए जाते थे।
- वीणा हाथ में उठाकर चलते हुए बजाया जाता था।
- किताब-ए-मुक़द्दस में वीणा ख़ुदा की हम्द और परस्तिस में बजाई जाती थी।
- दाऊद के बहुत से ज़ुबूर वीणा की मोशीकी पर बनाए गए थे।
- वह बादशाह शाऊल की परेशान रूह को सुकून देने के लिए भी वीणा बजाता था।

(यह भी देखें: दाऊद, सनोबर, ज़ुबूर, शाऊल (पुराना ‘अहदनामा))

## किताब-ए-मुक़द्दस :

- 1 तवारीख़ 15:16-18
- आमोस 05:23-24
- दानिएल 03:3-5
- ज़ुबूर 033:1-3
- मुकाशिफ़ा 05:8

## शब्दकोश:

- Strong's: H3658, H5035, H5059, H7030, G2788, G2789, G2790

# वक़्त (किताब-ए-मुक़द्दस का वक़्त

## ता'रुफ़:

किताब-ए- मुक़द्दस के ज़माने में “वक़्त ” रात का एक वक़्त था जिस वक़्त शहर को दुश्मन के ख़तरे से पहरेदार हिफाज़त करता था।

- पुराने 'अहद नामें में इस्राईल के लिए तीन लम्हे होते थे, पहला, ग़ुरूब आफ़ताब से रात 10 बजे तक, दूसरी रात दस बजे से 2 बजे तक, और सुबह, 2 बजे से तुलु'आफ़ताब तक।
- नये 'अहद नामें में यहूदी रोमी तरीक़े पर चलने लगे थे जिसमें रात चार वक़्त में तक़सीम थी, पहला (ग़ुरूब आफ़ताब से रात 9 बजे तक), दूसरी (रात 9 बजे से आधी रात 12 बजे तक), तीसरा (आधी रात 12 बजे से सुबह 3 बजे तक) और चौथा (3 बजे से तुलु' आफ़ताब तक)।
- इसका तर्जुमा कई 'आम शक्ल में “देर शाम या आधी रात या सुबह” जो निर्भर करता है कि किस वक़्त की बात की जा रही है।

(यह भी देखें:वक़्त )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- लूका 12:37-38
- मरकुस 06:48-50
- मत्ती 14:25-27
- ज़बूर 090:3-4

## शब्दकोश:

- Strong's: H821, G5438

## वक़्त , वक़्त के मुताबिक़ , वक़्त, ख़ास

### सच्चाई:

किताब-ए-मुक़द्दस में "वक़्त " लफ़्ज़ का इस्ते'माल तमसीली शक्ल में ख़ास मौसम या वक़्त की वक़्तों के बारे में में किया गया है जब कुछ हादसे हुए थे इसका मतलब "ज़माने " या "मुद्दत " या "मौसम " की तरह है।

- दानीएल और मुकाशिफ़ा दोनों किताबों में "वक़्त " का इशारा तक़लीफ़ और दर्द से है जो ज़मीन पर आएंगी।
- "वक़्त , वक़्तों और आधे वक़्त " इस जुमले में वक़्त का मतलब है, "साल " यह जूमला साढ़े तीन साल के वक़्त के बारे में है जो अज़ीम दर्द भरपूर इस मौजूदा ज़माने के आखिर का वक़्त है।
- "वक़्त " का मतलब "मौक़ा'" एक जूमले में "तीसरी बार" की शक्ल में हो सकता है। जुमला "कई बार" का मतलब "कई मौक़ों' पर" हो सकता है।
- "वक़्त पर" होने का मतलब तब आना जब आने की उम्मीद है, देर से नहीं।
- मज़मून के मुताबिक़ "वक़्त " लफ़्ज़ का तर्जुमा "मौसम" या "मुद्दत " या "लम्हा " या "हादसा " या "माजरा " हो सकता है ।
- "वक़्तों और मौसमों " यह जुमला , तमसीली तौर पर एक ही ख़्याल को बार-बार ज़ाहिर करती है। इसका तर्जुमा हो सकता है, "किसी मुक़र्रर वक़्त में हादसों का होना" (देखें :जोड़ा

(यह भी देखें: ज़माना, दर्द

### किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल . 01:6-8
- दनीएल 12:1-2
- मरकुस 11:11-12
- मत्ती 08:28-29
- ज़ुबूर 068:28-29
- मुक़ाशीफा 14:14-16

### शब्दकोश:

- Strong's: H116, H227, H268, H310, H570, H865, H1697, H1755, H2165, H2166, H2233, H2465, H3027, H3117, H3118, H3119, H3259, H3427, H3706, H3967, H4150, H4279, H4489, H4557, H5331, H5703, H5732, H5750, H5769, H6049, H6235, H6256, H6258, H6440, H6471, H6635, H6924, H7105, H7138, H7223, H7272, H7281, H7637, H7651, H7655, H7659, H7674, H7992, H8027, H8032, H8138, H8145, H8462, H8543, G744, G530, G1074, G1208, G1441, G1597, G1626, G1909, G2034, G2119, G2121, G2235, G2250, G2540, G3379, G3461, G3568, G3763, G3764, G3819, G3956, G3999, G4178, G4181, G4183, G4218, G4277, G4287, G4340, G4455, G5119, G5151, G5305, G5550, G5551, G5610

# शर्मिंदा करना, बे’इज़्ज़ती, हलीमी

## सच्चाई:

“शर्मिन्दा करना” का मतलब है किसी की बे’इज़्ज़ती और शर्मिंदा करना। यह अक्सर अवामी होता है किसी को शर्मिंदा करने का काम “बे’इज़्ज़ती” है।

- जब ख़ुदा किसी को हलीम बनाता है तो इसका मतलब है, वह मग़रूर को नाकाम करता है कि गुरूर पर जीत पाने में उसकी मदद करे। यह बे’इज़्ज़ती से अलग है जो किसी को दु:ख पहुँचाने के लिए किया जाता है।
- “बे’इज़्ज़ती” का मतलब शर्मिंदा करना भी हो सकता है या “शर्म की अह्सास” या “शर्म”।
- मज़मून पर मुनहस्सिर बे’इज़्ज़ती के तर्जुमे हो सकते है, “शर्म” या “बे’इज़्ज़ती” या “शर्मिंदगी”

(यह भी देखें: बे’इज़्ज़ती • हलीम • शर्म)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- अहबार 21:13-14
- ‘अज़्रा 09:5-6
- अम्साल 25:7-8
- ज़ुबूर 006:8-10
- ज़ुबूर 123:3-4

## शब्दकोश:

- Strong's: H937, H954, H1421, H2778, H2781, H3001, H3637, H3639, H6030, H6031, H6256, H7034, H7043, H7511, H7817, H8216, H8213, H8217, H8589, G2617, G5014

# शहद, शहद का छत्ता

## ता’अर्रुफ़:

“शहद” खानेवाला एक चिपचिपी मीठी चीज़ होती है जो शहद की मक्खियाँ फूलों के रस से तैयार करती हैं। छत्ता मोम का बना हुआ साँचा है, जिसमें शहद की मक्खियाँ शहद जमा’ करती हैं।

- शहद का रंग कुछ पीला या कुछ भूरा होता है।
- शहद पेड़ के खोखले मक़ाम में या जहाँ भी शहद की मक्खी छत्ता बनाए वहाँ मिलेगा। लोग शहद की मक्खियों को पालकर शहद खाते हैं या बेचते हैं लेकिन किताब-ए-मुक़द्दस में जिस शहद की मक्खी का ज़िक्र किया गया है वह जंगली शहद है।
- किताब-इ-मुक़द्दस में तीन इन्सानों को शहदखाते हुए ज़ाहिर किया गया है, यूनातन, शमसून और यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला।
- इस लफ़्ज़ का ‘अलामती इस्ते’माल किसी मीठी या ख़ुशी देने वाली बात के लिए भी किया गया है। मिसाल के तौर पर, ख़ुदा का कलाम और हुक्म "शहद से भी ज़्यादा मीठे" कहे गए हैं। (यह भी देखें: Simile, इस्ता’रा
- कभी-कभी इन्सान के अलफ़ाज़ को भी शहद के बराबर मीठा कहा जाता है लेकिन जिसका नतीजा इन्सानों से धोखा और नुक़सान होता है।

यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), यूनातान, फ़िलिस्ती, शमसून

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 14:1-3
- इस्तिस्ना 06:3
- ख़ुरूज 13:3-5
- यशू’अ 05:6-7
- अम्साल 05:3-4

## शब्दकोश:

- Strong's: H1706, H3293, H3295, H5317, H6688, G2781, G3192, G3193

# शहज़ादा , शहज़ादे, शहज़ादी , शाहज़ादियाँ

## ता'अर्रुफ़:

"शहज़ादा" बादशाह का बेटा होता है। "शहज़ादी" बादशाह की बेटी होती है।

- "शहज़ादा" लफ़्ज़ को अलामती शक्ल में भी काम में लिया जाता है जो रहनुमा , हाकिम या और इख़्तियार पाए हुए इन्सान के लिए होता है।
- इब्राहीम का माल-ओ-दौलत और इज़्ज़त की वजह से हित्ती लोग उसे "शहज़ादा" कहते थे।
- दानीएल की किताब में "शहज़ादा" लफ़्ज़ "फ़ारस का शहज़ादा" या "यूनान का शहज़ादा" के बारे में काम में लिया गया है। जिसका मुमकिन मक़सद उन क़ुदरती बदरूहों से है जो उस 'इलाक़े पर इख़्तियार रखती थी।
- दानीएल की किताब में सरदार फ़रिश्ता मीकाईल को भी "शहज़ादा" कहा गया है।
- कलाम में कहीं कहीं शैतान को "इस दुनिया का हाकिम" कहा गया है।
- 'ईसा को "सलामती का शहज़ादा " और "ज़िन्दगी का शहज़ादा" कहा गया है।
- रसूलों के आमाल 2:36 में 'ईसा को "ख़ुदावन्द और मसीह" कहा गया है और रसूलों केआमाल . 5:31 में इसे "ख़ुदावन्द औ रनजात दहिन्दा " कहा गया है जिससे "ख़ुदावन्द " और "शहज़ादा" के एक जैसे मतलब ज़ाहिर होते हैं।

## तर्जुमे की सलाह:

- "शहज़ादा" के तर्जुमे की शक्ल हो सकते है, "बादशाह काबेटा " या "हाकिम " या "रहनुमा " या "मुखिया" या "कप्तान"।
- फ़रिश्तों के बारे में इसका तर्जुमा "रूह का हाकिम " या "रहनुमाई करनेवाला फ़रिश्ता " हो सकता है।
- शैतान और बदरूहों के बारे में इस लफ़्ज़ का तर्जुमा "बदरूहों का हाकिम " या ताक़ती रूह "रहनुमा " या "हाकिम रूह " जैसे जो मज़मून पर मुनहसिर हों।

(यह भी देखें: फ़रिश्ता, इख़्तियार, 'ईसा, शैतान, ख़ुदा, ताक़त, हाकिम, शैतान, मुन्जी, रूह

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के आमाल 05:29-32
- पैदाइश 12:14-16
- पैदाइश 49:26
- लूका 01:52-53

## शब्दकोश:

- Strong's: H1, H117, H324, H2831, H3548, H4502, H5057, H5081, H5139, H5257, H5387, H5633, H5993, H6579, H7101, H7261, H7333, H7336, H7786, H7991, H8269, H8282, H8323, G747, G758, G1413, G2232, G3175

# शान

## ता'अर्रुफ़ :

लफ़्ज़ "शान" का मतलब इन्तिहाई ख़ूबसूरती और लालित्य है जो अक्सर माल और एक शानदार शक्ल से जुड़ा होता है ।

- “शान” लफ़्ज़ ज़्यादातर बादशाह के पास कितना माल है या उसके बेश क़ीमती ख़ूबसूरत लिबास में वह कैसे दिखते है बयान करने के लिए इस्ते'माल किया जाता है।
- "शान" लफ़्ज़ दरख़्तों, पहाड़ों और ख़ुदा की मख़लूक़ की कई चीज़ों का बयान करने के लिए भी किया जाता है।
- कुछ शहरों को भी शान वाला कहा जाता है, उनके क़ुदरती वसायल , बड़ी 'ईमारतों और सड़कों और रहने वालों के माल जायदाद जिसमें ज़ेवरात, सोना-चांदी वग़ैरह है ।
- मज़मून पर मुन्हसिर , यह लफ़्ज़ "शानदार ख़ूबसूरती" या "बे पनाह जलाल " या "’अज़ीम बादशाहत " की शक्ल में तर्जुमा किया जा सकता है।

(यह भी देखें: जलाल , राजा बादशाह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 16:25-27
- ख़ुरूज 28:1-3
- हिज़्क़ीएल 28:6-7
- लूक़ा 04:5-7
- ज़बूर 089:44-45
- मुक़ाश्फ़ा 21:26-27

## शब्दकोश:

- Strong's: H1925, H1926, H1927, H1935, H2091, H2122, H2892, H3314, H3519, H6643, H7613, H8597

# शान-ओ-शौकत, रईसों, दौलतमन्द इन्सान, मोहतरम

## ता’अर्रुफ़:

लफ़्ज़ “मोहतरम” का मतलब अच्छाई और ऊँची ख़ुसूसियत की चीज़| “शोहरतमन्द” ऊंचे सियासी या समाजी दर्जे का इन्सान। एक इंसान " मोहतरम की पैदाइश " वह है जो एक बड़े शख़्स की पैदाइश हुई है।

- किसी बादशाह का मुलाज़िम, बादशाह का क़रीबी ख़ादिम क़रीबी ख़ादिम होता था।
- लफ़्ज़ “धनी इन्सान” का तर्जुमा “बादशाह का मुलाज़िम” या “सरकारी मुलाज़िम” किया जा सकता है।

## :किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में ##

- 2 तवारीख़ 23:20-21
- दानिएल 04:36-37
- वाइज़ 10:16-17
- लूक़ा 19:11-12
- ज़ुबूर 016:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H117, H678, H1281, H1419, H2715, H3358, H3513, H5057, H5081, H6440, H6579, H7336, H7261, H8282, H8269, H8321, G937, G2104, G2903

# शाही, बादशाही शान

## ता'अरुफ़:

"शाही" लफ़्ज़ बादशाह या मलिका से मुता'अल्लिक़ चीज़ों और इन्सानों का इशारा देता है।

- जो चीज़ें "बादशाही" कहलाती हैं उनकी मिसालें हैं, लिबास महल, तख़्त और ताज|
- बादशाह या मलिका बादशाही महल में रहते हैं।
- बादशाह के लिबास "शाही लिबास" कहलाती है। बादशाह का चोगा बैंगनी रंग का होता था बैंगनी रंग कम मौजूद और बेशक़ीमत होता था।
- नये 'अहदनामे में 'ईसा के ईमानदारों को "शाही काहिन" कहा गया है। इस लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, ख़ुदा बादशाह की ख़िदमत में काहिन" या "ख़ुदा बादशाह के काहिन होने लिए बुलाए गए।"
- "शाही" लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, "बादशाह की तरह" या "बादशाह के"।

(यह भी देखें: बादशाह. महल, काहिन, बैंजनी, मलिका, चोगा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के के बारे में:

- 1 सलातीन 10:13
- 2 तवारीख़ 18:28-30
- आमोस 07:12-13
- पैदाइश 49: 19-21

## शब्दकोश:

- Strong's: H643, H1921, H1935, H4410, H4428, H4430, H4437, H4438, H4467, H4468, H7985, H8237, G933, G934, G937

# शिकार , शिकार करना

## ता’अर्रुफ़

लफ़्ज़ "शिकार " हमेशा खाने के लिए किसी जानवर का शिकार करना।

- तम्सीली मतलब में “शिकार” लफ़्ज़ उस आदमी के लिए भी काम में लिया जा सकता है जिसका फ़ायदा उठाया जाए, ग़लत इस्ते’माल किया जाए या ज़्यादा ताक़तवर आदमी के ज़रिये’ उस पर ज़ुल्म किया जाए।
- इन्सानों को “गारत ” करना या’नी उन पर ज़ुल्म करके फ़ायदा उठाना या उनकी चोरी करना।
- “शिकार ” का “तर्जुमा किया गया जानवर ” या “जिसका शिकार किया गया है” या “शिकार”

(यह भी देखें:ज़ुल्म )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- यरमियाह 12:7-9
- ज़ुबूर 104:21-22

## शब्दकोश:

- Strong's: H400, H957, H961, H962, H2863, H2963, H2964, H4455, H5706, H5861, H7997, H7998

# शिफ़ा, शिफ़ा किया, शिफ़ा करना, शिफ़ा हो गया, शिफ़ा करने, शिफ़ा करनेवाला, सेहतियाब, बीमार

## ता'अरुफ़:

लफ़्ज़ "शिफ़ा करना" मतलब बीमार, अंधे या अपाहिज को शिफ़ा 'अता करना।

- चंगाई पाने वाला या "बीमारी से शिफ़ा पाया इन्सान" "अच्छा किया गया" या "सेहतियाब किया गया" होना है।
- चंगाई क़ुदरत भी होती है क्योंकि ख़ुदा ने हमारे जिस्म को बहुत क़िस्म की चोटों और बीमारियों से शिफ़ा हो जाने की सलाहियत 'अता की है। ऐसी शिफ़ा धीरे धीरे होती है।
- ताहम जैसे अंधा होना, अपाहिज और कोढ़ अपने आप शिफ़ा नहीं पाते हैं। जब इन्सान को ऐसी बीमारियों या अपाहिज से शिफ़ा मिलती है तो वह एक मो'जिज़ा होता है।
- मिसाल के तौर पर 'ईसा ने बहुत से अंधों, लंगड़ो और रोगियों को फ़ौरन शिफ़ा दी थी और वे उसी पल सेहतमन्द हो गए थे।
- रसूलों ने भी बीमारों को मो'जिज़े से शिफ़ा दी थी जैसे पतरस ने एक लंगड़े को चलने के क़ाबिल बनाया था।

(यह भी देखें: मो'जिज़ा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 05:14-16
- रसूलों के 'आमाल 08:6-8
- लूक़ा 05:12-13
- लूक़ा 06:17-19
- लूक़ा 08:43-44
- मत्ती. 04:23-25
- मत्ती 09:35-36
- मत्ती 13:15

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **19:14**जिनमे से एक मो'जिज़ा नामान नाम के इन्सान की ज़िन्दगी में हुआ, वह दुश्मनों की फ़ौज का रहनुमा था और कोढ़ी था। उसने एलीशा के बारे में सुना था तो वह एलीशा के पास गया कि वह उसे _ शिफ़ा_दे।
- **21:10** उसने यह भी नबूव्वत की थी , कि मसीह बीमारों को _ शिफ़ा _ देगा, तब अन्धे की आँखें खोली जाएँगी, बहरों के कान भी खोले जाएँगे, लंगड़े चलने लगेंगे, गूँगे बोल उठेंगे।
- **26:06** 'ईसा ने कहना जारी रखा,"और एलीशा नबी के वक़्त इस्राईल में बहुत से कोढ़ी थे, और ऐसे भी थे जिन्हें जिल्द की बीमारी थी। लेकिन एलीशा ने उनमें से किसी को भी _ शिफ़ा _ नहीं किया| उसने सिर्फ़ इस्राईल के दुश्मनों के एक फ़ौजी रहनुमा, नामान की जिल्द की बीमारी को _ शिफ़ा _ दी"
- **26:08** वह 'ईसा के पास बहुत से लोगों को लाए जो बहुत सी बीमारियों में मुब्तिला थे, उनमें लंगड़े थे, और वे लोग थे, जो बोल नहीं सकते, देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे और इन सभी को 'ईसा ने _ शिफ़ा दी_।
- **32:14** उसने 'ईसा का ज़िक्र सुना था कि वह बीमारों को ठीक करता है और उसने सोचा कि अगर मैं 'ईसा के कपड़ों को ही छू लूँगी तो __ शिफ़ा**पा जाऊँगी** , "
- **44:03** फ़ौरन, ख़ुदा ने उस लँगड़े इन्सान को **शिफ़ा** दी, तब उसने चलना और चारों ओर कूदना शुरू' किया और ख़ुदा की ता'रीफ़ करने लगा।
- **44:08** तब पतरस ने उन्हें जवाब दिया, "'ईसा मसीह की क़ुदरत से यह इन्सान तुम्हारे सामने **शिफ़ा** पाया खड़ा है।
- **49:02** 'ईसा बहुत से मो'जिज़े किये जो यह साबित करते हैं कि वह ख़ुदा है। वह पानी पर चला, तूफ़ान को रोक दिया, बहुत से बीमारों को **शिफ़ा** दी, बदरूहों को निकाला, मुर्दों को ज़िन्दा किया, और पांच रोटी और दो छोटी मछलियों को इतने खाने में बदल दिया कि वह 5,000 लोगों के लिए क़ाफ़ी हो।

## शब्दकोश:

- Strong's: H724, H1369, H1455, H2280, H2421, H2896, H3444, H3545, H4832, H4974, H7495, H7499, H7500, H7725, H7965, H8549, H8585, H8644, H622, G1295, G1743, G2322, G2323, G2386, G2390, G2392, G2511, G3647, G4982, G4991, G5198, G5199

# शेरों, शेर, शेरनी, शेरनियाँ

## ता’अर्रुफ़:

शेर एक बड़ी बिल्ली जैसा जंगली जानवर है जिसके दांत और नाखून नुकीले होते। जिससे वह अपना शिकार फाड़ता है।

- शेर का जिस्म ताक़तवर होता है और उसकी चाल बहुत तेज़ होती है कि शिकार को पकड़ पाए। उसके रोंए सुनहरे भूरे रंग के होते हैं।
- नर शेर के गले में बालों का केसर होता है।
- शेर गोश्तखोर होते हैं, वे इन्सान के लिए हमलावर भी होते हैं।
- जब बादशाह दाऊद बच्चा था उसने अपनी भेड़ों पर हमला करने वाले शेरों को मारा था।
- शमसून ने भी निहत्थे शेर को मारा था।

(यह भी देखें: नामा’लूम अलफ़ाज़ का तर्जुमा कैसे करे)

(यह भी देखें: दाऊद, चीता, शमसून, भेड़)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 11:22-23
- 1 सलातीन 07:27-29
- अम्साल 19:11-12
- ज़ुबूर 017:11-12
- मुकाशिफ़ा 05:3-5

## शब्दकोश:

- Strong's: H738, H739, H744, H3715, H3833, H3918, H7826, H7830, G3023

# शख़्त, बहुत शख़्त, सबसे शख़्त, शख़्त, शख़्त कर लेता है, शख़्त हुआ, शख़्त होना, शख़्ती

## ता'अर्रुफ़:

- "शख़्त" लफ़्ज़ के मुख़तलिफ़ मतलब हैं, मज़मून पर मुनहस्सिर| यह लफ़्ज़ अमूमन किसी मुश्किल, मुसलसल या ज़िद्दी बात का ज़िक्र करता है।
- "शख़्त दिल" "ज़िद्दी" उन लोगों के बारे में है जो ज़िद करके पछतावा नहीं करते। यह इज़हार उन लोगों का ज़िक्र करता है जो ख़ुदा का हुक्म न मानने की ज़िद करते हैं।
- 'अलामती इज़हार "दिलों की शख़्ती" और "उनके दिलों की शख़्ती" का हवाला भी ज़िद्दी नाफ़रमानी से है।
- अगर किसी का दिल "शख़्त" है तो इसका मतलब है कि ऐसा इन्सान हुक्म मानने से इन्कार करता है और तौबा न करने की ज़िद करता है।
- जब इसे फ़े'अल ख़ुसूसियत के तौर पर काम में लिया जाता है जैसे "शख़्त मेहनत" या "मुश्किल कोशिश" तो इसका मतलब है किसी काम को मज़बूती के साथ कोशिश से करना, किसी काम को बहुत सही तौर से करने की कोशिश करना।

## तर्जुमे की सलाह:

- "शख़्त" लफ़्ज़ का तर्जुमा "मुश्किल" या "ज़िद्दी" या "चुनौती से भरा" किया जा सकता है, जो मज़मून पर मुनहस्सिर हो।
- "शख़्ती" लफ़्ज़ या "दिल की शख़्ती" या "शख़्त दिल" का तर्जुमा "ज़िद्दी पन" या "मुसलसल बग़ावत" या "बाग़ी आदत" या "ज़िद्दी नाफ़रमानी" या "ज़िद करके तौबा न करना" किया जा सकता है।
- "शख़्त हो गया" का तर्जुमा "तौबा की ज़िद" या "हुक्म मानने से इन्कार" किया जा सकता है।
- "अपने दिलों को शख़्त मत करो" का तर्जुमा "तौबा से इन्कार मत करो" या "ज़िद करके नाफ़रमानी मत करो"।
- "हठीले" के तर्जुमे के तरीक़े हैं, "ज़िद्दी नाफ़रमानी" या "मुसलसल नाफ़रमानी करना" या "तौबा का इन्कार" या "हमेशा बग़ावत करना"
- इज़हार में जैसे "शख़्त मेहनत करना" या "मुश्किल कोशिश करना" इसे "शख़्त" का तर्जुमा "कोशिश के साथ" या "लगन के साथ" किया जा सकता है।
- "दौड़ा चला जाता हूँ" का तर्जुमा "ज़ोर से आगे बढ़ता हूँ" या "हिम्मत से बढ़ता हूँ"।
- "इन्सानों को शख़्त मेहनत करके दुःख देना" (ज़ुल्म करना) इसका तर्जुमा "इन्सान से ऐसी शख़्त मेहनत कराना कि वे परेशान हों" या "इन्सानों को बहुत ज़्यादा मुश्किल काम के ज़रिए' दुःख देना"।
- 'औरत का बच्चा जनना भी शख़्त मेहनत है।

(यह भी देखें: नाफ़रमानी, बुरा, दिल, दर्द-ए-ज़ेह, ज़िद्दी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 कुरिन्थियों 11:22-23
- इस्तिस्ना 15:7-8
- ख़ुरूज 14:4-5
- इब्रानियों 04:6-7
- युहन्ना 12:39-40
- मत्ती 19:7-9

## शब्दकोश:

- Strong's: H280, H386, H553, H1692, H2388, H2389, H2420, H2864, H3021, H3332, H3513, H3515, H3966, H4165, H4522, H5450, H5539, H5564, H5646, H5647, H5797, H5810, H5980, H5999, H6089, H6277, H6381, H6635, H7185, H7186, H7188, H7280, H8068, H8307, H8631, G917, G1419, G1421, G1422, G1423, G1425, G2205, G2532, G2553, G2872, G2873, G3425, G3433, G4053, G4183, G4456, G4457, G4641, G4642, G4643, G4645, G4912, G4927

# सजदा करना, सजदा किया

## ता’अर्रुफ़:

“सजदा” का मतलब है मुंह के बल ज़मीन पर सीधा गिरना।

- किसी को “सजदा करना” या “मुंह के बल ज़मीन पर गिरना” का मतलब है बहुत ज़्यादा झुकना या किसी के सामने झुकना।
- सजदा करने की यह रुख़ हमेशा अचानक , ता’अज्जुब और डर का रद्दे ‘अम्ल है, किसी क़ुदरती हादसे की वजह इसमें जिसको सजदा किया जा रहा है उसके लिए इज़्ज़त और अदब की ज़ाहिरयत भी है।
- सजदा करना ख़ुदा की इबादत का तरीक़ा भी थी। आदमी ‘ईसा के मो’जिज़े या उस्ताद की शक्ल में उसकी इज़्ज़त के लिए शुक्रगुज़ारी के साथ ऐसा रद्दे ‘अमल दिखाते थे।
- मज़मून के मुताबिक़ “सजदा” का तर्जुमा हो सकता है, “ज़मीन पर चेहरा करके झुकना” या “उसके सामने मुंह के बल गिरकर ‘इबादत करना” या “हैरत की वजह से ज़मीन पर मुंह के बल गिरना” या “इबादत करना”।
- “हम सजदा नहीं करेंगे” इस जुमले का तर्जुमा हो सकता है, “इबादत नहीं करेंगे” या “इबादत में मुंह के बल नहीं गिरेंगे” या “हम इबादत में नहीं झुकेंगे”।
- “को सजदा करना” का तर्जुमा हो सकता है, “इबादत करना” या “सामने झुकना”

(यह भी देखें: जलाल, झुकना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 सलातीन 17:36-38
- पैदाइश 43:28-29
- मुकाशिफ़ा 19:3-4

## शब्दकोश:

- Strong's: H5307, H5457, H6440, H6915, H7812

# सज्दा, सज्दे, सज्दा किया, झुकने, सज्दा करना, सज्दा करे, सज्दा किया, सज्दा करते रहे

## ता'अर्रुफ़:

“सज्दा” करने का मतलब है किसी को 'इज्ज़त अदा करने के लिए हलीमी से झुकना। “सज्दा करना” का मतलब है बहुत ज़्यादा झुकना या घुटनों पर गिरना जिसमें मुंह और हाथ ज़मीन की तरफ़ हों।

- और जुमलों में “घुटने ज़मीन पर टिकाना” और “सिर झुकाना” (सिर को हलीमी से 'इज्ज़त में आगे की तरफ़ झुकना या ग़म में ऐसा करना)
- “सज्दा करना” मायूस और गम का निशान भी होता है। जिसने “घुटने टेके” वह हलीमी छोटी हालत में होता है।
- इंसान हमेशा ऊँचे ओहदा या ऊँचे सतह के इंसान के सामने घुटने टेकता है जैसे बादशाहों और हाकिमों को।
- ख़ुदावन्द के सामने घुटने टेकना उसकी 'इबादत का मतलब है।
- किताब-ए-मुक़द्दस में लोग 'ईसा के सामने घुटने टेकते थे जब उन्हें उसके हैरत अंगेज़ और ता'लीम से यह जानना होता था कि वह ख़ुदा की तरफ़ से भेजा गया है।
- किताब-ए-मुक़द्दस में लिखा है कि जब 'ईसा दुबारह आएगा तब हर एक इंसान उसकी 'इबादत में घुटने टेकेगा

## तर्जुमा की सलाह:

- जुमले के मुताबिक़ इस जुमले का तर्जुमा एक ऐसे लफ्ज़ या जुमले की तरफ़ किया जाए जिसका मतलब है “आगे को झुकना” या “सिर झुकाना” या “घुटने टेकना”।
- “घुटने टेकने” का तर्जुमा “घुटनों पर गिरना” या “सजदा करना” हो सकता है।
- कुछ ज़बानों में इसके तर्जुमों की एक से ज़्यादा तरीक़े हो सकते हैं जो मज़मून पर मुनहस्सिर करते हैं।

(यह भी देखें: हलीम, \ 'इबादत )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- \ 2 सलातीन 05:17-19
- ख़ुरूज 20:4-6
- पैदाईश 24:26-27
- पैदाईश 44:14-15
- यसा'याह 44:19
- लूक़ा 24:4-5
- मत्ती 02:11-12
- मुक़ाशिफा 03:9-11

## शब्दकोश:

- Strong's: H86, H3721, H3766, H5186, H5753, H5791, H6915, H7743, H7812, H7817, G1120, G2578, G2827, G4098, G4781, G4794

# सताएँ, सताए जाते, सताता, सताव , तक्लीफ देना , सतानेवाला, पीछा करनेवाले

## ता’अरुफ़:

“सताएँ” और “सताव ” या’नी किसी आदमी को को या झुण्ड के साथ सख़्त मिजाज़ी करना कि जिससे उन्हें नुक़सान पहुंचे।

- सताव किसी एक आदमी या बहुत से आदमियों पर हो सकता है जिसमें बार-बार, लगातार वार करना होता है।
- इस्राईलियों को तमाम क़ौमों ने हमला करके सताया था। उन्होंने उन्हें क़ैदी बनाया और उनके शहरों को लूटा।
- हमेशा उन लोगों को सताता है जिनका मज़हब अलग हो या जो कमज़ोर हों।
- यहूदी मज़हब के रहनुमा ‘ईसा को सताते थे क्योंकि उन्हें उसकी ता’लीम अच्छी नहीं लगती थी।
- ‘ईसा के आसमान पर उठाये जाने के बाद यहूदी मज़हब के रहनुमा और रोमी हाकिमो ने ‘ईसा के मानने वालों को सताने लगे थे।
- “सताना” का तर्जुमा “ज़ुल्म करते रहना” या “सख़्त मिजाज़ी करना” या “लगातार बुरा सुलूक करना” भी हो सकता है।
- “सताव” के तर्जुमे के तरीक़े हो सकते हैं “सख़्त मिजाज़ी” या “ज़ुल्म ” या “लगातार जान लेवा सुलूक ”

(यह भी देखें: मसीहा, जमात, स्ताव, रोम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के आमाल 07:51-53
- रसूलों के आमाल 13:50-52
- गलातियों 01:13-14
- यूहन्ना 05:16-18
- मरकुस 10:29-31
- मत्ती 05:9-10
- मत्ती 05:43-45
- मत्ती 10:21-23
- मत्ती 13:20-21
- फिलिप्पियों03:6-7

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल :

- **33:07** “वैसे ही जो पथरीली ज़मीन पर बोए जाते है, ये वह है जो कलाम को सुनकर फ़ौरन ख़ुशी से क़ुबूल कर लेते है | इसके बा’द जब कलाम की वजह उन पर _सताव _ होता है, तो वे फ़ौरन ठोकर खाते है |”
- **45:06** उसी दिन,कई लोग यरूशलीम में ‘ईसा मसीह पर ‘ईमान रखने वालो पर बड़ा _सताव _ करने लगे, इसलिए ईमानदार और जगहों में भाग गए |
- **46:02** शाउल ने यह लफ़्ज़ सुना, हे शाउल हे शाऊल तू मुझे क्यों **सताता** है? उसने पूछा, “हे ख़ुदावन्द तू कौन है? ‘ईसा ने उसे जवाब दिया कि, “मैं ‘ईसा हूँ जिसे तू **सताता** है |”
- **46:04** लेकिन हनन्याह ने कहा, "हे ख़ुदावन्द मैनें इस आदमी के बारे में सुना है कि इसने तेरे पाक लोगों के साथ बड़ी **सताव** की है |"

## शब्दकोश:

- Strong's: H1814, H4783, H7291, H7852, G1375, G1376, G1377, G1559, G2347

# सताव

## ता’अर्रुफ़:

“सताव” लफ़्ज़ का मतलब है, कठिनाइयां, तकलीफ़ और मुसीबत

- नये ‘अहद नामे में लिखा है कि मसीही ईमानदारों पर सताव का वक़्त आएगा और हर तरह का सताव क्योंकि इस दुनिया में कई लोग ‘ईसा की ता’लीमों के ख़िलाफ़ में होंगे।
- किताब-ए-मुक़द्दस में “सताव” लफ़्ज़ काम में लिया गया है जो ‘ईसा के दुबारा आने से पहले का वक़्त होगा जब बहुत सालों तक ज़मीन पर ख़ुदा का अज़ाब नाज़िल किया जाएगा।
- “सताव” का तर्जुमा हो सकता है, “बहुत मुसीबत का वक़्त ” या “ख़तरनाक सताव का वक़्त ” या “बड़ी परेशानियों का वक़्त ”।

(यह भी देखें: ज़मीन, ता’लीम देना, अज़ाब )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- मरकुस 04:16-17
- मरकुस 13:17-20
- मत्ती 13:20-21
- मत्ती 24:9-11
- मत्ती 24:29
- रोमियो 02:8-9

## शब्दकोश:

- Strong's: H6869, G2346, G2347

# सनोबर

## ता’अरुफ़:

“सनोबर” कलाम के जमाने में बहुतायत से उगते थे ख़ास करके समन्दर से दूर के किनारे के सूबों में।

- साइप्रस और लबानोन दो ऐसी जगह थीं जिनकी चर्चा कलाम में की गई है कि वहां सनौबर बहुतायत से थे।
- नूह ने अपना जहाज बनाने के लिए जिस लकड़ी को इस्तेमाल किया था वह मुमकिन है सनौबर ही की थी।
- क्योंकि सनौबर की लकड़ी ठोस और बहुत दिनों की होती है इसलिए पुराने ज़माने के लोग इससे नाव और ता’मीरी काम करते थे।

(यह भी देखें: सन्दूक, साइप्रस, देवदार, लबानोन)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल . 11:19-21
- पैदाइश 06:13-15
- होसे’अ 14:7-8
- यसायाह 44:14
- यसायाह 60:12-13
- जक़र्रियाह 11:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H8645

# सनोबर, सनोबर

## ता’अर्रुफ़:

सनोबर एक क़िस्म का दरख़्त है जो पूरे साल हरा रहता है इसमें शंकु होते हैं जिसमे बीज होते हैं|

- सनोबर के दरख़्त को “सदा बहार” दरख़्त भी कहते हैं|
- पुराने ज़माने में सनोबर के दरख़्त की लकड़ी का इस्ते’माल मोशीक़ी का सामान बनाने ‘इमारतों का ढाँचा जैसे किस्तियों, घरों और हैकलों को ता’मीर करने के लिए करते हैं|
- किताब-ए-मुक़द्दस में सनोबर दरख़्तों की कुछ मिसाले है जैसे, पाइन, देवदार, साइपरस और जूनिपर हैं

(यह भी देखें: अनजान अलफ़ाज़ का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: देवदार, साइपरस)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- हिज़क़ीएल 27:4-5
- यसा’याह 37:24-25
- यसा’याह 41:19-20
- यसा’याह 44:14
- यसा’याह 60:12-13
- ज़ुबूर 104:16-18

## शब्दकोश:

- Strong's: H766, H1265, H1266

# सब्र करना , सब्र

## ता'अरुफ़:

"सब्र करना " और "सब्र " का मतलब है किसी काम को करते रहना चाहे वह बहुत कठिन या लम्बा वक़्त क्यों न लेने वाला हो।

सब्र करने का मतलब यह भी हो सकता है कि मसीह के जैसा सुलूक करना चाहे कठिन इम्तिहानों या हालातों में हो।

- "सब्र करने वाला" इन्सान वह है जो अपने काम को करता रहता है जो उसे करना चाहिए चाहे वह तकलीफ़देह या दुःख वाला हो।
- ख़ुदा की ता'लीमों पर चलते रहना सब्र करना है चाहे कोई कितनी भी झूठी ता'लीमें दे।
- यहां होशियार रहें कि "ज़िद " लफ़्ज़ का इस्ते'माल न करें क्योंकि इसका मतलब नफ़ी में है।

(यह भी देखें: सब्र करना, इम्तिहान)

# किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- कुलुस्सियों 01:11-12
- इफ़िसियों 06: 17-18
- याक़ूब 05:9-11
- लूका 08:14-15

## शब्दकोश:

- Strong's: G3115, G4343, G5281

# समझ, समझा, समझना, समझदार

## ता’अर्रुफ़:

लफ़्ज़ “समझ” का मतलब किसी बात को समझ लेना, ख़ास करके समझाना कि कोई बात सही है या ग़लत।

- “समझ” समझकर किसी बात का अक़्लमंदी से फ़ैसला लेना।
- इसका मतलब है अक़्लमंदी और सही फ़ैसला लेना।

## तर्जुमे की सलाह:

- मज़मून [आर मुनहस्सिर, “पहचान” का तर्जुमा, “समझना” या “में फ़र्क़ पहचानना” या “अच्छे और बुरे में फ़र्क़ करना” या “किसी का सही फ़ैसला लेना” या “सही को ग़लत से अलग करके देखना” हो सकता है।
- “समझ” का तर्जुमा “समझना” या “अच्छे और बुरे में फ़र्क़ पहचानने की क़ुव्वत” हो सकता है।

(यह भी देखें: फ़ैसला, ‘अक़्ल)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 03:7-9
- पैदाइश 41: 33-34
- अम्साल 01:4-6
- ज़ूबूर 019:11-12

## शब्दकोश:

- Strong's: H995, H2940, H4209, H5234, H8085, G350, G1252, G1253, G1381, G2924

# समझना, समझता है, समझ लिया, समझ

## ता’अर्रुफ़:

“समझना” लफ़्ज़ का मतलब है सुनना या किसी जानकारी को क़ुबूल करना और समझना कि वह क्या है।

- “समझ” लफ़्ज़ के बारे में “'इल्म” या “'अक़्ल” से भी हो सकता है या “किसी काम को करने की समझ से भी”।
- किसी को समझने का मतलब यह भी हो सकता है कि वह आदमी कैसा महसूस कर रहा है।
- इम्माऊस के रास्ते में 'ईसा ने उन शागिर्दों को किताब-ए-मुकद्दस से मसीह का मतलब समझने में मदद की थी।
- जुमले के मुताबिक़ “समझ” का तर्जुमा “जानना” या “ईमान रखना” या “क़ुबूल करना” या “ मतलब समझना” भी हो सकता है।
- “समझ” का तर्जुमा हमेशा “'इल्म” या “अक़्ल” या “क़ुबूल” किया गया है।

(यह भी देखें: ईमान, जानना, अक़्लमन्द)

## किताब-ए-मुकद्दस के बारे में:

- अय्यूब 34:16-17
- लूक़ा 02:45-47
- लूक़ा 08:9-10
- मत्ती 13:10-12
- मत्ती 13:13-14
- अम्साल 03:5-6

## शब्दकोश:

- Strong's: H995, H998, H999, H1847, H2940, H3045, H3820, H3824, H4486, H7200, H7306, H7919, H7922, H7924, H8085, H8394, G50, G145, G191, G801, G1097, G1107, G1108, G1271, G1921, G1922, G1987, G1990, G2657, G3129, G3539, G3563, G3877, G4441, G4907, G4908, G4920, G5424, G5428, G5429, G6063

# समन्दरी गाय

## ता'अर्रुफ़:

"समन्दरी गाय और " एक बड़े जानदार है जो समन्दरी घास और समन्दरी मैदान पर हरी घास खाती है।

- समन्दरी गाय राख के रंग की होती है जिसकी खाल मोटी होती है। वह पानी में पंखों के ज़रिए' तैरती है।
- कलाम के ज़माने में इस जानदार की खाल ख़ेमे बनाने के काम में आती थी। इन जानवरों की खाल रहने वाले ख़ेमे की छत के लिए काम में ली जाती थी।
- घास खाने की वजह इसे "समन्दरी गाय" कहा गया है, लेकिन वह हक़ीक़त में गाय नहीं है।
- "डगोंग" और "समन्दरी गाय " के जैसे जानवर हैं।

(यह भी देखें: नए लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करे)

(यह भी देखें: ख़ेमा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- गिनती 04:5-6
- गिनती 04:12-14
- गिनती 04:24-26

जिस शख्स ने इस किताब को हासिल किया था वह अटूट मुहर को देखेगा और उसे पता चलेगा कि किसी ने भी इसे खोला नहीं था।

## शब्दकोश:

- Strong's: H8476

# सलाह , सलाह , मशवरा दिया , मुशीर , सलाह देनेवालों, तजवीज़, तजवीज़ करनेवाला, मुशीरों , राय दी

## ता’अर्रुफ़:

“सलाह ” या “तजवीज़ ” के मतलब एक ही है जिसमें किसी को किसी हालात में काम करने के लिए ‘अक़्लमन्दी का फ़ैसला लेने में मदद दी जाती है। अक़्लमन्द “तजवीज़ करनेवाला” या “मुशीर”, वह आदमी जो किसी को सही फ़ैसला लेने में मदद करता है।

- बादशाहों के पास हमेशा ज़्यादातर मुशीर या सलाह दाता होते थे जो ‘अवाम से जुड़े ख़ास मौजू पर फ़ैसला लेने के लिए उनकी मदद करते थे।
- कभी-कभी दी गई सलाह या सुझाई गई तजवीज़ ठीक नहीं होती थी। बुरे मुशीर बादशाह को ऐसी तजवीज़ बताते थे जिससे वह ‘अवाम को नुक़्सान का हुक्म देता था।
- मज़मून पर मुनहसिर “तजवीज़ ” या “सलाह ” का तर्जुमा हो सकता है, “फैसला लेने में मदद करना” या “हिदायत ” या “समझना” या “रहबरी ”
- “सलाह ” देने के काम का तर्जुमा हो सकता है, “राय देना” या “सुझाव देना” या “नसीहत देना”।
- ध्यान दें कि “सलाह ” “मजलिस ” से अलग लफ़्ज़ है। मजलिस का मतलब है आदमियों का झुण्ड

(यह भी देखें: समझा, पाक रूह , अक़्लमन्द)

## किताब-ए-मुक़द्दस:

## शब्दकोश:

- Strong's: H1697, H1847, H1875, H1884, H1907, H2940, H3245, H3272, H3289, H3982, H4156, H4431, H5475, H5779, H5843, H6440, H6963, H6098, H7592, H8458, G1010, G1011, G1012, G1106, G4823, G4824, G4825

# सहन , ‘सहनो , ‘अदालत , आँगनों

## ता’रीफ़:

“सहन ” और “’अदालत ” या’नी दीवारों से घिरी खुली जगह अंग्रेजी का लफ़्ज़ “कोर्ट” ‘अदालत को भी कहते हैं

- मिलापवाला ख़ेमा मोटे कपड़े के परदों के ज़रिये’ घिरे हुए सहन के अन्दर था।
- हैकल के तीन अंदरूनी सहन थे एक काहिनो के लिए, एक यहूदी आदमियों के लिए और एक यहूदी ‘औरतों के लिए।
- ये सहन बाहरी सहन से छोटी पत्थरों की दीवार से बराबर बटे थे। बाहरी सहन में ग़ैर यहूदी दुआ’ कर सकते थे।
- घरों के सहन घर के बीच में खुली जगह में होते थे।
- “बादशाह का सहन ” का बयान बादशाह के महल या उसके राजमहल के उस जगह से हो सकता है जहां बादशाह फ़ैसला देने के लिए बैठता है।
- “यहोवा के सहनों” यह जुमला यहोवा के रहने की जगह या इन्सानों के लिए यहोवा की ‘इबादत की जगह के बारे में ‘अलामती इस्ते’माल है।

## तर्जुमे की सलाह:

“सहन ” का तर्जुमा “मिली हुई जगह ” या “दीवारों से घिरी जगह ”, या “हैकल का मैदान” या “हैकल जगह ”

- कभी-कभी “हैकल ” लफ़्ज़ का तर्जुमा “हैकल के सहनों” या “हैकल का घेरा ” से है ताकि साबित हो कि बयान मैदान से है न कि हैकल से।
- “यहोवा के सहन ” का तर्जुमा “यहोवा की रहने की जगह ” या “यहोवा की इबादत की जगह ” हो सकता है।
- “बादशाह का सहन ” का लफ़्ज़ यहोवा के सहन के लिए भी काम में लिया जा सकता है।

(यह भी देखें: ग़ैर क़ौम, इन्साफ़, बादशाह, सुलह का ख़ेमा, हैकल)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 सलातीन 20:4-5
- ख़ुरूज 27:9-10
- यरमियाह 19:14-15
- लूका 22:54-55
- मत्ती 26:69-70
- गिनती 03:24-26
- ज़बूर 065:4

## शब्दकोश:

- Strong's: H1004, H1508, H2691, H5835, H6503, H7339, H8651, G833, G933, G2681, G4259

# सहना,सह लेता है , उठाने वाला

## सच्चाई:

“सहने” का लफ़्ज़ी मतलब है "उठाना", लेकर चलना। इस लफ्ज़ के कई ज़ाहिरी तौर पर मतलब हैं।

- बच्चे के पैदा होने के बारे में इसका मतलब है, बच्चे को "पैदाइश देना"।
- बोझ उठाना” या " मुश्किलात का सामना करना"। इन मुश्किल चीज़ों में जिस्मानी और जज़्बाती परेशानी शामिल है ।
- “फल लाना” का 'आम तौर पर एक इज़हार है , जिसका मतलब “फल पैदा करना ” या “फलदायक होना”।
- गवाही देना” या “गवाह देना” या “जो देखा है तजुर्बा किया है उसका बयान करना।”
- बेटा बाप के गुनाह का फल नहीं पाएगा ” या "वह इसका ज़िम्मेदार नहीं होगा” या "वह इसके लिए सज़ा नहीं पाएगा “सज़ा नहीं पाएगा।” उसके बाप के गुनाहों का |
- 'आम तौर पर: इस लफ्ज़ का तर्जुमा “उठाना” या “जिम्मेदार होना” या “पैदा करना” या “सब्र करना” या “सहना” पसमंजर के मुक़ाबिल भी हो सकता है।

(तर्जुमा की सलाह: नामों का तर्जुमा

(यह भी देखें : एलीशा, सब्र करना, फल, बे दीन के काम, ख़ुशख़बरी, भेड़, ताक़त, गवाह, गवाह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- नौहा 03:25-29

## शब्दकोश:

- Strong's: H2232, H3201, H3205, H5187, H5375, H5445, H5449, H6030, H6509, H6779, G142, G399, G430, G503, G941, G1080, G1627, G2592, G3114, G3140, G4064, G4160, G4722, G4828, G4901, G5041, G5088, G5297, G5342, G5409, G5576

# साँप, साँपों, साँप, साँप, साँप, साँपों

## सच्चाई:

यह सब लफ़्ज़ एक ऐसे रेंगनेवाले जानदार के बारे में हैं जिसका जिस्म लम्बा और निकले हुए दांत होते हैं वह ज़मीन पर टेढ़ी मेढ़ी चाल से रेंगता है। “सांप” (सांप) लफ़्ज़ एक बड़े सांप के बारे में है और “नाँग ” ज़हरीला साँप होता है जो अपने शिकार को मारने के लिए ज़हर को काम में लेता है।

- यह लफ़्ज़ 'अलामती शक्ल में एक ऐसे शख़्स के लिए काम में लिया जाता है जो बदकार है, ख़ास तौर से धोखा देनेवाले के लिए।
- ‘ईसा मज़हबी रहनुमाओं को “साँप के बच्चे” कहता था क्यूँकि वह रास्तबाज़ी का दिखावा करते थे लेकिन असल में लोगोंको धोखा देते थे और उनके साथ ख़ुद गर्ज़ी के जैसा सुलूक करते थे।
- अदन की बाग़ में, शैतान ने साँप की शक्ल इख्तियार की और हव्वा को बहला कर ख़ुदावन्द के हुक्म की नाफ़रमानी करवाई।
- जब शैतान ने साँप की शक्ल में हव्वा को आज़माइश में डालकर गुनाह करवाया, तब ख़ुदावन्द ने उसे ला'नतीकर दिया कि सारे साँप ज़मीन पर रेंग कर चलेंगे, इसका मतलब तो यह हुआ कि इससे पहले साँपों के पैर थे।

(तर्जुमा की सलाह नामों का तर्जुमा कैसे करें)

(यह भी देखें: ला’नत, छलना, नाफ़रमानी, अदन, बुरा, औलाद, शिकार, शैतान, गुनाह, आज़माइश करना

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 03: 1-3
- पैदाइश 03:4-6
- पैदाइश 03:12-13
- मरकुस 16:17-18
- मत्ती 03:7-9
- मत्ती 23:32-33

## शब्दकोश:

- Strong's: H660, H2119, H5175, H6620, H6848, H8314, H8577, G2191, G2062, G3789

# सांस, सांस फूंकना, सांस लेता है, सांस फूँक दिया, सांस लेना

## ता'अर्रुफ़:

किताब-ए-मुक़द्दस" सांस फूंकना" और "सांस" हमेशा 'अलामती शक्ल में ज़िन्दगी देना या "ज़िन्दा होने के बारे में काम में लिए गए है।

- किताब-ए-मुक़द्दस में इज़हार है कि ख़ुदा ने आदम में ज़िन्दगी की सांस फूंका। उसी लम्हे में आदम ज़िन्दा जान्दार हो गया।
- जब 'ईसा ने शागिर्दों पर फूंका और उनसे कहा "रूह में" तब वह हक़ीक़त में उन पर सांस फूंक रहा था जो उन पर पाक रूह के तशरीह का हर एक था।
- कभी-कभी "सांस लेना" या "सांस छोड़ना" का मतलब तलाफ़्फ़ुज़ करना से भी है।
- "ख़ुदावन्द का सांस" या "यहोवा की सांस " इस जुमले का 'अलामती तर्जुमा हमेशा बाग़ी और बदमा'श क़ौमों पर ख़ुदा का गज़ब डाला जाता है। इससे उसका ताक़तवर ज़ाहिर होता है।

## तर्जुमा की सलाह:

- "आख़िर सांस लेना" या मरना। इसका तर्जुमा हो सकता है, "उसने अपनी आख़िर सांस ली" या "उसकी सांस ख़त्म हो गई और वह मर गया " या "उसने आख़िर बार हवा में सांस ली"।
- किताब-ए-मुक़द्दस को "ख़ुदा की सांस से पाक हैं" इसका मतलब है कि ख़ुदा ने कलाम कहा या भेजा किए तब इंसानी लिखने वालों ने लिखा। अगर मुमकिन हो तो बहुत अच्छा यही होगा कि "ख़ुदावन्द की तलाश" का तर्जुमा जैसे का तैसे ही रहने दिया जाए क्योंकि इसका तर्जुमा करना सख्त होगा।
- अगर"ख़ुदा की सांस से रचा गया" को जैसे का तैसे रखना क़बूल न हो तो इसको और तर्जुमें हो सकते हैं, "ख़ुदावन्द " या "खुद की तरफ़ से लिखा " या "ख़ुदा की तरफ़ से बोला गया" यह भी कहा जा सकता है कि "ख़ुदा ने कलामे मुक़द्दस के कलामों को सांस के ज़रिए ज़ाहिर किया"।
- "सांस डालना" या "जान फूंकना" या "ज़िन्दगी देना" का तर्जुमा हो सकता है, "सांस लेने के लायक़ बनाना" या "दुबारह ज़िन्दा करना" या "जीने और सांस लेने के लायक़ करना" या "ज़िन्दगी देना"
- अगर मुमकिन हो तो "ख़ुदावन्द कि सांस " को मक़सदी ज़बान में सांस लफ्ज़ ही से तर्जुमा करें। अगर खुदा का सांस माना नहीं जाता है तो इसका तर्जुमा "ख़ुदा की ताक़त" या "ख़ुदा का तलाफ़्फ़ुज़ " करें।
- "सांस भी लेने (देना)" का तर्जुमा "कई इत्मिनान से सांस लेने के लिए आराम करना" या "'आम तौर से सांस लेने के लिए दौड़ना बंद करो"।
- "सिर्फ़ एक सांस है" या "बहुत कम वक़्त का है"।
- इसी तरह , "इंसान सांस भर का" होता है या "इंसान बहुत कम वक़्त ज़िन्दा रहता है" या "इंसानों की ज़िन्दगी बहुत कम है"। या "ख़ुदावन्द की बराबरी में इंसान की ज़िन्दगी इतनी छोटी है जितनी कि एक सांस होती है"।

(यह भी देखें: आदम, पौलुस , ख़ुदावन्द का कलम , ज़िन्दगी )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 17:17-18
- वाइज़08:8-9
- अय्यूब 04:7-9
- मुक़ाशिफा11:10-12
- मुक़ाशिफा 13:15-17

## शब्दकोश:

- Strong's: H3307, H5301, H5396, H5397, H7307, H7309, G1709, G1720, G4157

# साथी, शरीक़, हम ख़िदमत ,हम ख़िदमत

## सच्चाई:

“साथी” का मा’नी है किसी के साथ रहनेवाला इन्सान या किसी से जुड़ा हुआ इन्सान जैसे दोस्ती या शादी में। “साथी”का मा’नी एक साथ काम करने वाला शख़्स|

- साथी एक ही तजुरबे को महसूस करते हैं, एक साथ खाना खाते हैं और एक दूसरे को मदद देते हैं और हौसला देते हैं।
- मज़मून के मुताबिक़ इस लफ़्ज़ का तर्जुमा एक ऐसे लफ़्ज़ या जुमले से हो जिसका मा’नी है, “दोस्त” या “शरीक़” या “किसी के साथ चलने वाला मददगार शख़्स”

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- हिज़क़ीएल 37:15-17
- इब्रानियों 01:8-9
- अम्साल 02:16-17
- ज़ूबूर 038:11-12

## शब्दकोश:

- Strong's: H251, H441, H2269, H2270, H2271, H2273, H2278, H3674, H3675, H4828, H7453, H7462, H7464, G2844, G3353, G4791, G4898, G4904

# साया, साये, सायादार, सायादार

## ता’अरुफ़:

“साया” का मतलब है रौशनी को रोकने वाली चीज़ का साया है। इसके कई 'अलामती मतलब भी हैं।

- “मौत का साया ” या'नी मौत क़रीब है, जिस तरह कि साया ज़ाहिर करता है कि कोई चीज़ क़रीब है।
- कलाम में कई बार लोगों की ज़िन्दगी की बराबरी साया से की गई है जो ज़्यादा वक़्त की नहीं होती है और उसकी कोई हक़ीक़त नहीं होती है।
- कभी-कभी “साया” लफ़्ज़ को “तारीकी” के लिए भी काम में लिया जाता है।
- ख़ुदावन्द के परों या हाथों की साया में रखने का ज़िक्र कलाम में किया गया है। यह महफ़ूज़ रहने और ख़तरे से छिप जाने की एक 'अलामती शक्ल है। “साया” के तर्जुमे की शक्लें हो सकती हैं “साया” या “हिफ़ाज़त” या “महफ़ूज़ ”।
- बेहतर तो यह होगा कि “साया” लफ़्ज़ का तर्जुमा मक़सदी ज़बान के उसी लफ़्ज़ से किया जाए जिसे साया के लिए काम में लिया जाता है।

(यह भी देखें: ख़ुदावन्द, रोशनी )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 सलातीन 20:8-9
- पैदाइश 19: 6-8
- यसा'याह 30:1-2
- यरमियाह 06:4-5
- ज़बूर 017:8-10

## शब्दकोश:

- Strong's: H2927, H6738, H6751, H6752, H6754, H6757, H6767, G644, G1982, G2683, G4639

# साल , सालों

## ता'रुफ़:

कलाम में “साल ” का ह्क़ीक़ी मतलब था 354 दिनों का वक़्त । यह साल चाँद कैलेण्डर के मुताबिक़ था जब चाँद ज़मीन के एक चक्कर कर लेता है।

- आज का साल शम्सी कैलेण्डर के मुताबिक़ 365 दिन का होता है और बारह महीने होते हैं, यह वक़्त ज़मीन की तरफ़ से सूरज के चक्कर का वक़्त है।
- दोनों ही कैलेण्डरों में साल के बारह महीने हैं। चाँद कैलेण्डर के साल में तेरहवां महीना जोड़ा जाता है यह उस सच्चाई के लिए है कि चंद साल शम्सी साल से ग्यारह दिन छोटा है। इससे दोनों कैलेण्डरों को बरक़रार रखने में मदद मिलती है।
- कलाम में सालों को 'अलामती शक्ल में भी काम में लिया जाता है जो किसी हादसे के लिए वक़्त की 'आम बात के लिए काम में लिया जाता है। इसकी मिसाल हैं “यहोवा का साल ” या “क़हत का साल” या “यहोवा के ख़ुश रहने के साल ”। ऐसे हवालों में “साल ” का तर्जुमा“वक़्त ” या “मौसम” या “वक़्त का वक्फा” किया जा सकता है।

(यह भी देखें:महीना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 सलातीन 23:31-33
- रसूलों के 'आमाल. 19:8-10
- दानिएल 08:1-2
- ख़ुरूज 12:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H3117, H7620, H7657, H8140, H8141, G1763, G2094

# साक़ी ,साक़ी

## ता’रीफ़:

पुराने ‘अहद नामे के ज़माने में “साक़ी” बादशाह का वह ख़ादिम होता था जो बादशाह को मय का कटोरा देता था, वह पहले ख़ुद मय का ज़ायक़ा लेकर तय करता था कि उसमें ज़हर तो नहीं है।

- इसका लफ़्ज़ी मतलब हो सकता है “कटोरा लाने वाला” या “वह जो कटोरा लाता है”।
- “साक़ी” भरोसे मंद होने और राजा का वफ़ादार होने के लिए जाना जाता था।
- उसकी वफ़ादारी की वजह से साक़ी हमेशा बादशाह के ज़रिये’ लिए गए फ़ैसले पर असर डाल सकता था।
- नहमियाह ख़ास बादशाह का साक़ी था, उस वक़्त भी कुछ इस्राईली बाबुल की ग़ुलामी में थे।

(यह भी देखें: ख़ास , बाबुल, क़ैदी, फ़ारस, फ़िर’औंन)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 10:3-5
- नहमियाह 01:10-11

## शब्दकोश:

- Strong's: H8248

# सिखाना, सिखाता है, पढ़ाया गया, ता’लीम , ता’लीमें , अनपढ़

## ता’अर्रुफ़:

किसी को "सिखाने" का मतलब है कि उसे वह बताना जो वह पहले से न जानता हो। इसका मतलब आम तौर में "मा’लूमात ‘अता करने" का भी हो सकता है, जिसका बयान सीखने वाले इन्सान से नहीं होता। आम तौर पर मा’लूमात ज़ाहिरी या दानिस्ता तौर से दी जाती है। एक इन्सान का "तरबियत " या उसकी "ता’लीम " वह हैं जो उसने पढ़ाया है।

- “उस्ताद ” वह है जो ता’लीम देता है। “सिखाना” की माज़ी काम है, “सिखाया जाता है”
- ‘ईसा अपनी ता’लीमों में ख़ुदा और उसकी बादशाहत की बातें बताता था।
- ‘ईसा के शागिर्द उसे “उस्ताद ” कहते थे। यह ख़ुदा के लिए इन्सानों में ता’लीम देनेवाले के लिए एक इज़्ज़त का ‘ओहदा था।
- जिन मा’लूमातों की ता’लीम दी जाती है उनका ज़ाहिर होना या बोला जा सकता है।
- “तरबियत ” ख़ुदा के बारे में दी जानेवाली ता’लीमों का दारोमदार और ज़िन्दगी गुज़ारने के बारे में ख़ुदा के हुक्म है। इसका तर्जुमा “ख़ुदा की ता’लीमें ” या “ख़ुदा जो सिखाता है” की शक्ल में हो सकता है।
- मज़मून पर मुनहसिर “तुझे सिखाया गया” कातर्जुमा , “इन लोगों ने तुझे जो सिखाया” या “ख़ुदा ने तुझे जो सिखाया” हो सकता है।
- “ता’लीम देना” के और तर्जुमें “कहना”, या “समझना” या “हुक्म देना” हो सकते है।
- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा ज़यादा तर होता है, “इन्सानों को ख़ुदा के बारे में समझाना”

(यह भी देखें: हुक्म, उस्ताद, ख़ुदा का कलाम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तीमुथियुस 01:3-4
- रसूलों के 'आमाल 02:40-42
- यूहन्ना 07:14-16
- लूका 04:31-32
- मत्ती. 04:23-25
- ज़ुबूर 032:7-8

## शब्दकोश:

- Strong's: H502, H2094, H2449, H3045, H3046, H3256, H3384, H3925, H3948, H7919, H8150, G1317, G1321, G1322, G2085, G2605, G2727, G3100, G2312, G2567, G3811, G4994

# सिपहसालार , सरदारों

## ता’अर्रुफ़:

“सिपहसालार” लफ़्ज़ फ़ौज के रहनुमा का हवाला देता है, जो सिपाहियों के दस्ते का रहनुमाई करने के लिए जिम्मेदार होता है।

- सिपहसालार एक छोटे झुण्ड या एक बड़े मजमे’ का रहनुमा हो सकता है, जैसे कि एक हजार आदमियों का मजमा’
- यह लफ़्ज़ यहोवा के बारे में भी इस्ते’माल होता है कि वह फ़रिश्तों की फ़ौज का रहनुमा है।

सिपहसालार के और तर्जुमे की शक्ल हैं “रहनुमा” या “सरदार” या “हाकिम”

- फ़ौज को “हुक्म देना” का तर्जुमा “रहनुमाई करना” या “ज़िम्मेदार होना” की शक्ल में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: हुक्म, हाकिमो, सूबेदार)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 11:4-6
- 2 तवारीख़ 11:11-12
- दानीएल 02:14-16
- मरकुस 06:21-22
- अम्साल 06:6-8

## शब्दकोश:

- Strong's: H2710, H2951, H1169, H4929, H5057, H6346, H7101, H7262, H7218, H7227, H7229, H7990, H8269, G5506

# सिपाही , सिपाहियों, शमशीर ज़न मर्द , बहादुरों

## सच्चाई:

“सिपाही ” और “सैनिक” दोनों लफ़्ज़ सेना में जंग करनेवाले इन्सानों के बारे में हैं। लेकिन इनमें कुछ फ़र्क़ है।

- “शमशीर ज़न मर्द” एक आम और एक ख़ास लफ़्ज़ है जो जंग के मुल्क में एक माहिर और हिम्मती इन्सान होता है।
- यहोवा को तम्सीली शक्ल में “जंग करने वाला ” कहा गया है।
- “सिपाही ” या’नी फ़ौज का एक फ़र्द जो किसी जंग में लड़ता है।
- यरूशलीम में रोमी सिपाही निज़ाम बनाए रखने और क़ैदियों को मौत की सज़ा देने के लिए मुक़र्रर किए गए थे। वे ‘ईसा को सलीब देने से पहले उसे क़ैदी बनाए हुए थे और कुछ को उसकी क़ब्र पर रखवाली करने के लिए भी रखा गया था।
- मुतरज्जिम को ध्यान देना है कि उसकी ज़बान में “शमशीर ज़न मर्द” और “सिपाही ” के लिए दो अलग-अलग लफ़्ज़ हैं, जिनका मतलब और इस्तेमाल भी अलग अलग है।

(यह भी देखें: हिम्मत , सलीब पर चढ़ाना, रोम, क़ब्र)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 21:4-5
- रसूलों के 'आमाल 21:32-33
- लूका 03:14
- लूका 23:11-12
- मत्ती. 08:8-10

## शब्दकोश:

- Strong's: , H352, H510, H1368, H1416, H1995, H2389, H2428, H2502, H3715, H4421, H5431, H5971, H6518, H6635, H7273, H7916, G4686, G4753, G4754, G4757, G4758, G4961

# सिर

## ता'अर्रुफ़:

“सिर”, शख़्स या जानवर के सिर का हड्डी का ढाँचा।

- कभी-कभी “खोपड़ी” लफ़्ज़ का इस्ते'माल “सिर” के लिए भी किया जाता है जैसे “ सिर मुंडवाले”।
- “ सिर की जगह ” गुलगता का एक और नाम है जहाँ 'ईसा को सलीब पर चढ़ाया गया था।
- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा “सिर” या “सिर की हड्डी” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: सलीब पर चढ़ाना, गुलगता)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 सलातीन 09:35-37
- यरमियाह 02:14-17
- यूहन्ना 19:17-18
- मत्ती. 27:32-34

## शब्दकोश:

- Strong's: H1538, H2026, H2076, H2490, H2491, H2717, H2763, H2873, H2874, H4191, H4194, H5221, H6936, H6991, H6992, H7523, H7819, G337, G615, G1315, G2380, G2695, G4968, G4969, G5407

# सिर, सिरों, माथा, माथों, चन्दुए, टोपियाँ, पेशानी, गुलूबंद, सिर कटवा दिया

## ता'अर्रुफ़:

किताब-ए-मुक़द्दस में "सिर" लफ़्ज़ को मुख़्तलिफ़ 'अलामती शक्लों में काम में लिया गया है।

- इस लफ़्ज़ का इस्ते'माल इन्सानों पर इख़्तियार रखने वाले के लिए किया गया है। "तूने मुझे क़ौम-क़ौम का सिर बनाया है।" इसका तर्जुमा हो सकता हैः "तू ने मुझे बादशाह बनाया है" या "तूने मुझे.... पर इख़्तियार दिया है।"
- 'ईसा को "कलीसिया का सिर कहा गया है। जिस तरह इन्सान का सिर उसके जिस्म के 'आज़ा को हुक्म देता है उसी तरह 'ईसा अपने "जिस्म" कलीसिया के अफ़राद का हुक्म देता है।
- नया 'अहद नामा सिखाता है कि शौहर अपनी बीवी का सिर है। उसे अपनी बीवी और ख़ानदान की रहनुमाई और ज़िम्मेदारी सौंपी है।
- "उसके सिर पर उस्तरा न चलाया जाए" या'नी "वह न तो कभी अपने बाल कटवाए और न ही कभी दाढ़ी बनवाए।"
- "सिर" का मतलब कभी-कभी किसी बात के शुरू'आती दौर या ज़रिया' से होता है जैसे, "राह का सिर (शुरू')"
- "गेहूं का सिर" या'नी गेहूं या जौ के पौधे का वह ऊपरी हिस्सा जहाँ बीज होता है।
- "सिर" का एक और 'अलामती इस्ते'माल है जो इन्सान के पूरी इंसानियत का 'इल्म कराता है जैसे "सफेद सिर" या'नी बूढ़े लोग या "यूसुफ़ का सिर" या'नी यूसुफ़। (देखें: हमअहनगी
- इज़हार "इसका ख़ून उसके सिर पर हो" या'नी उसकी मौत का ज़िम्मेदारर यही इन्सान हो और सज़ा पाए।

## तर्जुमे की सलाह

- मज़मून पर मुनहस्सिर "सिर" का तर्जुमा हो सकता है, "इख़्तियार" या "रहनुमाई और हुक्म देने वाला" या "ज़िम्मेदार इन्सान"
- इज़हार "का सिर" का मतलब है पूरी इंसानियत लिहाज़ा इसका तर्जुमा सिर्फ इन्सान के नाम से किया जा सकता है। मिसाल के तौर पर, "यूसुफ़ का सिर" जुमले का तर्जुमा आसानी से किया जा सकता है, "यूसुफ़"
- इज़हार "उसके ही सिर पर होगा" इस जुमले का तर्जुमा किया जा सकता है, "उस पर हो" या "वह सज़ा पाए" या "वही ज़िम्मेदार माना जाए" या "वह मुजरिम माना जाए"।
- मज़मून पर मुनहस्सिर इस लफ़्ज़ के तर्जुमे के तरीक़े हो सकते हैं, "शुरू'आत" या "ज़रिया'" या "हाकिम" या "रहनुमा" या "ऊपर"।

(यह भी देखें: अनाज

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 01:51-54
- 1 सलातीन 08:1-2
- 1 शमूएल 09:22
- कुलुस्सियों 02:10-12
- कुलुस्सियों 02:18-19
- गिनती 01:4-6

## शब्दकोश:

- Strong's: H441, H1270, H1538, H3852, H4425, H4761, H4763, H5110, H5324, H6285, H6287, H6797, H6915, H6936, H7139, H7144, H7146, H7217, H7226, H7218, H7541, H7636, H7641, H7872, G346, G755, G2775, G2776, G4719

# सींग, सींगों, सींग वाले

## सच्चाई:

सींग, बहुत से जानवरों के सिर पर शख़्त नुकीले भाग होते हैं, जैसे मवेशी, भेड़, बकरी, हिरन।

- भेड़ें(नर भेड़) की सींग से मोशीक़ी का सामान बनाया जाता था, जिसे “नरसिंगा” या “शोफार” कहता है जिसे ख़ास जश्न जैसे कि मज़हबी ‘ईदों पर फूंका जाता था।
- ख़ुदा ने इस्राईलियों को हुक्म दिया था कि धूप जलाने की और पीतल की क़ुर्बानगाह के चारों कोनों पर सींग जैसी नख्खाशी करें। अगरचे इन नख्खाशी को सींग कहते थे, वे हक़ीक़त में जानवरों के सींग नहीं थे।
- सींग कभी-कभी पानी या तेल के बर्तन को भी कहा जाता था जिसकी बनावट सींग जैसी होती थी। तेल का ऐसा सींग का इस्ते’माल एक बादशाह के मसह के लिए काम में लिया जाता था, जैसे सैमुएल ने दाऊद के साथ किया|
- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा तुरही लफ़्ज़ के तर्जुमे से एक बिल्कुल अलग लफ़्ज़ के ज़रिए’ किया जाना चाहिए।
- सींग लफ़्ज़ का ‘अलामती इस्ते’माल ताक़त, क़ुव्वत, इख़्तियार और शान को ज़ाहिर करने के लिए भी काम में लिया गया है।

(यह भी देखें: इख़्तियार, गाय, हिरन, बकरी, क़ुव्वत शाही, भेड़, तुरही)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 15:27-28
- 1 सलातीन 01:38-40
- 2 शमूएल 22:3-4
- यरमियाह 17:1-2
- ज़ुबूर 022:20-21

## शब्दकोश:

- Strong's:H3104, H7160, H7161, H7162, H7782, G2768

# सुकून , पुर सुकून , पुर अमन , सुकून के लायक़ , सुलह कराने वाले

## ता'अर्रुफ़:

“सुकून ” लफ़्ज़ वह हालात हैं जब किसी भी तरह का झगड़ा या फ़िक्र या खौफ़ न हो। “पुर सुकून ” इन्सान सुकून को महसूस करता है और उसे हिफ़ाज़त का यक़ीन होता है।

- “सुकून” उस वक़्त को भी दिखाता है जब कौमें और मुल्क आपस में जंग नहीं करते हैं। इन लोगों के “पुर सुकून रिश्ते ” कहलाते हैं।
- किसी इन्सान का क़बीले के साथ “सुलह क़ायम ” को करने का मतलब है जंग रोकने की कोशिश करना।
- “सुकून बनाने वाला” वह इन्सान है जो इन्सान को हमेशा सुलह में रहने के लिए काम करता है या असर करने वाली बातें करता है।
- इन्सान के साथ “सुकून बनाए रखने” का मतलब है उनके साथ जंग नहीं करने की हालत में रहना।
- ख़ुदा और इन्सानों में अच्छे और सही रिश्ते तब पैदा होते हैं जब ख़ुदा इन्सानों को गुनाहों से बचा लेता है। इसे " ख़ुदा के साथ मेल" कहते हैं।
- “फ़ज़ल और सुकून” का इस्तकबाल रसूल अपने ख़तों में ईमानदारों को दु'आ की शक्ल में लिखते थे।
- “सुकून” लफ़्ज़ का बयान इन्सानों के साथ या ख़ुदा के साथ सही रिश्ते में रहने से भी है।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:1-3
- रसूलों के अमाल 07:26-28
- कुलुस्सियों 01:18-20
- कुलुस्सियों 03:15-17
- गलातियों 05:22-24
- लूका 07:48-50
- लूका 12:51-53
- मरकुस 04:38-39
- मत्ती 05:9-10
- मत्ती 10:11-13

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **15:06** ख़ुदा ने इस्राईलियों को हुक्म दिया था ,कि वह कना'न में लोगों के किसी भी झुण्ड के साथ समझौता _सुलह _ क़ायम न करे,
- **15:12**तब ख़ुदा ने इस्राईलियों को सारी हदों के साथ _ अमन _ अता' किया
- **16:03**तब ख़ुदा ने एक नजात दहिन्दा 'अता किया, जिन्होंने उन्हें अपने दुश्मनों से बचाया और मुल्क में _ अमन _ लाया
- **21:13** वह और लोगों के गुनाहों की वजह से मारा जाएगा। उसको सज़ा होने से ख़ुदा और लोगों के बीच में _ अमन _ क़ायम होगा।
- **48:14** दाऊद इस्राईल का राजा था, लेकिन 'ईसा पूरे जहान का बादशाह है! वह फिर से आएगा, और अपने बादशाहत पर इन्साफ़ और _ अमन _ के साथ हमेशा बाद्शाही करेगा।
- **50:17** 'ईसा अपनी सल्तनत पर _ अमन _ व इन्साफ़ के साथ हुकूमत करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

## शब्दकोश:

- Strong's: H5117, H7961, H7962, H7965, H7999, H8001, H8002, H8003, H8252, G269, G31514, G1515, G1516, G1517, G1518, G2272

# सुतून , लाटें, खम्भा, खम्भों

## ता’अर्रुफ़:

“खम्भा” एक बड़ी खड़ी चोटी जिस पर छत को या मकान के और हिस्से को रोका जाए। “खम्भा” का दूसरा लफ़्ज़ सुतून होता है।

- कलाम के ज़माने में मकान को सहारा देने के लिए जो खंभे बनाए जाते थे वे आम तौर पर एक ही पत्थर में से काटकर निकाले जाते थे।
- पुराने ‘अहद नामे में शिमसोन को फ़िलिस्तियों ने क़ैदी बना लिया था तब उसने उनके हैकल के खंभों को गिराकर हैकल को बर्बाद कर दिया था।
- कभी-कभी “खंभा” लफ़्ज़ किसी की क़ब्र या किसी हादसे की याद में खड़ी की गई चट्टान को भी कहा गया है।
- यह लफ़्ज़ किसी देवी-देवता के बुत की इबादत के बारे में भी इस्तेमाल किया गया है। किसी गढ़ी हुई शकल के लिए भी इस लफ़्ज़ का इस्तेमाल किया गया है जिसका तर्जुमा “मुजस्समा ” किया जा सकता है।
- “खंभा” लफ़्ज़ किसी भी सुतून की शक्ल वाली चोटी के लिए किया जा सकता है जैसे आग का खंभा जो इस्राईलियों की जंगल में रात को रहनुमाई करता था या “नमक का खंभा” लूत की बीवी नमक का खंभा बन गई थी जब उसने पलट कर सदोम को देखा था।
- किसी मकान को थामने वाली चोटी के लिए “खंभा” लफ़्ज़ का इस्तेमाल किया जाता है तो इसका तर्जुमा “खड़ी पत्थर की लाट का सहारा” या “थामने वाली पत्थर कीचोटी ” किया जा सकता है।
- “खंभा” के और इस्तेमाल का तर्जुमा हो सकता है, “मुजस्समा ” या “ढेर” या “सुतून ” या “इमारत ” या “ऊंची चोटी ” वगैरह जो मज़मून के मुताबिक़ सही हो।

(यह भी देखें: बुनयाद, बुत, शकल)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 सलातीन 18:4-5
- ख़ुरूज 13:19-22
- ख़ुरूज 33:7-9
- पैदाइश 31:45-47
- अम्साल 09:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H352, H547, H2106, H2553, H3730, H4552, H4676, H4678, H4690, H5324, H5333, H5982, H8490, G4769

# सुपुर्द करे, सुपुर्द करना, सुपुर्द किया, सुपुर्दगी

## ता'अरुफ़

सुपुर्द करने के लिए ख़ास मक़सद या जशन के लिए किसी चीज़ को अलग करना या अंजाम देना है|

- दाऊद ने अपना सोना-चांदी ख़ुदा को सुपुर्द कर दिया था।
- अक्सर लफ़्ज़ "सुपुर्दगी" ज़ाती वाक़े' या जशन के बारे में है जिसको किसी ख़ास मक़सद के लिए कुछ अलग करना है|
- कुर्बानगाह की सुपुर्दगी में ख़ुदा के लिए क़ुर्बानी पेश की जाती थी।
- नहमियाह ने यरूशलीम की दीवारों को एक नए 'अहद के साथ दुबारा ता'मीर के लिए इस्राईल की रहनुमाई की, जो यह था सिर्फ़ ख़ुदा की ख़िदमत और अपने शहर की देखभाल करना| इस वाक़े' में मोसीक़ी के सामान और गाने के साथ ख़ुदा की शुक्रगुज़ारी शामिल थी|
- लफ़्ज़ "सुपुर्द" का तर्जुमा इस तरह भी किया जा सकता है, " एक ख़ास मक़सद के लिए ख़ास इन्तख़ाब करना" या "किसी ख़ास इस्ते'माल के लिए कुछ करना" या "एक ख़ास काम करने के लिए किसी को सुपुर्द करना"

(यह भी देखें: वा'दा करना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 15:11-12
- 1 कुरिन्थियों 06:9-11
- 1 सलातीन 07:51
- 1 तीमुथियुस 04:3-5
- 2 तवारीख़ 02:4-5
- यूहन्ना 17:18-19
- लूक़ा 02:22-24

## शब्दकोश:

- Strong's: H2596, H2597, H2598, H2764, H4394, H6942, H6944, G1456, G1457

# सुलह कराने वाला

## ता’अर्रुफ़:

“सुलह कराने वाला” दो गिरोह या ज़्यादा लोगों के बीच के तनाज़े या परेशानी को हल करता है। वह आपसी मेल में उनकी मदद करता है।

- गुनाह की वजह से इन्सान ख़ुदा का दुश्मन है जो उसके ग़ुस्से और सज़ा का हिस्सा है। गुनाह की वजह, ख़ुदा और उसके लोगों के दरमियान ता'अल्लुक़ टूटा हुआ है।
- ‘ईसा बाप ख़ुदा और उसके लोगों के बीच सुलह कराने वाला है उसने गुनाह की क़ीमत चुकाने के लिए अपनी मौत के ज़रिए' उसने टूटे हुए ता'अल्लुक़ात को बहाल कर दिया है।

## तर्जुमा की सलाह:

- “सुलह कराने वाला का तर्जुमा हो सकता है”, “बिचौलियाँ” या “मेल कराने वाला” या “अमन क़ायम करनेवाला”
- इस लफ़्ज़ के तर्जुमा की बराबरी “काहिन” लफ़्ज़ के तर्जुमा से करें। “सुलह कराने वाला” का तर्जुमा अलग लफ़्ज़ से करेंगे तो बेहतर होगा।

(यह भी देखें: काहिन, सुलह करना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तीमुथियुस 02:5-7
- गलातियों 03:19-20
- 'इब्रानियों 08:6-7
- 'इब्रानियों 12:22-24
- लूक़ा 12:13-15

## शब्दकोश:

- Strong's: H3887, G3312, G3316

# सुलह की क़ुर्बानी, सुलह की क़ुर्बानियों

## सच्चाई:

“सुलह की कुर्बानी” ख़ुदा के हुक्म के मुताबिक़ इस्राईल में जो कुर्बानियाँ पेश होती थी उनमें से एक यह भी थी। * इसे कभी-कभी “शुक्र की क़ुर्बानी” या “शराकत कीक़ुर्बानी” भी कहा गया है।

- इनमें एक बे’ऐब जानवर को क़ुर्बान किया जाता था और उस जानवर का ख़ून क़ुर्बान गाह पर छिड़का जाता था, उसकी चर्बी और जानवर को अलग जलाया जाता था।
- इस क़ुर्बानी के साथ बेख़मीरी रोटी तथा ख़मीरी रोटी दोनों की क़ुर्बानी चढ़ाई जाती थी जिन्हें आतिशी क़ुर्बानी के ऊपर जलाया जाता था।
- काहिन और ईमानदार दोनों को यह गोश्त खाने की इजाज़त थी।
- इस क़ुर्बानी में ख़ुदा को अपने लोगों के साथ शराकत ज़ाहिर होती थी।

(यह भी देखें: आतिशी क़ुर्बानी, शराकत, सुलह की क़ुर्बानी, अनाज की क़ुर्बानी, काहिन, क़ुर्बानी, बे ख़मीरी रोटी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 समू’एल 13:8-10
- हिज़क़ीएल 45:16-17
- यशू’अ 08:30-32
- अह्बार 09:3-5
- अमसाल 07:13-15

## शब्दकोश:

- Strong's: H8002

# सूअर, सूअरों, सूअर का गोश्त , सुअर

## ता'अर्रुफ़:

सूअर एक चौपाया है जिसे गोश्त वाले खाने के लिए पाला जाता है। उसका गोश्त “पोर्क” कहलाता है। "सूअर" लफ़्ज़ अक्सर सुअर की पूरी नसल के लिए काम लिया जाता है।

- ख़ुदा ने इस्राईलियों के लिए सूअर का गोश्त खाना मना किया था इसलिए उसे नापाक ठहराया था। यहूदी आज भी इसे नापाक मानते है और उसके गोश्त से नफ़रत करते हैं।
- सूअरों को पाल कर गोश्त के लिए बेचा जाता है।
- एक तरह की सूअर की नसल जंगल में रहती है, उसे “जंगली सूअर” कहते हैं। जंगली सूअर के दांत बड़े होते हैं, और वह बहुत खतरनाक होता है।

बड़े सूअरों को “शूकर” कहा जाता है।

(यह भी देखें: अनजान लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: नापाक

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 पतरस 02:20-22
- मरकुस 05:11-13
- मत्ती 07:6
- मत्ती 08:30-32

## शब्दकोश:

- Strong's: H2386, G5519

# सूबा, सूबा, सूबे के मुता’अल्लिक़

## सच्चाई:

सूबा , किसी मुल्क या सल्तनत का एक हिस्सा होता है। लफ़्ज़ "जाती सूबा " किसी ‘इलाक़े से जुडी खबर देता है, जैसे की सूबे का हाकिम।

- मसलन , पुराने फारसी मुल्क सूबों में बटा था जैसे मादी, फारस, सीरिया और मिस्र।
- नये ‘अहद नामे के ज़माने में रोमी सल्तनत सूबों में बंटा था जैसे मकिदुनिया, एशिया, सीरिया, यहूदिया, सामरिया, गलील तथा गलातिया।
- हर सूबे का अपना मनसबदार था जो सल्तनत के बादशाह या हाकिम के मातहत था। ऐसे हाकिम को “मनसबदार ”या“नाज़िम ” कहते थे।
- “सूबा ” और “जाती सूबा ” कातर्जुमा , “’इलाक़ा ” और “’इलाक़ाई ” किया जा सकता है।

(यह भी देखें :एशिया, मिस्र, एस्तेर, गलतिया, गलील, यहूदिया, मकिदुनिया, मेडे, रोम, सामरिया, सीरिया)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के आमाल . 19:30-32
- दनीएल 03:1-2
- दनीएल 06:1-3
- वा’इज़ 02:7-8

## शब्दकोश:

- Strong's: H4082, H4083, H5675, H5676, G1885

# सेला

## ता'अरुफ़:

“सेला” 'इब्रानी ज़बान का एक लफ़्ज़ है जो ज़्यादातर ज़बूर में देखा जा सकता है। इसके कई एक मुनासिब मतलब हैं।

- इसका मतलब हो सकता है “ठहरो और ता'रीफ़ करो” इसके ज़रिए' सुनने वालों को आगाह किया जाता है कि वह मुनासिब लफ़्ज़ों पर तवज्जोह करें।.
- ज़्यादातर ज़बूर के गीत में लिखे गए थे, ऐसा माना जाता है कि “सेला लफ़्ज़ शायद मौसीक़ी का कोई लफ़्ज़ रहा होगा जिससे गायक को रूकने का इशारा दिया जाता था कि सिर्फ़ सितार बजाया जाए या सुनने वालों को हौसला अफ़्ज़ाई किया जाता था कि ज़बूर के लफ़्ज़ों पर गौर करें।

(यह भी देखें: ज़बूर)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- ज़बूर 003:3-4
- ज़बूर 024:5-6
- ज़बूर 046:6-7

## शब्दकोश:

- Strong's: H5542

# सोख़्तनी क़ुर्बानी, आतिशी कुर्बानियाँ, आग के ज़रिए’ हदिया

## ता’अर्रुफ़:

“सोख़्तनी क़ुर्बानी” ख़ुदा के सामने क़ुर्बानगाह पर जलाई जाने वाली क़ुर्बानी है। यह क़ुर्बानी इन्सानों के गुनाह के क़फ़्फ़ारे के लिए थी। इसे “आतिशी कुर्बानी” भी कहते थे।

- इस क़ुर्बानी के जानवर अमूमन भेड़ या बकरी थे लेकिन बैल और परिन्दे भी चढ़ाए जाते थे।
- जिल्द को छोड़कर पूरा जानवर जला दिया जाता था। खाल या जिल्द काहिन को दे दी जाती थी।
- ख़ुदा के हुक्म के मुताबिक़ यूहदियों को रोज़ दो सोख़्तनी क़ुर्बानियाँ पेश करनी होती थी।

(यह भी देखें: क़ुर्बानगाह, क़फ़्फ़ारा, बैल, काहिन, क़ुर्बानी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- ख़ुरूज 40:5-7
- पैदाइश 08:20-22
- पैदाइश 22:1-3
- अहबार 03:3-5
- मरकुस 12:32-34

## शब्दकोश:

- Strong's: H801, H5930, H7133, H8548, G3646

# सोता, सोते, चश्मा, चश्मे, उमड़ता

## ता’अर्रुफ़:

अलफ़ाज़ “सोता” और “चश्मा” का अक्सर मतलब होता है बहुत ज़्यादा पानी की ता’दाद जो क़ुदरती तरीक़े से ज़मीन से बहता है|

- किताब-ए-मुक़द्दस में इस लफ़्ज़ का ‘अलामती इस्ते’माल भी किया गया है कि ख़ुदा से निकलने वाली बरकतों का हवाला दे या साफ़ करने वाली या पाक करने वाली चीज़ का हवाला दे।
- नए ज़माने में, सोता इन्सान के ज़रिए’ बनाई हुई चीज़ होती है जिसमें पानी का बहाव होता है, जैसे पीने के पानी का सोता। यक़ीनी बनायें कि इस लफ़्ज़ का तर्जुमा क़ुदरती पानी का ज़रिया’ को ज़ाहिर करे।
- इस लफ़्ज़ के तर्जुमें का मुक़ाबला “बाढ़” के तर्जुमे से करें।

(यह भी देखें: बाढ़

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 पतरस 02:17-19
- पैदाइश 07:11-12
- पैदाइश 08:1-3
- पैदाइश 24:12-14
- पैदाइश 24:42-44
- या’क़ूब 03:11-12

## शब्दकोश:

- Strong's: H794, H953, H1530, H1543, H1876, H3222, H4002, H4161, H4456, H4599, H4726, H5033, H5869, H5927, H6524, H6779, H6780, H7823, H8444, H8666, G242, G305, G393, G985, G1530, G1816, G4077, G4855, G5453

# सोना, सोने

## ता’अर्रुफ़:

सोना पीले रंग की अच्छी धातु है जिससे ज़ेवरात और मज़हबी चीज़ें बनाई जाती हैं। पुराने ज़माने में यह सबसे ज़्यादा क़ीमती धातु थी।

- कलाम के वक़्त में, सोने से अलग अलग चीज़ें बनाई जाती थी या चीज़ों पर सोना चढ़ाया जाता था।
- ये चीज़ें थी कुन्दन दूसरे ज़ेवरात , बुत ,क़ुर्बान गाह और घर (ख़ेमा ) या हैकल की दूसरी चीज़ें जैसे 'अहद का सन्दूक़।
- पुराने 'अहद नामे के वक़त में सोना ख़रीद -ओ-फ़रोख़्त के काम में आता था। उसे तराज़ू में तोल कर उसकी क़ीमत मा'लूम किया जाता था।
- बा'द में सोने और चाँदी के सिक्के ख़रीद -ओ-फ़रोख़्त में काम में आने लगे।
- जब किसी ऐसी चीज़ का ज़िक्र हो जो सोने की नहीं हो उस पर सिर्फ़ सोना चढ़ा हुआ था तो “सुनहरा” या “सोना चढ़ा” या “सोने से ढका हुआ ” तर्जुमा किया जा सकता है।
- कभी-कभी किसी चीज़ को “सुनहरा” कहा जाता है, या'नी वह उसका रंग सोने जैसा है लेकिन सोने से बनी नहीं है।

(यह भी देखें: क़ुर्बानगाह , ‘अहद का सन्दूक़, झूठे मा’बूद , चांदी, ख़ेमा-ए-इज्तिमा' , हैकल )

## किताब-ए-मुकद्दस के बारे में:

- 1 पतरस 01:6-7
- 1 तीमुथियुस 02:8-10
- 2 तवारीख़ 01:14-15
- रसूलों के 'आमाल 03:4-6
- दानिएल 02:31-33

## शब्दकोश:

- Strong's: H1220, H1222, H1722, H2091, H2742, H3800, H4062, H5458, H6884, H6885, G5552, G5553, G5554, G5557

# सख़्त , हठीला, मग़रूर होकर,सख़्ती

## ता'अर्रुफ़:

“हठीले”, कलाम में इस्ते'माल किया जाने वाला जुमला है जो उन लोगों के लिए है जो ख़ुदावन्द के हुक्म न मानते हैं और तौबा करने से इन्कार करते हैं। ऐसे लोग बहुत मग़रूर होते है और ख़ुदावन्द के इख़्तियार के ताबे' नहीं होते है।

- इसी तरह, "हठीला" लफ़्ज़ का बयान उस जुमले के बारे में किया गया है, जिसने ऐसा करने के लिए कहा जाने पर भी अपनी सोच या काम बदलने से इन्कार कर दिया है। हठीले लोग अच्छी सलाह या ख़बरदारी नहीं सुनेंगे जो दूसरे लोग उन्हें देते हैं।
- पुराने 'अहद नामे ने इस्राईलियों को "ज़िद्दी" कहा क्यूँकि उन्होंने ख़ुदावन्द के नबियों से बहुत से पैग़ाम नहीं सुने, जिन्होंने उन्हें तौबा करने और यहोवा के पास वापस लौटने दरख़्वास्त की |
- अगर एक गर्दन "सख़्त" है तो यह आसानी से मुड़ता नहीं । मक़सदी ज़बान में एक अलग मुहावरे हो सकते हैं जो बात करता है कि कोई शख़्स "बे बुनियाद " है जिसमें वह अपने तरीक़े को बदलने से इनकार करता है ।
- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा करने के दूसरे तरीक़ों में " तकब्बुर ज़िद्दी" या " मग़रूर और ग़ैर जिस्मानी" या "बदलाव करने से इन्कार कर सकते हैं" शामिल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: तकब्बुर , मग़रूर, तौबा करना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 07:51-53
- इस्तिसना 09:13-14
- ख़ुरूज 13:14-16
- यरमियाह 03:17-18

## शब्दकोश:

- Strong's: H47, H3513, H5637, H6203, H6484, H7185, H7186, H7190, H8307, G483, G4644, G4645

# सज़ा देना, सज़ा देने , सज़ा करने, सज़ा करने, सज़ा , बे सज़ा

## ता'अरुफ़:

"सज़ा देना" लफ़्ज़ का मतलब है किसी ग़लत काम के इनकार का अन्जाम भुगतना "सज़ा" का मतलब है बुरे सुलूक का अन्जाम और इनकार का बर्ताव मिलना

- सज़ा का मक़सद होता है कि इन्सान गुनाह करना छोड़ दे।
- ख़ुदा इस्राईलियों को हुक्म अदूली की सज़ा देता था, ख़ास करके झूठे मा'बूद की इबादत की उनके गुनाहों की वजह से ख़ुदा उनके दुश्मनों को इजाज़त देता था कि वे उन पर हमला करके उन्हें क़ैदी बना लें।
- ख़ुदा मुंसिफ़ और ईमानदार है इसलिए उसे गुनाह की सज़ा देना पड़ता है। हर एक इन्सान ने ख़ुदा के ख़िलाफ़ गुनाह किया है और सज़ा के लायक़ है।
- 'ईसा को हर एक इन्सान के सब बुरे कामों की सज़ा मिली उसने हर एक इन्सान की सज़ा अपने ऊपर ले लिया जबकि उसने तो कोई भी गलत काम नहीं किया था कि सज़ा पाए
- "सज़ा न होना" या "बेक़ुसूर ठहराना" या'नी इन्सान को ग़लत काम की सज़ा न देना। ख़ुदा हमेशा गुनाह की सज़ा में देर करता है क्योंकि वह इन्सानों के ज़रिये तोबा का इन्तिज़ार करता है।

(यह भी देखें: सच्चा, तोबा , रास्तबाज़ , गुनाह )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 यूहन्ना 04:17-18
- 2 थिस्सलुनीकियों 01:9-10
- रसूलों के आमाल 04:21-22
- रसूलों के आमाल 07:59-60
- पैदाइश 04:13-15
- लूका 23:15-17
- मत्ती 25:44-46

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों सेमिसाले:

- **13:07** ख़ुदा ने और भी बहुत सी शरी'अतों व क़ानूनों को मानने के लिये कहा। अगर लोग इन क़ानूनों को मानते रहेंगे, तो ख़ुदा ने वा'दा किया था कि वह उन्हें बरकत और उनकी हिफ़ाज़त करेगा। अगर वे इन क़ानूनों को नहीं मानेगे तो वह _ सज़ा _ के हक़दार बनेंगे।
- **16:02** क्योंकि इस्राईल के लोग ख़ुदा की नाफ़रमानी करते रहे, उसने उन्हें अपने दुश्मनों को उन्हें हराने की इजाज़त देकर _ सज़ा _ दिया।
- **19:16** नबियों ने लोगों को ख़बरदार किया कि, अगर उन्होंने बुरे काम करना बंद न किया, और ख़ुदा के हुक्मों को ना मानना शुरू' न किया, तब ख़ुदा उन्हें मुजरिम ठहराएगा और उन्हें _सज़ा _ देगा |
- **48:06** 'ईसा सबसे अच्छा अज़ीम आलिम है क्योंकि उसने सभी इन्सानों के सभी गुनाहों की _ सज़ा _, जो उन्होंने अपने ज़िन्दगी में कभी भी किया हो, अपने ऊपर ले लिया |
- **48:10** जब कोई 'ईसा पर ईमान लाता है, 'ईसा का लहू उस इन्सान के सब गुनाहों की कीमत चुका देता है, और ख़ुदा की _ सज़ा _ उस इन्सान के ऊपर से हट जाती है |
- **49:09** लेकिन ख़ुदा ने दुनिया के हर इन्सान से इतना ज़्यादा प्यार किया कि उसने अपना इकलौता बेटा दे दिया ताकि जो कोई 'ईसा पर ईमान उसे उसके गुनाहों की _सज़ा _ नहीं मिलेगी, लेकिन हमेशा ख़ुदा के साथ रहेगा।
- **49:11** 'ईसा ने कभी कोई गुनाह नहीं किया था, लेकिन फिर भी उसने _सज़ा _ उठाने और मारे जाने को चुना ताकि एक कामिल क़ुर्बानी की शक्ल में आपके और दुनिया के हर इन्सान के गुनाहों को उठा ले जा सके |

## शब्दकोश:

- Strong's: H3027, H3256, H4148, H4941, H5221, H5414, H6031, H6064, H6213, H6485, H7999, H8199, G1349, G1556, G1557, G2849, G3811, G5097

# सफ़ीर, फ़रिश्तों नुमाइंदा, नुमाइंदों

## ता’अरुफ़:

नुमाइंदा वह आदमी है जिसे इख्तियार के साथ चुना गया कि मुल्कों के साथ रिश्ता रखे। इसका इस्तेमाल पहचान के लिए भी किया गया है जिसका ज़्यादा तर आम तर्जुमा “नुमाइन्दा ” होता है।

- फ़रिश्ता या नुमाइन्दे अपने भेजने वाले या अपनी सल्तनत की ख़ुशख़बरी लोगों तक पहुंचाता है।
- ‘आम तौर पर नुमाइंदा उस आदमी के बारे में है जिसे उस आदमी की तरफ़ से कहने या करने का इख्तियार हासिल होता है जिसने उसे भेजा है।
- रसूल पौलुस ने ता'लीम दी कि ईमानदार मसीह के "सफ़ीर " या "नुमाइन्दगी " करते हैं क्यूँकि वे इस दुनिया में मसीह की ख़ुशख़बरी सुनाते हैं।
- जुमले के मुताबिक़ इस लफ्ज़ का तर्जुमा “इख्तियारी शक्ल से नुमाइन्दा” या “मुक़र्रर ख़ुशख़बरी देने वाला ” या “चुना हुआ नुमाइन्दा” या “ख़ुदा का चुना नुमाइन्दा ” हो सकता है।
- “ सफ़ीर की नुमाइन्दगी” का तर्जुमा “ज़्यादा तर ख़ुशख़बरी देने वाला” या “चुने हुए नुमाइन्दों का झुण्ड ” या “सबकी तरफ़ से बोलने वाला एक गिरोह ”

(यह भी देखें: अनजान लफ़्ज़ों का तर्जुमा कैसे करें

(यह भी देखें: सफ़ीर

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इफिसियों 06:19-20
- लूका 14:31-33
- लूका 19:13-15

## शब्दकोश:

- Strong's: H3887, H4135, H4136, H4397, H6735, H6737, G4243

# हम्द , हम्द , बड़ाई की,बड़ाई करते, बड़ाई की बात

## ता’अर्रुफ़:

किसी की ता’रीफ़ करना या’नी उस इन्सान की पसंदीदगी और उसकी इज़्ज़त करना।

- इन्सान ख़ुदा की हम्द करता है क्योंकि वह अज़ीम है और उसने दुनिया को नजात देने और बनाने के हैरानी के काम किए हैं।
- ख़ुदा की हम्द में उसके कामों के लिए शुक्र होता है।
- ख़ुदा की हम्द में हमेशा साज़ और हम्द गीत होते हैं।
- ख़ुदा की हम्द उसकी इबादत का एक हिस्सा है।
- “हम्द करना” का तर्जुमा हो सकता है, “किसी के बारे में अच्छी बात कहना” या “लफ़्ज़ों के ज़रिये’ बहुत इज़्ज़त ‘अता करना” या “किसी का मदह सराई करना”।
- “हम्द ” इस्म लफ़्ज़ का तर्जुमा “इज्ज़तदार इन्सान ” या “इज़्ज़त का लक़ब देना” या “अच्छाईयों का बयान ”।

(यह भी देखें: इबादत )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 कुरिन्थियों 01:3-4
- रसूलों के आमाल 02:46-47
- रसूलों के आमाल 13:48-49
- दानीएल 03:28
- इफिसियों 01:3-4
- पैदाइश 49:8
- याक़ूब 03:9-10
- यूहन्ना 05:41-42
- लूका 01:46-47
- लूका 01:64-66
- लूका 19:37-38
- मत्ती 11:25-27
- मत्ती 15:29-31

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **12:13** इस्राईलियों ने बहुत ख़ुश होकर ख़ुशी मनाया क्योंकि ख़ुदा ने उन्हें मौत व ग़ुलामी से बचाया! अब वह ख़ुदा की _इबादत _ करने की लिये आज़ाद थे |
- **17:08** जब दाऊद ने यह लफ़्ज़ सुने, उसने फ़ौरन ही ख़ुदा की शुक्रगुज़ारी किया और उसकी _हम्द _ की, क्योंकि ख़ुदा ने दाऊद से अज़ीम इज़्ज़त और बहुत सी बरकतों का वा’दा किया था |
- **22:07** तब ज़करियाह ने कहा कि, “ख़ुदावन्द ख़ुदा _ हम्द_, क्योंकि उसने अपने लोगों पर नज़र की और उनका छुटकारा किया है |
- **43:13** और ख़ुदा की _हम्द _ करते हुए ख़ुशी करते थे और वे हर चीज़ एक दुसरे से बाटते थे |
- **47:08** उन्होंने पौलुस और सीलास को क़ैदख़ाने के सबसे हिफ़ाज़ती हिस्से में रखा था और यहां तक कि उनके पैरों को भी बांध रखा था| फिर भी आधी रात को पौलुस और सीलास दुआ करते हुए ख़ुदा की _हम्द _ गा रहे थे |

## शब्दकोश:

- Strong's: H1319, H6953, H7121, H7150, G1229, G1256, G2097, G2605, G2782, G2783, G2784, G2980, G3853, G3955, G4283, G4296

# हरम,हरमों

## ता’अरुफ़:

“हरम” किसी शादी शुदा आदमी की दूसरी बीवी होती है। हरम अक्सर क़ानूनी तौर पर शादी की हुई बीवी नहीं होती है।

- पुराने ‘अहद नामे में हरमें ज़्यादातर ख़ादिमा होती थी।
- हरमों को या तो ख़रीदा जाता था, या जंग में जीता जाता था या क़र्ज़ चुकाने की जगह पर रखा जाता था।
- बादशाह के लिए बहुत सी हरमें रखना ताक़त का निशान था।
- नया ‘अहद नामा कहता है कि हरमें रखना ख़ुदा की मर्ज़ी के ख़िलाफ़ है।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 समूएल 03:6-7
- पैदाइश 22:23-24
- पैदाइश 25:5-6
- पैदाइश 35:21-22
- पैदाइश 36:9-12
- कुज़ात 19:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H3904, H6370

# हल, हल चलाना, हल चलाया, हल जोतने, हलवाहों, जोतनेवाला, किसान, हल की फाल, अजोत

## ता'अर्रुफ़:

"हल" खेत में ज़मीन जोतने का औज़ार होता है।

- हल में नुकीली टिंगलियां होती है जिनसे ज़मीन खुदती है। उनका एक डंडा होता है जिसे पकड़कर किसान उसे सीधा रखता है।
- किताब-ए-मुक़द्दस के ज़माने में हल बैलों या और जानवरों के ज़रिये खींचा जाता है।
- हल ज़्यादातर सख़्त लकड़ी के होते थे जिनके फल तांबे या लोहे के होते थे।

(यह भी देखें: ताँबा, बैल)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 समूएल 08:10-12
- इस्तिसिना 21:3-4
- लूका 09:61-62
- लूका 17:7-8
- ज़ुबूर 141:5-7

## शब्दकोश:

- Strong's: H406, H855, H2758, H2790, H5215, H5647, H5656, H5674, H6213, H6398, G722, G723

# हलीम, हलीमी

## ता’अरुफ़:

“हलीम” लफ़्ज़ उस शख़्स को बताता है जो मूतमइन, नर्म, और ना इंसाफ़ी का सहनेवाला है। हलीमी ख़ाकसारी की क़ूव्वत है जब सख्ती और ताक़त का इस्ते'माल किया जाए।

- हलीमी हमेशा ख़ाकसारी के साथ जुड़ी रहती है।
- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा “शरीफ़” या “मीठी” या “नर्म अन्दाज़ी” किया जा सकता है।
- “हलीमी” का तर्जुमा “शराफ़त” या “ख़ाकसारी” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: ख़ाकसार)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 पतरस 03:15-17
- 2 कुरिन्थियों 10:1-2
- 2 तीमुथियुस 02:24-26
- मत्ती 05:5-8
- मत्ती 11:28-30
- ज़बूर 037:11-13

## शब्दकोश:

- Strong's: H6035, H6037, H6038, G4235, G4236, G4239, G4240

# हवाले करना,हवाले करता है,हवाले किया है,हवाले करते, ‘अहद

## ता’अर्रुफ़:

“हवाले करना”और ‘अहद” के बारे में फ़ैसला लेने से या कुछ करने का भरोसा देते हैं|

- कोई इन्सान किसी काम को करने ‘अहद करता है, उसके लिए कहा जाता है कि वह करने के लिए तैयार है।
- “काम सौंपना” या’नी किसी इन्सान को कोई काम देना। मसलन 2 कुरन्थियों में पौलुस कहता है कि ख़ुदा ने मेल-मिलाप की ख़िदमत हमें सौंप दी (या “सौंपा”) है।
- इसी से मुता’लिक़ लफ़्ज़ है “हवाले करना” और “हवाले किया है” जो ग़लत काम के लिए इस्ते’माल किए गए हैं, जैसे “गुनाह करना” या “ज़िना करना” या “क़त्ल करना”।
- “ख़िदमत सौंप दी” का तर्जुमा हो सकता है, “उसे काम सौंपा” या “उस पर एक काम के लिए यक़ीन किया” या “उसे एक काम दिया” या "उसे काम सौंपा।"
- “सौंपना” का तर्जुमा हो सकता है, “काम जो दिया गया” या “’अहद जो किया गया ”।

(यह भी देखें: ज़िनाकारी, ईमान, ‘अहद, गुनाह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 28:6-7
- 1 पतरस 02:21-23
- यरमियाह 02:12-13
- मत्ती 13:40-43
- ज़ुबूर 058:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H539, H817, H1361, H1497, H1500, H1540, H1556, H2181, H2388, H2398, H2399, H2403, H4560, H4603, H5003, H5753, H5766, H5771, H6213, H6466, H7683, H7760, H7847, G264, G2038, G2716, G3429, G3431, G3860, G3872, G3908, G4102, G4160, G4203

# हसद, लालच

## ता'र्रुफ़:

“हसद” लफ्ज़ का मतलब है किसी की दोलत या क़ाबिले ता'रीफ़ खुसूसियात की वजह से उससे जलना। “लालच” का मतलब है किसी चीज की मज़बूती से ख्वाहिश करना।

- हसद 'आम तौर पर किसी दोसरे शख़्स की सफलता, ख़ुश क़िस्मत या दोलत की वजह से नाकामी की मनफ़ी अहसास है।
- लालच किसी और की जाएदाद, या यहाँ तक कि किसी और का शोहर या बीवी की ख्वाहिश रखने की एक मज़बूत ख्वाहिश है।

(यह भी देखें: [हसद )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 13:4-7
- 1 पतरस 02:1-3
- इस्तिसना 20:15-17
- मरकुस 07:20-23
- अम्साल 03:31-32
- रोमियो 01:29-31

## शब्दकोश:

- Strong's: H183, H1214, H1215, H2530, H3415, H5869, H7065, H7068, G866, G1937, G2205, G2206, G3713, G3788, G4123, G4124, G4190, G5354, G5355, G5366

# हाकिम ,हाकिमों

## ता’अर्रुफ़:

“हाकिम”लफ़्ज़ किसी क़ौम के सबसे ख़ास रहनुमा का इल्म कराता है |

- इसकी मिसाल हैं ,”हाकिम मौसीक़ी कार”,”हाकिम काहिन “,और चुंगी लेने वालों का हाकिम “और “हाकिम बादशाह “|
- इसका इस्ते’माल घर के ज़िम्मेदार के लिए भी किया जा सकता है जैसा पैदाइश बाब 36 में कुछ आदमियों को क़बीले को “हाकिमों” कहा गया है| इस बारे में “हाकिम”का तर्जुमा “रहनुमा” या “पेशवा बाप”हो सकता है|

इस्म की शक्ल में इस लफ़्ज़ का तर्जुमा “पेशवा” या “बादशाह “ किया जा सकता है जैसे “पेशवा बजाने वाला “ या “ओहदे दार काहिन “|

(यह भी देखें: हाकिम-काहिन, काहिन, चुंगी लेने वाला)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- दानीएल 01:11-13
- हिज़क़ीएल 26:15-16
- लूका 19:1-2
- नग़मा 004:1

## शब्दकोश:

- Strong's: H47, H441, H5057, H5387, H5632, H6496, H7218, H7225, H7227, H7229, H7262, H8269, H8334, G749, G750, G754, G4410, G4413, G5506

# हाकिम काहिनो

## ता’अरुफ़:

सरदार काहिन ‘ईसा के वक़्त ख़ास यहूदी मज़हब के रहनुमा थे |

- हैकल में ‘इबादत के लिए ज़रूरी हर एक बात के लिए सरदार काहिन जवाब देह थे | वह हैकल में आने वाले पूरे माल के मुख्तार थे |
- वह आम काहिनों से ‘उहदे और इख़्तियार में ज्यादा अहम थे | सिर्फ़ सरदार काहिन का इख़्तियार सबसे ज़्यादा था |
- सरदार काहिन ‘ईसा के ख़ास दुश्मनों में से थे और उन्होंने रोमी हाकिमो को ‘ईसा को क़ैदी बनाने और मौत की सज़ा देने के लिए मजबूर किया था |

## तर्जुमे की सलाह :

- ”हाकिम काहिन “ का तर्जुमा “हाकिम इमाम “या “ख़ास इमाम “या “आलिम इमाम” किया जा सकता है |
- तय करें कि यह तर्जुमा “सरदार काहिन “के तर्जुमा से अलग हो |

(यह भी देखें: हाकिमसरदार काहिनयहूदी रहनुमा काहिन)

## किताब-ए-मुकद्दस के बारे में:

- रसूलों के आमाल 09:13-16
- रसूलों के आमाल 22:30
- रसूलों के आमाल 26:12-14
- लूका 20:1-2
- मरकुस 08:31-32
- मत्ती 16:21-23
- मत्ती 26:3-5
- मत्ती 26:59-61
- मत्ती 27:41-42

## शब्दकोश:

- Strong's: H3548, H7218, G749

# हाकिम, क़ानून, क़ानूनी, हाकिम, हाकिमों, फैसलों, फैसलों, नामंजूर कर दिया

## ता’अर्रुफ़:

“हाकिम” ‘आमतौर पर एक आदमी जो दीगर लोगों पर इख़्तियार रखता है, जैसे किसी मुल्क, बादशाही, या मज़हबी क़बीले का रहनुमा| एक हाकिम वह है जो "‘अहदनामे" और उसका इख़्तियार उसका "क़ानून" है।

पुराने ‘अहदनामे में बादशाह को भी हाकिम कहा जाता था जैसे इस जुमले में है, “इस्राईल पर हाकिम ठहराया” ख़ुदा को सबसे बड़ा बादशाह कहा गया है जो बादशाहों का बादशाह है। नये ‘अहदनामे में ‘इबादतख़ाने के रहनुमा को सरदार कहा गया है। नये ‘अहदनामे में एक और हाकिम था जिसे हाकिम कहा गया है। मज़मून पर मुनहस्सिर “हाकिम” लफ़्ज़ का तर्जुमा “रहनुमा” या “इख़्तियार रखनेवाला इन्सान” किया जा सकता है। “हुकूमत करने” के काम का मतलब है, “रहनुमाई करना” या “किसी पर इख़्तियार रखना”। इसका मतलब वही है जैसे “बादशाही करना” जब बादशाह के बारे में होता है।

(यह भी देखें: इख़्तियार, हाकिम, बादशाह, ‘इबादतख़ाने)

## किताब-ए-मुक़द्दस के के बारे में:

- रसूलों के ‘आमाल 03:17-18
- रसूलों के ‘आमाल 07:35-37
- लूक़ा 12:11-12
- लूक़ा 23:35
- मरकुस 10:41-42
- मत्ती. 09:32-34
- मत्ती. 20:25-28
- तीतुस 03:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H995, H1166, H1167, H1404, H2708, H2710, H3027, H3548, H3920, H4043, H4410, H4427, H4428, H4438, H4467, H4474, H4475, H4623, H4910, H4941, H5057, H5065, H5387, H5401, H5461, H5715, H6113, H6213, H6485, H6957, H7101, H7218, H7287, H7300, H7336, H7786, H7860, H7980, H7981, H7985, H7989, H7990, H8199, H8269, H8323, H8451, G746, G752, G755, G757, G758, G932, G936, G1018, G1203, G1299, G1778, G1785, G1849, G2232, G2233, G2525, G2583, G2888, G2961, G3545, G3841, G4165, G4173, G4291

# हाथ, हाथों, हाथ किया, सौपना, के ज़रिए’, पर हाथ रखना, पर हाथ लगाता, दाहिना हाथ, दाहिने हाथ, के हाथ से

## ता’अरुफ़:

“हाथ” को किताब-ए-मुक़द्दस में मुख़्तलिफ़ तरीक़ों से ‘अलामती इस्ते’माल किया गया है|

- किसी के “हाथ” में कुछ देने का मतलब है, कोई चीज़ किसी इन्सान के हाथ पर रख देना।
- लफ़्ज़ “हाथ” को अक्सर ख़ुदा की क़ुव्वत और ‘अमल के बारे में इस्ते’माल हुआ है, जैसे जब ख़ुदा कहता है “क्या मेरा हाथ उन सब चीज़ों के लिए नहीं है” (देखें: मो’तबर
- इज़्हार जैसे “को पकड़वाया” या “के हाथों में कर दिया जाएगा” का मतलब है किसी के ताबे’ या इख़्तियार में किसी को देना।
- “हाथ” के और ‘अलामती इस्ते’माल हैं।
- “हाथ डालना” या’नी “नुक़सान पहुँचाना।”
- “हाथों से बचाना” किसी को किसी के नुक़सान से बचाना।
- “दायें तरफ़” होने की हैसियत होना का मतलब “दाहिनी तरफ़” या “के दायें”|
- इज़्हार “के हाथ के ज़रिए’” मतलब “से” या “ज़रिए’” किसी इन्सान के ‘अमल के बारे में है| मिसाल के तौर पर, “ख़ुदा के हाथों के ज़रिए’” या’नी ख़ुदा वही है जो सबकुछ करने का ज़रिया’ है|
- हाथों को किसी पर रखना अक्सर उस शख़्स को बरकत देते वक़्त ऐसा किया जाता है|
- लफ़्ज़ “हाथों के रखने” का मतलब है किसी को ख़ुदा की ख़िदमत में सुपुर्द करने के लिए या अच्छे होने की दु’आ करने के लिए।
- जब पौलुस कहता है, “पौलुस का अपने हाथ से लिखा हुआ” या’नी ख़त का वह हिस्सा उसके ज़रिए’ लिखा गया है न कि बोलकर किसी से लिखाया गया।

## तर्जुमे की सलाह

- ये इज़्हार और अजज़ा-ए-कलाम का तर्जुमा और ‘अलामती इज़्हार के ज़रिए’ किया जा सकता है जो एक जैसे मतलब के हों| या मतलब को सीधे अलफ़ाज़ का इस्ते’माल करके तर्जुमा किया जा सकता है।
- इज़्हार "उसे तूमार सौंप दिया" भी तर्जुमा किया जा सकता है "उसे तूमार दिया" या "तूमार को उसके हाथ में रख दिया।" यह उसे मुस्तक़िल तौर पर नहीं दिया गया था, लेकिन उस वक़्त इस्ते’माल करने के मक़सद से दिया गया था।
- जब "हाथ" इन्सान के बारे में बताता है, जैसे "ख़ुदा के हाथों ने ऐसा किया," तब इसका तर्जुमा "ख़ुदा ने यह किया" किया जा सकता है|
- एक इज़्हार जैसे कि "उन्हें अपने दुश्मनों के हाथों में डाल दिया" या "उन्हें अपने दुश्मनों को सौंप दिया," का तर्जुमा किया जा सकता है, "उनके दुश्मनों को उन्हें जीतने की इजाज़त दी" या "उन्हें अपने दुश्मनों के ज़रिए’ पकड़ा गया" या "उनके दुश्मनों को उन पर इख़्तियार हासिल करने के लिए ताक़तवर बनाया।"
- "हाथ से मरने" के लिए का तर्जुमा किया जा सकता है "ज़रिए’ मारा जाएगा।"
- इज़्हार "दाहिने हाथ पर" लफ़्ज़ का तर्जुमा "के दाहिनी ओर" के तौर में किया जा सकता है।
- ‘ईसा के बारे में "ख़ुदा के दाहिने ओर पर बैठा", अगर यह उस ज़बान में इसे बड़ी ‘इज़्ज़त और बराबर इख़्तियार की हालत का हवाला नहीं देता है, तो उस मतलब के साथ एक अलग इज़्हार का इस्ते’माल किया जा सकता है। या एक छोटी तफ़सील को जोड़ा जा सकता है: “ऊँचे इख़्तियार की हालत में, ख़ुदा के दाहिने तरफ़|”

(यह भी देखें: दुश्मन, बरकत देना, क़ैदी, ‘इज़्ज़त, क़ुव्वत

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के ‘आमाल 07:22-25
- रसूलों के ‘आमाल 08:14-17
- रसूलों के ‘आमाल 11:19-21
- पैदाइश 09:5-7
- पैदाइश 14:19-20
- युहन्ना 03:34-36
- मरकुस 07:31-32
- मत्ती 06:3-4

## शब्दकोश:

- Strong's: H405, H2026, H2651, H2947, H2948, H3027, H3028, H3225, H3231, H3233, H3709, H7126, H7138, H8040, H8042, H8168, G710, G1188, G1448, G1451, G1764, G2021, G2092, G2176, G2902, G4084, G4474, G4475, G5495, G5496, G5497

# हामिला , हमल, हामिला , हमला होना

## ता’अर्रुफ़:

“हामिला” या “हामिला होना” के मा’नी हैं “औलाद को हमल में रखना” यह लफ़्ज़ जानवरों के लिए भी काम में लिया जा सकता है।

- “हामिला होना” का तर्जुमा “हामिला का होना ” या इसके जैसा कोई लफ़्ज़ हो तो उसका इस्ते’माल करें।
- इससे जुड़े लफ़्ज़ “हामिला होना”का तर्जुमा “हमल की शुरूआत”या हामिले का वक़्त “

इसका बयान किसी बात का करना या ख़्याल करना जैसे बनाना ,मंसूबा या काम से भी हो सकता है | इसके तर्जुमे की शक्लें हो सकती हैं, “ख़्याल करना ” या “मंसूबा बनाना” या “बनाना ” जो मज़मून के जैसा हो।

- कभी-कभी यह लफ़्ज़ ‘अलामती शक्ल में काम में लिया जाता है जैसे ख़्वाहिश हामिला होकर गुनाह को पैदा करती है या’नी“जब गुनाह का पहला ख़्याल आता है” या “गुनाह का शुरूआती वक़्त ” या “जब गुनाह की शुरूआत होती है”।

(यह भी देखें: बच्चे दानी, हमल)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 21:1-4
- होसे’अ 02:4-5
- अय्यूब 15:34-35
- लूका 01:24-25
- लूका 02:21

## शब्दकोश:

- Strong's: H2029, H2030, H2032, H2232, H2254, H2803, H3179, G1080, G1722, G2602, G2845, G4815

# हासिल करना, हासिल करता, मिला, हासिल करते, लेनेवाला

## ता'अर्रुफ़:

"हासिल करना" का 'आम मतलब कोई दी हुई या पेश की गई या हाज़िर की हुई या हासिल किए हुए को क़ुबूल करना।

"हासिल करना" का मतलब दुख सहना या किसी बात का तजरुबा करना भी हो सकता है जैसे "उसे अपने 'आमाल की सज़ा मिली" एक ख़ास मतलब भी है जिसमें हम किसी आदमी को हासिल करते है। मिसाल के तौर पर मेहमानों या ज़ायरीन का इस्तक़बाल करना या'नी उन्हें हासिल करके उनकी इज़्ज़त करना, जिससे उनके साथ रिश्ता बनाया जाए। "पाक-रूह का हदिया हासिल करना" का मतलब है हमें पाक रूह दिया गया है और हम अपने ज़िन्दगी में और अपने ज़िन्दगी के के ज़रिए' उसे काम करने के लिए उसका इस्तक़बाल करते हैं। "'ईसा को हासिल करना" का मतलब है मसीह 'ईसा के के ज़रिए' ख़ुदा के नजात का हदिया क़ुबूल करना। जब अन्धा इन्सान "नज़र का हदिया हासिल करता है" तो इसका मतलब है ख़ुदा ने उसे ठीक कर दिया है और उसे देखने की सलाहियत 'अता की है।

## तर्जुमे की सलाह:

मज़मून पर मुनहस्सिर "हासिल करना" का तर्जुमा, "क़ुबूल करना" या "इस्तक़बाल करना" या "तजरुबा करना" या "पाना" हो सकता है। "तुम क़ुव्वत पाओगे" इस इज़हार का तर्जुमा, "तुम्हें ताक़त दी जाएगी" या "ख़ुदा तुम्हें क़ुव्वत 'अता करेगा" या "तुम्हें क़ुव्वत दी जाएगी (ख़ुदा के जारी')" के तौर पर हो सकता है। "उसने नज़र हासिल की" जुमले का तर्जुमा, क्योंकि "देखने के लायक़ था" या "फिर से देखने में लायक़ हो गया" या "ख़ुदा के ज़रिए' ठीक किया गया ताकि वह देख सके" के तौर पर किया जा सकता है।

(यह भी देखें: पाक रूह, 'ईसा, ख़ुदावंद, नजात)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 युहन्ना 05:9-10
- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:1-2
- रसूलों के 'आमाल 08:14-17
- यरमियाह 32:33-35
- लूक़ा 09:5-6
- मत्ती 03:10-12
- ज़ुबूर 049:14-15

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **21:13** नबियों ने यह भी कहा कि मसीह कामिल होगा जिसने कोई गुनाह न किया होगा | वह दीगर लोगों के गुनाहों की सज़ा **लेने** की वजह से मारा जाएगा | उसकी सज़ा होने से ख़ुदा और लोगों के बीच में सुकून क़ायम होगी |
- **45:05**जब स्तिफ़नुस मरने पर था, वह दु'आ करने लगा कि, "ऐ ख़ुदावंद 'ईसा मेरी रूह को **हासिल** कर |"
- **49:06** 'ईसा ने कहा कि कुछ लोग उसे हासिल करेंगे और नजात पाएँगे, लेकिन बहुत से लोग ऐसा नहीं करेंगे |
- **49:10** जब 'ईसा सलीब पर मरे, उन्होंने तुम्हारी सज़ा अपने ऊपर **ले ली** |
- **49:13** जो कोई भी 'ईसा पर ईमान करता और उसे ख़ुदावंद की शक्ल में **क़ुबूल** करता है ख़ुदा उसे बचाएगा।

## शब्दकोश:

- Strong's: H1878, H2505, H3557, H3947, H6901, H6902, H8254, G308, G324, G353, G354, G568, G588, G618, G1183, G1209, G1523, G1653, G1926, G2210, G2865, G2983, G3028, G3335, G3336, G3549, G3858, G3880, G3970, G4327, G4355, G4356, G4687, G4732, G5264, G5274, G5562

# हिदायत, हिदायत देता , हिदायत दिए, हिदायत देते रहना, , हुक्म, हुक्म देने वाला

## सच्चाई:

"हुक्म" और "हिदायत" लफ़्ज़ों के बारे किसी काम को करने के पुख़्ता हुक्म है।

- “हुक्म” देने से मतलब किसी को बताना कि वह ख़ास करके क्या काम करे।
- जब 'ईसा ने अपने शागिर्दों को रोटी और मछलियाँ दी कि लोगों में बांट दें तब उसने उन्हें ख़ास हुक्म दिए कि कैसे करना है।
- जुमलों के मुताबिक़ “हुक्म” लफ़्ज़ का तर्जुमा “कहना” या “हुक्म देना” या “ता'लीम देना” या “हुक्म देना” भी किया जा सकता है।
- “हुक्म” देने का तर्जुमा “हुक्म” या “समझाना” या “उसने जो कहा है उसे करना” किया जा सकता है।
- जब ख़ुदावन्द हुक्म देता है तब उसका तर्जुमा “फ़रमान” या “हुक्म” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: हुक्म, हुक्म, ता’लीम/सिखाना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- ख़ुरूज 14:4-5
- पैदाइश 26:4-5
- 'इब्रानियों 11:20-22
- मत्ती 10:5-7
- मत्ती 11:1-3
- अम्साल 01:28-30

## शब्दकोश:

- Strong's: H241, H376, H559, H631, H1004, H1696, H1697, H3256, H3289, H3384, H4148, H4156, H4687, H4931, H4941, H5657, H6098, H6310, H6490, H6680, H7919, H8451, H8738, G1256, G1299, G1319, G1321, G1378, G1781, G1785, G2322, G2727, G2753, G3559, G3560, G3614, G3615, G3624, G3811, G3852, G3853, G4264, G4367, G4822

# हिम्मत , हिम्मत बांधे, हौसला , हौसला अफ़ज़ाई , हिम्मत बाँधो, उदास, उदासी , उदास करना, मायूसी

## सच्चाई:

“हिम्मत ” का मतलब है निडर होकर सामना करना या कठिन , ख़ौफ़नाक और मुश्किल का काम करना।

- “दिलेरी ” (निडर ) हिम्मत दिखानेवाला आदमी चाहे वह ख़ौफ़ज़दह हो या उस पर छोड़ने का दबाव हो।
- इन्सान पर जब दिमाग़ी या जिस्मानी दुख़ आता है तब वह ताक़त का इस्ते’माल करके कोशिश के साथ हिम्मत को ज़ाहिर करता है।
- “हिम्मत बांधो” या’नि “डरो मत” या “ईमान रखो कि सब अच्छा होगा”
- जब यशू’अ कना’न जैसे ख़तरनाक इलाक़े’ में दाख़िल होने की तैयारी कर रहा था तब मूसा ने उसे हौसला दिया कि वह “हिम्मत बांधकर और मज़बूत होकर” रहे।
- “हिम्मत ” लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है “बहादुर” या “निडर” या “दिलेर ”
- मज़मून केमुताबिक़ , “हिम्मत बांधने” का तर्जुमा हो सकता है, “दिमाग़ी तौर से मज़बूत ” या “यक़ीन करना” या “मुस्तहकम रहना”।
- “निडर होकर बोलना” का तर्जुमा “निडर होकर कहना” या “बिना किसी डर के कहना” या “यक़ीन के साथ कहना”।

“हौसला देना” और “हौसला ” ऐसे लफ़्ज़ हैं जिनके ज़रिये’ इन्सानों में हिम्मत , उम्मीद , यक़ीन और हिम्मत पैदा की जाती है।

- ऐसा ही एक लफ़्ज़ है, “समझाना” (ता’लीम देना) जिसका मतलब है किसी से ग़लत काम को छुड़ाने का और सही व भले काम करने की गुज़ारिश करना।
- पौलुस रसूल और नये अहद नामे के और मुसन्निफों ने ईमानदारों को समझाया कि वे आपस में मुहब्बत रखें और ख़िदमत करें।

"मायूसी " लफ़्ज़ का बयान ऐसा कुछ कहना या करना जिससे लोगों की उम्मीद , ख़ुद ‘एतिमाद और हिम्मत खो जाए और जिस काम में वे जानते है उन्हें ज़्यादा मेहनत करना चाहिए उन्हें उसे करने की ख़्वाहिश घट जाती है।

## तर्जुमे की सलाह:

- मज़मून के मुताबिक़ “हौसला लफ़्ज़ के तर्जुमें ” “मिन्नत करना” या “सुकून देना” या “रहम दिल लफ़्ज़ों का इस्ते’माल करना” या “मदद करना एवं हिमायतकरना ” हो सकते हैं।
- “हौसला अफ़ज़ाई की बातें” या’नी “ऐसी बातें जिनसे इन्सान को प्यार , क़ुबूलियत और ताक़त पाने का ‘इल्म ” हो।

(यह भी देखें: ख़ुद’एतिमादी, ता’लीम, डर. \ताक़त]ताक़त, ताक़तवर करना, मज़बूत किया, मज़बूत, मज़बूत करना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इस्तिसना 01:37-38
- 2 सलातीन 18:19-21
- 1 तवारीख़ 17:25-27
- मत्ती 09:20-22
- 1 कुरिन्थियों 14:1-4
- 2 कुरिन्थियों 07:13-14
- रसूलों के 'आमाल 05:12-13
- रसूलों के 'आमाल 16:40
- इब्रानियों 03:12-13
- इब्रानियों 13:5-6

## शब्दकोश:

- Strong's: H533, H553, H1368, H2388, H2388, H2428, H3820, H3824, H7307, G2114, G2115, G2174, G2292, G2293, G2294, G3870, G3874, G3954, G4389, G4837, G5111

# हिरन, हिरनी, हिरनियाँ, हिरन का बच्चा, हिरन, छोटी हिरन

## ता’अर्रुफ़:

हिरन एक बड़ा, हलीम, चौपाया जानवर होता है, वह जंगलों और पहाड़ों में रहता मुज़क्कर जानवर के सिर बड़े सींग या मर्गी है|

- लफ़्ज़ “हिरनी” मु’अन्नस हिरन के बारे में इस्ते’माल किया गया है, और हिरन के बच्चे “हिरन” कहलाते हैं।
- लफ़्ज़ “हिरन” का हवाला मुज़क्कर हिरन से है।
- एक “हिरन” हिरन की एक और क़िस्म है, “छोटी हिरन”।
- हिरन के पतले मज़बूत पैर होते हैं जो उसको ऊँची कूद और दौड़ने में मदद करती हैं|
- उनके खुर चिरे होते हैं जिनकी मदद से वह किसी भी ‘इलाक़े पर आसानी से चलते या दौड़ते हैं|

(यह भी देखें: अनजान अलफ़ाज़ का तर्जुमा कैसे करे)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में

- 2 शमूएल 22:34-35
- पैदाइश 49:19-21
- अय्यूब 39:1-2
- ज़ुबूर 018:33-34
- ग़ज़ल-उल-ग़ज़लात 02:7

## शब्दकोश:

- Strong's: H354, H355, H365, H3180, H3280, H6643, H6646

# हुकूमत करना, मालिक , हुकूमतें, गवर्नर, गवर्नरो, हाकिम,

## ता’अर्रुफ़:

गवर्नर वह शख़्स है जो किसी सल्तनत, ‘इलाक़ा या सरहद में हुकूमत करता है। “हुकूमत करना” या'नी रहनुमाई करना, लोगों का निज़ाम करना।

- लफ़्ज़ "सूबे का हाकिम (हाकिम)" एक गवर्नर के लिए एक ज़्यादा ख़ास लक़ब था जो एक रोमन सूबा पर हुकूमत करते थे।

कलाम के वक़्त में हाकिम बादशाह या शहनशाह के ज़रिए' मुक़र्रर किए जाते थे, वह उसके ताबे' रहते थे।

- "मालिक" सभी बादशाहों के होते हैं जो एक ख़ास मुल्क या सल्तनत पर हुकूमत करते हैं। यह हाकिम ऐसे क़ानून बनाते हैं जो अपने रहने वालों के सुलूक की रहनुमाई करते हैं ताकि उस मुल्क के सभी लोगों के लिए अमन, हिफ़ाज़त और ख़ुशहाली हो।

## तर्जुमा की सलाह:

“गवर्नर” का तर्जुमा “हुक्मरान” या निगरानी ” या “'इलाक़े का रहनुमा ” या “एक छोटे 'इलाक़े का हाकिम” भी किया जा सकता है।

- जुमले के तर्जुमा “बादशाहत करना” का तर्जुमा “ हुकूमत करना” या “रहनुमाई करना” या “निज़ाम करना” या “निगरानी करना” हो सकता है।
- लफ़्ज़ "गवर्नर" का तर्जुमा "बादशाह" या "शहनशाह" के लफ़्ज़ों से अलग तरीक़े से तर्जुमा किया जाना चाहिए, क्यूँकि एक गवर्नर कम ताक़तवर हाकिम था जो उनके इख़्तियार के ताबे' था।
- लफ़्ज़ "हकिम" का तर्जुमा “रोमन गवर्नर” या “रोमन सूबे का हाकिम” की शक्ल में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: इख़्तियार , बादशाह , ताक़तवर , सूबा , रोम, हाकिम )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 07:9-10
- रसूलों के 'आमाल 23:22-24
- रसूलों के 'आमाल 26:30-32
- मरकुस 13:9-10
- मत्ती 10:16-18
- मत्ती 27:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H324, H1777, H2280, H4951, H5148, H5460, H6346, H6347, H6486, H7989, H8269, H8660, G445, G446, G746, G1481, G2232, G2233, G2230, G4232

# हुकूमत, हुकूमत करने वाला, इन्तिज़ाम,हाकिम, बादशाहत

## सच्चाई:

“इन्तिज़ाम और सरदार निज़ाम करने वाले" किसी मुल्क के रहने वाले लोगों के लिए सही तौर से इन्तिज़ाम करने के बारे में है ।

- दानिएल और तीन आदमी बाबुल के इलाक़े का निज़ाम के लिए शाही हाकिम ठहराए गए थे ।
- नये अहद नामे में निज़ाम के लिए , पाक रूह की किसी नेमत के बारे में है
- जिस आदमी को निज़ाम की रूहानी नेमत हासिल है वह लोगों की रहनुमाईऔर निज़ाम करने के लायक़ होता है और घरों और जायदाद की देखभाल और रखरखाव कर सकता है।

## तर्जुमा की सलाह:

- हादसे पर क़ायम, निज़ाम का तर्जुमा कुछ इस तरह हो सकता है , हुकूमत या बनाने वाला , या रहनुमाई , या देखभाल
- “नाज़िम , या , काम करने वाला , या निज़ाम करने वाला , वगेरा इस तर्जुमा के मुख्तलिफ़ हिस्सा हैं ”
- “हाकिम ” या “निगरा” या “इन्तिज़ाम करनेवाला” वगेरह इस तर्जुमा के मुमकिन हिस्सा हैं।

(यह भी देखें: बाबुल, दालिएल, ने'मत, हाकिम, हनन्नियाह, मिसाल, अज्रियाह)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 18:14-17
- दानिएल 06:1-3
- आस्तर 09:3-5

## शब्दकोश:

- Strong's: H5532, H5608, H5632, H6213, H7860, G2941

# हुक्म मानना, हुक्म मानना, हुक्म माना, हुक्म मानने वाला, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, फ़रमाबरदार, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमानी, नाफ़रमान

## ता'अर्रुफ़:

"हुक्म मानना" का मतलब है ज़रूरी या हुक्म दी हुई बात को मानना। "हुक्मकारी" लफ़्ज़ हुक्म माननेवाले का किरदार ज़ाहिर करता है। "हुक्म मानने वाला" उस इन्सान के किरदार के बारे में है जो फ़रमाबरदार है, कभी-कभी हुक्म कुछ नहीं करता, जैसे "चोरी न करो"

अक्सर "हुक्म मानना" का इस्ते'माल हुक्म, इख़्तियार वाले आदमी के क़ानून को मानने के लिए किया जाता है|

- मिसाल के तौर पर, लोग मुल्क के रहनुमाओं के ज़रिए' बनाए गए कानूनों का 'अमल करता है या बादशाही का या तंज़ीम का|
- औलाद अपने वालिदैन के हुक्म मानते है, ख़ादिम अपने-अपने मालिक के हुक्म मानते है, इन्सान ख़ुदा के हुक्म मानते हैं और बाशिंदे अपने मुल्क के कवानीन का 'अमल करते हैं।
- जब कोई इख़्तियार में कोई हुक्म लोगों को देता है, तो वे 'अमल करके इसका 'अमल नहीं करते|
- हुक्म मानने के तर्जुमे के तरीक़ों में कुछ लफ़्ज़ या जुमले शामिल हैं "हुक्म जो दिया गया करो" या "हुक्मों पर 'अमल करो" या "वह करो जो ख़ुदा कहता है"
- लफ़्ज़ "फ़रमाबरदार" का तर्जुमा हो सकता है, "जो हुक्म है उसे करना" या "हुक्मों पर 'अमल करो" या "वह करना जो ख़ुदा हुक्म देता है"

(यह भी देखें: बाशिंदा, हुक्म, हुक्म नहीं मानना, बादशाही, शरी'अत)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 05:29-32
- रसूलो के 'आमाल 06:7
- पैदाइश 28:6-7
- या'क़ूब 01:22-25
- या'क़ूब 02:10-11
- लूक़ा 06:46-48
- मत्ती 07:26-27
- मत्ती 19:20-22
- मत्ती 28:20

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **03:04** नूह ने ख़ुदा का **हुक्म माना**। नूह और उसके तीन बेटों ने नाव बनाया वैसे ही की जैसे ख़ुदा ने उनसे कहा था।
- **05:06** फिर इब्राहीम ने ख़ुदा का **हुक्म माना**, और अपने बेटे की क़ुर्बानी देने के लिये तैयार हो गया |
- **05:10** क्यूँकि तुमने(इब्राहीम) मेरा **हुक्म माना**, इसलिए दुनिया के सारे ख़ानदान तेरे ख़ानदान के ज़रिए' से बरकत पाएँगे।
- **05:10** लेकिन मिस्रियों ने ख़ुदा पर भरोसा नहीं किया या हुक्म पर **'अमल** नहीं किया।
- **13:07** अगर वह लोग इन कवानीन पर **'अमल** करेंगे, तो ख़ुदा अपने 'अहद के मुताबिक़ उन्हें बरकत देगा।

## शब्दकोश:

- Strong's: H1697, H2388, H3349, H4928, H6213, H7181, H8085, H8086, H8104, G191, G544, G3980, G3982, G4198, G5083, G5084, G5218, G5219, G5255, G5292, G5293, G5442

# होशियार , ललकारना , बेचैन होना

## सच्चाई:

होशियार , का मतलब है किसी ख़तरनाक नुक़सान के बारे में होशियार करना “घबरा जाना” किसी खतरनाक या डरावनी बात से हैरान और खौफ़ज़दः होना।

- बादशाह यहूशफ़त मोआबियों के ज़रिए' यहूदा पर हमला करने के इरादे के बारे में सुनकर घबरा गया था।
- ईसा ने अपने शागिर्दों से कहा कि जब वह आख़िरी दिनों में मुसीबतों की बातें सुनें तो घबराएं नहीं।
- तुरहियों को साँस बाँधकर फूँकना” या;नी ख़बरदार करना। पुराने ज़माने में तुरहियों को साँस बाँधकर फूँक कर बजाकर ख़बरदार करता था।

## तर्जुमा की सलाह:

किसी को बेचेनकर देना” या'नी “किसी को हैरान करना” या “किसी को परेशानी में डाल देना”।

- घबराना का तर्जुमा हो सकता है, “हैरान होना” या “डर जाना” या “बहुत परेशान हो जाना”।
- तुरहियों को साँस बाँधकर फूँकना” का तर्जुमा “आम ख़बरदारी” या परेशानी के आने का ऐलान या “खतरे के बारे में ख़बरदारी देने के लिए तुरही फूंका”।

(यह भी देखें: यहूशफ़त, मोआब)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- दानिएल 11:44-45
- यरमियाह 04:19-20
- गिनती 10:9

## शब्दकोश:

- Strong's: H7321, H8643

# हौज़, हौज़ों, कुआँ, कुओं

## ता'अर्रुफ़:

"कुआँ" और "हौज़ " किताब-ए-मुक़द्दस के ज़माने में पानी के दो ज़रिए' थे।

- हौज़ ज़मीन में खोदकर बनाया जाता था कि ज़मीन के अन्दर का पानी वहाँ इकठ्ठा हो जाए।
- हौज़ भी ज़मीन में खोदकर बनाया जाता था लेकिन वह बारिश का पानी इकठ्ठा करने के लिए था।
- हौज़ ज़्यादातर चट्टानों को काटकर बनाए जाते थे और लेप लगाकर पानी को रूकने के लिए बनाए जाते थे कि उनमें पानी महफ़ूज़ रहे। "टूटा हुआ हौज़ " में लेप फट जाता था और उसमें इकठ्ठा पानी बह जाता था।
- हौज़ अक्सर लोगों के घरों के आंगन में मौजूद होता है जहाँ बारिश का पानी छत से निकलकर इकट्ठा होता है।
- कुएँ ऐसी जगह मौजूद होते है जहाँ से बहुत से घरानों या पुरे ख़ानदानों के ज़रिये इस्तेमाल किया जा सके।
- पानी इन्सानों और जानवरों के लिए बहुत ज़रूरी होता है इसलिए कुएँ के इस्तेमाल का इख़्तियार व इख़्तिलाफ़ और झगड़ों की वजह होता था।
- कुआँ और हौज़ दोनों ही को बड़े पत्थर से ढांक दिया जाता था कि उसमें कुछ न गिरे। कुएँ से पानी खींचने के लिए बाल्टी में रस्सी बांधकर पानी निकाला जाता था।
- कभी-कभी सूखा हौज़ किसी को क़ैदी बनाने के लिए काम में आता था जैसा यूसुफ़ और यरमियाह के साथ किया गया था।

## तर्जुमे की सलाह:

- कुएँ का तर्जुमा करने के लिए "गहरापानी का गड्ढा" "पानी के चश्मे का गहरा गड्ढा" या "पानी निकालने का गहरा गड्ढा" काम में ले सकते हैं।
- "हौज़ " लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, "पत्थर का गड्ढा खोदना " या "पानी के लिए गहरा पतला छेद " या "पानी इकठ्ठा करने का ज़मीन के अन्दर गड्ढा"
- ये लफ़्ज़ मतलब में एक जैसे है। इन दोनों में जो फ़र्क़ है वह है कि कुएँ में पानी ज़मीन के अन्दर से निकलता है और हौज़ में पानी बारिश का होता है।

(यह भी देखें: यरमियाह , क़ैदख़ाना, इख़्तिलाफ़ )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 11:15-17
- 2 समूएल 17:17-18
- पैदाइश 16:13-14
- लूका 14:4-6
- गिनती 20:17

## शब्दकोश:

- Strong's: H875, H883, H953, H1360, H3653, H4599, H4726, H4841, G4077, G5421

# हक़ीर जाने ,हक़ीर

## सच्चाई:

“हक़ीर जानने” का बयान बहुत ही ज़लील और बेइज़्ज़ती से है जो किसी चीज़ या इन्सान के लिए है। जो बात बहुत ही ज़लालत की हो उसे बेइज़्ज़ती (घिनौनी) कहते हैं।

- ख़ुदा के लिए इन्कार ज़ाहिर करने वाला इन्सान या ख़सलत “हक़ीर” कहलाता है। इसका तर्जुमा “बहुत ज़लालत ” या “पूरी तरह बेइज़्ज़ती ” या “बुराई के लायक़ ” हो सकता है।
- “हक़ीर जानना” या’नी किसी को अपने से कम अहमियत का या “कम लियाक़त का समझना।
- ज़ेल कलाम का मतलब यही हो सकता है, “का इन्कार ” या “घिनौना समझना” या “नफ़रत करना” या “हक़ीर समझना”। इन सबका मतलब है, “ज़लालती ” या “बहुत बे इज़्ज़ती ” कह कर या करके।
- जब बादशाह दाऊद ने ज़िना और क़त्ल किया तब ख़ुदा ने कहा, “तूने यहोवा के हुक्म को हक़ीर जानकर....” इसका मतलब है कि उसने अपने इस बुरे काम के ज़रिये’ ख़ुदा की बहुत बेइज़्ज़ती व ज़लील किया था।

(यह भी देखें: बेइज़्ज़ती)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- दानीएल 12:1-2
- अम्साल 15:5-6
- ज़बूर 031:17-18

## शब्दकोश:

- Strong's: H936, H937, H959, H963, H1860, H7043, H7589, H5006, G1848

# हफ़्ते, हफ़्तों

## ता'रुफ़:

“हफ़्ता” लफ्ज़ सात दिन के वक़्त के बारे में है।

- यहूदी हफ़्ता का शुरू' शनीचर के ग़ुरूब से गिनते थे और हफ़्ते का आख़िर अगले शनिवार को ग़ुरूब आफ़्ताब तक मानते थे।

किताब ए-मुक़द्दस में, लफ़्ज़ "हफ़्ता" का इस्ते'माल कभी कभी 'अलामती तौर सात वक़्त की चीज़ों की जमा', जैसे सात साल के तौर पर किया जा सकता है| "हफ़्ते की फ़सह" फ़सल कटने का एक जशन है जो फ़सह के सात हफ़्तों के बा'द होता है| इसे "पिन्तेकुस्त" भी कहते हैं|

(यह भी देखें: पिन्तेकुस्त)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के आमाल 20:7-8
- इस्तिस्ना 16:9-10
- अहबार 23:15-16

## शब्दकोश:

- Strong's: H7620, G4521

# क़त्ल करना, क़त्ल किए गए

## ता’अर्रुफ़:

“ क़त्ल करना” या'नी किसी जानवर या इन्सान को क़त्ल करना इसका मतलब है, ताक़त के ज़ोर या बेरहमी से मार डालना। अगर किसी आदमी ने एक जानवर को मार डाला है तो उसने " क़त्ल किया"

- जानवर या किसी झुण्ड के बारे में “ज़बह” लफ़्ज़ काम में लिया जाता है।
- ज़बह करना, का एक काम भी है जिसे "ज़बह" कहा जाता है।
- “ क़त्ल किए गए” का तर्जुमा हो सकता है, “मारे गए लोग” या “जिन लोगों को क़त्ल किया गया ”।

(यह भी देखें:ज़बह करना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- हिज़्क़ीएल 28:23-24
- यसा'याह 26:20-21

## शब्दकोश:

- Strong's: H2026, H2076, H2490, H2491, H2717, H2763, H2873, H2874, H4191, H4194, H5221, H6991, H6992, H7523, H7819, G337, G615, G1315, G2380, G2695, G4968, G4969, G5407

# क़बीला , क़बीलों , क़बीला , क़बीले के अफ़राद

## ता’अरुफ़:

क़बीला इन्सानों का वह झुण्ड है जो एक ही नसल से पैदा हुआ है।

- क़बीले का मतलब है एक ही ज़बान और तहज़ीब को बोला करते है।
- पुराने ‘अहद नामे में, ख़ुदा ने इस्राईल को 12 क़बीलों में तक़सीम किया था। हर एक क़बीला याक़ूब के एक बेटे और उसके बुज़ुर्गों का था।
- क़बीला एक क़ौम से छोटा लेकिन ख़ानदान से बड़ा था।

यह भी देखें :ख़ानदान , क़ौम, लोग केझुण्ड , इस्राईल के बारह क़बीले)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 समूएल 10:17-19
- 2 सलातीन 17:16-18
- पैदाइश 25:13-16
- पैदाइश 49:16-18
- लूका 02:36-38

## शब्दकोश:

- Strong's: H523, H4294, H7625, H7626, G1429, G5443

# क़बीला, क़बीलों

## ता’अर्रुफ़:

“क़बीला” एक ही बुज़ुर्ग की औलादों का बड़ा घराना होता है।

- पुराने ‘अहद नामे में इस्राईलियों को उनके क़बीले या ख़ानदान के मुताबिक़ गिना जाता था।
- क़बीला का नाम ज़्यादातर मशहूर वाकिफ़ बुज़ुर्ग के नाम पर होता था।
- कभी-कभी आदमियों को उसके क़बीले के नाम से भी पुकारा जाता था। इसकी एक मिसाल है मूसा का ससुर यित्रो कभी-कभी रूएल नाम से भी बुलाया जाता है जो उसके क़बीले का नाम था।

क़बीला लफ़्ज़ का तर्जुमा“ख़ानदान” या “बड़े घराने” या “रिश्ते दार” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: घराना, यित्रो; \क़बीला]क़बीला , क़बीलों , क़बीला , क़बीले के अफ़राद)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 06:33-35
- पैदाइश 10:2-5
- पैदाइश 36:15-16
- पैदाइश 36:29-30
- पैदाइश 36:40-43
- यशू’अ 15:20
- गिनती 03:38-39

## शब्दकोश:

- Strong's: H1, H441, H1004, H4940

# क़ब्र, मिट्टी देनेवाले, क़ब्रें, क़ब्र, क़ब्रों, क़ब्रिस्तान

## ता'अर्रुफ़:

- "क़ब्र" वह जगह है जहां मुर्दे की लाश को रखा जाता है। * इसी बयान में "कब्रिस्तान" भी है।
- यहूदी कभी-कभी गुफाओं में लाशों को रखते थे। कभी-कभी वे पहाड़ों में गुफा खोदते थे।
- नये 'अहद नामे के वक़्त ऐसी क़ब्रों को बन्द करने के लिए उन पर बड़ा पत्थर लुढ़का देना एक आम तरीका था।
- अगर क़ब्र का मतलब लाश को दफन करने के लिए ज़मीन के नीचे गड्डा हो तो इसका तर्जुमा करने के और तरीके "गुफा" या "पहाड़ में छेद करना" हो सकता है।
- 'अलामती शक्ल में और अक्सर "क़ब्र" लफ़्ज़ मुर्दे के जैसी हालत को या मुर्दे की रूहों की जगह के लिए काम में आता है।

(यह भी देखें: दफ़न करना, मौत

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 02:29-31
- पैदाइश 23:5-6
- पैदाइश 50:4-6
- यूहन्ना 19:40-42
- लूका 23:52-53
- मरकुस 05:1-2
- मत्ती 27:51-53
- रोमियो 03:13-14

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **32:04** वह **क़ब्रों** में रहा करता था। वह रात दिन चिल्लाता रहता था
- **37:06** 'ईसा ने उनसे पूछा "तुमने लाज़र को कहाँ रखा है?, " उन्होंने उससे कहा, "**क़ब्र** में आओ और देख लो |
- **37:07** वो **क़ब्र** एक गुफा थी जिसके दरवाज़े पर एक बड़ा पत्थर लगा हुआ था |
- **40:09** तब यूसुफ़ और नीकुदेमुस, दो यहूदी काहिन जिन्हें यक़ीन था कि 'ईसा ही मसीह है, पिलातुस के पास जाकर 'ईसा की लाश माँगा | उन्होंने उसकी लाश को सफ़ेद चादर में लपेटा, और चट्टान में खुदवाई गई **क़ब्र** में रख दिया | तब उन्होंने दरवाज़े पर बड़ा पत्थर लुढ़काकर उसे बन्द कर दिया |
- **41:04** उसने क़ब्र के पत्थर को जो **क़ब्र** के दरवाजे पर लगा था हटा दिया और उस पर बैठ गया, **क़ब्र** की रखवाली करने वाले पहरेदार काँप उठे और मुर्दे की तरह हो गए |
- **41:05** जब औरतें **क़ब्र** पर पहुँची, फ़रिश्ते ने 'औरतों से कहा, "मत डरो 'ईसा यहाँ नहीं है, लेकिन अपने कलाम के मुताबिक़ जी उठा है आओ, यह जगह देखो तब 'औरतों ने **क़ब्र** में और जहाँ ईसा का जिस्म रखा गया था देखा | उसका जिस्म वहाँ नहीं था |

## शब्दकोश:

- Strong's: H1164, H1430, H6900, H6913, H7585, H7845, G86, G2750, G3418, G3419, G5028

# क़ब्ज़ाबनाना, क़ब्ज़ा, क़ब्ज़ा, क़ब्ज़ा किया

## ता'अर्रुफ़:

"क़ब्ज़ा करना" किसी आदमी या चीज़ का ताक़त के ज़ोर से क़ब्ज़े में करना। इसका मतलब किसी पर हावी होना या क़ाबू करना भी होता है।

- जब फ़ौज की ताक़त के ज़रिए' शहर को फ़तह कर लिया जाता है तब फ़ौजी वहाँ के रहने वालों की क़ीमतीचीज़ें लूट लेते हैं।
- 'अलामती शक्ल में इस्ते'माल करने पर इस लफ़्ज़ का मतलब है, "ख़ौफ़ज़दह होना।" इसका मतलब है कि अचानक खौफ से क़ाबू पाना होता है। अगर कोई शख्स "ख़ौफ़ज़दह" है तो यह भी कहा जा सकता है कि वह, "अचानक ही बहुत डर गया"।
- औरत के दर्द ज़ह के बारे में है तो इसका मतलब है दर्द अचानक ही उठा और बहुत ज़्यादा हो गया। इस लफ़्ज़ का तर्जुमा , औरत की दर्द ज़ह का "बे क़ाबू होना" या "अचानक ही आ पड़ना" हो सकता है।
- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, "क़ाबू करना" या " अचानक ले लेना" या "जकड़ लेना"।"
- “उसे पकड़ कर उसके साथ सोया” इस जुमले का तर्जुमा हो सकता है, “उस पर क़ुव्वत के ज़रिए' हावी हुआ” या “उसको बे हुरमत किया” या “उसके साथ ज़िना किया”।" साबित करें कि यह तसव्वुर क़ाबिले क़ुबूल हो।

(देखें: अलफ़ाज़

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 16:19-21
- अह्बार 15:14-15
- यूहन्ना 10:37-39
- लूक़ा 08:28-29
- मत्ती 26:47-48

## शब्दकोश:

- Strong's: H270, H1497, H2388, H3027, H3920, H3947, H4672, H5377, H5860, H6031, H7760, H8610, G724, G1949, G2638, G2902, G2983, G4815, G4884

# क़ानून, क़ानूनों, शरी’अत देनेवाला, मुजरिम, मुजरिमों, मुकदमा, वकील, उसूल, उसूल , उसूलों

## ता’अरुफ़:

“कानून” सरकारी नियम होते हैं, जो अक्सर लिखे हुए रहते हैं और मुलाजिम के ज़रिए’ लागू किए जाते हैं। “उसूल” फ़ैसले लेने और सुलूक करने के हिदायती कानून हैं।

- “कानून” और उसूल दोनों ही इन्सान के सुलूक की हिदायत या ‘आम कानून या सलाहें होती हैं।
- “शरी’अत” का मतलब “मूसा की शरी’अत” के मतलब से अलग है क्योंकि यह ख़ुदा के ज़रिए’ इस्राईल को दिए गए हुक्म और हिदायात थे।
- जब कानूनों का ‘आम मतलब में ज़िक्र किया गया है तो शरी’अत का तर्जुमा “उसूल” या “अवामी कानून” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: क़ानून, शरी’अत)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इस्तिस्ना 04:1-2
- ‘आस्तर 03:8-9
- ख़ुरूज 12:12-14
- पैदाइश 26:4-5
- युहन्ना 18:31-32
- रोमियो 07:1

## शब्दकोश:

- Strong's: H1285, H1881, H1882, H2706, H2708, H2710, H4687, H4941, H6310, H7560, H8451, G1785, G3548, G3551, G4747

# क़ासिद, क़ासिदों

## सच्चाई:

“क़ासिद” या'नी किसी तक पैग़ाम पहुंचानेवाला।

- पुराने वक़्त में क़ासिद जंग के 'इलाक़े से शहर में लोगों को ख़बर देने भेजा जाता था कि जंग की ख़बर सुनाए।
- फ़रिश्ता एक ख़ास क़ासिद होता था जिसे ख़ुदावन्द लोगों को पैग़ाम देने भेजता था। कुछ तर्जुमों में “फ़रिश्ता” का तर्जुमा “क़ासिद” किया गया है।
- यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला भी एक क़ासिद था जो 'ईसा के पहले आया कि मसीह के आने की ख़बर दे और उसे क़ुबूल करने के लिए लोगों को तैयार करे।
- रसूल उसके क़ासिद थे कि ख़ुदावन्द की बादशाही की ख़ुश ख़बरी लोगों को सुनाए।

(यह भी देखें: फ़रिश्ता, रसूल, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला))

## किताब-ए-मुक़द्दस:

- 1 सलातीन 19:1-3
- 1 शमूएल 06:21
- 2 सलातीन 01:1-2
- लूक़ा 07:27-28
- मत्ती 11:9-10

## शब्दकोश:

- Strong's: H1319, H4397, H4398, H5046, H5894, H6735, H6737, H7323, H7971, G32, G652

# क़ुरआ’, क़ुर’आ डालकर

## ता’अर्रुफ़:

“क़ुर’आ” पर्चियों पर नाम लिखे जाते हैं और फ़ैसले लेने के लिए उनमें से एक उठाई जाती है। “क़ुर’आ डालना” मतलब निशान लगाकर पर्चियों को ज़मीन पर या और जगह में डालकर एक उठाना।

- क़ुर’आ अक्सर निशान लगाये पत्थर या मिट्टी के बर्तनों के टूटे हुए टुकड़े होते थे।
- कुछ रवायतों में क़ुर’आ डालने में तिनकों का गट्ठा काम में लिया जाता था। एक इन्सान उन तिनकों को पकड़ कर रखता था कि कोई देख न पाए कि वे कितने लम्बे हैं। हर एक इन्सान एक तिनका खींचता था और जिसके पास सबसे लम्बा तिनका आता था (या सबसे छोटा) वही चुना हुआ माना जाता था।
- चिट्ठियां डालने की मश्क़ इस्राईली ख़ुदा की मर्ज़ी जानने के लिए करते थे।
- जैसा ज़करियाह और इलीशिबा के वक़्त में किया गया था कि हैकल में कौन ख़िदमत करेगा।
- ‘ईसा के सलीब चढ़ाने वाले सिपाईयों ने भी चिट्ठियाँ डाली थी कि ‘ईसा का चोग़ा किसे मिलना चाहिए।
- “क़ुर’आ डालना” का तर्जुमा, “पर्चियां डालना” या “पर्ची खींचना” या पर्ची गिराना” भी हो सकता है। “डालना” का तर्जुमा ऐसा ज़ाहिर न करे कि चिट्ठियां बहुत दूर तक फेंकी जाती थी।
- मज़मून पर मुनहस्सिर “क़ुर’आ” का तर्जुमा “निशान लगाए पत्थर” या “मिट्टी के बर्तनों के टुकड़ों” या “लकड़ियां” या “तिनके” भी किए जा सकते हैं।
- अगर “क़ुर’आ” के ज़रिए’ फ़ैसला लिया गया तो उसका तर्जुमा “क़ुर’आ डालकर” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: इलीशिबा, काहिन, ज़करियाह (पुराना ‘अहदनामा), ज़करियाह (नया ‘अहदनामा))

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- यूनाह 01:6-7
- लूक़ा 01:8-10
- लूक़ा 23:33-34
- मरकुस 15:22-24
- मत्ती 27:35-37
- ज़ुबूर 022:18-19

## शब्दकोश:

- Strong's: H1486, H2256, H5307, G2624, G2819, G2975, G3091

# क़ुर्बानी करना, क़ुर्बानी, क़ुर्बान किये, क़ुर्बान करना, हदिया, हदिया की चीज़ें

## ता'अर्रुफ़:

कलाम में "क़ुर्बानी" और "हदिया " के बारे में ख़ुदावन्द की 'इबादत में ख़ास हदिया पेश करने से है। लोगों ने भी झूठे मा'बूदों के लिए क़ुर्बानी पेश कीं ।

- "हदिया" लफ़्ज़ का मतलब है 'आम चीज़ें है कि जो कुछ भी पेश किया गया था दिया गया। "हदिया" के बारे में उस हर एक बात से था जो पेश करने वाले के लिए बहुत क़ीमती होती थी।
- ख़ुदावन्द के लिए हदिया ख़ास चीजें थीं, जिन्हें उसने इस्राईलियों को रास्तबाज़ी और फ़रमाबरदारी बयान करने के लिए हुक्म दिया था।
- कई तरह की क़ुर्बानियों के नाम थे "आतिशी क़ुर्बानी" और "सुलह की क़ुर्बानी" वग़ैरह से ज़ाहिर था कि कैसी क़ुर्बानी पेश रा करें ।
- ख़ुदावन्द के लिए क़ुर्बानी पेश करने में हमेशा जानवरों को ज़बह किया जाता था।
- सिर्फ़ ईसा- ख़ुदावन्द का सच्चा बेगुनाह बेटे, की क़ुर्बानी लोगों के गुनाहों से मुकम्मल तौर से पाक कर सकती है, जानवरों की क़ुर्बानी कभी ऐसा नहीं कर सकती थी ।
- 'अलामती इज़हार "अपने आप को एक ज़िन्दा क़ुर्बानी के शक्ल में पेश करें" का मतलब है, " ख़ुदावन्द की मुकम्मल तौर से फ़र्माबरदारी में अपनी ज़िन्दगी गुज़ारना , उसकी ख़िदमत करने के लिए सब कुछ छोड़ देना।"

## तर्जुमा की सलाह:

- "पपेश करो " का तर्जुमा " ख़ुदावन्द के लिए हदिया" या " ख़ुदावन्द को दी हुई कोई चीज़ " या "कोई क़ीमती चीज़ जो ख़ुदावन्द को दी गई है" हो सकता है।
- बयान के मुताबिक़, लफ़्ज़ "क़ुर्बानी" का तर्जुमा " 'इबादत में कुछ क़ीमती चीज़" या "एक ख़ास जानवर को ज़बह किया और ख़ुदावन्द को दिया गया" की शक्ल में भी किया जा सकता है।
- "क़ुर्बानी के लिए" काम का तर्जुमा "क़ीमती चीज़" या "किसी जानवर को ज़बह करने और इसे ख़ुदावन्द को दे" देने के लिए किया जा सकता है।
- "ज़िन्दा क़ुर्बानी के शक्ल में अपने आप को पेश करने" का तर्जुमा करने का एक और तरीक़ा हो सकता है "जैसे कि आप अपनी ज़िन्दगी जीते हैं, अपने आप को ख़ुदावन्द के लिए पूरी तरह से क़ुर्बानगाह पर पेश करें , जानवर के जैसे अपने आप को ख़ुदावन्द को दे देना।"

(यह भी देखें: क़ुर्बानगाह, आतिशी क़ुर्बानी, पीने की क़ुर्बानी, झूठे मा'बूद , सुलह की क़ुर्बानी, ख़ुशी की क़ुर्बानी, सलामती की क़ुर्बानी, काहिन , गुनाह की क़ुर्बानी, 'इबादत ।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तीमुथियुस 04:6-8
- रसूलों के 'आमाल 07:41-42
- रसूलों के 'आमाल 21:25-26
- पैदाइश 04:3-5
- या'क़ूब 02:21-24
- मरकुस 01:43-44
- मरकुस 14:12-14
- मत्ती. 05:23-24

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल :

- **03:14**तब नूह जहाज में से निकल आने के बा'द, उसने एक क़ुर्बानगाह बनाई, जिसे **क़ुर्बानी** के लिये इस्ते'माल किया जा सके और सभी तरह के जानदारों की **क़ुर्बानी** दी| ख़ुदावन्द उस **क़ुर्बानी** से ख़ुश हुआ और नूह और उसके ख़ानदान को बरकत दी|
- **05:06**"अपने सिर्फ़ एक बेटे, इस्हाक़ को ले, और **क़ुर्बानी** के तौर में ज़बह करो ।" फिर इब्राहीम ने ख़ुदावन्द के हुक्म को माना , और अपने बेटे की **क़ुर्बानी** देने के लिये तैयार हो गया|
- **05:09** ख़ुदा ने इस्हाक़ के बदले **क़ुर्बानी** के लिए मेढ़ा अता' किया था|
- **13:09**जो कोई भी ख़ुदावन्द के क़ानून को नज़रअंदाज़ करता है, वह ख़ेमे-ए-इज्तिमा' के सामने क़ुर्बानगाह पर ख़ुदावन्द के लिये जानवर की **क़ुर्बानी** पेश करेगा । एक काहिन जानवर को ज़बह करके क़ुर्बानगाह पर जला देगा। उस जानवर का ख़ून जो **क़ुर्बान** किया गया था, उस आदमी के गुनाह को छिपा दिया और उस आदमी को ख़ुदावन्द की नज़र में साफ़ कर दिया।
- **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक हैकल को ता'मीर करें जिसमें सभी इस्राईली ख़ुदावन्द की 'इबादत करें और **क़ुर्बानी** पेश करें ।

- **48:06** ईसा सबसे 'अज़ीम सरदार काहिन है| दूसरे काहिनों से अलग, उसने अपने आप को उस एकलौती **क़ुर्बानी** की शक्ल में सुपुर्द कर दिया जो जहान के सभी इन्सानों के गुनाहों को हटा सकती है|
- **48:08** लेकिन ख़ुदावन्द ने ईसा को भेजा, ख़ुदावन्द का मेम्ना, कि वह हमारी जगह पर अपने आप को **क़ुर्बान** करे|
- **49:11** क्यूँकि ईसा ने ख़ुद की **क़ुर्बानी** दी, इसलिए ख़ुदावन्द किसी भी गुनाह को मु'आफ़ कर सकता है, यहाँ तक कि ख़तरनाक गुनाह को भी|

## शब्दकोश:

- Strong's: H801, H817, H819, H1685, H1890, H1974, H2076, H2077, H2281, H2282, H2398, H2401, H2402, H2403, H2409, H3632, H4394, H4469, H4503, H4504, H5066, H5068, H5069, H5071, H5257, H5258, H5261, H5262, H5927, H5928, H5930, H6453, H6944, H6999, H7133, H7311, H8002, H8426, H8548, H8573, H8641, G266, G334, G1049, G1435, G1494, G2378, G2380, G3646, G4376, G5485

# क़ुसूर , जुर्मों, बदकार , ख़ताकार लोग

## ता’अर्रुफ़:

“क़ुसूर” हमेशा गुनाह का बयान देता है जिसमें मुल्क का क़ानून तोड़ना भी होता है। “बदकार ” या’नी ख़ता करनेवाला।

- जुर्म अनेक तरह के होते हैं जैसे आदमी का क़त्ल करना या चोरी करना।
- मुजरिम को पकड़ कर बन्दी बनाया जाता है और क़ैद ख़ाने में रखा जाता है।
- कलाम-ए-मुक़द्दस के ज़माने में कुछ मुजरिम भगोड़े होते थे। वे जगह-जगह भागते फिरते थे कि उनके जुर्म का बदला लेने वालों से बचे”।

(यह भी देखें: चोर)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 तीमुथियुस 02:8-10
- होसे’अ 06:8-9
- अय्यूब 31:26-28
- लूका 23:32
- मत्ती 27:23-24

## शब्दकोश:

- Strong's: H2154, H2400, H4639, H5771, H7563, H7564, G156, G1462, G2556, G2557, G4467

# क़ैदी बनाना ,क़ैदी ,क़ब्ज़े में करना ,फ़रेफ़्ता,ग़ुलामी

## ता'रीफ़:

क़ैदी बनाना ,और "ग़ुलामी "के मा'नी हैं इन्सानों को ताक़त से क़ैदी बनाना और जहाँ वह नहीं चाहते वहाँ उन्हें रखना जैसे ग़ैर मुल्क में |

- यहूदिया के इस्राईलियों को बाबुल में 70 साल ग़ुलाम बना कर रखा गया था |
- ग़ुलाम लोगों को क़ैदी बनाने वाले लोगों या मुल्कों के लिए काम करना पड़ता था |
- दानीएल और नहमियाह इस्राईली ग़ुलाम थे जो बाबुल के बादशाह की ख़िदमत में थे |

"* क़ैदी बनाना" इन्सानों को ग़ुलामी में ले जाने के लिए एक और ख़ुलासा है |

- "तुम्हे क़ैदी बना कर ले जायेंगे "का तर्जुमा "तुम्हे ग़ुलाम होकर रहने के लिए मजबूर करेंगे "या "तुम्हे ग़ैर मुल्क में क़ैदी बना कर रखेंगे "किया जा सकता है |
- तम्सीली शक्ल में पौलूस रसूल ईमानदारों से कहता है कि वह हर ख़्याल को "क़ैदी बनाकर "मसीह का फ़रमाबरदार बना दें |
- वह यह भी कहता है कि इन्सान गुनाह की "ग़ुलामी में हो जाता है या गुनाह की "क़ैद" में हो जाता है |

## तर्जुमें की सलाह

- मज़मून के मुताबिक़ "ग़ुलाम होकर "लफ़्ज़ का तर्जुमा "आज़ाद होने की इजाज़त नहीं है "या "क़ैद ख़ाने में रखा "या ग़ैर मुल्क में रहने के लिए मजबूर किया "हो सकता है |
- ग़ुलाम होकर या "ग़ुलामी में"इसका तर्जुमा "ले लिया"या "क़ैद "या "ग़ैर मुल्क में जाने के लिए मजबूर किया "हो सकता है |
- "क़ैदी" का तर्जुमा जो लोग पकड़े गये" या "ग़ुलाम बनाये गये लोग "भी किया जा सकता है |
- मज़मून में मुताबिक़ "ग़ुलामी" लफ़्ज़ का तर्जुमा "क़ैद" या "ग़ुलामी" या "ग़ैर मुल्क में रहने के लिए मजबूर किया" हो सकता है |

(यह भी देखें: बाबुल , ग़ुलामी, क़ैद ख़ाने, क़ैदी बनाना )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 2 कुरन्थियों 10:5-6
- यसायाह 20:3-4
- यरमियाह 43:1-3
- लूका 04:18-19

## शब्दकोश:

- Strong's: H1123, H1473, H1540, H1546, H1547, H2925, H6808, H7617, H7622, H7628, H7633, H7686, H7870, G161, G162, G163, G164, G2221

# क़ौम, लोगों, लोग, एक ‘अवाम

## ता’अरुफ़:

“लोगों” या “क़ौम” या’नी एक ही ज़बान और तहज़ीब के लोग। * “लोग” लफ़्ज़ अक्सर किसी जगह में या किसी ख़ास वारदात पर आदमियों का इकठ्ठा होना।

- जब ख़ुदा अपने लिए “एक कौम ” को चुन लेता है तो उसका मतलब है कि उसके लिए और उसकी ख़िदमत के लिए ख़ास इन्सानों को चुन लेना।
- किताब-ए-मुक़द्दस के ज़माने में किसी क़ौम के अफ़राद के बाप दादा एक ही थे और किसी ख़ास जगह में या ज़मीन के हिस्से में रहते थे।
- मज़मून पर मुनहसिर करके “तेरे लोग” का मतलब हो सकता है, “तेरी क़ौम” या “तेराघराना ” या “तेरेलोग ”।
- लफ़्ज़“लोगों” ज़मीन के सब लोगो के बारे में है। कभी-कभी इसका बयान ख़ास करके ग़ैर इस्राईलियों या उन लोगों से होता है जो यहोवा की ख़िदमत नहीं करते। कुछ अंग्रजी कलामी मज़हबों में “नेशन्स(क़ौम)” का मक़सद यही है।

## तर्जुमे की सलाह:

- “क़ौम” लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, “बड़ा क़बीला ” या “क़बीला ” या “नसली ”।
- “मेरे लोग ” का तर्जुमा हो सकता है, “मेरे चुने लोग ” या “मेरे इस्राईली भाई” या “मेरा घराना ” या “मेरी क़ौम के लोग” लेकिन यह मज़मून पर मुनहसिर करेगा।
- “ग़ैर क़ौमों में तितर-बितर” का तर्जुमा हो सकता है, “तुम्हें तमाम क़ौमों में रहने पर मजबूर कर दूंगा” या “तुम्हें अलग-अलग करके दुनिया के तमाम ‘इलाकों में भेज दूंगा”।
- “क़ौम - क़ौम” या “ग़ैर क़ौमें” का तर्जुमा हो सकता है, “दुनिया के सब लोग” या “सब कौमें ” लेकिन मज़मून पर मुनहसिर करके।
- “एक क़ौम” का तर्जुमा हो सकता है “एक झुण्ड के लोग” या “नसल ” या “घराना ” यह तय करेगा कि वह किसी जगह या आदमी के नाम के पीछे है।
- “ज़मीन के सब लोगों” का तर्जुमा हो सकता है, “ज़मीन पर रहने वाला हर एकइन्सान ” या “दुनिया का हर एकआदमी ” या “सब लोग”।
- “एक ऐसी क़ौम” इसका तर्जुमा हो सकता है, “एकलोगों का झुण्ड ” या “एक ख़ास क़ौम” या “आदमियों का एक झुण्ड ” या “लोगों का घराना ”

(यह भी देखें : बाप दादों, क़ौम, क़बीला, जहान

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 08:51-53
- 1 शमूएल 08:6-7
- इस्तिसना 28:9-10
- पैदाइश 49:16-18
- रूत 01:16-18

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **14:02** ख़ुदा ने जो वा’दा इब्राहीम , इसहाक़ और याक़ूब से कियाथा , कि वह वा’दे की ज़मीन उनके बाप दादों को देंगा, लेकिन अब वहाँ बहुत से **क़बीले** रहते हैं |
- **21:02** ख़ुदा ने इब्राहीम से वा’दा किया कि दुनिया के सारे **क़बीले _ तेरे ज़रिए’ बरकत पाएँगे | यह बरकत तब पूरी होगी जब मसीह आइन्दा आयेगा | यह फ़ज़ल आने वाला मसीह है जो एक दिन हर _क़ौम के लोगों** के लिए नजात की राह ‘अता करेगा |
- **42:08** “पाक कलाम में यह भी लिखा था कि मेरे शागिर्द ‘ऐलान करेंगे कि हर एक को गुनाहों की मु’आफ़ी पाने करने के लिये तोबा करना चाहिए। वे यरूशलीम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब _कौमों _ में जायेंगे, तुम इन सब बातों के गवाह हो।”
- **42:10** इसलिये तुम जाओ, सब _ क़ौमों _ को शागिर्द बनाओ और उन्हें बाप , औरबेटे , और रूह-उल-कुद्दूस के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें हुक्म दिए हैं , मानना सिखाओ। "
- **48:11** क्योंकि इस नये ‘अहद के ज़रिये’ किसी भी _कौम _ का कोई भी आदमी ख़ुदा के चुने हुए लोगों में ‘ईसा पर ईमान करने के ज़रिये’ शामिल हो सकता है।
- **50:03** उसने कहा, “जाओ और सारे _क़ौमों _ को शागिर्द बनाओ!”, "खेत कटनी के लिए पके खड़े हैं!"

## शब्दकोश:

- Strong's: H249, H523, H524, H776, H1121, H1471, H3816, H5712, H5971, H5972, H6153, G246, G1074, G1085, G1218, G1484, G2560, G2992, G3793

# क़ौम, क़ौमें

## ता’अर्रुफ़:

क़ौम एक बड़ी इन्सानी जमा’अत है जो किसी तरह की सरकार के ताबे’ रहती है। एक क़ौम के लोगों के बुज़ुर्ग अक्सर एक ही होते हैं और एक ‘आम क़ौमियत रखते हैं|

- “क़ौम” ‘आम तौर पर ता’रीफ़ शुदा तहज़ीब और ‘इलाक़ाई हुदूद है।
- किताब-ए-मुक़द्दस में “क़ौम” कोई मुल्क (जैसे मिस्र, इथोपिया) हो सकता है लेकिन ‘आम तौर में लोगों की जमा’अत के बारे में होता है, ख़ास करके जमा’ में हो तब। लिहाज़ा मज़मून पर ध्यान देना ज़रूरी है
- किताब-ए-मुक़द्दस में जिन क़ौमों का ज़िक्र किया गया है उसमें इस्राईली, फ़िलिश्ती, अश्शूरी, बाबुली, कना’नी, रोमी और यूनानी और दीगर हैं।
- कभी-कभी “क़ौम” लफ़्ज़ ‘अलामती शक्ल में काम में आया है जो किसी ख़ास क़बीले के बुज़ुर्गों के बारे में है, जैसे रिब्क़ा से ख़ुदा ने कहा था कि उसके पैदा होने वाले बेटे दो “क़ौमें” होंगे जो आपस में लड़ते रहेंगे। इसका तर्जुमा हो सकता है, “दो क़ौमों के रहनुमा” या “दो क़बीलों के बुज़ुर्ग ”।
- जिस लफ़्ज़ का तर्जुमा “क़ौम” किया गया है उस लफ़्ज़ का इस्ते’माल कभी-कभी ग़ैरक़ौमों के लिए भी किया जाता है या उन क़बीलों के लिए जो यहोवा की ‘इबादत नहीं करते। मज़मून से इसका मतलब ज़ाहिर हो जाता है।

## तर्जुमे की सलाह:

- मज़मून पर मुनहस्सिर, “क़ौम” लफ़्ज़ का तर्जुमा “क़बीलों” या “लोगों ” या “मुल्क” किया जा सकता है।
- अगर किसी ज़बान में “क़ौम” के लिए इन सब अलफ़ाज़ से अलग कोई लफ़्ज़ है तो किताब-ए-मुक़द्दस में जहां भी यह लफ़्ज़ आता है वहां उस लफ़्ज़ का इस्ते’माल किया जा सकता है, जब तक कि वह हरएक मज़मून में क़ुदरती और सही है।
- जमा’ लफ़्ज़ “क़ौमों” का भी तर्जुमा “लोगों की जमा’अत” किया जा सकता है।
- कुछ मज़मूनों में इस लफ़्ज़ का तर्जुमा “ग़ैर-क़ौम” या “ग़ैर यहूदी” किया जा सकता है।

(यह भी देखें:अश्शूर, बाबुल, कना’न, ग़ैर-क़ौम, यूनानी, लोगों की जमा’अत, फ़िलिश्ती, रोम)

##:किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में ##

- 1 तवारीख़ 14:15-17
- 2 तवारीख़ 15:6-7
- 2 सलातीन 17:11-12
- रसूलों के ‘आमाल 02:5-7
- रसूलों के ‘आमाल 13:19-20
- रसूलों के ‘आमाल 17:26-27
- रसूलों के ‘आमाल 26:4-5
- दानिएल 03:3-5
- पैदाइश 10:2-5
- पैदाइश 27:29
- पैदाइश 35:11-13
- पैदाइश 49:10
- लूक़ा 07:2-5
- मरकुस 13:7-8
- मत्ती 21:43-44
- रोमियो 04:16-17

## शब्दकोश:

- Strong's: H249, H523, H524, H776, H1471, H3816, H4940, H5971, G246, G1074, G1085, G1484

# ख़बर, समाचारों, ख़बर दिया

## ता'अर्रुफ़:

लफ़्ज़ “ख़बर सुनाना” का मतलब है हादसों की ख़बर देना, या ज़्यादा तफ़सील पेश करना। ख़बर वह है जो बताया जाता है और तहरीर या ज़ुबानी हो सकता है।

- “ख़बर” का तर्जुमा, “कहना” या ज़िक्र करना” या “तफ़सील सुनाना” हो सकता है
- “किसी से न कहना” इस इज़हार का तर्जुमा “इसका ज़िक्र किसी से न करना” या “किसी से इसका बयान न करना” हो सकता है
- “ख़बर” के तर्जुमा के तरीक़े, “ज़िक्र” या “कहानी” या “तफ़्सीली बयान” मज़मून पर मुनहस्सिर करें।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के ‘आमाल 05:22-23
- युहन्ना 12:37-38
- लूक़ा 05:15-16
- लूक़ा 08:34-35
- मत्ती 28:14-15

## शब्दकोश:

- Strong's: H1681, H1696, H1697, H5046, H7725, H8034, H8052, H8085, H8088, G189, G191, G312, G518, G987, G1225, G1310, G1426, G1834, G2036, G2162, G2163, G3004, G3056, G3140, G3141, G3377

# ख़बरदार

## ता’अर्रुफ़:

“ख़बरदार” या'नी किसी को मज़बूत ख़बरदार दकरना या समझाना।

- “ख़बरदार” का 'आमतौर पर मतलब है कि किसी को कोई काम न करने के लिए समझाना।
- “मसीह की जिस्म में, ईमानदारों को ता'लीम दी गई है कि वह आपस में समझाएं कि गुनाह से बचना है और पाक ज़िन्दगी ज़िन्दगी जीना है।”
- “ख़बरदार” लफ़्ज़ का तर्जुमा हो सकता है, “गुनाह नहीं करने के लिए हौसला अफज़ाई करना” या “किसी को गुनाह नही करने की गुज़ारिश करना”

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- नहमियाह 09:32-34

## शब्दकोश:

- Strong's: H2094, H5749, G3560, G3867, G5537

# ख़ानदान, ख़ानदानों

## ता’अर्रुफ़:

“ख़ानदान” उन सब अफ़राद के बारे में है जो एक घर में रहते हैं, या’नी ख़ानदान के फ़र्द और उनके सभी ग़ुलाम|

- एक घर के इन्तजाम में नौकरों को हुक्म देने और दौलत की देखभाल भी शामिल है।
- कभी-कभी ख़ानदान लफ़्ज़ का ‘अलामती मतलब ख़ानदानी नसबनामा भी होता था, ख़ास करके नसल|

(यह भी देखें: ख़ानदान)

## किताब-इ-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों की ‘आमाल 07:9-10
- गलातियों 06:9-10
- पैदाइश 07:1-3
- पैदाइश 34:18-19
- यूहन्ना 04:53-54
- मत्ती 10:24-25
- मत्ती 10:34-36
- फ़िलिप्पियों04:21-23

## शब्दकोश:

- Strong's: H1004, H5657, G2322, G3609, G3614, G3615, G3616, G3623, G3624

# ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, नौकर बना दिया, ख़ादिम, ख़ादिमों, मेरा ग़ुलाम, ग़ुलामों, ख़िदमत करना, ग़ुलामी, लौंडी

## ता'अर्रुफ़:

"ख़ादिम" का मतलब "ग़ुलाम" भी हो सकता है और उस आदमी के बारे में है जो किसी और आदमी के लिए काम करनेवाले आदमी से है, अपनी मर्ज़ी से या ताक़त के ज़ोर पर । आस-पास के बाब से साबित हो जाता है कि ग़ुलाम के बारे में कहा जा रहा है या ख़ादिम के बारे में । "ख़िदमत " के लिए लफ़्ज़ ग़ैर लोगों की मदद करने के लिए चीजों को करने का भी मतलब होता है इसका मतलब 'इबादत भी हो सकता है * किताब-ए-मुक़द्दस के वक़्त में ग़ुलाम और ख़ादिम में ज़्यादा फ़र्क़ नहीं था जैसा आज समझा जाता है। ख़ादिम और ग़ुलाम दोनों ही अपने मालिक के ख़ानदान के बहुत ही ख़ास फ़र्द होते थे और ज़्यादातर ख़ानदान के फ़र्द ही माने जाते थे। कभी-कभी ख़ादिम अपने मालिक के ता ज़िन्दगी अपनी मर्ज़ी से ख़ादिम बनना चाहते थे।

- ग़ुलाम एक ऐसा ख़ादिम होता था जो अपने मालिक की जायदाद होता था। जो ग़ुलाम को खरीदता था वह उसका "मालिक" कहलाता था। कुछ मालिक अपने ग़ुलामों के साथ बे रहमी सा सुलूक करते थे लेकिन कुछ मालिक अपने ग़ुलामों के साथ बहुत अच्छा सुलूक करते थे जैसे वह ख़ानदान के अहम रुक्न हों।
- पुराने ज़माने में कुछ लोग किसी को बड़े नुक़सान की वजह से अपनी मर्ज़ी से उसके ग़ुलाम बन जाते थे कि लिया हुआ उधार चुका सकें।
- मेहमानों की ख़िदमत करने वाले सख्स के बारे में, इस लफ़्ज़ का मतलब "निगरानी" या "खाने की ख़िदमत" या "खाना ''अता करना" है। जब 'ईसा ने शागिर्दों से लोगों को मछली "ख़िदमत" करने के लिए कहा, तो इसका तर्जुमा "बाँटना " या "हाथ से बाहर" या "देना" की शक्ल में किया जा सकता है।
- कलाम में बयान एक जुमला "तेरा ग़ुलाम" का इस्ते'माल किसी इख्तियारी आदमी जैसे बादशाह के लिए 'इज़्ज़त को ज़ाहिर करने के लिए किया जाता था। इसका मतलब यह नहीं कि कहने वाला हक़ीक़त में उसका ग़ुलाम था।
- मज़मून के तौर पर "ख़िदमत" लफ़्ज़ का तर्जुमा "वज़ीर" या "काम करने" या "निगरा" या "'अमल " की शक्ल में भी किया जा सकता है।

पुराने 'अहद नामे में ख़ुदा के नबियों और उसकी 'इबादत करने वाले लोगों को हमेशा उसका "ग़ुलाम" कहा जाता था। *

- "ख़ुदा की ख़िदमत करना" का तर्जुमा "ख़ुदा की इबादत और फ़रमाबरदारी " या "ख़ुदा का हुक्म का काम करना" भी हो सकता है।."
- नए 'अहद नामे में मसीह में ईमान करके ख़ुदा के हुक्म माननेवालों को हमेशा उसके ख़ादिम कहा जाता था।
- मेज की ख़िदमत" या'नी मेज पर बैठने वालों को खाना देने वाला । आम तौर पर, "खाना बाँटना "
- लोगों को ख़ुदा के बारे में ता'लीम देने वालों को ख़ुदा और जिन्हें ता'लीम दी जाती है दोनों को ख़ादिम कहा जाता है।
- पौलुस रसूल ने कुरिन्थ शहर के ईमानदारों को लिखा था कि वेहपुराने 'अहद नामे की "ख़िदमत" कैसे करते थे। इसका बारे मूसा की शरी'अत का अमल बयान करता है। * अब वह नए 'अहद की "ख़िदमत" करते हैं। या'नी सलीब पर 'ईसा की क़ुर्बानी की वजह से 'ईसा के ईमानदार पाक रूह के ज़रिए' ख़ुदा को ख़ुश करने पाक ज़िन्दगी गुज़ारने के लायक़ हो गए हैं।
- पौलुस उनके ज़रिए' पुराने 'अहद या नए 'अहद की "ख़िदमत" के बारे में ज़िक्र कर रहा था। इसका तर्जुमा हो सकता है, " ख़िदमत करना" या "हुक्म मानना" या "'इबादत करना"
- ईमानदार को हमेशा रास्त्बाज़ी के ग़ुलाम " कहा गया है।यह ख़ुदा के हुक्मों पर 'अमल की बराबरी एक गुलाम के ज़रिए'उसके मालिक के हुक्म फरमाबरदारी के बराबर की गई है।

(यह भी देखें: प्रतिबद्ध, ख़िदमत करना, घराना, मालिक, फ़र्माबरदार, ईमानदार , ख़िदमत )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 04:29-31
- रसूलों के 'आमाल 10:7-8
- कुलुस्सियों 01:7-8
- कुलुस्सियों 03:22-25
- पैदाइश 21:10-11
- लूक़ा 12:47-48
- मरकुस 09:33-35
- मत्ती 10:24-25
- मत्ती 13:27-28
- 2 तीमुथियुस 02:3-5
- रसूलों के 'आमाल 06:2-4
- पैदाइश 25:23

- लूक़ा 04:8
- लूक़ा 12:37-38
- लूक़ा 22:26-27
- मरकुस 08:7-10
- मत्ती 04:10-11
- मत्ती 06:24

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **06:01** जब इब्राहीम बहुत 'उम्र दराज़ था और उसका बेटा, इस्हाक़, जवान हो गया था, इब्राहीम ने अपने **गुलामों** में से एक को ख़ानदानियों के पास भेजा की वह उसके बेटे इस्हाक़ के लिए एक बीवी ले आये।
- **08:04** ग़ुलाम_ ताजिरों ने यूसुफ़ को एक _नौकर __ की शक्ल में एक मालदार हुकूमती हाकिम को बेचा।
- **09:13** "मैं(ख़ुदावन्द) तुझे(मूसा) फ़िर'औन के पास भेजता हूँ कि तू मेरी इस्राईली रिआया को मिस्र के **गुलामी** से निकाल आए।"
- **19:10** फिर एलिय्याह ने दु'आ की, "ऐ इब्राहीम , इस्हाक़ और इस्राईल के ख़ुदा यहोवा! आज यह ज़ाहिर कर कि इस्राईल में तू ही ख़ुदावन्द है, और मैं तेरा **गुलाम** हूँ,
- **29:03** "जबकि चुकाने को **गुलाम** के पास कुछ न था, तो उसके मालिक ने कहा, '**यह (गुलाम)** और इसकी बीवी और बच्चे और जो कुछ इसका है सब बेचा जाए, और क़र्ज चुका दिया जाए।'"
- **35:06** "मेरे बाप के कितने ही **मजदूरों** को खाने से ज़्यादा रोटी मिलती है, और मैं यहाँ भूखा मर रहा हूँ।"
- **47:04** _ लौंडी_ पीछे आकर चिल्लाने लगी, "यह आदमी ख़ुदावन्द ख़ुदा का ख़ादिम है, जो हमें नजात के रास्ते का वाक़ि'आ सुनाता है।"
- **50:04** 'ईसा ने यह भी कहा, " **गुलाम** अपने मालिक से बड़ा नहीं होता"

## शब्दकोश:

- (Serve) H327, H3547, H4929, H4931, H5647, H5656, H5673, H5975, H6213, H6399, H6402, H6440, H6633, H6635, H7272, H8104, H8120, H8199, H8278, H8334, G1247, G1248, G1398, G1402, G1438, G1983, G2064, G2212, G2323, G2999, G3000, G3009, G4337, G4342, G4754, G5087, G5256

# ख़िदमत करना, ग़ुलाम बनाना, ग़ुलामी, पाबंदी में, या क़ाबू में, बन्धन, बाँधा

## ता'अर्रुफ़:

किसी को "ग़ुलाम" करने का मतलब है कि उस शख़्स को मालिक या हाकिम मुल्क की ख़िदमत करने के लिए मजबूर करना है। “ग़ुलाम बनाया जाना” या “पाबंदी में होना” या’नी किसी बात को या किसी शख़्स के क़ाबू में होना।

- एक शख़्स जो ग़ुलाम या ग़ुलामी में है, उसे अदाइगी के बिना दूसरों की ख़िदमत करनी चाहिए; वह जो भी चाहता है वह करने के लिए आज़ादी नहीं है।
- ग़ुलाम" के लिए भी एक शख़्स की आज़ादी को दूर करने का मतलब है।" *

ग़ुलामी" के लिए एक और लफ़्ज़ "ग़ुलामी" है।" *

- 'अलामती शक्ल में इंसान गुनाहों के “ग़ुलामी” में है। जब तक कि 'ईसा उन्हें उसके क़ाबू और ताक़त से आज़ाद न कराए।
- जब कोई शख़्स मसीह में नई जिंदगी पाकर वह गुनाह का ग़ुलाम नहीं रहता है, वह रास्तबाज़ी का ग़ुलाम हो जाता है।

## तर्जुमा की सलाह:

- “ग़ुलाम बनाने” का तर्जुमा “आज़ाद नहीं रहने देना” या “दोसरों की ख़िदमत करने के लिए मजबूर किया जाना” या “दोसरे किसी के क़ब्ज़े में कर देना”।
- जुमले में “ग़ुलामी में” का तर्जुमा “ग़ुलाम होने के लिए मजबूर किया जाना” या “ख़िदमत करने के लिए मजबूर” या “किसी के क़ब्ज़े में होना”।

(यह भी देखें: आज़ाद, रास्तबाज़ लोग, ख़ादिम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- गलातियों 04:3-5
- पैदाईश 04:24-25
- पैदाईश 15:12-13
- यरमियाह30:8-9

## शब्दकोश:

- Strong's: H3533, H5647, G1398, G1402, G2615

# ख़ुद, क़ाबू , ख़ुद को क़ाबू किया , ख़ुद पे क़ाबू

## ता'अर्रुफ़:

“ख़ुद” गुनाह से बचने के लिए अपने सुलूक को अपने क़ब्ज़े में रखना।

- इसका बयान अच्छे सुलूक से है या’नी गुनाह के ख़्यालों, ज़बान और कामों से बचना।
- ख़ुद रूह-उल-क़ुदुस के ज़रिए' ईमानदारों को दिया गया फल या हुनर है।
- ख़ुदी रखने वाला आदमी किसी ग़लत काम को करने की ख़्वाहिश से अपने आप को रोक लेता है। ख़ुदावन्द ही लोगों को सब्र 'अता करता है।

(यह भी देखें: फल, रूह-उल-क़ुदुस

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 07:8-9
- 2 पतरस 01:5-7
- 2 तीमुथियुस 03:1-4
- गलातियों 05:22-24

## शब्दकोश:

- Strong's: H4623, H7307, G192, G193, G1466, G1467, G1468, G4997

# ख़ुशबू

## ता’अर्रुफ़:

"ख़ुशबू" के बयान उस ख़ुशबूदार मजमू'आ से है जिसे जलाने पर दिलकश ख़ुशबू उठती है।

- ख़ुदावन्द ने इस्राईलियों को हुक्म दिया था कि वह उसके लिए हदिया की तरह ख़ुशबू जलाया करे।
- यह ख़ास ख़ुशबू ख़ुदावन्द के हुक्म के मुताबिक़ पाँच मख़सूस ख़ुशबूदार मजमू'आ को बराबर मिक़दार में मिलाकर बनाया जाता था। यह ख़ुशबू पाक होती थी इस वजह से इसे दूसरे किसी भी मक़सद के बराबर काम में लेना ग़लत था।
- "ख़ुशबू की क़ुर्बानगाह" यह क़ुर्बानगाह सिर्फ़ ख़ुशबू जलाने के लिए थी।
- दिन में चार बार, जब हैकल में दु'आ की जाती थी तब ख़ुशबू जलाना ज़रूरी था। जब-जब सोख़्तनी क़ुर्बानी की जाती थी तब-तब ख़ुशबू भी जलाई जाती थी।
- ख़ुशबू जलाने का मक़सद था, ख़ुदावन्द के लोगों की दु'आ और 'इबादत उसके धुए के ज़रिए' ख़ुदावन्द तक जाती है।
- "ख़ुशबू" का तर्जुमा हो सकता है: "ख़ुशबूदार मसालेह" या " ख़ुशबूदार पेड़"

(यह भी देखें: ख़ुशबू जलाने की क़ुर्बानगाह, आतिशी क़ुर्बानी, लोबान)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 03:1-3
- 2 तवारीख़ 13:10-11
- 2 सलातीन 14:4-5
- ख़ुरूज 25:3-7
- लूक़ा 01:8-10

## शब्दकोश:

- Strong's: H2553, H3828, H4196, H4289, H5208, H6988, H6999, H7002, H7004, H7381, G2368, G2369, G2370, G2379, G3031

# ख़ुशी, ख़ुशहाल, ख़ुशी से, ख़ुशी, ख़ुशी से भरा , ख़ुश किया, ख़ुश-एश-ओ-इशरत

## ता'अर्रुफ़:

ख़ुशी ख़ुदावन्द से हासिल है ख़ुशी गहरे इत्मिनान का एहसास है | "ख़ुशहाल" या'नी इन्सान जो बहुत ज़्यादा ख़ुश हैं और गहरी ख़ुशी से मा'मूर है।

- इन्सान ख़ुशहाल तब होता है जब उसे यह महसूस होता है कि जिसका वह तजुर्बा कर रहा है वह बहुत अच्छा है।
- ख़ुदावन्द इन्सान को सच्ची ख़ुशी 'अता करता है।
- ख़ुशी ख़ुशग्वार हालातों में हासिल नहीं होती है। ख़ुदावन्द इन्सान की ज़िन्दगी में तमाम परेशानियों में भी ख़ुशी हासिल कर सकता है।
- कभी-कभी जगहों को भी ख़ुशी की कहते हैं जैसे घर और शहर। इसका मतलब है कि वहाँ रहने वाले लोग ख़ुशहाल हैं।

इसका मतलब है, "ख़ुश" या "ख़ुशी से भरा हुआ |

यह ख़ुदा की इस्लाह ख़ुदा ने किया हैं , जो अच्छी चीज़ों के बारे में बहुत ख़ुश हैं | इसका तर्जुमा हो सकता हैं, "बहुत ख़ुश हो" या "ख़ुशी से भरा हुआ" की शक्ल में भी कर सकते हैं | जब मरियम ने कहा कि मेरी जान ख़ुदा के नजात दहिन्दा में ख़ुश है , इसका मतलब यह था की मेरा नजात दहिन्दा ख़ुदा ने मुझे ख़ुश किया है , मुझे अपने रब से और क्या चाहिए |

## तर्जुमा के सलाह :

- "ख़ुशी" लफ़्ज़ का तर्जुमा "ख़ुशी" या "ख़ुशहाली" या "अज़ीम ख़ुशहाली" भी हो सकता है।
- "ख़ुशहाल रहो" का तर्जुमा हो सकता है, "ख़ुश करना" या "रूहानी ख़ुशी होना" या "ख़ुदावन्द की भलाई में रूहानी ख़ुशी होना" जैसे जुमले ।
- एक ख़ुशहाल इन्सान को "बहुत ख़ुशी या "ख़ुशी हुई " या "बहुत ख़ुश" कह सकते हैं।
- "ख़ुश ख़बरी करो" का तर्जुमा हो सकता है, "इस तरह चिल्लाओ कि बहुत ज़्यादा ख़ुशी ज़ाहिर हो।"
- "ख़ुशहाल शहर" या "ख़ुशहाल घर" का तर्जुमा हो सकता है "वह शहर जिसमें ख़ुशहाल लोग रहते हैं" या "ख़ुशहाल लोगों से भरा घर" या "जिस शहर के लोग बहुत ख़ुश हैं।" (देखें:मो'तबर)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- नहमियाह 08:9-10
- ज़बूर 048:1-3
- यसा'याह 56:6-7
- यरमियाह 15:15-16
- मत्ती 02:9-10
- लूक़ा 15:6-7
- लूक़ा 19:37-38
- यूहन्ना 03:29-30
- रसूलों के 'आमाल 16:32-34
- रोमियो 05:1-2
- रोमियो 15:30-32
- गलातियों 05:22-24
- फ़िलीप्पियों 04:10-13
- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
- 1 थिस्सलुनीकियों 05:15-18
- फ़िलिमोन 01:4-7
- या'क़ूब 01:1-3
- 3 यूहन्ना 01:1-4

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **33:07** "वैसे ही जो पथरीली ज़मीन पर बोए जाते है, यह वह है जो कलाम को सुनकर फ़ौरन **ख़ुशी** से क़ुबूल कर लेते है।"

- **34:04** “आसमान की बादशाही खेत में छिपे हुए माल की तरह है, जिसे किसी शख़्स ने छिपाया। एक दूसरे शख़्स को वह माल मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया। वह बहुत **ख़ुशी** से भर गया और जाकर अपना सब कुछ बेच दिया और उस खेत को मोल ले लिया।”
- **41:07** वह 'औरत खौफ़ और बड़ी **ख़ुशी** से भर गई। वह शागिर्दों को यह ख़ुशी की ख़बर देने के लिये दौड़ गई।

## शब्दकोश:

- Strong's: H1523, H1524, H1525, H1750, H2302, H2304, H2305, H2654, H2898, H4885, H5937, H5938, H5947, H5965, H5970, H6342, H6670, H7440, H7442, H7444, H7445, H7797, H7832, H8055, H8056, H8057, H8342, H8643, G20, G21, G2165, G2167, G2620, G2744, G2745, G3685, G4640, G4796, G4913, G5463, G5479

# ख़ुशी, ख़ुशियाँ, ख़ुश हुआ, मसर्रत

## ता'अर्रुफ़:

"ख़ुश होना" ऐसी चीज़ है जो किसी को बहुत ख़ुश करती है या बहुत ख़ुशी का सबब बनती है|

- " में ख़ुश होना" का कुछ मतलब "में लुत्फ़ लेना" या "के बारे में खुश होना"
- जब कोई बात बहुत मुत्तफ़िक़ हो या दिलकश हो तो उसे "ख़ुशी" कहते हैं।
- जब कोई शख़्स किसी बात में ख़ुश होता है तो इसे "मसर्रत" कहते हैं|
- अलफ़ाज़ "मेरी ख़ुशी यहोवा की शरी'अत में है " इसका तर्जुमा हो सकता है, "यहोवा की शरी'अत मुझे बहुत ख़ुशी 'अता करती है", या "मैं ख़ुदा के क़वानीन का 'अमल करने से ख़ुश होता हूँ" या "यहोवा के हुक्मों का 'अमल करके मुझे ख़ुशी हासिल होती है।"
- जुमले "ख़ुशी नहीं मिलती है" और "में ख़ुशी नहीं है" इनका तर्जुमा हो सकता है, "हरगिज़ ख़ुशी नहीं" या "के बारे में ख़ुशी नहीं।"
- जुमले "में अपने आप ख़ुश रहना" या'नी "वह ख़ुशी हासिल करता है" या "वह इसके बारे में बहुत खुश है" सभी या कोई एक।
- लफ़्ज़ "ख़ुशी" उन चीज़ों का हवाला देता है जो एक ख़ुशी हासिल करता है| इसका तर्जुमा "मसर्रत" या "चीज़ें जो खुशी देती हैं " के तौर पर किया जा सकता है।
- इज़हार जैसे "मुझे तेरी ख़्वाहिश से ख़ुशी है ", इसका तर्जुमा हो सकता है, "मुझे ख़ुशी होती है तेरी ख़्वाहिश से" या "जब मैं तेरी फरमाबरदारी करता हूँ, तब मुझे बहुत ख़ुशी होती है|

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- अम्साल 08:30-31
- ज़ुबूर 001:1-2
- ज़ुबूर 119:69-70
- ग़ज़ल-उल-ग़ज़लात 01:1-4

## शब्दकोश:

- Strong's: H1523, H2530, H2531, H2532, H2654, H2655, H2656, H2836, H4574, H5276, H5727, H5730, H6026, H6027, H7306, H7381, H7521, H7522, H8057, H8173, H8191, H8588, H8597

# ख़ून बहाना

## ता'अरुफ़:

“ख़ून बहाने” का मतलब है क़त्ल, जंग या और किसी तशदुद की तरफ़ से इंसानों का क़त्ल ।

- इस लफ्ज़ का सही मतलब है, “ख़ून बहाना” जो इस बात बताता हैं इन्सानके जिस्म से ख़ून का गहरे घाव से निकल जाना|
- “ख़ून बहाने” को हमेशा इंसानों के क़त्ल करने के लिए काम में लिया जाता है।
- इसका इस्ते'माल 'आम तौर पर क़त्ल के गुनाह के लिए भी किया जाता है।

## तर्जुमा की सलाह :

- “ख़ून बहाने” का तर्जुमा किया जा सकता है, “इंसानों के क़त्ल ” या “कई इंसानों को क़त्ल किया गया ”।
- “ख़ून बहाने की”तरफ़ से तर्जुमा “इंसानों को क़त्ल करने के ज़रिए’ ”
- “मा'सूमों का ख़ून बहाने” का तर्जुमा “मा'सूमों को क़त्ल करना” हो सकता है।
- “क़त्ल के बा'द क़त्ल” का तर्जुमा हो सकता है, “वह इंसानों को मारते रहे” या “इंसानों को क़त्ल करने का लगा तार सिल्सिला चलता रहता है”, या “उन्होंने कई लोगों को क़त्ल किया किया और कर रहे हैं”, या “आदमी इंसानों को क़त्ल करते रहते हैं”।
- एक और 'अलामती इस्ते'माल है, “मौत तुम्हारा पीछा नहीं छोड़ेंगी” का तर्जुमा हो सकता है, “तुम्हारे लोगों का क़त्ल होता रहेगा” या “तुम्हारे लोग मारे जाते रहेंगे” या “तुम्हारे लोग क़ौम-क़ौमो से जंग करते हुए मरते रहेंगे”।

(यह भी देखें:ख़ून ज़बह करना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 इतिहास 22:6-8
- पैदाईश 09:5-7
- इब्रानियों 09:21-22
- यसा'याह 26:20-21
- मत्ती 23:29-31

## शब्दकोश:

- Strong's: H1818, G2210

# ख़ेमा, ख़ेमों, ख़ेमा बनाने वाला

## ता’अर्रुफ़:

ख़ेमा एक बा आसानी ले जाने के क़ाबिल होता है जो खम्भों पर लगाया जाता है।

- ख़ेमा छोटा हो सकता है, कुछ लोगों के लिए सोने की मुनासिब जगह के साथ, या वे बहुत बड़े हो सकते हैं, एक पूरे घराने के सोने, पकाने और रहने के लिए हो।
- कुछ लोगों के लिए ख़ेमा मुक़र्रर जगह है। मिसाल के लिए, ज़्यादातर वक़्त में इब्राहीम का घराना कना’न मुल्क में रहता था, वे बकरियों के बाल के बड़े कपड़े से बने बड़े ख़ेमों में रहते थे।
- सीनै के जंगल में चालीस साल विचरण करते वक़्त इस्राईली ख़ेमों में रहते थे।
- ख़ुदा के रहने का ख़ेमा एक बड़ा तम्बू था जिसमें कपड़े के मोटे पर्दे दीवारों का काम करते थे।
- जब पौलुस रसूल ने ख़ुशखबरी फ़ैलाने के लिए तमाम शहरों का सफ़र किया , तो उन्होंने ख़ेमे बनाकर ख़ुद की परवरिश किया।
- “ख़ेमा ” लफ़्ज़ तमसीली शक्ल में इन्सानों के रहने की जगह है। यहां ख़ेमे का तर्जुमा “घर” या “रहना ” या “मकान ” किया जा सकता है। (देखें:

(यह भी देखें :इब्राहीम , कना’न, परदा, पौलुस, सीनै, सुलह का ख़ेमा , मिलापवाला ख़ेमा )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 05:10
- दानीएल 11:44-45
- ख़ुरूज 16:16-18
- पैदाइश 12:8-9

## शब्दकोश:

- Strong's: H167, H168, H2583, H3407, H6898

# ख़ेमा-ए-इज्तिमा’

## सच्चाई:

लफ़्ज़ " ख़ेमा-ए-इज्तिमा’" एक ख़ेमे का हवाला देता है जो एक ग़ैर मुक़र्रर जगह थी जहां घर के सामने ख़ुदा ने मूसा से मुलाकात की थी।

- ख़ुरूज की किताब में लिखा है कि ख़ेमा-ए-इज्तिमा’ इस्राईलियों की छावनी से बाहर था।
- जब मूसा ख़ेमा-ए-इज्तिमा’ में ख़ुदा से मुलाकात करने जाता था तब बादलों का एक सुतून वहां हाज़िर होकर ख़ुदा की हुज़ूरी को ज़ाहिर करता था।
- जब इस्राईलियों ने ख़ुदा के रहने के घर को बनाया, तो मुक़र्रर ख़ेमे की ज़रूरत नहीं थी और घर के बारे में " ख़ेमा-ए-इज्तिमा’" कभी-कभी इस्ते’माल किया जाता था।

(यह भी देखें: इस्राईल, मूसा, खंभा, ख़ेमा-ए-इज्तिमा’, ख़ेमा )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 02:28-29
- यशू’अ 19:51
- अह्बार 01:1-2
- गिनती 04:31-32

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **13:08** ख़ुदा ने इस्राईलियों को ख़ेमा बनाने का तफ़सीली तज़किरह दिया | यह _ ख़ेमा-ए-इज्तिमा’_ कहलाता था, और इसमें दो कमरे थे, जिन्हें एक बड़ा परदा अलग कर रहा था |
- **13:09** जो कोई भी ख़ुदा की शरी’अत की नाफ़रमानी करता है, वह _ ख़ेमा-ए-इज्तिमा’_ के सामने क़ुर्बानगाह पर ख़ुदा के लिये जानवर की क़ुर्बानी पेश करेगा
- **14:08** ख़ुदा बहुत ग़ुस्सा था , और ख़ुदा का जलाल _ ख़ेमा-ए-इज्तिमा’_ में सब इस्राईलियों पर रोशन हुआ |
- **18:02**अब लोग _ ख़ेमा-ए-इज्तिमा’_ की जगह पर उस घर में ख़ुदा की इबादत करते और क़ुर्बानी पेश करते थे |

## शब्दकोश:

- Strong's: H168, H4150

# ख़ौफ़, ख़ौफ़, ख़ौफ़ज़दा, डरते हुए, डरा हुआ, ख़ौफ़नाक

## ता’अर्रुफ़:

“ख़ौफ़” का हवाला डरावना और डर के अहसास से है। जिस इन्सान को डर से कंपकंपी हो रही हो उसे डरा हुआ कहते हैं।

“ख़ौफ़” सिर्फ़ डर से ज़्यादा ज़ोरदार होता है।

- ‘आम तौर पर जब कोई डरा हुआ है तो वह भी झटके में या हैरान है|

(यह भी देखें: ख़ौफ़, डर)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इस्तिस्ना 28:36-37
- हिज़क़ीएल 23:33-34
- यरमियाह 02:12-13
- अय्यूब 21:4-6
- ज़ुबूर 055:4-5

## शब्दकोश:

- Strong's: H367, H1091, H1763, H2152, H2189, H4032, H4923, H5892, H6343, H6427, H7588, H8047, H8074, H8175, H8178, H8186

# ख़ौफ़, ख़ौफ़नाक

## ता'अर्रुफ़:

“ख़ौफ़” लफ़्ज़ किसी बड़े , ताक़तवर और डरावनी बात को देखकर हैरान और बड़ी 'इज़्ज़त के जज़्बात के बारे में है।

- “ख़ौफ़” लफ़्ज़ किसी आदमी या चीज़ के ज़रिए' ख़ौफ़ पैदा करने के बारे में है।

हिज़्कीएल नबी ने ख़ुदा के जलाल का ख़्वाब देखा जो “ख़ौफ़नाक” या “डरावना ख़ौफ़” का था।

- ख़ुदा की मौजूदगी के लिए ख़ौफ़ के लफ़्ज़ हैं, डरना, सिजदा करना या घुटने टेकना, मुंह छिपाना और कांपना।

(यह भी देखें: ख़ौफ़, जलाल )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 17:19-21
- पैदाइश 28:16-17
- इब्रानियों 12:27-29
- ज़बूर 022:22-23
- ज़बूर 147:4-5

## शब्दकोश:

- Strong's: H366, H1481, H3372, H6206, H7227, G2124

# ख़्वाब

## ता’अर्रुफ़:

ख़्वाब वह है जो इन्सान सोते वक़्त अपने ज़हन में देखता या मससूस करता है।

- ख़्वाब अक्सर हक़ीक़त लगते हैं, जबकि वे होते नहीं हैं।
- कभी-कभी ख़ुदा ख़्वाबों में लोगों को किसी चीज़ के बारे में ख़्वाब दिखाता है ताकि वह इससे सीखें। वह लोगों से ख़्वाबों में सीधे बात करता है|
- किताब-ए-मुक़द्दस में ख़ुदा ने कुछ लोगों को ख़ास ख़्वाबों के ज़रिए’ अक्सर मुस्तक़बिल में होने वाली वाक़ि’आत की ख़बर दी|
- ख़्वाब रोया से अलग होता है। ख़्वाब इन्सान को नींद में दिखाई देते हैं लेकिन रोया जागने की हालत में दिखाई देते हैं।

(यह भी देखें: ख़्वाब)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के ‘आमाल 02:16-17
- दानिएल 01:17-18
- दानिएल 02:1-2
- पैदाइश 37:5-6
- पैदाइश 40:4-5
- मत्ती 02:13-15
- मत्ती 02:19-21

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसालें:

- **08:02** यूसुफ़ के भाई उससे नफ़रत रखते थे क्योंकि जब यूसुफ़ के भाइयो ने देखा कि हमारा बाप हम सबसे ज़्यादा उसी से मुहब्बत रखता है, और यूसुफ़ ने **ख़्वाब** में देखा था कि वह अपने भाइयो पर बादशाही करेगा।
- **08:06** एक रात को मिस्र के बादशाह ने, जिसे फ़िर’औन कहते है उसने रात में दो **ख़्वाब** देखे जो उसे मुसलसल परेशान कर रहे थे। जो _ ख़्वाब _ उसने देखा उसका फल बताने वाला कोई भी नहीं है।
- **08:07** ख़ुदा ने यूसुफ़ को यह सलाहियत दी थी कि वह _ ख़्वाब _ का मतलब समझ सके, इसलिये फ़िर’औन ने यूसुफ़ को क़ैदख़ाने से बुलवा भेजा। यूसुफ़ ने उसके लिये _ ख़्वाब _ की तफ़सील की और कहा कि “ख़ुदा सात साल तो कसरत की पैदावार करेगा, और उनके बा’द सात साल अकाल के आयेंगे।”
- **16:11** उसी रात जब गिदोन मिद्यानियों के डेरे में आया तब एक मिद्यानी सिपाही अपने साथी से अपना _ ख़्वाब _ कह रहा था। उस शख़्स के साथी ने कहा,, “इस ख़्वाब का मतलब यह हुआ कि गिदोन की सेना हरा देंगी मिद्यानियों की फ़ौज को।”
- **23:01** उसने (यूसुफ़) ने उसको बदनाम करना नहीं चाहता था, उसे चुपके से छोड़ देने का ख़याल किया। इससे पहले कि वह कुछ कर पाता कि ख़ुदावन्द का फ़रिश्ता उसे _ ख़्वाब _ में दिखाई दिया।

## शब्दकोश:

- Strong's: H1957, H2472, H2492, H2493, G1797, G1798, G3677

# ख़्वाहिश, ख़्वाहिश, ख़्वाहिश की, ख़्वाहिश करना, ख़्वाहिशमन्द

## ता’अर्रुफ़:

ख़्वाहिश, अक्सर गुनाह या ग़ैर-इख़लाक़ी बात की गहरी ख़्वाहिश को कहते हैं। ख़्वाहिश का मतलब है लालच करना।

- किताब-ए-मुक़द्दस में “लालच” अपने शरीक-ए-हयात के ‘अलावा किसी और के लिए ज़िनाकारी की ख़्वाहिश को कहा गया है।
- कभी-कभी इस लफ़्ज़ को ‘अलामती तौर पर काम में लिया गया है, बुतपरस्ती के लिए।
- मज़मून पर मुनहस्सिर, “ख़्वाहिश” का तर्जुमा “नाजायज़ ख़्वाहिश” या “गहरी ख़्वाहिश” या “नाजायज़ जिस्मानी ख़्वाहिश” या “पुरज़ोर ग़ैर-इख़लाक़ी ख़्वाहिश” या “गुनाह करने की पुरज़ोर ख़्वाहिश” किया जा सकता है।
- “का लालच करना” का तर्जुमा हो सकता है, “ग़लत ख़्वाहिश रखना” या “के बारे में ग़लत ख़्वाहिश करना” या “किसी बात की ग़लत ख़्वाहिश करना” या “ग़ैर-इख़लाक़ी ख़्वाहिशें।”

(यह भी देखें: ज़िनाकार, झूठे मा’बूद)

##:किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में ##

- 1 यूहन्ना 02:15-17
- 2 तीमुथियुस 02:22-23
- गलातियों 05:16-18
- गलातियों 05:19-21
- पैदाइश 39:7-9
- मत्ती 05:27-28

## शब्दकोश:

- Strong's: H183, H185, H310, H1730, H2181, H2183, H2530, H5178, H5375, H5689, H5691, H5869, H7843, H8307, H8378, G766, G1937, G1938, G1939, G1971, G2237, G3715, G3806

# ग़ुस्सा, ग़ुस्सा हुआ, ग़ुस्सा

## ता'अरुफ़:

“ग़ुस्सा होना” या “ग़ुस्सा में आना” या'नी किसी बात के बारे में किसी पर बहुत ज़्यादा नाराज़ होना, खीजना या नाराज़ होना।

- जब लोग ग़ुस्सा हो जाते हैं, तो वह अक्सर गुनाहगार और मतलबी होते हैं, लेकिन कभी-कभी वह ना इंसाफ़ी या ज़ुल्म के ख़िलाफ़ मुंसिफ़ ग़ुस्सा भी करते हैं।
- ख़ुदा का ग़ुस्सा (जो ग़ज़ब भी कहलाता है) गुनाह के ख़िलाफ़ उसकी बड़ी नाराज़गी को बयान करता है।
- “ग़ुस्सा दिलाना” या'नी “ग़ुस्सा होने की वजह होना”।

(यह भी देखें: ग़ज़ब)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इफिसियों 04:25-27
- ख़ुरूज 32:9-11
- यशायाह 57:16-17
- यूहन्ना 06:52-53
- मरकुस10:13-14
- मत्ती 26:6-9
- ज़बूर 018:7-8

## शब्दकोश:

- Strong's: H599, H639, H1149, H2152, H2194, H2195, H2198, H2534, H2734, H2787, H3179, H3707, H3708, H3824, H4751, H4843, H5674, H5678, H6225, H7107, H7110, H7266, H7307, G23, G1758, G2371, G2372, G3164, G3709, G3710, G3711, G3947, G3949, G5520

# ग़ैर क़ौम ,ग़ैर क़ौमें

## ता’अर्रुफ़:

किताब-ए-मुक़द्दस में “ग़ैर क़ौम” लफ़्ज़ उन लोगों के लिए काम में लिया गया है जो यहोवा की तरह बुत -बुतों की ‘इबादत करते थे |

- ऐसे लोगों से जुडी मुता’अल्लिक कोई भी बात जैसे उनके इबादत की जगह की क़ुर्बान गाहें , मजहबी तहज़ीब और उनकी उनका अदब -यक़ीन वगैरह सब ग़ैर क़ौम कहलाते थे।
- ग़ैर क़ौम के ईमान में ग़ैर मा’बूदों के सिफ्तों की ‘इबादत थी।
- इन ग़ैर क़ौमों के मज़हब में ज़िनाकारी या जानदार की क़ुर्बानी ‘इबादत का हिस्सा होता था।

(यह भी देखें: क़ुर्बान गाह, झूठे मा’बूद, क़ुर्बानी, इबादत, यहोवा)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 10:20-22
- 1 कुरिन्थियों 12:1-3
- 2 सलातीन 17:14-15
- 2 सलातीन 21:4-6

## शब्दकोश:

- Strong's: H1471, G1484

# ग़ज़ब, ग़ुस्सा होना, ग़ज़बनाक होना, ग़ज़ब भड़काता

## सच्चाई:

“ग़ुस्सा” ग़ज़ब है क़ाबू से बाहर है। जब किसी के ग़ज़ब का हवाला दिया जाए तो इसका मतलब है कि वह इन्सान ख़ौफ़नाक ग़ुस्सा में है।

- ग़ुस्सा में मुब्तिला इन्सान जब क़ाबू खो बैठता है तो उसे ग़ज़ब कहते हैं।
- ग़ुस्से के क़ाबू में इन्सान ख़तरनाक और और बातें करते हैं।
- “ग़ज़ब” लफ़्ज़ ताक़तवर रद्द-ए-‘अमल जैसे आंधी का “ग़ज़ब” या समंदरी लहरों का “ग़ज़ब” का हवाला भी देता है।
- जब “क़ौमों का ग़ज़ब” मतलब है कि बेदीन लोगों के ज़रिए’ ख़ुदा की नाफ़रमानी और उसके ख़िलाफ़ बग़ावत करना।
- “ग़ुस्सा से भर जाना” का मतलब बहुत ज़्यादा ग़ुस्से का अहसास होना।

(यह भी देखें: ग़ुस्सा, ख़ुद पर-क़ाबू)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के ‘आमाल 04:23-25
- दानिएल03:13-14
- लूक़ा 04:28-30
- गिनती 25:10-11
- नीतिकलाम 19:3-4

## शब्दकोश:

- Strong's: H398, H1348, H1984, H1993, H2121, H2195, H2196, H2197, H2534, H2734, H2740, H3491, H3820, H5590, H5678, H7264, H7265, H7266, H7267, H7283, H7857, G1693, G2830, G3710, G5433

# ज़बह , ज़बह करना, ज़बह किए , क़त्ल किया

## ता’अर्रुफ़:

“ ज़बह करना” लफ़्ज़ का मतलब है बड़ी तादाद में जानवरों या इन्सानों का ज़बह करना या “बेरहमी से क़त्ल करना”। इसका मतलब खाने के लिए जानवर का ज़बह करना भी होता है। * ज़बह करने का एक काम भी " ज़बह करना" कहा जाता है।

- रेगिस्तान में वास करते वक़्त जब इब्राहीम के पास तीन मेहमान आए थे तब उसने अपने ख़ादिमों को हुक्म दिया था कि उनके लिए बछड़ा ज़बह करके खाना तैयार किया जाए।
- हिज़्क़ीएल नबी ने नबूव्वत की थी कि ख़ुदावन्द अपना फ़रिश्ता भेजकर उन सबको क़त्ल करेगा जो उसके कलाम की पैरवी नहीं करते ।
- 1 शमूएल में क़त्ल 'आम का ज़िक्र किया है जिसमें 30,000 इस्राईलियों को क़त्ल किया था क्यूँकि वह ख़ुदा के हुक्मों पर नहीं चलते थे।
- “ ज़बह करने के हथियार” का तर्जुमा हो सकता है, “क़त्ल करने के औज़ार ”।
- “बड़ा क़त्ल 'आम हुआ” इस जुमले का तर्जुमा हो सकता है, “बड़ी ता'दाद में लोग मारे गए” या “क़त्ल किए हुओं की ता'दाद बहुत ज़्यादा थी” या “बहुत ही ज़्यादा लोग मरे”।
- “ज़बह” की कई शक्लें तर्जुमा की हो सकती हैं , “क़त्ल करना”, या “मार डालना” या “जान लेना”।

(यह भी देखें: फ़रिश्ते , गाय, नाफ़रमान, हिज़्क़ीएल, ख़ादिम, क़त्ल करना )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- हिज़्क़ीएल 21:10-11
- 'इब्रानियों 07:1-3
- यसा'याह 34:1-2
- यरमियाह 25:34-36

## शब्दकोश:

- Strong's: H2026, H2027, H2028, H2076, H2491, H2873, H2874, H2878, H4046, H4293, H4347, H4660, H5221, H6993, H7524, H7819, H7821, G2871, G4967, G4969, G5408

# ज़बान, ज़बानों

## ता’अर्रुफ़:

“ज़बान ” के किताब-ए-मुक़द्दस में तमसीली इस्तेमाल भी हैं।

- किताब-ए-मुक़द्दस में इस लफ़्ज़ का सबसे ज़्यादा आम तमसीली मतलब है, “ज़बान ” या “तक़रीर ”।
- कभी-कभी "ज़बान " एक मुक़र्रर आदमियों के झुण्ड के ज़रिए’ बोली जाने वाली ज़बान का हवाला देता है।
- कई बार यह एक फ़ितरती ज़बानों का हवाला देता है कि पाक रूह मसीह में ईमानदारों को "रूह का तोहफ़ा " की शक्ल में देता है।
- “ज़बान की तरह आग की लपटें” या’नी आग की “लौ”।
- ज़ाहिरयत में "मेरी ज़बान ख़ुश हुई," लफ़्ज़ "ज़बान " पूरे इन्सान को दिखाती है। (देखें :इल्मियत )
- जुमले "झूठी बातें" एक आदमी की आवाज या तक़रीर का हवाला देता है। देखें:सिफ़त )

## तर्जुमें की सलाह:

- मज़मून के मुताबिक़ “ज़बान ” लफ़्ज़ का तर्जुमा किया जा सकता है, “ज़बान” या “रूहानी ज़बान ” * अगर मतलब वाज़े’ न हो रहा हो तो इसका तर्जुमा “ज़बान ” ही करें।
- आग के बारे में इस लफ़्ज़ का तर्जुमा “लौ” किया जा सकता है।
- “मेरी ज़बान ख़ुशी करती है” इसका तर्जुमा हो सकता है, “मैं ख़ुशी करता हूँ और ख़ुदा की ता’रीफ़ करता हूँ या “मैं ख़ुशी के साथ ख़ुदा की ता’रीफ़ करता हूँ”।
- “झूठ बोलने वाली ज़बान ” का तर्जुमा हो सकता है, “आदमी जो झूठ बोलते हैं” या “जो लोग झूठ बोलते हैं”।
- “उनकी ज़बानों से” जुमले का तर्जुमा हो सकता है, “उनके कलामों से” या “उनके लफ़्ज़ों से”।

(यह भी देखें: तोहफ़ा, पाक रूह , ख़ुशी, ता’रीफ़ , ख़ुशी करना, रूह )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे:

- 1 कुरिन्थियों 12:9-11
- 1 यूहन्ना 03:16-18
- 2 समूएल 23:1-2
- रसूलों के 'आमाल 02:25-26
- हिज़क़ीएल 36:1-3
- फ़िलिप्पियों 02:9-11

## शब्दकोश:

- Strong's: H762, H2013, H2790, H3956, G1100, G1258, G1447, G2084

# ज़मीन, ज़मीन का, ज़मीन

## ता'अर्रुफ़:

लफ़्ज़“ज़मीन” इस बात को ज़ाहिर करता है कि वह दुनिया जिसमें इंसान और सब मख़लुक़ात एक साथ रहते हैं ।

- “ज़मीन” का मतलब ज़मीन या मिट्टी भी हो सकता है जो ज़मीन को ढकता है।

इस लफ्ज़ का 'अलामती इस्ते'माल हमेशा ज़मीन के रहने वालों को दिखाता है। (देखें: सिफ़त)

- इज़हार “ज़मीन को ख़ुश हो जाने दो” और “वह ज़मीन का इंसाफ़ करेगा” इस लफ़्ज़ के 'अलामती इस्ते'माल भी मिसाल हैं।
- “दुन्यावी” लफ्ज़ जिस्मानी चीज़ों के बारे में हैं।

## तर्जुमा की सलाह:

- इस लफ्ज़ का तर्जुमा मुक़ामी ज़बान या आस पास की क़ौमी ज़बान के काम में आनेवाले लफ्ज़ का जुमले के तौर पर किया जा सकता है जो जिस ज़मीन जिस पर हम रहते हैं उस मंसूबा के लिए काम में लिया जाता है।
- जुमले के मुताबिक़ “ज़मीन” का तर्जुमा “दुन्या” या “ज़मीन” या “धूल” या “मिट्टी” किया जा सकता है।
- 'अलामती इस्ते'माल में ज़मीन का तर्जुमा “ज़मीन के लोग” या “ज़मीन पर रहनेवाले लोग” या “ज़मीन की सब चीज़ें” किया जा सकता है।
- “दुन्यावी” का तर्जुमा “जिस्मानी” या “ज़मीन की चीज़ें” या “देखने लायक़” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: रूह, दुनिया)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 सलातीन 01:38-40
- 2 तवारीख़ 02:11-12
- दानीएल 04:35
- लूक़ा 12:51-53
- मत्ती 06:8-10
- मत्ती 11:25-27
- ज़करियाह 06:5-6

## शब्दकोश:

- Strong's: H127, H772, H776, H778, H2789, H3007, H3335, H6083, H7494, G1093, G1919, G2709, G2886, G3625, G3749, G4578, G5517

## ज़िनाकारी, ग़ैर इख़लाक़ी, ग़ैर इख़लाक़ी, ज़िना

### ता'अर्रुफ़:

लफ़्ज़ "ज़िना" का मतलब ज़ीनी काम के बारे में है जो एक मर्द और 'औरत से बाहर ले जाता है| यह ख़ुदा के मंसूबे के ख़िलाफ़ है पुरानी अंग्रेजी की किताब-ए-मुक़द्दस में इसे फोर्निकेशन (ज़िना) कहा गया है।

- यह लफ़्ज़ किसी भी तरह के ज़ीनी काम के बारे में बताता है जो ख़ुदा की मर्ज़ी के ख़िलाफ़ है, जिनमें हमजिन्सी और फ़हास के काम शामिल हैं|
- ग़ैर इख़लाक़ी भी एक तरह का ज़िना है, ख़ास तौर से ऐसे जिन्सी काम जिसमें शादीशुदा इन्सान और कोई और जो उस इंन्सान का शरीक-ए-हयात नहीं है|
- तवायफ़ से ता'अल्लुक़ एक दूसरी क़िस्म का ग़ैर इख़लाक़ी ज़िना है जिसमें जिन्सी ता'अल्लुक़ात के लिए किसी पैसा दिया जाता है।
- इस लफ़्ज़ को 'अलामती शक्ल में इस्राईल की बुतपरस्ती के लिए काम में लिया गया है जो ख़ुदा से धोका है।

### तर्जुमे की सलाह:

- लफ़्ज़ "ज़िनाकारी" का तर्जुमा "ग़ैरइख़लाक़ी" किया जा सकता है जब तक कि इस लफ़्ज़ का सही मतलब समझ में आए।
- इसके और तर्जुमे के तरीक़े हो सकते हैं, "ग़लत जिन्सी ता'अल्लुक़ात" या "शादीशुदा रिश्ते के बाहर जिंसी ता'अल्लुक़"।
- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा "ज़िना" से अलग लफ़्ज़ में किया जाए।
- इसके 'अलामती इस्ते'माल के तर्जुमे में वहीं लफ़्ज़ रखना ठीक है क्योंकि ख़ुदा के साथ धोखा और जिन्सी ता'अल्लुक़ में धोका का किताब-ए-मुक़द्दस में 'आम मुक़ाबला है।

(यह भी देखें: ज़िना, झूठे मा'बूद, तवायफ़, बे-ईमान)

### किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 15:19-21
- रसूलों के 'आमाल 21:25-26
- कुलुस्सियों 03:5-8
- इफिसियों 05:3-4
- पैदाइश 38:24-26
- होशे'अ 04:13-14
- मत्ती 05:31-32
- मत्ती 19:7-9

### शब्दकोश:

- Strong's: H2181, H8457, G1608, G4202, G4203

# ज़िन्दगी की किताब:

## ता'अर्रुफ़:

“ज़िन्दगी की किताब” का हवाला दिया जाता है उस किताब से है जिसमें ख़ुदा ने उन सब इंसानों के नाम लिखे हैं जिनको उसने नजात करके उन्हें हमेशा की ज़िन्दगी दे दी है।

- मुक़ाशिफ़े की किताब में इस किताब को “मेम्ने कि ज़िन्दगी की किताब” कहा गया है। इसका तर्जुमा किया जा सकता है, “ख़ुदा के मेम्ने 'ईसा की ज़िन्दगी की किताब ”। सलीब पर 'ईसा की क़ुर्बानी ने इंसानों के गुनाह की सज़ा उठा ली कि वह उसमें ईमान की तरफ़ से हमेशा की ज़िन्दगी पाएं।
- “किताब” लफ्ज़ का मतलब है “तूमार” या “ख़त” या “मज़मून” या “जायज़ दस्तावेज़।” यह लफ़्ज़ी या 'अलामती हो सकता है।

(यह भी देखें: हमेशा, मेम्ना, ज़िन्दगी, क़ुर्बानी, \ तूमार)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- \ फिलिप्पियों 04:1-3
- \ ज़बूर 069:28-29
- मुक़ाशिफ़ा 03:5-6
- मुक़ाशिफ़ा 20:11-12

## शब्दकोश:

- Strong's: H2416, H5612, G976, G2222

# ज़ियाफ्त

## ता'अरुफ़:

“ज़ियाफ्त” एक बड़ा रवायती खाना जिसमें कई तरह के खाने होते थे।

- पुराने ज़माने में बादशाह सियासी रहनुमाओं और ख़ास मेहमानों के लिए हमेशा ज़ियाफ्त का इन्तिज़ाम करते थे।
- इसका तर्जुमा हो सकता है, “ख़ास ज़ियाफ्त ” या “ख़ास खाना ” या “मुख्तलिफ़ क़िस्म खानों की ज़ियाफ्त ”।

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में :

- दानिएल 05:10
- यसा'याह 05:11-12
- यरमियाह 16:7-9
- लूक़ा 05:29-32
- ग़ज़ल-उल-ग़ज़लात 02:3-4

## शब्दकोश:

- Strong's: H3739, H4797, H4960, H4961, H8354, G1173, G1403

## ज़ुल्म करना, ज़ुल्मों, मज़लूम, ज़ुल्म करना, ज़ुल्म, मज़लूम , ज़ालिम, ज़ुल्म करनेवालों

### ता'अर्रुफ़:

लफ़्ज़ "ज़ुल्म करना" और "ज़ुल्म" उस इन्सान के बारे में है जो शख़्त सुलूक करता है| ज़ालिम "ज़ालिम" इन्सानों पर ज़ुल्म करता है।

- लफ़्ज़ "ज़ुल्म" ख़ास करके उस हालत का हवाला देता है जिसमें बहुत ताक़तवर इन्सान अपने इख़्तियार के ताबे' या अपनी बादशाही के लोगों के साथ बुरा सुलूक करते हैं या उन्हें ग़ुलाम बना लेते हैं।
- लफ़्ज़ "मज़लूम" उन लोगों के बारे में बताता है जिनके साथ बुरा सुलूक किया जाता है।
- अक्सर दुश्मन मुल्क और उनके हाकिम इस्राईल की क़ौम पर ज़ुल्म करते थे।

### तर्जुमा की सलाह:

- मज़मून पर मुनहस्सिर "ज़ुल्म" का तर्जुमा किया जा सकता है, "शख़्त सुलूक करना" या "भारी बोझ डालना" या "बदक़िस्मती की ग़ुलामी में रखना" या "बेरहम हुकूमत करना"।
- "ज़ुल्म" के तर्जुमा के और भी तरीक़े हो सकते हैं, "बहुत ज़ुल्म और ग़ुलामी" या "भारी क़ाबू"
- जुमले "मज़लूम लोग" का तर्जुमा हो सकता है, "मज़लूम इन्सान" या "भारी ग़ुलामी में इन्सान" या "बेरहमी का सुलूक सहनेवाले."
- लफ़्ज़ "ज़ुल्म करने वाले" का तर्जुमा हो सकता है, "ज़ुल्मी इन्सान" या "शख़्त सुलूक या हुकूमत करनेवाला मुल्क" या "जालिम"

(यह भी देखें: बांधना, ग़ुलाम बनाना, सताना)

### किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 10:17-19
- इस्तिस्ना 26:6-7
- वाइज़ 04:1
- अय्यूब 10:1-3
- क़ुज़ात 02:18-19
- नहमियाह 05:14-15
- ज़ुबूर 119:133-134

### शब्दकोश:

- Strong's: H1790, H1792, H2541, H2555, H3238, H3905, H3906, H4642, H4939, H5065, H6115, H6125, H6184, H6206, H6216, H6217, H6231, H6233, H6234, H6693, H7429, H7533, H7701, G2616, G2669

# ज़ैतून

## ता’अर्रुफ़:

ज़ैतून एक छोटा अण्डा जैसा फल होता है, यह ज़्यादातर रोम के समंदरी इलाक़े में उगाया जाता था।

ज़ैतून के पेड़ सदाबहार बड़ी झाड़ी होते है, उनके फूल छोटे और सफ़ेद होते हैं। वे गर्म आब-ओ-हवा में सबसे अच्छे उगते हैं और उन्हें पानी भी बहुत कम चाहिए होता है।

- ज़ैतून का फल हरा होता है और पकने पर काला पड़ जाता है। ज़ैतून खाने के लिए और उनसे निकाले जाने वाले तेल के लिए इस्ते’माल होता था।
- ज़ैतून का तेल पकाने के, चराग़ जलाने और मज़हबी जश्नों के लिए काम आता था।
- किताब-ए-मुक़द्दस में ज़ैतून के पेड़ और डाल इंसानों के लिए ‘अलामती तौर पर में काम में लिए जाते थे।

(यह भी देखें: चराग़, समन्दर, ज़ैतून का पहाड़ )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 27:28-29
- इस्तिस्ना 06:10-12
- ख़ुरूज 23:10-11
- पैदाइश 08:10-12
- या’क़ूब 03:11-12
- लूक़ा 16:5-7
- ज़ुबूर 052:8-9

## शब्दकोश:

- Strong's: H2132, H3323, H8081, G65, G1636, G1637, G2565

# फ़रमान, फ़रमानों

## ता’अर्रुफ़:

एक फ़रमान एक अवामी फ़रमान या कानून होता है जिसमें अवाम के ज़रिए’ ‘अमल करने के हुक्म और नियम होते हैं। यह लफ़्ज़ “मुक़र्रर” से मुता’अल्लिक़ है।

- कभी-कभी फ़रमान एक रिवाज़ होता है, जो सालों की मश्क़ के बा’द अच्छी तरह से क़ायम हो जाता है|
- किताब-ए-मुक़द्दस में, फ़रमान कोई चीज़ है जो ख़ुदा ने इस्राईलियों को करने के लिए हुक्म दिया था| कभी-कभी वह उन्हें हमेशा करने के लिए हुक्म देता था|
- लफ़्ज़ “फ़रमानों” को “अवामी हुक्म” या “फ़रमान” या “कानून” तर्जुमा किया जा सकता है, मज़मून पर मुनहस्सिर|।

(यह भी देखें: हुक्म, फ़रमान, कानून, मुक़र्रर करना, हालत)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- इस्तिस्ना 04:13-14
- ख़ुरूज 27:20-21
- अहबार 08:31-33
- मलाकी 03:6-7

## शब्दकोश:

- Strong's: H2706, H2708, H4687, H4931, H4941, G1296, G1345, G1378, G1379, G2937, G3862

# फ़सल काटना, लवनेवाला, फ़सल काटी, फ़सल काटने वाले, फ़सल काटने वालों, फ़सल की कटाई

## ता’अरुफ़:

लफ़्ज़ “फ़सल काटना” का मतलब अनाज जैसे फ़सलों की फ़सल काटना। “काटने करने वाला” मतलब फ़सल काटने वाला।

‘आम तौर पर लवने काटने वाले फ़सल को हाथ से काटा करते थे, पौधों को खींच कर या उन्हें तेज काटने वाले औज़ार के साथ काटकर। फ़सल काटना का इस्ते’माल ‘अलामती शक्ल में भी किया गया है जिसका हवाला इन्सानों को ‘ईसा के बारे में ख़ुशख़बरी सुनाकर उन्हें ख़ुदा के ख़ानदान में लाने से है। इस लफ़्ज़ का इस्ते’माल इन्सानों के ‘आमाल के नतीजे के बारे में भी किया जाता है। जैसे कहा जाता है “इन्सान जो बोता है वही काटता है” (देखें: मिसाल “काटना” और काटने वाले” के तर्जुमा और भी तरीक़े हो सकते हैं, “फ़सल काटना” और “फ़सल काटने वाला” (या इन्सान जो फ़सल काटता है।)

(यह भी देखें: ख़ुशख़बरी,फ़सल)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- गलतियों 06:9-10
- मत्ती 06:25-26
- मत्ती 13:29-30
- मत्ती 13:36-39
- [मत्ती 25:24-25

## शब्दकोश:

- Strong's: H4672, H7114, H7938, G270, G2325, G2327

# फ़सल, फ़सल, कटाई, कटनी, काटनेवाला, काटनेवालों

## ता’रीफ़:

“फ़सल” लफ़्ज़ का मतलब है पेड़-पौधों से पके फल या सब्जियाँ इकठ्ठा करना।

- कटनी का वक़्त फसल पकने का वक़्त होता है।
- इस्राईल कटनी का ‘ईद मनाता था कि खाने की फसल काटें। ख़ुदा ने उन्हें हुक्म दिया था कि वह उसके लिए पहला फल चढाएं।
- ‘अलामती मतलब में, “फ़सल” का मतलब ईसा में ईमान करने वाले लोगों से या इन्सान की रूहानी तरक़्क़ी का ज़िक्र से हो सकता है।
- रूहानी फ़सल की कटनी का ख़याल फलों का ‘अलामती तसव्वुर हो सकता है, ख़ुदा की ‘इबादत के किरदार की ख़ुसूसियत।

## तर्जुमे की सलाह:

- इस लफ़्ज़ का तर्जुमा उस लफ़्ज़ में करना सही होगा, जो ‘आमतौर ज़बानों में फ़सल की कटाई के लिए इस्ते’माल किया जाए|
- कटनी के मौक़े का तर्जुमा हो सकता है, “फल इकठ्ठा करने का वक़्त” या “फ़सल उठाने का वक़्त” या “फल तोड़ने का वक़्त”।
- “कटाई करना” का तर्जुमा हो सकता है, “इकठ्ठा करना”, “तोड़ना” या “जमा’ करना”

(यह भी देखें: पहला फल, ‘ईद)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 09:9-11
- 2 शमूएल 21:7-9
- गलातियों 06:9-10
- यसा’याह 17:10-11
- या’क़ूब 05:7-8
- अहबार 19:9-10
- मत्ती 09:37-38
- रूत 01:22

## शब्दकोश:

- Strong's: H2758, H7105, G2326, G6013

## फ़ायदा,फ़ायदा ,फ़ायदे मंद

### ता’अर्रुफ़

आम तौर पर, " फ़ायदा " और " फ़ायदे मंद " लफ़्ज़ कुछ काम या बर्ताव करने के ज़रिए’ से कुछ अच्छा पाने के लिए कहते हैं

कोई चीज़ किसी के लिए “फ़ायदे मंद” होना या’नी किसी को अच्छी चीज़ें पाया करता है या किसी को अच्छी चीज़ मिलने में मदद गार है।

- “फ़ायदा” ख़ास करके तिजारत में पैसा मुनाफ़ा पाने के बारे में होता है। तिजारत फ़ायदे मंद होता है जहां ख़र्च से ज़्यादा पैसा मिलता हो।
- काम फ़ायदे मंद तब होते हैं जब उनके ज़रिए’ आदमियों को फ़ायदा होता है।
- 2तीमु. 3:16 में लिखा है कि पुरी किताब-ए-मुक़द्दस इन्सानों के तरबियत और ता’लीम के लिए “फ़ायदे मंद” है। इसका मतलब है कि किताब-ए-मुक़द्दस की ता’लीमें इन्सान को ख़ुदा की मर्ज़ी की जिन्दगी जीने में मददगार और फ़ायदे मंद हैं।

### तर्जुमे की सलाह:

- मज़मून के मुताबिक़ “फ़ायदा” का तर्जुमा “फ़ायदेमन्द” या “मदद ” या “मिलना” हो सकता है।
- “फ़ायदे मंद” का तर्जुमा “इस्तेमाल” या “फ़ायदेमन्द” या “मदद” हो सकता है।
- “से फ़ायदा मिलना” का तर्जुमा “से फ़ायदा उठाना” या “से पैसा मिलना” था, “से मदद मिलना” हो सकता है।

(यह भी देखें: लायक़)

### तर्जुमे की सलाह:

- मज़मून के मुताबिक़ के “फ़ायदा” का तर्जुमा “मुफ़ीद ” या “मदद ” या “पाना ” हो सकता है।
- “फ़ायदे मंद” का तर्जुमा “कार आमद ” या “मुफ़ीद ” या “मददगार ” हो सकता है।
- “से फ़ायदा पाना ” का तर्जुमा “से फ़ायदा उठाना” या “से पैसा पाना ” था, “से मदद पाना ” हो सकता है।
- तिजारत के बारे में “फ़ायदा” का तर्जुमा ऐसे लफ़्ज़ या जुमलों के ज़रिए’ कियें जाएँ जिसका मतलब “पैसों का फ़ायदा” या “पैसों कीज़्यादती ” या “अलग से पैसा” हो।

### किताब-इ-मुक़द्दस के बारे में:

- अय्यूब 15:1-3
- अम्साल 10:16-17
- यरमियाह 02:7-8
- हिज़क़ीएल 18:12-13
- यूहन्ना 06:62-63
- मरकुस 08:35-37
- मत्ती 16:24-26
- 2 पतरस 02:1-3

### शब्दकोश:

- Strong's: H1215, H3148, H3276, H3504, H4195, H4768, H5532, H7737, H7939, G147, G255, G512, G888, G889, G890, G1281, G2585, G2770, G2771, G3408, G4297, G4298, G4851, G5539, G5622, G5623, G5624

# फ़ैसला, फ़ैसलों, फ़ैसला दिया

## ता’रीफ़:

फ़ैसला एक ‘ऐलान या क़ानून है जो अवामी तौर से सुनाया जाता है।

- ख़ुदा के कवानीन को भी फ़ैसला, कानून और फ़रमान कहते हैं।
- कवानीन और फ़रमानों की तरह फ़ैसलों का भी मानना होता है।
- इन्सानी हाकिम के ज़रिए’ ज़ारी फ़रमान फ़ैसले की मिसाल है, क़ैसर ऑगुस्तुस का फ़ैसला था की रोमी हुकूमत में हर एक इन्सान अपनी पैदाइश की ज़गह जाकर मर्दुमशुमारी करवाए।
- फ़ैसले का मतलब है हुक्म देना जिसका मानना करना ज़रूरी है। इसका तर्जुमा इस तरह भी किया जा सकता है “फ़ैसला” या “फ़रमान”या “ज़ाती तौर पर ज़रूरी” या “अवामी तौर पर एक कानून बनाना”
- जो कुछ “फ़ैसला किया है” वह ज़रूर होगा इसका मतलब यह है “ज़रूर ज़रूर होगा” या “जो फ़ैसला किया गया है और वह नहीं बदलेगा” या “ पक्का ‘ऐलान किया है कि यही होगा”

(यह भी देखें: हुक्म, ‘ऐलान करना, क़ानून, ‘ऐलान करना)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़ 15:13-15
- 1 सलातीन 08:57-58
- रसूलों के ‘आमाल 17:5-7
- दानिएल 02:12-13
- आस्तर 01:21-22
- लूक़ा 02:1-3

## शब्दकोश:

- Strong's: H559, H633, H1697, H5715, H1504, H1510, H1881, H1882, H1696, H2706, H2708, H2710, H2711, H2782, H2852, H2940, H2941, H2942, H3791, H3982, H4055, H4406, H4941, H5407, H5713, H6599, H6680, H7010, H8421, G1378

# #ऐलान, ‘ऐलान करता है, ‘ऐलान किया, ‘ऐलान करना, ‘ऐलान, ‘ऐलानात

## ता’अर्रुफ़

लफ़्ज़ “’ऐलान” और “’ऐलान” या’नी ज़ाती या अवामी बयान करने का हवाला देते है ”, ज़्यादातर किसी बात पर ज़ोर देने के लिए।

- एक “’ऐलान” न सिर्फ़ अहमियत पर ज़ोर देता है, लेकिन यह भी एक बयान करने पर तवज्जोह देता है|
- मिसाल के पर , पुराने ‘अहनामे में, ख़ुदा की तरफ़ से पैग़ाम से अक्सर पहले, “यहोवा का ‘ऐलान” या “यह वही है जो यहोवा ने ‘ऐलान किया” जुमला आता है। इस जुमले से इस बात पर ज़ोर दिया जाता है कि इस पैग़ाम को पहुंचाने वाला यहोवा ही है। यह हक़ीक़त है कि पैग़ाम यहोवा की तरफ़ से आता है ज़ाहिर है कि यह पैग़ाम कितना ख़ास है।

## तर्जुमे की सलाह:

- मज़मून पर मुन्हस्सिर है, “’ऐलान” को इस तरह भी तर्जुमा किया जा सकता है “’ऐलान” या “अवामी बयान” या “ज़ोर से कहना” “ग़ैर मा’मूली बयान”
- लफ़्ज़ “’ऐलान” का तर्जुमा इस तरह भी किया जा सकता है, “बयान” या “’ऐलान”
- जुमला “यह यहोवा का ‘ऐलान है” का तर्जुमा इस तरह भी किया जा सकता है “यह वही है जो यहोवा ने ‘ऐलान किया है” या “यह वही है जो यहोवा कहता है”

(यह भी देखें: बयान

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में

- 1 तवारीख़ 16:23-24
- 1 कुरिन्थियों15:31-32
- 1 शमूएल 24:17-18
- आमोस 02:15-16
- हिज़्क़ीएल 05:11-12
- मत्ती 07:21-23

## शब्दकोश:

- Strong's: H262, H559, H560, H816, H874, H952, H1696, H3045, H4853, H5002, H5042, H5046, H5608, H6567, H6575, H7121, H7561, H7878, H8085, G312, G394, G518, G669, G1107, G1213, G1229, G1335, G1344, G1555, G1718, G1732, G1834, G2097, G2511, G2605, G2607, G3140, G3670, G3724, G3822, G3853, G3870, G3955, G5319, G5419

# ‘अहद, ‘अहद, क़सम खा, क़सम खाए, क़सम खाकर, क़सम खाके, की क़सम खाता है

## ता’अर्रुफ़:

किताब-ए-मुक़द्दस में “’अहद” का मतलब है किसी काम को करने का फ़ौरी वा’दा। ‘अहद मानने वाले के लिए ज़रूरी है कि वह उस वा’दे को पूरा करे। ‘अहद में ईमदार और सच्चा होने का वा’दा होता है।

- एक ‘अदालत के कानून में, गवाह क़सम खाता है कि वह जो भी कहेगा वह सच और हक़ीक़त होगा।
- किताब-ए-मुक़द्दस में “क़सम” खाने का मतलब है न टूटने वाला ‘अहद करना ।
- लफ़्ज़ “की क़सम खाना” का मतलब किसी चीज़ या इन्सान के नाम को बुनियाद या ताक़त मानना जो ‘अहद बना है|
- कभी-कभी इन दोनों अलफ़ाज़ को एक साथ काम में लिया जाता है, “क़सम और ‘अहद”।
- इब्राहीम और अबीमलिक ने क़सम खाई थी, जब उन्होंने कुएं को एक साथ इस्ते’माल करने का ‘अहद बाँधा था|
- इब्राहीम ने अपने ख़ादिम को क़सम (फ़ौरी वा’दा) खाने के लिए कहा था, कि वह इब्राहीम के ख़ानदानों में से इस्हाक़ के लिए बीवी लाएगा।
- ख़ुदा भी क़सम खाता था जिसमें वह अपने लोगों से वा’दा करता था।
- आज के दिनों में लफ़्ज़ “Swear” का मतलब है “गन्दी ज़बान का इस्ते’माल करना”। किताब-ए-मुक़द्दस में इसका ऐसा मतलब नहीं है।

## तर्जुमे की सलाह :

- मज़मून पर मुनहस्सिर “क़सम” का तर्जुमा “’अहद बाँधना” या “न टूटने वाला वा’दा करना”
- “क़सम” का तर्जुमा “फ़ौरी वा’दा करना” या “’अहद करना” या “किसी काम को करने का वा’दा करना”।
- “मेरे नाम की क़सम खाना” के तर्जुमे के और तरीक़े हो सकते हैं, “मेरे नाम का इस्ते’माल कर तस्दीक करने के लिए वा’दा करना”
- “आसमान और ज़मीन की क़सम खाना” का तर्जुमा “कुछ करने के लिए वा’दा करना, बताना कि आसमान और ज़मीन उसकी तस्दीक करते हैं”।
- यक़ीनी बनाएं कि “क़सम खाना” या “’अहद करना” का मतलब ला’नत से न हो। किताब-ए-मुक़द्दस में ऐसा कोई मतलब नहीं है।

(यह भी देखें: अबीमलिक, ‘अहद, क़सम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- पैदाइश 21:22-24
- पैदाइश 24:1-4
- पैदाइश 31:51-53
- पैदाइश 47:29-31
- लूक़ा 01:72-75
- मरकुस 06:26-29
- मत्ती 05:36-37
- मत्ती 14:6-7
- मत्ती 26:71-72

## शब्दकोश:

- Strong's: H422, H423, H3027, H5375, H7621, H7650, G332, G3660, G3727, G3728

# ‘अज़व, ‘अज़ूवओं

## ता’अर्रुफ़:

“अज़व” या'नी एक पेचीदा जिस्म या गिरोह का एक हिस्सा।

- नये 'अहद नामे में ईमानदारों को “मसीह का जिस्म” का अज़व कहा गया है। मसीह के ईमानदार एक क़ौम के अज़व है जो क़ौम कई ईमानदारों का मुश्तरक है।
- इस जिस्म का “सिर” मसीह है और इमानदार उस जिस्म के अज़व की तरह काम करते हैं। पाक रूह जिस्म हर एक अज़व को एक ख़ास किरदार अदा करता है कि पूरा जिस्म सही तौर से काम करे।
- यहूदी इज्तिमा’ और फ़रीसी जैसे गिरोह के लोगों को उन गिरोह का अज़व कहा जाता है।

(यह भी देखें: जिस्म, फ़रीसी, इज्तिमा’)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 कुरिन्थियों 06:14-15
- 1 कुरिन्थियों 12:14-17
- गिनती 16:1-3
- रोमियो 12:4-5

## शब्दकोश:

- Strong's: H1004, H1121, H3338, H5315, H8212, G1010, G3196, G3609

# ‘आलिम, नजूमी

## ता’अरुफ़:

मत्ती की ख़ुशख़बरी में मसीह की पैदाइश की तफ़सील में, “’आलिम” या "पढ़े-लिखे" इन्सान थे, जो ‘ईसा की पैदाइश के कुछ वक़्त बा’द, उसके लिए हदिया लेकर बैतलहम आए थे। * वे मुमकिन मुस्तक़बिल बतानेवालें थे जो सितारों का मुताला’ करते थे।

- वे इस्राईल के पूरब में एक दूर के मुल्क से आये थे। वे कौन थे और कहां से आये थे नामा’लूम है। लेकिन वे ज़ाहिरी तौर से ‘आलिम थे जिन्होंने सितारों का मुताला’ किया था।
- मुमकिन है कि वे दानिएल के ज़माने में बाबुल के बादशाहों के ‘आलिमों की नसल से थे जो कई मज़मूनों में ‘इल्म रखते थे जैसे सितारों का ‘इल्म और ख़्वाबों का मतलब बताना।
- तहज़ीब के मुताबिक़ तीन ‘आलिम आए थे क्योंकि उन्होंने ‘ईसा को तीन हदिए पेश किए थे। लेकिन किताब-ए-मुक़द्दस में उनका शुमार ज़ाहिर नहीं है।

(यह भी देखें: बाबुल, बैतलहम, दानिएल)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- दानिएल 02:27-28
- दानिएल 05:7
- मत्ती 02:1-3
- मत्ती 02:7-8
- मत्ती 02:16

## शब्दकोश:

- Strong's: H1505, G3097

# ‘इल्म ग़ैब, ग़ैबबीन, फ़ालदेखना, फ़ालगीर

## ता’रुफ़:

लफ़्ज़ “’इल्म ग़ैब” तथा “फ़ाल देखना” का मतलब लोग ख़ुदाई दुनिया में रूहों से मा’लूमात करने की कोशिश करने की मशक़ है। ऐसा काम करने वाले को “ग़ैबबीन” या “फ़ालगीर” कहते थे।

- पुराने ‘अहदनामे के वक़्त, ख़ुदा ने इस्राईलियों को हुक्म दिया था कि ग़ैबबीनी और फ़ालगीरी की मश्क़ न करें|
- ख़ुदा ने अपने लोगों को उरीम और तुम्मीम के इस्ते’माल करके उनसे मा’लूमात हासिल करने की को इजाज़त दी, ये दो पत्थर थे जिन्हें उसने इस मक़सद के लिए सरदार काहिन की तरफ़से इस्ते’माल किया था| लेकिन बदरूहों की मदद के ज़रिए’ मा’लूमात हासिल करने की इजाज़त नहीं दी|
- बुतपरस्त ग़ैबबीन ने रूहानी दुनिया की मा’लूमात हासिल करने के लिए अलग क़िस्म के तरीक़ों का इस्ते’माल किया| * कभी वे एक मरे हुए जानवर के अंदरूनी हिस्सों की जाँच करते या जानवर की हड्डियों को ज़मीन पर फेंकते, ऐसे नमूने की तलाश करते है जो वह अपने झूठे मा’बूदों की पैग़ाम के तौर पर बयान करते हैं।
- नए ‘अहद नामे में, ’ईसा और रसूलों ने भी ग़ैबबीनी, जादूगर, जादूगरी, और जादू इनकार किया है| और इन तमाम तरीक़ों में बुरी रूहों की ताक़त का इस्ते’माल करना, और ख़ुदा की मज़म्मत करना शामिल है|

(यह भी देखें: रसूल, झूठे मा’बूद, जादू, जादूगरी)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 शमूएल 06:1-2
- रसूलों के ‘आमाल 16:16-18
- हिज़क़ीएल 12:24-25
- पैदाइश 44:3-5
- यरमियाह 27:9-11

## शब्दकोश:

- Strong's: H1870, H4738, H5172, H6049, H7080, H7081, G4436

# ‘ईद, ‘ईदों

## ता’अरुफ़:

‘आम मतलब में, ‘ईद ख़ुशी मनाने के लिए क़ौम के लोगों के ज़रिए’ ‘ईद मनाना होता है।

- पुराने ‘अहदनामे में लफ़्ज़ “‘ईद“ का लफ़्ज़ी मतलब है “मुक़र्रर वक़्त ”
- इस्राईल की ‘ईद ख़ुदावन्द की तरफ़ मुक़र्रर वक़्त और मौसम थे जिसकी ‘इता’अत का हुक्म ख़ुदावन्द ने उन्हें दिया था।
- कुछ अंग्रेजी तर्जुमों में "‘ईद" की जगह में खाना लफ्ज़ का इस्ते’माल किया गया है क्योंकि ‘ईदों में वसी’ खाने का इन्तिज़ाम किया जाता था।
- इस्राईल की कई ख़ास ‘ईदें थीं जिन्हें वह हर साल मनाया करते थे:
- फ़सह
- खुली रोटी की ‘ईद
- पहली फसल
- हफ़्ते का त्योहार (पिन्तेकुस्त)
- तुरहियों की ‘ईद
- अदायगी का दिन
- झोपड़ियों की ‘ईद
- इन ‘ईदों का मक़सद था ख़ुदावन्द को शुक्र करना और मो’जिज़े की बातें याद दिलाना, और बचाव, हिफ़ाज़त और फ़राहम करना है|

(यह भी देखें: ‘ईद )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- 1 तवारीख़23:30-31
- 2 तवारीख़08:12-13
- ख़ुरूज 05:1-2
- युहन्ना 04:43-45
- लूक़ा 22:1-2

## शब्दकोश:

- Strong's: H1974, H2166, H2282, H2287, H6213, H4150, G1456, G1858, G1859

# 'ऐलान करना, 'ऐलान किया, मुबल्लिग़ , वा'ज़ करने वाला ,मुनादी की ,मुनादी किया

## ता'अर्रुफ़:

लोगों से बातें करना, उन्हें ख़ुदा के बारे में ता'लीम देना और ख़ुदा के हुक्मों को मानने के लिए अमादा करना। 'ऐलान 'का मतलब हमेशा लोगों में खुलकर बोलते हैं |

- 'ऐलान हमेशा एक इंसान के ज़रिये' लोगों में किया जाता है। 'ऐलान बोलकर किया जाता है, लिखकर नहीं।
- "'ऐलान" और "ता'लीम " एक जैसी बात है लेकिन एक सी नहीं हैं।
- "'एलान " या'नी रूहानी या सच्चाई की बातें करना और सामईन से जवाब की गुज़ारिश करना। "ता'लीम " में किसी ख़ास लफ़्ज़ पर ज़ोर दिया जाता है, या'नी आदमियों को ख़बर देना या उन्हें तरबियत देना की उन्हें कैसे काम करना है।
- "'ऐलान " ज़्यादातर "ख़ुशख़बरी " के साथ किया जाता है।
- मुबल्लिग़ आदमियों में 'ऐलान करता है तो उसे आमतौर पर उसकी "तरबियत " कहते हैं।
- अक्सर किताब-ए-मुक़द्दस में ख़ुदा का हुक्म दिया गया है कि ख़ुदा के बारे में 'ऐलान करने के लिए ,या ख़ुदा के बारे में दूसरों को बताना और कैसे बहुत अच्छा 'एलान करने का मतलब है |
- नये ;अहद नामे में ,रसूलों ने बहुत से अलग अलग शहरों और इलाक़ों ,में जाकर 'ईसा की ख़ुशख़बरी का 'ऐलान किया |
- "'ऐलान"लफ़्ज़ के मा'नी बादशाहों की तरफ़ से बताया गया है या आम तौर पर बुराई की मज़म्मत करने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है |
- "'ऐलान "में शामिल करने के दूसरे तरीक़ों में "'ऐलान"या "खुली तबलीग़"या "आम तौर पर 'ऐलान" करना शामिल हो सकता है |
- तमसीली मतलब "'ऐलान "को भी "मुनादी "या लोगों में ख़ुश ख़बरी बताना"के तौर पर इसका तर्जुमा किया जा सकता है |

(यह भी देखें: ख़ुशख़बरी , 'ईसा , ख़ुदा की बादशाहत )

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में :

- 2 थिमोती 04:1-2
- रसूलों के आमाल 08:4-5
- रसूलों के आमाल 10:42-43
- रसूलों के आमाल 14:21-22
- रसूलों के आमाल 20:25-27
- लूका 04:42-44
- मत्ती 03:1-3
- मत्ती 04:17
- मत्ती 12:41
- मत्ती 24:12-14
- रसूलों के आमाल 09:20-22
- रसूलों के आमाल 13:38-39
- यूहन्ना 03:1-3
- लूका 04:18-19
- मरकुस 01:14-15
- मत्ती 10:26-27

## किताब-ए-मुक़द्दस की कहानियों से मिसाल:

- **24:02** यूहन्ना ने उनसे कहा, "तोबा करो क्योंकि ख़ुदा की बादशाही नजदीक आ गई है !"
- **30:01** 'ईसा ने **'ऐलान करने** के लिए और कई अलग- अलग में शहरों में लोगों को सिखाने के लिए अपने शागिर्दों को भेजा।
- **38:01** 'ईसा मसीह के अवामी ता'लीमों के तीन साल बाद अपनी पहली ता'लीम शुरू किया। 'ईसा ने अपने शागिर्दों से कहा कि वह यरूशलीम में उनके साथ फसह का जश्न मनाना चाहता था, और यह वही जगह है जहाँ उसे मार डाला जाएगा।
- **45:06**इसके बा'द , जहा कही भी वह गए, हर जगह 'ईसा मसीह का **'ऐलान करते रहे**|
- **45:07** वह सामरिया शहर में गया और वहा लोगों को 'ईसा के बारे में बताया और बहुत से लोगों बचाए गए |
- **46:06**फ़ौरन ही, शाऊल दमिश्क़ के यहूदियों से **' करने लगा** कि, "'ईसा ही ख़ुदा का बेटा है!"
- **46:10** फिर कलीसिया ने उन्हें कई और जगहों में 'ईसा के बारे में **'ऐलान करने** के लिये भेज दिया |

- **47:14** पौलुस और और मसीही रहनुमाओं ने कई शहरों में ‘ईसा का **’ऐलान किया** और लोगों को ख़ुदा के कलाम की ता’लीम दी।
- **50:02** जब ‘ईसा ज़मीन पर रहता था तो उसने कहा, "मेरे शागिर्द दुनिया में हर जगह लोगों को ख़ुदा की बादशाहत के बारे में ख़ुशख़बरी का **’ऐलान करेंगे**, और फिर क़यामत आ जाएगी ।"

## शब्दकोश:

- (for proclaim): H1319, H1696, H1697, H2199, H3045, H3745, H4161, H5046, H5608, H6963, H7121, H7440, H8085, G518, G591, G1229, G1861, G2097, G2605, G2782, G2784, G2980, G3142, G4135

# ’अदालत , जमा’त

## ता’अर्रुफ़:

‘अदालत आदमियों की एक मजलिस थी जो ज़रूरी मज़मून पर ख़्याल करने, राय देने तथा फ़ैसला लेने के लिए बैठता है।

- किसी ख़ास मक़सद के लिए सदर-ए-‘अदालत का इन्तिज़ाम ज़्यादा तर और मुक़र्रर शक्ल में किया जाता है जैसे क़ानूनी मज़मून पर पर फैसला लेना।
- “यहूदी’अदालत ” यरूशलीम, को “सेनहेद्रिन” कहते थे, उसके 70 रुक्न थे जिनमें यहूदी रहनुमा जैसे सरदार काहिन , बुज़ुर्ग , ‘आलिम , फरीसी, सदूकी थे, वे यहूदी शरी’अत से मुता’ल्लिक मौज़ू पर फ़ैसला लेने के लिए मुस्तक़िल तौर पर मजलिस करते थे। इसी ‘अदालत ने ‘ईसा पर इलज़ाम लगा कर उसे मौत देने का फ़ैसला लिया था।
- और शहरों में भी छोटी यहूदी मजलिसें थी।
- पौलुस रसूल को रोमी हुकमरान के सामने हाज़िर किया गया था क्योंकि वह ख़ुश ख़बरी की मुनादी कर रहा था।
- मज़मून के मुताबिक़ “मजलिस” का तर्जुमा हो सकता है, “असमबली ” या “सियासी असमबली ”
- “मजलिस में होना” या’नी किसी बात का फ़ैसला लेने के लिए मजलिस में हाज़िर होना।
- ध्यान दें कि यह लफ़्ज़“असमबली” से अलग है जिसका मतलब है, “अक़्लमन्दी की सलाह देना”

(यह भी देखें: मजलिस, जमा’त, फ़रीसी, क़ानून, काहिन, सदूकी, ‘आलिम)

## किताब-ए-मुक़द्दस के बारे में:

- रसूलों के 'आमाल 07:57-58
- रसूलों के 'आमाल 24:20-21
- यूहन्ना 03:1-2
- लूका 22:66-68
- मरकुस 13:9-10
- मत्ती 05:21-22
- मत्ती 26:59-61

## शब्दकोश:

- Strong's: H4186, H5475, H7277, G1010, G4824, G4892

# Translation Academy

**संस्करण 10.1**

# इस्तिआरह

## तफ़सील

यह पृष्ठ प्रश्न का उत्तर देता है: इस्तिआरह क्या है और में उस जुमले का तर्जुमा कर सकता हूं जिसमें ये है?

इस विषय को समझने के लिए, यह पढ़ना अच्छा होगा:

*[[rc://ur-deva/ta/man/translate/figs-intro]]*
मिसाल

एक इस्तिआरा एक ऐसी बात है जिसका इज़्हार एक दूसरे के लिए इस्तिमाल किया जाता है, और जिसमें दोनों के दरमयान कम अज़ कम एक नुक़्ता-ए-नज़र है दूसरे अलफ़ाज़ में, इसतार में, किसी को एक चीज़ की बात होती है जैसा कि अगर ये एक मुख़्तलिफ़ चीज़ थी क्योंकि वो चाहता है कि लोगों को ये सूचना है कि इन दोनों चीज़ें एक जैसे हैं मिसाल के तौर पर, कोई ऐसा कह सकता है

- मुझे पसंद है लड़की एक सुर्ख़ गुलाब है

इस मुआमले में, स्पीकर स्नीडर चाहता है कि इस के बारे में सोचें कि उनके मौज़ू, "लड़की में प्यार करता हूँ, और इस की तस्वीर उस का मुवाज़ना करने के लिए इस्तिमाल कर रहा है, "सुर्ख़ गुलाब. ज़्यादा-तर शायद, वो चाहता है कि हम इस पर ग़ौर करें कि वो दोनों ख़ूबसूरत हैं

कभी कभी स्पीकर ऐसे इस्तिआरों का इस्तिमाल करते हैं जो अपनी ज़बान में बहुत आम हैं ताहम, कभी कभी स्पीकर ऐसे इस्तिआरों का इस्तिमाल करते हैं जो ग़ैरमामूली हैं, और यहां तक कि कुछ अस्तीफ़ा भी मुनफ़रद हैं

बोलने वालों अक्सर अपने पैग़ाम को मज़बूत बनाने के लिए इस्तिमाल करते हैं, अपनी ज़बान को ज़्यादा झूट बनाते हैं, अपनी जज़बात को बेहतर बनाने के लिए, किसी दूसरे तरीक़े से कहने के लिए मुश्किल है, या लोगों को अपने पैग़ाम को याद करने में मदद करने के लिए कहेंगे

## अस्तीफ़ा की इक़साम

दो बुनियादी किस्म के इसतार हैं "मुर्दा अस्तीफ़ा और "ज़िंदा इस्तिआरा वो हर एक मुख़्तलिफ़ किस्म का तर्जुमा मसला पेश करते हैं

## मुर्दार अस्तीफ़ा

एक मुर्दा इसतार एक इसतार है जो इस ज़बान में बहुत ज़्यादा इस्तिमाल किया गया है कि इस के बोलने वालों को इस के इलावा किसी दूसरे के लिए एक तसव्वुर तसव्वुर नहीं होता मुर्दार अस्तीफ़ा इंतिहाई आम हैं अंग्रेज़ी में मिसालें "टेबल टांग, "ख़ानदानी दरख़्त, "पत्ती का मतलब एक किताब में एक सफ़े, और "क्रेन का मतलब है कि भारी बोझ उठाने के लिए एक बड़ी मशीन अंग्रेज़ी बोलने वाले सिर्फ़ उन अलफ़ाज़ के बारे में सोचते हैं जैसे एक से ज़्यादा मअनी रखते हैं बाइबल इब्रानी में मिसालें "हाथ का मतलब है "ताक़त, "चेहरे का मतलब "मौजूदगी", और जज़बात या अख़लाक़ी ख़सुसीआत के बारे में बात करने के तौर पर अगर वो "लिबास थे

**अस्तीफ़ा के तौर पर काम करने के नुक़्ता-ए-नज़र की नुमाइश के जोड़े**

अस्तीफ़ा अलफ़ाज़ के कई तरीक़े तसव्वुरात के जोड़े पर मुनहसिर हैं, जहां एक बुनियादी तसव्वुर अक्सर मुख़्तलिफ़ बुनियादी तसव्वुर के लिए खड़ा है मिसाल के तौर पर, अंग्रेज़ी में, सिम्तUP अक्सर अक्सर या ज़्यादा के तसव्वुर के लिए खड़ा है बुनियादी तसव्वुरात की इस जोड़ी की वजह से, हम इस तरह के जुमले को "पेट्रोल की क़ीमत जा रहे हैं *, "एक इंतिहाई ज़हीन इन्सान, और इस के बरअक्स भी ख़्याल कर सकते हैं "दर्जा हरारत चल रहा है नीचे *, "और मैं बहुत कम महसूस कर रहा हूँ "

तसव्वुरात के नमूना जोड़े मुसलसल दुनिया की ज़बानों में अस्तीफ़ा मक़ासिद के लिए इस्तिमाल किए जाते हैं, क्योंकि वो ख़्यालात को मुनज़्ज़म करने के लिए आसान तरीक़े से काम करते हैं आम तौर पर, लोग ख़ुलासा ख़सुसीआत, ताक़त, मौजूदगी, जज़बात और अख़लाक़ी ख़सुसीआत जैसे बातें करते हैं जैसे कि वो ऐसी चीज़ें हैं जो देखते हैं या मुनाक़िद हो सकते हैं, जैसे वो जिस्म के हिस्से थे, या जैसे जैसे वो वाक़ियात थे जैसे ही हुआ-हुआ देखा जाये

जब ये इसतार मामूल के तरीक़ों में इस्तिमाल होते हैं, तो ये नायाब है कि स्पीकर और सामईन को उनकी शनाख़ती तक़रीर की हैसियत से समझा जाता है अंग्रेज़ी में अस्तीफ़ा की मिसालें जो ग़ैर-मारूफ़ हैं

- "गर्मी को अपनाईं *."UP के तौर पर मज़ीद कहा जाता है
- "हमारा बेहस के साथ आगे बढ़ो 'ऐसा करना जो वाअदा किया जा सकता है वो बोली या अड्डा निसंग के तौर पर
- "आप आपका नज़रिया अच्छा है ' ARGUMENT WAR के तौर पर बात की है
- अलफ़ाज़ की A * बहाव लफ़्ज़ अलफ़ाज़ के तौर पर बोली जाती हैं

अंग्रेज़ी बोलने वाले ये ग़ैरमामूली या अस्तीफ़ा इज़्हार के तौर पर नहीं देखते हैं, लिहाज़ा ये ग़लत होगा कि दूसरी ज़बानों में उनकी ज़बान तर्जुमा करें ताकि लोगों को उनकी तवज्जा पर मबनी तक़रीर के तौर पर अदा करे

बाइबल की ज़बानों में इस तरह के अशआर के अहम नमूनों की वज़ाहत के लिए, बराह-ए-करम [बाइबल की तस्वीर आम पैटर्न] (../bita-part1/01.md) देखें और वो सफ़हात जिससे आपको बराह-ए-रास्त हिदायत मिलेगी

जब किसी दूसरी ज़बान में किसी मुर्दा इसतार का तर्जुमा करते हैं, तो उसे एक इसतार के तौर पर मुत्तफ़िक़ ना करें इस के बजाय, हदफ़ ज़बान में इस चीज़ या तसव्वुर के लिए सिर्फ़ बेहतरीन इज़्हार इस्तिमाल करें

## लाईव इसतार

ये अस्तीफ़ा हैं कि लोग एक तसव्वुर के तौर पर दूसरे तसव्वुर के लिए खड़े हैं, या एक चीज़ के लिए एक चीज़ वो लोग सोचते हैं कि एक चीज़ दूसरी चीज़ की तरह है, क्योंकि ज़्यादा-तर तरीक़ों में दो चीज़ें बहुत मुख़्तलिफ़ हैं लोग आसानी से उन इस्तिआरों को भी तस्लीम करते हैं जैसे पैग़ाम को ताक़त और ग़ैरमामूली ख़सुसीआत फ़राहम करते हैं इस वजह से, लोग इन इस्तिआरों पर तवज्जा देते हैं मिसाल के तौर पर

> क्योंकि तुम मेरे नाम से डरते हो, सदाक़त का सूरज अपने पंखों में शिफ़ा देने के साथ बढ़ जाएगा (मालकी4: 2 यू उल्टी

यहां ख़ुदा अपनी नजात के बारे में बात करता है जैसा कि वो इस से मुहब्बत करता है जो लोगों से मुहब्बत करता है इस की किरण चमकाने के लिए सूरज की बढ़ती हुई थी वो सूरज की किरनों के बारे में भी बोलते हैं जैसे वो पंख थे इस के इलावा, वो इन पंखों के बारे में बोलते हैं जैसे वो दवा ले रहे थे जो अपने लोगों को शिफ़ा बख़्शेंगे यहां एक और मिसाल है

> "यसवा ने कहा, जाओ जाओ और ये फॉक्स बताओ .. '' (लूका13: 11)

यहां, "ये लोमड़ी किंग हीरो दूर से मुराद है जो लोग यसवा के बारे में सुनते हैं इस बात को यक़ीनी तौर पर समझा जाता है कि यसवा उनके लिए हीरो देस के फॉक्स की मख़सूस ख़सुसीआत को लागू करने के लिए उनका इरादा रखते थे उन्होंने शायद ये समझा कि यसवा ने बातचीत करने का इरादा किया कि हीरो दे बुरा था, या तो एक शानदार रास्ता में या किसी ऐसे शख़्स के तौर पर तबाहकुन, क़ातिल, या जो चीज़ें उस के साथ नहीं थीं, या उन सबको

लाईव इस्तिआरा ऐसे अस्तीफ़ा हैं जो सही तरीक़े से तर्जुमा करने के लिए ख़ुसूसी देख-भाल की ज़रूरत है ऐसा करने के लिए, हमें एक इसतार के हिस्सों को समझने की ज़रूरत है और वो कैसे पैदा करने के लिए मिलकर काम करते हैं

## एक इसतार के हिस्से

एक इसतार तीन हिस्सों में है

**मौज़ू** - जो कुछ बोलता है उसे मौज़ू कहा जाता है
**तस्वीरी** - जो चीज़ ये कहती है वो तस्वीर है
**मुवाज़ना प्वाईंट** - जिस तरह से या तरीक़े जिसमें मुसन्निफ़ का दावे करता है कि मौज़ू और तस्वीर इसी तरह की होती हैं उनके प्वाईंटस के मुक़ाबले में

ज़ेल में अस्तीफ़ा में, स्पीकर औरत को बयान करता है जिसे वो सुर्ख़ गुलाब के तौर पर पसंद करता है औरत (उस की "मुहब्बत" **मौज़ू**, और "सुर्ख़ गुलाब **तस्वीर है ख़ूबसूरती और नाज़ुक** मुक़ाबले के प्वाईंटस हैं कि स्पीकर मौज़ू और तस्वीर दोनों के दरमयान मुमासिलत के तौर पर देखता है

- मेरी मुहब्बत एक सुर्ख़, सुर्ख़ गुलाब है

अक्सर, जैसा कि ऊपर के इसतार में, स्पीकर वाज़िह तौर पर * मौज़ू * और * तस्वीर * बताता है, लेकिन वो मुक़ाबले के प्वाईंटस की रियासत नहीं बताता है स्पीकर उस के मुक़ाबले में इन प्वाईंटस के बारे में सोचने के लिए सुनकर को छोड़ देता है चूँकि सुनने वालों को इन ख़्यालात को ख़ुद को समझना ज़रूरी है, स्पीकर का पैग़ाम सिंड्रों पर ज़्यादा ताक़तवर असर है

बाइबल में, आम तौर पर * मौज़ू * और * तस्वीर * वाज़िह तौर पर कहा जाता है, लेकिन मुक़ाबले के प्वाईंटस नहीं मुसन्निफ़ इस से मुत्तफ़िक़ा तौर पर सामईन को छोड़ देता है कि इस के मुक़ाबले में उनके नुक़्ता-ए-नज़र को समझने और समझने के ले-ए-समझा जाये

> यसवा ने उनसे कहा, "मैं ज़िंदगी की रोटी हूँ; जो मेरे पास आता है वो भूक नहीं रहता, और जो मुझ पर ईमान रखता है वो कभी प्यास नहीं होगा. (यूहना6:35 यू उल्टी

इस अस्तीफ़ा में, यसवा ने अपने आपको ज़िंदगी की रोटी का नाम दिया * मौज़ू * है "में, और * तस्वीर * है "रोटी. रोटी एक ऐसा खाना है जिसे लोग हरवक़्त खाते थे मुक़ाबले * रोटी और यसवा के दरमयान ये है कि लोग दोनों को रहने के लिए की ज़रूरत है जिस्मानी ज़िंदगी के ले-ए-लोगों को खाना खाने की ज़रूरत है, रुहानी ज़िंदगी रखने के ले-ए-लोगों को यसवा में भरोसा करना है

**अस्तीफ़ा का मक़सद**

- इस्तिआरा का एक मक़सद लोगों को इस चीज़ के बारे में सिखाया जा रहा है जो वो नहीं जानते हैं ( मौज़ू ये ज़ाहिर करते हुए कि ये किसी चीज़ की तरह है जो पहले से ही जानते हैं .
- एक और मक़सद ये है कि इस पर-ज़ोर दिया जा सकता है कि कुछ खासतौर पर मयार हो या ज़ाहिर करे कि इस के मयार को इंतिहाई अंदाज़ में है
- एक और मक़सद ये है कि लोग लोगों को के बारे में इसी तरह महसूस करें क्योंकि वो * तस्वीर * के बारे में महसूस करेंगे

## वजूहात ये तर्जुमा का मसला है

- लोग इस बात को तस्लीम नहीं कर सकते हैं कि कुछ एक इसतार है दूसरे अलफ़ाज़ में, वो एक लफ़्ज़ी बयान के लिए एक अस्तीफ़ा ग़लती कर सकते हैं, और इस तरह उस को ग़लत समझा
- लोग इस चीज़ से वाक़िफ़ नहीं हो सकते हैं जो तस्वीर के तौर पर इस्तिमाल किया जाता है, और इस तरह इसतार को समझने में नाकाम हो
- अगर मौज़ू बयान नहीं किया जाता है तो, लोग जान नहीं सकते कि मौज़ू किया है
- लोग इस मुक़ाबले के प्वाईंटस को नहीं जानते जो स्पीकर को समझते हैं कि वो समझते हैं अगर वो इन मक़ासिद के बारे में सोचने में नाकाम रहे तो, वो अस्तीफ़ा को नहीं समझेंगे
- लोग ये सोच सकते हैं कि वो अस्तीफ़ा समझते हैं, लेकिन वो नहीं करते ऐसा होता है जब वो बाइबल सक़ाफ़्त से बजाय उनकी अपनी सक़ाफ़्त से मुक़ाबले के प्वाईंटस को लागू करते हैं

## तर्जुमा के उसूल

- एक अशआर का मअनी हदफ़ के सामईन को वाज़िह करने के तौर पर जैसे असल नाज़रीन के पास था
- हदफ़ के सामईन को वाज़िह करने के लिए एक अस्तीफ़ा का मअनी नहीं बनाना, आपको लगता है कि ये असल नाज़रीन के साथ था

## बाइबल की मिसाल

> इस लफ़्ज़ को सुनें, u>आप बसान की गाहों / u>، (अमोस4: 1यू उल्टी

इस इसतार में अमोस सामरिया के ऊपरी तिब्बी ख़वातीन से बात करता है (मौज़ू "आप"है जैसे कि वो गाय थे (तस्वीर) अमोस ये नहीं कहते कि इन ख़वातीन और गाइयों के दरमयान क्या फ़र्क़ है वो चाहता है कि क़ारी उनके बारे में सोचें और मुकम्मल तौर पर तवक़्क़ो रखता है कि क़ारईन उस की सक़ाफ़्त से आसानी से करेंगे सयाहत से, हम देख सकते हैं कि इस का मतलब ये है कि औरतों की तरह वो गाय की तरह हैं जैसे वो ख़ुद को खिलाने में सिर्फ चर्बी और दिलचस्पी रखते हैं अगर हम मुख़्तलिफ़ सक़ाफ़्त से मुक़ाबले के प्वाईंटस को लागू करना चाहते थे, जैसे जैसे गाइयों मुक़द्दस हैं और इबादत की जानी चाहीए, हम इस आयत से ग़लत मअनी हासिल करेंगे

नोट, ये भी कि अमोस इस हक़ीक़त का मतलब नहीं है कि औरतों को गाय हैं वो इन्सान के तौर पर उनसे बात करता है

> और अभी तक, आप हमारे बाप हैं<हम हम मिट्टी हैं / u>. आप हमारे पोटर हैं / u>؛ और हम सब आपके हाथ का काम हैं (यसईआह64: 8यू उल्टी

मुंदरजा बाला मिसाल के तौर पर दो मुताल्लिक़ा इसतार हैं मौज़ूआत "हम और "आप हैं, और तसावीर "मिट्टी और पोटर हैं "एक पोटर और ख़ुदा के दरमयान मुक़ाबले के इरादा नुक़्ता हक़ीक़त ये है कि दोनों चीज़ों को उनके माल से किया फ़ायदा है वो मिट्टी से बाहर चाहता है, और ख़ुदा अपनी मर्ज़ी से जो चाहता है इस के मुताबिक़ करता है पोटा की मिट्टी के दरमयान मुक़ाबले का नुक़्ता और "हम ये है कि ना ही मिट्टी और ना ही ख़ुदा के लोगों को उनके बारे में शिकायत करने का हक़ है

> यसवा ने उनसे कहा, "फ़रीसयों और सद वदियों के ख़मीर से ख़बरदार रहो. शागिर्दों ने अपने आपको दलील दी और कहा, "ये वजह है कि हमने रोटी ना ली. (मति16: 6-7 यू उल्टी

यसवा ने यहां एक अस्तीफ़ा इस्तिमाल किया, लेकिन इस के शागिर्दों को ये एहसास नहीं था जब उन्होंने "ख़मीर कहा था तो उन्होंने सोचा कि वो रोटी के बारे में बात कर रहा था, लेकिन "ख़मीर इस की अस्तीफ़ा की तस्वीर थी, और मौज़ू फ़रीसयों और सदूसियों की तालीम थी चूँकि शागिर्द (असल नाज़रीन यसवा का मतलब समझते नहीं थे, ये वाज़िह नहीं होगा कि वाज़िह तौर पर ये बताएं कि यसवा मसीह का क्या मतलब है

## तर्जुमा की हिक्मत-ए-अमली

अगर लोग इस तरह के अस्तीफ़ा को समझेंगे कि असल क़ारईन उस को समझ लेंगे, आगे बढ़ो और उसे इस्तिमाल करें इस बात का यक़ीन करने के लिए तर्जुमा की आज़माईश यक़ीनी बनाएँ कि लोग उसे सही तरीक़े से समझते हैं

अगर लोग उसे समझने या नहीं समझते तो, यहां कुछ और हिक्मत-ए-अमली हैं

अगर इसतार ज़रीया ज़बान में एक आम इज़्हार है या बाइबल की ज़बान में एक मुफ़स्सिल जोड़ी के तसव्वुरात का इज़्हार करते हैं (एक "मुर्दा इसतार), तो आपकी ज़बान की तरफ़ से तर्जीह के सबसे आसान तरीक़ा में अहम ख़्याल का इज़्हार
अगर अस्तीफ़ा एक "ज़िंदा इशारा लगता है तो, आप उसे लफ़्ज़ी तौर पर तर्जुमा कर सकते हैं u>अगर आप सोचते हैं कि हदफ़ ज़बान भी इस इसतार का इस्तिमाल करता है इसी तरह बाइबल में इसी चीज़ का मतलब है . अगर आप ऐसा करते हैं तो, इस बात को यक़ीनी बनाना कि इस बात का यक़ीन करने के लिए कि ज़बानी कम्यूनिटी को ये सही तरीक़े से समझा जाये
अगर हदफ़ के सामईन को ये एहसास नहीं होता कि ये एक इसतार है, तो अस्तीफ़ा को एक संबल में तबदील करें कुछ ज़बानें अलफ़ाज़ जैसे "जैसे या "के तौर पर शामिल कर के करते हैं मुलाहिज़ा करें समील.
अगर हदफ़ के सामईन * तस्वीर * को नहीं जानते, देखें ग़ैरमौजूदगी का तर्जुमा इस तस्वीर का तर्जुमा कैसे करें
अगर हदफ़ के सामईन एस * तस्वीर * इस मतलब के लिए इस्तिमाल नहीं करेंगे, उस की बजाय अपनी अपनी सक़ाफ़्त से एक तस्वीर इस्तिमाल करें इस बात को यक़ीनी बनाएँ कि ये एक ऐसी तस्वीर है जो बाइबल के औक़ात में मुम्किन हो सकता है
अगर हदफ़ के सामईन को नहीं मालूम होता कि * मौज़ू * किया है, तो इस मौज़ू को वाज़िह तौर पर बयान करें (ताहम, ऐसा नहीं करते अगर असल नाज़रीन को मालूम नहीं था कि मौज़ू किया था.
अगर हदफ़ के सामईन मक़सद और * तस्वीर के मुक़ाबले में * नुक़्ता-ए-नज़र नहीं जानतेगा, फिर उस को वाज़िह तौर पर रियासत
अगर उनमें से कोई भी हिक्मत-ए-अमली तसल्ली बख़्श नहीं है तो फिर सिर्फ़ एक इसतार को इस्तिमाल करने के बग़ैर वाज़िह तौर पर ये ख़्याल बयान करें

## लागू तर्जुमा की हिक्मत-ए-अमली की मिसालें

अगर इसतार ज़रीया ज़बान में एक आम इज़्हार है या बाइबल की ज़बान में एक मुफ़स्सिल जोड़ी के तसव्वुरात का इज़्हार करते हैं (एक "मुर्दा इसतार), तो आपकी ज़बान की तरफ़ से तर्जीह के सबसे आसान तरीक़ा में अहम ख़्याल का इज़्हार

- **फिर-फिर इबादत-गाह के रहनुमाओं में से एक, जवीरस का नाम आया और जब उसने उसे देखा, तो उस के पांव पर गिर गया** (मरक़ुस5:22 यू उल्टी
- तब यरूशलेम नामी इबादत-गाह के सरदारों में से एक आया और जब उसने उसे देखा तो<फ फ़ौरी तौर पर उस के आगे झुक गया / u>.

अगर अस्तीफ़ा एक "ज़िंदा इशारा लगता है तो, आप उसे लफ़्ज़ी तौर पर तर्जुमा कर सकते हैं u>अगर आप सोचते हैं कि हदफ़ ज़बान भी इस इसतार का इस्तिमाल करता है इसी तरह बाइबल में इसी चीज़ का मतलब है अगर आप ऐसा करते हैं तो, इस बात को यक़ीनी बनाना कि इस बात का यक़ीन करने के लिए कि ज़बानी कम्यूनिटी को ये सही तरीक़े से समझा जाये

- **ये आपके<सख़्त दलों की वजह से था जिसने आपने इस क़ानून को लिखा,** (मरक़ुस10: 5 यू उल्टी
- ये आपके सख़्त दलों की वजह से था कि उसने आपको ये क़ानून लिखा था

इस में कोई तबदीली नहीं है लेकिन इस बात का यक़ीन करने के लिए ये जांच पड़ताल की जानी चाहीए कि हदफ़ के सामईन को ये अस्तीफ़ा सही तरीक़े से समझा जाये

अगर हदफ़ के सामईन को ये एहसास नहीं होता कि ये एक इसतार है, तो अस्तीफ़ा को एक संबल में तबदील करें कुछ ज़बानें अलफ़ाज़ जैसे "जैसे या "के तौर पर शामिल कर के करते हैं

- और अभी तक, आप हमारे बाप हैं हम u>मिट्टी हैं / u>. आप हमारे Potter हैं; और हम सब आपके हाथ का काम हैं * (यसईआह64: 8 यू उल्टी
- और अभी तक, ख़ुदावंद, आप हमारे बाप हैं हम u>जैसे / u>मिट्टी हैं आप u>पसंद हैं / u>एक पोटर; और हम सब आपके हाथ का काम हैं

अगर हदफ़ के सामईन * तस्वीर * को नहीं जानते, देखें ग़ैरमौजूदगी का तर्जुमा इस तस्वीर का तर्जुमा कैसे करें

- **साओल, साओल, आप मुझे क्यों परेशान करते हो? आपके लिए मुश्किल है कि एक माला लेना / u>** (आमाल26:14 यू उल्टी

- साओल, साओल, आप मुझे क्यों तकलीफ़ देते हैं? आपके लिए मुश्किल है u>एक निशानदेही इस्टेक् के ख़िलाफ़ कट / u>.

अगर हदफ़ के सामईन एस * तस्वीर * इस मतलब के लिए इस्तिमाल नहीं करेंगे, उस की बजाय अपनी अपनी सक़ाफ़त से एक तस्वीर इस्तिमाल करें इस बात को यक़ीनी बनाएँ कि ये एक ऐसी तस्वीर है जो बाइबल के औक़ात में मुम्किन हो सकता है

- और अभी तक, आप हमारे बाप हैं हम u>मिट्टी हैं / u>. आप हमारे Potter हैं; और हम सब आपके हाथ का काम हैं * (यसईआह64: 8 यू उल्टी
- "और अभी भी, आप हमारे बाप हैं, हम हम लक्कड़ी हैं हम आपके<क़ारूर / u>हैं और हम सब आपके हाथ का काम हैं.
- "और अभी तक, ख़ुदावंद, आप हमारे बाप हैं; हम string हैं हम आप हैं / weaver ؛ और हम सब आपके हाथ का काम हैं.

अगर हदफ़ के सामईन को नहीं मालूम होता कि * मौज़ू * किया है, तो इस मौज़ू को वाज़िह तौर पर बयान करें (ताहम, ऐसा नहीं करते अगर असल नाज़रीन को मालूम नहीं था कि मौज़ू किया था.

- *ख़ुदावंद ही रहता है हो सकता है *u*>मेरी राक / *u*>तारीफ़ की जाये मेरी नजात का ख़ुदा बुलंद हो जाएगा * (ज़बूर18:46 यू उल्टी
- ख़ुदावंद ज़िंदा रहता है वो मेरा पत्थर है / u>. इस की तारीफ़ की जा सकती है मेरी नजात का ख़ुदा बुलंद हो जाएगा

अगर हदफ़ के सामईन मक़सद और * तस्वीर के मुक़ाबले में * नुक़्ता-ए-नज़र नहीं जानतेगा, फिर उस को वाज़िह तौर पर रियासत

- **ख़ुदावंद ही रहता है हो सकता है u>मेरी राक / u>तारीफ़ की जाये मेरी नजात का ख़ुदा बुलंद हो जाएगा** (ज़बूर18:46 यू उल्टी
- ख़ुदावंद ज़िंदा रहता है वो उस की तारीफ़ की जा सकती है क्योंकि वो पत्थर है जिसके तहत में अपने दुश्मनों से छिप सकता हूँ / u>. मेरी नजात का ख़ुदा बुलंद हो जाएगा
- **साओल, साओल, आप मुझे क्यों परेशान करते हो? आपके लिए मुश्किल है कि एक माला लेना / u>** (आमाल26:14 यू उल्टी
- साओल, साओल, आप मुझे क्यों तकलीफ़ देते हैं? आप u>मेरे ख़िलाफ़ लड़ें और अपने आपको एक ऐसे बैल की तरह तकलीफ़ दें जो उस के मालिक की निशानदेही की छड़ी के ख़िलाफ़ केक है

अगर उनमें से कोई भी हिक्मत-ए-अमली तसल्ली बख़्श नहीं है तो फिर सिर्फ एक इसतार को इस्तिमाल करने के बग़ैर वाज़िह तौर पर ये ख़्याल बयान करें

- **मैं आपको मर्दों के मछली बनाएगा** (मरकुस1:17 यू उल्टी
- मैं आपको बनाएगाu>लोग जो लोग जमा करते हैं / u>.
- अब आप मछली जमा करते हैं मैं तुम्हें बनाऊँगा/ u>लोगों को जमा

मख़सूस इस्तिआरों के बारे में मज़ीद जानने के लिए, देखें बाइबल की तस्वीर आम पैटर्न.

(**वापस जाओ:** बाबुल, बाबुल, बाबुल, बाबुल; जानवर, जानवरों; दुल्हन, दुल्हनें, दुल्हन; तारीकी; बाढ़, बाढ़ें, जल में डूब गया, बाढ़ आना, बाढ़ का पानी; शहद, शहद का छत्ता; रोशनी, रोशनियाँ, रोशनी होना, बिजलियाँ, दिन की रोशनी, सूरज की रोशनी, शाम, रोशन, रोशन हुआ; फ़सल काटना, लवनेवाला, फ़सल काटी, फ़सल काटने वाले, फ़सल काटने वालों, फ़सल की कटाई; चरवाहे, चरवाहा, चरवाया , चरवाही; गढ़, गढ़ों, क़िला' क़िले', क़िलों', क़िले'; तलवार, तलवारें, तलवार रखनेवाले; दाख़लता, दाख़लताओं; दाख़ की बारी, दाख़ की बारियों; मीनार , पहरे की मिनारों, गुम्मद; मय के हौज़)

# इस्म मुजर्रिद

इस्म मुजर्रिद ऐसे इस्म हैं जो इन ख़्यालात, ख़सुसीआत, वाक़ियात, हालात, या उन ख़्यालात के दरमयान ताल्लुक़ात के हवाले से भी इशारा करते हैं I ये ऐसी चीज़ें हैं जो जिस्मानी माअनों में नहीं देखी जा सकती हैं, जैसे की ख़ुशी, वज़न, चोट, इत्तिहाद, दोस्ती, सेहत, और वजह I ये तर्जुमा का मसला है क्योंकि कुछ ज़बानें एक तरह के इस्म मुजर्रिद के साथ एक ख़ास ख़्याल बयान कर सकते हैं, जबकि दूसरों को इस का इज़हार करने का एक मुख़्तलिफ़ तरीक़ा होगा मिसाल के तौर पर, "इसका कितना <वज़न / u> है को कहा जा सकता है "ये / u> कितना वज़न रखता है? या "किस कितना u> भारी / u> है?

यह पृष्ठ प्रश्न का उत्तर देता है: इस्म मुजर्रिद है और में अपने तर्जुमा में इनका कैसे तकसीम करूँ ?

इस विषय को समझने के लिए, यह पढ़ना अच्छा होगा:

*[[rc://ur-deva/ta/man/translate/figs-partsofspeech]]*
*[[rc://ur-deva/ta/man/translate/figs-sentences]]*

## तफ़सील

याद रकहें\ कि इस्म ऐसे अलफ़ाज़ हैं जो किसी शख़्स, जगह, चीज़ या ख़्याल से इशारा करते हैं **इस्म मुजर्रिद** ख़्यालात का हवाला देते हैं I ये उन ख़्यालात, ख़सुसीआत, वाक़ियात, हालात, या उन ख़्यालात के दरमयान ताल्लुक़ात भी हो सकते हैं ये ऐसी चीज़ें हैं जो जिस्मानी माअनों में नहीं देख जा सकते हैं , जैसे ख़ुशी, अमन, तख़लीक़, ख़ूबी, इतमीनान, इन्साफ़, सच्चाई, आज़ादी, इंतिक़ाम, मुसीबत, लंबाई और वज़न

इस्म मुजर्रिद लोगों को इस से कम अलफ़ाज़ में ख़्यालात का इज़हार करने की इजाज़त देती है I ये आमाल या ख़सुसीआत को नाम देने का एक तरीक़ा है ताकि लोग उनके बारे में बात कर सकें I यह एक ज़बान में मुख़्तसर अस्सं रस्ते की की तरह है I मिसाल के तौर पर, इस्म मुजर्रिद इस्तिमाल करने वाले ज़बान में, लोग कह सकते हैं, "मैं गुनाह की बख़शिश में यक़ीन रखता हूँI लेकिन अगर ज़बान में दो इस्म मुजर्रिद "बख़शिश और "गुनाह नहीं हैं तो फिर उन्हें एक ही मअनी का इज़हार करने के लिए एक तवील अरसा बनाना होगा उन्हें ये कहना पड़ेगा, "मिसाल के तौर पर, मैं यक़ीन करता हूँ कि इन लोगों के गुनाहों के बावजूद अल्लाह उन्हें मांफ करना चाहता है ,” यहाँ इस्म की जगह जुमले फ़ैल का इस्तमाल हुआ है I

## ये एक तर्जुमा का मसला होने की वजह

बाइबल जिससे आप तर्जुमा करते हैं, इस्म मुजर्रिद लफ़्ज़ों का इस्तिमाल बाअज़ नज़रियात का इज़हार करने के लिए करता हैं Iआपकी ज़बान इन नज़रियात में से कुछ के लिए ख़ुलासा इस्म मुजर्रिद का इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं I उस के बजाय, ये उन जुमले को इज़हार करने के लिए ख्याल का इस्तिमाल कर सकते हैं I इन जुमले दूसरे किस्म के अलफ़ाज़ जैसे अलफ़ाज़, फ़ेअल, या मुतालिक फ़ैल के इस्तिमाल करेंगे जो इस्म मुजर्रिद के मअनी का इज़हार करते हैं I

## बाइबल की मिसाIलें

> ... u> बचपन से / u> आपने मुक़द्दस तहरीरों को जाना है .. (2 तेमथीसि3:15 यू उल्टी

इस्म मुजर्रिद "बचपन” से मुराद ये है कि जब कोई बच्चा हो

> लेकिन u> देवता-ए- / u> इतमीनान के साथ / u> अज़ीम u> फ़ायदा / u> है (1 तेमथीसि6: 6 यू उल्टी

इस्म मुजर्रिद लफ़्ज़ "ख़ुदा-परस्ती और "इतमीनान का मअनी ख़ुदा की तरफ़ से है
इस्म मुजर्रिद, संजीदा "फ़ायदा किसी चीज़ से मुराद है जो फ़वाइद या किसी की मदद करता है

> आज u> नजात / u> इस घर में आया है, क्योंकि वो भी इबराहीम का बेटा है (लूका19: 9 यू उल्टी

ख़ुलासा लफ़्ज़ "नजात यहां महफ़ूज़ होने की बात कर रहा है

> ख़ुदा अपने वादों के बारे में आहिस्ता-आहिस्ता नहीं चलता, जैसा कि कुछ सोच सकते है (3 पतरस3: 9 यू उल्टी )

इस्म मुजर्रिद "फ़रेब हवाला देती है कि किस तरह आहिस्ता-आहिस्ता कुछ किया जाता है

> वो तारीकी के पोशीदा चीज़ों को रोशन करने और दिल की u> मक़ासिद / u> को ज़ाहिर करेगा (1 कर नथियों4: 5 यू उल्टी

इस्म मुजर्रिद "मक़ासिद ऐसी चीज़ों से इशारा करता है जो लोगों को करना है और वो वजूहात जो उन्हें करना चाहते हैं

## तर्जुमा की हिक्मत-ए-अमली

अगर इस्म मुजर्रिद क़ुदरती होगा और अपनी ज़बान में सही मअनी दे तो इस का इस्तिमाल करें अगर नहीं, तो यहां एक और इख़तियार है

जुमला को इस फिकरे के साथ दुबारा रुजू करें जो इस्म मुजर्रिद का मअनी बयान करता हो I इस्म के बजाय, , नया फ़िक़रा एक फ़ेअल, अड्डो रब, या ख़ुलासा सुन्नत के तसव्वुर को इज़हार करने के लिए एक सिफ़त इस्तिमाल करेगा I

## लागू तर्जुमा की हिक्मत-ए-अमली की मिसालें

जुमला को इस जुमले के साथ दुबारा रुजू करें जो इस्म मुजर्रिद का मअनी बयान करता है I इस के बजाय , नया फ़िक़रा एक फ़ेअल, अड्डो रब, या ख़ुलासा सुन्नत के तसव्वुर को इज़हार करने के लिए एक सिफ़त इस्तिमाल करेगा I

- **... u> बचपन से / u> आपने मुक़द्दस तहरीरों को मालूम किया ..** (2 तेमथीसि3:15 ULT)
- जब u> आप बच्चे थे / u> तभी से ,आपको मुक़द्दस तहरीर मालूम है
- लेकिन u> इतमीनान के साथ फ़लाह-ओ-बहबूद / मेंu> अज़ीम u> फ़ायदा / u> है * (1 तेमथीसि6: 6 यू उल्टी
- लेकिन u> ख़ुदाए / u> और u> मवाद / u> बहुत u> फ़ाइदामंद/ u> है
- लेकिन हम / u> फायदे में रहते है / u> जब हम खुदाए/ u> और u> मवाद / u> होते हैं
- लेकिन हम / u> फ़वाइद / u> जब हम />> ख़ुदा का एहतिराम करते हैं और इताअत करते हैं और जब हम />> हमारे साथ हैं / u>.
- **आज u> नजात / u> इस घर में आया है, क्योंकि वो भी इबराहीम का बेटा है** (लूका19: 9 यू उल्टी
- आज लोगों को इस घर में u> बचाया गया है / u> ...
- आज ख़ुदा ने इस घर में लोगों को बचाया है / u>
- **ख़ुदा अपने वादों के बारे में आहिस्ता-आहिस्ता नहीं चलता, जैसा कि कुछ हो सकता है** (2 पतरस3: 9 यू उल्टी
- ख़ुदावंद अपने वादों के बारे में आहिस्ता-आहिस्ता नहीं चलता है, जैसा कि बाअज़ लोग आहिस्ता-आहिस्ता आगे बढ़ते हैं
- **वो अंधेरे के पोशीदा चीज़ों को रोशन करने और दल के u> मक़ासिद / u> को ज़ाहिर करेगा** (1 कर नथियों4: 5 यू उल्टी
- वो अंधेरे के पोशीदा चीज़ों को रोशन करने और उन चीज़ों को ज़ाहिर करेगा जिन्हें लोगों को करना चाहते है और वो वजूहात जिनके साथ उनको करना चाहते हैं / u>.

(**वापस जाओ:** ईमान; इन्साफ़ ,ना इन्साफ़ी ,ना इन्साफ़ी से भरा ,इंसाफ़ पसनद ,फ़ैसला,)

# खुश कलामी

## तफसील

यह पृष्ठ प्रश्न का उत्तर देता है: खुश कलामी क्या है ?

इस विषय को समझने के लिए, यह पढ़ना अच्छा होगा:

*[[rc://ur-deva/ta/man/translate/figs-intro]]*

खुश कलामी , किसी नाख़ुशगवार, शर्मिंदगी, या समाजी तौर पर नाक़ाबिल-ए-क़बूल है, जैसे मौत या सरगर्मीयों जो आम तौर पर ज़ाती तौर पर किया जाता है , को बताने का शाइस्ता तरीका है I

## वजाहत

> ... उन्होंने साओल और उसके बेटों को गलबोह के पहाड़ों पर गिरा हुआ पाया (1 तारीख़10: 8 यू उल्टी

इस का मतलब है कि साओल और उसके बेटें "मुर्दा थे" ये एक शौक़ अलहि है क्योंकि अहम चीज़ ये नहीं थी कि साओल और इस के बेटे गिर गए , बल्कि वो मर गए कभी कभी लोगों को मौत के बारे में बराह-ए-रास्त बात करना पसंद नहीं है क्योंकि ये नाखुस्गावर है I

## इसके एक तर्जुमा का मसला होने की वजह

मुख़्तलिफ़ ज़बानों को मुख़्तलिफ़ आत्मीमीम इस्तिमाल करते हैं अगर हदफ़ ज़बान ज़रीया ज़बान के तौर पर इसी आत्ममेमज़म का इस्तिमाल नहीं करता तो, क़ारईन को ये समझ नहीं सकता कि इस का क्या मतलब है और वो ये सोच सकते हैं कि मुसन्निफ़ सिर्फ उस के अलफ़ाज़ को लफ़्ज़ी तौर पर कहते हैं

## बाइबल की मिसाल

> ... जहां ग़ार था साओल अपने आपको फारिग करने अंदर चला गया .. (1 समोयल24: 3 यू उल्टी

असल सुनने वालों को ये समझ में आएगा की साओल ने गार को टवायलट के तौर पर इस्तिमाल करने के लिए वहां दाख़िल हुआ I, लेकिन मुसन्निफ़ ने खिलाफ वर्गी से बचने के लिए या ध्यान हटाने के लिए * उसने खासतौर पर नहीं कहा की* उसने साओल ने क्या किया या वो गार में क्या छोड़ के आया I

> मर्यम फ़रिश्ता से कहा, "ये कैसे होगा, क्योंकि मैं कभी किसी आदमी के साथ नहीं सोयी ? (लूका1:34 यू उल्टी )

**पुरसुकून होना**, मर्यम ने एक खुश कलामी का इस्तिमाल करता है कहने का मतलब है कि उसने कभी कभी मर्द के साथ जिन्सी ताल्लुक़ नहीं रहा I

## तर्जुमा की हिक्मत-ए-अमली

अगर खुश कलामी क़ुदरती तौर पर होगी और अपनी ज़बान में सही मअनी दे, उस का इस्तिमाल करें अगर नहीं, तो यहां दूसरे इख़्तयारात हैं

अपनी सक़ाफ़्त से एक खुश कलामी का इस्तिमाल करें
वाज़िह तौर पर बग़ैर किसी खुश कलामी के  मालूमात को पेश करे , बशर्ते वो जरीहाना ना हो I

## लागू तर्जुमा की हिक्मत-ए-अमली की मिसालें

अपनी सक़ाफ़्त से एक खुश कलामी का इस्तिमाल करें

... जहां ग़ार था साओल अपने आपको फारिग करने अंदर चला गया .. (1 समोयल24: 3 यू उल्टी ) – कुछ जबाने नीचे दिए गए तरीके से खुश कलामी का इस्तेमाल करती है I
... जहां ग़ार था साओल, वहां गड्ढा <यु> खोदने <यु> अन्दर गया<यु> I
... जहां ग़ार था साओल, वहां कुछ समय अकेले गुजरने गया . <यु>I

- **मररियम ने फ़रिश्ता से कहा, "ये कैसे होगा, क्योंकि मैं कभी किसी आदमी के साथ नहीं सोयी <यु> ?** (लूका1:34 यू उल्टी )

- मररियम ने फ़रिश्ता से कहा, "ये कैसे होगा, क्योंकि<यु> में किसी आदमी को नहीं जानती हु <यु> ((ये असल यूनानी में इस्तिमाल किया जाता गया खुश कलामी , है ))

वाज़िह तौर पर बग़ैर किसी खुश कलामी के  मालूमात को पेश करे , बशर्ते वो जरीहाना ना हो I

- ... उन्होंने साओल और उसके बेटों को गलबोह के पहाड़ों पर गिरा हुआ पाया (1 क्रोनिकल 10:8 यू एल टी )
- उन्होंने साओल और उसके बेटों को गलबोह के पहाड़ों पर मरा हुआ पाया I

(**वापस जाओ:** हरामकारी ,हरामकार बदकार, हराम्कारियाँ ,हराम्कारियों ,हरामकारनी; गोश्त; कमर; फ़ाहेशा , रण्डी , ज़ानी , क़स्बी , छिनाल , जिना करने वाली; बीज, नुत्फ़ा; क़ब्ज़ाबनाना, क़ब्ज़ा, क़ब्ज़ा, क़ब्ज़ा किया; के साथ रिश्ते थे, प्यार में मस्त होना, साथ सोना, साथ सोता है, के साथ सोया, के साथ सोना; कुँवारी, कुवारियों, कुँवारीपन; रिहम ,बच्चेदानी)

# नामालूम का तर्जुमा करें

मैं शेरों, अंधेरे के दरख़्त, पहाड़, पादरी, या मंदिर जैसे अलफ़ाज़ का तर्जुमा कैसे करूँगा जब मेरी सक़ाफ़्त में लोगों को ये चीज़ कभी नहीं देखी है और हमारे पास कोई लफ़्ज़ नहीं है

यह पृष्ठ प्रश्न का उत्तर देता है: मैं किस तरह ख़्यालात का तर्जुमा कर सकता हूँ कि मेरे क़ारईन से वाक़िफ़ नहीं है?

इस विषय को समझने के लिए, यह पढ़ना अच्छा होगा:

*[[rc://ur-deva/ta/man/translate/figs-sentences]]*

## तफ्सील

नामालूम चीज़ें ऐसी चीज़ें हैं जो ज़रीया मतन में वाक़्य होते हैं जो आपकी सक़ाफ़्त के लोगों को नहीं जानते हैं. तर्जुमा अलफ़ाज़ सफ़हात और तर्जुमा नोट आपको समझने में मदद मिलेगी कि वो क्या हैं. आप उनको समझने के बाद, आपको इन चीज़ों का हवाला देने के तरीक़ों को तलाश करने की ज़रूरत होगी ताकि आपका तर्जुमा पढ़ने वालों को वो समझ लेंगे.

> हमारे यहां सिर्फ़ पाँच रोटी और दो मछली हैं (मति 14:17 युएलटी )

रोटी एक मख़सूस खाना है जो पतली कच्चा अनाजों के साथ तेल के साथ मिलकर बनाती है और फिर मुरक्कब को खाना पकाना ताकि ख़ुशक हो. (अनाजों में एक किस्म की घास का बीज है.) कुछ सक़ाफ़्तों में लोग रोटी नहीं रखते हैं या ये जानते हैं कि ये किया है.

**वजह ये एक तर्जुमा का मसला है**

- क़ारईन शायद कुछ चीज़ें जो बाइबल में नहीं जान सकते हैं क्योंकि इस चीज़ें उनकी अपनी सक़ाफ़्त का हिस्सा नहीं हैं
- क़ारईन को एक मतन को समझने में मुश्किल हो सकती है अगर वो इस में ज़िक्र करदा कुछ चीज़ें नहीं जानती हैं.

## तर्जुमा उसूल

- अलफ़ाज़ का इस्तिमाल करें जो मुम्किन हो तो आपकी ज़बान का पहले से ही हिस्सा हो.
- अगर मुम्किन हो तो इज़हार इज़हार मुख़्तसर रखें.
- दरुस्त तरीक़े से ख़ुदा के हुक्म और तारीख़ हक़ायक़ की नुमाइंदगी करें.

## बाइबल की मिसाल

> मैं यरूशलेम को खंडरों के ढेरों में तबदील करूँगा, जैकों के लिए छिपा होगा (यरमयाह 9: 11 युएलटी )

जकड़े जानवरों जैसे जानवर हैं जो सिर्फ दुनिया के चंद हिस्सों में रहते हैं. तो वो बहुत से मुक़ामात पर नहीं जानते हैं.

> झूटे नबियों से ख़बरदार रहो, जो भेड़ों के लिबास में आपको आते हैं, लेकिन सच्चा भीढ़ी हैं. (मति 7:15 युएलटी )

अगर भेड़ीयों को नहीं रहना है जहां तर्जुमा पढ़ा जाएगा, क़ारईन को ये समझ नहीं सकता कि वो सख़्त और जंगली जानवरों जैसे कुत्तों को जो हमला करते हैं और भेड़ खाते हैं

> इस के बाद उन्होंने ईसाई शराब देने की कोशिश की, जो मीरीरा के साथ मिला था. लेकिन उसने उसे पीने से इनकार कर दिया. (मार्क 15:23 युएलटी )

लोग नहीं जान सकते हैं कि इसरार किया है और ये दवा के तौर पर इस्तिमाल किया जाता है.

> उसने उस के लिए जो अज़ीम रोशनी बनाए (ज़बूर 136: 7 युएलटी )

कुछ ज़बानें ऐसी चीज़ें हैं जो रोशनी देते हैं जैसे सूरज और आग की तरह, लेकिन उनकी रोशनी में कोई आम इस्तिलाह नहीं है.

> आपके गुनाहों ... बर्फ़ की तरह सफ़ैद हो जाएगा (यसईआह 1:18 युएलटी )

दुनिया के बहुत से हिस्सों में लोग बर्फ़ नहीं देख चुके हैं, लेकिन वो तसावीर में देख सकते हैं.

## तर्जुमा की हिक्मत-ए-अमली

यहां आप ऐसे अलफ़ाज़ हैं जो आप किसी इस्तिलाह को तर्जुमा कर सकते हैं जो आपकी ज़बान में नहीं मालूम है.

एक फ़िक़रा का इस्तिमाल करें जो बयान करता है कि नामालूम शैय क्या चीज़ है, या आयात का तर्जुमा तर्जुमा के लिए नामालूम इश्याय के बारे में क्या ज़रूरी है.
अगर आप ऐसा करते हो तो आपकी ज़बान से कुछ ऐसी चीज़ें जो कि तारीख़ हक़ीक़त से बे-नक़ाब की नुमाइंदगी नहीं करती हैं
दूसरी ज़बान से लफ़्ज़ कापी करें, और लोगों को समझने में मदद करने के लिए एक आम लफ़्ज़ या तशरीही इबारत शामिल करें.
एक लफ़्ज़ का इस्तिमाल करें जो मअनी में ज़्यादा आम है.
लफ़्ज़ या फ़िक़रा का इस्तिमाल करें जो मअनी में ज़्यादा मख़सूस है.

## लागू तर्जुमा असटरीटजीज़ की मिसाले

एक फ़िक़रा का इस्तिमाल करें जो बयान करता है कि नामालूम शैय क्या चीज़ है, या आयात का तर्जुमा तर्जुमा के लिए नामालूम इश्याय के बारे में क्या ज़रूरी है

- **झूटे नबियों से ख़बरदार रहो, जो भेड़ों के लिबास में आपके पास आते हैं, लेकिन सच्चा भूक हैं.** (मति 7:15 युएलटी )
- झूटे नबियों से ख़बरदार रहो, जो भेड़ों के लिबास में आपको आते हैं, लेकिन वाक़ई भूक और ख़तरनाक जानवर हैं

"मुस्तहकम भेड़ीयों" यहां एक इसतार का हिस्सा है, लिहाज़ा क़ारी को जानने की ज़रूरत है कि ये अस्तीफ़ा को समझने के लिए भेड़ों के लिए बहुत ख़तरनाक है. (अगर भीड़ भी नामालूम नहीं हैं तो आपको भीड़ तर्जुमा करने के लिए तर्जुमे की हिक्मत-ए-अमली में से एक का इस्तिमाल करना होगा, या इसतार के लिए तरजमही हिक्मत-ए-अमली का इस्तिमाल करते हुए, कुछ और करने के लिए अस्तीफ़ा तबदील करें.

- **हमारे पास सिर्फ़ पाँच रोटी और दो मछली हैं** (मति 14:17 युएलटी )
- यहां हमारे पास सिर्फ पाँच पकवान अनाज के बीज और दो मछली हैं

अगर आप ऐसा करते हो तो आपकी ज़बान से कुछ ऐसी चीज़ें जो कि तारीख़ हक़ीक़त से बे-नक़ाब की नुमाइंदगी नहीं करती हैं.

- आपके गुनाहों **बर्फ़ की तरह सफ़ैद हो जाएगा** (यसईआह 1:18 ULT) ये आयत बर्फ़ के बारे में नहीं है. लोगों को समझने में मदद करने के लिए ये तक़रीर के आदाद-ओ-शुमार में बर्फ़ का इस्तिमाल करता है ताकि सफ़ैद कैसे हो जाये.
- आपके गुनाहों ... दूध की तरह सफ़ैद हो जाएगा
- आपके गुनाहों ... चांद की तरह सफ़ैद हो जाएगा

दूसरी ज़बान से लफ़्ज़ कापी करें, और लोगों को समझने में मदद करने के लिए एक आम लफ़्ज़ या तशरीही इबारत शामिल करें.

- **फिर उन्होंने ईसाई शराब देने की कोशिश की, जो मीरीरा के साथ मिला था. लेकिन उसने उसे पीने से इनकार कर दिया.** (मार्क 15:23 युएलटी ) - लोग बेहतर समझ सकते हैं कि इसरार किया है कि ये आम लफ़्ज़ "दवा" के साथ इस्तिमाल किया जाता है.
- फिर उन्होंने ईसाई शराब देने की कोशिश की जो मीरीरीर नामी एक दवा के साथ मिला था. लेकिन उसने उसे पीने से इनकार कर दिया
- **हमारे यहां सिर्फ पाँच रोटियों और दो मछली हैं** (मैथीयू 14:17 युएलटी ) - लोग बेहतर समझ सकते हैं कि क्या रोटी ये है कि ये एक फ़िक़रा के साथ इस्तिमाल किया जाता है जो बताता है कि ये क्या (बीजों) ये तैयार है (कुचल और पका हुआ).
- यहां हमारे पास सिर्फ बेक्ड कच्चा बीज की रोटी और दो मछली हैं

एक लफ़्ज़ का इस्तिमाल करें जो मअनी में ज़्यादा आम है.

- **मैं यरूशलेम को खंडरों के ढेरों में तबदील करता हूँ, जैकेटों के लिए एक पोशीदा जगह** (यरमयाह 9: 11 युएलटी )
- मैं यरूशलेम को खंडरों के ढेरों में तबदील करता हूँ, जंगली कुत्तों के लिए छिपा होगा
- **हमारे पास सिर्फ़ पाँच रोटी और दो मछली हैं** (मति 14:17 युएलटी )
- हमारे पास सिर्फ पाँच पका हुआ खाना और दो मछली हैं

लफ़्ज़ या फ़िक़रा का इस्तिमाल करें जो मअनी में ज़्यादा मख़सूस है.

- **जो उसने बहुत बड़ी रोशनी बनाई है** (ज़बूर 136: 7 युएलटी )
- उसने जो सूरज और चांद बनाया

इसके बाद हम आपको इसके बारे में जानने की सलाह देते हैं:

*[[rc://ur-deva/ta/man/translate/translate-transliterate]]*

(**वापस जाओ:** फ़रिश्ता, फ़रिशतों,ख़ास ,फ़रिश्ते; मसीह का मुख़ालिफ़, मसीह के मुख़ालिफ़; रसूल, रसूलों, रिसालत; बपतिस्मा देना, बपतिस्मा लिया, बपतिस्मा; मसीह ,मसीहा; मसीही; कलीसिया, कलीसियाओं, कलीसिया; ख़तना करना, ख़तना किया, ख़तना; सलीब; बदरूह, बुरी रूह, नापाक रूह; अबदियत, हमेशा के लिए, हमेशा की ज़िन्दगी; ‘आलम-ए-अर्वाह, अथाह गड्ढा; बर्रा, ख़ुदा का बर्रा; मन्ना; रब्बी; सबत; शैतान, शैतान, बुरा; बबूल; सफ़ीर, फ़रिश्तों नुमाइंदा, नुमाइंदों; जौ; पीतल; ऊँट ,ऊंटों; रथ, रथों ,रथियों; करूब,करूबी,करूबियों; गाय, गायें, बैल, बैलों, बछड़ा, बछड़ों, जानवरों, बछिया, बैल, बैलों; हिरन, हिरनी, हिरनियाँ, हिरन का बच्चा, हिरन, छोटी हिरन; गधा, खच्चर; पण्डुकी, कबूतर; 'उक़ाब, 'उक़ाबों; सनोबर, सनोबर; खुर, खुरों, टापों; चीता, चीतों; शेरों, शेर, शेरनी, शेरनियाँ; बलूत का पेड़, बलूत के पेड़; सूअर, सूअरों, सूअर का गोश्त , सुअर; टाट; समन्दरी गाय; भेड़, भेड़ें, मेंढ़ा, मेंढ़ा, भेड़, भेड़शाला, भेड़ रहने की जगह , भेड़-बकरी, भेड़ की खाल; बर्फ़, बर्फ़ पड़ा, बर्फ़ गिरने के वक़्त; तलवार, तलवारें, तलवार रखनेवाले; कुर्ता, कमीज़; मय, दाखरस, मशक़, मशक़ो, नई दाखरस; फटकना, फटकता, फटका, फटकेगा, फटके, छानना)

# नामों का तर्जुमा कैसे करें

## तफ़सील

यह पृष्ठ प्रश्न का उत्तर देता है: मैं अपने नाम के नाम से किस तरह तर्जुमा कर सकता हूँ जो मेरी सक़ाफ़्त में नया है?

इस विषय को समझने के लिए, यह पढ़ना अच्छा होगा:

नामालूम का तर्जुमा करें

बाइबल बहुत से लोग, लोगों के ग्रुपों और मुक़ामात के नाम हैं. उनमें से कुछ नाम अजीब लग सकते हैं और कहना मुश्किल हो सकते हैं. बाज़-औक़ात क़ारईन को ये मालूम नहीं कि नाम का नाम किया है, और बाज़-औक़ात उनको समझने की ज़रूरत हो सकती है कि एक नाम का मतलब किया है. ये सफा आपकी मदद करेगा कि आप इन नामों को किस तरह तर्जुमा कर सकते हैं और किस तरह आप उन लोगों को समझ सकते हैं जो उनके बारे में जानने की ज़रूरत है |

## नामों का मतलब

बाइबल में सबसे ज़्यादा नाम मअनी है | बेशतर वक़्त, बाइबल में नाम सिर्फ उन लोगों और जगहों की निशानदेही करने के लिए इस्तिमाल किया जाता है जो उनका हवाला देते है |

> ये सुलेमान बादशाह सुलेमान बादशाह था, ये ख़ुदा के सबसे ज़्यादा आला काहिन था, जो इबराहीम के बादशाहों की ज़बह से वापिस आए और उनसे बरकत हासिल की. (इब्रानियों 7: 1 युएलटी)

यहां तक कि मुसन्निफ़ ने "मीलचीज़डक" का नाम इस्तिमाल किया है जो बुनियादी तौर पर इस शख़्स का हवाला देते हैं और "सलीम के बादशाह" का लक़ब हमें बताता है कि उसने एक ख़ास शहर पर हुकमरान किया था.

> इस का नाम "मीलचीज़ैद" का मतलब है "रास्त बाज़ी का बादशाह" और "सलीम का बादशाह", ये "अमन का बादशाह" है. (इब्रानियों 7: 2 युएलटी)

यहां मुसन्निफ़ मीलची ज़कीक का नाम और अनवान के मअनी बयान करता है, क्योंकि इन चीज़ों को हमें इस शख़्स के बारे में मज़ीद बताया जाता है. दूसरे बार, मुसन्निफ़ ने एक नाम का मअनी नहीं बयान किया क्योंकि वो इस क़ारईन को पहले से ही मअनी जानने की तवक़्क़ो रखता है. अगर पासपोर्ट को समझने के लिए नाम का मतलब अहम है, तो आप मतन में या एक फ़ोटोत में मअनी शामिल कर सकते हैं.

## इस का एक तर्जुमा मसला है

- क़ारईन बाइबल में कुछ नाम नहीं जान सकते हैं. वो ये नहीं जान सकते कि आया कोई नाम किसी शख़्स या जगह से या किसी और से मुराद करता है.
- क़ारईन को समझने के लिए क़ारईन को एक नाम के मअनी को समझने की ज़रूरत हो सकती है.
- कुछ नाम शायद मुख़्तलिफ़ आवाज़ या आवाज़ों के मजमुए हो सकते हैं जो आपकी ज़बानमें इस्तिमाल नहीं होते हैं या आपकी ज़बान में नापसंदीदा हैं. इस मसला को हल करने के लिए हिक्मत-ए-अमली के लिए, देखें क़र्ज़ अलफ़ाज़
- बाइबल में कुछ लोग और मुक़ामात दो नाम हैं. क़ारईन ये नहीं समझ सकते कि दो नाम एक ही शख़्स या जगह का हवाला देते हैं.

## बाइबल की मिसाल

> आप यरूशलम के पास गए और यरीव के पास आए. यरीव के रहनुमाओं ने अमूरियों के साथ आपके ख़िलाफ़ लड़ाई (यशवा 24:11 युएलटी)

क़ारईन शायद नहीं जानते कि "अरदन" एक दरिया का नाम है, "यरीव" एक शहर का नाम है, और "अमूरियों" लोगों का एक गिरोह है

> उसने कहा, "क्या मैं वाक़ई देखता रहता हूँ, यहां तक कि उसने मुझे देखा है?" लिहाज़ा उस को अच्छी तरह से बेअरलोरी (बुलाओस 16: 13 14 यू-उल्टी) कहा गया था

रईन की दूसरी सज़ा नहीं समझ सकती अगर वो नहीं जानते कि "बेअरलहराई" का मतलब है "जो ज़िंदा है वो मुझे जो देखता है."

> उसने उसे मौसीस का नाम दिया और कहा, "क्योंकि मैंने उसे पानी से निकाल दिया." (ख़ुरूज 2:11 युएलटी)

क़ारईन इस बात को समझ नहीं सकते कि उसने ये क्यों कहा है कि अगर वो नहीं जानते तो मौसी का नाम इब्रानी अलफ़ाज़ जैसे "बाहर निकाला”.

> साओल अपनी मौत के साथ मुआहिदा था (आमाल 8: 1 युएलटी)

> ये आईकोनीम के बारे में आया था कि पॉल और बरनबास एक दूसरे के साथ कातिब में दाख़िल हुए (आमाल 14: 1 युएलटी)

क़ारईन ये नहीं जान सकते कि नाम साओल और पॉल उसी शख़्स का हवाला देते हैं.

## तर्जुमा की हिक्मत-ए-अमली

अगर क़ारईन को सयाक़-ओ-सबॉक् से आसानी से नहीं समझा जा सकता है, इस का नाम किस किस्म की है, तो आप उस को वाज़िह करने के लिए एक लफ़्ज शामिल कर सकते हैं.
अगर क़ारईन को इस के बारे में क्या कहा जाता है समझने के लिए एक नाम का मअनी समझने की ज़रूरत है तो, नाम कापी करें और इस के मअनी के बारे में कि मतन में या एक फ़ोटोत में.
या अगर क़ारईन को इस के बारे में क्या कहा जाता है समझने के लिए एक नाम का मतलब समझने की ज़रूरत है, और इस का नाम सिर्फ एक-बार इस्तिमाल किया जाता है, नाम कापी करने की बजाय नाम का मअनी तर्जुमा
अगर किसी शख़्स या जगह में दो मुख़्तलिफ़ नाम हूँ तो, ज़्यादा से ज़्यादा वक़्त और एक नाम का नाम इस्तिमाल करें, जब मतन किसी शख़्स से या एक से ज़्यादा नाम रखने के बारे में बताता है या जब ये किसी चीज़ का ज़िक्र करता है तो इस शख़्स या जगह क्यों थी? इस का नाम दिया एक फ़ोटनोट लिखें जब ज़रीया मतन का नाम इस्तिमाल होता है जो कम कसरत से इस्तिमाल होता है.
या अगर किसी शख़्स या जगह में दो मुख़्तलिफ़ नाम हूँ तो, ज़रीया मतन में जो कुछ नाम दिया जाता है इस्तिमाल करें, और एक नामुमकिन शामिल करें जो दूसरा नाम फ़राहम करें

## लागू तर्जुमा सटरीटजीज़ की मिसाले

अगर क़ारईन को सयाक़-ओ-सबॉक् से आसानी से नहीं समझा जा सकता है, इस का नाम किस किस्म की है, तो आप उस को वाज़िह करने के लिए एक लफ़्ज शामिल कर सकते है |

- **आप यरूशलम के पास गए और यरीव के पास आए. यरीव के रहनुमाओं ने अमूरियों के साथ आपके ख़िलाफ़ लड़ाई** (यशवा 24:11 युएलटी)

> आप यरूशलम नदी के पास गए और यरीव के पास आए. यरीव के रहनुमाओं ने अमूरियों के साथ आपके ख़िलाफ़ लड़ाई

- **कुछ अर्से बाद, कुछ फ़रीसयों के पास आकर इस से कहा, "जाओ और यहां छोड़ो क्योंकि हीरोद आपको मार डाला."** (लूक 13:31 युएलटी)
- कुछ अर्से बाद, कुछ फ़रीसी आए और इस से कहा, "जाओ और यहां छोड़ दो क्योंकि बादशाह हीरोद को आपको मारना चाहता है.

अगर क़ारईन को इस के बारे में क्या कहा जाता है समझने के लिए एक नाम का मतलब समझने की ज़रूरत है, नाम कापी करें और इस के मअनी के बारे में या तो मतन में या एक फ़ोटोत मे

- **उसने उसे मोसेस >/u> का नाम दिया और कहा, "क्योंकि मैंने उसे पानी से निकाल दिया."** (एक्सोडस 2:11 युएलटी)
- उसने उसे मौसी का नाम दिया, जिसकी तरह आवाज़ निकली और कहा, "क्योंकि मैंने उसे पानी से निकाल दिया."

या अगर क़ारईन को इस के बारे में क्या कहा जाता है समझने के लिए एक नाम का मअनी समझने की ज़रूरत है, और इस का नाम सिर्फ एक-बार इस्तिमाल किया जाता है, नाम कापी करने के बजाय नाम का मअनी तर्जुमा.

- **...उसने कहा, "क्या मैं वाक़ई देखता रहता हूँ, यहां तक कि उसने मुझे देखा है?" लिहाज़ा उस को अच्छी तरह से बेअरलोरी;** (इब्तिदा-ए-16: 13-14 युएलटी)
- ... उसने कहा, "क्या मैं वाक़ई देखता रहता हूँ, यहां तक कि उसने मुझे देखा है?" लिहाज़ा उस को अच्छी तरह से वैसे का नाम दिया गया था जो मुझे देखता है

अगर किसी शख़्स या जगह में दो मुख़्तलिफ़ नाम हूँ तो, ज़्यादा से ज़्यादा वक़्त और एक नाम का नाम इस्तिमाल करें, जब मतन किसी शख़्स से या एक से ज़्यादा नाम रखने के बारे में बताता है या जब ये किसी चीज़ का ज़िक्र करता है तो इस शख़्स या जगह क्यों थी? इस का नाम दिया एक फ़ोटनोट लिखें जब ज़रीया मतन का नाम इस्तिमाल होता है जो कम कसरत से इस्तिमाल होता है. मिसाल के तौर पर, पोल 13: 13 और "पाल" के आमाल 13 के बाद "साओल" कहा जाता है |आप हरवक़्त " पाल " के तौर पर अपने नाम का तर्जुमा कर सकते हैं, इलावा आमाल 13: 9 में, जहां वो दोनों नामों के बारे में बात करते हैं.

- **... साओल नामी एक जवान आदमी** (आमाल 7:58 युएलटी)
- ... पाल नामी एक जवान आदमी[1]
- फ़ूटेज की तरह नज़र आएगा:
- [1]ज़्यादा से ज़्यादा वर्ज़न साओल कहते हैं, लेकिन बाइबल में ज़्यादा-तर वक़्त वो पाल कहते है |

- **लेकिन साओल, जो भी पाल कहा जाता है, रूहुल-क़ुदुस से भरा हुआ था** (आमाल 13: 9)
- लेकिन साओल, जो भी पाल बोला जाता है, रूहुल-क़ुदुस से भर गया;

या अगर एक शख़्स या जगह दो नाम हैं तो, ज़रीया मतन में जो कुछ नाम दिया जाता है इस्तिमाल करें और एक नामुमकिन शामिल करें जो दूसरा नाम फ़राहम करे. मिसाल के तौर पर, आप "साओल" लिख सकते हैं जहां ज़रीया मतन "साओल" और "पाल" है जहां ज़राए का मतन "पाल" है |

- **साओल नामा एक नौजवान आदमी** (आमाल 7:58 युएलटी)
- एक जवान आदमी >u>साओल का नाम था
- फ़ुटेज की तरह नज़र आएगा:
- [1] वही वही आदमी है जो पाल 13 को इब्तिदा-ए-में शुरू करता है.
- **लेकिन साओल, जो भी पोल कहा जाता है, रूहुल-क़ुदुस से भर गया;** (आमाल 13: 9 युएलटी)
- लेकिन साओल , जो भी कहा जाता है पाल, रूहुल-क़ुदुस से भरा हुआ था;
- **ये आइकनीमीम के बारे में आया था कि पोल और बरनबास एक दूसरे के साथ इबादत-गाह में दाख़िल हुआ** (आमाल 14: 1 युएलटी)
- ये आइकनीमीम के बारे में आया था कि पोल[1] और बरनबास एक दूसरे के साथ कातिब में दाख़िल हुए
- फ़ुटेज की तरह नज़र आएगा:
- [1]ये वही शख़्स है जिसे आमाल 13 से पहले साओल कहा जाता था

इसके बाद हम आपको इसके बारे में जानने की सलाह देते हैं:

*[[rc://ur-deva/ta/man/translate/translate-transliterate]]*

(**वापस जाओ:** बड़ी क़ुदरत; मसीह ,मसीहा; बे-ईमान, धोखा; ख़ुदावन्द; ख़ुदावन्द बाप , आसमानी बाप , बाप; इब्रानी, इब्रानियों; 'ईसा , 'ईसा मसीह, मसीह 'ईसा; ख़ुदावन्द यहोवा, यहोवा ख़ुदा; नज़ीर, नज़ीरों, नज़ीर की क़सम; पिन्तेकुस्त, हफ़्तों की ‘ईद; शैतान, शैतान, बुरा; ख़ुदावन्द का बेटा, बेटा; यहोवा; हारून; हाबिल; अबियाम; अबिमलिक; अबनेर; इब्राहीम, अब्राम; अबीसलोम; आदम; अदूनियाह; अहाब; अखसूयरस; आख़ज़; अख़ज़ियाह; अख़ियाह; अई #; अमालीक, अमलीकी, अमालीकियों; अमसियाह; अम्मोन, अम्मोनी, अम्मोनियों; आमोस; आमोस; अन्द्रियास; हन्ना; अन्ताकिया; अप्पुल्लोस; अक़विला; मैदान; 'अरब, 'अरबी, 'अरबियों; अराम, अरामी, अरामियों, अरामी ज़बान; अरारात; अर्तख़शश्ता; आसा; आसफ़; अश्दूद, अज़ोतस; आशर; अश्कलोन; आसिया; अतलियाह; 'अजरियाह; बा’ल; बा'शा; बाबुल; बल'आम; बरअब्बा; बरनबास; बरतुलमाई; बरूक; बशन; बतशबा'; बालजबूल; बैरसबा'; बिन्यामीन, बिन्यामीनी, बिन्यामीनियों; बिरीया; बैतनिय्याह; बैत-एल; बैतशम्श; बतूएल; बो'आज़; क़ैसर; क़ैसरिया,क़ैसरिया फ़िलिप्पी; काइफ़ा; क़ाइन; कालिब; कना’न, कना’नी ,कना’नियों; कफ़रनहूम; कर्मिल ,कर्मिल पहाड़; कसदी ,कसदी,कसदियों; करेतियों; किलिकिया; दाऊद का शहर; कुलुस्से, कुलुस्सियों; कुरिन्थुस, कुरिन्थुस के लोग; कुरनेलियुस; करेते , करेते के बाशिन्दे ,करेते के बाशिन्दों; कूश; साइप्रस; कुरेनी; ख़ोरस; दमिश्क़; दान; दानिएल; दारा; दाऊद; दलीला; 'अदन, अदन का बाग़; अदोम, अदोमी , अदोमियों, 'इदूमिया; मिस्र, मिस्री, मिस्रियों; 'अक़रून, 'अक़रूनी; 'ऐलाम,'ऐलामी लोग; 'इलि 'आज़र; इल्याक़ीम; एलिय्याह; इलीशा; इलीशिबा'; हनूक; इफ़िसुस, इफ़िसुस के बाशिंदे, इफ़िस्स्यों; इफ़्राईम , इफ़्राईमी, इफ़्राईमियों; इफ़रात, इफ़रात, इफ़्राती, इफ़्राती; 'ऐसौ; आस्तर; कूश, कूशी; दरया-ए-फ़ुरात, दरिया; हव्वा; हिज़क़ीएल; ‘अज़्रा; जिब्राईल; गाद; गलतिया, गलतियों; गत, गत के रहने वाले , गती; ग़ाज़ा; जिरार; गतसिमनी; जिब'आ; जिब'ऊन; जिल’आद , जिल’आदी , जिल’आदियों; जिलजाल; जिर्जाशियों; गुलगता; गोलियत; अमूरा; जशन; यूनान, यूनानी; यूनानी, यूनानी; हबक़्क़ूक़; हाजिरा; हज्जै; हाम; हामात, हमाती, लीबो हामात; हमोर # ; हननियाह; हन्ना; हारान; हब्रून; हेरोदेस अन्तिपास; हेरोदियास; हेरोदेस बड़ा; हिलक़ियाह; हिव्वी, हिव्वियों; होशे’अ; होशे’अ; दाऊद के ख़ानदान; इकुनियुम; इस्हाक़; यसा'याह; इस्माईल, इस्माईल, इस्माईल; इशकार; इस्राईल, इस्राईली, इस्राईलियों, या'क़ूब; या'क़ूब (‘ईसा का भाई); या'क़ूब(हलफ़ई का बेटा ); या'क़ूब (ज़ब्दी का बेटा); याफ़त; यबूस, यबूसी, यबूसियों; यहुयक़ीम; यहोयदा'; यहूयक़ीम; यहूराम, यूराम; यहूसफ़त; याहू; इफ़्ताह; यरमियाह; युरब'आम; यस्सी; यित्रो, र'ऊएल; ईजेबेल; यूआस; अय्यूब; यूएल; यूहन्ना मरकुस; यूहन्ना (रसूल); यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला); यूनाह; यूनातन; याफ़ा; यूराम; यूसुफ़ (नया ‘अहद नामा); यूसुफ़ (पुराना ‘अहद नामा); यशू'अ; यूसियाह; यहूदा; यहूदा इस्करियोती; या'क़ूब का बेटा यहूदा; यहूदिया; क़ादिस, क़ादिस-बरनी, मरीबूत क़ादिस; क़ीदार; क़ादिस; क़िद्रोन की वादी; लाबन; लमक; लाज़र; लियाह; लुबनान; लिवयातान; लूत; लूक़ा; लुस्त्रा; मा'का; मकिदुनिया; बनाने वाला; मलाकी; मनस्सी; मार्था; मरियम, 'ईसा की माँ; मरियम मगदलीनी; मरियम (मार्था की बहन); मत्ती, लावी; मादियों, मादी; समन्दर, बड़ा समन्दर, पश्चिम के समन्दर, भूमध्य समन्दर; मालिक-ए-सिदक़; मोफ़; मसक; मसोपतामिया,अरम्नहरैम; मीकाह; मीकाएल; मरयम; मीसाएल; मिस्फ़ाह; मोआब, मोआबी, मोआबिन; मोलक, मोलक; मर्दकै; मूसा; हर्मोन पहाड़; ज़ैतून के पहाड़; ना’मान; नहूर; नहूम; नफ़्ताली; नातन; नबूकदनज़र; दख्खिनी मुल्क; नहमियाह; नील नदी, मिस्र की नदी, नील नदी; नीनवे, नीनवे के लोगों; नूह; ‘अबदियाह; ओम्री; फ़द्दानअराम; फ़ारान; पौलुस, शाऊल; फ़ग़ूर, फ़ग़ूरपहाड़ , बा’ल फ़ग़ूर; फ़िरिज़्ज़ी; पतरस, शमा’ऊन पतरस, क़ैफा; फ़िर’औन, मिस्र का बादशाह; फ़िलिप्पुस, ख़ुशख़बरी देने वाला; फ़िलिप्पुस ,रसूल; फ़िलिस्तियों; फ़ीनहास; फ़ीनीके; पिलातुस; पुन्तुस; फ़ोतीफ़र; प्रिस्किल्ला; राख़िल; राहब; रामाह; रामोत; रिब्क़ा; रहूबियाम; रूबिन; रिम्मोन; रूत; खारा तालाब, मुर्दा समन्दर; समसून; शमूएल; सारा, सारय; शाऊल (पुराना ‘अहद नामा ); ग़लील समन्दर, किन्नेरेत की समन्दर, गन्नेसरत की झील, तिबिरियुस की झील; सन्हेरीब; शेत; शारोन, शारोन का मैदान; शीबा; शेम; सैला; सिन'आर; सैदा, सैदानियों; सीलास, सिल्वानुस; शमा'ऊन; शमा'ऊन जेलोतेस; सुलैमान; स्तिफ़नुस; सीरिया; तमर; तरसीस; तरसुस; तारह; थिस्सलुनीके, थिस्सलुनीकियों, थिस्सलुनीकियों; तोमा; तीमुथियुस; तिरज़ाह; तीतुस; त्रोआस; तूबल; तुखिकुस; सूर, सूर के लोग; ऊर; औरय्याह; उज़्ज़ियाह , अजरियाह; वश्ती; ज़क्काई; सदोक़; ज़बदी; ज़बूलून; ज़करियाह (नया’अहद नामा ); ज़करियाह(पुराना’अहद नामा ); सिदक़ियाह; सफ़नियाह; जरुब्बाबुल; सिन’आर; बखूर की क़ुर्बानगाह , ख़ुशबू की क़ुर्बानगाह; मुक़र्रर करना, बांटा, ठहराए, हिस्सा, हिस्सों, फिर दे देना; सहना,सह लेता है , उठाने वाला; ओला, ओले, ओले, ओले गिरना; चीता, चीतों; जानवर; टिड्डी, टिड्डियाँ; अर्ग़वानी; नरसुल, सरकंडा; साँप, साँपों, साँप, साँप, साँप, साँपों; बर्फ़, बर्फ़ पड़ा, बर्फ़ गिरने के वक़्त)

# बराए नाम सिफ्त

## तफ़सील

यह पृष्ठ प्रश्न का उत्तर देता है: में किस तरह उन इस्म सिफ्त के ततर्जुमा करूं जो इस्म की तरह काम करते है?

इस विषय को समझने के लिए, यह पढ़ना अच्छा होगा:

*[[rc://ur-deva/ta/man/translate/figs-partsofspeech]]*

कुछ ज़बानों में एक सिफ़त इस्तिमाल करने के लिए इस्तिमाल किया जा सकता है जो उस की सिफ़त बयान करता है जब ऐसा होता है तो ये एक असैंबली की तरह काम करता है मिसाल के तौर पर, लफ़्ज़ "अमीर एक सिफ़त है यहां दो अलफ़ाज़ हैं जो कि "अमीर एक सिफ़त है

> ... अमीर आदमी / u>बड़ी तादाद में भेड़ों और रगों थे .. (2 समोयल12: 2 यू उल्टी

लफ़्ज़ "अमीर लफ़्ज़ "इन्सान से पहले आता है और "इन्सान की वज़ाहत करता है

> वो अमीर नहीं होंगे/ u>؛ इस की दौलत आख़िरी नहीं होगी .. (मुलाज़मत15:29यू उल्टी

लफ़्ज़ "अमीर फ़ेअल के बाद आता है और इस की वज़ाहत करता है "वो.

यहां एक जमहूरीयत है जिससे पता चलता है कि "अमीर एक इस्म के तौर पर भी काम करसकता है

> ... अमीर / u>नसफ़ शैक्ल से ज़्यादा नहीं देना चाहिए, और u>ग़रीब / u>कम नहीं करना ज़रूरी है (ख़ुरूज30:15 यू उल्टी

ख़ुरूज30:15 मैं, लफ़्ज़ "अमीर लफ़्ज़ "अमीर के मअनी के तौर पर काम करता है और ये अमीर लोगों से मुराद है लफ़्ज़ "ग़रीब लफ़्ज़ के नाम के तौर पर भी काम करता है और ग़रीब अफ़राद से मुराद करता है

## वजह ये एक तर्जुमा का मसला है

- बपतिस्मा देने वाले बाइबल में कई बार लोगों के ग्रुप का बयान करने के लिए इसमएल के तौर पर इस्तिमाल किया जाता है
- कुछ ज़बानें इन्फ़िरादी तौर पर इस्तिमाल नहीं करते हैं
- इन ज़बानों के क़ारईन को ये लगता है कि टेक्स्ट एक मख़सूस शख़्स के बारे में बात कर रहा है जब ये वाक़ई लोगों के ग्रुप के बारे में बात कर रहा है जिसमें सिफ़त बयान की जाती है

## बाइबल की मिसाल

> बदकारी के उश्र<ज़मीन सादिक़ों में ज़मीन पर क़ाइल नहीं होना चाहीए (ज़बूर125: 3 यू उल्टी

"सादिक़ यहां ऐसे लोग हैं जो सालिह हैं, ना ही एक मख़सूस सादिक़ शख़्स

> मुबारक हो u>मक्खी / u> (मति5: 5 यू उल्टी

यहां "मक्खी तमाम ऐसे लोग हैं जो नेक हैं, खासतौर पर नेक शख़्स

## तर्जुमा की हिक्मत-ए-अमली

अगर आपकी ज़बान एकसपरीससाईओज़ का इस्तिमाल करते हैं तो लफ़्ज़ों के तौर पर लोगों की तरफ़ इशारा करने के लिए, इस तरह सेadjectives इस्तिमाल करते हुए ग़ौर करें अगर ये अजीब लगेगा, या मअनी वाज़िह या ग़लत हो जाये तो, ये एक और इख़्तियार है

सिफ़त के एक कसीर शक्ल के साथ सिफ़त का इस्तिमाल करें जो सिफ़त बयान करता है

## लागू तर्जुमा की हिक्मत-ए-अमली की मिसालें

सिफ़त के एक कसीर शक्ल के साथ सिफ़त का इस्तिमाल करें जो सिफ़त बयान करता है

- **बदक़िस्मती का उश्र<ज़मीन मुल्कों में ज़मीन पर क़ाइल नहीं होना चाहीए** (ज़बूर125: 3 यू उल्टी
- बदसूरत के उश्र U>सालिह क़ौम / u>ज़मीन में हुकमरान नहीं होना चाहीए

- **मुबारक हो u>मक़्क / u> ...** (मति5: 5 यू उल्टी
- मुबारक हो u>लोग जो माईक हैं / u> ...

(**वापस जाओ:** ख़ुदा, ख़ुदाई, बुरा, ख़ुदा की राह , ना क़ाबिल-ए-एतमाद , ख़ुदा परस्ती; मरना, मरता, मर गया, मरे हुए, जान लेवा, मुर्दा, मौत, मौतें)

# बाहमी इलम और मोतबर मालूमात

यह पृष्ठ प्रश्न का उत्तर देता है: मैं इस बात का कैसे यक़ीन कर सकता हूँ कि मेरा तर्जुमा असल पैग़ाम के वाज़िह मालूमात के साथ फ़र्ज़ करदा इलम और माक़ूल मालूमात से बात करता है

- **बाहमी इलम** का मतलब है ,जो भी एक बोलने वाला, अपने सुनने वालों की शरूर के बारे में तस्लीम करता है और कुछ उनको कुछ किस्म की मालूमात फ़राहम करता है I तक़रीर करने वाले ने दो तरीक़ों से सामईन की मालूमात फ़राहम की है
- **वाज़िह मालूमात** स्पीकर जिसका बराह-ए-रास्त रियासत करता है I
- **वाज़िह इत्तिलाआत** वही है जो स्पीकर बराह-ए-रास्त रियासत नहीं करता क्योंकि उस की तवक़्क़ो है कि वो अपने सामईन को इस के बारे में सीखा सके I

## तफ़सील

जब कोई बोलता या लिखता है, तो उस के पास कुछ ख़ास है जो वो चाहता है की लोग जाने I वो आम तौर पर ये बराह-ए-रास्त कहते हैं ये * वाज़िह मालूमात * है I

स्पीकर इस बात का फ़र्ज़ करता है कि इस के सामईन पहले से ही कुछ चीज़ों को जानता है जो कि उन्हें इस मालूमात को समझने के लिए सोचने की ज़रूरत होगी I आम तौर पर वो लोगों को ये चीज़ें नहीं बताता, क्योंकि वो पहले ही उन्हें जानता है इसे * फ़र्ज़ इलम * कहा जाता है I

स्पीकर हमेशा हर चीज़ को बराह-ए-रास्त एहतिराम नहीं करता जिसे वो चाहता है की उसके समायीन समझे की वो क्या कह रहा है I वो मालूमात जो वो , अपने कहे बातों से ,चाहता है की लोग जाने , चाहे उसे सीधे तौर पे उसने कहा ही ना हो उसे **वाज़िह मालूमात** कहते है I

अक्सर, सामईन ऐसे * वाज़िह इत्तिलाआत को समझते हैं जो पहले से ही इलम रखते हैं (**समझ लिया**) वाज़िह मालूमात के साथ कि स्पीकर उन्हें बराह-ए-रास्त बता रहा है I

## वजूहात ये तर्जुमा का मसला है

तीन किस्म की मालूमात स्पीकर के पैग़ाम का हिस्सा हैं I अगर उनमें से किसी किस्म की मालूमात ग़ायब हो गयी तो, सामईन पैग़ाम को समझ नहीं पाएँगे I क्योंकि हदफ़ तर्जुमा एक ऐसी ज़बान में है जो बाइबल की ज़बानों से बहुत मुख़्तलिफ़ है और ऐसे सामईन के लिए बना दिया गया है जो बाइबल के लोगों के मुक़ाबले में बहुत मुख़्तलिफ़ वक़्त और जगह में रहते हैं I कई बार * इलमी इलम * या * **वाज़िह मालूमात** पैग़ाम से ग़ायब होते है दूसरे अलफ़ाज़ में, जदीद क़ारईन सब कुछ नहीं जानते हैं जो की कि बाइबल को असल में बोलने वाले और सुनने वाले जानते थे I जब पैग़ाम को समझने के लिए ये चीज़ अहम हैं तो, आप इस मालूमात को मतन में या तन्क़ुईदे हसिया में शामिल कर सकते हैं I

## बाइबल की मिसाल

इस के बाद एक मुसानिफ उस के पास आए और कहा, "उस्ताद, में जहां भी जाऊँगा आपकी पैरवी करूँगा I यसवा ने इस पे कहा, "लोमड़ियों के पास <यु>सुराख़<यु> हैं, और आसमान के परिंदों के <यु>पास घोंसला<यु> हैं, लेकिन इन्सान का बेटा उस के सर पर क़ाबू नहीं रखता है. (मेथ्यु 8:20 यू एल टी )

यसवा ने ये नहीं कहा कि लोमड़ी और परिंदें सुराख़ और घोंसला इस्तिमाल किस लिए करते हैं, क्योंकि उसने ये फ़र्ज़ किया था कि मुसानिफ को पता है कि लोमड़ी जमीन में किये सुराख और परिंदे घोसलों में सोते हैं ये * इलम का फ़र्ज़ है

यसवा मसीह ने बराह-ए-रास्त यहां नहीं कहा था "मैं इन्सान का बेटा हूँ लेकिन, अगर मुसानिफ को पहले से ही नहीं पता था, तो उसे इस हक़ीक़त की * वाज़िह मालूमात होगी * I वो सीख सकता है क्योंकि यसवा मसीह ने इस तरह यहाँ अपना हवाला दिया था I इस के इलावा, यसवा ने वाज़िह तौर पर ये बयान नहीं किया कि वो बहुत सफ़र करते थे और उनके पास एक घर नहीं था जिसमें वो हर रात सोये I * मुज़मिर मालूमात * है कि यसवा ने कहा जब मुसानिफ सीख सकता है की उनके पास सर छुपाने की जगह नहीं थी I

आप पर अफ़सोस है, चवरिया ज़ैन आप पर अफ़सोस है बेतसाईदा अगर ताक़तवर का में u> टावर और सदावन / u> मैं किए गए हैं जो आप में किए गए हैं, तो वो तवील अरसा पहले कटोरी और चौक में तौबा कर चुके हैं लेकिन ये आपके मुक़ाबले में फ़ैसले के दिन <टावर और सदावन के लिए ज़्यादा बर्दाश्त हो सकता है (मति11:21، 22 यू उल्टी

यसवा ने फ़र्ज़ किया कि वो जिनसे बात कर रहे थे जानते थे कि टायर और सदावन बहुत कबीस थे I और फैसले का दिन , वो है जब ख़ुदा हर शख़्स का फ़ैसला करेगा Iयसवा भी ये जानते थे की वो जिन लोगों से बात कर रहे हैं वो इस बात पर यक़ीन रखते थे कि वो अच्छे थे और उन्हें तौबा करने की ज़रूरत नहीं थी I यसवा ने उन्हें इन चीज़ें को बताने की ज़रूरत नहीं थी ये सब * फ़र्ज़ इलम * है

**वाज़िह मालूमात** का एक अहम हिस्सा ये है कि वो लोग जिनसे वो बात कर रहे थे वो तौबा नहीं करते, उन्हें टायर और सदावन के मुक़ाबले में कम शदीद नहीं समझा जाएगा I

> आपके शागिर्द क्यों बुज़ुर्गों की रवायात की ख़िलाफ़वरज़ी करते हैं? जब वो खाते हैं तो <अपने हाथों को धोते नहीं हैं (मथ्यु15: 2 यू एल टी )

बुज़ुर्गों की रवायात में एक तक़रीब थी जिसमें लोग खाने से पहले , रुहानी तौर पर साफ़ होने के लिए, अपने हाथ धो लेंगे I लोगों ने सोचा कि रास्तबाज़ होने के लिए, उन्हें बुज़ुर्गों की तमाम रवायात पर अमल करना पड़ेगा I ये एक * इख्तियार मालूमात * है कि फ़रीसी जो यसवा से बात कर रहे थे , उम्मीद करते थे की वो यह जाने I ये कह कर, वो अपने शागिर्दों पर, रवायात की पैरवी नहीं करने का , इल्ज़ाम लगा रहे थे और बता रहे थे की इस तरह वो नेक अमल नहीं है I ये * वाज़िह मालूमात * है जो वो चाहते हैं कि वो इसे समझें I

## तर्जुमा की हिक्मत-ए-अमली

अगर क़ारईन को काफ़ी मोतदिल इलम है तो, वाज़िह मालूमात जो अहम मालूमात के साथ होती है के साथ , पैग़ाम को समझने में कामयाब हो सकते हैं I तब सही यही होगा की जो मालूमात बताई नहीं गयी है उसे रहने दे, और मोतबर मालूमात को वज़ह ही रहने देI
अगर क़ारईन पैग़ाम नहीं समझते हैं क्योंकि उनमें से एक उनके लिए ग़ायब है, तो नीचे दिए गए हिक्मत-ए-अमली पर अमल करें :

अगर क़ारईन पैग़ाम को नहीं समझ पता है ,क्योंकि उनके पास कुछ इलमी इलम नहीं है, तो इस इलम को वाज़िह मालूमात के तौर पर फ़राहम करें
अगर क़ारईन पैग़ाम को नहीं समझ पता है क्योंकि वो कुछ मोतबर मालूमात नहीं जानते हैं, फिर उस मालूमात को साफ़ साफ़ बताएं, लेकिन ऐसा इस तरह ना करें कि ये असल सामईन के लिए एक नयी मालूमात बन जाए I

## लागू तर्जुमा की हिक्मत-ए-अमली की मिसालें

अगर क़ारईन पैग़ाम को नहीं समझा जा सकता है क्योंकि उनके पास कुछ इलमी इलम नहीं है, तो इस इलम को वाज़िह मालूमात के तौर पर फ़राहम करें

यसवा ने इस पे कहा, "लोमड़ियों के पास <यु>सुराख़<यु> हैं, और आसमान के परिंदों के <यु>पास घोंसला<यु> हैं, लेकिन इन्सान का बेटा उस के सर पर क़ाबू नहीं रखता है. (मेथ्यु 8:20 यू एल टी ) यहाँ मोतबर मालूमात यह है की लोमड़ी अपने सुराख़ में और परिंदे अपने घोंसले में सोते है I

- यसवा ने उस से कहा ,” लौमादी के पास <यु> रहने के लिए सुराख़ है , और परिंदों के पास रहने के लिए <यु> घोंसला है , पर इंसान के बेटे के पास सर छुपाने और सोने की कोई जगह नहीं है I “
- ये, फैसले के दिन, <यु> टायर और सिडॉन<यु> के लिए, तुमसे ज्यादा बर्दाश्ते काबिल होगा (मथ्यु 11:22 यू एल टी ) – यहाँ फ़र्ज़ किया मालूमात यह है की , टायर और सिडॉन के लोग बहुत कबीस है I इसे वज़ह तौर पे बताया जा सकता है I
- ... ये आपके मुक़ाबले में, <यु> फ़ैसले के दिन, u> टायर और सिदोन <यु> शहरों <यु> के लिए ज़्यादा बर्दाश्ते काबिल होगा , जिनके लोग बहुत शदीद
- या फिर
- ... आपके मुक़ाबले में, फ़ैसले के दिन , उस बदतरीन शहर टायर और सीडोन / u> के लिए ज़्यादा बर्दाश्ते काबिल होगा I
- **आपके शागिर्द क्यों बुज़ुर्गों की रवायात की ख़िलाफ़वरज़ी करते हैं? जब वो खाते हैं तो वो अपने हाथों को नहीं धोते** (मथ्यु15: 2 यू एल टी ) - माक़ूल इलम ये था कि बुज़ुर्गों की रवायात में से एक तक़रीब यह थी, जिसमें लोग, खाने से पहले, अपना हाथ, रुहानी तौर पर साफ़ होने के लिए ,धो लेंगे , और उन्हें सालिह होना चाहीए I जैसा कि एक जदीद क़ारईन सोच सकता है की अगर गन्दगी नहीं साफ़ की गयी तो , वो बीमार हो जायेंगे I
- आपके शागिर्द क्यों बुज़ुर्गों की रवायात की ख़िलाफ़वरज़ी करते हैं? जब वो <यु> खाते <यु> है तो सदाक़त के <यु> रस्मी <यु> वसूलों की तामील नहीं करते है I

अगर क़ारईन पैग़ाम को नहीं समझ पता है क्योंकि वो कुछ मोतबर मालूमात नहीं जानते हैं, फिर उस मालूमात को साफ़ साफ़ बताएं, लेकिन ऐसा इस तरह ना करें कि ये असल सामईन के लिए एक नयी मालूमात बन जाए I

इस के बाद एक मुसानिफ उस के पास आए और कहा, "उस्ताद, में जहां भी जाऊँगा आपकी पैरवी करूँगा I यसवा ने इस पे कहा, "लोमड़ियों के पास <यु>सुराख़<यु> हैं, और आसमान के परिंदों के <यु>पास घोंसला<यु> हैं, लेकिन इन्सान का बेटा उस के सर पर क़ाबू नहीं रखता है. (मेथ्यु 8:20 यू एल टी ) – यहाँ मुताबिर मालूमात यह है की जीसस खुद आदमी के बेटे है I दूसरा मुताबिर मालूमात यह है की मुसानिफ उनकी राह पर चलना चाहता है , उसे जीसस की तरह बिना घर के रहना होगा I

- यसवा ने उस से कहा ,” लौमादी के पास <यु> रहने के लिए सुराख़ है , और परिंदों के पास रहने के लिए <यु> घोंसला है , पर इंसान के बेटे के पास आराम करने के लिए कोई <यु>घर<यु> नहीं है I अगर तुम मेरी राह पे चलना कहते हो तो तुम वैसे ही रहोगे जैसे में रहता हूँ <यु>
- ... ये आपके मुक़ाबले में, फ़ैसले के दिन, टायर और सिदोन के लिए ज़्यादा बर्दाश्ते काबिल होगा I यहाँ मोतबर मालूमात यह है की , खुदा उन लोगो का सिर्फ फैसला ही नहीं करेगा पर उन्हें सजा भी देगा I यह एक वाजिह मालूमात हो सकती है I

- ... ये आपके मुक़ाबले में, <यु> फ़ैसले के दिन, u> टायर और सिदोन <यु> शहरों <यु> के लिए ज़्यादा बर्दाश्ते काबिल होगा , जिनके लोग बहुत शदीद
- फैसले के दिन , खुदा तुम्हे , टायर और सिदोन,ऐसे शहर जहाँ के लोग ज्यादा कबीस थे , से , ज्यादा शदीद <यु> सजा <यु> देगा I

जदीद क़ारईन शायद कुछ चीज़ों को नहीं जान सकें जो बाइबल और पहले पढने वाले लोग जानते थे I किसि तक़रीर करने वाले या मुसन्निफ़ की बातो को समझना और मोतबिर चीज़ें जिन्हें तक़रीर करने वाले ने रहने दिया है उसे सीखना इसे पड़ने वाले के लिए मुश्किल हो सकता है I तर्जुमान को इसकी तर्जुमानी में वाज़िह तौर पर कुछ चीज़ें पेश करना हैं जो असल स्पीकर या मुसन्निफ़ ने ग़ैर-मुस्तहकम या मनफ़ी तौर पर छोड़ दिया है I

इसके बाद हम आपको इसके बारे में जानने की सलाह देते हैं:

*[[rc://ur-deva/ta/man/translate/figs-explicitinfo]]*

(**वापस जाओ:** पहलौठे)

# महावरा

> यह पृष्ठ प्रश्न का उत्तर देता है: महावरा क्या है और उसका तर्जुमान कैसे कर सकता है ?
>
> इस विषय को समझने के लिए, यह पढ़ना अच्छा होगा:
>
> *[[rc://ur-deva/ta/man/translate/figs-intro]]*

महावरा , एक सनत बदाई है , जो अलफ़ाज़ के एक गिरोह की एक इबारत है जिसका, मजमूई तौर पर, मतलब इन्फ़िरादी अलफ़ाज़ के मअनी से अलग होता है I सक़ाफ़्त के बाहर से लोगों को को आम तौर पर , सक़ाफ़्त के अंदर अपने हक़ीक़ी मअनी की वज़ाहत , बग़ैर किसी महाज़ की समझ में नहीं आता है I सभी जबान महावरे का इस्तेमाल करते है I अंग्रेजी के मिसाल हैं :

- आप मेरी टांग खींच रहे हैं (इस का मतलब है, "आप मुझसे झूट बोल रहे हैं"
- लिफ़ाफ़े को धक्का ना दें (उस का मतलब है, "इस की इंतिहाई एहमीयत मत करो")
- ये घर पानी के नीचे है (इस का मतलब ये है कि, "इस घर के लिए क़र्ज़ा शूदा क़र्ज़ उस की असली क़दर से ज़्यादा है")
- हम इस शहर को सुर्ख़ कर रहे हैं (इस का मतलब है, "आज रात हम शहर के इर्द-गिर्द जा रहे हैं बहुत शदीद मुनाज़रा कर रहे हैं")

## तफ़सील

महावरा एक ऐसा फ़िक्रह है जिसका वहां के लोगों के जबान और सफकात मे ख़ास मायने होता है I इसका मतलब आम फिकरे में हर लाफाज़ को अलग से इस्तमाल करने से अलग होता है I

> > उन्होंने यरूशलेम में जाने के लिए उस के चेहरे को u> तयार कर दिया (लूका9:51 यू उल्टी )

यहाँ “ set हिज फेस “ एक महवर है जिसका मतलंबी तयार होना है I

कभी कभी लोग दुसरे सफक्ती से मह्वारे को समझने में कामयाब होता है , पर फिर भी उन्हें मतलब समझाना अजीब लग सकता है I

> में इस काबिल इ हूँ की आप मेरे छत के <यु>अन्दर <यु> आयें ( लुक 7:6 यू एल टी )

यहाँ फिकरा मेरी छत के नीचे आयें एक महावर है जिसका मतलब है मेरे घर के अन्दर आयें I

> इन बातों को अपने कानो में घहरा जाने दो <यु> (लुक 9:44 यू एल टी )

महवर “ ध्यान से सुने मैं क्या कह रह हूँ “

**मक़सद** किसी महाज़ को किसी सक़ाफ़्त में शायद किसी हादिसे से पैदा किया जाता है I जब कोई किसी ग़ैरमामूली अंदाज़ में कुछ बयान करता है लेकिन, जब ये ग़ैरमामूली तरीक़ा जब पैग़ाम को ताक़तवर पैग़ाम से गुफ़्तगु करता है और लोगों को ये वाज़िह तौर पर समझमें आता है तो, दूसरे लोगों को इस का इस्तिमाल करना शुरू कर देते है I थोड़ी देर के बाद, यह उस ज़बान में बात करने का एक आम तरीक़ा बन जाता है I

## वजूहात ये तर्जुमा का मसला है

- लोग बाइबल की तख़लीक़ करदा सक़ाफ़्तों को नहीं जानते तो लोग आसानी से बाइबल के असल ज़बानों में मुहासिरा ग़लत समझ सकते हैं
- लोग आसानी से महाज़ों को ग़लत समझ सकते हैं जो ज़रीया ज़बान बाइबल में हैं अगर वो ऐसे सक़ाफ़्तों को नहीं जानते जो इन तर्जुमाओं को बनाते हैं
- महवरे का तर्जुमा करना किसी काम का नहीं है ( उसे लफ़्ज़ों के हिसाब से ) अगर ज़रीया ज़बान के लोग समझ नहीं पा रहे हो की वो क्या कहना चाहते है I

## बाइबल की मिसाल

इस वक़्त तमाम इसराईल दाऊद में हिब्रून में आया और कहा, "देखो, हम आपके गोश्त और हड्डी हैं. (1 तारीख़11: 1 यू एल टी )

इस का मतलब है, "हम और आप इसी नसल , इसी ख़ानदान से ताल्लुक़ रखते हैं I

> इसराईल के बच्चों आला हाथ के साथ / u> बाहर चले गए (ख़ुरूज14: 8 ASV)

इस का मतलब ये है कि, "ईसराईलीयों बदकारी से निकल गए .

> जो शख़्स मेरे सर को उठाता है (ज़बूर3: 3 यू एल टी )

इस का मतलब है, "वो जो मेरी मदद करता है."

## तर्जुमा की हिक्मत-ए-अमली

अगर आपकी ज़बान में महाज़ को वाज़िह तौर पर समझा जाएगा तो इस का इस्तिमाल करें अगर नहीं, तो यहां कुछ और इख़्तयारात हैं

महाज़ को इस्तिमाल करने के बग़ैर वाज़िह तौर पर मअनी का तर्जुमा करें
मुख़्तलिफ़ महाज़ का इस्तिमाल करें कि लोग आपकी अपनी ज़बान में इस्तिमाल करते हैं जो इसी मअनी रखते हैं

## लागू तर्जुमा की हिक्मत-ए-अमली की मिसालें

महाज़ को इस्तिमाल करने के बग़ैर वाज़िह तौर पर मअनी का तर्जुमा करें

- **इस वक़्त तमाम इसराईल दाऊद में हिब्रून में आया और कहा, "देखो, हम आपके गोश्त और हड्डी हैं. "** (1 तारीख़11: 1 यू एल टी )

... देखो, हम सब u> इसी मुल्क से ताल्लुक़ रखते हैं / u>.
**वो यरूशलम जाना चाहता है** (लूका9: 51)
उसने यरूशलेम के लिए सफ़र करना शुरू कर दिया, u> और वहां पहुँचने के लिए तेयेओन है / u>.

- **में इस काबिल नहीं हूँ की आप मेरे छत के <यु>नीचे <यु> आयें** ( लुक 7:6 यू एल टी )

में इस काबिल नहीं हूँ की आप मेरे घर के अन्दर <यु> आयें

एक ऐसे महाज़ का इस्तिमाल करें जो कि लोग आपकी अपनी ज़बान में इस्तिमाल करते हैं और जो इसी मअनी रखते हैं I

- **एन अल्फाजों को अपने कानो के भीतर जाने दो / u>** (लूका9:44 यू एल टी )
- <यु> इन अल्फाजों के लिए सारे कान बन जाओ जब में ये कहता हूँ I
- "मेरी <यु>आखें गम से धुंदली हो गयी है
- में अपनी आखों को बहार करके रो रहा हूँ ( में बहुत दुखी हूँ )

(**वापस जाओ:** फूल जाना, फूल जाना)

# मिसाल

एक मिसालदो चीज़ों की एक मुक़ाबले है जो आम तौर पर इसी तरह नहीं सोचते हैं एक कहा जाता है जैसे "दूसरे जैसे ये एक मख़सूस ख़ासीयत पर तवज्जा मर्कूज़ करता है जिसमें दो इश्याय आम हैं, और इस में अलफ़ाज़ "जैसे ""या "के मुक़ाबले में शामिल हैं

यह पृष्ठ प्रश्न का उत्तर देता है: मिसाल क्या है?

इस विषय को समझने के लिए, यह पढ़ना अच्छा होगा:

*[[rc://ur-deva/ta/man/translate/figs-intro]]*

## तफ़सील

एकsimile दो चीज़ों की एक मुक़ाबले है जो आम तौर पर इसी तरह नहीं सोचते हैं ये एक मख़सूस ख़ासीयत पर तवज्जा मर्कूज़ करता है जिसमें दो इश्याय आम हैं, और इस में अलफ़ाज़ "जैसे ""या "के मुक़ाबले में शामिल हैं

> जब उन्होंने भीड़ देखा, तो वो उनके लिए शफ़क़त रखते थे, क्योंकि वो फ़िक्रमंद थे और उलझन में थे, क्योंकि वो भेड़ों की तरह चरवाहा थे (मति9:36)

यसवा ने लोगों के भेड़ों को चरवाहा के बग़ैर भेड़ों को मुक़ाबले में देखा भेड़ों में इज़ाफ़ा हुआ है जब उनके पास महफ़ूज़ मुक़ामात पर उनकी क़ियादत करने के लिए अच्छा चरवाहा नहीं है भीड़ ऐसे ही थे क्योंकि उनके पास अच्छे मज़हबी रहनुमाओं नहीं थे

> देखें, में आपको भेजा u>भेड़ीयों के तौर पर भेड़ीयों के दरमयान / u>، लिहाज़ा वारेन / u>के तौर पर और नुक़्सानदेहu>डेविस के तौर पर / u>. (मति10:16 यू उल्टी

यसवा ने अपने शागिर्दों को भीड़ और उनके दुश्मनों को भेड़ीयों से मुक़ाबले में देखा भीड़ भीड़ पर हमला करते हैं यसवा के दुश्मन अपने शागिर्दों पर हमला करेंगे

> ख़ुदा के कलाम के लिए ज़िंदा और फ़आल और तेज़ी से किसी भी दो तरफ़ा तलवार से ज़्यादा है (इब्रानियों4:12 यू उल्टी

ख़ुदा का लफ़्ज़ एक दो तलवार तलवार के मुक़ाबले में है एक दो तरफ़ा तलवार एक हथियार है जो आसानी से किसी शख़्स के गोश्त से काट सकता है एक शख़्स के दिल और ख़्यालात में क्या ज़ाहिर करने में ख़ुदा का कलाम बहुत मोस्सर है

### स्माइल के मक़ासिद

- एक समेली कुछ ऐसी चीज़ों के बारे में सिखा सकता है जो इस से ज़ाहिर होता है कि ये किस तरह कुछ मालूम होता है
- एक समेली कुछ ऐसी चीज़ों के बारे में सिखा सकता है जो इस से ज़ाहिर होता है कि ये किस तरह कुछ मालूम होता है
- स्माइल मदद दिमाग़ में एक तस्वीर बनाते हैं या क़ारईन के तजुर्बे में मदद करें जो वो मज़ीद मुकम्मल तौर पर पढ़ रहे हैं

### वजूहात ये तर्जुमा का मसला है

- लोग नहीं जान सकते कि दो चीज़ें इसी तरह की हैं
- लोग इस शैय से वाक़िफ़ नहीं हो सकते हैं जो किसी चीज़ के मुक़ाबले में है

## बाइबल की मिसाल

> मेरे साथ सख़्त मुश्किलात, u>मसीही ऐसी अलैहिस-सलाम के एक अच्छे सिपाही के तौर पर / u>. (2 तेमथीसि2: 3 यू उल्टी

इस मिसाल के तौर पर, पोल इस बात से मुत्तफ़िक़ है कि फ़ौजीयों को कौनसा बर्दाश्त होता है, और वो तेमोथी को उनकी मिसाल पर अमल करने की हौसला-अफ़ज़ाई करता है

> क्योंकि u>जैसा कि बिजली ज़ाहिर होती है जब आसमान के किसी हिस्से से आसमान का दूसरा हिस्सा चमकता है, लिहाज़ा इब्न-ए-आदम उस के दिन में रहेंगे (लूक़ा17:24 यू उल्टी

ये आयत ये नहीं कहता है कि इब्न-ए-आदम किस तरह बिजली की तरह होगी लेकिन सयाहत से हम इस आयात से समझ सकते हैं कि इस तरह से जैसे जैसे रोशनी चमकता है और हर कोई उसे देख सकता है, इन्सान का बेटा अचानक आ जाएगा और सब उसे देख सकेंगे इस के बारे में कोई भी नहीं कहा जाएगा

## तर्जुमा की हिक्मत-ए-अमली

अगर लोग समेली के सही मअनी को समझेंगे तो इस का इस्तिमाल करें अगर वो नहीं करेंगे तो, यहां कुछ ऐसी हिक्मत-ए-अमली हैं जो आप इस्तिमाल कर सकते हैं

अगर लोग ये नहीं जानते कि दो चीज़ें एक जैसे हैं, तो बताएं कि वो एक जैसे हैं ताहम, ऐसा नहीं करते अगर माअनवी सामईन को वाज़िह नहीं किया गया था
अगर लोग इस शैय से वाक़िफ़ नहीं हैं जो किसी चीज़ के मुक़ाबले में है, तो आप अपनी अपनी सक़ाफ़्त से किसी चीज़ को इस्तिमाल करें यक़ीन रखू कि ये वही है जो बाइबल के सक़ाफ़्तों में इस्तिमाल किया जा सकता है
सिर्फ उस के इलावा किसी दूसरे के मुक़ाबले में शैय की वज़ाहत करें

## लागू तर्जुमा की हिक्मत-ए-अमली की मिसालें

अगर लोग ये नहीं जानते कि दो चीज़ें एक जैसे हैं, तो बताएं कि वो एक जैसे हैं ताहम, ऐसा नहीं करते अगर माअनवी सामईन को वाज़िह नहीं किया गया था

- **देखो, में आपको भेजता हूँ u>भेड़ीयों के तौर पर भेड़ीयों के दरमयान / u>** (मति10:16 यू उल्टी - ये इस ख़तरे का मुवाज़ना करता है कि यसवा के शागिर्द इस ख़तरे के साथ होंगे जो भेड़ हैं जब वो भेड़ीयों से घेरे हुए हैं
- मुलाहिज़ा करें, में आपको बदतरीन लोगों के दरमयान / u>भेजता हूँ और आप उनसे ख़तरा होंगे क्योंकि वो भेड़ीयों में मौजूद हैं जैसे भेड़ों भेड़ों में हैं
- **ख़ुदा के कलाम के लिए ज़िंदा और फ़आल और तेज़ है किसी भी दो तरफ़ा तलवार से** (इब्रानियों4:12 यू उल्टी
- ख़ुदा के कलाम के लिए ज़िंदा और फ़आल और बहुत तेज़ दो तरफ़ा तलवार से ज़्यादा ताक़तवर है / u>

अगर लोग इस शैय से वाक़िफ़ नहीं हैं जो किसी चीज़ के मुक़ाबले में है, तो आप अपनी अपनी सक़ाफ़्त से किसी चीज़ को इस्तिमाल करें यक़ीन रखू कि ये वही है जो बाइबल के सक़ाफ़्तों में इस्तिमाल किया जा सकता है

- **देखो, में आपको भेजता हूँ u>भेड़ीयों के तौर पर भेड़ीयों के दरमयान / u>**، (मति10:16यू उल्टी - अगर लोग नहीं जानते हैं कि भीड़ और भेड़ीयों के हैं, या भेड़ीयों को मारे जाऐंगे भेड़ों को खाओ, आप दूसरे जानवरों को इस्तिमाल कर सकते हैं जो किसी दूसरे को मारते हैं
- मुलाहिज़ा करें, मैं तुम्हें बाहर भेजता हूँ<>जंगली कुत्तों के दरमयान मुर्गी के तौर पर / u>
- *मैंने आपके बच्चों को एक दूसरे के साथ जमा करने के लिए कितनी बार अक्सर किया था, सिर्फ एक ही किस्म के तौर पर आपके मुर्ग़ीयों के नीचे उनकी मुर्गी जमा हो जाती है, लेकिन आपने मुत्तफ़िक़ नहीं किया * * (मति23:37 यू उल्टी
- मैं कितनी बार आपके बच्चों को एक दूसरे के साथ जमा करना चाहता हूँ, u>माँ की हैसियत से अपने बच्चों को क़रीबी देखता है, लेकिन आपने इनकार कर दिया
- **अगर आपके पास कुछ भी छोटा सा<र सरसों के अनाज के तौर पर है,** (मति17: 20)
- अगर आपको छोटे u>छोटे बीज के तौर पर भी यक़ीन है तो / u>

सिर्फ उस के इलावा किसी दूसरे के मुक़ाबले में शैय की वज़ाहत करें

- **मुलाहिज़ा करें, में आपको भेजा u>भेड़ीयों के तौर पर भेड़ीयों के दरमयान / u>**، (मति10:16यू उल्टी
- देखें, में आपको भेजता हूँ और u>लोग आपको नुक़्सान पहुंचाना चाहते हैं / u>.
- **मैंने आपके बच्चों को एक दूसरे के साथ जमा करने के लिए कितनी बार अक्सर किया था, सिर्फ एक ही किस्म के तौर पर आपके मुर्ग़ीयों के नीचे उनकी मुर्गी जमा हो जाती है, लेकिन आपने मुत्तफ़िक़ नहीं किया** (मति23:37 यू उल्टी
- मैं कितनी बार आप u>की हिफ़ाज़त करना चाहता हूँ / u>، लेकिन आपने इनकार कर दिया

इसके बाद हम आपको इसके बारे में जानने की सलाह देते हैं:

इस्तिआरह
*[[rc://ur-deva/ta/man/translate/bita-part1]]*

(**वापस जाओ:** शहद, शहद का छत्ता; की तरह, एक दिल, जैसा करना, बराबरी, मिसाल, वैसे ही, बराबर, से अलग)

# मुतावाज़ि-पन

## तफ़सील

यह पृष्ठ प्रश्न का उत्तर देता है: मुतावाज़ि-पन क्या है?

इस विषय को समझने के लिए, यह पढ़ना अच्छा होगा:

*[[rc://ur-deva/ta/man/translate/figs-intro]]*

**मुतवाज़ी में** दो जुमले या अस्बाब जिसे साख़त या ख़्याल में मिलकर मिलकर इस्तिमाल किया जाता है मुख़्तलिफ़ किस्म के मुतवाज़ी हैं उनमें से कुछ मुंदरजा ज़ैल हैं

दूसरी शक़ या जुमला का मतलब पहला है ये मुतर्जिम मुतवाज़ी भी कहा जाता है
दूसरा पहला मतलब वाज़िह करने या मज़बूत करता है
दूसरा मुकम्मल किया है जो पहले में कहा जाता है
दूसरा कहता है कि सबसे पहले के साथ मुज़ाहमत है, लेकिन इसी ख़्याल में इज़ाफ़ा होता है

पुराने अह्दनामा शेअर में मुतवाज़ी तौर पर आम तौर पर पाया जाता है, जैसे ज़बूर और इमसालों की किताबों में ये यूनानी ज़बान में नए अह्दनामा में वाक़्य है, दोनों चार इंजीलों और रसूलों के हुरूफ़ में भी

संजीदा मतवाज़ीज़म (जिस क़सम में दो जुमले एक ही चीज़ का मतलब है असल ज़बानों की शेअर में कई असरात हैं

- ये पता चलता है कि ये एक-बार से ज़्यादा और एक से ज़्यादा तरीक़े से कह कर कुछ एहमीयत रखता है
- ये सुनने में मदद करता है कि इस ख़्याल के बारे में मज़ीद गहराई से सोचने के ले-ए-मुख़्तलिफ़ तरीक़ों से ये कह कर
- ये ज़बान को ज़्यादा ख़ूबसूरत और बोलने का आम तरीक़ा से ऊपर बना देता है

## वजह ये एक तर्जुमा का मसला है

कुछ ज़बानें मुतरादिफ़ मुतवाज़ी का इस्तिमाल नहीं करेंगे वो या तो ये सोचते हैं कि किसी भी शख़्स को दो बार कहा गया था, या ये सोचते हैं कि दो जुमले को मतलब में कुछ फ़र्क़ होगा उनके लिए ये ख़ूबसूरत, बजाय बदमाश है

नोट हम तवील लफ़्ज़ या फ़िक़रे के लिए "मुतरादिफ़ मुतवाज़ी इस्तिलाह का इस्तिमाल करते हैं जो इसी मअनी रखते हैं हम इस्तिलाहात Doublet अलफ़ाज़ या बहुत मुख़्तसर जुमले के लिए इस्तिमाल करते हैं जो बुनियादी तौर पर एक ही चीज़ का मतलब है और एक दूसरे के साथ इस्तिमाल किया जाता है

## बाइबल की मिसाल

**दूसरी शक़ या जुमला का मतलब पहला है**

> आपका लफ़्ज़ मेरे पांव की चिराग़ है
> और मेरे रास्ते के लिए एक रोशनी (ज़बूर119: 105 यू उ

सज़ा के दोनों हिस्से इसतार देते हैं कि ख़ुदा का कलाम लोगों को किस तरह ज़िंदा रहने की तालीम देता है

> आप उसे अपने हाथों के कामों पर हुकमरान बनाते हैं
> आपने हर चीज़ को अपने पांव के नीचे डाल दिया है (ज़बूर8: 6 यू उल्टी

दोनों लाईनों का कहना है कि ख़ुदा ने इन्सान को हर चीज़ का हुकमरान बनाया

**दूसरा पहला मतलब वाज़िह करता है या उस को मज़बूत करता है**

> ख़ुदावंद की आँखें हर जगह हैं
> बुराई और अच्छे पर देखते रहो (इमसाल15: 3 यू उल्टी

दूसरी लाईन खासतौर पर ये बताती है कि ख़ुदावंद क्या देखता है

**दूसरा पहले मुकम्मल तौर पर किया कहा जाता है मुकम्मल**

> मैं ख़ुदावंद को अपनी आवाज़ उठाऊँगा
> और वो मुझे अपने मुक़द्दस पहाड़ी से जवाब देता है (ज़बूर3: 4 यू उल्टी

दूसरी सतर ये बताती है कि जिस शख़्स ने पहले शक़ में किया है इस के जवाब में किया है

**दूसरा कुछ कहता है जो सबसे पहले के साथ होता है, लेकिन इसी ख़्याल में इज़ाफ़ा होता है**

> क्योंकि ख़ुदावंद सालिहों के रास्ते से मंज़ूर करता है
> लेकिन बदकारों का रास्ता तबाह हो जाएगा (ज़बूर1: 6 यू उल्टी

ये बरअक्स लोगों के साथ क्या होता है जो बदतरीन लोगों के साथ होता है

> नरम जवाब ग़ज़ब से दूर होजाता है
> लेकिन एक सख़्त लफ़्ज़ ने ग़ुस्से को बर्दाश्त किया (इमसाल15: 1 यू उल्टी

इस का सामना होता है जब कोई किसी को कुछ सख़्त कहते हैं तो उस के साथ कोई नरम जवाब देता है

## तर्जुमा की हिक्मत-ए-अमली

मुतअद्दिद किस्म के मुतवाज़ी किस्म के लिए ये दोनों मक़ालों या जुमले का तर्जुमा करना अच्छा है मुतवाज़ी मुतवाज़ी के लिए, दोनों फ़िक़राओं का तर्जुमा करना अच्छा है अगर आपकी ज़बान में लोग समझते हैं कि एक ही ख़्याल को मज़बूत करने के लिए कुछ दो बार कहने का मक़सद है लेकिन अगर आपकी ज़बान इस तरह मुतवाज़ी का इस्तिमाल नहीं करती, तो फिर दर्ज ज़ेल तर्जुमा की हिक्मत-ए-अमली में से एक का इस्तिमाल करें

दोनों क़वाइद के ख़्यालात को एक में शामिल करें
अगर ऐसा लगता है कि शक़ीं एक दूसरे के साथ मिलकर इस्तिमाल होते हैं कि वो जो कुछ कहते हैं वो सच्चा है, आप ऐसे अलफ़ाज़ शामिल कर सकते हैं जो सच्च "सच्च या "यक़ीनी तौर पर पर-ज़ोर देते हैं
अगर ये ज़ाहिर होता है कि शक़ उनमें एक ख़्याल को तेज़ करने के साथ मिलकर इस्तिमाल किया जाता है तो, आप अलफ़ाज़ जैसे "बहुत, "मुकम्मल तौर पर या "सब जैसे इस्तिमाल कर सकते हैं

## लागू तर्जुमा की हिक्मत-ए-अमली की मिसालें

दोनों क़वाइद के ख़्यालात को एक में शामिल करें

- **जब तक आपने मुझे धोका दिया है और मुझे झूट बोला** (जजिज़16:13، यू उल्टी - दलीला ने ये ख़्याल दो बार ज़ोर दिया कि वो बहुत परेशान हो
- "जब तक आपने मुझे अपने झूट से धोका दिया है.
- **ख़ुदावंद सब कुछ देखता है जो शख़्स किसी को करता है और वो तमाम रास्ते देखता है जिसे वो लेता है** (इमसाल5:21 यू उल्टी - "तमाम रास्ते वो लेते हैं जिसका जुमला "वो सब करता है का एक इशारा है
- "ख़ुदावंद हर शख़्स को हर शख़्स पर तवज्जा देता है.
- **क्योंकि यहूवाह के लोगों के साथ एक मुक़द्दमा है, और वो इसराईल के ख़िलाफ़ अदालत में लड़ेगा** (मकाह6: 2 यू उल्टी - ये मुतवाज़ी एक संगीन इख़तिलाफ़ात की वज़ाहत करता है कि ख़ुदावंद ने लोगों के एक गिरोह के साथ किया था अगर ये वाज़िह नहीं है तो, जुमले को मुशतर्का किया जा सकता है
- "इसराईल के लिए इसराईल के लिए एक मुक़द्दमा है, इसराईल.

अगर ऐसा लगता है कि शक़ीं एक दूसरे के साथ मिलकर इस्तिमाल होते हैं कि वो जो कुछ कहते हैं वो सच्चा है, आप ऐसे अलफ़ाज़ शामिल कर सकते हैं जो सच्च "सच्च या "यक़ीनी तौर पर पर-ज़ोर देते हैं

- **ख़ुदावंद हर चीज़ को देखता है और वो तमाम रास्ते देखता है जिसे वो ले जाता है** (इमसाल5:21 यू उल्टी
- "ख़ुदावंद वाक़ई हर चीज़ को देखता है.

अगर ये ज़ाहिर होता है कि शक़ उनमें एक ख़्याल को तेज़ करने के साथ मिलकर इस्तिमाल किया जाता है तो, आप अलफ़ाज़ जैसे "बहुत, "मुकम्मल तौर पर या "सब जैसे इस्तिमाल कर सकते हैं

- **आपने मुझे धोका दिया है और मुझे झूट बोला** (जजिज़16:13 यू उल्टी
- "आपने जो कुछ किया है वो मुझसे झूट बोलता है.
- **ख़ुदावंद हर चीज़ को देखता है और वो तमाम रास्ते देखता है जिसे वो ले जाता है** (इमसाल5:21 यू उल्टी
- "ख़ुदावंद बिलकुल सब कुछ देखता है जो किसी शख़्स को करता है.

इसके बाद हम आपको इसके बारे में जानने की सलाह देते हैं:

*[[rc://ur-deva/ta/man/translate/figs-personification]]*

(**वापस जाओ:** रास्तबाज़, रास्तबाज़ी; दाहिना हाथ; तजावुज़ करना, ख़िलाफ़ वर्ज़ी, जुर्म)

# मुबालग़ा और तअमीम

## बयान

यह पृष्ठ प्रश्न का उत्तर देता है: मुबालग़ा क्या है? तअमीम क्या है?

इस विषय को समझने के लिए, यह पढ़ना अच्छा होगा:

*[[rc://ur-deva/ta/man/translate/figs-intro]]*

ख़तीब या मुसन्निफ़ कुछ यूँ कहने के लिए बिल्कुल वही अल्फ़ाज़ इस्तेमाल कर सकते हैं जिस का मतलब बिल्कुल सच्चा हो, आमतौर पर सच हो, या एक मुबालग़ा के तौर पर। यही वजह है के ये फ़ैसला करना मुश्किल है के बयान को किस तरह समझें।

- यहाँ हर रात बारिस होती है।

ख़तीब का मतलब यह लफ़्ज़ी तौर पर सच है अगर उसका मतलब है के यहाँ वाक़ई हर रात बारिस होती है।
ख़तीब का मतलब यह है के इसे बतौर तअमीम अहमियत दी जाए अगर इसका मतलब है के यहाँ ज़ियादातर रातें बारिस होती है।
ख़तीब का मतलब यह मुबालग़ा के तौर पर है अगर वह कहना चाहता है के वाक़ई में कहीं ज़ियादा बारिस होती है, आमतौर पर बारिस की तादाद की तरफ़ एक मज़बूत रवैया, जैसे नाराज़ होना या ख़ुश होना।

**मुबालग़ा**: यह एक तर्ज़ ए इज़हार है जो **ज़ियादागोई** का इस्तेमाल करता है। ख़तीब जान बूझकर किसी इन्तहाई और यहाँ तक के ग़ैर हक़ीक़ी बयान के ज़रिये कुछ बयान करता है, आमतौर पर इसकी बाबत अपना सख्त एहसास या राय ज़ाहिर करने के लिए। वह तवक्को करता है के लोग समझें के वह मुबालग़ा आराई कर रहा है।

> वो पत्थर पर पत्थर बाकी न छोड़ेंगे (लूका 19:44 ULT)

- यह एक मुबालग़ा आराई है। इसके मानी है के दुश्मन यरूशलीम को मुकम्मल तौर पर तबाह कर देंगे।

**तअमीम:**यह ऐसा बयान है जो ज़यादातर वक़्त में या ज़यादातर हालात में सहीह होता है जिस पर इसका इत्तलाक़ होता है।

> जो तरबियत को रद्द करता है कंगाल और रुसवा होगा,
> लेकिन जो तम्बीह का लिहाज़ रखता है इज़्ज़त पायेगा (अम्साल 13:18)

ये तअमीम बताता है के आमतौर पर उन लोगों के साथ क्या होता है जो तरबियत को रद्द करते हैं और आमतौर पर उन लोगों के साथ क्या होता है जो इस्लाह से सीखता है।

> और जब तुम दुआ करो, तवील और बेकार बातें दोहराते न रहो जिस तरह ग़ैर क़ौमों के लोग करते हैं, क्योंके वो समझते हैं के हमारे बहुत बोलने के सबब से हमारी सुनी जाएगी। (मत्ती 6:7)

- यह तअमीम बताता है के ग़ैर क़ौमों के लोग क्या करने के लिए जाने जाते थे। बहुत से ग़ैर क़ौमियों ने ऐसा किया होगा।

अगरचे तअमीम एक मज़बूत आवाज़ वाला लफ्ज़ जैसे “सब”, “हमेशा”, “कोई नहीं”, या “कभी नहीं”, हो सकता है, यह ज़रूरी नहीं है के इसका मतलब **बिल्कुल** “सब”, “हमेशा”, “कोई नहीं”, या “कभी नहीं”, ही हो। इसका मतलब सिर्फ़ “ज़ियादातर”, “ज़यादातर वक़्त”, शायद ही कोई, या “शाज़ ओ नादिर” होता है।

> मूसा ने मिस्रियों के तमाम उलूम में तालीम पाई (आमाल 7:22 ULT)

इस तअमीम के मानी है के उसने ज़ियादातर सीख लिया था जिसको मिस्री जानते और तालीम देते थे।

## वजह के यह एक तर्जुमे का मसअला है

कारअीन को यह समझने की ज़रुरत होगी के आया कोई बयान मुकम्मल तौर पर दुरुस्त है या नहीं।
अगर कारअीन महसूस करते हैं के बयान मुकम्मल तौर पर सहीह नहीं है, तो उन्हें समझने की ज़रुरत है के आया यह एक मुबालग़ा है, तअमीम है, या झूट है। (अगरचे बाईबल मुकम्मल तौर पर सहीह है, यह उन लोगों की बाबत बताता है जो हमेशा सच नहीं बोलते थे।)

# बाईबल से मिशालें

## मुबालग़ा आराई की मिशालें

> अगर तेरा हाथ तुझे ठोकर खिलाये तो, उसे काट डाल तेरे लिए बेहतर है के टुंडा होकर ज़िन्दगी में दाख़िल हो.... (मरकुस 9:43 ULT)

जब यिसू ने कहा के अपना हाथ काट डाल, उसका मतलब था के हमें कोई भी इन्तहाई काम करना चाहिए जो ज़रूरी है ताके हमें गुनाह न करना पड़े। उसने इस मुबालग़ा का इस्तेमाल यह ज़ाहिर करने के लिए किया के किस तरह गुनाह करने से रुकना इन्तहाई अहम है।

> फ़िलिस्ती इस्राईलियों से लड़ने के लिए इकठ्ठे हुए: तीस हज़ार रथ, छ: हजार सवार, और एक अम्बोह ए कसीर जैसे समुंदर के किनारे की रेत (1 समुएल 13:5 ULT)

ख़त कशीदा जुमला एक मुबालग़ा आराई है। इसका मानी है के वहाँ फ़िलिस्ती फ़ौज में बहुत, बहुत सिपाही थे।

## तअमीम की मिशालें

> उन्होंने उसे ढूँढ लिया, और उन्होंने उससे कहा, "सब लोग तुझे ढूँढ रहे हैं"। (मरकुस 1:37 ULT)

शागिर्दों ने यिसू को बताया के हर एक उसे ढूँढ रहा था। शायद उनका यह मतलब नहीं था के शहर में हर एक उसे ढूँढ रहा था, बल्के बहुत लोग उसे ढूँढ रहे थे, या वहाँ यिसू के तमाम क़रीबी दोस्त उसे ढूँढ रहे थे।

> बल्के जिस तरह उसका मसह तुम्हें सब बातों की बाबत सिखाता है और सच्चा है और झूठा नहीं, और जिस तरह उसने तुम्हें सिखाया, तुम उसमें क़ाइम रहो। (1 यूहन्ना 2:27 ULT)

यह एक तअमीम है। ख़ुदा का रूह हमें सब बातों की बाबत जो हमें जानना ज़रूरी है सिखाता है, हर एक चीज़ की बाबत नहीं जिसे जानना मुमकिन है।

## एहतियात

यह न समझें के कोई चीज़ मुबालग़ा आराई है क्योंके ऐसा लगता है के यह नामुमकिन है। ख़ुदा मौजिज़ाती काम करता है।

> ...उन्होंने यिसू को झील पर चलते और किश्ती के नज़दीक आते देखा... (यूहन्ना 6:19 ULT)

यह मुबालग़ा नहीं है। यिसू वाक़ई में पानी पर चला। यह एक लफ्ज़ी बयान है।

यह न समझें के लफ्ज़ "सब" हमेशा तअमीम है जिसके मानी है "ज़ियादातर"।

> ख़ुदावन्द अपनी सब राहों में सादिक़ है
> और अपने सब कामों में रहीम है। (ज़बूर 145:17 ULT)

ख़ुदावन्द हमेशा सादिक़ है। यह एक मुकम्मल सच्चा बयान है।

# तर्जुमा की हिकमत ए अमली

अगर मुबालग़ा आराई या तअमीम क़ुदरती होगा और लोग उसे समझें और यह न सोचें के ये झूट है, तो इसके इस्तेमाल पर गौर करें। अगर नहीं, तो यहाँ दीगर इख्तियारात हैं।

बगैर मुबालग़ा आराई के मानी बयान करें।
तअमीम के लिए, एक जुमला इस्तेमाल करने के ज़रिए ज़ाहिर करें के यह तअमीम है जैसे "आमतौर पर" या "ज़ियादातर मामलात में"।
तअमीम के लिए, "ज़ियादातर" या "तक़रीबन" जैसे लफ्ज़ का इज़ाफ़ा करें ताके यह ज़ाहिर हो के तअमीम ऐन मुताबिक़ नहीं है।
ऐसे तअमीम के लिए जिसमे "सब", "हमेशा", "कोई नहीं", या "कभी नहीं" जैसे लफ्ज़ हों, उस लफ्ज़ को हज्फ़ करने पर गौर करें।

## तर्जुमे की हिकमत ए अमली की इतलाक़ी मिशालें

बगैर मुबालग़ा आराई के मानी बयान करें।

- फ़िलिस्ती इस्राईलियों से लड़ने के लिए इकठ्ठे हुए: तीस हज़ार रथ, छ: हजार सवार, और एक अम्बोह ए कसीर जैसे समुंदर के किनारे की रेत (1 समुएल 13:5 ULT)
- >फ़िलिस्ती इस्राईलियों से लड़ने के लिए इकठ्ठे हुए: तीस हज़ार रथ, छ: हजार सवार, और एक बहुत बड़ी तादाद में पियादा फ़ौजी

तअमीम के लिए, एक जुमला इस्तेमाल करने के ज़रिए ज़ाहिर करें के यह तअमीम है जैसे “आमतौर पर” या “ज़ियादातर मामलात में”।

- **जो तरबियत को रद्द करता है कंगाल और रुसवा होगा …** (अम्साल 13:18)
- आमतौर पर, जो तरबियत को रद्द करता है कंगाल और रुसवा होगा
- **और जब तुम दुआ करो, तवील और बेकार बातें दोहराते न रहो जिस तरह ग़ैर क़ौमों के लोग करते हैं, क्योंके वो समझते हैं के हमारे बहुत बोलने के सबब से हमारी सुनी जाएगी।** (मत्ती 6:7)
- “और जब तुम दुआ करो, तवील और बेकार बातें दोहराते न रहो जिस तरह ग़ैर क़ौमों के लोग आमतौर परकरते हैं, क्योंके वो समझते हैं के हमारे बहुत बोलने के सबब से हमारी सुनी जाएगी”।

तअमीम के लिए, “ज़ियादातर” या “तक़रीबन” जैसे लफ्ज़ का इज़ाफ़ा करें ताके यह ज़ाहिर हो के तअमीम ऐन मुताबिक़ नहीं है।

- **यहूदिया के मुल्क के सब लोग और यरूशलीम के सबरहने वाले निकलकर उसके पास गए।** (मरकुस 1:5 ULT)
- यहूदिया के मुल्क के तक़रीबन सब लोग और यरूशलीम के तक़रीबन सबरहने वाले निकलकर उसके पास गए”।
- यहूदिया के मुल्क के ज़ियादातर लोग और यरूशलीम के ज़ियादातर सबरहने वाले निकलकर उसके पास गए”।

ऐसे तअमीम के लिए जिसमे “सब”, “हमेशा”, “कोई नहीं”, या “कभी नहीं” जैसे लफ्ज़ हों, उस लफ्ज़ को हज्फ़ करने पर गौर करें।

- **यहूदिया के मुल्क के सब लोग और यरूशलीम के सबरहने वाले निकलकर उसके पास गए।** (मरकुस 1:5 ULT)
- यहूदिया के मुल्क के और यरूशलीम के लोग निकलकर उसके पास गए।

(**वापस जाओ:** मजमा’, मजलिसों, इकट्ठा करना, इकट्ठा किया)

# मेटोनीमि

यह पृष्ठ प्रश्न का उत्तर देता है: मेटोनीमि क्या है?

इस विषय को समझने के लिए, यह पढ़ना अच्छा होगा:

*[[rc://ur-deva/ta/man/translate/figs-intro]]*

## तफ़सील

**Metonymy** एक तक़रीर की एक ऐसी इबारत है जिसमें किसी चीज़ या ख़्याल को अपने नाम से नहीं कहा जा रहा है, लेकिन कुछ उस के नाम से जो इस से मुंसलिक है A **metonym** एक लफ़्ज़ या फ़िक़रा है जो उस के साथ मुंसलिक किया गया है इस के मुतबादिल के तौर पर इस्तिमाल किया जाता है

> और u>ख़ून / u>मैं इस का बेटा हमें हर गुनाह से पाक करता है (1 यूहना1: 7 यू उल्टी

ख़ून मसीह की मौत की नुमाइंदगी करता है
उसने खाने के बाद इसी तरह में / u> मेरे ख़ून में नया अह्द है, जो आपके लिए डाला जाता है (लूक़ा22: 20 यू उल्टी

ये कप शराब में शराब की नुमाइंदगी करता है

## Metonymy इस्तिमाल किया जा सकता है

- कुछ इशारा करने का एक छोटा सा तरीक़ा है
- इस के साथ मुंसलिक एक जिस्मानी चीज़ के नाम से इस का इशारा करते हुए एक ख़ुलासा ख़्याल ज़्यादा मअनी बनाना

## वजह ये एक तर्जुमा का मसला है

बाइबल अक्सर अक्सर मोतबर इस्तिमाल करता है कुछ ज़बानों के बोलने वालों को धुआँ इस्तिमाल करने के लिए इस्तिमाल नहीं किया जाता है और वो उसे बाइबल में पढ़ते वक़्त उसे पहचान नहीं सकते हैं अगर वो मारूफ़ नहीं पहचानते हैं, तो वो गुज़रने को नहीं समझ सकेंगे, बदतरीन अभी तक, वो गुज़रने से ग़लत समझे जाते हैं जब भी एक मोतबर इस्तिमाल होता है, लोगों को ये समझने के काबिल होना ज़रूरी है कि इस की नुमाइंदगी करें

## बाइबल की मिसाल

> ख़ुदा ख़ुदा उसे उस के वालिद, दाऊद के तख़्त को देगा (लूक़ा1:32 यू उल्टी

एक तख़्त बादशाह के इख़तियार की नुमाइंदगी करता है "अर्श "बादशाहत इख़तियार, "बादशाहत या "हुक्मरानी के लिए एक मअनी है इस का मतलब है कि ख़ुदा उसे बादशाह बनाता है जो किंग दाऊद की पैरवी करता है

> फ़ौरी तौर पर उनका<मुँह / u>खोला गया था (लूक़ा1:64 यू उल्टी

यहां मुँह बोलने की ताक़त ज़ाहिर करती है इस का मतलब ये है कि वो दुबारा बात करने में कामयाब था

> … जिसने आपकोu>ग़ज़ब / u>से भागने की धमकी दी है जो आ रहा है? (लूक़ा3: 7 यू उल्टी

"ग़ज़ब या "गुस्सा लफ़्ज़ "सज़ा के लिए एक मअनी है ख़ुदा लोगों के साथ बहुत नाराज़ था, और इस के नतीजे में, वो उन्हें सज़ा देगा

## तर्जुमा की हिक्मत-ए-अमली

अगर लोग आसानी से मारूफ़ समझे जाऐंगे तो इस का इस्तिमाल करें दूसरी सूरत में, यहां कुछ इख़्तयारात हैं

जिस चीज़ की नुमाइंदगी करता है इस के नाम के साथ साथ नामूस का इस्तिमाल करें
चीज़ का नाम सिर्फ नुमाइंदगी की नुमाइंदगी करता है

## लागू तर्जुमा की हिक्मत-ए-अमली की मिसालें

जिस चीज़ की नुमाइंदगी करता है इस के नाम के साथ साथ नामूस का इस्तिमाल करें

- **उन्होंने कप के बाद इसी तरह कप लेकर कहा, "u>ये कप मेरे ख़ून में नया अह्द है, जो आपके लिए डाला जाता है** (लूका22:20 यू उल्टी
- "उन्होंने कप के बाद इसी तरह कप लेकर कहा, इस कप में शराब / u>मेरे ख़ून में नया अह्द है, जो आपके लिए डाला जाता है "

इस चीज़ का नाम इस्तिमाल करें जो इर्फ़ान की नुमाइंदगी करती है

- **ख़ुदावंद ख़ुदा उसे उस के बाप, दाऊद का तख़्त तख़्ता देगा** (लूका1:32 यू उल्टी
- "ख़ुदावंद ख़ुदा उसे उस के वालिद, दाऊद की बादशाहत इख़्तियार करेगा/ u>.
- "ख़ुदावंद ख़ुदा उस के मालिक, बादशाह दाऊद की तरह उसे बादशाह बनाएगा
- **जिसने आपको ग़ायब करने से ख़बरदार किया u>ग़ज़ब / u>؟** (लूका3: 7यू उल्टी
- "जिसने तुम्हें ख़ुदा के आने से फ़रार होने से मना किया है?

कुछ मुशतर्का मुआइने के बारे में जानने के लिए, मुलाहिज़ा करें बाइबल की तस्वीर आम मुमासिलत.

(**वापस जाओ:** ख़ुदा की बादशाही, आसमान की बादशाही; नाम, नामों, नाम पर; सिय्योन, सिय्योन पहाड़; ज़मीन, ज़मीन का, ज़मीन; हाथ, हाथों, हाथ किया, सौपना, के ज़रिए’, पर हाथ रखना, पर हाथ लगाता, दाहिना हाथ, दाहिने हाथ, के हाथ से; ख़ुशी, ख़ुशहाल, ख़ुशी से, ख़ुशी, ख़ुशी से भरा , ख़ुश किया, ख़ुश-एश-ओ-इशरत; तख़्त, तख़्तों, तख़्त नशीन होना; ज़बान, ज़बानों)

# याक्सां मानी के अलफाज़

> यह पृष्ठ प्रश्न का उत्तर देता है: याक्सां मानी के अलफाज़ क्या है और मैं उन्का तर्जुमा कैसे कर सकता हूं?
>
> इस विषय को समझने के लिए, यह पढ़ना अच्छा होगा:
>
> *[[rc://ur-deva/ta/man/translate/figs-intro]]*

## तफ़सील

हम याह जोड़े शब्द का इस्तमाल दो ऐसे जुमले को बताने के लिए कर रहे है जिनका मतलब एक ही है या बहुत क़रीब है और जो साथ में इस्तमाल किये जाते है I ज्यादातर उन्हें " और " के सस्थ जोड़ा जाता है I अक्सर ये दो अल्फाजों से जाहीर किये गए ख्याल को बरहाने या जोर देने के लिए किया जाता है I

## तर्जुमा के मसला की वजह

कुछ जबान में ओग जोड़े का इश्तामाल नहीं करते है I और अगर करते भी है तोह सिर्फ बाअज़ हालात मेंI
लिहाज़ा कुछ आयात में उनकी ज़बान में कोई शदीद एहसास नहीं हो सकता है I इनमें से किसी भी हालत में तर्जुमान को दुसरे जबान के इस्तेमाल की ज़रुरत है , ताकि वो डबलेवट (जोड़ी ) के जरिये बताई गयी चीज़ का सही तरीके से तर्जुमा कर सके I

## बाइबल की मिसाल

> बादशाह डेविड<यु>बूढ़े <यु>थे और , और ज्यादा बूढ़े होते जा रहे थे (1 बादशाह1: 1 यू उल्टी )

ख़त कशीदा लफ्ज़ के मतलब एक ही है I दोनों का मतलब बुध होने से है I

> ... उसने अपने से ज्यादा, <यु>सालहीन<यु>और <यु>बेहतर<यु>, दो आदमीयों पर हमला किया (1 किलोमीटर2:32 यू उल्टी

इस का मतलब ये है कि वो इस से कहीं ज़्यादा "सादिक़ थे

> आपनेu>ग़लत / u>और u>गुमराही / u>अलफ़ाज़ (डेनियल2: 9 यू उल्टी ) तैयार करने का फ़ैसला किया है

इस का मतलब ये है कि उन्होंने "बहुत सारे झूटे चीज़े बोलने के लिए तयैर की है I

> ... एक मेमने के तौर पर<दाग के बग़ैर / u>और u>बिना किसिस धब्बे के / u>. (1 पतरस1:19 यू उल्टी )

इस का मतलब ये है कि वो एक मीमनी की तरह था जिसमें किसी भी किस्म की ग़लती नहीं थी

## तर्जुमा की हिक्मत-ए-अमली

अगर " दबलेट " क़ुदरती होगा और अपनी ज़बान में सही मअनी दे और इस का इस्तिमाल करें अगर नहीं, तो उन हिक्मत-ए-अमली पर ग़ौर करें I

अलफ़ाज़ में से सिर्फ एक का तर्जुमा करें

1अगर " दौब्लेट" का इस्तेमाल , तर्जुमा के मतलब को जोर डंके कहने के लिए हो रहा हो तो ऐसे लफ्ज़ को जोडे जो उसके मतलब को बरहाह सके I
1अगर " दौब्लेट" का इस्तेमाल ,मतलब को बरहाह करने के लिए होता है , अपनी जाबां में ये काम करें I

## तर्जुमान में लागू हिक्मत-ए-अमली

अलफ़ाज़ में से सिर्फ एक का तर्जुमा करें

- आपनेu>ग़लत / u>और u>मनफ़ी / u>अलफ़ाज़ तैयार करने का फ़ैसला किया है (डेनियल2: 9 यू उल्टी
- "आपनेu>ग़लत चीज़ / u>तैयार करने का फ़ैसला किया है.

अगर " दौब्लत " का इस्तेमाल , तर्जुमा के मतलब को बरहाने के लिए किया जाता है तो ऐसे लफ्ज़ को जोड़ें जो इसे बरहान सके जैसे की "बहुत या "अज़ीम या "बहुत I

> बादशाह डेविड<यु>बूढ़े <यु>थे और , और ज्यादा बूढ़े होते जा रहे थे (1 बादशाह1: 1 यू उल्टी )

- "किंग डेविड u>बहुत बूढ़े है / u>.

1अगर “ दौब्लेट” का इस्तेमाल ,मतलब को बरहाह करने के लिए होता है , अपनी जाबां में ये काम करें I

… एक मेमने के तौर पर<दाग के बग़ैर / u>और u>बिना किसिस धब्बे के / u>. (1 पतरस1:19 यू उल्टी )
अंग्रेजी “ कोई “ या “ कोई भी “ के साथ जोर देके कहा जा सकता है I

- …एक मेमना , बिना किसी दाग – धब्बे के I

(**वापस जाओ:** वक़्त , वक़्त के मुताबिक़ , वक़्त, ख़ास)

# सिनेकडकि

## तफ़सील

यह पृष्ठ प्रश्न का उत्तर देता है: सिनेकडकि का मतलब क्या है?

इस विषय को समझने के लिए, यह पढ़ना अच्छा होगा:

*[[rc://ur-deva/ta/man/translate/figs-intro]]*

सिनेकडकि ये है कि जब स्पीकर पूरे का हवाला देने के लिए कुछ का हिस्सा इस्तिमाल करता है या हिस्सा का हवाला देते हुए पूरी तरह इस्तिमाल करता है

> मेरी रूह / u>रब को नजात देता है (लूका1:46 यू उल्टी

मर्यम जो रब कर रहा था उस के बारे में बहुत ख़ुश था, उसने उसने कहा कि "मेरी रूह, जिसका मतलब ये है कि ख़ुद को अंदरूनी, जज़बाती तौर पर, उस के पूरे नफ़्स का हवाला देना

> फ़रीसयों ने इस से कहा, "देखो, वो ऐसा क्यूँ-कर रहे हैं जो क़ानूनी नहीं है ...? (मार्क2:24 ULT)

फ़रीसयों जो वहां खड़े थे वहां एक ही वक़्त में बिलकुल वही अलफ़ाज़ नहीं बोलते थे इस के बजाय, ये ज़्यादा इमकान है कि एक ग्रुप ने इन अलफ़ाज़ को नुमाइंदगी की

## वजूहात ये तर्जुमा का मसला है

- कुछ क़ारईन को लफ़्ज़ी तौर पर अलफ़ाज़ समझ सकती हैं
- कुछ क़ारईन इस बात का एहसास कर सकते हैं कि वो लफ़्ज़ी तौर पर अलफ़ाज़ को नहीं समझते हैं, लेकिन वो नहीं जान सकते कि क्या मतलब है

## बाइबल से मिसाल

> मैंने इस कामों को देखा जो आपने अपने हाथों को पूरा किया था (कलीसिया2: 11 यू उल्टी

"मेरे हाथ पूरे शख़्स के लिए एक हम-आहंगी है, क्योंकि वाज़िह तौर पर हथियार और बाक़ी जिस्म और दिमाग़ शख़्स की कामयाबियां भी शामिल थीं

## तर्जुमा की हिक्मत-ए-अमली

अगर हम-आहंगी क़ुदरती होगी और अपनी ज़बान में सही मअनी दे, तो इस पर ग़ौर करें अगर नहीं, तो यहां एक और इख़तियार है

खासतौर पर रियासत कोंसलकशी से मुराद किया है

## लागू तर्जुमा की हिक्मत-ए-अमली की मिसालें

खासतौर पर रियासत कोंसलकशी से मुराद किया है

- " मेरी रूह / u>परवरदिगार. (लूका1:46 यू उल्टी
- " में / u>रब को बढ़ाना.
- **... फ़रीसयों ने इस से कहा** (मर्क़ूज़2:24 यू उल्टी
- ... फ़रीसयों के एक नुमाइंदा ने उसे बताया ..
- **... मैंने इन तमाम कामों को देखा जो आपने अपने हाथों को पूरा किया ..** (कलीसिया2: 11 यू उल्टी
- मैंने इस कामों को देखा जो u>मैंने/ u>मुकम्मल किया था

इसके बाद हम आपको इसके बारे में जानने की सलाह देते हैं:

मेटोनीमि
*[[rc://ur-deva/ta/man/translate/bita-part2]]*

(**वापस जाओ:** नबी , नबी , नबूव्वत ,नबूव्वतें ,नबीया , नबीय; अमालीक, अमलीकी, अमालीकियों; बाबुल, बाबुल, बाबुल, बाबुल; इफ़्राईम , इफ़्राईमी, इफ्राईमियों; नफ़्ताली; रोटी; सिर, सिरों, माथा, माथों, चन्दुए, टोपियाँ, पेशानी, गुलूबंद, सिर कटवा दिया; ख़ेमा, ख़ेमों, ख़ेमा बनाने वाला; ज़बान, ज़बानों; आवाज़ , आवाजें)

# योगदानकर्ताओं

## translationWords योगदानकर्ताओं

Antoney Raj
Cdr. Thomas Mathew
Dr. Bobby Chellappan
Hind Prakash
Shojo John

## Translation Academy योगदानकर्ताओं

Acsah Jacob
Dr. Bobby Chellappan
Hind Prakash
Jinu Jacob
Dr. Joseph Jekab
Vipin Bhadran